

Holy Bible

Aionian Edition®

हरियाणवी बाइबिल
Haryanvi Bible

AionianBible.org

The world's first Holy Bible untranslation

100% free to copy and print

also known as "The Purple Bible"

Holy Bible Aionian Edition ®

हरियाणवी बाइबिल

Haryanvi Bible

CC Attribution ShareAlike 4.0, 2018-2024

Source text: eBible.org

Source version: 2/21/2024

Source copyright: CC Attribution ShareAlike 4.0

The Love Fellowship, 2021

Formatted by Speedata Publisher 4.19.2 (Pro) on 4/23/2024

100% Free to Copy and Print

TOR Anonymously

<https://AionianBible.org>

Published by Nainoia Inc

<https://Nainoia-Inc.signedon.net>

We pray for a modern public domain translation in every language

Report content and format concerns to Nainoia Inc

Volunteer help is welcome and appreciated!

Celebrate Jesus Christ's victory of grace!

Preface

हरियाणवी at AionianBible.org/Preface

The *Holy Bible Aionian Edition* ® is the world's first Bible *un-translation*! What is an *un-translation*? Bibles are translated into each of our languages from the original Hebrew, Aramaic, and Koine Greek. Occasionally, the best word translation cannot be found and these words are transliterated letter by letter. Four well known transliterations are *Christ*, *baptism*, *angel*, and *apostle*. The meaning is then preserved more accurately through context and a dictionary. The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven additional Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies.

The first three words are *aiōn*, *aiōnios*, and *aīdios*, typically translated as *eternal* and also *world* or *eon*. The Aionian Bible is named after an alternative spelling of *aiōnios*. Consider that researchers question if *aiōn* and *aiōnios* actually mean *eternal*. Translating *aiōn* as *eternal* in Matthew 28:20 makes no sense, as all agree. The Greek word for *eternal* is *aīdios*, used in Romans 1:20 about God and in Jude 6 about demon imprisonment. Yet what about *aiōnios* in John 3:16? Certainly we do not question whether salvation is eternal! However, *aiōnios* means something much more wonderful than infinite time! Ancient Greeks used *aiōn* to mean *eon* or *age*. They also used the adjective *aiōnios* to mean *entirety*, such as *complete* or even *consummate*, but never infinite time. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs. So *aiōnios* is the perfect description of God's Word which has *everything* we need for life and godliness! And the *aiōnios* life promised in John 3:16 is not simply a ticket to eternal life in the future, but the invitation through faith to the *consummate* life beginning now!

The next seven words are *Sheol*, *Hadēs*, *Geenna*, *Tartaroō*, *Abyssos*, and *Limnē Pyr*. These words are often translated as *Hell*, the place of eternal punishment. However, *Hell* is ill-defined when compared with the Hebrew and Greek. For example, *Sheol* is the abode of deceased believers and unbelievers and should never be translated as *Hell*. *Hadēs* is a temporary place of punishment, Revelation 20:13-14. *Geenna* is the Valley of Hinnom, Jerusalem's refuse dump, a temporal judgment for sin. *Tartaroō* is a prison for demons, mentioned once in 2 Peter 2:4. *Abyssos* is a temporary prison for the Beast and Satan. Translators are also inconsistent because *Hell* is used by the King James Version 54 times, the New International Version 14 times, and the World English Bible zero times. Finally, *Limnē Pyr* is the Lake of Fire, yet Matthew 25:41 explains that these fires are prepared for the Devil and his angels. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The eleventh word, *eleēsē*, reveals the grand conclusion of grace in Romans 11:32. Take the time to understand these eleven words. The original translation is unaltered and a note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. To help parallel study and Strong's Concordance use, apocryphal text is removed and most variant verse numbering is mapped to the English standard. We thank our sources at eBible.org, Crosswire.org, unbound.Biola.edu, Bible4u.net, and NHEB.net. The Aionian Bible is copyrighted with creativecommons.org/licenses/by-nd/4.0, allowing 100% freedom to copy and print, if respecting source copyrights. Check the Reader's Guide and read online at AionianBible.org, with Android, and TOR network. Why purple? King Jesus' Word is royal... and purple is the color of royalty!

Table of Contents

NEW TESTAMENT

मत्ती	11
मरकुस	75
लूका	116
यूहन्ना	185
प्रेरितों के काम	239
रोमियों	306
1 कुरिन्थियों	339
2 कुरिन्थियों	372
गलातियों	393
इफिसियों	405
फिलिप्पियों	416
कुलुस्सियों	423
1 थिस्सलुनीकियों	431
2 थिस्सलुनीकियों	438
1 तीमुथियुस	442
2 तीमुथियुस	451
तीतुस	458
फिलेमोन	463
इब्रानियों	465
याकूब	490
1 पतरस	498
2 पतरस	508
1 यूहन्ना	515
2 यूहन्ना	523
3 यूहन्ना	525
यहूदा	527
प्रकाशित वाक्य	531

APPENDIX

Reader's Guide

Glossary

Maps

Destiny

Illustrations, Doré

NEW TESTAMENT



फेर यीशु नै कहा, “हे पिता इन्हनै माफ कर, क्यूँकि ये नही जाणदे के ये के करै सै।”
अर उननै पर्ची गेर कै उसके लत्ते बांड लिए।
लूका 23:34

मत्ती

1 ये यीशु मसीह के पूर्वजां के नाम सै। वो राजा दाऊद का वंशज था, अर राजा दाऊद अब्राहम का वंशज था। **2** अब्राहम का बेटा इसहाक था, अर इसहाक का बेटा याकूब था, फेर याकूब तै यहूदा अर उसके भाईयाँ का जन्म होया। **3** यहूदा के बेटे फिरिस अर जोरह थे। (फिरिस अर जोरह की माँ का नाम तामार था।) फिरिस का बेटा हिस्रोन था। हिस्रोन का बेटा एराम था, **4** एराम का बेटा अम्मीनादाब था। अम्मीनादाब तै नहशोन, अर नहशोन तै सलमोन का जन्म होया, **5** सलमोन का बेटा बोआज था। (बोआज की माँ का नाम राहाब था।) बोआज अर रुत तै ओबेद का जन्म होया, अर ओबेद का बेटा यिशै था। **6** अर यिशै का बेटा राजा दाऊद था। (राजा सुलैमान दाऊद का बेटा था।) जो उस बिरबान्नी तै जन्मा था जो पैहले उरिय्याह की घरआळी थी, **7** सुलैमान का बेटा रहबाम था। अर रहबाम का बेटा अबिय्याह था। अर अबिय्याह तै आसा का जन्म होया। **8** आसा का बेटा यहोशाफात था। फेर यहोशाफात तै योराम अर योराम तै उज्जियाह का जन्म होया। **9** उज्जियाह का बेटा योताम था अर योताम, आहाज का। फेर आहाज तै हिजकिय्याह का जन्म होया। **10** हिजकिय्याह तै मनशिशह का जन्म होया। मनशिशह का बेटा आमोन था, अर आमोन तै योशिय्याह का जन्म होया। **11** फेर इस्राएल के माणसां नै कैदी बणाकै बेबीलोन देश ले जाण के बखत योशिय्याह तै यकुन्याह, अर उसके भाईयाँ का जन्म होया। **12** बेबीलोन देश म्ह पोहचाये जाये पाच्छै यकुन्याह तै शालतियेल का जन्म होया, फेर शालतियेल तै जरुब्बाबिल का जन्म होया। **13** जरुब्बाबिल तै अबीहूद का जन्म होया, अबीहूद तै एलयाकीम का अर एलयाकीम तै अजोर का जन्म होया। **14** अजोर का बेटा सदोक था। सदोक तै अखीम अर अखीम तै इलीहूद का जन्म होया। **15** इलीहूद का बेटा इलियाजार था। अर इलियाजार मत्तान का। मत्तान का बेटा याकूब था। **16** अर याकूब तै यूसुफ का जन्म होया, जो मरियम का धणी था। अर मरियम तै यीशु जो मसीह कुहावै सै, पैदा होया। **17** इस तरियां अब्राहम तै दाऊद तक चौदहा पीढ़ी होई, अर दाऊद तै लेकै इस्राएलियाँ नै कैदी बणाकै बेबीलोन देश भेज्जे जाण तक चौदहा पीढ़ी, अर इस्राएलियाँ कैदी बणाकै बेबीलोन देश म्ह भेज्जे जाण कै

बखत तै मसीह तक चौदहा पीढ़ी और होई। 18 यीशु मसीह का जन्म इस तरियां होया, कै जिब उसकी माँ मरियम की सगाई यूसुफ कै गैल होगी, तो उनका ब्याह होण तै पैहल्याए बेरा पाट्या के वा पवित्र आत्मा की शक्ति तै गर्भवती सै। 19 पर उसका धणी यूसुफ जो एक धर्मी माणस था, उसनै बदनाम न्ही करणा चाहवै था, इस खात्तर उस तार्हीं चुपके तै छोड़ण का विचार करया। 20 जिब वो इन बाततां नै सोचवै ए था तो परमेसवर का सुर्गदूत उसनै सपनै म्ह आकै कहण लागया, “हे यूसुफ! दाऊद के वंशज, तू अपणी घरआळी मरियम नै अपणे उरै ल्याण तै ना डरै, क्यँके जो उसकी कोख म्ह सै, वो पवित्र आत्मा की ओड़ तै सै। 21 वो बेटा जाय्यैगी अर तू उसका नाम यीशु धरिये, क्यँके वो अपणे माणसां का उनकै पापां तै उद्धार करैगा।” 22 यो सारा इस खात्तर होया के जो वचन प्रभु नै यशायाह नबी कै जरिये कह्या था, वो पूरा हो 23 देख्खो एक कुँवारी गर्भवती होगी अर एक छोरा जण्येगी, अर उसका नाम इम्मानुएल धरया जावैगा, जिसका मतलब सै “परमेसवर म्हारै गैल सै।” 24 फेर यूसुफ नींद तै जाग कै परमेसवर कै सुर्गदूत के हुकम कै मुताबिक मरियम नै अपणी घरआळी बणाकै अपणे याड़ै ले आया। 25 अर जिब तार्हीं उसनै छोरा ना जणया जिब तक यूसुफ उसकै धोरै न्ही गया अर उसनै बाळक का नाम यीशु धरया।

2 हेरोदेस राजा जिब यहूदिया परदेस पै राज करण लागरया था, तो उस परदेस के बैतलहम नगर म्ह यीशु का जन्म होया। तो थोड़े बखत बाद कई विद्वान जो तारां का ज्ञान राक्खे थे, पूरब तै यरुशलेम नगर म्ह आये। 2 वो आकै बुझ्झण लाग्गे, यहूदियाँ का राजा जिसका जन्म होया सै, वो कित्त सै? हमनै पूरब दिशा म्ह उसका तारा देख्या सै, जो उसके जन्म के बारे म्ह बतावै सै, इस करकै हम उसकी आराधना करण आये सां। 3 यो सुणकै हेरोदेस राजा अर उसकै गैल यरुशलेम नगर के सारे लोग चिन्ता करण लाग्गै। 4 फेर उसनै माणसां के सारे प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ तार्हीं कठ्ठा करकै उनतै बुझ्झया, के पवित्र ग्रन्थ के कहवै सै? “मसीह का जन्म कित्त होणा चाहिये?” 5 उननै उस तार्हीं कह्या, “यहूदिया परदेस के बैतलहम नगर म्ह,” क्यँके नबियाँ के जरिये योए पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या गया सै: 6 “हे बैतलहम नगर, तू जो यहूदा कै परदेस म्ह सै, तू किसे भी ढाळ तै यहूदा कै

अधिकारियां म्ह सारा तै छोटा कोन्या। क्यूँके तेरे म्ह तै एक राजा लिकड़ैगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रुखाळी करैगा।” 7 हेरोदेस जाणणा चाहवै था के उस बाळक की उम्र कितनी सै, इस करके उसनै तारां का ज्ञान राक्खण आळा ताहीं लुक्का बुलाकै उनतै बुझ्झया के तारा ठीक किस बखत दिख्या था। 8 अर राजा नै यो कहकै उन ताहीं बैतलहम नगर भेज्जा, “जाओ, उस बाळक कै बारें म्ह ठीक-ठाक बेरा पाड़ो, अर जिब वो मिल ज्या तो मन्नै खबर द्यो, ताके मै भी आणकै उसकी आराधना करूँ।” 9 वे राजा की बात सुणकै चले गए, अर जो तारा उननै पूरब दिशा म्ह देख्या था, वो उनके आगै-आगै चाल्या। अर जड़ै बाळक था, उस घर कै उप्पर जाकै रुक गया। 10 उस तारे नै देखकै वे घणे आनन्दित होए, जो उस घर के उप्पर रुक गया था। 11 उननै उस घर म्ह जाकै उस बाळक ताहीं उसकी माँ मरियम कै गैल देख्या, अर झुककै बाळक की आराधना करी, अर अपणा-अपणा झोळा खोल कै उस ताहीं सोन्ना, लोबान, अर गन्धरस की भेट चढ़ाई। 12 फेर सपनै म्ह परमेसवर नै या चेतावनी दी के हेरोदेस राजा कै धोरै फेर ना जाइयो, वे राजा ताहीं बिना बताये दुसरे राह तै अपणे देश म्ह चले गये। 13 विद्वानां कै चले जाणकै बाद परमेसवर कै एक सुर्गदूत नै सपनै म्ह आकै यूसुफ तै कह्या, “उठ! उस बाळक नै अर उसकी माँ नै लेकै मिस्र देश म्ह भाग ज्या। अर जिब ताहीं मै तेरे तै ना कहूँ, जिब ताहीं ओड़ैए रहिये। क्यूँके हेरोदेस राजा इस बाळक नै टोहकै उस ताहीं उसनै मरवाणा चाहवै सै।” 14 फेर वो रात नै ए उठकै बाळक अर उसकी माँ नै लेकै मिस्र देश नै चाल पड्या। 15 अर हेरोदेस राजा कै मरण तक ओड़ैए रह्या। ताके वो वचन जो प्रभु नै होशे नबी कै जरिये कह्या था वो पूरा हो “मन्नै अपणे बेट्टे ताहीं मिस्र देश तै बुलाया।” 16 जिब हेरोदेस राजा नै यो देख्या, के विद्वानां नै उसकै गैल धोक्खा करया सै, फेर वो छो म्ह भरग्या। उसनै सैनिकां ताहीं भेजकै विद्वानां कै जरिये ठीक-ठाक बताये होड़ बखत कै मुताबिक बैतलहम नगर अर उसके लोवै-धोवै की जगहांया के सारे छोरयां ताहीं जो दो साल के या उसतै छोटे थे, वे सब मरवा दिए। 17 फेर जो वचन यिर्मयाह नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा होया, 18 “रामाह नगर म्ह एक रोण की आवाज सुणाई देई, रोणा अर घणाए बिलाप। राहेल अपणे बाळकां कै खात्तर रोवै थी, अर चुप

न्ही होणा चाहवै थी, क्यूँके वे इब मरगे थे।” 19 हेरोदेस राजा कै मरण कै पाच्छै, परमेसवर का सुर्गदूत मिस्र देश म्ह यूसुफ तै सपनै म्ह बोल्यो, 20 “उठ, बाळक अर उसकी माँ नै लेकै इस्राएल कै देश म्ह चल्या जा, क्यूँके हेरोदेस राजा अर उसके माणस जो बाळक नै मारणा चाहवै थे, वे मर लिये सै।” 21 यूसुफ नींद तै जाजा, अर बाळक अर उसकी माँ नै गेल्या लेकै इस्राएल देश म्ह बोहड़ आया। 22 पर या सुणकै के अरखिलाउस अपणे पिता हेरोदेस राजा की जगहां यहूदिया परदेस पै राज करै सै, ओड़ै जाण तै डरग्या। फेर सपनै म्ह परमेसवर की ओड़ तै चेतावनी पाके गलील परदेस म्ह चल्या गया। 23 अर नासरत नाम कै नगर म्ह जा बस्या, ताके वो वचन पूरा हो, जो नबियाँ कै जरिये यीशु के बारे कह्या गया था: “वो नासरी कुहावैगा।”

3 उन दिनां म्ह यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा आकै यहूदिया परदेस के जंगल-बियाबान म्ह यो प्रचार करण लाग्या: 2 “पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके सुर्ग का राज्य धोरै आ लिया सै।” 3 यो वोए सै, जिसका जिक्र यशायाह नबी कै जरिये करया गया: “जंगल-बियाबान म्ह तै ए कोए रुक्का देवै सै, के प्रभु का राह तैयार करो अर उसकी सड़क सीध्धी करो।” 4 यूहन्ना ऊँट के रुप के लते पहरणीया अर अपणी कड़ म्ह चमड़े की पेट्टी-बाँधे रहवै था। उसका खाणपान टिट्टियाँ अर शहद था। 5 फेर यरुशलेम नगर अर सारे यहूदिया परदेस अर यरदन नदी के लोवै-धोवै की सारी जगहां के माणस उसकै धोरै आ गये। 6 उन सारया नै अपणे-अपणे पापां नै मानकै यरदन नदी म्ह उसतै बपतिस्मा लिया। 7 जब उसनै घणे सारे फरीसियाँ अर सद्कियाँ ताहीं अपणे धोरै बपतिस्मा लेण खात्तर आन्दे देख्या, तो बोल्यो, “हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थम नरक की सजा तै किस ढाळ बचोगे? (questioned) 8 इस खात्तर जै थमनै सच म्ह पाप करणा छोड़ दिया सै तो यो दिखाण खात्तर भले काम तो करो। 9 अर अपणे-अपणे मन म्ह न्यू मतना सोच्यो के म्हारा पिता अब्राहम सै। क्यूँके मै थमनै कहुँ सूँ के परमेसवर इन पत्थरां तै अब्राहम कै खात्तर ऊलाद पैदा कर सकै सै। 10 इब कुहाड़ा दरखतां की जड़ पै धरया सै, इस करकै जो-जो दरखत बढ़िया फळ न्ही ल्यांदा, वो काट्या अर आग म्ह झोक्या जावैगा। इसका मतलब यो सै परमेसवर उन सारया नै दण्ड देवैगा जो पाप करणा न्ही छोड़ते। 11 “मै तो

थमनै पाणी तै, पापां ताहीं छोड़ण का बपतिस्मा देऊ सूं, पर जो मेरै पाच्छे आवैगा, वो मेरै तै भी शक्तिशाली सै। मै उसकी जूती ठाण जोग्गा भी कोनी। वो थमनै पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगा। 12 उसका छाज उसके हाथ म्ह सै, अर वो अपणा खलिहाण आच्छी तरियां साफ करैगा, अर अपणे नाज नै अपणे कोठार (गोदाम) म्ह कट्टा करैगा, पर भुरळी ताहीं उस आग म्ह जळावैगा जो कदे बुझै कोनी।” 13 उस बखत यीशु गलील परदेस तै यरदन नदी कै कन्ठारे यूहन्ना कै धोरै उसतै बपतिस्मा लेण आया। 14 पर या कहकै यूहन्ना उसनै रोक्कण लाग्या, “कै मन्नै तो तेरे हाथ तै बपतिस्मा लेण की जरूरत सै, अर तू मेरै धोरै आया सै?” 15 यीशु नै उसतै जवाब दिया, “कै इब तो योए होण दे, क्यूँ कै हमनै इस्से तरियां तै सारी धार्मिकता पूरी करणा ठीक सै।” फेर उसनै उसकी बात मान ली। 16 अर यीशु बपतिस्मा लेकै जिब पाणी तै उप्पर आया, अर अकास खुलग्या, अर उसनै परमेसवर की पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां उतरते अर अपणे उप्पर आन्दे देख्या। 17 अर देखखो, परमेसवर सुर्ग म्ह तै बोल्या, “कै यो मेरा प्यारा बेट्टा सै, जिसतै मै भोत घणा राज्जी सूं।”

4 बपतिस्मे के बाद पवित्र आत्मा यीशु नै जंगल-बियाबान म्ह लेग्या, ताके शैतान उस ताहीं परखै। 2 वो चाळीस दिन अर चाळीस रात, बिना खाए पिए रह्या, फेर उसनै भूख लाग्गी। 3 फेर शैतान नै धोरै आणकै उसतै कह्या, “जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो कहकै साबित करदे, के ये पत्थर रोटी बण जावै, ताके तू इननै खा सकै।” 4 यीशु नै जवाब दिया: “पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, ‘भाणस सिर्फ रोटी तै ए न्ही, पर परमेसवर के हरेक वचन तै जो उसनै मान्नै सै, जिन्दा रहैगा।’” 5 फेर शैतान उसनै पवित्र नगर यरुशलेम म्ह लेग्या अर मन्दर की चोटी पै खड्या कर दिया। 6 अर उसतै बोल्या, “जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो अपणे-आपनै तळै गेर कै साबित कर। क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: वो तेरे बाबत अपणे सुर्गदूतां नै हुकम देगा, अर वे तन्नै हाथों हाथ उठा लेवैगें कदे इसा ना हो के तेरे पायां म्ह पत्थर तै ठेस लाग्गै।” 7 यीशु नै उसतै कह्या, “यो भी पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के ‘तू अपणे प्रभु परमेसवर नै ना परखै।’” 8 फेर शैतान उसनै घणे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या अर सारी दुनिया का राजपाट अर उसकी शानों-शोकत दिखाकै, 9 उसतै बोल्या, “जै

तू झुककै मेरी भगति करै, तो मै सारा किमे तन्नै दे दियुँगा।” 10 फेर यीशु उसतै बोल्या, “हे शैतान दूर हो ज्या, पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: तू प्रभु अपने परमेसवर की भगति कर, अर सिर्फ उससे की सेवा करया कर।” 11 फेर शैतान उसकै धोरै तै चल्या गया, अर देख्ये, सुर्गदूत आणकै उसकी सेवा करण लागे। 12 जिब उसनै न्यू सुण्या के यूहन्ना कैदी बना लिया सै, तो वो यहूदिया परदेस तै लिकड़कै गलील परदेस म्ह चल्या गया। 13 अर फेर वो गलील परदेस के नासरत नगर नै छोड़कै कफरनहूम नगर म्ह, जो गलील समुन्दर कै किनारे था, कफरनहूम उस क्षेत्र म्ह गलील के समुन्दरी तट पै था, जड़ै जबूलून अर नप्ताली के गोत्र के माणस रहवै थे। 14 ताके जो यशायाह नबी कै जरिये कहा गया था, वो पूरा हो 15 “जबूलून अर नप्ताली जाति कै परदेस, गलील समुन्दर कै किनारे यरदन नदी के पार, गलील परदेस म्ह रहण आळे गैर यहूदी माणस” 16 “जो माणस अन्धकार म्ह जीण लागरे थे, उननै तेज चान्दणा देख्या। वे उस जगहां म्ह जीण लागरे थे, जित्त हर घड़ी मौत का खतरा था, उनपै चान्दणा चमक्या।” 17 उस बखत तै यीशु नै प्रचार करणा अर कहणा शरु करया, “पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके सुर्ग का राज्य धोरै आया सै।” 18 गलील परदेस म्ह गलील समुन्दर कै किनारे घूमदे होए उसनै दो भाईयाँ ताहीं शमौन जो पतरस कुहावै सै, अर उसके भाई अन्द्रियास ताहीं समुन्दर म्ह जाळ गेरते देख्या, क्यूँके वे मछवारे थे। 19 यीशु नै उनतै कहा, “मेरे पाच्छे आओ, मै थमनै माणसां ताहीं कठ्ठे करण आळे बणाऊँगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 20 वे जिब्बे जाळां नै छोड़कै उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाच्छे हो लिये। 21 ओड़ तै आगै चालकै, यीशु नै दो और भाईयाँ ताहीं यानी जब्दी के बेटे याकूब अर उसकै भाई यूहन्ना ताहीं देख्या। वे अपने पिता जब्दी कै गैल किस्ती पै अपने जाळां ताहीं ठीक करै थे। यीशु नै उन ताहीं भी बुला लिया। 22 वे जिब्बे किस्ती अर अपने पिता नै छोड़कै उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाच्छे हो लिये। 23 यीशु सारे गलील परदेस म्ह फिरता होया उनकै आराधनालयौं म्ह उपदेश सुणान्दा, अर राज्य का सुसमाचार सुणान्दा अर माणसां की हरेक ढाळ की बीमारी अर कमजोरियाँ नै दूर करदा रह्या। 24 अर सारे सीरिया परदेस म्ह उसका यश फैलग्या, अर माणस सारे बिमारां नै, जो कई ढाळ की बिमारियाँ अर दुखां तै

जकड़े होए थे, जिन म्ह भुंडी आत्मा थी, अर मिर्घी आळे अर लकवे के रोगी नै उसकै धोरै ल्याए उसनै उन ताहीं ठीक करया। 25 अर गलील परदेस, दिकापुलिस नगर, यरुशलेम नगर, यहूदिया परदेस अर यरदन नदी कै पार तै भीड़ की भीड़ उसकै पाच्छै हो ली

5 यीशु उस भीड़ नै देखकै पहाड़ पै चला गया, अर जब बैठग्या तो उसके चेल्लें उसकै धोरै आए। 2 अर वो अपणी ऊँच्ची आवाज म्ह उननै या शिक्षा देण लाग्या: 3 “धन्य सै वे, जो या जाणे सै के उननै परमेसवर की जरूरत सै, क्यूँके सुर्ग का राज्य उननै का सै। 4 धन्य सै वे, जो शोक करै सै, क्यूँके वे परमेसवर तै शांति पावेंगे। 5 धन्य सै वे, जो नम्र सै, क्यूँके वे परमेसवर के जरिये धरती के हकदार होंगे। 6 धन्य सै वे, जो धार्मिकता का जीवन जीण खात्तर भूखे अर तिसाए सै, क्यूँके वे परमेसवर के जरिये छिकाए जावेंगे। 7 धन्य सै वे, जो दया करण आळे सै, क्यूँके परमेसवर भी उनपै दया करैगा। 8 धन्य सै वे, जिनके मन शुद्ध सै, क्यूँके वे परमेसवर नै देखेंगे। 9 धन्य सै वे, जो मेल करण आळे सै, क्यूँके वे परमेसवर के बेट्टा-बेट्टी कुहावेंगे। 10 धन्य सै वे, जो धार्मिकता के कारण सताए जावै सै, क्यूँके सुर्ग का राज्य उन्हे का सै।” 11 “धन्य सों थम, जिब माणस मेरै कारण थारी बुराई करै सतावै अर झूठ बोल-बोलकै थारे बिरोध म्ह सारी तरियां की बुरी बात फैलावै, क्यूँके थम मेरे चेल्लें सों। 12 फेर खुश अर मग्न होइयो, क्यूँके थारे खात्तर सुर्ग म्ह बड़ड़ा ईनाम सै। इस करके के उननै उन नबियाँ ताहीं भी इस्से ढाळ सताया था, जो थारे तै भी भोत पैहल्या थे।” 13 “थम धरती पै लोग्गां खात्तर नूण की तरियां सों, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै, तो वो किस चीज तै नमकीन करया जावैगा? फेर वो किसे काम का न्ही, सिर्फ इसकै के बाहर फेक्या ज्या अर माणसां के पैरां तळै चिकल्या ज्या।” 14 “थम दुनिया के लोग्गां खात्तर चाँदणा की तरियां सों। जो नगर पहाड़ पै बस रह्या सै वो लुहक न्ही सकदा। 15 अर माणस दीवा जळा कै बरतन कै तळै न्ही पर टांडी पै धरै सै, फेर उसतै घर के सारे माणसां ताहीं चान्दणा ज्या सै। 16 उस्से तरियां थारा चान्दणा माणसां के स्याम्ही चमकै के वे थारे भले काम्मां नै देखकै थारे पिता की, जो सुर्ग म्ह सै बड़ाई करै।” 17 “या ना समझो, के मै मूसा के नियम-कायदा या नबियाँ के लेख नै मिटाण आया सुं, मिटाण न्ही,

पर पूरा करण आया सूं। 18 क्यूँके मै थमनै सच कहुँ सूं, के जब ताहीं धरती अर अकास सै, जद ताहीं नियम-कायदा म्ह लिखी हरेक छोटी तै छोटी बात पूरी होए बिना न्ही रहवैगी। 19 इस करकै जो कोए इन छोटे तै छोटे हुकम म्ह तै किसे एक नै भी न्ही मानता, अर दुसरे माणसां नै भी उसाए सिखावै, वो सुर्ग के राज्य म्ह सारा तै छोटा कुहावैगा, पर जो कोए उन सारे हुकमां पै चाल्लैगा अर उननै सिखावैगा, वोए सुर्ग राज्य म्ह महान् कुहावैगा। 20 क्यूँके मै थमनै कहुँ सूं, के जै थारा आत्मिक जीवन शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ के आत्मिक जीवन तै बढ़कै न्ही हो, तो थम सुर्ग के राज्य म्ह कदे बड़ न्ही पाओगें।” 21 “थमनै सुणया होगा, के थारे पूर्वजां तै कह्या, गया था के ‘खून ना करियो’, अर ‘जो कोए खून करैगा वो कचेह्डी म्ह दण्ड के लायक होगा।’ 22 पर मै थमनै या कहुँ सूं, के जो कोए अपणे भाई पै गुस्सा करैगा, वो कचेह्डी म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए अपणे भाई नै निकम्मा कहवैगा वो बड्डी सभा म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए कहवै ‘अरै बेकूफ’ वो नरक की आग के दण्ड के लायक होगा।” (Geenna g1067) 23 “इस करकै जै तू अपणा चढ़ावा मन्दर म्ह वेदी पै चढ़ावै, अर ओड़ै तू याद करै, के तेरे भाई के मन म्ह तेरे खात्तर किमे बिरोध सै, 24 तो तू अपणा चढ़ावा ओड़ैए वेदी कै धोरै छोड़दे, अर ज्याकै अपणे भाई तै मेळ-मिलाप कर अर फेर आकै अपणा चढ़ावा चढ़ा।” 25 “जिब तक तू अपणे बैरी के गेल्या राह म्ह सै, तो उसतै जिब्बे मेळ-मिलाप करले, कदे इसा ना हो के बैरी तन्नै न्यायाधीश के हवालै, अर न्यायाधीश तन्नै सिपाही के हवालै करदे, अर तू जेळ म्ह गेर दिया जावै। 26 मै तन्नै सच कहुँ सूं के जिब ताहीं तू पाई-पाई न्ही भरदे जद ताहीं जेळ तै छुटण न्ही पावैगा।” 27 “थमनै परमेसवर का हुकम सुणया होगा के कह्या गया था, ‘जारी ना करियो।’ 28 पर मै थमनै न्यू कहुँ सूं, के जो कोए किसे बिरबान्नी पै भुंडी निगांह गेरै वो अपणे मन म्ह उसतै जारी करग्या। 29 जै तेरी सोळी आँख तेरे तै पाप करवावै सै, तो उसनै लिकाड़ के फेंक दे, क्यूँके तेरे खात्तर योए ठीक सै के तेरे अंगा म्ह तै एक नाश हो ज्या अर तेरी सारी देह नरक म्ह ना गेरी जावै। (Geenna g1067) 30 जै तेरा सोळा हाथ तेरे तै पाप करवावै सै, तो उसनै काट के फेंक दे, क्यूँके तेरे खात्तर योए आच्छा सै के तेरे बाक्की अंगा म्ह तै एक नाश हो जावै

अर तेरी सारी देह नरक म्ह न्ही गेरी जावै।” (Geenna g1067) 31 “यो भी कह्या गया था, ‘जो कोए अपणी घरआळी नै तलाक देणा चाहवै, तो उसनै तलाकनामा दे।’ 32 पर मै थमनै यो कहुँ सूँ के जो कोए अपणी घरआळी नै जारी कै सिवा किसे और कारण तै तलाक दे, तो वो उसतै जारी करवावै सै। अर जो कोए उस छोड्डी होई तै ब्याह करै, वो जारी करै सै।” 33 “फेर थमनै सुण्या होगा के थारे पूर्वजां तै कह्या गया था, ‘झूठी कसम ना खाईयों, पर प्रभु के खात्तर अपणी कसम नै पूरी करियो।’ 34 पर मै थमनै या कहुँ सूँ के कदे कसम ना खाईयों, ना तो सुर्ग की, क्यूँके वो परमेसवर का सिंहासन सै। 35 ना धरती की, क्यूँके वा उसकै पैरां की पिढी सै, ना यरुशलेम नगर की, क्यूँके वो महाराजा का नगर सै। 36 अपणे सिर की भी कसम ना खाईयों क्यूँके तू एक बाळ नै भी ना तो धोळा, अर ना काळा कर सकै सै। 37 पर थारी बात ‘हाँ’ की हाँ, या ‘ना’ की ना हो, क्यूँके जो किमे इसतै घणा होवै सै वो शैतान की ओड़ तै होवै सै।” 38 “थमनै नियम-कायदा म्ह सुण्या होगा के कह्या था, आँख कै बदले आँख, अर दाँत कै बदले दाँत। 39 पर मै थमनै कहुँ सूँ के बुरे माणस तै झगड़ा मोल ना लियो, पर जो कोए तेरे सोळे गाल पै थप्पड़ मारै उस कान्ही दुसरा भी फेर दे। 40 जै कोए तेरे पै दाब देकै तेरा कुड़ता लेणा चाहवै, तो उसनै अंगोच्छा भी दे दे। 41 जै कोए अधिकारी तन्नै एक कोस मुफ्त म्ह ले जावै, तो उसकै गेल्या दो कोस चल्या ज्या। 42 जो कोए तेरे तै माँगै, उसनै दे, अर जो कोए तेरे तै उधार लेणा चाहवै, उसतै मुँह ना मोड़।” 43 “थमनै नियम-कायदा म्ह सुण्या होगा के कह्या गया था, अपणे पड़ोसी तै प्यार राखिये, अर अपणे बैरी तै बैर। 44 पर मै थमनै कहुँ सूँ के अपणे बैरियाँ तै प्यार राक्खों अर अपणे सतावण आळे के खात्तर प्रार्थना करो, 45 जिसतै थम अपणे सुर्गीय पिता की सिध्द ऊलाद मान्ने जाओगे। क्यूँके वो भले अर बुरे लोग्गां पै अपणा सूरज उगाया करै सै, अर धर्मी अर अधर्मी लोग्गां पै मिह बरसावै सै। 46 क्यूँके जै थम अपणे प्यार करण आळा तै ए प्यार करो सों, तो कौण सा बड़ा काम करो सों? के चुंगी लेण आळे भी इसाए न्ही करदे? 47 जै थम अपणे भाईयाँ नै ए नमस्कार करो, तो कौणसा बड़ड़ा काम करो सों? के गैर यहूदी भी इसाए न्ही करदे? 48 इस करकै जरूरी सै के थम भी सिध्द बणो, जिसा थारा सुर्गीय पिता सिध्द सै।”

6 “चौक्कस रहो! थम माणसां नै दिखाण कै खात्तर धर्म के काम ना करो, न्ही तो अपणे सुर्गीय पिता तै कुछ भी ईनाम न्ही पाओगे।” **2** “इस करके जिब तू दान करै, तो अपणे आगै ढिंडोरा ना पिटवाईये, जिसा कपटी, आराधनालयाँ अर गळियाँ म्ह करै सै, ताके माणस उनकी बड़ाई करै। मै थारे ताहीं साच्ची कहुँ सूँ के उननै अपणा ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा लिया। **3** पर जिब तू दान करै, तो उसका किसे और नै बेरा न्ही पाटणा चाहिए। **4** ताके तेरा दान छिप्या रहवै, अर जिब तेरा पिता जो गुप्त म्ह देखै सै, तन्नै ईनाम देवैगा।” **5** “जिब तू प्रार्थना करै, तो कपटियाँ के तरियां ना हो, क्यूँके माणसां नै दिखाण खात्तर आराधनालयाँ म्ह अर सड़कां कै मोड़ां पै खड़े होके प्रार्थना करणा उननै आच्छा लागै सै। मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के उननै अपणा ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा लिया। **6** पर जिब तू प्रार्थना करै, तो अपणी कोठड़ी म्ह जा, अर किवाड़ बन्द करके अपणे पिता तै, जो गुप्त म्ह सै उसतै प्रार्थना कर। जद तेरा पिता, जो तेरे लुट्क कै करे होए काम्मां नै देखै सै, तो तन्नै उनका ईनाम देवैगा। **7** प्रार्थना करदे बखत दुसरी जात्तां की तरियां बडबडाइये ना, क्यूँके वे समझै सै के उनकै एक बात के बार-बार बोल्लण तै उनकी सुणी जावैगी। **8** इस करके थम उनकी तरियां ना बणो, क्यूँके थारा पिता थारे माँगण तै पैहल्याए जाणै सै के थारी के-के जरूरत सै। **9** इस करके थम इस तरियां तै प्रार्थना करया करो ‘हे म्हारे पिता, तू जो सुर्ग म्ह सै, तेरा नाम पवित्र मान्या जावै।’ **10** ‘तेरा राज्य आवै। तेरी इच्छा जिसी सुर्ग म्ह पूरी होवै सै, उसी धरती पै भी हो।’ **11** ‘म्हारे दिन भर की रोटी आज हमनै दे।’ **12** ‘अर जिस तरियां हमनै अपणे कसूरवारां ताहीं माफ करया सै, उस्से तरियां तू भी म्हारे कसूरं नै माफ करदे।’ **13** ‘अर म्हारे ताहीं परखै ना, पर बुराई तै बचा, (क्यूँके राज्य, वीरता अर महिमा सदा तेरे ए सै।’ आमीन।) **14** “इस करके जै थम माणसां के कसूर माफ करोगे, तो थारा सुर्गीय पिता भी थमनै माफ करैगा। **15** अर जै थम माणसां के कसूरं नै माफ न्ही करोगे, तो थारा पिता भी थारे कसूर माफ न्ही करैगा।” **16** “जिब थम ब्रत करो, तो कपटियाँ की तरियां थारे मुँह पै उदासी छाई ना रहवै, क्यूँके वे अपणा मुँह बणाई राक्खै सै, ताके माणस उननै ब्रती जाणै। मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के वे अपणा ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा चुके। **17**

पर जब तू ब्रत करे तो अपने सिर पे तेल लगा अर मुँह धो, 18 ताके माणस न्ही पर तेरा पिता तन्नै ब्रती जाए। तेरा पिता जो तेरे उस गुप्त म्ह करे होए ब्रत नै देखे सै, तो तन्नै उनका ईनाम देगा।” 19 “अपणे खात्तर धरती पे धन कट्टा ना करो, जड़े कीड़ा अर काई नाश करे सै, अर जड़े चोर सेंध लगावे अर चोरै सै। 20 पर अपने खात्तर सुर्ग म्ह धन कट्टा करो, जड़े ना तो कीड़ा अर ना काई नाश करे सै, अर जड़े चोर ना सेंध लगावे अर ना चोरै सै। 21 क्यूँके जड़े तेरा धन सै उड़े तेरा मन भी लाग्या रहवैगा।” 22 “देह का दीवा आँख सै इस करके जै तेरी नजर सही सै तो तेरी सारी देह भी चाँदणे म्ह सै। 23 पर जै तेरी नजर खराब सै तो तेरी सारी देह भी अन्धेरे म्ह सै, इस कारण जो तू सोचै सै के मै चाँदणे म्ह सूँ, पर वो अन्धेरा हो, तो सोचके देख वो अन्धेरा कितना बड़ड़ा होगा!” 24 “कोए माणस दो मालिकां की सेवा एक बखत पे न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर अर दुसरे तै प्यार राखेगा, या एक तै मिल्या रहवैगा अर दुसरे नै छोटा जाएगा। थम परमेसवर अर धन दोनुआ की सेवा न्ही कर सकदे। 25 “इस करके मै थमनै कहूँ सूँ के अपने जीवन के खात्तर या चिंता ना करियो के हम के खावांगे अर के पीवांगे, अर ना अपनी देह के खात्तर के पैहरांगे। के जीवन खाणे तै, के देह लत्यां तै बढ़के कोन्या? 26 अकास के पंछियाँ नै देखो! वे ना बोवै सै, ना काटै सै, अर ना कुठले (गोदाम) म्ह कट्टा करे सै, फेर भी थारा सुर्गीय पिता उन तारीं खुवावे सै। के थम पंछियाँ तै घणे कीमती कोनी? 27 थारे म्ह कौण सै, जो चिंता करके अपनी उम्र म्ह एक पल भी बढ़ा सके सै?” 28 “अर लत्यां के खात्तर क्यूँ चिंता करो सो? जंगली फूल्लां पे ध्यान करो के वे किस तरियां बढ़े सै, वे ना तो मेहनत करे सै, ना लत्ते बणावे सै। 29 तोभी मै थारे तै कहूँ सूँ के राजा सुलैमान भी, अपने सारे शानों-शोकत म्ह उन म्ह तै किसे के समान लत्ते पहरे होए कोनी था। 30 इस करके जब परमेसवर मैदान की घास नै इसी सुन्दरता देवे सै, जो आज सै अर काल बाड़ म्ह झोक्की जावैगी, तो हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, वो थारी चिन्ता क्यूँ न्ही करैगा?” 31 “इस करके थम चिंता करके न्यू ना कहियो के हम के खावांगे, या के पीवांगे, या के पैहरांगे? 32 क्यूँके गैर यहूदी इन सारी चिज्जां की टोह म्ह रहवे सै, पर थारा सुर्गीय पिता जाए सै के थमनै इन सारी चिज्जां की जरूरत सै, इस

करके चिन्ता ना करो। 33 इस करके पैहल्या थम परमेसवर के राज्य की खोज करो अर पवित्र जीवन जिओ, तो ये सारी चीज भी थमनै अपणे-आप मिल ज्यागीं। 34 इस करके काल की चिन्ता ना करो, क्यूँके काल का दिन अपणी चिन्ता आप कर लेवैगा, आज कै खात्तर आज का ए दुख भतेरा सै।”

7 “दुसरयां पै दोष ना लाओ न्ही तो लोग थारे पै भी दोष लगावैगे। 2 क्यूँके जिस तरियां थम दुसरयां पै दोष लगाओ सों, उस्से तरियां परमेसवर भी थारे पै दोष लगावैगा, जिस तरियां तै थम दुसरयां का न्याय करो सों, उस्से तरियां थारा भी न्याय करया जावैगा।” 3 “तू क्यूँ अपणे भाई की आँख कै तिन्कै जिसी छोटी सी बुराई नै देकखै सै, अर अपणी आँख म्ह लठ जिसी बड़ी बुराई तन्नै कोनी दिखदी?” 4 जिब तेरी-ए आँख म्ह लठ सै, तो तू अपणे भाई तै किस तरियां कहवै सै, “ल्या मै तेरी आँख तै तिन्का लिकाड़ घु।” 5 इस करके हे कपटी, पैहल्या अपणे जीवन की बड़ी बुराई नै दूर कर फेर तू अपणे भाई नै आच्छी दाऊँ बुराई तै बचा सकैगा। 6 “उन माणसां ताहीं परमेसवर का वचन ना सुणाओ जो उस ताहीं सुणणा न्ही चाहन्दे। जै तू इसा करै सै तो पवित्र चीज कुत्याँ कै आगै अर मोत्ती सूअरां के आगै फैक्कण की ढाळ होगा, इसा न्ही हो के वे उननै पैरां तळै चिकलै अर उल्टके थमनै पाड़ले।” 7 “परमेसवर तै माँगो, तो वो थमनै देवैगा, टोक्हों तो थम पाओगे, खटखटाओ, तो थारे खात्तर खोलया जावैगा। 8 क्यूँके जो कोए माँगै सै, उसनै मिले सै, अर जो टोहें सै, वो पावै सै, अर जो खटखटावै सै, उसकै खात्तर खोलया जावैगा।” 9 “थारे म्ह तै इसा कौण माणस सै, के जै उसका बेटा रोटी माँगै, तो वो उसनै पत्थर देवै? 10 या मच्छी माँगै, तो उसनै साँप देवै? 11 इस करके जिब थम बुरे होकै, अपणे बाळकां नै आच्छी चीज देणा जाणो सों, तो थारा सुर्गीय पिता अपणे माँगण आळा नै आच्छी चीज क्यूँ न्ही देवैगा? 12 इस कारण जो किमे थम चाहो सों के माणस थारे गेल्या करै, थम भी उनकै गेल्या उसाए करो, क्यूँके नियम-कायदे अर नबियाँ की शिक्षा याए सै।” 13 “थम परमेसवर के राज्य म्ह भीड़ै फाटक तै ए दाखल हो सको सों, क्यूँके चौड़ा सै वो फाटक अर सीध्था सै वो रास्ता जो नाश नै पोहच्यै सै, अर घणेए सै जो उस म्ह दाखल होवै सै। 14 क्यूँके भीड़ा सै वो फाटक अर मुशिकल सै वो राह जो अनन्त जीवन की ओड़ पुह्चावै सै,

अर भोत थोड़े सै वे लोग जो उसने पावै सै।” 15 “झूठे नबियाँ तै चौक्कस रहो, जो भेड्डां के भेष म्ह थारे धोरै आवै सै, पर भित्तर तै वे पाडण आळे भेड़िये सै। 16 उनके काम्मां तै ए थम उन ताहीं पिच्छाण ल्योगे। के माणस झाड़ियाँ तै अंगूर, या झाड़ बोझड़े तै अंजीर तोड़ै सै? 17 इस तरियां हरेक आच्छा दरखत आच्छा फळ ल्यावै सै अर निकम्मा दरखत बुरा फळ ल्यावै सै। 18 आच्छा दरखत बुरा फळ न्ही ल्या सकदा, अर ना निकम्मा दरखत आच्छा फळ ल्या सकै सै। 19 जो-जो दरखत आच्छा फळ न्ही ल्यान्दा, वो काट्या अर आग म्ह गेरया ज्या सै, उस्से तरियां झूठे नबियाँ कै गैल भी इसाए होवैगा। 20 झूठे नबियाँ नै उनके काम्मां तै थम उन ताहीं पिच्छाण ल्योगे।” 21 “जो मेरै तै, ‘हे प्रभु! हे प्रभु!’ कहवै सै, उन म्ह तै हर एक सुर्ग के राज्य म्ह दाखल न्ही होगा, पर वोए दाखल होगा जो मेरै सुर्गीय पिता की मर्जी पै चाल्लै सै। 22 न्याय के दिन घणखरे-ए माणस मेरै तै कहवैगें, ‘हे प्रभु, हे प्रभु, के हमनै तेरे नाम तै भविष्यवाणी न्ही करी, के हमनै तेरे नाम तै ओपरी आत्मायाँ ताहीं न्ही लिकाड्या, अर तेरे नाम तै घणेए अचम्भे के काम न्ही करे?’ 23 फेर मै उनतै खुलकै कह दियुँगा, मन्नै थारे ताहीं कदे न्ही अपणाया। हे भुन्डे काम करण आळो, मेरै धोरै तै चले जाओ।” 24 “इस करकै जो कोए मेरी इन बात्तां नै सुणकै उननै मान्ने सै, वो उस अकलमंद माणस की ढाळ होगा जिसनै अपणे घर की नीम चट्टान पै धरी। 25 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आँधी आई, अर उस घर तै टकराई, फेर भी वो कोनी गिरया, क्यूँके उसकी नीम चट्टान पै धरी गयी थी। 26 पर जो कोए मेरी ये बात सुणै सै अर उनपै न्ही चाल्दा, वो उस बेकूफ माणस की ढाळ सै, जिसनै अपणे घर की नीम बाळूरेत पै धरी। 27 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आँधी चाल्ली, अर उस घर तै टकराई अर पड़कै उसका सत्यानाश होगया।” 28 जिब यीशु नै ये बात कह ली, तो इसा होया के भीड़ उसके उपदेश तै हैरान होगी, 29 क्यूँके वो उन ताहीं शास्त्रियाँ की तरियां न्ही पर अधिकार कै गैल उननै उपदेश देवै था।

8 जिब यीशु उस पहाड़ तै उतरा, तो एक बड्डी भीड़ उसके पाच्छै हो ली। 2 अर, एक कोढ़ी नै धोरै आकै उस ताहीं नमस्कार करया अर कह्या, “हे प्रभु, जै तू चाहवै, तो मन्नै ठीक कर सकै सै।” 3 यीशु नै हाथ बढ़ाकै उस ताहीं

छुआ, अर कहा, “मै चाहूँ सूँ, के तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।” अर वो जिब्बे कोढ़ तै ठीक होग्या। 4 यीशु नै उसतै कहा, “देख किसे तै ना कहिये, पर जाके अपने-आपनै याजक ताहीं दिखा अर अपने कोढ़ तै ठीक होण के बारै म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ म्ह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खात्तर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।” 5 जिब यीशु कफरनहूम नगर म्ह आया तो एक सूबेदार नै धोरै आके उसतै बिनती करी, 6 “हे प्रभु, मेरा नौक्कर लकवे के रोग तै घणा दुखी होरया सै।” 7 यीशु नै उस ताहीं कहा, “मै आके उसनै ठीक करूँगा।” 8 सूबेदार नै जवाब दिया, “हे प्रभु, मै इस लायक कोनी के तू मेरे घरां आवै, पर सिर्फ मुँह तै कह दे तो मेरा नौक्कर ठीक हो ज्यागा। 9 क्यूँके मै जाणु सूँ, के मै भी किसी के आदेशां का पालन करूँ सूँ, अर सिपाही मेरै आदेशां का पालन करै सै। जिब मै एक तै कहूँ सूँ, जा, तो वो जावै सै, अर दुसरे तै कहूँ, आ, तो वो आवै सै, अर अपने नौक्कर तै कहूँ सूँ, यो कर, तो वो करै सै।” 10 यो सुणके यीशु के अचम्भा होया, अर जो लोग उसके पाच्छे आवै थे उनतै कहा, “मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के मन्नै इस्राएल देश म्ह भी इसा बिश्वास न्ही देख्या, जिसा इस सूबेदार का सै। 11 अर मै थमनै कहूँ सूँ के पूरब अर पच्छिम तै घणेए गैर यहूदी आवैगें अर भोज म्ह अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के गेल्या सुर्ग के राज्य म्ह बैठैगें। 12 पर राज्य की ऊलाद (यहूदी लोग) बाहर अन्धेरे म्ह गेर दिये जावैगे उड़े रोणा अर दाँत पिसणा होगा।” 13 जिब यीशु नै सूबेदार तै कहा, “घर चला जा, जिसा तेरा बिश्वास सै, उसाए तेरे खात्तर होगा।” अर उसका नौक्कर उस्से बखत ठीक होग्या। 14 यीशु जिब पतरस के घरां आया, तो उसनै उसकी सास्सू ताहीं बुखार म्ह पड्या देख्या। 15 उसनै उसका हाथ पकड्या अर उसका बुखार उतर गया, अर वा उठके उसकी सेवा-पाणी करण लागी। 16 जिब साँझ होई फेर माणस उसके धोरै घणेए माणसां नै ल्याए जिन म्ह ओपरी आत्मा थी अर यीशु नै उन आत्मायाँ ताहीं अपने वचन तै लिकाड़ दिया, अर सारे बिमारां ताहीं ठीक कर दिया। 17 ताके जो वचन यशायाह नबी के जरिये कहा गया था वो पूरा हो “उसनै खुद ए म्हारी कमजोरी ले ली अर म्हारी बीमारी उठा ली।” 18 यीशु नै जिब अपने चौगरदू एक भीड़ देख्खी तो अपने चेल्यां ताहीं गलील समुन्दर के परली

ओड़ जाण का हुकम दिया। 19 यीशु अर उसके चेल्लें किस्ती की ओड़ जाण लागरे थे, तो एक शास्त्री नै धोरै आकै उसतै कह्या, “हे गुरु, जड़ै किते तू जावैगा, मै तेरे पाच्छे हो ल्युँगा, क्युँके मै तेरा चेल्ला बणणा चाहूँ सूँ।” 20 यीशु नै उसतै कह्या, “लोमड़ियां की घुरखाण अर अकास के पंछियाँ के बसेरे हो सै, पर मुझ माणस के बेट्टे खात्तर सिर छिपाण की भी जगहां कोनी सै।” 21 एक और चेल्लै नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, पैहले मन्नै घर जाणदे, मै अपणे पिता के मरण कै बाद उस ताहीं दफना के आऊँगा, फेर तेरा चेल्ला बणुगाँ।” 22 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मेरै पाच्छे हो ले, अर मेरा चेल्ला बण जा अर जो आत्मिक रूप तै मर चुके सै, उननै मुर्दे दफणाण दे।” 23 जिव यीशु किस्ती पै चढ्या, तो उसके चेल्लें उसके पाच्छे हो लिए। 24 अर देखखो, समुन्दर म्ह एक इसा बड़डा अन्धोड़ उठ्या के किस्ती झाल्लां तै ढक्ण लागी, अर वो सोण लाग रह्या था। 25 फेर चेल्यां नै धोरै आकै उस ताहीं जगाया अर कह्या, “हे प्रभु, हमनै बचा, हम डूबके मरण आळे सां।” 26 यीशु नै उनतै कह्या, “हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, क्युँ डरो सों?” फेर उसनै उठकै आँधी अर पाणी ताहीं धमकाया, अर सब शान्त होग्या। 27 अर वे अचम्भा करकै कहण लाग्ये, “यो किसा माणस सै के आँधी अर पाणी भी उसका हुकम मान्नै सै।” 28 जिव यीशु गलील समुन्दर कै परली ओड़ गदरेनियां के देश म्ह पुँह्या, तो दो माणस जिन म्ह ओपरी आत्मा थी कब्रिस्तान म्ह तै लिक्ड़कै उसनै मिले। वे इतने डरावणे थे के कोए उस रास्ते तै जा न्ही सकै था। 29 दोन्नु माणसां नै किल्की मारकै कह्या, “हे परमेसवर के बेट्टे, म्हारा तेरे तै के काम? के तू बखत तै पैहल्या हमनै दुख देण आड़ै आया सै?” 30 उनतै थोड़ी सी दूर पै घणेए सूअरां का टोळ चरै था। 31 ओपरी आत्मायाँ नै उसतै या कहकै बिनती करी के, “जै तू हमनै लिक्ड़कै सै, तो सूअरां के टोळ म्ह भेजदे।” 32 उसनै उन ताहीं कह्या, “जाओ!” अर वे ज्या के सूअरां म्ह बैठगी अर देखखो, सारा टोळ ढळान पै तै झपटकै पाणी म्ह ज्या पड्या, अर डूब मरया। 33 उनके पाळी भाज्ये, अर नगर म्ह जाकै ये सारी बात अर जिन म्ह ओपरी आत्मा थी उनका सारा हाल कह सुणाया। 34 फेर सारे नगर के माणस यीशु तै फेटण नै लिक्ड़ए, अर उस ताहीं देख के बिनती करी के म्हारी सीमा तै बाहर चल्या ज्या।

9 फेर यीशु किस्ती म्ह चढ़कै उस पार गया, अर बोहड़कै अपणे नगर म्ह आया। **2** अर देखखो, कई माणस लकवे के एक मरीज नै खाट पै लिटा के उसकै धोरै ल्याए। यीशु नै उनका बिश्वास देखकै, उस लकवे के मरीज तै कह्या, “हे बेट्टे, धीर बाँध, मन्नै तेरे पाप माफ कर दिये।” **3** इसपै कई शास्त्रियाँ नै सोच्या, “यो तो परमेसवर की बुराई करै सै” **4** यीशु नै उनके मन की बात जाणकै कह्या, “थम माणस अपणे-अपणे मन म्ह बुरा विचार क्यूँ आण देओ सों? **5** आसान के सै? यो कहणा, ‘तेरे पाप माफ होए’, या यो कहणा, ‘उठ अर हाँड-फिर।’ **6** पर इस करकै के थम जाण ल्यो के मुझ माणस के बेट्टे नै धरती पै पाप माफ करण का हक सै।” फेर उसनै लकवे के मरीज तै कह्या, “उठ, अपणे बिस्तर ठाकै, अपणे घरां चल्या जा।” **7** वो उठकै अपणे घरां चल्या गया। **8** माणस यो देखकै डरगे अर परमेसवर की बड़ाई करण लाग्ये जिसनै माणस ताहीं इसा हक दिया सै। **9** ओड़ै तै आगै बढ़ के यीशु नै मत्ती नाम के एक आदमी ताहीं चुंगी की चौकी पै बठ्या देख्या, अर उसतै कह्या, “मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।” अर वो उठकै उसकै पाच्छै हो लिया। **10** जिब वो अर उसकै चेल्लें मत्ती के घर म्ह खाणा खाण खात्तर बेट्टे तो भोत-से चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै वे आकै उनके गेल्या खाणा खाण बेट्टे। **11** या देखकै फरीसियाँ नै उसकै चेल्यां ताहीं कह्या, “थारा गुरु चुंगी लेण आळे अर पापी माणसां गेल्या क्यूँ खावै-पीवै सै?” **12** या सुणकै यीशु नै उनतै कह्या, “वैद आच्छे-बिच्छयां खात्तर कोनी पर बिमारां खात्तर जरूरी सै। **13** इस करकै थम जाओ अर समझ ल्यो के पवित्र ग्रन्थ के इस वचन का मतलब के सै: ‘मै बलिदान न्ही पर दया चाहूँ सूँ।’ क्यूँके जो अपणे-आपनै धर्मी कहवै मै उननै न्ही, पर जो अपणे-आपनै पापी कहवै सै उननै बुलाण आया सूँ।” **14** फेर बपतिस्मा देण आळे यूहन्ना के चेल्यां नै धोरै आणकै कह्या, “के कारण सै के हम अर फरीसी इतने ब्रत करा सां, पर तेरे चेल्लें ब्रत न्ही करदे?” **15** यीशु नै उनतै कह्या, “के बराती, जिब ताहीं बन्दड़ा उसके गेल्या सै, शोक मना सकै सै? पर वे दिन आवैगें जिब बन्दड़ा उनतै न्यारा करया जावैगा, उस बखत वे ब्रत करैगें।” **16** “नये लत्यां की थेगळी पुराणे लत्यां पै कोए न्ही लगान्दा, क्यूँके वा थेगळी लते तै और भी लत्ता खुस्का दे सै, अर वो और भी घणा पाट ज्या

सै। 17 अर माणस नया अंगूर का रस पुराणी मशक म्ह न्ही भरदे, क्यूँके इसा करण तै मशक पाट ज्या सै, अर अंगूर का रस खिंड ज्या सै, अर मशक फूट ज्या सै, पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरा जावै सै तब वे दोनु बचे रहवै सै।” 18 वो उनतै ये बात कहण ए लागरया था, के जिब्बे आराधनालयॉ के सरदारां म्ह तै एक यार्डर नाम के आदमी नै आकै उस ताहीं नमस्कार करया अर कहा, “मेरी बेटी इब्बे मरी सै, पर तू चाल के अपणा हाथ उसपै धरै, तो वा जिन्दा हो ज्यागी।” 19 यीशु उठकै अपणे चेल्यां समेत उसके पाच्छै हो लिया। 20 अर देखो, एक बिरबान्नी नै जिसकै बारहां साल तै लहू बहण की बीमारी थी, पाच्छै तै आकै उसके लत्ते के कोणे ताहीं छू लिया। 21 क्यूँके वा अपणे मन म्ह कहवै थी, “जै मै उसके लत्ते नै छू ल्युँगी तो ठीक हो जाऊँगी।” 22 यीशु नै घूमकै उस ताहीं देख्या अर कहा, “बेटी धीरज राख, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” अर वा बिरबान्नी उरसे बखत ठीक होगी। 23 जिब यीशु यार्डर के घर म्ह पुँट्वा अर बाँसली बजाण आळे अर भीड़ नै रोळा मचांदे देख्या, 24 फेर कहा, “हट जाओ, छोरी मरी कोनी, पर सोवै सै।” इसपै वे उसका मजाक उड़ाण लाग्ये। 25 पर जिब भीड़ लिकाड़ दी, तो उसनै भित्तर ज्या के उस छोरी का हाथ पकड्या, अर वा जी उठी। 26 अर इस बात का जिक्र सारे देश म्ह फैलगया। 27 जिब यीशु ओड़ै तै आगै बढ़ा, तो दो आन्धे उसके पाच्छै या कहन्दे होए चाल्ले, “हे दाऊद की ऊलाद, म्हारै पै दया कर!” 28 जिब वो घर म्ह पुँट्वा, तो वे आन्धे उसके धोरै आये, अर यीशु नै उनतै कहा, “के थमनै बिश्वास सै के मै थमनै चंगा कर सकू सूँ?” उननै उसतै कहा, “हाँ प्रभु!” 29 फेर उसनै उनकी आँखां के हाथ लगाकै कहा, “थारे बिश्वास के मुताबिक थम चंगे होजाओ।” 30 अर वे जिब्बे देखण लागे। यीशु नै उनतै समझां के कहा, “सावधान, किसे ताहीं या बात ना बताइयो, के मन्नै थारे खात्तर के करया सै।” 31 पर उननै मिलकै सारे देश म्ह उसका नाम फैला दिया। 32 जिब वे दोन्नु आन्धे बारणै जाण लागरे थे, तो देखो, कई माणस एक गूँगे नै उसके धोरै ल्याए जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, जो उसनै बोल्लण कोनी देवै थी। 33 अर जिब यीशु नै ओपरी आत्मा लिकाड़ दी, तो गूँगा बोलण लाग्या। इसपै भीड़ नै अचम्भा करकै कहा, “इसाएल म्ह इसा कदे न्ही देख्या गया।” 34 पर फरीसियाँ नै

कह्या, “ओपरी आत्मायाँ के सरदार इस ताहीं शक्ति देवै सै, इस करके यो ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै सै।” 35 यीशु अर उसके चेल्ले सारे नगरां अर गाम्मां म्ह फिरता होया अर उनके आराधनालयाँ म्ह उपदेश सुणान्दा, अर परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणादा, अर हरेक ढाळ की बीमारी अर कमजोरियाँ नै दूर करदा रह्या। 36 जिव उसनै भीड़ देखी तो उसनै माणसां पै तरस आया, क्यूँके वे उन भेड्या की तरियां थे, जिनका कोए पाळी ना हो, वे बेचैन अर भटके होए से थे। 37 फेर उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, “पके होए खेत्तां की तरियां लोग तो भोत सै जो परमेसवर के वचन नै सुणणा चाहवै सै, पर फसल काट्टण आळे की तरियां लोग कम सै जो जाकै परमेसवर का वचन सुणावै। 38 इस करके खेत के माल्लिक यानी परमेसवर तै बिनती करो, के वो और लोगां नै भेज्जै, ताके परमेसवर का वचन भोत सारे लोगां ताहीं सुणावै।”

10 फेर यीशु नै अपणे बारहां चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै, उन ताहीं ओपरी आत्मायाँ पै हक दिया के उननै लिकाड़ै अर सारी ढाळ की बिमारियाँ अर सारी ढाळ की कमजोरियाँ नै ठीक करै। 2 इन बारहां प्रेरितां के नाम ये सै: पैहल्या शमौन, जो पतरस कुहावै सै, अर उसका भाई अन्द्रियास, जब्दी का बेटा याकूब, अर उसका भाई यूहन्ना, 3 फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, थोमा, अर चुंगी लेण आळा मत्ती, हलफर्ड का बेटा याकूब, अर तद्दै, 4 शमौन जेलोतेस, अर यहूदा इस्करियोती जिसनै वो पकड़वा भी दिया। 5 इन बारहां चेल्यां ताहीं यीशु नै यो हुकम देकै भेज्या: “गैर यहूदी लोगां कान्ही ना ज्याइयो, अर सामरियाँ के किसे नगर म्ह दाखल ना होइये। 6 पर इस्राएल के कुणबे की ए खुई होड़ी भेड्डां के धोरै जाईये। 7 अर चालते-चालते यो प्रचार करो: सुर्ग का राज्य धोरै आ गया। 8 बिमारां नै ठीक करो, मरै होए नै जीवाओ, कोढ़ियाँ नै शुद्ध करो, ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ो। थमनै मुफ्त लिया सै मुफ्त द्यो।” 9 “अपणे अंगोच्छां म्ह ना तो सोन्ना, ना चाँदी, अर ना ताम्बे के सिक्के राखियो। 10 रास्ते खात्तर ना झोळी लियो, ना दो कुड़ते, ना जूते अर ना लाठी लियो, क्यूँके मजदूर नै उसका खाणा मिलणा चाहिए। 11 जिस किसे नगर या गाम म्ह जाओ, तो बेरा पाड़ो के कुण लायक सै। अर जिव ताहीं उड़ै तै ना लिकड़ो, उस्से के गेल्या रहों। 12 घर म्ह बढ़ते आणी उसनै

आशीर्वाद दिए। 13 जै उस घर के माणस लायक होंगे तो थारा आशीर्वाद उनपै पुहँचगा, पर जै वे लायक ना हों तो थारा आशीर्वाद थारे धोरै उल्टा ए आ ज्यागा। 14 जो कोए थमनै न्ही अपणावै अर थारी बात ना सुणै, उस घर या उस नगर तै लिकड़दे आणी अपणे पैरां की धूळ झाड़ लियो। 15 मै थमनै सच्ची कहुँ सूँ के न्याय के दिन उस नगर की हालत तै सदोम अर अमोरा के नगर की हालत घणी सहण जोगी होवैगी।” 16 “देक्खो, मै थमनै भेड्डां की तरियां भेड्डियाँ के बिचाल्ये भेज्जू सूँ, इस करकै साँपां की तरियां अकलमंद अर कबूतरां की तरियां भोळे बणो। 17 पर माणसां तै चौक्कस रहों, क्यूँके वे थमनै बड़े आराधनालयाँ म्ह सौपैगें, अर अपणी सभा म्ह थारे कोड़े मारैगें। 18 थम मेरै खात्तर राज्यपालों अर राजयां के स्याम्ही अर गैर यहूदी लोग्गां म्ह भेज्जे जाओगें। ताके थम मेरे बारें म्ह गवाही दे सको 19 जिब वे थमनै पकड़वावैगें तो या फिक्र ना करियो के हम किस तरियां तै या के कहवागें, क्यूँके जो किमे थारे ताहीं कहणा होगा, वो उस्से बखत थारे ताहीं बता दिया जावैगा। 20 क्यूँके बोलण आळे थम न्ही सों, पर थारे सुर्गीय पिता का आत्मा थारे म्ह बोल्लै सै। 21 भाई, भाई नै अर पिता बेटे नै, मारण खात्तर सौप देंगें, अर बाळक अपणे माँ बाप के बिरोध म्ह खड़े होकै उन ताहीं मरवा देवैगें। 22 मेरै नाम के कारण सारे माणस थारे तै बैर करैगें, पर जो अन्त ताहीं धीरज धरैगा उस्से का उद्धार होगा। 23 जिब वे थमनै नगर म्ह सतावै, तो दुसरे म्ह भाग ज्याइयो। मै थमनै सच कहुँ सूँ, थम इस्राएल के सारे नगरां म्ह न्ही घूम सकोगें के मै माणस का बेट्टा आ जाऊँगा।” 24 “चेल्ला अपणे गुरु तै बड़ड़ा न्ही होंदा, अर ना नौक्कर अपणे माल्लिक तै। 25 चेल्लै का गुरु के, अर नौक्कर का माल्लिक के बराबर होणा ए भोत सै। जिब उननै घर के माल्लिक तै शैतान कह्या तो उसके घरआळां नै के कुछ न्ही कहवैगें!” 26 “इस करकै माणसां तै ना डरो, क्यूँके कुछ ढकया कोनी, जो उजागर न्ही करया जावैगा, अर ना कुछ लुहक्या सै जिसका बेरा न्ही पटै। 27 जो मै थारे तै अन्धेरे म्ह कहुँ सूँ, उसनै थम चाँदणे म्ह कहो, अर जो कान्नी-कान सुणो सों, उसनै छात्तां पै चढ़ के प्रचार करो। 28 जो देह नै घात करै सै, पर आत्मा नै घात न्ही कर सकदे, उनतै ना डरियो, पर उस परमेसवर तै डरो जो आत्मा अर देह दोनुआ नै नरक म्ह गेरकै नाश कर सकै सै। (Geenna g1067)

29 छोटी चिड़ियाँ दो पिस्व्या की बिकै सै, जो ना कै बराबर सै तोभी जै वो धरती पै पड़कै मरै सै तो पिता परमेसवर नै उसका भी बेरा सै क्यूँके पिता परमेसवर सब कुछ जाणण आळा सै। 30 थारे सिर के बाळ भी सारे गिणे होड़े सै। 31 इस करकै डरो मतना, थम घणी गौरैयाँ (एक छोटी चिड़ियाँ) तै बढ़कै सो।” 32 “जो कोए माणसां कै स्याम्ही मन्नै मान लेवैगा, उसनै मै भी अपने सुर्गीय पिता के स्याम्ही मान ल्युँगा। 33 पर जो माणसां कै स्याम्ही मेरै बारै म्ह इन्कार करैगा, उसनै मै भी अपने सुर्गीय पिता के स्याम्ही इन्कार करुँगा।” 34 “थो ना समझो के मै धरती पै माणसां का मिलाप करवाण आया सूं, मै मिलाप करवाण न्ही, पर न्यारे करण आया सूं। 35 मै तो आया सूं, ताके माणस नै उसके पिता तै, अर बेटी नै उसकी माँ तै, अर बहू नै उसकी सास तै न्यारा कर द्यु।” 36 “माणस के बैरी उसके घर के ए लोग होंगे।” 37 “जो अपने माँ-बाप नै मेरै तै घणा प्यारा मान्ने सै, वो मेरा चेल्ला बणण कै लायक कोनी, अर जो बेटा या बेटी नै मेरै तै घणा प्यारा मान्ने सै, वो मेरै लायक कोनी। 38 अर जो अपना दुखां का क्रूस लेकै मेरै पाच्छै न्ही चाल्लै वो मेरै लायक कोनी। 39 जो अपनी जान बचावै सै, वो उसनै खोवैगा, अर जो मेरै कारण अपनी जान खोवैगा, वो उसनै पावैगा।” 40 “जो थमनै अपनावै सै, वो मन्नै अपनावै सै, अर जो मन्नै अपनावै सै, वो उस परमेसवर नै अपनावै सै, जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै। 41 जो नबियाँ नै नबी जाण के अपनावै, वो नबियाँ के जिसा फळ पावैगा, जिसा नबी नै मिलै सै, अर जो धर्मी नै धर्मी जाण के अपनावै, वो धर्मी के जिसा फळ पावैगा। 42 जो कोए मेरे इन चेल्यां म्ह तै एक नै भी मेरा चेल्यां जाण के सिर्फ एक कटोरा ठंडा पाणी पियावैगा, मै थमनै सच कहूँ सूं, वो किसे तरियां भी अपना फळ न्ही खोवैगा।”

11 अपने बारहां चेल्यां ताहीं इस तरियां समझाण कै बाद यीशु ओड़ै तै चाल पड्या, अर गलील परदेस के नगरां म्ह उपदेश अर प्रचार करदा घूमता रह्या। 2 यूहन्ना नै जेळ म्ह मसीह के काम्मां की खबर सुणी अर अपने चेल्यां ताहीं यीशु तै न्यू बुझाण भेज्या, 3 अर उसतै कहा, “के आण आळा वो मसीहा जिसका वादा परमेसवर नै करया था, तू ए सै, या हम किसे और की बाट देख्खां?” 4 यीशु नै जवाब दिया, “जो कुछ थम सुणो सो अर

देखो सो, यो सारा जाकै यूहन्ना ताहीं कह घो, 5 के आन्धे देखेँ सै अर लंगड़े चाल्लै-फिरै सै, कोढ़ी ठीक करे जावै सै अर बहरे सुणै सै, मुर्दे जिन्दे करे जावै सै, अर कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाया जावै सै। 6 अर धन्य सै वे, जो मेरै पै शक न्ही करते, अर विश्वास करणा न्ही छोड़ते।” 7 जिब यूहन्ना के चेल्लें ओढ़ै तै जाण लागरे थे तो यीशु भीड़ म्ह माणसां तै यूहन्ना कै बारै म्ह कहण लागग्या, “थम जंगल-बियाबान म्ह के देखण गये थे? के हवा म्ह हाल्दे होए सरकंड्या नै? 8 तो फेर थम के देखण गये थे? के सुथरे लत्ते पहरे होड़ माणस ताहीं? देखो, जो सुथरे लत्ते पहरै सै, वे राजघरां म्ह रहवें सै। 9 तो फेर क्यांतै गये थे? के किसे नबी नै देखण ताहीं? हाँ, मै थमनै कहूँ सूँ, बल्के नबी तै भी बड़े नै।” 10 यूहन्ना वोए सै जिसके बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: के “देख, मै अपने दूत ताहीं तेरे आगै भेज्जू सूँ जो तेरे आगै तेरा रास्ता त्यार करैगा।” 11 मै थमनै कहूँ सूँ के जो बिरबानियाँ तै जणे सै, उन म्ह तै यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे तै बड़ड़ा कोए न्ही होया, पर जो सुर्ग के राज्य म्ह छोटे तै भी छोटा सै वो उसतै बड़ड़ा सै। 12 यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे के दिनां तै इब ताहीं सुर्ग का राज्य बलपूर्वक बढ़ण लाग रहया सै, अर बिरोधी लोग उसनै रोकण की कोशिश करण लागरे सै। 13 यूहन्ना के आण तक सारे नबी अर मूसा के नियम-कायदा म्ह, सुर्ग के राज्य की भविष्यवाणी करी गई। 14 जै थम सच म्ह भविष्यवाणीयाँ पै विश्वास करो सों, तो सुणो यूहन्ना ए वो एलिय्याह सै जो दोबारा आण आळा था। 15 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले। 16 “मै आज की पीढ़ी के माणसां की बराबरी किसतै करूँ? वे उन बाळकां की ढाळ सै, जो बजारां म्ह बेठे होए एक-दुसरे तै रुक्के मारकै शिकायत करै सै:” 17 “हमनै थारे खात्तर बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाच्चे, हमनै बिलाप करया, अर थमनै छात्ती कोनी पिट्टी।” 18 “इस्से तरियां यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा ना रोटी खाया करदा अर ना अंगूर का रस पिया करदा, अर थम कहो सो, ‘उस म्ह ओपरी आत्मा सै।’ 19 मुझ माणस के बेठे का खाण-पान और माणसां की तरियां सादा ए सै, लखाओ, थमनै मेरे ताहीं पेटू अर पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये का अर पापियाँ का साथी घोषित कर दिया! पर ज्ञान अपने काम्मां म्ह सच्चा ठहराया गया सै।” 20 फेर यीशु उन नगरां ताहीं उल्हाणा देण लाग्या, जिन म्ह उसनै घणे सामर्थ

के काम करे थे, क्योंकि उननै पाप करणा न्ही छोड्या अर ना ए परमेसवर के राह पै चाल्लै। 21 “धिक्कार सै थारे पै खुराजिन नगर के माणसों! धिक्कार सै थारे पै बैतसैदा नगर के माणसों! जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये, जै वे सूर अर सैदा नगरां म्ह करे जान्दे, तो टाट ओढ़ कै, अर राख म्ह बैठकै वे कदे के पाप करणा छोड़ देन्दे। 22 पर मै थमनै कहूँ सूँ के न्याय कै दिन थारी हालत तै सूर अर सैदा नगरां की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी। 23 हे कफरनहूम नगर के माणसों, थम के सोच्चों सों, के थम सुर्ग ताहीं ऊँच्चे करे जाओगें? थम तो अधोलोक तक नीच्चै जाओगें, जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये सै, जै सदोम नगर म्ह करे जान्दे, तो वो आज ताहीं बणया रहन्दा। (Hadēs 986) 24 पर मै थमनै कहूँ सूँ के न्याय के दिन तेरी हालत तै सदोम नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी।” 25 उस्से बखत यीशु नै कह्या, “हे पिता, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा करूँ सूँ के तन्नै इन बाततां ताहीं ज्ञानियाँ अर समझदार माणसां तै ल्कोए राख्या, अर बाळकां ताहीं दिखा दिया सै। 26 हॉ, हे पिता, क्योंकि तन्नै योए भाया।” 27 “मेरे पिता नै मेरे ताहीं सब कुछ सौप्या सै, अर कोए बेट्टे ताहीं कोनी जाणदा, सिर्फ पिता के अलावा, अर कोए पिता ताहीं कोनी जाणदा, सिर्फ बेट्टे के अलावा, अर हरेक वो माणस जो परम पिता नै जाणे सै, जिसकै खात्तर बेट्टे नै उस ताहीं जाहिर करणा चाह्या सै।” 28 “हे सारे मेहनत करण आळो अर बोझ तै दबे होड़े माणसों, मेरे धोरै आओ, मै थमनै सुख-चैन दियुँगा। 29 मेरा जूआ अपणे उप्पर ठा ल्यो, अर मेरे तै सीखो, क्योंकि मै नरम अर मन का दीन सूँ: अर थम अपणे मन म्ह सुख-चैन पाओगे। 30 क्योंकि मेरा जूआ सोखा अर मेरा बोझ हल्का सै”

12 तकरीबन उस्से बखत आराम कै दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके चेल्यां नै भूख लाग्गी तो वे गेहूँ की बालें तोड़-तोड़कै खाण लागे। 2 फरीसियाँ नै न्यू देखकै उसतै बोल्ले, “देख, तेरे चेल्लें वो काम करै सै, जो नियम-कायदा के मुताबिक आराम कै दिन करणा ठीक कोनी।” 3 यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़्या, के दाऊद अर उसके साथियाँ नै जिब वे भूक्खे होए तो के करया था? 4 वो किस तरियां परमेसवर कै घर म्ह गया, अर भेंट की रोटी खाई, जिनका

खाणा ना तो उस ताहीं अर ना उसके साथियाँ ताहीं पर सिर्फ याजकां ताहीं सही था? 5 यो थमनै नियम-कायदा म्ह न्ही पढ्या के आराम कै दिन मन्दर के याजक ए आराम कै दिन की विधि ताहीं तोड़ै सै फेर भी उन ताहीं कोए कुछ न्ही कहन्दा? 6 पर मै थमनै कहूँ सू के उरै वो सै जो मन्दर तै भी बड़ड़ा सै। 7 जै थम पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या सै, उसका मतलब जाणदे के, 'मै बलिदान न्ही पर दया चाहूँ सू।' तो थम बेकसूर ताहीं कसूरवार कोनी ठहरान्दे। 8 मै माणस का बेटा तो आराम कै दिन का भी प्रभु सू।" 9 ओड़ै तै चालकै वो उनके आराधनालय म्ह आया। 10 ओड़ै एक माणस था, जिसका हाथ सूखरया था। फरीसी लोग्गां नै यीशु पै दोष लाण खात्तर उसतै बुझाया, "मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक आराम कै दिन ठीक करणा सही सै?" 11 यीशु नै उनतै कह्या, "थारे म्ह तै इसा कौण सै जिसकी एक ए भेड़ हो, अर वा आराम कै दिन खडहे म्ह पड़ जावै, तो वो उस ताहीं पकड़कै न्ही काडै? 12 फेर माणस तो भेड़ तै भोत घणे खास सै! ज्यांतै आराम कै दिन भलाई करणा ठीक सै, जिसा के माणसां नै चंगा करणा।" 13 फेर यीशु नै उस माणस तै कह्या, "अपणा हाथ बढ़ा।" उसनै बढ़ाया, अर वो दुसरे हाथ की तरियां ठीक होग्या। 14 फेर फरीसियाँ नै बाहरणै जाकै उसकै बिरोध म्ह सलाह करी के उसका नाश किस तरियां करया जावै। 15 न्यू जाणकै यीशु ओड़ै तै चल्या गया। अर घणे माणस उसकै पाच्छै हो लिए, अर उसनै सारया ताहीं ठीक करया, 16 अर उन ताहीं चेतावनी दी, के मेरै बारै म्ह किसे तै ना कहियो के मै कौण सू। 17 ताके जो वचन यशायाह नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो 18 "देखो, यो मेरा सेवक सै, जिस ताहीं मन्नै चुण्या सै, मेरा प्यारा, जिसतै मेरा मन राज्जी सै, मै अपणा आत्मा उसपै तारुगाँ, अर योए दुसरी जात्तां नै न्याय की खबर देवैगा। 19 "वो ना माणसां के गैल झगड़ा करैगा, अर ना किल्की मारैगा, ना बजारां म्ह उसका कोए शब्द सुणैगा। 20 "वो कुचले होए सरकण्डे की समान कमजोर माणसां ताहीं कोनी लताडैगा, अर बुझते होए दीवे के समान, माणस मरता हो तो वो उसनै न्ही मारैगा, वो जिब ताहीं डटया रहैगा जिब ताहीं न्याय ना दुवा दे। 21 "अर दुसरी जात उसकै नाम पै आस राक्खैगी।" 22 फेर माणस एक आन्धे-गूँगे नै जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, जो उसनै देखण अर बोल्लण कोनी देवै थी,

उसके धोरे ल्याए, अर उसने उस ताहीं ठीक करया, अर वो गूँगा बोलण अर देखण लाग्या। 23 इसपै सारे माणस अचम्भा करके कहण लाग्गे, “यो के दाऊद की ऊलाद सै!” 24 पर फरीसियों नै न्यू सुणकै कहा, “यो तो ओपरी आत्मायाँ के सरदार शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै सै।” 25 उसने उनके मन की बात जाणकै उनतै कहा, “जिस किसे राज म्ह फूट होवै सै, वो उजड़ जावै सै, अर कोए नगर या घराना जिसम्ह फूट होवै सै, बण्या कोनी रहवैगा। 26 अर जै शैतान ए शैतान नै काट्टै, तो वो अपणा ए बिरोधी बणग्या, फेर उसका राज किस तरियां बण्या रहवैगा? 27 भला, जै मै शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काट्टू सूं, तो थारी पीढ़ी किसकी मदद तै काट्टै सै? इस करके वैए थारा न्याय करैगें। 28 पर जै मै परमेसवर के आत्मा की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काट्टू सूं, तो परमेसवर का राज्य थारे धोरे आण पोहच्या सै।” 29 “या किस तरियां कोए माणस किसे ठाड्डे माणस के घर म्ह बड़कै उसका माळ लूट सकै सै जिब ताहीं के पैहल्या उस ठाड्डे ताहीं ना जुड़ ले? जिब वो उसका घर लूट लेवैगा।” 30 “जो मेरै गेल्या न्ही वो मेरै बिरोध म्ह सै, अर जो मेरै गेल्या न्ही कट्टा करदा, वो खिंडावै सै। 31 ज्यांतै मै थारे तै कहूँ सूं के माणस का सारे ढाळ का पाप अर बुराई माफ करी जावैगी, पर पवित्र आत्मा की बुराई माफ कोनी करी जावैगी। 32 जो कोए माणस के बेटे के बिरोध म्ह कोए बात कहवैगा, उसका यो कसूर माफ करया जावैगा, पर जो कोए पवित्र आत्मा के बिरोध म्ह कुछ कहवैगा, उसका कसूर ना तो इस लोक म्ह अर ना परलोक म्ह माफ करया जावैगा।” (aiōn g165) 33 “दरखत अपणे फळ तै ए पिच्छाणा जावै सै, जै दरखत नै बढ़िया कहो, तो उसके फळ नै भी बढ़िया कहो, या दरखत नै निकम्मा कहो, तो उसके फळ नै भी निकम्मा कहो। 34 हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थम भुन्डे होके किस तरियां बढ़िया बात कह सको सो? क्यूँके जो मन म्ह भरया सै, वोए मुँह पै आवै सै। 35 भला माणस अपणे मन के भले भण्डार तै भली बात लिकाड़ै सै, अर बुरा माणस अपणे मन के बुरे भण्डार तै बुराई की बात काढै सै। 36 अर मै थारे तै कहूँ सूं के जो-जो निकम्मी बात माणस कहवैगें, न्याय के दिन वे हरेक उस बात का लेखा देवैगें। 37 क्यूँके तू अपणी बात्तां के कारण बेकसूर, अर अपणी बात्तां ए के कारण कसूरवार ठहराया जावैगा।” 38

इसपै कुछ शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ नै उसतै कहा, “हे गुरु, हम तेरे तै एक चिन्ह-चमत्कार देखणा चाहवां सा।” 39 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “इस युग के बुरे अर जार माणस निशान्नी टोहैं सै, पर योना नबी की निशान्नी नै छोड़ कोए और निशान्नी उन ताहीं कोनी दी जावैगी। 40 जिस तरियां योना नबी तीन रात अर तीन दिन बड़ी मछली कै पेट म्ह रहया, उस्से तरियां ए मै माणस का बेट्टा तीन रात अर तीन दिन धरती कै भीत्तर रहूँगा। 41 निनवे नगर के माणस न्याय कै दिन इस युग के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगें, क्यूँके उननै योना नबी का प्रचार सुणकै अपणे पापां ताहीं स्वीकार किया, अर देखो, उरै वो सै जो योना नबी तै भी बड़ड़ा सै। 42 दक्षिण देश की राणी न्याय कै दिन इस युग के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगी, क्यूँके वा राजा सुलैमान का ज्ञान सुणण कै खात्तर धरती कै दुसरे सिरे तै आई, अर देखो, उरै वो सै जो सुलैमान तै भी बड़ड़ा सै।” 43 “जिब ओपरी आत्मा माणस म्ह तै लिकड़कै जावै सै, तो सूक्खी जगहां म्ह आराम टोह्न्दी फिरै सै, अर पांदी कोनी। 44 फेर कहवै सै, ‘मै उस्से माणस म्ह जड़ै तै लिकड़ी थी बोहड़ जाऊँगी।’ अर आकै उस माणस नै घर जिसा झाड़ा-बुहारा अर सजा-थज्या पावै सै। 45 फेर वा ओपरी आत्मा जाकै अपणे तै और भुंडी सात आत्मायाँ नै अपणे गेल्या ले आवै सै, अर वे उस माणस म्ह बड़कै ओड़ै वास करै सै, अर उस माणस की पाच्छली हालत पैहल्या तै भी भुंडी हो जावै सै। इस युग के बुरे माणसां की हालत भी इसीए होवैगी।” 46 जिब वो भीड़ तै बात करण ए लागरया था, तब उसकी माँ अर उसके भाई बाहरणै खड़े थे अर उसतै बात करणा चाहवै थे। 47 किसे नै उसतै कहा, “देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै खड़े सै, अर तेरे तै बात करणा चाहवै सै।” 48 या सुणकै यीशु नै कहण आळे ताहीं जवाब दिया, “कौण सै मेरी माँ? अर कौण सै मेरे भाई?” 49 अर अपणे चेल्यां कान्ही अपणा हाथ बढ़ाकै कहा, “देखो, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सै। 50 क्यूँके जो कोए मेरे सुर्गीय पिता की इच्छा पै चाल्लै वोए मेरा भाई, मेरी बेब्बे अर मेरी माँ सै।”

13 उस्से दिन यीशु घर तै लिकड़कै गलील समुन्दर कै किनारे जा बेठ्या।

2 अर उसकै धोरै इसी भीड़ कठी होई के वो किस्ती पै चढ़गया, अर सारी

भीड़ किनारे पै खड़ी रही। 3 अर उसने उनतै उदाहरणां म्ह घणीए बात कही
“एक किसान बीज बोण लिकड़या। 4 बोदे बखत कुछ बीज राही कै किनारे
पड़े अर पछियाँ नै आकै उन ताहीं चुग लिया। 5 कुछ बीज पथरीली धरती पै
पड़े, जड़ै उनताही घणी माट्टी ना मिली अर डून्धी माट्टी ना मिलण कै कारण
वे तोळाए जामगे। 6 पर सूरज लिकड़णै पै वे जळगे, अर जड़ ना पकड़ण कै
कारण सुखगे। 7 कुछ बीज झाड़ियाँ म्ह पड़े, अर झाड़ियाँ नै बढ़कै उन ताहीं
दाब लिया। 8 पर कुछ बीज आच्छी धरती पै पड़े, कोए सौ गुणा, कोए साठ
गुणा, अर कोए तीस गुणा फळ ल्याए। 9 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण
ले।” 10 चेल्यां नै धोरै आकै उसतै कह्या, “तू माणसां तै उदाहरणां म्ह क्यांतै
बात करै सै?” 11 उसनै जवाब दिया, “थारे ताहीं सुर्ग के राज्य के भेद की
समझ दे राखी सै, पर उन ताहीं न्ही। 12 क्यूँके जिसके धोरै सै, उसतै और
दिया जावैगा, अर उसकै धोरै घणा हो जावैगा, पर जिसके धोरै कुछ न्ही
सै, उसतै जो कुछ उसकै धोरै सै, वो भी ले लिया जावैगा। 13 मै उनतै
उदाहरणां म्ह ज्यांतै बात करूँ सूँ के वे देखदे होए कोनी देखदे अर सुणदे होए
कोनी सुणदे, अर न्ही समझदे।” 14 “उनकै बाबत यशायाह नबी की या
भविष्यवाणी पूरी होवै सै: ‘थम सुणोगे, पर समझोगे कोनी, अर देखोगे, पर
थमनै कोनी सूझैगा।’” 15 “क्यूँके इन माणसां का मन मोट्टा होगया सै, अर
वे कान्ना तै ऊँच्चा सुणै सै, अर उननै अपणी आँख मूंद ली सै, कदे इसा ना
हो के वे आँखां तै देखवै, अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै, अर पलट
जावै, अर मै उननै ठीक करूँ।” 16 पर धन्य सै थारी आँख, क्यूँके वे देखवै
सै, अर थारे कान क्यूँके वे सुणै सै। 17 मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के घणखरे
नबियाँ नै अर धर्मियाँ नै चाह्या के जो बात थम देखखो सो, देखवै, पर न्ही देख
पाए, अर जो बात थम सुणो सो, सुणै, पर न्ही सुण पाए। 18 “इब थम बोण
आळे के उदाहरण का मतलब सुणो 19 जो कोए राज्य का वचन सुणकै
कोनी समझदा, यो वोए सै जो राही कै किनारे बोया गया था, उस ताहीं दुष्ट
आकै खोस ले जावै सै। 20 अर जो पथरीली धरती पै बोया गया सै, यो वो
माणस सै, जो वचन सुणकै जिब्बे खुशी कै गेल्या मान लेवै सै। 21 पर
अपणे म्ह जड़ न्ही पकड़ण कै कारण वो माड़े से दिन का सै, अर जिब वचन
कै कारण क्लेश या संकट आवै सै, तो जिब्बे ठोक्कर खावै सै। 22 जो

झाड़ियाँ मह बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताहीं सुणै सै, पर इस दुनिया की फिक्र अर धन का धोक्खा वचन नै दाबै सै, अर वो फळ कोनी ल्यांदा। (aiōn g165) 23 जो आच्छी धरती पै बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताहीं सुणकै समझै सै, अर फळ ल्यावै सै, कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर कोए तीस गुणा।” 24 यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया: “सुर्ग का राज उस किसान जिसा सै जिसनै अपने खेत मै बढ़िया बीज बोया। 25 पर जब माणस सोवै थे तो उसका बैरी आकै गेहूँ कै बिचाळै जंगळी बीज बोके चल्या गया। 26 जब अंकुर लिकड़े अर बाल लागी, तो जंगळी दाण्या के पौधे भी दिखण लागे।” 27 “इसपै घरेलू नौकरां नै आकै उसतै कह्या, ‘हे माल्लिक, के तन्नै अपने खेत मह बढ़िया बीज कोनी बोया था? फेर जंगळी दाण्या के पौधे उस मह कित्त तै आए?’” 28 “उसनै उनतै कह्या, ‘यो किसे बैरी का काम सै।’ नौकरां नै कह्या, ‘के तेरी मर्जी सै के हम जाके उन जंगळी पौधां नै कट्टे करा?’” 29 “उसनै कह्या, ‘ना, इसा ना हो के जंगळी दाण्या के पौधे कट्टे करदे हाण थम उनके गेल्या गेहूँ नै भी पाड़ ल्यो। 30 लामणी तक दोनुआ नै एक सेत्ती बधण द्यो, अर लामणी के बखत मै काटण आळा तै कहूँगा के पैहल्या जंगळी दाण्या के पौधे कट्टे करके बाळण खात्तर उनके भरोटे जुड़ ल्यो, अर गेहूँ ताहीं मेरे खत्ते मह कट्टा करो।’” 31 उसनै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया: “सुर्ग का राज राई के एक दाणै की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै लेके अपने खेत मह बो दिया। 32 वो सारे बीज्जां तै छोट्टा तो होवै सै पर जब बध जावै सै फेर सारे साग-पात तै बड़ड़ा होवै सै, अर इसा दरखत हो जावै सै के अकास के पंछी आकै उसकी डाळियाँ पै बसेरा करै सै।” 33 उसनै एक और उदाहरण उन ताहीं सुणाया “सुर्ग का राज खमीर की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे बिरबान्नी नै लेके तीन पसेरी (पन्द्रह किलो) चून मह रळाया अर होन्दे-होन्दे वो सारा चून खमीर बणग्या।” 34 ये सारी बात यीशु नै उदाहरणां मह माणसां तै सिखाई, अर इस तरियां की शिक्षा देण खात्तर वो उदाहरणां का ए इस्तमाल करया करदा। 35 के जो वचन नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा होवै: “मै उदाहरण कहण नै अपना मुँह खोल्लूँगा, मै उन बात्तां नै जो दुनिया की शरुआत तै लुक्की होई सै, जाहिर करूँगा।” 36 फेर वो भीड़ नै छोड़के घरां आया, अर उसके

चेल्यां नै उसकै धोरै आकै कह्या, “खेत म्ह जंगळी दाणै का उदाहरण म्हारै ताहीं समझा दे।” 37 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “बढ़िया बीज का बोण आळा, मै माणस का बेटा सूं। 38 खेत दुनिया के लोग सै, बढ़िया बीज राज्य की ऊलाद, अर जंगळी बीज शैतान की ऊलाद सै। 39 जिस बैरी नै उन ताहीं बोया वो शैतान सै। लामणी दुनिया का खात्मा सै, अर काटण आळे सुर्गदूत सै।” (aiōn g165) 40 आखर म्ह जिस तरियां जंगळी पौधे कट्टे करे जावै अर बाळे जा सै उससे तरियां दुनिया का खात्मा होवैगा। (aiōn g165) 41 मै माणस का बेटा अपने सुर्गदूतां नै भेज्जंगा, अर वे उसकै राज्य म्ह तै सारे जो खुद पाप करै सै अर दुसरयां नै पाप करण खात्तर उकसावै सै, अर भुन्दे काम करणीया नै कट्टे करैगें। 42 अर उननै आग कै कुण्ड म्ह गेरैगें, जड़ै रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा। 43 उस बखत धर्मी लोग अपने पिता कै राज्य म्ह सूरज की ढाळ चमकैगें। जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले। 44 सुर्ग का राज्य खेत म्ह लुटके होड़ धन की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै पाया अर लट्को दिया, अर खुशी के मारे अपना सारा कुछ बेच दिया अर उस खेत ताहीं मोल ले लिया। 45 फेर सुर्ग का राज्य एक व्यापारी की तरियां सै जो आच्छे मोतियाँ की टोह म्ह था। 46 जिब उसनै एक घणा महंगा मोत्ती मिल्या तो उसनै जाकै अपना सारा कुछ बेच दिया अर उस ताहीं मोल ले लिया। 47 फेर उसनै कह्या, सुर्ग का राज्य उस मछली के बड़े जाळ की ढाळ सै जो समुन्दर म्ह गेरया जावै, अर हरेक ढाळ की मच्छी ताहीं समेट ल्यावै। 48 अर जिब जाळ भरग्या, तो मछुआरे उस ताहीं किनारे पै खींच ल्यावै, अर बैठकै बढ़िया-बढ़िया मच्छी तो बासणा म्ह कट्टी करी अर बेकार बगा दी। 49 दुनिया के अन्त म्ह इस तरियां ए होवैगा। सुर्गदूत आकै दुष्ट लोग्गां नै धर्मियाँ तै न्यारे करैगें, (aiōn g165) 50 अर सुर्गदूत, दुष्ट लोग्गां नै आग कै कुण्ड म्ह गेरैगें। जड़ै रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा। 51 “के थमनै ये सारी बात समझी?” उननै उसतै कह्या, “हाँ।” 52 यीशु नै उनतै कह्या, “इस करके हरेक शास्त्री जो सुर्ग कै राज्य का चेल्ला बणया सै, उस घरवासे की तरियां सै जो अपने भण्डार तै नयी अर पुराणी चीज काट्टे सै।” 53 जिब यीशु नै ये सारे उदाहरण कह लिये, तो ओड़ै तै चल्यो गया। 54 अर अपने नगर नासरत म्ह आकै उनकै आराधनालय म्ह उननै इसा उपदेश देण लागग्या के वे हैरान

होके कहण लाग्ये, “इसनै यो ज्ञान अर सामर्थ के काम कित्त तै मिले? 55 के यो खात्ती का छोरा कोनी? अर के इसकी माँ का नाम मरियम अर इसके भाईयाँ का नाम याकूब, यूसुफ, शमौन अर यहूदा कोनी? 56 अर के इसकी सारी बेब्बे म्हारै बिचाळे कोनी रहन्दी? फेर इसनै यो सारा कित्त तै मिल्या?” 57 इस तरियां उननै उसकै कारण ठोक्कर खाई, पर यीशु नै उनतै कह्या, “नबी का अपणे गाम अर घर नै छोड़ और किते निरादर कोनी होन्दा।” 58 अर उसनै ओड़ै उनके अबिश्वास कै कारण घणे चमत्कार के काम न्ही करै।

14 उस बखत चौथाई देश के गलील परदेस के राजा हेरोदेस नै यीशु का जिक्क सुणया, 2 अर उसनै अपणे नौकरां तै कह्या, “यो यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा सै! वो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या सै, इस्से करकै उसतै ये सामर्थ के काम दिक्खै सै।” 3 यूहन्ना ताहीं पकड़कै बाँधया अर जेळ म्ह गेर दिया था। क्यूँके हेरोदेस नै अपणे भाई फिलिप्पुस के जिन्दा रहन्दे उसकी घरआळी हेरोदियास ताहीं अपणे धोरै राखली थी, 4 क्यूँके यूहन्ना नै उसतै कह्या था के इस ताहीं राखणा मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक तेरे खात्तर ठीक कोनी। 5 ज्यांतै वो उसनै मारणा चाहवै था, पर माणसां तै डरै था क्यूँके वे यूहन्ना नै नबी मान्नै थे। 6 पर जिब हेरोदेस का जन्म दिन आया, तो हेरोदियास की बेटी नै त्यौहार म्ह नाच दिखाके हेरोदेस ताहीं राज्जी करया। 7 इसपै उसनै कसम खाके वचन भर लिया, “जो कुछ तू माँगैगी, मै तन्नै दियुँगा।” 8 वा अपणी माँ कै उकसाण तै बोल्ली, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे का सिर थाळ म्ह उरै मन्नै मँगवा दे।” 9 राजा घणा दुखी होया, पर अपणी कसम, अर गेल्या बैठण आळा कै कारण, हुकम दिया के दे दिया जावै। 10 अर उसनै जेळ म्ह सैनिकां ताहीं भेजकै यूहन्ना का सिर कटवा दिया। 11 अर उसका सिर थाळ म्ह ल्याया गया अर छोरी ताहीं दिया गया, जिस ताहीं वा अपणी माँ धोरै लेगी। 12 फेर यूहन्ना के चल्लें आए अर उसकी लाश ताहीं ले जाके गाड़ दिया, अर जाके यीशु ताहीं खबर दी। 13 जिब यीशु नै सुणया, तो वो किस्ती पै चढ़कै ओड़ै तै किसे सुनसान जगहां ताहीं, एकान्त म्ह चल्या गया। माणस न्यू सुणकै नगर-नगर तै पांए-पाँ उसकै पाच्छै हो लिये। 14 यीशु किनारे पै पुहुचा तो एक बड़ी भीड़ देक्खी अर उनपै तरस खाया, अर उनके बिमारां ताहीं ठीक करया। 15 जिब साँझ

होई तो उसके चेल्यां नै उसके धोरे आकै कहा, “या सुनसान जगहां सै, अर वार होरी सै, माणसां ताहीं बिदा करया जावै के वे बस्तियाँ म्ह जाकै अपने खात्तर खाणा मोल लियावै।” 16 पर यीशु नै उनतै कहा, “उनका जाणा जरूरी कोनी! थमे इन्ने खाण नै द्यो।” 17 उननै यीशु तै कहा, “उरै म्हारे धोरे पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ नै छोड़कै और कुछ कोनी सै।” 18 यीशु बोल्या, “उन ताहीं उरै मेरै धोरे लियाओ।” 19 फेर यीशु नै माणसां ताहीं घास पै बैठण खात्तर कहा, अर उन पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ ताहीं लिया; सुर्ग कान्ही लखाकै खाणे खात्तर परमेसवर का धन्यवाद करया अर रोटी तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं दी, अर चेल्यां नै माणसां ताहीं। 20 जिब सारे खाकै छिकगे, तो चेल्यां नै बचे होए टुकड्या तै भरी होई बारहां टोकरी ठाई। 21 अर खाण आळे लुगाईयाँ अर बाळकां नै छोड़कै, पाँच हजार माणसां कै करीबन थे। 22 फेर उसनै जिब्बे अपने चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण कै खात्तर मजबूर करया के वे उसतै पैहल्या पार चले जावै, जिब ताहीं वो अपने माणसां ताहीं बिदा करै। 23 वो माणसां ताहीं बिदा करकै, प्रार्थना करण खात्तर उनतै अलग होकै पहाड़ पै चल्या गया; अर साँझ ताहीं वो ओड़ै एक्ला था। 24 तब तक किस्ती समुन्दर कै किनारे तै भोत दूर जा ली थी अर झाल्लां तै थपेड़े खाकै डगमगाण लागरी थी, क्यूँके हवा स्याम्ही की थी। 25 यीशु सबेरै तीन बजे कै लोवै-धोवै यीशु समुन्दर पै चाल्दे होए उनकै धोरे आया। 26 चेल्लें उस ताहीं समुन्दर पै चाल्दे होए देखकै घबरागे। अर बोल्ले, “यो भूत सै!” अर भय के मारे किल्की मारण लागगे। 27 फेर यीशु नै जिब्बे उनतै बात करी अर बोल्या, “होसला राक्खो! मै सूँ, डरो मतना!” 28 पतरस नै उसतै जवाब दिया, “हे प्रभु, जै तू ए सै, तो मन्नै अपने धोरे पाणी पै चालकै आण का हुकम दे।” 29 यीशु बोल्या, “आ!” फेर पतरस किस्ती पै तै उतरकै यीशु कै धोरे जाण ताहीं पाणी पै चाल्लण लाग्या। 30 पर हवा नै देखकै डरग्या, अर जिब डूब्लण लाग्या तो किल्की मारकै बोल्या, “हे प्रभु, मन्नै बचा!” 31 यीशु नै जिब्बे हाथ बढ़ाकै थाम लिया अर उसतै बोल्या, “हे अल्पबिश्वासी, तन्नै क्यांतै शक करया?” 32 जिब वे किस्ती पै चढ़गे, तो हवा थमगी। 33 इस घटना नै देखकै उसके चेल्यां नै जो किस्ती पै थे, उसकी बड़ाई करकै कहा, “साच्चए, तू परमेसवर का बेटा सै।” 34 वे गलील

समुन्दर पार करके गन्नेसरत परदेस म्ह पोहचे। 35 ओड़े के माणसां नै उस ताहीं पिच्छाण लिया अर लोवै-धोवै के सारे देश म्ह खबर भेज दी, अर सारे बिमारां नै उसकै धोरै ल्याए। 36 अर उसतै बिनती करण लागै के वे उननै अपणे लत्ते के पल्ले तै ए छू लेण दे अर जितन्या नै उस ताहीं छुआ वे ठीक होंगे।

15 फेर यरुशलेम नगर तै कुछ फरीसी अर शास्त्री यीशु कै धोरै आके बोल्ले, 2 “तेरे चेल्ले बुजुर्गा के रीति-रिवाजां ताहीं क्यांतै टाळै सै, क्यूँ बिना हाथ धोए रोटी खावै सै?” 3 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “थम भी अपणी रीति-रिवाज कै कारण क्यांतै परमेसवर का हुकम टाळौ सो? 4 क्यूँके परमेसवर नै कह्या, ‘अपणे माँ-बाप की इज्जत कर, अर जो कोए माँ-बाप नै भुंडा बोल्लै, वो मार दिया जावै।’ 5 पर थम कहो सो के जै कोए अपणे माँ-बाप तै कहवै, ‘जो कुछ मन्नै थारे ताहीं अपणी सम्पत्ति म्ह तै देणा था, वो मन्नै परमेसवर ताहीं अर्पण ताहीं कर दिया’, 6 तो वो पिता का आदर ना करै, इस तरियां थमनै अपणी रीत-रिवाजां कै कारण परमेसवर का वचन टाळ दिया। 7 हे कपटियों, यशायाह नबी नै थारे बारै म्ह या भविष्यवाणी ठीक करी सै” 8 ये माणस होठ्ठां तै तो मेरा आदर करै सै, पर उनका मन मेरै तै दूर रहवै सै। 9 “अर वे खांम-खा मेरी भगति करै सै, क्यूँके माणसां के तरीक्यां नै धर्म उपदेश करके सिखावै सै।” 10 फेर उसनै माणसां ताहीं अपणे धोरै बुलाके उनतै कह्या, “सुणो, अर समझो 11 जो मुँह म्ह जावै सै, वो माणस नै अशुद्ध कोनी करदा, पर जो मुँह तै लिकड़ै सै, वोए माणस नै अशुद्ध करै सै।” 12 फेर चेल्यां नै आके उसतै कह्या, “के तन्नै बेरा सै के फरीसियाँ नै यो वचन सुणके ठोक्कर खाई?” 13 उसनै जवाब दिया, “हरेक पौधा जो मेरै सुर्गीय पिता नै न्ही लगाया, उखाड़ा जावैगा। 14 उन ताहीं जाण द्यो; वे आन्धे राह बताणीये सै अर आन्धा जै आन्धे नै राह दिखावै, तो दोन्नु ए खड्डे म्ह गिरैगें।” 15 न्यू सुणके पतरस नै उसतै कह्या, “यो उदाहरण म्हारै ताहीं समझा दे।” 16 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम भी इब ताहीं नासमझ सो? 17 के थमनै न्ही बेरा के जो कुछ मुँह म्ह जावै वो पेट म्ह पड़ै सै, अर संडास कै जरिये लिकड़ जावै सै? 18 पर जो कुछ मुँह तै लिकड़ै सै, वो मन तै लिकड़ै सै, अर वोए माणस ताहीं अशुद्ध करै सै। 19 क्यूँके भुन्डे विचार,

हत्या, जारी, बिगान्नी बिरबान्नी धोरै जाणा, चोरी, झूठी गवाही अर बुराई मन तै ए लिकड़ै सै। 20 येए सै जो माणस नै अशुद्ध करै सै, पर हाथ बिना धोए रोटी खाणा माणस नै अशुद्ध कोनी करदा।” 21 यीशु ओड़ै तै लिकड़कै, सूर अर सैदा के परदेसां कान्ही चल्या गया। 22 उस परदेस तै एक कनानी बिरबान्नी लिकड़ी, अर किल्की मारकै कहण लागी, “हे प्रभु! दाऊद की ऊलाद, मेरे पै दया कर! मेरी बेटी ताहीं ओपरी आत्मा घणी सतावै सै।” 23 पर यीशु नै उसतै कुछ जवाब कोनी दिया। फेर उसके चेल्यां नै आकै उसतै बिनती करी, “इस ताहीं बिदा करो, क्यूँके वा म्हारै पाच्छै रुक्के मारदी आवण लागरी सै।” 24 यीशु नै जवाब दिया, “इस्राएल कै कुण्बे की खोई होड़ भेड्डां नै छोड़ मै किसे कै धोरै कोनी भेज्या गया।” 25 पर वा आई, अर यीशु ताहीं प्रणाम करकै कहण लागी, “हे प्रभु, मेरी मदद कर।” 26 यीशु नै जवाब दिया, “छोरयां की रोटी लेकै कुत्त्या कै आगुँ गेरणा ठीक कोनी।” 27 उसनै कह्या, “साच्ची सै प्रभु, पर कुत्ते भी तो मेज कै तळै बाळकां की रोटी के टुकड़े खा लेवें सै।” 28 इसपै यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे नारी, तेरा बिश्वास पक्का सै। जिसा तू चाहवै सै, तेरे खात्तर उसाए हो।” अर उसकी बेटी उस्से घड़ी तै चंगी होगी। 29 यीशु ओड़ै तै गलील समुन्दर कै धोरै आया, अर पहाड़ पै चढ़कै बैठग्या। 30 फेर भीड़ की भीड़ उसकै धोरै आई। वे अपणे गेल्या लंगड़ा नै, आन्धा नै, टुंडयाँ नै, गूंगया नै अर दुसरे घणेए माणसां नै उसकै धोरै ल्याए, अर उन ताहीं उसके पायां म्ह गेर दिया, अर उसनै उन ताहीं ठीक करया। 31 जिब माणसां नै देख्या के गूँगे बोल्लै सै, अर टुंडे चंगे होवै सै, अर लंगड़े चाल्लै सै, अर आन्धे देक्खै सै तो हैरान होके इस्राएल के परमेसवर की बड़ाई करी। 32 यीशु नै अपणे चेल्यां ताहीं बुलाया अर कह्या, “मन्नै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके वे तीन दिनां तै मेरे गेल्या सै अर उनकै धोरै कुछ खाण नै भी कोनी। मै उननै भूक्खा बिदा करणा न्ही चाहन्दा, कदे इसा ना हो राह म्ह थक हार कै बेहोस हो जावै।” 33 चेल्यां नै उसतै कह्या, “हमनै इस बण म्ह कित्त तै इतनी रोटी मिलैगी के हम इतनी बट्टी भीड़ ताहीं छिकावा?” 34 यीशु नै उनतै बुझ्या, “थारे धोरै कितनी रोटी सै?” उननै कह्या, “सात, अर माड़ी-सी छोटी मच्छी।” 35 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुकम दिया। 36 अर उन सात रोटी अर

मच्छियाँ ताहीं लिया, परमेसवर का धन्यवाद करके तोड्या, अर अपणे चेल्यां ताहीं देन्दा गया, चेल्लें माणसां ताहीं। 37 इस तरियां सारे खाकै छिकगे अर चेल्यां नै बचे होइ टुकड्या तै सात टोकरे ठाए। 38 खाण आळे बिरबानियाँ अर बाळकां नै छोड़कै चार हजार माणस थे। 39 जिब वो भीड़ नै बिदया करके किस्ती म्ह चढ़ग्या अर मगदन देश की सीमा म्ह आया।

16 फरीसियाँ अर सदूकियाँ नै धोरे आके उस ताहीं परखण कै खात्तर उसतै कह्या, “हमनै सुर्ग की कोए निशान्नी दिखा।” 2 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “साँझ नै थम कहो सो, ‘मौसम खुला रहवैगा, क्यांतैके अकास लाल सै’, 3 अर तड़कैए नै कहो सो, ‘आज आँधी आवैगी, क्यूँके अकास लाल अर धूळ-भरया सै।’ थम अकास के लछण देखके उसका भेद बता सको सो, पर आज कै बखत म्ह जो होण लाग रह्य सै उसनै देखके भेद क्यूँ न्ही बता सकदे? 4 इस युग के बुरे अर जार माणस चिन्ह-चमत्कार टोहें सै, पर योना नबी के चिन्ह-चमत्कार नै छोड़ उन ताहीं और कोए चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा।” अर वो उननै छोड़कै चल्या गया। 5 चेल्लें समुन्दर कै परली ओड़ पोहचे, पर वे रोटी लेणा भूलगे थे। 6 यीशु नै उनकी कपट रूपी शिक्षा के बारे म्ह उनतै कह्या, “देखो, फरीसियाँ अर सदूकियाँ के खमीर तै चौकन्ने रहियो।” 7 वे आप्पस म्ह विचार करण लागगे, “हम रोटी कोनी ल्याए ज्यातै वो इस तरियां कहवै सै।” 8 न्यू जाणके यीशु नै उनतै कह्या, “हे अल्प बिश्वासियो, थम क्यांतै विचार करो सो के म्हारै धोरे रोटी कोनी सै? 9 के थम इब ताहीं न्ही समझे? के थमनै उन पाँच हजार की पाँच रोटी याद कोनी, अर ना यो के थमनै कितनी टोकरियाँ ठाई थी? 10 अर उन चार हजार की सात रोटी, अर ना यो के थमनै कितने टोकरे ठाए थे? 11 थम क्यांतै न्ही समझदे के मन्ने थारे तै रोटियाँ कै बाबत न्ही कह्या, पर यो के फरीसियाँ अर सदूकियाँ के खमीर तै चौकन्ने रहियो।” 12 फेर उनकै समझ म्ह आया के उसनै रोटी कै खमीर तै न्ही, पर फरीसियाँ अर सदूकियाँ की शिक्षा तै चौकन्ने रहण नै कह्या था। 13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी के परदेस म्ह आया, अर अपणे चेल्यां तै बुझ्झण लाग्या, “लोग मुझ माणस कै बेटे नै के कहवै सै?” 14 वे बोल्ले, “कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा कहवै सै, अर कुछ एलिय्याह, अर कुछ यिर्मयाह या नबियाँ म्ह तै कोए एक कहवै सै।” 15

उसनै उनतै कह्या, “पर थम मन्नै के कहो सो?” 16 शमौन पतरस नै जवाब दिया, “तू जिन्दे परमेसवर का बेट्टा मसीह सै।” 17 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे शमौन, योना के बेट्टे, तू धन्य सै; क्यूँके माँस अर लहू नै न्ही, पर मेरै पिता नै जो सुर्ग म्ह सै, या बात तेरे पै जाहिर करी सै। 18 अर मै भी तेरे तै कहुँ सूँ के तू पतरस सै, अर मै इस पत्थर पै अपणी कलीसिया बणाऊँगा, अर अधोलोक के फाटक उसपै हावी कोनी होवैगें। (Hadēs 986) 19 मै तन्नै सुर्ग के राज्य की ताळी दियुँगा जो कुछ तू धरती पै बांधैगा, वो सुर्ग म्ह बंधैगा; अर जो तू धरती पै खोलैगा, वो सुर्ग म्ह खुलैगा।” 20 फेर उसनै चेल्यां ताहीं चिताया के किसे तै ना कहियो के मै मसीह सूँ। 21 उस बखत तै यीशु अपणे चेल्यां तै बताण लाग्या, “जरूरी सै के मै यरुशलेम म्ह जाऊँ अर यहूदी अगुवें, प्रधान याजकां, शास्त्रियाँ के हाथ्यां तै घणा दुख ठाऊँ; अर मार दिया जाऊँ; अर तीसरे दिन जी उठूँ।” 22 इसपै पतरस उसनै न्यारा ले जाके झिड़कण लाग्या, “हे प्रभु, परमेसवर इसा ना करै! तेरे गेल्या इसा कदे ना होवैगा।” 23 उसनै पलटकै पतरस तै कह्या, “हे शैतान, मेरै स्याम्ही तै दूर हो! तू मेरै खात्तर ठोक्कर का कारण सै; क्यांतैके तू परमेसवर की बात्तां पै न्ही, पर माणसां की बात्तां पै मन लगावै सै।” 24 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, “जो कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा पूरी ना करै बल्के अपणे दुखां का क्रूस ठाकै, मेरै पाच्छै हो लेवै। 25 क्यूँके जो अपणी जान बचाणा चाहवैगा, वो उसनै खोवैगा; अर जो कोए मेरै खात्तर जान खोवैगा, वो उसनै पावैगा। 26 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै, अर अपणी जान का नुकसान ठावै, तो उसनै के फायदा होगा? या माणस अपणी जान कै बदले के देवैगा? 27 मै माणस का बेट्टा अपणे सुर्गदूतां कै गेल्या अपणे पिता की महिमा म्ह आऊँगा, अर उस बखत ‘मै हरेक नै उसके काम्मां कै मुताबिक प्रतिफळ देऊँगा।’ 28 “मै थारे तै साच्ची कहुँ सूँ जो आड़ै खड़े सै उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिब तक वे मुझ माणस के बेट्टे नै उसके राज्य म्ह आन्दे होए ना देख लेगें तब ताहीं मौत उननै छू भी न्ही पावैगी।”

17 छः दिनां पाच्छै यीशु नै पतरस अर याकूब अर उसके भाई यूहन्ना ताहीं गेल्या लिया, अर उन ताहीं एकले म्ह किसे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या। 2 ओड़ै उनकै स्याम्ही उसका रूप म्ह बदलाव होया, अर उसका मुँह सूरज की ढाळ

चमक्या अर उसके लत्ते चाँदणे की ढाळ धोळे होगये। 3 अर मूसा नबी अर एलिय्याह उसके गेल्या बात करदे होड़ दिक्खे। 4 इसपै पतरस नै यीशु तै कह्या, “हे प्रभु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै। जै तेरी मर्जी हो तो मै उरै तीन मण्डप बणाऊँ, एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी खात्तर।” 5 वो बोल्लणए लागरया था के एक चमकदा होया बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै या वाणी लिकड़ी, “यो मेरा प्यारा बेटा सै, जिसतै मै राज्जी सूँ: इसकी सुणो।” 6 चेल्लें न्यू सुणकै मुँह कै बळ गिरगे अर घणे डरगे। 7 यीशु नै धोरै आके उन ताहीं छुया, अर बोल्या, “उठो, डरो मतना।” 8 फेर उननै अपणी निगांह करी अर यीशु नै छोड़ और किसे ताहीं कोनी देख्या। 9 जिब वे पहाड़ पै तै उतरण लागरे थे, तो यीशु नै उनतै यो हुकम दिया, “जिब ताहीं मै माणस का बेटा मरे होया म्ह तै जिन्दा न्ही हो जाऊँगा, तब ताहीं जो कुछ थमनै देख्या सै किसे तै ना कहियो।” 10 इसपै उसके चेल्यां नै उसतै बुझया, “फेर शास्त्री क्यांतै कहवै सै के एलिय्याह का पैहल्या आणा जरूरी सै।” 11 उसनै जवाब दिया, “एलिय्याह जरूर आवैगा, अर सारा कुछ सुधरैगा। 12 पर मै थमनै कहुँ सूँ के एलिय्याह आ लिया, अर माणसां नै उस ताहीं न्ही पिच्छाणा, पर जिसा चाह्या उसाए उसके गेल्या करया। इस तरियां तै मै माणस का बेटा भी उनकै हाथ्यां तै दुख ठाऊँगा।” 13 फेर चेल्यां नै समझया के उसनै म्हारै तै यूहन्ना बपतिस्मा देणीये कै बाबत कह्या सै। 14 जिब वो भीड़ कै धोरै पोहचे, तो एक माणस उसके धोरै आया, अर गोठ्ठे टेक कै कहण लाग्या, 15 “हे प्रभु, मेरे बेटे पै दया कर! क्यूँके उस ताहीं मिर्घी आवै सै, अर वो घणा दुख ठावै सै; अर बार-बार आग म्ह अर बार-बार पाणी म्ह पड़ ज्या सै। 16 अर मै उसनै तेरे चेल्यां धोरै ल्याया था, पर वे उसनै ठीक कोनी कर सके।” 17 यीशु नै जवाब दिया, “हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसों, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा? कद ताहीं थारी सहूँगा? उसनै उरै मेरै धोरै ल्याओ।” 18 फेर यीशु नै ओपरी आत्मा ताहीं धमकाया, वा उस म्ह तै लिकड़ग्यी अर छोरा उरसे बखत ठीक होगया। 19 फेर चेल्यां नै एकले म्ह यीशु के धोरै आके कह्या, “हम उसनै क्यांतै न्ही काढ सके?” 20 उसनै उनतै कह्या, “अपणे बिश्वास की कमी कै कारण, क्यूँके मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ, जै थारा बिश्वास राई कै दाणै कै बराबर भी हो, तो इस

पहाड़ तै कह सकोगे, 'उरै तै सरककै ओड़ै चल्या जा', तो वो चल्या जावैगा, अर कोए बात थारे खात्तर मुशिकल कोनी होवैगी।" 21 (पर या जात बिना प्रार्थना अर ब्रत कै कोनी लिंकड़दी।) 22 जिब वे गलील परदेस म्ह थे, तो यीशु नै उनतै कह्या, "मै माणस का बेट्टा माणसां के हाथ्यां म्ह पकड़वाया जाऊंगा। 23 वे मन्नै मार देवैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊंगा।" इसपै वे घणे उदास होए। 24 जिब वे कफरनहूम पोहचे, तो मन्दर का कर लेण आळा नै पतरस कै धोरै आणकै बुझ्झया, "के थारा गुरु, मन्दर का कर कोनी देंदा?" 25 उसनै कह्या, "हाँ, देवै सै।" जिब वो घरां आया, तो यीशु नै उसके बुझ्झण तै पैहल्याए उसतै कह्या, "हे शमौन, तू के सोच्चै सै? धरती के राजा चुंगी किन तै लेवै सै? अपणे बेट्याँ तै या बिगान्याँ तै?" 26 पतरस नै उसतै कह्या "बिगान्याँ तै।" यीशु नै उसतै कह्या "तो बेट्टे बचगे। 27 तोभी इस खात्तर के हम उननै ठोक्कर ना खुवावा, तू झील कै किनारे जाके कांडा गेर, अर जो मच्छी पैहले लिंकड़ै, उसनै ले, उसका मुँह खोल्लण पै तेरे ताहीं एक सिक्का (जिसकी किम्मत चार दिन की मजदूरी के बराबर हो सै) मिलैगा, उस्से नै लेकै मेरै अर अपणे बदले म्ह दे दिये।"

18 उस घड़ी चेल्लें यीशु कै धोरै आकै बुझ्झण लागे, "सुर्ग कै राज्य म्ह बड़ड़ा कौण सै?" 2 इसपै उसनै एक बाळक ताहीं धोरै बुलाकै उनके बिचाळै खड्या करया, 3 अर कह्या, "मै थमनै सच कहूँ सूँ के जिब ताहीं थम न्ही बदलो अर बाळकां की ढाळ नम्र न्ही बणो, थम सुर्ग कै राज्य म्ह बड़ न्ही सकदे। 4 जो कोए अपणे-आपनै इस बाळक की ढाळ छोट्टा करैगा, वो सुर्ग कै राज्य म्ह बड़ड़ा होवैगा। 5 अर जो कोए मेरै नाम तै एक इसे बाळक ताहीं अपणावै सै वो मन्नै अपणावै सै।" 6 पर जो कोए इन छोट्ट्या बाळकां समान जो मेरै पै बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै, तो उसके खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसके गळ म्ह लटकाया जावै, अर वो डून्धा समुन्दर म्ह डबोया जान्दा। 7 ठोकरां कै कारण दुनिया पै हाय! ठोकरां का लागणा जरूरी सै; पर धिक्कार सै उस माणस पै जिसकै जरिये ठोक्कर लागै सै। 8 जै तेरा हाथ या तेरा पैर तेरे तै पाप करवावै सै, तो उसनै काटकै बगा दे, टुंडा या लंगड़ा होकै जीवन म्ह दाखल होणा इसतै भला सै के दो हाथ या दो पैर रहंदे होए तू अनन्त आग म्ह गेरया जावै। (aiōnios g166) 9 जै तेरी

आँख तेरे तै पाप करवावै सै, तो उस तारीं लिकाड़के फैक दे, काणा होके अनन्त जीवन म्ह बड़णा तेरे खात्तर भला सै, ना के दो आँख रहंदे होए तू नरक की आग म्ह गेरया जावै। (Geenna g1067) 10 देखो, थम इन छोट्या म्ह तै किसे नै तुच्छ ना जाणीयो, क्यूँके मै थमनै कहूँ सूँ के सुर्ग म्ह उनके सुर्गदूत मेरे सुर्गीय पिता की मौजूदगी म्ह सदा रहवै सै। 11 (क्यूँके मै माणस का बेटा खोये होया नै बचाण आया सूँ।) 12 थारा इसके बारे म्ह के विचार सै? जै किसे माणस की सौ भेड़ हों, अर उन म्ह तै एक भटक जावै, तो के वो निन्यानवे तारीं छोड़कै, अर पहाड़ां पै जाकै, उस भटकी होई नै कोनी टोहवैगा? 13 अर जै इसा हो के उसनै पावै, तो मै थमनै साचची कहूँ सूँ, के वो उन निन्यानवे भेड़ों के खात्तर जो भटकी कोनी थी, इतणा आनन्द कोनी करैगा जितना के इस भेड़ के खात्तर करैगा। 14 इस्से ढाळ थारे पिता की जो सुर्ग म्ह सै या मर्जी कोनी के इन छोट्यां म्ह तै एक भी नाश हो। 15 “जै तेरा बिश्वासी भाई तेरे खिलाफ कसूर करै, तो जा अर एकले म्ह बतळा के उसनै समझा, जै वो तेरी सुणके पछतावै तो तन्नै अपणे भाई तारीं पा लिया। 16 जै वो तेरी न्ही सुणै, तो एक या दो जन नै अपणे गेल्या और ले जा, क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक ‘हरेक बात दो या तीन तै ज्यादा गवाह के स्याम्ही सच साबित हो जावै।’ 17 जै वो उनकी भी न्ही मान्ने, तो कलीसिया तै कह दे, पर जै वो कलीसिया की भी कोनी मान्ने तो तू यो समझ ले के वो गैर यहूदी अर चुंगी लेण आळे जिसा सै।” 18 “मै थमनै साचची कहूँ सूँ, जो कुछ थम धरती पै बांधोगे, वो सुर्ग म्ह बंधैगा अर जो कुछ थम धरती पै खोल्लोगे, वो सुर्ग म्ह खुलैगा।” 19 “फेर मै थमनै कहूँ सूँ, जै थारे म्ह तै दो जणे धरती पै किसे बात के खात्तर एक मन होके बिनती करै, तो वा मेरे पिता की ओड़ तै जो सुर्ग म्ह सै, उनके खात्तर हो जावैगी। 20 क्यूँके जड़े दो या तीन मेरे नाम पै कट्टे होवै सै, ओड़ै मै उनके बिचाळै म्ह होऊँ सूँ।” 21 जब पतरस नै धोरै आके उसतै कह्या, “हे प्रभु, जै मेरा भाई कसूर करदा रहवै, तो मै कितनी बार उस तारीं माफ करूँ के सात बार?” 22 यीशु नै उसतै कह्या, “मै तेरे तै यो न्ही कहन्दा के सात बार, बल्के सात बार के सत्तर गुणा तक माफ करिये।” 23 “इस करके सुर्ग के राज्य की तुलना इस उदाहरण तै करी जा सकै सै, किसे राजा नै अपणे नौकरां का लेक्खा

(ब्यौरा) लेणा चाह्या। 24 जिव वो लेक्खा लेण लाग्या, तो एक जणा उसके स्याम्ही ल्याया गया जो दस हजार तोड़े का कर्जवान था। 25 जिव के चुकता करण नै उसके धोरै कुछ कोनी था, तो उसके माल्लिक नै कह्या, 'यो अर इसकी घरआळी अर बाळ-बच्चे अर जो कुछ इसका सै सारा बेच्या जावै, अर कर्ज चुकता करया जावै।' 26 "इसपै उस नौक्कर नै उसके पायां म्ह पड़के उस ताहीं कह्या, 'हे राजा धीरज धर, मै सारा कुछ भर दियुँगा।' 27 इसपै राजा नै तरस खाकै उस नौक्कर ताहीं छोड़ दिया, अर उसका कर्जा भी माफ कर दिया।" 28 "पर जिव वो नौक्कर बाहरणै लिकड़या, तो उसके साथ के नौकरां म्ह तै एक उसतै मिल्या जो उसके सौ दीनार (100 दिन की मजदूरी) का कर्जदार था; उसनै पकड़के उसका गळा घोट्या अर कह्या, 'जो कुछ मेरा तेरे पै कर्ज सै भर दे।' 29 "इसपै उसका साथ का नौक्कर पायां म्ह पड़के उसतै बिनती करण लाग्या, 'धीरज धर, मै सारा कुछ भर दियुँगा।' 30 वो न्ही मान्या, पर जाकै उस ताहीं जेळ म्ह गेर दिया के जिव ताहीं कर्जा ना भर दे, तब तक ओड़ैए रहवै। 31 उसके गेल्या के नौक्कर यो जो होया था देखके घणे उदास होए, अर जाकै अपणे राजा ताहीं पूरा हाल बता दिया। 32 "फेर राजा नै उस ताहीं बुलाकै उसतै कह्या, 'हे दुष्ट नौक्कर, तन्नै जो मेरै तै बिनती करी, तो मन्नै तेरा वो सारा कर्जा माफ कर दिया। 33 ज्यांतै जिस ढाळ मन्नै तेरे पै दया करी, उस्से तरियां के तन्नै भी अपणे साथ के नौक्कर पै दया न्ही करणी चाहिये थी?' 34 अर उसके माल्लिक नै छो म्ह आकै उस ताहीं दण्ड देणआळे के हाथ्यां म्ह सौप दिया, के जिव ताहीं वो सारा कर्जा भर न्ही देवै, तब तक उनके हाथ्यां म्ह रहवै। 35 "इस्से ढाळ जै थारे म्ह तै अपणे भाई नै ना माफ करै तो मेरा पिता जो सुर्ग म्ह सै थारे तै उसाए करैगा।"

19 जिव यीशु नै ये बात कह ली, तो गलील परदेस तै चल्या गया; अर यरदन नदी कै परली ओड़ यहूदिया परदेस म्ह आया। 2 फेर बड्डी भीड़ उसके पाच्छै हो ली, अर उसनै ओड़ै उन ताहीं चंगा करया। 3 फेर फरीसी उसनै परखण खात्तर धोरै आकै बोल्ले, "के किसे भी कारण तै अपणी घरआळी ताहीं छोड़णा ठीक सै?" 4 उसनै जवाब दिया, "के थमनै न्ही पढ्या के जिसनै उन ताहीं बणाया, उसनै शरुआत तै नर अर नारी बणाकै कह्या, 5 इस कारण माणस अपणे माँ-बाप तै न्यारा होके अपणी घरआळी कै गेल्या

रहवैगा अर वे दोन्नु एकए तन होवैगें? 6 इस करके इब वे दो न्ही, पर एक तन सै। इस करके जिन ताहीं परमेसवर नै जोड़या सै, उन ताहीं माणस न्यारा ना करै।” 7 उननै उसतै कह्या, “फेर मूसा नबी नै यो क्यातै ठहराया के तलाक देकै उस ताहीं छोड़दे?” 8 उसनै उनतै कह्या, “मूसा नबी नै थारे मन की कठोरता के कारण थारे तै अपणी-अपणी घरआळी ताहीं छोड़ देण का हुकम दिया, पर शरुआत म्ह इसा कोनी था। 9 अर मै थमनै कहुँ सूँ, के जो कोए जारी नै छोड़कै और किसे कारण तै अपणी घरआळी नै छोड़कै दुसरा ब्याह करै, वो जारी करै सै, जो उस छोड़ी होई तै ब्याह करै, वो भी जारी करै सै।” 10 चेल्यां नै यीशु तै कह्या, “जै माणस का बिरबान्नी के गेल्या इसा सम्बन्ध सै, तो ब्याह करणा आच्छा कोनी।” 11 यीशु नै उनतै कह्या, “हरेक कोए इन उपदेशां पै चाल न्ही सकदे, सिर्फ वे जिन ताहीं या शक्ति देई गई सै। 12 क्यूँके कुछ नपुंसक इसे सै, जो माँ के पेट या गर्भ ए तै इसे जन्मे; अर कुछ नपुंसक इसे सै, जिन ताहीं माणस नै नपुंसक बणाया; अर कुछ नपुंसक इसे सै, जिन नै सुर्ग के राज्य के खात्तर खुद ताहीं नपुंसक बणाया सै। जो इस बात ताहीं समझ सकै सै, वे समझ ले।” 13 फेर माणस बाळकां नै उसकै धोरै ल्याए, के वो उनकै उप्पर हाथ धरै अर प्रार्थना करै; पर चेल्यां नै उन ताहीं धमकाया। 14 यीशु नै कह्या, “बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो, अर उन ताहीं मना मतना करो, क्यूँके सुर्ग का राज्य इसाए का सै।” 15 अर वो उनपै हाथ धरकै ओड़े तै चल्या गया। 16 एक माणस यीशु के धोरै आया अर उसतै कह्या, “हे गुरु, मै कौण सा भला काम करूँ के अनन्त जीवन पाऊँ?” (aiōnios g166) 17 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मेरै तै भलाई के बाबत क्यातै बुझ्झै सै? भला तो एकैए सै, पर जै तू जीवन म्ह दाखल होणा चाहवै सै, तो हुकमां नै मान्या कर।” 18 उसनै यीशु तै कह्या, “कौण-से हुकम?” यीशु बोल्या, “खून ना करियो, जारी ना करियो, चोरी ना करियो, झूठी गवाही ना दियो, 19 अपणे माँ-बाप का आदर करियो, अर अपणे पडौसी तै अपणे जिंसा प्यार राखियो।” 20 उस जवान नै उसतै कह्या, “इन सारया ताहीं तो मन्नै मान्या सै, इब मन्नै किस बात की कमी सै?” 21 यीशु नै उसतै कह्या, “जै तू सिध्द होणा चाहवै सै तो जा, अपणा सारा माळ बेचकै कंगालां ताहीं दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा; अर आकै मेरा चेल्ला बणण

खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।” 22 पर वो जवान या बात सुणकै उदास होके चल्या गया, क्यूँके वो घणा साहूकार था। 23 फेर यीशु नै अपने चेल्यां तै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के साहूकार का सुर्ग के राज्य म्ह बड़णा ओक्खा सै। 24 थारे ताहीं फेर कहुँ सूँ के जिस तरियां तै ऊँट का सूई कै मोरै म्ह तै लिकड़णा आसान हो सकै सै। पर परमेसवर के राज्य म्ह साहूकार का बड़णा भोत मुश्किल सै।” 25 न्यू सुणकै चेल्यां नै हैरान होके कह्या, “फेर किसका उद्धार हो सकै सै।” 26 यीशु नै उनकी ओड़ लखाके कह्या, “माणसां तै तो यो कोनी हो सकदा, पर परमेसवर तै सारा कुछ हो सकै सै।” 27 इसपै पतरस नै उसतै कह्या, “देख, हम तो सारा कुछ छोड़के तेरे पाच्छै हो लिए सा: तो हमनै के मिलैगा?” 28 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के नयी सृष्टि म्ह जिब माणस का बेटा अपनी महिमा के सिंहासन पै बैठेगा, तो थम भी जो मेरै पाच्छै हो लिए सो, बारहां सिंहासनां पै बैठके इस्राएल के बारहां गोत्रां का न्याय करोगे। 29 अर जिस किसे नै घर, या भाई-भाण, या माँ-बाप, या बाळ-बच्चे, या खेत्तां ताहीं मेरै नाम कै खात्तर छोड़ दिया सै, उस ताहीं सौ गुणा मिलैगा, अर वो अनन्त जीवन का हकदार होवैगा। (aiōnios g166) 30 पर भोत-से जो पैहले सै, पाच्छले होंगे; अर जो पाच्छले सै, पैहले होंगे।”

20 यीशु नै अपने चेल्यां ताहीं सिखाण खात्तर एक और उदाहरण दिया, “सुर्ग का राज्य किसे घर के मालिक की ढाळ सै, जो तड़कैए लिकड़या के अपने अंगूर के बाग म्ह मजदूरां नै लावै। 2 वो मजदूरां नै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) रोज की दिहाड़ी पै ल्याया अर उननै अपने अंगूर के बाग म्ह भेज्या।” 3 “फेर सबेरै के नौ बजे पाच्छै उसनै लिकड़के और माणसां ताहीं बजार म्ह खड़े देख्या, 4 अर उसनै कह्या, ‘थम भी अंगूर के बाग म्ह जाओ, अर मै एक दिन की जो भी मजदूरी थारी बणै सै वा थमनै दियुँगा।’ अर वे भी काम पै चले गये। 5 फेर उसनै बारहां बजे अर तीन बजे कै लोवै लिकड़के उससे तरियां करया। 6 तकरीबन पाँच बजे फेर वो अपने घर तै गया अर उसनै फेर कई माणसां ताहीं ओड़ै खड़े देख्या, अर उसनै कह्या, ‘थम क्यातै सारे दिन उरै बेकार खड़े रहों सों?’ उननै उसतै कह्या, ‘ज्यातै के किसे नै म्हारै ताहीं मजदूरी पै कोनी लगाया।’” 7 “उसनै उनतै कह्या, ‘थम

भी मेरे अंगूर के बाग म्ह काम करण खात्तर जाओ।” 8 “साँझ नै अंगूर के बाग के माल्लिक नै अपने भण्डारी तै कह्या, ‘मजदूरां ताहीं बुलाकै पाच्छल्यां तै लेकै पैहल्या ताहीं उननै मजदूरी दे-दे।’” 9 “जो पाँच बजे लगाये थे, उन ताहीं एक-एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मिल्या। 10 जो पैहल्या आये उननै यो सोच्या के म्हारै ताहीं घणा मिलैगा, पर उननै भी एक-एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) ए मिल्या। 11 मजदूरी तो उननै ले ली पर वे अंगूर के बाग के माल्लिक पै बिरड़ाकै कहण लागगे, 12 ‘जो पाच्छै लागगे थे, उननै बस एक घंटा काम करया, अर तन्नै म्हारै ताहीं भी उतनाए दिया जितना उन ताहीं, जिब के हमनै दिन-भर बोझ ठाया अर घाम सहया?’” 13 “बाग के माल्लिक नै उन म्ह तै एक ताहीं जवाब दिया, ‘हे दोस्त, मन्नै तेरे गैल कोए अन्याय कोनी करया। के तन्नै ए मेरै तै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) कोनी तय करया था? 14 जो तेरा सै, ठा ले अर चल्या जा; मेरी मर्जी, के जितना तन्नै दियुँ उतनाए इस पाच्छले ताहीं भी दियुँ। 15 के यो ठीक कोनी के मै अपने धन का जो चाहूँ वो करूँ? के मेरै भले होण के कारण तू कड़वी नजर तै देखखै सै?’” 16 “इस तरियां तै जो पाच्छले सै, वे पैहले होंगे, जो पैहले सै, पाच्छले होवेंगे।” 17 जब यीशु अपने बारहां चेल्यां गैल यरुशलेम नगर म्ह जाण लागरया था तो उन ताहीं एकान्त म्ह लेग्या, अर राह म्ह चालते-चालते उनतै बोल्या, 18 “देखो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सा; अर मै माणस का बेट्टा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँगा, वे मेरे खात्तर मौत की सजा तय करैगें। 19 अर मेरे ताहीं गैर यहूदियाँ के हाथ्यां म्ह सौपैगें, वे मेरा मजाक उड़ावेंगें, कोड़े मारैगें, क्रूस पै चढ़ावैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 20 फेर जब्दी के बेट्याँ की माँ नै, अपने बेट्याँ के गेल्या यीशु के धोरै आकै प्रणाम करया, अर उसतै कुछ माँगण लागगी। 21 यीशु नै उसतै कह्या, “तू के चाहवै सै?” वा यीशु तै बोल्ली, “मन्नै वचन दे, के मेरे ये दो बेट्टे तेरे राज्य म्ह एक तेरे सोळे अर दुसरा तेरे ओळै कान्ही बेट्टै।” 22 यीशु नै जवाब दिया, “थमनै न्ही बेरा के थम के माँगो सों। जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूँ, के थम वो दुख का कटोरा पी सको सो?” उननै उस ताहीं कह्या, “पी सकां सा।” 23 उसनै उनतै कह्या, “थम मेरे दुख का कटोरा तो पी ल्योगे, पर अपने सोळे अर

ओठे कान्ही किसे तार्हीं बिठाणा मेरा काम कोनी, पर जिनके खात्तर मेरे पिता की ओड़ तै त्यार करया गया, उननै ए खात्तर सै।” 24 न्यू सुणके दसो चेल्लें उन दोन्नु भाईयाँ पै छो करण लाग्गे। 25 यीशु नै उन तार्हीं धोरै बुलाके कह्या, “थम जाणो सो के गैर यहूदियाँ के हाकिम उनपै राज करै सै; अर जो बड़े सै, वे उनपै हक जमावै सै। 26 पर थारे म्ह इसा कोनी होवैगा; जो कोए थारे म्ह बड़ड़ा होणा चाहवै, वो थारा सेवक बणै, 27 अर जो थारे म्ह प्रधान होणा चाहवै, वो दास बणै, 28 जिसा के मै माणस का बेट्टा, ज्यांतै कोनी आया के मेरी सेवा-पाणी करी जावै, पर ज्यांतै आया के खुद सेवा-पाणी करूँ, अर घणखरयां के छुटकारै कै खात्तर अपणी जान देऊँ।” 29 जिब वे यरीहो नगर तै लिंकड़े थे, तो एक बड़ी भीड़ यीशु के पाच्छै हो ली। 30 अर दो आन्धे, जो सड़क के किनारे बेट्ठे थे, न्यू सुणके के यीशु जाण लागरया सै, रुक्का मारके कहण लाग्गे, “हे प्रभु, हे दाऊद की ऊलाद, म्हारै पै दया कर।” 31 माणसां नै उन तार्हीं धमकाया के बोल-बाल्ले रहवै; पर वे और भी रुक्के मारके बोल्ले, “हे प्रभु, दाऊद की ऊलाद, म्हारै पै दया कर।” 32 फेर यीशु नै खड़े होके, उन तार्हीं बुलाया अर कह्या, “थम के चाहवो सो के मै थारे खात्तर करूँ?” 33 उननै उसतै कह्या, “हे प्रभु, योए के हम देखण लाग जावां।” 34 यीशु नै तरस खाके उनकी आँखां पै हाथ लगाया, अर वे जिब्बे देखण लाग्गे; अर उसके पाच्छै हो लिये।

21 जिब वे यरुशलेम नगर के लोवै पोहचे अर जैतून पहाड़ पै बैतफगे गाम के धोरै आये, तो यीशु नै दो चेल्यां तार्हीं न्यू कहके भेज्या, 2 “स्याम्ही के गाम म्ह जाओ। ओड़ै पोहोचदये एक गधी बंधी होई, अर उसके गेल्या बच्चा थमनै मिलैगा। उननै खोल के मेरे धोरै ल्याओ। 3 जै थारे तै कोए कुछ कहवै, तो कहियो के प्रभु नै इसकी जरूरत सै, अर वो तोळा उसनै भेज देवैगा।” 4 यो ज्यांतै होया के जो वचन नबी के जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो 5 “यरुशलेम के लोगां तै कहो, ‘देख, थारा राजा थारे धोरै आवै सै; वो नम्र सै, अर गधे पै बेट्ठ्या सै; बल्के गधी के बच्चे पै।” 6 चेल्यां नै जाके, जिसा यीशु नै उनतै कह्या था, उससे तरियां करया। 7 अर गधी अर बच्चे तार्हीं ल्याके, उसपै अपणे लत्ते गेरे, अर वो उसपै बैठग्या। 8 फेर घणखरे माणसां नै अपणे लत्ते राह म्ह बिछाये, अर माणसां नै दरखतां तै डाळियाँ काटके राह म्ह

बिछाई। 9 जो भीड़ आगै-आगै अर पाच्छै-पाच्छै चाल्ली आवै थी, रुक्के मार-मारकै कहवै थी, “दाऊद की ऊलाद ताहीं होशाना, धन्य सै वो जो प्रभु के नाम तै आवै सै, अकास म्ह होशाना।” 10 जिब वो यरुशलेम म्ह बड़या, तो सारे नगर म्ह खलबल्ली माचगी, अर माणस कहण लाग्गे, “यो कौण सै?” 11 माणसां नै कह्या, “यो गलील परदेस के नासरत नगर का नबी यीशु सै।” 12 यीशु नै परमेसवर कै मन्दर म्ह जाके उन सारया ताहीं, जो मन्दर म्ह लेण-देण कररे थे, काढ दिया, अर सर्राफां (पर्ईसा का लेण देण करण आळे) के पीढ़े अर कबूतर बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट दी; 13 अर उनतै कह्या, “लिख्या सै, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर कुह्वावैगा’; पर थम उसनै डाकुवां की गुफा बणाओ सो।” 14 फेर आन्धे अर लंगड़े, मन्दर म्ह उसकै धोरै आये, अर उसनै उन ताहीं ठीक करया। 15 पर जिब प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ नै इन अनोक्खे काम्मां ताहीं, जो उसनै करे, अर छोरयां ताहीं मन्दर म्ह दाऊद की ऊलाद ताहीं होशाना रुक्के मारदे देख्या, तो वे छो म्ह भरगे, 16 अर उसतै कहण लाग्गे, “के तू सुणै सै के ये के कहवै सै?” यीशु नै उनतै कह्या, “हाँ; के थमनै यो कदे कोनी पढ्या: ‘बाळकां अर दूध पीन्दे बच्चां कै मुँह तै तन्नै घणी जै-जै कार कराई?’” 17 फेर वो उननै छोड़के नगर कै बाहरणै आके बैतनिय्याह गाम म्ह गया अर ओड़ै रात बिताई। 18 तड़कैए जिब वो नगर नै बोहड़ण लागरया था तो उसनै भूख लाग्गी। 19 सड़क कै किनारे अंजीर का एक दरखत देखकै वो उसकै धोरै गया, अर पत्त्या नै छोड़ उस म्ह और कुछ ना पाके उसतै कह्या, “इब तै तेरे म्ह फेर कदे फळ कोनी लाग्गै।” अर अंजीर का दरखत जिब्बे सूखग्या। (aiōn g165) 20 न्यू देखकै चेल्यां नै हैरानी होई अर उननै कह्या, “यो अंजीर का दरखत जिब्बे किस तरियां सूखग्या?” 21 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै थमनै साच्ची कहुँ सूं, जै थम बिश्वास राक्खो अर शक ना करो, तो ना केवल यो करोगे जो इस अंजीर कै दरखत गेल्या करया गया सै, पर जै इस पहाड़ नै कहोगे, ‘उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़’, तो यो भी हो जावैगा। 22 अर जो कुछ थम प्रार्थना म्ह बिश्वास तै माँगोगे वो सारा थमनै मिलैगा।” 23 वो मन्दर जाके उपदेश देवै था, तो प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै उसकै धोरै आके बुड़झया, “तू ये काम किसकै हक तै करै सै? अर तेरे ताहीं यो हक किसनै दिया सै?” 24 यीशु नै उनतै

जवाब दिया, “मै भी थारे तै एक बात बुझ्यु सूं; जै वो मन्नै बताओगे, तो मै भी थमनै बताऊंगा के ये काम किस हक तै करूं सूं। 25 यूहन्ना का बपतिस्मा कित्त तै था? सुर्ग की ओड़ तै या माणसां की ओड़ तै?” फेर वे आप्पस म्ह बहस करण लागे, “जै हम कहां ‘सुर्ग की ओड़ तै’ तो वो म्हारै तै कहवैगा, ‘फेर थमनै उसका बिश्वास क्यांतै न्ही करया?’ 26 अर जै कहां ‘माणसां की ओड़ तै’ तो हमनै भीड़ का डर सै, क्यूँके वे सारे यूहन्ना ताहीं नबी मान्नै सै।” 27 फेर उननै यीशु ताहीं जवाब दिया, “हमनै न्ही बेरा।” यीशु नै भी उनतै कह्या, “तो मै भी थमनै कोनी बतान्दा के ये काम किस हक तै करूं सूं।” 28 “आच्छा बताओ थम इस बारें म्ह के कहो सो? के किसे माणस कै दो बेटे थे; उसनै पैहले कै धोरै जाकै कह्या, ‘हे बेटे, आज अंगूर के बाग म्ह काम कर।’” 29 “पर बेटे नै जवाब दिया, ‘मै कोनी जान्दा’, पर कुछ बखत के बाद अपणे दिए होए जवाब पै उसनै भोत पछतावा होया अर वो चल्या गया।” 30 “फेर पिता नै दुसरे कै धोरै जाकै न्यूए कह्या, उसनै जवाब दिया, ‘जी हॉ जाऊँ सूं’, पर कोनी गया।” 31 “इन दोनुवां म्ह तै किसनै पिता की मर्जी पूरी करी?” उननै कह्या, “पैहले नै।” यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे तै साच्ची कहुँ सूं के चुंगी लेण आळे अर बेश्याएँ थारे तै पैहल्या परमेसवर के राज्य म्ह दाखल हो जावेंगे। 32 यो मै इस खात्तर कहुँ सूं क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा धर्म की राह दिखान्दे होए थारे धोरै आया, अर थमनै उसका बिश्वास कोनी करया; पर चुंगी लेण आळे अर बेश्यायाँ नै उसका बिश्वास करया अर थमनै न्यू देखकै भी पाप करणा कोनी छोड्या अर ना ए उसका बिश्वास करया।” 33 एक और उदाहरण सुणो एक घर का माल्लिक था, जिसनै अंगूर का बाग लगाया, अर उसकै चौगरदे नै बाड़ा बाँधया, अर रस का कुण्ड खोद्या, अर रुखाळ खात्तर एक मचान बणाया; अर किसानां ताहीं उसका ठेक्का देकै परदेस चल्या गया। 34 जिब फळ का बखत लोवै आया, तो उसनै अपणे नौकरां ताहीं उसका फळां का हिस्सा लेण नै किसानां धोरै भेज्या। 35 पर किसानां नै उसके नौकरां ताहीं पकड़कै, किसे ताहीं छेल्या, अर किसे ताहीं मार दिया, अर किसे पै पत्थर बरसाए। 36 फेर उसनै पैहल्या तै घणे और नौकरां ताहीं भेज्या, अर उननै भी उरसे तरियां करया। 37 आखर म्ह उसनै अपणे बेटे ताहीं उनकै धोरै न्यू सोचकै भेज्या के वे मेरै

बेटे की इज्जत करैगें 38 “पर किसानानां नै बेटे ताहीं देखकै आप्पस म्ह कह्या, ‘यो तो वारिस सै, आओ, इसनै मार देवा अर इसकी विरासत ले लेवां।’” 39 अर उननै उस ताहीं पकड्या अर अंगूर के बाग तै बाहरणै काढकै मार दिया। 40 “इस करकै जिब अंगूर के बाग का माल्लिक आवैगा, तो उन किसानानां के गेल्या के करैगा?” 41 उननै उसतै कह्या, “वो उन भुन्डे माणसां का भुंडी ढाळ नाश करैगा; अर अंगूर के बाग का ठेका दुसरे किसानानां ताहीं देवैगा, जो बखत पै उस ताहीं फळ दिया करैगें।” 42 यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै कदे भी पवित्र ग्रन्थ म्ह यो कोनी पढ्या: ‘जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै बेकार ठहराया था, वोए कुणे के सिरे का पत्थर होग्या? यो प्रभु की ओड़ तै होया, अर म्हारी निगांह म्ह अनोक्खा सै।’” 43 “ज्यांतै मै थमनै कहूँ सूँ के परमेसवर का राज्य थारे तै ले लिया जावैगा अर इसी जात ताहीं दिया जावैगा, जो उसका आच्छा फळ ल्यावै सै। 44 जो इस पत्थर पै पड़ैगा, वो चकणाचूर हो जावैगा; अर जिसपै वो पड़ैगा, उसनै पिस देवैगा।” 45 प्रधान याजक अर फरीसी उसके उदाहरणां नै सुणकै समझगे, के वो उनकै बाबत कहवै सै। 46 अर उननै उस ताहीं पकड़णा चाह्या, पर माणसां तै डरगे क्यूँके वे उसनै नबी मान्नै थे।

22 इसपै यीशु फेर उनतै उदाहरणां म्ह कहण लाग्या, 2 “सुर्ग का राज्य उस राजा की ढाळ सै, जिसनै अपने बेटे का ब्याह करया। 3 अर उसनै अपने नौकरां ताहीं भेज्या, के न्योदे होड़ माणसां ताहीं ब्याह के जिमणे म्ह बुलावै; पर उननै आणा न्ही चाह्या।” 4 “फेर उसनै और नौकरां ताहीं न्यू कहकै भेज्या, ‘न्योदे होड़ माणसां ताहीं कहो देखखों, मन्नै भोज त्यार कर लिया सै, अर मेरे बळध अर पळे होड़ डान्गर काट लिये सै: सारा कुछ त्यार सै; ब्याह के जिमणे म्ह आओ।’” 5 पर वे बेपरवाह होकै चले गये, कोए अपने खेत्तां म्ह, कोए अपने धन्धे पै। 6 और कई माणसां नै तो राजा के नौकरां ताहीं पकड़कै उनकी बेजती करी अर उन ताहीं मार दिया। 7 जिब राजा नै यो सुण्या तो छो म्ह भरग्या, अर अपनी पलटन भेजकै उन हत्यारा का नाश करया, अर उनके नगर फूँक दिए। 8 फेर राजा नै अपने नौकरां तै कह्या, ब्याह का भोज तो त्यार सै, पर के न्योदे होड़ माणस इस जोगे कोनी ठहरे। 9 इस करकै चौराहयाँ पै जाओ, अर जितने माणस थमनै मिलै, सारया

ताहीं ब्याह कै भोज म्ह बुला ल्याओ। 10 इस तरियां उसके नौकरां नै सड़कां पै जाकै के भुन्दे, के आच्छे, जितने मिले सारया ताहीं कठ्ठा करया; ब्याह का घर मेहमानां तै भरग्या। 11 जिब राजा मेहमानां नै देखण भीत्तर आया, तो उसनै ओड़ै एक माणस ताहीं देख्या, जो ब्याह आळे लत्ते कोनी पहररया था। 12 उसनै उसतै बुड़झया, हे दोस्त, तू ब्याह म्ह पैहरे जाण आळे लत्ते पहेरे बिना उरै क्यातै आ ग्या। उसका मुँह बन्द होग्या। 13 फेर राजा नै नौकरां तै कह्या, इसके हाथ-पैर जुड़कै उस ताहीं बाहरणै अन्धेरे म्ह गेर घो, ओड़ै रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा। 14 “क्यूँके बुलाये होड़ तो घणे सै पर चुणे होए कम सै।” 15 फेर फरीसियाँ नै आकै आप्पस म्ह विचार करया, के उसनै किस ढाळ बात्तां म्ह फसावा। 16 इस तरियां उननै अपणे चेल्यां ताहीं हेरोदेस राजा के समर्थकां कै गेल्या उसकै धोरै न्यू कहण नै भेज्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै, के तू साच्या सै, अर परमेसवर की राह सच्चाई तै सिखावै सै; अर किसे की परवाह कोनी करदा, क्यूँके तू माणसां का मुँह देखकै बात कोनी करदा। 17 इस करकै हमनै बता तन्नै के समझ आवै सै? कैसर तै चुंगी देणा ठीक सै के न्ही।” 18 यीशु नै उनका कपट जाणकै कह्या, “हे कपटियों, मन्नै क्यातै परखो सो? 19 कर का सिक्का मेरै ताहीं दिखाओ।” फेर उसकै धोरै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) लियाये। 20 उसनै उनतै कह्या, “या छाप अर नाम किसका सै?” 21 उननै उसतै कह्या, “कैसर का।” फेर उसनै उनतै कह्या, “जो कैसर का सै, वो कैसर ताहीं; अर जो परमेसवर का सै, वो परमेसवर ताहीं घो।” 22 न्यू सुणकै उननै हैरानी होई, उस ताहीं छोड़कै चले गये। 23 उससे दिन सदूकी जो कहवै सै के मरे होया का दुबारा जिन्दा उठणा सै ए कोनी, उसकै धोरै आये अर उसतै बुड़झया, 24 “हे गुरु, मूसा नबी नै कह्या था के जै कोए माणस बेऊलादा मर जावै, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह करकै अपणे भाई कै खात्तर पीढ़ी पैदा करै। 25 इब म्हारै उरै सात भाई थे; पैहल्ड़ा ब्याह करकै मरग्या, अर ऊलाद ना होण कै कारण अपणी घरआळी अपणे भाई कै खात्तर छोड़ ग्या। 26 इस्से तरियां दुसरे अर तीसरे नै भी करया, अर सातुवां तक योए होया। 27 सारया पाच्छे वा बिरबान्नी भी मरगी। 28 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा सातुवां म्ह तै किसकी घरआळी होवैगी? क्यूँके वा सारया की घरआळी बण ली थी।” 29

यीशु नै उनतै जवाब दिया, “थारी गलती या सै के थम पवित्र ग्रन्थ अर परमेसवर की सामर्थ नै न्ही जाणते। 30 क्यूँके मरकै जिन्दा हो जाणकै बाद ब्याह शादी कोनी होन्दी, पर सुर्ग म्ह परमेसवर के सुर्गदूतां की ढाळ होवैगें। 31 पर मरकै जिन्दा हो जाणकै बाबत के थमनै यो वचन कोनी पढ़्या जो परमेसवर नै थारे तै कह्या 32 ‘मै अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर, याकूब का परमेसवर सूँ?’ वो मरे होया का न्ही, पर जिन्दा का परमेसवर सै।” 33 न्यू सुणकै माणस उसके उपदेश तै हैरान होए। 34 जिब फरीसियाँ नै सुण्या के यीशु नै सदूकियाँ का मुँह बन्द कर दिया, तो वे कठ्ठे होए। 35 शास्त्री समाज के माणसां म्ह तै एक नै उस ताहीं परखण कै खात्तर उसतै बुझ्या, 36 “हे गुरु, नियम-कायदा म्ह कौण सा हुकम बड़ड़ा सै?” 37 यीशु नै उसतै कह्या, “तू परमेसवर अपणे प्रभु तै अपणे पूरे मन अर अपणे सारे प्राण अर अपणी सारी बुद्धि के साथ प्यार राख। 38 पैहला अर बड़ड़ा हुकम तो योए सै। 39 अर उस्से जिसा यो दुसरा भी सै के तू अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार राख। 40 ये दो हुकम सारे नियम-कायदे अर नबियाँ का निचोड़ (आधार) सै।” 41 जिब फरीसी कठ्ठे थे, तो यीशु नै उनतै बुझ्या, 42 “मसीह कै बारै म्ह थम के सोचो सो? वो किसका बेटा सै?” उननै यीशु तै कह्या, “दाऊद का।” 43 यीशु नै उनतै बुझ्या, “तो दाऊद आत्मा म्ह होकै उसनै प्रभु क्यांतै कहवै सै?” 44 “प्रभु नै, मेरै प्रभु तै कह्या, मेरै सोळे कान्ही बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ ताहीं तेरे पायां म्ह ना झुका दियुँ।” 45 “भला, जिब दाऊद उसनै प्रभु कहवै सै, तो वो उसका बेटा किस ढाळ होया?” 46 उसके जवाब म्ह कोए भी एक बात न्ही कह सक्या। पर उस दिन तै दुबारै उसतै कीमे और बुझ्याण की हिम्मत कोनी करी।

23 फेर यीशु नै भीड़ तै अर अपणे चेल्यां ताहीं कह्या, 2 “शास्त्री अर फरीसी माणसां नै मूसा नबी के नियम-कायदे सिखाण का हक सै; 3 ज्यांतै वे थारे तै जो कुछ कहवै वो करियो अर मानिये, पर उन जिसे काम ना करियो; क्यूँके वे सिखावै तो सै पर खुद करदे कोनी। 4 वे थारे पै कई नियम लागू करै सै जिसका पालन करणा ओक्खा सै, वे माणसां नै उनपै चाल्लण खात्तर मजबूर करै सै; पर वे खुद अपणे नियमां नै कोनी मानते।” 5 वे अपणे सारे काम माणसां ताहीं दिखाण कै खात्तर करै सै: वे अपणे ताबिजां नै चौड़ा

करै सै जिनपै वे पवित्र ग्रंथ के वचन लिखकै शरीर पै बाँधले सै, अर अपणे लत्यां की झाल्लर बधावै सै, ताके लोग उननै धर्मी समझै। 6 भोज म्ह खास-खास जगहां, अर आराधनालयों के खास-खास जगहां बैठणा, 7 बजारां म्ह नमस्कार, अर माणसां म्ह गुरु कुहाणा उननै भावै सै। 8 पर थम गुरु ना कुहाणा, क्यूँके थारा एके गुरु सै, अर थम सारे भाई-भाण के समान सों। 9 धरती पै किसे नै अपणा पिता ना कहियो, क्यूँके थारा एके आत्मिक पिता सै, जो सुर्ग म्ह सै। 10 अर स्वामी भी ना कुहाणा, क्यूँके थारा एके माल्लिक सै, यानिके मसीह। 11 जो थारे म्ह बड़ड़ा हो, वो थारा सेवक या नौक्कर बणै। 12 जो कोए अपणे-आपनै बड़ड़ा बणावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा: अर जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड़ड़ा करया जावैगा। 13 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम माणसां के खात्तर सुर्ग राज्य का बारणा बन्द करो सो, ना तो थम खुद उस म्ह दाखल होवो सो अर ना उस म्ह दाखल होण आळा नै दाखल होण द्यो सो। 14 (हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम बिधवा के घरां नै खा जाओ सो, अर अपणे-आपनै धर्मी दिखाण खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहो सो: ज्यांतै थारे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै घणा दण्ड मिलैगा।) 15 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम एक माणस ताहीं अपणे पंथ म्ह ल्याण के खात्तर दूर-दूर ताहीं हान्डो सो, अर जिब वो पंथ म्ह आ जावै सै, तो खुद तो नरक म्ह जाओ सों पर दुसरयां नै अपणे तै दुगणा नरक जाण का भाग्गी बणा द्यो सो। (Geenna g1067) 16 हे आन्धे अगुवों, थारे पै धिक्कार सै! थम जो या शिक्षा द्यो सो, के जै कोए मन्दर की सूह खावै तो किमे न्ही, पर जै कोए मन्दर के सोन्ने की सूह खावै तो उसतै बन्द जावैगा। 17 हे बेअक्लो अर आंध्यो, कौण बड़ड़ा सै; मन्दर का सोन्ना या वो मन्दर जिसनै उस सोन्ने ताहीं पवित्र बणाया सै? 18 थम यो भी सिखाओ सो के जै कोए वेदी की सूह खावै तो किमे न्ही, पर जो भेंट उसपै सै, जै कोए उसकी कसम खावै तो बन्द जावैगा। 19 हे आंध्यो, कौण बड़ड़ा सै; भेंट या वेदी जिसम्ह भेंट पवित्र होवै सै? 20 इस करकै जो वेदी की कसम खावै सै, वो उसकी अर जो कुछ उसपै सै, उसकी भी कसम खावै सै। 21 जो मन्दर की कसम खावै सै, वो परमेसवर जो उस म्ह रहवै सै, उसकी भी कसम खावै

सै। 22 जो सुर्ग की कसम खावै सै, वो परमेसवर कै सिंहासन की अर उसपै बैठण आळे की भी कसम खावै सै। 23 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियो, थारे पै धिक्कार सै! थम पुदीने, सौँफ, जीरै का दसमां हिस्सा तो द्यो सो, पर थमनै नियम-कायदा की गहरी बात्तां ताहीं यानिके न्याय, दया, अर वफादारी का तिरस्कार करो सौँ; थमनै दसमां हिस्सा भी देणा चाहिये पर उन खास बात्तां नै भी नजरअंदाज ना करो। 24 हे आन्धे अगुवों, थम छोट्टे-छोट्टे नियमां का पालन करण का तो भोत ध्यान राक्खों सौँ, जिस तरियां पाणी म्ह तै माच्छर ताहीं तो छाण ल्यो सो, पर परमेसवर के खास हुकम का पालन कोनी करते, जो ऊँट नै निगळ जाणकै समान सै। 25 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियो, थारे पै धिक्कार सै! क्यूँके थम लालची अर स्वार्थी सौँ, पर थम अपणे-आपनै पवित्र राक्खण का ढोंग करो सौँ, इस खात्तर थम उन कटोरे अर थाळी के समान सौँ जो उप्पर तै तो साफ सै पर भित्तर तै वे गन्दे सै। 26 हे आन्धे फरीसियो, पैहल्या माणस नै लूटणा बन्द करो जिब्बे थम धर्म के काम का पालन कर पाओगे अर फेर थम उस कटोरे अर थाळी के समान होवैगें जो भीत्तर बाहर तै भी साफ हों सै। 27 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियो, थारे पै धिक्कार सै! थम चुन्ने फिरी होई कब्रां के जिसे सो जो उप्पर तै तो सुथरी दिक्खै सै, पर भीत्तर मुर्दा की हाडियाँ अर सारे ढाळ की गन्दगी तै ठुकी होई सै। 28 इस्से तरियां तै थम भी उप्पर तै माणसां ताहीं धर्मी दिक्खो सो, पर भीत्तर अधर्म अर कपट तै भरे सो। 29 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियो, थारे पै धिक्कार सै! थम उन नबियाँ की कब्र समारो सो अर धर्मियाँ की कब्र सजाओ सो, जिन ताहीं थारे पूर्वजां नै मारा था। 30 “अर कहो सो, ‘जै हम अपणे बाप-दाद्यां के दिनां म्ह होन्दे तो नबियाँ की हत्या म्ह उनके साइड़ी कोनी होन्दे!’ 31 इसतै तो थम अपणे आप ए या गवाही द्यो सो के थम नबियाँ के हत्यारां के वंशज सो। 32 ठीक सै थम अपणे पूर्वजां कै पाप का घड़ा भरते जाओ।” 33 हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थम नरक की सजा तै किस ढाळ बचोगे? (Geenna g1067) 34 इस करकै देक्खो, मै थारे धोरै नबियाँ अर समझदार अर शास्त्रियाँ ताहीं भेज्जू सूँ, अर थम उन म्ह तै कुछां नै मार द्योगे अर क्रूस पै चढ़ावोगे, अर कुछां नै अपणे आराधनालयों म्ह कोड़े मारोगे अर एक नगर तै दुसरे नगर ताहीं भजादे

फिरोगे। 35 जिसतै धर्मी हाबिल तै लेकै बिरिक्याह के बेटे जकर्याह तक, जिस ताहीं थमनै मन्दर अर वेदी के बिचाळै मार दिया था, जितने भी धर्मी माणसां ताहीं मारया सै, वो सारा दण्ड थारे सिर पै पड़ैगा। 36 मै थमनै सच कहूँ सूँ, ये सब का दण्ड इस पीढ़ी के माणसां नै भुगतणा पड़ैगा। 37 “हे यरुशलेम नगर के लोगो, हे यरुशलेम नगर के लोगो! थम नबियाँ नै मार देओ सो, अर जो थारे धोरै भेज्जै गए, उनपै पत्थर बरसाओ सो। कितनी ए बर मन्नै चाह्या के जिस ढाळ मुर्गी अपणे बच्चां ताहीं अपणे पाक्खां कै तळै छुपा ले सै, उरसे तरियां ए मै भी थारे बाळकां नै कट्टा कर ल्युँ, पर थमनै कोनी चाह्या। 38 देखो, थारा घर थारे खात्तर उजाड़ छोड्या जावे सै। 39 क्यूँके मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के इब तै जिब ताहीं थम नही कहोगे, ‘धन्य सै वो, जो प्रभु कै नाम तै आवै सै’ तब तक थम मन्नै फेर दुबारै कदे कोनी देखोगे।”

24 जिब यीशु मन्दर तै लिकड़कै जाण लागरया था, तो उसके चेल्लें उस ताहीं मन्दर की बणावट दिखाण कै खात्तर उसकै धोरै आये। 2 यीशु नै उनतै कहा, “के थम ये सारी इमारत नही देखते? मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, उरै पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवैगा, जो गेरया ना जावैगा।” 3 जिब यीशु जैतून कै पहाड़ पै बेठ्या था, तो चेल्यां नै एकले म्ह उसकै धोरै आकै कहा, “हमनै बता, ये बात कद होवैगी? तेरे आण का अर दुनिया कै अन्त की के निशान्नी होवैगी?” (aiōn g165) 4 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “चौकन्ने रहियो! कोए थमनै भकाण नही पावै, 5 क्यूँके घणखरे इसे होवैगें जो मेरै नाम तै आकै कहवैगें, मै मसीह सूँ, अर घणाए ताहीं भकावैगें। 6 थम रोळे अर लड़ाईया का जिक्र सुणोगे, तो घबराईयो ना क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस बखत खात्मा कोनी होवैगा। 7 क्यूँके जात पै जात, अर राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा, अर जगहां-जगहां अकाळ पड़ैगें, अर हाल्लण आवैगें। 8 ये सारी बात दुखां की शरुआत होवैगी।” 9 फेर माणस क्लेश देण कै खात्तर थमनै पकड़वावैगें, अर थमनै मार देवैगें, अर मेरै नाम कै कारण सारी जात्तां के माणस थारे तै बैर राक्खैगें, क्यूँके थम मेरे पै बिश्वास करो सों। 10 फेर घणखरे मेरे पै बिश्वास करणा छोड़ देंगें, अर एक-दुसरे नै पकड़वावैगें, अर एक-दुसरे तै बैर राक्खैगें। 11 घणखरे झूठे नबी आवैगें, अर घणाए ताहीं भकावैगें। 12 अधर्म कै बढ़ण तै वे एक-दुसरे तै प्यार करणा छोड़ देंगे, 13

पर जो अन्त तारीं मेरे पै बिश्वास राक्खैगा, उस्से तारीं बचाया जावैगा। 14 अर परमेसवर के राज्य का यो सुसमाचार सारी दुनिया म्ह प्रचार करया जावैगा, ताके सारी जात्तां नै इस तारीं स्वीकार करण का मौक्का मिलै, ताके थम मेरे गवाह होओ, फेर दुनिया का अन्त आ जावैगा। 15 इस करकै जिब थम उस उजाड़ण आळी घृणित चीज तारीं जिसका जिक्र दानिय्येल नबी के जरिये होया था, पवित्र जगहां पै खड़े देक्खो (जो पढ़ै, वो समझै), 16 फेर जो यहूदिया परदेस म्ह हो, वे पहाड़ां पै भाज जावै। 17 जो छात पै हो, वो अपणे घर म्ह तै समान लेण नै तळै न्ही उतरै, 18 अर जो खेत म्ह हो, वो अपणा लत्ता लेण नै पाच्छै न्ही बोहड़ै। 19 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगीं, उनकै खात्तर भागणा भी मुशिकल होगा! 20 प्रार्थना करया करो के थमनै जाड्डे म्ह या आराम कै दिन भाजणा ना पढ़ै। 21 क्यूँके उस बखत इसा भारया क्लेश होवैगा, जिसा दुनिया की शरुआत तै ना इब तारीं होया ना कदे होवैगा। 22 “अर जै वे दिन घटाए न्ही जान्दे तो कोए प्राणी कोनी बचदा, पर छाँटि होया कै कारण वे दिन घटाए जावैंगे। 23 उस बखत जै कोए थमनै कहवै, ‘देक्खो, मसीह उरै सै!’ या ‘ओड़ै सै!’ तो बिश्वास ना” करियो। 24 क्यूँके झूठे मसीह अर झूठे नबी उठ खड़े होवैंगे, अर बड़े-बड़े चमत्कार, अर अनोक्खे काम दिखावैंगे के जै हो सक्या तो छाँटि होया तारीं भी भका देवैंगे। 25 देक्खो, मन्ने पैहल्याए थारे तै यो सारा कुछ कह दिया सै। 26 “इस करकै जै वे थारे तै कहवै, ‘देक्खो, वो बण म्ह सै’, तो बाहरणै ना लिक्ड़यो; या ‘देक्खो, वो कोठड़ी म्ह सै’, तो बिश्वास ना करियो। 27 क्यूँके जिस तरियां बिजळी पूरब तै लिक्ड़कै पश्चिम तारीं चमकै सै, उस्से तरियां मुझ माणस के बेटे का भी आणा होवैगा। 28 जड़ै लाश हो, उड़ैए चील कठ्ठे होवैंगे।” 29 उन दिनां के क्लेश कै पाच्छै जिब्बे सूरज अन्धेरै म्ह हो जावैगा, चाँद का चाँदणा जान्दा रहवैगा, अर तारे अकास तै तळै पड़ैंगे, अर अकास की शक्तियाँ हलाई जावैंगी। 30 फेर माणस के बेटे का निशान अकास म्ह दिखैगा, अर फेर धरती के सारे खानदान्ना के माणस छात्ती पिटेगें; अर माणस के बेटे तारीं बड्डी सामर्थ अर महिमा कै गेल्या अकास के बादळां पै आन्दे देक्खोगे। 31 वो तुरही की तेज आवाज कै गेल्या अपणे सुर्गदूतां नै खन्दावैगा, अर वे अकास के इस सिरे तै उस सिरे तारीं,

च्यारु दिशायां तै उसके चुणे होया नै कट्टे करैगें। 32 अंजीर के दरखत तै यो उदाहरण सीक्खो: जिब उसकी डाळी कोमल हो जावै अर पत्ते लिकड़ण लाग ज्या सै, तो थम जाण ल्यो के गर्मी का बखत लोवै सै। 33 इस्से तरियां तै जिब थम इन सारी बात्तां नै देक्खो, तो जाण ल्यो के वो लोवै सै, बल्के दरबाजे पै सै। 34 मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के जिब ताहीं ये सारी बात पूरी ना हो लेवै, जद ताहीं इस पीढ़ी का अन्त कोनी होवैगा। 35 धरती अर अकास टळ जावैगें, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी। 36 “उस दिन अर उस बखत कै बारै म्ह कोए न्ही जाण्दा, ना सुर्गदूत अर ना बेट्टा, पर सिर्फ पिता। 37 जिसा पूर्वज नूह के दिनां होया था, उस्से तरियां ए माणस के बेट्टे का आणा होगा। 38 क्यूँके जिस तरियां बाढ़ तै पैहले के दिनां म्ह, जिस दिन ताहीं नूह जहाज पै न्ही चढ़या, उस दिन ताहीं माणस खावै-पीवै थे, अर उन म्ह ब्याह होवै थे। 39 अर जिब ताहीं बाढ़ आकै उन सारया ताहीं बहा न्ही लेग्या, जद ताहीं उननै किमे बेरा न्ही पाट्या; इस्से तरियां ए मुझ माणस के बेट्टे का आणा भी होगा। 40 उस बखत दो जणे खेत म्ह होंगे, एक ठया जावैगा अर दुसरा छोड़ दिया जावैगा। 41 दो बिरबान्नी एक साथ चाक्की पीसदी होवैगी, एक ठा ली जावैगी अर दुसरी छोड़ दी जावैगी।” 42 इस करकै जागदे रहो, क्यूँके थमनै न्ही बेरा के थारा प्रभु किस दिन आवैगा। 43 पर न्यू जाण ल्यो के जै घर का माल्लिक नै बेरा हो के चोर किस घड़ी आवैगा तो जागदा रहन्दा, अर अपणे घर म्ह सेंध लागण न्ही देन्दा। 44 ज्यांतै थम भी त्यार रहो, क्यूँके जिस घड़ी कै बारै म्ह थम सोचदे भी कोनी, उस्से घड़ी मै माणस का बेट्टा आ जाऊँगा। 45 “आखर म्ह वो बिश्वास जोग्गा अर अकलमंद दास कौण सै, जिस ताहीं माल्लिक नै अपणे नौक्कर-चाकरां पर सरदार ठहराया के बखत पै उननै खाणा देवै? 46 धन्य सै वो नौक्कर, जिस ताहीं उसका माल्लिक आकै इसाए करदा पावै। 47 मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, वो उसनै अपणी सारी धन-सम्पत्ति का माल्लिक बणावैगा। 48 पर जै वो दुष्ट दास सोच्यण लाग्गै के मेरै माल्लिक कै आण म्ह वार सै, 49 अर अपणे साथी नौकरां नै पिट्टण लाग्गै, अर शराबियाँ कै गेल्या खावै-पीवै। 50 तो उस नौक्कर का माल्लिक उस दिन बोहड़ैगा, जिब वो उसकी बाट ना देख्दा हो, अर इसे बखत म्ह आवैगा

जिसका उसने ना बेरा हो, 51 जिब वो उसने भारी सजा देगा उसकी गिणती कपटियाँ के म्ह गिणी जावैगी: ओड़ै रोणा अर दाँत पिसणा होगा।”

25 यीशु नै अपणे चेल्यां ताहीं एक और उदाहरण देकै कह्या, “सुर्ग का राज्य उन दस कुँवारियाँ के जिसा होगा जो अपणी मशाल लेकै बन्दे तै फेटण लिक्डी। 2 उन म्ह पाँच बेअक्ल अर पाँच समझदार थी। 3 बेअक्ली कुवारियाँ नै अपणी मशाल तो ली, पर अपणे गेल्या फालतू तेल न्ही लिया; 4 पर समझदारां नै अपणी मशालां कै गेल्या अपणी कुपियाँ म्ह तेल भी भर लिया। 5 जिब बन्दे कै आण म्ह वार होई, तो वे सारी ऊँघण लागी अर सोगी।” 6 “आध्धी रात नै धूम माच्ची: ‘देक्खो, बन्दड़ा आण लागरया सै! उसतै फेटण नै चाल्लो।” 7 “फेर वे सारी कुँवारियाँ उठकै अपणी मशाल ठीक करण लागी। 8 अर बेअक्लियाँ नै समझदारां तै कह्या, ‘अपणे तेल म्ह तै कुछ हमनै भी द्यो, क्यूँके म्हारी मशाल बुझ्झण लागरी सै।” 9 “पर समझदारां नै जवाब दिया, ‘कदे यो म्हारै अर थारे खात्तर पूरा ना पड़ै; भला तो योए सै के थम बेचणीयाँ कै धोरै जाकै अपणे खात्तर मोल लियाओ।” 10 जिब वे मोल लेण नै जावै थी तो बन्दड़ा आण पोंहच्या, अर जो त्यार थी, वे उसके गेल्या ब्याह कै घर म्ह चली गई अर बारणा मूंद दिया गया। 11 “इसकै पाच्छै वे दुसरी कुँवारियाँ भी बोहड़कै आई अर बन्दे तै कहण लागी, ‘हे माल्लिक, हे माल्लिक, म्हारै खात्तर किवाड़ खोल दे।” 12 “उसने जवाब दिया, ‘मै थारे ताहीं साच्ची कहूँ सूँ, मै थमनै कोनी जाण्दा।” 13 इस करकै चोक्कने रहो, क्यूँके मेरे आण के उस दिन नै थम कोनी जाणते, ना उस घड़ी नै जिस दिन म्ह आऊँगा। 14 सुर्ग का राज्य उस माणस के उदाहरण के समान भी सै, जिसने परदेस जान्दे बखत अपणे नौकरां ताहीं बुलाकै अपणी कुछ सम्पत्ति उन ताहीं सौप दी, ताके वे व्यापर करकै घणा धन जोड़ ले। 15 उसने एक तै पाँच तोड़े (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै), दुसरे ताहीं दो, अर तीसरे ताहीं एक; यानिके हरेक नै उसकी काबिलियत कै मुताबिक दिया, अर फेर परदेस चल्या गया। 16 फेर, जिस ताहीं पाँच तोड़े मिले थे, उसने जिब्बे जाकै उनतै लेण-देण करया, अर पाँच तोड़े और कमाए। 17 इस्से तरियां तै जिस ताहीं दो मिले थे, उसने भी दो और कमाए। 18 पर जिस ताहीं एक मिल्या था, उसने जाकै माट्टी खोद्वी, अर

अपणे माल्लिक का धन लहको दिया। 19 घणे दिनां पाच्छै उन नौकरां का माल्लिक आया, अर उनतै हिसाब लेण लाग्या, के उननै उन पर्ईसा तै के कुछ करया। 20 जिसनै पाँच तोड़े मिले थे, उसनै पाँच तोड़े और ल्याकै कह्या, हे माल्लिक, तन्नै मेरै ताहीं पाँच तोड़े सौप्पे थे, लखा, मन्नै ये पाँच तोड़े और कमाए सै। 21 उसकै माल्लिक नै उसतै कह्या, शाबाश, हे भरोस्से के लायक आच्छे नौक्कर, तू थोड़े-से धन म्ह भी भरोसमंद लिकड़या, मै तन्नै घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊंगा। अपणे माल्लिक कै आनन्द म्ह साइझी हो। 22 फेर जिस ताहीं दो तोड़े मिले थे, उसनै भी आकै कह्या, हे माल्लिक, तन्नै मेरै ताहीं दो तोड़े सौप्पे थे, देख, मन्नै दो तोड़े और कमाए सै। 23 उसकै माल्लिक नै उसतै कह्या, शाबाश, हे भरोस्से के लायक आच्छे नौक्कर, तू थोड़े म्ह भी भरोसमंद लिकड़या; मै तन्नै घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊंगा। अपणे माल्लिक कै आनन्द म्ह साइझी हो। 24 फेर जिस ताहीं एक तोड़ा मिल्या था, उसनै आकै कह्या, हे माल्लिक, मै तन्नै जाणु था, के तू इसा माणस सै: जित्त किते तू बीज न्ही बोन्दा ओड़ै फसल काट्टै सै, अर जित्त न्ही खिंडान्दा ओड़ै तै कठ्ठा करै सै। 25 जै मै तेरा तोड़ा खो देता तो तू मन्नै दण्ड देता, ज्यांतै मै डरग्या अर जाकै तेरा तोड़ा माट्टी म्ह दबा दिया। देख, जो तेरा सै, वो यो सै। 26 उसकै माल्लिक नै उस ताहीं जवाब दिया, हे दुष्ट अर आलसी नौक्कर, जिब तन्नै न्यू बेरा था के जित्त मन्नै बीज न्ही बोया ओड़ै तै फसल काट्टू सूं, अर जित्त मन्नै न्ही खिंडाया ओड़ै तै कठ्ठा करूँ सूं; 27 जै तन्नै बेरा था के मै इसा सूं, तो तू मेरा धन सर्राफां नै ए दे देंदा, फेर मै आकै अपणा धन ब्याज सुधां ले लेन्दा। 28 माल्लिक नै अपणे नौकरां तै कह्या, ज्यातै वो तोड़ा उसतै ले ल्यो, अर जिसकै धोरै दस तोड़े सै उसनै दे द्यो। 29 क्यूँके जिस किसे धोरै सै, उस ताहीं और दिया जावैगा; अर उसकै धोरै घणा हो जावैगा: पर जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै वो भी जो उसकै धोरै सै, ले लिया जावैगा। 30 इस निकम्मे नौक्कर नै बाहर अन्धेरै म्ह गेर द्यो, जित्त रोणा अर दाँत पिसणा होगा। 31 जिब मै माणस का बेट्टा अपणी महिमा म्ह आऊंगा अर सारे सुर्मादूत मेरे गेल्या आवैगें, तो मै अपणी महिमा कै सिंहासन पै बैठुंगा। 32 अर सारी जात मेरे स्याम्ही कठ्ठी करी जावैगी; अर जिस ढाळ पाळी भेड्डां नै बकरियाँ तै न्यारी कर देवै सै, उससे तरियां मै उननै एक-दुसरे तै

न्यारा करूंगा। 33 मै भेट्टां नै अपणी सोळी ओड़ अर बकरियाँ नै ओळी ओड़ खड्या करूंगा। 34 “फेर मै राजा अपणी सोळी ओड़ आळा नै कहूंगा, ‘हे मेरे पिता के धन्य माणसों, आओ, उस राज्य के हकदार हो जाओ, जो दुनिया की शरुआत तै थारे खात्तर त्यार करया गया सै। 35 क्यूँके जिब मै भूक्खा था, तो थमनै मेरै ताहीं खाण नै दिया; मै तिसाया था, तो थमनै मेरै ताहीं पाणी पिलाया; मै परदेशी था, तो थमनै मेरै ताहीं अपणे घरां ठहराया; 36 मै उघाड़ा था, तो थमनै मेरै ताहीं लत्ते पिहराए; मै बीमार था, तो थमनै मेरा बेरा लिया, मै जेळ म्ह था, तो थम मेरै तै मिलण आये।” 37 “फेर धर्मी उस ताहीं जवाब देवें, ‘हे प्रभु, हमनै कद तेरे ताहीं भूक्खा देख्या अर खुवाया? या कद तिसाया देख्या अर पाणी पिलाया? 38 हमनै कद तेरे ताहीं परदेशी देख्या अर अपणे घरां ठहराया? या उघाड़ा देख्या अर लत्ते पिहराये? 39 हमनै कद तेरे ताहीं बीमार या जेळ म्ह देख्या अर तेरा बेरा लेण आये?’” 40 “फेर मै राजा उननै जवाब देऊंगा, ‘मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के थमनै जो मेरे इन छोट्या तै छोट्टे बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै किसे एक कै गेल्या करया, वो मेरै ए गेल्या करया।” 41 “फेर मै ओळै कान्ही आळा ताहीं कहूँगा, ‘हे श्रापित माणसों, मेरै स्याम्ही तै उस अनन्त आग म्ह चले जाओ, जो परमेसवर नै शैतान अर उसके दूतां खात्तर त्यार करी सै। (aiōnios g166) 42 क्यूँके मै जिब भूक्खा था, तो थमनै मेरै ताहीं खाण नै कोनी दिया; मै तिसाया था, तो थमनै मेरै ताहीं पाणी कोनी पियाया; मै जिब परदेशी था, तो थमनै मेरै ताहीं अपणे घरां कोनी ठहराया; 43 मै नंगा था, तो थमनै मेरै ताहीं लत्ते कोनी पिहराए; मै जिब बीमार था, तो थमनै मेरा बेरा कोनी लिया, मै जेळ म्ह था, तो थम मेरै तै मिलण कोनी आये।” 44 “फेर वे जवाब देवें, ‘हे प्रभु, हमनै तेरे ताहीं कद भूक्खा, या तिसाया, या परदेशी, या उघाड़ा, या बीमार, या जेळ म्ह देख्या, अर तेरी सेवा-पाणी न्ही करी?’” 45 “फेर मै उननै जवाब देऊंगा, ‘मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के थमनै जो मेरे इन छोट्या तै छोट्या म्ह तै किसे एक कै गेल्या न्ही करया, वो मेरै गेल्या भी न्ही करया।” 46 “अर अधर्मी जन अनन्त दण्ड भोगें पर धर्मी जन अनन्त जीवन म्ह दाखल होंगे।” (aiōnios g166)

26 जिब यीशु नै ये सारी बात कह ली तो अपणे चेल्यां तै कहण लाग्या, 2 “थमनै बेरा सै के दो दिनां पाच्छे फसह का त्यौहार सै, अर मै माणस का

बेटा क्रूस पै चढ़ाण के खात्तर पकड़वाया जाऊँगा।” 3 फेर प्रधान याजक अर प्रजा के यहूदी अगुवें, काइफा नामक महायाजक कै आँगण म्ह कठ्ठे होए, 4 अर आप्पस म्ह विचार करण लागे के यीशु तारी धोक्खे तै पकड़कै मार देवा। 5 पर वे कहवै थे, “त्यौहार कै बखत न्ही, कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माच ज्या।” 6 जिव यीशु बैतनिय्याह गाम म्ह शमौन कोढ़ी कै घरां था, 7 तो एक बिरबान्नी संगमरमर कै बरतन म्ह महँगा खसबूदार तेल लेकै उसकै धोरै आई, अर जिव वो खाणा खाण नै बेठ्या था तो उसकै सिर पै उंडेल दिया। 8 न्यू देखकै उसके चेल्लें खीजकै अर कहण लागे, “इसका क्यातै नाश करया गया? 9 इस तारी तो बढ़िया दाम्मां पै बेचकै कंगालां म्ह बांडया जा सकै था।” 10 न्यू जाणकै यीशु नै उनतै कह्या, “बिरबान्नी नै क्यातै सताओ सो? उसनै मेरे गेल्या भलाई करी सै। 11 कंगाल तो थारे गेल्या सारी हाण रहवै सै, पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहुँगा। 12 उसनै मेरी देह पै जो यो महँगा खसबूदार तेल उंडेला सै, वो मेरे गाड़े जाणकै खात्तर करया सै। 13 मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, के सारे दुनिया म्ह जित्त किते भी यो सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, ओड़ै उसकै इस काम का जिक्र भी उसकी याद म्ह करया जावैगा।” 14 फेर यहूदा इस्करियोती नै, जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां कै धोरै जाकै कह्या, 15 “जै मै यीशु नै थारे हाथ्यां म्ह पकड़वा दिर्युँ, तो मन्नै के द्योगे?” उननै तीस चाँदी के सिक्के तौलकै दे दिये। 16 अर वो उससे बखत तै यीशु नै पकड़वाण का मौक्का टोह लाग्या। 17 अखमीरी रोटी कै त्यौहार कै पैहलड़े दिन, चेल्लें यीशु कै धोरै आकै बुइझण लागे, “तू कित्त चाहवै सै के हम तेरे खात्तर फसह खाण की तयारी करा?” 18 यीशु बोल्या, “नगर म्ह फलाणा माणस नै जाकै उसतै कहो, ‘गुरु कहवै सै के मेरा बखत लोवै सै। मै अपणे चेल्यां कै गेल्या तेरे उरै फसह का त्यौहार बणाऊँगा।” 19 आखर चेल्यां नै यीशु का हुकम मान्या अर फसह का भोज तयार करया। 20 जिव साँझ होई तो यीशु बारहां चेल्यां कै गेल्या खाणा खाण कै खात्तर बेठ्या। 21 जिव वे खाण लागरे थे तो यीशु नै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के थारे म्ह तै एक मन्नै धोक्खा देकै पकड़वावैगा।” 22 इसपै चेल्लें घणे उदास होए, अर हरेक उसतै बुइझण लाग्या, “हे गुरु, के वो मै सूँ?” 23 यीशु नै जवाब दिया, “जिसनै मेरे गेल्या

थाळी म्ह हाथ घाल्या सै, वोए मन्नै पकड़वावैगा। 24 मै माणस का बेट्टा तो जिसा मेरे बारै म्ह लिख्या सै, अर जावै ए सै; पर उस माणस पै धिक्कार सै जिसकै जरिये मै माणस का बेट्टा पकड़वाया जाऊँगा: जै उस माणस का जन्म ए न्ही होंदा, तो उसकै खात्तर भला होंदा।” 25 फेर यीशु कै पकड़वाण आळे यहूदा नै कह्या, “हे गुरु, के वो मै सूँ?” यीशु उसतै बोल्या, “तन्नै कह लिया।” 26 जिब वे फसह खाण लागरे थे, तो यीशु नै रोटी ली, अर आशीष माँगकै तोड़ी, अर चेल्यां ताहीं देकै कह्या, “ल्यो, खाओ; या मेरी देह सै।” 27 फेर यीशु नै अपणा कटोरा लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर उन ताहीं देकै कह्या, “थम सारे इस म्ह तै पियो, 28 क्यूँके यो करार का मेरा वो लहू सै, जो घणखरयां कै खात्तर पापां की माफी कै खात्तर बहाया जावै सै। 29 मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के अंगूर का यो रस उस दिन ताहीं कदे न्ही पिऊँगा, जिब थारे गेल्या अपणे पिता कै राज्य म्ह नया न्ही पीऊँ।” 30 फेर वे भजन गाकै जैतून कै पहाड़ पै गए। 31 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “थम आज ए रात नै मेरै बाबत ठोक्कर खाओगे, क्यूँके लिख्या सै: ‘मै पाळी नै मारूँगा, अर टोळ की भेड़ तित्तर-बितर हो जावैगी।’” 32 “पर मै अपणे जिन्दा उठण कै बाद थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह मिलूँगा।” 33 इसपै पतरस नै उसतै कह्या, “जै सारे छोड़ै तो छोड़ै, पर मै तेरा साथ कदे न्ही छोड़ूँगा।” 34 यीशु नै उसतै कह्या, “मै तेरे तै सच कहुँ सूँ के आज ए रात नै मुर्गे के बाँग देण तै पैहल्या, तू तीन बर मेरै बारै म्ह मुकरैगा।” 35 पतरस नै उसतै कह्या, “जै मन्नै तेरे गेल्या मरणा भी पड़ै, तोभी मै तेरा इन्कार कदे कोनी करूँगा।” इस्से तरियां और सारे चेल्यां नै भी न्यूए कह्या। 36 फेर यीशु अपणे चेल्यां कै गेल्या गतसमनी नामक एक जगहां म्ह आया अर अपणे चेल्यां तै कहण लाग्या, “उरैए बेठ्ठे रहियो, जिब ताहीं मै ओड़ै प्रार्थना करूँ।” 37 वो पतरस अर जब्दी के दोन्नु बेट्टा नै गेल्या लेग्या, अर उदास अर कांल होण लाग्या। 38 फेर उसनै उनतै कह्या, “मेरा मन घणा उदास सै, उरै ताहीं के मेरा जी लिकड़ण नै होरया सै। थम उरै ठहरो अर जागदे रहो।” 39 फेर वो माड़ा और आगै सरक कै मुँह कै बळ गिरया, अर या प्रार्थना करण लाग्या, “हे मेरे पिता, जै हो सकै तो यो दुख का कटोरा मेरै तै टळ जावै, तोभी जिसा मै चाहुँ सूँ इसा न्ही, पर जिसा तू चाहवै सै उस्से तरियां ए होवै।” 40 फेर उसनै

चेल्यां कै धोरै आकै उन ताहीं सोन्दे पाया अर पतरस तै कह्या, “के थम मेरै गेल्या एक घड़ी भी कोनी जाग सके? 41 जागदे रहो, अर प्रार्थना करदे रहो के थम परखे ना जाओ, आत्मा तो त्यार सै पर देह कमजोर सै।” 42 फेर उसनै दुसरी बार जाकै या प्रार्थना करी, “हे मेरे पिता, जै यो मेरै पिए बिना न्ही हट सकदा, तो तेरी मर्जी पूरी हो।” 43 फेर उसनै आकै उन ताहीं फेर सोन्दे पाया, क्यूँके उनकी आँखां म्ह नींद भरी थी। 44 उननै छोड़कै वो फेर चल्या गया, अर उन्हे शब्दां म्ह फेर तीसरी बार प्रार्थना करी। 45 फेर उसनै चेल्यां कै धोरै आकै उनतै कह्या, “इब सोन्दे रहो, अर आराम करो: देखो, बखत आण पोंहच्या सै, अर मै माणस का बेटा पापियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँगा। 46 उठो, चाल्लां; देखो, मेरा पकड़ाण आळा धोरै आण पोंहच्या सै।” 47 वो न्यू कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था आया, अर उसकै गेल्या प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां की ओड़ तै बड़ी भीड़, तलवार अर लाठी लिये होए, आई। 48 यीशु कै पकड़वाण आळे यहूदा नै उन ताहीं यो इशारा दिया था: “जिस ताहीं मै चूम ल्यूँ वोए सै; उस ताहीं पकड़ लियो।” 49 अर जिब्बे यीशु कै धोरै आकै कह्या, “हे गुरु, नमस्कार!” अर उस ताहीं घणा चुम्या। 50 यीशु नै उसतै कह्या, “हे दोस्त, जिस काम कै खात्तर तू आया सै, उसनै करले।” फेर उननै धोरै आकै यीशु पै हाथ गेरया अर उस ताहीं पकड़ लिया। 51 यीशु के साथियाँ म्ह तै एक नै हाथ बढ़ाकै अपणी तलवार खींच ली अर महायाजक के नौक्कर पै चलाकै उसका कान उड़ा दिया। 52 फेर यीशु नै उसतै कह्या, “अपणी तलवार म्यान म्ह धर ले क्यूँके जो तलवार चलावै सै वे सारे तलवार तै नाश करे जावेंगे। 53 के तन्नै न्ही बेरा के मै अपणे पिता तै बिनती कर सकूँ सूँ, अर वो सुर्गदूतां की बारहां पलटन तै घणे मेरै धोरै इब्बे हाजर कर देवैगा? 54 पर पवित्र ग्रन्थ की ये बात के इसाए होणा जरूरी सै, किस ढाळ पूरी होवैगी?” 55 उस बखत यीशु नै भीड़ तै कह्या, “के थम तलवार अर लाठी लेकै मन्नै डाकू की ढाळ पकड़ण कै खात्तर लिक्ड़े सो? मै हरेक दिन मन्दर म्ह बैठकै उपदेश दिया करूँ था, अर थमनै मेरै ताहीं कोनी पकड़्या। 56 पर यो सारा ज्यांतै होया सै के नबियाँ के वचन पूरे होवै।” फेर सारे चेल्लें उसनै छोड़कै भाजगे। 57 फेर यीशु के पकड़ण आळे उस ताहीं काइफा नामक महायाजक कै धोरै लेगे, जित्त

शास्त्री अर यहूदी अगुवें कठ्ठे होए थे। 58 पतरस दूर ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै महायाजक कै आँगण ताहीं गया, अर भीत्तर जाकै अन्त देखण नै सिपाहियाँ कै गेल्या बैठग्या। 59 सारे प्रधान याजक अर यहूदी अगुवां की सभा यीशु नै मारण कै खात्तर उसकै बिरोध म्ह झूठी गवाही की टोह म्ह थे, 60 पर घणखरे झूठे गवाह कै आण पै भी कोनी पाई। आखर म्ह दो जणे आये, 61 अर बोल्ले, “इसनै कह्या सै के मै परमेसवर कै मन्दर नै गेर सकूँ सूँ अर उस ताहीं तीन दिन म्ह बणा सकूँ सूँ।” 62 फेर महायाजक नै खड़े होके यीशु तै कह्या, “के तू कोए जवाब न्ही देंदा? ये माणस तेरे बिरोध म्ह के गवाही देवै सै?” 63 पर यीशु बोल-बाल्ला रहया। फेर महायाजक नै उसतै कह्या, “मै तन्नै जिन्दे परमेसवर की कसम दियुँ सूँ के जै तू परमेसवर का बेटा मसीह सै, तो म्हारै ताहीं कह दे।” 64 यीशु नै उसतै कह्या, “तन्नै आप ए कह दिया; बल्के मै तेरे तै यो भी कहूँ सूँ के इब तै थम मुझ माणस के बेटे नै सब तै सर्वशक्तिमान की सोळी ओड़ बेटे, अर अकास के बादळां पै आन्दे देखोगे।” 65 फेर महायाजक नै अपणे लत्ते पाड़के कह्या, “इसनै परमेसवर की बुराई करी सै, इब हमनै गवाह की के जरूरत? देखखो, थमनै इब्बे या बुराई सुणी सै! 66 थम के सोच्चो सो?” उननै जवाब दिया, “यो मारण जोगगा सै।” 67 फेर उननै उसकै मुँह पै थुक्या अर उसकै घुस्से मारे, दुसरयां नै थप्पड़ मारके कह्या, 68 “हे मसीह, म्हारै तै भविष्यवाणी करके कह के किसनै तेरे ताहीं मारया?” 69 पतरस बाहरणै आँगण म्ह बैठ्या था के एक नौकराणी उसकै धोरै आई अर बोल्ली, “तू भी तो गलीलवासी यीशु कै गेल्या था।” 70 उसनै सारया कै स्याम्ही यो कहके नाट्या, “मन्नै न्ही बेरा तू के कहवै सै।” 71 जिब वो बाहरणै देहळियाँ म्ह गया, तो दुसरी नौकराणी उसनै देखके उनतै जो ओड़ै थे कह्या, “यो भी तो यीशु नासरी कै गेल्या था।” 72 वो कसम खाके फेर नाट्या: “मै उस माणस नै कोनी जाण्दा।” 73 माड़ी बार पाच्छै माणसां नै जो ओड़ै खड़े थे, पतरस कै धोरै आके उसतै कह्या, “साच्चए तू भी उन म्ह तै एक सै, क्युँके तेरी बोल्ली तेरा भेद खोल्लै सै।” 74 फेर वो धिक्कारण अर कसम खाण लाग्या: “मै उस माणस नै कोनी जाण्दा।” जिब्बे मुर्गे नै बाँग देई। 75 जिब पतरस नै यीशु की कही होई बात

याद आई “मुर्गे कै बाँग देण तै पैहल्या तीन बर तू मेरा इन्कार करेगा।” अर वो बारणै ज्याकै फूट-फूटकै रोण लाग्या।

27 तड़कै ए तड़कै सारे प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं मारण की सलाह करी। 2 उननै यीशु ताहीं बाँधया अर ले जाकै पिलातुस राज्यपाल कै हाथ्यां म्ह सौप दिया। 3 जिब उसकै पकड़वाण आळे यहूदा नै अहसास होया के यीशु ताहीं मौत की सजा सुणाई गई सै तो वो पसताया अर वे तीस चाँदी के सिक्के प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां ताहीं बोहड़ाया 4 अर कह्या, “मन्नै बेकसूर माणस ताहीं मारण कै खात्तर पकड़वाकै पाप करया सै।” उननै कह्या, “हमनै के मतलब? तू ए जाणै।” 5 फेर वो उन सिक्का नै मन्दर के आँगण म्ह बगाकै बाहरणै चल्या गया, अर जाकै अपणे-आप ताहीं फाँसी लगा ली। 6 प्रधान याजकां नै उन सिक्का ताहीं लेकै कह्या, “म्हारे नियम-कायदे इस बात की इजाजत कोनी देंदा के हम इन सिक्कयां नै मन्दर के खजाने म्ह धरा, क्यूँके इसका इस्तमाल किसे ताहीं मारवाण खात्तर करया गया सै, या लहू की किम्मत सै।” 7 आखर म्ह उननै सलाह करकै उन सिक्कयां तै परदेशियाँ के गाड्डे जाणकै खात्तर कुम्हार का खेत मोल ले लिया। 8 इस कारण वो खेत आज ताहीं लहू का खेत कुह्वावै सै। 9 ताके जो वचन यिर्मयाह नबी कै जरिये कह्या गया था वो पूरा होया: “उननै वे तीस सिक्के यानिके उस ठहराए होए मोल ताहीं (जिस ताहीं इस्राएल की ऊलाद म्ह तै कितन्याँ नै ठहराया था) ले लिया, 10 अर जिस तरियां प्रभु नै मेरे ताहीं हुकम दिया था, उस्से तरियां ए उननै कुम्हार के खेत नै खरीदण खात्तर उसका इस्तमाल करया।” 11 जिब यीशु राज्यपाल कै स्याम्ही खड्या था तो राज्यपाल नै उसतै बुझ्झया, “के तू यहूदियाँ का राजा सै?” यीशु नै उसतै कह्या, “तू आप ए कहण लागरया सै।” 12 जिब प्रधान याजक अर यहूदी अगुवें उसपै इल्जाम लावै थे, तो उसनै कुछ जवाब कोनी दिया। 13 इसपै पिलातुस नै उसतै कह्या, “के तू न्ही सुणदा के ये तेरे बिरोध म्ह कितनी गवाही देवै सै?” 14 पर उसनै उस ताहीं एक बात का भी जवाब कोनी दिया, उरै ताहीं के राज्यपाल ताहीं घणी हैरानी होई। 15 राज्यपाल का यो रिवाज था के उस त्यौहार म्ह माणसां के खात्तर किसे एक कैदी नै जिसनै वे चाहवै थे, रिहा कर देवै था। 16 उस बखत उनकै उरै बरअब्बा नाम का एक

मान्या होड़ कैदी था। 17 आखर जिब वो कठ्ठे होए, तो पिलातुस नै उनतै कह्या, “थम किसनै चाहो सो के मै थारे खात्तर रिहा करँ? बरअब्बा ताहीं, या यीशु ताहीं जो मसीह कुहवाँ सै।” 18 क्यूँके उसनै बेरा था के उननै उस ताहीं जळण तै पकड़वाया था। 19 जिब वो न्याय की गद्दी पै बेठ्या होया था तो उसकी घरआळी नै उस ताहीं कुहवाँ भेज्या, “तू उस धर्मी के मामलै म्ह हाथ ना गेरिये, क्यूँके मन्नै आज सपनै म्ह उसके कारण घणा दुख ठाया सै।” 20 प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै माणसां ताहीं उकसाया के वे बरअब्बा नै माँग ले, अर यीशु का नाश करावै। 21 राज्यपाल नै उसतै बुझ्या, “इन दोनुआ म्ह तै किसनै चाहो सो के मै थारे खात्तर छोड़ दियुँ?” उननै कह्या, “बरअब्बा ताहीं।” 22 पिलातुस नै उनतै कह्या, “फेर यीशु ताहीं, जो मसीह कुहवाँ सै, के करँ?” सारया नै उसतै कह्या, “यीशु क्रूस पै चढ़ाया जावै!” 23 हाकिम नै कह्या, “क्यांतै, उसनै के बुरा करया सै?” पर वे और भी रुक्के मारण लागे, “वो क्रूस पै चढ़ाया जावै।” 24 जिब पिलातुस नै देख्या के किमे न्ही बण पडरया पर उल्टा दंगा बढ़दा जावै सै, तो उसनै पाणी लेकै भीड़ कै स्याम्ही अपणे हाथ धोए अर कह्या, “मै इस धर्मी के लहू तै बेकसूर सूँ: थमे जाणो।” 25 सारे माणसां नै जवाब दिया, “इसकी मौत के जिम्मेदार हम अर म्हारी ऊलाद होवांगे!” 26 इसपै उसनै बरअब्बा ताहीं उनके खात्तर रिहा कर दिया, अर यीशु के कोड़े लगवाकै सौप दिया, के क्रूस पै चढ़ाया जावै। 27 फेर राज्यपाल के सिपाहियाँ नै यीशु ताहीं किले म्ह ले जाकै सारी पलटन उसके चौगरदे नै कट्टी करी, 28 अर उसके लत्ते तारकै उस ताहीं लाल रंग का चोगगा पहिराया, 29 अर काण्डयाँ का ताज गुन्दकै उसके सिर पै धरया, अर उसके सोळे हाथ्यां म्ह सरकण्डा दिया अर उसके आगुँ गोड़े टेक कै उसका मखौल उड़ाण लागे अर कह्या, “हे यहूदिया परदेस के राजा, नमस्कार!” 30 अर उसपै थुक्या; अर वोए सरकण्डा लेकै उसके सिर पै मारण लागे। 31 जिब उननै उसका मखौल कर लिया, तो वो चोगगा उसपै तै तारकै फेर उससे के लत्ते उस ताहीं पहिराए, अर क्रूस पै चढ़ाण कै खात्तर ले चाल्ले। 32 बाहरणै जान्दे होए, उन ताहीं शमौन नाम का एक कुरेनी माणस मिल्या। उननै उस ताहीं बेकार म्ह पकड्या के उसका क्रूस ठाकै ले चाल्ले। 33 उस जगहां पै पोहचे जो “खोपड़ी” यानी इब्रानी भाषा म्ह “गुलगुता”

कुहावै सै। 34 उननै सिरका मिल्या होड़ अंगूर का रस उस तारीं पीण नै दिया, पर उसनै चाखकै पीणा न्ही चाह्या। 35 फेर उननै उस तारीं क्रूस पै चढ़ाया, अर पर्ची गेर कै उसके लत्ते बांड लिये, 36 अर ओड़ै बैठकै उसका पैहरा देण लागगे। 37 अर उसका दोषपत्र लिखकै उसके सिर पै लगाया, के, “यो यहूदियाँ का राजा यीशु सै।” 38 फेर उसके गेल्या दो डाकू एक सोळी ओड़ अर एक ओळी ओड़, क्रूस पै चढ़ाए गए। 39 राह म्ह आण-जाण आळे सिर हला-हलाकै उसकी बेजती करै थे, 40 अर वे कहवै थे, “हे मन्दर नै ढाण आळे अर तीन दिनां म्ह बणाण आळे, अपणे-आपनै तो बचा! जै तू परमेसवर का बेटा सै, तो क्रूस पै तै उतर आ।” 41 इस्से तरियां तै प्रधान याजक भी शास्त्रियाँ अर यहूदी अगुवां सुधा मजाक करकै कहवै थे, 42 “इसनै औरां तारीं बचाया, अर अपणे-आपनै न्ही बचा सकदा। यो तो ‘इसाएल का राजा’ सै। इब क्रूस पै तै उतर आवै तो हम उसपै बिश्वास करां। 43 उसनै परमेसवर पै भरोस्सा राख्या सै; जै वो इसनै चाहवै सै, तो इब इसनै छुड़ा लेवै, क्यूँके इसनै कह्या था, ‘मै परमेसवर का बेटा सूं।’” 44 इस्से ढाळ डाक्कू भी जो उसके गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, उसकी बेजती करै थे। 45 दोफारी तै लेकै तीन बजे तारीं उस सारे देश म्ह अँधेरा छाया रहया। 46 तीसरे पहर कै लोवै यीशु नै जोर तै बोल्या, “एली, एली, लमा शबक्तनी?” यानिके “हे मेरे परमेसवर, हे मेरे परमेसवर, तन्नै मेरै तारीं क्यांतै छोड़ दिया?” 47 जो उड़ै खड़े थे, कितन्याँ नै न्यू सुणकै कह्या, “वो तो एलिय्याह तारीं बुलावै सै।” 48 उन म्ह तै एक जिब्बे भाज्या, अर स्पंज (फोम) लेकै सिरके म्ह डूबोया, अर सरकण्डे पै धरकै उस तारीं चुसाया। 49 औरां नै कह्या, “रहज्या, देखो एलिय्याह उसनै बचाण आवै सै के न्ही।” 50 फेर यीशु नै जोर तै किल्की मारकै जी दे दिया। 51 अर देखो, मन्दर का पड़दा उप्पर तै तळै तारीं पाटकै दो टुकड़े होग्या अर धरती काम्बगी चट्टान तड़कगी, 52 अर कब्रे खुलगी, अर मरे होड़ भोत-से पवित्र माणस जो पैहले मुर्दे थे वे जिन्दा होग्ये, 53 अर उसके जिन्दा होण कै पाच्छै वे कब्रां म्ह तै लिक्ड़कै पवित्र नगर म्ह गए अर घणाए तारीं दिक्खे। 54 फेर सूबेदार अर जो उसके गेल्या पैहरा दे रे थे, हाल्लण अर जो कुछ होया था उस तारीं देखकै घणे डरगे अर कह्या, “साच्चए यो परमेसवर का बेटा था।” 55 ओड़ै घणखरी बिरबान्नी

जो गलील परदेस तै यीशु की सेवा कर दी होई उसकै गेल्या आई थी, दूर तै देखै थी। 56 उन म्ह मरियम मगदलीनी, अर याकूब अर योसेस की माँ मरियम, अर जब्दी के बेट्याँ की माँ थी। 57 जिन साँझ होई तो यूसुफ नामका अरिमतिया गाम का एक साहूकार माणस, जो खुदे यीशु का चेल्ला था। 58 उसनै पिलातुस धोरै जाकै यीशु की लाश माँगी। इस करकै पिलातुस नै यीशु की लाश देण का हुकम दिया। 59 यूसुफ नै यीशु की लाश ली, उस तारीं धोळी चादर म्ह लपेट्या, 60 अर उस तारीं अपणी नई कब्र म्ह धरया, जो उसनै चट्टान म्ह खुदवाई थी, अर कब्र के बारणै पै एक बड़ड़ा पत्थर गिरड़ा कै चल्या गया। 61 मरियम मगदलीनी अर दुसरी मरियम ओड़ैए कब्र कै स्याम्ही बेठी थी। 62 आगला दिन आराम का दिन था, उस दिन प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै पिलातुस कै धोरै कठ्ठे होकै कहा, 63 “हे महाराज, म्हारै तारीं याद सै के उस धोक्खेबाज नै जिब वो जिन्दा था, तो उसनै न्यू कहा था, ‘मै मरण के तीन दिन पाच्छै जिन्दा हो जाऊँगा।’ 64 इस करकै हुकम दे के तीसरे दिन तारीं कब्र की रुखाळी सावधानी तै करी जावै, इसा ना हो के उसके चेल्लें आकै उसकी लाश नै चुरा ले जावै, अर माणसां तै कहण लाग्गै, ‘वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै।’ फेर पाच्छला धोक्खा पैहल्डे तै भी बड़ड़ा होगा।” (पैहला धोक्खा के वो खुद नै परमेसवर का बेटा बतावै सै, दुसरा यो के इब वो तीसरे दिन मरे होया मै तै जी उठ्ठुंगा) 65 “पिलातुस नै उनतै कहा, ‘थारे धोरै पहरेदार तो सै जाओ, अपणी समझकै मुताबिक कब्र की रुखाळी करो’। 66 आखर वे पैहरेदारां नै गैल लेकै ग्ये, अर कब्र के पत्थर पै मोहर लगाकै कब्र की रुखाळी करी।”

28 आराम कै दुसरे दिन पाच्छै, हफ्तै कै पैहल्डे दिन, तड़कै ए तड़कै मगदला कस्बे की मरियम अर दुसरी मरियम कब्र नै देखण आई। 2 अर देखो, एक बड़ड़ा हाल्लण आया, क्यूँके प्रभु का सुर्गदूत सुर्ग तै उतरया अर धोरै आकै उसनै पत्थर तारीं गिरड़या दिया, अर उसपै बैठग्या। 3 उसका रूप बिजळी बरगा था अर उसके लत्ते पाळे की ढाळ धोळे थे। 4 उसकै डर तै पहरेदार काम्बगें, अर मुर्दे की ढाळ होग्ये। 5 सुर्गदूत नै बिरबानियाँ तारीं कहा, “मतना डरो, मन्नै बेरा सै के थम यीशु नै जो क्रूस पै चढ़ाया गया था, तोहो सो। 6 वो उरै न्ही सै, पर अपने वचन कै मुताबिक जिन्दा होग्या सै।

आओ, या जगहां देखो, जित्त प्रभु राख्या गया था, 7 अर तावळे जाके उसके चेल्यां ताहीं कहो के वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै, अर वो थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह जावै सै, उड़ै उसका दर्शन पाओगे! देखो, मन्नै थारे तै कह दिया।” 8 वे भय अर घणी खुशी कै गेल्या कब्र तै तावळी बोहड़के उसके चेल्यां ताहीं खबर देण नै भाज्जी गई। 9 फेर यीशु उन ताहीं मिल्या। अर कह्या, “सुखी रहो।” उननै धोरै आके अर उसके पाँ पकड़के उस ताहीं प्रणाम करया। 10 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “मतना डरो; मेरे चेल्यां तै जाके कहो के गलील परदेस म्ह चले जावै, उड़ै वो मन्नै देखैगें।” 11 जिब वे चेल्यां ताहीं या खबर देण जाण लागरी थी। तो पैहरेदारां म्ह तै, जो कब्र की रुखाळी करै थे, उन म्ह तै कईयाँ नै नगर म्ह आके सारा हाल प्रधान याजकां तै कह सुणाया। 12 फेर उननै यहूदी अगुवां कै गेल्या कठ्ठे होके सलाह करी अर सिपाहियाँ ताहीं घणाए धन देके हुकम दिया, 13 “के माणसां तै न्यू कहियो के जिब हम रात नै सोण लागरे थे, तो उसके चेल्लें आके उसकी लाश नै चुरा लेगे। 14 जै थारे सोण की खबर राज्यपाल कै कान्नां ताहीं पोहोचैगी, तो हम उसनै समझा लेवैगें अर थमनै जोखिम तै बचा लेवांगें।” 15 आखर उननै रपिये लेके जिसे सिखाए गये थे, उस्से तरियां ए करया। या बात आज ताहीं यहूदी माणसां म्ह मान्नी जावै सै। 16 ग्यारहां चेल्लें गलील परदेस म्ह उस पहाड़ पै गये, जिस ताहीं यीशु नै उन ताहीं बताया था। 17 उननै उसका दर्शन पाके उस ताहीं प्रणाम करया, पर कईयाँ नै शक होया के यीशु जिन्दा होग्या सै। 18 यीशु नै उनकै धोरै आके कह्या, “सुर्ग अर धरती का सारा हक मेरे ताहीं दिया गया सै। 19 इस करके थम जाओ, सारी जात्तां के माणसां ताहीं चेल्ला बणाओ; अर उननै पिता, पुत्र अर पवित्र आत्मा कै नाम तै बपतिस्मा द्यो, 20 अर उननै सारी बात जो मन्नै थारे ताहीं हुकम दिया सै, मानना सिखाओ: अर देखो मै दुनिया कै अंत तक सदा थारे गैल रहूँगा।” (aiōn g165)

मरकुस

1 यो सुसमाचार यीशु मसीह के बारे में है। जो परमेश्वर का बेटा है। अर इसकी शुरुआत इस तरिकां होई 2 जिंसा के यशायाह नबी की किताब में परमेश्वर नै अपणे बेटे ताहीं कह्या है: “देख, मैं अपणे दूत नै तेरे आगूँ भेज्जूं, जो तेरे खातर लोग्गं नै तैयार करेगा। 3 जंगल-बियाबान में एक रुक्का मारणीये का बोल सुणाई देवै है के प्रभु के आण खातर अपणे-आपनै तैयार करो।” 4 वो दूत यूहन्ना था, जो जंगल-बियाबान में कहवै था, “पाप करणा छोड़ दो अर बपतिस्मा ल्यो परमेश्वर थारे पाप माफ कर देगा।” 5 सारे यहूदिया परदेस के, अर यरुशलेम नगर के सारे बासिन्दे लिक्ड़के उसके धोरे गए, अर अपणे पापां नै मानके यरदन नदी में उसतै बपतिस्मा लिया। 6 यूहन्ना ऊँट के रूप के लते पहरे, अर अपणी कड़ में चमड़े की पेट्टी बाँधे रहवै था, अर टिड्डियाँ अर शहद खाया करै था। 7 अर न्यू प्रचार करै था, “मेरे पाच्छे वो आण आळा है, जो मेरे तै शक्तिशाली है, मैं इस लायक कोनी के झुकके उसके जूत्याँ के फित्ते खोल्लूँ। 8 मन्नै तो थारे ताहीं पाणी तै बपतिस्मा दिया है पर वो थमनै पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देवैगा।” 9 उन दिनां में यीशु नै गलील परदेस के नासरत नगर तै होके, यरदन नदी में यूहन्ना तै बपतिस्मा लिया। 10 अर जब वो पाणी में तै लिक्ड़के उप्पर आया, तो जिब्बे उसनै अकास ताहीं खुल्दे अर पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरिकां अपणे उप्पर आन्दे देख्या। 11 अर परमेश्वर सुर्ग में तै बोल्या, “तू मेरा प्यारा बेटा है, तेरे तै मैं राज्जी सूँ।” 12 फेर पवित्र आत्मा नै जिब्बे उस ताहीं जंगल-बियाबान कान्ही भेज्या। 13 जंगल-बियाबान में चाळीस दिन ताहीं शैतान उस ताहीं परखता रहया, अर वो जंगल-बियाबान में पशुआं के गेल्या रह्या, अर सुर्गदूत उसकी सेवा करदे रहे। 14 यूहन्ना के पकड़े जाणके कुछ बखत पाच्छे, यीशु नै गलील परदेस में आके परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करया, 15 अर कह्या, “बखत पूरा होया है, अर परमेश्वर का राज्य धोरे आरया है; पाप करणा छोड़ दो, अर परमेश्वर के सुसमाचार पै बिश्वास करो।” 16 गलील परदेस में गलील समुन्दर के किनारे जान्दे होड़, उसनै शमौन अर उसके भाई अन्द्रियास ताहीं समुन्दर में जाळ गेर दे देख्या; क्यूँके वे मछवारे थे। 17 यीशु नै उनतै कह्या, “मेरे पाच्छे

आओ, मै थमनै माणसां ताहीं कट्टे करण आळे बणाऊंगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 18 वे जिब्बे जाळां नै छोड़कै उसके चेल्लें बणण खात्तर उसके पाच्छे हो लिये। 19 थोड़ा आगै चालकै, उसनै जब्दी के बेटे याकूब अर उसके भाई यूहन्ना ताहीं, किस्ती पै जाळां ताहीं ठीक करदे देख्या। 20 उसनै जिब्बे उन ताहीं बुलाया; अर वे अपने पिता जब्दी ताहीं मजदूरों कै गेल्या किस्ती पै छोड़कै, उसके चेल्लें बणण खात्तर उसके पाच्छे हो लिये। 21 जब यीशु अर उसके चेल्लें कफरनहूम नगर म्ह आए, अर वो जिब्बे आराम कै दिन आराधनालय म्ह जाकै उपदेश देण लाग्या। 22 अर माणस उसके उपदेश तै हैरान होगे; क्यूँके वो उननै शास्त्रियाँ की ढाळ न्ही, पर अधिकार तै उपदेश देवै था। 23 उससे बखत, उनके आराधनालय म्ह एक माणस था, जिसम्ह ओपरी आत्मा थी। 24 उसनै रुक्का मारकै कह्या, “हे नासरत के यीशु, हमनै तेरे तै के काम? के तू म्हारा नाश करण नै आया सै? मै तन्नै जाणु सूं, तू कौण सै? तू परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया पवित्र मसीह सै!” 25 यीशु नै उसतै धमकाकै कह्या, “चुपचाप रहै, अर इस माणस म्ह तै लिकड़ जा।” 26 फेर ओपरी आत्मा ऊँची आवाज म्ह किल्की मारकै उस म्ह तै लिकड़गी। 27 इस बात पै सारे माणस अचम्भा करदे होए आप्पस म्ह बहस करण लागे, “या के बात सै? यो तो कोए नया-ए उपदेश सै! वो हक कै गेल्या ओपरी आत्मायाँ नै भी हुकम देवै सै, अर वे उसका हुकम मान्नै सै।” 28 अर उसका नाम जिब्बे गलील के पूरे परदेस म्ह हरेक जगहां फैलग्या। 29 यीशु अर उसके सारे चेल्लें जिब्बे आराधनालय म्ह तै लिकड़कै, याकूब अर यूहन्ना कै गेल्या शमौन अर अन्द्रियास कै घरां आये। 30 शमौन की सास्सू कै बुखार चढ़रया था, अर उसके चेल्यां नै जिब्बे उसके बाबत यीशु ताहीं बताया। 31 फेर यीशु नै धोरै जाकै उसका हाथ पकड़कै उस ताहीं ठाया, अर उसका बुखार उतर गया, अर वा उनकी सेवा-पाणी करण लागी। 32 साँझ कै बखत जब सूरज डूबग्या तो माणस सारे बिमारां ताहीं अर उननै, जीनम्ह ओपरी आत्मा थी, यीशु कै धोरै ल्याए। 33 अर साब्ता नगर दरबाजे पै कट्टा होया। 34 उसनै घणखरयां ताहीं जो कई ढाळ की बिमारियाँ तै दुखी थे, ठीक करया, घणखरी ओपरी आत्मायाँ ताहीं काढ्या, अर ओपरी आत्मायाँ ताहीं बोल्लण कोनी दिया, क्यूँके वे उसनै पिच्छाणै थी, के यीशु परमेसवर की

ओड़ तै भेज्या होया मसीह सै। 35 तड़कैए दिन लिकड़ण तै पैहल्या, यीशु शमौन के घर तै उठकै लिकड़या, अर एक बियाबान जगहां म्ह गया अर उड़ै प्रार्थना करण लागग्या। 36 फेर शमौन अर उसके साथी उसकी टोह म्ह गए। 37 जब वो मिल्या, तो उस ताहीं कह्या, “सारे नगर के माणस तन्नै टोहवै सै।” 38 उसनै उनतै कह्या, “आओ; हम और किते लोवै-धोवै की बस्तियों म्ह जावां, के मै उड़ै भी प्रचार करूँ, क्यूँके मै इसे खात्तर आया सूँ।” 39 अर वो सारे गलील परदेस म्ह उनके आराधनालयों म्ह जा-जाकै उन ताहीं उपदेश सुणांदा अर ओपरी आत्मायाँ ताहीं लिकाड़दा रह्या। 40 एक कोढ़ी उसके धोरै आया, उसतै बिनती करी, अर उसके आगै गोठ्ठे टेककै उस ताहीं कह्या, “जै तू चाहवै तो मन्नै ठीक कर सकै सै।” 41 उसनै उसपै तरस खाकै हाथ बढ़ाकै, अर उस ताहीं छू कै कह्या, “मै चाहूँ सूँ, के तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।” 42 अर जिब्बे उसका कोढ़ जान्दा रह्या, अर वो ठीक होग्या। 43 फेर उसनै उस ताहीं चेतावनी देकै जिब्बे बिदा करया, 44 अर उसतै कह्या, “लखा, किसे तै कुछ मतना कहिये, पर जाकै अपणे-आपनै याजक ताहीं दिखा, अर अपणे कोढ़ तै ठीक होण कै बारै म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ म्ह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खात्तर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।” 45 पर वो बाहरणै जाकै इस बात का घणा प्रचार करण अर याड़ै ताहीं फैलाण लागग्या के यीशु दुबारै सरेआम नगर म्ह कोनी जा सक्या, पर बाहरणै सुनसान स्थानां म्ह रह्या, अर चौगरदे तै माणस उसके धोरै आन्दे रहे।

2 थोड़े दिनां पाच्छै यीशु फेर कफरनहूम नगर म्ह आया, अर माणसां नै सुण्या के वो घर म्ह सै। 2 फेर इतने माणस कठ्ठे होए के दरबाजे धोरै भी जगहां कोनी थी, अर वो उननै परमेसवर के वचन सुणाण लागरया था। 3 अर चार माणस एक लकवे कै मरीज ताहीं बिस्तर पै लिटाकै उसके धोरै ल्याए। 4 पर जब वे भीड़ कै कारण उसके धोरै कोनी पोहच सके, तो उननै उस छात ताहीं जिसकै तळै यीशु था, खोल दिया; तो उस बिस्तर समेत जिसपै वो लकवे का मरीज लेट्या था, नीचै उतार दिया। 5 यीशु नै उनका विश्वास देखकै उस लकवे के मरीज ताहीं कह्या, “हे बेटे, मन्नै तेरे पाप माफ कर दिये।” 6 फेर घणे शास्त्री जो उड़ै बेट्ठे थे, अपणे-अपणे मन म्ह सोचण

लागगे, 7 “यो माणस न्यू क्यांतै कहवै सै? यो तो परमेसवर की बुराई करै सै! परमेसवर नै छोड़कै और कौण पाप माफ कर सकै सै?” 8 यीशु नै जिब्बे अपणे मन म्ह जाण लिया के वे अपणे-अपणे मन म्ह इसा विचार क्यांतै करण लागरे सै? अर उनतै कहा, “थम अपणे-अपणे मन म्ह यो विचार क्यूँ करण लागरे सो? 9 आसान के सै? के लकवे कै मरीज ताहीं यो कहणा के तेरे पाप माफ होए, या फेर यो कहणा के उठ अपणा बिस्तर ठाकै हाँड-फिर? 10 पर जिसतै थम जाण ल्यो के मुझ माणस कै बेट्टे नै धरती पै पाप माफ करण का भी हक सै।” उसनै उस लकवे कै मरीज ताहीं कहा, 11 “मै तेरे तै कहूँ सूँ, उठ, अपणे बिस्तर ठाकै अपणे घरां चल्या जा।” 12 वो उठ्या अर जिब्बे बिस्तर ठाकै उसके स्याम्ही तै लिक्ड़ग्या; इसपै सारे हैरान होगे, अर परमेसवर की बड़ाई करकै कहण लागगे, “हमनै इसा पैहल्या कदे कोनी देख्या।” 13 यीशु दुबारा लिक्ड़कै गलील समुन्दर कै किनारे गया, अर सारी भीड़ उसके धोरै आई, अर वो उननै उपदेश देण लाग्या। 14 जान्दे होए उसनै हलफई के बेट्टे लेवी जिसका नाम मत्ती था, चुंगी की चौकी पै बेट्टे देख्या, अर उसतै कहा, “मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।” अर वो उठकै उसके पाच्छै हो लिया। 15 जिब वो मत्ती के घर म्ह खाणा खाण बेठ्या, तो घणेए चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै थे, यीशु अर उसके चेल्यां गेल्या खाणा खाण बेट्टे; क्यूँके वे घणे सारे थे, अर उसके साथ हो लिए थे। 16 शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ नै न्यू देखकै के वो तो पापी अर चुंगी लेण आळा गेल्या खाणा खावै सै, उसके चेल्यां ताहीं कहा, “वो तो चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै, उनके गेल्या खावै-पीवै सै।” 17 यीशु नै या सुणकै उनतै कहा, “आच्छे-बिच्छयां नै वैद की जरूरत कोनी, पर बिमारां नै सै: जो अपणे-आपनै धर्मी कहवै सै, मै उननै न्ही, पर जो अपणे-आपनै पापी कहवै सै उननै बुलाण आया सूँ।” 18 यूहन्ना के चेल्लें, अर फरीसी ब्रत करया करै थे, तो उननै आकै उसतै कहा, “यूहन्ना के चेल्लें अर फरीसियाँ के चेल्लें ब्रत क्यांतै करै सै, पर तेरे चेल्लें ब्रत न्ही राखदे?” 19 यीशु नै उनतै कहा, “जिब ताहीं बन्दड़ा बरातियाँ कै गेल्या सै, के वे ब्रत राख सकै सै? आखर जिब ताहीं बन्दड़ा उनके गेल्या सै, जद ताहीं वे ब्रत कोनी कर सकदे। 20 पर वे दिन भी आवैगें जिब बन्दड़ा उनतै न्यारा करया

जावैगा; उस बखत वे ब्रत करेंगे। 21 “नये लत्यां की थेगळी पुराणे लत्यां पै कोए न्ही लगान्दा, न्ही तो वा थेगळी उस म्ह तै खुस्का लेवैगी, यानिके नया, पुराणे तै, अर वो पैहल्या तै घणा पाट जावैगा। 22 नये अंगूर के रस ताहीं पुराणी मशकां म्ह कोए कोनी राखदा, न्ही तो अंगूर का रस मशकां नै पाड़ देवैगा, अर अंगूर का रस अर मशक दोनुआ का नाश हो जावैगा, पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरया जावै सै।” 23 न्यू होया के आराम कै दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके चेल्लें चाल्दे होए गेहूँ की बाल तोड़ण लागे। 24 तो फरीसियाँ नै उस ताहीं कह्या, “देख, ये आराम कै दिन वो काम क्यांतै करै सै? जो नियम-कायदा के खिलाफ सै।” 25 यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ्या के जिब म्हारे पूर्वज दाऊद नै जरूरत होई, अर जिब वो अर उसके साथी भूक्खे होए, फेर उसनै के करया था? 26 उसनै किस ढाळ अबियातार महायाजक कै बखत, परमेसवर कै घर म्ह जाकै भेंट की रोटी खाई, जिनका खाणा याजकां नै छोड़ और किसे कै खात्तर खाणा ठीक कोनी, अर अपणे साथियाँ ताहीं भी दी?” 27 फेर उसनै उन ताहीं कह्या, “आराम का दिन माणस खात्तर बणाया गया सै, ना के माणस आराम कै दिन के खात्तर। 28 इस करकै मै माणस का बेटा आराम कै दिन का भी माल्लिक सूं।”

3 यीशु फेर आराम कै दिन आराधनालय म्ह गया; उडै एक माणस था जिसका हाथ सूखरया था, 2 अर फरीसी यीशु पै दोष लाण खात्तर उसकी टाह म्ह थे के देख्खै, वो आराम कै दिन उसनै ठीक करै सै के न्ही। 3 उसनै सूखे हाथ आळे माणस तै कह्या, “बीच म्ह खड्या होज्या” 4 अर उनतै कह्या, “के मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक आराम कै दिन भला करणा ठीक सै या बुरा करणा, जान बचाणा या मारणा?” पर वे बोल-बाल्ले रहे। 5 फेर उसनै उनकै मन की कठोरता तै काल होकै, उन ताहीं छो तै चोगरदेनै देख्या, अर उस माणस ताहीं कह्या, “अपणा हाथ बढ़ा।” उसनै बढ़ाया, अर उसका हाथ ठीक हो गया। 6 फेर फरीसी बाहरणै जाकै जिब्बे हेरोदेस राजा के समर्थकां कै गेल्या उसकै बिरोध म्ह सलाह करण लागे के उसका नाश किस तरियां करया जावै। 7 यीशु अपणे चेल्यां गेल्या गलील समुन्दर कान्ही चल्या गया; अर गलील तै एक बड्डी भीड़ उसकै पाच्छै हो ली; 8 अर यहूदिया नगर,

अर यरुशलेम नगर, अर इद्रूमिया परदेस, अर यरदन नदी के परली ओड़, अर
 सूर अर सैदा नगर के लोवै-धोवै तै एक बड्डी भीड़ न्यू सुणकै के वो किसे
 अचम्भे आळे काम करै सै, उसनै देखखण आई। 9 यीशु नै अपणे चेल्यां तै
 कह्या, “भीड़ की बजह तै एक छोट्टी किस्ती मेरै खात्तर त्यार राखियों ताके वे
 मन्नै दाब न्ही सकै।” 10 क्यूँके उसनै घणखरयां ताहीं ठीक करया था, इस
 करकै जितने माणस बीमार थे, उस ताहीं छूण खात्तर उसपै पड़ण लागरे थे।
 11 जिन म्ह ओपरी आत्मा भी जिब उस ताहीं देखखै थी, तो उसकै स्याम्ही
 गिर ज्या थी, अर किल्की मारकै कहवै थी, तू परमेसवर का बेटा सै। 12 अर
 उसनै ओपरी आत्मायाँ ताहीं चेतावनी देकै कह्या के मेरै बारै म्ह किसे तै ना
 कहियो के मै कौण सूं। 13 फेर यीशु पहाड़ पै चढ़ग्या, अर जिन नै वो चाहवै
 था उन ताहीं अपणे धोरै बुलाया; अर वे उसकै धोरै आए। 14 फेर उसनै उन
 म्ह तै बारहा चेल्यां ताहीं नियुक्त करया के वे उसकै गेल्या-गेल्या रहवै, अर वो
 उननै भेज्जै के वे प्रचार करै, 15 अर ओपरी आत्मा ताहीं काढ़ण का हक
 राखै। 16 वे बारहा चेल्लें ये सै: “शमौन जिसका नाम उसनै पतरस धरया,
 17 अर जब्दी का बेटा याकूब अर याकूब का भाई यूहन्ना, जिसका नाम
 उसनै बुअनरगिस यानिके ‘गरजण का बेटा’ धरया।” 18 अर अन्द्रियास, अर
 फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का बेटा याकूब,
 अर तद्दै, अर शमौन कनानी, 19 अर यहूदा इस्करियोती जिसनै उस ताहीं
 पकड़वा भी दिया था। 20 फेर यीशु घरां आया; अर इसी भीड़ कट्टी होई, के
 यीशु अर उसके चेल्यां पै रोट्टी भी कोनी खाई गई। 21 जिब उसके कुणबा
 आळा न्यू सुणया, तो वे उस ताहीं घरां ले जाण खात्तर लिकड़े; क्यूँके वे कहवै
 थे, “के उसका दिमाग ठिकाणै कोनी सै” 22 शास्त्री भी जो यरुशलेम नगर
 तै आये थे, वे कहवै थे, “उस म्ह शैतान सै,” अर न्यू भी के “वो ओपरी
 आत्मायाँ के सरदार शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै सै।” 23
 ज्यातै यीशु उननै धोरै बुलाकै उदाहरणां म्ह कहण लाग्या, “शैतान क्यूँकर
 ओपरी आत्मायाँ नै काढ सकै सै?” 24 जै किसे राज्य म्ह फूट पड़ै, तो वो
 राज्य किस तरियां टिक्या रह सकै सै? 25 अर जै किसे घर म्ह फूट पड़ै, तो
 वो घर क्यूँकर डटया रह सकैगा? 26 इस करकै जै शैतान खुद का ए बिरोधी
 होकै अपणे म्ह फूट गेरै, तो वो किस तरियां बणया रहै सकै सै? उसका तो

नाश हो जावै सै। 27 “पर कोए माणस किसे ठाढ़े माणस कै घर म्ह बड़के उसका माळ कोनी लूट सकदा, जिब तक के पैहल्या उस ठाढ़े माणस तारीं ना जुड़ ले; जिब वो उसके घर नै लूट लेवैगा। 28 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूँ के माणसां के सारे पाप अर बुराई जो वे करै सै, माफ करे जावेंगे, 29 पर जो कोए पवित्र आत्मा कै बिरोध म्ह बुराई करै सै, वो कदे माफ कोनी करया जावैगा: बल्के वो अनन्त पाप का कसूरवार बण ज्यागा।” (aiōn g165, aiōnios g166) 30 क्यूँके वे न्यू कहवै थे के उस म्ह ओपरी आत्मा सै। 31 फेर यीशु की माँ अर उसके भाई आए, अर बाहरणै खड़े होके उस तारीं बुलावा भेज्या। 32 भीड़ उसके लोवै-धोवै बेठी थी, अर उननै उसतै कह्या, “देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै तन्नै टोहवै सै।” 33 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “मेरी माँ अर मेरे भाई कौण सै?” 34 अर जो उसके लोवै-धोवै बेठे थे, उनपै निगांह करके कह्या, “देखों, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सै। 35 क्यूँके जो कोए परमेसवर की इच्छा पै चाल्लै, वोए मेरा भाई, मेरी बेब्बे, अर मेरी माँ सै।”

4 यीशु फेर गलील समुन्दर कै किनारे उपदेश देण लागग्या: अर इसी बड़ी भीड़ उसके धोरै कठी होगी के वो समुन्दर म्ह एक किस्ती पै चढ़के बैठग्या, अर सारी भीड़ जमीन पै समुन्दर कै किनारे खड़ी रही। 2 अर वो उननै उदाहरणां म्ह घणीए बात सिखाण लाग्या, अर अपणे उपदेश म्ह उन तारीं कह्या, 3 “सुणो! एक किसान बीज बोण लिकड़या। 4 बोंदे बखत कुछ राही कै किनारे पड़े, अर पंछियाँ नै आके उन तारीं चुग लिया। 5 कुछ पथरीली धरती पै पड़े जड़े उसनै घणी माट्टी ना मिली, अर ढुंघी माट्टी ना मिलण कै कारण तोळाए उग्या, 6 अर जिब सूरज लिकड़या तो जळगे, अर जड़ ना पकड़ण कै कारण सुखगे। 7 कुछ झाड़ियाँ म्ह पड़े, अर झाड़ियाँ नै आगै बढके उन तारीं दाब दिया, अर वो फळ कोनी ल्याये। 8 पर कुछ आच्छी धरती पै पड़े, अर वो उग्या अर बढके फळ ल्याये; अर कोए तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा फळ ल्याया।” 9 फेर उसनै कह्या, “जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले।” 10 जिब यीशु एक्ला रहग्या, तो उसके साथियाँ नै उन बारहां चेल्यां सुधा उसतै इन उदाहरणां कै बारै म्ह बुझइया। 11 उसनै उनतै कह्या, “थारे तारीं तो परमेसवर कै राज्य के भेद की समझ दे राक्खी सै, पर बाहर आळा खान्तर सारी बात उदाहरणां म्ह होवै सै।” 12 इस

करके के “वे देखदे होए देखै पर उननै दिखाई ना देवै अर सुणदे होए सुणै भी पर ना समझै; इसा ना हो के वे पाप करणा छोड़दे, अर वे माफ करे जावै।” 13 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “के थम यो उदाहरण कोनी समझो? तो फेर और सारे उदाहरणां नै किस तरियां समझोगे? 14 किसान जो बीज बोण आळा सै वो वचन बोण आळे कै समान सै। 15 राही कै किनारे गिरे बीज उन माणसां की तरियां सै जो वचन सुणै सै, तो शैतान जिब्बे आकै वचन नै जो उन म्ह बोया गया था, ठा ले जावै सै। 16 उस्से तरियां-ए जो पथरीली धरती पै बीज गिरे सै, ये वे सै जो वचन सुणकै जिब्बे खुश होकै अपणा लेवें सै। 17 पर उनकै भीत्तर जड़ न्ही पकड़ण कै कारण थोड़े-से दिनां कै खात्तर रहै सै; इसकै बाद जिब वचन कै कारण उनपै क्लेश या संकट आवै सै, तो वे जिब्बे ठोक्कर खा जावै सै। 18 जो झाड़ियाँ म्ह बीज गिरे ये वे सै जिन नै वचन सुण्या, 19 अर दुनिया की फिक्र, अर धन का धोक्खा, अर दुसरी चिज्जां का लालच म्ह पड़कै वचन नै दाब देवै सै अर वो फळदा कोनी। (aiōn g165) 20 अर जो आच्छी धरती पै बीज गिरे, ये वे सै जो वचन सुणकै अपणा लेवें सै अर फळ ल्यावै सै, कोए तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा।” 21 यीशु नै उनतै एक और उदाहरण दिया, “के दीवै नै इस खात्तर कोनी जळान्दे, के उसनै बरतन या खाट कै तळै धर देवां? पर इस खात्तर के टांडी पै धरया जावै? 22 इसा कुछ भी न्ही जो लुक्या हो, अर खोल्या न्ही जावैगा अर ना कुछ गुप्त सै, जिसके बारे म्ह बेरा ना लाग्गै। 23 जै किसे के कान हों, तो ध्यान तै सुण ले।” 24 फेर उसनै उनतै कह्या, “चौक्कस रहियो की के सुणो सो। जिस नाप तै थम नाप्पो सों उस्से नाप तै थारे खात्तर भी नाप्या जावैगा। अर थारे ताहीं घणा दिया जावैगा। 25 क्यूँके जिसकै धोरै सै, उस ताहीं दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै वो भी जो उसकै धोरै सै, ले लिया जावैगा।” 26 फेर यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया, “परमेसवर का राज्य इसा सै, जिसा कोए माणस धरती पै बीज छिडकै सै, 27 अर रात नै सोग्या अर सबेरै जाग गया, अर वो बीज इसा उगै अर बधै सै के उसनै बेराए कोनी लाग्या। 28 धरती खुद-बै-खुद फळ लावै सै, पैहल्या अंकुर, फेर बाल, अर फेर बाल म्ह त्यार दाणा। 29 पर जिब दाणा पक जावै सै, फेर वो जिब्बे दांती लावै सै, क्यूँके लामणी का बखत आण पोहचा सै।” 30 फेर यीशु नै उन

ताहीं एक और उदाहरण दिया, “हम परमेसवर के राज्य की बराबरी किसतै करां अर किस उदाहरण तै उसका खुलास्सा करां? 31 वो राई के दाणै की ढाल सै: जिब धरती म्ह बोया जावै सै तो धरती के सारे बीज्जां तै छोट्टा होवै सै, 32 पर जिब बोया गया, तो जामकै सारे सागपात तै बड़ड़ा हो जावै सै, अर उसकी इतनी बड्डी डाली लिकड़े सै के अकास के पंछी उसकी छाया तळै बसेरा कर सकै सै।” 33 यीशु उन ताहीं इस तरियां के घणे उदाहरण दे-देकै उनकी समझकै मुताबिक वचन सुणावै था, 34 अर इस तरियां की शिक्षा देण खात्तर वो उदाहरणां का ए इस्तमाल करया करदा; पर एकले म्ह वो अपणे चेल्यां ताहीं सारी बाततां का मतलब बतावै था। 35 उस्से दिन जिब साँझ होई, तो यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “आओ, हम समुन्दर के परली ओड़ चाल्लां।” 36 अर वे भीड़ नै छोड़कै जिसा वो था, उसाए उस ताहीं किस्ती पै गेल्या ले चाल्ले; अर उसके गेल्या और भी किस्ती थी। 37 फेर बड़ीए आँधी आई, अर पाणी की झाल किस्ती कै उरै ताहीं लागी के वा पाणी तै भरण नै होगी। 38 पर यीशु पाच्छले हिस्से म्ह गद्दी लगाई सोण लाग रह्या था। फेर उननै उस ताहीं जगाके उसतै कह्या, “हे गुरु, के तन्नै चिन्ता कोनी के हम डूबके मरण आळे सां?” 39 फेर उसनै उठकै आँधी ताहीं धमकाया, अर पाणी की झाल तै कह्या, “शांत रहै, थम ज्या।” अर आँधी थमगी अर पूरी तरियां शान्ति छागी। 40 उसनै उनतै कह्या, “थम क्यूँ डरो सों? के थमनै इब ताहीं बिश्वास कोनी?” 41 वे घणे डरगे, अर आप्पस म्ह बोल्ले, “यो कौण सै के आँधी अर पाणी की झाल भी उसका हुकम मान्नै सै?”

5 यीशु अर उसके चेल्लें गलील समुन्दर कै परली ओड़ गिरासेनियों कै परदेस म्ह पोहचे, 2 जिब यीशु किस्ती पै तै उतरया तो जिब्बे एक माणस जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, कब्रिस्तान म्ह तै लिकड़कै उसतै मिल्या। 3 वो कब्रिस्तान म्ह रह्या करै था अर कोए उस ताहीं बेल्लां तै भी कोनी जुड़ सकै था, 4 क्यूँके वो घणीए बर बेड़ियाँ अर बेल्लां तै जुड्यां गया था, पर उसनै बेल्लां ताहीं तोड़ दिया था अर बेड़ियाँ के टुकड़े-टुकड़े कर दिये थे, अर कोए उस ताहीं बस म्ह कोनी कर सकै था। 5 वो सारीहाण रात-दिन कब्रिस्तानां अर पहाड़ां म्ह किल्की मारदा अर खुद नै पत्थरां तै जख्मी करै था। 6 वो यीशु नै दूर तै ए देखकै भाजकै आया, उसके पायां म्ह पड़कै घुटने टेक दिए,

7 अर जोर तै किल्की मारकै कह्या, “हे यीशु, परमप्रधान परमेसवर के बेटे, मन्नै तेरे तै के काम? मै तन्नै परमेसवर की कसम दियुँ सूँ के मन्नै काल ना करै।” 8 क्यूँके उसनै उसतै कह्या था, “हे ओपरी आत्मा, इस माणस म्ह तै लिकड़ आ!” 9 यीशु नै उसतै बुझ्या, “तेरा के नाम सै?” उसनै उस ताहीं कह्या, “मेरा नाम सेना सै, क्यूँके हम घणे सां।” 10 अर उसनै यीशु तै घणी बिनती करी, “के हमनै इस परदेस तै बाहरणै ना खन्दावै।” 11 उड़ै पहाड़ पै सूअरां का एक बड़ड़ा टोळ चरै था। 12 ओपरी आत्मायाँ नै यीशु तै बिनती करकै कह्या, “हमनै उन सूअरां म्ह भेजदे के हम उनके भीत्तर समा जावां।” 13 यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया अर ओपरी आत्मा लिकड़कै सूअरां कै भीत्तर समागी अर टोळ, जो कोए दो हजार का था, ढळान पै तै झपटकै गलील समुन्दर म्ह पड़कै डूब मरया। 14 उनके पाळीयाँ नै जो डरे होए थे, भाजकै कस्बे अर गाम्मां म्ह खबर सुणाई, अर जो होया था, माणस उस ताहीं देखण आए। 15 अर यीशु कै धोरै आकै वे उस ताहीं जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, यानिके जिस म्ह सेना बड़री थी, लत्ते पहरे अर सोध्दी म्ह बेठे देख्या। 16 अर देखण आळा नै उसका, जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, अर सूअरां का पूरा किस्सा उन ताहीं कह सुणाया। 17 फेर वे उसतै बिनती करकै कहण लागे के म्हारी सीमा तै लिकड़ज्या। 18 जिव यीशु किस्ती पै चढ़ण लागग्या, तो वो जिस म्ह पैहल्या ओपरी आत्मा थी, उसतै बिनती करण लाग्या, के “मन्नै अपणे गेल्या रहण दे।” 19 पर यीशु नै उस ताहीं मंजूरी कोनी देई, अर उसतै बोल्या, “अपणे घरां जाकै अपणे माणसां नै बता, के तेरे पै दया करकै प्रभु नै तेरे खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे सै।” 20 वो जाकै दिकापुलिस नगर म्ह इस बात का प्रचार करण लाग्या, के यीशु नै मेरै खात्तर किस ढाळ के बड़े काम करे; अर जिसनै भी यो सुणया वे सारे अचम्भा करण लागै। 21 जिव यीशु किस्ती तै दुसरे किनारे पै गया, तो एक बड़ी भीड़ उसकै धोरै कठी होगी; वो गलील समुन्दर का किनारा था। 22 आराधनालायाँ कै सरदारां म्ह तै एक यार्डर नाम का आदमी आया, अर उसनै देखकै उसकै पायां के म्ह पड़ग्या, 23 अर न्यू कहकै उस ताहीं बिनती करी, “मेरी छोट्टी छोरी मरण नै होरी सै: तू आकै उसपै हाथ धरदे, तो वा ठीक होकै जिन्दा हो जावै।” 24 फेर वो उसकै गेल्या चाल्या; अर बड़ी भीड़ उसकै

पाच्छे हो ली, याडै ताहीं के माणस उसपै पड़ण लागरे थे। 25 एक बिरबान्नी थी, जिसके बारहा साल तै लहू बहण की बीमारी थी। 26 उसने घणे डाक्टरां तै ईलाज करवा कै भी बड़ा दुख ठाया, अर उसने अपणा सारा रपियाँ खर्च कै भी कोए फायदा कोनी होया, पर उसकी बीमारी और भी घणी बढ़गी थी। 27 वा बिरबान्नी यो सुणके, यीशु माणसां नै ठीक करै सै भीड़ म्ह उसके पाच्छे तै आई अर उसके लत्ते ताहीं छू लिया, 28 अर वा या भी कहवै थी, “जै मै उसके लत्ते नै छू ल्युँगी, तो ठीक हो जाऊँगी।” 29 अर जिब्बे उसका लहू बहणा बन्द हो गया, अर उसने अपणे देह म्ह बेरा लागग्या के मै उस बीमारी तै चंगी होगी सूं। 30 यीशु नै जिब्बे खुद तै बेरा पाटग्या के मेरै म्ह तै सामर्थ लिकड़ी सै, अर भीड़ के पाच्छे फिरके बुझ्झया, “मेरे लत्ते किसने छुए?” 31 उसके चेल्यां नै उसतै कह्या, “तू देकखै सै के भीड़ तेरपै गिरण-पड़ण लागरी सै, अर तू पूच्छै सै के किसने मेरै ताहीं छुया?” 32 फेर उसने उस ताहीं देखण खात्तर जिसने यो काम करया था, चोगरदेनै निगांह घुमाई। 33 फेर वा बिरबान्नी न्यू जाणके के मेरी किसी भलाई होई सै, डरगी अर काम्बदी होई आई, अर उसके पायां म्ह पड़के उस ताहीं सारा हाल सच-सच कह दिया। 34 यीशु नै उसतै कह्या, “बेट्टी, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै, खुशी-खुशी जा, अर अपणी इस बीमारी तै ठीक रह।” 35 यीशु न्यू कहवै था के आराधनालय के सरदार याईर के घर तै माणसां नै आके कह्या, “तेरी छोरी तो मर ली सै, इब गुरु नै क्यांतै काल करै सै?” 36 जो बात वे कहे थे, उस ताहीं यीशु नै बेगौरी करके, आराधनालय के सरदार तै कह्या, “मतना डरै, सिर्फ बिश्वास राख।” 37 अर उसने पतरस अर याकूब अर उसके भाई यूहन्ना नै छोड़, किसे दुसरे ताहीं अपणे गेल्या आण ना दिया। 38 आराधनालय के सरदार के घर म्ह पोहचके, उसने माणसां ताहीं घणे रोन्दे अर किल्की मारदे देख्या। 39 फेर उसने भीत्तर जाके उनतै कह्या, “थम क्यांतै रोळा मचाओ अर रोओ सो, छोरी मरी कोनी, पर सोवै सै।” 40 वे उसका मजाक उड़ाण लागे, पर उसने सारया ताहीं बाहर लिकाड़के छोरी के माँ-बाप अर अपणे चेल्यां के गेल्या भीत्तर गया, जित्त छोरी पड़ी थी। 41 अर छोरी का हाथ पकड़के उसतै कह्या, “तलिता कूमी!” जिसका मतलब सै, “हे छोरी, मै तेरे तै कहूँ सूं, उठ!” 42 अर वा छोरी जो बारहा साल की

थी, जिब्बे उठके चाल्लण-फिरण लागगी; अर इसपै माणस घणे हैरान होगे।
43 फेर उसनै उन ताहीं चेतावनी देकै हुकम दिया के इस बात का किसे नै भी बेरा ना पाट्टण दियो अर कह्या, “इसनै कुछ खाण नै द्यो।”

6 कफरनहूम नगर तै लिकड़कै यीशु अपणे नासरत नगर म्ह आया, अर उसके चेल्लें भी उसके पाच्छे गए। 2 आराम कै दिन वो आराधनालय म्ह उपदेश देण लागग्या, अर घणखरे माणसां नै सुणकै अचम्भा करया अर कहण लागगे, “इसनै इतनी बात कड़ै तै आगी?” यो कौण सा ज्ञान सै जो उस ताहीं दिया होया सै? किस ढाळ के सामर्थ के काम उसकै हाथ्यां तै दिक्खे सै? 3 के यो वोए खात्ती कोनी, जो मरियम का छोरा, अर याकूब, योसेस, यहूदा, अर शमौन का भाई सै? के उसकी सारी बेब्बे याड़ै म्हारै बिचाळै कोनी रहन्दी? इस करके उननै उसका बिश्वास कोनी करा। 4 यीशु नै उनतै कह्या, “नबी का अपणे गाम, अपणे कुणबे, अर अपणे घर नै छोड़कै और किते भी निरादर कोनी होन्दा।” 5 वो उड़ै कोए चमत्कार के काम न्ही कर सक्या, सिर्फ थोड़े-से बिमारां पै हाथ धरके उन ताहीं ठीक करया। 6 अर यीशु नै उनके अबिश्वास पै हैरानी होई अर चौगरदे के गाम्मां म्ह उपदेश सुणान्दा हांडया। 7 यीशु नै बारहां चेल्यां ताहीं अपणे धोरै बुलाया अर उननै ओपरी आत्मायाँ पै हक दिया अर उननै दो-दो करके भेजण लागग्या; । 8 उसनै चेल्यां ताहीं हुकम दिया, “रास्ते खात्तर लाठी नै छोड़ और कुछ ना लियो, ना तो रोटी, ना झोळी, ना बटुए म्ह पईसे, 9 जूत्ते तो पैहरियो पर पैहरण खात्तर दो कुड़ते ना लियो।” 10 अर यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, “जित्त किते थम जिस घर म्ह जाओ, तो जिब ताहीं उड़ै तै बिदा ना होइयो तब तक उस्से घर म्ह ठहरे रहो। 11 जिस जगहां के माणस थमनै न्ही अपणावै अर थारी न्ही सुणै, उड़ै तै चाल्दे-ए अपणे ताल्वां की धूळ झाड़ दियो के या उनके बिरुध्द गवाही होवै।” 12 फेर चेल्यां नै जाकै प्रचार करया के पाप करणा छोड़ द्यो, 13 अर घणीए ओपरी आत्मा ताहीं काढ्या, अर घणे बिमारां पै तेल मळ कै उन ताहीं ठीक करया। 14 राजा हेरोदेस नै भी यीशु का जिक्र सुण्या, क्यूँके उसका नाम फैलग्या था, अर उसनै कह्या, के “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा मरया होया म्ह तै जिन्दा होया सै, इस्से करके उसतै ये सामर्थ के काम होवै सै।” 15 दुसरे माणसां नै कह्या, “यो एलिय्याह सै।” पर कुछ दुसरयां नै

कह्या, “वो एक नबी सै पुराणे नबियाँ म्ह तै किसे कै बरगा।” 16 हेरोदेस नै न्यू सुणकै कह्या, “जिस यूहन्ना का सिर मन्नै कटवाया था, वोए जिन्दा होया सै।” 17 हेरोदेस नै अपने भाई फिलिप्पुस की घरआळी हेरोदियास कै कारण, जिसतै उसनै ब्याह कर लिया था, माणसां ताहीं भेजकै यूहन्ना ताहीं पकड़वाकै जेळ म्ह गेर दिया था। 18 क्यूँके यूहन्ना नै हेरोदेस तै कह्या था, “अपणे भाई की घरआळी ताहीं राखणा मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक तेरे खात्तर ठीक कोनी।” 19 इस करके हेरोदियास यूहन्ना तै बैर राख्या करै थी अर वा चाहवै थी के उसनै मरवा देवै, पर इसा हो नही सक्या, 20 क्यूँके हेरोदेस यूहन्ना नै धर्मी अर पवित्र माणस जाणकै उसतै डरै था, अर उसका बचाव करै था, अर उसकी बात सुणकै घणा घबरावै था, फेर भी उसकी बातों नै आनन्द तै सुणै था। 21 आखिरकार एक इसा मौक्का आया, जिब हेरोदेस नै अपने जन्म दिन पै अपने प्रधानां, सेनापतियाँ, अर गलील कै बड़े माणसां कै खात्तर जीमणा करया। 22 तो हेरोदियास की बेटी भीत्तर आई, अर नाचकै हेरोदेस ताहीं अर उसकै गेल्या बैठण आळा ताहीं राज्जी करया। फेर राजा नै छोरी तै कह्या, “तू जो चाहवै मेरै तै माँग ले, मै तन्नै वोए दियुँगा।” 23 हेरोदेस नै कसम खाई, “मै अपना आध्धा राज्य तक जो कुछ तू मेरै तै माँगैगी मै तन्नै दियुँगा।” 24 उसनै बाहरणै जाकै अपनी माँ तै बुझया, “मै के माँगू?” वा बोल्ली, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे का सिर।” 25 वा जिब्बे राजा धोरै भीत्तर आई अर उसतै बिनती करी, “मै चाहूँ सूँ के तू इब्बे यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे का सिर एक थाळ म्ह मन्नै मँगवा दे।” 26 फेर राजा घणा दुखी होया, पर अपनी कसम कै कारण अर गेल्या बैठण आळा कै कारण उस ताहीं टाळणा कोनी चाह्या। 27 आखर म्ह राजा नै जिब्बे एक सिपाही ताहीं हुकम देकै भेज्या के उसका सिर काट लियावै। 28 उसनै जेळखान्ने म्ह जाकै उसका सिर काट्या, अर एक थाळ म्ह धरकै ल्याया अर छोरी ताहीं दिया, अर छोरी नै अपनी माँ तै दिया। 29 न्यू सुणकै यूहन्ना के चेल्लें आए, अर उसकी लाश नै लेगे अर कब्र म्ह धर दी। 30 चेल्लें बोहड़कै यीशु कै धोरै आये, जो कुछ उननै करया अर सिखाया था, सब कुछ उस ताहीं बता दिया। 31 यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “आओ हम किसे एकान्त जगहां म्ह चालकै माड़ा आराम करां।” क्यूँके घणे माणस आवै-जावै थे, अर उननै

खाण का मौकका भी कोनी मिलै था। 32 ज्यांतै वे किस्ती पै चढ़कै सुनसान जगहां म्ह न्यारे चले गए। 33 घणा नै यीशु अर उसके चेल्यां ताहीं जान्दे देखकै पिछाण लिया, अर सारे नगरां तै कट्टे होके उड़ै पांए-पाँ भाज लिए अर उनतै पैहल्या जा पोहचे। 34 उसनै उतरकै बड्डी भीड़ देख्खी, अर उनपै तरस खाया, क्यूँके वे उन भेड्या की तरियां थे, जिनका कोए रुखाळा ना हो; अर वो उननै घणीए बात सिखाण लागग्या। 35 जिब दिन घणा ढळग्या, तो उसके चेल्लें उसकै धोरै आकै कहण लागगे, “या सुनसान जगहां सै, अर दिन घणा ढळग्या सै। 36 उननै बिदा करकै चौगरदेकै गाम्मां अर बस्तियाँ म्ह जाकै, अपणे खाण खात्तर कुछ मोल लियावै।” 37 यीशु नै जवाब दिया, “थमे उननै खाण नै द्यो।” चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, “के हम दो सौ दीनार (200 दिन की मजदूरी) की रोटी मोल ल्यावां, अर उननै खुआवां?” 38 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “जाकै देख्खो थारे धोरै कितनी रोटी सै?” उननै कह्या, “पाँच रोटी अर दो मच्छी भी।” 39 फेर यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया के सारया नै हरी घास पै टोळ म्ह बिठा द्यो। 40 वे सौ-सौ अर पचास-पचास करकै टोळ म्ह बैठगें। 41 यीशु नै उन पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ ताहीं लियां, अर सुर्ग कै कान्ही लखाकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर रोटी तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं देन्दा गया के वे माणसां ताहीं बाँडे, अर वे दो मच्छियाँ भी उन सारया म्ह बाँड दी। 42 सारे खाकै धापगे, 43 अर उननै टुकड्या अर मच्छियाँ तै भरी होई बारहा टोकरियाँ ठाई। 44 जिन नै रोटी खाई, वे पाँच हजार आदमी थे। 45 फेर यीशु नै जिब्बे अपणे चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण कै खात्तर मजबूर करया, ताके वे उसतै पैहल्या उस पार बैतसैदा नगर म्ह चले जावै, जिब तक के वो माणसां ताहीं बिदा करै। 46 चेल्यां नै बिदा करकै यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण खात्तर गया। 47 जिब साँझ होई, तो किस्ती समुन्दर कै बिचाळै थी, अर यीशु एक्ला किनारे पै था। 48 जिब उसनै देख्खा के वे किस्ती चलाणा म्ह घणी मेहनत करण लागरे सै, क्यूँके हवा उनके स्याम्ही की थी, तो सबेरै तीन बजे कै लोवै-धोवै यीशु समुन्दर पै चाल्दे होए उनकै धोरै आया; अर उनतै आगै लिकड़ जाणा चाहवै था। 49 पर चेल्यां नै उस ताहीं समुन्दर पै चाल्दे देखकै समझया के भूत सै, अर किल्की मारण लागगे; 50 क्यूँके सारे उसनै देखकै घबरागे थे। पर उसनै जिब्बे उनतै बात करी अर

कह्या, “होसला राक्खो, मै सुं: डरो मतना!” 51 फेर वो उनके धोरे किस्ती पै आया, अर हवा थमगी: अर वे घणा अचम्भा करण लागगे। 52 चेल्लें उस रोटी की घटना के बारे म्ह कोनी समझै थे, क्यूँके उनके दिल कठोर होरे थे। 53 वे गलील समुन्दर पार करके गन्नेसरत परदेस म्ह पोहचे, अर किस्ती घाट पै लाई। 54 जिब यीशु किस्ती पै तै उतरया तो माणसां नै उस ताहीं पिच्छाण लिया, 55 लोवै-धोवै के सारे नगर म्ह भाज्जे-भाज्जे, अर बिमारां नै खाट्टां पै लादके, जित्त-जित्त खबर मिली के यीशु ओड़े सै, उड़ै-उड़ै लिए हान्दे। 56 अर जित्त किते भी वो गाम्मां, नगरां, या बस्तियाँ म्ह जावै था, माणस बिमारां नै बजारां म्ह धरके उसतै बिनती करै थे के वो उननै अपणे लत्ते के पल्ले तै ए छू लेण दे: अर जितने उसनै छुवै थे, सारे ठीक हो जावै थे।

7 एक दिन कुछ फरीसी अर शास्त्री जो यरुशलेम नगर तै आए थे, यीशु के धोरे कठे होए, 2 अर उननै उसके कुछ चेल्यां ताहीं बिना सुच्चे होए यानिके बिना हाथ धोए रोटी खांदे देख्या। 3 क्यूँके फरीसी अर सारे यहूदी, बड़े बुजुर्गा के रीति-रिवाजां पै चाल्ले सै अर जिब ताहीं ठीक ढाळ हाथ न्ही धो लेंदे जद ताहीं कोनी खान्दे। 4 अर बजार तै आके, जिब तक के अपणे हाथ न्ही धो लेते, जद ताहीं रोटी कोनी खान्दे; और घणीए बात सै, जो उनके रीति-रिवाजां का हिस्सा सै, जिस तरियां कटोरे, अर लोट्टे, अर ताम्बे के बरतनां ताहीं धोणा मान्जणा। 5 इस करके उन फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ नै यीशु तै बुझ्झया, “तेरे चेल्लें क्यातै बड़े बुजुर्गा के रीति-रिवाजां पै कोनी चाल्दे, अर बिना हाथ धोए रोटी खावै सै?” 6 यीशु नै फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ ताहीं कह्या, “यशायाह नबी नै थम कपटियाँ के बारे म्ह घणी ठीक भविष्यवाणी करी; जिसा लिख्या सै: ‘ये माणस होठ्ठां तै तो मेरा आदर करै सै पर उनका मन मेरै तै दूर रहवै सै। 7 वे खामखां मेरी पूजा करै सै, क्यूँके माणसां के हुकमां नै धर्म का उपदेश करके सिखावै सै।’” 8 “क्यूँके थम परमेसवर के हुकम नै टाळके माणसां के रिवाजां ताहीं मान्ने सो।” 9 उसनै उन ताहीं कह्या, “थम अपणे रिवाजां नै मानण के खात्तर परमेसवर का हुकम कितनी बढ़िया ढाळ टाळ घो सो। 10 क्यूँके मूसा नबी नै कह्या सै, ‘अपणे माँ-बाप की इज्जत कर’ अर ‘जो कोए अपणे माँ-बाप नै भुंडा बोल्लै, वो जरुर मारया जावै।’ 11 पर थम कहो सो के जै कोए अपणे माँ-बाप तै कहवै,

‘जो कुछ मन्नै थारे ताहीं अपणी सम्पत्ति म्ह तै देणा था, वो मन्नै परमेसवर ताहीं अर्पण कर दिया।’ 12 तो थम उननै उसके माँ बाप की कुछ भी सेवा करण न्ही देन्दे। 13 इस तरियां थम अपणी रीत-रिवाजां तै, जिन ताहीं थमनै ठहराया सै, परमेसवर का वचन टाळ द्यो सो; अर इसे-इसे घणखरे काम करो सो।” 14 फेर यीशु नै माणसां ताहीं अपणे धोरै बुलाकै कह्या, “थम सारे मेरी सुणो, अर समझो। 15 इसी कोए चीज कोनी जो माणस म्ह बाहर तै बड़कै उस ताहीं अशुद्ध करै; पर जो चीज माणस कै भीत्तर तै लिकड़ै सै, वैए उस ताहीं अशुद्ध करै सै। 16 (जै किसे के कान हो तो वो ध्यान तै सुण ले।)” 17 जिब यीशु भीड़ नै छोड़कै घरां आया, तो उसके चेल्यां नै इस उदाहरण कै बारै म्ह उसतै बुझया। 18 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम भी इसे नासमझ सो? के थमनै न्ही बेरा के जो चीज बाहर तै माणस कै भीत्तर जावै सै वा उसनै अशुद्ध कोनी कर सकदी? 19 क्यूँके वा उसकै मन म्ह न्ही, पर पेट म्ह जावै सै, अर संडास म्ह लिकड़ जावै सै?” न्यू कहकै उसनै सारी खाणे की चिज्जां ताहीं शुद्ध ठहराया। 20 फेर उसनै कह्या, “जो माणस म्ह तै लिकड़ै सै, वोए माणस नै अशुद्ध करै सै। 21 क्यूँके भीत्तर तै, यानिके माणस कै मन तै, भुन्डे-भुन्डे ख्याल, जारी, चोरी, हत्या, बिगान्नी बिरबान्नी कै धोरै जाणा, 22 लोभ, दुष्टता, छळ, लुचपण, जलन, बुराई, घमण्ड, अर बेअक्ली लिकड़ै सै। 23 ये सारी भुंडी बात भीत्तर तै ए लिकड़ै सै अर माणस नै अशुद्ध करै सै।” 24 फेर यीशु ओड़ै तै उठकै सूर अर सैदा के परदेस म्ह आया; जित्त एक घर म्ह गया अर वो चाहवै था ताके किसे नै उनके बारें म्ह बेरा न्ही लागै, पर वो लुत्क न्ही सक्या। 25 अर जिब्बे एक बिरबान्नी जिसकी छोटी छोरी म्ह ओपरी आत्मा थी, उसका जिक्र सुणकै आई, अर उसकै पायां म्ह पड़गी। 26 वा सुरुफिनिकी परदेस के यूनानी जात की थी। बिरबान्नी नै उसतै बिनती करी के मेरी छोरी म्ह तै ओपरी आत्मा लिकाड़ दे। 27 उसनै उसतै कह्या, “पैहल्या मेरे बच्चें जो यहूदी सै उननै खा लेण दे, क्यूँके बाळकां की रोटी लेकै कुत्याँ कै आग्नै गेरणा ठीक कोनी।” (यहूदी दुसरी जात के माणसां नै कुत्याँ कै समान समझै थे) 28 उसनै उस ताहीं जवाब दिया, “साच्ची सै प्रभु; पर कुत्ते भी तो मेज कै तळै बाळकां की रोटी के टुकड़े खा लेवें सै।” 29 यीशु नै उसतै कह्या, “तेरी बात सुणकै तेरे

बिश्वास का बेरा पाट्टे सै इस कारण चली जा; ओपरी आत्मा तेरी छोरी म्ह तै लिकड़गयी सै।” 30 उसनै अपणे घरां आकै देख्या के छोरी खाट पै पड़ी सै, अर ओपरी आत्मा लिकड़गयी सै। 31 फेर यीशु सूर अर सैदा के परदेसां तै लिकड़कै दिकापुलिस नगर तै होंदा होड़ गलील समुन्दर पै पोंहच्या। 32 तो आदमियाँ नै एक बैहरै ताहीं जो हाकळा भी था, उसके धोरै आकै उसतै बिनती करी के अपणा हाथ उसपै धरै। 33 फेर यीशु उसनै भीड़ तै न्यारा लेग्या, अपणी आन्गळी उसके कान्ना म्ह घाल्ली, अर अपणी आन्गळी पै थूककै उसकी जीभ ताहीं छुया; 34 अर सुर्ग कान्ही देखकै आह भरी, अर उसतै कह्या, “इप्फत्तह!” यानिके “खुल ज्या!” 35 वो सही तरियां सुणण, अर वो सुथरी-ढाळ बोल्लण लाग्या। 36 फेर उसनै उन ताहीं चिताया कह्या के किसे तै ना कहियो; पर जितना यीशु नै उन ताहीं बताया उतनाए वे और प्रचार करण लागगे। 37 वे घणे हैरान होकै कहण लागगे, “उसनै जो कुछ करया सारा ठीक करया सै; वो बैहरया नै सुणण की, गूंगा नै बोल्लण की ताकत देवै सै।”

8 एक दिन जिब भीड़ कट्टी होई, अर उनके धोरै इब कुछ खाण नै कोनी बचा था, तो यीशु नै अपणे चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै उनतै कह्या, 2 “मन्नै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके ये तीन दिनां तै बराबर मेरै गेल्या सै, अर इब उनके धोरै कुछ खाण नै भी कोनी बचा। 3 जै मै उननै भूक्खा घरां भेज यु, तो राह म्ह थक हार कै बेहोस हो ज्यांगें; क्यूँके इन म्ह तै कई लोग दूर तै आरे सै।” 4 उसके चेल्यां नै जवाब दिया, “उरै जंगल-बियाबान म्ह इतनी रोटी कोए कित्त तै ल्यावै के वे छिक्क ज्या?” 5 यीशु नै उनतै बुझ्झया, “थारे धोरै कितनी रोटी सै?” उननै कह्या, “सात।” 6 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुकम दिया, अर वे सात रोटी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करकै तोड़ी, अर अपणे चेल्यां नै देन्दा गया, अर उननै वे रोटी माणसां कै आगै परोस दी। 7 उनकै धोरै माड़ी-सी छोटी मच्छियाँ भी थी; उसनै परमेसवर का धन्यवाद करकै उन ताहीं माणसां कै आगै धरण का हुकम दिया। 8 वे खाकै छिकगे अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड्या के सात टोकरे भरकै ठाए। 9 अर सारे लोग चार हजार कै करीबन थे; फेर यीशु नै उन ताहीं भेज दिया, 10 अर वो जिब्बे अपणे चेल्यां कै गेल्या किस्ती म्ह चढ़कै दलमनूता परदेस नै

चल्या गया। 11 जब फरीसियाँ नै देख्या कै यीशु दलमनूता परदेस म्ह आ ग्या तो वे उसतै बहस करण लाग्गे, अर यो परखण खात्तर के परमेसवर नै यीशु तार्हीं भेज्या सै, उसतै कोए सुर्गीय चिन्ह-चमत्कार की माँग करी। 12 यीशु नै अपणी आत्मा म्ह आह भरकै कह्या, “इस बखत के माणस क्यांतै चिन्ह-चमत्कार टोहें सै? मै थमनै साच्ची-साच कहुँ सूं, के इस बखत के माणसां नै कोए चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा।” 13 अर वो उननै छोड़कै फेर किस्ती पै चढ़ग्या अर गलील समुन्दर के परली ओड़ चल्या गया। 14 चेल्लें रोटी लेणा भूलगे थे, पर किस्ती म्ह उनके धोरै सिर्फ एक-ए रोटी थी। 15 यीशु नै उनकी कपट रूपी शिक्षा के बारें म्ह चिताया, “लखाओ, फरीसियाँ अर हेरोदेस के खमीर तै चौकन्ने रहो।” 16 वे आप्पस म्ह विचार करकै कहण लाग्गे, “म्हारै धोरै तो रोटी सै कोनी।” 17 न्यू जाणकै यीशु नै उनतै कह्या, “थम क्यांतै आप्पस म्ह यो विचार करे सो के म्हारै धोरै रोटी कोनी? के इब तार्हीं थम न्ही जाणे अर न्ही समझे? के थारा मन कठोर होग्या सै? 18 के आँख होते होए भी कोनी देखदे, अर कान होते होए भी कोनी सुणदे? के थारे याद कोनी। 19 के जिब मन्नै पाँच हजार माणसां कै खात्तर पाँच रोटी तोड़ी थी तो थमनै बचे होड़ टुकड्या के कितने टोकरे भरकै ठाए थे, उननै उसतै कह्या, बारहा टोकरे।” 20 “अर जिब चार हजार माणसां कै खात्तर सात रोटी थी तो थमनै बचे होड़ टुकड्या के कितने टोकरे भरकै ठाए थे?” उननै उसतै कह्या, “सात टोकरे।” 21 उसनै उनतै कह्या, “के थम इब तार्हीं न्ही समझदे?” 22 यीशु अर उसके चेल्लें बैतसैदा कस्बे म्ह आए; अर आदमी एक आन्धे नै उसकै धोरै लियाये अर उसतै बिनती करी के उसनै छुवै। 23 वो उस आन्धे का हाथ पकड़कै गाम तै बाहरणै लेग्या, अर अपणी आंगळी पै थूककै उसकी आँखां पै हाथ धरते होए उसतै बुझइया, “के तू कुछ देखखै सै?” 24 उसनै निगांह ठाकै कह्या, “मै माणसां नै देखखूँ सूं; वे मन्नै चाल्दे होए दरखां की ढाळ दिखखै सै।” 25 फेर उसनै दुबारा उसकी आँखां पै हाथ धरे, अर आन्धे नै ध्यान तै देख्या। वो ठीक होग्या, अर सारा कुछ सुथरी-ढाळ देखखण लाग्या। 26 उसनै उस तार्हीं न्यू कहकै घरां भेज्या, “इस गाम म्ह भी ना जाईये।” 27 यीशु अर उसकै चेल्लें कैसरिया फिलिप्पी परदेस के गाम्मां म्ह चले गये। राह म्ह उसनै अपणे

चेल्यां तै बुझ्झया, “माणस मन्नै के कहवै सै?” 28 उननै जवाब दिया, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा, पर कोए एलिय्याह अर कोए-कोए तो उसनै पुराणे नबियाँ म्ह तै एक सै भी कहवै सै।” 29 उसनै उनतै बुझ्झया, “पर थम मन्नै के कहो सो?” पतरस नै जवाब दिया, “तू मसीह सै।” 30 फेर उसनै उन तार्हीं समझाकै कह्या के मेरै बारै म्ह यो किसे तै ना कहियो। 31 फेर यीशु चेल्यां नै सिखाण लाग्या के माणस कै बेट्टे (उसनै अपणे बारै म्ह कह्या था) खात्तर जरूरी सै के वो घणा दुख ठावै, यहूदी अगुवें, प्रधान याजकां, अर शास्त्री उसनै तुच्छ समझकै मार देवें, अर वो तीसरे दिन म्ह जिन्दा हो जावैगा। 32 उसनै या बात उनतै साफ-साफ कह दी। इसपै पतरस उसनै न्यारा ले जाकै झिड़कण लाग्या, क्यूँके उसनै सोच्या के मसीह मर नही सकदा। 33 पर यीशु नै पलटके अपणे चेल्यां कान्ही देख्या, अर पतरस तै झिड़ककै कह्या, “हे शैतान, मेरै स्याम्ही तै दूर हो; क्यूँके तू परमेसवर की बात्तां पै नही, पर माणसां की बात्तां पै मन लगावै सै।” 34 यीशु नै भीड़ तार्हीं अपणे चेल्यां सुधा बुलाकै कह्या, “जो कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा पूरी ना करै बल्के अपणे दुखां का क्रूस ठाकै, मेरै पाच्छै हो लेवै। 35 क्यूँके जो कोए अपणी जान बचाणा चाहवै वो अनन्त काल खात्तर गवावैगा, पर जो कोए मेरै अर सुसमाचार खात्तर अपणी जान गवावैगा, वो उसनै अनन्त काल खात्तर बचावैगा। 36 जै माणस सारी दुनिया की चिज्जां नै पा लेवै अर फेर भी अनन्त जीवन नै नही पा सकै, तो उसतै के फैयदा होगा? 37 कोए भी माणस अनन्त जीवन की तुलना दुनिया की किसी भी चीज तै नही कर सकता? 38 जो कोए इस जार अर पापी युग कै बिचाळै मेरै तै अर मेरे वचन तै इन्कार करैगा, तो मै माणस का बेट्टा भी जिव पवित्र सुर्गदूतां कै गेल्या अपणे पिता की महिमा सुधा आऊँगा, तो मै भी उसतै इन्कार करूँगा।”

9 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे तै साच्ची कहुँ सू के जो उरै खड़े सै, उन म्ह तै कई इसे माणस सै, के जिव तार्हीं परमेसवर के राज्य नै सामर्थ सुधा आन्दा होया नही देख लेवेंगे, जद तक नही मरेंगे।” 2 छः दिनां पाच्छै यीशु नै पतरस अर याकूब अर यूहन्ना तार्हीं गेल्या लिया, अर एकान्त म्ह किसे ऊँचे पहाड़ पै लेग्या। ओड़ै उनकै स्याम्ही उसका रूप बदल गया, 3 अर उसके

लत्ते इसे चमकण लाग्गे उरै ताहीं जमा धोळाधप होया, के धरती पै कोए धोळ्बी भी उसा धोळा न्ही लिकाड़ सकदा। 4 अर उननै मूसा नबी कै गेल्या एलिय्याह नबी दिख्या; वे यीशु कै गेल्या बात करै थे। 5 इसपै पतरस नै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै: इस करकै हम तीन मण्डप बणावा; एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी खात्तर।” 6 क्यँके उसनै कोनी बेरा था, के वो के जवाब देवै, ज्यांतै के वे घणे डरगे थे। 7 फेर एक बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै परमेसवर नै कह्या, “यो मेरा प्यारा बेट्टा सै, इसकी सुणो।” 8 फेर उननै चाणचक चौगरदेकै निगांह घुमाई, अर यीशु नै छोड़ अपणे गेल्या और किसे ताहीं कोनी देख्या। 9 पहाड़ तै उतरदी आणी यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया के जिब ताहीं मै माणस का बेट्टा मरे होया म्ह तै जिन्दा न्ही हो जाऊंगा, तब तक जो कुछ थमनै देख्या सै वो किसे तै ना कहियो। 10 चेल्यां नै या बात अपणे मन म्ह ए राक्खी, अर आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे, के “मरे होया म्ह तै जी उठण का के मतलब हो सकै सै?” 11 अर उननै उसतै बुझ्या, “शास्त्री क्यांतै कहवै सै के एलिय्याह नबी का पैहल्या आणा जरूरी सै?” 12 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “यो सच सै एलिय्याह नबी पैहल्या आके सारा कुछ सुधारैगा, पर मेरे बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह यो क्यांतै लिख्या सै के वो घणा दुख ठावैगा, अर तुच्छ गिण्या जावैगा? 13 पर मै थमनै कहुँ सू के एलिय्याह नबी तो (जो यूहन्ना सै) आ लिया, अर जिसा के उसकै बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, उननै जो कुछ चाह्या उसकै गेल्या करया।” 14 यीशु अर उसके तीन चेल्लें दुसरयां चेल्यां कै धोरै आये, तो देख्या के उनकै चौगरदे नै घणी भीड़ लागरी सै अर शास्त्री उनकै गेल्या बहस कररे सै। 15 यीशु ताहीं देखदे ए सारे घणे हैरान होण लाग्गे, अर उननै यीशु कान्ही भाजकै उसतै नमस्कार करया। 16 यीशु नै उनतै बुझ्या, “थम इनतै के बहस कररे सो?” 17 भीड़ म्ह तै एक नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, मै अपणे बेट्टे ताहीं जिसम्ह ओपरी आत्मा सै, जो उसनै बोल्लण कोनी देती। मै उस ताहीं तेरे धोरै ल्याया था। 18 जित्त किते ओपरी आत्मा उसनै पकड़ै सै, उड़ैए पटक देवै सै: अर वो मुँह म्ह तै झाग भर लावै सै, अर दाँत पिसदा, अर सुखदा जावै सै। मन्नै तेरे चेल्यां तै कह्या के वे ओपरी आत्मा नै काढ देवै, पर वे काढ न्ही सके।” 19 न्यू सुणकै

यीशु नै उनतै जवाब देके कह्या, “हे अबिश्वासी माणसों, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा? अर कद ताहीं थारी सहूँगा? बाळक नै मेरै धोरै ल्याओ।” 20 फेर वे बाळक नै यीशु कै धोरै लियाये: अर जिब ओपरी आत्मा नै यीशु ताहीं देख्या, तो उस ओपरी आत्मा नै जिब्बे उस ताहीं मरोड्या, अर वो धरती पै पड़ग्या, अर मुँह तै झाग बगान्दे होए लोट्टण लाग्या। 21 यीशु नै उसकै पिता तै बुझ्या, “इसकी या हालत कद तै सै?” उसनै कह्या, “बाळकपण तै। 22 उसनै इस ताहीं नाश करण खात्तर कदे आग अर कदे पाणी म्ह गेरया, पर जै तू कुछ कर सकै, तो म्हारै पै तरस खाके म्हारा भला कर।” 23 यीशु नै उसतै कह्या, “या के बात होई! जै तू कर सकै सै? बिश्वास करण आळा खात्तर सारा कुछ हो सकै सै।” 24 बाळक कै पिता नै जिब्बे जोर तै कह्या, “हे प्रभु, मै बिश्वास करूँ सूँ, मेरै अबिश्वास का उपाय कर।” 25 जिब यीशु नै देख्या के माणस भाजकै भीड़ लावै सै, तो उस ओपरी आत्मा ताहीं न्यू कहकै धमकाया, “हे गूँगी अर बैहरी करण आळी ओपरी आत्मा, मै तन्नै हुकम दियुँ सूँ, उस म्ह तै लिकड़ आ, अर उस म्ह फेर कदे ना बड़ीये।” 26 फेर वा किल्की मारकै अर उस ताहीं घणा मरोड़कै, लिकड़ आई; अर बाळक मरया होया-सा होग्या, उरै ताहीं के घणे आदमी कहण लागे के वो मरग्या। 27 पर यीशु नै उसका हाथ पकड़कै उस ताहीं ठाया, अर वो खड्या होग्या। 28 जिब वो घरां आया, तो उसके चेल्यां नै एकले म्ह उसतै बुझ्या, “हम उस ताहीं क्यांतै न्ही काढ सके?” 29 उसनै उनतै कह्या, “या जात, बिना प्रार्थना किसे और उपाय तै कोनी लिकड़ सकदी।” 30 फेर यीशु अर उसके चेल्यां नै ओड़ै तै लिकड़कै, गलील परदेस का राह लिया। यीशु न्ही चाहवै था के कोए उननै जाणै, क्यूँके वो अपणे चेल्यां ताहीं सिखाणा चाहवै था 31 यीशु उपदेश देन्दा अर अपणे बारै म्ह चेल्यां तै कहवै था, मै “माणस का बेट्टा माणसां कै हाथ्यां म्ह पकड़वाया जाऊँगा, अर वे मन्नै मार देवैगें, अर मै मरण कै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 32 पर या बात उनकी समझ म्ह कोनी आई, अर वे उसतै बुझण तै डरै थे। 33 यीशु अर उसके चेल्लें कफरनहूम कस्बे म्ह आये; अर घर म्ह आकै उसनै चेल्यां तै बुझ्या, “राह म्ह थम किस बात पै बहस कररे थे?” 34 वे बोल-बाल्ले रहे, क्यूँके राह म्ह उननै आप्पस म्ह या बहस करी थी के म्हारै म्ह तै बड़्हा कौण सै। 35 फेर यीशु नै बैठकै बारहा

चेल्यां ताहीं बुलाया अर उनतै कह्या, “जै कोए बड्डा होणा चाहवै, तो सारया तै छोटा अर सारया का सेवक बणै।” 36 अर उसनै एक बाळक लेकै उनकै बिचाळै खड्या करया अर उस ताहीं गोदी म्ह लेकै उन ताहीं कह्या, 37 “जो कोए मेरै नाम तै इसे बाळकां म्ह तै किसे एक नै भी अपणावै सै, वो मन्नै अपणावै सै; अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, वो मन्नै न्ही, बल्के मेरै भेजण आळे नै अपणावै सै।” 38 यूहन्ना नै यीशु ताहीं कह्या, “हे गुरु, हमनै एक माणस ताहीं तेरे नाम तै ओपरी आत्मा नै लिकाड़दे देख्या अर हम उसनै मना करण लाग्गे, क्यूँके वो म्हारी तरियां तेरा चेल्ला न्ही था।” 39 उसनै कह्या, “उस ताहीं मना मत करो; क्यूँके इसा कोए न्ही जो मेरै नाम तै अदभुत काम करै, अर दुसरे पल मेरी बुराई करै 40 क्यूँके जो म्हारै बिरोध म्ह न्ही, वो म्हारै कान्ही सै। 41 जै कोए एक कटोरा पाणी भी थमनै ज्यांतै प्यावै के थम मसीह के सो तो मै थमनै सच कहूँ सूँ के वो अपणा ईनाम किसे तरियां भी न्ही खोवैगा।” 42 पर जो कोए इन छोट्टे बाळकां कै समान जो मेरै पै बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै तो उसकै खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसकै गळ म्ह लटकाया जावै अर वो समुंदर म्ह गेरया जावै। 43 जै तेरा हाथ तेरे तै पाप करवावै तो उसनै काट दे। टुंडा होकै अनन्त जीवन म्ह बड्णा तेरे खात्तर भला सै इसके बजाये के दो हाथ रहंदे होए नरक की आग म्ह गेरया जावै जो कदे न्ही बुझै। (Geenna g1067) 44 (जडै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।) 45 जै तेरा पैर तेरे तै पाप करवावै तो उसनै काट दे। लंगड़ा होकै अनन्त जीवन म्ह बड्णा तेरे खात्तर भला सै इसके बजाये के दो पैर रहंदे होए नरक की आग म्ह गेरया जावै। (Geenna g1067) 46 (जडै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।) 47 जै तेरी आँख तेरे तै पाप करवावै तो उसनै लिकाड़ दे। काणा होकै परमेसवर कै राज्य म्ह बड्णा तेरे खात्तर भला सै के दो आँख रहंदे होए तू नरक म्ह गेरया जावै। (Geenna g1067) 48 “जडै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।” 49 हरेक माणस आग तै शुद्ध करया जावैगा, जिस तरियां बलिदान नूण तै शुद्ध करया जावैगा। 50 “नूण एक जरूरत की चीज सै, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै तो उसनै किस तरियां नमकीन करोगे? अपणे म्ह नूण जिसा गुण राक्खो, अर आप्पस म्ह मेळ-मिलाप तै रहो।”

10 यीशु ओड़ै तै उठकै यहूदिया नगर की सीमा नै पार करके, यरदन नदी कै परली ओड़ आया। भीड़ उसके धोरै कड़ी होग्यी, अर अपणी रीत कै मुताबिक उननै दुबारे उपदेश देण लाग्या। 2 फेर फरीसियाँ नै यीशु कै धोरै आके उस ताहीं परखण खात्तर उसतै बुझ्या, “के यो ठीक सै के माणस अपणी घरआळी नै छोड़ै?” 3 यीशु नै उनतै पूछ्या, “मूसा नबी नै थारे ताहीं के हुकम दिया सै?” 4 उननै कह्या, “मूसा नबी नै तो तलाकनामा देके अर छोड़ण का हुकम दिया सै।” 5 यीशु नै उनतै कह्या, “थारे मन की कठोरता कै कारण उसनै थारे खात्तर यो हुकम लिख्या।” 6 “पर सृष्टि की शरुआत तै परमेसवर नै नर अर नारी करके उन ताहीं बणाया सै। 7 इस कारण माणस अपणे माँ-बाप तै न्यारा होके अपणी घरआळी गेल्या रहवैगा, 8 अर वे दोन्नु कठे रहवैगे; ज्यातै के वे इब दो न्ही पर एक तन सै। 9 इस करके जिस ताहीं परमेसवर नै जोड़्या सै उस ताहीं माणस न्यारा ना करै।” 10 जब वे दोबारा घरं आये, तो चेल्यां नै तलाक कै बारे म्ह उसतै फेर बुझ्या। 11 यीशु नै उनतै कह्या, “जो कोए अपणी घरआळी नै छोड़के दुसरी तै ब्याह करै तो वो उस पैहलड़ी कै बिरोध म्ह जारी करै सै; 12 अर जै घरआळी अपणे धणी नै छोड़के दुसरे तै ब्याह करै तो वा जारी करै सै।” 13 फेर माणस अपणे बाळकां नै उसके धोरै ल्याण लागे के वो उनपै हाथ धरै, पर चेल्यां नै उन ताहीं धमकाया। 14 यीशु नै न्यू देख छो म्ह होके कह्या, “बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो अर उननै मना मतना करो, क्यूँके परमेसवर का राज्य बाळकां के समान सै। 15 मै थमनै सच कहूँ सूँ के जो कोए परमेसवर के राज्य नै बाळक की तरियां न्ही अपणावै, वो उस म्ह कदे न्ही बड़ण पावैगा।” 16 अर उसनै उन ताहीं गोदी म्ह लिया, अर उनपै हाथ धरके उन ताहीं आशीर्वाद दिया। 17 जिब यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम की ओड़ जाण लागरे थे, तो एक माणस उसके धोरै भाज्दा होया आया, अर उसके आगुँ घुटने टेक कै उसतै बुझ्या, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हकदार होण खात्तर मै के करूँ?” (aiōnios g166) 18 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मन्नै उत्तम क्यातै कहवै सै? परमेसवर नै छोड़के कोए उत्तम कोनी। 19 तन्नै हुकमां का तो बेराए सै: ‘खून न्ही करणा, जारी न्ही करणा, चोरी न्ही करणा, झूठी गवाही न्ही देणा, छळ न्ही करणा, अपणे माँ-बाप का आदर करणा।’” 20 उसनै यीशु तै

कह्या, “हे गुरु, इन सारया नै मै बाळकपण तै मानता आऊँ सूँ।” 21 यीशु नै उसपै निगांह करके उसतै प्यार करया, अर उसतै कह्या, “तेरे म्ह एक बात की कमी सै। जा, जो कुछ तेरा सै उसनै बेचके कंगालां ताहीं दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आके मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।” 22 इस बात तै उसके मुँह पै उदासी छाग्यी, अर वो दुखी होंदा होया चल्या गया, क्यूँके वो घणा साहूकार था। 23 यीशु नै चौगरदेके देखके अपणे चेल्यां तै कह्या, “साहूकारां का परमेसवर के राज्य म्ह दाखल होणा कितना ओक्खा सै।” 24 चेल्लें उसकी बात तै हैरान होए। इसपै यीशु नै उनतै दुबारै कह्या, “हे बाळकों, जो धन पै भरोस्सा राक्खै सै, उनके खात्तर परमेसवर के राज्य म्ह बड़णा कितना ओक्खा सै! 25 ऊँट का सूई के छेद म्ह तै लिकड़णा आसान हो सकै सै। पर परमेसवर के राज्य म्ह साहूकार का बड़णा भोत मुशिकल सै।” 26 वे घणेए हैरान होके आप्पस म्ह कहण लागे, “तो फेर किसका उद्धार हो सकै सै?” 27 यीशु नै उनकी ओड़ देखके कह्या, “माणसां तै तो यो नही हो सकदा, पर परमेसवर तै हो सकै सै; क्यूँके परमेसवर खात्तर कुछ भी मुशिकल कोनी।” 28 पतरस उसतै कहण लाग्या, “देख, हम तो सब कुछ छोड़के तेरे चेल्लें बणगे सा।” 29 यीशु नै कह्या, “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूँ के इसा कोए कोनी, जिसनै मेरै अर मेरै सुसमाचार के खात्तर घर, भाण-भाई, माँ-बाप, बाळ-बच्चे या जमीन-जायदाद ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इब इस युग म्ह सताव के बदले म्ह घर, भाण-भाई, माँ-बाप या बाळ-बच्चे अर जमीन-जायदाद का सौ गुणा पर आण आळे बखत म्ह अनन्त जीवन पावैगा। (aiōn g165, aiōnios g166) 31 पर घणखरे जो पैहले सै, पाच्छले होंगे; अर जो पाच्छले सै, वे पैहले होंगे।” 32 वे यरुशलेम नगर म्ह जान्दे होए राह म्ह थे, अर यीशु उनके आगै-आगै जाण लाग रहया था: चेल्लें हैरान थे अर जो चेल्यां के गैल-गैल चाल्लै थे, वे डररे थे। फेर वो उन बारहां चेल्यां नै न्यारा ले ज्याके उनतै ये बात कहू लाग्या, जो उसके गेल्या होण आळा था, 33 “देक्खो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सा, अर मै माणस का बेटा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँगा, अर वे मन्नै मारण खात्तर गैर यहूदियाँ के हाथ्यां म्ह सौपैगें। 34 वे मेरा मजाक उड़ावैगें, मेरै पै थूकैगें, मेरै कोरड़े मारैगें अर मन्नै मार देवैगें, अर तीसरे दिन मै

जिन्दा हो जाऊंगा।” 35 कुछ दिनों बाद जब्दी के दोन्नु बेटे याकूब अर यूहन्ना नै यीशु के धौरै आके कह्या, “हे गुरु, हम चाहवां सां के जो कुछ हम तेरे तै माँगा, वो तू म्हारै खात्तर करै।” 36 यीशु नै उनतै कह्या, “थम के चाहो सो के थारे खात्तर करँ?” 37 उननै यीशु तै कह्या, “हमनै यो हक दे, के तेरी महिमा म्ह म्हारै म्ह तै एक तेरे सोळे अर दुसरा तेरे ओळे कान्ही बेट्टै।” 38 यीशु नै उनतै कह्या, “थम न्ही जाणदे के थम के माँगो सो? अर जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूँ, के थम पी सको सो? अर जो मौत का बपतिस्मा मै लेण पै सूँ, के थम ले सको सो?” 39 उननै यीशु तै कह्या, “हम कर सका सां।” यीशु नै उनतै कह्या, “जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूँ, थम पी ल्योगे; अर जो बपतिस्मा मै लेण पै सूँ, उसनै ले भी ल्योगे। 40 पर जिन खात्तर वा जगहां त्यार करी गई सै, उन ताहीं छोड़ और किसे नै अपणी सोळी अर अपणी ओळी ओड़ बिठाणा मेरा काम कोनी।” 41 न्यू सुणकै बाकी दस चेल्लें याकूब अर यूहन्ना तै चिड़गे। 42 तो यीशु नै उन ताहीं धौरै बुलाकै उनतै कह्या, “थमनै बेरा सै के जो गैर यहूदियाँ के हाकिम समझे जावै सै, वे उनपै राज करै सै; अर उन म्ह जो बड़े सै, उनपै हक जमावें सै। 43 पर थारे म्ह इसा न्ही होणा चाहिये, बल्के जो कोए थारे म्ह बड़ड़ा होणा चाहवें वो थारा सेवक बणै; 44 अर जो थारे म्ह प्रधान होणा चाहवें, वो सारया का दास बणै। 45 क्यँके मै माणस का बेट्टा ज्यांतै कोनी आया के अपणी सेवा-पाणी करवाऊँ, पर ज्यांतै आया के खुद सेवा-पाणी करँ, अर घणखरयां के छुटकारै कै खात्तर अपणी जान देऊँ।” 46 यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम नगर जाते बखत यरीहो नगर म्ह आये, अर जिब वो अर उसके चेल्लें, अर एक बड्डी भीड़ यरीहो नगर तै लिकड़ै जाण लागरी थी, तो सड़क कै किनारे एक आन्धा भिखारी बेठ्या था, जो तिमाई का बेट्टा बरतिमाई था, 47 उसनै न्यू सुणकै के नासरत का यीशु उरै सै, रुक्के मार-मारकै कहण लाग्या, “हे दाऊद की ऊलाद, यीशु मेरे पै दया कर!” 48 घणाए नै उस ताहीं धमकाया के बोल-बाल्ला रह, पर वो और भी रुक्के मारण लाग्या, “हे दाऊद की ऊलाद, मेरे पै दया कर!” 49 फेर यीशु नै ठहरकै कह्या, “उस ताहीं बुलाओ।” अर आदमियाँ नै उस आन्धे ताहीं बुलाकै उसतै कह्या, “धीरज धर! उठ! यीशु तन्नै बुलावै सै।” 50 वो अपणा चोगा बगाकै तोळा उठ्या, अर यीशु के धौरै

आया। 51 इसपै यीशु नै उसतै कह्या, “तू के चाहवै सै के मै तेरे खात्तर करुँ?” आन्धे नै उसतै कह्या, “हे गुरु, योए के मै देक्खण लागू।” 52 यीशु नै उसतै कह्या, “चल्या जा, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” वो जिब्बे देखण लाग्या, अर राह म्ह उसके पाच्छै हो लिया।

11 जिब यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम नगर कै लोवै, जैतून पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह गाम कै धोरै आये तो उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दोयां ताहीं न्यू कहकै भेज्या, 2 “स्याम्ही कै गाम म्ह जाओ, अर उस म्ह पोहचदे एक गधी का बच्चा, बन्धया होया थमनै मिलैगा। जिसकी सवारी किसे नै इब ताहीं न्ही करी सै, उसनै खोल ल्याओ। 3 जै थारे तै कोए बुड़झै, यो के करो सो? तो कहियो, ‘प्रभु नै इसकी जरूरत सै, अर वो तोळा उसनै भेज देवैगा।’” 4 चेल्यां नै जाकै उस गधी के बच्चे ताहीं बाहरणै दरबाजे कै धोरै आँगण म्ह बन्धया होया पाया, अर खोल्लण लागगे। 5 उन म्ह तै जो ओड़ै खड़े थे, कई कहण लागगे, “यो के करो सो, गधी के बच्चे नै क्यांतै खोल्लो सो?” 6 जिसा यीशु नै कह्या था, उससे तरियां उननै कह दिया; फेर माणसां नै उन ताहीं जाण दिया। 7 चेल्यां नै गधी के बच्चे ताहीं यीशु के धोरै ल्याकै उसपै अपणे लत्ते बिछाये अर वो उसपै बैठग्या। 8 फेर घणखरे माणसां नै अपणे लत्ते राह म्ह बिछाये अर औरां नै खेत्तां म्ह तै डालियाँ काटकै फैला दी। 9 जो उसके आगै-आगै अर पाच्छै-पाच्छै चाल्लै थे, रुक्के मार-मारकै कहन्दे जावै थे, “होशाना!” “धन्य सै वो जो प्रभु के नाम तै आवै सै!” 10 म्हारै पिता दाऊद का राज्य जो आवै सै; “धन्य सै! अकास म्ह होशाना!” 11 यीशु यरुशलेम नगर पोहचकै मन्दर म्ह आया, अर चौगरदे की सारी चिज्जां नै देखकै बारहां चेल्यां कै गेल्या बैतनिय्याह गाम म्ह गया, क्यूँके साँझ होग्यी थी। 12 आगले दिन सबेरै जिब यीशु अर उसके चेल्लें बैतनिय्याह गाम तै लिकड़े तो यीशु नै भूख लागगी। 13 यीशु दूर तै अंजीर का हरा दरखत देखकै उसके धोरै गया के, के बेरा उस म्ह कुछ पा ज्या: पर पत्त्या नै छोड़कै उस म्ह कुछ न्ही पाया; क्यूँके फळ लागण का बखत कोनी था। 14 यीशु नै उस दरखत ताहीं देखकै उस ताहीं कह्या, “आज कै पाच्छै कोए तेरा फळ न्ही खावैगा!” अर उसके चेल्लें सुणण लागरे थे। (aiōn g165) 15 फेर यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम म्ह आये, अर वो मन्दर म्ह गया; अर ओड़ै जो व्यापार

करै थे उननै बाहरणै लिकाड़ण लाग्या, सर्राफां (पर्ईसा का लेण देण करण आळे) के पीढ़े अर कबूतर बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट दी, 16 अर मन्दर म्ह किसे ताहीं भी व्यापार करण खात्तर आण-जाण कोनी दिया। 17 अर उपदेश देकै उनतै कह्या, “के पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही लिख्या सै, के मेरा घर सारी जात्तां के खात्तर प्रार्थना का घर कुह्वावैगा? पर थमनै इस ताहीं डाकुआं की गुफा बणा दी सै।” 18 या घटना सुणकै सारे प्रधान याजक अर शास्त्री लोग उसनै मारण का मौक्का टोह लाग्गे; पर वे भीड़ तै डरै थे, क्यूँके सारे माणस उसकै उपदेश तै भोत परभावित होवै थे। 19 अर उस दिन साँझ होन्दे यीशु अर उसके चेल्लें रात काट्टण खात्तर यरुशलेम नगर तै बाहरणै चले गये। 20 फेर तड़कैए नै जिब यीशु अर उसके चेल्लें ओड़ै कै जावै थे तो उननै उस अंजीर कै दरखत ताहीं जड़ तै ए सूख्या होया देख्या। 21 पतरस नै वा बात याद आई, अर उसनै उसतै कह्या, “हे गुरु, देख! यो अंजीर का दरखत जिस ताहीं तन्नै श्राप दिया था, वो सूख गया सै।” 22 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “परमेसवर पै विश्वास राक्खो। 23 मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के जो कोए इस पहाड़ नै कहवै, ‘तू उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़,’ अर अपने मन म्ह शक ना करै, बल्के विश्वास करै के जो कहूँ सूँ वो हो जावैगा, तो उसकै खात्तर वोए होवैगा। 24 ज्यांतै मै थमनै कहूँ सूँ के जो कुछ थम प्रार्थना करके माँगो, तो विश्वास कर ल्यो के थमनै मिलग्या, अर थारे खात्तर हो जावैगा। 25 अर जिब कदे थम प्रार्थना खात्तर खड़े होओ, तो जै थारे मन म्ह किसे कै बिरोध म्ह कुछ हो, तो उसनै माफ करो: ज्यांतै के थारा सुर्गीय पिता भी थारे अपराध माफ करै। 26 अर जै थम माफ ना करो तो थारा पिता भी जो सुर्ग म्ह सै, थारा कसूर माफ कोनी करैगा।” 27 यीशु अर उसके चेल्लें फेर यरुशलेम म्ह आये, अर जिब वो मन्दर म्ह टहलरया था तो सारे प्रधान याजक अर शास्त्री अर यहूदी अगुवें उसकै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, 28 “तू ये काम किस हक तै करै सै? अर यो हक तेरे ताहीं किसनै दिया सै के तू ये काम करै?” 29 यीशु नै उनतै कह्या, “मै भी थारे तै एक बात बुझ्झु सूँ: मन्नै जवाब दियो तो मै थमनै बताऊँगा के ये काम किस हक तै करूँ सूँ। 30 यूहन्ना ताहीं बपतिस्मा देण का हक परमेसवर की ओड़ तै था या माणसां की ओड़ तै था? मन्नै जवाब द्यो।” 31 फेर वे आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे के

जै हम कहां, परमेसवर की ओड़ तै, तो वो कहवैगा, फेर थमनै बिश्वास क्यांतै न्ही करया? 32 अर जै हम कहां, माणसां की ओड़ तै, तो माणसां की भीड़ का डर सै, क्यूँके सारे जाणै सै के यूहन्ना साच्चीये नबी था। 33 उननै यीशु ताहीं जवाब दिया, “हमनै न्ही बेरा।” यीशु नै उनतै कह्या, “मै भी थारे तै कोनी बतान्दा के ये काम किस हक तै करूँ सूँ।”

12 यीशु उदाहरणां म्ह उनतै बात करण लाग्या: “किसे माणस नै अंगूर का बाग लगाया, अर उसकै चौगरदे नै बाड़ा बाँधया, अर रस का कुण्ड खोद्या, अर रुखाळ खात्तर एक मचान बनाया; अर किसानां ताहीं उसका ठेक्का देकै परदेस चल्या गया। 2 फेर फळ तोड़ण का बखत लोवै आया, तो बाग के माल्लिक नै अपणे नौक्कर ताहीं उसका फळ लेण नै किसानां धोरै भेज्या के किसानां तै अंगूर के बाग के फळां का हिस्सा लेवै। 3 पर किसानां नै उस नौक्कर ताहीं पकड़कै छेत्या अर खाल्ली हाथ भेज दिया। 4 फेर उसनै एक और नौक्कर ताहीं उनकै धोरै भेज्या; उननै उसकी बेजती करी उसका सिर फोड़ दिया अर। 5 फेर उस माल्लिक नै एक और ताहीं भेज्या; उननै उस नौक्कर ताहीं भी मार दिया। फेर उसनै और घणाए ताहीं भेज्या; उन म्ह तै उननै कुछ तो छेत्ते अर कुछ मार दिये।” 6 “इब माल्लिक कै धोरै एकैए आदमी रहग्या जो उसका प्यारा बेटा था; आखर म्ह उसनै अपणे बेटे ताहीं भी उनकै धोरै न्यू सोचकै भेज्या के वे मेरै बेटे की इज्जत तो जरूर करैगें।” 7 पर उन किसानां नै आप्पस म्ह कह्या, “योए तो वारिस सै; आओ, हम इसनै मार द्या, फेर यो अंगूर का बाग म्हारा हो जावैगा।” 8 अर उननै उस ताहीं पकड़कै मार दिया, अर अंगूर के बाग तै बाहरणै बगा दिया। 9 इस करकै अंगूर के बाग का माल्लिक के करैगा? वो आकै उन किसानां का नाश करैगा, अर अंगूर के बाग का ठेक्का दुसरे किसानां नै दे देवैगा। 10 के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो वचन कोनी पढ्या: जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै बेकार बताया था, वोए कोणे का खास पत्थर होग्या; 11 यो प्रभु की ओड़ तै होया, अर यो म्हारे खात्तर अनोक्खा सै! 12 फेर यहूदियाँ के प्रधान नै उस ताहीं पकड़णा चाह्या; क्यूँके वे समझगे थे, के उसनै म्हारै बिरोध म्ह यो उदाहरण कह्या सै: पर वे माणसां तै डरगे, अर उसनै छोड़कै चले गये। 13 फेर यहूदियाँ के प्रधान नै यीशु ताहीं बात्तां म्ह उलझाण खात्तर कुछ

फरीसियाँ अर हेरोदेस राजा के समर्थकां ताहीं उसकै धोरै भेज्या। 14 उननै आकै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै, के तू साच्चा सै, अर किसे की परवाह न्ही करदा, क्यूँके तू माणसां का मुँह देखकै बात कोनी करदा, पर परमेसवर की बातें सच्चाई तै सिखावै सै। तो के कैसर ताहीं कर देणा ठीक सै या कोनी? 15 हम देवां, या न्ही देवां?” उसनै उनका कपट जाणकै उनतै कह्या, “मन्नै क्यांतै परखो सो? एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मेरै धोरै ल्याओ, के मै उसनै देखूँ।” 16 वे लियाए, अर उसनै उनतै कह्या, “या छाप अर नाम किसका सै?” उननै कह्या, “कैसर का।” 17 यीशु नै उनतै कह्या, “जो कैसर का सै वो कैसर ताहीं, अर जो परमेसवर का सै परमेसवर ताहीं द्यो।” फेर वे उसपै घणे हैरान होण लाग्गे। 18 फेर सदूकी लोग भी, जो कहवै सै के मरे होए जिन्दा होए न्ही सकदे; उसकै धोरै आकै उसतै बुझ्झया, 19 “हे गुरु, मूसा नबी नै म्हारै खात्तर पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के जै किसे का भाई बेऊलादा मर जावै अर उसकी घरआळी रह जावै, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह कर लेवै अर अपणे भाई खात्तर पीढ़ी पैदा करै। 20 उदाहरण के तौर पै सात भाई थे। पैहल्डा भाई ब्याह करके बेऊलादा मरग्या। 21 फेर दुसरे भाई नै उसकी बिरबान्नी तै ब्याह कर लिया अर वो भी बेऊलादा मरग्या; अर उस्से तरियां तीसरे नै भी करया। 22 अर सातुवां कै ऊलाद कोनी होई। सारया पाच्छे वा बिरबान्नी भी मरगी। 23 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा उन म्ह तै किसकी घरआळी होवैगी? क्यूँके वा सातुवां की घरआळी हो ली थी।” 24 यीशु नै उनतै कह्या, “थारी गलती या सै के थम पवित्र ग्रन्थ अर परमेसवर की सामर्थ नै न्ही जाणते। 25 क्यूँके जी उठण के बाद ब्याह शादी कोनी होन्दी, पर सुर्ग म्ह वो परमेसवर के सुर्गदूतां की ढाळ होवैगें। 26 मरे होया कै जिन्दा होण कै बारें म्ह के थमनै मूसा नबी की किताब म्ह जळती होई झाड़ी की कथा म्ह कोनी पढ़्या के परमेसवर नै उसतै कह्या, ‘मै अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर, अर याकूब का परमेसवर सूं?’ 27 परमेसवर मरे होया का न्ही बल्के जिन्दयां का परमेसवर सै; थम बड्डी भूल म्ह पड़े सो।” 28 शास्त्री समाज के माणसां म्ह तै एक नै आकै उन ताहीं बहस करदे सुण्या, अर न्यू जाणकै उसनै उन ताहीं ठीक ढाळ तै जवाब दिया, अर उसतै बुझ्झया, “सारया तै खास हुकम कौण सा सै?” 29 यीशु नै

उस ताहीं जवाब दिया, “सारे हुकमां म्ह तै यो खास सै: ‘हे इस्राएल के माणसों सुणो! प्रभु म्हारा परमेसवर सिर्फ एक ही प्रभु सै, 30 अर तू प्रभु अपने परमेसवर तै अपने सारे मन तै, अर अपने सारे प्राण तै, अर अपनी सारी समझ तै, अर अपनी सारी शक्ति तै प्यार राखणा।’ 31 अर दुसरा यो सै, ‘तू अपने पड़ोसी तै अपने जिसा प्यार राखणा।’ इसतै बड़ड़ा और कोए हुकम कोनी।” 32 शास्त्री नै उसतै कह्या, “हे गुरु, जमा ठीक! तन्नै साच्ची कही के परमेसवर एक-ए सै, अर उस ताहीं छोड़के और कोए कोनी। 33 अर उसतै सारे मन तै, अर सारे प्राण तै, अर सारी समझ तै, अर सारी शक्ति तै प्यार राखणा; अर पड़ोसी तै अपने जिसा प्यार राखणा, ये दोन्नु हुकम होमबलियाँ अर बलिदानां तै बाध सै।” 34 जब यीशु नै देख्या के उसनै समझदारी तै जवाब दिया, तो उसतै कह्या, “तू परमेसवर के राज्य तै दूर कोनी।” अर किसे नै फेर उसतै बुझ्झण की हिम्मत कोनी होई। 35 फेर यीशु नै मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए न्यू कह्या, “शास्त्री क्यूँ कहवै सै के मसीह दाऊद का बेटा सै? 36 क्यूँके दाऊद नै खुद ए पवित्र आत्मा म्ह होके कह्या सै, ‘परमेसवर यहोवा नै मेरै प्रभु तै कह्या, ‘मेरै सोळी ओड़ बैठ, जब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै हरा कै, तेरे पायां की चौक्की न्ही बणा दियुँ।’” 37 “दाऊद तो खुद ए उसनै प्रभु कहवै सै, फेर वो उसका बेटा किस ढाळ होया?” अर भीड़ के माणस उसकी राज्जी होके सुणै थे। 38 यीशु नै अपने उपदेश म्ह उनतै कह्या, “शास्त्रियाँ तै चौकन्ने रहियो, जो लाम्बे-लाम्बे चोगे पहरे होड़ हॉडै अर बजारां म्ह नमस्कार चाहवै सै, 39 अर आराधनालयाँ म्ह खास-खास जगहां बैठणा, जिम्मण म्ह खास-खास जगहां भी चाहवै सै। 40 वे बिधवायाँ के घर खा जावै सै अर दिखाण खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहवै सै। ये घणा दण्ड पावैगें।” 41 यीशु मन्दर के भण्डार के स्याम्ही बैठके देखै था के आदमी मन्दर के दानपात्र म्ह किस तरियां पईसे घालें सै; अर घणखरे साहूकारां नै घणाए कुछ घाल्या। 42 इतनै म्ह एक कंगाल बिधवा नै आके दो दमड़ी घाल्लीं। (जो एक धेले के बराबर होवै सै) 43 फेर उसनै अपने चेल्यां ताहीं धोरै बुलाके कह्या, “मै थमनै सच कहुँ सूं के मन्दर के दानपात्र म्ह घाल्लण आळा म्ह तै इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै; 44 क्यूँके सारया नै अपने धन की बढ़दी म्ह तै घाल्या सै, पर

इसनै अपणी घटदी म्ह तै जो उसके धोरे जीवन चलाण खात्तर था, वो सारा घाल दिया।”

13 जिब यीशु मन्दर तै लिकड़ै था, तो उसके चेल्यां म्ह तै एक नै उसतै कह्या, “हे गुरु, लखा, किसे बड़े-बड़े पत्थरां तै बणाये होए किसे सुथरे भवन सै!” 2 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम ये बड़े-बड़े पत्थरां के भवन देखखो सो: पर उरै एक पत्थर भी कोनी बचैगा जो गेरया न्ही जावैगा।” 3 जिब यीशु मन्दर कै स्याम्ही जैतून कै पहाड़ पै बेठ्या था, तो पतरस, याकूब, यूहन्ना अर अन्द्रियास नै न्यारे जाकै उसतै बुझ्या, 4 “हमनै बता के ये बात कद होवैगी? अर जिब ये सारी बात पूरी होण पै होवैगी उस बखत की के निशान्नी होवैगी?” 5 यीशु उनतै कहण लाग्या, “चौकन्ने रहियो के कोए थमनै भकावै न्ही। 6 क्यूँके घणखरे मेरै नाम तै आकै कहवैगें, ‘मै मसीह सूं!’ अर घणाए नै भकावैगें। 7 जिब थम रोळे, अर लड़ाईया का जिक्र सुणो, तो घबराईयो ना; क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस बखत खात्मा कोनी होवैगा। 8 क्यूँके जात पै जात, राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा। भोत सारी जगहां पै हाल्लण आवैगें, अर अकाळ पड़ैगें, ये तो दुखां की शरुआत ए होवैगी।” 9 “पर थम अपणे बारै म्ह चौकन्ने रहो; क्यूँके माणस थारे ताहीं बड़ी सभा म्ह सौपैगें अर थम आराधनालयों म्ह छितोगे, अर मेरै कारण हाकिमां अर राजां कै आगुँ खड़े करे जाओगे, ताके थम मेरे बारें म्ह गवाही दे सको। 10 पर जरूरी सै के पैहल्या सुसमाचार सारी जात्तां म्ह प्रचार करया जावै। 11 जिब वे थमनै ले जाकै सौपैगें, तो पैहल्या तै फिक्र ना करियो इब हम के कहवागें; पर जो कुछ थमनै उस बखत बताया जावै वोए कहियो; क्यूँके बोल्लण आळे थम कोनी सो, पर पवित्र आत्मा सै।” 12 “भाई नै भाई, पिता नै बेटा मारण खात्तर सौप देंगें, अर बाळक माँ-बाप कै बिरोध म्ह खड़े होकै उन ताहीं मरवा देवैगें। 13 अर मेरै नाम कै कारण सारे माणस थारे तै बैर करैगें; पर जो आखर ताहीं धीरज धरैगा, उस्से का उद्धार होवैगा।” 14 (पढ़ण आळा इस बात नै समझ लेवै) “जिस दिन थम मन्दर म्ह उस उजाड़ण आळी घृणित चीज नै खड़े देखखो, जिस ताहीं मन्दर म्ह न्ही होणा चाहिये, तब जो यहूदिया परदेस म्ह हो वे पहाड़ां पै भाज जावै; 15 जो छत पै हो, वो घर म्ह कुछ लेण खात्तर भीत्तर ना जावै, 16 अर जो खेत म्ह हो, वो अपणे लत्तें लेण खात्तर

घर नै ना बोहड़ें। 17 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगीं, उनके खात्तर भागणा भी मुश्किल होगा! 18 अर प्रार्थना करया करो के यो जाड्यां म्ह न्ही हो। 19 क्यूँके वे दिन इसे क्लेश के होवैगें के सृष्टि की शरुआत तै, जो परमेसवर नै रचाई सै, इब ताहीं ना तो होए अर ना फेर कदे होवैगें।” 20 अर जै प्रभु उन दिनां नै न्ही घटान्दा, तो कोए जीव भी कोनी बचदा; पर उन छॉटि होया के कारण जिन ताहीं उसनै छाट्या सै, उन दिनां ताहीं घटाया। 21 उस बखत जै कोए थमनै कहवै, देखखो, मसीह उरै सै, या देखखो, ओड़ै सै, तो बिश्वास ना करियो; 22 क्यूँके झूठे मसीह अर झूठे नबी उठ खड़े होवैगें, अर बड़े-बड़े चमत्कार अर अनोक्खे काम दिखावैगें के जै हो सक्या तो छॉटि होया ताहीं भी भका देवैगें। 23 पर थम चौकन्ने रहियो; देखखो, मननै थारे तै सारी बात बखत तै पैहल्याए बता दी सै। 24 उन दिनां म्ह, उस क्लेश के पाच्छै सूरज अन्धेरा हो जावैगा, अर चाँद चाँदणा कोनी देवैगा; 25 अर अकास के तारे पड़ण लागैगें; अर अकास की शक्तियाँ हलाई जावैगीं। 26 फेर मुझ माणस के बेटे नै बड्डी सामर्थ अर महिमा के गेल्या सब लोग बादळां पै आन्दे देखखैगें। 27 उस बखत मै अपने सुर्गदूतां नै भेजकै, धरती के इस सिरे तै अकास के उस सिरे ताहीं, च्यारु दिशायां तै अपने चुणे होए माणसां नै कट्टा करूँगा। 28 अंजीर के दरखत तै यो उदाहरण सीक्खो: जिब उसकी डाळी कोमल हो जावै, अर पत्ते लिकड़ण लागै सै; तो थम जाण ल्यो सो के गर्मी का बखत लोवै सै। 29 इस्से तरियां जिब थम इन बात्तां नै होन्दे देखखो, तो जाण ल्यो के वो भोत तावळा आण आळा सै। 30 मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के जिब ताहीं ये बात न्ही हो लेन्दी, जद ताहीं ये पीढ़ी खतम न्ही होवैगीं। 31 धरती अर अकास टळ जावैगें, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी। 32 “उस दिन या उस बखत के बारै म्ह कोए न्ही जाण्दा, ना सुर्गदूत अर ना बेट्टा; पर सिर्फ पिता जाणै सै। 33 लखाओ, जागदे अर प्रार्थना करदे रहो; क्यूँके थमनै न्ही बेरा के वो बखत कद आवैगा। 34 मेरे आण का बखत उस माणस के समान सै, जो परदेस जान्दे बखत अपणा घर छोड़ जावै, अर अपने नौकरां ताहीं हक देवै, अर हरेक नै उसका काम बता देवै, अर पहरेदार ताहीं जागदे रहण का हुकम देवै। 35 “इस करके जागदे रहो, क्यूँके थमनै न्ही बेरा के घर का माल्लिक कद आवैगा, साँझ नै या आध्धी रात नै, या मुर्गे

के बाँग देण के बखत या तड़कै ए तड़कै नै। 36 इसा ना हो के वो चाणचक आकै थमनै सोदि पावै। 37 अर जो मै थमनै कहूँ सू, वोए सारया नै कहूँ सू: जागदे रहो!”

14 दो दिनां पाच्छै फसह अर अखमीरी रोटी का त्यौहार होण आळा था। प्रधान याजक अर शास्त्री इस बात की टाह म्ह थे के यीशु ताहीं किस ढाळ कपट तै पकड़कै मार देवै; 2 पर वे कहवै थे, “त्यौहार कै दिन न्ही, कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माच्चै।” 3 जिब यीशु बैतनिय्याह नगर म्ह आया, ओड़ै यीशु शमौन नाम के माणस जो कोढ़ तै ठीक होया था, उसके घरां खाणा खाण बेठ्या, तो एक बिरबान्नी संगमरमर कै बरतन म्ह जटामांसी का शुद्ध म्हँगा खसबूदार तेल लेकै आई, अर बरतन तोड़कै म्हँगा खसबूदार तेल उसकै सिर पै उंडेल दिया। 4 पर उन म्ह तै कई माणस अपणे मन म्ह बड़बड़ाने लागे, “इस म्हँगे खसबूदार तेल का क्यांतै सत्यानाश कर दिया? 5 क्यँके यो म्हँगा खसबूदार तेल तो तीन सौ दीनार (तीन सौ दिन की मजदूरी) तै भी घणी किम्मत पै बेचकै कंगालां म्ह बांडया जा सकै था।” अर उस बिरबान्नी ताहीं झिड़कण लागे। 6 यीशु नै कहा, “उस ताहीं छोड़ दो; उसनै क्यांतै सताओ सो? उसनै मेरै गेल्या भलाई करी सै। 7 कंगाल थारे गेल्या सारी हाण रहवै सै, अर थम जिब चाहो जद उनतै भलाई कर सको सो; पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा। 8 जो कुछ वा कर सकी, उसनै करया; उसनै मेरै गाड़े जाण की त्यारी म्ह पैहला ए म्हँगा खसबूदार तेल मेरी देह पै उंडेला सै। 9 मै थमनै साचची कहूँ सू के सारे दुनिया म्ह जित्त किते भी सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, जो उसनै करया वो सदा याद करया जावैगा।” 10 फेर यहूदा इस्करियोती जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां कै धोरै गया के यीशु ताहीं उनके हाथ पकड़वा देवै। 11 वे न्यू सुणकै राज्जी हगे, अर उस ताहीं रपिये देण खात्तर मानगे; अर वो मौक्का टोह लाग्या के उस ताहीं किसे ढाळ पकड़वाया जावै। 12 अखमीरी रोटी कै त्यौहार कै पैहलड़े दिन, जिसम्ह वे फसह खात्तर मेम्ने का बलिदान करै थे, उसके चेल्यां नै उसतै बुझया, “तू कित्त जाणा चाहवै सै के हम जाके तेरे खात्तर फसह भोज की त्यारी करा?” 13 उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दो ताहीं न्यू कहकै भेज्या, “यरुशलेम नगर म्ह जाओ, अर एक माणस पाणी का पैँदा

ठाए होए थमनै मिलैगा, उसकै पाच्छे हो लियो; 14 अर वो जिस घर म्ह जावे, उस घर कै माल्लिक ताहीं कहियो, 'गुरु कहवै सै के बैठक कित्त सै? जिसम्ह मै अपणे चेल्यां गेल्या फसह भोज खाऊँ।' 15 वो थमनै एक सजी-सजाई, अर तयार करी होड़ बड़ी अटारी दिखा देवैगा, ओड़ै म्हारै खात्तर तयारी करो।" 16 चेल्लें लिकड़कै नगर म्ह आये, अर जिसा यीशु नै उनतै कह्या था, उस्से तरियां पाया; अर फसह का भोज तयार करया। 17 जिब साँझ होई, तो यीशु बारहा चेल्यां कै गेल्या आया। 18 जिब वे बेठे खाणा खावै थे, तो यीशु नै कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सू के थारे म्ह तै एक, जो मेरै गेल्या खाणा खाण लागरया सै, वो मन्नै धोक्खा देकै पकड़वावैगा।" 19 उनपै उदासी छाग्यी अर वे एक-एक करकै उसतै कहण लागगे, "के वो मै सू?" 20 उसनै उनतै कह्या, "वो बारहां चेल्यां म्ह तै एक सै, जो मेरै गेल्या थाळी म्ह हाथ घालै सै। 21 क्यूँके मै माणस का बेट्टा तो, जिसा मेरे बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै; मेरा मर जाणा तो पक्का सै, पर उस माणस पै धिक्कार सै जिसकै जरिये मै माणस का बेट्टा पकड़वाया जाऊँगा! जै उस माणस का जन्म ए न्ही होंदा, तो उसकै खात्तर भला होंदा।" 22 जिब वे खाण ए लागरे थे, उसनै रोटी लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर आशीष माँगकै तोड़ी, अर उन ताहीं दी, अर कह्या, "ल्यो, या मेरी देह सै।" 23 फेर यीशु नै अंगूर के रस का कटोरा लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर उन ताहीं दिया; अर उन सारया नै उस म्ह तै पिया। 24 अर उसनै उनतै कह्या, "यो अंगूर का रस मेरे लहू नै दर्शावै सै, जिसका करार परमेसवर नै लोगां तै करया जो घणाए खात्तर बहाया जावै सै।" 25 "थमनै साच्ची कहूँ सू, के अंगूर के रस नै मै इब तै इसनै उस दिन तक न्ही पिऊँगा, जिब ताहीं परमेसवर के राज्य म्ह थारे गेल्या नया रस न्ही पीऊँ।" 26 फेर वे भजन गाकै बाहरणै जैतून कै पहाड़ पै गए। 27 जिब यीशु अर उसके चेल्लें राह म्ह थे, तो उसनै उनतै कह्या, "थम सारे मेरा साथ छोड़कै चले जाओगे," "क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै:" मै रुखाळे नै माहूँगा, अर झुण्ड की सारी भेड़ तित्तर-बितर हो जावैगी। 28 पर मै अपणे जी उठण कै बाद थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह मिलूँगाँ। 29 पतरस नै उसतै कह्या, "जै सारे छोड़ै तो छोड़ै, पर मै तेरा साथ कदे न्ही छोड़ूँगा।" 30 यीशु नै उसतै कह्या, "मै तेरे तै सच कहूँ सू आज ए इस्से रात

नै मुर्गे के दो बर बाँग देण तै पैहल्या, तू तीन बर मेरै बारै म्ह मुकरैगा।” 31 पर उसनै और भी पक्के बिश्वास तै कह्या, “जै मन्नै तेरे गेल्या मरणा भी पड़ै, तोभी मै तेरा इन्कार कदे कोनी करूँगा।” इस्से तरियां और सारया चेल्यां नै भी कह्या। 32 फेर यीशु अर उसके चेल्लें गतसमनी नामक बाग म्ह एक जगहां म्ह आए, अर उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, “उरै बेठ्ठे रहो, जिब ताहीं मै प्रार्थना करूँ।” 33 अर वो पतरस, याकूब अर यूहन्ना ताहीं अपणे गेल्या लेग्या; अर घणाए काल अर दुखी होण लाग्या, 34 अर उनतै कह्या, “मेरा मन घणा उदास सै, उरै ताहीं के मै मरण पै सूँ: थम उरै ठहरो, अर जागदे रहो।” 35 फेर वो माड़ा आगुँ सरक्या अर धरती पै पड़कै प्रार्थना करण लाग्या के जै हो सकै तो या मुसीबत की घड़ी मेरै पै तै टळ जावै, 36 अर कह्या, “हे अब्बा, हे पिता, तू सारा कुछ कर सकै सै; इस दुख का कटोरे ताहीं मेरै धोरै तै हटा ले: तोभी जिसा मै चाहूँ सूँ उसा न्ही, पर जो तू चाहवै सै वोए हो।” 37 फेर यीशु आया अर चेल्यां ताहीं सोन्दे पाकै पतरस तै कह्या, “हे शमौन, तू सोवै सै? के तू एक घड़ी भी कोनी जाग सक्या? 38 जागदे रहो अर प्रार्थना करदे रहो के थम इम्तिहान म्ह ना पड़ो। इस म्ह कोए शक कोनी के आत्मा तो त्यार सै, पर देह कमजोर सै।” 39 अर यीशु फेर चल्या गया अर दोबारा भी वाए प्रार्थना करी। 40 फेर आकै उन ताहीं सोन्दे पाया, क्यूँके चेल्यां की आँख नींद तै भरी थी; अर न्ही जाणै थे, के उसनै के जवाब देवै। 41 फेर तीसरी बर आकै उनतै कह्या, “थम इब भी सोण लागरे सोण सों? बखत आ लिया; देखो, मै माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँ सूँ। 42 उठो, चाल्लां! लखाओ, मेरा पकड़वाण आळा लोवै आण पोंहच्या सै।” 43 यीशु न्यू कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, अपणे गेल्या प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ अर यहूदी अगुवां की ओड़ तै एक बट्टी भीड़ लेकै जिब्बे आण पोंहच्या, जो तलवार अर लाठी लेरे थे। 44 यीशु कै पकड़वाण आळे नै उन ताहीं यो इशारा दिया था के जिस ताहीं मै चुमूँ वोए यीशु होगा, उस ताहीं पकड़कै सावधानी तै ले जाईयो। 45 वो आया, अर जिब्बे उसकै धोरै जाकै बोल्या, “हे गुरु!” अर उस ताहीं चुम्या। 46 फेर उननै उसपै हाथ गेर कै उस ताहीं पकड़ लिया। 47 उन बारहा चेल्यां म्ह जो धोरै खड़े थे, एक नै तलवार खिंचकै महायाजक के

नौक्कर पै चलाई, अर उसका कान उड़ा दिया। 48 यीशु नै उनतै कहा, “के थम डाकू जाणके मन्नै पकड़ण के खात्तर तलवार अर लाठी लेके लिकड़े सो? 49 मै तो हरेक दिन मन्दर म्ह थारे गेल्या रहके उपदेश दिया करूँ था, अर जब थमनै मेरै ताहीं कोनी पकड़्या: पर न्यू ज्यांतै होया सै के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिखी बात पूरी होवै।” 50 यो सब देखके सारे चेल्लें उसनै छोड़के भाजगे। 51 एक जवान अपणी उघाड़ी देह पै चादर ओढ़े होड़ उसके पाच्छै हो लिया, अर माणसां नै उस ताहीं पकड़्या। 52 पर वो चादर छोड़के उघाड़ा भाजग्या। 53 फेर वे यीशु ताहीं महायाजक के धोरै लेगे, अर सारे प्रधान याजक, यहूदी अगुवें अर शास्त्री उसके ओढ़े कठे होगे। 54 पतरस दूर ए दूर उसके पाच्छै-पाच्छै महायाजक के आँगण के भीत्तर ताहीं गया, अर सिपाहियाँ के गेल्या बैठके आग पै सीकण लाग्या। 55 प्रधान याजक अर यहूदी अगुवां की सभा यीशु ताहीं मारण के खात्तर उसके बिरोध म्ह गवाही की टोह म्ह थे, पर कोन्या मिली। 56 क्यूँके घणखरे उसके बिरोध म्ह झूठी गवाही देवै थे, पर उनकी गवाही एक सी कोनी थी। 57 फेर कुछ माणसां नै उठके यीशु के बिरोध म्ह या झूठी गवाही दी, 58 “हमनै इस ताहीं कहन्दे सुण्या सै, ‘मै इस हाथ के बणाए होड़ मन्दर नै गेर दियुंगा, अर तीन दिन म्ह दुसरा बणाऊंगा, जो हाथ्यां तै न्ही बणया हो।’” 59 इस बात म्ह भी उनकी गवाही एक सी कोनी लिकड़ी। 60 फेर महायाजक नै बिचाळै खड़े होके यीशु तै बुझ्या, “तू कोए जवाब न्ही देदा? ये माणस तेरे बिरोध म्ह के गवाही देवै सै?” 61 पर वो बोल-बाल्ला रहया, अर कुछ जवाब न्ही दिया। महायाजक नै उसतै दुबारा बुझ्या, “के तू ए परम धन्य परमेसवर का बेटा मसीह सै?” 62 यीशु नै कहा, “हाँ मै ए सू: अर थम मुझ माणस के बेटे ताहीं सर्वशक्तिमान परमेसवर की सोळी ओड़ बेटे, अर अकास के बादळां के गेल्या आन्दे देखोगे।” 63 फेर महायाजक नै अपणे लत्ते पाड़के कहा, “इब हमनै गवाह की और के जरूरत सै?” 64 थमनै या बुराई सुणी। थारी के राय सै? उन सारया नै कहा के यो मारण के जोगा सै। 65 फेर कई तो उसपै थूकते, अर कई उसका मुँह ढकते होए, कई उसके घुस्से मारते होए उसतै कहण लागे, जै तू नबी सै, “तो भविष्यवाणी कर!” के तेरे कौण मारै सै, अर सिपाहियाँ नै उस ताहीं पकड़के थप्पड़ मारे। 66 जब पतरस तळै

आँगण म्ह था, तो महायाजक की नौकराणियाँ म्ह तै एक उड़ै आई, 67 अर पतरस ताहीं आग सिक्दे देखकै उस ताहीं गौर तै देख्या अर कहण लाग्गी, “तू भी तो उस नासरत के यीशु कै गेल्या था।” 68 पतरस मुकरग्या, अर बोल्या, “मै ना ए जाण्दा अर ना ए समझू सूं के तू के कहवै सै।” फेर वो बाहरणै देहळीया म्ह गया; अर मुर्गे नै बाँग दी। 69 वा नौकराणी उसनै ओड़ै देखकै उनतै जो धोरै खड़े थे, दुबारा कहण लाग्गी, “यो उन म्ह तै एक सै।” 70 पर वो फेर मुकरग्या। माड़ी बार पाच्छै उननै जो धोरै खड़े थे फेर पतरस ताहीं कह्या, “पक्का तू उन म्ह तै एक सै, क्यूँके तू गलीली भी सै।” 71 फेर वो धिक्कारण अर कसम खाण लाग्या, “मै उस माणस नै, जिसका थम जिक्करो सो, कोनी जाण्दा।” 72 फेर जिब्बे दुसरी बार मुर्गे नै बाँग देई। पतरस ताहीं वाए बात जो यीशु नै उसतै कही थी याद आई “मुर्गे कै दो बार बाँग देण तै पैहल्या तू तीन बार मेरा इन्कार करैगा।” अर वो इस बात नै सोचकै फूट-फूटकै रोण लाग्या।

15 सबेरा होन्दे जिब्बे सारे प्रधान याजकां, यहूदी अगुवां अर शास्त्रियाँ नै बल्के यहूदी अगुवां की सभा नै सलाह करकै यीशु ताहीं बंधवाया, अर उस ताहीं ले जाकै यहूदिया परदेस के हाकिम पिलातुस कै हाथ्यां म्ह सौप दिया। 2 पिलातुस नै यीशु तै बुझ्झया, “के तू यहूदियाँ का राजा सै?” उसनै उस ताहीं जवाब दिया, “तू आप ए कहण लागरया सै।” 3 प्रधान याजक यीशु पै घणी बाततां के इल्जाम लावै थे। 4 पिलातुस नै उसतै फेर बुझ्झया, “के तू कुछ जवाब कोनी देंदा, लखा, ये तेरे पै कितनी बाततां के इल्जाम लावै सै?” 5 यीशु नै फेर कुछ जवाब कोनी दिया; उरै ताहीं के पिलातुस नै घणी हैरानी होई। 6 पिलातुस उस त्यौहार म्ह किसे एक कैदी नै जिसनै वे चाहवै थे, उन माणसां खात्तर छोड़ दिया करै था। 7 बरअब्बा नाम का एक माणस उन रोळे करणीया गेल्या कैदी था, जिन नै रोळे म्ह खून करया था। 8 अर भीड़ पिलातुस कै धोरै जाकै उसतै बिनती करण लाग्गी, के जिसा तू म्हारै खात्तर करदा आया सै उस्से तरियां कर। 9 पिलातुस नै उन ताहीं जवाब दिया, “थम के चाहो, के मै थारे खात्तर यहूदियाँ के राजा नै छोड़ दियुँ?” 10 क्यूँके पिलातुस जाणै था के प्रधान याजकां नै यीशु ताहीं चाल तै पकड़वाया था। 11 पर प्रधान याजकां नै माणसां ताहीं उकसाया के वो यीशु की जगहां

बरअब्बा नै छोड़ दे। 12 न्यू सुण पिलातुस नै उनतै फेर बुझय्या, “तो जिसनै थम यहूदियाँ का राजा कहो सो, उसका मै के करुँ?” 13 वे फेर रुक्के मारण लागगे, “उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!” 14 पिलातुस नै उनतै फेर कह्या, “क्यांतै उसनै के बुरा करया सै?” पर वे और भी रुक्के मारण लागगे, “उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!” 15 फेर पिलातुस नै भीड़ तार्हीं राज्जी करण की चाहन्ना तै, बरअब्बा तार्हीं उनकै खात्तर छोड़ दिया, अर यीशु कै कोरड़े लगवाकै सिपाहियाँ के हाथ म्ह सौप दिया के क्रूस पै चढ़ाया जावै। 16 यीशु तार्हीं सिपाही किले कै भीत्तर कै आँगण म्ह ले गये जो प्रिटोरियुम कुह्वावै सै, अर सारी पलटन तार्हीं बुला ल्याए। 17 फेर सिपाहियाँ नै उसका मजाक उड़ाण खात्तर उस तार्हीं बैजनी लत्ते पिहराए अर काण्डयाँ का मुकुट गूँथकै उसकै सिर पै धरया, 18 अर न्यू कहकै उस तार्हीं नमस्कार करण लागगे, “हे यहूदियों के राजा, नमस्कार!” 19 वे उसकै सिर पै सरकण्डे मारदे, अर उसपै थूकदे, अर गोठ्ठे टेक कै उसनै प्रणाम करदे रहे। 20 जिब उननै उसका मजाक उड़ा लिया, तो उसपै तै बैजनी लत्ते उतारकै उरसे के लत्ते पिहराए; अर फेर उस तार्हीं क्रूस पै चढ़ाण कै खात्तर बाहरणै ले गये। 21 सिकन्दर अर रूफुस का पिता शमौन, जो कुरेन परदेस का बसिन्दा था, वो यरुशलेम की ओड़ आण लागरया था; उननै उस तार्हीं बेकार म्ह पकड्या ताके यीशु का क्रूस ठाकै ले चाल्लै। 22 वे यीशु तार्हीं गुलगुता नामक जगहां पै लियाए, जिसका मतलब खोपड़ी की जगहां सै। 23 ओड़ै उस तार्हीं सिरका मिल्या होड़ अंगूर का रस देण लागगे, पर उसनै कोनी लिया। 24 फेर उननै उस तार्हीं क्रूस पै चढ़ाया अर उसकै लत्यां पै पर्ची गेर कै, के किसनै के मिलै, उननै बांड लिये। 25 अर सबेरै के नौ बजे थे, जिब उननै यीशु तार्हीं क्रूस पै चढ़ाया। 26 अर उसका दोषपत्र लिखकै क्रूस कै उप्पर लगा दिया के “यहूदियाँ का राजा।” 27 उननै उसकै गेल्या दो डाकू, एक उसकी सोळी अर एक उसकी ओळी ओड़ क्रूस पै चढ़ा दिये। 28 (तब पवित्र ग्रन्थ का वो वचन के वो अपराधियाँ गेल्या गिण्या गया, पूरा होया।) 29 अर राह म्ह जाण आळे सिर हला-हल्लाकै अर न्यू कहकै उसकी बेजती करै थे, “वाह! मन्दर के गेरण आळे, अर तीन दिन म्ह बणाण आळे! 30 क्रूस पै तै उतरकै अपणे-आपनै बचाले।” 31 इस्से तरियां तै प्रधान याजक भी, शास्त्रियाँ सुधा, आप्पस म्ह

मजाक करके कहवै थे, “इसनै औरां ताहीं बचाया, पर अपणे-आपने न्ही बचा सकदा। 32 इस्राएल का राजा, मसीह, इब क्रूस पै तै उतर आ, के हम देखके बिश्वास करया।” अर जो डाकू उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, वे भी उसकी बेजती करै थे। 33 दोफारी होण पै सारे देश म्ह अँधेरा छाग्या, अर तीन बजे ताहीं रहया। 34 तीन बजे यीशु नै बड़े जोर तै रुक्के मारके कह्या, “इलोई, इलोई, लमा शबक्तनी?” जिसका मतलब यो सै, “हे मेरे परमेसवर, हे मेरे परमेसवर, तनै मेरै ताहीं क्यांतै छोड़ दिया?” 35 जो धोरै खड़े थे, उन म्ह तै कितन्याँ नै न्यू सुणकै कह्या, “लखाओ, वो एलिय्याह ताहीं बुलावै सै।” 36 अर एक नै भाजकै फोम ताहीं सिरके म्ह डबोया, अर सरकण्डे पै धरके उस ताहीं चुसाया अर कह्या, “ठैहर जाओ, देख्खां, एलिय्याह उस ताहीं उतारण खात्तर आवै सै के न्ही।” 37 फेर यीशु नै बड़े जोर तै किल्की मारके जी दे दिया। 38 अर मन्दर का पड़दा उप्पर तै तळै ताहीं पाटके दो टुकड़े होग्या। 39 जो सूबेदार उसकै स्याम्ही खड्या था, जिब उस ताहीं इस ढाळ किल्की मारके जी देन्दे देख्या, तो उसनै कह्या, “साच्चए यो माणस, परमेसवर का बेटा था!” 40 कई बिरबान्नी भी दूर तै देक्खै थी: उन म्ह मरियम मगदलीनी, छोट्टे याकूब अर योसेस की माँ मरियम, अर सलोमी थी। 41 जिब यीशु गलील परदेस म्ह था, तो ये जनानियाँ जो यीशु की चेल्ली थी, वो उसकी सेवा-पाणी करया करै थी; अर घणखरी बिरबान्नी भी थी, जो उसकै गेल्या यरुशलेम नगर तै आई थी। 42 यो आराम कै दिन का एक दिन पैहले की तैयारी का दिन था, अर इब साँझ हो गयी थी। 43 अरिमतिया गाम का बासिन्दा यूसुफ आया, जो बड्डी सभा का खास माणस था अर खुद भी परमेसवर कै राज्य की बाट देक्खै था। वो हिम्मत करके पिलातुस कै धोरै गया अर यीशु की लाश माँगी। 44 पिलातुस नै हैरानी होई के वो इतनी तावळी मरग्या, उसनै सूबेदार ताहीं बुलाके बुझ्झया, “के उस ताहीं मरे होए वार होई सै?” 45 जिब उसनै सूबेदार कै जरिये हालत जाण ली, तो लाश यूसुफ ताहीं दुवा दी। 46 फेर उसनै मलमल की एक चाद्दर मोल ली, अर लाश ताहीं उतारके उस चाद्दर म्ह लपेटा, अर एक कब्र म्ह जो चट्टान म्ह खोद राक्खी थी धरया, अर कब्र कै बारणै पै एक पत्थर गिरड़ा दिया। 47 मरियम मगदलीनी अर योसेस की माँ मरियम देक्खै थी के वो कित्त धरया गया सै।

16 जिब आराम का दिन बीतग्या, तो मरियम मगदलीनी, अर याकूब की माँ मरियम, अर सलोमी नै खसबूदार चीज मोल ली, ताके आकै यीशु की लाश पै मळै। 2 हफ्तै के पैहल्ले दिन तड़कै ए तड़कै सूरज लिकड़ाए था, वे कब्र पै आई, 3 अर आप्पस म्ह कहवै थी, “म्हारै खात्तर कब्र के दरबाजे पै तै पत्थर कौण गिरड़ावैगा?” 4 जिब उननै कब्र की ओड़ निगांह करी, तो देख्या के पत्थर गिरड़या होया सै! यो घणाए बड़ड़ा था। 5 कब्र कै भीत्तर जाकै उननै एक जवान ताहीं धोळे लत्ते पहेरे होड़ सोळी ओड़ बेठे देख्या, अर उननै घणी हैरान होई। 6 उसनै उनतै कह्या, “हैरान मतना होवो, थम यीशु नासरी नै टोहो सो, जो क्रूस पै चढ़ाया गया था, वो जिन्दा होग्या सै, अर उरै कोनी; लखाओ, याए वा जगहां सै, जित्त उननै यीशु की लाश ताहीं धरया था। 7 पर थम जाओ, अर उसके चेल्यां अर पतरस ताहीं कहो के वो थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह जावैगा। जिसा के उसनै थारे तै कह्या था, थम ओड़ैए उसनै देखोगे।” 8 अर वे लिकड़कै कब्र तै बाहर भाजगयी; क्यूँके वे काम्बगी अर उनके घबराट होगी थी; अर उननै किसे तै कुछ न्ही कह्या, क्यूँके वे डरै थी।

9 (note: The most reliable and earliest manuscripts do not include Mark 16:9-20.) हफ्तै के पैहल्ले दिन सबेर होन्दे यीशु जिन्दा होकै पैहलम-पैहल्या मरियम मगदलीनी ताहीं जिसम्ह तै उसनै सात ओपरी आत्मा काट्टी थी, दिख्या। 10 उसनै जाकै यीशु के साथियाँ ताहीं खबर दी, जो दुख म्ह डूबरे थे, अर रोवै थे। 11 उननै न्यू सुणकै के वो जिन्दा सै, अर मरियम मगदलीनी नै उस ताहीं देख्या सै, उसकी बात का बिश्वास कोनी करा। 12 इसकै बाद यीशु दुसरे रूप म्ह उन म्ह तै दो चेल्यां ताहीं दिख्या, जिब वे गाम कान्ही जावै थे। 13 उननै भी यरुशलेम नगर तै बोहड़कै दुसरयां ताहीं इस बारे म्ह खबर दी, पर उननै उनका भी बिश्वास कोनी करया। 14 पाच्छै यीशु उन ग्यारहां चेल्यां ताहीं भी दिख्या, जिब वे खाणा खाण बेठे थे, अर उनके अबिश्वास अर मन की कठोरता पै उल्लाणा दिया, क्यूँके जिन नै उसकै जिन्दा होण कै पाच्छै उस ताहीं देख्या था, चेल्यां नै उनका भी बिश्वास कोनी करया था। 15 अर यीशु नै उनतै कह्या, “थम सारी दुनिया म्ह जाकै सारी सृष्टि के माणसां ताहीं सुसमाचार प्रचार करो। 16 जो बिश्वास करै अर बपतिस्मा लेवै उरसे का उद्धार होवैगा, पर जो बिश्वास कोनी करैगा वो कसूरवार ठहराया जावैगा;

17 बिश्वास करण आळा म्ह या निशान्नी होवैगी के वे मेरै नाम तै ओपरी आत्मायाँ नै काडुँगें, नई-नई भाषा बोल्लैगें, 18 साँप नै हाथ्यां म्ह ठा लेवैगें, अर जै वे गलती तै जहर भी पी जावै तोभी उनका कुछ न्ही बिगडैगा; वे बिमारां पै हाथ धरैगें, अर वे चंगे हो जावैगें।” 19 फेर प्रभु यीशु उनतै बात करण कै पाच्छे सुर्ग पै ठा लिया गया, अर परमेसवर कै सोळी ओड़ बैठग्या। 20 अर उननै लिक्ड़कै हरेक जगहां प्रचार करया, अर प्रभु उनकै गेल्या काम करदा रहया, अर उन निशान्नी कै जरिये जो गैल-गैल होवै थे, अर साबित करदा रहया के वचन सच्चा सै। आमीन।

लूका

1 हे जनाब थियुफिलुस, घणखरयां माणसां नै म्हारै बिचाळै घटी बात्तां का ब्यौरा लिखण की कोशिश करी सै। **2** शरुआत तै ए जो यीशु मसीह की सेवकाई म्ह साथ थे अर वे बाद म्ह वचन के सेवक बणगे, उननै ए आँखां देखी बात म्हारे ताहीं बताई। **3** इस करकै हे जनाब थियुफिलुस, मन्नै भी यो ठीक लाग्या के उन सारी बात्तां का सारा हाल शरु तै आच्छी दाहू परख कै, उननै तेरे खात्तर क्रमानुसार लिखूँ **4** के तू या जाण ले के वो बात जिनकी तन्नै शिक्षा पाई सै, वो सच्ची सै। **5** यहूदिया परदेस कै राजा हेरोदेस कै बखत म्ह अबिय्याह कै टोळ म्ह जकरयाह नाम का एक याजक था, अर उसकी घरआळी का नाम एलीशिबा था, अर दोन्नु हारुन की पीढ़ी के थे। **6** वे दोन्नु परमेसवर कै स्याम्ही धर्मी थे, अर प्रभु कै सारे हुकम अर नियमां पै बेखोट चालण आळे थे। **7** पर उनकै कोए भी ऊलाद कोनी थी, क्यूँके एलीशिबा बाँझ थी, अर वे दोन्नु ए बूढ़े थे। **8** एक दिन मन्दर म्ह जिब याजक के काम की बारी जकरयाह के टोळ की आई, तो वो परमेसवर कै स्याम्ही पूजा करण खात्तर ओड़ै मौजूद था, **9** तो याजकां की रीत कै मुताबिक उसकै नाम की चिट्ठी लिक्डी के प्रभु कै मन्दर म्ह जाकै धूप जळावै। **10** धूप जळाण कै बखत माणसां की भीड़ बाहरणै आँगण म्ह प्रार्थना करै थी। **11** उस बखत प्रभु का एक सुर्गदूत धूप की वेदी कै सोळी ओड़ खड्या दिख्या। **12** जकरयाह देखकै घबराग्या अर घणा डरग्या। **13** पर सुर्गदूत उसतै बोल्या, “हे जकरयाह, डरै ना, क्यूँके परमेसवर नै तेरी प्रार्थना सुणली सै, अर तेरी घरआळी एलीशिबा तेरे खात्तर एक बेटा जाम्मैगी, अर तू उसका नाम यूहन्ना धरिये। **14** वो तेरे ताहीं तो आनन्द अर खुशी देवैगा, साथ म्ह भोत-से माणस भी उसकै जन्म तै राज्जी होवैगें। **15** क्यूँके वो प्रभु कै स्याम्ही घणा महान् होगा, अर उस ताहीं कदे भी मदिरा, नशीली चीज न्ही पीणी सै, अर अपणी माँ की कोख तै ए पवित्र आत्मा तै भर ज्यागा। **16** अर इस्राएल के भोत-से माणसां के मन प्रभु परमेसवर की ओड़ मोड़ देवैगा। **17** यूहन्ना एलिय्याह नबी की आत्मा अर सामर्थ म्ह भरा होगा, अर वो परमेसवर के राह नै तैयार करैगा, वो माँ-बाप का मन बाळकां की ओड़ मोड़ देवैगा। हुकम ना मानण आळे अधर्मियाँ की सोच नै धर्मियाँ की सोच म्ह बदल देवैगा।” **18**

जकरयाह नै सुर्गदूत तै बुझया, “इस बात का मै किस तरियां बिश्वास करूँ? के यो म्हारे गैल होवैगा, क्यूँके मै तो बूढ़ा सूँ, अर मेरी घरआळी भी बूढ़ी होरी सै।” 19 सुर्गदूत नै उसतै जवाब दिया, “मै जिब्राईल सूँ, जो परमेसवर के आगै खड्या रहूँ सूँ, अर मै तेरे तै बात करण अर सुसमाचार देण खात्तर भेज्या सूँ। 20 अर देख जिब ताहीं ये बात पूरी ना हो लेंगी, तू गूँगा रहवैगा अर बोल नही पावैगा क्यूँके तन्नै मेरी बातों का बिश्वास नही करया, जो अपणे बखत पै पूरी होंगी।” 21 बाहर जकरयाह की बाट देखण आळे माणस अचम्भे म्ह पड़गे, कै उसनै मन्दर म्ह इतनी वार क्यूँ लागी। 22 जिब वो बाहर आया, तो उन ताहीं बोल नही पाया आखर वो जाणगे कै उसनै मन्दर म्ह कोए दर्शन पाया सै, अर वो उन ताहीं इशारे करदा रह्या, अर गूँगा होग्या। 23 जिब उसकी याजकीय सेवा कै दिन पूरे होए, तो वो यरुशलेम नगर नै छोड़ अपणे घरों चल्या गया। 24 कई दिनां पाच्छे उसकी घरआळी एलीशिबा गर्भवती होगी, अर पाँच महिन्ने तैई अपणे-आप ताहीं ल्हकोए राख्या, 25 उसनै अपणे-आप तै कह्या, प्रभु नै इन दिनां म्ह दया की मेहर करके मेरै खात्तर इसा करया सै, “के माणसां के बीच म्ह मेरा अपमान दूर हो।” 26 एलीशिबा कै छठा महिन्ना चढ़ रह्या था, परमेसवर की ओड़ तै जिब्राईल सुर्गदूत, गलील परदेस कै नासरत नगर म्ह, 27 एक कुँवारी कै धोरै भेज्या जिसकी सगाई यूसुफ नाम कै दाऊद कै घराने कै एक माणस तै होई थी, उस कुँवारी का नाम मरियम था। 28 जिब्राईल सुर्गदूत नै उसके धोरै आके कह्या, “आनन्द अर जयजयकार तेरी हो तेरे पै ईश्वर का अनुग्रह होया सै! प्रभु तेरे गेल्या सै!” 29 मरियम या बात सुणके भोत घबरा गी, अर सोच म्ह पड़गी कै इन बातों का के मतलब हो सके सै? 30 सुर्गदूत नै उसतै कह्या, “हे मरियम, डरै ना, क्यूँके परमेसवर का अनुग्रह तेरे पै होया सै। 31 अर देख, तू गर्भवती होगी, अर तेरे एक छोरा पैदा होगा, तू उसका नाम यीशु धरिये। 32 वो महान् होगा अर परमप्रधान का बेटा कुह्वावैगा, अर प्रभु परमेसवर उसके पूर्वज दाऊद का सिंहासन उसनै देवैगा, 33 अर वो इस्राएल कै घराने पै सदा राज करैगा, अर उसके राज्य का अंत नही होगा।” (aiōn g165) 34 मरियम नै सुर्गदूत तै कह्या, “यो किस तरियां होगा। मै तो कुँवारी सूँ।” 35 सुर्गदूत नै उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र आत्मा तेरे पै आवैगा अर परमप्रधान की

सामर्थ तेरे पै छाया करैगी, इस खात्तर वो जो बाळक पैदा होण आळा सै, पवित्र अर परमेसवर का बेट्टा कुहावैगा। 36 अर सुण, तेरी रिस्तेदार जो एलीशिबा सै उसकै भी बुढापे म्ह बेट्टा होण आळा सै, जो बाँझ कुहावै थी यो उसका, छठा महिन्ना सै। 37 क्यूँके परमेसवर खात्तर कुछ भी मुशिकल कोनी सै।” 38 मरियम नै कह्या, “देख, मै प्रभु की दास्सी सूं, मेरे तै तेरे कहैए वचन कै मुताबिक हो।” फेर सुर्गदूत उसके धोरे तै चल्या गया। 39 कई दिनां बाद मरियम ताळी तैयार होकै पहाड़ी परदेस के यहूदा नगर म्ह गयी, 40 अर जकरयाह कै घर म्ह जाकै एलीशिबा ताहीं नमस्कार करया। 41 ज्योए एलीशिबा नै मरियम का नमस्कार सुण्या, त्योए बाळक उसके पेट म्ह उछळ्या, अर एलीशिबा पवित्र आत्मा तै भरगी। 42 अर उसनै ऊँच्ची आवाज म्ह बोलकै कह्या, “तू बिरबानियाँ म्ह धन्य सै, अर तेरी कोख का फळ धन्य सै! 43 मै खुशनसीब सूं जो प्रभु की माँ मेरे धोरे मिलण खात्तर आई? 44 देख, ज्योए तेरे नमस्कार का बोल मेरे कान्ना म्ह पड्या, त्योए बाळक मेरे पेट म्ह खुशी तै उछळ पड्या। 45 धन्य सै तू क्यूँके तन्नै बिश्वास करया कै जो बात प्रभु नै तेरे ताहीं कही, वे पूरी होई!” 46 फेर मरियम नै कह्या, “मेरा जी प्रभु की बड़ाई करै सै 47 अर मेरी आत्मा मेरे उद्धार करण आळे परमेसवर तै खुश होई,” 48 “क्यूँके उसनै अपणी दास्सी की लाचारी पै निगांह करी सै, इस खात्तर देखो, इब तै सारे युग-युग कै माणस मन्नै धन्य कहवैगें,” 49 “क्यूँके उस शक्तिशाली नै मेरे खात्तर बड़े-बड़े काम करै सै। उसका नाम पवित्र सै,” 50 “अर उसकी दया उनपै, जो उसतै डरै सै, पीढ़ी तै पीढ़ी बणी रहवै सै।” 51 “उसनै अपणी शक्ति तै बड़े-बड़े काम करै सै, अर जो अपणे-आप म्ह घमण्ड करै थे, उन ताहीं तित्तर-बितर कर दिया।” 52 “उसनै शासकां ताहीं उनकै सिंहासनां पै तै गिरा दिया, अर नम्र लोग्गां ताहीं ऊँच्चा उठा दिया।” 53 “उसनै भूख्या ताहीं बढिया चिज्जां तै छिकाया सै, अर साहूकारां ताहीं खाल्ली हाथ भेज दिया।” 54 “उसनै अपणे सेवक इस्राएल ताहीं सम्भाल लिया, ताके अपणी उस दया नै याद करै,” 55 “जो उसनै अब्राहम अर उसकी पीढ़ी पै सदा खात्तर दया करण का वादा करया सै।” (aiōn g165) 56 मरियम करीब तीन महिन्ने उसकै गेल्या रहकै उल्टी अपणे घरां चली गयी। 57 फेर एलीशिबा कै दिन पूरे होए अर उसनै बेट्टा

जाम्या। 58 उसके पड़ोसी अर रिश्तेदारों नै या सुणकै के प्रभु नै उसपै बड़ी दया करी सै, उसकै गेल्या खुशी मनाई, 59 आठवे दिन वे बाळक का खतना करण ताहीं आये, अर उसका नाम उसकै पिता के नाम पै जकरयाह धरणा चाहवै थे। 60 इस पर उसकी माँ एलीशिबा नै जवाब दिया, “ना, इसका नाम यूहन्ना धरो।” 61 उननै उस ताहीं कह्या, “तेरे रिश्तेदारा म्ह किसे का यो नाम न्ही सै!” 62 फेर उसकै पिता तै इशारा करकै पूछ्या कै तू उसका नाम कै धरणा चाहवै सै? 63 उसनै लिखण की पट्टी पै लिख दिया, “उसका नाम यूहन्ना सै,” अर सारा नै अचम्भा होया। 64 फेर उसकी आवाज बोहड़ आई, अर वो बोल्लण अर परमेसवर का धन्यवाद करण लाग्या। 65 उसके लोवै-धोरै कै सब रहण आळे डरगे, अर उन सारी बातों की चर्चा यहूदिया परदेस कै सारे पहाड़ी देश म्ह फैलगी, 66 अर सब सुणण आळा नै अपणे-अपणे मन म्ह विचार करकै कह्या, “यो बाळक किसा होगा?” क्यूँके प्रभु की शक्ति उसकै साथ सै। 67 उसका पिता जकरयाह पवित्र आत्मा तै भरग्या, अर भविष्यवाणी करण लाग्या: 68 “प्रभु इस्राएल का परमेसवर धन्य सै, क्यूँके उसनै अपणे माणसां पै निगांहर करी अर उनका उद्धार करया सै, 69 अर अपणे दास दाऊद कै घराने म्ह म्हारै खात्तर एक शक्तिशाली उद्धारकर्ता ताहीं भेज्या सै, 70 (भोत पैहले प्रभु नै अपणे पवित्र नबियाँ कै जरिये यो कह्या था) (aiōn g165) 71 के वो हमनै दुश्मनों तै बचावैगा अर मेरे तै नफरत करण आळे की ताकत तै भी हमनै बचावैगा। 72 उसनै कह्या, के वो म्हारै पूर्वजां पै दया करैगा अर अपणे पवित्र करार नै याद राखैगा, 73 अर वो करार जो उसनै म्हारै पूर्वज अब्राहम तै करया था, 74 उसनै वादा करया सै, के वो म्हारे दुश्मनों कै हाथ तै हमनै छुड़ावैगा, 75 ताके जिन्दगी भर उसकै आगै पवित्रता अर धार्मिकता तै बिना डरें उसकी सेवा कर सकां। 76 हे मेरे बेटे, तू परमप्रधान का नबी कुहावैगा, क्यूँके तू प्रभु का रास्ता तयार करण कै खात्तर आगै-आगै चाल्लैगा, 77 तू उसकै माणसां नै उद्धार का ज्ञान देगा, जो पापों की माफि तै मिलै सै। 78 यो म्हारे परमेसवर की उस बड़ी दया तै होगा। जिस तरियां सूरज चमकै सै, उसी तरियां मसीहा भी सुर्ग तै म्हारे धोरै आवैगा 79 ताके अन्धेरे अर मौत की छाया म्ह बैठण आळा नै रोशनी दे, वा रोशनी सही राह पै चाल्लण म्ह म्हारी मदद करैगी।” 80 अर बाळक यूहन्ना देह अर

आत्मा म्ह मजबूत होन्दा गया, अर इस्राएल के माणसां पै जाहिर होण तै पैहले वो जंगल-बियाबान म्ह रह्या।

2 उन दिनां म्ह औगुस्तुस कैसर की कान्ही तै हुकम लिक्डया के, सारे रोमी साम्राज्य कै माणसां की जनगणना करकै उनके नाम लिक्खे जावै। **2** (या पैहली नाम लिखाई उस बखत होई, जिब क्विरिनियुस सीरिया परदेस कै इलाके का राज्यपाल था)। **3** सारे माणस नाम लिखाण कै खात्तर अपणे-अपणे पुश्तैनी नगर म्ह गए। **4** आखर यूसुफ भी इस करकै के वो भी दाऊद कै कुण्बे अर पीढ़ी का था, गलील परदेस कै नासरत नगर तै गया, यहूदिया परदेस म्ह दाऊद कै बैतलहम नगर म्ह आया, **5** ताके अपणी मंगेतर मरियम कै गेल्या जो गर्भवती थी, उस जनगणना म्ह नाम लिखवावै। **6** उनके बैतलहम नगर रहन्दे होए उसके जाम्मण के दिन पूरे होए, **7** अर मरियम नै अपणा जेठ्ठा छोरा जाम्या अर उस ताहीं लत्ते म्ह लपेटकै खोर म्ह धरया, क्यूँके उनके खात्तर सराये म्ह जगहां कोनी थी। **8** अर उस देश म्ह कई पाळी थे, जो रात नै मदानां म्ह रहकै अपणी भेड्वां के टोळ की रुखाळ करै थे। **9** अर उरसे रात नै प्रभु का एक सुर्गदूत उनके धोरै आण खड्या होया, अर प्रभु का प्रताप उसके उप्पर चमक्या, अर वे घणे डरगे। **10** सुर्गदूत नै उनतै कह्या, “मतना डरो, क्यूँके देख्खों, मै थमनै घणी खुशी की खबर सुणाऊँ सूँ, जो सारे माणसां खात्तर होगी, **11** आज दाऊद कै नगर बैतलहम म्ह थारे खात्तर एक उद्धारकर्ता जाम्या सै, अर योए मसीह प्रभु सै। **12** अर उसकी थारे खात्तर या निशान्नी होगी के थम एक बाळक नै लत्ते म्ह लिपट्या होइ अर खोर म्ह लेट्या होइ पाओगे।” **13** फेर चाणचक उस सुर्गदूत गेल्या सुर्गदूतां का एक टोळ परमेसवर की भगति करदे होए अर न्यू कहन्दे दिख्या, **14** “अकास म्ह परमेसवर की महिमा अर धरती पै उन माणसां म्ह जिनतै वो राज्जी सै, शान्ति हो।” **15** जिब सुर्गदूत उसके धोरै तै सुर्ग म्ह चले गए, तो पाळीयाँ नै आप्पस म्ह कह्या, “आओ, हम बैतलहम नगर जाकै या बात जो होई सै, अर जो प्रभु नै म्हारै ताहीं बताई सै, देख्खां।” **16** अर उननै जिब्बे जाकै मरियम अर यूसुफ ताहीं अर खोर म्ह उस बाळक ताहीं लेट्या देख्या। **17** जिब पाळीयाँ नै बाळक ताहीं देख्या तो उननै वे सारी बात जो सुर्गदूत नै इस बाळक कै बाबत उनतै कही थी, यूसुफ अर मरियम ताहीं बताई। **18** अर

पाळीयाँ की ये बात सुणकै सारे सुणण आळा नै अचम्भा करया। 19 पर मरियम ये बात अपणे मन म्ह धरकै सोचदी रई। 20 अर जिसा पाळीयाँ ताहीं सुर्गदूतां नै कह्या था, सब कुछ उसाए सुणकै अर देखकै, वे परमेसवर की महिमा अर जय-जयकार करदे होए बोहड़गे। 21 जिब आठ दिन पूरे होए अर उसकै खतने का बखत आया, तो उसका नाम यीशु धरया गया, अर यो नाम सुर्गदूत के जरिये, मरियम के गर्भ म्ह आण तै पैहल्या बताया गया था। 22 जिब मूसा नबी कै नियम-कायदा कै मुताबिक मरियम अर यूसुफ कै सूंचे होण के दिन पूरे होए, तो वे दोन्नु यीशु नै यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह लेगे के प्रभु कै स्याम्ही ल्याए, 23 (जिसा के प्रभु के नियम-कायदा म्ह लिख्या होड़ सै: हरेक जेद्दा बेद्दा प्रभु कै खात्तर पवित्र ठहरैगा।) 24 अर प्रभु कै नियम-कायदा कै वचन कै मुताबिक “एक कबूतर या मोड़ी कै दो बच्चे ल्याकै बलि करै।” 25 उस बखत यरुशलेम नगर म्ह शमौन नाम का एक माणस था। वो धर्मी अर परमेसवर का भगत था, अर वो मसीह की बाट देखण लागरया था, ताके इस्राएल के माणसां नै शान्ति मिलै अर पवित्र आत्मा उसपै था। 26 अर पवित्र आत्मा के जरिये उसपै जाहिर होया था के जिब तक वो प्रभु के मसीह नै देख न्ही लेगा, जद ताहीं मौत नै कोनी देखैगा। 27 शमौन आत्मा की अगुवाई तै मन्दर म्ह आया, अर जिब माँ-बाप उस बाळक यीशु ताहीं भीत्तर ल्याए, ताके उसकै खात्तर नियम-कायदा के रिवाज कै मुताबिक करै, 28 फेर उसनै बाळक यीशु ताहीं अपणी गोद्दी म्ह लिया अर परमेसवर का धन्यवाद करकै कह्या 29 “हे प्रभु माल्लिक, इब तू अपणे दास नै अपणे वचन कै मुताबिक शान्ति तै इब मर जाणदे, 30 क्यूँके मेरी आँखां नै उद्धारकर्ता ताहीं देख लिया सै, 31 जिस ताहीं तन्नै सारे देशां के माणसां कै स्याम्ही भेज्या सै, 32 ताके वो गैर यहूदियाँ ताहीं चाँदणा देण कै खात्तर उजाळा, अर तेरे अपणे माणस इस्राएल की महिमा हो।” 33 यीशु के माँ-बाप इन बाततां तै, जो शमौन नै यीशु कै बारे म्ह कही थी, सुणकै अचम्भा करै थे। 34 फेर शमौन नै उन ताहीं आशीर्वाद देकै, उसकी माँ मरियम तै कह्या, “देख, यो बाळक इस्राएल म्ह भोत-से माणसां के पतन अर उत्थान का कारण बणैगा, अर या निशान्नी के रूप म्ह परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया सै, अर भोत सारे लोग उसकै बिरुध बोल्लैगें। 35 इसका नतिज्जा यो होगा के भोत सारे मनां के विचार

जाहिर हो जावेंगे, अर एक भोत बड़ा दुख तेरे पै आवैगा।” 36 अशेर कै गोत म्ह तै हन्नाह नामक फनूएल की बेटी एक नबी थी। वा घणी बूढ़ी थी, अर ब्याह होण कै सात साल पाच्छै उसका धणी गुजर गया। 37 वा चौरासी साल तै बिधवा थी: अर मन्दर म्ह जाणा कोनी छोड्या करै थी, पर ब्रत अर प्रार्थना कर-करकै रात-दिन भगति करया करै थी। 38 जिव यूसुफ, मरियम अर बाळक यीशु, मन्दर म्ह थे, तो हन्नाह उनके धोरै आई अर परमेसवर का धन्यवाद करण लागगी, अर उसनै उन सारया ताहीं इस बाळक यीशु के बारें म्ह बताया, जो यरुशलेम कै छुटकारै की बाट देखवै थे। 39 यहूदी नियम-कायदा नै पूरा करण कै बाद यूसुफ अर मरियम गलील परदेस के नासरत नगर म्ह अपने घरां बोहड़ आये। 40 अर बाळक यीशु बढ़दा, अर मजबूत होन्दा, अर बुद्धि तै भरपूर होंदा गया, अर परमेसवर का अनुग्रह उसपै था। 41 यीशु के माँ-बाप हरेक साल फसह कै त्यौहार म्ह यरुशलेम जाया करै थे। 42 जिव यीशु बारहां साल का होया, तो वे त्यौहार की रीति कै मुताबिक यरुशलेम नगर म्ह गए। 43 जिव यीशु के माँ-बाप त्यौहार मनाकै अपने घरां बोहड़ण लागरे थे, तो बाळक यीशु यरुशलेम म्ह रहगया, अर इसका उसके माँ-बाप नै कोनी बेरा था। 44 वे न्यू समझकै के वो दुसरे मुसाफिरां कै गेल्या होगा, एक दिन का सफर पार करगे: अर उस ताहीं अपने कुणबे आळा म्ह अर जाण-पिच्छाण आळा म्ह टोह्ल लागगे। 45 पर जिव कोनी मिल्या, टोन्दे-टोन्दे यरुशलेम म्ह दुबारै बोहड़गे, 46 अर तीन दिन कै पाच्छै उननै वो मन्दर के आँगण म्ह उपदेशकां कै बिचाळै बेठे, उनकी सुणदे अर उनतै सवाल बुझते पाया। 47 जितने उसकी सुणै थे, वे सारे उसकी समझ अर उसके जवाब तै हैरान थे। 48 फेर उसके माँ-बाप उस ताहीं देखकै हैरान होए अर उसकी माँ नै उसतै कह्या, “हे बेटे, तन्नै म्हारै गेल्या इसा बरताव क्यातै करया? देख, तेरा बाप अर मै तन्नै ढूँढ़-ढूँढ़के परेशान होरे थे?” 49 उसनै उनतै कह्या, “थम मन्नै क्यातै टोह्लो सो? के बेरा कोनी मन्नै मेरे पिता कै घरां होणा जरूरी सै?” 50 पर जो बात उसनै उनतै कही, उननै कोनी समझया। 51 फेर वो उनकै गेल्या गया, अर नासरत म्ह आया, अर उनके बस म्ह रह्या, अर उसकी माँ नै ये सारी बात अपने मन म्ह राक्खी। 52 अर यीशु समझ अर कद-काठी म्ह, अर परमेसवर अर माणसां कै अनुग्रह म्ह बढ़दा गया।

3 जब रोम साम्राज्य म्ह तिबिरियुस कैसर राजा बणया तो उसके पंद्रहवें साल म्ह जब चौथाई देश म्ह पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया परदेस का राज्यपाल था, अर हेरोदेस गलील परदेस म्ह इतूरैया अर त्रखोनितिस परदेस म्ह उसका भाई फिलिप्पुस राज करै था, अर अबिलेने परदेस म्ह लिसानियास राज करै था 2 अर जब हन्ना अर कैफा महायाजक थे, उस बखत परमेसवर का वचन जंगल-बियाबान म्ह जकरयाह के बेटे यूहन्ना के धोरै पोंहच्या। 3 यूहन्ना यरदन नदी के लोवै-धोवै के साब्ले परदेस म्ह जाकै, पापां की माफी का प्रचार करण लागग्या, के पाप करणा छोड़ द्यो अर बपतिस्मा ल्यो। 4 जिसा यशायाह नबी के कहे होए वचनां की किताब म्ह लिख्या सै: “जंगल-बियाबान म्ह एक रुक्के मारणीये का वचन होरया सै के, प्रभु की राही त्यार करो, उसकी सड़क सीध्नी बणाओ। 5 हरेक घाटी भर दी जावैगी, अर हरेक पहाड़ अर टिल्ला तळै करया जावैगा, अर जो टेढ़ा सै सीध्था, अर जो ऊँच्चा नीच्चा सै वो बरोब्बर राह बणैगा। 6 अर हरेक माणस परमेसवर के उद्धार नै देखैगा।” 7 जो भीड़ की भीड़ उसतै बपतिस्मा लेण नै लिक्ड़ के आवै थी, उनतै यूहन्ना कहवै था, “हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थारे तै कौण बताग्या के परमेसवर के आण आळे छो तै भाग्यो। 8 इस खात्तर जै थमनै सच म्ह पाप करणा छोड़ दिया सै तो यो दिखाण खात्तर भले काम तो करो, अर अपणे-अपणे मन म्ह न्यू मतना सोच्यो के हम अब्राहम के वंश तै सां, क्यूँके मै थमनै कहूँ सूँ के परमेसवर इन पत्थरां तै भी अब्राहम कै खात्तर उलाद पैदा कर सकै सै। 9 इब कुहाड़ा दरखतां की जड़ पै धरया सै, इस करकै जो-जो दरखत बढ़िया फळ न्ही ल्यांदा, वो काट्या अर आग म्ह झोक्या जावैगा।” इसका मतलब यो सै परमेसवर उन सारया नै दण्ड देवैगा जो पाप करणा न्ही छोड़ते। 10 फेर माणसां नै उसतै बुझया, “तो हम परमेसवर के दण्ड तै बचण खात्तर के करा?” 11 उसनै जवाब दिया, “जिसकै धोरै दो कुड़ते हों, वो उसकै गेल्या जिसकै धोरै न्ही सै उसकै गैल बांड ल्यो अर जिसकै धोरै खाणा हो, वो भी न्यूए करै।” 12 चुंगी लेण आळे भी बपतिस्मा लेण आए, अर उसतै बुझया, “हे गुरु, हम के करा?” 13 उसनै उनतै कह्या, “ईमानदार रहों अर जितना रोमी सरकार नै कर तय करया सै, उसतै ज्यादा ना लियो।” 14 कुछ सिपाहियाँ नै भी उसतै बुझया, “हम के करा?” उसनै

उनतै कह्या, “किसे पै जुल्म करके पईसे ना लियो, अर ना झूठा इल्जाम लाइयो, अर अपणी तन्खा पै संतोष करियो।” 15 जिब माणस मसीहा की आस लगाये होए थे, अर सारे अपणे-अपणे मन म्ह यूहन्ना के बाबत विचार कररे थे, के योए मसीह तो न्ही सै। 16 तो यूहन्ना नै उन सारया तै कह्या, “मै तो थमनै पाणी तै बपतिस्मा दिर्युँ सूँ, पर वो आण आळा सै, जो मेरै तै घणा शक्तिशाली सै, मै तो इस लायक भी कोनी के उसके जूत्याँ के फिते खोल सकूँ, वो थमनै पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगा। 17 उसका छाज, उसकै हाथ म्ह सै, अर वो अपणा खलिहाण आच्छी तरियां साफ करैगा, अर नाज नै अपणे कोठार (गोदाम) म्ह कट्टा करैगा, पर भुरळी तार्हीं उस आग म्ह जळावैगा जो कदे बुझै कोनी।” 18 आखर वो घणीए शिक्षा दे-देकै माणसां तै सुसमाचार सुणान्दा रह्या। 19 पर जिब उसनै चौथाई देश म्ह गलील परदेस के राजा हेरोदेस तै उसके भाई फिलिप्पुस की घरआळी हेरोदियास कै बाबत अर सारे बुरे काम्मां कै बाबत जो उसनै करे थे, उल्हाणा दिया, 20 तो हेरोदेस नै उन सारया तै बढकै यो बुरा काम भी करया के यूहन्ना तार्हीं जेळ म्ह गेर दिया। 21 जिब सारे माणसां नै बपतिस्मा लिया अर यीशु भी बपतिस्मा लेके प्रार्थना कर रह्या था, तो अकास खुलग्या, 22 अर पवित्र आत्मा शारीरिक रूप म्ह कबूतर की तरियां उसपै उतरया, अर परमेसवर सुर्ग म्ह तै बोल्या “तू मेरा प्यारा बेट्टा सै, मै तेरतै राज्जी सूँ।” 23 जिब यीशु खुद उपदेश देण लागग्या, तो करीबन तीस साल की उम्र का था अर (जिसा समझा जावै सै) यीशु यूसुफ का बेट्टा था, अर यूसुफ एली का बेट्टा था, 24 अर एली मत्तात का बेट्टा था, अर मत्तात लेवी का बेट्टा था, अर लेवी मलकी का बेट्टा था, अर मलकी यन्ना का बेट्टा था, अर यन्ना यूसुफ का बेट्टा था, 25 अर यूसुफ मत्तित्याह का बेट्टा था, अर मत्तित्याह आमोस का बेट्टा था, अर आमोस नहूम का बेट्टा था, अर नहूम असल्याह का बेट्टा था, अर असल्याह नोगह का बेट्टा था, 26 अर नोगह मात का बेट्टा था, अर मात मत्तित्याह का बेट्टा था, अर मत्तित्याह शिमी का बेट्टा था, अर शिमी योसेख का बेट्टा था, अर योसेख योदाह का बेट्टा था, 27 अर योदाह यूहन्ना का बेट्टा था, अर यूहन्ना रेसा का बेट्टा था, अर रेसा जरुब्बाबिल का बेट्टा था, अर जरुब्बाबिल शालतियेल का बेट्टा था, अर शालतियेल नेरी का बेट्टा था, 28 अर नेरी मलकी का बेट्टा था,

अर मलकी अदी का बेट्टा था, अर अदी कोसाम का बेट्टा था, अर कोसाम इलमोदाम का बेट्टा था, अर इलमोदाम एर का बेट्टा था, 29 अर एर येशू का बेट्टा था, अर येशू इलाजार का बेट्टा था, अर इलाजार योरीम का बेट्टा था, अर योरीम मत्तात का बेट्टा था, अर मत्तात लेवी का बेट्टा था, 30 अर लेवी शमौन का बेट्टा था, अर शमौन यहूदा का बेट्टा था, अर यहूदा यूसुफ का बेट्टा था, अर यूसुफ योनान का बेट्टा था, अर योनान इलयाकीम का बेट्टा था, 31 अर इलयाकीम मलेआह का बेट्टा था, अर मलेआह मिन्नाह का बेट्टा था, अर मिन्नाह मत्तात का बेट्टा था, अर मत्तात नातान का बेट्टा था, अर नातान दाऊद का बेट्टा था, 32 अर दाऊद यिशै का बेट्टा था, अर यिशै ओबेद का बेट्टा था, अर ओबेद बोआज का बेट्टा था, अर बोआज सलमोन का बेट्टा था, अर सलमोन नहशोन का बेट्टा था, 33 अर नहशोन अम्मीनादाब का बेट्टा था, अर अम्मीनादाब अरनी का बेट्टा था, अर अरनी हिस्त्रोन का बेट्टा था, अर हिस्त्रोन फिरिस का बेट्टा था, अर फिरिस यहूदा का बेट्टा था, 34 अर यहूदा याकूब का बेट्टा था, अर याकूब इसहाक का बेट्टा था, अर इसहाक अब्राहम का बेट्टा था, अर अब्राहम तिरह का बेट्टा था, अर तिरह नाहोर का बेट्टा था, 35 अर नाहोर सरूग का बेट्टा था, अर सरूग रऊ का बेट्टा था, अर रऊ फिलिग का बेट्टा था, अर फिलिग एबिर का बेट्टा था, अर एबिर शिलह का बेट्टा था, 36 अर शिलह केनान का बेट्टा था, अर केनान अरफक्षद का बेट्टा था, अर अरफक्षद शेम का बेट्टा था, अर शेम नूह का बेट्टा था, अर नूह लिमिक का बेट्टा था, 37 अर लिमिक मथूशिलह का बेट्टा था, अर मथूशिलह हनोक का बेट्टा था, अर हनोक यिरिद का बेट्टा था, अर यिरिद महललेल का बेट्टा था, अर महललेल केनान का बेट्टा था, 38 अर केनान एनोश का बेट्टा था, अर एनोश शेत का बेट्टा था, अर शेत आदम का बेट्टा था, अर आदम परमेसवर का बेट्टा था।

4 फेर यीशु पवित्र आत्मा तै भरया होया, यरदन नदी तै बोहड़या, अर चाळीस दिन ताहीं पवित्र आत्मा कै सिखाण तै जंगल-बियाबान म्ह हाण्डदा रहया, 2 उन चाळीस दिनां म्ह शैतान उस ताहीं परखता रहया। उन दिनां म्ह उसनै कुछ न्ही खाया, अर जिब वे दिन पूरे होए, तो उसनै भूख लाग्गी। 3 फेर शैतान नै उसतै कह्या, “जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो साबित करदे, अर इस पत्थर तै कह, के रोटी बण जावै, ताके तू इननै खा सकै।” 4 यीशु नै

उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: ‘माणस सिर्फ रोटी तै जिन्दा कोनी रहन्दा।’” 5 फेर शैतान उसनै घणे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या अर उस ताहीं माड़ी वार म्ह दुनिया के राज्य दिखाए, 6 अर उसतै बोल्या, “मै यो सारा हक, अर उसकी शानों-शोकत तन्नै दियुँगा, क्यूँके वो मेरैतै सौँप्या गया सै: अर जिसनै चाहूँ उसनै दे दियुँ सूँ। 7 इस करकै जै तू मेरी भगति करै, तो यो सब कुछ तेरा हो ज्यागा।” 8 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “लिख्या सै: ‘तू प्रभु अपणे परमेसवर की भगति कर, अर सिर्फ उरसे की भगति कर।’” 9 फेर उसनै उस ताहीं पवित्र नगर यरुशलेम म्ह ले जाकै मन्दर की चोटी पै खड्या करया अर उसतै बोल्या, “जै तू परमेसवर का बेटा सै, तो अपणे-आपनै उरै तै तळै गेर दे अर अपणे-आपनै साबित करदे।” 10 “क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: ‘वो तेरे बाबत अपणे सुर्गदूतां नै हुकम देवैगा, के वे तेरी रुखाळी करै,’” 11 “अर वे तन्नै हाथों-हाथ उठा लेवैगें, इसा ना हो के तेरे पायां म्ह पत्थर तै ठेस लागै।” 12 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र ग्रन्थ म्ह यो भी लिख्या सै: ‘तू प्रभु अपणे परमेसवर नै ना परखै।’” 13 जिब शैतान उस ताहीं परख कै हार लिया, तो कुछ बखत खात्तर उसकै धोरे तै चल्या गया। 14 फेर यीशु पवित्र आत्मा की सामर्थ तै भरया होड़ गलील परदेस बोहड़या, अर उसकी चर्चा लोवै-धोवै के सारे देशां म्ह फैलगी। 15 वो उनके आराधनालयाँ म्ह उपदेश सुणान्दा रह्या, अर सारे उसकी बड़ाई करै थे। 16 फेर यीशु नासरत नगर म्ह आया, जड़ै पाळा-पोस्या गया था, अर अपणी रीति कै मुताबिक आराम कै दिन आराधनालय म्ह जाकै पवित्रग्रन्थ पढ़ण कै खात्तर खड्या होया। 17 यशायाह नबी की किताब उस ताहीं दी गई, अर उसनै किताब खोल कै, वा जगहां लिकाड़ी जड़ै लिख्या था: 18 “प्रभु का आत्मा मेरै पै सै, इस करकै के उसनै कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाण कै खात्तर मेरा अभिषेक करया सै, अर मेरै ताहीं इस करकै भेज्या सै के कैदियाँ नै छुड़ाण का अर आंध्याँ नै देखण जोगगा बणाण की खुशी की खबर का प्रचार करूँ अर कुचले होया नै छुड़ाऊँ, 19 अर प्रभु कै राज्जी रहण कै साल का प्रचार करूँ।” 20 फेर यीशु नै किताब बन्द करकै सेवक कै हाथ्यां म्ह दे दी अर बैठग्या, अर आराधनालय के सारे माणसां की निगांह उसपै थी। 21 फेर वो उनतै कहण लागग्या, “आज ए यो पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या होड़

वचन थारे स्याम्ही पूरा होया।” 22 सारया नै उस ताहीं सराहया, अर जो अनुग्रह की बात उसके मुँह तै लिकड़ै थी, उनतै हैरान होए, अर कहण लाग्गे, “के यो यूसुफ का छोरा कोनी?” 23 उसनै उनतै कह्या, “थम मेरै पै या कहावत जरूर कहोगे के हे वैद्य, खुद नै ठीक कर! जो कुछ हमनै सुण्या के कफरनहूम नगर म्ह करया गया सै, उसनै उरै खुद कै नगर म्ह भी कर।” 24 अर उसनै कह्या, “मै थमनै सच-सच कहूँ सूँ कोए नबी अपने गाम म्ह आदर-मान कोनी पान्दा। 25 मेरी सुणो, के एलिय्याह नबी कै दिनां म्ह जिब साढ़े तीन साल ताहीं अकास तै बारिस न्ही होई, उरै ताहीं के सारे देश म्ह बड़ड़ा अकाळ पड्या, तो इस्राएल देश म्ह घणीए बिधवा थी। 26 पर एलिय्याह उन म्ह तै किसे कै धोरै कोनी भेज्या गया, सिर्फ सैदा परदेस कै सारफत नगर म्ह एक बिधवा कै धोरै। 27 अर एलीशा नबी कै बखत इस्राएल देश म्ह घणे कोढ़ी थे, पर सीरिया परदेस का सेनापति नामान नामक कोढ़ी नै छोड़कै उन म्ह तै कोए शुद्ध कोनी करया गया।” 28 ये बात सुणद-ए जितने आराधनालय म्ह थे, सारया कै छो उठग्या, 29 अर उठकै उस ताहीं नगर तै बाहरणै लिकाड़या, अर जिस पहाड़ पै उनका नगर बसरया था, उसकी चोट्टी पै ले चाल्ले, ताके उसनै उड़ै तै तळै गेरकै मार दें। 30 पर यीशु उनके बिचाळै तै लिकड़कै चल्या गया। 31 फेर वो गलील परदेस कै कफरनहूम नगर म्ह गया, अर आराम कै दिन माणसां ताहीं उपदेश देवै था। 32 वे उसके उपदेश तै हैरान होगे क्यूँके उसका वचन हक सुधां था। 33 आराधनालय म्ह एक माणस था, जिस म्ह ओपरी आत्मा थी, उसनै जोर तै किल्की मारी, 34 “हे नासरत के यीशु, हमनै तेरे तै के काम? के तू म्हारा नाश करण नै आया सै? मै तन्नै जाणु सूँ, तू कौण सै? तू परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया पवित्र मसीह सै!” 35 यीशु नै उसतै धमकाकै कह्या, “चुपचाप रहै, अर इस माणस म्ह तै लिकड़ जा!” फेर ओपरी आत्मा उसनै बिचाळै पटककै बिना नुकसान करे उस म्ह तै लिकड़गी 36 इसपै सारे हैरान होए, अर वे आप्पस म्ह बतळाण लाग्गे, “यो किसा वचन सै? क्यूँके वो हक अर सामर्थ कै गेल्या ओपरी आत्मायाँ नै हुकम देवै सै, अर वे लिकड़ जावै सै।” 37 इस करकै चौगरदे नै हरेक जगहां उसका जिक्र होण लाग्या। 38 यीशु आराधनालय म्ह तै उठकै शमौन कै घरां गया। शमौन की सास्सू कै बुखार चढ़रया था, अर

उनने उस खात्तर उसतै बिनती करी। 39 उसने उसकै धोरै खड्या होके बुखार ताहीं धमकाया अर बुखार उतर गया, अर वो जिब्बे उठकै उनकी सेवा-पाणी करण लागगी। 40 सूरज डूबदे बखत, जिन-जिनकै उरै माणस कई ढाळ की बिमारियाँ म्ह पड़े होए थे, वे सारे उनने उसकै धोरै ल्याए, अर उसने एक-एक पै हाथ धरकै उन ताहीं ठीक करया। 41 अर ओपरी आत्मा भी किल्की मारदी अर न्यू कहन्दी होई के, “तू परमेसवर का बेट्टा सै” घणखरया म्ह तै लिक्ड़गी। पर वो उनने धमकांदा अर बोल्लण न्ही देवै था, क्यूँके वे जाणै थी के यीशु ए परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया मसीह सै। 42 जिब सबेरै होई तो यीशु लिक्ड़कै एक बियाबान जगहां म्ह गया, अर भीड़ की भीड़ उसने टोह्न्दी होई उसकै धोरै आई, अर उसने रोकण लागगी के वो उनके धोरै तै न्ही जावै। 43 पर उसने उनतै कहा, “मन्ने दुसरे नगरां म्ह भी परमेसवर कै राज्य का सुसमाचार सुणाणा जरूरी सै, क्यूँके मै इसे खात्तर भेज्या गया सूँ।” 44 अर वो गलील परदेस के आराधनालयों म्ह उपदेश सुणान्दा रह्या।

5 जिब यीशु गन्नेसरत की झील कै किनारे पै खड्या था, तो भीड़ परमेसवर का वचन सुणण कै खात्तर उस ताहीं घेरे खड़ी थी, तो इसा होया 2 के उसने झील कै किनारे दो किस्ती लागगी होड़ देखी, अर मछुआरे उनपै तै उतरकै मच्छियाँ के जाळ नै धोवै थे। 3 उन किस्तियाँ म्ह तै एक पै, जो शमौन की थी, चढ़कै यीशु नै उसतै बिनती करी के किनारे तै माड़ा सा डिगा ले चाल्लै। फेर वो किस्ती पै बैठकै माणसां नै उपदेश देण लागग्या। 4 जिब यीशु नै माणसां तै ये बात कर ली, तो शमौन तै बोल्या, “डुंघे म्ह ले चाल, अर मच्छी पकड़ण खात्तर अपणा जाळ गेर।” 5 शमौन नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, हमने सारी रात मेहनत करी अर कुछ न्ही मिल्या, फेरभी तेरे कहण तै जाळ गेरूँगा।” 6 जिब पतरस अर उसके साथियाँ नै इसा करया, तो घणी मच्छी घेर ल्याए, अर उनके जाळ पाट्टण नै होण लागगे। 7 इस करकै उनने दुसरी किस्ती म्ह बेठे अपणे साथियाँ ताहीं भी इशारा करकै मदद खात्तर बुलाया, वे आ गये अर उनने आकै दोन्नु किस्ती उरै ताहीं भर ली के डूबण लागगी। 8 न्यू देखकै शमौन पतरस यीशु कै पायां म्ह पड़ग्या, अर बोल्या, “हे प्रभु, मेरै धोरै तै जा, क्यूँके मै पापी माणस सूँ!” 9 क्यूँके इतनी मच्छियाँ कै पकड़े जाण तै उसने अर उसके साथियाँ नै घणा अचम्भा होया, 10 अर

उस्से तरियां जब्दी के बेटे याकूब अर यूहन्ना नै भी, जो शमौन के दुसरे साथी थे, अचम्भा होया। फेर यीशु नै शमौन तै कह्या, “मतना डरो, इब तै मै थमनै माणसां ताहीं कठ्ठे करण आळे बणाऊंगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 11 अर वे किस्तियाँ नै किनारे पै लियाए अर वे जिब्बे सब कुछ छोड़के उसके चेल्लें बणण खात्तर उसके पाच्छे हो लिये। 12 जिब वो किसे नगर म्ह था, तो उड़ै कोढ़ तै भरया होया एक माणस आया, अर उसनै यीशु ताहीं देखके अर मोध्धा पड़के बिनती करी, “हे प्रभु, जै तू चाहवै तो मन्नै ठीक कर सकै सै।” 13 उसनै हाथ बढ़ाके उस ताहीं छुया अर बोल्या, “मै चाहूँ सू, तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।” अर उसका कोढ़ जिब्बे जान्दा रह्या। 14 फेर उसनै उस ताहीं समझाके कह्या, “किसे तै ना कहिए, पर जाके अपणे-आपनै याजक ताहीं दिखा, अर अपणे कोढ़ तै ठीक होण कै बारै म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ म्ह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खात्तर या गवाही हो, के तू ठीक होगया सै।” 15 पर यीशु का जिक्र हरेक जगहां फैल्दा गया, अर भीड़ की भीड़ उसकी सुणण कै खात्तर अर अपणी बिमारियाँ तै ठीक होण कै खात्तर कठ्ठी होई। 16 पर वो सुनसान जगहां म्ह न्यारा जाके प्रार्थना करया करै था। 17 एक दिन इसा होया के यीशु उपदेश देण लागरया था अर ठीक करण खात्तर प्रभु की सामर्थ उसके गेल्या थी, अर फरीसी अर शास्त्री उड़ैए बेट्टे थे, जो गलील अर यहूदिया परदेस कै हरेक गाम अर यरुशलैम नगर तै आए थे। 18 उस बखत कई माणस एक माणस नै जो लकवे का बीमार था, खाट पै ल्याए, अर वे उसनै भीत्तर ले जाण अर यीशु कै स्याम्ही धरण का जुगाड़ टोह्ल लागरे थे। 19 पर जिब भीड़ कै कारण उसनै भीत्तर कोनी ले जा सके तो उननै छात पै चढ़के अर टाट्टी हटाके, उस ताहीं बिस्तर समेत बिचाळे यीशु कै स्याम्ही उतार दिया। 20 उसनै उनका बिश्वास देखके उसतै बोल्या, “हे भाई, मन्नै तेरे पाप माफ कर दिये।” 21 फेर शास्त्री अर फरीसी बहस करण लागे, “यो कौण सै जो परमेसवर की बुराई करै सै? परमेसवर नै छोड़ और कौण पाप माफ कर सकै सै?” 22 यीशु नै उनके मन की बात जाणके, उनतै कह्या, “थम अपणे मन म्ह क्युँ विवाद करण लागरे सो की मै परमेसवर की बुराई करूँ सू? 23 आसान के सै? के यो कहणा के ‘तेरे पाप माफ होए’, या यो कहणा के ‘उठ अर हाँड-फिर’? 24

पर इस करकै के थम जाणो, के मुझ माणस कै बेठे नै धरती पै पाप माफ करण का भी हक सै।” उसनै उस लकवे के मरीज तै कह्या, “मै तेरे तै कहुँ सूँ के अपणे बिस्तर ठाकै अपणे घरां चल्या जा।” 25 वो जिब्बे उनकै स्याम्ही उठ्या, अर जिस खाट पै पड्या था उसनै ठाकै, परमेसवर की बड़ाई करदा होया अपणे घरां चल्या गया। 26 फेर सारे हैरान होए अर परमेसवर की बड़ाई करण लागे अर घणे डरकै बोल्ले, “आज हमनै अनोक्खी बात देक्खी सै।” 27 इसकै बाद यीशु बाहरणै गया अर लेवी नाम के एक चुंगी लेण आळे तारीं चौकी पै बेठे देख्या, अर उसतै बोल्या, “मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छे हो ले।” 28 फेर वो सारा कुछ छोड़कै उसकै पाच्छे हो लिया। 29 फेर लेवी नै अपणे घरां उसकै खात्तर बड़ड़ा जिम्मण का न्योँदा दिया, अर चुंगी लेण आळे अर दुसरे माणसां की जो उसकै गेल्या खाणा खाण नै बेठे थे, एक बड़ी भीड़ थी। 30 इसपै फरीसी अर उनके शास्त्री उसके चेल्यां तै न्यू कहकै बिरड़ाण लागे, “थम चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै, उनकै गेल्या खाओ-पीओ सो?” 31 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “वैद आच्छे-बिच्छयां खात्तर कोनी, पर बिमारां खात्तर जरूरी सै। 32 मै धर्मियाँ नै न्ही, पर पापियाँ नै मन पलटन कै खात्तर बुलाण आया सूँ।” 33 उननै उसतै कह्या, “यूहन्ना के चेल्लें तो बराबर ब्रत अर प्रार्थना करया करै सै अर उस्से तरियां फरीसियाँ के चेल्लें भी, पर तेरे चेल्लें तो खावै-पीवै सै।” 34 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम बरातियाँ तै, जिब्बताहीं बन्दड़ा उनकै गेल्या रहवैं, ब्रत करा सको सो?” 35 “पर वे दिन भी आवैगें, जिब बन्दड़ा न्यारा करया जावैगा, फेर वे उन दिनां म्ह ब्रत करैगें।” 36 यीशु नै एक और उदाहरण दिया, “कोए माणस नये लत्यां म्ह तै पाड़कै पुराणे लत्यां पै थेगळी न्ही लगान्दा, न्ही तो नया पाट ज्यागा अर वा थेगळी पुराणे पै मेळ भी न्ही खावैगी। 37 अर कोए नया अंगूर का रस पुराणी मशक म्ह न्ही भरदा, न्ही तो नया अंगूर का रस पुराणी मशकां नै पाड़कै बह ज्यागा, अर मशक फूट ज्या सै। 38 पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरणा चाहिए। 39 कोए माणस पुराणा अंगूर का रस पीकै नया अंगूर का रस कोनी चाहन्दा क्युँके वो कहवै सै, के पुराणा-ए बढिया सै।”

6 फेर आराम कै दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके चेल्लें गेहूँ की बालें तोड़-तोड़कै अर हाथ्यां तै मसळ-मसळ कै खाण लागरे थे। **2** फेर फरीसियाँ म्ह तै कुछ कहण लागगे, “थम यो काम क्यांतै करो सो जो आराम कै दिन करणा ठीक कोनी?” **3** यीशु नै उनतै जवाब दिया, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढूया के दाऊद नै, जिब वो अर उसके साथी भूखे थे तो के करया? **4** वो किस तरियां परमेसवर कै घर म्ह गया, अर भेंट की रोटी खाई, जिनका खाणा याजकां नै छोड़ और किसे खात्तर ठीक कोनी, अर अपने साथियाँ ताहीं भी दी?” **5** अर उसनै उनतै कह्या, “मै माणस का बेटा आराम कै दिन का भी प्रभु सूं।” **6** इसा होया के किसे और आराम कै दिन वो आराधनालय म्ह जाकै उपदेश देण लाग्या, अर उड़ै एक माणस था जिसका सोळा हाथ सूखरया था। **7** शास्त्री अर फरीसी यीशु पै दोष लाण के मौकै की टाह म्ह थे के देखे वो आराम कै दिन ठीक करै सै के न्ही। **8** पर वो उनकी सोच जाणै था, इस करके उसनै सूखे हाथ आळे माणस कह्या, “उठ, बिचाळै खड्या होज्या।” वो उठ खड्या होया। **9** यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे तै बुझ्झु सूं के मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक आराम कै दिन के ठीक सै, भला करणा या बुरा करणा, जान बचाणा या नाश करणा?” **10** फेर उसनै चोगरदेनै उन सारया कान्ही देखके उस सूखे हाथ आळे माणस तै बोल्या, “अपणा हाथ बढ़ा।” उसनै न्यूए करया, अर उसका हाथ दुबारा ठीक होग्या। **11** पर वे फरीसी अर शास्त्री आप्पे तै बाहर होकै आप्पस म्ह बहस करण लागगे के हम यीशु कै गैल के करा? **12** उन दिनां म्ह यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण लागग्या, अर परमेसवर तै प्रार्थना करण म्ह सारी रात बिताई। **13** जिब दिन लिकड़या तो उसनै अपने चेल्यां ताहीं बुलाकै उन म्ह तै बारहां छाँट लिए, अर उन ताहीं प्रेरित कह्या, **14** अर वे ये सै: शमौन जिसका नाम उसनै पतरस भी धरया, अर उसका भाई अन्द्रियास, अर याकूब, अर यूहन्ना, अर फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, **15** अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का बेटा याकूब, अर शमौन जो जेलोतेस कुहावै सै, **16** अर याकूब का बेटा यहूदा, अर यहूदा इस्करियोती जो उसका पकड़वाण आळा बणया। **17** फेर यीशु उनके गेल्या उतरकै चौरस जगहां म्ह खड्या होया, अर उसके चेल्यां की बट्टी भीड़, अर

सारे यहूदिया परदेस अर यरुशलेम नगर, सूर अर सैदा नगर के समुन्दर के किनारे तै घणे माणस, 18 जो उसकी सुणण अर अपणी बिमारियाँ तै चंगे होण खात्तर उसकै धोरै आए थे, उड़ै थे, अर ओपरी आत्मा तै सताए होए भी ठीक करे जावै थे। 19 सारे उसनै छूणा चाहवै थे, क्यूँके उस म्ह तै सामर्थ लिकड़कै सारया नै ठीक करै थी। 20 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां कान्ही देखकै कह्या, “धन्य सो थम जो दीन सो, क्यूँके परमेसवर का राज्य थारा सै।” 21 धन्य सो थम जो इब भूक्खे सो, क्यूँके थम परमेसवर के जरिये छिकाए जाओगे। धन्य सो थम जो इब रोओ सो, क्यूँके हांसोगे। 22 धन्य सो थम जिब मुझ माणस के बेटे के बाबत माणस थारे तै बैर करैगें, अर थमनै लिकाड़ देवैगें, अर थारी बुराई करैगें, अर थारा नाम बुरा जाणकै काट देवैगें। 23 उस दिन आनन्द तै उछळियो, क्यूँके लखाओ, थारे खात्तर सुर्ग म्ह बड़ड़ा ईनाम सै, उनके पूर्वजां नै भी नबियाँ के गेल्या भी इसाए करया करै थे। 24 पर धिक्कार सै थारे पै! जो साहूकार सो, क्यूँके थमनै अपणे सारे सुख भोग चुके सों। 25 धिक्कार सै थारे पै! जो छिकरे सो, क्यूँके भूक्खे होओगे। धिक्कार सै थारे पै! जो इब हाँस्सो सो, क्यूँके थम बिलख-बिलख के रोओगे। 26 “धिक्कार सै थारे पै! जिब सारे माणस थारे ताहीं आच्छा कहवै, क्यूँके थारे पूर्वज भी झूठे नबियाँ के गेल्या भी इसाए करै थे।” 27 “पर मै थम सुणण आळा तै कहूँ सूं, के अपणे बैरियाँ तै प्यार राक्खो, जो थारे तै बैर करै, उनका भला करो। 28 जो थमनै श्राप देवै, उननै आशीष दो, जो थारी बेजती करै, उनकै खात्तर प्रार्थना करो। 29 जो तेरे एक गाल पै थप्पड़ मारै उसकी ओड़ दुसरा भी फेर दे, अर जो तेरी धोत्ती खोस ले, उसनै कुड़ता लेण तै भी मना मत करो। 30 जो कोए तेरे तै माँगै, उसनै दे, अर जो तेरी चीज खोस ले, उसतै माँगै ना। 31 जिसा थम चाहो सो के माणस थारे गेल्या करै, थम भी उनकै गेल्या उसाए करो।” 32 “जै थम अपणे प्यार करण आळा तै ए प्यार करो, तो उसका के फायदा? क्यूँके पापी भी अपणे प्यार करण आळा के गेल्या प्यार करै सै। 33 जै थम अपणे भलाई करण आळा ए गेल्या भलाई करो सों, तो थारी के बड़ाई? क्यूँके पापी भी इसाए करै सै। 34 जै थम उननै ए उधार द्यो सो जिनतै थमनै दुबारै मिल जाण की आस हो सै, तो कौण सी बड़ी बात सै? क्यूँके पापी, पापियाँ नै उधार देवै सै,

के उतनाए दुबारै पावै। 35 बल्के अपणे बैरी तै प्यार करो, अर भलाई करो, अर दुबारै मिलण की उम्मीद राखकै उधार ना द्यो, तो थारे खात्तर बड़ड़ा ईनाम होवैगा, अर थम परमप्रधान की ऊलाद मान्ने जाओगे, क्यूँके परमेसवर का धन्यवाद ना करण आळा अर बुरे माणस पै भी दया करै सै। 36 जिसा थारा पिता दयालु सै, उस्से ए ढाळ थम भी दयालु बणो।” 37 “दोष ना लाओ, तो थारे पै भी दोष न्ही लगाया जावैगा। कसूरवार ना ठहराओ, तो थमनै भी कोए कसूरवार कोनी ठहरावैगा। माफ कर द्यो, तो थम भी माफ करे जाओगे। 38 दिया करो तो थारे ताहीं भी दिया जावैगा। माणस पूरा नाप दबा दबाकै अर हला-हलाकै अर उभरदा होया थारी गोद्दी म्ह घाल्लैगें, क्यूँके जिस नाप तै थम नाप्यो सों, उस्से नाप तै थारे खात्तर भी नाप्या जावैगा।” 39 फेर उसनै उनतै एक उदाहरण कह्या, “के आन्धा, आन्धे नै राह बता सकै सै? के दोन्नु खड्डे म्ह कोनी गिरैगें?” 40 चेल्ला अपणे गुरु तै बड़ड़ा न्ही, पर जो कोए आच्छा सीखा होगा, वो अपणे गुरु के ढाळ होगा। 41 “तू क्यूँ अपणे भाई की आँख कै तिन्कै जिसी छोटी सी बुराई नै देख्ये सै, अर अपणी आँख म्ह लठ जिसी बड़ी बुराई तन्नै कोनी दिखदी?” 42 जिब तू अपणी ए आँख का लठ कोनी देख्दा, तो अपणे भाई तै किस तरियां कह सकै सै, “हे भाई, आ मै तेरी आँख म्ह तै तिन्का लिकाड़ द्यु?” हे कपटी, पैहल्या अपणी जीवन की बुराई दूर कर फेर तू अपणे भाई नै आच्छी दाऊँ बुराई तै बचा सकैगा। 43 “कोए आच्छा दरखत कोनी जो बेकार फळ ल्यावै, अर ना तो कोए बेकार दरखत सै जो आच्छा फळ ल्यावै। 44 हरेक दरखत अपणे फळ तै पिच्छाणा जावै सै, क्यूँके माणस झाड़ियाँ तै अंजीर कोनी तोड़दे अर ना बड़बेरी तै अंगूर। 45 भला माणस अपणे मन के भले भण्डार तै भली बात लिकाड़ै सै, अर बुरा माणस अपणे मन के बुरे भण्डार तै बुराई की बात लिकाड़ै सै, क्यूँके जो मन म्ह भरया सै वोए उसकी जुबान पै आवै सै।” 46 “जिब थम मेरा कहणा न्ही मान्दे तो क्यातै मन्नै ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहो सो? 47 जो कोए मैरै धोरै आवै सै अर मेरी बात्तां नै सुणकै उननै मान्ने सै, मै थमनै बताऊँ सूँ के वो किसकी तरियां सै: 48 वो उस माणस की ढाळ सै, जिसनै घर बणादें बखत धरती डून्धी खोदकै चट्टान पर नीम बणाई, अर जिब बाढ़ आई तो थारा उस घर पै लाग्गी पर उसनै हला न्ही सकी, क्यूँके वो पक्का

बणरया था। 49 पर जो सुणकै कोनी मान्दा वो उस माणस की ढाळ सै, जिसनै माट्टी पै बिना नीम घर बणाया, जिब उसपै धारा लाग्गी तो वो जिब्बे पड़ग्या अर पड़कै उसका सत्यानाश होग्या।”

7 जिब उसनै माणसां तै ये सारी बात कह दी, तो कफरनहूम नगर म्ह आया। 2 उड़ै किसे सूबेदार का एक नौक्कर जो उसका प्यारा था, बीमारी तै मरण पै था। 3 उसनै यीशु का जिक्क सुणकै यहूदिया परदेस के कई यहूदी अगुवां ताहीं उसतै या बिनती करण नै उसकै धोरै भेज्या के आकै मेरै नौक्कर नै ठीक करै। 4 वे यीशु कै धोरै आए, अर उसतै घणी बिनती करकै कहण लागे, “वो इस जोग्गा सै के तू उसकै खात्तर न्यू करै, 5 क्यूँके वो म्हारी जात तै प्यार राक्खै सै, अर उस्से नै म्हारे आराधनालय ताहीं बणवाया सै।” 6 यीशु उनकै गेल्या गया, पर जिब वो घर तै माड़ी-सी दूर था, तो सूबेदार नै उसके धोरै कई साथियाँ तै न्यू कहवां भेज्या, “हे प्रभु, काल ना होवै, क्यूँके मै इस लायक कोनी के तू मेरी छात कै तळे आवै। 7 इसे करकै मन्नै खुद ताहीं इस लायक भी कोनी समझा के तेरे धोरै आऊँ, पर सिर्फ मुँह तै कह दे तो मेरा नौक्कर ठीक हो ज्यागा। 8 क्यूँके मै जाणु सूँ के मै भी किसी के आदेशां का पालन करूँ सूँ, अर सिपाही मेरै आदेशां का पालन करै सै। जिब मै एक तै कहुँ सूँ जा, तो वो जावै सै, अर दुसरे तै, आ, तो वो आवै सै, अर अपणे नौक्कर तै कहुँ सूँ, यो कर, तो वो करै सै।” 9 यो सुणकै यीशु कै अचम्भा होया अर उसनै मुँह फेरकै उस भीड़ तै जो उसकै गेल्या आवै थी, कह्या, “मै थमनै कहुँ सूँ के मन्नै इस्राएल म्ह भी इसा बिश्वास न्ही देख्या।” 10 फेर भेज्जे होए वे माणस जिब घरां बोहड़े तो उननै उस नौक्कर ताहीं निरोग्गी पाया। 11 थोड़े दिनां पाच्छै यीशु नाईन नाम के एक नगर म्ह गया, अर उसके चेल्लें अर बड्डी भीड़ उसकै गेल्या जाण लागरी थी। 12 जिब वो नगर कै फाटक कै धोरै पोंहच्या, तो लखाओ, माणस एक मुरदे नै बाहरणौ लेकै जावै थे, जो अपणी माँ का एक्ला बेट्टा था, अर वा बिधवा थी, अर नगर के घणखरे माणस उसकै गेल्या थे। 13 बिधवा ताहीं देखकै प्रभु नै उसपै तरस आया, अर उसतै कह्या, “मतना रोवै।” 14 फेर यीशु नै धोरै आकै अर्थी ताहीं छुया, अर अर्थी ठाण आळे ठैहरगे। फेर यीशु नै कह्या, “हे जवान, मै तन्नै कहुँ सूँ, उठ!” 15 फेर वो मुर्दा उठ बेठ्या, बोल्लण लाग्या। उसनै उस

ताहीं उसकी माँ तै सौंप दिया। 16 इस घटना तै सारे डरगे, अर वे परमेसवर की बड़ाई करके कहण लागे, “म्हारे बिचाळे एक बड़़ा नबी आया सै, अर परमेसवर नै अपने माणसां पै दया की निगांह करी सै।” 17 अर उसके बारे म्हा या बात सारे यहूदिया परदेस अर लोवै-धोवै के सारे परदेसां म्हा फैलगी। 18 यूहन्ना ताहीं उसके चेल्यां नै इन बाततां की खबर दी। 19 फेर यूहन्ना नै अपने चेल्यां म्हा तै दोयां ताहीं बुलाके प्रभु के धोरै न्यू बुड़़ण खात्तर भेज्या, “के आण आळा तूए सै, या हम किसे और की बाट देख्खां?” 20 उननै उसके धोरै आके कह्या, “यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे नै म्हारै ताहीं तेरे धोरै न्यू बुड़़ण नै भेज्या सै, के आण आळा वो मसीहा जिसका वादा परमेसवर नै करया था, तू ए सै, या हम किसे और की बाट देख्खां?” 21 उस्से बखत उसनै घणाए ताहीं बिमारियाँ, अर कांल्ली, अर ओपरी आत्मायाँ तै छुटाया, अर घणाए की आँख खोल दी, 22 अर उसनै उनतै कह्या, “जो कुछ थमनै देख्या अर सुणया सै, जाके यूहन्ना ताहीं कह घो, के आन्धे देख्खें सै, लंगड़े चाल्लै-फिरै सै, कोढ़ी शुद्ध करे जावै सै, बहरे सुणै सै, मुर्दे जिन्दे करे जावै सै, अर कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाया जावै सै। 23 धन्य सै वे जो मेरै पै शक न्ही करते, अर बिश्वास करणा न्ही छोड़दे।” 24 जिब यूहन्ना के भेज्जे होड़ माणस चले गये तो यीशु यूहन्ना के बारे म्हा माणसां तै कहण लागग्या, “थम जंगल-बियाबान म्हा के देखण गये थे? के हवा म्हा हाल्दे होए सरकंडे नै?” 25 तो फेर थम बण म्हा के देखण गये थे? के कोमल लत्ते पहरै होए माणस नै? लखाओ, जो चमकदे लत्ते पहरै अर असो-आराम म्हा रहवें सै, वे राजघरां म्हा रहवें सै। 26 तो फेर थम बण म्हा के देखण गये थे? के किसे नबी नै? हाँ, मै थमनै कहूँ सूँ, बल्के नबी तै भी बड़े नै। 27 यो वोए सै, जिसके बारे म्हा लिख्या सै: लखा, “मै अपने दूत नै तेरे आगै-आगै भेज्जू सूँ, जो तेरे आगै तेरी राही सीध्धी करैगा।” 28 “मै थमनै कहूँ सूँ के जो बिरबानियाँ तै जणे सै, उन म्हा तै यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे तै बड़़ा कोए न्ही पर जो परमेसवर के राज्य म्हा छोटे तै छोटा सै, वो उसतै भी बड़़ा सै।” 29 फेर हरेक किसे नै, उरै ताहीं के चुंगी लेण आळे माणसां नै भी यूहन्ना की बात सुणके उसतै बपतिस्मा लेके यो मान लिया के परमेसवर ए धर्मी सै। 30 पर फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ नै यूहन्ना तै बपतिस्मा कोनी लेके परमेसवर के मनसां ताहीं अपने

बारै म्ह टाळ दिया। 31 “पर मै इस युग कै माणसां की बराबरी किसतै करुँ के वे किसकी ढाळ सै?” 32 वे उन बाळकां की ढाळ सै जो बजारां म्ह बेठे होए एक-दुसरे तै रुक्के मारकै शिकायत करै सै, हमनै थारे खात्तर बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाच्चे, हमनै बिलाप करया, अर थम कोनी रोए! 33 क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा ना रोटी खाया होया करदा अर ना अंगूर का रस पिया होया करदा, अर थम कहो सो, उस म्ह ओपरी आत्मा सै। 34 मुझ माणस के बेट्टे का खाण-पान और माणसां की तरियां साद्दा ए सै, लखाओ, थमनै मेरे ताहीं पेदू अर पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये का अर पापियाँ का साथी घोषित कर दिया। 35 पर ज्ञान अपणे काम्मां म्ह सच्चा ठहराया गया सै। 36 फेर किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के वो उसके गेल्या खाणा खावै, आखर वो उस फरीसी कै घरां जाके खाणा खाण बेठ्या। 37 उस नगर की एक पापण बिरबान्नी न्यू जाणकै के यीशु फरीसी कै घर म्ह खाणा खाण बेठ्या सै, संगमरमर कै बरतन म्ह म्हँगा खसबूदार तेल ल्याई, 38 अर उसके पायां कै धोरै, पाच्छै खड़ी होकै, रोंदी होई उसके पायां नै आसूआं तै भेण लागी अर अपणे सिर कै बाळां तै पूंझण लागी, अर उसके पायां नै बार-बार चूमकै उनपै म्हँगा खसबूदार तेल मळया। 39 न्यू देखकै शमौन फरीसी जिसनै यीशु ताहीं बुलाया था, अपणे मन म्ह सोचण लागग्या, “जै यो नबी होन्दा तो जाण जान्दा के या जो उसनै छूण लागरी सै, वा कौण अर किसी बिरबान्नी सै, क्यूँके वा तो पापण सै।” 40 यीशु नै उसके मन के विचार जाणकै उस ताहीं उदाहरण म्ह कह्या, “हे शमौन, मन्नै तेरे तै कुछ कहणा सै।” वो बोल्या, “हे गुरु, कह।” 41 यीशु नै एक और उदाहरण दिया, “किसे साहूकार के दो देणदार थे, एक पाँच सौ अर दुसरा पचास दीनार (50 दिन की मजदूरी) का देणदार था। 42 जिब उनकै धोरै चुकाण नै कुछ न्ही रह्या तो उसनै दोनुआ का कर्ज माफ कर दिया। इस करके उन दोनु माणसां म्ह तै कौण उसतै घणा प्यार राक्खैगा?” 43 शमौन नै जवाब दिया, “मेरी समझ म्ह वो माणस, जिसका घणा कर्जा माफ होया।” यीशु नै उसतै कह्या, “तन्नै ठीक कह्या सै।” 44 अर उस बिरबान्नी कान्ही पलटकै उसनै शमौन तै कह्या, “तन्नै देख्या सै के इस बिरबान्नी नै के करया सै? मै तेरे घरां आया पर तन्नै मेरे पैर धोण नै पाणी भी कोनी दिया, पर इसनै मेरे पैर

आँसुआँ तै भये अर अपणे बाळां तै पूंजे। 45 तन्नै मेरे ताहीं चुम्या न्ही, पर जिब तै मै आया सूं जिब्बे तै इसनै मेरे पायां ताहीं चुमना न्ही छोड्या। 46 तन्नै मेरे सिर पै तेल कोनी मळ्या, पर इसनै मेरे पायां पै इत्र मळ्या सै। 47 इस करकै मै तन्नै कहूँ सूं के इसनै कई पाप करे थे, जो माफ होगे, क्यूँके इसनै मेरे तै घणा प्यार करया सै, पर जिसका पाप कम माफ होया सै, वो कम प्यार करै था।” 48 अर उसनै बिरबान्नी तै कह्या, “तेरे पाप माफ होए।” 49 फेर जो माणस उसके गेल्या खाणा खाण नै बेठे थे, वे अपणे-अपणे मन म्ह सोचवण लाग्गे, “यो के परमेसवर सै, जो पापां नै भी माफ कर सकै सै?” 50 पर उसनै उस बिरबान्नी ताहीं कह्या, “परमेसवर नै तेरे ताहीं बचाया सै, क्यूँके तन्नै मेरे पै विश्वास करया सै, खुश होकै चली जा।”

8 इसके बाद यीशु नगर-नगर अर गाम-गाम्मां म्ह प्रचार करदा होया, अर परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणादा होया हांडण लाग्या, अर वे बारहां चेल्लें उसके गेल्या थे, 2 अर कुछ बिरबान्नी भी थी जो ओपरी आत्मायाँ तै अर बिमारियाँ तै छुटाई गई थी, अर वे ये सै: मरियम जो मगदलीनी कुह्वावै थी, जिसम्ह तै सात ओपरी आत्मा लिकड़ी थी, 3 अर हेरोदेस राजा के भण्डारी खुजा की घरआळी योअन्ना, अर सूंसन्नाह, अर घणखरी दुसरी बिरबान्नी। ये अपणे धन तै यीशु अर उसके चेल्यां की सेवा-पाणी करै थी। 4 जिब बड्डी भीड़ कट्टी होई अर नगर-नगर के माणस उसके धोरै चालकै आवै थे, तो उसनै उदाहरण म्ह कह्या 5 “एक किसान बीज बोण लिकड़्या। बोदे होए कुछ बीज राही कै किनारे पड़े, अर रोंघा गया, अर अकास के पंछियाँ नै उस ताहीं चुग लिया। 6 कुछ बीज चट्टान पै पड्या, अर जामग्या, पर नमी ना मिलण कै कारण सूख ग्या। 7 कुछ झाड़ियाँ कै बिचाळे पड्या, अर झाड़ियाँ नै गेलै-गेलै बढकै उस ताहीं दबा लिया। 8 कुछ आच्छी धरती पै पड्या, अर उगकै सौ गुणा फळ ल्याया।” न्यू कहकै वो जोर तै बोल्या, “जिसके कान हो वो ध्यान तै सुण ले।” 9 उसके चेल्यां नै उसतै बुड़झाया के इस उदाहरण का के मतलब सै? 10 उसनै कह्या, “थारे ताहीं परमेसवर के राज्य के भेद की समझ दे राक्खी सै, पर औरां नै उदाहरणां म्ह सुणाया जावै सै, इस करकै के ‘वे देखदे होए भी कोनी देख्खै, अर सुणदे होए भी कोनी समझै।” 11 उदाहरण का मतलब यो सै: बीज परमेसवर का वचन सै 12 राही कै किनारे

के वे सै, जिन नै सुण्या, फेर शैतान आकै उनकै मन म्ह तै वचन ठा ले जावै सै के कदे इसा ना हो के वे विश्वास करकै उद्धार पावै। 13 चट्टान पै के वे सै, के जिन सुणै सै, तो खुश होकै वचन नै अपणावै सै, पर जड़ कोनी पकड़दे वे माड़ी वार ताहीं विश्वास राक्खें सै अर मुसीबत कै बखत बहक जावै सै। 14 जो झाड़ियाँ म्ह पढ़्या, यो वे सै जो सुणै सै, पर आगै जाकै फिक्र, अर धन, अर जिन्दगी के ऐसो-आराम म्ह फँस जावै सै अर उनका फळ कोनी पकदा। 15 पर आच्छी धरती के वे सै, जो वचन सुणकै भले अर आच्छे मन तै साम्ये राक्खें सै, अर धीरज तै फळ ल्यावै सै। 16 “कोए दीवा जळा कै बरतन तै कोनी ढकदा, अर ना खाट तळै धरै सै, पर टांडी पै धरै सै ताके भीत्तर आण आळे नै चाँदणा मिलै। 17 कुछ लुहक्या कोनी जो दिखाया कोनी जावै, अर ना किमे लुहक्या सै जिसका बेरा न्ही पटै। 18 ज्यांतै चौक्कस रहो के थम किस तरियां सुणो सो? क्यूँके जिसकै धोरै सै उसतै दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै न्ही सै उसतै वो भी ले लिया जावैगा, जिसनै वो अपणा समझै सै।” 19 यीशु की माँ अर उसके भाई उसकै धोरै आए, पर भीड़ कै कारण उसतै मिल न्ही सके 20 उसतै कह्या गया, “तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै खड़े होए, तेरे तै मिलणा चाहवें सै।” 21 यीशु नै इसकै जवाब म्ह उनतै कह्या, “मेरी माँ अर मेरे भाई येए सै, जो परमेसवर का वचन सुणै अर मान्नै सै।” 22 फेर एक दिन वो अर उसके चेल्लें किस्ती पै चढ़े, अर उसनै उनतै कह्या, “आओ, समुन्दर के परली ओड़ चाल्लां।” आखर उननै किस्ती खोल दी। 23 पर जिन किस्ती चालरी थी, तो वो सोग्या अर समुन्दर पै आँधी आगी, अर किस्ती पाणी तै भरण लागी अर वे खतरे म्ह थे। 24 फेर उननै धोरै आकै उस ताहीं जगाया, अर कह्या, “हे माल्लिक! हे माल्लिक! हम डूबके मरण आळे सां।” फेर उसनै उठकै आँधी ताहीं अर पाणी की झाल्लां ताहीं धमकाया अर वे थमगे अर शान्ति होई। 25 फेर उसनै उनतै कह्या, “थारा विश्वास कित्त था?” पर वे डरगे अर हैरान होकै आप्पस म्ह कहण लागे, “यो कौण सै जो आँधी अर पाणी नै भी हुकम देवै सै, अर वे उसकी मान्नै सै?” 26 फेर वे गिरासेनियों कै देश म्ह पोहचे, जो उस पार गलील समुन्दर कै स्याम्ही सै। 27 जिन वो किनारे पै उतरया तो उस नगर का एक माणस उसतै मिल्या जिसम्ह ओपरी आत्मा थी। वो घणे दिनां तै उघाड़ा था अर ना

घरां रहवें था बल्के कब्रिस्तान म्ह रह्या करै था। 28 वो यीशु नै देखकै जोर तै किल्की मारकै उसकै स्याम्ही पड़कै जोर तै बोल्या, “हे परमप्रधान परमेसवर के बेटे यीशु! मन्नै तेरे तै के काम? मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ, मन्नै काल ना करै।” 29 क्यूँके वो उस ओपरी आत्मा ताहीं उस माणस म्ह तै लिकड़ण का हुकम देवै था, इस करके के वो उसपै बार-बार हावी होवै थी। ऊतो माणस उसनै साँकळां अर बेलां तै जुड़ै थे फेरभी वो बन्धनां नै तोड़ देवै था, अर ओपरी आत्मा उसनै बण म्ह भजाए फिरै थी। 30 यीशु नै उसतै बुझ्झया, “तेरा के नाम सै?” उसनै कह्या, “सेना,” क्यूँके घणीए ओपरी आत्मा उस म्ह रहवें थी। 31 उननै यीशु बिनती करी के हमनै अथाह कुण्ड म्ह जाण का हुकम ना देवै। (Abyssos g12) 32 उड़ै पहाड़ पै सूअरां का एक बड़्ड़ा टोळ चरै था, इस करके उननै उसतै बिनती करी के हमनै उन म्ह बैठणे दे। उसनै उन ताहीं जाण दिया। 33 फेर ओपरी आत्मा उस माणस म्ह तै लिकड़कै सूअरां म्ह जा पड़ी अर वो टोळ ढळान पै तै झपटके गलील समुन्दर म्ह जा पड्या अर डूब मरया। 34 पाळी यो जो होया था देखकै भाज्ये, अर नगर म्ह अर गाम्मां म्ह जाके उसकी खबर दी। 35 माणस जो होया था उसनै देखण नै लिकड़े, अर यीशु कै धोरै आके जिस माणस तै ओपरी आत्मा लिकड़ी थी, उसनै यीशु के पायां कै धोरै लत्ते पहरै अर सोध्दी म्ह बेठे देखकै डरगे, 36 अर देखण आळा नै उन ताहीं बताया के वो ओपरी आत्मायाँ का कांल करया होड़ माणस किस तरियां ठीक होया। 37 फेर गिरासेनियों कै लोवै-धोवै के सारे माणसां नै यीशु तै बिनती करी के म्हारै उरै तै चल्या जा, क्यूँके वे घणे डरगे थे। आखर म्ह वो किस्ती पै चढ़कै बोहड़ आया। 38 जिस माणस म्ह ओपरी आत्मा लिकड़ी थी वो उसतै बिनती करण लाग्या के मन्नै अपणे गेल्या रहण दे, पर यीशु नै उस ताहीं बिदा करके कह्या, 39 “अपणे घरां बोहड़ जा अर माणसां तै बता के परमेसवर नै तेरे खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे सै।” वो जाके सारे नगर म्ह प्रचार करण लाग्या के यीशु नै मेरै खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे। 40 जिब यीशु बोहड़या तो माणस उसतै राज्जी होके मिले, क्यूँके वे सारे उसकी बाट देक्खै थे। 41 इतनै म्ह यार्डर नाम का एक माणस आया, जो आराधनालय का सरदार था, अर यीशु कै पायां म्ह पड़कै उसतै बिनती करण लाग्या के मेरै घरां चाल, 42 क्यूँके उसकी बारहां साल की एकलौती

बेटी थी, अर वा मरण नै होरी थी। जिब वो जाण लागरया था, जद माणस उसपै पड़ण लागरे थे। 43 एक बिरबान्नी नै जिसके बारहां साल तै लहू बहण की बीमारी थी, अर जो अपणी सारी कमाई डाक्टरां कै पाच्छै बरतगी थी, फेरभी किसे कै हाथ तै चंगी कोनी हो सकी थी, 44 पाच्छै तै आके उसके लते ताहीं छुया, अर जिबे उसका लहू बहणा बन्द होगा। 45 इसपै यीशु नै कह्या, “मेरैताहीं किसनै छुया?” जिब सारे नाट्टण लागे, तो पतरस अर उसके साथियाँ नै कह्या, “हे माल्लिक, तन्नै तो भीड़ दबाण लागरी सै अर तेरे पै पड़ण लागरी सै।” 46 पर यीशु नै कह्या, “किसे नै मेरे ताहीं छुआ सै, क्यूँके मन्नै बेरा पाटग्या के मेरे म्ह तै सामर्थ लिकड़ी सै।” 47 जिब बिरबान्नी नै देख्या के मै लुहक कोनी सकदी, फेर काम्बदी होई आई अर उसके पायां पै पड़के सारे माणसां कै स्याम्ही बताया के उसनै किस कारण उस ताहीं छुया, अर किस तरियां जिबे चंगी होई। 48 उसनै उसतै कह्या, “बेट्टी, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै, खुशी-खुशी चली जा।” 49 वो न्यू कहवै था के किसे नै आराधनालय कै सरदार यार्डर कै उरै तै आके कह्या, “तेरी छोरी मर ली सै: गुरु नै कांल ना करै।” 50 यीशु नै न्यू सुणके उसतै जवाब दिया, “मतना डरै, सिर्फ बिश्वास राख, तो वा बच जावैगी।” 51 घर म्ह आके उसनै पतरस, यूहन्ना, याकूब, अर छोरी के माँ-बाप नै छोड़ दुसरे किसे नै अपणे गेल्या भीत्तर कोनी आण दिया। 52 सारे उसके बाबत रोण-पिट्टण लागरे थे, पर उसनै कह्या, “रोओ मतना, वा मरी कोनी पर सोवै सै।” 53 वे न्यू जाणके के वा मरगी सै उसका मजाक उड़ाण लागये। 54 पर उसनै उसका हाथ पकड्या, अर रुक्का मारके कह्या, “हे छोरी, उठ!” 55 फेर उसका जी बोहड़ आया अर वा जिबे उठ बेट्टी। फेर उसनै हुकम दिया के उसनै कुछ खाण नै द्यो। 56 उसके माँ-बाप हैरान होए, पर उसनै उन ताहीं चिताया के यो जो होया सै किसे तै ना कहियो।

9 फेर उसनै अपणे बारहां चेल्यां ताहीं बुलाके उननै सारी ओपरी आत्मायाँ अर बिमारियाँ ताहीं दूर करण की सामर्थ अर हक दिया, 2 अर उननै परमेसवर कै राज्य का प्रचार करण अर बिमारां ताहीं आच्छा करण खात्तर भेज्या। 3 उसनै उनतै कह्या, “राह खात्तर कुछ ना लियो, ना तो लाट्टी, ना झोळी, ना रोटी, ना रपिये अर ना दो-दो कुड़ते। 4 जिस किसे घर म्ह उतरो,

उड़ैए रहो, अर उड़ैए तै बिदा होइयो। 5 जो कोए थमनै न्ही अपणावै, उस नगर तै जान्दे होए अपणे पायां की धूळ झाड़ दियो के उनपै गवाही होवै।” 6 आखर म्ह वे लिकड़कै गाम-गाम सुसमाचार सुणान्दे, अर हरेक माणसां नै ठीक करदे होए हांडदे रहे। 7 चौथाई देश के गलील परदेस का राजा हेरोदेस यो सारा सुणकै घबराग्या, क्यूँके कईयाँ नै कह्या, के यूहन्ना मरे होया म्ह तै जिन्दा होया सै, 8 अर कईयाँ नै न्यू कह्या के एलिय्याह दिख्या सै, अर औरां नै न्यू के पुराणे नबियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै। 9 पर हेरोदेस नै कह्या, “यूहन्ना का तो मन्नै सिर कटवाया, इब यो कौण सै जिसकै बाबत इसी बात सुणु सूं?” अर उसनै उस ताहीं देखण की चाहन्ना करी। 10 फेर प्रेरितां नै बोहड़कै जो कुछ उननै करया था, उस ताहीं बता दिया, अर वो उननै न्यारे करकै बैतसैदा नामक नगर म्ह लेग्या। 11 न्यू जाणकै भीड़ उसकै पाच्छै हो ली, अर वो राज्जी होकै उनतै मिल्या, अर उनतै परमेसवर के राज्य की बात करण लाग्या, अर जो चंगे होणा चाहवै थे उन ताहीं ठीक करया। 12 जिब दिन छिपण लाग्या तो बारहां नै आकै उसतै कह्या, “भीड़ नै जाणदे के चौगरदे के गाम्मां अर बस्तियाँ म्ह जाकै ठहरै अर खाणे का जुगाड़ करै, क्यूँके हम उरै बियाबान जगहां म्ह सां।” 13 यीशु नै उनतै कह्या, “थमे उननै खाण नै द्यो।” उननै कह्या, “म्हारै धोरे पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ नै छोड़के और कुछ कोनी, पर हाँ, जै हम जाकै इन सारया खात्तर खाणा मोल ल्यावां, फेर हो सकै सै।” वे माणस तो पाँच हजार माणसां कै करीबन थे। 14 फेर उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, “उननै पचास-पचास करकै लैणपतार म्ह बिठा द्यो।” 15 उननै न्यूए करया, अर सारया ताहीं बिठा दिया। 16 फेर यीशु नै वे पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ ली, सुर्ग कान्ही लखाकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर रोटी तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं देंदा गया के माणसां ताहीं बांडै। 17 फेर सारे खाकै छिकगे, अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड्या तै भरी होई बारहां टोकरी ठाई। 18 जिब वो एकले म्ह प्रार्थना करै था अर चेल्लें उसकै गेल्या थे, तो उसनै उनतै बुझ्झया, “माणस मन्नै के कहवै सै?” 19 उननै जवाब दिया, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा, अर कोए एलिय्याह, अर कोए यो के पुराणे नबियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै।” 20 उसनै उनतै बुझ्झया, “पर थम मन्नै के कहो सो?” पतरस नै जवाब दिया, “परमेसवर का मसीह।” 21 फेर उसनै

उनतै चिताकै कह्या के यो किसे तै ना कहियो।। 22 फेर उसनै कह्या, “मुझ माणस कै बेटे खात्तर जरूरी सै के मै घणा दुख ठाऊँ, अर यहूदी अगुवें, प्रधान याजक अर शास्त्री मन्नै तुच्छ समझकै मार देवै, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 23 उसनै सारया तै कह्या, “जो कोए मेरै मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा पूरी ना करै बल्के हरेक दिन अपणे दुखां का क्रूस ठाकै, मेरै पाच्छै हो लेवै। 24 क्यूँके जो कोए अपणी जान बचाणा चाहवैगा वो उसनै खोवैगा, पर जो कोए मेरी खात्तर अपणी जान खोवैगा वोए उसनै बचावैगा। 25 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै अर अपणी जान खो दे या उसका नुकसान ठावै, तो उसनै के फायदा? 26 जो कोए मेरै तै अर मेरी बात्तां तै सरमावैगा, मै माणस का बेटा भी, जिब अपणी अर अपणे पिता की अर पवित्र सुर्गदूतां की महिमा सुधां आऊँगा, तो उसतै सरमावैगा। 27 “मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, के जो याडै खड़े सै, उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिब ताहीं परमेसवर का राज्य ना देख लेवें, जद ताहीं मौत उननै कदे छू भी न्ही पावैगी।” 28 इन बात्तां कै कोए आठ दिनां पाच्छै वो पतरस, यूहन्ना अर याकूब नै गेल्या लेकै प्रार्थना करण खात्तर पहाड़ पै गया। 29 जिब वो प्रार्थना करै था, तो उसके मुँह का रूप बदल गया, अर उसके लत्ते धोळे होकै चमकण लागे। 30 अर लखाओ, मूसा नबी अर एलिय्याह नबी ये दो माणस उसके गेल्या बतळावै थे। 31 ये महिमा सुधां दिक्खे अर यीशु के मरण का जिक्र करै थे, जो यरुशलम म्ह होण आळा था। 32 पतरस अर उसके साथी नींद म्ह होरे थे, अर जिब ठीक तरियां सोध्दी म्ह आए, तो उसकी महिमा अर उन दो माणसां नै, जो उसके गेल्या खड़े थे, देख्या। 33 जिब वे उसके धोरै तै जाण लागे, तो पतरस नै यीशु तै कह्या, “हे माल्लिक, म्हारा उरै रहणा भला सै: आखर म्ह हम तीन मण्डप बणावा, एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी कै खात्तर।” उसनै बेरा कोनी था के कह के रह्या सै। 34 वो न्यू कहवैए था के एक बादळ आकै उनपै छाग्या, अर जिब वे उस बादळ तै घिरण लागे तो वे डरगे। 35 फेर उस बादळ म्ह तै या वाणी लिकड़ी, “यो मेरा बेटा अर मेरा चुण्या होया सै, इसकी सुणो।” 36 या आवाज होन्दे यीशु एक्ला होग्या, अर वे बोल-बाल्ले रहे, अर जो कुछ देख्या था उसकी कोए बात उन दिनां म्ह किसे तै न्ही कही। 37 दुसरे दिन जिब वो पहाड़ तै उतरया

तो एक बड़ी भीड़ उसतै आ मिली। 38 अर लखाओ, भीड़ म्ह तै एक माणस नै किल्की मारकै कह्या, “हे गुरु, मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ के मेरे बेटे पै दया की निगाह फेर दे, क्यूँके वो मेरा एकला बेटा सै। 39 अर दे, एक भुंडी ओपरी आत्मा उसनै पकड़ै थी, अर वो चाणचक किल्की मारै था, अर वा उसनै इसा मरोड़ै थी के वो मुँह म्ह तै झाग भर लावै सै, उसनै रोंदकै घणी मुशिकल तै छोड़ै थी। 40 मन्नै तेरे चेल्यां तै बिनती करी के उसनै लिकाड़ै, पर वे कोनी काढ सके।” 41 यीशु नै जवाब दिया, “हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसों, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा अर थारी सहूँगा? अपणे बेटे नै उरै लिया।” 42 जिब वो आवै था तो ओपरी आत्मा नै उस ताहीं पटककै मरोड़्या, पर यीशु नै उस ओपरी आत्मा ताहीं धमकाया अर छोरे ताहीं ठीक करकै पिता तै थमा दिया। 43 फेर सारे माणस परमेसवर कै घणे सामर्थ तै हैरान होए। पर जिब सारे माणस उन सारे काम्मां तै जो वो करै था, हक्के-बक्के थे, तो उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, 44 “थम इन बाततां पै गौर करो, क्यूँके मै माणस का बेटा माणसां कै हाथ्यां म्ह पकड़वाया जाण पै सूँ।” 45 पर वे इस बात नै कोनी समझै थे, अर या बात उनतै लुक्की रही के उननै उसका बेरा न्ही पाट्टै, अर वे इस बात कै बारै म्ह उसतै बुझ्झण तै डरै थे। 46 फेर उन म्ह या बहस होण लागी के म्हारै तै बड़ड़ा कौण सै। 47 पर यीशु नै उनकै मन के विचारां ताहीं पढ़ लिया, अर एक बाळक नै लेकै अपणे धोरै खड्या करया, 48 अर उनतै कह्या, “जो कोए मेरै नाम तै इस बाळक नै अपणावै सै, वो मन्नै अपणावै सै, अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, वो मेरै भेजण आळे नै भी अपणावै सै, क्यूँके जो थारे म्ह सारया म्ह छोट्टे तै छोट्टा सै, वोए बड़ड़ा सै।” 49 फेर यूहन्ना नै कह्या, “हे स्वामी, हमनै एक माणस ताहीं तेरे नाम तै ओपरी आत्मा लिकाड़दे देख्या, अर हमनै उसतै मना करया, क्यूँके वो म्हारी तरियां तेरा चेल्ला न्ही था।” 50 यीशु नै उसतै कह्या, “उसनै नाट्टो ना, क्यूँके जो थारे बिरोध म्ह न्ही, वो थारे कान्ही सै।” 51 जिब उसके उप्पर ठाए जाण के दिन पूरे होण पै थे, तो उसनै यरुशलेम जाण का विचार पक्का करया। 52 उसनै अपणे आगै दूत भेज्जै। वे सामरियाँ कै एक गाम म्ह गए ताके उसकै खात्तर जगहां त्यार करै। 53 पर उन माणसां नै उस ताहीं उतरण कोनी दिया, क्यूँके वो यरुशलेम जावै था। 54 न्यू देखकै उसके चेल्लें याकूब अर

यूहन्ना नै कह्या, “हे प्रभु, तू के चाहवै सै के हम हुकम देवां, के अकास तै आग गिरकै उननै भस्म करदे?” 55 पर उसनै बोहड़कै उन तारीं धमकाया (अर कह्या, “थम न्ही जाणदे के थम किसी आत्मा के सो। क्यूँके माणस का बेट्टा लोग्गां नै जान तै मारण कोनी आया, बल्के उननै बचाण आया सै।”) 56 अर वे किसे दुसरे गाम म्ह चले गये। 57 जिब वे राह म्ह जावै थे, तो किसे नै उसतै कह्या, “जित्त-जित्त तू जावैगा, मै तेरे पाच्छे हो ल्यूँगा।” 58 यीशु नै उसतै कह्या, “लोमड़ियां की घुरखाण अर अकास के पंछियाँ के बसेरे हो सै, पर माणस के बेट्टे खात्तर सिर छिपाण की भी जगहां कोनी।” 59 उसनै दुसरे तै कह्या, “मेरै पाच्छे हो ले।” उसनै कह्या, “हे प्रभु, पैहले मन्नै घर जाणदे, मै अपणे पिता के मरण कै बाद उस तारीं दफना के आऊँगा, फेर तेरा चेल्ला बणुगाँ।” 60 उसनै उसतै कह्या, “जो आत्मिक रूप तै मर चुके सै, उननै मुर्दे दफणाण दे। पर तू जाकै परमेसवर कै राज्य की कथा सुणा।” 61 एक और नै भी कह्या, “हे प्रभु, मै तेरे पाच्छे हो लूँगा, पर पैहल्या मन्नै जाणदे के अपणे घर के माणसां तै बिदा ले आऊँ।” 62 यीशु नै उसतै कह्या, “जो कोए अपणा हाथ हळ पै धरकै पाच्छे देख्वे सै, वो परमेसवर के राज्य कै जोग्गा कोनी।”

10 इन बातां कै बाद प्रभु यीशु नै सत्तर और चेल्लें तैयार करे, अर जिस-जिस गाम अर जगहां पै वो खुद जाण आळा था, उड़ै उननै दो-दो करकै अपणे आगै भेज्या। 2 उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, “पके होए खेत्तां की तरियां लोग तो भोत सै जो परमेसवर के वचन नै सुणणा अर समझणा चाहवै सै। पर फसल काट्टण आळे थोड़े लोग सै, जो उन तारीं जाकै परमेसवर का वचन सुणा अर समझा सकै। इस करकै खेत के माल्लिक यानी परमेसवर तै बिनती करो, के वो और लोग्गां नै भेज्जै, ताके परमेसवर का वचन सारे लोग्गां तक पोहच सकै सै।” 3 जाओ, देख्खों, मै थमनै भेड्डां की तरियां भेड्डियाँ के बिचाल्ये भेज्जू सूं। 4 इस करकै ना बटुआ, ना झोळी, ना जूत्ते ल्यो, अर ना राह म्ह किसे तै नमस्कार करो। 5 जिस किसे घर म्ह जाओ, पैहले कहो, इस घर का कल्याण हो। 6 जै उड़ै कोए कल्याण कै जोग्गा होगा, तो थारा कल्याण उसपै थमैगा, न्ही तो थारे धोरै उल्टा ए आ ज्यागा। 7 उस्से घर म्ह रहो, अर जो कुछ उनतै मिलै, वोए खाओ-पीओ, क्यूँके मजदूर नै अपणी मजदूरी मिलणी चाहिए, घर-घर न्ही हांडणा। 8 जिस नगर मै

जाओ, अर उड़ै के माणस थमनै उतारै, तो जो कुछ थारे स्याम्ही धरया जावै वोए खाओ। 9 उड़ै के बिमारां नै ठीक करो अर उनतै कहो, परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या सै। 10 पर जिस नगर म्ह जाओ, अर उड़ै के माणस थमनै नही अपणावै, तो उनके बजारां म्ह जाकै कहो, 11 थारे नगर की धूळ भी, जो म्हारे पायां म्ह लागी सै, हम थारे स्याम्ही झाड़ देवां सां, फेरभी न्यू जाण ल्यो के परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या सै। 12 मै थमनै कहूँ सूँ, “के उस दिन उस नगर की हालत तै सदोम नगर की हालत घणी सहण जोगी होवैगी।” 13 “धिक्कार सै थारे पै खुराजिन नगर के माणसों! धिक्कार सै थारे पै बैतसैदा नगर के माणसों! जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये, जै वे सूर अर सैदा नगर म्ह करे जान्दे, तो टाट ओढ़ कै, अर राख म्ह बैठकै वे कदे के पाप करणा छोड़ देन्दे। 14 पर न्याय कै दिन थारी हालत तै सूर अर सैदा नगर की हालत घणी सहण जोगी होवैगी। 15 अर हे कफरनहूम नगर, तू के सोचै सै, के तू सुर्ग ताहीं ऊँच्या करया जावैगा? तू तो अधोलोक तक नीचै जावैगा। (Hadēs 986) 16 “जो थारी सुणै सै, वो मेरी सुणै सै, अर जो थमनै तुच्छ समझै सै, वो मन्नै तुच्छ समझै सै, अर जो मन्नै तुच्छ समझै सै, वो मेरे भेजण आळे ताहीं तुच्छ समझै सै।” 17 वे सत्तर चेल्लें राज्जी होन्दे होए बोहड़े अर बोल्ले, “हे प्रभु, तेरे नाम तै ओपरी आत्मा भी म्हारा कहणा मान्नै थी।” 18 यीशु नै उनतै कह्या, “जिब थम ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ो थे तो मन्नै शैतान ताहीं सुर्ग तै बिजळी की तरियां पड़ता होया देख्या। 19 लखाओ, मन्नै थारे ताहीं साँपां अर बिच्छुआं ताहीं पायां तळै रेंदण का, अर बैरी की सारी सामर्थ पै हक दिया सै, अर किसे चीज तै थमनै कुछ नुकसान कोनी होवैगा। 20 फेरभी इतने राज्जी मतना होवो के आत्मा थारा कहणा मान्नै सै, पर इसतै राज्जी होवो थारे नाम सुर्ग पै लिक्खे सै।” 21 उस्से बखत यीशु पवित्र आत्मा म्ह होकै खुशी तै भरगया, अर कह्या, “हे पिता, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा करूँ सूँ, के तन्नै इन बात्तां ताहीं ज्ञानियाँ अर समझदारां तै ल्कोए राख्या, अर बाळकां ताहीं दिखा दिया सै।” हाँ, हे पिता, क्यूँके तन्नै योए भाया। 22 मेरे पिता नै मेरे ताहीं सब कुछ सौप दिया सै, अर किसे नै नही बेरा के बेट्टा कौण सै, सिवा पिता के, अर पिता कौण सै न्यू भी किसे नै कोनी बेरा सिवाए बेट्टे कै, अर वो जिसपै

बेटा उस तारीं जाहिर करणा चाहवै। 23 फेर चेल्यां की ओड़ बोहड़कै एकले म्ह बोल्या, “धन्य सै वे आँख, जो ये बात जो थम देखो सो। 24 क्यूँकै मै थमनै कहूँ सूँ के घणखरे नबियाँ अर राजयां नै चाह्या के जो बात थम देखो सो, देखवै, पर नही देखी, अर जो बात थम सुणो सो, सुणै पर नही सुणी।”

25 एक दिन यीशु माणसां नै उपदेश देण लागरया था, तो एक शास्त्री उठ्या अर न्यू कहकै उस तारीं परखण लाग्या, “हे गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होण खात्तर मै के करूँ?” (aiōnios g166) 26 यीशु नै उसतै कह्या, “नियम-कायदा म्ह के लिख्या सै? अर तू उसनै किस तरियां समझै सै?” 27 उसनै जवाब दिया, “तू प्रभु, अपने परमेसवर तै अपने सारे मन, अपने पूरे प्राण अर अपने सारी शक्ति अर अपनी सारी बुद्धि कै गेल्या प्यार राख, अर अपने पड़ोसी तै अपने जिसा प्यार राख।” 28 यीशु नै उसतै कह्या, “तन्नै ठीक कह्या, न्यूए करिये जिब्बे तू अनन्त जीवन पावैगा।” 29 पर उसनै खुद तारीं धर्मी जाहिर करण की इच्छा तै यीशु तै बुझ्या, “तो मेरा पड़ोसी कौण सै?”

30 यीशु नै एक कहाँनी बताकै जवाब दिया, “एक माणस यरुशलेम नगर तै यरीहो नगर म्ह जावै था, के डाकुआं नै घेर कै, उसका सब कुछ खोस कै, उस तारीं नंगा कर दिया, अर पिट-छेतकै उस तारीं अधमरा छोड़कै चले गये। 31 अर इसा होया के उससे राही तै एक यहूदी याजक जावै था, पर उसनै उस तारीं देखकै उसकी मदद कोनी करी अर चल्या गया। 32 इससे ढाळ एक लेवी उस जगहां पै आया, उसनै भी उसकी मदद कोनी करी, अर वो चल्या गया। 33 फेर सामरी गाम का एक राहगीर ओड़ै तै लिकड़्या, अर उस माणस तारीं देखकै उसपै तरस खाया। 34 उसनै उसके धोरे आकै उसके घायँ पै तेल अर अंगूर का रस गेर कै पट्टी बाँधी, अर अपने गधे पै चढ़ाकै सराय म्ह लेग्या, अर उसकी सेवा-पाणी करी। 35 दुसरे दिन उसनै दो दीनार (दो दिन की मजदूरी) काढ कै सराय कै माल्लिक तै दिये, अर कह्या, इसकी सेवा-पाणी करिये, अर जो कुछ तेरा और लागैगा, वो मै बोहड़दा होया भर द्युगां।” 36 यीशु नै उस तारीं कह्या, “इब यो बता तेरी समझ तै जिस माणस तारीं डाकुआं नै घायल करा था, उन तीनां म्ह तै उस माणस का सच्चा पड़ोसी कौण था?” 37 उसनै कह्या, “वोए जिसनै उसपै दया करी।” यीशु नै उसतै कह्या, “जा, तू भी न्यूए करया कर।” 38 जिव यीशु अर उसके चेल्लें

जावै थे तो वो एक गाम म्ह गया, अर मार्था नाम की एक बिरबान्नी नै बड़ी उदारता तै उसका आदर-सत्कार करया। 39 मरियम नाम की उसकी एक बेब्बे थी। वा प्रभु कै पायां म्ह बैठकै उसका वचन सुणै थी। 40 पर मार्था सेवा-पाणी करदे-करदे परेशान होगी, अर उसके धोरै आकै कहण लाग्गी, “हे प्रभु, के तन्नै कुछ भी फिक्र कोनी के मेरी बेब्बे नै सारा काम का बोझ मेरे पै गेर दिया सै? इस करकै उसतै कह के मेरी मदद करै।” 41 प्रभु यीशु मसीह नै मार्था तै जवाब दिया, “मार्था, हे मार्था, तू घणी बाततां खात्तर फिक्र करै, अर परेशान हो ज्या सै। 42 पर एक बात जरूर सै, अर उस बढिया हिस्से ताहीं मरियम नै छॉट लिया सै जो उसतै खोस्या कोनी जावैगा।”

11 यीशु किसे जगहां प्रार्थना करण लागरया था। जिब उसनै प्रार्थना कर ली, तो उसके चेल्यां म्ह तै एक नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, जिस तरियां यूहन्ना नै अपणे चेल्यां ताहीं प्रार्थना करणी सिखाई उससे तरियां ए तू भी हमनै सीखा दे।” 2 उसनै उनतै कह्या, “जिब थम प्रार्थना करो, तो कहो, ‘हे पिता, तेरा नाम पवित्र मान्या जावै, तेरा राज्य आवै, 3 म्हारी दिन भर की रोटी हरेक दिन हमनै दिया कर, 4 अर म्हारे पापां नै माफ कर, क्यूँके हम भी अपणे हरेक कसूरवार ताहीं माफ करां सां, अर म्हारे ताहीं परखै ना।’” 5 फेर यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “मान ल्यो थारा एक दोस्त सै, अर थम आध्धी रात नै उसके धोरै ज्याकै उसतै बिनती करो, ‘हे दोस्त, मन्नै तीन रोटी दे। 6 क्यूँके मेरा एक दोस्त सफर करकै मेरे धोरै आया सै, अर उस ताहीं खुआण खात्तर मेरे धोरै कुछ भी कोनी।’ 7 अर वो भीत्तर तै थमनै जवाब देवै सै, मन्नै दुखी ना करै, इब तो मन्नै कुवाड़ मूंद राक्खे सै अर मेरे बाळक मेरे धोरै बिछाणा पै सै, इस करकै मै उठकै तन्नै कुछ भी न्ही दे सकदा? 8 मै थमनै कहूँ सूँ, हालाकि वो माणस उस ताहीं रोटी ना भी देणा चाहवै, तोभी दोस्त होण के नाते वो जरूर उठैगा, अर दोस्त के बार-बार बिनती करण पै, उसकी जरूरत के मुताबिक उस ताहीं जरूर देवैगा।” 9 अर मै थारैतै कहूँ सूँ, के माँगो तो थमनै दिया जावैगा, टोक्होगें, तो थम पाओगे, खटखटाओ, तो थारे खात्तर खोल्या जावैगा। 10 क्यूँके जो कोए माँगै सै, उसनै मिलै सै, अर जो टोहें सै, वो पावै सै, अर खटखटावै सै, उसके खात्तर खोल्या जावैगा। 11 थारे म्ह तै इसा कौण पिता होगा, के जिब उसका बेटा रोटी माँगै, तो उसनै पत्थर देवै,

या मच्छी माँगै, तो बदले म्ह उसनै साँप देवै? 12 या अंडा माँगै तो उसनै बिच्छु दे? 13 इस करकै जिब थम बुरे होकै, अपणे बाळकां नै आच्छी चीज देणा जाणो सों, तो थारा सुर्गीय पिता अपणे माँगण आळा नै पवित्र आत्मा क्यँ न्ही देवैगा। 14 फेर यीशु नै एक गूँगा माणस म्ह तै ओपरी आत्मा तार्हीं लिकाड़या। जिब ओपरी आत्मा लिकड़गी तो गूँगा बोलण लागग्या, अर माणसां कै अचम्भा होया। 15 पर उन म्ह तै कुछ नै कह्या, “यो तो ओपरी आत्मायाँ के प्रधान शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़े सै।” 16 औरां नै उस तार्हीं परखण के खात्तर उसतै अकास की एक निशान्नी माँगी। 17 पर उसनै उनकै मन की बात जाणकै, उनतै कह्या, “जिस-जिस राज्य म्ह फूट आवै सै, वो राज्य उजड़ जावै सै, अर जिस घर म्ह फूट होवै सै, वो नाश हो जावै सै।” 18 जै शैतान खुद का बिरोधी हो जावै, तो उसका राज्य किस तरियां बणया रहवैगा? क्यँके थम मेरै बाबत कहो सो के यो शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डे सै। 19 भला जै मै शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डू सूँ, तो थारी ऊलाद किसकी मदद तै काड्डे सै? इस करकै वैए थारा न्याय करैगें। 20 पर जै मै परमेसवर के सामर्थ तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डू सूँ, तो परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या सै। 21 जिब ठाड्डा माणस हथियार लिये होए अपणे घर की रुखाळी करै सै, तो उसका धन बचा रहवैगा। 22 पर जिब उसतै बाध कोए और ठाड्डा धावा बोलकै उसनै जीत लेवै सै, तो उसकै वे राछ जिनपै उसका बिश्वास था, खोस लेवै सै अर उसका धन लूटकै बांड देवै सै। 23 जो मेरै गेल्या न्ही वो मेरै बिरोध म्ह सै, अर जो मेरै गेल्या न्ही कट्टा करदा, वो खिंडावै सै। 24 “जिब ओपरी आत्मा माणस म्ह तै लिकड़कै जावै सै, तो सूक्खी जगहां म्ह आराम टोह्न्दी फिरै सै, अर वा पांटी कोनी। फेर वा कहवै सै, ‘मै उससे माणस म्ह जड़ै तै लिकड़ी थी बोहड़ जाऊँगी।’ अर आकै उस माणस नै घर जिसा झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 25 अर आकै उसनै झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 26 फेर वा ओपरी आत्मा जाकै अपणे तै भुंडी सात और आत्मायाँ नै अपणे गेल्या ले आवै सै, अर वे उस म्ह बड़कै वास करै सै, अर उस माणस की पाच्छली हालत पैहल्या तै भी भुंडी हो जावै सै।” 27 जिब यीशु ये बात कहवै था तो भीड़ म्ह तै किसे बिरबान्नी नै जोर तै बोलकै कह्या, “धन्य सै वो बिरबान्नी

जिस तू जन्मा अर उसका तन्नै दूध पिया।” 28 उसनै कह्या, “हाँ, पर धन्य वे सै, जो परमेसवर का वचन सुणै अर मान्नै सै।” 29 जिब बड्डी भीड़ कट्टी होंदी जावै थी तो वो कहण लाग्या, “इस युग के माणस बुरे सै, वे चिन्ह-चमत्कार टोहें सै, पर योना नबी के चिन्ह-चमत्कार नै छोड़कै उन ताहीं कोए और चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा। 30 जिसा योना नबी निनवे के आदमियाँ खात्तर निशान्नी ठहरी, उस्से तरियां मै माणस का बेट्टा भी इस युग के आदमियाँ कै खात्तर ठहरूंगा। 31 दक्षिण देश की राणी न्याय कै दिन इस बखत के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगी, क्यूँके वा राजा सुलैमान का ज्ञान सुणण खात्तर धरती कै सिरे तै आई, अर देखखों, उरै वो सै जो राजा सुलैमान तै भी बड्ड़ा सै। 32 निनवे नगर के माणस न्याय कै दिन इस युग कै गेल्या उठकै, उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगें, क्यूँके उननै योना नबी का प्रचार सुणकै अपने पापां ताहीं स्वीकार करया, अर देखखो, उरै वो सै जो योना नबी तै भी बड्ड़ा सै। 33 “कोए माणस दीवा जळा कै बरतन कै तळै नही धरदा, पर टांडी पै धरै सै के भीत्तर आण आळा नै चाँदणा मिलै। 34 देह का दीवा आँख सै, इस करकै जिब तेरी निगांह आच्छी सै तो तेरी सारी देह भी उजाळा होगा। पर जिब तेरी आँख ठीक कोनी सै तो तेरी सारी देह भी अँधेरे म्ह सै। 35 इस करकै चौकन्ने रहो के जो चाँदणा थारे म्ह सै वो अँधेरा ना हो जावै। 36 इस करकै जै तेरी देह म्ह चाँदणा हो अर उसका कोए हिस्सा अन्धेरे म्ह ना रहवें तो सारा का सारा इसा चाँदणा होगा, जिसा उस बखत होवै सै जिब दीवा अपनी चमक तै थारे ताहीं चाँदणा देवै सै।” 37 जिब वो बात करै था तो किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के मेरै उरै आकै खाणा खाईयों। वो भीत्तर जाकै खाणा खाण नै बेठ्या। 38 फरीसी नै न्यू देखकै हैरानी होई के उसनै खाणा खाण तै पैहल्या हाथ कोनी धोए। 39 प्रभु नै उसके मन के विचारां ताहीं पढ़कै उसतै कह्या, “हे फरीसियों, थम कटोरे अर थाळी नै उप्पर-उप्पर तै तो माँजो सो, पर थारे भीत्तर अन्धेर अर बुराई भरी सै। 40 हे बेअक्लो! जिसनै बाहरणै का हिस्सा बणाया, के उसनै भीत्तर का हिस्सा कोनी बणाया? 41 पर हाँ, भीत्तर आळी चिज्जां नै दान कर द्यो, तो देखखो, सारा कुछ थारे खात्तर पवित्र हो जावैगा।” 42 पर हे फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम पुदीने अर

सुदाब का अर कई तरियां के साग-पात का दसमां हिस्सा द्यो सो, पर न्याय ताहीं अर परमेसवर कै प्यार ताहीं टाळ द्यो सो, आच्छा तो था के इन्ने भी करदे रहन्दे अर उननै भी कोनी छोड़दे। 43 हे फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम आराधनालयाँ म्ह खास-खास आसन नै चाहो सो अर बजारां म्ह नमस्कार चाहो सो। 44 “धिक्कार सै थारे पै! क्यूँके थम उन लुक्की होई कब्रां की तरियां सो, जिनपै माणस चाल्लै सै पर कोनी जाणदे।” 45 फेर एक शास्त्री नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, इन बाततां नै कहकै तू म्हारी बुराई करै सै।” 46 पर यीशु नै जवाब दिया, “हे शास्त्रियो थारे पै धिक्कार सै! थम नियम-कायदा का इसा बोझ जिनका ठाणा ओक्खा सै, माणसां पै लाहो सो, पर थम खुद उनकी मदद खात्तर उस बोझ नै अपणी आन्गळी तै भी कोनी छुन्दे।” 47 “धिक्कार सै थारे पै! थम उन नबियाँ की कब्र बणाओ सो, जिन ताहीं थारे पूर्वजां नै मार दिया था।” 48 आखर म्ह थम गवाह सो, अर अपणे पूर्वजां कै काम्मां तै रजामंद सो, क्यूँके उननै उन ताहीं मार दिया अर थम उनकी कब्र बणाओ सो। 49 इस करकै परमेसवर की समझ नै भी कह्या सै, “के मै उनकै धोरै नबियाँ अर प्रेरितां नै भेज्जंगी, अर वे उन म्ह तै कईयाँ नै मार देंगे, अर कईयाँ नै दुखी करैगें।” 50 ताके जित्त नबियाँ का लहू दुनिया की शरुआत तै बहाया गया सै, सारया का ब्यौरा इस युग के माणसां तै लिया जावै, 51 हाबिल की हत्या तै लेकै जकर्याह की हत्या ताहीं, जो वेदी अर मन्दर कै बिचाळै मारया गया। मै थारे तै सच कहूँ सूँ, इन सारया का ब्यौरा इस्से बखत के माणसां तै लिया जावैगा। 52 “धिक्कार सै थम शास्त्रियाँ पै! थमनै ज्ञान की ताळी तो ले ली, पर थम खुद कोनी दाखल होए, अर दाखल होण आळे ताहीं भी रोक द्यो सो।” 53 जिन वो उड़ै तै लिक्ड़या, तो शास्त्री अर फरीसी भुण्डी तरियां उसकै पाच्छे पड़गे अर छेड़ण लागे के वो घणखरी बाततां का जिक्कर करै, 54 अर ताक म्ह लागे रहे के उसकै मुँह तै कही होई कोए बात पकड़ै।

12 इतनै म्ह जिन हजारों की भीड़ लाग्गी, उरै ताहीं के वे एक-दुसरे पै पड़ण लागे थे, तो यीशु नै सारया तै पैहल्या अपणे चेल्यां तै यो कह्या, “फरीसियाँ कै कपट रूपी खमीर तै चौकन्ने रहो। 2 कुछ ढकया कोनी, जो उघाड़या न्ही जावैगा, ना कुछ लुहकया सै, जिसका बेरा न्ही पटै। 3 इस

करके जो कुछ थमने अन्धेरे म्ह कह्या सै, वो उजाळे म्ह सुण्या जावैगा, अर जो थमने कोठड़ियाँ म्ह चुपके-चुपके कह्या सै, वो छात पै तै प्रचार करया जावैगा। 4 “मै थारे तै जो मेरे साथी सो कहुँ सूँ के जो देह नै घात करै सै पर उसतै ज्यादा और कुछ नही कर सकदे, उनतै ना डरियो। 5 मै थमने समझाऊँ सूँ के थमने किसतै डरणा चाहिये, घात करण कै बाद, जिस ताहीं नरक म्ह गेरण का हक सै, उरसे तै डरियो। हाँ, मै थारे तै कहुँ सूँ उरसे तै डरियो। (Geenna g1067) 6 के दो पिस्या की पाँच गौरैयाँ (एक छोटी चिड़ियाँ) नही बिकदी? फेरभी परमेसवर उन म्ह तै एक नै भी कोनी भुल्दा। 7 थारे सिर के एक-एक बाळ भी गिणे होड़े सै, इस करके डरो मतना, थम घणी गौरैयाँ तै बढ़के सो।” 8 “मै थारे तै कहुँ सूँ जो कोए माणसां के स्याम्ही मन्ने मान लेवैगा, उसनै मै माणस का बेट्टा भी परमेसवर कै सुर्गदूतां के स्याम्ही मान लेऊँगा। 9 पर जो माणसां के स्याम्ही मेरा इन्कार करैगा, उसका भी परमेसवर कै सुर्गदूतां के स्याम्ही इन्कार करया जावैगा।” 10 जो कोए मुझ माणस कै बेट्टे कै बिरोध म्ह कोए बात कहवै, उसका वो कसूर माफ कर दिया जावैगा, पर जो पवित्र आत्मा की बुराई करै, उसका वो कसूर माफ कोनी करया जावैगा। 11 जिब माणस थमने आराधनालयाँ अर हाकिमां अर अधिकारियां के स्याम्ही ल्यावै, तो फिक्र ना करियो के हम किस तरियां तै, या के जवाब देवां, या के कहवागें। 12 क्यूँके पवित्र आत्मा उरसे बखत थमने सीखा देगा के, के कहणा चाहिये। 13 फेर भीड़ म्ह तै एक नै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, मेरे भाई तै कह के बाप के जमीन-जायदाद नै मेरै गेल्या बांड लेवै।” 14 उसनै उसतै कह्या, “हे भले माणस, किसनै मेरै ताहीं थारा जमीन-जायदाद बटवारा करण आळा न्यायी बणा दिया सै?” 15 अर यीशु नै उनतै कह्या, “चौकन्ने रहो, अर सारी तरियां के लोभ-लालच तै खुद नै बचाके राक्खो, क्यूँके किसे का जीवन उसके घणी जमीन-जायदाद तै कोनी होंदा।” 16 यीशु नै उनतै एक उदाहरण देके कह्या, “किसे साहूकार की धरती म्ह घणी पैदावार होई।” 17 फेर वो अपणे मन म्ह विचार करण लाग्या, मै के करुँ? क्यूँके मेरै धोरै जगहां कोनी जित्त अपणी उपज वैगरा धरुँ। 18 अर उसनै कह्या, मै न्यू करुँगा मै अपणे नाज के गोदाम नै तोड़के, उनतै नाज के और बड़े गोदाम बणाऊँगा, अर उड़े अपणा सारा नाज अर धन धरुँगा, 19 अर

अपणे-आप तै कहूँगा, के तेरे धोरे घणे साल खात्तर घणा धन धरया सै, चैन कर, खा, पी, मौज कर। 20 पर परमेसवर नै उसतै कह्या, हे बेकूफ, तू इस्से रात मर जावैगा, फेर जो कुछ तन्नै कठ्ठा करया सै, वो किसका होगा? 21 “इस्से तरियां वो माणस भी सै, जो अपणे खात्तर धन कठ्ठा करै सै, पर परमेसवर की निगांह म्ह साहूकार कोनी।” 22 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, “इस करकै मै थमनै कहूँसूं, अपणे जीवन के खात्तर या चिंता ना करो के हम के खावांगें, ना अपणी देह की के, के पैहरागें। 23 क्यूँके जीवन खाणे तै बढ़कै सै, अर देह लत्यां तै बढ़कै सै। 24 कागगां पै ध्यान द्यो, वे ना बोवै सै, ना काटै सै, अर ना उनके भण्डार अर गोदाम होवै सै, फेरभी परमेसवर उननै पाळै सै। थारी किम्मत पंछियाँ तै बाध सै।” 25 थारे म्ह तै इसा कौण सै, जो चिंता करण तै अपणी उम्र का एक पल भी बढ़ा सकै सै? 26 इस करकै जै थम अपणी जिन्दगी म्ह छोट्टे-छोट्टे काम भी नही कर सकदे, तो जिन्दगी की बड़ी-बड़ी बात्तां खात्तर क्यातै फिक्र करो सो? 27 “जंगळी फूल्लां पै ध्यान करो, के वे किस तरियां बढ़ै सै, वे मेहनत करकै अपणे खात्तर लत्तें कोनी बणाते। तोभी मै थारे तै कहूँसूं, के राजा सुलैमान भी, अपणे सारे शानों-शोकत म्ह, उन म्ह तै, किसे के समान लत्ते पैहरे होए कोनी था। 28 इस करकै जै परमेसवर मैदान की घास नै, जो आज सै अर काल बाड़ म्ह झोक्की जावैगी, इसे लत्तें पहरावै सै, तो हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, वो थारी चिन्ता क्यूँ नही करैगा? 29 अर थम इस बात की टोह म्ह ना रहो के, के खावांगें अर के पीवांगें, अर शक ना करो। 30 क्यूँके परमेसवर ताहीं ना जाणण आळे लोग, इन सारी चिज्जां की टोह म्ह रहवै सै: पर थारा सुर्गीय पिता जाणै सै, के थमनै इन चिज्जां की जरूरत सै। 31 पर परमेसवर कै राज्य की खोज करो तो ये चीज भी थमनै मिल ज्यागीं।” 32 “हे छोट्टे टोळ, मतना डरै, क्यूँके थारे सुर्गीय पिता नै न्यू भाया सै, के थमनै अपणा राज्य देवै। 33 अपणा धन बेचकै दान कर द्यो, अर अपणे खात्तर इसे बटुए बणाओ, जो पुराणे कोनी होन्दे, यानिके परमेसवर नै खुश करण आळे भले काम करकै सुर्ग म्ह इसा धन कठ्ठा करो जो खतम कोनी होन्दा, अर जिसकै धोरे चोर कोनी जान्दा, अर कीड़ा कोनी बिगाड़दा। 34 क्यूँके जड़ै थारा धन सै, उड़ै थारा मन भी लाग्या रहवैगा।” 35 “हमेशा परमेसवर के काम्मां खात्तर

तैयार रहों, अर थम प्रभु के आण खात्तर, दीवे जळा के तैयार रहों, 36 अर थम उन माणसां के बरगे बणो, जो अपणे माल्लिक की बाट देखते रहवै सै, के वो ब्याह तै कद बोहड़ैगा, ताके जिब आकै दरबाजा खटखटावै, तो जिब्बे उसकै खात्तर खोल द्यो। 37 धन्य सै वे नौक्कर जो माल्लिक के बोहड़ण की बाट देखते होए तैयार रहवै सै, मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, के माल्लिक भी खुद एक नौक्कर की तरियां उन ताहीं खाणा खुआण खात्तर बिठावैगा, अर खुद उनकी सेवा-पाणी करैगा। 38 जै वो आध्धी रात नै या उसकै बाद आकै उन ताहीं तैयार पावै, तो वे नौक्कर धन्य सै। 39 पर न्यू जाण ल्यो, के जै घर का माल्लिक नै बेरा हो, के चोर ठीक किस घड़ी आवैगा तो वो तैयार रहन्दा, अर अपणे घर म्ह चोरी न्ही होण देन्दा। 40 थम भी मेरे बोहड़ के आण खात्तर तैयार रहो, क्यूँके जिस घड़ी के बारै म्ह थम सोचदे भी कोनी, उससे घड़ी मै माणस का बेट्टा सुर्ग तै आ जाऊँगा।” 41 फेर पतरस बोल्यो, “हे प्रभु, के यो उदाहरण तन्नै म्हारै खात्तर दिया से या सारया खात्तर दिया सै।” 42 प्रभु नै जवाब दिया, “वो बिश्वास जोगगा अर अकलमंद भण्डारी कौण सै, जिसका माल्लिक उस ताहीं नौक्कर-चाकरां पै सरदार ठैहरावै, के उननै बखत पै खाणा देवै।” 43 धन्य सै वो नौक्कर, जिस ताहीं उसका माल्लिक आकै इसाए करदा पावै। 44 मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, वो उस ताहीं अपणी सारी धन-सम्पत्ति का माल्लिक बणावैगा। 45 पर जै वो नौक्कर सोचवण लागगै के मेरा माल्लिक आण म्ह वार कर रह्या सै, उसके साथ के नौक्कर नौकराणियाँ ताहीं मारण लागज्या अर खाण-पीण अर दारूबाज होण लागगे। 46 तो उस नौक्कर का माल्लिक इसे दिन आवैगा, जिब वो उसकी बाट देख्दा ना हो, अर इसे बखत म्ह आवैगा जिसका उसनै ना बेरा हो, अर उसनै भारी सजा देकै उसकी गिणती बिश्वास लायक माणसां म्ह कोनी करी जावैगी। 47 वो नौक्कर घणा छितैगा, जो अपणे माल्लिक की मर्जी जाणै था, अर तैयार न्ही रह्या अर ना उसकी मर्जी के मुताबिक चाल्यो। 48 पर हरेक वो नौक्कर जो अपणे माल्लिक की मर्जी नै कोनी जाणै, फेर इसा काम करै सै जो मार खाण के लायक सै, वो कम छितैगा। इस करकै जिस ताहीं घणा दिया गया सै, उसतै घणा माँगया जावैगा, अर जिस ताहीं घणा सौप्या सै, उसतै घणा लिया जावैगा। 49 “मै धरती पै आग लाण नै आया सूँ, अर कितना आच्छा

होन्दा, के या इस्से बखत सुलग जान्दी! 50 मन्नै तो एक बड़ी भारी बिपदा का बपतिस्मा लेणा सै, अर जिब ताहीं वो ना हो ले जद ताहीं मै इस्से बिपदा म्ह रहुँगा! 51 के थम समझो सो के मै धरती पै मिलाप करवाण आया सूं? मै थमनै कहूँ सूं, ना, बल्के न्यारे करण आया सूं। 52 क्यूँके इब तै एक घर म्ह पाँच माणस आप्पस म्ह बिरोध राक्खैगें, तीन जन जो मेरे पै बिश्वास न्ही करते, वो उन दो जन का बिरोध करैगें जो मेरे पै बिश्वास राक्खै सै। 53 पिता बेटे तै, अर बेटा बाप तै बिरोध राक्खैगा, माँ बेट्टी तै, अर बेट्टी माँ तै, सास्सू बहू तै, अर बहू सास्सू तै बिरोध राक्खैगी।” 54 यीशु नै भीड़ तै कह्या, “जिब थम बाइळ नै पश्चिम तै उठदे देखो सो, तो जिब्बे कहो सो के मिह आवैगा, अर न्यूए होवै सै, 55 अर जिब दक्षिणी हवा चाल्दी देखो सो, तो कहो सो के बड़ी गर्मी पड़ैगी, अर न्यूए हो सै। 56 हे कपटियों! थम धरती अर अकास कै रूप-रंग म्ह भेद जाण सको सो, पर परमेसवर जो इस युग म्ह करण लागरया सै उसका भेद क्यातै न्ही जाणदे? 57 “थम खुद फैसला क्यातै कोनी कर लेंदे के ठीक सै?” 58 जिब तू अपणे बैरी के गेल्या हाकिम कै धोरै जावै सै, तो राही म्ह उसतै छुटण की कोशिश करले, इसा ना हो के वो तन्नै न्यायाधीश कै धोरै घसीट कै ले जावै, अर न्यायाधीश तन्नै सिपाही के हवालै करदे अर सिपाही तन्नै जेळ म्ह गेर दे। 59 मै तेरे तै कहूँ सूं के जिब ताहीं तू पाई-पाई न्ही भर देवैगा, तब तक जेळ तै छुटण न्ही पावैगा।

13 उस बखत कुछ माणस आण पोहचे, अर यीशु तै उन गलीली माणसां का जिक्र करण लागे, जिन ताहीं पिलातुस नै मन्दर म्ह बलिदान करते बखत मार दिया था, अर उनका ए लहू बलिदान की भेट तै मिला दिया था। 2 न्यू सुणकै उसनै उनतै जवाब म्ह कह्या, “के थम समझो सो के ये गलीली माणस और बाकी सारे गलीलवासियाँ तै घणे पापी थे के उनपै इसी बिपदा आण पड़ी? 3 मै थमनै कहूँ सूं के ना, पर जै थम पाप करणा न्ही छोड़ोगे तो थम भी इस्से तरियां नाश होओगे। 4 अर थम के सोच्चों सों, के उन अठारह माणसां के बारें म्ह जिनपै शीलौह का गुम्मत पड्या, अर वे दब कै मरगे: यरुशलेम के दुसरे सारे बासिन्दयां तै घणे अपराधी थे? 5 मै थमनै कहूँ सूं, के जै थम पाप करणा न्ही छोड़ोगे तो थम भी इस्से तरियां नाश होओगे।” 6 फेर यीशु नै यो उदाहरण भी देकै कह्या, “किसे अंगूर के बाग म्ह अंजीर का

दरखत लागरया था। वो उस म्ह फळ टोह्ण आया, पर कोनी मिल्या। 7 फेर उसनै बाग कै रुखाळै तै कह्या, लखा, तीन साल तै म्ह इस अंजीर कै दरखत पै फळ टोह्ण आऊँ सूँ, पर कोनी पान्दा। इसनै काट बगा के यो धरती नै भी क्यूँ रूंधै।” 8 उसनै उसतै जवाब दिया, “हे माल्लिक, इस साल और रहण दे के मै इसकै चौगरदेकै माट्टी खोदकै खाद गेरू। 9 जै आगले साल इसकै फळ आ गया तो ठीक, नही तो इसनै कटवा दियो।” 10 आराम कै दिन यीशु एक आराधनालय म्ह उपदेश देवै था। 11 उडै एक बिरबान्नी थी जिसम्ह अठारह साल तै एक कमजोर करण आळी ओपरी आत्मा थी, अर वा कुबड़ी होगी थी अर किसे तरियां भी सीध्दी कोनी हो सकै थी। 12 यीशु नै उस ताहीं देखके बुलाया अर कह्या, “हे नारी, तू अपणे इस रोग तै मुक्त होगी सै।” 13 फेर उसनै उसपै हाथ धरया, अर वा जिब्बे सीध्दी होगी अर परमेसवर की बड़ाई करण लाग्गी। 14 इस करके के यीशु नै आराम कै दिन उस ताहीं ठीक करया था, आराधनालय का सरदार चिड़ कै माणसां तै कहण लाग्या, “काम करण के छः दिन सै, उन ए दिनां म्ह आके अपणे रोग ठीक कराओ, पर आराम कै दिन नही।” 15 न्यू सुणके प्रभु यीशु नै जवाब दिया, “हे कपटियों, के आराम कै दिन थारे म्ह तै हरेक अपणे बळध या गधे नै थान म्ह तै खोल कै पाणी पियाण कोनी ले जान्दा? 16 तो के या बिरबान्नी जो अब्राहम की पीढ़ी सै, जिस ताहीं शैतान नै अठारह साल तै जुड़ राख्या था, के इस ताहीं आराम कै दिन इसके बन्धन तै मुक्त करणा नही चाहिये था?” 17 जिब यीशु नै ये बात कही, तो उसके सारे बिरोधी शर्मिन्दा हगे, अर साबती भीड़ उन महान् काम्मां तै जो वो करै था, राज्जी होई। 18 फेर यीशु नै कह्या, “परमेसवर का राज्य किस जिसा सै? अर मै उसका उदाहरण किसतै द्यु? 19 वो राई कै दाणै की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै लेकै अपणे बाग म्ह बोया: अर वो बढके दरखत बणग्या, अर अकास के पंछियाँ नै उसकी डाळियाँ पै बसेरा करया।” 20 यीशु नै दुबारै कह्या, “मै परमेसवर के राज्य का उदाहरण किसतै द्यु? 21 वो खमीर की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे बिरबान्नी नै लेकै तीन पसेरी (पन्द्रह किलो) चून म्ह रळायया, अर होन्दे-होन्दे सारा चून खमीर बणग्या।” 22 यीशु अर उसके चेल्लें नगर-नगर, अर गाम-गाम होकै उपदेश देन्दे होए यरुशलेम नगर की ओड़ जावै थे, 23 तो किसे नै उसतै बुड़झया, “हे प्रभु, के थोड़े

ए माणसां का उद्धार होगा?” यीशु नै उनतै कह्या, 24 “भीड़े दरबाजे तै बड़ण की कोशिश करो, क्यूँके मै थमनै कहुँ सूं के घणखरे उस म्ह बड़णा चाहवैगें, अर कोनी बड़ सकैगें। 25 क्यूँके परमेसवर जो घर का माल्लिक सै उठकै दरबाजा भेड़ देगा, अर थम बाहरणै खड़े होए खटखटाकै कहण लागो, हे प्रभु, म्हारै खात्तर दरबाजा खोल दे, अर वो जवाब देवै, मै थमनै कोनी जाणदा, थम कित्त के सो?” 26 फेर थम कहण लागोगे, हमनै तेरे स्याम्ही खाया-पिया अर तन्नै म्हारे बजारां म्ह उपदेश दिया। 27 पर वो कहवैगा, मै थमनै कहुँ चुक्या सूं, मै कोनी जाणदा, थम कित्त के सो। हे भुन्डे काम करण आळो, थम सारे मेरे तै दूर रहो। 28 जिब अब्राहम अर इसहाक अर याकूब अर सारे नबियाँ ताहीं परमेसवर राज्य म्ह बेठे, अर खुद नै बाहरणै लिकाड़े होए देखोगे, “उड़े रोणा अर दाँत पिसणा होगा। 29 पूरी दुनिया के माणस आकै परमेसवर कै राज्य के भोज म्ह शामिल होवैगें। 30 अर सच्चाई या सै के जो पाच्छले सै वे पैहले होंगे, अर जो पैहले सै वे पाच्छले होंगे।” 31 उस्से बखत कुछ फरीसियाँ नै आकै यीशु तै कह्या, “उरै तै लिकड़्या, क्यूँके हेरोदेस तन्नै मार देणा चाहवै सै।” 32 यीशु नै उनतै कह्या, “जाकै उस लोमड़ी तै कह द्यो के लखा, मै आज अर काल ओपरी आत्मायाँ नै काढू सूं अर बिमारां नै ठीक करूँ सूं, अर तीसरे दिन अपणा काम पूरा करूँगा। 33 फेर भी यो जरूरी सै के मै आज, काल अर परसो सफर करूँ, क्यूँके हो न्ही सकदा के कोए नबी यरुशलेम नगर कै बाहरणै मारया जावै। 34 “हे यरुशलेम के माणसों! हे यरुशलेम के माणसों! तन्नै भोत-से नबियाँ ताहीं मारया सै, जो भोत पैहले रहवै थे, अर उन माणसां ताहीं भी पत्थरां तै मार दिया जिन ताहीं थारे धोरै भेज्जे थे। कितनी ए बर मन्नै न्यू चाह्या के जिस ढाळ मुर्गी अपणे बच्चां नै अपणे पाक्खां तळै कठ्ठे करै सै, उस्से तरियां ए मै भी तेरे बाळकां नै कठ्ठा करूँ, पर थमनै न्यू न्ही चाह्या। 35 देखो, थारा घर थारे खात्तर उजाड़ छोड्या जावै सै, मै थमनै कहुँ सूं: जिब ताहीं थम न्ही कहोगे, ‘धन्य सै वो, जो प्रभु के नाम तै आवै सै,’ ‘जद ताहीं थम मन्नै दुबारै कदे न्ही देखोगे।’”

14 एक खास मौकै पै जिब मसीह आराम कै दिन फरीसियाँ के सरदारां म्ह तै किसे कै घरां रोटी खाण नै गया, अर वे सारे उननै घणी उत्सुकता तै

देखण लागरे थे। 2 उड़े एक माणस था, जिसमह जलोदर की बीमारी थी। 3 इसपै यीशु नै शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ तै कह्या, “के नियम-कायदा के मुताबिक आराम कै दिन आच्छा करणा ठीक सै या न्ही?” 4 पर वे बोल-बाल्ले रहे। फेर यीशु नै उस रोगी पै हाथ धरकै उस ताहीं ठीक करकै, उस ताहीं बिदा कर दिया। 5 अर उनतै कह्या, “थारे मह तै इसा कौण सै, के जै थारा बेट्टा या बळध कुएँ मह आराम कै दिन पड़ज्या अर वो उसनै जिब्बे बाहरणे कोनी लिंकड़े?” 6 वे इन बाततां का कुछ जवाब कोनी दे पाए। 7 जिब यीशु नै देख्या के न्योदे होए माणस किस तरियां खास-खास जगहां छॉट लेवें सै तो एक उदाहरण देकै कह्या, 8 “जिब कोए तन्नै ब्याह मह बुलावै, तो खास माणसां की जगहां पै न्ही बैठणा, कदे इसा ना हो के उसनै तेरे तै भी बड़े ताहीं न्योद राख्या हो, 9 अर जिसनै तेरे ताहीं अर उस ताहीं दोनुआ ताहीं न्योदा दिया सै, आकै कहवै, ‘इसनै जगहां दे,’ अर फेर तन्नै शर्मिन्दा होकै सारया तै पाच्छै बैठणा पड़े। 10 पर जिब तू न्योदा जावै तो सारया तै पाच्छली जगहां बैठ के जिब वो, जिसनै तेरे ताहीं न्योदा सै आवै, तन्नै कहवै, ‘हे दोस्त, आगै बढकै बैठ,’ फेर तेरे गेल्या बैठण आळा कै स्याम्ही तेरी बड़ाई होवैगी। 11 क्यूँके जो कोए अपणे-आपनै बड़ड़ा बणावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा, अर जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड़ड़ा करया जावैगा।” 12 फेर यीशु नै फिरीसी तै जिसनै उसका न्योदा दिया था उसतै कह्या, “जिब तू दिन का या रात का भोज करै, तो अपणे साथियाँ या भाईयाँ या कुणबे या साहूकार पड़ोसियाँ नै ना न्योद, कदे इसा ना हो के वे भी तन्नै न्योदा देवै, अर तेरा बदला हो जावै। 13 पर जिब तू भोज करै तो कंगाल, टुंडे, लंगड़े अर आंध्याँ नै न्योद। 14 तब तू धन्य होवैगा, क्यूँके उन माणसां कै धोरै बदले मह देण खात्तर कुछ कोनी, परमेसवर तन्नै उस काम का बदला धर्मियाँ कै जिन्दा होण के बाद देवैगा।” 15 यीशु कै गेल्या खाणा खाण आळा मह तै एक नै ये बात सुणकै उसतै कह्या, “धन्य सै वो जो परमेसवर के राज्य मह भोज खावैगा।” 16 यीशु नै उसतै कह्या, “किसे माणस नै बड़ड़ा भोज करया अर घणा ताहीं न्योदा। 17 जिब खाणा त्यार होग्या तो उसनै अपणे नौक्कर कै हाथ न्योदे होए माणसां ताहीं कहवां भेज्या, ‘आओ, इब खाणा त्यार सै।’” 18 “पर वे सारे के सारे माफी माँगण

लागगे। पैहलड़े नै उसतै कह्या, “मन्नै खेत मोल लिया सै, अर जरूरी सै के उसनै देख्युँ, मै तेरे तै बिनती करुँ सू मन्नै माफ करदे।” 19 दुसरे नै कह्या, “मन्नै पाँच जोड़े बळध मोल लिए सै, उननै परखण जाऊँ सू, मै तेरे तै बिनती करुँ सू, मन्नै माफ करदे।” 20 एक और नै कह्या, “मन्नै ब्याह करया सै, इस करके मै न्ही आ सकदा।” 21 उस नौक्कर नै आके अपणे माल्लिक ताहीं ये बात कह सुणाई। फेर घर के माल्लिक नै खुन्दक म्ह आके, अपणे नौक्कर तै कह्या, “नगर के बजारां अर गळियाँ म्ह इब्बे जाके कन्गालाँ नै, टुंड्यां नै, लंगड्यां नै, अर आंध्याँ नै उरै लेके आओ।” 22 नौक्कर नै दुबारै कह्या, “हे माल्लिक, जिस ढाळ तन्नै कह्या था, उससे तरियां ए करया गया सै, अर फेर भी जगहां सै।” 23 माल्लिक नै नौक्कर तै कह्या, “सड़कां पै अर बाड़या की कान्ही जा अर माणसां नै मजबूर करके लिया ताके मेरा घर भरज्या। 24 क्युँके मै थमनै कहुँ सू के उन पैहले बुलाए होड़ माणसां म्ह तै कोए मेरै खाणे नै कोनी चाखैगा।” 25 जिब बड्डी भीड़ यीशु के गेल्या जावै थी, तो उसनै बोहड़के उनतै कह्या, 26 जै कोए मेरा चेल्ला बणाणा चाहवै सै, अर अपणे माँ-बाप अर घरआळी अर बाळकां नै अर भाईयाँ नै अर भाणां नै बल्के अपणे जीवन नै भी मेरे तै ज्यादा प्यार करै सै, तो वो मेरा चेल्ला न्ही हो सकदा। 27 अर जो कोए अपणे दुखां का क्रूस ना ठावै, अर मेरै पाच्छे न्ही आवै, वो भी मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा। 28 उदाहरण के तौर पै “थारे म्ह तै कौण सै जो घर बणाणा चाहन्दा हो, अर पैहल्या बैठके खर्चा न्ही फैळावै के पूरा करण की गुंजास मेरै धोरै सै के न्ही? 29 जै वो आस ना होया करदा हो, तो जिब वो नीम धर ले पर काम पूरा ना कर पावै, तो सारे देखण आळे न्यू कहके उसका मखौल उड़ावैंगे, 30 ‘के यो माणस बणाण तो लाग्या पर पूरा कोनी कर पाया?’” 31 या कौण इसा राजा सै जो दुसरे राजा तै युध्द करण जान्दा हो, अर जो विचार करले के जो बीस हजार सैनिक लेके मेरै पै चढ़या आवै सै, के मै दस हजार सैनिक लेके उसका सामना कर सकूँ सू के न्ही? 32 न्ही तो उसके दूर रहन्दे होए वो दूतां नै भेजके उसतै मिलाप करणा चाहवैगा। 33 इससे ढाळ थारे म्ह तै कोए अपणा सारा कुछ त्याग न्ही देवै, वो मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा। 34 “नूण तो बढ़िया सै, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै, तो वो किस चीज तै नमकीन करया जावैगा। 35 वो ना तो धरती

कै अर ना खाद कै खात्तर काम म्ह आवै सै: उसनै तो माणस बाहरणै बगा देवै सै। जिसके कान हों वो ध्यान तै सुण ले।”

15 सारे चुंगी लेण आळे अर पापी माणस, यीशु कै धोरै आया करै थे ताके उसकी सुणै। 2 पर फरीसी अर शास्त्री बरड़ाकै कहण लागे, “यो तो पापियाँ तै मिलै सै अर उनकै गेल्या खावै भी सै।” 3 फेर उसनै उनतै यो उदाहरण कह्या 4 “थारे म्ह तै कौण सै जिसकी सौ भेड़ हों, अर उन म्ह तै एक खुज्या, तो निन्यानमै नै बण म्ह छोड़कै, उस खुई होइ नै जिब ताहीं पा न्ही लेन्दी टोह्न्दा ना रहवै? 5 अर जिब पा ज्या सै, फेर वो घणा राज्जी होकै उस ताहीं कंधे पै ठा लेवै सै, 6 अर अपणे घरां आकै साथियाँ अर पड़ोसियाँ नै कट्टा करकै कहवै सै, ‘मेरै गेल्या खुशी मनाओ, क्यूँके मेरी खुई होइ भेड़ पागी सै।’ 7 मै थमनै कहूँ सूँ, के इस्से तरियां तै पापां नै छोड़ण आळे एक पापी खात्तर उन निन्यानबे धर्मियाँ की तुलना म्ह सुर्ग म्ह इसतै भी घणा आनन्द मनाया जावै सै, जिननै पापां की माफी माँगण की जरूरत कोनी।” 8 यीशु नै एक और उदाहरण दिया “के कौण इसी बिरबान्नी होगी जिसकै धोरै दस सिक्के हों, अर उन म्ह तै एक खुज्या, तो वा दीवा बाळ कै अर घर झाड़-बुहारकै, जिब ताहीं पा न्ही जावै जी लाकै टोह्न्दी ना रहवै? 9 अर जिब पा ज्या सै, तो वा अपणी सहेलियाँ अर पड़ोसणां नै कट्टा करकै कहवै सै, ‘मेरै गेल्या खुशी मनाओ, क्यूँके मेरा खुया होया सिक्का पाग्या सै।’ 10 मै थमनै कहूँ सूँ के इस्से ढाळ जिब कोए माणस अपणे पापां नै छोड़कै परमेसवर की राह पै चाल्लणा शरु करै सै तो उसके खात्तर भी, परमेसवर के सुर्गदूतां कै स्याम्ही उतणा ए आनन्द मनाया जावै सै।” 11 फेर यीशु नै एक और उदाहरण देकै कह्या, “किसे माणस के दो बेटे थे। 12 उन म्ह तै छोट्लै नै पिता तै कह्या, हे पिता, सम्पत्ति म्ह तै जो मेरा बांडै आवै सै वो मन्ने इब्बे दे द्यो। इस करकै पिता नै उन ताहीं अपणी सम्पत्ति का बंडवारा कर दिया। 13 घणे दिन कोनी बीते थे के छोट्टा बेट्टा सारा कुछ कट्टा करकै दूर देश म्ह चल्या गया, अर उड़ै बुरे काम्मां म्ह अपणा धन उड़ा दिया। 14 जिब वो सारा कुछ खर्च कर गया, तो उस देश म्ह भारया अकाळ पड्या, अर वो कंगाल होग्या, अर उसकै धोरै खाण नै कुछ भी न्ही रह्या। 15 इस करकै वो उस देश के बाशिंदां म्ह तै एक कै धोरै काम करण खात्तर, अर उसनै उस ताहीं अपणे

खेतां म्ह सूअर चराण खात्तर भेज्या। 16 वो भोत भूक्खा था अर वो चाहवै था के उन फळियाँ म्ह तै जिन नै सूअर खावै थे, अपणा पेट भरै, अर उस ताहीं कोए कुछ कोनी देवै था। 17 जिब छोटे बेटे के होश ठिकाणै आये अर अपने-आप तै कहण लाग्या, मेरै पिता कै धोरै इसे भोत मजदूर सै जिनकै खाणा खाण कै बाद भी घणाए बच जावै सै, पर मै उरै भूक्खा मरण लाग रह्या सूं। 18 इस करकै मै इब उठकै अपने पिता धोरै जाऊंगा अर उसतै कहूंगा के पिता जी, मन्नै परमेसवर जो सुर्ग म्ह सै, उसके अर तेरे बिरोध म्ह पाप करया सै। 19 इब इस जोगगा कोनी रह्या के तेरा बेटा कुहाऊँ, मन्नै अपने एक मजदूर की ढाळ राख ले।” 20 “पर वो उस देश नै छोड़ के अपने बाप कै घर की ओड़ चाल्या, वो इब्बे कुछ ए दूर था के उसके बाप नै उस ताहीं देख्या उसपै तरस आया, अर भाजकै अपने बेटे ताहीं छात्ती कै लगाकै, उस ताहीं चुम्ता रह्या। 21 बेटे नै उसतै कह्या, पिता जी, मन्नै परमेसवर जो सुर्ग म्ह सै, उसके अर तेरे बिरोध म्ह पाप करया सै, अर इब इस जोगगा कोनी रह्या के तेरा बेटा कुहाऊँ। 22 पर बाप नै अपने नौकरां तै कह्या, ‘ताळ करकै सुथरे-सुथरे लत्ते लिकाड़कै उसनै पहराओ, अर उसके हाथ्यां म्ह गुठी, अर पायां म्ह जूती पहराओ, 23 अर बढिया भोज तैयार करो ताके हम खावां अर खुशी मनावं। 24 क्यूँके मेरा यो बेटा मरग्या था, दुबारै जीग्या सै: खुग्या था अर इब पाग्या सै।’ अर वे खुशी मनाण लाग्गे। 25 पर उसका जेटा बेटा खेत म्ह काम करण लागरया था। जिब वो आन्दे होए घर कै धोरै पोंहच्या, तो उसनै गाण-बजाण अर नाचण का बोल सुणया। 26 आखर म्ह उसनै एक नौक्कर बुलाकै बुझ्झया, यो के होण लाग रह्या सै? 27 उसनै उस ताहीं कह्या, तेरा भाई बोहड़ आया सै, अर तेरे बाप नै बढिया भोज तैयार करवाया सै, इस करकै के वो ठीक-ठाक घरा आ गया सै। 28 न्यू सुणकै वो छो तै भरग्या अर भीत्तर जाणा कोनी चाह्या, पर उसका बाप बाहरणै आकै उसनै मनाण लाग्या। 29 उसनै बाप तै कह्या, ‘देख, मै इतने साल तै तेरी सेवा-पाणी कर रह्या सूं, अर कदे भी तेरा हुकम कोनी टाळया, फेरभी तन्नै मेरै ताहीं कदे भी कोए बढिया चीज कोनी दी, ताके मै अपने साथियाँ गेल्या आनन्द कर सकूँ। 30 पर जिब तेरा यो बेटा आया, जिसनै तेरी सम्पत्ति अयाशियाँ म्ह उड़ा दी सै, तो उसके खात्तर तन्नै बढिया भोज तैयार करया।’

31 उसकै बाप नै उसतै कह्या, मेरे बेटे, तू सारी हाण मेरे गेल्या सै, अर जो कुछ मेरा सै वो सारा तेराए सै। 32 पर इब आनन्द अर मगन होणा चाहिये क्यूँके यो तेरा भाई जो मरे होए माणसां की तरियां था दुबारा जी गया सै, खुग्या था, इब पाग्या सै।”

16 फेर यीशु नै चेल्यां ताहीं एक और उदाहरण देके कह्या, “किसे साहूकार का एक भण्डारी था, अर लोगां नै उसकै स्याम्ही उसपै यो इल्जाम लाया के वो तेरा सारा धन उड़ा देवै सै। 2 आखर म्ह उसनै अपणे भण्डारी ताहीं बुलाके कह्या, ‘यो के सै मै तेरे बाबत के सुणु सूं?’ अपणे भण्डारीपण का हिसाब दे, क्यूँके तू आगै तै भण्डारी कोनी रह सकदा।” 3 फेर भण्डारी सोचवण लाग्या, इब मै के करूँ? क्यूँके मेरा माल्लिक इब भण्डारी का काम मेरे तै खोस्सै सै। माट्टी खोदण का काम मेरे तै होवै कोनी, अर भीख माँगदे होए मन्नै शर्म आवैगी। 4 मै जाण गया के मै के करूँ, ताके मै जिब भण्डारी कै काम तै हटाया जाऊँ तो माणस मन्नै अपणे घरां म्ह ले लेवै। 5 फेर उसनै अपणे माल्लिक के देणदारां ताहीं एक-एक करके बुलाया अर पैहल्या तै बुझ्या, “तेरे उप्पर मेरे माल्लिक का कितना कर्जा सै?” 6 उसनै कह्या, “सौ मण तेल,” फेर उसनै उसतै कह्या, “अपणा खात्ता अर बही ले अर बैठके तावळा पचास लिख दे।” 7 फेर उसनै दुसरे तै बुझ्या, “तेरे पै कितना कर्जा सै?” दुसरे नै कह्या, सौ मण गेहूँ, फेर उसनै उसतै कह्या, “अपणा खात्ता अर बही लेके अर बैठके अस्सी लिख दे।” 8 माल्लिक नै उस अधर्मी भण्डारी ताहीं सराहया के उसनै कितनी चतुराई तै काम करया सै। क्यूँके इस दुनिया के माणस अपणे बखत के माणसां के गेल्या व्यवहार म्ह चाँदणे के माणसां तै घणे चलाक सै। (aiōn g165) 9 अर मै थमनै कहूँ सूं के दुनिया की धन-दौलत तै भले काम करके अपणे खात्तर साथी बणा ल्यो, ताके जिब वो धन दौलत नही रहवै तो अनन्त काल के घर म्ह थारे स्वागत हो। (aiōnios g166) 10 वे लोग जो थोड़े-तै भी थोड़े म्ह भी बिश्वास जोगे सै, वे घणे म्ह भी बिश्वास जोगे होंगे, जो थोड़े-तै भी थोड़े म्ह बेईमान सै, वो घणा म्ह भी बेईमान होंगे। 11 इस करके जिब थम संसारिक धन म्ह बिश्वास जोगा नही ठहरे, तो साच्चा धन थमनै कौण देवैगा? 12 अर जै थम संसारिक धन-दौलत न इस्तमाल करण म्ह भरोस्सेमंद नही ठहरे, तो परमेसवर थमनै

सुर्गीय धन क्यूँ देवैगा? 13 “कोए नौक्कर दो मालिकां की सेवा एक बखत पै न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर अर दुसरे तै प्यार राक्खैगा, या एक तै मिल्या रहवैगा अर दुसरे नै छोटा जाणैगा। थम परमेसवर अर धन दोनुआ की सेवा न्ही कर सकदे।” 14 फरीसी जो लोभ्भी थे, ये सारी बात सुणकै, मखौल करण लागे। 15 यीशु नै उनतै कह्या, “थम तो माणसां कै स्याम्ही खुद नै धर्मी ठहराओ सो, पर परमेसवर थारे मन नै जाणै सै, क्यूँके जो चीज माणसां की निगांह म्ह महान् सै, वा परमेसवर कै लोवै घृणित सै।” 16 जब तक यूहन्ना आया, जिब ताहीं मूसा के नियम-कायदे अर नबी का प्रभाव माणसां पै रह्या। उस बखत तै परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणाया जाण लागरया सै, अर हरेक उस म्ह तेज्जी तै इसकी ओड़ खिचे आण लागरे सै। 17 अकास अर धरती का टळ जाणा आसान सै, पर नियम-कायदा की हर छोटी बात भी पूरी होकै रहवैगी। 18 उदाहरण के तौर पै “जो कोए अपणी घरआळी नै छोड़कै दुसरी तै ब्याह करै सै, वो जारी करै सै, अर जो कोए इसी छोड़ी होई बिरबान्नी तै ब्याह करै सै, वो भी जारी करै सै।” 19 फेर यीशु नै कह्या, “एक साहूकार माणस था जो बैजनी अर मलमल के महँगे लत्ते पहरदा अर हरेक दिन ऐसो-आराम तै अर मौज तै रहवै था। 20 लाजर नाम का एक कंगाल जिसकै घा: होरे थे उसकी देहळी पै छोड़ दिया जावै था। 21 अर वो चाहवै था, के साहूकार के मेज की जूठण तै अपणा पेट भरै, उरै ताहीं के कुत्ते भी आकै उसके घा: नै चाट्या करै थे।” 22 इसा होया के वो कंगाल मरग्या, अर सुर्गदूत्तां नै उस ताहीं लेकै अब्राहम की गोद म्ह पोंहच्या। वो साहूकार भी मारया अर गाड्या गया, 23 साहूकार नरक म्ह गेरया गया, अर नरक की ताड़ना तै दर्द म्ह पड़े होए अपणी निगांह ठाई, दूर तै ए अब्राहम के साथ लाजर ताहीं देख्या। (Hadēs g86) 24 फेर उसनै रुक्का मारकै कह्या, हे पिता अब्राहम, मेरै पै दया करकै लाजर नै भेजदे, ताके वो अपणी आन्गळी का कुणा पाणी म्ह डबोकै मेरी जीभ नै शीळी करै, क्यूँके मै इस आग तै तड़फूं सूं। 25 “पर अब्राहम बोल्या, ‘हे बेट्टे, याद कर, के तन्नै अपणी जिन्दगी म्ह बढ़िया तै बढ़िया चीज ले ली सै’, अर उस्से तरियां लाजर नै तुच्छ चीज, पर इब वो उरै सुख अर शान्ति पा रह्या सै, अर तू तड़फ रह्या सै। 26 इन सबके अलावा म्हारै अर तेरे बिचाळै एक बड़ी खाई ठहराई गई

सै, के जो उरै तै तेरी ओड़ आणा चाहवै, वे ना जा सकै, अर ना कोए उड़ै इस पास्सै म्हारै धोरै आ सकै।” 27 साहूकार बोल्यो, तो हे पिता, मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ, के उस तारीं मेरै बाप कै घरं भेज, 28 क्यूँके मेरे पाँच भाई सै, वो उनके स्याम्ही इन बातं की गवाही दे, इसा ना हो के वे भी दुख की जगहां म्ह आवै। 29 अब्राहम नै उसतै कह्यो, उनके धोरै तो मूसा के नियम-कायदे, नबी अर नबियाँ की किताब सै, वे उनकी सुणै। 30 साहूकार बोल्यो, “न्ही, पिता अब्राहम, पर जै कोए मरे होया म्ह तै उनके धोरै जावै, तो वे पाप करणा छोड़ देंगे।” 31 अब्राहम नै उसतै कह्यो, “जिब वे मूसा नबी अर नबियाँ की नही सुणदे, तो जै मरे होया म्ह तै कोए जी भी जा, तोभी उसकी कोनी मान्नेंगे।”

17 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्यो, “हो नही सकदा के ठोक्कर ना लाग्गै, पर धिक्कार सै, उस माणस पै जिसके बाबत ठोक्कर लाग्गै सै। 2 पर जो कोए इन छोट्या बाळकां समान जो मेरै पै बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै तो उसके खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसके गळ म्ह लटकाया जावै अर वो समुंदर म्ह गेरया जावै।” 3 सावधान रहों, “जै तेरा बिश्वासी भाई पाप करै तो उसनै समझा, अर जै पछतावै तो उसनै माफ करदे। 4 जै हरेक दिन वो तेरे बिरुध्द म्ह सात बार भी पाप करै, अर सात्तु बार तेरे धोरै आके कहवै, मै पछताऊँ सूँ, तो उसनै माफ करदे।” 5 फेर प्रेरितां नै प्रभु यीशु तै बिनती करी, “के म्हारे बिश्वास नै बढ़ा।” 6 प्रभु बोल्यो, “जै थमनै राई के दाणै बराबर भी बिश्वास होन्दा, तो थम इस शहतूत के दरखत नै कहन्दे के जड़ तै उखड़के समुन्दर म्ह जा लाग, तो वो थारी मान लेन्दा।” 7 फेर यीशु नै कह्यो, “मान ल्यो थारे म्ह तै किसे कै धोरै एक नौक्कर सै जो नौक्कर हळ चलान्दा या भेड़ चरान्दा हो, अर जिब वो खेत तै बोहड़ आवै, तो के थम उसतै कहोंगे, ‘आके मेरे गैल खाणा खाण बैठ ज्या?’ 8 पर इसके बजाये के वो अपणे नौक्कर न्यू कोनी कहवैगा, ‘मेरे खात्तर खाणा त्यार कर, अर मेरे तारीं खाणा परोसण खात्तर तैयार हो ज्या, जिब तारीं मै खाऊँ पीऊँ तब तारीं मेरी सेवा-पाणी कर, इसके पाच्छै तू भी खा-पी लिये?’ 9 के वो उस नौक्कर का श्यान मान्नेगा के उसनै वैए काम करे जिसका हुकम दिया सै? 10 इस्से तरियां तै थम भी जिब उन सारे काम्मां नै कर ल्यो जिसका हुकम थारे तारीं दिया गया सै, तो उस तारीं कर लेण के

बाद थमनै कहणा चाहिये, ‘हम नौक्कर सां, हम किसे बड़ाई के हकदार कोनी हमनै तो बस अपणा फर्ज निभाया सै।’” 11 फेर जिब यीशु यरुशलेम जाण लागरया था तो सामरिया अर गलील परदेस कै बिचाळै की सीमा तै होन्दा होया लिकड्या। 12 तो गाम म्ह बड़दे बखत उसनै दस कोढ़ी मिले वे दूर खड़े थे। 13 वे जोर तै रुक्का मारकै बोल्ले, “हे यीशु, हे माल्लिक, म्हारै पै दया कर!” 14 यीशु नै उन कान्ही लखाकै कह्या, “यरुशलेम के मन्दर म्ह जाओ, अर खुद नै याजकां ताहीं दिखाओ, ताके वो भी देख्खे के थम ठीक होए सों के न्ही।” अर जान्दे ए जान्दे वे कोढ़ तै मुक्त होग्ये। 15 फेर उन म्ह तै एक न्यू देख्के के मै ठीक होग्या सूं, जोर-जोर तै परमेसवर की बड़ाई करदा होया यीशु कै धोरै बोहड़या, 16 अर यीशु कै पायां पै मुँह कै बळ पड़कै उसका धन्यवाद करण लाग्या, अर वो सामरी था। 17 इसपै यीशु नै कह्या, “के दस कोढ़ी चंगे न्ही होए, तो फेर नौ कित्त सै? 18 के गैर यहूदी नै छोड़ कोए और न्ही लिकड्या जो परमेसवर की बड़ाई करदा?” 19 फेर उसनै उस ताहीं कह्या, “उठकै चल्या जा, तन्नै बिश्वास करया इस खात्तर तू ठीक होग्या सै।” 20 फेर फरीसियाँ नै यीशु तै बुड़झया के परमेसवर का राज्य कद आवैगा, तो उसनै उनतै जवाब दिया, “परमेसवर का राज्य इस ढाळ आवैगा के थम उसनै अपणी आँखां तै न्ही देख सकदे। 21 अर ना ए माणस इसके बारें म्ह न्यू कह सकैगे, देख्खों यो सै परमेसवर का राज्य। क्यूँके परमेसवर का राज्य थारे बिचाळै सै।” 22 फेर यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “वो दिन आवैगा, जिब थम उस दिन नै देखणा चाहोंगे जिब मै माणस का बेट्टा बोहड़ के आऊँगा पर थम उस दिन नै देख न्ही पाओगे।” 23 माणस थारे तै कहवैगें, लखाओ, “मसीहा उड़ै सै!” या लखाओ, “वो आड़ै सै!” पर थम यो सुणकै चले ना जाइयो, अर ना उनके पाच्छै लागियो। 24 क्यूँके जिस तरियां बिजळी अकास कै एक छोर तै कोंध कै अकास कै दुसरे छोर ताहीं चमके सै, उस्से तरियां मै माणस का बेट्टा भी अपणे दिनां म्ह जाहिर होऊँगा। 25 पर पैहल्या जरूरी सै के मै घणा दुख ठावै, अर इस युग कै माणस मेरे ताहीं नकार देंगें। 26 जिसा पूर्वज नूह के दिनां म्ह होया था, उस्से तरियां मुझ माणस के बेट्टे के दिनां म्ह भी होवैगा। 27 जिस दिन तक नूह जहाज म्ह न्ही चढ़या, उस दिन तक माणस खावै-पीवै थे, अर उन म्ह ब्याह होवै थे। फेर

बाढ़ नै उन सारया का नाश करया। 28 ठीक याए हालात लूत कै दिनां म्ह होई थी, जिब वो सदोम नगर म्ह रहवै था। माणस खावै-पीवै, लेणा-देणा करदे, दरखत लगान्दे अर घर चिणै थे, 29 पर जिस दिन लूत सदोम तै लिकड़या, उस दिन आग अर गन्धक अकास तै बरसी सारे नगर के माणसां ताहीं नाश कर दिया। 30 यो उस दिन की तरियां होगा जिब मै माणस का बेट्टा बिना बताये आ जाऊँगा। 31 “उस दिन जो छात पै हो, अर उसका समान घर म्ह हो, अर वो उसनै लेण खात्तर तळै न्ही उतरै, अर उस्से तरियां जो खेत्तां म्ह हो, वो पाच्छै न्ही बोहड़ै। 32 याद राखियों लूत की घरआळी कै गैल के होया था! 33 जो कोए अपणी जान बचाणा चाहवै, वो उसनै खोवैगा, अर जो कोए उसनै खोवै वो उसनै जिन्दा राक्खैगा। 34 मै थमनै कहुँ सूँ, उस रात नै दो माणस एक खाट पै होंगे, एक ठाया जावैगा अर दुसरा छोड़ दिया जावैगा। 35 दो बिरबान्नी एक साथ चाक्की पीसदी होवैगी, एक ठा ली जावैगी अर दुसरी छोड़ दी जावैगी। 36 (दो जणे खेत म्ह होंगे, एक ठाया जावैगा अर दुसरा छोड्या जावैगा।)” 37 न्यू सुण उननै उसतै बुझ्झया, “हे प्रभु, यो कित्त होवैगा?” यीशु नै उनतै कह्या, “जड़ै लाश हो सै, उड़ैए चील कट्टे होवै सै, उस्से तरियां यो हरेक कोए जाण लेवैगा के यो कित्त होगा।”

18 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै इसकै बाबत कह्या, के रोज प्रार्थना करणी चाहिये अर हिम्मत न्ही हारनी चाहिये, उनतै यो उदाहरण दिया, 2 “किसे नगर म्ह एक न्यायाधीश रहवै था, जो ना परमेसवर तै डरै था अर ना किसे माणस की परवाह करया करै था। 3 उस्से नगर म्ह एक बिधवा भी रहवै थी, जो उसकै धोरै आ-आकै कह्या करै थी, मेरा न्याय चुकाकै मन्नै बैरी तै बचा।” 4 कुछ बखत ताहीं तो वो कोनी मान्या पर आखर म्ह मन म्ह सोचकै बोल्या, “ऊतो मै परमेसवर तै कोनी डरदा, अर ना माणसां की कुछ परवाह करुँ सूँ, 5 फेरभी या बिधवा मन्नै कांल राक्खै सै, इस करकै मै उसका न्याय चूकाऊँगा, कदे इसा ना हो के घड़ी-घड़ी आकै आखर म्ह मेरी नास्सा म्ह दम करदे।” 6 प्रभु यीशु नै कह्या, “सुणो, इस अधर्मी न्यायाधीश नै देख के सीखों। 7 के परमेसवर अपणे चुणे होया का न्याय कोनी करैगा, जो दिन-रात उसके नाम की दुहाई देंदे रहवै सै? के वो उनकी मदद करण म्ह वार लगावैगा? 8 मै थमनै कहुँ सूँ, वो जिब्बे उनका न्याय करैगा। फेर भी मै

माणस का बेट्टा जिब आऊँगा, तो के मै धरती पै मेरे पै बिश्वास करणीया नै पाऊँगा?” 9 यीशु नै उन माणसां तै यो उदाहरण दिया, जो अपणे बारे म्ह यो सोचै थे, के हम धर्मी सां, अर दुसरयां नै नकारै थे। 10 “दो माणस मन्दर म्ह प्रार्थना करण नै गए, एक फरीसी था अर दुसरा चुंगी लेण आळा, 11 फरीसी खड्या होकै अपणे मन म्ह न्यू प्रार्थना करण लाग्या, हे परमेसवर, मै तेरा धन्यवाद करूँ सूँ के मै और माणसां की तरियां अन्धेर करण आळा, जुल्मी, अर जार कोनी, अर ना इस चुंगी लेण आळे की तरियां सूँ। 12 मै हफतै म्ह दो बर ब्रत राक्खूँ सूँ, मै अपणी सारी आमदणी का दसमां हिस्सा भी तेरे ताहीं देऊँ द्यु सूँ।” 13 पर चुंगी लेण आळे नै दूर खड़े होकै, सुर्ग कै कान्ही निगांह ठाणा भी कोनी चाह्या, बल्के दुखी होकै अपणी छात्ती पीट-पीटकै कह्या, “हे परमेसवर, मुझ पापी पै दया कर!” 14 “बिश्वास करो वास्तव म्ह योए चुंगी लेण आळा माणस (परमेसवर की ओड़ तै) धर्मी ठहराया जाकै घरां गया, ना के वो फरीसी माणस। क्यूँके जो कोए अपणे-आपनै बड्डा बणावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा, अर जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड्डा करया जावैगा।” 15 फेर माणस अपणे बाळकां नै भी उसकै धोरै ल्याण लागे के वो उनपै हाथ धरै, पर चेल्यां नै देख उन ताहीं धमकाया। 16 यीशु नै बाळकां ताहीं धोरै बुलाकै कह्या, “बाळकां नै मेरे धोरै आण द्यो अर उननै रोक्को मतना: क्यूँके परमेसवर का राज्य इसाए का सै। 17 मै थमनै सच कहुँ सूँ के जो कोए परमेसवर कै राज्य नै बाळक की तरियां कोनी अपणावै वो उस म्ह कदे न्ही बड़ सकदा।” 18 किसे सरदार नै उसतै बुड़झया, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हकदार होण खात्तर मै के करूँ?” (aiōnios g166) 19 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मन्नै उत्तम क्यांतै कहवै सै? कोए उत्तम कोनी, सिर्फ एक, यानिके परमेसवर। 20 तन्नै हुकमां का तो बेराए सै: ‘जारी ना करिये, खून ना करिये, अर चोरी ना करिये, अर झूठी गवाही ना दियो, अपणे माँ-बाप का आदर करियो।’” 21 उसनै कह्या, “मै तो इन सारया नै बाळकपण तै ए मान्दा आऊँ सूँ।” 22 न्यू सुणकै यीशु नै उसतै कह्या, “तेरे म्ह इब भी एक बात की कमी सै, अपणा सब कुछ बेचकै कंगालां ताहीं बांड दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आकै मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरे पाच्छै हो ले।” 23 वो न्यू सुणकै घणा उदास होया, क्यूँके

वो घणा साहूकार था। 24 यीशु नै उस ताहीं देखके कह्या, “साहूकारां का परमेसवर कै राज्य म्ह बड़णा कितना ओक्खा सै। 25 जिस तरियां तै ऊँट का सूई कै मोरै म्ह तै लिक्ड़णा मुशिकल सै। उस्से तरियां परमेसवर के राज्य साहूकार का बड़णा भी मुशिकल सै।” 26 इसपै सुणण आळा नै कह्या, “तो फेर किसका उद्धार हो सकै सै?” 27 उसनै कह्या, “जो माणसां तै न्ही हो सकदा वो परमेसवर तै हो सकै सै।” 28 पतरस नै कह्या, “लखा, हम तो घर-बार छोड़के तेरे पाच्छे हो लिये सां।” 29 उसनै उनतै कह्या, “मै थमनै साच्ची-साच कहुँ सूँ के इसा कोए कोनी जिसनै परमेसवर के राज्य के खात्तर घर, या घरआळी, भाई, या माँ-बाप, या बाळ-बच्चे ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इस बखत कई गुणा घणा न्ही पावै अर परलोक म्ह अनन्त जीवन।” (aiōn g165, aiōnios g166) 31 फेर उसनै बारहां चेल्यां ताहीं गैल लेके उनतै कह्या, “देक्खो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सां, अर जितनी बात मुझ माणस कै बेटे खात्तर नबियाँ नै लिक्खी होई सै, वे सारी पूरी होवैगी। 32 क्यूँके मै गैर यहूदियाँ कै हाथ्यां म्ह सौप्या जाऊँगा, अर मेरा मजाक उड़ावैगें, मेरी बेजती करैगें, अर मेरे पै थूकैगें, 33 अर मेरे कोड़े मारैगें, अर मन्नै छेतैगें अर मार देवैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 34 पर उननै इन बातां म्ह तै कोए बात न्ही समझी, अर या बात उनतै लुक्की रही, अर जो कह्या गया था वो उनकी समझ कोनी आया। 35 जब वो यरीहो नगर कै लोवै पोंहच्या, तो एक आन्धा सड़क कै किनारे बैठ्या होया भीख माँगण लागरया था। 36 वो भीड़ कै चाल्लण की आवाज सुणके बुझण लाग्या, “यो के होरया सै?” 37 उननै उसतै बताया, “यीशु नासरी जाण लागरया सै।” 38 फेर उसनै रुक्का मारके कह्या, “हे यीशु, दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर!” 39 जो आगै-आगै जाण लागरे थे, वे उसनै धमकाण लागये के बोल-बाल्ला रहै, पर वो और भी रुक्का मारण लाग्या, “हे दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर!” 40 फेर यीशु नै खड़े होके हुकम दिया के उसनै मेरै धोरै ल्याओ, अर जब वो धोरै आया तो उसनै उसतै बुझ्या, 41 “तू के चाहवै सै के मै तेरे खात्तर करूँ?” उसनै कह्या, “हे प्रभु, योए के मै देक्खण लागू।” 42 यीशु नै उसतै कह्या, “देक्खण लाग, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” 43 फेर वो

जिब्बे देखण लाग्या अर परमेसवर की बड़ाई करदा होया उसकै पाच्छे हो लिया, अर सारे आदमियाँ नै देखकै परमेसवर की जै-जै कार करी।

19 यीशु यरीहो नगर म्ह बड़ण लागरया था। 2 ओड़ै जक्कई नाम का एक माणस था जो चुंगी लेण आळा का सरदार, अर साहूकार था। 3 वो यीशु नै देखणा चाहवै था के वो कौण सै। पर भीड़ के कारण देख नही सकै था, क्यूँके वो बोन्ना था। 4 फेर उस ताहीं देखण खात्तर वो आगै भाजके गुलर के दरखत पै चढ़ग्या, क्यूँके यीशु नासरी उस्से राह तै जाण आळा था। 5 जब यीशु नासरी उसकै धोरै आया, तो उप्पर लखाकै उसनै कह्या, “हे जक्कई, तोळा उतरया, क्यूँके आज मन्नै तेरे घरां जरुर रहणा सै।” 6 वो दरखत तै उतरकै राज्जी होकै यीशु नै अपणे घरां लेग्या। 7 न्यू देखकै सारे माणस बरड़ाण लाग्गे, “वो तो एक पापी माणस के घरां रुकरया सै।” 8 जब यीशु जक्कई के घर खाणा खाण लागरया था तो जक्कई नै खड़े होकै प्रभु तै कह्या, “हे प्रभु यीशु, देख, मै अपणी आध्धी सम्पत्ति कंगालां नै घु सूं, अर किसे का कुछ भी जुल्म करके ले लिया सै तो उस ताहीं चौगुणा बोहड़ा घु सूं।” 9 फेर यीशु नै उसतै कह्या, “आज इस घर के माणसां पै उद्धार आया सै, इस करके के यो भी अब्राहम के वंश तै सै। 10 मै माणस का बेटा खोए होया नै टोह् अर उनका उद्धार करण आया सूं।” 11 जब वे ये बात सुणै थे, तो यीशु नै एक उदाहरण देके कह्या, इस करके के वो यरुशलेम के धोरै था, अर वे समझै थे के परमेसवर का राज्य इब्बे जाहिर होण आळा सै। 12 आखर उसनै कह्या, “एक साहूकार माणस दूर देश तै चल्या के राजपद पाके बोहड़ै।” 13 उसनै अपणे नौकरां म्ह तै दस ताहीं बुलाकै उन ताहीं दस मोंहर दी अर उनतै कह्या, “मेरै बोहड़ण ताहीं लेण-देण करियो।” 14 पर उसकै नगर के बासिन्दे उसतै बैर राक्खै थे, अर उसकै पाच्छे दूतां तै कुह्वा भेज्या, “हम नही चाहन्दे के यो म्हारै पै राज करै।” 15 “जिब माल्लिक राजपद पाके बोहड़या, तो इसा होया के उसनै अपणे नौकरां ताहीं जिन ताहीं रपिये दिये थे, अपणे धोरै बुलाया ताके बेरा करै के उननै लेण-देण म्ह के-के कमाया।” 16 फेर पैहल्डे नै आकै कह्या, “हे माल्लिक, तेरी मोंहर तै दस और मोंहर कमाई सै।” 17 उसनै उसतै कह्या, “शाबाश, हे आच्छे नौक्कर! तू घणेए थोड़े म्ह भरोसमंद लिक्कड़ा इब दस नगरां का हक राख।” 18 दुसरे नौक्कर

नै आकै कह्या, “हे माल्लिक, तेरी मोंहर तै पाँच और मोंहर कमाई सै।” 19
 माल्लिक नै उसतै कह्या, “तू भी पाँच नगरां पै हाकिम होज्या।” 20 तीसरे
 नौक्कर नै आकै कह्या, “हे माल्लिक, देख, तेरी मोंहर या सै: जिस ताहीं मन्नै
 अंगोच्छे म्ह जुड़ राक्खी थी। 21 क्यूँके मै तेरे तै डरूँ था, इस करके के तू
 कठोर माणस सै: जो तन्नै न्ही धरया उसनै ठा ले सै, अर जो तन्नै न्ही बोया,
 उस ताहीं काट्टै सै।” 22 माल्लिक नै उसतै कह्या, “हे दुष्ट नौक्कर, मै तेरैए
 मुँह तै तन्नै कसूरवार ठहराऊँ सूँ। जिन तन्नै मेरा बेरा सै के करड़ा माणस सूँ,
 जो मन्नै न्ही धरया उसनै ठा ल्यु सूँ, अर जो मन्नै न्ही बोया, उस ताहीं काट्टू
 सूँ, 23 तो तन्नै मेरे रपिये सर्राफां के धोरै क्यातै कोनी धरे के मै आकै ब्याज
 सुधां ले लेन्दा?” 24 अर जो माणस धोरै खड़े थे, उसनै उनतै कह्या, “वा
 मोंहर उसतै ले ल्यो, अर जिसकै धोरै दस मोंहर सै उसनै दे द्यो।” 25 उननै
 उसतै कह्या, “हे माल्लिक, उसकै धोरै दस मोंहर तो सै।” 26 “मै थमनै कहुँ
 सूँ के जिसकै धोरै सै, उस ताहीं दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै
 वो भी जो उसकै धोरै सै ले लिया जावैगा। 27 पर मेरे उन बैरियाँ ताहीं जो न्ही
 चाहवैं थे के मै उनपै राज करूँ, उन ताहीं उरै ल्याकै मेरे स्याम्ही घात करो।”
 28 ये बात कहकै यीशु यरुशलेम नगर के कान्ही चेल्यां के आगगै-आगगै
 चाल्या। 29 जिन वो जैतून नामक पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह गाम के
 धोरै पोंहच्या, तो उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दोयां ताहीं न्यू कहकै भेज्या, 30
 “स्याम्ही के गाम म्ह जाओ, अर उस म्ह पोहोचदये एक गधी का बच्चा
 जिसपै कोए कदे न्ही बेठ्या हो, बन्धया होड़ थमनै मिलैगा, उसनै खोल के
 लियाओ। 31 जै थारे तै कोए बुड़झै के क्यातै खोल्लो सो, तो कहियो के प्रभु
 नै इसकी जरूरत सै।” 32 जो भेज्जै गए थे, उननै जाकै जिसा यीशु नै कह्या
 था, उससे तरियां पाया। 33 जिन वे गधी के बच्चे नै खोल्लै रहे थे, तो उसके
 मालिकां नै उनतै बुड़झया, “इस बच्चे नै क्यातै खोल्लो सो?” 34 चेल्यां नै
 कह्या, “प्रभु नै इस ताहीं काम म्ह ल्याणा सै।” 35 वे उसनै यीशु के धोरै
 लियाए, अर अपणे लत्ते उस गधी के बच्चे पै गेरके यीशु ताहीं उसपै बिठा
 दिया। 36 जिन वो जाण लागरया था, तो वे अपणे लत्ते राह म्ह बिछान्दे जावै
 थे। 37 यरुशलेम नगर के धोरै आन्दे होए जिन यीशु जैतून पहाड़ की ढलाण
 पै पोंहच्या, तो चेल्यां का सारा टोळ उन सारे सामर्थ के काम्मां के कारण जो

उननै देखे थे, राज्जी होकै जोर तै परमेसवर की जय-जयकार करण लागे
 38 “धन्य सै वो राजा, जो प्रभु के नाम तै आवै सै! सुर्ग म्ह शान्ति अर अकास
 मण्डप म्ह महिमा हो!” 39 फेर भीड़ म्ह तै कुछ फरीसी यीशु तै कहण
 लागे, “हे गुरु, इस बात के कारण अपणे चेल्यां नै धमका।” 40 उसनै
 जवाब दिया, “मै थमनै कहूँ सूँ, जै ये बोल-बाल्ले रहे तो स्तुति इन पत्थरां तै
 लिक्कड़ण लागैगी।” 41 जिब यीशु यरुशलेम नगर कै धोरै आया तो नगर नै
 देखकै माणसां खात्तर रोया 42 अर बोल्या, “कितना भला होन्दा के तू, हाँ,
 तू ए आज इतणाए समझ लेन्दा की परमेसवर के साथ शान्ति का के मतलब
 सै, पर यो तेरे तै लहको के राख्या गया सै। 43 क्यूँके वे दिन तेरे म्ह आवैगें
 के तेरे बैरी मोर्चा बाँधकै तन्नै घेर लेवैगें, अर चौगरदे तै तन्नै दबावैगें ताके
 थारा राह बन्द होज्या, 44 अर तेरा बैरी तन्नै अर तेरे बाळकां ताहीं जो तेरे म्ह
 सै, माट्टी म्ह मिलावैगें, अर तेरे म्ह पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवैगा, जो
 गेरया ना जावैगा, क्यूँके तन्नै उस मौक्कै ताहीं जिब तेरे पै दया की निगांह
 होई थी तो तन्नै कोनी पिच्छाणा।” 45 फेर वो मन्दर म्ह जाकै समान बेचण
 आळा ताहीं बाहरणै लिकाड़ण लाग्या, 46 अर उनतै कहा, “पवित्र शास्त्र म्ह
 लिख्या सै, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर होगा,’ पर थमनै इस ताहीं डाकुआं की
 गुफा बणा दिया।” 47 वो हरेक दिन मन्दर म्ह उपदेश दिया करै था, अर
 प्रधान याजक अर शास्त्री अर माणसां के मुखिया उसका नाश करण का
 मौक्का टोहें थे। 48 पर कोए जुगाड़ कोनी काढ सकै थे, के यो किस तरियां
 करा, क्यूँके सारे माणस घणे चाह तै उसकी सुणै थे।

20 एक दिन इसा होया के जिब यीशु मसीह मन्दर म्ह माणसां नै उपदेश
 देवै था अर सुसमाचार सुणावै था, तो प्रधान याजक अर शास्त्री, यहूदी
 अगुवां कै गेल्या धोरै आकै खड़े होए, 2 अर कहण लागे, “म्हारै ताहीं बता,
 तू इन काम्मां नै किसकै हक तै करै सै, अर वो कौण सै जिसनै तेरे ताहीं यो
 हक दिया सै?” 3 उसनै उनतै कहा, “मै भी थारे तै एक बात बुझ्हु सूँ, मन्नै
 बताओ। 4 यूहन्ना का बपतिस्मा सुर्ग की ओड़ था या माणसां की ओड़ तै
 था?” 5 फेर वे आप्पस म्ह कहण लागे, “जै हम कहां, ‘सुर्ग की ओड़,’ तो
 वो कहवैगा, ‘फेर थमनै उसका बिश्वास क्यांतै न्ही करया?’ 6 अर जै हम
 कहां, ‘माणसां की ओड़,’ तो सारे माणस म्हारै पै पत्थर बरसावैगें, क्यूँके

सारे जाणै सै के यूहन्ना साच्चीये नबी था।” 7 आखर उननै जवाब दिया, “हमनै न्ही बेरा के वो किस ओड़ तै था।” 8 यीशु नै उनतै कह्या, “तो मै भी कोनी बतान्दा के मै ये काम किस हक तै करूँ सूँ।” 9 फेर वो माणसां तै यो उदाहरण कहण लाग्या: “किसे माणस नै अंगूर का बाग लगाया, अर किसानां तै उसनै ठेक्का दे दिया अर घणे दिनां खान्तर परदेस चल्या गया। 10 जिब बखत आया तो उसनै किसानां कै धोरै एक नौक्कर ताहीं भेज्या के वे अंगूर के बाग के कुछ फळां का हिस्सा उसनै देवै, पर किसानां नै उस ताहीं छेतकै रिस्ते हाथ्यां बोहड़ा दिया। 11 फेर उसनै एक और नौक्कर ताहीं भेज्या, अर उननै उस ताहीं भी छेतकै अर उसकी बेजती करकै रिस्ते हाथ्यां बोहड़ा दिया। 12 फेर उसनै तीसरा भेज्या, उननै उस ताहीं भी घायल करकै लिकाड़ दिया।” 13 फेर अंगूर के बाग कै माल्लिक नै कह्या, “मै के करूँ? मै अपणे प्यारे बेट्टे नै भेज्जूगा, हो सकै सै वे उसकी इज्जत करै।” 14 जिब किसानां नै उस ताहीं देख्या तो आप्पस म्ह विचार करण लाग्गे, “यो तो वारिस सै, आओ, हम इसनै मार दया के विरासत म्हारी हो जावै।” 15 अर उननै उस ताहीं अंगूर के बाग तै बाहरणै लिकाड़कै मार दिया। इस करकै अंगूर के बाग का माल्लिक उनकै गेल्या के करैगा? 16 वो आकै उन किसानां का नाश करैगा, अंगूर के बाग औरां नै सोपैगा। न्यू सुणकै उननै कह्या, “परमेसवर करै इसा ना हो।” 17 उसनै उनकी ओड़ देखकै कह्या, फेर यो के लिख्या सै: “जिस पत्थर नै राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा ठहराया था, वोए कोणे का सिरा होग्या। 18 “जो कोए उस पत्थर पै पड़ैगा वो चकणाचूर हो ज्यागा, अर जिसपै वो पड़ैगा, उसनै पिस देवैगा।” 19 उस्से बखत शास्त्रियाँ अर प्रधान याजकां नै उस ताहीं पकड़णा चाह्या, क्यूँके वे समझ्गे थे के उसनै म्हारै पै यो उदाहरण कह्या, पर वे माणसां तै डरगे। 20 अर वे उसकी टाह म्ह लाग्गे अर भेदिए भेज्जै के धर्म का भेष धरकै उसकी कोए ना कोए बात पकड़ै, ताके उस ताहीं राज्यपाल कै हाथ अर अधिकार म्ह सौंप दें। 21 उननै उसतै न्यू बुइझ्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै के तू ठीक कहवै अर सिखावै भी सै, अर किसे की मेरै कोनी लेन्दा, बल्के परमेसवर की राह सच्चाई तै बतावै सै। 22 के म्हारा कैसर तै चुंगी देणा ठीक सै या कोनी?” 23 उसनै उनकी श्याणपत ताहीं ताड़कै उनतै कह्या, 24 “एक दीनार (एक दिन की मजदूरी)

मन्नै दिखाओ। इसपै किसकी छाप अर नाम सै?” उननै कह्या, “कैसर का।” 25 उसनै उन ताहीं कह्या, “तो जो कैसर का सै, वो कैसर नै द्यो, अर जो परमेसवर का सै, वो परमेसवर नै द्यो।” 26 वे माणसां कै स्याम्ही इस बात म्ह उसनै पकड़ कोनी सके, बल्के उसके जवाब तै हैरान होके बोल-बाल्ले रहगे। 27 फेर सदूकी जो कहवै सै के मरे होया का जिन्दा होणा सै ए कोनी उन म्ह तै कुछ नै उसके धोरै आकै बुझ्झया, 28 “हे गुरु, मूसा नबी नै म्हारै खात्तर यो लिख्या सै: जै किसे का भाई अपणी घरआळी कै रहन्दे बेऊलादा मर जावै, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह करले, अर अपने भाई कै खात्तर पीढ़ी पैदा करै। 29 सात भाई थे, पैहलड़ा भाई ब्याह करके बेऊलादा मरग्या। 30 फेर दुसरे 31 अर तीसरे नै भी उस बिरबान्नी तै ब्याह कर लिया। इस तरियां तै सात्तु बेऊलादे मरगे। 32 आखर म्ह वा बिरबान्नी भी मरगी। 33 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा उन म्ह तै किसकी घरआळी होवैगी, क्यँके वा सातुवां की घरआळी हो ली थी।” 34 यीशु नै उनतै कह्या, “इस युग की ऊलादां म्ह ब्याह होवै सै, (aiōn g165) 35 पर जो माणस इस जोगे ठहरैगें के उस युग नै अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्ठणके पद नै पा लेवै, उन म्ह ब्याह शादी कोनी होन्दी। (aiōn g165) 36 वे दुबारै मरण के भी कोनी, क्यँके वे सुर्गदूतां की ढाळ होवैगें, अर पुनरुत्थान की ऊलाद होणे तै परमेसवर की भी ऊलाद होवैगें। 37 पर इस बात ताहीं के मरे होए जिन्दा होवै सै, मूसा नबी नै भी झाड़ी की कहाँनी म्ह दिखाया सै के वो प्रभु ताहीं ‘अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर अर याकूब का परमेसवर कहवै सै।’ 38 परमेसवर तो मुर्दा का कोनी पर जिन्दा का परमेसवर सै: क्यँके उसके लोवै सारे जिन्दे सै।” 39 फेर न्यू सुणके शास्त्रियाँ म्ह तै कुछ नै न्यू कह्या, “हे गुरु, तन्नै ठीक कह्या।” 40 अर उननै दुबारै उसतै कुछ और बुझ्झण की हिम्मत कोनी करी। 41 फेर उसनै उनतै बुझ्झया, “मसीह नै दाऊद की ऊलाद किस तरियां कहवै सै?” 42 दाऊद खुदे भजन संहिता की किताब म्ह कहवै सै: 43 प्रभु नै मेरै प्रभु तै कह्या, “मेरै सोळे कान्ही बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ तेरे पायां म्ह न्ही झुका दियुँ।” 44 दाऊद तो उसनै प्रभु कहवै सै, “तो फेर वो उसकी ऊलाद किस ढाळ होया?” 45 जिब सारे सुणै थे, तो उसनै अपने चेल्यां तै कह्या, 46 “शास्त्रियाँ तै चौकन्ने रहियो, जिनताहीं

लाम्बे-लाम्बे चोगे पहरकै हांडणा आच्छा लागै सै, अर जिन नै बजारां म्ह नमस्कार, अर आराधनालयॉं म्ह खास बैठणा अर जिम्मण म्ह खास जगहां प्यारी लागै सै। 47 वे बिधवायॉं के घर खा जावै सै, अर दिखाण खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहवै सै: ये घणा दण्ड पावैगें।”

21 फेर उसनै निगांह ठाकै सहूकारां ताहीं अपणा-अपणा दान भण्डार म्ह घालदे देख्या। 2 उसनै एक कंगाल बिधवा ताहीं भी उस म्ह दो दमड़ी (जो एक धेले कै बराबर होवै सै) घालदे देख्या। 3 फेर उसनै कह्या, “मै थमनै सच कहूँ सूँ के इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै। 4 क्यूँके उन सारया नै अपणी-अपणी बढदी म्ह तै दान म्ह कुछ घाल्या सै, पर इसनै अपणी घटी म्ह तै अपणी सारी कमाई घाल्ली सै।” 5 जिब घणखरे माणस मन्दर कै बाबत कहरे थे के वो किसे सुथरे पत्थरां अर भेटां की चिज्जां तै समारया गया सै, तो उसनै कह्या, 6 “वे दिन आवैगें, जिन म्ह यो सारा जिन नै थम देखो सो, उन म्ह तै उरै किसे पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवैगा, जो गेरया नही जावैगा।” 7 उननै उसतै बुझ्या, “हे गुरु, यो सारा कद होवैगा? अर ये बात जिब पूरी होण पै होवैगी, तो उस बखत की के निशान्नी होवैगी?” 8 उसनै कह्या, “चौकन्ने रहियो के भकाए ना जाओ, क्यूँके घणखरे मेरै नाम तै आकै कहवैगें, ‘मै वोए सूँ,’ अर न्यू भी के, ‘बखत लोवै आण पोंहच्या सै।,’ थम उनकै पाच्छै ना चले जाइयो। 9 जिब थम रोळे अर झगड़े का जिक्क सुणो तो घबराईयो ना, क्यूँके इनका पैहल्या होणा जरूरी सै, पर उस बखत जिब्बे खात्मा कोनी होवैगा।” 10 फेर उसनै उनतै कह्या, “जात पै जात अर राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा, 11 अर बड़े-बड़े हाल्लण आवैगें, अर जगहां-जगहां अकाळ अर महामारियाँ पड़ैगी, अर अकास म्ह खतरनाक बात अर बड़े-बड़े निशान जाहिर होवैगें।” 12 पर इन सारी बाततां तै पैहल्या मेरै नाम कै बाबत थमनै पकड़ैगें, अर काल करैगें, अर आराधनालयॉं म्ह सौपैगें, अर जेळ म्ह गिरवावैगें, राज्यपालों अर राजयां कै स्याम्ही ले जावैगें। 13 पर यो थारे खात्तर गवाही देण का मौक्का हो जावैगा। 14 इस करकै अपणे-अपणे मन म्ह ठान ल्यो के हम पैहल्या तै जवाब देण की फिक्र कोनी करागें। 15 क्यूँके मै थारे ताहीं इसा बोल अर समझ दियुँगा के थारे सारे बिरोधी सामना या खण्डन कोनी कर सकैगें। 16 थारे माँ-बाप, अर भाई अर कुणबा, अर साथी

भी थमनै पकड़वावैगें, उरै ताहीं के थारे म्ह तै कईयाँ नै मरवा देवैगें। 17 मेरै नाम कै कारण सारे माणस थारे तै बैर राक्खैगें। 18 पर थारे सिर का एक बाळ भी बाँका कोनी होवैगा। 19 अपणे धीरज तै थम अपणी जान नै बचाए राक्खोगे। 20 “जिब थम यरुशलेम की पलटन तै घिरया होया देख्खो, तो जाण लियो के उसका उजड़ जाणा लोवै सै। 21 फेर जो यहूदिया परदेस म्ह हों पहाड़ां पै भाज जावै, अर जो यरुशलेम नगर कै भीत्तर हों वे बाहरणै लिक्ड़ जावै, अर जो गाम्मां म्ह हों वे उस म्ह न्ही जावै। 22 क्यूँके ये बदला लेण के इसे दिन होंगे, जिन म्ह लिक्खी होई सारी बात पूरी हो जावैगी। 23 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगीं, उनकै खात्तर भागणा भी मुशिकल होगा! क्यूँके देश म्ह बड़ड़ा क्लेश अर इन माणसां पै बड़ड़ा प्रकोप होवैगा। 24 वे तलवार की कौर हो जावैगें, अर सारे देश कै माणसां म्ह कैदी होकै पोहुचाये जावैगें, अर जिब ताहीं गैर यहूदी का बखत पूरा कोनी होवै, जद ताहीं यरुशलेम गेरजात्तां तै रोंघा जावैगा। 25 “सूरज, चाँद, अर तारां म्ह निशान्नी दिखैगी, अर धरती पै देश-देश के आदमियाँ पै संकट होगा, क्यूँके वे समुन्दर कै गरजण अर लहरां के रोळें तै घबरां जावैगें। 26 भय कै कारण अर दुनिया पै आण आळी घटनायां की बाट देखदे-देखदे माणसां कै जी म्ह जी कोनी रहवैगा, क्यूँके अकास की शक्तियाँ हलाई जावैगी। 27 फेर वे माणस के बेट्टे नै सामर्थ अर बड्डी महिमा कै गेल्या बादळां पै आन्दे देखैगें। 28 जिब ये बात होण लाग्गै, तो सीध्धे होकै अपणे सिर उप्पर ठाईयो, क्यूँके थारा छुटकारा लोवै होगा।” 29 यीशु नै उनतै एक उदाहरण देकै कह्या, “अंजीर के दरखत अर सारे दरखतां नै देख्खो। 30 ज्योए उन म्ह कोंपले लिक्ड़ै सै, तो थम खुद जाण ल्यो सो, के गर्मी का बखत लोवै सै। 31 इस तरियां तै जिब थम ये बात होन्दे देख्खो, तो जाण ल्यो के परमेसवर का राज्य लोवै सै।” 32 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के जिब ताहीं ये सारी बात न्ही हो ले, जद तक इस पीढ़ी का कदे भी अन्त कोनी होवैगा। 33 धरती अर अकास टळ जावैगें, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी। 34 “इस करकै चौकन्ने रहियो, इसा ना हो के थारा मन खुमार, अर मतवालेपण, अर इस जिन्दगी की फिक्र तै सुस्त हो जावै, अर वो दिन थारे पै फन्दे की ढाळ चाणचक आण पड़े। 35 क्यूँके वो सारी धरती के सारे बासिन्दा पै इस

तरियां आण पडैगा। 36 इस करके जागदे रहो अर हर बखत प्रार्थना करदे रहो के थम इन सारी आण आळी घटनायां तै बचण अर माणस के बेटे के स्याम्ही खड़े होण के जोगे बण सको।” 37 वो दिन म्ह मन्दर म्ह उपदेश देवै था, अर रात नै बाहरणै जाके जैतून नामक पहाड़ पै रह्या करै था, 38 अर सबेरै नै तड़के सारे माणस उसकी सुणण की खात्तर मन्दर म्ह उसके धोरै आया करै थे।

22 अखमीरी रोटी का त्यौहार जो फसह कुह्वावै सै, धोरै था, 2 अर प्रधान याजक अर शास्त्री इस बात की टोह म्ह थे। के यीशु नै किस तरियां मारै, पर वे माणसां तै डरै थे। 3 फेर शैतान यहूदा म्ह बडग्या, जो इस्करियोती कुह्वावै अर बारहां चेल्यां म्ह गिण्या जावै था। 4 उसनै जाके प्रधान याजकां अर पहरेदार के सरदारां के गेल्या बातचीत करी के किस तरियां यीशु नै उनके हाथ पकड़वांवां। 5 वे राज्जी होए, अर उस ताहीं रुपिये देण का वादा किया। 6 वो मान गया अर मौक्का टोह लाग्या के जिब भीड़ न्ही हो तो उसनै उनके हाथ पकड़वा दे। 7 फेर अखमीरी रोटी के त्यौहार का दिन आया, जिसमह फसह का मेम्ना बलि करणा जरूरी था। 8 यीशु नै पतरस अर यूहन्ना ताहीं यो कहके भेज्या, “जाके म्हारै खाण खात्तर फसह त्यार करो।” 9 उननै यीशु तै बुझ्या, “तू कित्त चाहवै सै के हम उसनै त्यार करा?” 10 यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, देखो, नगर म्ह बडतेए एक आदमी पाणी का पैँढा ठाए होए थमनै मिलैगा, जिस घर म्ह वो जावै थम उसके पाच्छे चले जाइयो, 11 अर उसके घर के माल्लिक तै कहियो, “गुरु तेरे तै बुझ्झै सै के वा बैठक कित्त सै जिस म्ह मै अपणे चेल्यां के गेल्या फसह खाऊँ?” 12 वो थमनै एक सजी-सजाई बड़ी अटारी दिखा देवैगा, ओड़ैए त्यारी करियो। 13 उननै जाके, जिसा उसनै उनतै कह्या था, उस्से तरियां पाया अर फसह का भोज त्यार करया। 14 जद वा घड़ी आगी, के यीशु प्रेरितां गेल्या खाणा खाण बेठ्या। 15 अर उसनै उन ताहीं कह्या “मन्नै बड़ी लालसा थी के मरण तै पैहल्या यो फसह भोज थारे गेल्या खाऊँ। 16 क्यूँके मै थमनै सच कहूँ सूँ के मै इसनै जिब तक न्ही खाऊँगा जब तक यो परमेसवर के राज्य म्ह पूरा न्ही हो।” 17 फेर उसनै अंगूरां के रस का कटोरा लेके परमेसवर का धन्यवाद करया अर कह्या, “इसनै ल्यो अर आप्पस म्ह बाँट ल्यो। 18 क्यूँके के मै थमनै कहूँ सूँ के जिब

ताहीं परमेसवर का राज्य न्ही आवै तब तक मै अंगूर का रस इब तै कदे न्ही पिऊँगा।” 19 फेर यीशु नै रोटी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करके तोड़ी, अर चेल्यां ताहीं या कहकै दी, “या मेरी देह सै जो थारे खात्तर दी जा सै: मेरी याद म्ह न्यूए करया करो।” 20 इसे तरियां तै उसनै खाणे के पाछै कटोरा भी यो कहन्दे होए दिया, “यो कटोरा मेरै उस लहू म्ह जो थारे खात्तर बहाया जा सै नया करार सै। 21 पर देखो, जो मन्ने पकड़वावैगा वो म्हारे गेल्या इस भोज म्ह शामिल सै। 22 क्यूँके मै माणस का बेटा तो जिसा मेरे खात्तर तय करया गया सै, ठीक उस्से तरियां होण लागरया सै, पर धिक्कार सै उस माणस पै जिसकै जरिये मै पकड़वाया जाऊँ सूँ!” 23 फेर वे आप्पस म्ह पूछताछ करण लाग्ये के म्हारै म्ह तै कौण सै, जो यो काम करैगा। 24 उन म्ह या बहस भी होगी के म्हारे मै तै कौण बड़ड़ा समझा जावै सै। 25 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “और गैर यहूदियाँ के राजा उनपै राज करै सै, अर जो उनपै हक जमावै सै वे भले कुह्वावै सै। 26 पर थम इसे ना होइयो, बल्के जो थारे म्ह बड़ड़ा सै वो छोट्टे कै बरोब्बर अर जो प्रधान सै, वो सेवक कै बरोब्बर बणै। 27 क्यूँके बड़ड़ा कौण सै, वो जो खाणे पै बेठ्या सै, या वो जो सेवा करै सै? के वो न्ही जो जिम्मण बेठ्या सै? पर मै थारे बिचाळै सेवक बरोब्बर सूँ। 28 थम वो सों, जो मेरी मुसीबतां म्ह लगातार मेरै गेल्या रहे, 29 अर जिस तरियां मेरै पिता नै मेरै खात्तर एक राज्य ठहराया सै, उस्से तरियां मै भी थारे खात्तर ठहराऊँ सूँ, 30 ताके थम मेरै राज्य म्ह मेरी मेज पै खाओ-पीओ बल्के सिंहासनां पै बैठकै इस्राएल के बारहां गोत्रां का न्याय करो।” 31 “शमौन, हे शमौन! देख शैतान नै परमेसवर तै हुकम ले लिया सै, के थारे ताहीं परखै जिस तरियां किसान गेहूँ नै भूसी तै न्यारा करै सै। 32 पर मन्ने तेरे खात्तर बिनती करी ताके थम मेरे पै बिश्वास करणा ना छोड़ दे, अर जिब थम पाप करणा छोड़ दे, तो अपणे भाईयाँ नै भी इसाए करण खात्तर कहियो।” 33 उसनै उसतै कह्या, “हे प्रभु मै, तेरे गेल्या जेळ जाण, बल्के मरण नै भी त्यार सूँ।” 34 उसनै कह्या, “हे पतरस, मै तन्नै सच कहूँ सूँ, के आज मुर्गा बाँग न्ही देवैगा जब ताहीं तू तीन बर मेरै बारै म्ह मुकरैगा जावैगा, के मै तन्नै न्ही जापदा।” 35 फेर यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, “जिब मन्ने थारे ताहीं वचन सुणाण खात्तर बटुए, अर झोळी, अर जूत्याँ कै बिना भेज्या था, तो के थमनै

किसे चीज की कमी होई थी?” उननै कह्या, “किसे चीज की न्ही।” 36 उसनै
 चेल्यां तै कह्या, “पर इब जिसकै धोरै बटुआ ना हो वो उसनै ले अर उस्से
 तरियां जिसकै धोरै तलवार न्ही हो तो वो अपणे लत्ते बेचकै एक मोल लेवै।
 37 क्यूँके मै थमनै कहूँ सूँ, यो जो पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, ‘वो गुन्हेगार
 गेल्या गिण्या गया,’ उसका मेरै म्ह पूरा होणा जरूरी सै, क्यूँके मेरै बारै म्ह
 लिखी सारी बाततां का होणा जरूरी सै।” 38 चेल्यां नै कह्या, “हे प्रभु याडै दो
 तलवार सै।” यीशु नै उन तार्हीं कह्या, “भतेरी सै।” 39 फेर यीशु बारणै
 लिकड़कै अपणी रीत के मुताबिक जैतून कै पहाड़ पै गया, अर चेल्लें उसकै
 पाच्छै हो लिये। 40 उस जगहां पोहुच कै उसनै चेल्यां तै कह्या, “प्रार्थना करो
 कै थम परखे ना जाओ।” 41 अर आप उनतै न्यारा एक डळा फेकण के
 बराबर जितनी दूर गया, अर गोठ्ठे टेक कै प्रार्थना करण लाग्या, 42 “हे पिता
 जै तू चाहवै तो इस दुख के कटोरे नै मेरै धोरै तै हटा ले, तोभी मेरी न्ही पर
 तेरी मर्जी पूरी हो।” 43 फेर सुर्ग तै एक सुर्गदूत उसनै दिख्या जो उसनै
 सामर्थ दिया करै था। 44 वो और घणे संकट म्ह काल होकै और भी मन तै
 प्रार्थना करण लाग्या, अर उसका पसीन्ना मान्नो लहू की बड्डी-बड्डी बूँदां के
 जू धरती पै गिरै था। 45 फेर वो प्रार्थना तै उठ्या अर अपणे चेल्यां कै धोरै
 आकै उन तार्हीं उदासी कै मारै सोन्दे पाया। 46 अर उनतै कह्या, “क्यूँ सोवों
 सों? उठो, प्रार्थना करो के थम परखे ना जाओ।” 47 यीशु न्यू कहण ए
 लागरया था, के एक भीड़ आई, अर उन बारहां चेल्यां म्ह तै एक जिसका
 नाम यहूदा था उसकै आगगै-आगगै आण लाग रह्या था। वो यीशु कै धोरै
 आया के उसनै चूम ले। 48 यीशु नै उसतै कह्या, “हे यहूदा, के तू चुम्मा लेकै
 माणस के बेटा नै पकड़वावै सै?” 49 उसकै साथियाँ नै जद देख्या के, के
 होण आळा सै, तो कह्या “हे प्रभु, के हम तलवार चलावां?” 50 अर उन म्ह
 तै एक नै महायाजक के नौक्कर पै तलवार चलाकै उसका सोळा कान उड़ा
 दिया। 51 इसपै यीशु नै कह्या, “इब बस करो।” अर उसका कान छू कै उस
 तार्हीं ठीक करया। 52 फेर यीशु नै प्रधान याजकां अर मन्दर कै पैहरेदारां कै
 सरदारां अर यहूदी अगुवां तै, जो उसपै चढ़ गये थे, कह्या, “के थम मन्नै डाकू
 जाणकै तलवार अर लाठी लेकै लिकड़े सो? 53 जद मै मन्दर म्ह हरेक दिन
 थारे गेल्या था, तो थमनै मेरै हाथ भी कोनी लाया, पर यो थारा बखत सै, अर

अन्धकार का हक सै।” 54 फेर वे यीशु नै पकड़कै ले चाल्ले, अर महायाजक कै घर म्ह लाये, पतरस दूरे ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै चाल्लै था। 55 अर जद वे आँगण म्ह आग सुलगाकै कठ्ठे बेठ्ठे, तो पतरस भी उसके बिचाळै बैठग्या। 56 फेर एक नौकराणी उस तारीं आग कै चाँदणे म्ह बेठ्या देखकै अर उस कान्ही देखकै कहण लागी, “यो भी तो उसकै गेल्या था।” 57 पर पतरस नै यो कहकै मना कर दिया, के “हे, जनानी मै उसनै कोनी जाणदा।” 58 थोड़ी हाण पाच्छै किसे और नै पतरस तारीं देखकै कह्या, “तू भी तो उन म्ह तै ए सै।” उसनै कह्या, “हे भाई, मै वो कोनी।” 59 कोए एक घंटे कै पाच्छै एक और माणस पक्के बिश्वास तै कहण लाग्या, “सही म्ह यो भी तो उसकै गेल्या था, क्यूँके यो गलीलवासी सै।” 60 पतरस नै कह्या, “हे भाई, मै न्ही जाणदा के तू के कहवै सै!” वो या कहवैए था के मुर्गे नै बाँग देई 61 फेर घूमकै प्रभु नै पतरस की ओड़ देख्या अर पतरस नै प्रभु की बात याद आई जो उसनै कही थी: “आज मुर्गे कै बाँग देण तै पैहल्या, तू तीन बर इन्कार करैगा।” 62 अर वो बारणै लिकड़कै नै फूट-फूटकै रोण लाग्या। 63 जो माणस यीशु नै पकड़े होए थे, वे उसका मजाक बणाकै पीटण लागे, 64 अर उसकी आँख ढँक कै उसतै बुझ्या, “भविष्यवाणी करकै बता के तेरे किसनै मारया!” 65 अर उननै घणीए बुराई की बात उसकै बिरोध म्ह कही। 66 जिन दिन लिकड़या तो यहूदी अगुवें, प्रधान याजक अर शास्त्री कठ्ठे होए, अर उस तारीं अपणी बट्टी सभा म्ह ल्याकै बुझ्या, 67 “जै तू मसीह सै, तो म्हारै तारीं कह दे!” उसनै उनतै कह्या, “जै मै थारे तै कहूँ, तो बिश्वास कोनी करोगे, 68 अर जै बुझ्हु, तो जवाब न्ही द्योगे। 69 पर इब तै मै माणस का बेट्टा सर्वशक्तिमान परमेसवर कै सोळी ओड़ बेठ्या रहूँगा।” 70 इसपै सब नै कह्या, “तो के तू परमेसवर का बेट्टा सै?” यीशु नै उन तारीं कह्या, “थम अपने-आपे कहो सों, क्यूँके मै सूँ।” 71 फेर उननै कह्या, “इब हमनै गवाह की के जरूरत सै, क्यूँके हमनै आप्पे उसकै मुँह तै सुण लिया सै।”

23 फेर सारी मंडळी उठकै यीशु नै राज्यपाल पिलातुस कै धोरै लेग्यी। 2 वो ये कहकै उसपै इल्जाम लगाण लागे, “हमनै इस तारीं माणसां नै भकांदे, अर कैसर नै चुंगी देण तै मना करदे, अर खुद नै मसीह, राजा कहन्दे होए सुण्या सै।” 3 पिलातुस नै उसतै बुझ्या, “के तू यहूदियाँ का राजा

सै?” उसने उस तारीं जवाब दिया, “तू आप ए कहण लागरया सै।” 4 फेर पिलातुस नै प्रधान याजकां तै अर माणसां तै कह्या, “मन्नै इस आदमी म्ह कोए खोट न्ही पाया।” 5 पर वे और भी बिश्वास के गेल्या कहण लागे, “यो गलील परदेस तै लेके याड़े तारीं, सारे यहूदिया परदेस के माणसां नै उपदेश देकै दंगा करवावै सै।” 6 या सुणकै पिलातुस नै बुझया, “के यो आदमी गलीलवासी सै?” 7 अर या जाणकै के वो हेरोदेस की रियासत का सै, उस तारीं हेरोदेस के धोरै भेज दिया, क्यूँके उस बखत वो भी यरुशलेम म्ह था। 8 हेरोदेस यीशु नै देखकै घणा राज्जी होया, क्यूँके वो घणे दिनां तै उसनै देखणा चाहवै था, इस खात्तर के उसके बारै म्ह सुणया था, अर उसतै किमे चमत्कार देखण की आस राक्खै था। 9 वो उसतै भोत-सी बात बुझता रह्या, पर उसनै उस तारीं कोए भी जवाब न्ही दिया। 10 प्रधान याजक अर शास्त्री खड़े होए तन मन तै उसपै इल्जाम लगान्दे रहे। 11 फेर हेरोदेस नै अपणे सिपाहियाँ के गेल्या उसकी बेजती करकै मजाक उड़ाया, अर भड़कीले लत्ते पिराह के उस तारीं पिलातुस के धोरै भेज दिया। 12 उस्से दिन पिलातुस अर हेरोदेस साथी बणगे, इसतै पैहल्या वे एक-दुसरे के दुश्मन थे। 13 पिलातुस नै प्रधान याजकां, सरदारां अर माणसां नै बुलाकै उन तारीं कह्या, 14 “थम इस आदमी नै माणसां का भकाण आळा बताकै मेरै धोरै ल्याए सों, अर देखखो, मन्नै थारे स्याम्ही उसकी जाँच करी, पर जिन बात्तां का थम उसपै इल्जाम लगाओ सों उन बात्तां के बारै म्ह मन्नै इस म्ह कोए भी खोट कोनी पाया, 15 ना हेरोदेस नै दोषी पाया, क्यूँके उसनै इस तारीं म्हारै धोरै भेज दिया सै: अर देखखो, उसतै इसा कुछ कोनी होया के वो मौत की सजा के काबिल ठहराया जावै। 16 इस खात्तर मै इसनै छित्वा के छोड़ द्यु सू।” 17 (पिलातुस त्यूँहार के बखत उनकै खात्तर एक कैदी नै छोड़ण पै मजबूर था।) 18 फेर सारे मिलकै चिल्ला उठे, “इसका काम तमाम करदे, अर म्हारै खात्तर बरअब्बा नै छोड़दे!” 19 वो किसे बलवे के कारण जो नगर म्ह होया था, अर हत्या के कारण जेळ म्ह गेरया गया था 20 पर पिलातुस नै यीशु तारीं छोड़ण की इच्छा तै माणसां तारीं फेर समझाया, 21 आखर उननै रुक्के मारकै कह्या, “उसनै क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै!” 22 उसनै तीसरी बर उन तारीं कह्या, “क्यांतै उसनै के बुरा करया सै? मन्नै उस म्ह मौत की सजा के काबिल कोए

बात कोनी पाई। इस तरियां मै इसनै छित्वा कै छोड़ देऊ सूं।” 23 पर वे रुक्के मार-मारकै पाच्छै पड़ गये के वो क्रूस पै चढ़ाया जावै, अर उनका रुक्के मारणा तेज होगया। 24 आखर पिलातुस नै हुकम दिया के उनकी बिनती के मुताबिक करया जावै। 25 उसनै उस आदमी के जो बलवे अर हत्या के कारण जेळ म्ह गेरया गया था, अर जिसनै वो माँगै थे, छोड़ दिया, अर यीशु नै उनकी इच्छा के मुताबिक सौप दिया। 26 जब वो यीशु नै लेकै जावै थे, तो उननै एक माणस जिसका नाम शमौन कुरेनी था, जो गाम म्ह तै आवै था, पकड़कै उसपै क्रूस लाद दिया के उससे यीशु के पाच्छै-पाच्छै ले चाल्लै। 27 माणसां की भीड़ उसकै पाच्छै-पाच्छै हो ली उन म्ह घणीए बिरबान्नी भी थी जो उसकै खात्तर छात्ती पीट्टै अर रोवै धोवै थी। 28 यीशु नै उनकै कान्ही मुड़कै कह्या, “हे यरुशलेम की बेटियों, मेरै खात्तर ना रोओ, पर अपने अर अपने बाळकां के खात्तर रोओ 29 क्यूँके देखो, वे दिन आवै सै, जिन म्ह माणस कहवेंगें, ‘धन्य सै वे जो बिरबान्नी जो बाँझ सै अर वे गर्भ जिननै ऊलाद न्ही पैदा करी, अर वे स्तन जिन नै दूध न्ही पियाया।’ 30 उस बखत ‘माणस पहाड़ां अर टीलां तै कहण लागये के म्हारै पै आण पड़ो, अर हमनै ढँक ल्यो।’” 31 क्यूँके वे जब हरे रुखां गेल्या इसा करै सै, तो सूख्या कै गेल्या के किमे न्ही करया ज्यागा? 32 वे और दो माणसां नै भी जो बुरे काम करण आळे थे यीशु कै गेल्या मारण नै ले चाल्ले। 33 जद वे उस जगहां पै पोहचे जो “खोपड़ी” यानी इब्रानी भाषा म्ह “गुलगुता” कुह्वावै सै, तो उननै ओड़ै यीशु तार्हीं अर बुरे काम करण आळे तार्हीं भी, एक नै सोळी अर दुसरे नै ओळी ओड़ क्रूस पै चढ़ाए। 34 फेर यीशु नै कह्या, “हे पिता इन्हनै माफ कर, क्यूँके ये न्ही जाणदे के ये के करै सै।” अर उननै पर्ची गेर कै उसके लत्ते बांड लिए। 35 माणस खड़े-खड़े देखवै थे, अर सरदार भी मजाक करकै कहवै थे “इसनै औरां तार्हीं बचाया, जै यो परमेसवर का मसीह सै, अर उसका छाट्या होए सै, तो अपने-आपनै बचाले।” 36 सिपाही भी धोरै आकै अर सिरका देकै उसका मजाक बणा के कहवै थे, 37 “जै तू यहूदियाँ का राजा सै, तो अपने-आपनै बचाले!” 38 अर उसकै उप्पर एक दोषपत्र भी लगा दिया: “यो यहूदियाँ का राजा सै।” 39 जो बुरे काम करणीये ओड़ै लटकाए गए थे, उन म्ह तै एक नै उसकी बेजती करकै कह्या, “के तू मसीह

कोनी? फेर अपणे-आपनै अर हमनै बचा!” 40 इसपै दुसरे नै उस ताहीं धमका के कह्या, “के तू परमेसवर तै भी कोनी डरदा? तू भी तो बाए सजा पा रया सै, 41 हम तो न्याय के मुताबिक सजा पारे सां, क्यूँके हम अपणे काम्मां की ठीक सजा पारे सां, पर उसनै कोए गलत काम न्ही करया।” 42 फेर उसनै कह्या, “हे यीशु, जद तू अपणे राज्य म्ह आवै, तो मेरी खियास करिये।” 43 उसनै उस ताहीं कह्या, “मै तन्नै सच कहूँ सूं के आजे तू मेरै गेल्या सुर्गलोक म्ह होगा।” 44 करीबन दोफ्फारै तै तीन बजे ताहीं सारे देश म्ह अन्धेरा होया रह्या, 45 अर सूरज का चाँदणा जान्दा रह्या, अर मन्दर का पड़दा बिचाळे तै पाटग्या, 46 अर यीशु नै जोर तै किल्की मारकै कह्या, “हे पिता, मै अपणी आत्मा तेरे हाथ्यां म्ह सौंपू सूं।” अर या कह के जी दे दिया। 47 सूबेदार नै जो कुछ होया था देखकै परमेसवर की बड़ाई करी, अर कह्या, “पक्का यो माणस धर्मी था।” 48 अर भीड़ जो यो देखखण नै कट्टी होई थी, इस घटना नै देखकै दुख के मारे छात्ती पीटती होई बोहड़गी। 49 पर उसकै सब जाण-पिच्छाण, अर जो बिरबान्नी गलील परदेस तै उसकै गेल्या आई थी, दूर खड़ी यो सब देख्खै थी। 50 ओड़ै यूसुफ नाम का यहूदी अगुवां की सभा का एक सदस्य था जो आच्छा अर धर्मी आदमी था 51 वो सभा के फैसले अर इस काम तै राज्जी कोनी था। वो यहूदिया परदेस के नगर अरिमतिया गाम का रहण आळा अर परमेसवर के राज्य की बाट देखखण आळा था। 52 उसनै पिलातुस के धोरै जाकै यीशु की लाश माँगी, 53 अर उस ताहीं उतार के मलमल की चादर म्ह लपेट्या, अर एक कब्र म्ह धरया, जो पत्थरां म्ह खुदी होए थी, अर उस म्ह कोए कदे न्ही राख्या गया था। 54 वो त्यारी का दिन था, अर आराम का दिन शरु होण आळा था। 55 उन बिरबानियाँ नै जो उसके गेल्या गलील परदेस तै आई थी, पाच्छै-पाच्छै जाकै उस कब्र ताहीं देख्या, अर यो भी के उसकी लाश किस रीति तै राक्खी गयी सै। 56 फेर उननै घर बोहड़ के खुशबुदार चीज अर इत्र तयार करया, अर आराम कै दिन उननै हुकम के मुताबिक आराम करया।

24 पर हफ्तै कै पैहल्ले दिन तड़कै-तड़कै नै वे उन खुशबुदार चिज्जां नै जो उननै बणाई थी, लेकै यीशु की कब्र पै आई। 2 उननै पत्थर कब्र पै तै गिरड़या होया पाया, 3 पर भीत्तर जाकै प्रभु यीशु की लाश कोनी पाई। 4 जब वे इस

बात तै हैरान होरी थी तो देखखो दो माणस चमकदे होए लते पहरी होए उनके धोरै आण खड़े होए। 5 जब वे डरगी अर धरती की ओड़ मुँह झुकाए रही तो उननै उन ताहीं कह्या, “थम जान्दे नै मरे होया म्ह क्यूँ टोहो सो? 6 वो उरै कोनी, पर जिन्दा होग्या सै। याद करो कै उसनै गलील परदेस म्ह रहंदे होए थारे तै कै कह्या था, 7 जरूरी सै कै मै माणस का बेट्टा पापियाँ कै हाथ्यां म्ह पकड़वाया जाऊँ, अर क्रूस पै चढ़ाया जाऊँ, अर तीसरे दिन जी उठु।” 8 फेर उसकी बात उनके याद आई, 9 अर कब्र तै उल्टे आकै उननै उन ग्यारहां नै अर, सारया ताहीं ये सब बात कह दी। 10 जिन नै प्रेरितां तै ये बात कही वे मरियम मगदलीनी अर योअन्ना अर याकूब की माँ मरियम अर उसके साथ की और भी बिरबान्नी थी। 11 पर उनकी बात उन ताहीं कहाँनी-सी लागगी, अर उननै उसका बिश्वास कोनी करया। 12 फेर पतरस कब्र पै भाज्या गया, अर झुककै लत्यां की पट्टियाँ का ढेर पड़े देखखे, अर जो होया था उसतै अचम्भा होया करदा होया अपणे घरां चल्या गया। 13 उससे दिन उन म्ह तै दो चेल्लें इम्माऊस नाम के गाम म्ह जाण लागरे थे, जो यरुशलेम तै कोए सात कौंस की दूरी पै था। 14 वे इन सब बाततां पै जो होई थी, आप्पस म्ह बातचीत करदे जाण लागरे थे, 15 अर जद वे आप्पस म्ह बातचीत अर पूछताछ करै थे तो यीशु खुद धोरै आकै उनके गेल्या चाल्लण लाग्या। 16 पर परमेसवर नै उनकी आँख न्यू बन्द कर दी थी कै यीशु ताहीं पिच्छाण ना सकै। 17 यीशु नै उनतै बुझया, “ये कै बात सै, जो थम चाल्दे-चाल्दे आप्पस म्ह करो सों?” वे खड़े होगे अर उनका मुँह भोत उदास था। 18 या सुणकै चेल्यां म्ह तै क्लियुपास नाम के एक चेल्लें नै कह्या, “इसा लाग्गै सै के तू यरुशलेम म्ह एक्ला परदेशी सै, जो न्ही जाणदा के इन दिनां म्ह इस नगर म्ह के-के होया सै?” 19 यीशु नै उनतै बुझया, “कौण सी बात? उननै उस ताहीं कह्या, यीशु नासरी जो नबी था उसकी बात, जो परमेसवर अर सारे माणसां कै स्याम्ही काम अर वचन म्ह सामर्थी था। 20 अर प्रधान याजकां अर म्हारै सरदारं नै उस ताहीं पकड़वा दिया ताके उसतै मौत का हुकम दिया जावै, अर उस ताहीं क्रूस पै चढ़वाया। 21 पर हमनै उम्मीद थी के योए इस्राएल नै रोमी साम्राज्य तै छुटकारा देवैगा। इन सारी बाततां कै सिवा इस घटना नै होए आज तीसरा दिन सै, 22 अर म्हारै म्ह तै कई बिरबानियाँ नै भी म्हारै ताहीं उळझन म्ह गेर

दिया, जो आज सबेरै कब्र पै गयी थी, 23 अर जिब उसकी लाश कोनी पाई तो वा या कहन्दी आई के हमनै सुर्गदूतां के दर्शन पाये, जिन नै कह्या के यीशु जिन्दा सै। 24 फेर म्हारै साथियाँ म्ह तै कई कब्र पै गये, अर जिसा बिरबानियाँ नै कह्या था उसाए पाया, पर वो कोनी देख्या।” 25 फेर यीशु नै उन दो चेल्यां तै कह्या, “हे सब बेकुफों अर नबियाँ की सारी बातां पै बिश्वास करण म्ह नासमझों! 26 कै जरूरी कोनी था कै मसीह ये दुख उठाकै अपणी महिमा म्ह दाखल हो?” 27 फेर उसनै मूसा नबी तै अर सारे नबियाँ तै शरु करकै सारे पवित्र ग्रन्थां म्ह तै अपणे बारै म्ह लिक्खी बातां का मतलब, उन ताहीं समझा दिया। 28 इतनै म्ह वो उस गाम कै धोरै पोहचे जित्त वे जावै थे, अर उसके ढंग तै इसा लाग्या के वो आगै जाणा चाहवै सै। 29 पर उननै यो कहकै उस ताहीं रोक्का, “म्हारै गेल्या रह, क्यूँके साँझ होली सै अर दिन इब घणा ढळग्या सै।” फेर वो उनकै गेल्या रहण के खात्तर भीत्तर गया। 30 जद वो उनकै गेल्या खाणा खाण बेठ्या, तो उसनै रोटी लेकै धन्यवाद करया अर उस ताहीं तोड़कै उननै देण लाग्या। 31 फेर उनकी आँख खुलगी, अर उननै उस ताहीं पिच्छाण लिया, अर वो उनकी आँखां तै ओन्झळ होग्या। 32 उननै आप्पस म्ह कह्या, “जद वो म्हारै तै रास्ते म्ह बात करै था अर पवित्र ग्रन्थ का मतलब हमनै समझावै था, तो कै म्हारै मन म्ह जोश न्ही आया?” 33 वो उस्से बखत जिब्बे उठकै यरुशलेम नगर म्ह चले गये, अर उन ग्यारहां चेल्यां अर उनकै साथियाँ ताहीं उननै कठ्ठे मिलगे। 34 वो कहवै थे, “प्रभु साच्चेए जी उठ्या, अर शमौन नै दिख्या।” 35 फेर उन दो चेल्यां नै भी राह म्ह होई घटना के बारें ब्यौरा सुणया अर किस तरियां खाणा खान्दे बखत उननै मसीह यीशु ताहीं पिच्छाणा लिया था। 36 वे ये बात करै ए थे के वो खुद ए उनके बिचाळै आण खड्या होया, अर उन ताहीं कह्या, “थमनै शान्ति मिलै।” 37 पर वे घबरागे अर डरगे, अर समझे के हम किसे भूत नै देक्खां सां। 38 यीशु नै उनतै कह्या के, “क्यूँ घबराओ सों? अर थारे मन म्ह क्यूँ बैहम हो सै? 39 मेरै हाथ-पायां नै देक्खो के मै वोए सूं। मन्नै छू के देक्खो, क्यूँके आत्मा के हाड-माँस कोनी होन्दे जिसा मेरै म्ह देक्खो सों।” 40 न्यू कहकै उसनै उन ताहीं अपणे हाथ पैर के घा दिखाए। 41 जद खुशी के मारै उननै बिश्वास कोनी होया, अर वो अचम्भा मान्नै थे, तो यीशु नै उन ताहीं बुझया, “के याडै

थारे धोरै किमे खाण नै सै?” 42 चेल्यां नै उस ताहीं भुनी होई मच्छी का टुकड़ा दिया। 43 उसनै वो मच्छी का टुकड़ा लेकै उनके आगै खाया। 44 फेर उसनै उन ताहीं कह्या, “ये मेरी वे बात सै, जो मन्नै थारे गेल्या रहंदे होए थारे तै कही थी के जरूरी सै जितनी बात मूसा नबी की नियम-कायदा अर नबियाँ अर भजनां की किताबां म्ह मेरै बारै म्ह लिक्खी सै, सारी पूरी हों।” 45 फेर उसनै पवित्र ग्रन्थ बुझाण के खात्तर उनकी बुद्धि खोल दी, 46 अर उनतै कह्या, “यो पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के मसीह दुख ठावैगा, अर तीसरे दिन मरे होया म्ह तै जी उठैगा, 47 अर यरुशलेम तै लेकै सारी जात्तां म्ह पापां नै छोड़ण का अर पापां की माफी का प्रचार, उसकै-ए नाम तै करया जावैगा। 48 थम इन सारी बाततां के गवाह सों। 49 अर देखो, मै थारे पै पवित्र आत्मा भेज्जूंगा जिसा मेरे पिता नै कह्या सै, जिब तैई पवित्र आत्मा थारे पै न्ही आवै, अर थम सुर्ग तै सामर्थ ना पाओ, जब ताहीं इसे नगर म्ह रुके रहो।” 50 फेर यीशु उननै बैतनिय्याह गाम ताहीं बाहर लेग्या, अर अपने हाथ ठाकै उन ताहीं आशीर्वाद दिया, 51 अर उननै आशीष देदे होए वो उनतै न्यारा होग्या अर सुर्ग पै उठा लिया। 52 फेर वो उसनै नमस्कार करकै बड़ी खुशी तै यरुशलेम चले गए, 53 अर वे लगातार मन्दर म्ह हाज्जर होकै परमेसवर की भगति करया करै थे।

यूहन्ना

1 दुनिया बणण तै पैहल्या वचन था, अर वचन परमेसवर कै गेल्या था, अर वचन परमेसवर था। **2** यो वचन ए शरुआत तै परमेसवर कै गेल्या था। **3** दुनिया की हरेक चीज उस्से कै जरिये बणी सै, अर उसके बिना किसे भी चीज की रचना न्ही होई। **4** वो जीवन का जरिया था, अर वो जीवन मानव जाति कै खात्तर चाँदणा था। **5** चाँदणा अन्धेरै म्ह चमकै सै, अर अन्धेरा उस तार्हीं बुझा न्ही सक्या। **6** परमेसवर कै ओड़ तै भेज्जा होया एक माणस आया, जिसका नाम यूहन्ना था। **7** वो गवाही देण खात्तर आया के माणसां नै चाँदणे की गवाही देवै, के सारे माणस उस्कै जरिये चाँदणे पै बिश्वास करै। **8** वो खुद तै वो चाँदणा कोनी था, पर माणसां नै उस्से चाँदणे की गवाही देण खात्तर आया था। **9** जो साच्चा चाँदणा था, हरेक माणस नै ज्ञान का चाँदणा देवै सै, वो धरती पै आण आळा था। **10** वो दुनिया म्ह था, अर दुनिया उस्कै जरिये बणी, अर दुनिया के माणसां नै उस तार्हीं न्ही पिच्छाण्या। **11** वो अपने यहूदी माणसां कै धोरै आया अर उसके अपने लोगां नै उस तार्हीं कोन्या अपणाया। **12** पर जितन्या नै उस तार्हीं अपणाया, उसनै उन तार्हीं परमेसवर के ऊलाद होण कि हक दिया। **13** वे कुदरती तौर पै ना तो पूर्वजां तै, ना देह की मर्जी तै, ना माणसां की मर्जी तै, पर परमेसवर की मर्जी तै पैदा होए सै। **14** अर वचन देह धारण करकै आया, अर अनुग्रह अर सच्चाई तै भरकै म्हारै बिचाळै रहण लाग्या, अर हमनै उसकी इसी महिमा देख्खी, जिसी पिता कै इकलौते बेट्टे की महिमा। **15** यूहन्ना नै उस्कै बारै म्ह गवाही दी, अर रुक्का मारकै बोल्या, “यो वोए सै, जिसका मन्नै जिक्र करया के जो मेरै पाच्छै आण लागरया सै, वो मेरतै घणा महान् सै क्यूँके वो मेरतै पैहल्या था।” **16** क्यूँके उसकी करुणा अर सच्चाई की भरपूरी म्ह तै हम सारया नै आशीष पै आशीष पाई। **17** इस खात्तर के नियम-कायदे तो मूसा नबी तै मिले, पर अनुग्रह अर सच्चाई यीशु मसीह कै जरिये पोहची। **18** परमेसवर तार्हीं किसे नै कदे कोन्या देख्खा, पर परमेसवर के इकलौते बेट्टे नै, जो सदा परमपिता कै गैल सै, उस्से नै म्हारे तार्हीं दिखाया। **19** यूहन्ना की गवाही या सै, के जिब यहूदी अगुवां नै यरुशलेम तै याजकां अर लेवियाँ नै उसतै यो बुझ्झण नै भेज्या, के “तू कौण सै?” **20** फेर उसनै नाट्या कोनी, पर मान

लिया के “मै मसीह कोनी।” 21 फेर उननै यूहन्ना तै बुझ्या, “तो फेर तू कौण सै? के तू एलिय्याह नबी सै?” उसनै साफ-साफ कह दिया के, “मै मसीह कोनी।” “तो के तू वो नबी सै?” उसनै जवाब दिया, “ना।” 22 फेर उननै यूहन्ना तै बुझ्या, “फेर तू सै कौण? ताके हम अपणे भेजण आळा ताहीं जवाब देवां। तू अपणे बारै म्ह के कहवै सै?” 23 वो बोल्या, “जिसा यशायाह नबी नै बोल्या सै: ‘मै जंगल-बियाबान म्ह एक रुक्का देवण आळे का वचन सुं, के थम प्रभु का रास्ता सीध्दा करो।’” 24 वे फरीसियों के कान्ही तै भेज्जै होड़ थे। 25 उननै उसतै यो सवाल बुझ्या, “जै तू ना मसीह सै, अर ना एलिय्याह, अर ना वो नबी सै, तै फेर बपतिस्मा क्यांतै देवै सै?” 26 यूहन्ना नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै तो थमनै पाणी तै बपतिस्मा देऊं सुं, पर थारे बीच म्ह एक माणस खड्या सै जिसनै थम कोनी जाणदे। 27 यानी मेरै पाच्छै आण आळा सै, जिसके जूत्याँ के फिते भी मै खोल्लण जोग्गा कोनी।” 28 ये बात यरदन नदी तै परली ओड़ बैतनिय्याह गाम म्ह होई, जडै यूहन्ना माणसां ताहीं बपतिस्मा दिया करदा। 29 दुसरे दिन यूहन्ना नै यीशु ताहीं अपणी ओड़ आन्दे देखकै बोल्या, “देक्खो, यो परमेसवर का मेम्ना सै जो दुनिया का पाप ठावै सै। 30 यो वोए सै जिसकै बारै म्ह मन्नै कह्या था, एक माणस मेरै बाद आवै सै जो मेरतै महान् सै, ज्यातै वो मेरतै पैहल्या था। 31 मै खुद तो उसनै कोनी पिच्छाणु था, पर इस्से खात्तर मै पाणी तै बपतिस्मा देन्दा होया आया, ताके इस्राएल के माणस उसनै जान ले।” 32 अर यूहन्ना नै या गवाही दी: “मन्नै सुर्ग तै पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां अकास तै उतरदे अर उस ताहीं मसीह यीशु पै ठहरते देख्या सै।” 33 मै तो उसनै पिच्छाणु कोनी था, पर जिसनै मेरै ताहीं पाणी तै बपतिस्मा देण कै खात्तर भेज्या, उस्से नै मेरै ताहीं कह्या, “जिसपै तू आत्मा नै उतरदे अर ठहरदे देख्खै, वोए पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देणिया सै।” 34 “अर मन्नै देख्या, अर गवाही दी सै, के योए परमेसवर का बेटा सै।” 35 आगले दिन यूहन्ना अपणे दो चेल्यां के गैल फेर ओड़ै खड़े थे, 36 अर उसनै यीशु ताहीं जो उसकै धोरै तै जाण लागरया था, उसकी ओड़ लखाकै बोल्या, “देक्खो, यो परमेसवर का मेम्ना सै।” 37 जिब्बे वे दोन्नु चेल्लें उसकी या बात सुणकै यीशु कै गैल हो लिए। 38 यीशु नै मुड़कै उन ताहीं गैल आन्दे देख्या अर उनतै

बोल्या, “थम के चाहो सो?” वे उसतै बोल्ले, “हे गुरु, तू कित्त रहवै सै?”

39 यीशु उनतै बोल्या, “चाल्लों, तो देख लियो।” फेर उननै उसकै रहण की जगहां देख्खी, अर उस दिन उसकै गेल्या रहे। क्यूँके साँझ के करीब चार बजगे थे। 40 उन दोनुआ म्ह तै, जो यूहन्ना की बात सुणकै यीशु कै गेल्या हो लिए थे, एक तो शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास था। 41 उसनै पैहल्या अपणे सगे भाई शमौन तै मिलकै उसतै बोल्या, “हमनै ख्रिस्त यानी मसीह (परमेसवर का अभिषिक्त) मिलग्या।” 42 फेर अन्द्रियास शमौन नै यीशु कै धोरै ल्याया। यीशु नै उसकी ओड़ लखाकै कह्या, “तू यूहन्ना का बेटा शमौन सै: तू कैफा यानिके पतरस कुआवैगा।” 43 आगले दिन यीशु नै गलील परदेस जाण का इरादा करया। वो फिलिप्पुस तै मिल्या अर बोल्या, “मेरै पाच्छे हो ले।” 44 फिलिप्पुस, अन्द्रियास अर पतरस के नगर बैतसैदा का रहणीया था। 45 फिलिप्पुस नतनएल तै मिल्या अर उसतै बोल्या, “जिसका जिक्र मूसा नबी नै नियम-कायदा म्ह अर नबियाँ नै करया सै, वो हमनै मिलग्या सै! वो यूसुफ का बेटा, यीशु नासरी सै।” 46 नतनएल नै उसतै बुझ्झया, “के कोए उत्तम चीज भी नासरत तै लिकड़ सके सै?” फिलिप्पुस उसतै बोल्या, “चालकै देख ले।” 47 यीशु नै नतनएल ताहीं अपणी ओड़ आन्दे देखकै उसकै बारै म्ह कह्या, “देक्खो, यो साच्चए इस्राएली सै: इस म्ह कपट कोनी।” 48 नतनएल नै उसतै बुझ्झया, “तू मन्नै किस तरियां जाणे सै?” यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “इसतै पैहल्या के फिलिप्पुस नै तेरे ताहीं बुलाया, तो मन्नै तेरे ताहीं देख्या था जिब तू अंजीर कै दरखत तळै था।” 49 नतनएल नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे गुरु, तू परमेसवर का बेटा सै, तू इस्राएल का राजा सै।” 50 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मन्नै जो तेरे तै कह्या के मन्नै तेरे ताहीं अंजीर कै दरखत तळै देख्या, के तू इस्से बात पै विश्वास करै सै? तू इसतै भी बड़े-बड़े काम देख्खैगा।” 51 फेर उसनै कह्या, “मै तेरे तै सच-सच कहुँ सुं, के थम सुर्ग नै खुल्या होड़ अर परमेसवर के सुर्गदूतां ताहीं मुझ माणस कै बेटे कै खात्तर नीचवै उतरदे अर उप्पर जान्दे होए देख्खोगे।”

2 फेर तीसरे दिन गलील परदेस कै काना नगर म्ह किसे का ब्याह था, अर यीशु की माँ भी ओड़ैए थी। 2 यीशु अर उसके चेल्लें भी उस ब्याह म्ह न्योद

राकखे थे। 3 जिब अंगूर का रस खतम होग्या, फेर यीशु की माँ उसतै बोल्ली, “उनकै धौरै अंगूर का रस कोनी रहया।” 4 यीशु नै उसतै कह्या, “हे नारी, या बात तू मेरे तै क्यूँ कहवै सै? इब्बै मेरा बखत कोनी आया।” 5 पर उसकी माँ नै नौकरां तै कह्या, “जो कुछ यो थारे ताहीं कहवै, न्यूए करियो।” 6 यहूदी परम्परा के मुताबिक शुद्ध करण कै खात्तर ओड़ै छः पत्थर के पैण्डे धरे थे, जिन म्ह दो-दो, तीन-तीन मण पाणी आवै था। 7 यीशु नै उनतै कह्या, “पैंढा म्ह पाणी भर द्यो।” अर उननै वे मुँह तक भर दिए। 8 फेर यीशु नै नौकरां ताहीं कह्या, “इब काढकै भोज कै प्रधान धौरै ले जाओ।” अर वे लेगे। 9 जिब भोज कै प्रधान नै वो पाणी चाख्या, जो अंगूर का रस बणग्या था अर वे न्ही जाणै था के वो कड़ै तै आया सै पर जिन नौकरां नै पाणी काढ्या था वे जाणै थे फेर भोज कै प्रधान नै बन्दड़े ताहीं बुलाकै उसतै कह्या, 10 “हरेक माणस पैहल्या बढिया अंगूर का रस देवै सै, अर जिब माणस पीकै छिक्क जावै सै, फेर हल्का देवै सै, पर तन्नै बढिया अंगूर का रस इब ताहीं राख राख्या सै।” 11 यीशु नै गलील परदेस के काना नगर म्ह अपणा यो पैहला चिन्ह-चमत्कार दिखाकै अपणी महिमा जाहिर कर दी अर जिसकी बजह तै उसके चेल्यां नै उसपै बिश्वास करया। 12 इसकै बाद वो अर उसकी माँ अर उसके भाई अर उसके चेल्लें कफरनहूम नगर म्ह गए अर ओड़ै कुछ दिन रहे। 13 यहूदियाँ का फसह का त्यौहार लोवै था, अर यीशु यरुशलैम नगर म्ह गया। 14 उसनै मन्दर म्ह बळध, भेड़ अर कबूतर बेचण आळे अर सर्राफां (पर्ईसा का लेण देण करण आळे) ताहीं बेठ्ठे होए पाया। 15 फेर उसनै जेवड़ियां का कोरड़ा बणाकै, सारी भेड़ुं अर बळधां ताहीं मन्दर तै काढ दिया, अर सर्राफां के पर्ईसे खिन्डा दिए अर उनके पीढ़े पलट दिए, 16 अर कबूतर बेचण आळा ताहीं बोल्या, “इन्हनै उरै तै ले जाओ। मेरै पिता कै घर नै व्यापर का घर ना बणाओ।” 17 फेर उसकै चेल्यां नै याद आया के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या होड़ सै, “तेरे घर की धुन मन्नै खा ज्यागी।” 18 इसपै यहूदी अगुवां नै यीशु तै कह्या, “तू म्हारै ताहीं कौण सा अदभुत निशान दिखा सकै सै?” जो इस तरियां के काम तू करै सै, यो साबित हो सकै, के तू उसका हक राकखै सै। 19 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “इस मन्दर नै ढा दो, मै इसनै तीन दिन म्ह बणा दियुंगा।” 20 यहूदी अगुवां नै कह्या, “इस मन्दर कै बणाण म्ह

छियालिस साल लागे सै, अर के तू इसनै तीन दिन म्ह बणा देवैगा?” 21 पर यीशु नै उनतै अपणी देह रूपी मन्दर के बारै म्ह कह्या था। 22 आखर म्ह जिब वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होया, जिब उसके चेल्यां नै याद आई, के उसनै यो कह्या था, अर उननै पवित्र ग्रन्थ के वचन जो यीशु के जिन्दा होण के बारें म्ह बतावै सै, अर उननै यीशु के जरिये कहे होए वचनां पै बिश्वास करया। 23 फसह के त्यौहार के दिन्नां म्ह जिब यीशु यरुशलेम नगर म्ह था, तो उसके जरिये करे गये चिन्ह-चमत्कार के काम्मां नै देखकै घणे माणसां नै उसपै बिश्वास करया। 24 पर यीशु नै अपणे-आप ताहीं उनकै भरोसै पै कोनी छोड्या, ज्यातै वो सारया नै जाणै था, 25 अर उसनै इस बात की जरूरत कोनी थी के कोए आकै उसनै माणसां के बारै म्ह बतावै, क्यूँके वो खुदे जाणै था के माणस के मन म्ह के सै?

3 फरीसियाँ म्ह तै नीकुदेमुस नाम का एक माणस था, जो यहूदियाँ का प्रधान था। 2 उसनै रात नै यीशु के धोरै आकै उस ताहीं कह्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै के तू परमेसवर की ओड़ तै म्हारे ताहीं सिखाण खात्तर आया सै, ज्यातैए कोए इन चिन्ह-चमत्कारां नै जिननै तू दिखावै सै, जै परमेसवर उसके गेल्या ना हो, तो दिखा कोन्या सकदा।” 3 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मै थारे ताहीं सच कहूँ सूँ, जै कोए नए सिरे तै ना जन्म ले तो परमेसवर का राज्य देख नही सकदा।” 4 नीकुदेमुस नै उस ताहीं कह्या, “माणस जिब बूढ़ा होज्या, तो किस ढाळ जन्म ले सकै सै? के वो अपणी माँ के गर्भ म्ह दुसरी बर भीत्तर बड़कै जन्म ले सकै सै।” 5 यीशु नै जवाब दिया, “मै तेरे तै सच कहूँ सूँ, जिब ताहीं कोए माणस पाणी अर आत्मा तै ना जन्मे तो वो परमेसवर के राज्य म्ह बड़ नही सकदा। 6 क्यूँके मानव देह म्ह जन्म सिर्फ देह का जन्म सै, जिब के आत्मा तै जन्म नया जन्म सै। 7 हैरान ना होवै, के मन्नै तेरे तै कह्या, के थारे ताहीं नए सिरे तै जन्म लेणा जरूरी सै। 8 हवा जितोड़ चाहवै सै उतोड़ चाल्लै सै, अर तू उसकी आवाज सुणै सै, पर जाणदा कोनी, के वा कड़ै तै आवै सै अर कितोड़ नै जावै सै? जो कोए पवित्र आत्मा तै जन्मा सै वो इसाए सै।” 9 नीकुदेमुस नै उस ताहीं जवाब दिया, के या बात किस ढाळ हो सकै सै? 10 या सुणकै यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “तू इस्राएलियाँ का गुरु होकै भी के इन बाततां नै कोनी समझदा?” 11 मै तेरे तै

साच्ची-साच कहूँ सूँ के हम जो जाणां सां, वो कहां सां, अर जिस ताहीं हमनै देख्या सै उसकी गवाही देवां सां, अर जो हम कहां सां, उसका थम बिश्वास कोनी करदे। 12 जिब मन्नै थारैतै दुनिया की बात कही, अर थम बिश्वास न्ही करदे, तो जै मै थमनै सुर्ग की बात कहूँ, तो फेर किस ढाळ बिश्वास करोगे? 13 अर कोए सुर्ग पै कोनी चढ़ा, सिर्फ वोए एक सै जो सुर्ग तै उतरा यानिके मै माणस का बेट्टा। 14 अर जिस ढाळ तै मूसा नबी नै जंगल-बियाबान म्ह कांस्सी का साँप बणाके उस ताहीं ऊँच्चे पै चढ़ाया, उस्से ढाळ तै जरूरी सै के मै माणस का बेट्टा भी ऊँच्चे पै चढ़ाया जाऊँ। 15 ताके जो कोए मेरे पै बिश्वास करै वो अनन्त जीवन पावै। (aiōnios g166) 16 क्यूँके परमेसवर नै दुनिया के माणसां तै इसा प्यार राख्या के उसनै अपना इकलौता बेट्टा दे दिया, ताके जो कोए उसपै बिश्वास करै, वो नाश कोनी होवै, पर अनन्त जीवन पावै। (aiōnios g166) 17 क्यूँके परमेसवर नै अपना बेट्टा दुनिया म्ह इस खात्तर न्ही भेज्या, के दुनिया पै दण्ड का हुकम देवै, पर इस खात्तर भेज्या के दुनिया उसकै जरिये उद्धार पावै। 18 जो परमेसवर के बेट्टे पै बिश्वास करै सै, उसपै दण्ड का हुकम कोन्या होन्दा, पर जो उसपै बिश्वास न्ही करदा, वो कसूरवार बणैगा, ज्यांतै के उसनै परमेसवर के इकलौते बेट्टे के नाम पै बिश्वास कोनी करया। 19 अर दण्ड कै हुकम का कारण यो सै के चान्दणा दुनिया म्ह आया सै, अर माणसां नै अन्धेरै ताहीं चाँदणे तै घणा प्यारा जाण्या क्यूँके उनके काम बुरे थे। 20 क्यूँके जो कोए पाप करै सै, वो चाँदणे तै बैर राक्खै सै, अर चाँदणे धोरै कोनी आन्दा, क्यूँके उसके पाप उजागर हो जावेंगे। 21 पर जो सच्चाई पै चाल्लै सै वो चाँदणे धोरै आवै सै, ताके ये साबित हो जावै के उसके काम परमेसवर की ओड़ तै कराये गये सै। 22 फेर यीशु अर उसके चेल्लें यहूदिया परदेस म्ह पोहचे, अर वो ओड़ै उनके गेल्या रहकै माणसां ताहीं बपतिस्मा देण लाग्या। 23 यूहन्ना भी शालेम नगर कै धोरै ऐनोन नामक गाम म्ह बपतिस्मा देवै था, क्यूँके ओड़ै घणाए पाणी था, अर माणस आकै बपतिस्मा लेवै थे। 24 यूहन्ना उस बखत ताहीं जेळखान्ने म्ह कैद न्ही करया था। 25 ओड़ै यूहन्ना के कुछ चेल्यां का किसे यहूदी गेल्या पाणी तै शुद्धिकरण कै बारै म्ह बहस होगी। 26 अर यूहन्ना कै चेल्यां नै आकै उस ताहीं कह्या, “हे गुरु, जो माणस यरदन नदी कै

परली ओड़ तेरी गेल्या था, अर जिसके बारे में तू कह्या सै, देख, वो यीशु बपतिस्मा देवै सै, अर सारे उसके धोरे आवै सै।” 27 यूहन्ना नै जवाब दिया, “माणस नै तब तक कुछ न्ही मिल सकता, जिब तक वो सुर्ग तै ना दिया जावै।” 28 थारे ताहीं तो पैहले मन्ने बताया था के “मै मसीह कोनी, पर उसतै पैहले भेज्या गया सूँ।” 29 बन्दड़ा बन्दड़ी तै ब्याह करै सै, पर बन्दड़े का साथी जो खड्या होया उसकी आवाज सुणै सै, बन्दड़े के वचन तै घणा खुश होवै सै, अर मै भी खुश सूँ। 30 जरूरी सै के वो बधै अर मै घट्टूँ। 31 जो सुर्ग तै आवै सै, वो सारया म्ह सबतै महान् सै, जो धरती कान्ही तै आवै सै वो धरती का सै, अर धरतीए की बात कहवै सै: जो सुर्ग कान्ही तै आवै सै, वो सारया तै उपपर सै। 32 उसनै जो कुछ देख्या अर सुणया सै, वो उससे की बात करै सै, पर उसकी गवाही कोए न्ही मानता। 33 जिसनै उसकी गवाही अपणाई उसनै इस बात पै छाप लगा दी के परमेसवर साच्चा सै। 34 क्यूँके जिस ताहीं परमेसवर नै भेज्या सै, वो परमेसवर की बात कहवै सै, क्यूँके परमेसवर उननै बिना किसे माप के पवित्र आत्मा देवै सै। 35 पिता अपणे बेट्टे तै प्यार करै सै, अर उसनै सारी चीज उसके हाथ्यां म्ह दे दी सै। 36 जो बेट्टे पै बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उससे का सै, पर जो बेट्टे की बात कोनी मान्दा, उसनै वो अनन्त जीवन कोनी मिलै, इसकी बजाये उसपै परमेसवर का छो बण्या रहवैगा। (aiōnios g166)

4 फेर जिब यीशु नै बेरा पाट्या के फरीसियाँ नै सुणया सै के यीशु यूहन्ना तै घणे चेल्लें बणावै सै अर उननै बपतिस्मा देवै सै। 2 (ऊतो यीशु खुद न्ही बल्कि उसके चेल्लें बपतिस्मा देवै थे) 3 फेर वो यहूदिया परदेस नै छोड़के दुबारे गलील परदेस म्ह चल्या गया, 4 इस बार उसनै सामरिया परदेस होके जाणा पड्या था। 5 इस करके वो सामरिया परदेस के सूखार नामक एक नगर म्ह आया, यो नगर उस जगहां के धोरे था जो याकूब नै अपणे बेट्टे यूसुफ ताहीं दिया था। 6 अर याकूब का कुआँ भी ओड़ैए था। यीशु सफर का थक्या होड़ उस कुएँ पै न्यूए बैठग्या। दोपहर का बखत होरया था। 7 इतनै म्ह एक सामरी बिरबान्नी पाणी भरण आई। यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मन्ने पाणी पिया।” 8 क्यूँके उसके चेल्लें नगर म्ह खाणा मोल लेण जारे थे। 9 उस सामरी बिरबान्नी नै उस ताहीं कह्या, “तू यहूदी होके मेरे तै सामरी

बिरबान्नी तै पाणी क्यांतै माँगै सै?” (क्यूँके यहूदी सामरियाँ तै नफरत करै थे।) 10 यीशु नै जवाब दिया, “जै तू जाणदी के परमेसवर तन्नै के देणा चाहवै सै, अर वो कौण सै, जो तेरे तै कहवै सै, ‘मन्नै पाणी पिया,’ फेर तू उसतै माँगदी, अर वो तन्नै जीवन का पाणी देन्दा।” 11 बिरबान्नी नै उस तार्हीं कह्या, “हे प्रभु, तेरे धोरै पाणी भरण नै तो किमे सै भी कोनी, अर कुआँ डून्चा सै, तो फेर वो जीवन का पाणी तेरे धोरै कड़ै तै आया? 12 के तू म्हारै पूर्वज याकूब तै बड़्ड़ा सै, जिसनै म्हारै तार्हीं यो कुआँ दिया, अर खुद भी अपणे ऊलादां, अर अपणे डान्गरां सुधा इस म्ह तै पिया?” 13 यीशु नै उस तार्हीं जवाब दिया, “जो कोए यो पाणी पीवैगा वो फेर तिसाया होगा, 14 पर जो कोए उस पाणी म्ह तै पीवैगा जो मै उस तार्हीं दियुँगा वो फेर अनन्त काल तार्हीं तिसाया कोनी होवैगा, बल्के जो पाणी मै उस तार्हीं दियुँगा वो उस म्ह तै एक चोवा बण ज्यागा जो अनन्त जीवन खात्तर उमड़दा रहवैगा।” (aiōn g165, aiōnios g166) 15 बिरबान्नी नै उस तार्हीं कह्या, “हे प्रभु, वो पाणी मन्नै दे ताके मै तिसाई ना होऊँ अर ना पाणी भरण नै इतनी दूर आऊँ।” 16 यीशु नै उस तार्हीं कह्या, “जा अपणे धणी नै याड़ै बुला ल्या।” 17 बिरबान्नी नै जवाब दिया, “मै बिना धणी की सूँ।” यीशु नै उस तार्हीं कह्या, “तू ठीक कहवै सै, ‘मै बिना धणी की सूँ।’ 18 क्यूँके तन्नै पाँच धणी कर लिए सै, अर जिस माणस के गेल्या तू इब सै वो भी तेरा धणी कोनी। या तन्नै साच्ची-ए कही सै।” 19 बिरबान्नी नै उस तार्हीं कह्या, “हे प्रभु, मन्नै लागै सै तू नबी सै। 20 म्हारै सामरी पूर्वजां नै इस्से पहाड़ पै भगति करी, अर यहूदी लोग कहवै सै, के वा जगहां जड़ै भगति करणी चाहिए यरुशलेम नगर म्ह सै।” 21 यीशु नै उस तार्हीं कह्या, “हे नारी,” मेरी बात का भरोस्सा कर, के वो बखत आवै सै, के थम ना तो इस पहाड़ पै पिता की भगति करोगे, ना यरुशलेम म्ह। 22 थम जिसनै कोनी जाणदे, उसकी भगति करो सो, अर हम यहूदी लोग जिसनै जाणा सा उसकी भगति करा सां, क्यूँके उद्धार यहूदियाँ म्ह तै सै। 23 पर वो बखत आवै सै, बल्कि इब भी सै, जिसम्ह सच्चे भगत पिता की भगति आत्मा अर सच्चाई तै करैगें, क्यूँके पिता अपणे खात्तर इसेए भगतां नै टोहवै सै। 24 परमेसवर आत्मा सै अर जरूरी सै के उसकी भगति करण आळे आत्मा अर सच्चाई तै उसकी भगति करै। 25 बिरबान्नी नै उस

ताहीं कह्या, “मै जाणु सूं के मसीह” जो ख्रिस्त कुहावै सै, “आण आळा सै, जिब वो आवैगा, फेर म्हारै ताहीं सारी बात बता देवैगा।” 26 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मै जो तेरे तै बोल्लण लागरया सूं, मै वोए सूं।” 27 इतनै म्ह उसके चेल्लें आण पोहचे, अर हैरान होण लागगे के वो बिरबान्नी तै बतळावै था, फेर भी किसे नै कोनी बुझ्या, “तू के चाहवै सै? या क्यातै उसतै बतळावै सै?” 28 फेर बिरबान्नी अपणा पैड़ा छोड़के नगर म्ह चली गई, अर माणसां तै कहण लागगी, 29 “आओ एक माणस नै देखो, जिसनै सारा किमे जो मन्नै करया मेरै तै बता दिया। कदे योए तो मसीह न्ही सै?” 30 तब वे नगर के बासिन्दे गाम तै लिक्ड़के यीशु कै धोरै आण लागगे। 31 इस बिचाळै उसके चेल्यां नै यीशु तै या बिनती करी, “हे गुरु, किमे खा ले।” 32 पर उसनै उन ताहीं कह्या, “मेरै धोरै खाण खात्तर इसा खाणा सै जिसनै थम कोनी जाणदे।” 33 फेर चेल्यां नै आप्पस म्ह कह्या, “के कोए उसके खात्तर खाणा लेकै आया सै?” 34 यीशु नै उनतै कह्या, “मेरा खाणा यो सै के अपणे भेजण आळे की मर्जी कै मुताबिक चाल्लुँ अर उसके काम नै पूरा करुँ जो उसनै कह्या सै। 35 के थम कोनी कहन्दे, ‘लामणीयां के इब्बै चार महिन्ने रहरे सै?’ अपणी आँखां तै देखे जितने माणस आण लागरे सै, वो उस खेत की तरियां सै जो काट्टण खात्तर तैयार सै। 36 पैहले तै मजदूर काम करण लागरया सै अर अपणी मजदूरी पाण लागरया सै, इसका मतलब यो सै के वो माणसां नै कठा करण लागरया सै जो अनन्त जीवन पागे। (aiōnios g166) 37 क्यूँके याडै या कहावत ठीक बेठै सै: बोणआळा और सै, अर काट्टण आळा और। 38 मन्नै थारे ताहीं वो खेत काट्टण खात्तर भेज्या जिसम्ह थमनै मेहनत कोन्या करी दुसरयां नै मेहनत करी अर थम उनकी मेहनत कै फळ म्ह हिस्सेदार होए।” 39 उस नगर के घणखरे सामरियाँ नै उस बिरबान्नी कै कहण तै यीशु पै विश्वास करया, क्यूँके उसनै कह्या था, के “उसनै सारा किमे जो मन्नै करया सै, मेरै तै बता दिया।” 40 ज्यांतै जिब सामरी उसकै धोरै आए, तो उसतै बिनती करण लागगे के म्हारै याडै रह। आखर म्ह वो ओड़ै दो दिन ताहीं रहया। 41 उसके वचन कै कारण और भी घणखरे माणसां नै विश्वास करया 42 अर उस बिरबान्नी तै कह्या, “इब हम तेरे कहण तैए विश्वास कोनी करदे, क्यूँके हमनै खुदे सुण लिया, अर जाणगे सा के योए

साच्चए म्ह दुनिया का उद्धार करणीया सै।” 43 फेर दो दिनां कै पाछै वो ओड़ै तै लिकड़कै गलील परदेस म्ह गया। 44 क्यूँके यीशु नै खुदे गवाही दी के नबी अपणे गाम म्ह आदर मान कोनी पान्दा। 45 जिव वो गलील परदेस म्ह आया, तो गलील परदेस के माणस राज्जी होकै उसतै मिले, क्यूँके जितने काम उसनै यरुशलेम म्ह त्यौहार कै बखत करे थे, उननै उन सारया ताहीं देख्या था, क्यूँके वे भी त्यौहार म्ह जारे थे। 46 फेर वो दुबारे गलील परदेस कै काना नगर म्ह आया, जड़ै उसनै पाणी ताहीं अंगूर का रस बणाया था। ओड़ै राजा का एक कर्मचारी था जिसका बेटा कफरनहूम नगर म्ह बीमार था। 47 वो या सुणकै के यीशु यहूदिया परदेस तै गलील परदेस म्ह आ रहया सै, उसके धोरै गया अर उसतै बिनती करण लागग्या के चालकै मेरै बेटै नै ठीक कर दे: क्यूँके वो मरण आळा था। 48 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “जिव ताहीं थम चमत्कार अर अचम्भे के काम कोनी देखदे जद ताहीं कदे भी बिश्वास कोनी करोगे।” 49 राजा कै कर्मचारी नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, मेरै बाळक की मौत होण तै पैहल्या चाल।” 50 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “जा, तेरा बेटा जिन्दा सै।” उस माणस नै यीशु की कही होई बात का बिश्वास करया अर चल्या गया। 51 वो रास्ते म्ह था के उसके नौक्कर उसतै आ मिले अर कहण लागे, “तेरा छोरा जिन्दा सै।” 52 उसनै उसतै बुझ्झया, “किस बखत वो ठीक होण लागग्या?” उननै उस ताहीं कह्या, “काल दोफहरै एक बजे उसका बुखार उतर गया।” 53 फेर बाप जाण गया के यो उस्से बखत होया जिस बखत यीशु नै उस ताहीं कह्या, “तेरा बेटा जिन्दा रहवैगा,” अर उसनै अर उसके सारे कुण्बे नै बिश्वास करया। 54 यो दुसरा अचम्भे का काम था जो यीशु नै यहूदिया परदेस तै गलील परदेस म्ह आकै दिखाया।

5 इन बात्तां कै पाछै यहूदियाँ का एक त्यौहार आया, अर यीशु यरुशलेम नगर म्ह गया। 2 यरुशलेम म्ह भेड़-फाटक कै धोरै एक कुण्ड सै जो इब्रानी भाषा म्ह बैतहसदा कुहावै सै, उसके पाँच घाट सै। 3 इन म्ह घणखरे बीमार, आन्धे, लंगड़े अर सूखे अंगआळे (पाणी कै हाल्लण कै आस म्ह) पड़े रहवै थे। 4 (क्यूँके खास बखत पै परमेसवर के सुर्गदूत कुण्ड म्ह उतरकै पाणी नै हलाया करै थे। पाणी हाल्दे जो कोए पैहल्या उतरदा वोए ठीक हो जान्दा चाहे उसके कोए बीमारी क्यूँ ना हो।) 5 उड़ै एक माणस था, जो अड़तीस

साल तै बीमारी म्ह पड्या था। 6 यीशु नै उस ताहीं पड्या होया देखकै अर न्यू जाणकै के वो घणे दिनां तै इसी हाल्लत म्ह पड्या सै, उसतै बुझ्या, “के तू ठीक होणा चाहवै सै?” 7 उस बीमार नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे प्रभु, मेरै धोरै कोए माणस कोनी के जिब पाणी हलाया जावै, तो मन्नै कुण्ड म्ह उतारै, पर मेरे पोंहोचदे-पोंहोचदे दुसरा मेरतै पैहल्या पाणी म्ह उतर जावै सै।” 8 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “उठ, अपणे बिस्तर ठाकै, हाँड-फिर।” 9 वो माणस जिब्बे ठीक होग्या, अर अपणे बिस्तर ठाकै हाँडण-फिरण लागग्या। 10 वो आराम का दिन था। ज्यांतै यहूदी उस ताहीं जो ठीक होया था, कहण लागगे, “आज तो आराम का दिन सै, तेरा बिस्तर ठाणा नियम-कायदा के मुताबिक ठीक कोनी।” 11 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “जिसनै मेरै ताहीं ठीक करया, उससे नै मेरै ताहीं कह्या, ‘अपणा बिस्तर ठा अर हाँड-फिर।’” 12 उननै उसतै बुझ्या, “वो कौण माणस सै जिसनै तेरे तै कह्या, ‘बिस्तर ठा, अर हाँड-फिर?’” 13 पर जो ठीक होया था वो कोनी जाणै था के वो कौण सै, क्यूँके उस जगहां पै भीड़ होण कै कारण यीशु ओड़ै तै चला गया था। 14 इन बात्तां कै पाच्छै वो यीशु नै मन्दर म्ह मिल्या। यीशु नै उस ताहीं कह्या, “देख, तू ठीक होग्या सै: दुबारा पाप ना करिये, इसा ना हो के इसतै कोए भारी संकट तेरे पै आण पड़ै।” 15 उस माणस नै जाकै यहूदियाँ तै कह दिया के जिसनै मेरै ताहीं ठीक करया वो यीशु सै। 16 इस कारण यहूदी अगुवें यीशु नै तंग करण लागगे, क्यूँके वो इसे काम आराम कै दिन करया करदा। 17 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मेरा पिता सारी हाण काम करै सै, अर मेरे ताहीं भी करते रहणा सै।” 18 यीशु की बात के कारण यहूदी अगुवें और भी घणे उस ताहीं मारण खात्तर कोशिश करण लागगे, क्यूँके वो ना सिर्फ आराम कै दिन का नियम तोड्या करदा, पर परमेसवर नै अपणा पिता कहकै खुद ताहीं परमेसवर कै बरोबर भी ठैहरावै था। 19 इसपै यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहुँ सूँ, बेटा खुद तै किमे न्ही कर सकदा, सिर्फ वो जो पिता नै करदे देखवै सै, क्यूँके जिन-जिन काम्मां नै वो करै सै उननै बेटा भी इससे ढाळ करै सै। 20 क्यूँके पिता बेटै तै प्यार करै सै अर जो-जो काम वो खुद करै सै, वो सारे उसतै दिखावै सै: अर वो इसतै भी बड़े काम उस ताहीं दिखावैगा, ताके थम हैरान होओ। 21 जिसा पिता मरे

होया नै ठावै अर जिवांवै सै उस्से ढाळ बेट्टा भी जिननै चाहवै सै उननै जिवांवै सै। 22 पिता किसे का न्याय कोनी करदा, पर न्याय करण का सारा काम बेट्टे ताहीं सौंप राख्या सै, 23 ताके सारे माणस जिस ढाळ पिता की इज्जत करै सै उस्से ढाळ बेट्टे की भी इज्जत करै। जो बेट्टे की इज्जत कोनी करदा, वो पिता की भी इज्जत कोनी करदा, जिसनै उस ताहीं भेज्या सै।” 24 मै थारैतै साच्ची-साच कहुँ सूँ, जो मेरा वचन सुणकै उसपै बिश्वास करै सै, जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै, वो अनन्त जीवन पावै सै, अर उसपै दण्ड का हुकम कोनी होन्दा, पर वो मौत नै पार करकै जीवन म्ह दाखल हो लिया सै। (aiōnios g166) 25 “मै थारैतै साच्ची-साच कहुँ सूँ, वो बखत आवै सै, अर इब सै, जिसम्ह मरे होड़ परमेसवर के बेट्टे का वचन सुणैगें, अर जो सुणैगें वे जिवैगें। 26 क्यूँके जिस ढाळ तै पिता खुद म्ह जीवन राकखै सै, उस्से ढाळ तै उसनै बेट्टे ताहीं भी यो अधिकार दिया सै के खुद जीवन राकखै। 27 बल्के मेरे ताहीं माणसां के न्याय करण का भी अधिकार दिया सै, ज्यातै के मै माणस का बेट्टा सूँ।” 28 इसतै हैरान मतना होओ: क्यूँके वो बखत आवै सै के जितने मरे होए लोग कब्रं म्ह सै वे मेरा वचन सुणकै लिकड़ आवैगें। 29 जिन नै भले काम करे सै वे जीवन कै पुनरुत्थान खात्तर जी जावैगें अर जिन नै बुरे काम करे सै वे दण्ड के पुनरुत्थान खात्तर जी जावैगें। 30 “मै खुद तो कुछ कोनी कर सकदा, जिसा सुणु सूँ, उस्से तरियां न्याय करुँ सूँ, अर मेरा न्याय साच्चा सै, क्यूँके मै अपणी मर्जी कोनी पर अपणे भेजण आळे की मर्जी चाहूँ सूँ।” 31 जै मै खुदे अपणी गवाही दूँ, तो मेरी गवाही साच्ची कोनी। 32 एक और सै जो मेरा पिता सै, वो मेरी गवाही देवै सै, अर मै जाणु सूँ, के मेरी जो गवाही वो देवै सै, वा साच्ची सै। 33 थमनै यूहन्ना तै बुझवाया अर उसनै सच्चाई की गवाही दी सै। 34 पर मै अपणे बारै म्ह माणसां की गवाही कोनी चाहन्दा, फेर भी मै ये बात ज्यातै कहुँ सूँ के थारा उद्धार हो। 35 यूहन्ना तो बळदे अर चमकदे होए दीवै कै समान था, अर थमनै किमे वार ताहीं उसके चाँदणे म्ह मगन होणा भाया। 36 पर मेरै धोरै जो गवाही सै वा यूहन्ना की गवाही तै बड्डी सै, क्यूँके जो काम पिता नै मेरै ताहीं निपटाण नै सौप्या सै यानिके योए काम जो मै करुँ सूँ, वे मेरे गवाह सै के पिता नै मेरै ताहीं भेज्या सै। 37 अर पिता जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै, उस्से नै मेरी गवाही दी सै।

थमनै ना कदे उसका वचन सुणया, अर ना उसकी शक्ल देख्खी सै, 38 अर उसके वचन ताहीं मन म्ह बणाए कोनी राखदे, क्यूँके जिस ताहीं उसनै भेज्या थम उसका बिश्वास कोनी करदे। 39 थम पवित्र ग्रन्थ म्ह टोव्हो सो, क्यूँके समझों सो के उस म्ह अनन्त जीवन थारे ताहीं मिलै सै, अर यो वोए सै जो मेरी गवाही देवै सै, (aiōnios g166) 40 फेर भी थम अनन्त जीवन पाण खात्तर मेरै धोरै आणा कोनी चाहन्दे। 41 मै माणसां तै आदर कोनी चाहन्दा। 42 पर मै थमनै जाणु सूं, के थारे म्ह परमेसवर खात्तर प्यार कोनी। 43 थम मेरे ताहीं पसन्द न्ही करते जिब के मै अपणे पिता के नाम तै आया सूं, जै दुसरा कोए खुद के नाम तै आवै, तो उसनै थम अपणा लोगे। 44 थम मेरै पै किस तरियां बिश्वास कर सको सो? क्यूँके थम तो आप्पस म्ह एक-दुसरे तै तारीफ सुणणा चाहो सो, अर उस तारीफ की ओड़ देखते भी कोनी जो एकमात्र परमेसवर तै आवै सै। 45 न्यू ना समझियों के मै पिता के स्याम्ही थारे म्ह खोट काढू सूं, थारे म्ह खोट काढणिया तो मूसा नबी सै, जिसपै थमनै भरोस्सा करया सै। 46 क्यूँके जै थम मूसा नबी पै बिश्वास करदे, तो मेरा भी बिश्वास करदे, ज्यांतै के उसनै मेरै बारै म्ह लिख्या सै। 47 पर जै थम उसके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिक्खी होई बात्तां पै बिश्वास कोनी करदे, तो मेरी बात्तां पै किस तरियां बिश्वास करोगे?

6 इन बात्तां के पाच्छै यीशु गलील समुन्दर यानिके तिबिरियास की झील के धोरै गया। 2 अर एक बड्डी भीड़ उसके गेल्या हो ली क्यूँके जो अचम्भे के काम वो बिमारां पै दिखावै था वे उननै देख्या करै थे। 3 फेर यीशु पहाड़ पै चढ़के अपणे चेल्यां के गेल्या बैठग्या। 4 यहूदियाँ के फसह का त्यौहार लोवै था। 5 जिब यीशु नै अपणी आँख ठाके एक बड्डी भीड़ ताहीं अपणे कान्ही आन्दे देख्या, फेर फिलिप्पुस ताहीं कह्या, “हम इनके खाणे के खात्तर कड़ै तै रोटी मोल ल्यावां?” 6 उसनै या बात उस ताहीं आजमाण ताहीं बोल्ली, क्यूँके वो खुदे जाणै था के वो के करैगा। 7 फिलिप्पुस नै उस ताहीं जवाब दिया, “दो सौ दीनार (200 दिन की मजदूरी) की रोटी भी उन खात्तर पूरी कोनी पड़ै के उन म्ह तै हरेक नै माड़ी-माड़ी मिल जा।” 8 उसके चेल्यां म्ह तै शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास नै उस ताहीं कह्या, 9 “याड़ै एक छोरा सै जिसके धोरै जौ की पाँच रोटी अर दो मच्छी सै, पर इतने माणसां खात्तर वे

के सै?" 10 यीशु बोल्या, "माणसां नै बिठा द्यो।" उस जगहां घणी घास थी: फेर माणस जिन म्ह आदमियाँ की गिणती करीबन पाँच हजार की थी, बैठगे। 11 फेर यीशु नै रोटी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करके बैठण आळा ताहीं बांड दी: अर उससे ढाळ मच्छियाँ म्ह तै जितनी वे चाहवै थे, बांड दी। 12 जिब वे खाकै छिकगे फेर वो चेल्यां तै बोल्या, "बचे होड़ टुकड़े कट्टे कर ल्यो के किमे बगायां न्ही जावै।" 13 आखर म्ह उननै कट्टा करया, अर जौ की पाँच रोटियाँ के टुकड्या तै जो खाण आळा तै बची होड़ थी, बारहा टोकरी भरी। 14 फेर जो अचम्भे के काम उसनै कर दिखाये उसनै वे माणस देखके कहण लागे, "वो नबी जो दुनिया म्ह आण आळा था, पक्का योए सै।" 15 यीशु न्यू जाणके के वे मन्नै राजा बणाण खात्तर पकड़णा चाहवै सै, फेर पहाड़ पै एकला चल्या गया। 16 जिब साँझ होई, तो उसके चेल्ले झील कै किनारे गए, 17 अर किस्ती पै चढ़के झील कै परली ओड़ कफरनहूम नगर म्ह जाण लागे। उस बखत अन्धेरा होगया था, अर यीशु इब ताहीं उनके धोरे कोनी आया था। 18 अर आँधी कै कारण समुन्दर म्ह झाल उठ्ठण लागी। 19 जिब वे खेते-खेते तीन-चार कोस कै करीबन लिकड़गे, फेर उननै यीशु ताहीं समुन्दर पै चाल्दे अर किस्ती कै धोरे आन्दे देख्या, अर डरगे। 20 पर उसनै उनतै कहा, "मै सूं, डरो मतना।" 21 आखर म्ह वे उसनै किस्ती पै चढ़ाण नै राज्जी होए अर जिब्बे वा किस्ती उस जगहां पै जा पोहची जड़ै वे जाण लागे थे। 22 जो लोग गलील समुन्दर के उस पार रहगे थे, उननै दुसरे दिन देख्या के याड़ै सिर्फ एक ए किस्ती थी, अर यीशु अपने चेल्यां गेल्या उस किस्ती पै कोनी चढ़या था, पर सिर्फ उसके चेल्ले एक्ले ए चले गए थे। 23 तिबिरियास नगर की कुछ किस्ती उस जगहां कै धोरे आके रुकी, जड़ै प्रभु नै परमेसवर का धन्यवाद करके भीड़ ताहीं रोटी खुआई थी। 24 जिब भीड़ नै देख्या के याड़ै ना यीशु सै अर ना उसके चेल्ले, फेर वे भी छोट्टी-छोट्टी किस्तियाँ पै चढ़के यीशु नै टोन्दे होए कफरनहूम नगर पोहचे। 25 गलील समुन्दर कै परली ओड़ जिब वे उसतै मिले तो बोल्ले, "हे गुरु, तू याड़ै कद आया?" 26 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, थम मन्नै ज्यांतै कोनी टोव्हो सो के थमनै अचम्भे के काम देखे, पर ज्यांतै के थमनै पेट भरके रोटी खाई थी।" 27 उस खाणे खात्तर मेहनत ना करो जो सड़ जावै

सै, पर उस खाणे खात्तर जतन करो जो कदे खराब न्ही होंदा अर अनन्त जीवन देवै सै, मै माणस का बेट्टा यो खाणा थारे ताहीं देऊँगा, क्यूँके पिता परमेसवर नै मेरे ताहीं इसा करण का हक दिया सै। (aiōnios g166) 28 वे उसतै बोल्ले, “परमेसवर के काम करण खात्तर हम के करा?” 29 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “परमेसवर चाहवै सै, के थम उसपै बिश्वास करो, जिस ताहीं उसनै भेज्या सै।” 30 फेर वे उसतै बोल्ले, “फेर तू कौण सा निशान दिखावै सै के हम उसनै देखकै तेरा बिश्वास करा? तू कौण सा काम दिखावै सै? 31 म्हारै पूर्वजां नै जंगल-बियाबान म्ह मन्ना खाया, जिसा पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै, ‘परमेसवर नै उन ताहीं खाण खात्तर सुर्ग तै रोटी देई।’” 32 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहुँ सूँ, के मूसा नबी नै थारे ताहीं वा रोटी सुर्ग तै कोनी दी, पर मेरा पिता थमनै सुर्ग तै असली रोटी देवै सै। 33 क्यूँके परमेसवर की रोटी वाए सै, जो सुर्ग तै उतरकै दुनिया के माणसां ताहीं जिन्दगी देवै सै।” 34 फेर यो सुणकै यीशु तै बिनती करी, “के हे प्रभु, वा रोटी हमनै सदा दिया कर।” 35 यीशु नै उनतै कह्या, “जीवन की रोटी मै सूँ: जो मेरै धोरै आवैगा, वो कदे भूक्खा कोनी रहवैगा, अर जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा, वो कदे तिसाया कोनी होवैगा। 36 पर मन्ने थारे ताहीं पैहले तै कह्या था, के थमनै मेरैताहीं देख भी लिया सै, फेर भी बिश्वास कोनी करदे। 37 वे सारे जो पिता नै मेरे ताहीं दिये सै, वे मेरै धोरै आवैगें, अर हर एक जो कोए मेरै धोरै आवैगा उसनै मै कदे भी कोनी छोडूँगा। 38 पर मै अपणी मर्जी कोनी पर अपणे भेजण आळे पिता की मर्जी पूरी करण खात्तर सुर्ग तै उतरया सूँ। 39 अर मेरै भेजण आळे की मर्जी या सै के जो किमे उसनै मेरै ताहीं दिया सै, उस म्ह तै मै किसे नै ना खोऊँ, पर उसनै आखर के दिनां म्ह दुबारै जिन्दा कर दूँ। 40 क्यूँके मेरै पिता की मर्जी या सै के जो कोए बेट्टे नै अपणा के उसपै बिश्वास करै, वो अनन्त जीवन पावै, अर मै उसनै आखरी के दिनां म्ह दुबारै जिन्दा करूँगा।” (aiōnios g166) 41 इसपै यहूदी उसपै बिरड़ाण लागगे, क्यूँके उसनै कह्या था, “जो रोटी सुर्ग तै उतरी, वा मै सूँ।” 42 अर वे बोल्ले, “के यो यीशु सै, यूसुफ का बेट्टा, जिसकै माँ-बाप नै हम जाणां सां? फेर वो किस ढाळ कह सकै सै के मै सुर्ग तै उतरया सूँ?” 43 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “आप्पस म्ह मतना बिरड़ाओ।” 44 कोए मेरै

धोरै कोनी आ सकदा जिब ताहीं पिता, जिसनै मेरैताहीं भेज्या सै, उसनै खींच न्ही लेवै, अर मै उसनै आखर के दिनां म्ह फेर जिन्दा करूंगा। 45 नबियाँ के लेखां म्ह यो लिख्या सै: “वे सारे परमेसवर की ओड़ तै सिखाए होए होवेंगे।” जिस किसे नै पिता तै सुण्या अर सिख्या सै, वो मेरै धोरै आवै सै। 46 किसे नै पिता ताहीं कोनी देख्या, सिवाए उसके, जो परमेसवर की ओड़ै तै सै, सिर्फ उस्से नै पिता ताहीं देख्या सै। 47 मै थारैताहीं साच्ची-साच कहुँ सूँ, के जो कोए बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै। (aiōnios g166) 48 जीवन की रोटी मै सूँ। 49 थारे पूर्वजां नै जंगल-बियाबान म्ह मन्ना खाया अर मरगे। 50 या वा रोटी सै जो सुर्ग तै उतरी सै, ताके माणस उस म्ह तै खावै अर ना मरै। 51 जीवन की रोटी जो सुर्ग तै उतरी सै, मै सूँ। जै कोए इस रोटी म्ह तै खावै, तो सारी हाण जिन्दा रहवैगा, अर जो रोटी मै दुनिया के जीवन खात्तर दियुँगा, वो मेरा माँस सै। (aiōn g165) 52 इसपै यहूदी न्यू कहकै आप्पस म्ह बहस करण लागगे, “यो माणस किस ढाळ हमनै अपणा माँस खाण नै दे सकै सै?” 53 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहुँ सूँ, के जिब ताहीं थम मुझ माणस कै बेटे का माँस ना खाओ, अर मेरा लहू ना पियो, थारे म्ह जीवन कोनी। 54 जो मेरा माँस खावै अर मेरा लहू पीवै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै, अर आखरी के दिनां म्ह मै उसनै दुबारै जिन्दा कर दियुँगा। (aiōnios g166) 55 क्यूँके मेरा माँस सच म्ह खाण की चीज सै, अर मेरा लहू सच म्ह पीण की चीज सै। 56 जो मेरा माँस खावै अर मेरा लहू पीवै सै वो मेरै म्ह डटया रहवै सै, अर मै उस म्ह। 57 जिसा जिन्दे पिता नै मेरैताहीं भेज्या सै, अर मै पिता के कारण जिन्दा सूँ, उस्से ढाळ वो भी जो मन्ने खावैगा मेरै कारण जिन्दा रहवैगा। 58 जो रोटी सुर्ग तै उतरी सै याए सै, उस रोटी बरगी कोनी जो पूर्वजां नै खाई अर मरगे, जो कोए या रोटी खावैगा, वो सदा ताहीं जिन्दा रहवैगा।” (aiōn g165) 59 ये बात उसनै कफरनहूम नगर कै एक आराधनालय म्ह उपदेश देन्दे बखत कही। 60 उसके चेल्यां म्ह तै घणखरा नै या सुणकै कह्या, “या सख्त शिक्षा सै, इसनै कौण सुण सकै सै?” 61 यीशु नै अपणे मन म्ह न्यू जाणकै के मेरे चेल्लें आप्पस म्ह इस बात पै बिरड़ावै सै, उन ताहीं बुझया, “के इस बात तै थारे ताहीं ठेस लागै सै?” 62 जै थम मुझ माणस कै बेटे नै जड़े मै पैहल्या था, ओड़ैए उप्पर जान्दे

देखोगे, तो के होगा? 63 आत्मा ए सै जो देह नै जीवन देवै सै, देह का कोए महत्व कोनी, जो वचन मन्नै थारैतै कह्ये सै, वे आत्मा सै, अर जीवन भी। 64 पर थारे म्ह तै किमे इसे सै जो बिश्वास कोनी करदे। क्यूँके यीशु पैहल्या तै ए जाणै था के जो बिश्वास न्ही करदे, वे कौण सै, अर कौण मेरै ताहीं पकड़वावैगा। 65 अर वो बोल्या, “ज्यांतै मन्नै थारे ताहीं कह्या था के जिब ताहीं किसे नै पिता की ओड़ तै यो वरदान ना मिलै तब ताहीं वो मेरै धोरै कोनी आ सकदा।” 66 इसपै उसकै चेल्यां म्ह तै घणखरे उल्टे हटगे अर उसकै बाद उसकै गेल्या कोनी चाल्ले। 67 फेर यीशु नै उन बारहां चेल्यां तै कह्या, “के थम भी चले जाणां चाहो सो?” 68 शमौन पतरस नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे प्रभु, हम किसकै धोरै जावां? अनन्त जीवन की बात तो तैरैए धोरै सै, (aiōnios g166) 69 अर हमनै बिश्वास करया अर जाणगे सै के परमेसवर का पवित्र जन तूए सै।” 70 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “के मन्नै थम बारहां चेल्यां ताहीं कोन्या छाट्या? फेरभी थारे म्ह तै एक जन शैतान सै।” 71 यो उसनै शमौन इस्करियोती के बेट्टै यहूदा कै बारै म्ह कह्या था, क्यूँके वोए जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था, उस ताहीं पकड़वाण म्ह था।

7 इन बाततां कै हो लेण कै पाच्छै यीशु गलील परदेस म्ह सफर करण लाग्या, वो यहूदिया परदेस म्ह जाणा कोनी चाहवै था, क्यूँके यहूदी लोग उस ताहीं मारण की ताक म्ह थे। 2 यहूदियाँ का झोपड़ियाँ का त्यौहार लोवै था। 3 ज्यांतै उसके भाईयाँ नै उस ताहीं कह्या, “याडै तै यहूदिया परदेस नै जा, ताके जो काम तू करै सै उननै तेरे चेल्लें ओड़ै भी देख्खै। 4 क्यूँके इसा कोए न्ही होगा जो मशहुर होणा चाहवै, अर लुह्क कै काम करै। जै तू यो काम करै सै, तो खुद नै दुनिया म्ह साबित कर।” 5 क्यूँके उसके भाई भी उसपै बिश्वास कोनी करै थे। 6 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “मेरे खात्तर इब्बै सही बखत कोनी आया, पर थारे खात्तर सारा बखत सही सै। 7 दुनिया थारे तै बैर कोनी कर सकदी, पर वा मेरै तै बैर करै सै क्यूँके मै उसकै बिरोध म्ह या गवाही दियुं सुं के उसके काम भुन्डे सै। 8 थम त्यौहार म्ह जाओ, मै इब्बै इस त्यौहार म्ह कोनी जान्दा, क्यूँके इब्बै मेरा सही बखत कोनी आया।” 9 वो उनतै ये बात कहकै गलील परदेस म्ह रहग्या। 10 पर जिब उसके भाई त्यौहार म्ह जा लिए तो वो खुद भी, जाहिर म्ह न्ही पर मान्नो गुप्ती तै गया। 11 त्यौहार म्ह कुछ

यहूदी लोग यीशु तारीं टोह्न्दे होए पूछताछ करण लागरे थे, “के वो कड़े सै?”
 12 फेर भी यीशु के बारें म्ह बड़ी बहस होण लागरी थी, कई माणस कहवै थे,
 “के वो भला माणस सै।” अर कईयाँ का कहणा था, “के ना, वो माणसां नै
 बहकावै सै।” 13 फेर भी यहूदियाँ कै डरकै मारे कोए भी माणस यीशु कै बारै
 म्ह खुलकै कोनी बोल्लै था। 14 जिब त्यौहार के आध्धे दिन बीतगे, फेर यीशु
 मन्दर म्ह जाकै उपदेश देण लागग्या। 15 फेर यहूदियाँ नै हैरान होकै कह्या,
 “इसनै बिना पढ़े ज्ञान किस तरियां आ ग्या?” 16 यीशु नै उन तारीं जवाब
 दिया, “जो उपदेश मै देऊँ सूँ, मेरा अपणा कोनी, पर उसतै आवै सै जिसनै
 मेरे तारीं भेज्या सै। 17 जै कोए माणस उसकी मर्जी पै चाल्लण का प्रण
 करै, तो उस तारीं यो बेरा लाग ज्यागा, के यो उपदेश परमेसवर की ओड़ तै
 सै, या मै अपणी ओड़ तै देऊँ सूँ। 18 जो अपणी ओड़ तै कुछ कहवै सै, वो
 खुद की बड़ाई चाहवै सै, पर जो अपणे भेजण आळे की बड़ाई चाहवै सै वोए
 साच्चा सै, अर उस म्ह अधर्म कोनी। 19 के मूसा नबी नै थारैतारीं नियम-
 कायदे कोनी दिये? फेरभी थारैम्ह तै कोए नियम-कायदा पै कोनी चाल्दा।
 थम मन्नै क्यातै मारणा चाहो सो?” 20 माणसां नै जवाब दिया, “तेरे म्ह
 ओपरी आत्मा सै! कौण तन्नै मारणा चाहवै सै?” 21 यीशु नै उन तारीं जवाब
 दिया, “मन्नै आराम कै दिन एक चमत्कार करया, अर थम सारे छो म्ह होंगे।
 22 इस्से खात्तर मूसा नबी नै थारैतारीं खतने का नियम दिया था (यो नियम
 मूसा नबी का न्ही था बल्के या थारे पूर्वजां तै ए लाग लागरी सै) अर थम
 आराम कै दिन माणस का खतना करो सो। 23 जिब आराम कै दिन माणस
 का खतना करया जावै सै ताके मूसा नबी कै नियम-कायदा का हुकम न्ही
 टळै। फेर थम मेरै पै क्यांतै छो करो सो के मन्नै आराम कै दिन एक माणस
 तारीं पूरी तरियां ठीक करया। 24 मुँह देख्या न्याय मतना करो, पर सही-सही
 न्याय करो।” 25 फेर यरुशलेम म्ह रहण आळे माणसां म्ह तै कईयाँ नै
 कह्या, “के यो वोए कोनी जिस तारीं यहूदी अगुवें मार देणा चाहवै सै?”
 26 पर लखाओ, “वो तो सरेआम बात करै सै अर कोए उसतै किमे कोनी
 कहन्दा। के यो न्ही हो सकता के यहूदी अगुवां नै साच्चे बेरा पाटग्या सै, के
 योए मसीह सै? 27 इसकै बारै म्ह हमनै बेरा सै यो कितका सै, पर मसीह
 जिब आवैगा तो कोए कोनी जाणै के वो कितका सै।” 28 फेर यीशु नै मन्दर

म्ह उपदेश देन्दे होए रुक्का मारकै कह्या, “थम मन्नै जाणो सो, अर न्यू भी जाणो सो के मै कित्त तै आया सूं। मै तो खुद कोनी आया, पर मेरा भेजण आळा साच्या सै, उसनै थम कोनी जाणदे। 29 पर मै उसनै जाणु सूं, क्यूँके मै उसकै कान्ही तै आया सूं, अर उससे नै मेरै ताहीं भेज्या सै।” 30 यो सुणकै यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं पकड़णा चाह्या, फेरभी किसे नै उसकै हाथ कोनी लाया, क्यूँके उसके मरण का सही बखत इब्बै कोनी आया था। 31 फेर भी भीड़ म्ह तै घणखरे माणसां नै उसपै बिश्वास करया, अर बोल्ले, “मसीह जिब आवैगा तो के इसतै घणे अचम्भे के काम दिखावैगा जो इसनै दिखाए?” 32 फरीसियाँ नै भीड़ म्ह माणस ताहीं यीशु के बारे म्ह चुपके-चुपके बात करते सुण्या, तो प्रधान याजक अर फरीसियाँ नै यीशु ताहीं पकड़ण खात्तर मन्दर के सिपाहियाँ ताहीं भेज्या। 33 मसीह यीशु बोल्या, “मै थोड़ी बार ताहीं थारे गेल्या सूं, फेर अपणे भेजण आळे धोरै उल्टा चल्या जाऊंगा। 34 थम मन्नै टोहओगे, पर कोनी पाओगे, अर जड़ै मै सूं, ओड़ै थम कोनी आ सकदे।” 35 इसपै यहूदी अगुवां नै आप्पस म्ह कह्या, “यो कित्त जावैगा, के हम इसनै कोनी टोह सकदे? के यो जो यूनानी परदेशियाँ म्ह तो बसणा न्ही चाहन्दा, ताके यूनानियाँ ताहीं भी उपदेश दे? 36 इसकी इस बात का के मतलब सै? जो उसनै बोल्ली सै, के थम मन्नै टोहओगे, पर कोनी पाओगे, अर जड़ै मै सूं, ओड़ै थम न्ही आ सकदे।” 37 त्यौहार के आखरी दिन, जो खास दिन सै, यीशु खड्या होया अर रुक्का मारकै कह्या, “जै कोए तिसाया हो तो मेरै धोरै आवै अर पीवै। 38 जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, ‘उसकी अंतरआत्मा म्ह तै जीवन के जल की नदियाँ बह लिकड़ैगी, जो अनन्त जिन्दगी देवै सै।’” 39 यीशु नै यो वचन पवित्र आत्मा के बारे म्ह कह्या, जो बिश्वास करण आळा नै मिलण आळी थी, क्यूँके इब ताहीं पवित्र आत्मा कोनी उतरया था, क्यूँके यीशु इब ताहीं अपणी महिमा म्ह कोनी पोहच्या था। 40 फेर भीड़ म्ह तै कईयाँ नै या बात सुणकै कह्या, “साच्ये योए वो नबी सै, जिसके आण की हम आस देख्खां थे।” 41 अर कईयाँ नै कह्या, “यो मसीह सै” पर कई बोल्ले, “मसीह गलील परदेस तै तो न्ही आवैगा?” 42 पवित्र ग्रन्थ यो कहवै सै, के मसीह दाऊद की पीढ़ी तै अर बैतलहम नगर तै आवैगा, जड़ै दाऊद रहवै था? 43 आखर म्ह उसकै कारण माणसां म्ह फूट

पड़ी। 44 उन म्ह तै कई उस ताहीं पकड़णा चाहवै थे, पर किसे नै उसके हाथ कोनी लाया। 45 फेर सिपाही, प्रधान याजकां अर फरीसियाँ कै धोरे बोहड़ आए, उननै उन ताहीं कह्या, “थम उसनै क्यातै न्ही ल्याए?” 46 सिपाहियाँ नै जवाब दिया, “इसी बात बताण आळा माणस हमनै आज ताहीं कदे भी कोनी मिल्या।” 47 फरीसियाँ नै उन ताहीं जवाब दिया, “के थम भी भळोई म्ह आगै? 48 के सरदारां या फरीसियाँ म्ह तै किसे नै भी उसपै बिश्वास करया सै? 49 पर ये माणस जो मूसा नबी के नियम-कायदे कोनी जाणदे, परमेसवर की ओड़ तै सरापित सै।” 50 नीकुदेमुस जो उन म्ह तै एक था, वो मसीह यीशु तै पैहल्या मिल चुका था, उन ताहीं बोल्या, 51 “के म्हारे नियम-कायदे किसे माणस नै, जिब ताहीं पैहल्या उसकी सुणकै जाण ना लेवै, के वो के करै सै, कसूरवार मान्ने सै?” 52 उननै नीकुदेमुस ताहीं जवाब दिया, “तू भी गलील परदेस का सै? पवित्र ग्रन्थ म्ह ढूँढ़ अर देख के गलील परदेस तै कोए नबी कोनी आवै।” 53 फेर सारे अपने-अपने घरां चले गए।

8 यीशु अपने चेल्यां कै गैल जैतून कै पहाड़ पै गया। 2 तड़कैए आगले दिन यीशु फेर मन्दर म्ह आया। भोत सारे माणस उसके धोरे आए अर वो बैठकै उननै उपदेश देण लाग्या। 3 जिब वो बोलण लागरया था, तो जिब्बे शास्त्री अर फरीसी एक बिरबान्नी नै ल्याए, जो जारी करते होए रंगे हाथ पकड़ी गयी थी, अर उस ताहीं माणसां के स्याम्ही खड्या कर दिया, अर यीशु ताहीं कह्या, 4 “हे गुरु, या बिरबान्नी जारी कर दी रंगे हाथ पकड़ी गयी सै। 5 मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह उसनै म्हारै ताहीं हुकम दिया सै, के इसी बिरबान्नी नै पत्थर बरसा कै मार द्यो। पर तू इस बिरबान्नी कै बारै म्ह के कहवै सै?” 6 उननै यीशु ताहीं परखण खात्तर या बात कही, ताके उस म्ह खोट लिकाड़ण का कोए सुराग मिलै जावै। पर यीशु कोड्डा होकै आन्गळी तै धरती पै लिखण लाग्या। 7 जिब वे बार-बार उसतै सवाल करते रहे, तो फेर उसनै सीध्दा होकै उन ताहीं कह्या, “थारे म्ह जिसनै भी कोए पाप न्ही करया हो, वोए उसके सबतै पैहला पत्थर मारै।” 8 फेर यीशु कोड्डा होकै आन्गळी तै धरती पै लिखण लाग्या। 9 जिब माणसां नै यो सुणया तो सबतै पैहले बूढ़े माणस अर फेर एक-एक करकै ओड़ै तै खिसकण लाग्गे, क्यँके वे सब जाणै थे, के हम सब पापी सां, अर सिर्फ यीशु अर वा बिरबान्नी ओड़ै रहगे। 10 यीशु

खड्या होया अर उस बिरबान्नी ताहीं कह्या, “हे नारी, वे कित्त गए? के किस्से नै तेरे ताहीं दण्ड न्ही दिया?” 11 वा बोल्ली, “हे प्रभु, किसे नै न्ही।” यीशु बोल्या, “मै भी तेरे ताहीं दण्ड न्ही देऊंगा, जा, अर दुबारा कदे पाप ना करिए।” 12 मन्दर म्ह अपणे उपदेश नै दुबारै शरु करदे होए यीशु नै माणसां तै कह्या, “दुनिया का चाँदणा मै सूं, जो कोए मेरै पाच्छे चाल्लैगा, वो अन्धेरै म्ह कदे कोनी चाल्लैगा, पर वो चाँदणा पावैगा जो अनन्त जीवन देवै सै।” 13 फरीसियाँ नै उस ताहीं कह्या, “तू अपणी गवाही खुद देवै सै, इस खात्तर तेरी गवाही साच्ची कोनी।” 14 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “भलाए मै अपणी गवाही खुद देऊँ सूं, फेर भी मेरी गवाही मान्नी जावैगी, क्यूँके मै जाणु सूं, के मै कित्त तै आया सूं, अर कितोड़ जाऊँ सूं? पर थम कोनी जाणदे के मै कित्त तै आऊँ सूं, या कितोड़ जाऊँ सूं। 15 थम मानवीय सोच तै, न्याय करो सो, मै किसे का न्याय कोनी करदा। 16 जै मै न्याय करूँ भी तो वो सही ए होगा, क्यूँके मै एकला कोनी, पर परम पिता, जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै, वो अर मै दोन्नु मिलकै न्याय करा सां। 17 थारे मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह भी लिख्या सै, के दो जण्यां की गवाही सच के रूप म्ह मान्नी जा सकै सै। 18 एक तो मै खुद अपणी गवाही दियुँ सूं, अर दुसरा मेरा पिता मेरी गवाही देवै सै, जिसनै मेरैताहीं भेज्या।” 19 उननै उस ताहीं कह्या, “तेरा पिता कित्त सै?” यीशु नै जवाब दिया, “ना थम मन्नै जाणो सो, ना मेरै पिता नै, जै मन्नै जाणदे तै मेरै पिता नै भी जाणदे।” 20 यीशु नै ये वचन मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए भण्डार घर म्ह बोल्ली, अर किसे नै उस ताहीं कोनी पकड्या, क्यूँके उसके दुख ठाण का अर मरण का बखत इब ताहीं कोनी आया था। 21 यीशु नै फेर उन ताहीं कह्या, “मै जाऊँ सूं, अर थम मन्नै टोहओगे, अर अपणे पाप म्ह मरोगे। जड़ै मै जाऊँ सूं, ओड़ै थम न्ही आ सकदे।” 22 इसपै यहूदी अगुवां नै कह्या, “के वो खुद नै मार देवैगा, जो कहवै सै, ‘जड़ै मै जाऊँ सूं, ओड़ै थम न्ही आ सकदे?’” 23 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “थम इस दुनिया म्ह पैदा होए सों, अर मै सुर्ग तै आया सूं। थम इस दुनिया के सो, मै इस दुनिया का कोनी। 24 ज्यांतै मन्नै थारे ताहीं कह्या के थम अपणे पापां म्ह मरोगे, जै थारा मेरे म्ह बिश्वास कोनी के मै कौण सूं, तो थम मरोगे, अर थारे पाप माफ कोनी होंगे।” 25 यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं कह्या, “के तू कौण सै?” वो उनतै बोल्या,

जिब तै मन्नै प्रचार करणा शरु करया सै, तब तै मै थमनै कहन्दा आया सूं, “के मै कौण सूं?” 26 “थारे बारै म्ह कहण खात्तर अर फैसला करण खात्तर मेरे धोरै भोत कुछ सै, पर सच्चाई याए सै के जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, मै वोए कहूँ सूं, जो मन्नै उसतै सुणया सै, वोए दुनिया के माणसां तै कहूँ सूं।” 27 वे न्यू न्ही समझै के म्हारै तै, पिता कै बारै म्ह कहवै सै। 28 फेर यीशु बोल्या, “जिब थम मुझ माणस कै बेट्टै नै ऊँच्चे पै चढ़ाओगे, जिब जाणोगे के मै वोए सूं। मै खुद तै किमे कोनी करदा, पर जिस तरियां मेरे पिता नै, मेरे ताहीं सिखाया सै, उससे ढाळ ये बात कहूँ सूं। 29 मेरा भेजण आळा मेरे गेल्या सै, उसनै मेरैताहीं एकला कोनी छोड्या क्यूँके मै सारी हाण वैए काम करूँ सूं, जिसतै वो राज्जी होवै सै।” 30 वो ये बात कहणे लागरया था, के घणखरयां नै उसपै विश्वास करया। 31 फेर यीशु नै उन यहूदियाँ तै जिन नै उसपै विश्वास करया था, बोल्या, “जै थम मेरै वचन म्ह बणे रहोगे, तो साच-ए मेरे चल्लें ठहरोगे।” 32 थम सच नै जाणोगे अर सच थमनै आजाद करैगा। 33 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “हम तो अब्राहम के वंशज सा, कदे किसे के गुलाम कोनी बणे। फेर तू किस तरियां कहवै सै, के थम आजाद हो जाओगे?” 34 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए पाप करै सै, वो पाप का गुलाम सै। 35 गुलाम सारी हाण घर म्ह कोनी रहन्दा, बेट्टा सारी हाण घरां रहवै सै। (aiōn g165) 36 ज्यांतै जै बेट्टा थमनै आजाद करैगा, तो साच्ये थम आजाद हो जाओगे। 37 मै जाणु सूं, के थम अब्राहम के वंश के सो, फेर भी थम मेरे वचनां नै कोनी मानते, ज्यांतै थम मन्नै मारणा चाहो सो। 38 मै वोए कहूँ सूं, जो मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिखाया सै, अर थम वोए करो सो, जो थमनै अपणे पिता तै सुणया सै।” 39 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “म्हारा पूर्वज तो अब्राहम सै।” यीशु उनतै बोल्या, “जै थम अब्राहम के वंशज होन्दे, तो अब्राहम जिसे काम करदे। 40 पर इब थम मेरै ताहीं मारणा चाहो सो, जिसनै थारे ताहीं वो साच्चा वचन बताया जो परमेसवर तै सुणया, इस तरियां तो अब्राहम नै कोनी करया था। 41 थम अपणे पिता कै जिसे काम करो सो।” उननै यीशु ताहीं कह्या, “हम जारी तै कोनी जणे, म्हारा एक ए पिता सै यानिके परमेसवर।” 42 यीशु उनतै बोल्या, “जै परमेसवर थारा पिता होन्दा, तो थम मेरै तै प्यार करदे,

क्यूँके मै परमेसवर की ओड़ तै आया सूं। मै खुद कोनी आया, पर उरसे नै मेरै ताहीं भेज्या। 43 थम मेरी बात क्यांतै न्ही समझदे? ज्यांतै के थम मेरे वचनां नै अपणादे कोनी। 44 थम अपणे पिता शैतान की ओड़ तै सो, अर अपणे पिता की मर्जी पूरी करणा चाहो सो। वो तो शरु तै ए खून्नी सै, अर सच पै टिक्या ए कोनी रहया, क्यूँके सच उस म्ह सै ए कोनी। जिब वो झूठ बोल्लै सै, तो अपणे सुभाव तै ए बोल्लै सै, क्यूँके वो झूठा सै बल्के झूठ का बाप सै। 45 पर मै जो सच बोल्लू सूं, इस्से करकै थम मेरा बिश्वास कोनी करदे। 46 थारे म्ह तै कौण मन्नै पापी ठैहरावै सै? जै मै सच बोल्लू सूं, तो थम मेरा बिश्वास क्यांतै न्ही करदे? 47 जो परमेसवर कान्ही तै होवै सै, वो परमेसवर की बात सुणै सै, अर थम ज्यांतै कोनी सुणदे के परमेसवर की ओड़ तै कोनी सो।” 48 न्यू सुण यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “के हम ठीक कोनी कहन्दे के तू सामरी सै, अर तेरे म्ह भुन्ड़ी ओपरी आत्मा सै?” 49 यीशु नै जवाब दिया, “मेरै म्ह भुन्ड़ी ओपरी आत्मा कोनी,” पर मै अपणे बाप की इज्जत करूँ सूं, अर थम मेरी बेजती करो सो। 50 पर मै अपणा मान-सम्मान कोनी चाहन्दा, हाँ, एक सै जो चाहवै सै, अर न्याय करण आळा सै। 51 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं, “के जै कोए माणस मेरे वचनां नै मान्नेगा, तो वो अनन्त काल ताहीं कोनी मरै।” (aiōn g165) 52 यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “इब हम जाणगे के तेरे म्ह भुन्ड़ी ओपरी आत्मा सै। अब्राहम मरग्या अर नबी भी मरग्ये सै, अर तू कहवै सै, ‘जै कोए मेरे वचनां नै मान्नेगा, तो वो अनन्त काल ताहीं कोनी मरै।’ (aiōn g165) 53 म्हारा पूर्वज अब्राहम तो मरग्या। के तू उसतै भी बड़ड़ा सै? अर नबी भी मरग्ये। तू अपणे-आपनै के मान्ने सै?” 54 यीशु नै जवाब दिया, “जै मै खुद अपणी महिमा करूँ, तो मेरी महिमा किमे कोनी। पर मेरी महिमा करण आळा मेरा पिता सै, जिसनै थम कहो सो के वो थारा परमेसवर सै। 55 थमनै तो उस ताहीं कोनी जाण्या, पर मै उस ताहीं जाणु सूं। जै मै कहूँ के मै उस ताहीं कोनी जाणदा, तो मै थारी ढाळ झूठा ठहर्लंगा, पर मै उस ताहीं जाणु अर उसके वचनां नै मान्नु सूं। 56 थारा पूर्वज अब्राहम मेरा दिन देक्खण की आस म्ह घणा मगन था, अर उसनै देख्या अर आनन्द करया।” 57 यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “इब ताहीं तू पचास साल का कोनी, फेरभी तन्नै अब्राहम ताहीं देख्या सै?” 58 यीशु उनतै बोल्या, “मै

थमनै साच्ची-साच कहुँ सूं, के पैहल्या इसकै के अब्राहम पैदा होया, मै सूं।”
59 या बात सुणकै माणसां नै यीशु तारीं मारण खात्तर पत्थर ठाए, पर यीशु लुहककै मन्दर तै लिकड़ गया।

9 ओड़ तै जान्दे होए राह म्ह एक यीशु तारीं जन्म तै आन्धा एक माणस मिला। 2 उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया, “हे गुरु, किसनै पाप करया था के यो आन्धा पैदा होया, इस माणस नै या इसकै माँ-बाप नै?” 3 यीशु नै जवाब दिया, “ना तो इसनै पाप करया था, ना इसके माँ-बाप नै पाप करया, पर यो ज्यांतै आन्धा पैदा होया ताके परमेसवर की शक्ति दिखाई जा सकै। 4 जिसनै मेरै तारीं भेज्या सै, हमनै उसके काम दिन-ए-दिन म्ह करणा जरूरी सै। वा रात आण आळी सै, जिस म्ह कोए माणस काम न्ही कर पावैगा। 5 जिब तारीं मै दुनिया म्ह सूं, जद तारीं दुनिया का चान्दणा सूं।” 6 न्यू कहकै यीशु नै धरती पै थुक्का, अर उस थूक तै माट्टी का लेप बणाया, अर उस लेप तारीं आँखे की आँखां पै लगाकै। 7 उसतै बोल्या, “जा,” “शीलोह के कुण्ड म्ह” (शीलोह का मतलब भेज्या होया सै)। उसनै जाकै अपणा मुँह धोया, अर जिब वो बोहड़ा तो उसनै दिक्खण लाग्या। 8 फेर भिखारी के पड़ोसी अर उन माणसां नै जिननै उस तारीं पैहल्या भीख माँगदे देख्या था, एक-दुसरे तै कहण लागे, “के यो वोए न्ही सै, जो बेठ्या भीख माँगया करै था?” 9 कई माणस बोल्ले, “यो वोए सै,” दुसरे बोल्ले, “कोनी, पर उसकै जिसा सै।” उसनै कह्या, “मै वोए सूं।” 10 फेर वे उसतै बुझ्झण लागे, “तेरी आँखां की रोशनी किस तरियां आगी?” 11 उसनै जवाब दिया, “यीशु नामक एक माणस नै माट्टी का लेप बणाया, अर मेरी आँखां पै लाकै मेरै तारीं बोल्या, ‘जा, शीलोह म्ह जाकै अपणा मुँह धो ले,’ बस फेर के था मै गया अर अपणा मुँह धोया अर देक्खण लाग्या।” 12 उननै उसतै बुझ्झया, “वो माणस कित्त सै?” वो बोल्या, “मै कोनी जाणदा।” 13 माणस उसनै जो आन्धा था फरीसियाँ के धोरै ले आए। 14 जिस दिन यीशु नै माट्टी लगाकै उसकी आँख खोल्ली थी, वो आराम का दिन था। 15 फेर फरीसियाँ नै भी उनतै बुझ्झया के उसकी आँखां की रोशनी किस ढाळ मिली। उसनै उन तारीं कह्या, “उसनै मेरी आँखां पै माट्टी लाई, फेर मन्नै अपणा मुँह धो लिया, अर इब देखूँ सूं।” 16 इसपै कई फरीसी कहण लागे, “यो माणस परमेसवर

की ओड़ तै कोनी, क्यूँके वो आराम कै दिन नै कोनी मान्दा।” दुसरे बोल्ले, “पापी माणस इसे अचम्भे के काम किस ढाळ दिखा सकै सै?” आखर म्ह उन म्ह फूट पड़गी। 17 उननै उस आंधै तै फेर कह्या, “जिस माणस नै तेरे ताहीं आँखां की रोशनी दी सै। तू उसके बारे म्ह के कहणा चाहवै सै?” उसनै कह्या, “वो नबी सै।” 18 पर यहूदी अगुवां नै बिश्वास कोनी होया, के वो आन्धा था, अर इब वो देखै सै, इस खात्तर उननै उसके माँ-बाप ताहीं बुलाया। 19 अर उनतै बुझ्या, “के यो थारा बेटा सै, जिसके बारे मै थम कहों सों, के वो जन्म तै आन्धा था? फेर इब वो किस तरियां देखै सै?” 20 उसके माँ-बाप नै जवाब दिया, “हाँ, या तो जाणा सा के यो म्हारा बेटा सै, अर या भी के यो आन्धा जन्मा था, 21 पर न्यू कोनी जाणदे, के इब यो किस तरियां देखण लाग्या, अर ना न्यू जाणदे के किसनै इसकी आँखां की रोशनी दी सै। वो बाळक कोनी सै, उस्से तै बुझल्यो, वो अपणे बारे म्ह खुद ए बतावैगा।” 22 ये बात उसके माँ-बाप नै ज्यांतै कही क्यूँके वे यहूदी अगुवां तै डरै थे, क्यूँके यहूदी अगुवां नै एक्का कर लिया था, के जै कोए कहवै के वो मसीह सै, तो उस ताहीं आराधनालय म्ह तै लिकाड़ दिया जावैगा। 23 उस्से कारण उसके माँ-बाप नै कह्या, “वो बाळक कोनी, उस्से तै बुझल्यो।” 24 फेर यहूदी अगुवां नै उस माणस ताहीं जो आन्धा था, दुसरी बर बुलाकै उसतै कह्या, “सच बता अर जो तू ठीक होया सै, तो तू सच बोलकै परमेसवर की महिमा कर, हम जाणां सां के वो माणस पापी सै।” 25 उसनै जवाब दिया, “मै नही जाण्दा, के वो पापी सै के नही, मै एक बात जाणु सूं, के मै आन्धा था अर इब देखूँ सूं।” 26 उननै उस ताहीं फेर दुबारै कह्या, “उसनै तेरे गेल्या के करया? अर किस ढाळ तेरी आँखां की रोशनी आगी?” 27 उसनै उन ताहीं कह्या, “मन्नै तो थारे ताहीं पैहले भी बता दिया, पर थम उस बात नै सुणते कोनी, इब दुसरी बर क्यांतै सुणणा चाहवो सो? के थम भी उसके चेल्लें बणाणा चाहवो सो?” 28 फेर वे उसतै आच्छा-भुन्डा कहकै बोल्ले, “तूए उसका चेल्ला सै, हम तो मूसा नबी के चेल्लें सां। 29 हम जाणा सां, के परमेसवर नै मूसा नबी तै बात करी, पर इस माणस नै कोनी जाणदे के कड़ै तै आया सै।” 30 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “या तो अचम्भे की बात सै, के थम नही जाणदे के वो कित्त का सै, फेर भी उसनै मेरी आँखां की रोशनी दे

दी। 31 हम जाणां सां, के परमेसवर पापियाँ की कोनी सुणदा, पर जै कोए परमेसवर का भगत हो अर उसकी मर्जी पै चाल्दा हो, तो वो उसकी जरूर सुणै सै। 32 दुनिया कै शरुआत तै यो कदे सुणनै म्ह कोनी आया, के किसे नै जन्म तै आन्धे की आँखां की रोशनी दी हो। (aiōn g165) 33 जै यो माणस परमेसवर कै कान्ही तै न्ही होन्दा, तो किमे भी कोनी कर सकदा।” 34 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “तू तो जमाए पापां म्ह जन्मा सै, तू हमनै के सिखावै सै?” अर उननै उस ताहीं आराधनालय तै बाहरणै लिकाड़ दिया। 35 यीशु नै सुण्या के उननै उस ताहीं बाहरणै लिकाड़ दिया सै, अर जब उसतै मिल्या तो बोल्या, “के तू परमेसवर कै बेट्टे पै बिश्वास करै सै?” 36 उसनै जवाब दिया, “हे जनाब, परमेसवर का बेट्टा कौण सै, के मै उसपै बिश्वास करूँ?” 37 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “तन्नै उस ताहीं देख्या भी सै, अर जो तेरे गेल्या बात करण लाग रह्या सै, वो मै ए सूं।” 38 उसनै कह्या, “हे प्रभु, मै तेरे पै बिश्वास करूँ सूं।” अर उस ताहीं मोध्दा पड़कै प्रणाम करया। 39 फेर यीशु बोल्या, “मै इस दुनिया म्ह न्याय खात्तर आया सूं, ताके जो आन्धे सै, वे देख्खै, अर जो देख्खै सै, वे आन्धे हो जावै।” 40 जो फरीसी उसकै गेल्या थे, उननै या बात सुणकै उस ताहीं कह्या, “के हम भी आन्धे सां?” 41 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “जै थम आन्धे होन्दे तो पापी कोनी होते, पर इब जिसा के थम कहो सो, के थम देख्खों सो, तो सच म्ह थारा पाप माफ न्ही हो सकदा।”

10 यीशु नै कह्या, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहुँ सूं, के जो कोए भेड्या के बाड़े म्ह दरबाजे तै न्ही आन्दा, बल्के बाड़ा कूदकै बड़ै सै, वो चोर अर डाकू सै। 2 पर जो दरबाजे तै भीत्तर बड़ै सै वो भेड्यां का पाळी सै। 3 उस खात्तर द्वारपाल दरबाजा खोल देवै सै, अर भेड़ उसका बोल सुणै सै, अर वो अपणी उन भेड्यां नै नाम ले-लेकै बुलावै सै, अर बाड़ै तै बाहरणै ले जावै सै। 4 जब वो अपणी सारी भेड्यां नै बाहरणै काढ लेवै सै, तो उनकै आगगै-आगगै चाल्लै सै, अर भेड़ उसकै गैल-गैल हो ले सै, क्यूँके वे उसका बोल पिच्छाणै सै। 5 पर भेड़ बिगान्ने कै गेल्या कोनी चाल्लै, पर उसतै भाज्जैगी, क्यूँके वे बिगान्ने का बोल कोनी पिच्छाणदी।” 6 यीशु नै उन ताहीं यो उदाहरण देकै कह्या, पर वे कोनी समझे के वो उनतै के समझणा चाहवै। 7 फेर यीशु नै उन ताहीं दुबारै कह्या, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहुँ सूं, भेड्यां का दरबाजा मै सूं। 8

जितने मेरे तै पैहल्या आए वे सारे चोर अर डाक्कू सै, पर मेरी भेड्डां नै उनकी एक न्ही सुणी। 9 दरबाजा मै सूं, जै कोए मेरे जरिये भीत्तर बड़े सै, तो वो उद्धार पावैगा, अर भीत्तर बाहर आण-जाण लाग ज्यागा अर खाण खात्तर खाणा पावैगा।” 10 चोर किसे और काम खात्तर कोनी पर सिर्फ चोरी करण अर घात करण अर नुकसान करण नै आवै सै, मै ज्यांतै आया के वे जिन्दगी पावै अर भोत-ए घणी पावै। 11 आच्छा पाळी मै सूं, आच्छा पाळी भेड्डां के खात्तर अपणी मर्जी तै जान देवै सै। 12 मजदूर जो ना पाळी सै अर ना भेड्डां का माल्लिक सै, भेड्डिये नै आन्दे देखके भेड्डां नै छोड़के भाज जावै सै, अर भेड्डिया उननै पकड़े सै, अर उनपै हमला करै देवै सै। 13 वो ज्यांतै भाज जावै सै क्यूँके वो मजदूर सै, उसनै भेड्डां की फिक्र कोनी। 14 “काम्मल चरवाहा मै सूं, मै अपणी भेड्डां नै जाणु सूं, अर मेरी भेड़ मन्नै जाणै सै। 15 जिस ढाळ पिता मन्नै जाणै सै, अर मै पिता नै जाणु सूं, अर मै अपणी भेड्डां खात्तर अपणी जान दियुं सूं। 16 मेरी और भी भेड़ सै, जो इस बाड़े की कोनी। मन्नै उन ताहीं भी ल्याणा जरूरी सै। वे मेरा बोल पिच्छाणैगी, फेर एकैए रेवड़ अर एकैए पाळी होगा। 17 पिता ज्यांतै मेरे तै प्यार करै सै, क्यूँके मै अपणी जान अपणी मर्जी तै दियुं सूं, के उसनै दुबारै ले लूँ। 18 कोए मेरी जान मेरे तै खोसदा कोनी, बल्के मै उसनै खुदे उसनै अपणी मर्जी तै दियुं सूं। मन्नै उसके देण का भी हक सै, अर उस ताहीं दुबारा लेण का भी हक सै, यो हुकम मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिया सै।” 19 इन बाततां के कारण यहूदियाँ म्ह दुबारै फूट पड़ी। 20 उन म्ह तै घणखरे माणस कहण लागगे, “उस म्ह ओपरी आत्मा सै, अर वो बावळा सै, उसकी क्यांतै सुणो सो?” 21 दुसरे माणसां नै कहा, “ये वचन इसे माणस की न्ही हो सकदे, जिसम्ह ओपरी आत्मा हो। के ओपरी आत्मा आन्धयां नै आँखां की रोशनी दे सकै सै?” 22 यरुशलेम नगर म्ह स्थापन का त्यौहार मनाया जायया था, अर जाड्यां का मौसम था। 23 यीशु मन्दर म्ह सुलैमान के बराम्दा म्ह हान्डण लागरया था। 24 फेर यहूदियाँ नै उस ताहीं आ घेरया अर बुझ्या, “तू म्हारै मन नै कद ताहीं दुबिध्या म्ह गरे राक्खैगा? जै तू मसीह सै, तो म्हारै तै साफ-साफ बता दे।” 25 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मन्नै थारैतै कह दिया पर थम बिश्वास करदेए कोनी। जो काम मै अपणे पिता के नाम तै करूँ सूं, वैए मेरे गवाह सै, 26 पर थम ज्यांतै

बिश्वास कोनी करदे क्यूँके थम मेरी भेड्ठां म्ह तै कोनी सो। 27 मेरी भेड् मेरा बोल पिच्छाणै सै, मै उननै जाणु सूं, अर वे मेरै पाच्छै-पाच्छै चाल्लै सै 28 अर मै उन ताहीं अनन्त जीवन दियुँ सूं। वे कदे नाश कोनी होवैगीं, अर कोए उननै मेरै हाथ तै खोस न्ही सकदा। (aiōn g165, aiōnios g166) 29 मेरा पिता, जिसनै उन ताहीं मेरै तै दिया सै, सारया तै बड्ड़ा सै, अर कोए उननै पिता के हाथ्यां तै खोस कोनी सकदा। 30 मै अर पिता एक सां।” 31 यहूदियाँ नै यीशु पै मारण खात्तर दुबारा पत्थर ठा लिये। 32 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मन्नै थारे तै अपणे पिता की ओड़ तै घणे भले काम दिखाए सै, उन म्ह तै कौण सै काम खात्तर थम मेरै पै पत्थर मारणा चाहो सो?” 33 यहूदियाँ नै उस ताहीं जवाब दिया, “भले काम खात्तर हम तेरे पै पत्थर कोनी मारदे, पर परमेसवर की बुराई करण के कारण, अर ज्यांतै के तू माणस होके खुद नै परमेसवर कहवै सै।” 34 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “के थारे मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह कोनी लिख्या सै, ‘मन्नै कह्या, थम ईश्वर सो?’ 35 जै उसनै उन ताहीं ईश्वर कह्या, जिनके धोरै परमेसवर का वचन पोंहच्या (अर पवित्र ग्रन्थ की बात झूठ न्ही हो सकदी), 36 तो जिस ताहीं पिता नै पवित्र ठहराके दुनिया म्ह भेज्या सै, थम मेरे ताहीं कहो सो, ‘तू बुराई करै सै, ज्यांतै के मन्नै यो कह्या, ‘मै परमेसवर का बेटा सूं?’ 37 जै मै अपणे पिता के काम कोनी करदा, तो मेरा बिश्वास ना करो। 38 पर जै मै करुँ सूं, तो चाहे मेरा बिश्वास ना भी करो, पर उन काम्मां का तो बिश्वास करो, ताके थम जाणो अर समझो के पिता मेरै म्ह सै अर मै पिता म्ह सूं।” 39 फेर यहूदियाँ नै दुबारै उस ताहीं पकड़ण की कोशिश करी पर वो उनके हाथ्यां तै लिकड़ गया। 40 यीशु दुबारै यरदन नदी के परली ओड़ै उस जगहां पै चल्या गया, जडै यूहन्ना पैहल्या बपतिस्मा दिया करै था, अर वो ओड़ैए रहया। 41 घणखरे माणस उसके धोरै आके कहवै थे, “यूहन्ना नै तो कोए चमत्कार कोनी दिखाया, पर जो किमे यूहन्ना नै इसके बारै म्ह कह्या था, वो सारा कुछ साच्ची था।” 42 अर ओड़ै भोत-से माणसां नै यीशु पै बिश्वास करया।

11 लाजर नामका एक माणस बीमार था, जो बैतनिय्याह गाम का था, अर उसकी दो भाण थी मरियम अर मार्था। 2 या वाए मरियम थी जिसनै बाद म्ह प्रभु पै खसबूदार तेल गेर के उसके पायां ताहीं बाळां तै पुन्जयां था, लाजर

इस्से का भाई था जो बीमार था। 3 इस करके उसकी भाणां नै यीशु तार्हीं कुहवां भेज्या, “हे प्रभु, लखा, जिसतै तू प्यार करै सै, वो बीमार सै।” 4 न्यू सुणकै यीशु न्यू बोल्या, “या बीमारी मरण का कारण कोनी, पर परमेसवर की महिमा खात्तर सै, ताके उसकै जरिये परमेसवर कै बेट्टे की महिमा होवै।” 5 मार्था उसकी बेब्बे अर लाजर तै यीशु प्यार करै था। 6 पर जिब उसनै सुण्या के लाजर बीमार सै, तो जिस जगहां पै वो था, ओड़ै दो दिन और रुक गया। 7 दो दिन बाद फेर उसनै चेल्यां तार्हीं कह्या, “आओ, हम फेर यहूदिया परदेस म्ह चाल्लां।” 8 चेल्यां नै उस तार्हीं कह्या, “हे गुरु, कुछ दिन पैहल्या तो यहूदी तेरे पै पत्थर बरसा के तन्नै मारणा चाहवै थे, अर के तू फेर भी उड़ैए जाणा चाहवै सै?” 9 यीशु नै जवाब दिया, “के दिन के बारहा घन्टे कोनी होन्दे? जै कोए दिन म्ह चाल्लै तो ठोक्कर कोनी खान्दा, क्यूँके वे इस दुनिया के उजाळै नै देखवै सै। 10 पर जै कोए रात म्ह चाल्लै तो ठोक्कर खावै सै, क्यूँके उस म्ह उजाळा कोनी।” 11 उसनै ये बात कही, अर इसके बाद उन तार्हीं कहण लाग्या, “के म्हारा साथी लाजर सो गया सै, पर मै उसनै जगाण जाऊँ सूं।” 12 फेर चेल्यां नै उस तार्हीं कह्या, “हे प्रभु, जै वो सो गया सै तो वो ठीक हो ज्यागा।” 13 यीशु नै तो उसकी मौत कै बाबत कह्या था, पर उननै सोच्या के उसनै नींद तै सोण कै बाबत कह्या सै। 14 फेर यीशु नै उन तार्हीं साफ-साफ कह दिया, “लाजर मर लिया सै, 15 यो थारे ए हित म्ह सै, के मै उड़ै कोनी था, क्यूँके इब थम मेरे पै बिश्वास कर सकोगे, आओ, हम उसकै धोरै चाल्लां।” 16 फेर थोमा नै जो दिदुमुस कुहवै सै, अपणे गेल्या के चेल्यां तार्हीं कह्या, “आओ, हम भी प्रभु कै गेल्या मरण नै चाल्लां।” 17 बैतनिय्याह गाम पोहचे पाच्छै यीशु नै न्यू बेरया पाट्या के लाजर नै कब्र म्ह धरे चार दिन हो लिए सै। 18 बैतनिय्याह गाम यरुशलेम कै धोरै कोए दो कोस की दूरी पै था, 19 घणखरे यहूदी माणस मार्था अर मरियम कै धोरै उसकै भाई की मौत कै बाबत दीलास्सा देण नै आरे थे। 20 जिब मार्था नै यीशु कै आण की खबर सुणी, तो मार्था उसतै मिलण खात्तर गई, पर मरियम घरा ए बेठी रही। 21 मार्था नै यीशु तार्हीं कह्या, “हे प्रभु, जै तू आड़ै होंदा, तो मेरा भाई कदे न्ही मरदा। 22 अर इब भी मन्नै बेरा सै, जो कुछ तू परमेसवर तै माँगैगा, परमेसवर तन्नै देवैगा।” 23 यीशु नै उस तार्हीं कह्या, “तेरा भाई

जी ज्यागा।” 24 मार्था नै उस ताहीं कह्या, “मन्नै बेरा सै, के आखर के दिन म्ह पुनरुत्थान के बखत वो जी ज्यागा।” 25 यीशु नै मार्था तै कह्या, “पुनरुत्थान अर जीवन मै ए सूं, जो कोए मेरे पै बिश्वास करैगा, वो जै मर भी जावै फेर भी जिवैगा, 26 अर जो कोए जीवै सै, अर वो मेरे पै बिश्वास करै सै, वो अनन्त काल ताहीं कोनी मरैगा। के तू इस बात पै बिश्वास करै सै।” (aiōn g165) 27 मार्था नै यीशु तै कह्या, “हाँ, हे प्रभु, मै बिश्वास करूँ सूं, के परमेसवर का बेटा मसीह जो दुनिया म्ह आण आळा था, वो तूए सै।” 28 न्यू कहकै मार्था चली गयी, अर अपणी बेब्बे मरियम ताहीं एक्ले म्ह बुलाकै चुपके तै कह्या, “गुरु याड़ैए सै अर तन्नै बुलावै सै।” 29 न्यू सुण तिए मरियम जिब्बे उठकै उसके धोरै आई। 30 यीशु इब्बे गाम तै बाहरे था, पर उस्से जगहां था जड़ै मार्था उसतै मिली थी। 31 फेर जो यहूदी माणस उसके गेल्या घर म्ह थे अर उस ताहीं दीलास्सा देवै थे, न्यू देखकै के मरियम जिब्बे उठकै बारणै चली गयी सै, न्यू समझे के वा कब्र पै रोण नै जावै सै, तो उसके पाच्छै हो लिये। 32 जिव मरियम उड़ै गई जड़ै यीशु था, तो उसनै देखदे उसके पायां म्ह पड़कै कह्या, “हे प्रभु, जै तू आड़ै होन्दा फेर मेरा भाई कोनी मरदा।” 33 जिव यीशु नै जो यहूदी माणस उसके गेल्या आये थे, रोन्दे होए देख्या, तो आत्मा म्ह घणाए दुखी अर उदास होग्या, 34 अर कह्या, “थमनै उसकी लाश कित्त धर राक्खी सै?” उननै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, चालकै देख ले।” 35 यीशु रोण लाग्या। 36 फेर यहूदी माणस कहण लागे, “लखाओ, वो लाजर तै कितना प्यार करै था।” 37 पर उन म्ह तै कईयाँ नै कह्या, “के यो जिसनै आंध्याँ ताहीं रोशनी दे दी, के यो लाजर ताहीं मरण तै न्ही बचा सकै था?” 38 यीशु मन म्हए फेर घणाए दुखी होकै कब्र पै आया। वा एक गुफा थी अर एक पत्थर उसपै धरया था। 39 यीशु नै कह्या, “पत्थर हटादो।” लाजर की बेब्बे मार्था उसतै कहण लाग्गी, “हे प्रभु, उस म्ह तै इब तो बदबू आवै सै, क्यूँके उसनै मरे चार दिन हो लिए सै।” 40 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “के मन्नै तेरे तै कोनी कह्या था के जै तू बिश्वास करैगी, तो परमेसवर की महिमा नै देखखैगी।” 41 फेर उननै पत्थर ताहीं हटाया। यीशु नै सुर्ग कान्ही निगांह ठाके कह्या, “हे पिता, मै तेरा धन्यवाद करूँ सूं, के तन्नै मेरी सुण ली सै। 42 अर मन्नै बेरा था के तू सारी हाण मेरी सुणै सै, पर जो भीड़ आसै-पासै खड़ी सै,

उनके बाबत मन्ने कहा, ताके वे बिश्वास करै, के तन्ने मेरैतार्हीं भेज्या सै।”

43 न्यू कहकै ठाडू आवाज म्ह रुक्का मारया, “हे लाजर, लिकड़ आ।” 44 जो मर लिया था उसके हाथ पैर पट्टियाँ तै बंधे हुए थे, अर उसके मुँह पै अंगोच्छा लिपटरया था। यीशु नै उन तार्हीं कहा, “उसनै खोलदो अर जाण घो।” 45 फेर जो यहूदी मरियम धोरे मिलण आरे थे, अर उसका यो चमत्कार देख्या था, उन म्ह तै घणखरयां नै उसपै बिश्वास करया। 46 पर उन म्ह तै कईयाँ नै फरीसियाँ धोरे जाकै यीशु के काम्मां की खबर दी। 47 ज्यांतै प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै यहूदी अगुवां की सभा करी, अर कहा, “हमनै के करणा चाहिये? यो माणस तो घणे चमत्कार दिखावै सै। 48 जै हम उसनै न्यूए करण द्या, तो फेर सारे उसपै बिश्वास करैगें, अर रोमी सैनिक आकै म्हारे देश अर मन्दर दोनुवां पै कब्जा कर लेवैगें।” 49 फेर उन म्ह तै काइफा नामका एक माणस नै जो उस साल का महायाजक था, उन तार्हीं कहा, “थम किमे न्ही जाणदे! 50 अर ना ए थमनै इस बात की समझ सै, के इस्से म्ह थारा फायदा सै, के बजाये इसके के सारे माणस ए नाश हो जावै, सब खात्तर एक आदमी नै मरणा होगा।” 51 पर या बात उसनै अपणी ओड़ तै कोन्या कही, पर उस साल का महायाजक होण के नाते या भविष्यवाणी करी, के यीशु उस जात खात्तर मरैगा। 52 अर ना सिर्फ यहूदी जात खात्तर बल्के ज्यांतै के परमेसवर की खिंड-मिंड ऊलादां नै एक करदे। 53 इस तरियां उस्से दिन तै यहूदी अगुवें उस तार्हीं मारण खात्तर साजिस रचाण लाग्गे। 54 ज्यांतै यीशु उस बखत तै यहूदी लोग्गां म्ह घाट दिक्खण लाग्ग्या, अर यरुशलेम नगर नै छोड़कै वो जंगल-बियाबान कै धोरे इफ्राईम नामक एक नगर कान्ही चल्या गया, अर अपणे चेल्यां गैल उड़ैए रहण लाग्या। 55 यहूदियाँ का फसह का त्यौहार लोवै था, अर घणेए माणस फसह तै पैहल्या अपणे गाम्मां म्ह तै यरुशलेम नगर म्ह गए, के खुद नै पवित्र करै। 56 वे यीशु नै टोह लाग्गे अर मन्दर म्ह खड़े होकै आप्पस म्ह बतलाण लाग्गे, “थम के सोचो सो? के वो त्यौहार म्ह कोनी आवैगा?” 57 अर प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै हुकम दे राख्या था, के जै कोए न्यू जाणै सै, के यीशु कित्त सै तो बतावै, ताके वे उसनै पकड़ ले।

12 फेर यीशु फसह का त्यौहार तै छः दिन पैहल्या बैतनिय्याह गाम म्ह आया जित्त लाजर था, जिस ताहीं यीशु नै मरया होड़ म्ह तै जिन्दा करया था। 2 उड़ै उननै यीशु कै खात्तर भोज तैयार करया, अर मार्था सेवा करण लागरी थी, अर लाजर भी उन म्ह तै एक था जो उसकै गेल्या खाणा खाण बेठे थे। 3 फेर मरियम नै जटामांसी फूल का आध्था सेर घणा म्हँगा खसबूदार तेल लेकै यीशु के पायां पै गेरया, अर अपणे बाळां तै उसके पैर पुन्झे, अर खसबूदार तेल की खस्बू तै घर खसबूदार होगया। 4 पर उसके चेल्यां म्ह तै यहूदा इस्करियोती नामका एक चेल्ला जो उस ताहीं पकड़वाणा चाहवै था, कहण लागया, 5 “यो म्हँगा खसबूदार तेल तीन सौ दीनार (तीन सौ दिन की मजदूरी) म्ह बेचकै कंगालां ताहीं क्यातै कोनी दिया गया?” 6 उसनै या बात ज्यातै कोनी कही के उसनै कंगालां की फिक्र थी बल्के ज्यातै के वो चोर था, अर उसकै धोरै पिस्या की थैल्ली रह्या करै थी अर उस म्ह जो कुछ गेरया जान्दा, वो काढ लेवै था। 7 यीशु नै कहा, “उस ताहीं यो करण द्यो, यो मेरे गाड्डे जाण की तैयारी कै खात्तर सै। 8 क्यूँके कंगाल तो थारे गेल्या सारी हाण रहवैंगे, पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा।” 9 फसह का त्यौहार म्ह आई यहूदियाँ की एक बड़ीए भीड़ नै जिब बेरा लागया के वो बैतनिय्याह गाम म्ह सै, तो वे ना सिर्फ यीशु के बाबत आये पर ज्यातै भी के लाजर नै देखै, जिस ताहीं यीशु मसीह नै मरया होड़ म्ह तै जिन्दा करया था। 10 फेर प्रधान याजकां नै लाजर ताहीं भी मारण की सलाह करी। 11 क्यूँके उसके बाबत घणखरे यहूदी चले गये अर यीशु पै बिश्वास करया। 12 दुसरे दिन घणखरे माणसां नै जो फसह के त्यौहार म्ह आरे थे न्यू सुण्या, के यीशु यरुशलेम नगर म्ह आरया सै। 13 ज्यातै उननै खजूर की डाळी ली, अर उसतै फेट्टण नै लिकड़े, अर रुक्के मारण लागे, “होशाना! (मतलब जै-जै कार हो) धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु के नाम तै आवै सै।” 14 जिब यीशु यरुशलेम नगर कै धोरै आया, तो उसनै एक गधे का बच्चा मिल्या, फेर वो उसपै बैठगया, 15 जिसा पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै, “हे सिय्योन की बेटी, मतना डरै, लखा, तेरा राजा गधी के बच्चे पै चढ़ा होड़ चाल्या आवै सै।” 16 यीशु के चेल्लें ये बात पैहल्या कोनी समझे थे, पर जिब यीशु की महिमा दिक्खी फेर उनके याद आया के ये बात उसके बाबत लिक्खी होड़ थी, अर

माणसां नै उसकै गेल्या न्यूए बरताव करया था। 17 फेर उसकै गैल जो भीड़ थी उननै या गवाही दी, जो उस बखत उसकै गेल्या थे, जिब उसनै लाजर ताहीं कन्न म्ह तै बुलाकै मरया होया म्ह तै जिन्दा करया था। 18 ज्यांतै माणस यीशु तै फेट्टण नै आरे थे क्यूँके उननै सुण्या था के उसनै यो अचम्भे का काम करया था। 19 फेर फरीसियाँ नै आप्पस म्ह कह्या, “सोचकै तो देखो, के थारे तै कुछ भी कोनी बणदा। लखाओ, दुनिया उसकै गैल हो ली सै।” 20 जो माणस उस फसह के त्यौहार म्ह भगति करण नै आये थे उन म्ह तै कुछ यूनानी थे। 21 उननै गलील परदेस कै बैतसैदा नगर के बासिन्दे फिलिप्पुस कै धोरै आकै उसतै बिनती करी, “श्रीमान, हम यीशु तै फेटणा चाहवां सां।” 22 फिलिप्पुस नै आकै अन्द्रियास तै कह्या, फेर अन्द्रियास अर फिलिप्पुस नै जाकै यीशु ताहीं कह्या। 23 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या, “वो बखत आ गया सै के मुझ माणस के बेट्टे की महिमा हो। 24 मै थारे तै साच्ची-साच कहुँ सूँ, के जिब ताहीं गेहुँ का दाणा धरती म्ह पड़कै मर न्ही जान्दा, वो एक्ला रहवै सै, पर जिब मर जावै सै, तो वो अनगणित दाण्या नै जन्म देवै सै। 25 जो अपने जीवन नै प्यारा जाणै सै, वो उसनै खो देवै सै, अर जो इस दुनिया म्ह अपने जीवन नै प्यारा कोनी जाणदा, वो अनन्त जीवन कै खात्तर उसकी रुखाळी करैगा। (aiōnios g166) 26 जै कोए मेरी सेवा करै, तो वो मेरा चेल्ला बण जावै, अर जिब जड़ै मै सूँ उड़ै मेरा सेवक भी होवैगा। जै कोए मेरी सेवा करै, तो पिता उसका आदर करैगा। 27 “इब मेरा जी भोत दुखी सै। ज्यांतै इब मै के कहुँ? ‘हे पिता, मन्नै इस दुख की घड़ी तै बचा?’ पर मै इस्से खात्तर इस दुनिया म्ह आया सूँ, ताके मै दुख सहु। 28 हे पिता अपने नाम की महिमा कर।” फेर या अकास वाणी होई, “मन्नै इसकी महिमा करी सै, अर फेर भी करैगा।” 29 फेर जो माणस खड़े होए सुणरे थे, उननै कह्या के बाद्दल गरजा। दुसरयां नै कह्या, “कोए सुर्गदूत उसतै बोल्या।” 30 इसपै यीशु नै कह्या, “या आवाज मेरै खात्तर न्ही, पर थारे खात्तर आई सै। 31 इब इस दुनिया का न्याय होवै सै, इब इस दुनिया का अधिकारी काढ्या जावैगा। 32 अर मै जै धरती पै तै ऊँच्चे पै चढ़ाया जाऊँगा, तो सारया नै अपने कान्ही खिच्चुगाँ।” 33 न्यू कहकै उसनै यो बता दिया के वो किस ढाळ की मौत तै मरैगा। 34 इसपै माणसां नै यीशु ताहीं कह्या, “हमनै मूसा नबी के नियम-

कायदा की या बात सुणी सै के मसीह सदा जिन्दा रहवैगा, फेर तू क्यातै कहवै सै के माणस का बेटा ऊँचे पै चढ़ाया जाणा जरूरी सै? यो माणस का बेटा कौण सै?” (aiōn g165) 35 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “चाँदणा (यीशु नै अपणे-आप तै कह्या सै) इब थोड़ी देर ताहीं थारे बिचाळै सै। जिब ताहीं चाँदणा थारे गेल्या सै जद ताहीं चाल्दे रहो, इसा ना हो के अँधेरा थारे ताहीं घेर लेवै, जो अँधेरे म्ह चाल्लै सै वो कोनी जाणदा के कड़ै जावै सै। 36 जिब ताहीं चाँदणा थारे गेल्या सै, चाँदणे पै बिश्वास राक्खो ताके थम चाँदणे की ऊलाद बणो।” ये बात कहकै यीशु चल्या गया अर उनतै दूर रह्या। 37 यीशु मसीह नै उनके स्याम्ही इतने चमत्कार दिखाए, फेर भी उननै उसपै बिश्वास कोनी करया, 38 ताके यशयाह नबी का वचन पूरा हो जो उसनै कह्या “हे प्रभु, म्हारै संदेश का किसनै बिश्वास करया सै? अर प्रभु की शक्ति किसपै जाहिर होई सै?” 39 इस बाबत वे बिश्वास कोनी कर सके, क्यूँकि यशयाह नै न्यू भी कह्या सै: 40 “उसनै उनकी आँख आँधी, अर उनके मन कठोर कर दिए सै, कदे इसा ना हो के वे आँखां तै देख्खै, अर मन तै समझै, अर पलटै, अर मै उननै ठीक करूँ।” 41 यशयाह नै ये बात ज्यातै कही, के उसनै यीशु मसीह की महिमा देख्खी, अर उसनै उसके बारे में बताया। 42 फेरभी यहूदी सरदारों में तै घणाए नै उसपै बिश्वास करया, पर फरीसियों के कारण खुलके कोनी मान्ने थे, क्यूँकि उननै डर था कदे वे आराधनालय में तै लिकाड़े ना जावै 43 क्यूँकि माणसां की ओड़ तै करी जाण आळी बड़ाई उननै परमेसवर की ओड़ तै बड़ाई की बराबरी में घणी प्यारी लाग्गै थी। 44 यीशु नै रुक्का मारके कह्या, “जो मेरै पै बिश्वास करै सै, वो मेरै पै न्ही बल्के मेरै खन्दानआळै पै बिश्वास करै सै। 45 अर जो मन्ने देख्खै सै, वो मेरै खन्दानआळै नै देख्खै सै। 46 मै दुनिया में चाँदणा बणके आया सूँ, ताके जो कोए मेरै पै बिश्वास करै वो अँधेरे में कोनी रहवै।” 47 “जै कोए मेरे वचन सुणके भी उननै न्ही मानता, तोभी मै उसनै कसूरवार कोनी ठहरान्दा, क्यूँकि मै दुनिया के माणसां ताहीं कसूरवार ठहराण खात्तर कोनी, पर दुनिया के माणसां का उद्धार करण खात्तर आया सूँ। 48 जो कोए मन्ने नकारै सै, अर मेरे सुसमाचार नै कोनी अपणावै, उस ताहीं कसूरवार ठहराण आळा तो एके सै, यानिके जो वचन मन्ने कह्या सै, वोए पाच्छले दिन में उस ताहीं कसूरवार ठहरावैगा। 49 क्यूँकि

मै अपणी ओर तै बात न्ही कहन्दा, पर पिता जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै, उसनै मेरै ताहीं हुकम दिया सै के, के मै कहूँ अर किस तरियां बोल्लूँ? 50 अर मन्नै बेरा सै के उसका हुकम अनन्त जीवन देवै सै। ज्यांतै मै जो कुछ कहूँ सूँ, ठीक उसाए कहूँ सूँ, जिसा पिता नै मेरै ताहीं कहण का हुकम दिया सै।”

(aiōnios g166)

13 फसह कै त्यौहार तै पैहल्या, जिब यीशु नै बेरा लागग्या, के मेरा वो बखत आ लिया सै, के दुनिया छोड़कै पिता कै धोरै उल्टा जाऊँ, तो अपणे मानण आळा तै, जो दुनिया म्ह थे, जिसा प्यार वो करया करदा, आखर ताहीं उसाए प्यार करदा रह्या। 2 यीशु अर उसके चेल्लें साँझ नै खाणा खाण लागरे थे। शमौन के बेटे यहूदा इस्करियोती के मन म्ह शैतान नै यो विचार घाल दिया था, के वो यीशु कै गेल्या धोक्खा करै। 3 यीशु यो जाणै था, के पिता नै सब कुछ उसके हाथ म्ह सौप दिया सै, अर यो भी के वो परमेसवर की ओड़ तै आया सै, परमेसवर कै धोरै ए उल्टा जाण लागरया सै। 4 इस खात्तर वो खाणा छोड़कै खड्या होग्या, उसनै अपणे उप्परले लत्ते उतार दिये, अंगोच्छा लेकै अपणी कमर म्ह बाँध लिया। 5 फेर बास्सण म्ह पाणी भरकै चेल्यां के पैर धोये, अर जो अंगोच्छा कमर पै बाँध राख्या था, उस्से तै पूंझण लागग्या। 6 जिब वो शमौन पतरस कै धोरै आया, फेर पतरस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, के तू मेरे पैर धोवैगा?” 7 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “जो मै करूँ सूँ, तू उसका मतलब इब्बे न्ही समझ पावैगा, पर इसकै बाद समझैगा।” 8 पतरस नै उस ताहीं कह्या, “मै अपणे पैर तेरे ताहीं कदे न्ही धोण दियुँगा।” न्यू सुणकै यीशु नै उस ताहीं कह्या, “जै मै तेरे पैर ना धोऊँ, तो तू मेरा चेल्ला न्ही कुहावैगा।” (aiōn g165) 9 शमौन पतरस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, फेर मेरे पैर ए न्ही बल्के मेरे हाथ अर सिर भी धोदे।” 10 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “जो माणस न्हा लिया हो उस ताहीं पैर कै सिवाय और कुछ धोण की जरूरत कोनी, पर वो पूरी तरियां साफ हो चुका सै, थम सारे साफ सो, पर एक नै छोड़ के।” 11 यीशु तो अपणे पकड़वाण आळे नै जाणै था, ज्यांतै उसनै कह्या, “थम सारे साफ सो, पर एक नै छोड़ के।” 12 जिब यीशु नै पैर धो लिये, अर अपणे लत्ते दुबारा पहरकै फेर बैठग्या, तो उन ताहीं कहण लागग्या, “के थम समझे के मन्नै थारे गेल्या के करया?” 13

थम मन्ने गुरु अर प्रभु कहो सो, अर सही कहो सो, क्यूँके मै वोए सूं। 14 जिब मन्ने गुरु अर प्रभु होकै थारे पैर धोए, तो थमनै भी मेरी तरियां एक-दुसरे के पैर धोणे चाहिये। 15 क्यूँके मन्ने थारे ताहीं नमूना दिखाया सै, के जिसा मन्ने थारे गेल्या करया सै, थम भी उसाए करया करो। 16 मै थारे तै साच्ची-साच कहुँ सूं, नौक्कर अपणे माल्लिक तै बड्डा कोनी, अर ना प्रेरित अपणे भेजण आळे तै। 17 इब थम ये बात जाणगे सों, जै उनपै चाल्लों तो थम सुखी रहोगे। 18 मै थम सारया कै बारें म्ह कोनी कहन्दा, मै उननै जाणु सूं, जिनताहीं मन्ने छॉट लिया सै, (अर यो भी के यहूदा बिश्वासघाती सै) क्यूँके मन्ने उस ताहीं इस खात्तर छाट्या सै, ताके पवित्र ग्रन्थ का यो वचन पूरा हो, “जो मेरी रोटी खावै सै, उसनै मेरे पै लात ठाई।” 19 “ये सब कुछ मन्ने थारे ताहीं पैहले ए बता दिया था, के जब न्यू हो जावै तो थम बिश्वास करियो के मै वोए सूं। 20 मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहुँ सूं, के जो मेरे भेज्जै होया नै अपणावै सै, वो मन्ने अपणावै सै, अर जो मन्ने अपणावै सै, वो मेरे भेजण आळे नै अपणावै सै।” 21 ये बात कहकै यीशु आत्मा म्ह दुखी होया अर या गवाही दी, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहुँ सूं, के थारे म्ह तै एक मन्ने धोक्खा देकै पकड़वावैगा।” 22 चेल्लें यो शक करते होए के वो किसकै बाबत कहवै सै, एक-दुसरे के कान्ही लखाण लागगे। 23 उसके चेल्यां म्ह तै यूहन्ना जिस ताहीं यीशु प्यार राक्खै था, यीशु के धोरै बेठ्या था। 24 शमौन पतरस नै यूहन्ना कान्ही इशारा करकै उस ताहीं बुझ्झया, “बता तो, वो किसकै बाबत कहवै सै?” 25 फेर उसनै उरसे ढाळ यीशु की छात्ती के कान्ही झुककै उस ताहीं बुझ्झया, “हे प्रभु, वो कौण सै?” 26 यीशु नै जवाब दिया, “जिस ताहीं मै यो रोटी का टुकड़ा डुबोकै घुगां वोए सै।” अर उसनै टुकड़ा डुबोकै शमौन के बेट्टे यहूदा इस्करियोती ताहीं दिया। 27 टुकड़ा खान्दे शैतान यहूदा इस्करियोती म्ह बड़्ग्या। फेर यीशु नै उस ताहीं कह्या, “जो तू करै सै, तोळा कर।” 28 भोज पै बैठण आळे चेल्यां म्ह तै किसे नै भी यो कोनी बेरा लाग्गण पाया के उसनै या बात उसतै किस मतलब तै कही। 29 कईयाँ नै सोच्या के रपियाँ की थैल्ली यहूदा के धोरै रहवै सै, ज्यांतै यीशु उस ताहीं कहवै सै के त्यौहार के खात्तर जरूरी समान मोल ले आओ या गरीबां नै कुछ देवै, इस खात्तर यहूदा नै रोटी का टुकड़ा लिया। 30 आखर म्ह वो टुकड़ा

खाकै जिब्बे बाहरणै लिकड़ग्या, अर रात का बखत था। 31 जिब यहूदा बाहरणै लिकड़ग्या तो यीशु नै कह्या, “इब मुझ माणस के बेटे की महिमा होई सै, अर परमेसवर की महिमा मेरे म्ह होई सै, 32 परमेसवर भी अपने बेटे की महिमा करैगा, अर वो जिब्बे करैगा।” 33 हे बाळकों, मै थोड़ी सी वार और थारे धोरै सूं, फेर थम मन्नै टोहओगे, अर जिसा मन्नै यहूदियाँ ताहीं कह्या, “जड़ै मै जाऊँ सूं, उड़ै थम कोनी आ सकदे, न्यू इब मै थारे ताहीं भी कहूँ सूं।” 34 “मै थमनै नया हुकम द्यु सूं, के एक-दुसरे तै प्यार करो, जिसा मन्नै थारैतै प्यार करया सै, उरसे तरियां थम भी एक-दुसरे तै प्यार करो। 35 जै आपस म्ह प्यार राक्खोगे, तो इसतै सारया नै बेरा पाट्टैगा के थम मेरे चेल्लें सो।” 36 शमौन पतरस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, तू कित्त जा सै?” यीशु नै जवाब दिया, “जड़ै मै जाऊँ सूं, उड़ै तू इब्बे मेरै पाच्छै न्ही आ सकदा, पर इसकै बाद मेरै गेल्या आवैगा।” 37 पतरस नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, इब्बे मै तेरे पाच्छै क्यातै न्ही आ सकदा? मै तो तेरी खात्तर अपनी जान भी देण नै तैयार सूं।” 38 यीशु नै जवाब दिया, “के तू मेरी खात्तर अपनी जान दे देवैगा? मै तेरे तै सच कहूँ सूं, के मुर्गे के बाँग देण तै पैहल्या तू तीन बार मेरे बारें म्ह मुकरैगा।

14 “अपणे मन नै दुखी ना होण द्यो, थम परमेसवर पै बिश्वास राक्खो सो, अर मेरै पै भी बिश्वास राक्खो। 2 मेरै पिता के घर म्ह घणीए रहण की जगहां सै, जै न्ही होंदी तो मै थारे ताहीं कह देंदा, क्यूँके मै थारे खात्तर जगहां त्यार करण नै जाऊँ सूं। 3 अर जै मै जाकै थारे खात्तर जगहां त्यार करूँ, तो फेर दुबारै आकै थमनै अपने उरै ले जाऊँगा के जड़ै मै रहुँ उड़ै थम भी रहो। 4 अर जित्त म्ह जाऊँ सूं, थम ओड़ै की राह जाणो सों।” 5 थोमा नै उसतै सवाल करया, “हे प्रभु, हमनै तेरे ठिकाणै का ए कोनी बेरा तो उसका राह किस तरियां जाण सका सां?” 6 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मै ए वो राह अर सच अर अनन्त जीवन सूं, बिना मेरै जरिये कोए पिता धोरै कोनी पोहच सकदा। 7 जै थम सच म्ह ए मन्नै जाणदे होन्दे, तो मेरै पिता नै भी जाणदे, इसकै बाद थमनै उस ताहीं जाण लिया सै, अर उस ताहीं देख भी लिया सै।” 8 फिलिप्पुस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, तू म्हारै ताहीं पिता के दर्शन ए करा दे, योए म्हारै खात्तर भतेरा होगा।” 9 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “हे

फिलिप्पुस, मै इतने दिन तै थारे गेल्या सूं, के तू मन्नै कोनी जाण्दा? जिसनै मेरैताहीं देख्या सै उसनै पिता ताहीं देख्या सै। फेर क्यातै कहवै सै के पिता नै म्हारैताहीं दिखा?” 10 के तन्नै बिश्वास कोनी के मै पिता म्ह सूं, अर पिता मेरै म्ह सै? ये वचन जो मै थारे ताहीं बताऊँ सूं, अपणी ओड़ तै कोनी बतान्दा, पर मेरे भित्तर बसा पिता ए सै, जो मेरे म्ह होके अपणे काम पूरा करण लागरया सै। 11 मेरा-ए बिश्वास करो के मै पिता म्ह सूं, अर पिता मेरै म्ह सै, ना तो काम्मां के कारण मेरा बिश्वास करो। 12 मै थारैतै साच्ची-साच कहुँ सूं, के जो मेरै पै बिश्वास राक्खै सै, ये काम जो मै करुँ सूं, वो भी करैगा, बल्के इनतै भी बड़े-बड़े काम करैगा, क्यूँके मै इब पिता के धोरै जाऊँ सूं। 13 मेरै नाम तै थम जो कुछ माँगोगे, वोए मै करुँगा, जिसतै बेटे के जरिये पिता की महिमा हो। 14 जै थम मेरै तै मेरे नाम तै कुछ माँगोगे, तो मै उस ताहीं पूरा करुँगा। 15 “जै थम मेरै तै प्यार करो सो, तो मेरे हुकमां नै मान्गोगे। 16 मै पिता तै बिनती करुँगा, अर वो थारे ताहीं एक और मददगार देवैगा के वो सारीहाण थारे गेल्या रहवै। (aiōn g165) 17 यानिके सच का आत्मा, जिस ताहीं दुनिया कोनी अपणा सकदी, क्यूँके वो ना उसनै देख्खै सै, अर ना उस ताहीं जाणै सै, थम उसनै जाणो सो, क्यूँके आज वो थारे गेल्या सै, अर आण आळे बखत म्ह भी वो थारे म्ह बणा रहवैगा।” 18 “मै थारे ताहीं अनाथ कोनी छोड़ुँगा, मै थारे धोरै बोहड़ के आऊँगा। 19 थोड़ा ए बखत बाकी सै, जिब दुनिया मेरै ताहीं कोनी देख्खैगी, पर थम मन्नै देख्खोगे, ज्यांतै के मै जिन्दा सूं, थम भी जिन्दा रहोगे। 20 जिब मै बोहड़ के आऊँगा, उस दिन थमनै बेरा लागैगा, के मै अपणे पिता म्ह सूं, अर थम मेरै म्ह, मै थारे म्ह। 21 वो, जो मेरे हुकम नै मान्गै सै अर उननै निभावै सै, वोए मेरतै प्यार करै सै, अर जो मेरतै प्यार करै सै, वोए मेरे पिता का प्रियजन होगा, मै उसतै प्यार करुँगा, अर अपणे-आप ताहीं उसपै जाहिर करुँगा।” 22 उस यहूदा नै (जो इस्करियोती कोनी था) यीशु ताहीं कह्या, “हे प्रभु, इसा के होया के तू अपणे-आप ताहीं म्हारै पै जाहिर करणा चाहवै सै, अर दुनिया के माणसां पै न्ही?” 23 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “जै कोए मेरै तै प्यार करै सै, तो वो मेरी शिक्षा का पालन करैगा, वो मेरे पिता का प्रियजन बणैगा, अर हम उसकै धोरै आकै उसकै गेल्या वास करागें।” 24 वो, जो मेरतै प्यार कोनी

करदा, वो मेरै वचन नै कोनी मानता, अर जो वचन थम सुणो सो वो मेरे कोनी बल्के पिता के सै, जो मेरा भेजण आळा सै। 25 “ये बात मन्नै थारे गेल्या रहंदे होए थारैतै कही। 26 पर मददगार यानिके पवित्र आत्मा जिस ताहीं पिता मेरै नाम तै भेज्जैगा, वो थारे ताहीं इन सारी बाततां की शिक्षा देवैगा, अर जो कुछ मन्नै थारे तै कह्या सै, वो सारा कुछ थारे ताहीं याद दुआवैगा।” 27 मै थारे ताहीं शान्ति देकै जाऊँ सूँ, अपणी शान्ति थारे ताहीं दियुँ सूँ, जिसी दुनिया थारे ताहीं शान्ति देवै सै, मै थमनै उसी शान्ति कोनी देंदा अपणे मन नै दुखी ना होण द्यो अर ना डरियो। 28 थमनै सुण्या के मन्नै थारे ताहीं के कह्या, “मै जाऊँ सूँ, अर थारे धोरै फेर आऊँगा।” जै थम मेरै तै प्यार करदे, तो यो जाणकै राज्जी होन्दे, के मै पिता के धोरै जाऊँ सूँ, जो मेरै तै घणा महान् सै। 29 यो सब होण तै पैहल्या मन्नै थारे ताहीं इसके बारै म्ह बता दिया सै, के जिब यो हो जावै, तो थम बिश्वास करो। 30 मै इब थारे तै घणा कुछ न्ही कहूँगा, क्यूँके इस दुनिया का शासक (शैतान) आवै सै। मेरै पै उसका कोए हक कोनी, 31 दुनिया यो समझ ले के मै पिता तै प्यार करूँ सूँ, योए कारण सै के मै उसके सारे हुकमां का पालन करूँ सूँ। उठो, हम याडै तै चाल्लां।

15 यीशु नै कह्या, “मै सच्ची अंगूर की बेल की तरियां सूँ, अर मेरा पिता किसान की तरियां सै। 2 मेरे मै लाग्गी हरेक डाळी जो फळ न्ही देन्दी, उस ताहीं वो काट देवै सै, पर हरेक एक फळ देण आळी डाळी ताहीं छांगै सै ताके वा और घणा फळ ल्यावै। 3 थम तो उस वचन के कारण जो मन्नै थारैताहीं कह्या सै, शुद्ध होगे सो। 4 थम मेरै म्ह बणे रहो, अर मै थारे म्ह, जिस तरियां डाळी जै अंगूर की बेल म्ह बणी न्ही रहवै तो खुद तै कोनी फळ सकदी, उस्से तरियां थम भी जै मेरै म्ह बणे न्ही रहो तो कोनी फळ सकदे।” 5 मै अंगूर की बेल की ढाळ सूँ अर थम डाळी सो। जो मेरै म्ह बण्या रहवै सै अर मै उस म्ह, वो घणाए फळ फळै सै, क्यूँके मेरै तै न्यारे पाटकै थम कुछ न्ही कर सकदे। 6 जै कोए मेरै म्ह न्ही बण्या रहंदा, तो वो डाळी की तरियां बगा दिया जावैगा, अर सूख जावै सै, अर माणस उन ताहीं कठ्ठे करकै आग म्ह झोक देवै सै, अर वे बळ जावै सै। 7 जै थम मेरै म्ह बणे रहो अर मेरे वचन थारे म्ह बणे रहवै, तो थारे माँगण पै थारी इच्छा पूरी करी जावैगी। 8 थारे फळ की भरपूरी म्ह

मेरे पिता की महिमा अर थारा मेरे चेल्लें होण का सबूत सै। 9 जिसा पिता नै मेरै तै प्यार करया, उसाए मन्नै थारैतै प्यार करया, मेरै प्यार म्ह बणे रहो। 10 जै थम मेरे हुकमां नै मान्नीगे, तो मेरै प्यार म्ह बणे रहोगे, जिस ढाळ के मन्नै अपणे पिता का हुकम मान्या सै, अर उसकै प्यार म्ह बणा रहूँ सूं। 11 मन्नै ये बात थारे तै ज्यांतै कही, के जो आनन्द मेरे म्ह सै, वो थारे म्ह भी हो अर बढ़ता जावै। 12 “मै थमनै नया हुकम द्यु सूं, के एक-दुसरे तै प्यार करियो, जिसा मन्नै थारैतै प्यार करया सै, उसाए थम भी एक-दुसरे तै प्यार करियो। 13 इसतै बड़ड़ा प्यार किसे का कोनी के कोए अपणे दोस्तां के खात्तर अपणी जान दे। 14 जो हुकम मै थारे ताहीं दियुँ सूं, जै थम उसपै चाल्लों सों तो थम मेरे साथी सो।” 15 मन्नै थारे ताहीं नौक्कर न्ही, पर साथी मान्या सै, क्युँके नौक्कर माल्लिक के काम्मां तै अनजाण रहवै सै, मन्नै थारे ताहीं वे सारी बात बता दी सै, जो मन्नै पिता तै मिली सै। 16 थमनै मेरै ताहीं कोनी चुण्या पर मन्नै थारे ताहीं चुण्या सै अर थारैताहीं काम पै लाया सै, के थम जाकै फळ ल्याओ अर थारा फळ बणा रहवै, के थम मेरै नाम तै जो कुछ पिता तै माँगो, वो थारे ताहीं दे दे। 17 मेरा हुकम यो सै के थम एक-दुसरे तै प्यार करो। 18 “जै दुनिया के माणस थारैतै बैर राक्खै सै, तो जाण ल्यो के उसनै थारैतै पैहल्या मेरै तै बैर राख्या सै। 19 जै थम दुनिया के माणसां जिसे होन्दे, तो दुनिया थारे तै आपण्यां जिसा प्यार करदी, पर थम दुनिया के कोनी, बल्के मन्नै थारैताहीं दुनिया म्ह तै छाँट लिया सै, इस करकै दुनिया के माणस थारे तै बैर राक्खै सै। 20 याद राक्खों मन्नै थारे तै के कह्या था, ‘नौक्कर अपणे माल्लिक तै बड़ड़ा कोनी होंदा,’ जिब उननै मेरै ताहीं सताया, तो थारैताहीं भी सतावैगें। जै उननै मेरी शिक्षा मान्नी, तो थारी भी माँन्नैगें। 21 पर यो सब कुछ माणस मेरै नाम के कारण थारे गेल्या करैगें, क्युँके माणस मेरै भेजण आळे नै कोनी जाणदे। 22 जै मै न्ही आन्दा, अर उनतै बात न्ही करदा, फेर वे पापी कोनी ठहरदे, पर इब उननै उनकै पाप खात्तर कोए बहान्ना कोनी। 23 जो मेरै तै बैर राक्खै सै, वो मेरै पिता तै भी बैर राक्खै सै। 24 जै मै उनके बीच म्ह वे काम न्ही करदा, जो और किसे नै कोनी करे, तो वे पापी कोनी ठहरदे, पर इब तो जो कुछ मन्नै करया सै उननै मेरै ताहीं देख लिया सै, उननै मेरै ताहीं अर मेरे पिता दोनुआ तै बैर करया। 25 पर यो इस

करके होया के जो उनके नियम-कायदा म्ह लिख्या सै वो सच हो सके, 'उननै मेरै तै खामखां बैर करया।' 26 पर जिब वो मददगार (सच का आत्मा जो पिता की ओड़ तै आवै सै) धोरै आवैगा, जिसनै मै थारे धोरै पिता की ओड़ तै भेज्जूंगा, तो वो मेरी गवाही देवैगा, 27 अर थम भी मेरे गवाह सो, क्यूँके थम शरु तै मेरे गेल्या रहे सो।

16 “ये बात मन्नै थारैतै ज्यांतै बताई सै के थारा बिश्वास डगमगा न्ही जावै।” 2 वे थमनै आराधनालयॉ म्ह तै काढ देवैगें, बल्के वो बखत आवै सै, के जो कोए थमनै मार देवैगा, वो न्यू समझैगा के मै परमेसवर की सेवा करूँ सूँ। 3 इसा वे ज्यांतै करैगें के उननै ना पिता ताहीं जाणया सै, अर ना मन्नै जाणै सै। 4 पर ये बात मन्नै ज्यांतै थारैतै कही, के जिब इनका बखत आवै तो थमनै याद रहवै के मन्नै थारैतै पैहल्याए उसकै बारें म्ह बता दिया था। “मन्नै शरु म्ह थारैतै ये बात ज्यांतै कोनी कही क्यूँके मै थारे गेल्या था।” 5 पर इब मै अपणे भेजण आळे कै धोरै जाऊँ सूँ, अर थारे म्ह तै कोए मेरै तै कोनी बुझता, “तू कित्त जावै सै?” 6 पर मन्नै जो ये बात थारैतै कही सै, ज्यांतै थारा मन दुख तै भरगया सै। 7 फेरभी मै थारैतै साच्ची कहुँ सूँ, के मेरा जाणा थारे खात्तर ठीक सै, क्यूँके जै मै ना जाऊँ तो वो मददगार थारे धोरै कोनी आवैगा, पर जै मै जाऊँगा, तो उस ताहीं थारे धोरै भेज्जूंगा। 8 वो आकै दुनिया के माणसां ताहीं पाप अर धार्मिकता अर न्याय कै बाबत बतावैगा। 9 पाप कै बारै म्ह ज्यांतै के वे मेरै पै बिश्वास कोनी करदे। 10 अर धार्मिकता कै बारै म्ह ज्यांतै के मै पिता कै धोरै जाऊँ सूँ, अर थम मन्नै दुबारै कोनी देखेगे, 11 न्याय कै बारै म्ह ज्यांतै के दुनिया का शासक कसूरवार ठहराया जा चुक्या सै। 12 मन्नै थारे तै और भी घणीए बात कहणी सै, पर इब्बे थम उननै सह न्ही सकदे। 13 पर जिब वो यानिके सच का आत्मा आवैगा, तो थम सारया नै सच का रास्ता बतावैगा, क्यूँके वो अपणी ओड़ तै कोनी कहवैगा पर जो कुछ सुणैगा वोए कहवैगा, अर होण आळी बात थारे ताहीं बतावैगा। 14 वो मेरी महिमा करैगा, क्यूँके उस ताहीं मेरी ओड़ तै जो मिला सै, वो थारे ताहीं मेरी बातं म्ह तै लेकै बतावैगा। 15 वो सब कुछ, जो पिता का सै, वो सारा मेरा सै, ज्यांतै मन्नै कह्या के वो मेरी बातं म्ह तै लेकै थारे ताहीं बतावैगा। 16 “थोड़ी देर म्ह थम मन्नै कोनी देखेगे, अर फेर थोड़ी देर

म्ह मन्नै दुबारा देखोगे।” 17 फेर उसके कुछ चेल्यां नै आप्पस म्ह कह्या,
 “उसका इस बात तै के मतलब सै जो वो म्हारै ताहीं कहवै सै, ‘थोड़ी देर म्ह
 थम मन्नै कोनी देखोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्नै दुबारा देखोगे?’ अर यो
 ‘ज्यांतै के मै पिता कै धोरै जाऊँ सू?’” 18 फेर उननै कह्या, “यो ‘थोड़ी देर’
 जो वो कहवै सै, या के बात सै? हम कोनी जाणदे के वो के कहवै सै।” 19
 यीशु नै न्यू जाणके के वे मेरतै बुझणा चाहवै सै, उन ताहीं कह्या, “के थम
 आप्पस म्ह मेरी इस बात बाबत जाँच-पड़ताळ करो सो, ‘थोड़ी देर म्ह थम
 मन्नै कोनी देखोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्नै दुबारा देखोगे?’ 20 मै थारे
 तै साच्ची-साच कहुँ सू, के जिब मै मरूँगा तो थम रोओगे अर बिलाप करोगे,
 पर दुनिया राज्जी होवैगी। थमनै दुख होगा, पर थारा दुख आनन्द म्ह बदल
 जावैगा। 21 जाणके के बखत बिरबान्नी नै दुख होवै सै, क्यूँके उसके दुख का
 बखत आरया सै, पर जिब वा बाळक नै जन्म दे सै, तो इस खुशी तै, के
 दुनिया म्ह एक माणस पैदा होया, उस दुख नै फेर याद कोनी कर दी। 22
 उससे तरियां थारे म्ह भी इब तो दुख सै, पर मै थारे तै दुबारा मिलूँगा अर थारे
 मन आनन्द तै भर जावैगे, थारा आनन्द कोए थारे तै खोस न्ही सकदा। 23
 उस बखत थम मेरतै कुछ न्ही बुझोगे। मै थारैतै सच कहुँ सू, जै थम पिता तै
 कुछ माँगोगे, तो वो मेरै नाम तै थमनै देवैगा। 24 इब ताहीं थमनै मेरै नाम तै
 पिता तै कुछ न्ही मांग्या, माँगो, तो पा ल्योगे ताके थारा आनन्द पूरा हो
 जावै। 25 “मन्नै ये बात थारैताहीं उदाहरणां म्ह कही सै, पर वो बखत आवै
 सै, जिब पिता के बारें म्ह मै उदाहरणां म्ह न्ही कहुँगा, पर साफ शब्दां म्ह थारे
 ताहीं बताऊँगा। 26 उस दिन थम मेरै नाम तै माँगोगे, अर मै थारैतै न्यू कोनी
 कहन्दा के मन्नै ए थारे खात्तर पिता तै बिनती करणी पड़ैगी, 27 क्यूँके मेरा
 पिता तो खुदे थारैतै प्यार करै सै, ज्यांतै के थमनै मेरतै प्यार करया सै अर यो
 बिश्वास करया सै के मै पिता की ओड़ तै भेज्या होड़ सू। 28 मै पिता की
 ओड़ तै दुनिया म्ह आया सू, अर इब दुनिया नै छोड़के पिता कै धोरै जाऊँ
 सू।” 29 उसके चेल्यां नै कह्या, “हाँ, इब तू उदाहरणां म्ह न्ही, बल्के साफ
 शब्दां म्ह समझाण लागरया सै। 30 इब हम समझगे सां, के तू सब कुछ
 जाणै सै, अर इब किसे नै तेरे तै कोए सवाल पूछण जरत कोनी, इस खात्तर
 हम बिश्वास करा सां के तू परमेसवर की ओड़ तै आया सै।” 31 न्यू सुणके

यीशु नै उन ताहीं कह्या, “के थमनै इब बिश्वास होया सै?” 32 लखाओ, वो बखत आवै सै बल्के आण पहोंच्या सै के थम सारे खिंड-मिन्ड होकै अपणे-अपणे घर बोहड़ जाओगे, अर मन्नै एकला छोड़ दोगे, फेरभी मै एकला कोनी क्यूँके पिता मेरै गेल्या सै। 33 “मन्नै ये बात थारैतै ज्यांतै कही सै, के थम मेरै म्ह शान्ति पाओ। दुनिया म्ह थारे पै क्लेश होवे सै, पर हिम्मत राखियो, मन्नै दुनिया ताहीं जीत लिया सै।”

17 यीशु नै ये बात कही अर अपणी नजर अकास कान्ही ठाकै कह्या, “हे पिता, वो बखत आण पहोंच्या सै, अपणे बेटे की महिमा कर, के बेटा भी तेरी महिमा कर सकै, 2 क्यूँके तन्नै उस ताहीं सारी मानवजाति पै हक दिया, के वो सब नै अनन्त जीवन देवै जो तन्नै उस ताहीं सौप्या सै। (aiōnios g166) 3 अर अनन्त जीवन यो सै के वे तुझ, जो के एकमात्र सच्चे परमेसवर अर यीशु मसीह नै जिस ताहीं तन्नै भेज्या सै, जाणै। (aiōnios g166) 4 जो काम तन्नै मेरै ताहीं सौप्या था, उस ताहीं पूरा करके मन्नै धरती पै तेरी महिमा करी सै। 5 जो महिमा मेरी तेरे गैल दुनिया की सृष्टि तै पैहल्या थी, इब हे पिता, तू अपणे गेल्या मन्नै भी महिमावान कर।” 6 “मन्नै तेरा नाम उन माणसां पै जाहिर करया सै दुनिया म्ह तै जिनताहीं तन्नै छटकै मेरै ताहीं सौप्या था, वे तेरे थे पर तन्नै उन ताहीं मेरै ताहीं सौप्या सै, अर उननै तेरे वचन का पालन करया सै।” 7 इब जाणगे सै के जो कुछ तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, वो सारा तेरी ओड़ तै सै, 8 क्यूँके जो बात तन्नै मेरै ताहीं बताई, मन्नै उन ताहीं उनके धोरै पहोंच्या दी सै, अर उननै उन ताहीं अपणालिया, अर सच म्ह ए जाण लिया सै के मै तेरी ओड़ तै आया सूं, अर उननै बिश्वास भी कर लिया सै के तू ए मेरा भेजण आळा सै। 9 मै उन खात्तर बिनती करूँ सूं, दुनिया के माणसां कै खात्तर बिनती कोनी करदा पर उन्नैए कै खात्तर करूँ सूं जिन ताहीं तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, क्यूँके वे तेरे सै, 10 अर जो कुछ मेरा सै वो सारा तेरा सै, अर जो तेरा सै वो मेरा सै, अर मन्नै उनके जरिये महिमा पाई सै। 11 इब मै इस दुनिया म्ह कोनी रहूँगा, अर मै तेरे धोरै आऊँ सूं, पर ये दुनिया म्ह रहवैंगे, हे पवित्र पिता, अपणे नाम की शक्ति तै उनकी रुखाळ कर, जो तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, ताके जिस तरियां मै अर तू एक सां, वे भी एक हो सकै। 12 जिब मै उनके गेल्या था, तो मन्नै उन ताहीं तेरे नाम म्ह, जो तन्नै मेरै ताहीं

दिया था, उनकी रुखाळ करी, अर उन म्ह तै किसे का नाश कोनी होया, सिवाए उसके जिस ताहीं खोणा जरूरी था, वो भी ज्यांतै के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या होइ सच हो। 13 पर इब मै तेरे धोरै आऊँ सूँ, अर ये बात दुनिया म्ह रहते होए कहुँ सूँ, ताके वे अपणे मनां म्ह मेरे भरपूर आनन्द नै पा सकै। 14 मन्नै तेरा वचन उन ताहीं पोहोचा दिया सै, अर दुनिया के माणसां नै उनतै बैर करया, क्यूँके जिस तरियां मै इस दुनिया का कोनी, उस्से तरियां वे भी इस दुनिया के कोनी। 15 मै या बिनती कोनी करदा के उननै तू दुनिया तै लिकाड़ ले, बल्के तू उननै उस शैतान तै बचाए राख। 16 जिस तरियां मै दुनिया का कोनी, उस्से तरियां वे भी दुनिया के कोनी। 17 तेरा वचन साच्या सै, सच कै जरिये तू उननै अलग करण खात्तर समर्पित कर। 18 जिस तरियां तन्नै मेरै ताहीं दुनिया म्ह भेज्या, उस्से तरियां मन्नै भी उन ताहीं दुनिया म्ह भेज्या, 19 मै उनकै खात्तर खुद नै तेरी सेवा म्ह समर्पित करूँ सूँ, ताके वे भी सच कै खात्तर समर्पित हो जावै। 20 “मै केवल इन्हे खात्तर बिनती कोनी करदा, पर उन माणसां खात्तर भी जो इनकै वचन कै जरिये मेर पै बिश्वास करैगें, 21 ताके वे सब एक हों, जिस तरियां हे पिता तू मेरै म्ह सै, अर मै तेरे म्ह सूँ, उस्से तरियां वे भी म्हारै म्ह एक हो, जिसतै दुनिया के माणस बिश्वास करै के तन्नै ए मेरै ताहीं भेज्या सै। 22 वा महिमा जो तन्नै मेरै ताहीं दी, मन्नै उन ताहीं दी सै, ताके वे उस्से तरियां ए एक होवै जिस तरियां हम एक सा, 23 मै उन म्ह अर तू मेरे म्ह ताके वे सिध्द होकै एक हो जावै, अर दुनिया नै बेरा पाट्टे के तन्नै ए मेरै ताहीं भेज्या, अर जिस तरियां तन्नै मेरै तै प्यार करया उस्से तरियां उनतै प्यार करया।” 24 हे पिता, मै चाहुँ सूँ, के जिन ताहीं तन्नै मेरैताहीं सौप्या सै, जडै मै सूँ उडै वे भी मेरै गेल्या हो, के वे मेरी उस महिमा नै देख्खे जो तन्नै मेरैताहीं दी सै, क्यूँके तन्नै दुनिया नै बणाण तै पैहल्या मेरतै प्यार करया सै। 25 “हे धार्मिक पिता, दुनिया के माणसां नै तो तेरे ताहीं कोनी जाण्या, पर मन्नै तेरे ताहीं जाण लिया सै, अर मेरे चेल्यां नै भी बेरा पाटग्या के तन्नै ए मेरैताहीं भेज्या सै। 26 मन्नै तेरे ताहीं उनपै जाहिर करया सै, अर जाहिर होन्दा रहूँगा, के जो प्यार तन्नै मेरतै करया था वोए प्यार उन म्ह बस जावै, अर मै उन म्ह रहूँ।”

18 जिब यीशु नै प्रार्थना खतम कर ली, तो वो अपणे चेल्यां कै गेल्या किद्रोन नाळे कि परली ओड़ गया। उड़ै एक फूल्लां का बाग था, जिस म्ह वो अर उसके चेल्लें गए। 2 यीशु का पकड़ाण आळा यहूदा भी उस जगहां नै जाणै था, क्यूँके यीशु अपणे चेल्यां कै गैल उड़ै जाया करै था। 3 फेर यहूदा, सिपाहियाँ कै एक टोळ नै अर प्रधान याजकां अर फरीसियाँ की ओड़ तै मन्दर के पैहरेदारां नै लेकै, दीवे अर मशाल अर हथियारां नै लेकै उड़ै आया। 4 फेर यीशु, उन सारी बाततां नै जो उसपै बीत्तण आळी थी जाणकै, लिकड़कै उन ताहीं पूछा, “किसनै टोहो सो?” 5 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “यीशु नासरी नै।” यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मैए सूं।” यीशु नै पकड़वाण आळा यहूदा भी उनकै गेल्या खड्या था। 6 जिब यीशु नै उनतै कह्या, “मै सूं” वे पाच्छै हटकै धरती पै पड़गे। 7 फेर उसनै दुबारै उन ताहीं बुझ्झया, “थम किसनै टोहो सो?” वे बोल्ले, “यीशु नासरी नै।” 8 यीशु नै जवाब दिया, “मन्नै तो थारे ताहीं कह दिया सै के वो मै सूं, जै थम मन्नै टोहो सो तो इन माणसां नै जाण दो।” 9 यो इस करकै के खुद उसके जरिये कह्या गया यो वचन पूरा हो, “मन्नै उन म्ह तै एक भी न्ही खोया, जिन ताहीं तन्नै मेरतै सौप्या था।” 10 फेर शमौन पतरस नै तलवार, जो उसकै धोरै थी, खींची अर महायाजक के नौक्कर पै चलाकै उसका सोळा कान उड़ा दिया, उस नौक्कर का नाम मलखुस था। 11 फेर यीशु नै पतरस तै कह्या, “अपणी तलवार म्यान म्ह धर। जो दुख का कटोरा पिता नै मेरै ताहीं दिया सै, के मै उसनै न्ही पीऊँ?” 12 फेर रोमी सिपाहियाँ अर उनके सूबेदार अर यहूदिया परदेस के मन्दर के पैहरेदारां नै यीशु ताहीं पकड़कै बाँध लिया, 13 अर पैहल्या उस ताहीं हन्ना कै धोरै ले गए, क्यूँके वो उस साल के महायाजक काइफा का सुसरा था। 14 यो वोए काइफा था, जिसनै यहूदियाँ ताहीं सलाह दी थी के म्हारे माणसां खात्तर एक आदमी का मरणा ठीक सै। 15 शमौन पतरस अर एक और दुसरा चेल्ला भी यीशु कै पाच्छै हो लिए। यो चेल्ला महायाजक का जाण-पिच्छाण का था, ज्यांतै वो यीशु कै गेल्या महायाजक कै आँगण म्ह गया, 16 पर पतरस बाहरणै दरबाजे पै खड्या रह्या। फेर दुसरा चेल्ला जो महायाजक की जाण-पिच्छाण का था, वो बाहरणै लिकड़या अर पहेरेदारणी तै कहकै पतरस ताहीं भीत्तर लियाया। 17 उस नौकराणी नै, जो

पहरेदारणी भी थी, पतरस तै कह्या, “कदे तू भी इस माणस के चेल्यां म्ह तै तो न्ही सै?” उसनै कह्या, “मै कोनी।” 18 नौक्कर अर मन्दर के पहरेदारां नै जाड्डे कै कारण आग जळा राक्खी थी, अर खड़े होकै सेक्कै थे, अर पतरस भी उनकै गेल्या खड्या आग सेक्कै था। 19 फेर महायाजक नै यीशु तै उसकै चेल्यां कै बाबत अर उसकै उपदेशां कै बाबत जाँच-पड़ताळ करी। 20 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मन्नै हरेक माणस तै खुलकै बात करी, मन्नै सभायां अर आराधनालयॉं म्ह, जड़ै सारे यहूदी कठ्ठे होया करै सै, सारी हाण उपदेश दिया अर लुह्क कै कुछ कोनी कह्या। 21 तू क्यँ मेरे तै सवाल बुझ्झै सै? सवाल उनतै कर जिननै मेरे वचन सुणे सै, वे जाणे सै, के मन्नै उन ताहीं के-के कह्या।” 22 जिब उसनै न्यू कह्या, तो मन्दर के पैहरेदारां म्ह तै एक नै जो धोरै खड्या था, यीशु कै थप्पड़ मारकै कह्या, “के तन्नै महायाजक ताहीं इस तरियां जवाब देण की हिम्मत किसी करी?” 23 यीशु नै उसतै जवाब दिया, “जै मेरा कहणा गलत सै तो साबित करो पर मन्नै जो कह्या सै वो सही सै तो फेर थम मैरे क्यँ मारण लागरे सों?” 24 इस खात्तर यीशु ताहीं जो इब भी बाँधे होए थे, हन्ना नै काइफा महायाजक कै धोरै भेज दिया। 25 शमौन पतरस खड्या होया आग सेक्कै था, फेर उननै उसतै कह्या, “कदे तू भी उसकै चेल्यां म्ह तै तो न्ही सै?” उसनै नाट-कै कह्या, “मै कोनी।” 26 महायाजक के नौकरां म्ह तै एक, जो उसकै कुण्बे म्ह तै था, जिसका कान पतरस नै काट दिया था, बोल्या, “के मन्नै तेरे ताहीं यीशु कै गेल्या फूल्लां के बाग म्ह कोनी देख्या था?” 27 पतरस फेर नाटग्या, अर जिब्बे मुर्गे नै बाँग देई। 28 फेर वे यीशु ताहीं काइफा कै धोरै तै किले म्ह लेगे, अर तड़कैए का बखत था, पर वे खुद किले कै भीत्तर कोनी गए ताके वे फसह का भोज खाण तै पैहल्या अशुद्ध ना हों जावै। 29 फेर राज्यपाल पिलातुस उनकै धोरै बाहरणै लिक्कड़कै आया अर कह्या, “थम इस माणस पै किस बात का दोष लाओ सो?” 30 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “जै वो बुरे काम करणीया न्ही होंदा तो हम इसनै तेरे धोरै कोनी ल्यान्दे।” 31 पिलातुस नै उनतै कह्या, “थमे इसनै ले जाकै अपणे नियम-कायदा कै मुताबिक इसका न्याय करो।” यहूदी अगुवां नै उसतै कह्या, “हमनै हक कोनी के किसे की जानलेवां।” 32 “यो इस करकै होया, ताके यीशु की वा बात पूरी हो जो उसनै यो इशारा देदे होइ

कही थी के उसकी मौत किस ढाळ होगी।” 33 फेर पिलातुस दुबारै किले के भीत्तर गया, यीशु तारीं बुलाके उसनै बुझ्या, “के तू यहूदियाँ का राजा सै?” 34 यीशु नै जवाब दिया, “के तू या बात अपणी ओड़ तै कहवै सै या दुसरयां नै मेरै बाबत तेरे तै न्यू कह्या सै?” 35 पिलातुस नै जवाब दिया, “के मै यहूदी न्ही सूं, तेरी-ए कोम अर प्रधान याजकां नै तेरे तारीं मेरै हाथ म्ह सौंप्या सै। तन्नै के करया सै?” 36 यीशु नै जवाब दिया, “मेरा राज्य इस दुनिया का कोनी, जै मेरा राज्य इस दुनिया का होंदा, तो मेरे सेवादार लड़दे के मै यहूदी अगुवां के हाथ्यां सौंप्या कोनी जान्दा पर सच्चाई तो या सै के मेरा राज्य आड़ै का सै ए कोनी।” 37 पिलातुस नै उसतै कह्या, “के तू राजा सै?” यीशु नै जवाब दिया, “तू कहवै सै के मै राजा सूं। मन्नै ज्यांतै जन्म लिया अर ज्यांतै दुनिया म्ह आया सूं, के सच की गवाही दियुं। जो कोए सच का सै, वो मेरा वचन सुणै सै।” 38 पिलातुस नै उसतै कह्या, “सच के सै?” न्यू कहके वो फेर यहूदी अगुवां के धोरै लिक्ड़ आया अर उन तारीं कह्या, “मै तो उस म्ह कुछ खोट कोनी पांदा।” 39 पर थारे यो रिवाज सै के मै फसह पै थारे खात्तर एक माणस नै छोड़ दियुं। आखर के थम चाहो सो, “के मै थारे खात्तर यहूदियाँ के राजा नै छोड़ दियुं?” 40 फेर उननै रुक्के मारके कह्या, “इसनै न्ही, पर म्हारै खात्तर बरअब्बा नै छोड़दे।” जिब के बरअब्बा बिद्रोही था।

19 फेर पिलातुस राज्यपाल नै यीशु के कोड़े लगवाण खात्तर सिपाहियाँ के हाथ सौप दिया। 2 सिपाहियाँ नै काण्डयाँ का मुकुट गूँथके उसके सिर पै धरया, अर उस तारीं बेंजनी लत्ते पिहराये, 3 अर उसके धोरै आ-आके कहण लागे, “हे यहूदियाँ के राजा, प्रणाम!” अर उसके थप्पड़ भी मारे। 4 फेर पिलातुस नै दुबारै बाहरणै लिक्ड़के माणसां तारीं कह्या, “लखाओ, मै उसनै थारे धोरै फेर ल्याया सूं, ताके थमनै बेरा लागै के मै उस म्ह कुछ भी खोट कोनी पान्दा।” 5 फेर यीशु तारीं काण्डयाँ का मुकुट अर बेंजनी लत्ते पहरे होड़ बाहरणै लेग्या, अर पिलातुस नै उन तारीं कह्या, “देखों, इस माणस नै!” 6 जिब प्रधान याजकां अर मन्दर के पैहरेदारां नै उस तारीं देख्या, तो रुक्के मारके कह्या, “उस तारीं क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै!” पिलातुस नै उनतै कह्या, “थमे उसनै ले जाके क्रूस पै चढ़ाओ, क्यूँके मै उस म्ह कोए खोट कोनी पान्दा।” 7 यहूदी अगुवां नै उस तारीं जवाब दिया, “म्हारे नियम-

कायदे सै अर उस नियम-कायदा कै मुताबिक इस माणस नै मौत की सजा मिलणी चाहिये, क्यूँके इसनै खुद ताहीं परमेसवर का बेट्टा होण का दावा करया सै।” 8 जब पिलातुस नै या बात सुणी तो और भी घणा डरग्या, 9 अर दुबारै किले कै भीत्तर गया अर यीशु तै कह्या, “तू कितका सै?” पर यीशु नै उसतै कुछ भी जवाब कोनी दिया। 10 इसपै पिलातुस नै उसतै कह्या, “मेरतै क्यातै नही बोल्दा? के तन्नै कोनी बेरा के तेरे ताहीं छोड़ देण का हक मेरे ताहीं सै, अर तेरे ताहीं क्रूस पै चढ़ाण का भी मेरे ताहीं हक सै।” 11 यीशु नै जवाब दिया, “जै तेरे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै हक नही दिया जान्दा, तो तेरा मेरे पै कोए हक कोनी होंदा, ज्यांतै जिसनै मेरे ताहीं तेरे हाथ पकड़ाया सै उसका पाप घणा सै।” 12 इस बात नै सुणकै पिलातुस नै उस ताहीं छोड़ देणा चाह्या, पर यहूदी माणसां की भीड़ नै रुक्के मार-मारकै कह्या, “जै तू इसनै छोड़ देवैगा, तो तू कैसर का बिरोध्दी बण जावैगा। जो कोए खुद नै राजा होण का दावा करै सै, वो कैसर का बिरोध्द करै सै।” 13 ये बात सुणकै पिलातुस यीशु नै बाहरणै ल्याया अर उड़ै न्याय की गद्दी पै बैठग्या, जो इब्रानी भाषा म्ह “गब्बता” कुह्वावै सै, जिसका मतलब चोतरा हो सै। 14 यो फसह की त्यारी का दिन था, अर दोफाहरा का बखत था। फेर उसनै यहूदी माणसां ताहीं कह्या, “यो रह्या थारा राजा!” 15 पर उननै और ऊँच्ची आवाज म्ह कह्या, “उस ताहीं मार द्यो! उस ताहीं मार द्यो! उस ताहीं क्रूस पै चढ़ा!” पिलातुस नै उनतै कह्या, “के मै थारे राजा नै क्रूस पै चढ़ाऊँ?” प्रधान याजकां नै जवाब दिया, “कैसर नै छोड़ म्हारा और कोए राजा कोनी।” 16 फेर पिलातुस नै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ाण खात्तर उनकै हवालै कर दिया। 17 फेर सिपाही यीशु नै ले गए, अर यीशु अपणा क्रूस ठाए होए उस जगहां तक बाहर गया, जो “खोपड़ी” यानी इब्रानी भाषा म्ह “गुलगुता” कुह्वावै सै। 18 उड़ै उननै उस ताहीं अर उसकै गेल्या और दो माणसां ताहीं क्रूस पै चढ़ाया, एक इस ओड़ अर एक दुसरी ओड़, अर बिचाळै यीशु ताहीं। 19 पिलातुस नै एक दोषपत्र लिखकै क्रूस पै लगवा दिया, अर उसपै लिख्या होया था, “यीशु नासरी, यहूदियाँ का राजा।” 20 यो दोषपत्र घणखरे यहूदियाँ नै पढ़्या, क्यूँके यरुशलेम नगर जड़ै यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया था नगर कै धोरै थी, अर दोषपत्र इब्रानी अर लतीनी अर यूनानी म्ह लिख्या होया था। 21 फेर यहूदियाँ

के प्रधान याजकां नै पिलातुस तै कह्या, “यहूदियाँ का राजा’ मतना लिखै पर यो के उसनै कह्या, “मै यहूदियाँ का राजा सूं।” 22 पिलातुस नै जवाब दिया, “मन्नै जो लिखणा था, लिख दिया।” 23 जिब सिपाहियाँ नै यीशु तारीं क्रूस पै चढ़ा दिया, तो उसके लत्ते लेकै चार हिस्यां म्ह बांड लिए, हरेक सिपाही खात्तर एक हिस्सा, अर कुड़ता भी लिया, पर कुड़ता बिन सिलाई उप्पर तै तळै तारीं सिम्या होया था। 24 इस करकै सिपाहियाँ नै आप्पस म्ह कह्या, “हम इस तारीं पाड़ा कोनी, पर इसपै पर्चीं गेर कै, के यो किसका होवैगा।” न्यू इस करकै होया के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या होया वो पूरा हो, “उननै मेरे लत्ते आप्पस म्ह बांड लिए अर मेरे लत्ते पै पर्चीं गेरी।” 25 आखर म्ह सिपाहियाँ नै इसाए करया। यीशु कै क्रूस कै धोरै यीशु की माँ, अर उसकी मौस्सी, क्लोपास की घरआळी मरियम, अर मगदल गाम की मरियम खड़ी थी। 26 जिब यीशु नै अपणी माँ, अर उस चेल्लें तारीं जिसतै वो प्यार करै था, धोरै खड़े देख्या तो अपणी माँ तै कह्या, “हे नारी, लखा, यो तेरा बेटा सै।” 27 फेर उस चेल्लें तै कह्या, “या तेरी माँ सै।” अर उस्से बखत वो चेल्ला उस तारीं अपणे घरां लेग्या। 28 इसकै पाच्छै यीशु नै बेरा लागग्या के इब उसनै सारा काम पूरा कर लिया सै, ज्यांतै के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कह्या गया वो पूरा हो, कह्या, “मै तिसाया सूं।” 29 उड़ै सिरके तै भरया होड़ एक बास्सण धरया था, आखर म्ह सिपाहियाँ नै सिरके म्ह भेकै स्पंज (फोम) तारीं जुफे की लाठी पै धरकै उसकै मुँह कै लगाया 30 जिब यीशु नै वो सिरका चख्या, तो कह्या, “पूरा होया,” अर सिर झुकाकै जी दे दिया। 31 इब यो तयारी का दिन था, अर आगला दिन आराम का दिन अर फसह का दिन था, यो यहूदी माणसां खात्तर एक खास दिन था, अर वे नही चाहवै थे, के इस दिन देह क्रूस पै टंगी रहवै, इस करकै यहूदियाँ नै पिलातुस तै बिनती करी के उन माणसां की टाँग तोड़ दी जावै, जो क्रूस पै चढ़ाये गये थे। 32 आखर म्ह सिपाहियाँ नै आकै उन माणसां म्ह तै पैहले की टाँग तोड़ी फेर दुसरे की भी, जो उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, 33 पर जिब यीशु कै धोरै आकै देख्या के वो मर लिया सै, तो उसकी टाँग कोनी तोड़ी। 34 पर सिपाहियाँ म्ह तै एक नै बरछी तै उसका पंजर चीर दिया, अर उस म्ह तै जिब्बे लहू अर पाणी लिक्ड़या। 35 जिस माणस नै यो देख्या, उसनै गवाही दी सै, अर उसकी

गवाही साच्ची सै, अर उननै बेरा सै के वो साच्ची कह सै के थम भी बिश्वास करो। 36 ये बात ज्यांतै होई के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कह्या गया वो पूरा हो, “उसकी कोए हाड्डी कोनी तोड़ी जावैगी।” 37 फेर एक और जगहां पै पवित्र ग्रन्थ म्ह न्यू लिख्या सै, “जिस ताहीं उननै बेधा सै, उसनै वे देखैगें।” 38 इन बात्तां पाच्छै अरिमतिया गाम के यूसुफ नै जो यीशु का चेल्ला था, पर यहूदी अगुवां कै डर के मारे इस बात नै ल्कोए राक्खै था, पिलातुस तै बिनती करी, के वो यीशु की लाश ले जा सकै सै। पिलातुस नै उसकी बिनती सुणी, अर वो आकै उसकी लाश लेग्या। 39 नीकुदेमुस भी, जो पैहले यीशु के धोरै रात नै गया था, पचास सेर कै करीबन रळा होड़ गन्धरस अर एलवा (काण्डयाँ आळा पौधा) लियाया। 40 फेर उननै यीशु की लाश ली, अर यहूदियाँ कै गाड्डुण कै रिवाज कै मुताबिक उस ताहीं खुशबुदार द्रव्य कै गेल्या कफन म्ह लपेट्या। 41 उस जगहां पै जड़ै यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया था, एक फूल्लां का बगीचा था, अर उस फूल्लां की क्यारी म्ह एक नई कब्र थी जिसम्ह कदे कोए कोनी राख्या गया था। 42 ज्यांतै उननै यीशु की लाश ताहीं उस्से कब्र म्ह धर दिया, क्युँके वा लोवै ए थी, अर वो यहूदियाँ के आराम की त्यारी का दिन भी था।

20 हफ्तै कै पैहल्ले दिन तड़कैए सूरज लिकड़ण तै पैहल्ल्या अन्धेरै रहंदे ए मगदल गाम की मरियम कब्र पै गई, अर पत्थर ताहीं कब्र पै तै हटया होड़ देख्या। 2 फेर वा भाज्जी अर शमौन पतरस अर उस दुसरे चेल्लै कै धोरै जिसतै यीशु प्यार राक्खै था, आकै कह्या, “वे प्रभु की लाश नै कब्र म्ह तै काढ लेगे सै, अर हमनै न्ही बेरा के उस ताहीं कित्त धर दिया सै।” 3 फेर पतरस अर वो दुसरा चेल्ला लिकड़कै कब्र कै कान्ही चाल्ले। 4 वे दोन्नु गैल-गैल भाजरे थे, पर दुसरा चेल्ला पतरस तै तेज भाजकै कब्र पै पैहल्ल्या पोंहच्या, 5 अर झुककै लत्ते पड़े देखे, तोभी वो भीत्तर कोनी गया। 6 फेर शमौन पतरस उसकै पाच्छै-पाच्छै पोंहच्या, अर कब्र कै भीत्तर गया अर उसनै भी लत्ते पड़े देखे, 7 अर वो अंगोच्छा जो उसकै सिर पै बन्धया होड़ था, लत्यां कै गेल्या कोनी पड्या था, पर न्यारा एक जगहां लपेटकै धरया होया देख्या। 8 फेर दुसरा चेल्ला भी जो कब्र पै पैहल्ल्या पोंहच्या था, भीत्तर गया अर देखकै बिश्वास करया के यीशु मुर्दा म्ह तै जिन्दा होग्या। 9 पतरस

अर दुसरा चेल्ला इब ताहीं पवित्र ग्रन्थ की वा बात कोनी समझे थे के उसनै मरे होया म्ह तै जी उठणा होगा। 10 फेर चेल्लें अपणे घरां बोहड़गे। 11 पर मरियम रोंदी होई कब्र कै धोरै ए बाहरणै खड़ी रही, अर रोन्दे-रोन्दे कब्र कै कान्ही कोट्टी होकै, 12 दो सुर्गदूतां ताहीं धोळे-चमकदे लत्ते पहरे होड़ एक सिरहाणै अर दुसरे ताहीं पांयां की ओड़ बेठे देख्या, जड़ै यीशु की लाश धरी गई थी। 13 उननै उस ताहीं कह्या, “हे नारी, तू क्यातै रोवै सै?” उसनै उन ताहीं कह्या, “वे मेरै प्रभु की लाश नै ठा लेगे अर मन्नै कोनी बेरा के उसनै कित्त धर राख्या सै।” 14 न्यू कहकै वा पाच्छै मुड़ी अर यीशु ताहीं खड़े देख्या, पर पिच्छाण्या कोनी के यो यीशु सै। 15 यीशु नै उसतै कह्या, “हे नारी, तू क्यातै रोवै सै? किसनै टोहवै सै?” उसनै माळी समझकै उस ताहीं कह्या, “हे श्रीमान, जै तन्नै उस लाश ताहीं ठा लिया सै, तो मन्नै बता के उस ताहीं कित्त धर राख्या सै, अर मै उसनै ले जाऊँगी।” 16 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मरियम!” उसनै बोहड़कै उस ताहीं इब्रानी म्ह कह्या, “रब्बुनी!” यानिके “हे गुरु।” 17 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “पैरां म्ह लिपटकै मन्नै मतना छुओ, क्यूँके मै इब ताहीं पिता कै धोरै उप्पर कोनी गया, पर मेरे भाईयाँ कै धोरै जाकै उनतै कह दे, के मै अपणे पिता अर थारे पिता, अर अपणे परमेसवर अर थारे परमेसवर कै धोरै उप्पर जाकै आऊँ सूँ।” 18 मरियम मगदलीनी नै जाकै चेल्यां ताहीं बताया, “मन्नै प्रभु ताहीं देख्या, अर उसनै मेरै तै ये बात कही।” 19 उससे दिन जो हप्तै का पैहल्ला दिन था, साँझ कै बखत यहूदियाँ के डर के मारे चेल्लें जिब किवाड़ मूंदे होड़ एक कमरे म्ह थे, तो यीशु उनकै बिचाळै आ खड्या होया अर उनतै बोल्या, “थमनै शान्ति मिलै।” 20 अर न्यू कहकै उसनै अपणे हाथ्यां के घा अर अपणा पंजर उनतै दिखाए। फेर चेल्लें यीशु नै देखकै राज्जी होए। 21 यीशु नै फेर उनतै कह्या, “थमनै शान्ति मिलै: जिस तरियां पिता नै मेरै ताहीं दुनिया म्ह भेज्या सै, उससे तरियां ए मै थमनै दुनिया म्ह भेज्जू सूँ।” 22 न्यू कहकै उसनै उनपै फूँक मारी अर उसनै कह्या, “पवित्र आत्मा ल्यो। 23 जिनके पाप थम माफ करो, वे उनकै खात्तर माफ करे गए सै, जिनके थम राक्खो, वे राक्खे गए सै।” 24 पर बारहा चेल्यां म्ह तै एक, यानिके थोमा जो दिदुमुस कुहावै सै, जिब यीशु आया तो उनकै गेल्या कोनी था। 25 जिब दुसरे चेल्लें उसतै कहण

लागते, “हमनै प्रभु तारीं देख्या सै,” फेर उसनै उनतै कहा, “जिब तारीं मै उसके हाथ्यां म्ह कील्लां के छेद नही देख ल्युँ, अर कील्लां के छेदां म्ह अपणी आंगळी नही घाल ल्युँ, अर उसके पंजर म्ह अपणा हाथ ना घाल ल्युँ, जद तारीं बिश्वास कोनी करुँगा।” 26 आठ दिन कै पाच्छै उसके चेल्लें फेर घर कै भीत्तर थे, अर थोमा उनकै गेल्या था, अर किवाड़ मूंद राक्खे थे, फेर यीशु आया अर उनकै बिचाळै खड्या होकै कहा, “थमनै शान्ति मिलै।” 27 फेर उसनै थोमा तै कहा, “अपणी आंगळी याडै ल्याकै मेरै हाथ्यां नै देख अर अपणा हाथ ल्याकै मेरै पंजर म्ह घाल, अर अबिश्वासी नही पर बिश्वासी बण।” 28 न्यू सुणकै थोमा नै जवाब दिया, “हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेसवर!” 29 यीशु नै उसतै कहा, “तन्नै तो मेरै तारीं देखकै बिश्वास करया सै, धन्य वे सै जिन नै बिन देखके बिश्वास करया।” 30 यीशु नै और भी घणखरे चमत्कार चेल्यां कै आगुँ दिखाए, जो इस किताब म्ह कोनी लिक्खे गए, 31 पर ये ज्यांतै लिक्खे गए सै के थम बिश्वास करो के यीशु ए परमेसवर का बेट्टा मसीह सै, अर बिश्वास करके उसके नाम म्ह अनन्त जिन्दगी पाओ।

21 इन बाततां कै पाच्छै यीशु नै खुद तारीं तिबिरियास झील कै किनारे चेल्यां पै जाहिर करया, अर इस ढाळ जाहिर करया 2 शमौन पतरस, अर थोमा जो दिदुमुस कुहावै सै, अर गलील परदेस कै काना नगर का नतनएल, अर जब्दी के बेट्टे, अर उसके चेल्यां म्ह तै दो और जणे कठ्ठे थे। 3 शमौन पतरस नै उन तारीं कहा, “मै मच्छी पकड़ण नै जाऊँ सूँ।” उननै उसतै कहा, “हम भी तेरे गेल्या चाल्लां सां।” इस करके वे लिकड़के किस्ती पै चढ़े, पर उस रात उननै कुछ नही पकड्या। 4 सबेर होन्दे-ए यीशु किनारे पै आ खड्या होया, फेरभी चेल्यां नै कोनी पिच्छाणा के यो यीशु सै। 5 फेर यीशु नै उन तारीं कहा, “हे बाळकों, के थारे धोरै कुछ खाण नै सै?” उननै जवाब दिया, “कोनी।” 6 यीशु नै उन तारीं कहा, “किस्ती कै सोळी ओड़ जाळ गेरो फेर पाओगे।” आखर उननै जाळ गेरया, अर इब घणी मच्छियाँ कै बाबत जाळ उनपै खिच्या कोनी। 7 फेर उस चेल्लें नै जिसतै यीशु प्यार करै था, पतरस तै कहा, “यो तो प्रभु सै!” शमौन पतरस नै न्यू सुणकै के वो तो प्रभु सै, अपणा बाहरी कपड़ा लपेट्या अर झील म्ह कूद पड्या, क्यूँके उस बखत वो अंगोच्छें-अंगोच्छें म्ह था। 8 पर दुसरे चेल्लें डोंगी पै मच्छी तै भरया

होड़ जाळ खिंचदे होए आए, क्यूँके वे किनारे तै घणी दूर कोनी, पर कोए दो सौ हाथ (सौ मीटर) की दूरी पै थे। 9 जिब चेल्लें किनारे पै उतरे, तो उननै कोयले की आग अर उसपै मच्छी धरी होई, अर रोटी देखी। 10 यीशु नै उनतै कह्या, “जो मच्छी थमनै इब्बे पकड़ी सै, उन म्ह तै कुछ ल्याओ।” 11 फेर शमौन पतरस नै डोंगी पै चढ़के एक सौ तरेपन बड़ी मच्छियाँ तै भरया होड़ जाळ किनारे पै खिंच्या, अर इतनी मच्छी होन्दे होए भी जाळ कोनी पाट्या। 12 यीशु नै उनतै कह्या, “आओ, खाणा खाओ।” चेल्यां म्ह तै किसे की हिम्मत कोनी होई, के उसतै बुझ्झै, “तू कौण सै?” क्यूँके उननै बेरा था, के हो ना हो यो प्रभु ए सै। 13 यीशु आया अर रोटी लेके उन ताहीं दी, अर उससे ढाळ मच्छी भी। 14 यो तीसरी बार सै के यीशु मरे होया म्ह तै जिन्दा उठुण के पाच्छे चेल्यां नै दिखाई दिया। 15 खाणा खाणे कै पाच्छे यीशु नै शमौन पतरस तै कह्या, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू चेल्यां तै बाध मेरतै प्यार करै सै?” उसनै उसतै कह्या, “हाँ प्रभु, तन्नै तो बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूँ।” उसनै उसतै कह्या, “मेरे मेम्ना नै चरा।” 16 उसनै दुसरी बार उसतै कह्या, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू मेरै तै प्यार राक्खै सै?” उसनै उसतै कह्या, “हाँ प्रभु, तन्नै तो बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूँ।” उसनै उसतै कह्या, “मेरी भेड्डां की रुखाळी कर।” 17 उसनै तीसरी बार उस ताहीं कह्या, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू मेरतै प्यार राक्खै सै?” पतरस कांल होया के उसनै उसतै तीसरी बार इसा कह्या, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू मेरतै प्यार राक्खै सै?” अर उसतै कह्या, “हे प्रभु, तन्नै तो सारा कुछ बेरा सै, तन्नै न्यू बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूँ।” यीशु नै उसतै कह्या, “मेरी भेड्डां नै चरा।” 18 मै तेरे तै साच्ची-साच कहूँ सूँ, “जिब तू जवान था तो अपणी कड़ बाँधके जड़े चाहवै था उड़ै हाँडे था, पर जिब तू बूढ़ा होगा तो अपणे हाथ पसारैगा, अर दुसरा तेरी कड़ बाँधके जड़े तू ना चाहवैगा उड़ै तन्नै ले जावैगा।” 19 यीशु नै इन बाततां तै इशारा करया के पतरस किसी मौत तै परमेसवर की महिमा करैगा, अर फेर उसनै उसतै कह्या, “मेरै पाच्छे हो ले।” 20 पतरस नै बोहड़के उस चेल्लें ताहीं पाच्छे आन्दे देख्या, जिसतै यीशु प्यार राक्खै था, जो खाणे कै बखत उसके साथ बेठ्या था, उसतै बुझ्झया, “हे प्रभु, तेरा पकड़वाण आळा कौण सै?” 21 उस ताहीं देखके पतरस नै यीशु

तै कह्या, “हे प्रभु, इसका के हाल होगा?” 22 यीशु नै उसतै कह्या, “जै मै चाहूँ के वो मेरै आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के? तू मेरै पाच्छै हो ले।” 23 ज्यांतै भाईयाँ म्ह या बात फैलगी के वो चेल्ला कोनी मरैगा, फेरभी यीशु नै उसतै न्यू कोनी कह्या के वो कोनी मरैगा, पर यो के, “जै मै चाहूँ के वो मेरै आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के?” 24 यो वोए चेल्ला सै जो इन बात्तां की गवाही देवै सै अर जिसनै इन बात्तां ताहीं लिख्या सै, अर हमनै बेरा सै के उसकी गवाही साच्ची सै। 25 और भी घणेए काम सै, जो यीशु नै करे, जै वे एक-एक करके लिखे जान्दे, तो मै समझू सूँ के किताब जो लिक्खी जान्दी वा दुनिया म्ह भी कोनी समान्दी।

प्रेरितों के काम

1 हे थियुफिलुस, मन्ने पैहल्डी किताब उन सारी बात्तां कै बारें म्ह लिक्खी, जो यीशु शरु तै लेकै सुर्ग म्ह ठाए जाण तक करदा अर सिखान्दा रहया, **2** पर यीशु ताहीं परमेसवर के जरिये सुर्ग म्ह उठाए जाण तै पैहले उसनै अपणे चुणे होए प्रेरितां ताहीं पवित्र आत्मा के जरिये हुकम दिया। **3** यीशु के दुख ठाण कै पाच्छै उन प्रेरितां कै स्याम्ही भोत-से पक्के सबूत दिखाए के वो जिन्दा सै, अर वो चाळीस दिन तक उननै दिखदा रहया, अर परमेसवर के राज्य की बात करदा रहया। **4** अर एक दिन मसीह यीशु नै उनतै कठ्ठे करके उन ताहीं हुकम दिया, “यरुशलेम नगर नै ना छोड्ठो, पर पिता की उस प्रतिज्ञा की पूरे होण की बाट देखदे रहो, जिसका जिक्क थम मेरै तै सुण चुके सो। **5** क्युँके यूहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा दिया सै पर थोड़े दिनां पाच्छै थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे।” **6** चेल्लें जिब यीशु तै दुबारा मिले तो उननै उसतै बुझ्झया, “हे प्रभु, के वो बखत आ गया सै, के तू इस्राएल ताहीं छुड़वा कै उसनै दुबारा बसाके राजा के रूप म्ह सब पै शासन करैगा।” **7** उसनै उनतै कह्या, “उस बखत या युगा ताहीं, जिन ताहीं पिता नै अपणे अधिकार म्ह कर राख्या सै, उननै जाणणा थारा काम कोनी। **8** पर जिब पवित्र आत्मा थारे पै आवैगा फेर थम सामर्थ पाओगे, अर यरुशलेम नगर अर सारे यहूदिया और सामरिया परदेसां म्ह, अर धरती कै सिरे ताहीं मेरे बारें म्ह गवाही द्योगे।” **9** न्यू कहकै यीशु उनके देखदे-देखदे परमेसवर के जरिये उप्पर ठा लिया गया, अर बाह्ळ नै उस ताहीं उनकी आँखां तै लह्को लिया। **10** उसकै जान्दे बखत जिब वे अकास की ओड़ देक्खै थे, तो देक्खो, चाणचक दो माणस धोळे लत्ते पहरे ओड़ उनकै लोवै आण खड़े होए, **11** अर उनतै कह्या, “हे गलील परदेस के माणसों, थम खड़े अकास कान्ही क्यांतै लखाओ सो? योए यीशु, जो परमेसवर के जरिये थारे धोरै तै सुर्ग पै ठा लिया गया सै, जिस तरियां तै थमनै उस ताहीं सुर्ग नै जान्दे देख्या उस्से तरियां तै वो दुबारा आवैगा।” **12** जिब सुर्गदूत चले गये, तो चेल्लें जैतून नाम के पहाड़ तै जो यरुशलेम नगर तै करीब आधे कोस की दूरी पै सै, यरुशलेम नगर म्ह बोह्ड़े। **13** जिब वे नगर पोहचे तो उस चुबारै पै गये, जित्त पतरस अर यूहन्ना अर याकूब अर अन्द्रियास अर फिलिप्पुस अर थोमा अर बरतुल्मै अर मत्ती

अर हलफई का बेटा याकूब अर शमौन, जेलोतेस अर याकूब का बेटा यहूदा ये सारे माणस ओढ़ै थे। 14 ये सारे कई बिरबानियाँ अर यीशु की माँ मरियम अर उसके भाईयाँ कै गेल्या कठ्ठे होकै एक मन तै प्रार्थना म्ह लागे रहे। 15 उन्हे दिनां म्ह पतरस बिश्वासियाँ कै बिचाळै म्ह जो एक सौ बीस आदमियाँ कै करीबन थे, खड्या होकै कहण लाग्या, 16 हे भाईयो, जरूरी था के पवित्र ग्रन्थ का वो लेख पूरा हो जो पवित्र आत्मा नै दाऊद के मुँह तै यहूदा कै बाबत, जो यीशु कै पकड़वाण आळा का अगुवां था, पैहल्याए तै कह्या था। 17 क्यूँके वो तो म्हारै म्ह गिण्या गया, अर इस सेविकाई म्ह साइझी होया। 18 “जिसा थम जाणो सों (उसनै पाप की कमाई तै एक खेत मोल लिया, अर सिर के बळ गिरया अर उसका पेट पाटग्या अर उसकी सारी आन्दड़ी लिकड़गी। 19 इस बात ताहीं यरुशलेम नगर के सारे रहणीये जाणगे, उरै ताहीं के उस खेत का नाम उनकी भाषा म्ह ‘हक्कलदमा’ यानिके ‘लहू का खेत’ पड़ग्या।)” 20 “दाऊद नै भजन संहिता म्ह लिख्या सै, ‘उसका घर उजड़ जावै, अर यो भी लिख्या सै, के उस म्ह कोए न्ही बसै,’ अर ‘उसका पद कोए और ले लेवै।” 21 “इस करके यो जरूरी सै के एक इसा माणस छाट्या जावै, जो प्रभु यीशु के सारे काम्मां के हरेक बखत का गवाह हो, प्रभु यीशु ताहीं यूहन्ना के जरिये बपतिस्मा दिये जाण तै लेके, सुर्ग म्ह स्वीकार किये जाण तक, 22 वो माणस म्हारै गैल प्रभु यीशु के जिन्दा होण का गवाह बणै।” 23 फेर उननै दो नाम सुझाए, एक यूसुफ जो बरसब्बा कुहावै था, जिसका उपनाम यूसतुम सै, दुसरा मत्तियाह ताहीं, 24 अर या प्रार्थना करी, “हे प्रभु, तू जो सारया के मनां नै जाणै सै, न्यू बता के इन दोनुआ म्ह तै तन्नै किस ताहीं चुण्या सै, 25 के वो इस सेवा के काम अर प्रेरितों की वा खाल्ली जगहां ले, जिसनै यहूदा छोड़के अपणी जगहां चल्या गया, जित्त उसनै जाणा चाहिए था।” 26 फेर उननै उनके बाबत पर्ची गेरी, अर पर्ची मत्तियाह कै नाम लिकड़ी। आखर वो उन ग्यारहां प्रेरितां कै गेल्या गिण्या गया।

2 यहूदियाँ के पिन्तेकुस्त त्यौहार के दिन, यीशु के चेल्लें एक जगहां कठ्ठे थे। 2 चाणचक अकास तै तेज आँधी जिसी आवाज आई, अर उसतै सारा घर जित्त वे बेठे थे, गूँजग्या। 3 अर उननै एक आग की लपट दिक्खी, जो जीभ के समान थी, वा आग की लपट अलग-अलग होकै उन सब कै उप्पर आ

उतरी। 4 वे सारे पवित्र आत्मा तै भरगे, अर जो वरदान पवित्र आत्मा नै उन ताहीं दिया, उसके मुताबिक वो अन्य-अन्य भाषा बोल्लण लागगे। 5 उस बखत पूरी दुनिया की हरेक जात म्ह तै यहूदी-भगत यरुशलेम नगर म्ह रहण लागरे थे। 6 जिब आँधी जिसा शब्द गरजा, तो भीड़ लागी अर आदमी घबरागे, क्यूँके हर एक अपणी-अपणी भाषा म्ह चेल्यां ताहीं बोलदे सुणण लागरे थे। 7 वे सारे हैरान अर अचम्भा करके कहण लागगे, “देखो, जो वे बोल्लण लागरे सै के सारे गलीलवासी कोनी? 8 तो यो के होण लागरया सै, के जो म्हारे म्ह तै हर एक इन ताहीं अपणी-अपणी जन्म-भूमि की भाषा म्ह बात करते सुणै सै! 9 हम जो पारथी अर मेदी अर एलामी अर मेसोपोटामिया अर यहूदिया अर कप्पदूकिया अर पुन्तुस अर आसिया परदेस, 10 कुछ फ्रुगिया, पंफूलिया परदेस अर कुछ मिस्र देश अर लीबिया देश जो कुरेने नगर कै लोवै-धोरै सै, इन सारे देशां के रहण आळे अर रोमी प्रवासी, 11 यानिके यहूदी माणस अर यहूदी पंथ धारण करण आळे, क्रेतो दीप अर अरब देश के माणस भी सै, पर अपणी-अपणी भाषा म्ह उनतै परमेसवर के बड़े-बड़े काम्मां का जिक्र सुणै सै।” 12 अर वे सारे हैरान होए अर घबराके एक-दुसरे तै कहण लागगे, “यो के होण लागरया सै?” 13 पर औरां नै मखौल करके कहा, “वे तो नई मदिरा कै नशै म्ह चूर सै।” 14 जिब पतरस उन ग्यारहां प्रेरितां कै गेल्या खड्या होया, अर ठाडू आवाज म्ह बोल्या, “हे यहूदिवासियों अर हे यरुशलेमवासियों, न्यू जाण ल्यो, अर कान लाके मेरी बात सुणो।” 15 जिसा थम समझरे सो, ये आदमी नशै म्ह कोनी, क्यूँके इब्बे दिन के नौ बजे सै। 16 जो थम म्हारै साथ होते होए देखण लागरे सों, यो योएल नबी कै जरिये कही गई भविष्यवाणी का पूरा होणा सै। 17 “परमेसवर कहवै सै, के अन्त के दिनां म्ह इसा होवैगा के मै अपणा आत्मा सारे माणसां ताहीं दियुँगा, अर थारे बेट्रे अर थारी बेट्री भविष्यवाणी करैगी, अर थारे जवान दर्शन देखेंगे, अर थारे बुजुर्ग सपना देखेंगे।” 18 उन दिनां म्ह, मै अपणे दास्सां, अर दासियाँ ताहीं अपणी आत्मा दियुँगा, अर वे भविष्यवाणी करैंगे। 19 अर मै उप्पर अकास म्ह अनोक्खे काम अर तळै धरती पै निशान, यानिके लहू अर आग अर धुम्मै का बाद्दळ दिखाऊँगा। 20 प्रभु के महान् अर तेजस्वी दिन कै आण तै पैहल्या सूरज अँधेरा अर चाँद लहू-सा हो जावैगा। 21 अर

जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा, उसका उद्धार होवैगा। 22 “हे इस्राएलियों, इन बातों नै सुणो यीशु नासरी एक माणस था जिसका परमेसवर की ओड़ तै होण का सबूत उन सामर्थ के काम्मां अर हैरानी के काम्मां अर चमत्कारां तै जाहिर सै, जो परमेसवर नै थारे बिचाळै उसके जरिये कर दिखाए जिसके बारे म्ह थमनै खुदे बेरा सै। 23 उस्से यीशु ताहीं, जो परमेसवर की ठहराई होई योजना अर पूर्व ज्ञान के मुताबिक पकड़वाया गया, थमनै अधर्मियों के हाथ्थां तै क्रूस पै चढ़ाके उस ताहीं मार दिया। 24 पर उस्से ताहीं परमेसवर नै मौत के बन्धनां तै छुड़ाके जिन्दा करया, क्यूँके यीशु ताहीं अपणे बस म्ह राखणा मौत खान्तर असम्भव था।” 25 राजा दाऊद यीशु के बारे म्ह कहवै सै, “मै प्रभु नै सारी हाण अपणे धारे देख्दा रहया क्यूँके वो मेरी सोळी ओड़ सै, मै उनतै न्ही डरूँगा जो लोग मेरा नुकसान करणा चाहवै सै।” 26 इस्से कारण मेरा मन आनन्दित होया, अर मै खुशी तै गाऊँगा, बल्के मेरी आस भी उस्से म्ह बणी रहवैगी। 27 क्यूँके तू मेरे प्राणां नै अधोलोक म्ह कोनी छोडैगा, अर ना अपणे पवित्र माणस नै सड़ण देवैगा। (Hadēs 986) 28 “तन्नै मेरे ताहीं जीण का राह बताया सै, तू मन्नै दर्शन के जरिये आनन्द तै भर देवैगा।” 29 “हे भाईयो, मै कुलपति राजा दाऊद के बारे म्ह थारे तै हिम्मत करके कहुँ सूँ के वो तो मरग्या अर गाड्या भी गया अर उसकी कब्र आज ताहीं म्हारै उरै न्यू-की-न्यू सै। 30 वो नबी था अर उसनै बेरा था के परमेसवर नै मेरे तै वादा करया सै के मै तेरी पीढ़ी म्ह तै एक माणस नै तेरे सिंहासन पै बिठाऊँगा, 31 उसनै होण आळी बात ताहीं पैहल्याए तै देखके मसीह के जिन्दा उठण के बारे म्ह भविष्यवाणी करी के ना तो उसका प्राण अधोलोक म्ह छोड्या गया अर ना उसकी देह सड़ण पाई। (Hadēs 986) 32 इस्से यीशु ताहीं परमेसवर नै जिन्दा करया, जिसके हम सारे गवाह सां। 33 इस तरियां परमेसवर के सोळे हाथ पै सबतै ऊँच्चा पद पाके, अर पिता तै वो पवित्र आत्मा पाके जिसका वादा लिया गया था, उसनै यो उण्डेल दिया सै जो थम देखो अर सुणो सो। 34 क्यूँके दाऊद तो सुर्ग पै कोनी चढ्या, पर वो खुद कहवै सै, ‘प्रभु परमेसवर नै मेरे प्रभु तै कह्या,’ मेरे सोळी ओड़ नै बैठ, 35 “जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै तेरे कदमां तळै ना झुका दियुँ।” 36 “आखर इस्राएल का सारा खानदान पक्की तरियां तै जाण लेवै के परमेसवर नै उस्से यीशु ताहीं जिस ताहीं थमनै

कूस पै चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया अर मसीह भी।” 37 जिब माणसां नै यो सुण्या, तो बिश्वास होग्या था के उननै गलत काम करया सै, अर वे पतरस अर बाकी प्रेरितां तै बुझ्झण लागे, “हे भाईयो, हम के करा?” 38 पतरस नै उनतै कह्या, “पाप करणा छोड़ द्यो, अर थारे म्ह तै हरेक अपणे-अपणे पापां की माफी कै खात्तर यीशु मसीह कै नाम तै बपतिस्मा लेवै, जिब थम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। 39 क्यूँके या प्रतिज्ञा थम, अर थारी ऊलादां, अर उन सारे दूर-दूर के आदमियाँ खात्तर भी सै जिन ताहीं प्रभु म्हारा परमेसवर अपणे धोरै बुलावैगा।” 40 पतरस नै कई और बात्तां तै, भी गवाही दे-देकै समझाया के अपणे-आपनै इस टेढ़ी जात तै बचाओ। 41 आखर जिननै उसके वचन पै बिश्वास करके बपतिस्मा लिया, अर उस्से दिन तीन हजार माणसां कै करीबन उन म्ह मिलगे। 42 जिननै पतरस के वचन पै बिश्वास करया, वे प्रेरितां तै शिक्षा लेन्दे, अर संगति राखदे, अर रोटी तोड़ण, अर प्रार्थना करण म्ह मग्न रहे। 43 अर सारे के यरुशलेम माणस डरगे, अर घणे अनोक्खे काम अर चमत्कार प्रेरितां कै जरिये जाहिर होवै थे। 44 अर सारे बिश्वास करणीये कठ्ठे रहवै थे, अर उनकी सारी चीज साझे म्ह थी। 45 वे अपणी-अपणी जायदाद अर सामान बेच-बेचके जिसकी जरूरत होवै थी बांड दिया करै थे। 46 वे हरेक दिन एक मन होके मन्दर म्ह कठ्ठे होवै थे, घर-घर रोटी तोड़दे होए खुशी अर मन की सीधार्ई तै खाणा खावै थे, 47 अर परमेसवर की जय-जयकार करै थे, अर सारे माणस उनतै राज्जी थे जो उद्धार पावै थे, उन ताहीं प्रभु हरेक दिन उन म्ह मिला देवै था।

3 पतरस अर यूहन्ना दोफाहरै के तीन बजे पाच्छै प्रार्थना कै बखत मन्दर म्ह जाण लागरे थे। 2 अर माणस एक जन्म तै लंगड़े नै ल्यावै थे, जिस ताहीं वे हरेक दिन मन्दर कै बाहरणै पै जो सुन्दर नामक फाटक कुहावै सै, बिठा देवै थे, के वो मन्दर म्ह जाण आळा तै भीख माँगै। 3 जिब उसनै पतरस अर यूहन्ना ताहीं मन्दर म्ह जान्दे देख्या, तो उनतै भीख माँगी। 4 पतरस नै यूहन्ना कै गेल्या उसकी ओड़ गौर तै देखके कह्या, “म्हारी ओड़ लखा!” 5 आखर वो उनतै कुछ पाण की आस राखते होए उनकी ओड़ लखाण लाग्या। 6 फेर पतरस नै कह्या, “चाँदी अर सोन्ना तो मेरै धोरै सै न्ही, पर जो मेरै धोरै सै वो तन्नै दियुँ सू, यीशु मसीह नासरी कै नाम तै उठ अर चाल-फिर।” 7

पतरस नै उसका सोळा हाथ पकड़के उस तारीं ठाया, अर जिब्बे उसके पायां अर टाखणयां म्ह ताकत आगी। 8 वो उछळते-कूदते खड्या होग्या अर चाल्लण-फिरण लाग्या, अर चाल्दा, अर कुद्दा, अर परमेसवर की जय-जयकार करदा होया उनकै गेल्या मन्दर म्ह गया। 9 सारे आदमियाँ नै उस तारीं चाल्दे-फिरदे अर परमेसवर की जय-जयकार करदे होए देखके, 10 उस तारीं पिच्छाण लिया के यो वोए सै जो मन्दर के “सुन्दर” नामक फाटक पै बैठके भीख मांग्या करै था, अर उस घटना तै जो उसकै गेल्या होई थी वे घणे अचम्भित अर हैरान होए। 11 जिन वो पतरस अर यूहन्ना तारीं पकड़े होए था, तो सारे माणस घणे हैरान होन्दे होए उस बराम्दा म्ह जो सुलैमान का कुह्वावै सै, उनकै धोरै भाज्जे आये। 12 न्यू देखके पतरस नै माणसां तै कह्वा, “हे इस्राएलियों, थम इस माणस पै क्यांतै हैरान होवो सो, म्हारी ओड़ क्यांतै इस ढाळ लखाओ सों, के मान्को हमनै-ए अपणी सामर्थ या भगति तै इस तारीं चाल्लण-फिरण जोग्गा बणा दिया। 13 अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के परमेसवर, म्हारे पूर्वजां के परमेसवर नै अपणे सेवक यीशु मसीह की महिमा करी, जिस तारीं थमनै पकड़वा दिया, अर जिन राज्यपाल पिलातुस नै उस तारीं छोड़ देण का विचार करया, फेर थमनै उसकै स्याम्ही उसका इन्कार करया। 14 थमनै उस धर्मी अर पवित्र का इन्कार करया, अर बिनती करी के एक खून्नी तारीं थारे खात्तर छोड़ दिया जावै, 15 अर थमनै अनन्त जीवन के कर्ता तारीं मार दिया, जिस तारीं परमेसवर नै मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, अर इस बात के हम गवाह सां। 16 मसीह यीशु के नाम म्ह बिश्वास के कारण इस माणस नै जिसनै थम जाणो सों, जिसनै थम इस बखत देख्खण लागरे सों, उस तारीं ताकत दी सै, यो माणस यीशु के नाम म्ह अर मसीह यीशु पै बिश्वास के जरिये कती भला चंगा होया सै, जिसा के थम खुद देख सको सों।” 17 “इब हे भाईयो, मन्ने बेरा सै के थमनै अर थारे अगुवां नै यो काम अज्ञानता म्ह करया, क्यूँके थम न्ही जाणो थे के वो मसीह सै। 18 पर जिन बाततां तारीं परमेसवर नै सारे नबियाँ के मुँह तै पैहल्याए तै बता दिया था, के उसका मसीह दुख ठावैगा, उन तारीं उसनै इस्से ढाळ पूरा करया। 19 इस करके, पाप करणा छोड़ द्यो अर बोहड़ आओ के थारे पाप मिटाए जावै, जिसतै प्रभु के स्याम्ही तै सुख-चैन के दिन आवै, 20 अर वो

यीशु तार्हीं भेज्जै, जो थारे खात्तर पैहल्या तै ए मसीह ठहराया गया सै। 21 जरूरी सै के वो सुरग म्ह उस बखत तार्हीं रहवै जिब तार्हीं के वो सारी बात्तां का सुधार ना कर लेवै जिसका जिक्र पुराणे बखत तै परमेसवर नै अपणे पवित्र नबियाँ के मुँह तै करया सै। (aiōn g165) 22 जिस ढाळ के मूसा नबी नै कह्या, ‘परमेसवर थारे भाईयाँ म्ह तै थारे खात्तर मेरै जिसा एक नबी भेज्जैगा, जो किमे वो थारे तै कहवै उसकी सुणीयो।’ 23 पर हरेक माणस जो उस नबी की न्ही सुणै, आदमियाँ म्ह तै नाश करया जावैगा।” 24 “अर शमूएल तै लेकै उसकै पाच्छे आळा तार्हीं जितने नबी बोल्ले उन सारया नै इन दिनां का सन्देशा दिया सै। 25 थम सारे नबियाँ की ऊलाद अर उस करार के हिस्सेदार सो, जो परमेसवर नै थारे बाप-दादां तै करया, जिब उसनै अब्राहम तै कह्या, ‘तेरी पीढ़ी के जरिये धरती के सारे खानदान आशीष पावेंगे।’ 26 परमेसवर नै अपणे सेवक तार्हीं मरे होया म्ह तै ठाकै सब तै पैहल्या थारे धोरै भेज्या, के थारे म्ह तै हरेक तार्हीं उसकी बुराईयाँ तै पलटा कै आशीष देवै।”

4 जिब वे आदमियाँ तै न्यू कहण लागरे थे, तो याजक अर मन्दर के सरदार अर सदूकी दल के लोग उनपै चढ़ आये। 2 क्यूँके वे घणे खुन्दक म्ह थे के वे आदमियाँ तार्हीं सिखावै थे, अर यीशु का उदाहरण दे-देकै प्रचार करै थे, के परमेसवर मुर्दा नै एक दिन जिन्दा करैगा जिसा उसनै यीशु तार्हीं करया। 3 उननै उन तार्हीं बन्दी बणाकै दुसरे दिन तक हवालात म्ह राख्या क्यूँके साँझ होगी थी। 4 पर वचन के सुणण आळा म्ह तै घणाए नै विश्वास करया, अर उनकी गिणती पाँच हजार माणसां कै करीबन होगी थी। 5 दुसरे दिन इसा होया के उनके सरदार, यहूदी अगुवें, शास्त्री 6 अर महायाजक हन्ना, कैफा, यूहन्ना, सिकन्दर अर जितने महायाजक के कुण्बे के थे, सारे यरुशलेम नगर म्ह एक जगहां कठ्ठे होए। 7 वे उन तार्हीं बिचाळै खड्या करकै बुझ्झण लागे के थमनै यो काम किसकै सामर्थ तै अर किसकै नाम तै करया सै। 8 फेर पतरस नै पवित्र आत्मा तै भरकै उनतै कह्या, 9 “हे माणसां के सरदारो अर यहूदी अगुवों, इस कमजोर माणस गेल्या जो भलाई करी गयी सै, जै आज म्हारै तै उसकै बारै म्ह पूछताछ करी जावै सै, के वो किस ढाळ ठीक होया।” 10 तो थम सारे अर सारे इस्राएली आदमी जाण लेवै के यीशु मसीह नासरी कै नाम तै जिस तार्हीं थमनै क्रूस पै चढ़ाया, अर परमेसवर नै मरे होया म्ह तै

जिन्दा करया, यो माणस थारे स्याम्ही भला-चंगा खड्या सै। 11 यीशु मसीह ए वो पत्थर सै जिस ताहीं थम राजमिस्त्रियाँ नै नकार दिया, अर वो सिरे का पत्थर होगया। 12 “यीशु के अलावा किसे दुसरे नाम म्ह उद्धार कोनी, क्यूँके सुर्ग कै तळै माणसां म्ह और कोए दुसरा नाम कोनी दिया गया, सिर्फ यीशु के जरिये हम उद्धार पा सकां सां।” 13 जिब उननै पतरस अर यूहन्ना की हिम्मत देखी, अर न्यू बेरा लाग्या के ये अनपढ़ अर साधारण सा माणस सै, तो अचम्भा करया, फेर उन ताहीं पिच्छाण्या के ये यीशु कै गेल्या रहे सै। 14 उस माणस ताहीं जो ठीक होया था, पतरस अर यूहन्ना कै गेल्या खड़े देखकै, वे बिरोध म्ह किमे न्ही कह सके। 15 पर उन ताहीं यहूदी अगुवां की सभा तै बाहर जाण का हुकम देकै, वे आप्पस म्ह विचार करण लागे, 16 “हम इन माणसां कै गेल्या के करा? क्यूँके यरुशलेम नगर के सारे रहणीया नै बेरा पाटरया सै, के इनकै जरिये एक मशहुर चमत्कार दिखाया गया सै, अर हम उसकै बारै म्ह नाट न्ही सकदे। 17 पर माणसां म्ह इस सुसमाचार का और घणा प्रसार ना हो।” 18 फेर उन ताहीं बुलाया अर चेतावनी देकै न्यू कह्या, “यीशु कै नाम पै ना तो वे चर्चा करै अर ना सिखाइयो।” 19 पर पतरस अर यूहन्ना नै उन ताहीं जवाब दिया, “थमे न्याय करो, के यो परमेसवर कै धोरै भला सै के हम परमेसवर की बात तै बढ़कै थारी बात मान्नां। 20 क्यूँके यो तो म्हारै तै न्ही हो सकदा के जो हमनै देख्या अर सुण्या सै, वो न्ही कहां।” 21 फेर उननै उन ताहीं और धमकाकै छोड़ दिया, क्यूँके आदमियाँ कै कारण उन ताहीं सजा देण का कोए मौक्का न्ही मिल्या, इस करकै के जो घटना होई थी उसकै कारण सारे आदमी परमेसवर की बड़ाई करै थे। 22 वो माणस जो अचम्भे के काम तै ठीक होया था, चाळीस बरस तै घणी उम्र का था। 23 वे छूट कै अपणे साथियाँ कै धोरै आए, अर जो किमे प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै उनतै कह्या था, उन ताहीं सुण्या दिया। 24 न्यू सुणकै उननै एक मन होकै ठाडू आवाज तै परमेसवर तै कह्या, “हे माल्लिक,” तू वोए सै जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो किमे उन म्ह सै बणाया सै। 25 तन्नै पवित्र आत्मा के जरिये अपणे सेवक म्हारे पूर्वज दाऊद के मुँह तै कह्या, “गैर यहूदियाँ नै रोळा क्यांतै मचाया? अर देश-देश के माणसां नै क्यांतै बेकार म्ह बात सोच्ची?” 26 प्रभु अर उसके अभिषिक्त

के बिरोध म्ह धरती के राजा खड़े होए, अर हाकिम एक सेत्ती कठ्ठे होए। 27 “क्यूँके साच्चए तेरे सेवक यीशु के बिरोध म्ह, जिसका तन्नै अभिषेक करया, हेरोदेस अर पुन्तियुस पिलातुस भी गैर यहूदियाँ अर इस्राएलियाँ के गेल्या इस नगर म्ह कठ्ठे होए, 28 के जो किमे पैहल्या तै तेरी सामर्थ अर बुद्धि तै ठहरा था वोए करै। 29 इब हे प्रभु, उनकी धमकियाँ नै सुण, अर अपणे दास्सां ताहीं यो वरदान दे के तेरा वचन बड़ी हिम्मत तै सुणावै। 30 ठीक करण के खात्तर तू अपणा हाथ बढ़ा के चमत्कार अर अनोक्खे काम तेरे पवित्र सेवक यीशु के नाम तै करे जावै।” 31 जिब उननै प्रार्थना कर ली, तो वा जगहां जित्त वे कठ्ठे थे काम्बगी, अर वे सारे पवित्र आत्मा तै भरगे, अर परमेसवर का वचन हिम्मत तै सुणान्दे रहे। 32 बिश्वास करण आळा का टोळ एक चित्त अर एक मन का था, उरै ताहीं के कोए भी अपणी सम्पत्ति अपणी न्ही कहवै था, पर सारा किमे साइझै म्ह था। 33 प्रेरित बड़ी सामर्थ तै प्रभु यीशु के जिन्दा होण की गवाही देन्दे रहे, अर उन सारया पै घणा अनुग्रह था। 34 अर उन बिश्वासियाँ म्ह कोए भी गरीब कोनी था, क्यूँके जिनके धोरै धरती या घर थे, वे उननै बेच-बेचके, बिकी होई चिज्जां का दाम ल्यावै थे, अर उस ताहीं प्रेरितां के पायां म्ह धरै थे। 35 अर जिसी जिसकी जरूरत होवै थी, उसके मुताबिक हरेक ताहीं बांड दिया करै थे। 36 यूसुफ नाम का साइप्रस टापू का एक लेवी था जिसका नाम प्रेरितां नै बरनबास (यानिके उत्साहित करण आळा) धरया था। 37 उसकी किमे धरती थी, जिस ताहीं उसनै बेच्या, अर दाम के रपिये प्रेरितां के पायां म्ह धर दिए।

5 हनन्याह नाम का एक माणस अर उसकी घरआळी सफीरा नै अपणी कुछ जमीन बेची। 2 अर उसके दाम म्ह तै कुछ अपणे खात्तर राख लिया, अर या बात उसकी घरआळी भी जाणै थी, उसका एक हिस्सा ल्याके प्रेरितां के पायां म्ह धर दिया। 3 पतरस बोल्या, “हे हनन्याह! शैतान नै तेरे मन म्ह या बात क्यांतै घाल्ली के तू पवित्र आत्मा तै झूठ बोल्लै, अर जमीन के दाम म्ह तै किमे राख लेवै? 4 के बेचण तै पैहल्या वा जमीन तेरी कोनी थी? अर जिब बिकगी तो उस धन पै तेरा हक कोनी था? तन्नै या बात अपणे मन म्ह क्यांतै सोच्ची? तन्नै माणसां तै न्ही, पर परमेसवर तै झूठ बोल्या सै।” 5 या बात सुणदे हनन्याह जमीन पै गिर पड्या अर जी लिकड़ग्या, सारे सुणण आळे

घणे डरगे। 6 फेर जवानां नै उठकै उसकी लाश ताहीं कपड़े म्ह लपेटा अर बाहरणै ले जाकै गाड़ दिया। 7 करीबन तीन घंटा कै पाच्छै उसकी घरआळी, जिसनै बेराए कोनी था जो किमे होया था, भीत्तर आई। 8 फेर पतरस नै उसतै कह्या, “मन्नै बता के थम दोनुआं नै वा जमीन इतनै म्ह बेच्ची थी?” वा बोल्ली, “हाँ, इतनै ए म्ह।” 9 पतरस नै उसतै कह्या, “या के बात सै के थम दोनुआं नै प्रभु की आत्मा ताहीं परखण खात्तर एक्का करया? लखा, तेरे धणी नै गाड्डण आळे बाहरणै ए खड़े सै, अर तन्नै भी बाहरणै ले जावेंगे।” 10 फेर वा जिब्बे उसकै पायां म्ह गिर पड़ी, अर जी लिकड़ग्या, अर जवानां नै भीत्तर आकै उस ताहीं मरया पाया, अर बाहरणै ले जाकै उसकै धणी कै धोरै ए उस ताहीं भी गाड़ दिया। 11 यरुशलेम की सारी कलीसिया अर इन बात्तां के सारे सुणनियें भोत घणे डरगे। 12 प्रेरितां के जरिये घणे चमत्कार अर अनोक्खे काम आदमियाँ कै बिचाळै दिखाए जावै थे, अर वे सारे एक चित्त होकै सुलैमान के बरामदे म्ह कठ्ठे होया करै थे। 13 पर औरां म्ह तै किसे और की या हिम्मत कोनी होवै थी के उन म्ह जा मिलै, फेर भी आदमी उनकी बड़ाई करै थे। 14 प्रभु म्ह विश्वास करण आळी की गिणती बढ़ती गई भोत घणे विश्वासी प्रभु म्ह आ मिले, लोग-लुगाईयाँ का एक भोत बड़ा टोळ बणग्या। 15 जो प्रेरित करण लागरे थे, उसकी बजह तै माणस, बिमारां ताहीं सड़कां पै ल्या-ल्याकै, खाट-खटोल्यां पै लिटा देवें थे, के जिब पतरस आवै, तो उसकी छाया-ए उन म्ह तै किसे पै पड़ जावै। 16 यरुशलेम नगर कै लोवै-धोवै के नगरां तै भी घणे माणस बिमारां अर भुंडी ओपरी आत्मायाँ के सताए होया ताहीं चेल्यां कै धोरै ल्या-ल्याकै, कठ्ठे होवै थे, अर सारे ठीक कर दिए जावै थे। 17 फेर महायाजक अर उसके सारे मित्तर जो सदूकियाँ के पंथ के थे, प्रेरितां तै जळण लागगे। 18 अर प्रेरितां ताहीं पकड़कै जेळ म्ह बन्द कर दिया। 19 पर रात नै प्रभु के एक सुर्गदूत नै जेळ के किवाड़ खोल कै उन ताहीं बाहरणै ल्याकै कह्या, 20 “जाओ, मन्दर म्ह खड़े होकै अनन्त जीवन की सारी बात आदमियाँ ताहीं सुणाओ।” 21 वे न्यू सुणकै सबेरा होन्दे मन्दर म्ह जाकै उपदेश देण लागगे। फेर महायाजक अर उसके मित्तरां नै आकै यहूदी अगुवां की सभा अर इस्राएलियाँ के सारे बुजुर्गां ताहीं कठ्ठे करया, अर जेळ म्ह कहवां भेज्या के उन ताहीं ल्याओ। 22 पर मन्दर

के पैहरेदारां नै उड़े पोहचकै उन ताहीं जेळ म्ह कोन्या पाया, अर बोहड़कै संदेशां दिया, 23 “हमनै जेळ ताहीं घणी चौकसी तै बन्द कर राख्या था, अर पैहरेदारां ताहीं बाहरणै दरवाज्यां पै खड़े पायां, पर जिब खोल्या, तो भीत्तर कोए ना मिल्या।” 24 जिब मन्दर के सरदार अर प्रधान याजकां नै या खबर सुणी, तो वे घबरागे थे, अर वे यो विचार करण लागे के इन बात्तां का नतिज्जा के होगा! 25 इतनै म्ह किसे नै आकै उन ताहीं बताया, “देक्खो, जिन ताहीं थमनै जेळ म्ह बन्द कर राख्या था, वे माणस मन्दर म्ह खड़े होकै आदमियाँ नै उपदेश देण लागरे सै।” 26 फेर सरदार, पैहरेदारां कै गेल्या ओड़ै जाकै, प्रेरितां ताहीं यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही लीआया, पर हंगे तै न्ही, क्यूँके वे आदमियाँ तै डरै थे के कदे म्हारै पै पत्थर ना बरसा देवें। फेर महायाजक नै उनतै बुझ्झया, 28 “के हमनै थारे ताहीं चिताकै हुकम न्ही दिया था के थम इस नाम तै उपदेश ना दियो? फेरभी, थमनै सारे यरुशलेम नगर ताहीं अपणे उपदेश तै भर दिया सै अर उस माणस की हत्या का कसूर थम म्हारै पै लगाणा चाहो सो।” 29 फेर पतरस अर दुसरे प्रेरितां नै जवाब दिया, “माणसां के हुकम तै बढ़कै परमेसवर के हुकम का पालन करणा ए म्हारा फर्ज सै। 30 म्हारै पूर्वजां कै परमेसवर नै यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, जिस ताहीं थमनै क्रूस पै लटकाकै मार दिया था। 31 उस्से ताहीं परमेसवर नै प्रभु अर उद्धारकर्ता ठैहराया अर परमेसवर नै मसीह यीशु ताहीं अपणे सोळे हाथ कान्ही बैठाया, ताके इस्राएल के माणस पाप करणा छोड़ दे, अर अपणे पापां खात्तर उन ताहीं माफी मिल सकै। 32 हम इन बात्तां के गवाह सां अर उस्से तरियां पवित्र आत्मा भी, जिस ताहीं परमेसवर नै उन ताहीं दिया सै जो उनका हुकम मान्नै सै।” 33 यहूदी अगुवां की सभा के सारे माणस या बात सुणकै जळगे, अर प्रेरितां ताहीं मारणा चाह्या। 34 पर गमलीएल नामक एक फरीसी नै जो शास्त्री अर सारे आदमियाँ म्ह आदर-मान राक्खै था, यहूदी अगुवां की सभा म्ह खड़े होकै प्रेरितां ताहीं थोड़ी देर खात्तर बाहरणै ले जाण का हुकम दिया। 35 फेर वो बोल्या, “हे इस्राएलियों, थम जो किमे इन माणसां गैल करणा चाहवो सो, सोच-समझकै करियो। 36 इन दिनां तै पैहल्या थियूदास भी दावा करै था के मै भी किमे सूं, अर तकरीबन चार सौ माणस उसकै चेल्लें बणगे, पर वो मारया गया, अर उस ताहीं मानण आळे

सब लोग बिखरगे अर उनका नामो-निशान भी कोनी रह्या। 37 उसके पाछे नाम लिखाई के दिनां म्ह गलीलवासी यहूदा आया, अर कई आदमी अपणी ओड़ कर लिये, वो भी मर गया, अर जितने आदमी उसनै मान्ने थे, सारे तित्तर-बितर होग्ये। 38 ज्यांतै मै थारे तै कहूँ सूँ, इन माणसां तै दूर ए रहो अर इनतै किमे काम ना राक्खो, क्यूँके जै यो धर्म या काम माणसां की ओड़ तै हो फेर तो मिट जावैगा। 39 पर जै परमेसवर की ओड़ तै सै, तो थम उन ताहीं कदे भी न्ही मिटा सकदे। कदे इसा ना हो के थम परमेसवर तै भी लड़णआळे ठहरो।” फेर उननै उसकी बात मान ली। 40 अर प्रेरितां ताहीं बुलाकै छितवाया, अर यो हुकम देकै छोड़ दिया के यीशु कै नाम तै दुबारा कोए बात ना करणा। 41 वे इस बात तै राज्जी होकै यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही तै चले गये, के हम यीशु कै नाम कै खात्तर बेईज्जत होण कै जोग्गे तो ठहरे। 42 वे हरेक दिन मन्दर म्ह अर घर-घर म्ह उपदेश करण तै, अर इस बात का सुसमाचार सुणाण तै के यीशु ए मसीह सै न्ही रुके।

6 उन दिनां म्ह जिव चेल्यां की गिणती घणी बधण लाग्गी, फेर यूनानी भाषा बोल्लण आळे यहूदी चेल्लें इब्रानी भाषा बोल्लण आळे यहूदी चेल्यां पै बिरड़ाण लाग्गे, के हरेक दिन पईसा अर खाणे के मामलै म्ह म्हारी बिधवायाँ की सुध कोनी ली जान्दी। 2 फेर उन बारहां चेल्यां नै उन बिश्वासियाँ ताहीं जो यरुशलेम म्ह थे, अपणे धोरै बुलाकै कह्या, “यो ठीक कोनी के हम परमेसवर का वचन छोड़कै खिलाण-पिलाण की सेवा म्ह रह्हां। 3 इस करकै, हे बिश्वासी भाईयो, अपणे म्ह तै सात बढ़िया नाम्मी माणसां ताहीं जो पवित्र आत्मा अर बुद्धि तै भरे हो, जिनके बारें म्ह सब नै बेरा हो, छाँट ल्यो, के हम उननै इस काम पै ला देवां। 4 पर हम तो प्रार्थना म्ह अर वचन के प्रचार अर शिक्षा देण की सेवा म्ह लाग्गे रहवांगें।” 5 या बात सारे टोळ नै आच्छी लाग्गी, अर उननै स्तिफनुस नामक एक माणस ताहीं जो बिश्वास अर पवित्र आत्मा तै भरया था, अर फिलिप्पुस, अर प्रुखुरुस, अर नीकानोर, अर तीमोन, अर परमिनास, अर अन्ताकियावासी नीकुलाउस ताहीं जो यहूदी पंथ म्ह आ गया था, छाँट लिया। 6 इन ताहीं प्रेरितां कै स्याम्ही ल्याए अर उननै प्रार्थना करकै उनपै हाथ धरे, ताके वे उस काम नै करै। 7 परमेसवर का वचन फैलदा गया अर यरुशलेम नगर म्ह चेल्यां की गिणती घणी बढ़दी

गई, अर भोत सारे यहूदी याजक भी प्रभु यीशु के सुसमाचार पै बिश्वास करके मानणआळे होंगे। 8 स्तिफनुस अनुग्रह अर सामर्थ तै भरया-पूरा होके आदमियाँ म्ह बड़े-बड़े अनोक्खे काम अर चमत्कार दिखाया करै था। 9 फेर वो आराधनालय म्ह तै जो लिबिरतिनों की कुहावै थी, अर कुरेनी अर सिक्न्दरिया अर किलिकिया अर आसिया परदेस के आदमियाँ म्ह तै कई माणस उठके स्तिफनुस तै बहसण लागे। 10 पर उस ज्ञान अर उस पवित्र आत्मा का जिसतै वो बात करै था, वे सामना न्ही कर सके। 11 इसपै उननै कई आदमियाँ ताहीं उकसाया जो कहण लागे, “हमनै इस ताहीं मूसा नबी अर परमेसवर के बिरोध म्ह बुराई की बात कहन्दे होए सुणया सै।” 12 उननै स्तिफनुस के बिरुध माणसां, यहूदी अगुवां अर शास्त्रियाँ ताहीं उकसाया अर आके उस ताहीं पकड़के यहूदी अगुवां की सभा के स्याम्ही ले गये। 13 अर उननै झूठे गवाह खड़े करे, जिननै स्तिफनुस पै यो इलजाम लगाके, कह्या, “यो माणस इस पवित्र जगहां अर मूसा के नियम-कायदे के बिरोध म्ह बुराई करणा न्ही छोड़दा। 14 क्यँके हमनै उस ताहीं न्यू कहन्दे सुणया सै के योए यीशु नासरी इस मन्दर नै गेर देवैगा, अर उन रिवाज्जां नै बदल देवैगा जो मूसा नबी नै म्हारै ताहीं सौंपी सै।” 15 फेर सारे आदमियाँ नै जो यहूदी अगुवां की सभा म्ह बेठे थे, उसपै निगांह गड़ाई तो उसका मुँह सुर्गदूत जिसा दिख्या।

7 फेर महायाजक नै स्तिफनुस तै बुझ्याया, “के यो इलजाम सच सै?” 2 उसनै कह्या, “हे भाईयो, अर बुजुर्गों सुणो। म्हारा पूर्वज अब्राहम हारान नगर म्ह बसण तै पैहल्या जिव वो मेसोपोटामिया परदेस म्ह था, तो तेजोमय परमेसवर नै उस ताहीं दर्शन दिया, 3 अर उसतै बोल्या, ‘तू अपणे देश अर अपणे कुण्बे म्ह तै लिकड़के उस देश म्ह जा, जिस ताहीं मै तन्नै दिखाऊँगा।’” 4 फेर अब्राहम कसदियो के देश तै लिकड़के हारान नगर म्ह जा बस्या। उसके पिता की मौत के पाच्छे परमेसवर नै उस ताहीं ओड़ै तै इस देश म्ह ल्याके बसाया जिसम्ह इब हम बसां सां, 5 अर उस ताहीं कुछ भी विरासत न्ही दी, बल्के पैर धरण भर की भी उस म्ह जगहां कोनी देई, पर परमेसवर नै वादा करया, के मै यो देश तेरे अर तेरे बाद तेरे वंश के हाथ कर दियुँगा, हालाकि उस बखत उसके कोए बेट्टा कोनी था। 6 अर परमेसवर नै यो भी कह्या, “वे लोग उननै गुलाम बना लेंगे, अर चार सौ साल ताहीं उनके

गैल भुंडा बरताव करैगें।” 7 फेर परमेसवर नै यो भी कह्या, “के जिस जात के वे गुलाम होवैगें, उस ताहीं मै सजा देऊँगा, अर इसकै बाद वे लिकड़कै इस्से देश म्ह मेरी भगति करैगें।” 8 अर परमेसवर नै अब्राहम कै गैल खतने का करार करया, जिब अब्राहम के बेटे इसहाक का जन्म होया, तो आंठवै दिन उसका खतना करया गया, अर इसहाक तै याकूब अर याकूब तै बारहां कुलपति पैदा होए। 9 “कुलपतियाँ नै अपने भाई यूसुफ तै जळण करकै उस ताहीं मिस्र देश जाण आळा ताहीं बेच्या। पर परमेसवर उसके गेल्या था, 10 अर परमेसवर नै यूसुफ ताहीं उसके सारे क्लेशां तै छुड़ाकै मिस्र देश के राजा फिरौन की निगांह म्ह अनुग्रह अर बुद्धि दी, अर फिरौन नै उस ताहीं मिस्र देश पै अर अपने सारे घर पै हाकिम बना दिया। 11 “जिब यूसुफ मिस्र देश का हाकिम था, तो सारे मिस्र देश अर कनान देश म्ह अकाळ पड़ग्या, जिसतै हरेक जगहां हाहाकार माचग्या, अर म्हारे पूर्वजां ताहीं नाज कोनी मिलै था। 12 पर याकूब नै न्यू सुणकै के मिस्र देश म्ह नाज सै, म्हारे पूर्वजां ताहीं नाज मोल लेण खात्तर पैहली बार भेज्या। 13 जिब वे दुसरी बार नाज मोल लेण खात्तर गये, तो यूसुफ नै खुद ताहीं अपने भाईयाँ पै जाहिर करया, अर यूसुफ के परिवार के बारे म्ह फिरौन नै बेरा पाटग्या। 14 फेर यूसुफ नै अपने बाप याकूब अर अपने साबतै कुण्बे ताहीं, जो पचत्तर माणस थे, बुलवा भेज्या। 15 फेर याकूब मिस्र देश गया, अर कुछ साल्लां बाद ओड़ैए वो अर म्हारे पूर्वज मरग्ये। 16 उनकी लाश शकेम नगर म्ह पहुँचाकै उस कब्र म्ह धरी गई, जिस ताहीं अब्राहम नै चाँदी देकै शकेम नगर म्ह हमोर की ऊलाद तै मोल लिया था।” 17 “पर जिब उस वादा के पूरे होण का बखत लोवै आया जो परमेसवर नै अब्राहम तै करया था, तो मिस्र देश म्ह वे आदमी बढ़ग्ये अर घणे होग्ये। 18 फेर मिस्र देश म्ह दुसरा राजा होया जो यूसुफ ताहीं कोनी जाणै था। 19 उसनै म्हारे जाति भाईयाँ तै हेरा-फेरी करकै म्हारे पूर्वजां कै गेल्या उरै ताहीं भुंडा बीवार करया, के अपने माँ-बाप नै अपने बाळकां ताहीं बगाणे पड़गे, के एक भी बाळक जिन्दा ना रहवै। 20 “उस बखत मूसा नबी पैदा होया। वो परमेसवर की निगांह म्ह घणा सुथरा था। वो तीन महिन्ने ताहीं अपने बाप कै घरां लुट्को कै पाळया गया। 21 जिब उसके परिवार आळे उस ताहीं और न्ही लट्को सके, तो उननै मूसा ताहीं छोड़णा पड्या,

फेर फिरौन की बेटी नै उस ताहीं ठा लिया, अर अपणा बेटा करके पाळया। 22 मूसा नबी नै मिस्र देश की सारी विद्या पढ़ाई गई, अर वो बोलण म्ह अर काम करण म्ह, दोनुआ म्ह सामर्थी था।” 23 “जिब मूसा नबी चाळीस साल का होया, तो उसकै मन म्ह आया के मै अपणे इस्राएली भाईयाँ तै मिलूं। 24 उसनै एक इस्राएली माणस पै जुल्म होन्दे देखके उस ताहीं बचाया, अर उस मिस्री आदमी ताहीं मारके सताए होए का बदला लिया। 25 मूसा नै सोच्या के उसके भाई-बन्धु जाण जावेंगे के उन ताहीं गुलामी तै छुटकारा दुआण खात्तर परमेसवर उसका इस्तमाल करण लाग रह्या सै, पर वे इस ताहीं समझ नही पाये। 26 दुसरे दिन जिब वे आप्पस म्ह लड़े थे, तो वो उड़े तै आण लिकड़या, अर न्यू कहके उननै मेल करण कै खात्तर समझाया, ‘हे भले माणसों, थम तो भाई-भाई सो, एक-दुसरे पै क्यांतै जुल्म करो सो?’” 27 “पर जो अपणे पड़ोसी पै जुल्म करै था, उसनै उस ताहीं न्यू कहके धक्का दिया, ‘तेरे ताहीं किसनै म्हारे पै हाकिम अर न्यायाधीश ठहराया सै? 28 के जिस ढाळ तै तन्नै काल उस मिस्री आदमी ताहीं मार दिया मन्नै भी मार देणा चाहवै सै?’ 29 या बात सुणके मूसा नबी डरके भाज्या अर मिधान देश म्ह परदेशी होके रहण लाग्या, अर ओड़े उसके दो बेटे पैदा होए।” 30 “जिब मूसा ताहीं ओड़े रहन्दे पूरे चाळीस साल बीतगे, तो परमेसवर नै एक सुर्गदूत के रूप म्ह सीनै पहाड़ के बण म्ह उस ताहीं बळदी होई झाड़ी की ज्वाला म्ह दर्शन दिया। 31 मूसा नबी नै यो बळदी होई झाड़ी का दर्शन देखके हैरानी होई, अर जिब देखण खात्तर लोवै गया, तो प्रभु की या वाणी सुणाई दी, 32 ‘मै तेरे पूर्वज, अब्राहम, इसहाक, याकूब का परमेसवर सूं,’ फेर मूसा नबी डर के मारे काम्बग्या, उरै ताहीं के उसकी देखण की हिम्मत भी कोनी होई।” 33 “फेर प्रभु नै मूसा नबी तै कह्या, ‘अपणे पायां तै जूती उत्तार ले, क्यूँके जिस जगहां तू खड्या सै, वा पवित्र धरती सै। 34 मन्नै साच्ये अपणे आदमियाँ की जो मिस्र देश म्ह सै, भुन्डी हालत देक्खी सै, अर उनकी आह अर उनका रोणा सुणया सै, ज्यांतै उन ताहीं छुड़ाण कै खात्तर उतरया सूं। इब आ, मै तन्नै मिस्र देश भेज्जूंगा।” 35 “जिस मूसा नबी ताहीं उननै न्यू कहके नकारा दिया था, ‘तेरे ताहीं किसनै म्हारे पै हाकिम अर न्यायाधीश ठहराया सै?’ उरसे ताहीं परमेसवर नै हाकिम अर छुड़ाण आळा ठहराके उस सुर्गदूत के जरिये जिसनै उस ताहीं झाड़ी म्ह

दर्शन दिया था, भेज्या। 36 योए माणस मिस्र देश अर लाल समुन्दर अर जंगळ म्ह चाळीस साल ताहीं अनोक्खे काम अर चमत्कार दिखा-दिखाकै उन ताहीं लिकाड़ ल्याया।” 37 यो वोए मूसा नबी सै, जिसनै इस्राएल के माणसां तै कह्या, “परमेसवर थारे भाईयाँ म्ह तै थारे खात्तर मेरै जिसा एक नबी ठावैगा। 38 यो वोए सै, जिसनै जंगळ म्ह इस्राएली मण्डळी कै बिचाळै उस सुर्गदूत के साथ सीनै पहाड़ पै उसतै बात करी, अर म्हारे पूर्वजां कै गेल्या था, उस्से ताहीं जिन्दा वचन मिल्या ताके म्हारै तक पोहोचावै।” 39 पर म्हारे पूर्वजां नै उसकी मानणी कोनी चाह्यी, बल्के उस ताहीं हटाकै अपणे मन मिस्र देश की ओड़ पलटे, 40 अर मूसा नबी कै भाई हारुन तै, कह्या, म्हारै खात्तर इसा देवता बणा, जो म्हारै आगै-आगै चाल्लै, क्यूँके यो मूसा नबी जो हमनै मिस्र देश तै लिकाड़ ल्याया, हमनै न्ही बेरा के उसकै के होया? 41 उन दिनां म्ह उननै एक बाछड़े की मूर्ति बणाकै उसकै आगै बलि चढ़ाई, अर अपणे हाथ्यां तै बणाई होई मूर्ति तै मग्न होण लागे। 42 इस खात्तर परमेसवर नै मुँह मोड़कै उन ताहीं छोड़ दिया, के अकास के सूरज चाँद सितारां ताहीं परमेसवर मानकै पुजै, जिसा नबियाँ की किताब म्ह लिख्या सै, “हे इस्राएल के घराने, के थम जंगळ म्ह चाळीस साल ताहीं पशुबलि अर अन्नबलि मेरै ताहीं ए चढ़ान्दे रहे?” 43 “थम उस तम्बू ताहीं जिस म्ह मोलेक देवता की मूर्ति अर अपणे रिफान देवता, के तारे नै लिये फिरे, यानिके उन मूरतां ताहीं जिन ताहीं थमनै आराधना करण कै खात्तर बणाया था। इस करकै मै थारे ताहीं बेबीलोन देश तै परली ओड़ ले जाकै बसाऊँगा।” 44 “मिलापआळे तम्बू की जंगल-बियाबान म्ह म्हारै पूर्वजां कै बिचाळै था, जिसा उसनै ठहराया जिसनै मूसा नबी तै कह्या, ‘जो रूप तन्नै देख्या सै, उसकै मुताबिक इसनै बणा।’ 45 उस्से तम्बू नै म्हारे पूर्वज पाच्छले बखत तै पाकै यहोशू कै गेल्या उरै लियाये, जिस बखत के उननै उन दुसरी जात्तां पै हक पाया, जिन ताहीं परमेसवर नै म्हारै पूर्वजां कै स्याम्ही तै लिकाड़ दिया, अर वो तम्बू राजा दाऊद के बखत ताहीं रहया। 46 दाऊद पै परमेसवर नै अनुग्रह करया, राजा दाऊद नै याकूब के परमेसवर कै खात्तर रहण की जगहां बणाण की बिनती करी। 47 पर उसके बेटे राजा सुलैमान नै उसकै खात्तर घर बणाया।” 48 पर परमप्रधान हाथ के बणाए होए घरां म्ह कोनी रहन्दा,

जिसा के यशयाह नबी की किताब म्ह कह्या, 49 “परमेसवर कहवै सै, सुर्ग मेरा सिंहासन अर धरती मेरी पायां तळै की पीढ़ी सै, मेरै खात्तर थम किस ढाळ का घर बणाओगे? अर मेरै आराम कि कौण-सी जगहां होवैगी?” 50 के ये सारी चीज मेरे जरिये न्ही बणाई गई सै? 51 “हे जिद्दी, अर मन अर कान के खतनारहित आदमियो, थम सारी हाण पवित्र आत्मा का बिरोध करो सो। जिसा थारे पूर्वज करै थे, उस्से तरियां ए थम भी करो सो। 52 के कोए इसा भी नबी था, जिस तार्हीं थारे पूर्वजां नै न्ही सताया हो? उननै तो उस तार्हीं भी मार दिया, जिननै भोत पैहले ए तै उस मसीहा के आण की मुनाद्दी कर दी थी, जिस तार्हीं इब थमनै धोक्खे तै पकड़वा दिया अर मार दिया। 53 थमनै सुर्गदूतां कै जरिये ठहराये होए नियम-कायदे तो पाए, पर उसका पालन कोनी करया।” 54 ये बात सुणकै यहूदी अगुवें छो म्ह भरगे अर स्तिफनुस पै दाँत पिस्सण लाग्गे। 55 पर उसनै पवित्र आत्मा तै पूरी तरियां भरकै सुर्ग की ओड़ देख्या अर परमेसवर की महिमा अर यीशु तार्हीं परमेसवर के सोळी ओड़ खड्या देखकै 56 कह्या, “देक्खो, मै सुर्ग नै खुल्या होया, अर माणस के बेट्टे तार्हीं परमेसवर कै सोळी ओड़ खड्या देखु सूं।” 57 फेर ये बात सुणते ए सुणण आळा नै चीखते होए अपणे कान्ना पै हाथ रख लिये, अर वे छो म्ह एक साथ उसपै टूट पड़े, 58 अर स्तिफनुस तार्हीं यरुशलेम नगर कै बाहरणै लिकाड़कै उसपै पत्थर बरसाण लाग्गे। गवाहां नै अपणे लत्ते शाऊल नामक एक जवान कै पायां कै धोरै उतारकै धर दिए। 59 वे स्तिफनुस पै पत्थर बरसान्दे रहे, अर वो न्यू कहकै प्रार्थना करदा रह्या, “हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा तार्हीं अपणाले।” 60 फेर गोड्डे टेककै ठाडू आवाज म्ह रुक्का मारया, “हे प्रभु, यो पाप उनपै मतना ला।” अर न्यू कह कै उसनै अपणे प्राण दे दिए।

8 शाऊल उसकै मारण म्ह सहमत था। उस्से दिन यरुशलेम नगर की कलीसिया म्ह घणा दंगा शरु होग्या अर प्रेरितां नै छोड़कै सारे के सारे यहूदिया अर सामरिया परदेस म्ह खिंड-मिंड होग्ये। 2 कुछ परमेसवर भगतां नै स्तिफनुस तार्हीं कब्र म्ह धरया अर उसकै खात्तर घणा बिलाप करया। 3 शाऊल कलीसिया नै सताण लागरया था, अर घर-घर म्ह बड़कै माणसां अर लुगाईयाँ तार्हीं घिसड़ा-घिसड़ा कै जेळ म्ह गरै था। 4 जो विश्वासी खिंड-मिन्ड होए थे, वे सुसमाचार सुणान्दे होए हान्डे, 5 अर फिलिप्पुस सामरिया परदेस

के एक नगर म्ह जाके माणसां म्ह मसीह का प्रचार करण लाग्या। 6 जो बात फिलिप्पुस नै कही उन ताहीं आदमियाँ नै सुणके अर जो चमत्कार वो दिखावै था उन ताहीं देख देखके, एक चित्त होके मन लगाया। 7 क्यूँके घणखरयां म्ह तै भुंडी ओपरी आत्मा ठाडू आवाज म्ह किल्की मारदी होई लिकड़ग्यी, अर घणखरे लकवे के बीमार अर लंगड़े भी ठीक करे गये, 8 अर उस नगर म्ह घणी खुशी मनाई गई। 9 उस नगर म्ह शमौन नाम का एक माणस था, जो जादू-टोणा करके सामरिया परदेस के आदमियाँ नै हैरान करदा अर खुद ताहीं एक बड़ड़ा माणस बतावै था। 10 छोट्या तै लेके बड्डयाँ ताहीं सारे उसका आदर करके कहवै थे, “यो माणस परमेसवर की वा शक्ति सै, जो महान् कुहावै सै।” 11 उसनै घणे दिनां तै उन ताहीं अपणे जादू के काम्मां तै हैरान कर राख्या था, ज्यांतै वे उसकी घणी मान्नै थे। 12 पर जिब माणसां नै परमेसवर के राज्य अर यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार, फिलिप्पुस के संदेश म्ह सुण्या, तो सारे माणसां अर लुगाईयाँ नै बिश्वास करया अर सब नै बपतिस्मा ले लिया। 13 फेर शमौन नै खुद भी फिलिप्पुस के संदेश का बिश्वास करया अर बपतिस्मा लेके उसके गेल्या रहण लाग्या। वो चमत्कार अर बड़े-बड़े सामर्थ के काम होन्दे देखके हैरान होवै था। 14 जिब प्रेरितां नै जो यरुशलेम नगर म्ह थे, सुण्या के सामरिया परदेस के माणसां नै परमेसवर का वचन मान लिया सै तो पतरस अर यूहन्ना ताहीं उनके धोरै भेज्या। 15 उननै ओड़े जाके उनके खात्तर प्रार्थना करी के पवित्र आत्मा पावै। 16 क्यूँके वो इब ताहीं इन म्ह तै किसे पै भी कोनी उतरया था, उननै तो सिर्फ प्रभु यीशु के नाम तै बपतिस्मा लिया था। 17 फेर प्रेरितां नै उनपै हाथ धरे अर उननै पवित्र आत्मा पाया। 18 जिब शमौन नै देख्या के प्रेरितां के हाथ धरण तै पवित्र आत्मा दिया जावै सै, तो उनके धोरै रपिये ल्याके कह्या, 19 “या शक्ति मन्नै भी द्यो, के जिस किसे पै हाथ धरुँ वो पवित्र आत्मा पावै।” 20 पतरस नै उसतै कह्या, “तेरे रपिये तेरे गेल्या नाश होज्या, क्यूँके तन्नै परमेसवर का दान रपियाँ तै मोल लेण का विचार करया। 21 इस बात म्ह ना तेरा हिस्सा सै, ना हक, क्यूँके तेरा मन परमेसवर के आगै सच्चा कोनी। 22 इस करके अपणी इस बुरी सोच नै छोड़के प्रभु तै प्रार्थना कर, हो सकै सै वो तेरे मन का यो बुरा विचार माफ करदे। 23 क्यूँके मै देखूँ सूँ के तू कड़वाहट तै भरया सै

अर पाप के चुंगल म्ह फँसा सै।” 24 शमौन नै जवाब दिया, “थम मेरै खात्तर प्रभु तै प्रार्थना करो के जो बात थमनै कही, उन म्ह तै कोए भी मेरै पै न्ही आवै।” 25 आखर म्ह वे गवाही देकै प्रभु यीशु का वचन सुणाकै यरुशलेम नगर नै बोहड़गे, अर सामरिया के घणखरे गाम्मां म्ह सुसमाचार सुणान्दे गये। 26 फेर प्रभु कै एक सुर्गदूत नै फिलिप्पुस तै कह्या, “उठ अर दक्षिण की ओड़ उस राह पै जा, जो यरुशलेम नगर तै गाज़ा नगर म्ह जावै सै।” यो बियाबान राह सै। 27 वो उठकै चल दिया, अर देक्खो, कूश देश का एक माणस आण लागरया था जो खोजा (किन्नर) अर कूशियों की राणी कन्दाके का मंत्री अर खजांची था। वो आराधना करण खात्तर यरुशलेम नगर म्ह आया था। 28 वो अपने रथ पै बैठ्या होया था, अर यशायाह नबी की किताब पढ़दा होया बोहड़ण लागरया था। 29 फेर पवित्र आत्मा नै फिलिप्पुस ताहीं कह्या, “लौवै जाके इस रथ कै गेल्या हो ले।” 30 फिलिप्पुस दौड़ कै रथ कै धोरै पोहचा अर उस ताहीं यशायाह नबी की किताब पढ़ते होए सुण्या, अर बुड़झया, “तू जो पढ़ै सै, के उसनै समझै भी सै?” 31 वो बोल्या, “जिब ताहीं कोए मेरै ताहीं न्ही समझावै तो मै किस ढाळ समझूँ।” अर फिलिप्पुस तै बिनती करी के वो रथ पै चढ़कै उसकै धोरै बैठै। 32 पवित्र ग्रन्थ का जो पाठ वो पढ़ै था, वो यो था: “वो भेड़ की ढाळ मारण खात्तर पोहचाया गया, अर जिस तरियां मेम्ना अपने ऊन काट्टण आळा कै स्याम्ही बोल-बाल्ला रहवै सै, उस्से तरियां ए उसनै भी अपना मुँह कोनी खोल्या।” 33 “उस ताहीं अपमानित करया गया अर उस ताहीं कोए न्याय न्ही मिल्या। उसकै बखत के माणसां का ब्यौरा कौण देवैगा? क्यूँके धरती तै उसका प्राण ठा लिया जावै सै।” 34 इसपै खोजे (किन्नर) नै फिलिप्पुस तै बुड़झया, “मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ, न्यू बता के नबी यो किसकै बारै म्ह कहवै सै, अपने या किसे दुसरे कै बारै म्ह?” 35 फेर फिलिप्पुस नै बताणा शरु करया, अर इस्से पवित्र ग्रन्थ तै शरु करकै उस ताहीं यीशु का सुसमाचार सुणाया। 36 राह म्ह चाल्दे-चाल्दे वे किसे तालाब कै धोरै पोहचे। फेर खोजे नै कह्या, “लखा उरै पाणी सै, इब मन्ने बपतिस्मा लेण म्ह के रोक सै।” 37 फिलिप्पुस बोल्या, “जै तू पूरे मन तै बिश्वास करै सै तो ले सकै सै।” उसनै जवाब दिया, “मै बिश्वास करूँ सूँ के यीशु मसीह परमेसवर का बेटा सै।” 38 फेर उसनै रथ खड्या करण का हुकम दिया, अर

फिलिप्पुस अर खोजा (किन्नर) दोन्नु तालाब म्ह बड़गे, अर उसनै खोजा (किन्नर) ताहीं बपतिस्मा दिया। 39 जिब वे पाणी म्ह तै लिकड़कै ऊपरान आये, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस ताहीं ठा लेग्या, अर खोजे नै उस ताहीं दुबारा न्ही देख्या, अर वो खुश था क्यूँके परमेसवर नै उस ताहीं बचा लिया सै। 40 फिलिप्पुस अशदोद नगर म्ह आ लिकड़या, अर जिब ताहीं कैसरिया नगर म्ह न्ही पोंहच्या, तब तक नगर-नगर सुसमाचार सुणान्दा गया।

9 शाऊल जो इब ताहीं प्रभु यीशु के चेल्यां ताहीं धमकाण अर मारण की धुन म्ह था, महायाजक कै धोरै गया 2 अर उसतै दमिश्क नगर के आराधनालयौं कै नाम पै इस बाबत म्ह चिट्ठियाँ माँगी के, के चाहे माणस हो, चाहे लुगाई हो, जिन् नै वो इस पंथ म्ह पावै उन ताहीं बाँधकै यरुशलेम नगर लियावै। 3 पर चाल्दे-चाल्दे जिब शाऊल अर उसके साथी दमिश्क नगर कै लोवै पोहुच्ये, तो चाणचक अकास तै उसकै चौगरदे नै चाँदणा चमक्या, 4 अर वो धरती पै पड़ग्या अर परमेसवर का यो शब्द सुणया, “हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यांतै सतावै सै?” 5 उसनै बुझ्झया, “हे प्रभु, तू कौण सै?” उसनै कह्या, “मै यीशु सुं, जिस ताहीं तू सतावै सै। 6 पर इब उठकै नगर म्ह जा, अर जो तन्नै करणा सै वो तेरे तै कह्या जावैगा।” 7 जो माणस उसकै गेल्या थे, वे हैरान रहग्ये, क्यूँके बोल तो सुणै थे पर किसे ताहीं देख्खै कोनी थे। 8 फेर शाऊल धरती पै तै उठ्या, पर जिब आँख खोल्ली तो उस ताहीं किमे कोनी दिख्या, अर वे उसका हाथ पकड़कै दमिश्क नगर म्ह ले गये। 9 वो तीन दिन ताहीं कोनी देख सक्या, अर ना खाया अर ना पिया। 10 दमिश्क नगर म्ह हनन्याह नामक एक चेल्ला था, उसतै प्रभु यीशु नै दर्शन म्ह कह्या, “हे हनन्याह!” वो बोल्या, “हाँ, प्रभु!” 11 फेर प्रभु नै उसतै कह्या, “उठकै उस गळी म्ह चलया जा जो ‘सीध्धी’ कुहावै सै, अर यहूदा कै घर म्ह शाऊल नामक एक तरसुसवासी नै बुझ, क्यूँके देख, वो प्रार्थना करण लागरया सै, 12 अर उसनै दर्शन म्ह हनन्याह नामक एक माणस ताहीं भीत्तर आन्दे अर अपणे उप्पर हाथ धरदे देख्या सै, ताके दुबारा आँखां की रोशनी पावै।” 13 हनन्याह नै जवाब दिया, “हे प्रभु, मन्नै इस माणस कै बारै म्ह घणाए तै सुणया सै के इसनै यरुशलेम नगर म्ह तेरे आदमियाँ गेल्या बड्डी-बड्डी बुराई करी सै, 14 अर उरै भी इस ताहीं प्रधान याजकां की ओड़ तै हक मिल्या सै

के जो माणस तेरे म्ह बिश्वास राक्खै सै, उन सारया नै बाँधकै यरुशलेम ले जा।” 15 पर प्रभु नै उसतै कह्या, “तू चल्या जा, क्यूँके वो तो गैर यहूदी अर राजयां अर इस्राएलियों के स्याम्ही मेरा नाम का प्रचार करण के खात्तर चुण्या होया पात्र सै। 16 अर मै उसनै बताऊँगा, के मेरै बारें बताण के खात्तर उसनै किसान-किसा दुख ठाणा पड़ैगा।” 17 फेर हनन्याह उठकै उस घर म्ह गया जड़ै शाऊल रुक्या था, अर उसपै अपना हाथ धरकै कह्या, “हे भाई शाऊल, प्रभु, यानिके यीशु, जो उस राह म्ह, जिसतै तू आया तेरे ताहीं दिखया था, उससे नै मेरै ताहीं भेज्या सै के तू दुबारा आँखां की रोशनी पावै अर पवित्र आत्मा तै भरया-पूरा हो जावै।” 18 अर जिब्बे उसकी आँखां तै छिल्के-से पड़े अर वो देखण लाग्या, अर उठकै बपतिस्मा लिया, 19 फेर खाणा खाकै हिम्मत पाई। शाऊल कई दिन उन चेल्यां के गेल्या रहया जो दमिश्क नगर म्ह थे। 20 अर वो जिब्बे दमिश्क नगर के आराधनालयँ म्ह यीशु का प्रचार करण लाग्या, के वो परमेसवर का बेटा सै। 21 सारे सुणण आळे हैरान होके कहण लागे, “के यो वोए माणस नही सै जो यरुशलेम नगर म्ह उन ताहीं जो यीशु मसीह के बिश्वासी थे, उनका नाश करया करै था, अर उरै भी इससे खात्तर आया था, के उननै बाँधकै प्रधान याजकां के धोरै ले जावै?” 22 पर शाऊल और भी सामर्थी होंदा गया, अर इस बात का सबूत दे-देकै, के मसीह यीशु-ए सै, दमिश्क नगर के रहणीये यहूदियाँ का मुँह बन्द करदा रहया। 23 जिब शाऊल नै ओड़ै रहन्दे होए भोत दिन बीतगे, तो यहूदियाँ नै मिलकै उस ताहीं मारण की साजस रची। 24 पर उनकी साजिस का शाऊल नै बेरा पाटग्या। वे तो उसनै मारण खात्तर रात-दिन फाटकां पै घात म्ह लागे रहवें थे। 25 पर रात नै उसके चेल्यां नै उस ताहीं टोकरे म्ह बिठाया, अर दमिश्क नगर की चारदीवारी पै तै लटकाकै उतार दिया। 26 यरुशलेम नगर म्ह पोहचकै शाऊल नै चेल्यां के गेल्या मिल जाण की कोशिश करी, पर सारे उसतै डरै थे, क्यूँके उननै बिश्वास कोनी होवै था, के वो भी चेल्ला सै। 27 पर बरनबास नै उस ताहीं अपने गेल्या प्रेरितां के धोरै ले जाकै उन ताहीं बताया के इसनै किस ढाळ तै राह म्ह प्रभु यीशु ताहीं देख्या, अर यीशु नै इसतै बात करी, फेर दमिश्क नगर म्ह इसनै किस तरियां हिम्मत दिखाकै यीशु के नाम का प्रचार करया। 28 वो उनके गेल्या यरुशलेम नगर म्ह आन्दा-जान्दा रहया 29 अर बेधड़क होकै प्रभु

का नाम तै प्रचार करै था, अर यूनानी भाषा बोल्लण आळे यहूदियाँ कै गेल्या बोलचाल अर बहस करै था, पर वे उसनै मारण की कोशिश करण लाग्गे।

30 न्यू जाणकै भाई उस ताहीं कैसरिया नगर लिआये, अर तरसुस नै भेज दिया। **31** इस तरियां सारे यहूदिया परदेस, अर गलील परदेस, अर सामरिया परदेस की कलीसिया नै चैन मिल्या, अर उसकी बढ़ोतरी होन्दी गई, अर वा प्रभु कै भय अर पवित्र आत्मा की शान्ति म्ह चाल्दी अर बढ़दी गई। **32** फेर इसा होया के पतरस हरेक जगहां हांडदा होया, उन पवित्र आदमियाँ कै धोरै भी पोंहच्या जो लुद्दा नगर म्ह रहवें थे। **33** ओड़ै उसनै एनियास नामक लकवे का रोगगी एक माणस मिल्या, जो आठ साल तै खाट पै पड्या था। **34** पतरस नै उसतै कह्या, “हे एनियास! यीशु मसीह तन्नै ठीक करै सै। उठ, अपणा बिछाणा ठा।” फेर वो जिब्बे उठ खड्या होया। **35** फेर लुद्दा नगर अर शारोन के सारे रहणीये उस ताहीं देखकै प्रभु की ओड़ फिरे। **36** याफा नगर म्ह तबीता यानिके दोरकास नाम की एक बिश्वासण रहवै थी। वा घणे भले-भले काम अर दान करया करै थी। **37** उन्हे दिनां म्ह जिब पतरस लुद्दा नगर म्ह था, तो वा बीमार होकै मरग्यी, अर उननै उस ताहीं नुहाकै चुबारै पै धर लिया। **38** लुद्दा नगर याफा नगर कै धोरै था, चेल्यां नै न्यू सुणकै पतरस ओड़ै सै, दो माणस भेजकै उसतै बिनती करी, “म्हारै धोरै आण म्ह वार ना लावै।” **39** फेर पतरस उठकै उसकै गेल्या हो लिया, अर जिब वो पोंहच्या तो वे उसनै उस चौबारे म्ह ले गये। सारी बिधवां रोंदी होई उसकै धोरै आण खड़ी होई, अर जो कुड़ते अर लत्ते दोरकास नै उनकै गेल्या रहंदे होए बणाए थे, दिखाण लाग्गी। **40** फेर पतरस नै सारया ताहीं बाहरणै कर दिया, अर गोठ्टे टेक कै प्रार्थना करी अर लाश की ओड़ लखाकै कह्या, “हे तबीता, उठ!” फेर उसनै अपणी आँख खोल दी, अर पतरस ताहीं देखकै उठ बेठी। **41** उसनै हाथ बढ़ाकै उस ताहीं ठाया, अर पवित्र आदमी अर बिधवायाँ ताहीं बुलाकै उस ताहीं जिन्दा दिखा दिया। **42** या बात साब्त याफा नगर म्ह फैलग्यी, अर घणखरयां नै प्रभु यीशु पै बिश्वास करया। **43** अर पतरस याफा नगर म्ह शमौन नामक किसे चमड़े का धन्धा करणीये कै उरै घणे दिनां ताहीं रहया।

10 कैसरिया नगर म्ह कुरनेलियुस नाम का एक माणस था, जो इतालियानी नामक पलटन का सूबेदार था। **2** वो भगत था, अर अपणे साबते कुण्बे सुधा

परमेश्वर तै डरै था, अर गरीब यहूदी आदमियाँ तारीं घणा दान देवै था, अर बराबर परमेश्वर की प्रार्थना करै था। 3 उसनै दिन कै बजे कै लोवै दर्शन म्ह साफ तौर तै देख्या के परमेश्वर का एक सुर्गदूत उसके धोरै भीत्तर आकै कहवै सै, “हे कुरनेलियुस!” 4 कुरनेलियुस नै उस तारीं गौर तै देख्या अर डरकै कह्या, “हे प्रभु, के हुकम सै?” उसनै उसतै कह्या, “तेरी प्रार्थनाएँ अर तेरे दान याद कै खात्तर परमेश्वर कै स्याम्ही पोहचे सै, 5 अर याफा नगर म्ह माणस भेजकै शमौन नै, जो पतरस कुहावै सै, बुलवा ले। 6 वो शमौन, चमड़े का धन्धा करण आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै किनारे सै।” 7 जिब वो सुर्गदूत जिसनै उसतै बात करी थी चल्या गया, तो कुरनेलियुस नै दो नौक्कर, अर जो उसके लोवै हाजिर रहया करै थे उन म्ह तै एक भगत सिपाही तारीं बुलाया, 8 अर उन तारीं सारी बात बताकै याफा नगर की ओड़ भेज्या, ताके पतरस तारीं ले आवै। 9 दुसरे दिन जिब वे तीन आदमी जो कुरनेलियुस जरिये भेज्जे गये थे, चाल्दे-चाल्दे नगर कै धोरै पोहचे, तो दोफारी कै लोवै पतरस छत पै प्रार्थना करण चढ़या। 10 उसनै भूख लागी अर कुछ खाणा चाहवै था, पर जिब वे खाणा त्यार करै थे तो वो बेसुध होग्या, 11 अर उसनै देख्या, के अकास खुलग्या, अर एक बड़ी चादर च्यार कुणयां तै लटकदी होई, धरती की ओड़ उतरै सै। 12 जिस म्ह धरती के सारे ढाळ के चार पैरां आळे अर रेंगणेआळे जिनोर अर अकास के पंछी थे। 13 उसनै एक इसा बोल सुण्या, “हे पतरस उठ, मार अर खा।” 14 पर पतरस नै कह्या, “ना प्रभु, कती भी न्ही, क्यूँके मन्ने कदे कोए अशुद्ध चीज न्ही खाई सै।” 15 फिर दुसरी बर उस तारीं बोल सुणाई दिया “जो किमे परमेश्वर नै शुद्ध कर दिया सै, उस तारीं अशुद्ध मतना कहवै।” 16 तीन बर इस तरियां ए होया, फेर जिब्बे वा चादर अकास म्ह ठा ली गई। 17 जिब पतरस अपणे मन म्ह दुबिध्या म्ह था, के यो दर्शन जो मन्ने देख्या इसका के मतलब हो सके सै, तो देख्खो, वे माणस जिन तारीं कुरनेलियुस नै भेज्या था, शमौन कै घर का पता लगाकै दरबाजे पै आण खड़े होए, 18 अर रुक्का मारकै बुझ्झण लाग्गे, “के शमौन जो पतरस कुहावै सै, याडैए सै के?” 19 पतरस तो उस दर्शन पै सोचण ए लागरया था, के पवित्र आत्मा नै उसतै कह्या, “देख, तीन माणस तेरी टोह म्ह सै। 20 आखर उठकै तळै जा, अर बेझिझक उनकै गेल्या हो ले,

क्यूँके मन्नै ए उन ताहीं भेज्या सै।” 21 फेर पतरस नै उतरकै उन माणसां ताहीं कह्या, “देक्खो, जिसकी टोह म्ह थम सो, वो मै सूं। थारे आण का के कारण सै?” 22 वे बोल्ले, “कुरनेलियुस सूबेदार जो धर्मी अर परमेसवर तै डरणआळा अर सारी यहूदी जात म्ह नाम्मी माणस सै, उसनै एक पवित्र सुर्गदूत तै यो निर्देश पाया सै के तेरे ताहीं अपणे घरां बुलाकै तेरे तै वचन सुणौ।” 23 फेर उसनै उन ताहीं भीत्तर बुलाकै उनकी मेहमान-नवाजी करी। दुसरे दिन वो उनकै गेल्या गया, अर याफा नगर के बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै कुछ उसकै गेल्या हो लिए। 24 आगले दिन वे कैसरिया नगर पोहचे, अर कुरनेलियुस अपणे कुण्बे आळा अर प्यारे साथियाँ ताहीं कठा करके उनकी बाट देख्खै था। 25 जिब पतरस भीत्तर आवै था, तो कुरनेलियुस उसतै मिल्या, अर उसकै पायां म्ह पड़कै उस ताहीं प्रणाम करया, 26 पर पतरस नै उस ताहीं ठा कै कह्या, “खड्या हो, मै भी तो माणस सूं।” 27 अर उसकै गेल्या बतळान्दा भीत्तर गया, अर घणे आदमियाँ ताहीं कठ्ठे देखकै 28 पतरस नै उनतै कह्या, “थमनै बेरा सै के हम यहूदियाँ के खात्तर गैर यहूदियाँ तै संगति करणा या उसकै उरै जाणा कानून के खिलाफ सै, पर परमेसवर नै मेरै तै बताया सै के किसे माणस ताहीं अपवित्र या अशुद्ध ना कहूँ। 29 ज्यांतै मै जिब बुलाया गया तो बिना कुछ कहे चल्या आया। इब मै बुइझु सूं के मेरै ताहीं किस काम के खात्तर बुलाया गया?” 30 कुरनेलियुस बोल्या, “इस्से घड़ी, पूरे चार दिन होए, मै अपणे घर म्ह दोफाहरै पाच्छै तीन बजे प्रार्थना करण लागरया था, तो एक माणस चमकीला बाणा पहरे होए, मेरै स्याम्ही आण खड्या होया 31 अर कहण लाग्या, ‘हे कुरनेलियुस, तेरी प्रार्थनाएँ अर तेरे दान याद कै खात्तर परमेसवर कै स्याम्ही पोहचे सै। 32 इस करके किसे नै याफा नगर भेजकै शमौन जो पतरस कुहावै सै, बुलवा ले। वो शमौन, चमड़े का धन्धा करण आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै किनारे सै।’ 33 फेर मन्नै जिब्बे तेरे धोरै आदमी भेज्जै, अर तन्नै भला करया जो आ गया। इब हम सारे उरै परमेसवर कै स्याम्ही सां, ताके जो किमे परमेसवर नै तेरे तै कह्या उस ताहीं सुणां।” 34 फेर पतरस बोल्या, “इब मेरै पक्का यकिन होग्या के परमेसवर किसे का पक्षपात कोनी करदा, 35 बल्के हरेक जात म्ह जो परमेसवर तै डरै अर धर्म के काम करै सै, वो उसनै भावै सै। 36 थम

जाणो सों के परमेसवर नै इस्राएल के माणसां ताहीं अपणा संदेश भेज्जा, उसनै शान्ति के बारे म्ह सुसमाचार सुणाया जो माणसां ताहीं यीशु मसीह पै बिश्वास करण कै जरिये मिलै सै। 37 वो वचन थमनै बेरा सै, जो यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार कै पाच्छे गलील परदेस तै शरु होके साब्ले यहूदिया परदेस म्ह फैलग्या। 38 परमेसवर नै किस तरियां तै यीशु नासरी ताहीं पवित्र आत्मा अर सामर्थ तै अभिषेक करया, वो भलाई करदा अर सारया ताहीं जो शैतान के सताए होइ थे, आच्छा करदा फिरया, क्यूँके परमेसवर उसकै गेल्या था।” 39 “हम उन सारे काम्मां के गवाह सां, जो उसनै यहूदिया परदेस अर यरुशलेम नगर म्ह भी करे, अर उननै उस ताहीं कूस पै लटकाके मार दिया। 40 उस ताहीं परमेसवर नै तीसरे दिन जिन्दा करया, अर जाहिर भी कर दिया सै, 41 सारे आदमियाँ पै न्ही बल्के उन गवाह पै जिन ताहीं परमेसवर नै पैहल्या तै छॉट लिया था, यानिके म्हारै पै जिन नै उसकै मरे होया म्ह तै जिन्दा उठण कै पाच्छे उसकै गेल्या खाया-पिया, 42 अर उसनै म्हारै ताहीं हुकम दिया के आदमियाँ म्ह प्रचार करो अर गवाही द्यो, के यो वोए सै जिस ताहीं परमेसवर नै जिन्दा अर मरया होया का न्यायी ठहराया सै। 43 उसकी सारे नबी गवाही देवें सै के जो कोए उसपै बिश्वास करैगा, उस ताहीं उसकै नाम तै पापां की माफी मिलैगी।” 44 पतरस ये बात कहण ए लागरया था के पवित्र आत्मा वचन के सारे सुणण आळा पै उतर आया। 45 अर जितने खतना करे होए बिश्वासी पतरस कै गेल्या आये थे, वे सारे हैरान होए के गैर यहूदियाँ पै भी पवित्र आत्मा का दान ढाळा गया सै। 46 क्यूँके उननै उन ताहीं कई ढाळ की भाषा बोल्दे अर परमेसवर की बड़ाई करदे सुण्या। इसपै पतरस नै कह्या, 47 “के कोए पाणी नै रोक सकै सै के ये बपतिस्मा ना पावै, जिननै म्हारै की ढाळ परमेसवर की ओइ तै पवित्र आत्मा पाया सै?” 48 अर उसनै हुकम दिया के उननै यीशु मसीह कै नाम म्ह बपतिस्मा दिया जावै। फेर उननै उसतै बिनती करी के वो कुछ दिन और उनकै गेल्या रहवै।

11 फेर प्रेरितां अर बिश्वासी भाईयाँ नै जो यहूदिया परदेस म्ह थे सुण्या के गैर यहूदियाँ नै भी परमेसवर का वचन मान लिया सै। 2 आखर म्ह जिब पतरस यरुशलेम नगर म्ह आया, तो खतना किये होए आदमी उसतै बहस करण लागे, 3 “तन्नै खतनारहित आदमियाँ कै उरै जाके उनकै गेल्या

खाया।” 4 फेर पतरस नै उन ताहीं शरु तै आखर ताहीं सारा किमे कह सुणाया 5 “मै याफा नगर म्ह प्रार्थना करण लागरया था, अर बेसुध होकै एक दर्शन देख्या के एक बड्डी चादर च्यारु कुणयां तै लटकदी होई, अकास तै उतरकै मेरै धोरै आई।” 6 जिव मन्नै उसपै गौर करया, तो उस म्ह धरती के चार पैरां आळे अर बणपशु अर रेंगण आळे जिनोर अर अकास के पंछी देख्खे, 7 अर यो बोल भी सुणया, “हे पतरस उठ, मार अर खा।” 8 मन्नै कह्या, “ना प्रभु, ना, क्यूँके कोए अशुद्ध चीज मेरै मुँह म्ह कदे न्ही गई।” 9 इसकै जवाब म्ह अकास तै दुसरी बर आवाज होई, “जो किमे परमेसवर नै शुद्ध ठैहराया सै, उस ताहीं अशुद्ध मतना कहवै।” 10 तीन बर इसा होया, फेर सारा किमे दुबारा अकास पै खींच लिया गया। 11 जिब्बे तीन माणस जो कुरनेलियुस नै कैसरिया परदेस तै मेरै धोरै भेज्जे थे, उस घर पै जिसम्ह हम थे, आण खड़े होए। 12 फेर पवित्र आत्मा नै मेरै तै बेझिझक होकै उनकै गेल्या जाण खात्तर कह्या, अर छः भाई भी मेरै गेल्या हो लिये, अर हम उस माणस कै घरां गये। 13 उसनै म्हारै ताहीं बताया, के उसनै एक सुर्गदूत ताहीं अपणे घर म्ह खड्या देख्या, जिसनै उसतै कह्या, “याफा नगर म्ह माणस भेजकै शमौन ताहीं जो पतरस कुहावै सै, बुलवा ले। 14 वो थारे तै इसी बात कहवैगा, जिनकै जरिये तू अर तेरा सारा घराना उद्धार पावैगा।” 15 जिव म्ह बात करण लाग्या, तो पवित्र आत्मा उनपै उस्से तरियां तै उतरया जिस तरियां तै शरु म्ह म्हारै पै उतरया था। 16 फेर मन्नै प्रभु का यो वचन याद आया, जो उसनै कह्या था, “यूहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा दिया, पर थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे। 17 इस खात्तर जिव परमेसवर नै उन ताहीं भी वोए दान दिया, जो म्हारै ताहीं प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै मिल्या था, तो मै कौण था जो परमेसवर नै रोक सकदा?” 18 यो सुणण कै बाद उसके जवाब म्ह वे यहूदी बिश्वासी कुछ भी न्ही बोल पाए, अर परमेसवर की बड़ाई करकै कहण लाग्गे, “फेर तो परमेसवर नै गैर यहूदियाँ ताहीं भी अनन्त जीवन कै खात्तर पापां की माफी अर यीशु मसीह पै बिश्वास करण का दान दिया सै।” 19 जो आदमी उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस कै कारण पड्या था, खिंड-मिंड हो गये थे, वे हांडदे-हांडदे फीनीके परदेस अर साइप्रस टापू अर अन्ताकिया नगर म्ह पोहचे, पर यहूदियाँ नै छोड़ किसे और

ताहीं वचन कोनी सुणावै थे। 20 पर उन म्ह तै कुछ बिश्वासी साइप्रस टापू अर कुरेनवासी थे, जो अन्ताकिया नगर म्ह आकै यूनानियाँ ताहीं भी प्रभु यीशु का सुसमाचार सुणाण लागे। 21 प्रभु का हाथ उनपै था, अर घणे आदमी बिश्वास करकै प्रभु की ओड़ फिरे। 22 जिव उनका जिक्र यरुशलेम नगर की कलीसिया के लोगां कै सुणण म्ह आया, तो उननै बरनबास ताहीं अन्ताकिया नगर भेज्या। 23 वो उड़ै पोहचकै अर परमेसवर के अनुग्रह नै देखकै राज्जी होया, अर सारया ताहीं उपदेश दिया के तन-मन लगाकै प्रभु तै लिपटे रहो। 24 वो एक भला माणस था, अर पवित्र आत्मा अर बिश्वास तै पूरा भरया था, अर दुसरे घणखरे आदमी प्रभु म्ह आ मिले। 25 फेर वो शाऊल नै टोह्कै खात्तर तरसुस नगर म्ह चल्या गया। 26 जिव वो उसतै मिल्या तो उस ताहीं अन्ताकिया नगर ल्याया, अर इसा होया के वे एक साल ताहीं कलीसिया कै गेल्या मिलदे अर प्रभु यीशु मसीह का घणे आदमियाँ ताहीं उपदेश देन्दे रहे, अर चेल्लें सारया तै पैहल्या अन्ताकिया नगर ए म्ह मसीह कुहाए। 27 उननै दिनां म्ह कई नबी यरुशलेम नगर तै अन्ताकिया नगर आए। 28 उन म्ह तै अगबुस नामक एक नबी नै खड़े होके आत्मा की प्रेरणा तै न्यू बताया के सारी दुनिया म्ह बड़ड़ा अकाळ पड़ेगा, वो अकाळ (रोम के सम्राट) क्लौदियुस के बखत म्ह पड्या। 29 फेर चेल्यां नै फैसला लिया के हरेक अपणी-अपणी पूंजी कै मुताबिक यहूदिया परदेस म्ह रहण आळे भाईयाँ की मदद कै खात्तर किमे भेज्जै। 30 उननै इस तरियां ए करया, अर बरनबास अर शाऊल कै हाथ कलीसिया के अगुवां कै धोरै कुछ भेज दिया।

12 उस बखत हेरोदेस राजा नै कलीसिया के कई माणसां ताहीं सताण कै मकसद तै बन्दी बना लिया। 2 उसनै प्रेरित यूहन्ना के भाई याकूब ताहीं तलवार तै मरवा दिया। 3 जिव उसनै देख्या के यहूदी माणस इसतै राज्जी होवै सै, तो उसनै पतरस ताहीं भी पकड़ लिया। वे अखमीरी रोटी के त्यौहार के दिन थे। 4 हेरोदेस नै उस ताहीं पकड़कै जेळ म्ह गेरया, अर चार-चार सिपाहियाँ के चार पहरया म्ह राख्या, इस विचार तै के फसह कै बाद उसनै आदमियाँ कै स्याम्ही ल्यावै। 5 जेळ म्ह पतरस बन्द था, पर कलीसिया उसकै खात्तर लौ लाकै परमेसवर तै प्रार्थना करण लागरी थी। 6 जिव हेरोदेस राजा उसनै आदमियाँ कै स्याम्ही ल्याण आळा था, उस्से रात पतरस दो

जंजीरां तै बंध्या होड़ दो सिपाहियाँ कै बिचाळे सोण लागरया था, अर पहरेदार दरबाजे पै जेळ की रुखाळी कररे थे। 7 तो देक्खो, प्रभु का एक सुर्गदूत आण खड्या होया अर उस कोठड़ी म्ह चाँदणा चमक्या, अर उसनै पतरस की पासळी पै हाथ मारकै उस ताहीं जगाया अर बोल्या, “उठ, तावळ कर।” अर उसके हाथ्यां तै बेड़ी खुलकै गिरगी। 8 फेर सुर्गदूत नै उसतै कह्या, “कमर बाँध, अर अपणे जूते पहर ले।” उसनै उरसे ढाळ करया। फेर उसनै उसतै कह्या, “अपणे लत्ते पहरकै मेरै पाच्छै हो ले।” 9 वो लिकड़कै उसके पाच्छै हो लिया, पर उसनै न्यू न्ही बेरा था के जो किमे सुर्गदूत कर रह्या सै वो साच्ची सै, बल्के न्यू समझै था के जणु मै दर्शन देखण लागरया सूं। 10 फेर वे पैहल्या अर दुसरे पहरे तै लिकड़कै उस लोहे के फाटक पै पोहचे, जो नगर की ओड़ सै। वो उनकै खात्तर अपणे-आप्ये खुलग्या, अर वे लिकड़कै एक गळी म्ह गए, अर जिब्बे ए सुर्गदूत उसनै छोड़कै चल्या गया। 11 फेर पतरस नै चेत म्ह होकै कह्या, “इब मन्नै सच का बेरा पटया सै के प्रभु नै अपणा सुर्गदूत भेजकै मेरै ताहीं हेरोदेस राजा के हाथ्यां तै छुड़ा लिया, अर यहूदी अगुवां की सारी मनसा पै पाणी फेर दिया सै।” 12 न्यू जाणकै वो उस यूहन्ना की माँ मरियम कै घरां आया, जो मरकुस कुहावै सै। ओड़ै घणे आदमी कठ्ठे होकै प्रार्थना करण लागरे थे। 13 जब उननै दरबाजा खटखटाया, तो रुदे नामक एक नौकराणी देखण नै आई। 14 पतरस का बोल पिच्छाणकै उसनै खुशी के मारे दरबाजा न्ही खोल्या, पर भाजकै भीत्तर गई अर बताया के पतरस दरबाजे पै खड्या सै। 15 उननै उसतै कह्या, “तू बावळी सै।” पर वा पूरे बिश्वास तै बोल्ली के पतरस ए सै। फेर उननै कह्या, “उसका सुर्गदूत होगा।” 16 पर पतरस खटखटान्दा ए रहया आखर म्ह उननै दरबाजा खोल्या, अर उस ताहीं देखकै हैरान होग्ये। 17 फेर उसनै उन ताहीं हाथ तै इशारा करया के बोल-बाल्ले रहवैं, अर उन ताहीं बताया के प्रभु किस ढाळ उस ताहीं जेळ तै लिकाड़ ल्याया सै। फेर बोल्या, “याकूब अर दुसरे भाईयाँ नै या बात बता दियो।” फेर लिकड़कै दुसरी जगहां चल्या गया। 18 तड़कैए जेळ के सिपाहियाँ म्ह घणी भगदड़ माचगी के पतरस कित्त गया। 19 जब हेरोदेस राजा नै उसकी टोहया-टाही करवाई अर न्ही मिल्या, तो पैहरेदारां की जाँच करकै हुकम दिया के वे मार दिये जावै, अर वो यहूदिया परदेस नै

छोड़के कैसरिया नगर म्ह जाके रहण लाग्या। 20 हेरोदेस राजा सूर अर सैदा नगर के लोग्गां तै घणा नाराज था। वे एक टोळ बणाके उसतै मिलण आये, राजा का एक खास कर्मचारी बलास्तुस ताहीं मनाके राजा तै मेल करणा चाह्या, क्यूँके राजा के देश म्ह उनके देश का पालन-पोषण होवै था। 21 खास दिन पै हेरोदेस राजा राजसी-बाणा पहरके सिंहासन पै बैठ्या, अर उन ताहीं खुलास्सा करण लाग्या। 22 फेर आदमियाँ नै रुक्का मारया, “यो तो माणस का न्ही ईश्वर का बोल सै।” 23 उस्से घड़ी प्रभु कै एक सुर्गदूत नै जिब्बे आके हेरोदेस राजा ताहीं झिड़का, अर वो कीड़े पड़के मरग्या। क्यूँके उसनै परमेसवर की महिमा कोनी करी, 24 पर परमेसवर का वचन बढ़दा अर फैलदा गया। 25 जब बरनबास अर शाऊल नै अपणी सेवा पूरी कर ली तो यूहन्ना जो मरकुस कुह्वावै था, गेल्या लेके यरुशलैम नगर तै बोहड़े।

13 अन्ताकिया नगर की कलीसिया म्ह कई नबी अर उपदेशक थे, यानी बरनबास, शमौन जो नीगर (काळा आदमी) कुह्वावै सै, अर शाऊल अर कुरेनी लूकियुस, मनाहेम जिसका पालन-पोषण चौथाई देश के राजा हेरोदेस कै गैल होया था। 2 जब ये लोग प्रभु की आराधना अर ब्रत करण लागरे थे, तो पवित्र आत्मा नै उनतै कह्या, “मेरै खात्तर बरनबास अर शाऊल नै उस काम कै खात्तर न्यारा करो जिसके खात्तर मन्नै उन ताहीं बुलाया सै।” 3 फेर उननै ब्रत अर प्रार्थना करके अर उनपै हाथ धरके उन ताहीं परमेसवर के काम खात्तर बिदा करया। 4 शाऊल अर बरनबास पवित्र आत्मा के भेज्जै होए सिलूकिया बन्दरगाह गये, अर ओड़ै तै जहाज पै चढ़के साइप्रस टापू कान्ही चाल्ले, 5 अर सलमीस नगर म्ह पोहचके, परमेसवर का वचन यहूदियाँ के आराधनालयों म्ह सुणाया। यूहन्ना उनका सेवक था। 6 वे उस सारे टापू म्ह होन्दे होए पाफुस परदेस ताहीं पोहचे। ओड़ै उननै बारयीशु नामक एक यहूदी जादूगर अर झूठा नबी मिल्या। 7 वो राज्यपाल सिरगियुस पौलुस कै गेल्या था, जो अकलमंद माणस था। उसनै बरनबास अर शाऊल ताहीं अपणे धोरै बुलाके परमेसवर का वचन सुणणा चाह्या। 8 पर इलीमास जादूगर नै (क्यूँके योए उसके नाम का मतलब सै) उनका बिरोध करके हाकिम ताहीं यीशु पै बिश्वास करण तै रोकणा चाह्या। 9 फेर शाऊल नै जिसका नाम पौलुस भी सै, पवित्र आत्मा तै पूरी तरियां भरके उसकी ओड़

टकटकी लाकै देख्या अर बोल्या, 10 “हे सारे कपट अर सारी ढाळ कि चतुराई तै भरे होड़ शैतान की उलाद, सारे धर्मा के बैरी, के तू प्रभु के सीध्धी राही नै टेढ़ी करणा न्ही छोड़ैगा?” 11 इब लखा, “प्रभु का हाथ तेरे बिरोध म्ह उठ्या सै, अर तू कुछ बखत ताहीं आन्धा रहवैगा अर सूरज नै कोनी देखैगा।” फेर जिब्बे धुँधळापण अर अन्धेरा उसपै छा गया, वो आस्सै-पास्सै टटोळण लाग्या ताके कोए उसका हाथ पकड़कै ले चाल्लै। 12 फेर हाकिम नै जो होया था उस ताहीं देखकै अर प्रभु के उपदेश तै हैरान होकै यीशु पै बिश्वास करया। 13 पौलुस अर उसके मित्तर पाफुस परदेस तै पाणी का जहाज खोल कै पंफूलिया परदेस के पिरगा नगर म्ह आये, अर यूहन्ना उननै छोड़कै यरुशलैम नगर बोहड़ गया। 14 पिरगा नगर तै आगै बढ़कै वे पिसिदिया परदेस के अन्ताकिया नगर म्ह पोहचे, अर आराम कै दिन आराधनालय म्ह जाकै बैठगये। 15 मूसा के नियम-कायदे अर नबियाँ की किताब नै पढ़ण कै पाच्छै आराधनालय के सरदारान नै उनकै धोरै कहवां भेज्या, “हे भाईयो, जै आदमियाँ के उपदेश कै खात्तर थारे मन म्ह कोए बात हो तो कहो।” 16 फेर पौलुस नै खड़े होकै अर हाथ तै इशारा करकै कह्या, “हे इस्राएलियों, अर गैर यहूदी जो परमेसवर तै डरण आळो, सुणो!” 17 इस्राएल के परमेसवर नै म्हारै पूर्वजां ताहीं छाँट लिया, अर जिव वे मिस्र देश म्ह परदेशी होकै रहवै थे, तो उनकी बढ़ोतरी करी, अर अपनी शक्ति के दम पै उननै लिकाड़ ल्याया। 18 वो कोए चाळीस साल ताहीं जंगल-बियाबान म्ह उनकी सहण करदा रहया, 19 अर कनान देश की सात जात्तां का नाश करकै उनका देश कोए साढ़े चार सौ साल म्ह इनकी वसियत म्ह कर दिया। 20 “इसकै बाद परमेसवर नै शमूएल नबी ताहीं उन म्ह न्यायाधीश ठहराया। 21 इसकै पाच्छै उननै शमूएल तै उनपै एक राजा ठहराण की माँग करी, फेर परमेसवर नै चाळीस साल कै खात्तर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै एक माणस, यानिके कीश के बेट्रे शाऊल ताहीं उनपै राजा ठहराया। 22 फेर परमेसवर नै शाऊल ताहीं पद तै हटाकै दाऊद ताहीं उनका राजा बनाया, जिसकै बारे म्ह उसनै गवाही दी, ‘मन्नै एक माणस यिशै का बेट्टा दाऊद, जो मेरी इच्छा कै मुताबिक मिलग्या सै, वोए मेरी सारी इच्छा पूरी करैगा।’” 23 इस्से पीढ़ी म्ह तै परमेसवर नै अपने वादा कै मुताबिक इस्राएल कै धोरै एक उद्धारकर्ता,

यानिके यीशु भेज्या। 24 यीशु कै आण तै पैहल्या यूहन्ना नै सारे इस्राएलियाँ नै अपने पाप मान के परमेसवर की ओड़ मुड़ण का अर बपतिस्मा का प्रचार करया। 25 जिव यूहन्ना अपनी सेवा पूरी करण पै था, तो उसनै कह्या, “थम मन्नै के समझो सो? मै मसीह कोनी! बल्के देखो, मेरै पाच्छै एक आण आळा सै, जो भोत महान् सै, जिसके जूत्याँ के फित्ते भी मै खोल्लण जोग्गा कोनी।” 26 “हे भाईयो, थम जो अब्राहम की ऊलाद सो, अर थम गैर यहूदी जो परमेसवर तै डरो सो, थारे धौरै इस उद्धार का वचन भेज्या गया सै। 27 यरुशलेम नगर के रहणआळो अर उनके सरदारानै, ना मसीह यीशु ताहीं पिच्छाणा अर ना नबियाँ की बात समझी, जो हरेक आराम कै दिन पढ़ी जावै सै, ज्यांतै उस ताहीं कसूरवार ठहराके उन बात्तानै पूरा करया। 28 उननै मारण कै जोग्गा कोए कसूर उस म्ह कोनी पाया, फेरभी राज्यपाल पिलातुस तै बिनती करी, के वो मार दिया जावै। 29 जिव उननै उसके बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ लिक्खी होई सारी बात पूरी करी, तो उस ताहीं क्रूस पै तै उतारके कब्र म्ह धरया। 30 पर परमेसवर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, 31 अर वो उन ताहीं जो उसके गेल्या गलील परदेस तै यरुशलेम नगर आये थे, घणे दिनां ताहीं अपने चेल्यां नै दिख्दा रहया, आदमियाँ के स्याम्ही इब वैए उसके गवाह सै।” 32 हम थमनै उस वादा कै बारै म्ह जो बाप-दाद्या तै करया गया था, यो सुसमाचार सुणावां सां, 33 के परमेसवर नै यीशु ताहीं जिन्दा करके, वोए वादा म्हारी ऊलाद कै खात्तर पूरा करया, जिसा के भजन संहिता दो म्ह लिख्या सै, “तू मेरा बेट्टा सै, आज तै ए मै तेरा पिता बणग्या सू।” 34 अर उसके इस तरियां तै मरे होया म्ह तै जिन्दा होण कै बारै म्ह भी के वो कदे न्ही सड़ै, परमेसवर नै यो कह्या सै, “मै दाऊद पै की पवित्र अर अटल दया तेरे पै करूंगा।” 35 दाऊद नै और जगहां भी भजन संहिता म्ह भी लिख्या सै, “तू अपने पवित्र माणस नै सड़ण न्ही देवैगा।” 36 दाऊद तो परमेसवर की मर्जी कै मुताबिक अपने बखत म्ह सेवा करके मर गया, अर अपने बाप-दाद्या म्ह जा मिल्या, अर सड़ भी गया। 37 पर जिस ताहीं परमेसवर नै जिन्दा करया, वो सड़ण कोनी पाया। 38 ज्यांतै, हे भाईयो, थम जाण ल्यो के इस्से के जरिये पापां की माफी का सुसमाचार थारे ताहीं दिया जावै सै, 39 अर पापां तै मुक्त करण म्ह मूसा नबी के नियम-कायदे हमेशा नाकामयाब रहे सै, हरेक

जो विश्वास करै सै, वो यीशु के जरिये सारे पापां तै मुक्त करया जावै सै। 40 ज्यांतै चौकन्ने रहो, इसा ना हो के जो नबियाँ की किताब म्ह आया सै, थारे पै भी आण पड़े 41 “हे बुराई करण आळो, देख्खो, अर हैरान होवो, अर मिट जाओ, क्यूँके मै थारे दिनां म्ह एक काम करूँ सूँ, ‘इसा काम के जै कोए थारे तै उसका जिक्र करै, तो थम भी विश्वास कोनी करोगे।” 42 जिब पौलुस अर बरनबास यहूदी सभाघर तै बाहरणै लिकड़ण लागरे थे, तो माणस उनतै बिनती करण लाग्गे के आगले आराम कै दिन म्हारै ताहीं ये बात फेर सुणाई जावै। 43 जिब सभा उठ ली फेर भोत-से यहूदी अर यहूदी पंथ म्ह आये होए भगतां म्ह तै घणखरे पौलुस अर बरनबास कै पाच्छै हो लिये, अर उननै उन ताहीं बात करकै समझाया के परमेसवर कै अनुग्रह म्ह बणे रहो। 44 आगले आराम कै दिन नगर के तकरीबन सारे लोग परमेसवर का वचन सुणण नै कठ्ठे हो गये। 45 पर यहूदी भीड़ नै देखकै मन ए मन म्ह जळण लाग्गे, अर बुराई करदे होए पौलुस की बात्तां कै बिरोध म्ह बोल्लण लाग्गे। 46 फेर पौलुस अर बरनबास हिम्मत करकै कहण लाग्गे, “जरूरी था के परमेसवर का वचन पैहल्या थारे तै सुणाया जान्दा, इब जिब के थमनै इस ताहीं नकार दिया सै, अर यो करते होए अपने-आप ताहीं अनन्त जीवन कै खात्तर अयोग्य घोषित कर दिया सै, तो देख्खो, हम गैर यहूदियाँ कै कान्ही फिरां सां। (aiōnios g166) 47 क्यूँके प्रभु नै म्हारै ताहीं यो हुकम दिया सै, ‘मन्नै तेरे ताहीं गैर यहूदियाँ कै खात्तर चाँदणा ठहराया, ताके तू धरती कै छोर ताहीं उद्धार का दरबाजा हो।” 48 न्यू सुणकै गैर यहूदी राज्जी होए, अर परमेसवर कै वचन की बड़ाई करण लाग्गे, अर जितने अनन्त जीवन कै खात्तर ठहराए गये थे, उननै विश्वास करया। (aiōnios g166) 49 फेर प्रभु का वचन उस सारे देश म्ह फैलाण लाग्या। 50 पर यहूदी अगुवां नै भगत अर आच्छे खानदान की लुगाईयाँ ताहीं अर नगर के खास आदमियाँ ताहीं उकसाया, अर पौलुस अर बरनबास कै खिलाफ दंगा करा कै उन ताहीं अपनी सीमा तै लिकाड़ दिया। 51 फेर पौलुस अर बरनबास उनकै स्याम्ही पायां की धूळ झाड़कै इकुनियुम नगर म्ह चले गये। 52 अर चेल्लें आनन्द अर पवित्र आत्मा तै भरदे चले गये।

14 इकुनियुम नगर म्ह इसा होया के वे यहूदियाँ के आराधनालय म्ह गैल-गैल गये, अर इस ढाळ बात करी के यहूदियाँ अर यूनानियाँ म्ह घणखरयां नै

बिश्वास करया। 2 पर बिश्वास ना करण आळे गैर यहूदियाँ के मन बिश्वासी भाईयाँ के बिरोध म्ह उकसाये अर कडुवापण पैदा करया। 3 पौलुस अर बरनबास घणे दिन ताहीं उड़ै रहे, अर प्रभु के भरोसै पै हिम्मत तै बात करै थे, अर वो उनकै हाथ्यां तै चमत्कार अर अनोक्खे काम करवा के अपणे अनुग्रह के वचन ताहीं साबित करदा रह्या। 4 पर नगर के लोग्गां म्ह फूट पड़गी थी, इसतै घणेए तो यहूदियाँ कान्ही अर घणेए प्रेरितां कान्ही होग्ये। 5 जिब गैर यहूदी अर यहूदी उनकी बेजती करण नै अर उनकै पत्थर मारण के खात्तर अपणे सरदारां सुधा उन कान्ही भाज्जे, 6 फेर वे इस बात नै जाणगे अर लुकाउनिया परदेस के लुस्त्रा अर दिरबे नगरां म्ह, अर लोवै-धोरै के परदेसां म्ह भाजगे 7 अर ओड़ै सुसमाचार सुणाण लागगे। 8 लुस्त्रा नगर म्ह एक माणस बेठ्या था, जो पायां तै लाचार था। वो जन्म तै ए लंगड़ा था, अर कदे न्ही चाल्या था। 9 वो पौलुस नै बात करदे सुणै था। पौलुस नै उसकी ओड़ टकटकी लाकै देख्या के उसनै ठीक होण का बिश्वास सै, 10 अर ठाडू आवाज म्ह बोल्या, “अपणे पायां कै बळ सीध्था खड्या हो।” फेर वो उछळकै चाल्लण-फिरण लाग्या। 11 लोग्गां नै पौलुस का यो काम देखके लुकाउनिया की भाषा म्ह ठाडू आवाज म्ह कह्या, “देवता माणस के रूप म्ह होकै म्हारै धोरै उतर आये सै।” 12 उननै बरनबास ताहीं ज्यूस देवता, अर पौलुस ताहीं हिरमेस कह्या क्यूँके वो खास संदेश देण आळा था। 13 ज्यूस देवता के उस मन्दर का पुजारी जो उनकै नगर कै स्याम्ही था, बळध अर फूल्लां के हार फाटकां पै ल्याकै लोग्गां कै गेल्या बलिदान करणा चाहवै था। 14 पर बरनबास अर पौलुस प्रेरितां नै जिब यो सुण्या, तो अपणे लत्ते पाड़े अर भीड़ म्ह लपके, अर रुक्का मारकै कहण लागगे, 15 “हे भले माणसों, थम के करो सो? हम भी तो थारे तरियां दुख-सुख भोग्गण आळे माणस सां, अर थमनै सुसमाचार सुणावां सां के थम इन बेकार चिज्जां तै न्यारे होकै जिन्दे परमेसवर के कान्ही फिरो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो किमे उन म्ह सै बणाया सै। 16 उसनै बीत्ते होए बखत म्ह सारी जात्तां ताहीं अपणे-अपणे रास्तयां पै चाल्लण दिया। 17 फेर भी वो अपणे भले काम करण के जरिये अपणे बारें म्ह गवाही देंदा रहया, अर अकास तै मिह अर फळआळी ऋतु देकै थारे मन नै खाणे अर खुशी तै भरदा रहया।” 18

न्यू कहकै भी उननै लोग्गां ताहीं बड्डी मुश्किलां तै रोक्या के उनकै खात्तर बलिदान ना करै। 19 पर कुछ यहूदियाँ नै अन्ताकिया नगर अर इकुनियुम नगर तै आकै लोग्गां ताहीं अपणी ओड़ कर लिया, अर पौलुस पै पत्थर बरसाए, अर मरया होड़ सोचकै उस ताहीं नगर कै बाहरणै घसीट लेगे। 20 पर चेल्लें जिब उसकै चौगरदेकै आण खड़े होए, तो वो उठकै नगर म्ह गया अर दुसरे दिन बरनबास कै गेल्या दिरबे नगर कान्ही चल्या गया। 21 वे उस नगर के लोग्गां ताहीं सुसमाचार सुणाकै अर घणे चेल्लें बणाकै, लुस्त्रा अर इकुनियुम अर अन्ताकिया नगर नै बोहड़ आये, 22 अर चेल्यां के मनां नै स्थिर करदे अर उत्साहित करते होए या शिक्षा देते रह्ये के बिश्वास म्ह बणे रहो, अर न्यू कहवै थे, “हमनै घणे दुख ठाकै परमेसवर के राज्य म्ह बड़णा होगा।” 23 अर उननै हरेक कलीसिया म्ह उनकै खात्तर अगुवें ठहराए, अर ब्रत सुधा प्रार्थना करकै उन ताहीं प्रभु कै हाथ्यां म्ह सौप्या जिसपै उननै बिश्वास करया था। 24 फेर पिसिदिया परदेस तै होन्दे होए वे पंफूलिया परदेस पोहचे, 25 फेर पिरगा नगर म्ह वचन सुणाकै अत्तलिया नगर म्ह आये, 26 अर ओड़ै तै वे पाणी के जहाज तै अन्ताकिया नगर गये, जित्त वे उस काम कै खात्तर जो उननै पूरा करया था परमेसवर के अनुग्रह म्ह सौपे गये थे। 27 अन्ताकिया नगर पोहचकै उननै कलीसिया कट्टी करी अर बताया के परमेसवर नै उनकै गेल्या होकै किसे बड़े-बड़े काम करे, अर गैर यहूदियाँ कै खात्तर बिश्वास का बारणा खोल दिया। 28 अर वे चेल्यां कै गेल्या घणे दिन ताहीं रहे।

15 फेर कुछ यहूदी बिश्वासी यहूदिया परदेस तै आकै भाईयाँ नै सिखाण लागे “जै मूसा नबी की रीत पै थारा खतना न्ही हो तो थम उद्धार कोनी पा सकदे।” 2 जिब पौलुस अर बरनबास का उनतै घणा वाद-विवाद अर बहस होई तो यो फैसला लिया गया के पौलुस अर बरनबास अर उन म्ह तै कुछ माणस इस बात कै बारै म्ह प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां कै धोरै यरुशलेम नगर म्ह जावै। 3 कलीसिया नै उन ताहीं बिदा करया, अर वे फीनीके अर सामरिया परदेसां तै होन्दे होए गैर यहूदियाँ के जरिये यीशु मसीह पै बिश्वास करण का जिक्र करते गये, जिसतै सारे बिश्वासी भाई घणे राज्जी होए। 4 जिब वे यरुशलेम नगर पोहचे, तो कलीसिया अर प्रेरित अर

कलीसिया के अगुवें उनतै खुशी कै गैल मिले, अर पौलुस अर बरनबास नै बताया के परमेसवर नै उनकै गेल्या होकै किसे-किसे काम करे थे। 5 पर फरीसियाँ के पंथ म्ह तै जिन नै बिश्वास करया था, उन म्ह तै कितन्याँ नै उठकै कह्या, “गैर यहूदियाँ ताहीं खतना करण अर मूसा नबी के नियम-कायदे नै मानण का हुकम देणा चाहिए।” 6 फेर प्रेरित अर कलीसिया के अगुवें इस बात कै बारै म्ह विचार करण कै खात्तर कट्टे होए। 7 फेर पतरस नै घणी बहस हो जाणकै पाच्छे खड़े होकै उनतै कह्या, “हे भाईयो, थमनै बेरा सै के घणे दिन होए परमेसवर नै थारे म्ह तै मेरै ताहीं छॉट लिया के मेरै मुँह तै गैर यहूदी सुसमाचार का वचन सुणकै बिश्वास करै। 8 मन कै जाँचण आळे परमेसवर नै उन ताहीं भी म्हारै की तरियां पवित्र आत्मा देकै यो बताया सै के वे सब भी उसके माणस सै, 9 अर बिश्वास कै जरिये उनके मन शुद्ध करकै म्हारै म्ह अर उन म्ह किमे फर्क कोनी राख्या। 10 तो इब थम क्यांतै परमेसवर नै परखो सों, ताके गैर यहूदी चेल्यां के कंध्या पै इसाजूआ धरो, जिसनै ना म्हारे बाप-दादे ठा सकै थे अर ना हम ठा सकां सां? 11 हाँ, म्हारा यो यकिन सै के जिस तरियां तै वे प्रभु यीशु कै अनुग्रह तै उद्धार पावेंगें, उस्से तरियां तै हम भी पावागें।” 12 फेर सारी सभा चुपचाप बरनबास अर पौलुस की सुणण लागी, के परमेसवर नै उनकै जरिये गैर यहूदियाँ म्ह किसे बड़े-बड़े चमत्कार, अर अनोक्खे काम दिखाए। 13 उनके भाषण के खतम होण पै याकूब सभा ताहीं कहण लाग्या, “हे भाईयो, मेरी सुणो।” 14 शमौन पतरस नै बताया के परमेसवर नै पैहले-पहल गैर यहूदियाँ पै किसी दया की निगांह करी के उन म्ह तै अपणे नाम कै खात्तर एक प्रजा बणा ले। 15 नबियाँ लेख भी इस बात का समर्थन करै सै, जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै 16 “इसकै पाच्छे मै फेर आकै दाऊद का पड्या होड़ डेरा उठाऊंगा, अर उसके खण्डरां नै दुबारा बणाऊंगा, अर उस ताहीं खड्या करूंगा,” 17 जिसके कारण बाकी की बची होड़ मानवजाति परमेसवर नै पा सकै, अर वे सारी गैर यहूदी भी, जिनपै मेरै नाम की छाप लागी सै, प्रभु नै टोहवें, 18 यो वोए प्रभु कहवै सै जो दुनिया की शरुआत तै इन बात्तां की खबर देंदा आया सै। (aiōn g165) 19 “ज्यांतै मेरा विचार यो सै के हम उन गैर यहूदियाँ खात्तर कोए मुसीबत पैदा ना करा, जो परमेसवर कै कान्ही फिरै सै,

हम उन ताहीं दुख ना देवां, 20 पर आच्छा तो यो होगा के हम उन ताहीं यो हुकम लिख भेज्जा, के वे मूर्तियाँ नै चढ़ाण आळी चिज्जां अर जारी अर गळा घोट्टे होया के माँस तै अर लहू तै दूर रहवै। 21 क्यूँके गुजरे बखत तै नगर-नगर मूसा नबी के नियम-कायदे का प्रचार करण आळे होन्दे चले आये सै, अर वा हरेक आराम कै दिन आराधनालय म्ह पढ़ी जावै सै।” 22 फेर सारी कलीसिया सुधा प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां नै आच्छा लाग्या के अपणे म्ह तै कुछ माणसां नै चुणै, यानिके यहूदा जो बरसब्बा कुहावै सै, अर सीलास ताहीं जो भाईयाँ म्ह मुखिया थे, अर उन ताहीं पौलुस अर बरनबास कै गेल्या अन्ताकिया नगर खन्दावै। 23 उननै उनके हाथ या चिट्ठी लिख भेजी “अन्ताकिया नगर, सीरिया अर किलिकिया परदेस के रहण आळे भाईयाँ नै जो गैर यहूदियाँ म्ह तै सै, प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवें भाईयाँ का नमस्कार। 24 हमनै सुण्या सै के म्हारै म्ह तै कुछां नै ओड़ै जाकै, थारे ताहीं अपणी बात्तां तै डरा दिया, अर थारे मन उल्ट दिये सै पर हमनै उन ताहीं हुकम कोनी दिया था। 25 इस करके हमनै एक चित्त होकै ठीक जाण्या के छॉटे होड़ माणसां ताहीं अपणे प्यारे बरनबास अर पौलुस कै गेल्या थारे धोरै भेज्जा। 26 ये इसे माणस सै जिन नै अपणी ज्यांन म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै नाम कै खात्तर जोख्खम म्ह गेरी सै। 27 ज्यांतै हमनै यहूदा अर सीलास ताहीं भेज्या सै, के थम खुद उनके ए मुँह तै इस बारें म्ह सुण सको। 28 पवित्र आत्मा नै अर हमनै ठीक जाण पाट्टी के इन जरूरी बात्तां नै छोड़, थारे पै और बोझ ना गरे, 29 के थम मूर्तियाँ पै बलि करे होया तै अर लहू तै, अर गळा घोट्टे होए पशुआं के माँस तै, अर जारी तै दूर रहो। इनतै दूर रहो तो थारा भला होगा। बाकी सब ठीक-ठाक सै।” 30 फेर वे बिदा होकै अन्ताकिया नगर पोहचे, अर सभा नै कठी करके वा चिट्ठी उन ताहीं दे दी। 31 वे चिट्ठी पढ़के उस उपदेश की बात तै घणे राज्जी होए। 32 यहूदा अर सीलास नै जो आप भी नबी थे, घणी बात्तां तै बिश्वासी भाईयाँ ताहीं उपदेश देकै पक्का करया। 33 वे कुछे दिन रहकै, बिश्वासी भाईयाँ तै शान्ति कै गेल्या बिदा होए के अपणे खन्दाण आळा कै धोरै जावै। 34 (पर सीलास नै ओड़ै रहणा आच्छा लाग्या।) 35 पर पौलुस अर बरनबास अन्ताकिया नगर म्ह रह गये अर और घणखरे आदमियाँ कै गेल्या प्रभु यीशु कै वचन का उपदेश करदे अर

सुसमाचार सुणान्दे रहे। 36 कुछे दिनां पाच्छे पौलुस नै बरनबास तै कह्या, “जिन-जिन नगरां म्ह हमनै प्रभु का वचन सुणाया था, आओ, फेर उन म्ह चालकै अपणे विश्वासी भाईयाँ ताहीं देख्खै के वे किस तरियां सै।” 37 फेर बरनबास नै यूहन्ना ताहीं जो मरकुस कुह्वावै सै, गेल्या लेण का विचार करया। 38 पर पौलुस नै उस ताहीं जो पंफूलिया परदेस म्ह उनतै न्यारा होग्या था, अर काम पै उनके गेल्या कोनी गया, गेल्या ले जाणा ठीक कोनी समझया। 39 आखर म्ह इसा वाद-विवाद होया के वे एक-दुसरे तै न्यारे पाटगे, अर बरनबास, मरकुस नै लेकै जहाज पै साइप्रस टापू चल्या गया। 40 पर पौलुस नै सीलास ताहीं छाँट लिया, अर विश्वासी भाईयाँ तै परमेसवर के अनुग्रह म्ह सौँप्या जाकै ओड़ै तै चल्या गया, 41 अर वो कलीसियाओं ताहीं स्थिर करदा होया सीरिया अर किलिकिया परदेस तै होन्दे होए लिकड़या।

16 फेर वो दिरबे अर लुस्त्रा नगर म्ह भी गया। ओड़ै तीमुथियुस नाम का एक चेल्ला था, उसकी माँ एक यहूदी विश्वासी थी, पर उसका बाप यूनानी था। 2 वो लुस्त्रा अर इकुनियुम नगर के भाईयाँ म्ह उसका आच्छा नाम था। 3 पौलुस की मर्जी या थी के वो उसके गेल्या जावै, अर जो यहूदी माणस उन जगहां म्ह थे उनके कारण उननै उनका खतना करया, क्यूँके वे सारे जाणै थे, के उनका बाप यूनानी था। 4 पौलुस अर उसका साथी नगर-नगर जान्दे होड़ चेल्यां ताहीं वे सारे हुकम सौपते जावै थे, जो यरुशलेम नगर के प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां नै तय करी थी। 5 इस तरियां कलीसिया विश्वास म्ह पक्की होंदी गई अर गिणती दिन-ब-दिन बधती गई। 6 वे फ्रुगिया अर गलातिया परदेसां म्ह तै होकै गये, क्यूँके पवित्र आत्मा नै उननै आसिया परदेस म्ह वचन सुणाण तै मना करया। 7 उननै मूसिया परदेस के लोवै पोहचकै, बिथुनिया परदेस म्ह जाणा चाह्या, पर पवित्र आत्मा नै उन ताहीं जाण कोनी दिया। 8 आखर म्ह वे मूसिया परदेस तै होकै त्रोआस म्ह आये। 9 ओड़ै पौलुस नै रात नै दर्शन देख्या के एक मकिदुनिया परदेस का माणस खड्या होया उनतै बिनती करकै कहण लागरया सै, “पार उतरकै मकिदुनिया परदेस म्ह आ, अर म्हारी मदद कर।” 10 उसकै यो दर्शन देखदे हमनै जिब्बे मकिदुनिया परदेस जाणा चाह्या, न्यू सोचकै के परमेसवर नै म्हारै ताहीं उनतै सुसमाचार सुणाण कै खात्तर बुलाया सै। 11 इस करकै त्रोआस नगर तै

जहाज खोल कै हम सीधे सुमात्राके टापू अर दुसरे दिन नियापुलिस नगर म्ह आये। 12 ओड़ै तै हम फिलिप्पी नगर पोहचे, जो मकिदुनिया परदेस का खास नगर अर रोमियों का मोहल्ला सै, अर हम उस नगर कुछे दिन रहे। 13 आराम कै दिन हम नगर कै फाटक कै बाहरणै नदी कै किनारे न्यू सोचकै गये के ओड़ै प्रार्थना करण की जगहां होगी, अर बैठकै उन लुगाईयाँ तै जो कठ्ठी होई थी, बतळाण लागे। 14 थुआतीरा नगर की बैजनी लत्ते बेचण आळी एक लुदिया नाम की परमेसवर की भगतणी उनकी बात सुणण लागरी थी। प्रभु नै उसका मन खोल्या ताके वा पौलुस की बातं पै मन लगावै। 15 जिब उसनै अपने कुणबे सुधा बपतिस्मा लिया, तो उसनै म्हारै तै बिनती करी, “जै थम मन्ने प्रभु की बिश्वासिणी समझो सो, तो चालकै मेरै घर म्ह रहो,” अर वा हमनै मनाकै ले गई। 16 जिब हम प्रार्थना करण की जगहां पै जाण लागरे थे, तो हमनै एक कम उम्र की दास्सी मिली जिसम्ह भविष्य बताण आळी आत्मा थी, अर वा भविष्य बताकै अपने मालिकां कै खात्तर घणाए कमा लेवै थी। 17 वा पौलुस कै अर म्हारै पाच्छे आकै नै किल्की मारण लागी, “ये माणस परमप्रधान परमेसवर के दास सै, जो म्हारै ताहीं उद्धार के राह की कथा सुणावै सै।” 18 वा घणे दिनां ताहीं न्यूए कर दी रही, पर पौलुस परेशान होग्या, अर बोहड़कै उस ओपरी आत्मा तै बोल्या, “मै तन्नै यीशु मसीह कै नाम तै हुकम दिवुं सूं के उस म्ह तै बाहरणै लिकड़ जा।” अर वा उरसे बखत लिकड़गी। 19 जिब उसके मालिकां नै देख्या के म्हारी कमाई की आस खतम होग्यी, तो पौलुस अर सीलास नै पकड़कै चौक म्ह प्रधानां कै धोरै खींच ल्याए, 20 अर उन ताहीं न्यायाधीश कै धोरै ल्याए अर बोल्ले, “ये माणस जो यहूदी सै, म्हारे नगर म्ह दंगा मचाण लागरे सै, 21 अर इसे रीति-रिवाज बतावै सै, जिन ताहीं हम रोमियाँ कै खात्तर अपणाना सही कोनी।” 22 फेर भीड़ के माणस उनके बिरोध म्ह कठ्ठे होकै उनपै चढ़ याए, अर हाकिमां नै उनके लत्ते पाड़कै उतार दिये, अर उनके बैत मारण का हुकम दिया। 23 घणी बैत मारे पाच्छे उननै उन ताहीं जेळ म्ह गेर दिया अर दरोग्गा ताहीं हुकम दिया के उननै चौक्कस राखिये। 24 उसनै इसा हुकम पाकै उन ताहीं भित्तरली कोठड़ी म्ह राख्या अर उनके पाँ काठ की बेड़ियाँ तै जकड़ दिये। 25 आध्दी रात कै बखत पौलुस अर सीलास प्रार्थना करदे होए परमेसवर

के भजन गाण लागरे थे, अर कैदी उनकी सुणण लागरे थे। 26 इतनै म्ह चाणचक बड़ड़ा हाल्लण आ गया, उरै ताहीं के जेळ की नीम भी हालगी, अर जिब्बे सारे दरबाजे खुलगे, अर सारया के बन्धन खुलकै पड़गे। 27 दरोगगा जागग्या, अर जेळ के दरबाजे खुल्ले देखकै समझ गया के कैदी भाजगे सै, इस करकै उसनै तलवार खिंचकै खुद ताहीं मारणा चाह्या। 28 पर पौलुस नै ठाडू आवाज म्ह रुक्का मारया, “अपणे-आपनै किमे नुकसान ना पोहोचाइये, क्यूँके हम सारे उरैए सां।” 29 फेर दरोगगा दिवां मँगाकै भित्तर आया, अर काम्बदा होया पौलुस अर सीलास कै आग्नै पड्या, 30 अर उन ताहीं बाहरणै ल्याकै बोल्या, “हे भले माणसों, उद्धार पाण कै खात्तर मै के करुँ?” 31 उननै कह्या, “प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास कर, तो तू अर तेरा कुण्बा उद्धार पावैगा।” 32 अर उननै उस ताहीं अर उसके सारे घर के माणसां ताहीं प्रभु का वचन सुणाया। 33 रात नै उस्से बखत उसनै उन ताहीं ले जाकै उनके घाव धोये, अर उसनै अपणे सारे माणसां सुधा जिब्बे बपतिस्मा लिया। 34 फेर दरोगगै नै उन ताहीं अपणे घरां ले जाकै उनके आग्नै खाणा धरया, अर साब्ले कुण्बे सुधा परमेसवर पै बिश्वास करकै आनन्द करया। 35 आगले दिन फेर हाकिमां नै सिपाहियाँ के हाथ्यां कहवां भेज्या के उन माणसां नै छोड़ द्यो। 36 दरोगगै नै ये बात पौलुस तै कही, “हाकिमां नै थारे ताहीं छोड़ देण का हुकम दिया सै। ज्यांतै इब खुश होकै जाओ।” 37 पर पौलुस नै उनतै कह्या, “उननै म्हारै ताहीं जो रोमी माणस सै, कसूरवार ठहराए बिना माणसां कै स्याम्ही मारया अर जेळ म्ह गेरया। इब के हमनै बोल-बाल्ले लिकाड़ण लागरे सै? इसा कोनी, पर वे खुद आकै हमनै बाहरणै लिकाड़ै।” 38 सिपाहियाँ नै ये बात हाकिमां तै कही, अर वे न्यू सुणकै के वे रोम के बासिन्दे सै, डरगे, 39 अर आकै उन ताहीं मनाया, अर बाहरणै ले जाकै बिनती करी के नगर चले जाओ। 40 वे जेळ तै लिकड़कै लुदिया कै उरै गये, अर बिश्वासी भाईयाँ तै भेंट करकै उन ताहीं शान्ति देई, अर चले गये।

17 पौलुस अर सीलास अम्फिपुलिस अर अपुल्लोनिया नगरां तै होकै थिस्सलुनीके नगर म्ह आये, जित्त यहूदियाँ का एक आराधनालय था। 2 पौलुस अपणी रीत कै मुताबिक उनके धोरै गया, अर तीन्नु आराम कै दिनां म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह तै उनके गेल्या बहस करी, 3 अर वो उनका मतलब

खोल-खोल कै समझावै था के मसीह नै दुख ठाणा, अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठणा, जरूरी था, अर “योए यीशु जिसकी मै थमनै कथा सुणाऊँ सूँ, मसीह सै।” 4 कितने यहूदी अर परमेसवर के भगत यूनानियाँ म्ह तै घणखरयां नै, अर घणी आच्छे खानदान की लुगाईयाँ नै मान लिया, अर पौलुस अर सीलास कै गेल्या मिलगे। 5 पर यहूदियाँ नै जळण तै भरकै बाजारू माणसां म्ह तै कुछ दुष्ट माणसां ताहीं अपणे गेल्या लिया, अर भीड़ कठी करकै नगर म्ह दंगा मचाण लागे, अर यासोन कै घर पै चढ़ाई करकै उन ताहीं आदमियाँ कै स्याम्ही ल्याणा चाह्या। 6 उननै जिब वे ओड़ै न्ही मिले तो वे किल्की मारदे होए यासोन अर कुछ बिश्वासी भाईयाँ ताहीं नगर के हाकिमां कै स्याम्ही खींच ल्याए, “ये माणस जिन नै दुनिया ताहीं उल्टा-पुल्टा कर दिया सै, उरै भी आ लिए सै। 7 यासोन नै उन ताहीं अपणे घरां रहण की इजाजत दी सै। ये सारे के सारे न्यू कहवै सै के यीशु राजा सै, अर कैसर के हुकमां का बिरोध करै सै।” 8 उननै आदमियाँ ताहीं अर नगर के हाकिमां ताहीं न्यू सुणाकै डरा दिया। 9 ज्यांतै उननै यासोन अर बाकी माणसां तै जमानत पै उन ताहीं छोड़ दिया। 10 बिश्वासी भाईयाँ नै जिब्बे राते-रात पौलुस अर सीलास ताहीं बिरीया नगर भेज दिया, अर वे ओड़ै पोहचकै यहूदियाँ के आराधनालय म्ह गये। 11 ये माणस तो थिस्सलुनीके नगर के यहूदियाँ तै आच्छे थे, अर उननै घणे चाह तै वचन अपणाया, अर हर-रोज पवित्र ग्रन्थां म्ह टोहन्दे रहे के ये बात न्यू सै के न्ही। 12 ज्यांतै उन म्ह तै घणखरयां नै, अर यूनानी आच्छे खानदान की बिर्बानियाँ म्ह तै अर माणसां म्ह तै भी घणखरयां नै बिश्वास करया। 13 पर जिब थिस्सलुनीके नगर के यहूदी जाणगे के पौलुस बिरीया नगर म्ह भी परमेसवर का वचन सुणावै सै, तो ओड़ै भी माणसां ताहीं उकसाण अर गड़बड़ मचाण लागे। 14 फेर बिश्वासी भाईयाँ नै जिब्बे पौलुस ताहीं बिदा करया के समुन्दर कै किनारे चल्या जावै, पर सीलास अर तीमुथियुस बिरीया रहगे। 15 पौलुस के मददगार उस ताहीं एथेंस नगर तक लेगे, अर सीलास अर तीमुथियुस कै खात्तर या आज्ञा पाकै बिदा होए के उसकै धोरै घणी तगाजै तै आवै। 16 जिब पौलुस एथेंस नगर म्ह उसकी बाट देख्खे था, तो नगर नै मूर्तियाँ तै भरया होड़ देखकै भोत परेशान होगया। 17 इस करकै वो आराधनालय म्ह यहूदियाँ तै

अर भगतां तै, अर चौक म्ह जो माणस उसतै फेटै थे उनतै हरेक दिन बहस करया करै था। 18 फेर इपिकूरी अर स्तोईकी उपदेशकां म्ह तै कुछे उसतै तर्क करण लागे, अर कुछां नै कह्या, “यो बकवादी के कहणा चाहवै सै?” पर दुसरयां नै कह्या, “वो दुसरे देवत्यां का प्रचारक दिक्खै सै” क्यूँके वो यीशु का अर पुनरुत्थान का सुसमाचार सुणावै था। 19 फेर वे उसनै अपणे गेल्या अरियुपगुस नामक आराधनालय म्ह लेगे अर बुझ्या, “के हम जाण सकां सां के यो नया पंथ जो तू सुणावै सै, के सै? 20 क्यूँके तू अनोक्खी बात म्हारै ताहीं सुणावै सै, ज्यांतै हम जाणणा चाहवां सां के इनका के मतलब सै।” 21 (ज्यांतै के सारे एथेंसवासी अर परदेशी जो ओड़े रहवै थे, नयी-नयी बात कहण अर सुणण कै सिवाए और किसे काम म्ह बखत कोनी बितावें थे।) 22 फेर पौलुस नै अरियुपगुस कै बिचाळे खड़े होके कह्या, “हे एथेंस के माणसां, मै देक्खूँ सूँ के थम हर बात म्ह देवत्यां के घणे मानण आळे सो। 23 क्यूँके मै हांडदे होए जिब थारी पूज्जण की चिज्जां नै देखण लागरया था, तो एक इसी वेदी भी मिली, जिसपै लिख्या था, ‘अनजाणे ईश्वर कै खात्तर।’ इस करके जिसनै थम बिना बेरे पूज्जो सो, मै थमनै उस्से परमेसवर का सुसमाचार सुणाऊँ सूँ।” 24 जिस परमेसवर नै धरती अर उसकी सारी चिज्जां ताहीं बणाया, वो सुर्ग अर धरती का माल्लिक होके, हाथ के बणाए होड़ मन्दरां म्ह कोनी रहन्दा, 25 उसनै माणसां की जरूरत कोनी, क्यूँके वो तो खुदे सारया ताहीं जिन्दगी अर साँस अर सारा किमे देवै सै। 26 उसनै एक ए मूल तै माणसां की सारी जात सारी धरती पै रहण कै खात्तर बणाई सै, अर उनके ठहराए होड़ बखत अर रहण या निवास की हदां ताहीं ज्यांतै बाँधया सै, 27 के वे परमेसवर नै टोहवै, कदाचित उस ताहीं टटोळकै पावै, फेरभी वो म्हारै म्ह तै किसे तै दूर कोनी। 28 क्यूँके उस्से म्ह म्हारा जीवन, चलणा-फिरणा अर म्हारी पहचान बणै सै, जिस ढाळ थारे कितने कवियाँ नै भी कह्या सै, “हम तो उस्से के वंशज सां।” 29 “इस करके म्ह परमेसवर का वंश होके म्हारा यो समझणा सही कोनी के ईश्वरत्व सोन्ने-चाँदी, पत्थर के जिसा सै, जो माणसां की कारीगरी अर कल्पना तै गढ़े गये हों। 30 ज्यांतै परमेसवर नै अज्ञानता के बखत पै खियास कोनी करी, पर इब हरेक जगहां सारे माणसां ताहीं पाप छोड़ण का हुकम देवै सै। 31 क्यूँके उसनै एक दिन

तय करया सै, जिसमह वो धार्मिकता मह खुद के जरिये ठहराया गये उस माणस के जरिये दुनिया का न्याय करैगा, जिन ताहीं उसनै मरे होया मह तै दुबारा जिन्दा करकै या बात सारे माणसां के स्याम्ही साबित कर दी सै।” 32 मरे होया के पुनरुत्थान की बात सुणकै कुछ तो मखौल करण लागगे, अर कुछां नै कह्या, “या बात हम तेरे तै फेर कदे सुणांगें।” 33 इसपै पौलुस उनके बिचाळै तै लिंकड़ग्या। 34 पर कई माणस प्रभु यीशु कै गेल्या मिलगे, अर बिश्वास करया, जिन मह दियुनुसियुस जो अरियुपगुस का सदस्य था, अर दमरिस नामकी एक लुगाई थी, अर उनके गेल्या कुछ और भी माणस थे।

18 इसकै पाछै पौलुस एथेंस नगर नै छोड़कै कुरिन्थुस नगर मह आया। 2 ओड़ै उसनै अक्विला नामक एक यहूदी मिल्या, जिसका जन्म पुन्तुस परदेस मह होया था। वो अपणी घरआळी प्रिसकिल्ला कै गेल्या इटली देश तै इब्बे आया था, क्युँके सम्राट क्लौदियुस नै सारे यहूदियाँ ताहीं रोम तै लिंकड़ जाण का हुकम दिया था। ज्यांतै वो उनके उरै गया। 3 पौलुस अर अक्विला का एक ए काम-धन्धा था, इस करकै वो उनके गेल्या रहया अर वे काम करण लागगे, अर उनका काम-धन्धा तम्बू बणाण का था। 4 पौलुस हरेक आराम कै दिन आराधनालय मह बहस करकै यहूदियाँ अर यूनानियाँ ताहीं भी समझावै था, के यीशु ए मसीह सै। 5 जिब सीलास अर तीमुथियुस मकिदुनिया परदेस तै आये, तो पौलुस वचन सुणाण की धुन मह यहूदियाँ ताहीं गवाही देण लाग्या के यीशु ए मसीह सै। 6 पर जिब यहूदी बिरोध अर बुराई करण लागगे, तो उसनै अपणे लत्यां तै धूळ झाड़कै उनतै कह्या, “इब जै परमेसवर थमनै इस पाप की सजा देवै तो उसकी मौत के जिम्मेदार थम खुदे हो! मै बेकसूर सूँ। इब तै मै गैर यहूदियाँ कै धोरै जाऊँगा।” 7 पौलुस यहूदी आराधनालय तै लिंकड़कै वो तीतुस यूस्तुस नामक परमेसवर के एक भगत कै घरां आया, जिसका घर आराधनालय तै लाग्या होड़ था। 8 फेर आराधनालय के सरदार क्रिस्पुस नै अपणे सारे कुणबे सुधा प्रभु पै बिश्वास करया, अर घणखरे कुरिन्थवासी सुणकै बिश्वास लाये, अर बपतिस्मा लिया। 9 प्रभु नै एक रात दर्शन कै जरिये पौलुस तै कह्या, “मतना डरै, बल्के कहे जा अर बोल-बाल्ला मतना रहवै, 10 क्युँके मै तेरे गैल सूँ, अर कोए तेरे पै चढ़ाई करकै तेरा नुकसान कोनी करैगा, क्युँके इस नगर मह मेरे घणे माणस सै।”

11 ज्यांतै पौलुस उन म्ह परमेसवर का वचन सिखान्दे होए डेढ़ साल ताहीं रहया। 12 जिब गल्लियो अखाया परदेस का राज्यपाल था, तो यहूदी माणस एक्का करकै पौलुस पै चढ़ आये, अर उस ताहीं न्याय गद्दी कै स्याम्ही ल्याकै कहण लागे, 13 “यो माणसां नै समझावै सै, के परमेसवर की आराधना इस ढाळ तै करो, जो नियम-कायदे कै उल्ट सै।” 14 जिब पौलुस बोल्लण पैए था, तो गल्लियो नै यहूदियाँ ताहीं कह्या, “हे यहूदियों, जै या किमे अन्याय या दुष्टता की बात होन्दी, तो सही था के मै थारी सुणदा। 15 पर जै या बहस शब्दां, अर नाम्मां, अर थारे उरै के नियम-कायदे कै बारै म्ह सै, तो थमे जाणो, क्यूँके मै इन बात्तां का न्यायाधीश कोनी बणणा चाहन्दा।” 16 अर उसनै उन ताहीं न्याय गद्दी कै स्याम्ही तै लिकाड़ दिया। 17 जद सारे माणसां नै आराधनालय के सरदार सोस्थिनेस ताहीं पकड़कै न्याय गद्दी कै स्याम्ही मारया। पर गल्लियो नै इन बात्तां की भी किमे चिन्ता कोनी करी। 18 पौलुस घणे दिन ताहीं कुरिन्थुस नगर रहया। फेर बिश्वासी भाईयाँ तै बिदा होकै किंखिया बन्दरगाह म्ह ज्यांतै सिर मुण्डाया, क्यूँके उसनै मन्नत मान्नी थी, अर जहाज पै सीरिया परदेस नै चल्या गया अर उसकै गेल्या प्रिसकिल्ला अर अक्विला थे। 19 उसनै इफिसुस नगर पोहचकै उन ताहीं ओड़ै छोड्या, अर खुद आराधनालय म्ह जाकै यहूदियाँ तै बहस करण लाग्या। 20 जिब माणसां नै उसतै बिनती करी, “म्हारै गेल्या कुछ और दिन रह।” तो उसनै कोनी मान्नी, 21 पर न्यू कहकै उसतै बिदा होया, “जै परमेसवर नै चाह्या तो मै थारे धोरै फेर आऊंगा।” फेर वो इफिसुस नगर तै जहाज खोल कै चाल दिया, 22 अर कैसरिया नगर म्ह उतरकै (यरुशलेम नगर नै) गया अर कलीसिया ताहीं नमस्कार करकै अन्ताकिया नगर म्ह आया। 23 फेर किमे दिन रहकै वो ओड़ै तै लिकड़्या, अर एक और तै गलातिया अर फ्रुगिया परदेसां म्ह सारे चेल्यां ताहीं स्थिर करदा हांड्या। 24 अपुल्लोस नामक एक यहूदी, जिसका जन्म सिक्न्दरिया नगर म्ह होया था, जो ज्ञान्नी माणस था अर पवित्र ग्रन्थ ताहीं आच्छी तरियां तै जाणै था, इफिसुस नगर म्ह आया। 25 उसनै प्रभु कै राह की शिक्षा पाई थी, अर मन लाकै यीशु कै बारै म्ह सही-सही सुणावै अर सिखावै था, पर वो सिर्फ यूहन्ना कै बपतिस्मा की बात जाणै था। 26 वो आराधनालय म्ह बिना डरे बोल्लण लाग्या, पर प्रिसकिल्ला अर अक्विला

उसकी बात सुणके उस तार्हीं अपने उरै लेगे अर परमेसवर की राह उस तार्हीं और भी सही-सही बताई। 27 ज़िब उसनै फैसला करया के पार उतरकै अखाया परदेस म्ह जावै तो बिश्वासी भाईयाँ नै उस तार्हीं धीरज बन्धाकै चेल्यां तार्हीं लिख्या के वे उसतै आच्छी ढाळ फेटै, अर उसनै ओड़ै पोहचकै उन माणसां की घणी मदद करी जिन नै अनुग्रह के कारण बिश्वास करया था। 28 क्यँके वो पवित्र ग्रन्थ तै सबूत दे-देकै के यीशु ए मसीह सै, घणे तावळेपण तै यहूदियाँ तार्हीं सारया के स्याम्ही निरुतर (बोलती बन्द) करदा रहया।

19 ज़िब अपुल्लोस कुरिन्थुस नगर म्ह था, तो पौलुस उप्पर के सारे परदेस तै होकै इफिसुस नगर म्ह आया। ओड़ै कई चेल्यां तार्हीं मिल्या। 2 उनतै बोल्या, “के थमनै बिश्वास करदे बखत पवित्र आत्मा पाया था?” उननै उसतै कह्या, “हमनै तो पवित्र आत्मा का जिक्र भी कोनी सुण्या।” 3 पौलुस नै उनतै कह्या, “तो फेर थमनै किसका बपतिस्मा लिया?” वे बोल्ले, “यूहन्ना का बपतिस्मा।” 4 पौलुस बोल्या, “यूहन्ना नै न्यू कह्या, के पाप करणा छोड़ दो, अर बपतिस्मा ल्यो, परमेसवर थारे पाप माफ कर देगा, अर जो मैरै पाच्छै आण आळा सै, उसपै बिश्वास करियो, यानिके यीशु पै।” 5 न्यू सुणकै उननै प्रभु यीशु के नाम म्ह बपतिस्मा लिया। 6 ज़िब पौलुस नै उनपै हाथ धरे, तो पवित्र आत्मा उनपै उतरया, अर वे अन्य-अन्य भाषा बोल्लण अर भविष्यवाणी करण लागे। 7 ये सारे करीबन बारहा माणस थे। 8 पौलुस आराधनालय म्ह जाकै तीन महिन्ने तार्हीं बिना डरे होकै बोल्दा रहया, अर परमेसवर के राज्य के बारै म्ह बहस करदा अर समझान्दा रहया। 9 पर जो माणसां कठोर थे उननै उसका बिश्वास कोनी करया, बल्के माणसां के स्याम्ही इस पंथ नै बुरा कहण लागे, तो उसनै उन तार्हीं छोड़ दिया अर चेल्यां तार्हीं साथ लेकै तुरन्नुस की पाठशाला म्ह गये, जित्त वे रोज भीड़ तै परमेसवर के बारें म्ह बहस करया करै थे। 10 दो साल तार्हीं न्यूए होन्दा रहया, उरै तार्हीं के आसिया परदेस के रहणीये के यहूदी के यूनानी सारया नै प्रभु का वचन सुण लिया। 11 परमेसवर नै पौलुस तार्हीं अदभुत चमत्कार करण की सामर्थ दी। 12 उरै तार्हीं के रूमाल अर अन्गोछे उसके गात तै छुआ के बिमारां पै गैरे थे, अर उनकी बीमारी जान्दी रहवै थी, अर भुंडी ओपरी

आत्मा उन म्ह तै लिकड़ जाया करै थी। 13 पर कुछ यहूदी लोग जो झाड़ा-फूँक करदे हान्डै थे, न्यू करण लागे के जिन म्ह भुंडी ओपरी आत्मा हो उनपै प्रभु यीशु का नाम न्यू कहकै फूँके, “जिस यीशु का प्रचार पौलुस करै सै, मै थारे ताहीं उरसे आदमी की कसम दियुँ सूँ।” 14 अर स्क्कवा नाम का एक यहूदी प्रधान याजक के सात बेटे थे, जो इस्से तरियां ए करै थे। 15 पर भुंडी ओपरी आत्मा नै उन ताहीं जवाब दिया, “यीशु ताहीं मै जाणु सूँ, अर पौलुस ताहीं भी पिच्छाणु सूँ, पर थम कौण सो?” 16 अर उस माणस नै जिसम्ह भुंडी ओपरी आत्मा थी उनपै लपककै अर उन ताहीं बस म्ह करकै, उनपै इसा दुर्गति मचाया के वे उघाड़े अर घायल होकै उस घर तै लिकड़ भाज्जे। 17 या बात इफिसुस नगर के रहण आळे सारे यहूदी अर यूनानी भी जाणगे, अर वे सारे डरगे, अर प्रभु यीशु कै नाम की बड़ाई होई। 18 जिन नै बिश्वास करया था, उन म्ह तै घणखरयां नै आकै अपणे-अपणे काम्मां ताहीं मान लिया अर दिखा दिया। 19 जादू करण आळा म्ह तै घणाए नै अपणी-अपणी सारी पोथी कट्टी करकै सारया कै स्याम्ही जळा दी, अर जिब उसका दाम जोड़या गया, तो पचास हजार चाँदी के सिक्के कै बराबर लिकड़या। 20 इस तरियां प्रभु का वचन सामर्थी तरिकके तै फैलदा अर हावी होँदा गया। 21 जिब ये बात हो ली तो पौलुस नै आत्मा म्ह ठाण लिया के मकिदुनिया अर अखाया परदेस तै होकै यरुशलेम नगर जाऊँ, अर बोल्या, “यरुशलेम जाणकै बाद मन्नै रोम ताहीं भी देखणा जरूरी सै।” 22 इस करकै अपणी सेवा करणीया म्ह तै तीमुथियुस अर इरास्तुस ताहीं मकिदुनिया परदेस भेजकै खुद किमे दिन आसिया परदेस म्ह रहग्या। 23 उस बखत उस पन्थ कै बारै म्ह घणा दंगा माच्या। 24 क्यूँके देमेत्रियुस नाम का एक सुनार अरतिमिस के चाँदी के मन्दर बणवाकै कारिगरां ताहीं घणा काम दुवाया करै था। 25 उसनै उन ताहीं अर इस्से तरियां की चिज्जां के कारिगरां ताहीं कट्टा करकै कह्या, “हे भाईयो, थमनै बेरा सै के इस काम तै हमनै कितना धन मिलै सै। 26 थम देखो अर सुणो सो के सिर्फ इफिसुस नगर म्ह ए कोनी, बल्के कई बर सारे आसिया परदेस म्ह न्यू कह-कहकै इस पौलुस नै घणे माणसां ताहीं समझाया अर भकाया भी सै, के जो हाथ की कारीगरी सै, वे ईश्वर कोनी। 27 इसतै इब सिर्फ इस्से बात का ए भय न्ही सै के म्हारै इस धन्धे की

इज्जत-मान जान्दी रहवैगी, बल्के न्यू भी के महान् देवी अरतिमिस का मन्दर तुच्छ समझया जावैगा, अर जिस ताहीं सारा आसिया परदेस अर दुनिया पूज्जै सै उसका महत्व भी जान्दा रहवैगा।” 28 कारीगर न्यू सुणकै खुन्दक तै भरगे अर किल्की मार-मारकै कहण लागे, “इफिसियाँ की अरतिमिस देवी, महान् सै!” 29 अर सारे नगर म्ह घणा दंगा माचग्या, अर माणसां नै मकिदुनियावासी गयुस अर अरिस्तर्खुस ताहीं जो पौलुस के संगी मुसाफर थे, पकड़ लिया, अर एक सेत्ती रंगशाला म्ह भाजगे। 30 जिब पौलुस नै माणसां कै धोरै भीत्तर जाणा चाह्या तो चेल्यां नै उस ताहीं जाण न्ही दिया। 31 आसिया परदेस के हाकिमां म्ह तै भी उसके कई साथियाँ नै उसकै धोरै कहवां भेज्या अर बिनती करी के रंगशाला म्ह जाकै जोखवम ना ठाईयो। 32 भीड़ म्ह तै कोए कुछ चिल्लावै था अर कोए कुछ, सारी भीड़ पूरी तरियां घबराई होई थी, अर घणखरे माणसां नै तो न्यूए कोनी बेरा था के वे क्यां खात्तर कठ्ठे होए सै। 33 फेर उननै सिकन्दर ताहीं, जिस ताहीं यहूदियाँ नै खड्या करया था, भीड़ म्ह आगगै बढ़ाया। सिकन्दर हाथ तै इशारा करकै माणसां कै स्याम्ही जवाब देणा चाहवै था। 34 पर जिब उननै बेरा लागग्या के वो यहूदी सै, तो सारे के सारे एक बोल म्ह कोए दो घंटे ताहीं चिल्लान्दे रहे, “इफिसियाँ की अरतिमिस देवी, महान् सै।” 35 फेर नगर के मन्त्री नै माणसां ताहीं शान्त करकै कह्या, “हे इफिसुस नगर के माणसां, किसनै न्ही बेरा के इफिसियाँ का नगर महान् अरतिमिस देवी के मन्दर, अर ज्यूस की ओड़ तै गिरी होड़ मूर्ति का टहलुआ सै।” 36 आखर म्ह जिब के इन बात्तां का खण्डन ए कोनी हो सकदा, तो सही सै के थम शान्त रहो अर बिना सोच्चे-समझे किमे ना करो। 37 क्यूँके थम इन माणसां नै ल्याए सो जो ना मन्दर के लुट्टण आळे सै अर ना म्हारी देवी के बुराई करणीये सै। 38 इस करकै देमेत्रियुस अर उसके मित्तर-कारिगरां ताहीं किसे तै एतराज हो तो कच्चेड़ी जा सकै सै अर हाकिम भी सै, वे एक-दुसरे पै दोष लावै। 39 पर जै थम किसे और बात कै बारै म्ह किमे बुझणा चाहो सो, तो बखत पै सभा म्ह फैसला करया जावैगा। 40 आज की इस घटना कै कारण म्हारै पै उपद्रव का इल्जाम लागगण का खतरा सै, क्यूँके इसकै खात्तर कोए भी ठोस कारण

दिखाई कोनी देंदा, “हम इस भीड़ के कठ्ठा होण का कोए जवाब कोनी दे सकांगें।” 41 न्यू कहकै उसनै सभा ताहीं बिदा करया।

20 जिब दंगा थम गया तो पौलुस नै चेल्यां ताहीं बुलाकै उत्साहित करया, अर उनतै बिदा होकै मकिदुनिया परदेस की ओड़ चाल दिया। 2 उस सारे परदेस म्ह तै होकै अर चेल्यां ताहीं घणा समझाकै वो यूनान देश म्ह आया। 3 जिब तीन महिन्ने रहकै वो ओड़ै तै जहाज पै सीरिया परदेस की ओड़ जाण पै था, तो यहूदी अगुवें उसकी टाह म्ह लागे, ज्यांतै उसनै निश्चय करया के मकिदुनिया परदेस होकै बोहड़ जावै। 4 बिरियावासी पुरुस का बेट्टा सोपत्रुस अर थिस्सलुनीकियों नगर म्ह तै अरिस्तर्खुस अर सिकुन्दुस, अर दिरबे नगर का गयुस, अर तीमुथियुस, अर आसिया परदेस का तुखिकुस अर त्रुफिमुस आसिया परदेस ताहीं उसके गैल हो लिये। 5 ये म्हारे मुसाफिर साथी म्हारे तै पैहले चले गये। 6 अर हम अखमीरी रोटी के त्यौहार के दिनां के पाच्छे फिलिप्पी तै जहाज पै चढ़कै पाँच दिन म्ह त्रोआस म्ह उसके धोरै पोहचे, अर सात दिन ताहीं रहे। 7 हप्तै के पैहल्ले दिन जिब हम प्रभुभोज के खात्तर कठ्ठे होए, तो पौलुस जो दुसरे दिन चले जाण पै था, उनतै बात करी, आध्धी रात ताहीं बात करदा रहया। 8 जिस चौबारे पै हम कठ्ठे थे, उस म्ह घणे दीवे जळण लागरे थे। 9 अर यूतुखुस नाम का एक जवान खिड़की पै बेठ्या होया नींद की झपकियाँ लेण लागरया था। जिब पौलुस वारी ताहीं बात करदा रहया तो यूतुखुस नींद के झोक्के म्ह तीसरी अटारी पै तै पड़ग्या, अर उसकी मौत होगी। 10 पौलुस नीचवै गया, उसके धोरै जाकै उसतै लिपटग्या, अर गळे लाकै कह्या, “घबराओ ना, वो जीवै सै।” 11 अर उसनै दुबारा उप्पर जाकै रोटी तोड़ी अर खाकै दिन लिकड़ण ताहीं उनतै बात करदा रहया, सबेरा होग्या। फेर वो चल्या गया। 12 अर वे उस जवान ताहीं जिन्दा लियाए अर माणस भोत खुश होए। 13 हम पाणी के जहाज पै सवार होकै अस्सुस नगर की ओड़ बढे, जड़ै हमनै पौलुस ताहीं साथ लेकै आगवै बढणा था, पर पौलुस ओड़ै पैदल राह तै पोहोचा था, क्यूँके या उसकी पैहले तै बणाई तरकीब थी। 14 अस्सुस नगर उन ताहीं मिल्या तो हमनै उस ताहीं पाणी के जहाज म्ह अपणे साथ लिया अर मितुलेने नगर म्ह जा पोहचे। 15 ओड़ै तै जहाज खोल के हम दुसरे दिन खियुस टापू के स्याम्ही पोहचे, अर आगले दिन सामुस टापू

म्ह जाण लाग्गे, पर उसके आगले एक दिन कै बाद मीलेतुस बन्दरगाह म्ह आये। 16 पौलुस नै इफिसुस नगर म्ह ना उतरकै आगै बढ जाण का इरादा करया क्यूँके वो चाहवै था के आसिया परदेस म्ह ठैहरण की बजाए जै हो सक्या तो तगाजै तै पन्तेकुस्त कै त्यौहार के मौकै पै यरुशलेम नगर म्ह पोहच जावै। 17 मीलेतुस नगर तै पौलुस नै इफिसुस नगर म्ह समाचार भेजकै कलीसिया के अगुवां ताहीं बुलवाया। 18 जिब वे उसकै लोवै आये, तो उनतै कह्या “थमनै बेरा सै के पैहल्ले ए दिन तै जिब मै आसिया परदेस म्ह पोहच्या, मै हर-बखत थारे गेल्या किस ढाळ रहया, 19 यानिके घणी दीनता तै, अर आँसू बहा-बहाकै, अर उन मुसीबतां म्ह जो यहूदियाँ की साजिस के कारण मेरै पै आण पड़ी, मै प्रभु की सेवा करदा ए रहया। 20 अर जो-जो बात थारे फायदे की थी, उन ताहीं बताण अर माणसां के स्याम्ही अर घर-घर सिखाण तै कदे न्ही झिझक्या, 21 बल्के यहूदियाँ अर यूनानियाँ के स्याम्ही गवाही देंदा रहया के परमेसवर की ओड़ मन फिराणा अर म्हारै प्रभु यीशु पै बिश्वास करणा चाहिये।” 22 इब देखो, मै पवित्र आत्मा म्ह बन्धया होया यरुशलेम नगर नै जाऊँ सूँ, अर मन्नै न्ही बेरा के ओड़ै मेरै पै के-के बीतैगी। 23 सिर्फ यो के पवित्र आत्मा हरेक नगर म्ह गवाही दे-देकै मेरै तै कहवै सै के बन्धन अर क्लेश तेरे खात्तर त्यार सै। 24 पर मै अपणी जान नै किमे न्ही समझदा के उसतै प्यार राक्खूँ, बल्के यो के मै अपणी दौड़ ताहीं अर उस सेवा नै पूरी करूँ, जो मन्नै परमेसवर के अनुग्रह के सुसमाचार पै गवाही देण के खात्तर प्रभु यीशु तै पाई सै। 25 इब देखो, मन्नै बेरा सै के थम सारे जिन म्ह मै परमेसवर के राज्य का प्रचार करया सै, मेरा मुँह दुबारा कोनी देखोगे। 26 ज्यांतै मै आज कै दिन थारे तै गवाही देकै कहूँ सूँ, के मै किसे की भी मौत का कसूरवार न्ही सूँ। 27 क्यूँके मै परमेसवर की सारी इच्छा नै थारे ताहीं बताण म्ह कदे कोनी हिचकिचाया। 28 इस करकै थम अपणा ध्यान राक्खो अर उस टोळ का भी, जिसका रुखाळा थारे ताहीं पवित्र आत्मा ठहराया सै, के थम परमेसवर की कलीसिया की रुखाळी करो, जिस ताहीं उसनै खुद अपणे लहू तै मोल लिया सै। 29 मन्नै बेरा सै के मेरै जाणकै बाद पाड़ण आळे भेड़िये थारे म्ह आवैगें जो टोळ नै कोनी छोड़ैगें। 30 थारे ए बिचाळै तै भी इसे-इसे माणस उठेंगें, जो चेल्यां ताहीं अपणे पाच्छै खींच लेण ताहीं

टेढ़ी-मेढ़ी बात कहवैगें। 31 इस करकै जागदे रहो, अर याद राक्खो के मनै तीन साल्लां ताहीं रात-दिन आँसू बहा-बहाकै हरेक ताहीं चेतावनी देणा न्ही छोड़्या। 32 “अर इब मै थमनै परमेसवर अर उनके अनुग्रह के वचन की देखभाळ म्ह सौपण लागरया सूं, जिस म्ह थारी बढ़ोतरी करण अर उन सब के साथ मीरास देण की ताकत सै, जो प्रभु खात्तर न्यारे करे गये सै। 33 मनै किसे के चाँदी, सोन्ने या लत्ते का लोभ कोनी करया। 34 थमनै खुदे बेरा सै के इन्हे हाथ्याँ नै मेरी अर मेरे साथियाँ की जरूरत पूरी करी सै। 35 मनै थारे ताहीं सारया किमे करकै दिखाया के इस तरियां तै मेहनत करदे होए कमजोरां ताहीं सम्भालणा अर प्रभु यीशु के वचन याद राखणा जरूरी सै, जो उसनै खुदे कह्या सै: ‘लेण तै देणा धन्य सै।’” 36 न्यू कहकै उसनै गोड़े टेक्के अर उन सारया कै गेल्या प्रार्थना करी। 37 फेर वे सारे घणे रोये अर पौलुस कै गळे लिपटकै उस ताहीं चुम्पण लाग्गे। 38 वे खासकर इस बात तै दुखी थे जो उसनै कही थी के थम मेरा मुँह दुबारा कोनी देख्खोगे। इसके बाद वे पौलुस के साथ पाणी के जहाज तक गये।

21 जिब हमनै उनतै न्यारे होकै जहाज खोल्या, तो सीध्धी राही तै कोस टापू म्ह आये, अर दुसरे दिन रुदुस टापू म्ह अर ओड़ै तै पतरा टापू म्ह। 2 ओड़ै एक जहाज फीनीके परदेस नै जान्दा होया मिल्या, अर हमनै उसपै चढ़कै अपणा सफर शरु करया। 3 हमनै ओळै हाथ कान्ही साइप्रस टापू दिखया, तो हम उसनै छोड़कै सीरिया परदेस की ओड़ बढ़ते गये अर सूर नगर म्ह जा पोहचे, क्यूँके ओड़ै जहाज तै समान उतारया जाणा था। 4 चेल्यां नै पाकै हम ओड़ै सात दिन ताहीं रहे। उननै पवित्र आत्मा के सिखाए पौलुस तै कह्या के ओड़ै (यरुशलैम नगर म्ह) पाँ ना धरिये। 5 सात दिन के बाद जिब ओड़ै तै म्हारे जाण का बखत आया, तो वे पूरे परिवार कै साथ म्हारै ताहीं बिदा करण खात्तर नगर की सीमा तक आये, अर समन्दर कै किनारे हमनै घुटने टेककै प्रार्थना करी, 6 फेर एक-दुसरे तै बिदा होकै, हम तो जहाज पै चढ़गे अर वे अपने-अपणे घरां बोहड़गे। 7 जिब हम सूर नगर तै जहाज पै सफर करकै पतुलिमयिस नगर म्ह पोहचे, अर बिश्वासी भाईयाँ नै नमस्कार करकै उनकै गेल्या एक दिन रहे। 8 दुसरे दिन हम ओड़ै तै चालकै कैसरिया नगर म्ह आये, अर फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक कै घर म्ह जो उन सात

आदमियाँ म्ह तै एक था, जिन ताहीं प्रेरितां नै बिधवा जनानियाँ की सेवा करण खात्तर यरुशलेम म्ह छाट्या था, हम उस्से कै घर म्ह ठहरे। 9 उसकी चार कुँवारी बेटी थी, जो भविष्यवाणी करया करै थी। 10 जिब हम ओड़ै घणे दिन ताहीं रह लिये, तो अगबुस नाम का एक नबी यहूदिया परदेस म्ह आया। 11 उसनै म्हारै धोरै आकै पौलुस का कमरबन्द लिया, अर अपने हाथ-पाँ बाँधकै कह्या, “पवित्र आत्मा न्यू कहवै सै के जिस माणस का यो कमरबन्द सै, उस ताहीं यरुशलेम नगर म्ह यहूदी इस्से तरियां तै बाँधेंगे, अर गैर यहूदियाँ कै हाथ्यां म्ह सौंपेंगे।” 12 जिब हमनै ये बात सुणी, तो हमनै अर ओड़ै के माणसां नै पौलुस तै बिनती करी के यरुशलेम नगर नै ना जाइए। 13 पर पौलुस नै जवाब दिया, “थम के करो सो के रो-रोकै मेरा मन तोड़ो सो? मै तो प्रभु यीशु कै नाम कै खात्तर यरुशलेम नगर म्ह ना सिर्फ बाँधे जाण ए कै खात्तर बल्के मरण कै खात्तर भी त्यार सूँ।” 14 जिब उसनै न्ही मान्नी तो हम न्यू कहकै बोल-बाल्ले रहगे, “प्रभु की मर्जी पूरी हो।” 15 कई दिनां पाच्छे हमनै त्यारी करी अर यरुशलेम नगर नै चाल दिए। 16 कैसरिया नगर तै भी कुछ चेल्लें म्हारै गेल्या हो लिए, अर म्हारै ताहीं ठैहराण खात्तर साइप्रसवासी मनासोन के घर ले गये, वो सब तै पैहले के चेल्यां म्ह तै एक था। 17 जिब हम यरुशलेम नगर म्ह पोहचे, तो बिश्वासी भाई घणी खुशी कै गेल्या हम तै मिले। 18 दुसरे दिन पौलुस म्हारै ताहीं लेकै याकूब कै धोरै गया, जित्त सारे कलीसिया के अगुवें कठ्ठे थे। 19 जद उसनै उन ताहीं नमस्कार करकै, जो-जो काम परमेसवर नै उसकी सेवा के जरिये गैर यहूदियाँ म्ह करे थे, एक-एक करकै सारे बताए। 20 उननै न्यू सुणकै परमेसवर की महिमा करी, फेर उसतै बोल्या, “हे भाई, तू देखै सै के यहूदियाँ म्ह तै कई हजारों नै बिश्वास करया सै, अर सारे नियम-कायदे कै खात्तर मानण म्ह पक्के सै। 21 उननै यो सुण राख्या सै के तू गैर यहूदी माणसां के बीच म्ह रहन्दे होए यहूदियाँ ताहीं या शिक्षा देण लागरया सै के मूसा नबी के नियम-कायदा नै छोड़ द्यो, ना तो अपने बाळकां का खतना करो अर ना रीति-रिवाज्जां पै चाल्लों। 22 तो फेर के करया जावै? माणस जरूर सुणै के तू आया सै। 23 इस करकै जो हम तेरे तै कह्वां सां, वो कर। म्हारा सुझाव मान उरै इसे चार माणस सै, जिन नै कसम खाई सै।” 24 तू उनकै गैल जा, शुद्ध होण की विधि पूरी कर, अर

उसके मुण्डन का खर्चा ठा, फेर सारया नै यो बेरा लाग ज्यागा के जो कुछ भी बात तेरे बारै म्ह कह्या गया सै, उस म्ह कोए सच्चाई न्ही सै पर तू खुद भी नियम-कायदे का पालन करै सै। 25 पर उन गैर यहूदियाँ के बारै म्ह जिन नै बिश्वास करया सै, हमनै यो फैसला करके लिख भेज्या सै “के वे मूर्तियाँ के स्याम्ही बलि करे हाड़ माँस तै, अर लहू तै अर घेटी घोट्टे होयां के माँस तै अर जारी तै बचे रहवें।” 26 फेर पौलुस उन माणसां नै लेके, अर दुसरे दिन उनके गेल्या शुद्ध होके मन्दर म्ह गया, अर ओड़ै बता दिया के शुद्ध होण के दिन, यानिके उन म्ह तै हरेक के खात्तर चढ़ावा चढ़ाए जाण तक के दिन कद पूरे होवेंगे। 27 जिब वे सात दिन पूरे होण पै थे, तो आसिया परदेस के यहूदियाँ नै पौलुस ताहीं मन्दर म्ह देखके सारे माणसां ताहीं उकसाया, अर न्यू रुक्का मारके उस ताहीं पकड़ लिया, 28 “हे इस्राएलियों, मदद करो, यो वोए माणस सै, जो माणसां के, अर नियम-कायदे के, अर इस जगहां के बिरोध म्ह हरेक जगहां सारे माणसां नै सिखावै सै, उरै ताहीं के यूनानियाँ ताहीं भी मन्दर म्ह ल्याके उसनै इस पवित्र जगहां ताहीं अपवित्र करया सै।” 29 उननै इसतै पैहल्या इफिसुसवासी त्रुफिमस ताहीं पौलुस के गेल्या नगर म्ह देख्या था, अर सोचवै थे के पौलुस उसनै मन्दर म्ह लियाया सै। 30 फेर सारे नगर म्ह दंगा माचग्या, अर माणस भाजके कठ्ठे होए, अर पौलुस नै पकड़के मन्दर के बाहरणै घसीट ल्याए, अर जिब्बे किवाड़ बन्द करे गये। 31 जिब वे उसनै मार देणा चाहवै थे, तो पलटन के सरदार नै सन्देशा पोंहच्या के सारे यरुशलेम नगर म्ह दंगा माचरया सै। 32 फेर वो जिब्बे सिपाहियाँ अर सूबेदारां नै लेके उनके धोरै तळै भाज आया, अर उननै पलटन के सरदार अर सिपाहियाँ ताहीं देखके पौलुस ताहीं मारणा-छेतणा छोड़ दिया। 33 फेर पलटन के सरदार नै धोरै आके पौलुस ताहीं पकड़ लिया, अर दो साँकळां तै बाँधण का हुकम देके बुड़झाण लाग्या, “यो कौण सै अर इसनै के करया सै?” 34 पर भीड़ म्ह तै कोए किमे अर कोए किमे चिल्लान्दा रहया। जिब रोले के कारण वो सही सच्चाई न्ही जाण सक्या, तो उस ताहीं गढ़ म्ह ले जाण का हुकम दिया। 35 जिब वो सीढ़ी पै पोंहच्या, तो इसा होया के भीड़ की दाब के मारे सिपाहियाँ नै उस ताहीं ठाके ले जाणा पड्या। 36 क्यूँके माणसां की भीड़ न्यू चिल्लान्दी होई उसके पाच्छै पड़री थी, “उसनै खतम

कर द्यो।” 37 जिब वे पौलुस नै गढ़ म्ह ले जावण आळे थे, तो उसनै पलटन के सरदार तै कह्या, “जै मन्नै इजाजत हो तो मै थारे तै किमे कहूँ?” वो बोल्या, “के तू यूनानी भाषा जाणै सै? 38 “के तू मिस्र देश का कोनी, जो इन दिनां तै पैहल्या बिद्रोही बणकै, चार हजार हथियार सुधा माणसां नै जंगळ म्ह लेग्या?” 39 पौलुस नै कह्या, “मै तो तरसुस का यहूदी माणस सूं! मै किलिकिया परदेस के तरसुस नगर का बासिन्दा सूं। मै तेरे तै बिनती करूँ सूं के मन्नै माणसां तै बात करण दे।” 40 जिब उसनै हुकम दिया, तो पौलुस नै सीढ़ी पै खड़े होकै माणसां ताहीं हाथ तै इशारा करया। जिब वे चुप होए तो वो इब्रानी भाषा म्ह बोल्लण लाग्या:

22 “हे भाईयो अर बुजुर्गो, मेरा बदले म्ह जवाब सुणो, जो मै इब थारे स्याम्ही ल्याऊँ सूं।” 2 वे न्यू सुणकै के वो हम तै इब्रानी भाषा म्ह बोल्लै सै, और भी बोल-बाल्ले होंगे। फेर उसनै कह्या 3 “मै तो यहूदी माणस सूं, जो किलिकिया के तरसुस नगर म्ह जन्मा, पर इस नगर म्ह गमलीएल के पायां कै धोरै बैठकै पढ़ाया गया, अर पूर्वजां के नियम-कायदा नै ठीक रीति तै सिखाया गया अर परमेसवर कै खात्तर इसी धुन लारया था, जिस तरियां थम सारे आज लारे सो। 4 मन्नै माणस अर लुगाई दोनुआ ताहीं जुड़-जुड़कै अर जेळ म्ह गेर-गेर कै, इस पंथ नै उरै ताहीं सताया के उन ताहीं मरवा भी दिया। 5 इस बात कै खात्तर महायाजक अर सारे यहूदी अगुवें गवाह सै, के उनतै मै भाईयाँ के नाम पै चिट्ठियाँ लेकै दमिश्क नगर नै चाल्या जाऊँ था, के जो ओड़ै हों उन ताहीं भी सजा दुवाण कै खात्तर बाँधकै यरुशलेम नगर लाऊँ। 6 “जिब मै चाल्दे-चाल्दे दमिश्क नगर कै लोवै पोंहच्या, तो इसा होया के दोपहर कै करीबन चाणचक एक घणा चाँदणा अकास तै मेरै चौगरदे नै चमक्या। 7 अर मै धरती पै गिर गया अर यो शब्द सुणया, ‘हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यातै सतावै सै?’” 8 मन्नै जवाब दिया, “हे प्रभु, तू कौण सै?” उसनै मेरै तै कह्या, “मै यीशु नासरी सूं” जिस ताहीं तू सतावै सै। 9 मेरे साथियाँ नै चाँदणा तो देख्या, पर मेरै तै जो बोल्लै था उसनै समझ कोनी पाए। 10 फेर मन्नै कह्या, “हे प्रभु, मै के करूँ?” प्रभु नै मेरै तै कह्या, “उठकै दमिश्क नगर म्ह जा, अर जो किमे तेरे तै करण कै खात्तर ठहराया गया सै ओड़ै तेरे तै सब बता दिया जावैगा।” 11 जिब उस चाँदणे के तेज के

मारे मन्ने किमे कोनी दिख्या, तो मै अपने साथियाँ का हाथ पकड़े होए
 दमिश्क नगर म्ह आया। 12 “फेर हनन्याह नामक नियम-कायदे कै मुताबिक
 एक भगत माणस, जो ओड़ै के रहणीये सारे यहूदियाँ म्ह सुनाम्मी था, मेरै
 धोरै आया,” 13 अर खड़े होकै मेरै तै कह्या, “हे भाई शाऊल, फेर देखण
 लाग।” उस्से बखत मेरी आँख खुलगी अर मन्ने उस ताहीं देख्या। 14 फेर
 उसनै कह्या, “म्हारै बाप-दाद्या के परमेसवर नै तेरे ताहीं ज्यांतै ठहराया के
 तू उसकी मर्जी नै जाणै, अर उस धर्मी नै देख्खै अर उसकै मुँह की बात
 सुणै। 15 क्यूँके तू उसकी ओड़ तै सारे माणसां कै स्याम्ही उन बाततां का
 गवाह होगा जो तन्नै देख्खी अर सुणी सै। 16 इब क्यांतै वार करै सै? उठ,
 बपतिस्मा ले, अर उसका नाम लेकै अपने पापां की माफी पा ले।” 17
 “जिब मै दुबारा यरुशलेम नगर म्ह आकै मन्दर म्ह प्रार्थना करण लागरया था,
 तो बेसुध होग्या, 18 अर उस ताहीं देख्या के वो मेरै तै कहवै सै, ‘तावळ
 करकै यरुशलेम नगर तै झट दे-सी लिक्ड़ज्या,’ क्यूँके वे मेरै बारै म्ह तेरी
 गवाही कोनी मान्नेगें।” 19 मन्ने कह्या, “हे प्रभु, उननै तो खुदे बेरा सै के मै
 तेरे पै बिश्वास करण आळा नै जेळ म्ह गेरू अर जगहां-जगहां आराधनालय
 म्ह छित्वाऊँ था। 20 जिब तेरे गवाह स्तिफनुस का लहू बहाया जाण लागरया
 था जद मै भी ओड़ैए खड्या था अर इस बात म्ह सहमत था, अर उसकै
 मारणीयां के लत्यां की रुखाळी करूँ था।” 21 अर प्रभु नै मेरै तै कह्या,
 “चल्या जा क्यूँके मै तेरे ताहीं गैर यहूदियाँ कै धोरै दूर-दूर भेज्जूंगा।” 22
 माणस इस बात तक उसकी सुणदे रहे, फेर जोर तै चिल्लाए, “इसे माणस
 का नाश करो, उसका जिन्दा रहणा ठीक कोनी!” 23 जिब वे चिल्लान्दे अर
 लत्ते बगान्दे अर अकास म्ह धूळ उड़ावै थे, 24 तो पलटन के सरदार नै कह्या,
 “इस ताहीं गढ़ म्ह ले जाओ, अर कोड़े मारकै जाँच्यो, के मन्ने बेरा लागै के
 माणस किस कारण उसकै बिरोध म्ह इस ढाळ चिल्लावै सै।” 25 जिब उननै
 उस ताहीं फित्यां तै बाँधया तो पौलुस नै उस सूबेदार तै जो धोरै खड्या था,
 कह्या, “के यो सही सै के थम एक रोमी माणस ताहीं, अर वो भी बिना
 कसूरवार ठहराए होए, कोड़े मारो?” 26 सूबेदार नै न्यू सुणकै पलटन के
 सरदार कै धोरै जाकै कह्या, “तू यो के करै सै? यो तो रोमी माणस सै।” 27
 फेर पलटन के सरदार नै उसकै धोरै आकै कह्या, “मन्ने बता, के तू रोमी

सै?” उसने कहा, “हाँ।” 28 न्यू सुणकै पलटन के सरदार नै कहा, “मन्नै रोमी होण का पद घणे रपिये देकै मिल्या सै।” पौलुस नै कहा, “मै तो जन्म तै रोमी सूं?” 29 फेर जो माणस उस ताहीं जांच्चण पै थे, वे जिब्बे उसकै धोरै तै हटगे, अर पलटन का सरदार भी न्यू जाणकै के यो रोमी सै अर मन्नै उस ताहीं बाँध्या सै, डरग्या। 30 दुसरे दिन उसनै सही-सही जाणण की मर्जी तै के यहूदी उसपै क्यातै दोष लावै सै, उसके बन्धन खोल दिए, अर प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां की सभा ताहीं कठ्ठा होण का हुकम दिया, अर पौलुस नै तळै ले जाकै उनकै स्याम्ही खड्या कर दिया।

23 पौलुस नै यहूदी अगुवां की सभा की ओड़ गौर तै देख्या अर कहा, “हे भाईयो, मन्नै आज ताहीं परमेसवर के खात्तर जमा-कती सच्चे मन तै जीवन बिताया सै।” 2 इसपै हनन्याह महायाजक नै उन ताहीं जो उसकै धोरै खड़े थे, उसकै मुँह पै थप्पड़ मारण का हुकम दिया। 3 फेर पौलुस नै उसतै कहा, “हे चुन्ना फिरी होड़ भीत, परमेसवर तेरे ताहीं मारैगा। तू नियम-कायदे कै मुताबिक मेरा न्याय करण नै बेठ्या सै, अर फेर के नियम-कायदे कै खिलाफ मेरै ताहीं मारण का हुकम देवै सै?” 4 जो धोरै खड़े थे उननै कहा, “के तू परमेसवर के महायाजक नै आच्छा-भुंडा बोल्लै सै?” 5 पौलुस नै कहा, “हे भाईयो, मन्नै न्ही बेरा था के यो महायाजक सै, क्यूँके वचन म्ह लिख्या सै: ‘अपणे माणसां के प्रधान नै भुंडा ना बोलिए।’” 6 फेर पौलुस नै न्यू जाणकै के एक टोळ सदूकी अर दुसरा फरीसी लोग्गां का सै, यहूदी अगुवां की सभा म्ह रुक्का मारकै कहा, “हे भाईयो, मै फरीसी अर फरीसी लोग्गां के वंश का सूं, मरे होया की आस अर पुनरुत्थान कै बारै म्ह मेरा मुकद्दमा होरया सै।” 7 जिब उसनै या बात कही तो फरीसियाँ अर सदूकियाँ म्ह दंगा होण लाग्या, अर सभा म्ह फूट पड़गी। 8 क्यूँके सदूकियाँ का बिश्वास तो न्यू कहवै सै, के ना पुनरुत्थान सै, ना सुर्गदूत अर ना आत्मा सै, पर फरीसी इन सारया नै मान्नै सै। 9 फेर घणा दंगा माच्या अर कुछ शास्त्री जो फरीसियाँ के टोळ के थे, उठ लिए अर न्यू कहकै दंगा करण लाग्गे, “हम इस माणस म्ह कोए बुराई कोनी पांदे, अर जै कोए आत्मा या सुर्गदूत उसतै बोल्या सै तो फेर के होग्या?” 10 जिब घणा दंगा होया, तो पलटन के सरदार नै इस भय तै के वे पौलुस के टुकड़े-टुकड़े ना कर देवै, पलटन ताहीं हुकम दिया के उतरकै उस

तारीं उनकै बिचाळै तै हाँगै तै लिकाडै, अर गढ़ म्ह ले जावै। 11 उस्से रात प्रभु यीशु नै उसकै धोरै खड़े होकै कह्या, “हे पौलुस, धीरज राख, क्यूँके जिस्सी तन्नै यरुशलेम नगर म्ह मेरी गवाही देई, उसीए तन्नै रोम म्ह भी गवाही देणी होगी।” 12 जिब दिन लिकड़या तो यहूदियाँ नै साजिस रची अर कसम खाई के जिब तारीं हम पौलुस नै मार न्ही देवा, जै हम खावां या पीवां तो म्हारै पै धिक्कार सै। 13 जिन नै आप्पस म्ह या कसम खाई थी, वे चाळीस जणयां तै घणे थे। 14 उननै प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां के धोरै जाके कह्या, “हमनै न्यू ठान लिया सै के जिब तारीं हम पौलुस नै मार न्ही देदे, जद तारीं जै किमे चाक्खां तो म्हारै पै धिक्कार सै। 15 इस करके इब यहूदी अगुवां की सभा सुधा पलटन के सरदार नै समझाओ के उसनै थारे धोरै लियावै, मान ल्यो के थम उसकै बारे म्ह और भी सही तै जाँच करणा चाहवो सो, अर हम उसकै पोहोचण तै पैहल्याए उस तारीं मार देण के खात्तर त्यार रहवांगे।” 16 पौलुस के भाण्जै नै सुण्या के वे उसकी टाह म्ह सै, तो गढ़ म्ह जाके पौलुस तारीं संदेशां दिया। 17 पौलुस नै सूबेदारां म्ह तै एक तारीं अपणे धोरै बुलाके कह्या, “इस जवान नै पलटन के सरदार के धोरै ले जाओ, यो उसतै किमे कहणा चाहवै सै।” 18 इस करके उसनै उस तारीं पलटन के सरदार के धोरै ले जाके कह्या, “कैदी पौलुस नै मेरे तारीं बुलाके बिनती करी के यो जवान पलटन के सरदार तै किमे कहणा चाहवै सै, उस तारीं उसकै धोरै ले जा।” 19 पलटन के सरदार नै उसका हाथ पकड़के अर न्यारा जाके बुझ्झया, “तू मेरे तै के कहणा चाहवै सै?” 20 वो बोल्या, “यहूदियाँ नै साजिस रची सै के तेरे तै बिनती करै के काल पौलुस नै यहूदी अगुवां की सभा म्ह ल्यावै, मान्ना वे और सही ढाळ तै उसकी जाँच करणा चाहवै सै। 21 पर उनकी मानियो मतना, क्यूँके उन म्ह तै चाळीस के उप्पर माणस उसनै मारण की टाह म्ह सै, जिन नै न्यू ठान लिया सै के जिब तारीं वे पौलुस नै मार न्ही देवै, जद तारीं ना खावेगें अर ना पीवेगें, अर इब वे त्यार सै अर तेरे वचन की बाट देखण लागरे सै।” 22 फेर पलटन के सरदार नै जवान तारीं यो हुकम देके बिदा करया, “किसे तै ना कहिये के तन्नै मेरे तै ये बात बताई सै।” 23 फेर उसनै दो सूबेदारां तारीं बुलाके कह्या, “दो सौ सिपाही, सत्तर सवार, अर दो सौ भालैत, रात के नौ बजे कैसरिया नगर नै जाणके खात्तर

त्यार कर करो। 24 अर पौलुस की सवारी कै खात्तर घोड़े त्यार राक्खो, के उस ताहीं फेलिक्स राज्यपाल कै धोरै राज्जी-खुशी तै पोहोचा दे।” 25 उसनै इस तरियां की चिट्ठी भी लिक्खी 26 महामहिम फेलिक्स राज्यपाल ताहीं क्लौकियुस लूसियास का नमस्कार। 27 इस माणस ताहीं यहूदियाँ नै पकड़के मार देणा चाह्या, पर जिव मन्नै जाण्या के रोमी सै, तो पलटन लेके छुड़ा ल्याया। 28 मै जाणणा चाहूँ था के वे उसपै किस कारण दोष लावै सै, ज्यांतै उस ताहीं यहूदी अगुवां की सभा म्ह ले गया। 29 फेर मन्नै जाण लिया के वे अपने नियम-कायदे कै रोळे कै बारै म्ह उसपै इल्जाम लगावै सै, पर मार देण जोगगा या बाँधे जाणके जोगगा उस म्ह कोए कसूर कोनी। 30 जिव मेरै ताहीं बताया गया के वे इस माणस की टाह म्ह लागरे सै तो मन्नै जिब्बे उस ताहीं तेरे धोरै भेज दिया, अर बैरियाँ ताहीं भी हुकम दिया के तेरे स्याम्ही उसपै नालिश करै। 31 आखर म्ह जिसा सिपाहियाँ नै हुकम मिल्या था, उस्से तरियां ए वे पौलुस नै लेके रातो-रात अन्तिपत्रिस म्ह आये। 32 दुसरे दिन वे सवारा नै उसकै गेल्या जाणके खात्तर छोड़के खुद यरुशलेम म्ह बोहड़ै। 33 उननै कैसरिया पोहचके राज्यपाल ताहीं चिट्ठी दी, अर पौलुस ताहीं भी उसके स्याम्ही खड्या करया। 34 राज्यपाल नै चिट्ठी पढ़के बुझ्या, “यो किस प्रान्त का सै?” 35 अर जिव जाण लिया के किलिकिया परदेस का सै तो उसतै कह्या, “जिव तेरे बैरी भी आवैगें, तो मै तेरा मुकद्दमा करूँगा।” अर उसनै उस ताहीं हेरोदेस कै किले म्ह पहेरे म्ह राक्खण का हुकम दिया।

24 पाँच दिन कै पाच्छै हनन्याह महायाजक कई यहूदी अगुवें अर तिरतुल्लुस नामक किसे वकील नै गेल्या लेके कैसरिया नगर आ पोहचे। उननै राज्यपाल कै स्याम्ही पौलुस कि बुराई करी। 2 जिव पौलुस बुलाया गया तो तिरतुल्लुस उसपै इल्जाम लाके कहण लाग्या: “हे महामहिम फेलिक्स, तेरे जरिये हम राज्जी-खुशी सां, अर तेरे इन्तजाम तै इस जात कै खात्तर घणीए बुराईयाँ सुधरदी जावै सै। 3 इस ताहीं हम हरेक जगहां अर हरेक तरियां तै धन्यवाद कै गैल मान्नां सां। 4 मै तेरा और ज्यादा बखत कोनी लेऊँ, मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ के दया करके दो-एक बात सुण ले।” 5 “बात या सै के इस माणस ताहीं हमनै एक उत्पाती के रूप म्ह पाया सै, सारी दुनिया के यहूदिया परदेस म्ह इसनै दंगे भड़काए सै, यो नासरियाँ के पंथ का नेता सै। 6 उसनै मन्दर

ताहीं अशुद्ध करणा चाह्या, पर हमनै उस ताहीं पकड़ लिया। (हमनै उस ताहीं अपणे नियम-कायदे कै मुताबिक सजा दे दी होन्दी, 7 पर पलटन के सरदार लूसियास नै उस ताहीं हाँगै तै म्हारै हाथ तै खोस लिया, 8 अर बैरियाँ ताहीं तेरे स्याम्ही आण का हुकम दिया।) इन सारी बाततां नै जिनकै बारै म्ह हम उसपै इल्जाम लावां सां, तू खुदे ए उसनै जाँच करकै जाण लेवैगा।”

9 यहूदियाँ नै भी उसका साथ देकै कह्या, ये बात इस्से ढाळ तै करी सै।

10 जिब राज्यपाल नै पौलुस ताहीं बोल्लण का इशारा करया, तो उसनै जवाब दिया: “मै न्यू जाणकै के तू घणे साल्लां तै इस जात का न्याय करण लागरया सै, खुशी तै अपणा बदले का जवाब देऊँ सूँ। 11 तू आप्पे ए जाण सकै सै जिब तै मै यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह आराधना करण नै आया, मन्नै बारहा दिनां तै बाध कोनी होए, 12 उननै मेरै ताहीं ना मन्दर म्ह, ना आराधनालयँ म्ह, ना किसे नगर म्ह किसे तै बहस करदे या भीड़ लगांदे पाया, 13 अर ना तो वे उन बाततां ताहीं, जिनका वे इब मेरै पै दोष लावै सै, तेरे स्याम्ही साच्ची साबित कर सकै सै। 14 पर मै तेरे स्याम्ही यो मान ल्यु सूँ के जिस पन्थ नै वे बुरा पन्थ कहवै सै, उस्से की रीत पै मै अपणे बाप-दाद्या के परमेसवर की सेवा करूँ सूँ, अर जो बात नियम-कायदे अर नबियाँ की किताबां म्ह लिक्खी सै, उन सारया पै बिश्वास करूँ सूँ। 15 अर परमेसवर तै आस राक्खूँ सूँ जो वे खुद भी राक्खै सै, के धर्मी अर अधर्मी दोनुआ का जिन्दा उठणा होवैगा। 16 इसतै मै खुद भी कोशिश करूँ सूँ के परमेसवर की, अर माणसां की ओड़ तै मेरा मन सारी-हाण बेकसूर रहवै।” 17 “घणे साल्लां पाच्छै मै गरीबां नै दान पोहोचाण, अर भेंट चढ़ाण आया था। 18 उस्से बखत इननै मेरै ताहीं मन्दर म्ह, शुद्ध होण की रीति पूरी करते देख्या, ओड़ै ना कोए भीड़ थी, अर ना ए किसे ढाळ का शोर, पर ओड़ै आसिया परदेस के कई यहूदी थे 19 जै मेरै बिरोध म्ह उनकै धोरै कोए बात कहण की हो तो उरै तेरे स्याम्ही आकै मेरै पै इल्जाम लांदे। 20 या ये खुद ए बतावै के जिब मै यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही खड्या था, तो उननै मेरै म्ह कौण सा कसूर पाया? 21 इस एक बात नै छोड़ जो मन्नै उनकै बिचाळे खड्या होकै कही थी: ‘मरे होया के जिन्दा उठण कै बारै म्ह आज मेरा थारे स्याम्ही मुकद्दमा होण लागरया सै।’” 22 फेलिक्स नै, जो इस पन्थ की बात सही-

सही जाणै था, उन ताहीं न्यू कहकै टाळ दिया, “जिब पलटन का सरदार लूसियास आवैगा, तो थारी बात का फैसला करूँगा।” 23 उसनै सूबेदार ताहीं हुकम दिया के पौलुस ताहीं जेळ म्ह तो राख्या जावै पर उस ताहीं इतनी छूट जरूर दी जावै के उसके खास साथी आकै उसकी सेवा कर सकै। 24 कुछ दिनां पाछै फेलिक्स हाकिम अपणी घरआळी दुसिल्ला ताहीं, जो यहूदी थी, गेल्या लेके आया अर पौलुस ताहीं बुलवाकै उस बिश्वास के बारे म्ह जो मसीह यीशु पै सै, उसतै सुणया। 25 जिब पौलुस धर्म, अर संयम, अर आण आळे न्याय का जिक्र करण लागरया था, तो फेलिक्स नै भयभीत होके जवाब दिया, “इब तो जा, मौक्का मिल तिए मै तन्नै दुबारा बुलवाऊँगा।” 26 फेलिक्स ताहीं पौलुस तै कुछ रपिये मिलण की भी आस थी, ज्यांतै और भी बुला-बुलाकै उसतै बात करया करै था। 27 पर जिब दो साल बीतगे तो पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स की जगहां पै आया, अर फेलिक्स यहूदियाँ ताहीं राज्जी करण की मर्जी तै पौलुस ताहीं कैदी ए छोड़ गया।

25 राज्यपाल पद का काम सम्भाळण के तीन दिन बाद फेस्तुस कैसरिया नगर तै यरुशलेम नगर म्ह गया। 2 फेर प्रधान याजकां अर यहूदियाँ के खास माणसां नै उसके स्याम्ही पौलुस की बुराई करी, 3 के वो खियास करके पौलुस ताहीं यरुशलेम नगर भेजदे, असल म्ह उसकी तरकीब राह म्ह मौक्का देखके पौलुस ताहीं मारण की थी। 4 फेस्तुस नै जवाब दिया, “पौलुस कैसरिया म्ह पहरे म्ह सै, अर मै आप्पे ए तावळ तै ओड़ै जाऊँगा।” 5 फेर बोल्या, “थारे म्ह जो अधिकार राक्खै सै वे गैल चाल्लै, अर जै इस माणस नै किमे गलत काम करया सै तो उसपै इल्जाम लावै।” 6 उनके बिचाळै कोए आठ-दस दिन रहके फेस्तुस कैसरिया चल्या गया, अर दुसरे दिन न्याय-गद्दी पै बैठके पौलुस ताहीं ल्याण का हुकम दिया। 7 जिब वो आया तो जो यहूदी अगुवें यरुशलेम नगर तै आये थे, उननै लोवै-धोवै खड़े होके उसपै घणे भारया दोष लगाये, जिनका सबूत वे कोनी दे सकै थे। 8 पर पौलुस नै जवाब दिया, “मन्नै ना तो यहूदियाँ के नियम-कायदे के अर ना मन्दर के, अर ना ए कैसर के बिरुध्द कोए अपराध करया सै।” 9 फेर फेस्तुस नै यहूदी अगुवां ताहीं राज्जी करण के मकसद तै पौलुस तै कह्या, “के तू चाहवै सै के यरुशलेम नगर नै जावै, अर ओड़ै मेरै स्याम्ही तेरा यो

मुकद्दमा तय करया जावै?” 10 पौलुस नै कह्या, “मै कैसर कै न्याय-गद्दी कै स्याम्ही खड्या सूं, मेरै मुकद्दमे फैसला उरैए होणा चाहिये। जिसा तन्नै आच्छी ढाळ बेरा सै, यहूदियाँ का मन्नै किमे अपराध कोनी करया। 11 जै मै अपराधी सूं अर मारण कै जोग्गा कोए काम करया सै, तो मरण तै कोनी नाटदा, पर जिन बात्तां की ये मेरै पै इल्जाम लावै सै, जै उन म्ह तै कोए भी बात साच्ची न्ही लिक्डी, तो कोए मेरै ताहीं उनकै हाथ्यां न्ही सौंप सकदा। मै कैसर की दुहाई द्यु सूं।” 12 फेर फेस्तुस नै मन्त्रियाँ की सभा कै गेल्या बात करकै जवाब दिया, “तन्नै कैसर की दुहाई दी सै, तू कैसर कै ए धोरै जावैगा।” 13 कुछे दिन बीतण कै पाच्छे अग्रिप्पा राजा अर बिरनीके नै कैसरिया म्ह आकै फेस्तुस तै भेंट करी। 14 उनकै घणे दिन ओड़ै रहण कै पाच्छे फेस्तुस नै पौलुस कै बारै म्ह राजा ताहीं बताया “एक माणस सै, जिस ताहीं फेलिक्स कैदी छोड़ ग्या सै।” 15 जिब मै यरुशलेम नगर म्ह था, तो प्रधान याजक अर यहूदिया परदेस के यहूदी अगुवां नै उसकी बुराई करी अर चाह्या के उसपै दण्ड का हुकम होवै। 16 पर मन्नै उन ताहीं जवाब दिया के रोमियों की या रीत कोनी के किसे माणस ताहीं सजा कै खात्तर सौंप देवै, जिब ताहीं मुजरिम ताहीं अपने बैरियाँ कै स्याम्ही खड़े होकै दोष का जवाब देण का मौक्का ना मिलै। 17 आखर जिब वे कठ्ठे होए, तो मन्नै किमे वार कोनी करी, पर दुसरे ए दिन न्याय-गद्दी पै बैठकै उस माणस ताहीं ल्याण का हुकम दिया। 18 जिब उसके बैरी खड़े होए, तो उननै इसी गलत बात्तां की इल्जाम कोनी लाई, जिसा मै समझूँ था। 19 पर वे अपने पंथ कै अर यीशु नाम किसे माणस कै बारै म्ह, जो मरग्या था अर पौलुस उस ताहीं जिन्दा बतावै था, बहस करै थे। 20 मै उळझन म्ह था के इन बात्तां का बेरा किस ढाळ लाऊँ? ज्यांतै मन्नै उसतै बुझ्झया, के तू यरुशलेम नगर जावैगा के ओड़ै इन बात्तां का फैसला होवै? 21 पर जिब पौलुस नै दुहाई देई के “उसकै मुकद्दमे का फैसला सम्राट कै उरै हो, तो मन्नै हुकम दिया के जिब तक उस ताहीं कैसर कै धोरै न्ही भेज्जू, उस ताहीं हिरासत म्ह राख्या जावै।” 22 फेर अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, “मै भी उस माणस की सुणणा चाहूँ सूं।” उसनै कह्या, “तू काल सुण लेवैगा।” 23 आखर म्ह दुसरे दिन जिब अग्रिप्पा अर बिरनीके बड़ी धूम-धड़ाकै तै आये अर पलटन के सरदारों अर नगर के

खास आदमियाँ कै गेल्या दरबार म्ह पोहचे। फेर फेस्तुस नै हुकम दिया के वे पौलुस ताहीं ली यावै। 24 फेस्तुस नै कह्या, “हे राजा अग्रिप्पा, अर हे सारे माणसों जो उरै म्हारै गेल्या सो, थम इस माणस नै देखो सो, जिसके बारै म्ह सारे यहूदियाँ नै यरुशलेम नगर म्ह अर उरै भी रुक्के मार-मारके मेरै तै बिनती करी के इसका जिन्दा रहणा सही कोनी। 25 पर मन्नै बेरा पाट लिया के उसनै इसा किमे कोनी करया के मार दिया जा, अर जिब के उसनै आप्पे ए सम्राट की दुहाई दी, तो मन्नै उस ताहीं खन्दाण का फैसला करया। 26 मन्नै उसके बारै म्ह कोए पक्की बात कोनी पाई के अपणे माल्लिक कै धोरै लिखूँ। ज्यांतै मै उस ताहीं थारे स्याम्ही अर खासकर हे राजा अग्रिप्पा तेरे स्याम्ही ल्याया सू के जाँचे पाच्छै मन्नै किमे लिखण का मौक्का मिलै। 27 क्यूँके कैदी ताहीं खन्दाणा अर जो दोष उसपै लगाये सै, उन ताहीं न्ही बताणा, मन्नै खामखां लागया सै।”

26 अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, “तेरे ताहीं अपणे बाबत बोल्लण की आज्ञा सै।” फेर पौलुस हाथ तै इशारा करके जवाब देण लागया, 2 “हे राजा अग्रिप्पा, जितनी बातों का यहूदी अगुवें मेरे पै इल्जाम लावै सै, आज तेरे स्याम्ही उनका जवाब देण म्ह अपणे ताहीं धन्य समझूँ सू, 3 खास करके ज्यांतै के तू सारी यहूदी प्रथा अर परेशानियाँ नै भली-भाँति जाणै सै। इस करके मै बिनती करूँ सू, धीरज तै मेरी सुण।” 4 “मेरा चाल-चलण शरुआत तै अपणी जात कै बिचाळै अर यरुशलेम नगर म्ह जिसा था, उसका सारे यहूदियाँ नै बेरा सै। 5 जै वे गवाही देणा चाहवें, तो तू मेरे ताहीं तब तै पिच्छाणै सै जिब मै जवान था, के मै फरीसी होके अपणे धर्म कै सबतै खरे पन्थ कै मुताबिक चाल्या। 6 अर आज मै परमेसवर के जरिये म्हारे पूर्वजां नै दिए गये उस वादे की आस के कारण उरै दोषी के रूप म्ह खड्या सू। 7 यो वोए वादा सै, जिसके पूरे होण की आस म्हारे बारहां कुल दिन-रात सच्चाई म्ह परमेसवर की भगति-आराधना करदे होए आये सै। हे राजा, आज मेरे पै यहूदियाँ के जरिये मुकद्दमा इस्से आस कै कारण चलाया जाण लागरया सै। 8 जिब के परमेसवर मरे होया नै जिन्दा करै सै, तो थारे उरै या बात क्यांतै बिश्वास कै जोगी कोनी समझी जान्दी?” 9 “मन्नै भी समझया था के यीशु नासरी कै नाम कै बिरोध म्ह मन्नै भोत कुछ करणा चाहिये। 10 अर मन्नै

यरुशलम नगर म्ह न्यूए करया, अर प्रधान याजकां तै हक पाके घणखरे पवित्र माणसां ताहीं जेळ म्ह गेरया, अर जिब वे मार दिये जावै थे तो मै भी उनकै बिरोध म्ह अपणी राय द्यु था। 11 हरेक आराधनालय म्ह मै उन ताहीं कांल कर-करकै यीशु की बुराई करवाऊँ था, उरै ताहीं के छो के मारे इसा बावळा होगया के दुसरे नगरां म्ह भी जाकै उन ताहीं कांल करूँ था।” 12 “इस्से धुन म्ह जिब मै प्रधान याजकां तै अधिकार अर हुकम-चिट्टी लेकै दमिश्क नगर नै जाण लागरया था, 13 तो हे राजा, राह म्ह दोफारी कै बखत मन्नै अकास तै सूरज कै तेज तै भी बढकै एक चाँदणा, अपणे अर अपणे गेल्या चाल्लण आळा कै चौगरदे नै चमकदा होड़ देख्या। 14 जिब हम सारे धरती पै पड़गे, तो मन्नै इब्रानी भाषा म्ह, मेरै तै न्यू कहन्दे होए एक बोल सुण्या, ‘हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यातै सतावै सै? पैने पै लात मारणा तेरे खात्तर ओक्खा सै। (जै तू मन्नै सतावैगा तो तू खुद नै सतावैगा)” 15 फेर मै बोल्या, “हे प्रभु, तू कौण सै?” प्रभु नै कह्या, “मै यीशु सूँ, जिस ताहीं तू सतावै सै। 16 पर तू उठ, अपणे पायां पै खड्या हो, क्यूँके मन्नै तेरे ताहीं ज्यांतै दर्शन दिया सै के तन्नै उन बात्तां का भी सेवक अर गवाह ठहराऊँ, जो तन्नै देखी सै, अर उनका भी जिनकै खात्तर मै तन्नै दर्शन दियुँगा। 17 अर मै तन्नै तेरे माणसां तै अर गैर यहूदियाँ तै बचान्दा रहूँगा, जिनकै धोरे मै इब तन्नै इस करकै भेज्जू सूँ 18 के तू उनकी आँख खोल्लै के वे अन्धेरै तै चाँदणे कान्ही, अर शैतान कै अधिकार तै परमेसवर कै कान्ही पलटै, इस करकै के पापां की माफी अर उन माणसां कै गेल्या जो मेरै पै बिश्वास करण तै पवित्र करे गये सै, वसियत पावै।” 19 “इस करकै हे राजा अग्रिप्पा, मन्नै उस सुर्गीय दर्शन की बात कोनी टाळी, 20 मन्नै सबतै पैहल्या दमिश्क नगर कै, फेर यरुशलम नगर कै, अर फेर यहूदिया परदेस के बासिन्दा ताहीं, अर गैर यहूदियाँ म्ह भी यो प्रचार करदा रहया के पाप करणा छोड़कै परमेसवर कान्ही बोहड़ आओ, अर अपणे सुभाव के जरिये यो साबित करो के थमनै पाप करणा छोड़ दिया सै। 21 इन बात्तां कै कारण यहूदी मन्नै मन्दर म्ह पकड़कै मार देण की कोशिश करै थे। 22 पर परमेसवर की मदद तै मै आज ताहीं बणया सूँ छोट्या-बड़या सारया कै स्याम्ही गवाही घूँ सूँ, अर उन बात्तां नै छोड़ किमे कोनी कहन्दा जो नबियाँ अर मूसा नबी नै भी कह्या के होण आळी

सै, 23 के मसीह नै दुख ठाणा होगा, अर वोए सब तै पैहल्या मरे होया म्ह तै जी उठकै, म्हारै माणसां म्ह गैर यहूदियाँ म्ह चाँदणे का प्रचार करैगा।” 24 जिब वो इस तरियां तै जवाब देण लागरया था, तो फेस्तुस नै ऊँची आवाज म्ह कह्या, “हे पौलुस, तू बावळा सै। घणे ज्ञान नै तेरे ताहीं बावळा कर दिया सै।” 25 पर पौलुस नै कह्या, “हे महामहिम फेस्तुस, मै बावळा कोनी, पर सच्चाई अर बुद्धि की बात कहूँ सूँ। 26 राजा नै भी जिसकै स्याम्ही मै बिना डरे बोल्लण लागरया सूँ, इन बात्तां का बेरा सै, अर मन्नै बिश्वास सै के इन बात्तां म्ह तै कोए उसतै लुक्ही कोनी, क्यूँके यो वाक्या गुप्त म्ह कोनी होया। 27 हे राजा अग्रिप्पा, के तू नबियाँ का बिश्वास करै सै? हाँ, मन्नै बेरा सै के तू बिश्वास करै सै।” 28 फेर अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, “तू माड़े-से समझाण तै मन्नै मसीह बणाणा चाहवै सै?” 29 पौलुस बोल्या, “परमेसवर तै मेरी प्रार्थना सै के, देर या सबेर तै, पर ये सारे सुणण आळे, जो आज मेरी बात सुणै सै, वे मेरै समान हो जावै।” 30 फेर राजा अर अधिकारी अर बिरनीके अर उनकै गेल्या बैठणीये उठ खड़े होए, 31 न्यायालय तै बाहर लिकाड़कै आप्पस म्ह कहण लागे, “यो माणस इसा तो किमे कोनी करदा, जो मौत की सजा या जेळ, म्ह गेरण जोग्गा हो।” 32 अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, “जै यो माणस कैसर की दुहाई न्ही देंदा, तो छूट सकै था।”

27 जिब फेस्तुस राज्यपाल के जरिये यो पक्का होग्या के हम जहाज के जरिये इटली देश जावां, तो उननै पौलुस अर कुछ दुसरे कैदियाँ ताहीं भी यूलियुस नामक औगुस्तुस सम्राट की पलटन के एक सूबेदार के हाथ्यां सौंप दिया। 2 अद्रमुत्तियुम नगर के एक जहाज पै जो आसिया परदेस के किनारे की जगहां पै जाण पै था, पाणी रास्ते हमनै अपणा सफर शरु करया, अर अरिस्तर्खुस नामक जो मकिदुनिया परदेस के थिस्सलुनीके नगर का एक बसिन्दा था। 3 दुसरे दिन हम सैदा नगर पोह्चाये गये, अर यूलियुस नै पौलुस पै दया करके उस ताहीं साथियाँ के उरै जाण दिया के उनतै जरूरी चीज ले आवां। 4 ओड़ै तै हमनै सफर दुबारा शरु करया, हवा के पलट होण के कारण हम साइप्रस टापू की ओट म्ह होकै चाल्ले, 5 अर किलिकिया परदेस अर पंफूलिया किनारे के लोवै के समुन्दर म्ह होकै लूसिया के मूरा नगर म्ह उतरे। 6 ओड़ै सूबेदार नै सिकन्दरिया नगर का एक जहाज इटली देश जान्दा

होड़ मिला, अर उसनै म्हारै ताहीं उस जहाज पै चढ़ा दिया। 7 जिन हंम घणे दिनां ताहीं होळे-होळे चालकै मुशिकल तै कनिदुस करबे कै स्याम्ही पोहचे, तो इस करकै के हवा म्हारै ताहीं आगै बढ़ण कोनी देवै थी, हंम सलमोने कै स्याम्ही तै होकै क्रेते टापू की आड़ म्ह चाल्ले, 8 अर उसकै किनारे-किनारे मुशिकल तै चालकै “शुभलंगरबारी” नामक एक जगहां पोहचे, जित्त तै लसया नगर लोवै था। 9 जिन घणे दिन बीत लिये अर पाणी कै सफर म्ह जोख्खम ज्यांतै होवै थी ब्रत के दिन इब बीत लिये थे। आखर म्ह पौलुस नै उन सारया ताहीं कहकै चेतावनी दी, 10 “हे सज्जनों, मन्नै इसा लागै सै के इस सफर म्ह मुशिकल अर घणा नुकसान, ना सिर्फ माळ अर जहाज की बल्के म्हारी जान का भी, होणआळा सै।” 11 पर सूबेदार नै पौलुस की बाततां तै कप्तान अर जहाज कै माल्लिक की बाततां तै बाध मान्या। 12 शुभ लंगरबारी नाम का बंदरगाह जाड्डा काटण कै खात्तर सही कोनी था, ज्यांतै घणाए का विचार होया के ओड़ै तै आगै बढ़ जावां जै किसे तरियां तै हो सके तो फीनिक्स पोहचकै जाड्डा काटै। यो तो क्रेते टापू का एक बंदरगाह सै जो दक्षिण-पश्चिम अर उत्तर-पश्चिम कान्ही खुलै सै। 13 जिन दक्षिणी हवा होळे-होळे चाल्लण लाग्गी, तो न्यू सोच्या के उनकी तरकीब पूरी करण खात्तर बढ़िया बखत था, लंगर उठाय अर किनारे धोरै होन्दे होए क्रेते टापू कै किनारे जाण लाग्गे। 14 पर माड़ी वार म्ह धरती कै कान्ही तै बड्डी ए आँधी उठी, जो “यूरकुलिन” कुहावै सै। 15 जिन आँधी जहाज पै लाग्गी तो जहाज उसकै स्याम्ही ठैहर कोनी सक्या, इस करकै हंमनै जहाज ताहीं हवा के बाहाव छोड़ दिया, अर इस्से तरियां बहन्दे होए चाल्ले गये। 16 फेर कौदा नामक एक छोट्टे-से टापू की आड़ म्ह बहन्दे-बहन्दे हंम मुशिकल तै डोंगी नै बस म्ह कर सके। 17 फेर जहाज के मल्लाहां नै उस ताहीं ठाकै सही उपाय करकै जहाज ताहीं तळै तै रस्यां तै कसकै बाँधया, अर सुरतिस खाड़ी के चोरबालू पै फँस जाणकै डर तै उननै लंगर ताहीं थोड़े नीच्चै उतारकै जहाज ताहीं हवा के बाहाव के गैल-गैल बहण कै खात्तर छोड़ दिया। 18 जिन हंमनै आँधी तै घणे हिचकोले अर धक्के खाए, तो दुसरे दिन वे जहाज का माळ बगाण लाग्गे, 19 अर तीसरे दिन उननै अपणे हाथ्यां तै जहाज का साज-सामान भी बगा दिया। 20 जिन घणे दिन ताहीं ना सूरज, ना तारे दिक्खे अर बड्डी आँधी चाल्दी रही,

तो आखर म्ह म्हारै बचण की सारी उम्मीद जान्दी रही। 21 जिब वे घणे दिन ताहीं भूखे रह लिये, तो पौलुस नै उनकै बिचाळे खड़े होकै कह्या, “हे भाईयो, चाहिये था के थम मेरी बात मानकै क्रेते टापू तै आगगै ए ना बढ़ते तो या मुसीबत न्ही आन्दी अर ना यो नुकसान ठान्दे। 22 पर इब मै थमनै समझाऊँ सूँ के धीरज राक्खो, क्यूँके थारे म्ह तै किसे की जान का नुकसान कोनी होवैगा, पर सिर्फ जहाज का। 23 क्यूँके परमेसवर जिसका मै सूँ, अर जिसकी भगति करूँ सूँ, उसके सुर्गदूत नै आखरी रात मेरै धोरै आकै कह्या, 24 ‘हे पौलुस, डरै मतना! तन्नै कैसर के स्याम्ही खड्या होणा जरूरी सै। परमेसवर नै सारया ताहीं जो तेरे गेल्या सफर करै सै, जीवन दान दिया सै।’ 25 ज्यांतै, हे भले माणसों, सब्र करो, क्यूँके मै परमेसवर का बिश्वास करूँ सूँ, के जिसा मेरै तै कह्या गया सै, उसाए होगा। 26 पर म्हारै ताहीं किसे टापू पै जा टिकणा होगा।” 27 जिब चौदहवीं रात आई, अर हम अद्रिया समुन्दर म्ह भटकदे होए हॉ डरे थे, तो आध्धी रात कै लोवै मल्लाहां नै अंदाजे तै जाणया के हम किसे देश कै लोवै पोहच रहे सां। 28 पाणी की गहराई नाप्पण पै उननै एक सौ बीस फुट डून्हा पाया, अर थोड़ा आगगै बढ़कै दुबारा थाह लेई तो नब्बे फुट पाया। 29 फेर पथरीली जगहां तै टकराण कै डर तै उननै जहाज की पिछली ओड़ चार लंगर गेरे, अर सबेरै होण की चाह करदे रहे। 30 पर जिब मल्लाह जहाज पै तै भाजणा चाहवैँ थे, अर गलही तै लंगर गेरण कै बहाणै डोंगी समुन्दर म्ह उतार दी, 31 तो पौलुस नै सूबेदार अर सिपाहियाँ तै कह्या, “जै ये जहाज पै न्ही रहे, तो थम भी कोनी बच सकदे।” 32 फेर सिपाहियाँ नै जोड़े काटकै डोंगी गेर दी। 33 जिब सबेरै होण पै था, फेर पौलुस नै न्यू कहकै, सारया ताहीं खाणा खाण कै खात्तर बिनती करी, “आज चौदहा दिन होगे सै के थम चिन्ता करते-करते भूखे रहे, अर किमे न्ही खाया। 34 ज्यांतै थारे तै समझाऊँ सूँ के किमे खा ल्यो, जिसतै थारा बचाव होवै, क्यूँके थारे म्ह तै किसे का सिर का एक बाल भी कोनी गिरैगा।” 35 न्यू कहकै उसनै रोटी लेकै सारया कै स्याम्ही परमेसवर का धन्यवाद करया अर तोड़कै खाण लाग्या। 36 इस बात तै वे सारे उत्साहित होकै खाणा खुवाण लागे। 37 हम सारे मिलकै जहाज पै दो सौ छिहत्तर जणे थे। 38 जिब वे खाणा खाकै छिक्क लिये, तो गेहूँ ताहीं समुन्दर म्ह बगाकै जहाज

हल्का करण लाग्गे। 39 जब दिन लिकड़या तो उननै उस देश ताहीं कोनी पिच्छाणा, पर एक खाड़ी देखी जिसका किनारा चौरस था, अर विचार करया के जै हो सकै तो इस्से पै जहाज नै टिकावै। 40 फेर उननै लंगरा ताहीं खोल कै समुन्दर म्ह छोड़ दिया अर उस्से बखत पाल के रस्से ढील्ले कर दिये, अर हवा कै स्याम्ही आगला पाल चढ़ाकै किनारे कै कान्ही चाल्ले। 41 पर दो समुन्दर के संगम की जगहां पड़कै उननै जहाज ताहीं टिकाया, अर आगला भाग तो टिक गया, पर पिछली ओड़ लहरा तै टूटण लाग्गी। 42 फेर सिपाहियाँ का यो विचार होया के कैदियाँ ताहीं मार देवें, इसा ना हो के कोए तैर कै लिकड़ भाज्जै। 43 पर सूबेदार नै पौलुस ताहीं बचाण की मर्जी तै उन ताहीं इस विचार तै रोक्या अर न्यू कह्या, के जो तैर सकै सै, पैहल्या छलाँग मारकै किनारे पै लिकड़ जावै। 44 अर बाकी कोए फट्टा पै, अर कोए जहाज की दुसरी चीज कै सहारै लिकड़ जावै। इस तरियां तै सारे धरती पै बच लिकड़े।

28 जब हम बच लिकड़े, तो बेरा लाग्या के यो माल्टा टापू कुह्वावै सै। 2 ओड़े के बासिन्द्यां नै म्हारै पै अनोकखी दया करी, क्यूँके मिह बरसण के कारण ठण्ड थी, ज्यांतै आग सुलगाकै हम सारया ताहीं ठहराया। 3 जब पौलुस नै लाकड़ियाँ का भरोटा कट्टा करकै आग पै धरया, तो एक साँप आँच पाकै लिकड़या अर उसके हाथ तै लिपट गया। 4 जब उन बासिन्द्यां नै साँप ताहीं उसके हाथ तै लिपटे होड़ देख्या, तो आप्पस म्ह कह्या, “साच्चए यो माणस खून्नी सै के फेर भी समुन्दर तै बच गया, तोभी न्याय नै जिन्दा कोनी रहण दिया।” 5 फेर उसनै साँप ताहीं आग म्ह झटक दिया, अर उस ताहीं किमे नुकसान कोनी होया। 6 पर वे लोग बाट देख्खै थे के वो सूज जावैगा या चाणचक पड़कै मर जावैगा, पर जब वे घणी वार ताहीं देखदे रहे अर देख्या के उसका किमे भी कोनी बिगड़या, तो अपणा विचार बदलकै कह्या, “यो तो कोए देवता सै।” 7 उस जगहां कै लोवै-धोवै उस टापू के प्रधान पुबलियुस की धरती थी। उसनै म्हारै ताहीं अपणे घरां ले जाकै तीन दिन मित्तर की ढाळ सेवा-पाणी करी। 8 पुबलियुस का बाप बुखार अर बवासीर तै बीमार पड्या था। आखर म्ह पौलुस नै उसके धोरै कमरे म्ह जाकै प्रार्थना करी अर उसपै हाथ धरकै उस ताहीं ठीक करया। 9 जब इसा होया तो उस टापू के बाकी

बीमार पौलुस कै धीरे आये अर वे चंगे करे गये। 10 उननै म्हारा घणा आदर-मान करया, अर जिब हम चाल्लण लागे तो जो किमे म्हारै खात्तर जरूरी था, उननै जहाज पै धर दिया। 11 तीन महिन्ने कै पाच्छे हमनै सिकन्दरिया जावण आळे जहाज पै सफर शरु करया, यो जहाज ठण्ड के कारण इस टापू म्ह ठैहरा होया था, इस जहाज के आगले भाग पै एक जोड़ी देवत्यां का एक निशान था। (दियुसकूरी गढ़ी होई थी) 12 सुरकूसा नगर म्ह लंगर गेर कै हम तीन दिन टिके रहे। 13 ओड़ै तै आगै बढकै हम रेगियुम नगर म्ह आये, अर एक दिन कै पाच्छे दक्षिणी हवा चाल्ली, फेर हम दुसरे दिन पुतियुली नगर म्ह आये। 14 ओड़ै हमनै विश्वासी भाई मिले, उनकै कहणे तै हम उनकै उरै सात दिन ताहीं रहे, अर इस तरियां तै हम रोम देश कान्ही चाल्ले। 15 कुछ विश्वासी भाई रोम देश तै म्हारी खबर सुणकै अप्पियुस कै चौक अर तीन-सराए ताहीं म्हारै तै फेटण नै लिक्ड़ आये, जिन नै देखकै पौलुस नै परमेसवर का धन्यवाद करया अर बड़ा उत्साहित होया। 16 जिब हम रोम नगर म्ह पोहचे, तो पौलुस ताहीं एक सिपाही कै गेल्या जो उसकी रुखाळी करै था, एकले रहण का हुकम मिलग्या। 17 तीन दिन कै पाच्छे उसनै यहूदियाँ कै खास माणसां ताहीं बुलाया, अर जिब वे कठ्ठे होए तो उनतै कह्या, “हे भाईयो, मन्नै अपने माणसां कै या बाप-दादा कै बीवारां कै बिरोध म्ह किमे भी कोनी करया, तोभी कैदी बणाकै यरुशलेम नगर तै रोमी सरकार कै हाथ्यां सौंप्या गया। 18 उननै मेरै ताहीं जाँचकै छोड़ देणा चाह्या, क्यूँके मेरै म्ह मौत कै जोग्गा कोए कसूर कोनी था। 19 पर जिब यहूदी अगुवें इसकै बिरोध म्ह बोल्लण लागे, तो मन्नै कैसर की दुहाई देणी पड़ी यो न्ही के मन्नै अपने माणसां पै कोए दोष लाणा था। 20 ज्यांतै मन्नै थारे ताहीं बुलाया सै के थारे तै मिलूं अर बतळाऊँ, क्यूँके इस्राएल की आस कै खात्तर वो मसीह इस बेल तै जकड़े होए सै।” 21 उननै उसतै कह्या, “ना हमनै तेरे बारै म्ह यहूदिया परदेस तै चिट्ठी पाई, अर ना विश्वासी भाईयाँ म्ह तै किसे नै आकै तेरे बारै म्ह किमे बताया अर ना बुरा कह्या। 22 पर तेरा विचार के सै? वोए हम तेरे तै सुणणा चाहवां सां, क्यूँके हमनै बेरा सै के हरेक जगहां इस पंथ कै बिरोध म्ह माणस बात करै सै।” 23 फेर जो यहूदी पौलुस कै गैल थे, उननै उसकै खात्तर एक दिन ठहराया, अर घणे माणस उसकै उरै कठ्ठे होए, अर वो

परमेश्वर के राज्य की गवाही देना होया, अर मूसा नबी के नियम-कायदे अर नबियाँ की किताबां तै यीशु के बारे म्ह समझा-समझाके सबेरे तै साँझ ताहीं वर्णन करदा रहया। 24 फेर कुछां नै उन बात्तां ताहीं मान लिया, अर कुछां नै बिश्वास कोनी करया। 25 जिब वे आप्स म्ह एक पंथ कोनी होए, तो पौलुस की इस बात के कहण पै चाल्ले गये “पवित्र आत्मा नै यशायाह नबी के जरिये थारे बाप-दादा तै सही ए कह्या था,” 26 “जाके इन माणसां तै कह, के सुणदे तो रहोगे, पर ना समझोगे, देखदे तो रहोगे, पर ना बुझोगे! 27 क्यूँके ‘इन माणसां का मन मोट्टा अर उनके कान भारया हो गये सै, अर उननै अपणी आँख मूंद ली सै, इसा ना हो के वे कदे आँखां तै देखे अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै अर पलटै, अर मै उन ताहीं ठीक करँ।’ 28 “इस करके थम जाणो सो के परमेश्वर के इस उद्धार की कथा गैर यहूदियाँ के धोरे भेज्जी गयी सै, अर वे स्वीकार करैगें।” 29 जिब उसनै न्यू कह्या तो यहूदी आप्स म्ह घणे बहस करण लागे अर ओड़े तै चले गये। 30 वो पूरे दो साल अपणे किराए के घर म्ह रहया, 31 अर जो उसके धोरे आवै थे, उन सारया तै मिलदा रहया अर बिना रोक-टोक घणा निडर होके परमेश्वर के राज्य का प्रचार करदा अर प्रभु यीशु मसीह की बात सिखान्दा रहया।

रोमियों

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास सै अर परमेसवर के जरिये प्रेरित होण के खात्तर चुण्या गया अर उसका सुसमाचार सुणाण खात्तर न्यारा करया गया सै। **2** यीशु के इस दुनिया म्ह आण तै भोत पैहले परमेसवर नै वादा करया था, के वो नबियाँ के जरिये इस सुसमाचार ताहीं जाहिर करै, जिननै इसके बारे में पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै। **3** यो सुसमाचार परमेसवर के बेटे के बारे में सै, जो म्हारा प्रभु यीशु मसीह सै। वो शारीरिक तौर पे तो राजा दाऊद की पीढ़ी तै पैदा होया, **4** पर पवित्र आत्मा की शक्ति तै मरे होया म्ह तै जिन्दा होण के कारण परमेसवर का बेटा कुहाया। **5** मसीह के जरिये हमनै अनुग्रह अर प्रेरिताई परमेसवर तै मिली, ताके उसके नाम के कारण गैर यहूदी माणस मसीह म्ह बिश्वास करके उसकी मान्ने, **6** थम गैर यहूदी बिश्वासी जो रोम नगर म्ह सों, उन माणसां म्ह शामिल सों, जिन ताहीं परमेसवर नै यीशु मसीह के माणस होण खात्तर बुलाया सै। **7** या चिट्ठी रोम नगर के उन सारे माणसां के नाम सै, जो परमेसवर के प्यारे सै, अर उसके पवित्र जन होण के खात्तर बुलाए गये सै। मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। **8** सब तै पैहल्या मै थम सारया के खात्तर यीशु मसीह के जरिये अपने परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, क्यूँके यीशु मसीह म्ह थारे बिश्वास का जिक्र साबती दुनिया म्ह होरया सै। **9** परमेसवर, जिसकी सेवा मै पूरे मन तै करूँ सूँ, अर उसके बेटे के सुसमाचार के बारे में माणसां ताहीं बताऊँ सूँ, वोए मेरा गवाह सै, के मै अपनी प्रार्थना म्ह थमनै किस तरियां सारी हाण याद करूँ सूँ। **10** अर बिनती करूँ सूँ, के जै हो सक्या तो परमेसवर की इच्छा के मुताबिक मै थारे तै मिलण भी आऊँ। **11** क्यूँके मै थारे तै मिलण की लालसा करूँ सूँ, ताके मै थमनै कोए आत्मिक आशीष दियुँ जिसतै थम बिश्वास म्ह मजबूत हो जाओ। **12** मेरे कहण का मतलब यो सै, के जब मै थारे तै मिलु, तो मै थारे ताहीं अर थम मन्ने उत्साहित कर सको, थम मेरे बिश्वास नै जाणके मजबूत हो जाओ, अर मै थारे बिश्वास नै जाणके मजबूत हो जाऊँ। **13** हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूँ के थम इस बात नै जाणो, के मन्ने कई बार थारे धोरे आण की योजना बणाई, के मै थारे बीच

म्ह उसीए आत्मिक बढ़ोतरी देख सकूँ, जिसी मन्नै बाक्की गैर यहूदियाँ म्ह देखी सै, पर इब तक मेरे आण म्ह रुकावट ए होन्दी रही सै। 14 मै उन संस्कारी माणसां का जो यूनानी भाषा अर सभ्यता नै जाणै सै, अर जो माणस उनकी भाषा अर सभ्यता नै नही जाणते, अर अकलमंद अर बेअक्ल माणसां ताहीं वचन सुणाण का मन म्ह बोझ राक्खूँ सूँ। 15 इस करकै म्ह मै थमनै भी जो रोम नगर म्ह रहो सो, सुसमाचार सुणाण खात्तर जमा उत्सुक सूँ। 16 क्यूँके मै मसीह के सुसमाचार के बारें म्ह कोनी सरमान्दा, परमेसवर अपणी शक्ति के जरिये सब नै बचावै सै जो सुसमाचार पै विश्वास करै सै, पैहल्या यहूदियाँ ताहीं अर फेर गैर यहूदी ताहीं। 17 क्यूँके सुसमाचार हमनै बतावै सै, के परमेसवर अपणी नजर म्ह हमनै किस तरियां धर्मी बणावै सै। जो शरु तै लेकै अंत तक मसीह पै विश्वास करण तै हो सै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या भी सै, के परमेसवर अपणी नजर म्ह धर्मी जन बणावै सै, वो विश्वास तै जिन्दा रहवैगा। 18 परमेसवर का छो तो उन माणसां की सारी अभगति अर अधर्म के काम्मां के कारण जो माणस करै सै, सुर्ग तै जाहिर हो सै, वो अपने सब अधर्म के काम्मां तै माणस ताहीं, परमेसवर की सच्चाई के बारें म्ह जाणण तै रोक्कै सै। 19 वे परमेसवर के बारें म्ह इस करकै सही अर आसान्नी तै जाण सकै सै, क्यूँके परमेसवर नै उन ताहीं इन बात्तां के बारें म्ह बताया सै। 20 सच यो सै के दुनिया की शरुआत तै ए परमेसवर के अनदेक्खे गुण, उसकी अनन्त सामर्थ्य अर उनका परमेसवरत्व, दुनिया म्ह सै, अर दिक्खै भी सै, इस करकै माणस कै धोरै कोए बहाना कोनी, के वो परमेसवर नै नही जाणता। (aïdios g126) 21 परमेसवर का ज्ञान होण पै, भी उननै ना तो उस ताहीं परमेसवर होण कै लायक सम्मान दिया, अर ना ए उसका धन्यवाद करया। इसके उल्ट वो उसके बारें म्ह बेकार की बात सोचवण लागे, अर जिसा उन ताहीं सोचणा चाहिए था उसा नही सोच्या, पर बुरा ए सोच्या। 22 वे अपने-आप ताहीं अकलमंद मानकै बेअक्ले बणगे, 23 अर अविनाशी परमेसवर की महिमा नही करी, बल्के नाशवान माणस, अर पंछियाँ, रेंगण आळे अर चार पैरां आळे जानवरां की मूर्ति की आराधना करण लागे। 24 इस करकै परमेसवर नै उन ताहीं उनकै मन की बुरी इच्छा कै मुताबिक गलत काम करण खात्तर छोड़ दिया ताके वे आप्पस म्ह अपने

शरीरां तै गन्दे काम करै। 25 क्यूँके उननै परमेसवर के बारें म्ह सच्ची बातें ताहीं जाणण की बजाये झूठ पै बिश्वास करया, अर सृष्टि की चिज्जां की आराधना अर सेवा करी, ना के उस सृजनहार परमेसवर की जो सदा खात्तर महिमा के लायक सै! आमीन। (aiōn g165) 26 ज्यांतै परमेसवर नै उन ताहीं उनकी नीच कामनाओं के बस म्ह छोड़ दिया, जिस कारण उनकी लुगाईयाँ नै भी प्राकृतिक संभोग की जगहां अप्राकृतिक संभोग अपणालिया। 27 उस्से तरियां ए लुगाईयाँ के गेल्या प्राकृतिक संभोग नै छोड़कै माणस दुसरे माणस के खात्तर आप्पस म्ह कामुकता म्ह जळण लागे, अर माणस का माणस के गेल्या बेशर्मी के काम करणा उनके उप्पर दण्ड लेकै आये। 28 अर जिब उननै परमेसवर ताहीं जाणणा बेवकूफी लाग्या, तो परमेसवर नै भी उन ताहीं उनके निकम्मे मन के बस म्ह छोड़ दिया, ताके वे बुरे काम करै। 29 ज्यांतै वे सारे ढाळ के अधर्म, दुष्टता, लालच, अर बैर-भाव तै भरगे, अर जळण, हत्या, झगड़े, छळ, ईर्ष्या तै भरगे, अर चुगलखोर, 30 बदनाम करण आळे, परमेसवर तै नफरत करण आळे, बुराई करण आळे, दुसरयां की बेजती करण आळे, डिंगमार, घमण्डी, भुंड़ी-भुंड़ी बातें के बणाण आळे, माँ-बाप का हुकम ना मानण आळे, 31 बेअक्ले, बिश्वासघाती, प्यार अर दया की कमी अर निर्दयी होगये। 32 वे तो परमेसवर की या धार्मिक विधि नै जाणै सै, के इसे-इसे काम करण आळे मौत के दण्ड के जोगे सै, फेरभी ना सिर्फ आप ए इसे काम करै सै, बल्के इसे काम करण आळा तै राज्जी भी होवै सै।

2 इस करके हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थम जो कोए भी क्यूँ ना हो, थारे धोरे इस बात का कोए जवाब कोनी, के थम जो दुसरयां पै दोष लगाओ सों, तो उस बात के कारण खुद अपने-आप पै दण्ड लेकै आओ सों, क्यूँके जिस बात के बारें म्ह थम उसनै दोषी बणाओ हो, थम खुद भी वोए काम करो सों। 2 हमनै यो बेरा सै, के परमेसवर उसका न्याय धार्मिकता के साथ जरूर करैगा, जो इसे बुरे काम करै सै। 3 जिब के थम जो इसे-इसे काम करणीया पै दोष लगाओ सों, अर खुद वैए काम करो सों, के न्यू समझों सों के थम परमेसवर के दण्ड तै बच जाओगे? 4 के थम परमेसवर की भलाई, सहनशीलता, अर धीरजरूपी धन ताहीं तुच्छ जाणो सों? के थम नही समझते के परमेसवर की भलाई ए थारे ताहीं पाप छोड़णा सिखावै सै? 5 पर थम

हठिल्ले सों, अर पाप करणा न्ही छोड़दे, अर ना ए अपणे-आपनै बदलना चाहन्दे। इस करकै जिस दिन परमेसवर अपणा छो दिखावैगा, उस दिन धार्मिकता कै साथ उसका न्याय जाहिर होवैगा, अर वो थारे ताहीं भारी दण्ड देवैगा। 6 परमेसवर हरेक नै उसके काम कै मुताबिक फळ देवैगा। 7 जो माणस भले काम करते रहवै सै, अर परमेसवर की महिमा, आदर अर अनन्त जीवन की खोज म्ह लागे रहवै सै, परमेसवर उन सारया ताहीं अनन्त जीवन देवैगा। (aiōnios g166) 8 पर जो मतलबी सै अर सच नै कोनी मान्दे, बल्के अधर्म नै मान्ने सै, उनपै परमेसवर का छो अर प्रकोप पड़ैगा। 9 क्लेश अर संकट हरेक माणस पै आवैगा। परमेसवर सबतै पैहल्या यहूदियाँ का अर बाद म्ह उन माणसां का न्याय करैगा जो गैर यहूदी सै। 10 पर महिमा, आदर अर शान्ति हरेक नै मिलैगी, जो भले काम करै सै, पैहल्या यहूदी ताहीं फेर उन माणसां ताहीं जो गैर यहूदी सै। 11 क्यूँके परमेसवर किसे का पक्षपात कोनी करदा। 12 वे सारे गैर यहूदी माणस जिननै परमेसवर के नियम-कायदे जो मूसा नबी ताहीं मिले थे, उन ताहीं जाणे बिना जिसनै पाप करया सै, वे नियम-कायदा नै बिना जाणे नाश भी होवैगें, पर जिन नै नियम-कायदे नै जाणकै भी पाप करया सै, उनका न्याय भी नियम-कायदे कै मुताबिक करया जावैगा। 13 क्यूँके परमेसवर की निगांह म्ह नियम-कायदे कै सुणण आळे धर्मी माणस कोनी, पर नियम-कायदे पै चाल्लण आळा नै धर्मी बणावैगा। 14 फेर जिब गैर यहूदी लोग जिनकै धोरे मूसा नबी के नियम-कायदे कोनी, कुदरती तौर पैए नियम-कायदे की बात्तां पै चाल्लै सै, तो नियम-कायदे उनके धोरे ना होण पै भी, उन ताहीं बेरा सै, के उननै के करणा सै, अर के न्ही करणा। 15 वे नियम-कायदे की बात अपणे-अपणे दिलां म्ह लिखी होई दिखावै सै अर उनकी अन्तरात्मा भी इसकी गवाही देवै सै, के ये बात सच सै, क्यूँके उनके विचार उनपै दोष लगावै सै, या फेर यो बतावै सै के वो ठीक करै सै। 16 यो सब उस दिन स्पष्ट हो जावैगा, जिब परमेसवर मेरै जरिये सुणाये गये सुसमाचार के मुताबिक, माणसां की लुक्की होई बात्तां का न्याय, यीशु मसीह कै जरिये करैगा। 17 थम खुद नै यहूदी कुहावै सों, अर मूसा नबी के नियम-कायदे पै भरोस्सा राक्खों सों, परमेसवर थारे पै दया करै सै, इस कारण थम घमण्ड करण लागरे सों। 18 अर थमनै परमेसवर की मर्जी का

बेरा से, थम आच्छी-आच्छी बाततां नै तो चाहो सों, क्यूँके थारे ताहीं ये बात मूसा नबी के नियम-कायदे म्ह तै सिखाई गई सै। 19 अर थमनै इस बात का पूरा भरोस्सा सै, के थम आंध्याँ नै राह दिखाण आळे अर अन्धकार म्ह भटके होए माणसां खात्तर परमेसवर का चाँदणा सों। 20 अर बेअक्लां नै सिखाण आळे अर बाळकां के उपदेशक सों। थमनै बेरा सै के परमेसवर के नियम-कायदे थमनै पूरी तरियां तै ज्ञान अर सच्चाई देवै सै। 21 इस करके थम जो दुसरयां नै शिक्षा देओ सों, तो अपने-आपनै शिक्षा क्यूँ न्ही देन्दे? थम उपदेश देओ सों, के “चोरी ना करियो,” के थम खुद चोरी कोनी करते! 22 थम जो कहवै सों, के “जारी ना करियो,” के खुद जारी कोनी करते? थम जो मूर्तियाँ तै नफरत करो सों, के खुद ए मन्दरां नै कोनी लूटते? 23 थम जो नियम-कायदे नै जाणण का घमण्ड करो सों, के नियम-कायदे नै ना मानके परमेसवर का अनादर कोनी करते? 24 “थम यहूदियाँ के कारण गैर यहूदियाँ म्ह परमेसवर के बारे म्ह बुरा भला कहा जावै सै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या भी सै।” 25 मै थमनै कुछ बताऊँ सूँ, थारा खतना करया जाणा जिब्बे फायदेमन्द सै, जिब थम नियम-कायदा नै मान्नो, जै थम इसा न्ही करते तो थम उन माणसां की ढाळ सों जिनका खतना न्ही होया। 26 जै बिना खतना करे होए माणस नियम-कायदे की विधियाँ नै मान्नै, तो परमेसवर उन ताहीं अपने माणस क्यूँ न्ही कहवैगा। 27 बिना खतना होए माणस जो परमेसवर के हुकमां नै मान्नै सै, वे थारी बुराई करैगें जिनके धोरे परमेसवर के नियम-कायदे सै जिन ताहीं थम मानते न्ही। 28 असली यहूदी वो कोनी जो सिर्फ यहूदी माँ-बाप तै पैदा होया सै, अर ना ए वो असली खतना सै, जो दिखाण खात्तर देह म्ह करया गया सै। 29 यहूदी वो सै, जो अपने मन म्ह यहूदी सै, अर खतना वो सै, जो पवित्र आत्मा के जरिये मन का करया जावै सै, ना के वो जो नियम-कायदा के मुताबिक करया जावै सै, इस ढाळ के माणसां की तारीफ माणसां की ओड़ तै न्ही, पर परमेसवर की ओड़ तै करी जावै सै।

3 कोए कह सकै सै, के भला यहूदी होण का के फायदा, या खतना कारण का के फायदा? 2 यहूदी होण के भोत फायदे सै, क्यूँके परमेसवर के वचन यहूदियाँ ताहीं ए सौंपे गये सै। 3 अगर कुछ यहूदी माणस बिश्वासघाती लिक्ड़ै भी तो उसतै के फर्क पड़े सै? परमेसवर अपने वादे पूरा करण म्ह

बिश्वास जोग्गा सै, तो इसका यो मतलब कोनी के परमेसवर भी बिश्वासघाती सै। 4 न्ही! बिल्कुल न्ही! बल्के परमेसवर सच्चा सै, अर दुनिया का हरेक माणस झूठा ठैहरै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर के बारे म्ह लिख्या सै, “जिसतै तू अपणी बाततां म्ह धर्मी साबित हो अर न्याय करदे बखत तू जीत पावै।” 5 इस करकै जै म्हारे बुरे काम परमेसवर की धार्मिकता साबित कर देवै सै, तो हम के कहां? के न्यू कहां के परमेसवर जो छो करै सै, तो के वो अन्यायी सै? (यो तो मै दुनियावी नजरिये तै कहूँ सूँ)। 6 न्ही! बिल्कुल न्ही! जै परमेसवर यहूदी माणसां का न्याय सही तरिककें तै न्ही कर सकता, तो वो दुनिया के माणसां का भी न्याय सही तरिककें तै न्ही कर सकता? 7 के कोए कह सकै सै, जै मेरा झूठ परमेसवर की सच्चाई नै दिखावै अर उसकी महिमा नै बढ़ावै, तो परमेसवर किस तरियां मन्नै परख के पापी साबित कर सकै सै? 8 कई माणस यो कह के मेरे पै दोष लगावै सै, के “आओ, हम बुरे काम करा के इसतै ए कुछ भलाई हो जा।” जो मेरे बिरुध्द इसी बात कहवै सै वो दण्ड के लायक सै। 9 तो फेर हम के कह सका सां? के हम यहूदी गैर यहूदियाँ तै आच्छे सां? कदे भी न्ही! क्यूँके हम यहूदी अर गैर यहूदी दोनुवां पै यो दोष ला चुके सां के वे सारे के सारे पाप की शक्ति के बस म्ह सै। 10 जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: “कोए भी माणस परमेसवर की नजर म्ह धर्मी कोनी, एक भी कोनी। 11 कोए भी माणस समझदार कोनी, कोए परमेसवर का टोह आळा कोनी। 12 सारे माणस परमेसवर की राह तै भटक गये सै, सबके सब परमेसवर की नजर म्ह निकम्मे बणगे सै, कोए भी भलाई करण आळा कोनी, एक भी कोनी। 13 उनका मुँह खुली होई कब्र की ढाळ सै, जिस म्ह तै बदबू आवै सै। क्यूँके अपणे मुँह तै वे भुंडा बोल्लै सै, अर वे जो भी बोल बोल्लै सै वो साँप के जहर की तरियां जहरीले सै। 14 उनका बोल श्राप अर कड़वाहट तै भरया सै। 15 वो लहू बहाण खात्तर फुर्तीले सै, 16 वे जित्त भी किते जावै सै ओड़ै नाश अर क्लेश लेकै जावै सै, 17 वे न्ही जाणते के माणसां के गैल खुशी अर शान्ति तै किस तरियां जीणा सै। 18 उन म्ह परमेसवर का डर सै ए कोनी।” 19 हमनै बेरा सै के मूसा नबी के नियम-कायदे जो कुछ कहवै सै, उन्हे तै कहवै सै, जो नियम-कायदे के अधीन सै, ताके कोए भी माणस भान्ना न्ही बणा सकै, अर दुनिया के सारे माणस

परमेश्वर के स्याम्ही दोषी ठैहराये जावै। 20 क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदे के पुगाण तै कोए माणस उसकै स्याम्ही धर्मी कोनी बणैगा, क्यूँके नियम-कायदा कै जरिये हमनै बेरा लागै सै के हम पापी सां। 21 पर इब नियम-कायदा नै मान्ने बिना धार्मिकता जो परमेश्वर तै मिलै सै, अर जिसके बारें म्ह मूसा नबी के नियम-कायदा अर नबियाँ की किताब्बां म्ह भोत पैहले लिख्या सै, के परमेश्वर हमनै धर्मी किस तरियां बणावै सै। 22 मतलब यो के हम प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा सां, जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै सब माणसां खात्तर सै। क्यूँके परमेश्वर की नजर म्ह सब माणस एक समान सै। 23 क्यूँके सारया नै पाप करया सै, अर सब परमेश्वर की महिमा तै दूर हगे सै, 24 परमेश्वर नै म्हारे पै अनुग्रह करया, के उसनै यीशु मसीह के जरिये म्हारे ताहीं म्हारे पापां के दण्ड तै छुड़ा लिया, अर म्हारे ताहीं बिना कुछ करे धर्मी बणाया। 25 परमेश्वर नै यीशु मसीह ताहीं म्हारे पाप की कीमत चुकाण खात्तर इस दुनिया म्ह भेज्जा, यीशु मसीह नै म्हारे खात्तर अपणा लहू बहा के अपणी जान दे दी। ताके हम उसपै बिश्वास करण के जरिये परमेश्वर कै धोरै आ सकां, अर उसनै इसा यो दिखाण खात्तर करया, के वो पैहले जमाने म्ह भी पापी माणसां गैल सबर तै रहण म्ह अर उनके पाप माफ करण म्ह धर्मी था, बल्के इब भी उसकी धार्मिकता जाहिर हो जावै, जिसतै वे खुद धर्मी बणै अर जो प्रभु यीशु म्ह बिश्वास राक्खै सै, वो परमेश्वर की नजर म्ह भी धर्मी बण जावै। 27 तो के हम किसे बात पै घमण्ड कर सकां सां? उसकै खात्तर कोए जगहां न्ही। के नियम-कायदा के जरिये या उननै मानण कै जरिये सां? न्ही! पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै घमण्ड करां सां। 28 इस करके हम इस नतीजै पै पोहचे सा, के परमेश्वर म्हारे ताहीं यीशु मसीह पै बिश्वास करण कै जरिये धर्मी बणावै सै, ना के मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण तै। 29 परमेश्वर सिर्फ यहूदियाँ ए का परमेश्वर कोनी, पर वो गैर यहूदियाँ का भी परमेश्वर सै। 30 क्यूँके एक ए परमेश्वर सै, जो खतना आळा नै यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै अर बिन-खतना आळा ताहीं भी, बिश्वास कै जरिये धर्मी बणावै सै। 31 तो के म्हारा बिश्वास नियम-कायदे नै बेकार बतावै सै? न्ही!

बिल्कुल न्ही! बल्के इसके उल्ट जिब हम बिश्वास करा सां तो हम समझ जावां सां, के परमेसवर नै म्हारे ताहीं नियम-कायदा क्यूँ दिये।

4 तो हम यहूदी होण के नाते म्हारे पूर्वज अब्राहम के बारे में कहवा। 2 जै अब्राहम आच्छे काम्मां तै धर्मी बणाया जान्दा, तो वो इसका घमण्ड कर सके था, पर वो परमेसवर के स्याम्ही आच्छे काम्मां के जरिये घमण्ड न्ही कर सकदा। 3 पवित्र ग्रन्थ के कहवै सै? न्यू के “अब्राहम नै परमेसवर के वादे पै बिश्वास करया, अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।” 4 जो मेहनत करै सै उसकी मजदूरी नै ईनाम न्ही कहन्दे, बल्के वो तो उसका हक सै। 5 पर माणस काम्मां के जरिये धर्मी कोनी बणता, पर भगतिहीन माणस जो परमेसवर पै बिश्वास करै सै उसके बिश्वास के कारण वो धर्मी बणै सै। 6 जिसनै परमेसवर बिना काम्मां कै धर्मी बणावै सै, पवित्र ग्रन्थ म्ह राजा दाऊद भी धन्य उस ताहीं कहवै सै। 7 “धन्य सै, वे जिनके अधर्म माफ होए, अर पाप भूला दिये गये। 8 धन्य सै वो माणस जिसके पापां का हिसाब परमेसवर न्ही राखदा।” 9 के या आशीष जिन माणसां का खतना हो लिया, उनके ए खात्तर सै, या जिनका खतना न्ही होया उन खात्तर भी सै? हम न्यू कहां सां, “अब्राहम नै परमेसवर पै बिश्वास करया, अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।” 10 तो यो कद होया? खतने की हालत म्ह या बिना खतने की हालत म्ह? खतने की हालत म्ह कोनी पर बिना खतने की हालत म्ह। 11 जिब अब्राहम का खतना न्ही होया था, जिब भी परमेसवर नै उस ताहीं स्वीकार करया, अर उस ताहीं धर्मी बणाया, खतने का निशान अब्राहम ताहीं अपनाण की छाप सै, इस करके अब्राहम उन माणसां का आत्मिक पूर्वज सै, जो बिश्वास करै सै पर जिनका खतना न्ही होया, वो बिश्वास के जरिये धर्मी बणे। 12 अर वो उन खतना करे होए माणसां का आत्मिक पूर्वज सै, जो ना सिर्फ खतना करे होए सै, पर उनका बिश्वास उसाए हो जिसा उनके पूर्वज अब्राहम का तब था, जिब उसका खतना न्ही होया था। 13 परमेसवर नै अब्राहम ताहीं अर उसके वंश ताहीं पूरी दुनिया देण का वादा करया, यो इस करके कोनी होया के अब्राहम नै नियम-कायदा ताहीं मान्या, क्यूँके उसनै परमेसवर पै बिश्वास करया, इस बजह तै उसनै उस ताहीं धर्मी बणा दिया। 14 अब्राहम अर उसके वंश ताहीं

यो वादा इस खात्तर दिया गया, क्यूँके उननै नियम-कायदा ताहीं मान्या, तो बिश्वास बेकार अर वादा झूठा लिकड़या। 15 परमेसवर का छो नियम-कायदा नै ना मानण आळा पै पड़े सै, अर जित्त नियम-कायदे कोनी ओड़े उसका उल्लंघन भी कोनी। 16 इस बजह तै वादा परमेसवर पै बिश्वास करण तै मिलै सै, जो अनुग्रह के मुताबिक से, यो वादा अब्राहम के सारे वंशा ताहीं मिल्या सै, ना कै सिर्फ उन ताहीं जो माणस मूसा नबी के नियम-कायदा नै मान्ने सै, पर उन माणसां कै खात्तर भी जो अब्राहम की ढाळ परमेसवर पै बिश्वास करै सै, क्यूँके अब्राहम ए म्हारे सारया का पूर्वज सै। 17 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “मन्ने तेरे ताहीं घणीए जात्तां का पूर्वज बणाया सै” परमेसवर की नजर म्ह अब्राहम म्हारा पूर्वज सै। उननै उस परमेसवर पै बिश्वास करया, जो मरे होया नै जिन्दा करै सै, अर जो बात सै ए न्ही उनका नाम इसा लेवे सै के मान्ने वे सै। 18 परमेसवर नै अब्राहम तै कह्या, तेरे भोत-से वंश होवैंगे। पर अब्राहम नै सोच्या के बुढापे म्ह, मेरै किस तरियां ऊलाद पैदा होगी? क्यूँके वो तकरीबन सौ साल का हो लिया था, अर सारा भी बूढ़ी होण के कारण बच्चे पैदा कोनी कर सकै थी। इन सारी बाततां तै साफ जाहिर था, के उसके भोत-से वंशज न्ही हो सकदे, तोभी अब्राहम का बिश्वास कमजोर न्ही होया, वो परमेसवर के वादे पै बिश्वास करदा रह्या, अर उसनै आस न्ही तोड़ी। 20 अर ना ए अबिश्वासी होकै परमेसवर कै वादा पै शक करया, पर बिश्वास म्ह पक्का होकै उसकी महिमा करी। 21 अर पक्के तौर पै जाण्या के जिस बात का परमेसवर नै वादा करया सै, वो उसनै पूरा करण म्ह भी सामर्थी सै। 22 अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया। 23 अर पवित्र ग्रन्थ के इस वचन नै, “बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।,” ना सिर्फ यो वचन अब्राहम कै खात्तर लिख्या गया, 24 बल्के म्हारै खात्तर भी जिनकै खात्तर लिख्या गया, जो बिश्वास के जरिये धर्मी बण जावैगा, यानिके के म्हारै खात्तर, जो उसपै बिश्वास करा सां, जिसनै म्हारै प्रभु यीशु ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया। 25 यीशु मसीह म्हारै अपराध्या कै खात्तर पकड़वाया अर मारा भी गया, अर म्हारे ताहीं धर्मी बणाण कै खात्तर परमेसवर नै उस ताहीं जिन्दा कर दिया।

5 इस करके जब हम मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा दिए गये सां, तो परमेसवर तै म्हारा मेळ-मिलाप अपणे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये हो लिया। 2 बिश्वास कै जरिये मसीह नै म्हारी पोहच पिता के उस अनुग्रह तक कर दी सै। उस अनुग्रह म्ह हम बणे होए सां, अर परमेसवर की महिमा की आस म्ह खुश सां। 3 सिर्फ योए न्ही, बल्के हम मुसीबतां म्ह भी खुश रहवां, न्यू जाणके के मुसीबतां तै धीरज, 4 धीरज तै खरयां लिकड़णा, अर खरे लिकड़ण तै आस होवै सै। 5 अर आस तै निराशा न्ही होन्दी, क्यूँके पवित्र आत्मा जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं दिया सै, उसके जरिये परमेसवर का प्यार म्हारै मन म्ह भरया गया सै। 6 क्यूँके जब हम कमजोर थे, तो मसीह परमेसवर के बताये गये सही बखत पै बुरे माणसां कै खात्तर मरया। 7 किसे धर्मी माणस कै खात्तर कोए जान देवै यो तो मुशिकल सै, पर शायद कोए भले माणस खात्तर जान देण खात्तर तैयार हो सकै सै। 8 पर परमेसवर म्हारे पै अपणे प्यार की भलाई इस तरियां तै साबित करै सै, के जब हम पापी ए थे, जिब्बे मसीह यीशु म्हारै खात्तर मरया। 9 जब के इब यीशु कै लहू बहाण के कारण परमेसवर नै म्हारे ताहीं अपणी नजर म्ह धर्मी बणाया सै, तो उसके जरिये परमेसवर कै छो तै क्यांतै न्ही बचांगें? 10 क्यूँके जब हम परमेसवर के बैरी थे, तो उसके बेटे की मौत कै जरिये म्हारा मेळ-मिलाप परमेसवर कै गेल्या होया, अर सब तै आच्छी बात या सै, के मेळ-मिलाप हो जाण के कारण उसके बेटे यीशु मसीह के जरिये दिए गये जीवन कै कारण म्हारा उद्धार पक्का सै। 11 इब तो म्हारे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये, परमेसवर म्ह म्हारा मेळ-मिलाप होगया सै, इस खात्तर हम उस म्ह खुश सां। 12 परमेसवर नै एक माणस आदम बणाया, जिसके कारण दुनिया म्ह पाप आया, अर उस पाप के करण मौत आई, अर इस तरियां तै मौत सारे माणसां म्ह फैलगी, क्यूँके आदम के वंश होण के कारण सब पापी बणगे। 13 मूसा नबी के नियम-कायदा कै दिए जाण तै पैहले भी, दुनिया म्ह माणस पाप करै थे, पर वो पाप गिण्या कोनी जावै था, क्यूँके ओड़ै नियम-कायदे कोनी थे, जिन ताहीं तोड्या जा सकै। 14 तोभी आदम तै लेकै मूसा नबी तक सब नै मौत आई। जिस तरियां आदम नै परमेसवर के हुकम ताहीं तोड्या उसकी तरियां हमनै उसके हुकम ताहीं न्ही तोड़ा, अर आदम यीशु मसीह का नमूना था जो

आण आळा था। 15 पर आदम के अपराध अर परमेसवर के अनुग्रह के वरदान के बीच म्ह एक भोत बड़ा अन्तर सै, क्यूँके जब एक माणस आदम, कै अपराध करण के कारण, भोत-से माणसां की मौत होई, पर दुसरे माणस यीशु मसीह के जरिये, परमेसवर का अनुग्रह भोत-से माणसां पै होया सै। 16 तो परमेसवर के वरदान का नतिज्जा आदम के पाप तै भोत अलग सै। उसका पाप दण्ड लेकै आवै सै, पर परमेसवर का वरदान म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै, भलाए हम कई पापां के दोषी क्यूँ ना हो। 17 क्यूँके एक माणस के अपराध कै कारण सब नै मौत आई। पर इसतै ज्यादा परमेसवर का अनुग्रह अर धार्मिकता का वरदान सै, जो उस ताहीं पावै सै, वो पाप अर मौत पै यीशु मसीह कै जरिये जयवन्त होवै सै, अर वे उसकै गैल अनन्त जीवन म्ह राज करैगें। 18 जिस तरियां आदम का अपराध, सारे माणसां कै खात्तर दण्ड लेकै आया, ठीक उरसे तरियां ए मसीह यीशु के धार्मिकता के काम करण तै, सारे माणसां नै जिन्दगी मिली, अर वे परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणै। 19 क्यूँके जिसा एक माणस कै हुकम ना मानण तै भोत-से माणस पापी बणे, उरसे तरियां ए एक माणस कै हुकम मानण तै भोत-से माणस धर्मी बणैगें। 20 मूसा के नियम-कायदे म्हारे ताहीं इस खात्तर दिए गये, ताके माणस देख सकै के वे कितने पापी सै पर जिब माणस पाप पै पाप करै सै, तो ओड़ै परमेसवर का अनुग्रह उसतै भी घणा होया करै। 21 सारे माणसां नै पाप पै पाप करया, अर वे मरगे, पर म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये परमेसवर का अनुग्रह हमनै धर्मी बणावै सै, अर म्हारे ताहीं अनन्त जीवन देवै सै। (aiōnios g166)

6 कोए कह सकै सै? के परमेसवर अपणे अनुग्रह तै म्हारे पाप माफ करै सै, पर इसा मत सोच्चों के पाप करदे रहवां ताके अनुग्रह घणा हो। 2 न्ही! बिल्कुल न्ही! हम जिब पाप कै खात्तर मरगये तो हमनै आगै तै दुबारा पाप न्ही करणा चाहिए। 3 हम जाणा सां, के हम सारे जिननै मसीह यीशु के नाम म्ह बपतिस्मा लिया सै, यो इसा सै, के जिसा हम मसीह के गैल मर जाणा। 4 इस करकै जिब हम बपतिस्मा लेवां सां, तो हम उसकै साथ मर जावां सां, अर उसके साथ गाड्डे जावां सां, ताके जिस तरियां मसीह पिता परमेसवर की महिमा कै जरिये मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया, उरसे तरियां ए हमनै भी

नया जीवन जीना चाहिए। 5 क्यूँके जै हम उसकी मौत की समानता म्ह बपतिस्में के जरिये उसके गेल्या एक हो जावां सां, तो पक्के तौर पै उसके जिन्दा उठण की समानता म्ह भी एक हो जावांगें। 6 इस्से तरियां म्हारा पुराणा पापी सुभाव यीशु मसीह कै गेल्या क्रूस पै चढ़ाया गया, ताके जो पापी सुभाव म्हारी देह म्ह सै वो नाश हो जावै, अर हम आगै दुबारा पाप की गुलामी म्ह न्ही रहवां। 7 क्यूँके जिब हम मसीह के गैल मरा सां, तो हम पाप की शक्ति तै आजाद हो जावां सां। 8 इस करके जै हम मसीह कै गेल्या मरगे, तो म्हारा बिश्वास यो सै के उसके गेल्या जीवांगें भी। 9 क्यूँके न्यू बेरा सै, के मसीह मरे होया म्ह तै जिन्दा उठके दुबारा फेर न्ही मरैगा, उसपै फेर मौत का राज न्ही होवैगा। 10 क्यूँके मसीह पाप कै खात्तर एक ए बार मर गया, पर इब जो जिन्दा सै, तो परमेसवर की महिमा करण कै खात्तर जिन्दा सै। 11 इस्से तरियां थम भी अपणे-आप ताहीं पाप कै खात्तर तो मरया होड़, पर परमेसवर की महिमा करण खात्तर मसीह यीशु म्ह जिन्दा समझो। 12 इस करके पाप की लालसा थारी नाश होण आळी देह म्ह राज न्ही करै, के थम उसकी लालसाओं के कब्जे म्ह ना रहो। 13 अपणे देह के अंगा ताहीं अधर्म कै काम्मां खात्तर इस्तमाल ना करो, पर अपणे-आप ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दे जाणके अपणी जिन्दगी परमेसवर ताहीं दे दो, अर अपणे देह के अंगा ताहीं धार्मिक काम्मां खात्तर परमेसवर नै सौंप दो। 14 फेर थारे पै पाप का राज कोनी होवैगा, क्यूँके थम नियम-कायदे कै अधीन म्ह न्ही, बल्के परमेसवर के अनुग्रह कै अधीन म्ह जीण लागरे सों। 15 तो इसका मतलब के सै? के हम नियम-कायदे का अधीन म्ह न्ही, बल्के परमेसवर के अनुग्रह कै अधीन सां, इस करके के हम पाप कर सका सां? न्ही! बिलकुल न्ही! 16 थम जाणो सों के जिब थम खुद नै किसे का गुलाम होण खात्तर देओ सों, तो थम वोए करो सों, जो थारा माल्लिक कहवै सै। थम पाप के गुलाम भी बण सकों सों, जो मौत लेके आवै सै, या फेर थम परमेसवर के हुकम नै मानके धार्मिकता का जीवन जी सको सों। 17 थम पाप के गुलाम थे, पर इब थमनै वे सारी शिक्षा मान्नी सै, जो थारे ताहीं मिली थी, इस करके मै परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूं। 18 इब पाप की शक्ति तै छुटाये जाके परमेसवर के दास बणो ताके थम धर्म के काम करो। 19 मै थारे ताहीं आसान तरिकके लिखूँ सूं,

ताके आम आदमी भी आसान्नी तै समझ सकै, के जिब थम अपणी पिच्छली जिन्दगी की गुलाम थे, अर थम हरेक ढाळ के अशुद्ध अर भुन्डे काम करो थे। तो इब थम अपणी देह नै धार्मिक जीवन के दास बणा ल्यो, ताके थम पवित्र जीवन जी सको। 20 जिब थम पाप के गुलाम थे, तो थम धार्मिकता के काम नही कर पाओ थे। 21 थम बुरा काम करो थे, अर इब उन बुरे काम्मां के कारण शर्मिन्दा सों, तो थमनै के मिल्या? इन सारी बात्तां का नतिज्जा मौत सै। 22 पर इब पाप तै आजाद होके अर परमेसवर के दास बणकै इब थम वो काम करो सों, जिसतै थम पवित्र बणो सों, अर उसका नतिज्जा अनन्त जीवन सै। (aiōnios g166) 23 क्यूँके पाप का नतिज्जां तो मौत सै, पर परमेसवर का वरदान म्हारै प्रभु मसीह यीशु म्ह अनन्त जीवन सै। (aiōnios g166)

7 हे विश्वासी भाईयो, थमनै बेरा सै, (मे नियम-कायदे के जाणण आळा तै कहुँ सूँ) के जिब ताहीं माणस जिन्दा रहवै सै, तब तक उसनै नियम-कायदे मानने पड़ेंगे। 2 उदाहरण के तौर पै एक ब्याता लुगाई नै मरते दम तक नियम-कायदे कै मुताबिक अपणे धणी कै साथ रहणा चाहिये, पर जै धणी मर जा, तो वा धणी के नियम-कायदे तै आजाद हो जा सै। 3 ज्यांतै जै धणी कै जिन्दे जी वा किसे दुसरे माणस की हो जावै, तो जार कुहावैगी, पर जै धणी मर ज्या, तो वा उस नियम-कायदे तै आजाद हो जा सै, उरै ताहीं के जै किसे दुसरे माणस की हो जावै तोभी जार कोनी ठैहरैगी। 4 उस्से तरियां ए हे मेरे विश्वासी भाईयो, जिब थम मसीह कै साथ मरगे, तो थम नियम-कायदा खात्तर मरगे, इब थम मसीह के हो, जो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या, ताके हम परमेसवर कै खात्तर धार्मिक जीवन जी सका। 5 क्यूँके जिब हम अपणे देह की इच्छा के मुताबिक जिवां सां, तो पाप की लालसा म्हारै अंगा म्ह काम करै सै, अर नियम-कायदे ए उन लालसा नै उजागार करके मौत नै लेके आवै सै। 6 हम नियम-कायदा खात्तर मरगे जिसकै बन्धन म्ह हम पैहले थे। इब हम पवित्र आत्मा की मानकै, नये सिरे तै परमेसवर की सेवा कर सकां सां। 7 तो हम के कहां? के मूसा नबी के नियम-कायदे पाप सै? नही! बिलकुल नही! बल्के नियम-कायदा ए सै, जो मेरे ताहीं बतावै सै, के पाप के सै! जै नियम-कायदे नही कहन्दे, के लालच मतना करै तो मै लालच नै जाण ए नही

पान्दा। 8 पर पाप नै मौक्का पाकै, हुकम कै जरिये मेरै म्ह सारी तरियां का लालच पैदा करया, क्यूँके बिना नियम-कायदे पाप मुर्दा सै। 9 एक बखत था जिब मै मूसा नबी के नियम-कायदे बिना जीऊँ था, पर जिब मन्ने मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं जाणया, तो मेरे म्ह पाप करण की इच्छा होण लागी, अर मै मरे होया जिसा होगया। 10 अर वो हुकम जिसतै मन्ने जिन्दगी मिलणी थी वो मेरी आत्मिक मौत का कारण बणया। 11 क्यूँके पाप नै मौक्का पाकै हुकम कै जरिये मेरै ताहीं भकाया, अर उस्से कै जरिये मेरी आत्मिक मौत भी हो गई। 12 ज्यांतै हम यो नतिज्जा लिकाड़ा सां, के नियम-कायदे पवित्र सै, अर हुकम पवित्र, धर्मी अर खरया सै। 13 तो के मूसा नबी के नियम-कायदे जो खरे थे, मेरै खात्तर मौत लेकै आये? न्ही! बिलकुल न्ही! यो पाप ए था जिसनै इसा करया। पर नियम-कायदे जो खरे थे, मेरै खात्तर मौत लेकै आये, ताके पाप की असलियत जाहिर हो जा, अर हुकम दिखावै सै के पाप घणाए बुरा सै। 14 क्यूँके हमनै बेरा सै, के मूसा नबी के नियम-कायदे तो आत्मिक सै, पर मै शारीरिक सूँ, अर पाप का गुलाम सूँ। 15 अर जो मै करूँ सूँ, उस ताहीं कोनी जाणदा, क्यूँके जो मै चाहूँ सूँ, वो न्ही करया करदा, पर जिसतै मन्ने घृणा आवै सै वोए करै सूँ। 16 जै जो मै न्ही चाहन्दा वोए बुरे काम करूँ सूँ, तो मै मान ल्यूँ सूँ, के मूसा नबी के नियम-कायदे खरे सै। 17 तो इसी हालत म्ह जो मेरे म्ह बुरे काम करै सै, वो मै न्ही, बल्के पाप सै, जो मेरै म्ह बस्या होया सै। 18 क्यूँके मन्ने बेरा सै के मेरै म्ह यानिके मेरे पापी सुभाव म्ह कोए आच्छी चीज वास कोनी कर दी। मेरा जी तो भले काम करण की इच्छा तो करै सै, पर भले काम मेरै तै बणदे कोनी। 19 क्यूँके जिस आच्छे काम करण नै मेरा जी करै सै, वो तो कोनी करदा, पर जो बुरे काम करणा न्ही चाहन्दा, वोए करूँ सूँ। 20 इस करकै जै मै वोए करूँ सूँ जो न्ही चाहन्दा, तो उसका करण आळा मै कोनी रहया, पर पाप सै जो मेरै भित्तर म्ह बस रहया सै। 21 इस तरियां तै मन्ने सच का बेरा पटै सै, के जिब मै भलाई करण की इच्छा करूँ सूँ, तो बुराई ए करूँ सूँ। 22 क्यूँके मै भीतरी माणस-पण तै तो परमेसवर के नियम-कायदे तै घणा खुश रहूँ सूँ। 23 पर मेरे भित्तर एक नियम-कायदा की शक्ति काम करण लागरी सै, जो मेरी पापी अन्तरात्मा तै युध्द करै सै। या नियम-कायदा की शक्ति मेरी अन्तरात्मा नै पाप का गुलाम

बणावै सै जो इब भी मेरी देह म्ह सै। 24 मै किसा निरभागा माणस सूं! मन्नै इस पापी सुभाव तै जो मौत लेकै आवै सै, कौण छुड़ावैगा? 25 म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये परमेसवर का धन्यवाद होवै। ज्यांतै मै अपणी समझ तै तो परमेसवर के नियम-कायदे नै मानना चाहूँ सूं, पर पापी सुभाव के कारण मै पाप का गुलाम सूं।

8 इस करकै इब जो मसीह यीशु पै बिश्वास करै सै, उनपै दण्ड का हुकम कोनी। 2 क्यूँके पवित्र आत्मा थमनै वा जिन्दगी देवैगा, जो मसीह यीशु की ओड़ तै आवै सै, अर वो थारे ताहीं पाप अर मौत तै आजाद करै सै। 3 क्यूँके जो काम मूसा नबी के नियम-कायदे पापी सुभाव कै कारण देह म्ह न्ही कर सके, उस ताहीं परमेसवर नै करया, यानिके अपणे ए बेट्टे ताहीं इन्सान के रूप म्ह पापबलि होण कै खात्तर भेज दिया, परमेसवर नै पाप की शक्ति ताहीं अपणे बेट्टे की देह के बलिदान के जरिये तोड़ दिया। 4 ज्यांतै के मूसा नबी के नियम-कायदे की विधि म्हारै म्ह पूरी करी जावै, जो पापी सुभाव कै मुताबिक न्ही, बल्के पवित्र आत्मा कै मुताबिक चाल्लै सै, 5 क्यूँके जो अपणे पापी सुभाव के कारण चाल्लै सै, वो बुरी चिज्जां कै बारें म्ह सोचवै सै, पर जो-जो पवित्र आत्मा के जरिये चाल्लै सै, वो उन चिज्जां के बारें म्ह सोचवै सै, जो पवित्र आत्मा ताहीं खुश करै सै। 6 जै थम अपणी पापमय लालसा के मुताबिक चाल्लोंगे तो मरोगे, पर पवित्र आत्मा के कहे मुताबिक चाल्लोंगे तो जिन्दगी अर शान्ति पाओगे। 7 क्यूँके पापमय लालसा के मुताबिक चालणा तो परमेसवर तै बैर राखणा सै, क्यूँके ना तो वो परमेसवर के नियम-कायदे कै अधीन सै अर ना कदे हो सकै सै। 8 अर जो पापमय लालसा के मुताबिक चाल्लै सै, वे परमेसवर नै खुश न्ही कर सकदे। 9 पर जिब के परमेसवर का पवित्र आत्मा थारे म्ह बसै सै, तो थम पापमय लालसा के मुताबिक न्ही पर पवित्र आत्मा के कहे मुताबिक चाल्लों। जै किसे म्ह मसीह का आत्मा कोनी चाल्दा तो वो परमेसवर का माणस कोनी। 10 जै मसीह थारे म्ह वास करै सै, तो पाप कै कारण देह मरी होई सै, पर धार्मिकता कै कारण थारी आत्मा जिन्दा सै। 11 जै परमेसवर का आत्मा जिसनै मसीह यीशु ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, थारे म्ह बस्या होया सै, तो जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, वो थारी नाश होण आळी देह नै भी अपणे पवित्र

आत्मा कै जरिये जिन्दा करैगा, जो थारे म्ह बस्या होया सै। 12 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, हम पापी सुभाव के कर्जदार कोनी के हम इसकै मुताबिक बरताव करां। 13 क्यूँके जै थम पापी सुभाव के मुताबिक जीओगे, तो मरोगे जै पवित्र आत्मा तै पापमय लालसा के काम्मां नै मारोगे तो जिन्दे रहोगे। 14 ज्यांतै के जितने माणस परमेसवर के आत्मा के चलाए चाल्लै सै, वैए परमेसवर की ऊलाद सै। 15 क्यूँके थारे ताहीं गुलामी की आत्मा कोनी दी गई, के थम डरो, पर पवित्र आत्मा हमनै परमेसवर की ऊलाद बणावै सै, जिसतै हम हे अब्बा, हे पिता कहकै बोल्लां सां। 16 पवित्र आत्मा आप ए म्हारी आत्मा कै गेल्या गवाही देवै सै, के हम परमेसवर की ऊलाद सां, 17 अर जै ऊलाद सां तो वारिस भी, बल्के परमेसवर के वारिस अर मसीह कै संगी वारिस सां, अगर हम मसीह के ढाळ दुख ठावांगे, तो हम उसकी महिमा म्ह भी शामिल हो पावांगे। 18 मन्नै पक्का यकिन सै, के इस बखत के दुख अर क्लेश उस महिमा कै स्याम्ही, उस महिमा के समान जो प्रभु म्हारै ताहीं देवैगा, किमे भी कोनी सै। 19 क्यूँके सृष्टि की सारी चिज्जें घणी उम्मीद भरी निगांह तै परमेसवर की ऊलाद की बाट देखण लागरी सै। 20 परमेसवर की बणाई गई हर एक चीज नै अपने मकसद ताहीं खो दिया सै, यो इस करकै न्ही के सृष्टि खुद चाहवै थी, पर परमेसवर नै इसा करया, पर फेर भी आस सै। 21 सृष्टि भी खुद उस दिन की बाट देखवै सै, जिब वो मौत अर विनाश की गुलामी तै छुटकारा पाकै, परमेसवर की महिमा म्ह उसकी ऊलाद कै साथ शामिल होवेंगे। 22 क्यूँके हमनै बेरा सै के सारी सृष्टि इब ताहीं मिलकै कराहती अर दर्दा म्ह पड़ी, उस जनानी की तरियां सै, जिसा बच्चा होण तै पैहले दर्दा म्ह तड़कै सै। 23 अर सिर्फ परमेसवर की बणाई सृष्टि ए न्ही, पर हम भी जिस म्ह होण आळी महिमा के पैहले तै स्वाद चखण के रूप म्ह पवित्र आत्मा का वास सै, हम खुद भी अपने-आप म्ह कराहवा सां। यो जिब्बे होगा जिब हम देह तै आजाद होवांगे, अर परमेसवर हमनै अपनी ऊलाद बणाण कै खातर अपनावै। 24 आण आळी महिमा की आस के जरिये ए थारा उद्धार होया सै, जै थम उन चिज्जां की आस राक्खों सों जो थारे धोरै पैहले तै सै, तो थारी आस धरणा बेकार सै, कोए भी उस चीज की आस कोनी राखदा, जो उसकै धोरै पैहले तै सै। 25 हम उन चिज्जां की आस

करां सां, जो म्हारे धोरे इब ताहीं सै कोनी, तो हम धीरज तै बाट देक्खां सां, जिब तक वो चीज हमनै मिल ना जावै। 26 प्रार्थना करण खात्तर म्हारे धोरे बुद्धि कोनी, पर पवित्र आत्मा म्हारी मदद करै सै, क्यूँके हमनै न्ही बेरा के किन बात्तां के खात्तर प्रार्थना करणी चाहिये, पर पवित्र आत्मा आप्पे इसी आह भर-भरकै, जो बयान तै बाहरणै सै, म्हारै खात्तर बिनती करै सै। 27 परमेसवर जो मनां का जाँचण आळा सै उसनै बेरा सै, के पवित्र आत्मा का मकसद के सै? क्यूँके वो पवित्र माणसां के खात्तर परमेसवर की मर्जी के मुताबिक बिनती करै सै। 28 हमनै बेरा सै के जो माणस परमेसवर तै प्यार राक्खै सै, उनकै खात्तर सारी बात मिलकै भलाई ए नै पैदा करै सै, यानिके उनकै खात्तर जो उसकी मर्जी के मुताबिक चुणे होए सै। 29 क्यूँके जिन ताहीं परमेसवर नै पैहल्या तै चुण्या होया सै, उन ताहीं उसके बेटे यीशु मसीह जिसे बणण खात्तर ठहराया भी सै, ताके वो घणे भाईयाँ म्ह पैहल्ड़ा यानी जेठ्ठा बणै। 30 फेर जिन माणसां ताहीं उसनै पैहल्या तै ठहराया, उन ताहीं चुण्या भी, अर जिन ताहीं चुण्या, उन ताहीं धर्मी भी बणाया सै, अर जिन ताहीं धर्मी बणाया, उन ताहीं अपणी महिमा म्ह भागीदारी भी बणाया सै। 31 तो इन बात्तां तै हम यो नतिज्जां लिकाड़ा सां, जै परमेसवर म्हारी कान्ही सै, हमनै कौण हरा सकै सै? 32 परमेसवर वो सै जिसनै अपणे खुद के बेटे ताहीं भी म्हारे खात्तर बलिदान करण म्ह कोए संकोच कोनी करया, तो जो उसनै म्हारे तै वादा करया सै, वो सारा कुछ म्हारे ताहीं क्यूँ न्ही देवैगा? 33 कोए भी हमनै परमेसवर के स्याम्ही दोषी न्ही ठहरा सकता? परमेसवर ए सै जो म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै। 34 कोए भी हमनै दोषी न्ही ठहरा सकता? क्यूँके यीशु मसीह ए सै, जो मरया बल्के मुर्दा म्ह तै जिन्दा भी उठ्या, अर परमेसवर के सोळी ओड़ सै, अर म्हारै खात्तर बिनती भी करै सै। 35 कौण हमनै मसीह के प्यार तै न्यारा करैगा? के क्लेश, संकट, उपद्रव, अकाळ, नंगाई, जोखम, या तलवार? 36 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “तेरे खात्तर लोग हमनै रोज मारण की धमकी देवै सै, हम मरण आळी भेड्डां की तरियां समझे गये सां।” 37 पर इन सारी बात्तां म्ह हम उसके जरिये जिसनै म्हारै तै प्यार करया सै, जयवन्त तै भी बाध सै। 38 क्यूँके मै जाणु सूँ के कोए भी चीज मसीह नै म्हारे तै प्यार करण तै न्ही रोक सकदी। इसतै कोए फर्क न्ही पड़ता के चाहे

हम जिवां या मरा, सुर्गदूत, प्रधानताएँ, शक्तियाँ जो सुर्ग म्ह सै इन म्ह तै कोए भी हमनै मसीह के प्यार तै अलग न्ही कर सकदी, अर इब जो होण लागरया सै, जो भविष्य म्ह होण आळा सै, गहराई, ऊँचाई हमनै परमेसवर के प्यार तै, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह म्ह सै अलग न्ही कर सकदी।

9 जै कोए भी चीज हमनै परमेसवर के प्यार तै अलग न्ही कर सकदी, तो क्यूँ इस्राएली, मेरे यहूदी भाई परमेसवर तै दूर सै? मेरा मन उन खात्तर भोत दुखी सै, जै उन माणसां के छुटकारै खात्तर मेरे उप्पर चाहे दोष भी लगाये जावै या मसीह तै अलग करया जावै, तोभी मै इसके खात्तर तैयार सूं, अर मै मसीह नै गवाह मानते होए सच बोल्लू सूं, पवित्र आत्मा अर मेरी अन्तरात्मा भी या गवाही देवै सै के मै झूठ कोनी बोल्ला। **4** वे इस्राएल देश के माणस सै, अर वे परमेसवर के गोद लिये होड़ माणस सै, अर महिमा, करार, नियम-कायदे अर परमेसवर की आराधना करण का हक अर वादे उन्हे के सै। **5** अब्राहम, इसहाक, याकूब ये सारे पूर्वज भी उन्हे के सै, अर मसीह भी देह के भाव तै उन्हे म्ह तै इस्राएली सै। जो सारया कै उप्पर परम परमेसवर सै, युगानयुग धन्य हो। आमीन। (aiōn g165) **6** पर इसा कोनी के परमेसवर अपणे वादे तै मुकर गया, ज्यांतै के जो इस्राएल के वंशज सै, वे सारे सच्चे इस्राएली कोनी। **7** अर ना अब्राहम का वंश होण कै कारण सारे उसकी सच्ची ऊलाद होगी, पर पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “इसहाक के वंश म्ह जन्म लेण तै ए सारे उसकी सच्ची ऊलाद न्ही हो जान्दी।” **8** यानिके जो दुनियावी तौर पै शारीरिक रूप तै जन्मे होए परमेसवर की ऊलाद कोनी, पर वायदे की ऊलाद सै। **9** क्यूँके वादे का वचन यो सै: “आगले साल मै इससे बखत दुबारा आऊँगा, अर तब सारा कै एक बेटा पैदा होवैगा।” **10** अर सिर्फ योए न्ही, पर जिब रिबका कै गर्भ म्ह एक ए आदमी यानिके म्हारै पूर्वज इसहाक तै जुड़वां बाळक पैदा होए। **11** इब तै पैहले के वो पैदा होते अर कुछ बुरा या भला काम जाणते, परमेसवर नै रिबका तै कह दिया था के “जेट्टा बेटा छोटळै का गुलाम होवैगा,” परमेसवर नै यो दिक्खाण कै खात्तर कह्या था, वो अपणे मन की इच्छा तै खुद चुनाव करै सै, ना के उनके भले या बुरे काम्मां तै। **13** जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “मन्नै एसाव तै बड़कै याकूब तारहीं घणा प्यार करया।” **14** ज्यांतै हम के कहां? के परमेसवर की

अपणी इच्छा तै चुनाव करणा अन्याय सै? न्ही! बिलकुल न्ही! 15 क्यूँके परमेसवर मूसा नबी तै कहवै सै, “मै जिस किसे पै दया करणा चाहूँ, उसपै दया करूँगा, अर जिस किसे पै तरस खाणा चाहूँ उससे पै तरस खाऊँगा।” 16 इस करके परमेसवर उस ताहीं चुणै सै, जिसके उप्पर वो दया दिखाणा चाहवै सै, उसका चुनाव इस बात पै आधारित कोनी, के लोग के चाहवै सै, अर वे के करण की कोशिश करै सै। 17 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै फिरौन (मिस्र के राजा) तै कह्या, “मन्नै तेरे ताहीं ज्या ए तै राजा बणाया सै, के तेरे म्ह अपणी सामर्थ दिखाऊँ, अर मेरै नाम का प्रचार सारी धरती पै होवै।” 18 इस करके वो जिसपै चाहवै सै उसपै दया करै सै, अर जिस ताहीं चाहवै सै उस ताहीं हठील्ला बणा देवै सै। 19 तब घणखरे माणस मेरै तै कहवैगें, “जै इसा सै, तो परमेसवर किस तरियां कह सकै सै, के हम गलत सां? क्यूँके परमेसवर जो करणा चाहवै सै उसनै करण तै कौण रोक सकै सै?” 20 हे भले माणस, भला तू कौण सै जो परमेसवर तै वाद-विवाद करै? के बणाई होई चीज बणाण आळे तै कह सकै सै, “तन्नै मेरै ताहीं इसा क्यांतै बणाया सै?” 21 के कुम्हार ताहीं माट्टी पै हक कोनी के एक ए लोदे म्ह तै एक बासण आदर कै खात्तर, अर दुसरे ताहीं अनादर कै खात्तर बणावै? 22 परमेसवर अपना छो अर अपणी सामर्थ उनके बिरुध्द दिखाणा चाहवै सै, जो नाश ए होण लायक सै, पर वो धीरज धरे सै क्यूँके वो दिखाणा चाहवै सै के वो कितना महान् सै, वो उन माणसां पै दया करै सै, जिन ताहीं उसनै अपणी महिमा म्ह साँझा करण खात्तर चुण्या सै। 24 यानिके म्हारै पै जिन ताहीं उसनै ना सिर्फ यहूदी माणसां म्ह तै, बल्के गैर यहूदियाँ म्ह तै भी चुण्या। 25 जिसा के वो होशे नबी की किताब म्ह भी गैर यहूदियाँ के बारे म्ह कहवै सै, “जो मेरी प्रजा कोनी थी, उन ताहीं मै अपणी प्रजा कहूँगा, अर जिनतै मै प्यार न्ही करूँ था, उन ताहीं प्यार करूँगा। 26 अर जिस जगहां पै परमेसवर नै इसा कह्या था, के थम मेरी प्रजा कोनी सो, उससे जगहां पै परमेसवर उन ताहीं अपणी ऊलाद कहवैगा।” 27 अर यशायाह नबी इस्राएल के माणसां कै बारे म्ह रुक्का मारके कहवै सै, “चाहे इस्राएल की ऊलादां की गिणती समुन्दर के बालू कै बराबर हो, तोभी उन म्ह तै थोड़े ए बचैगें। 28 क्यूँके परमेसवर धरती पै तावळा-ए आवैगा, अर एक बार म्ह ए सबका न्याय करैगा।” 29 जिसा

यशायाह नबी नै पैहल्या भी कह्या था, “जै सेनाओं का प्रभु म्हारे खात्तर कुछ वंश न्ही छोड़दा, तो म्हारी हाल्लत सदोम अर अमोरा नगर के जिसी हो जान्दी, जिस तार्हीं परमेसवर नै पूरी तरियां तै नाश कर दिया।” 30 ज्यांतै हम के कहां? गैर यहूदियाँ नै अपणे-आप तार्हीं धर्मी बणाण की कोशिश न्ही करी, पर परमेसवर नै मसीह यीशु पै बिश्वास करण के कारण उन तार्हीं धर्मी बणा दिया। 31 जो इस्राएली मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानके धर्मी बणाणा चाहवै थे वे धर्मी न्ही बण पाये। 32 यो किस तरियां हो सकै सै? इस करके के वे बिश्वास तै न्ही, पर मान्ना आच्छे काम्मां तै धर्मी बणाणा चाहवै थे। उननै उस ठोक्कर के पत्थर पै ठोक्कर खाई, 33 जिसा पवित्र ग्रन्थ यीशु मसीह के बारे कहवै सै, “देखो, मै यरुशलेम नगर म्ह एक ठेस लाग्गण का पत्थर, अर ठोक्कर खाण की चट्टान राक्खूँ सूँ, अर जो कोए उसपै बिश्वास करैगा वो शर्मिन्दा कोनी होवैगा।”

10 हे बिश्वासी भाईयो, मेरै मन की इच्छा अर मेरे यहूदी माणसां खात्तर, परमेसवर तै मेरी याए प्रार्थना सै के वे बचाए जावै। 2 क्यूँके मै उनकी गवाही घूँ सूँ, के उन तार्हीं परमेसवर के खात्तर उत्साह रहवै सै, पर सही समझके गेल्या न्ही। 3 क्यूँके वा धार्मिकता जो परमेसवर की ओड़ तै आवै सै, उस तार्हीं वे समझण म्ह नाकामयाब रहे अर अपणे तरिकके तै धर्मी बणाण की कोशिश करी, वे परमेसवर की धार्मिकता के अधीन न्ही होए। 4 क्यूँके मसीह नै पैहले तै ए उस मकसद तार्हीं पूरा कर लिया सै। जिस खात्तर नियम-कायदे दिए गये थे, उसका नतिज्जां यो होया के जो यीशु मसीह पै बिश्वास करै सै वो धर्मी बणाए जावेंगे। 5 क्यूँके मूसा नबी नै नियम-कायदा तै धर्मी बणाण के बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह यो लिख्या सै, के जो माणस उननै मान्ने सै, वो इस्से कारण तै जिन्दा रहैगा। 6 पर बिश्वास के जरिये धर्मी बणाये जाण के बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ या कहवै सै, के “तू अपणे मन म्ह न्यू ना कहिये, के मसीह तार्हीं नीचवै ल्याण खात्तर सुर्ग पै कौण चढ़ैगा?” 7 या “अधोलोक म्ह कौण उतरैगा?” (यानिके मसीह तार्हीं मरे होया म्ह तै जिन्दा उप्पर लाण के खात्तर!) (Abyssos g12) 8 पर के कहवै सै, योए के “परमेसवर का वचन तेरे धोरै सै, ताके तू उसनै अपणे मुँह तै अंगीकार कर सकै अर अपणे मन म्ह राक्ख सकै,” यो वोए बिश्वास का वचन सै, जो हम प्रचार करा सां। 9 जै तू

माणसां के स्याम्ही यीशु नै प्रभु मान ले, अर अपने मन तै बिश्वास करै के परमेसवर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, तो परमेसवर तन्नै बचावैगा। 10 क्यूँके हम अपने मन तै बिश्वास करां सां, तो हम परमेसवर के जरिये धर्मा बणाए जावै सै, अर हम मुँह तै अंगीकार करां सां, के हम मसीह पै बिश्वास करां सां, तो इस करके हम बच जावांगे। 11 क्यूँके यशायाह नै पवित्र ग्रन्थ म्ह मसीह के बारे म्ह यो लिख्या सै, “जो कोए उसपै बिश्वास करैगा वो शर्मिन्दा कोनी होवैगा।” 12 यहूदियाँ अर यूनानियाँ म्ह किमे फर्क कोनी, ज्यांतै के परमेसवर सारया का प्रभु सै, जो उसका नाम लेवै सै उस ताहीं वो बचावै सै। 13 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के “जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा, वो बचाया जावैगा।” 14 पर जिन माणसां नै मसीह पै बिश्वास न्ही करया, तो वे उसनै मदद खात्तर किस तरियां पुकारेंगे? अर जिसके बारे म्ह सुण्या न्ही उसपै किस तरियां बिश्वास करैंगे? अर वे किस तरियां सुणैंगे जिब तक कोए प्रचारक ना जावै। 15 जै प्रचारक भेज्जे ना जावै, तो किस तरियां प्रचार करै? जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “जो आच्छी बात्तां का सुसमाचार लेके आवै सै, उनके पाँव कितने सुहावने सै।” 16 पर सारया नै उस सुसमाचार पै बिश्वास कोनी करया जिसा यशायाह नबी कहवै सै, “हे प्रभु, किस्से नै भी म्हारै सन्देश पै बिश्वास न्ही करया?” 17 पर मसीह के बारे म्ह वचन सुणण तै बिश्वास होवै सै। 18 पर मै पूच्छु सूँ के यहूदियाँ नै, मसीह के बारे म्ह न्ही सुण्या? सुण्या तो जरूर सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “उनके बोल साबती धरती पै, अर उनके वचन दुनिया के कुणे ताहीं पोंहोचगे सै।” 19 फेर मै पूच्छु सूँ के इस्राएली लोग मसीह के बारे म्ह सन्देश ताहीं समझै सै? पैहल्या तो प्रभु नै मूसा नबी के जरिये यो कह्या, “मै उन गैर यहूदियाँ के जरिये थारे मन म्ह जळण पैदा करूँगा, मै थमनै यहूदियाँ के जरिये मूर्ख समझण आळे माणसां तै गुस्सा दिलाऊँगा।” 20 फेर जो बात प्रभु नै कही वा बात यशायाह नबी बड़ी हिम्मत करके कहवै सै, “जो मन्नै न्ही टोहवै थे, उननै मेरै ताहीं पा लिया, अर जो मन्नै बुझ्झै भी कोनी थे, उनपै मै जाहिर होया।” 21 पर इस्राएल देश के माणसां के बारे म्ह, परमेसवर यशायाह नबी के जरिये न्यू भी कहवै सै, “मै सारा दिन अपने हाथ, एक हुकम ना मानण आळी अर विवाद करण आळी प्रजा के कान्ही पसारे रहया।”

11 ज्यांतै मै पूच्छुं सूं, के परमेसवर नै अपणी प्रजा ताहीं छोड़ दिया? न्ही! बिलकुल न्ही! मै भी तो इस्राएली सूं, मै अब्राहम की पीढ़ी अर बिन्यामीन कै गोत्र म्ह तै सूं। 2 परमेसवर नै अपणी उस प्रजा ताहीं कोनी छोड्या, जिस ताहीं उसनै पैहल्याए तै चुण्या सै। के थमनै न्ही बेरा के पवित्र ग्रन्थ एलियाह नबी कै बारै म्ह के कहवै सै, वो इस्राएल के माणसां कै बिरोध म्ह परमेसवर तै शिकायत करै सै। 3 “हे प्रभु, उननै तेरे नबियाँ ताहीं मार दिया, अर तेरी वेदियाँ ताहीं नाश कर दिया सै, अर मै ए एकला बचा सूं, जो तेरे पै बिश्वास करूँ सूं अर जिन्दा सूं, अर वे मेरी जान भी लेणा चाहवै सै।” 4 तब परमेसवर नै एलियाह नबी तै कह्या, “मन्नै अपणे खात्तर सात हजार माणसां ताहीं राख राख्या सै, जिन नै बाल देवता की मूर्ति की आराधना करण खात्तर गोठ्ठे कोनी टेक्के सै।” 5 ठीक इस्से तरियां तै इस बखत भी, परमेसवर के अनुग्रह तै अलग करे होए कुछ यहूदी माणस बचरे सै, जिन ताहीं उसनै अपणे खात्तर चुण्या सै। 6 जै उन ताहीं परमेसवर नै अपणे अनुग्रह तै चुण्या सै, तो यो आच्छे काम्मां तै न्ही होया, न्ही तो अनुग्रह फेर अनुग्रह न्ही रहया। 7 फेर इसका नतिज्जा के लिकइया? हालाकि इस्राएली माणस जो परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चाहवै थे, पर वो बण न्ही पाए, पर परमेसवर नै जिन ताहीं चुण्या वे उसकै गैल धर्मी बण ग्ये, अर बचे होइ माणस हठीले करे गये अर उननै उसकी सुणण तै इन्कार कर दिया। 8 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह यशायाह नबी नै लिख्या सै, “परमेसवर नै उन ताहीं आज कै दिन तक सुस्त दिमाग दे राख्या सै, अर इसी आँख दी जो ना देखवै, अर इसे कान दिये जो ना सुणै।” 9 अर राजा दाऊद कहवै सै, “के जिसा एक पंछी खाणा खाण खात्तर जाळ म्ह फँस जावै सै अर जानवर खड्डे म्ह गिर जावै सै, उसी तरियां ये माणस भी परमेसवर की ओड़ तै दण्ड पावैगें। 10 उनकी आँख आँधी हो जावै ताके वो देख न्ही पावै, अर वे सारी हाण मुसीबतां म्ह फसे रहवै।” 11 तो मै पूच्छुं सूं, के यहूदी लोग ठोक्कर खाण के कारण सदा कै खात्तर नाश होगे? न्ही! बिलकुल न्ही! पर उनके अबिश्वास के कारण गैर यहूदियाँ ताहीं उद्धार मिल्या, ताके इस्राएल के माणसां कै जळण होवै। 12 ज्यांतै जै उनका अबिश्वास दुनिया की गैर यहूदियाँ कै खात्तर भलाई का कारण बणै, तो इस्राएल के माणसां का परमेसवर के धोरै बोहड़ के

आणा और भी आच्छा क्यूँ नही होगा। 13 मै थम दुसरी जात्तां तै ये बात कहूँ सूँ। जिब के मै गैर यहूदियाँ कै खात्तर प्रेरित सूँ, तो मै अपणी सेवा की बड़ाई करूँ सूँ, 14 ताके किसे तरियां तै मै अपणे कुण्बे आळे माणसां म्ह जळण पैदा करवा कै उन म्ह तै एक-आधै का उद्धार कराऊँ। 15 क्यूँके जिब इस्राएली माणसां का छोड़ दिया जाणा, गैर यहूदियाँ का परमेसवर कै साथ मेळ-मिलाप का कारण होया। तो उनका मसीह ताहीं अपणाया जाणा, इसा होगा, जिसा किसे माणस का मुर्दा म्ह तै जिन्दा जाणा। 16 मै थमनै एक उदाहरण देऊँ सूँ, यो यहूदी माणसां का रिवाज सै, जिब हम चून गुंधा सां, तो उस म्ह तै पैहले रोटी का एक पेड़ा परमेसवर कै खात्तर लिकाड़ा सां, तो पूरा गुन्ध्या होया चून भी परमेसवर कै खात्तर सै, उस्से तरियां जिस तरियां जड़ परमेसवर की सै, तो डाळी भी उस्से की सै। 17 इस्राएल के माणस जैतून की डाळी की तरियां सै अर पिता अब्राहम, इसहाक अर याकूब पेड़ की जड़ की तरियां सै, पर जै कुछ डाळी तोड़ दी गई, अर तू जंगळी जैतून होके उन म्ह कलम करया गया, अर यहूदी माणसां ताहीं मिलण आळी आशीष का फायदा थारे ताहीं भी होया, जिसा जैतून के पेड़ की डाळी पेड़ की जड़ तै रस हासिल करै सै। 18 तो थम यो घमण्ड ना करियो, के थम उन कटी होई डाळियाँ तै बढ़ियां सों, यो याद राक्खों के थम जड़ नै कोनी पर, जड़ थमनै सम्भाळै सै। 19 फेर थम बोल सकों सों के “परमेसवर पेड़ तै टुट्टी होए डाळियाँ की तरियां थमनै छोड़ देगा।” ताके गैर यहूदियाँ ताहीं अपणाले, जो के उन डाळियाँ की तरियां सै जो कलम करके लगाई गई सै। 20 यो सच सै के वे तो अबिश्वास कै कारण तोड़ी गई, पर तू बिश्वास तै बणया रहवै सै ज्यांतै घमण्डी ना होवै, पर भय मान, 21 क्यूँके जिब परमेसवर नै खुद की डाळियाँ पै दया नही करी तो वो थारे पै भी दया नही करैगा। 22 ज्यांतै परमेसवर की दया अर कठोरता नै देख! जो अबिश्वासी माणसां खात्तर कठोरता अर थारे खात्तर दया सै, जै थम असलियत म्ह उसकी दया की हद म्ह नही बणे रहवोंगे, तो थारे ताहीं भी काट के अलग कर दिया जावैगा। 23 यहूदी लोग भी जै बिश्वास करणा शरु करदे, तो दुबारा तै लगा दिए जावेंगे, क्यूँके परमेसवर उन ताहीं फेर छांग सकै सै। 24 एक जंगळी डाळी खात्तर एक आच्छे पेड़ का हिस्सा बणणा कुदरती नही सै, अर जो यहूदी कोनी

जंगली जैतून के पेड़ की डाळी की तरियां सै, जो के एक आच्छे जैतून के पेड़ म्ह लगाई गई सै, पर यहूदी एक डाळी की तरियां सै जो आच्छे पेड़ तै उगै सै, पक्के तौर पै वे अपणे पेड़ म्ह शामिल हो सकै सै। 25 हे बिश्वासी भाईयो, मै न्ही चाहन्दा के थम इस भेद तै अनजाण रहों, इसा ना हो के थम अपणे-आप पै घमण्ड करण लाग्गों, जिब तक गैर यहूदी परमेसवर के धोरै ना आवै सै, तब तक इस्राएल के कुछ माणस सख्त बणे रहवैंगे। 26 अर इसके बाद सारे इस्राएल के माणस उद्धार पावैंगे। जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “छुटाण आळा यरुशलेम तै आवैगा, अर अभगति नै याकूब के वंश तै दूर करैगा। 27 अर उनकै गेल्या मेरा यो करार होगा, जिब मै उनके पापां नै माफ कर दियुंगा।” 28 यहूदी लोग परमेसवर के दुश्मन बणगे थे, क्यूँके वे उस सुसमाचार पै बिश्वास करण न्ही चाहन्दे, यो थारे खात्तर फायदेमन्द होया, पर परमेसवर उनतै प्यार करै सै, क्यूँके उसनै अपणे खात्तर उन ताहीं चुण्या सै, योए वो वादा सै जो उसनै म्हारे पूर्वजां तै करया था। 29 क्यूँके परमेसवर अपणे वरदान्नां तै, अर बुलाहट तै कदे भी पाच्छै कोनी हटदा। 30 एक बखत था जिब थम गैर यहूदियाँ नै परमेसवर ताहीं ठुकरा दिया था, पर इब इस्राएल के माणसां नै परमेसवर ताहीं ठुकरा दिया, इस कारण थारे पै दया दिखाई गई। 31 थारे पै दया दिखाण के कारण उनपै भी दया दिखाई जावैगी। 32 क्यूँके सारे माणसां नै परमेसवर के हुकम का उलंघण करया सै, योए कारण सै के परमेसवर उनकै गैल कैदियाँ की ढाळ बरताव करै सै, वो इस करके इसा करै सै के सब माणसां पै दया हो सकै। (eleēsē g1653) 33 ओह! किसा अपार सै परमेसवर की बुद्धि अर ज्ञान का भण्डार! कितने महान् सै उसके फैसले! अर किसा रहस्यमयी सै उसके काम करण का तरिककां! 34 “भला कौण जाण सकै सै परमेसवर के मन नै? या कौण उसका सलाहकार होया सै? 35 या किसनै परमेसवर ताहीं कुछ दिया सै, जिसका बदला उस ताहीं दिया जावै?” इसा कोए कोनी। 36 क्यूँके सब कुछ उस्से कै कान्ही तै आवै सै, अर उस्से नै सब कुछ बणाया सै अर सब कुछ उस्से का सै। उसकी महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै आमीन। (aiōn g165)

12 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै परमेसवर की दया याद दुवाकै बिनती करूँ सूं, के अपणी जिन्दगी ताहीं जिन्दा, पवित्र अर परमेसवर ताहीं

भान्दा होया बलिदान करके चढ़ाओ। योए परमेसवर की सेवा करण का सही तरिककां सै। 2 इस दुनिया के माणसां बरगे ना बणो, पर परमेसवर थारी सोच नै बदलै, अर थारा चाल-चलण भी बदलता जावै, जिसतै थम परमेसवर की भली, अर आच्छी लागण आळी, अर सिध्द इच्छा अनुभव तै बेरा पाड़ सको। (aiōn g165) 3 क्यूँके मै उस अनुग्रह के कारण जो मेरै ताहीं मिल्या सै, थारे म्ह तै हरेक तै कहूँ सूँ, के जिसा समझणा चाहिये, उसतै बढ़कै कोए भी अपणे-आपनै ना समझै। पर इसकी बजाए सदबुध्दी राखकै, जिसा परमेसवर नै जितना बिश्वास थारे ताहीं दिया सै उसकै मुताबिक अपणे-आपनै समझो। 4 क्यूँके जिसा म्हारी एक देह म्ह घण-ए अंग सै, अर सारे अंगा का एके काम कोनी। 5 इस्से तरियां हम जो मसीह म्ह बिश्वास करा सां, हम उसके देह के कुछ अंग बणगे सां, अर हम दुसरे तै जुड़े होए सां। 6 जिब के उस अनुग्रह कै मुताबिक जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं दिया सै, हमनै न्यारे-न्यारे वरदान मिले सै। तो जिस ताहीं परमेसवर नै भविष्यवाणी का दान दिया सै, वो उन ए बात्तां नै बोल्लै जो उसनै बिश्वास दिलाते हो के ये परमेसवर की ओड़ तै सै। 7 जै दुसरयां की सेवा करण का दान मिल्या हो, तो सेवा म्ह लाग्या रहवै, जै कोए सिखाण आळा हो, तो सिखाण म्ह लाग्या रहवै। 8 जो उत्साहित करण आळा हो, वो उत्साहित करण म्ह लाग्या रहवै, दान देण आळा हो उदारता तै देवै, जो अगुवाई करै, वो जोश तै करै, जो दया करै, वो खुशी तै करै। 9 प्यार करण का दिखावा ना करो, बुराई तै नफरत करो, भलाई म्ह उत्सुक रहो। 10 एक-दुसरे तै इस तरियां प्यार करो, जणु एक ए परिवार के हो, आप्पस म्ह एक-दुसरे का बढ़-चढ़कै आदर करो। 11 कड़ी मेहनत करो अर आलसी ना बणो, आत्मिक जोश तै भरे रहो। प्रभु की सेवा पूरे मन तै करदे रहो। 12 आस म्ह खुश रहो, क्लेश म्ह धीरज धरो, प्रार्थना म्ह सारी हाण लागगे रहो। 13 पवित्र माणसां ताहीं जो किमे जरूरी हो, उस म्ह उनकी मदद करो, अर अजनबी माणसां की सदा सेवा-पाणी म्ह लागगे रहो। 14 अपणे सताण आळा ताहीं आशीष द्यो, आशीष दो श्राप ना द्यो। 15 आनन्द करण आळा कै गेल्या आनन्द करो, अर रोण आळा कै गेल्या रोओ। 16 जिस तरियां थम अपणी परवाह करो सों, उस्से तरियां दुसरयां की परवाह करो, खुद पै घमण्ड ना करो, पर दीन-दुखियाँ कै गेल्या

संगति राक्खो, अपणी नजर म्ह अकलमंद ना होवो। 17 बुराई कै बदले किसे तै बुराई ना करो, जो बात सारे माणसां कै लोवै आच्छी सै, उनकी फिक्र करया करो। 18 जित्त ताहीं हो सकै, थम पूरे मन तै सारे माणसां कै गेल्या मेळ-मिलाप राक्खो। 19 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, बदला ना लियो, पर परमेसवर ताहीं बदला लेण का मौक्का द्यो, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “बदला लेणा मेरा काम सै, प्रभु कहवै सै मै ए बदला ल्यूँगा।” 20 पर वचन यो भी कहवै “जै तेरा बैरी भूक्खा हो तो उस ताहीं खाणा खुवा, जै तिसाया हो तो उस ताहीं पाणी पिला, क्यूँके तेरे इसा करण तै वो खुद शर्मिन्दा हो जावैगा।” 21 बुराई तै ना जीत हासिल करो, पर भलाई तै बुराई नै जीत ल्यो।

13 हरेक माणस शासन करण आळे अधिकारियां कै अधीन रहवै, क्यूँके सारे अधिकार परमेसवर की ओड़ तै आवै सै, अर जो अधिकार सै, वे परमेसवर नै बणाये सै। 2 ज्यांतै जो कोए भी माणस उन माणसां का पालन करण तै इन्कार करै सै, जिनके धोरै शासन करण की शक्ति सै, तो वो परमेसवर की विधि का बिरोध करै सै, अर बिरोध करण आळे दण्ड पावैगें। 3 क्यूँके हाकिम आच्छे काम के न्ही, पर भुन्डे काम कै खात्तर डर का कारण सै। जै तू हाकिम तै बिना डरे रहणा चाहवै सै, तो आच्छा काम कर, ताके उसकी ओड़ तै तेरी बड़ाई हो। 4 क्यूँके वो तेरी भलाई कै खात्तर परमेसवर का सेवक सै। परन्तु जै तू बुराई करै, तो डर, क्यूँके उसनै दण्ड देण का हक सै, अर वो परमेसवर का सेवक सै ताके उसके छो कै मुताबिक भुन्डे काम करण आळे ताहीं सजा देवै। 5 ज्यांतै थम उनके अधीन रहों ना सिर्फ उसके दण्ड तै बचण खात्तर बल्के साफ अन्तरात्मा राक्खण खात्तर भी। 6 ज्यांतै चुंगी भी द्यो क्यूँके शासन करण आळे परमेसवर के सेवक सै अर सारी हाण उस फर्ज नै पूरा करण म्ह लाग्गे रहवै सै। 7 ज्यांतै हरेक का हक चुकाया करो, जिस ताहीं चुंगी देणी चाहिये, उस ताहीं चुंगी देओ, कर देण आळे ताहीं कर देओ, जिसतै डरणा चाहिये, उसतै डरो, जिसका आदर-मान करणा चाहिये, उसका आदर-मान करो। 8 एक ए चीज सै जिसके थमनै कर्जदार होणा चाहिए, वो सै थारा आप्पस म्ह प्यार, क्यूँके जो एक-दुसरे तै प्यार करै सै, उससे नै परमेसवर के नियम-कायदा ताहीं पूरा करया सै। 9 क्यूँके, मूसा

नबी के नियम-कायदा म्ह भोत-से हुकम सै, “जारी ना करणा, खून ना करणा, चोरी ना करणा, लालच ना करणा,” अर इन्ने छोड़ और कोए भी हुकम हो, तो सारया का निचोड़ इस एक हुकम म्ह पाया जावै सै, “अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार करो।” 10 प्यार पड़ोसी की कुछ बुराई कोनी करदा, जो प्यार करै सै, वो परमेसवर के नियम-कायदा नै पूरा करै सै। 11 आप्पस म्ह हरेक नै एक-दुसरे तै प्यार करते रहणा चाहिए, क्यूँके वो बखत आवै सै, के जिब परमेसवर हमनै इस बुरी दुनिया तै छुड़ावैगा, जिब हमनै पैहली बार मसीह म्ह बिश्वास करया था, तब तै इब वो बखत धीरे आ लिया सै, तो थारे ताहीं नींद तै जागणा चाहिए अर सावधान रहणा चाहिए। 12 दुनिया म्ह रहण का म्हारा बखत लगभग एक रात की ढाळ सै, जो खतम होण आळी सै, अर मसीह के बोहड़ण आळा बखत भोत लवै सै, ज्यांतै हमनै अन्धकार के काम्मां नै छोड़कै, चाँदणे की ढाळ आच्छे काम करणे चाहिए, जो बुराई का बिरोध करण म्ह म्हारे हथियार बणै सकै। 13 आओ! हम खुद नै सही तरिकके तै चलाणा शरु करा, जो उन माणसां की तरियां सै जो चाँदणे म्ह रहवै सै, पर अँधेरे म्ह रहण आळे माणसां की ढाळ ना बणो जो भोग-विलास, दारूबाजी, जारी, लुचपण, रोळे अर जळण करण जिसा काम करै सै। 14 बल्के प्रभु यीशु मसीह ताहीं कवच बणा के पैहर ल्यो, अर देह की पापी अभिलाषायां नै पूरा करण का उपाय ना करो।

14 जो माणस बिश्वास म्ह कमजोर सै, उस ताहीं अपणी संगति म्ह ले ल्यो, पर उस ताहीं के करणा चाहिए के न्ही करणा चाहिए इस बारें म्ह बहस ना करो। 2 एक नै बिश्वास सै, के सारा कुछ खाणा सही सै, पर जो बिश्वास म्ह कमजोर सै वो साग-पात ए खावै सै। 3 अर माँस-मच्छी खाण आळे साग-पात खाण आळे ताहीं तुच्छ ना जाणै, अर ना साग-पात खाणआळा, माँस-मच्छी खाणआळै पै दोष लावै, क्यूँके परमेसवर नै दोनुआ ताहीं अपणाया सै। 4 तू कौण सै जो दुसरे कै नौक्कर पै दोष लावै सै? पर उसकी कामयाबी या नाकामयाबी उसकै माल्लिक कै ए हाथ्थां म्ह सै, बल्के वो कामयाब ए कर दिया जावैगा, क्यूँके प्रभु उस ताहीं कामयाब कर सकै सै। 5 इस तरियां कई माणस तो एक दिन नै दुसरे तै बाध मान्नै सै, अर कई माणस सारे दिनां नै एक जिसा जाणै सै, इस तरियां तै हरेक अपणे ए मन म्ह, इस बात नै

पक्का कर लेवै जो वो सोचवै सै वोए सही सै। 6 जो कोए किसे दिन नै बाध मान्नै सै, वो प्रभु नै आदर मान देण खात्तर मान्नै सै। जो कोए माँस-मच्छी खावै सै, वो प्रभु नै आदर मान देण खात्तर खावै सै, क्यूँके वो परमेसवर का धन्यवाद करै सै, अर जो साग-पात खावै सै, क्यूँके वो प्रभु नै आदर मान देण खात्तर खावै अर परमेसवर का धन्यवाद करै सै। 7 क्यूँके हम सारे प्रभु के सां। म्हारै म्ह तै ना तो कोए अपणे खात्तर जिन्दा सै, अर ना कोए अपणे खात्तर मरै सै, पर परमेसवर ताहीं खुश करण खात्तर करै सै। 8 जै हम जिवां सां, तो प्रभु कै खात्तर जिवां सां, अर जै मरा सां, तो प्रभु कै खात्तर ए मरा सां, हम जिवां या मरा, हम प्रभु ए के सां। 9 क्यूँके मसीह यीशु इस्से खात्तर मरा अर मुर्दा म्ह तै जिन्दा भी हो गया के वो मरे होया अर जिन्दयां का, दोनुआं का प्रभु होवै। 10 तू अपणे बिश्वासी भाई पै क्यातै दोष लावै सै? या फेर क्यातै अपणे बिश्वासी भाई नै तुच्छ जाणै सै? परमेसवर हम सारा का न्याय करैगा। 11 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “प्रभु कहवै सै, मेरे जीवन की कसम, के हरेक घुटना मेरै स्याम्ही टिकैगा, अर हरेक कोए अपणी जुबान तै मन्नै परमेसवर मान लेवैगा।” 12 ज्यातै म्हारै म्ह तै हरेक नै अपणे-अपणे काम का लेक्खा परमेसवर ताहीं देणा पड़ैगा। 13 इस खात्तर आगै तै हम एक-दुसरे पै दोष न्ही लावांगे, पर थम या ठान ल्यो के कोए अपणे बिश्वासी भाई कै स्याम्ही पाप करण की बजह ना बणै। 14 मन्नै बेरा सै अर प्रभु यीशु म्ह मन्नै पक्का यकिन होया सै, के कोए खाण-पीण की चीज अपणे-आप तै अशुद्ध कोनी, पर जो उस ताहीं अशुद्ध समझै सै, उसके खात्तर अशुद्ध सै। 15 जै तेरा बिश्वासी भाई तेरे खाणे कै कारण दुखी होवै सै, तो फेर तू मसीह की प्यार की रीत पै न्ही चाल्दा, जिसके खात्तर मसीह मरा, तेरे खाणे की बजह तै तेरा बिश्वासी भाई मसीह तै पाच्छै ना हटै। 16 इस करके जै तू अपणी नजर म्ह बढ़िया काम करै सै, पर दुसरा उसनै बुरा मान्नै सै तो उसनै ना करै। 17 क्यूँके परमेसवर का राज्य खाणा-पीणा कोनी, पर धार्मिकता अर मेळ-मिलाप म्ह ए खुशी सै, जो पवित्र आत्मा तै मिलै सै। 18 जो कोए इस तरियां तै मसीह की सेवा करै सै, इसतै परमेसवर खुश होवै सै, अर माणसां म्ह भी उसकी तारीफ होवै सै। 19 ज्यातै हम उन काम्मां म्ह लाग्गे रह्वां जिनतै मेळ-मिलाप अर शान्ति होवै, अर एक-दुसरे का बिश्वास मजबूत होवै। 20 खाणे

कै खात्तर परमेसवर का काम ना बिगाड़ै। सारी ढाळ का खाणा शुद्ध सै, पर उस माणस कै खात्तर पाप करण की बजह ना बणो, जिस ताहीं उसकै खाणे तै ठेस लागै सै। 21 भला तो यो सै के तू ना माँस-मच्छी खा अर ना अंगूर का रस पी, ना और किमे इसा करै जिसतै तेरे बिश्वासी भाई के बिश्वास नै ठेस लागै। 22 जै तू बिश्वास करै के तू सही करै सै, तो इन बात्तां नै अपणे ए अर परमेसवर के बीच म्ह राख। धन्य सै वो जो उस बात म्ह, जिस ताहीं वो सही समझै सै, अपणे-आपनै कसूरवार न्ही समझदे। 23 पर इब थारे मन म्ह शक सै, के खाणा सै अर के न्ही खाणा अर फेर भी खा ल्यो सो, तो पाप करो सों। क्यूँके थम अपणे बिश्वास के मुताबिक न्ही करते अर जै थम इसा काम करो सों, जिसपै थमनै बिश्वास सै, वो काम गलत सै, तो वो पाप सै।

15 हो सकै सै के हम जो बिश्वास म्ह मजबूत सां, हम जाणा सां के इन बात्तां तै कोए फर्क न्ही पड़ता, हम इस खात्तर यो काम न्ही करते के हम अपणे-आपनै खुश कर सका, हमनै उन माणसां का डर अर शंका का भी ध्यान करणा सै, के जो यो सोचै सै के हम गलत सां। 2 म्हारै म्ह तै हरेक नै अपणे बिश्वासी भाई कै साथ भले काम करणे चाहिए, जो उसनै खुश करै अर उस ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत बणाए राक्खै। 3 क्यूँके मसीह नै अपणे-आप ताहीं खुश कोनी करया, पर जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “तेरी बुराई करण आळा नै मेरी बुराई करी सै।” 4 जितनी बात पैहल्या तै पवित्र ग्रन्थ म्ह लिक्खी गई, वे म्हारी ए सिखाण कै खात्तर लिक्खी गई सै, ताके हम धीरज अर उत्साह जो म्हारे ताहीं पवित्र ग्रन्थ देवै सै, उसके जरिये हमनै आस मिलै। 5 मै प्रार्थना करूँ सूँ के धीरज अर उत्साह का दात्ता परमेसवर, थमनै यीशु मसीह की तरियां जीवन बिताण अर एक-दुसरयां कै साथ शान्ति तै रहण म्ह मदद करै। 6 ताके थम सब कठ्ठे होकै म्हारै परमेसवर प्रभु यीशु मसीह कै पिता की महिमा करो। 7 इस करकै एक-दुसरे नै अपणाओ जिसा मसीह नै थारे ताहीं अपणाया सै, यो इस खात्तर करो के माणस परमेसवर की जै-जै कार करै। 8 ज्यांतै मै कहुँ सूँ के जो वादे म्हारे पूर्वजां ताहीं दिए गये थे, उन वादा नै मजबूत करण खात्तर मसीह, परमेसवर की सच्चाई साबित करण खात्तर मसीह, यहूदी माणसां का सेवक बणया। 9 अर गैर यहूदी भी परमेसवर की दया कै कारण उसकी महिमा करै, जिसा पवित्र

ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “ज्यांतै मै गैर यहूदी माणसां म्ह तेरा धन्यवाद करूंगा, अर तेरे नाम के भजन गाऊंगा।” 10 फेर कह्या सै, “हे गैर यहूदी माणसों, परमेसवर की प्रजा कै गैल आनन्द करो।” 11 अर फेर पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “हे गैर यहूदी माणसों, प्रभु की जय-जयकार करो, अर हे राज्य-राज्य के सारे माणसों, उसकी बड़ाई करो।” 12 अर यशायाह नबी पवित्र ग्रन्थ म्ह कहवै सै, “यिशै के वंश तै एक बेटा पैदा होगा, अर सारी जात्तां पै राज करैगा, वो गैर यहूदी माणसां नै बचावैगा।” 13 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के परमेसवर जो आस का दात्ता सै, थारे ताहीं बिश्वास करण म्ह सारी तरियां के आनन्द अर शान्ति तै भरपूर करै, के पवित्र आत्मा की सामर्थ तै थारी आस बधती जावै। 14 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मै अपणे-आप थारे बारै म्ह पक्का जाणु सूँ, के थम भी आप ए भलाई तै भरे होए सों, अर थमनै बेरा होणा चाहिए के थमनै के करणा चाहिए, अर एक-दुसरे नै सीखा भी सको सों। 15 तोभी मन्नै कई बात्तां के बारें म्ह थारे ताहीं जो हिम्मत करके लिख्या। यो उस अनुग्रह कै कारण होया जो परमेसवर नै मेरै ताहीं दिया सै, 16 के मै गैर यहूदियाँ कै खात्तर मसीह यीशु का सेवक होके परमेसवर कै सुसमाचार की सेवा याजक कै ढाळ करूँ, ताके गैर यहूदियाँ ताहीं परमेसवर खात्तर भेट के रूप म्ह दे सकूँ, जिसके साथ वो खुश होवै सै, जिन ताहीं पवित्र आत्मा नै पवित्र माणस बना दिया। 17 ज्यांतै मै यीशु मसीह के कारण ए परमेसवर की सेवा पै गर्व कर सकूँ सूँ। 18 क्यूँके मै हिम्मत कै गैल सिर्फ उन बात्तां बारै म्ह जिक्र करणा चाहूँ सूँ, जो मसीह नै मेरे ताहीं करण के काबिल बनाया, ताके जो मन्नै कह्या अर करया सै उसके जरिये गैर यहूदी माणस परमेसवर का हुकम मान्ने। 19 पवित्र आत्मा के जरिये दी गई शक्ति तै मै अदभुत चिन्ह-चमत्कार करूँ सूँ, इस कारण जित्त भी मै यरुशलेम नगर तै लेके चौगरदेके इल्लुरिकुम परदेस तक गया, ओडै मन्नै सारया ताहीं यीशु मसीह का सुसमाचार सुणाया। 20 पर मेरै मन की इच्छा या सै के जित्त-जित्त मसीह यीशु का नाम नही लिया गया, ओडैए सुसमाचार सुणाऊँ, अर उस मकान बणाण आळे मिस्त्री की ढाळ ना होऊँ जो दुसरे की नीम पै घर बणावै सै। 21 पर जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै मै उस ताहीं पूरा करणा चाहूँ सूँ, “जिनके धोरै यीशु मसीह का सुसमाचार नही पोंहच्या, वैए देखेंगे,

अर जिन नै न्ही सुणा वैए समझेंगें।” 22 ज्यांतै मै थारे धोरे आण तै बार-बार रुक्या रहया। 23 पर इब यरुशलेम नगर अर इल्लुरिकुम परदेस म्ह मन्नै माणसां ताहीं परमेसवर का वचन सुणा दिया सै, जिननै यीशु मसीह के बारे म्ह सुण्या ए न्ही था, अर इब मै थारे तै आकै मिलूंगा, जिसकी लालसा मन्नै घणे साल्लां तै थी। 24 ज्यांतै जिब मै स्पेन देश म्ह जाऊंगा, तो थारे धोरे होंदा होया जाऊंगा, क्यूँके मन्नै उम्मीद सै के उस सफर म्ह थारे तै भेंट होवैगी, अर जिब थारी संगति तै मेरा जी खुश हो जावै, तो थम मेरी स्पेन देश जाण म्ह मदद कर दिओ। 25 पर इब तो मै यरुशलेम नगर म्ह जाऊँ सूं ताके ओड़े परमेसवर के पवित्र माणसां नै दान दे सकूँ। 26 क्यूँके मकिदुनिया अर अखाया परदेस के माणसां नै यो आच्छा लाग्या के यरुशलेम नगर के गरीब माणसां कै खात्तर कुछ दान कट्टा करै। 27 उननै आच्छा तो लाग्या, पर वे यरुशलेमवासियों कै कर्जदार भी सै, क्यूँके यहूदियाँ नै गैर यहूदियाँ के साथ परमेसवर की आत्मिक बाततां का साँझा करया सै, यो सही सै गैर यहूदियाँ की दुनियावी चिज्जां नै यहूदियाँ कै गैल साँझा करै। 28 ज्यांतै मै यरुशलेम नगर म्ह जाण लागरया सूं, ताके वो दान दे सकूँ, जो मन्नै कट्टा करया सै, उसके बाद थारे तै रोम देश म्ह मिलकै स्पेन देश म्ह जाऊंगा। 29 अर मन्नै बेरा सै के जिब मै थारे धोरे आऊंगा, तो मै मसीह की आशीष नै थारे साथ साँझा करूंगा। 30 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारै प्रभु यीशु मसीह म्ह बिश्वास के कारण अर जो पवित्र आत्मा नै म्हारे ताहीं जो प्यार दिया सै मै थारे तै बिनती करूँ सूं, के मेरे खात्तर अर मेरे साथ मन तै परमेसवर तै प्रार्थना करो 31 ताके मै यहूदिया परदेस के अबिश्वासियाँ तै बचा रहूँ, अर जो दान मै यरुशलेम नगर म्ह लेकै जाण लागरया सूं, वो परमेसवर के पवित्र माणसां खात्तर खुशी का कारण बणै। 32 अर मै परमेसवर की मर्जी तै थारे धोरे आनन्द कै गैल आकै थारे गेल्या आराम पाऊँ। 33 मै प्रार्थना करूँ सूं, शान्ति का दात्ता परमेसवर थारे सारया कै गेल्या रहवै। आमीन।

16 मै थारे तै फिबे कै खात्तर जो म्हारी बिश्वासी भाण अर किंखिया नगर की कलीसिया की सेविका सै, मै चाहूँ सूं के थम उसका आदर करो। 2 थम यो जाणकै उसका इसा स्वागत करो जिसा थम परमेसवर के पवित्र माणसां का करो सों, अर जिस किसे बात म्ह उस ताहीं थारी जरूरत होवै, उसकी

मदद करो, क्यूँके वा भी घणखरयां की बल्के मेरी भी उपकार करण आळी रही सै। 3 प्रिसकिल्ला बिश्वासी भाण अर उसके धणी अक्विला नै जो मसीह यीशु म्ह मेरै गैल काम करणीये सै, उन ताहीं मेरा नमस्कार। 4 उननै मेरै प्राण कै खात्तर अपणा ए जीवन जोख्खम म्ह गेर दिया था, अर सिर्फ मै ए न्ही, बल्के गैर यहूदियाँ की सारी कलीसिया भी उनका धन्यवाद करै सै। 5 अर उस कलीसिया नै भी नमस्कार जो उनके घर म्ह कठ्ठा होवै सै। मेरे प्यारे भाई इपैनितुस नै, जिसनै आसिया म्ह सब तै पैहले मसीह पै बिश्वास करया, उस ताहीं भी मेरा नमस्कार। 6 बिश्वासी भाण मरियम ताहीं, जिसनै थारे खात्तर घणी मेहनत करी, नमस्कार। 7 बिश्वासी भाई अन्दूनीकुस अर उसकी भाण यूनियास नै जो मेरे यहूदी साथी सै, जो मेरै गेल्या कैद होए थे अर प्रेरितां म्ह बड़ा नाम्मी सै, अर मेरै तै पैहल्या मसीह म्ह आए थे, नमस्कार। 8 बिश्वासी भाई अम्पलियातुस नै, जो प्रभु मसीह म्ह मेरा प्यारा सै, नमस्कार। 9 बिश्वासी भाई उरबानुस नै, जो मसीह म्ह म्हारा गैल काम करणीया सै, अर मेरे प्यारे बिश्वासी भाई इस्तखुस नै नमस्कार। 10 बिश्वासी भाई अपिल्लेस नै जो मसीह म्ह खरयां लिकड़या, नमस्कार। बिश्वासी भाई अरिस्तुबुलुस कै कुण्बे नै नमस्कार। 11 मेरै बिश्वासी साथी हेरोदियोन नै नमस्कार। बिश्वासी भाई नरकीस्सुस का कुण्बे के जो माणस परमेसवर पै बिश्वास करै सै, उन ताहीं नमस्कार। 12 त्रुफेना अर त्रूफोसा बिश्वासी भाणां नै जो प्रभु म्ह मेहनत करै सै, नमस्कार। प्यारी बिश्वासी भाण पिरसिस नै, जिसनै प्रभु म्ह घणी मेहनत करी, नमस्कार। 13 बिश्वासी भाई रूफुस नै जो प्रभु नै अपणा होण खात्तर चुण्या सै, अर उसकी माँ नै, जो मेरी भी माँ के समान सै, दोनुआ नै, नमस्कार। 14 बिश्वासी भाई अंसुक्रितुस, फिलगोन, हिर्मेस, पत्रुबास, हर्मास अर उनकै साथ के सारे बिश्वासी भाईयाँ नै, नमस्कार। 15 बिश्वासी भाई फिलुलुगुस, यूलिया अर नेर्युस अर उसकी बेब्बे, अर बिश्वासी भाई उलुम्पास अर उनकै साथ के सारे पवित्र माणसां नै नमस्कार। 16 आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। थारे ताहीं मसीह की सारी कलीसियाओं की ओड़ तै नमस्कार। 17 इब हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूँ सूँ, के जो माणस उस सच्ची शिक्षा कै उल्ट जो थमनै मिली सै, अर उन माणसां नै जो फूट गेरण अर ठेस लाग्गण का कारण बणै सै, उननै

ताड़ लिया करो अर उनतै दूर रहो। 18 क्यूँके इसे माणस म्हारै प्रभु मसीह के न्ही, पर अपणी ए इच्छा पूरी करै सै, अर चिकणी-चुपड़ी बात्तां तै सीधे-सादे माणसां नै भका देवै सै। 19 थारा, परमेसवर के हुकम मानण का जिक्र सारे माणसां म्ह फैल गया सै, ज्यांतै म्ह थारे बारै म्ह आनन्द करूँ सूँ, पर मै न्यू चाहूँ सूँ के थम भलाई कै खात्तर अकलमंद, पर बुराई कै खात्तर भोळे बणे रहो। 20 शान्ति का परमेसवर शैतान की शक्तियाँ नै खतम करके, थारे अधीन कर देवैगा। म्हारै प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै। 21 मेरे गैल काम करणीया बिश्वासी भाई तीमुथियुस का, अर मेरे कुणबे आळे भाई लूकियुस, यासोन अर सोसिपत्रुस का थारे ताहीं नमस्कार। 22 मै तिरतियुस जो पौलुस की चिट्ठी लिखण म्ह मदद करण लागरया सूँ, मेरा प्रभु म्ह थारे ताहीं नमस्कार। 23 बिश्वासी भाई गयुस भी थारे ताहीं नमस्कार करै सै मै इब उसके घर म्ह रहण लागरया सूँ, जित्त कलीसिया कट्टी हो सै। बिश्वासी भाई इरास्तुस जो नगर का भण्डारी सै, अर भाई क्वारतुस का भी थारे ताहीं नमस्कार। 24 मै प्रार्थना करूँ सूँ के म्हारै प्रभु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै। 25 इब जो मन्नै थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया सै, यानिके यीशु मसीह के संदेश कै प्रचार कै मुताबिक जो थमनै बिश्वास म्ह मजबूत कर सकै सै, उस भेद कै प्रकाशन कै मुताबिक जो पुराणे बखत तै लुहक्या रहया। (aiōnios g166) 26 पर इब जाहिर होकै, सनातन परमेसवर कै हुकम तै, अर नबियाँ की किताबां कै जरिये गैर यहूदियाँ ताहीं बताया गया सै, ताके वे भी बिश्वास करके हुकम मानणआळे हो जावै, (aiōnios g166) 27 यीशु मसीह कै जरिये उस एकमात्र बुद्धिमान परमेसवर की युगानुयुग महिमा होन्दी रहवै। आमीन। (aiōn g165)

1 कुरिन्थियों

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै प्रभु यीशु मसीह का प्रेरित होण के खात्तर बुलाया गया अर बिश्वासी भाई सोस्थिनेस भी मेरे गैल सै। **2** मै या चिट्ठी परमेसवर की उस कलीसिया के माणसां ताहीं लिखूँ सूँ, जो कुरिन्थुस नगर म्ह सै, अर जिन ताहीं परमेसवर नै मसीह यीशु म्ह अपणे खात्तर अलग तै छाँट के राक्खे सै, अर उसनै म्हारे ताहीं अपणे पवित्र माणस होण के खात्तर बुलाया सै, अर उन सारया के नाम भी जो हरेक जगहां म्हारे अर अपणे प्रभु यीशु मसीह की सेवकाई करै सै। **3** हम प्रार्थना करां सां, के म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। **4** मै थारे बारै म्ह अपणे परमेसवर का सारी हाण धन्यवाद करूँ सूँ, क्यूँके मसीह यीशु म्ह परमेसवर का अनुग्रह जो थारे पै होया सै, उसके कारण उसनै थारे ताहीं भोत सी आशीष दी सै। **5** थम मसीह यीशु म्ह सारी ढाळ तै सम्पन्न करे गये सों, उसनै थारे ताहीं हरेक ढाळ के आत्मिक वरदान दिए सै, ताके थम दुसरयां नै वचन का ज्ञान अर सुसमाचार सुणा सको। **6** जो खास काबलियत थारे ताहीं मिली सै, वा साबित करै सै, के मसीह यीशु के बारें जो सन्देश सै, वो सच्चा सै। **7** इस कारण जब थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण की बाट देखण लागरे सों, तो पवित्र आत्मा नै थारे ताहीं हरेक ढाळ के आत्मिक वरदान दिये सै। **8** परमेसवर थमनै आखिर ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत करैगा, ताके थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण के दिन म्ह बेकसूर ठहरो। **9** परमेसवर इसाए करैगा, क्यूँके जो वो कहवै सै, उसनै वो करण म्ह बिश्वास लायक सै, अर उसनै थारे ताहीं अपणे बेट्टे, अर म्हारै प्रभु यीशु मसीह की संगति म्ह बुलाया सै। **10** हे बिश्वासी भाईयो, जो प्रभु यीशु मसीह नै मेरे ताहीं हक दिया सै, उसके कारण मै थारे तै बिनती करूँ सूँ, के थम सारे एक-दुसरे तै सहमत रहो, थम एकता बणाए राक्खों ताके थारे म्ह फूट ना होवै, अर थम एक मत हो के आप्पस म्ह मिले रहो। **11** क्यूँके हे मेरे बिश्वासी भाईयो, खलोए के कुण्बे के माणसां नै मेरे ताहीं थारे बारै म्ह बताया सै, के थारे म्ह झगड़ें होवै सै। **12** मेरे कहण का मतलब यो सै के, थारे म्ह तै कोए अपणे-आपनै पौलुस का, कोए अपुल्लोस का, कोए कैफा का, कोए मसीह का चेल्ला कहवै सै। **13** जो थम करो सों

वो ठीक कोनी, के मसीह बट गया? के मै पौलुस थारे खात्तर क्रूस पै चढ़ाया गया? के थमनै मेरे नाम तै बपतिस्मा मिल्या? 14 मै परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, बिश्वासी भाई क्रिस्पुस अर गयुस नै छोड़, मन्नै थारे म्ह तै किसे ताहीं भी बपतिस्मा कोनी दिया। 15 कदे इसा ना हो के कोए थारे म्ह तै कहवै के थमनै मेरे नाम पै बपतिस्मा मिल्या सै। 16 अर हाँ, मन्नै स्तिफनास के कुण्बे ताहीं भी बपतिस्मा दिया, इन्नै छोड़ मै न्ही जाण्दा के मन्नै और किसे ताहीं भी बपतिस्मा दिया। 17 क्यूँके मसीह नै मेरे ताहीं बपतिस्मा देण ताहीं न्ही, बल्के सुसमाचार सुणाण ताहीं भेज्या सै, अर मन्नै माणसां ताहीं सुसमाचार चतुर विचार के मुताबिक कोनी सुणाया, इसा ना हो के मसीह के क्रूस पै मरण की कथा बेकार ठहरै। 18 क्यूँके क्रूस पै मसीह यीशु के मरण की कथा, नाश होण आळे माणसां कै खात्तर बेकूफी सै, पर हम उद्धार पाण आळा कै खात्तर परमेसवर की सामर्थ सै। 19 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै कह्या सै, के “जो अपणे-आपनै ज्ञानवान समझ सै, मै उननै दिखा दियुँगा के असलियत म्ह उनका ज्ञान बेकूफी तै भरया सै, अर वे बेकूफ सै।” 20 कित्त रहया ज्ञान्नी? कित्त रहया शास्त्री? कित्त रहया इस दुनिया का विवाद करण आळा? के परमेसवर नै दुनिया के ज्ञान ताहीं बेकूफी न्ही ठहराया? (aiōn g165) 21 क्यूँके परमेसवर नै यो आच्छा लाग्या के दुनिया के माणस अपणे ज्ञान कै मुताबिक परमेसवर ताहीं न्ही जाण सकै, तो उसनै म्हारे जरिये सुसमाचार के प्रचार ताहीं इस्तमाल करया, ताके उन माणसां नै बचा सकै जिननै उसपै बिश्वास करया सै, पर कुछ लोग्गां नै इस ताहीं बेकूफी समझा। 22 यहूदी लोग ए इस ताहीं बेकूफी समझै सै, क्यूँके वे सुर्ग तै चिन्ह-चमत्कार की बात्तां नै ए सच मान्ने सै, अर यूनानी लोग ज्ञान की टोह म्ह रहवै सै। 23 पर हम तो उस क्रूस पै चढ़ाए होड़ मसीह का प्रचार करा सां, जो यहूदी लोग्गां कै खात्तर ठोक्कर का कारण अर गैर यहूदियाँ कै खात्तर बेकूफी सै। 24 पर जिन ताहीं परमेसवर नै बुलाया सै, के यहूदी लोग, के यूनानी लोग, योए मसीह यीशु परमेसवर का सामर्थ अर परमेसवर का ज्ञान सै। 25 क्यूँके जो परमेसवर की बेकूफी लाग्गै सै, वो माणसां के ज्ञान तै ज्ञानवान सै, अर जो परमेसवर की कमजोरी लाग्गै सै, वो माणसां की ताकत तै घणी ताकतवर सै। 26 हे बिश्वासी भाईयो, याद करो के थम किसे थे

जिब परमेसवर नै थारे ताहीं बुलाया था, ना तो दुनिया के मुताबिक घणे ज्ञानवान, अर ना घणे सामर्थी, अर ना घणे आच्छे खानदान आळे थे। 27 बल्के परमेसवर नै दुनिया के बेकुफां ताहीं छाँट लिया सै के ज्ञानवानां ताहीं शर्मिन्दा करै, अर परमेसवर नै दुनिया के कमजोरां ताहीं छाँट लिया सै के ठाड्यां नै शर्मिन्दा करै। 28 अर परमेसवर नै उन माणसां ताहीं चुण्या, जो दुनिया की निगांह म्ह नीच अर तुच्छ सै। इनकै जरिये परमेसवर नै, जो घणे खास समझे जावै सै, उन ताहीं बेकार ठैहरा दिया। 29 परमेसवर नै यो इस करकै करया, ताके कोए प्राणी उसकै स्याम्ही घमण्ड न्ही करण पावै। 30 परमेसवर के जरिये करे गये काम के नतिज्जे तै थम मसीह यीशु म्ह सो, जो परमेसवर की ओड़ तै म्हारै खात्तर ज्ञान, धार्मिकता, पवित्रता, अर छुटकारा बणगे। 31 ताके जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, उस्से तरियां ए होवै, “जो घमण्ड करै वो प्रभु नै जो करया उसपै घमण्ड करै।”

2 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे धोरै बात्तां की चतुराई अर ना ए उत्तम ज्ञान का प्रदर्शन करण आया, बल्के मै थारे धोरै परमेसवर का सन्देश सुणाण आया था। 2 क्यूँके मन्ने यो ठान लिया था, के मै मसीह यीशु अर उसकी क्रूस की मृत्यु के अलावा, किसे और चीज के बारे म्ह थारे तै ना सुणु। 3 मै कमजोरी अर डरकै गेल्या, घणा थरथराता होया थारे गेल्या रहया। 4 अर मेरी शिक्षा, अर प्रचार म्ह ज्ञान की लुभाण आळी बात कोनी, पर पवित्र आत्मा नै सामर्थी रूप तै जाहिर करया सै, के जो सन्देश मन्ने थारे ताहीं सुणाया सै, वो सच्चा सै। 5 ज्यांतै के थारा बिश्वास माणसां कै ज्ञान पै न्ही, पर परमेसवर की सामर्थ के आसरै हो। 6 फेर भी मै, जो बिश्वास म्ह मजबूत सै उन ताहीं, ज्ञान भरया सन्देश सुणाऊँ सूँ, पर यो इस दुनिया का अर इस दुनिया के नाश होण आळे हाकिमां का ज्ञान कोनी। (aiōn g165) 7 पर जो ज्ञान हम सुणावां सां, वो परमेसवर का ज्ञान सै, जो छिप्या होया था, कोए भी उस ताहीं इब ताहीं न्ही समझ पाया था, परमेसवर नै दुनिया बणाण तै पैहले ए यो फैसला कर लिया था, के उसका ज्ञान म्हारे खात्तर महिमा लेकै आवैगा। (aiōn g165) 8 परमेसवर की योजना ताहीं इस दुनिया के हाकिमां म्ह तै कोए न्ही जाण पाया, क्यूँके जै वे जाणदे तो तेजोमय प्रभु ताहीं क्रूस पै कोनी चढ़ान्दे। (aiōn g165) 9 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “जो कदे आँखां तै देख्या कोनी

गया, अर कान तै सुण्या कोन्या गया, अर जो बात माणसां के चित्त म्ह कोनी चढ़ी, वे सारी बात परमेसवर नै उन खात्तर तैयार करी जो उसतै प्यार करै सै।” 10 पर परमेसवर नै उन बाततां ताहीं अपणे पवित्र आत्मा के जरिये म्हारै पै जाहिर करया, क्यूँके पवित्र आत्मा सारी बात, बल्के परमेसवर की गहरी बाततां नै भी जाँच्यै सै। 11 माणसां म्ह तै कौण किसे माणस की बाततां नै जाणै सै, सिर्फ माणस की आत्मा जो उस म्ह सै? उरसे तरियां ए परमेसवर की बाततां नै भी कोए न्ही जाणदा, सिर्फ परमेसवर की आत्मा। 12 पर परमेसवर नै म्हारे ताहीं अपणा आत्मा दिया सै, अर हम इसा न्ही सोचते जो दुनिया के लोग सोच्यै सै, इस करके हम उन आशीषां नै पिच्छाण सका सां जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं मुफ्त म्ह दी सै। 13 अर हम ये बात थारे ताहीं बतावां सां, हम माणसां के ज्ञान की सिखाई होड़ बाततां नै न्ही, पर पवित्र आत्मा की सिखाई होड़ बाततां नै आत्मिक माणसां ताहीं सिखावा सां। 14 पर शारीरिक माणस परमेसवर के आत्मा की बात अपणान्दा कोनी, क्यूँके वे उसकी निगांह म्ह बेकूफी की बात सै, अर ना वो उन ताहीं जाण सकै सै क्यूँके उनकी जाँच आत्मिक तरियां तै होवै सै। 15 आत्मिक माणस सारा किमे जाँच्यै सै, पर वो दुसरयां के जरिये जाँचया न्ही जान्दा। 16 यो सच सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या से, के कोए भी न्ही जाणता के प्रभु के मन म्ह के सै? पर हम बिश्वासी माणस जाणा सां के मसीह के मन म्ह के सै।

3 हे बिश्वासी भाईयो, जिब मै थारे साथ था तो थारे ताहीं आत्मिक बात न्ही सीखा पाया, जिस तरियां मै आत्मिक माणसां नै सिखाऊँ सूँ, पर मन्नै थारे तै दुनियावी माणसां की तरियां बात करी, क्यूँके थम मसीह म्ह इब भी बाळक के समान सों। 2 मन्नै थारे ताहीं परमेसवर के सुसमाचार की शरुआती शिक्षा ए सिखाई, जिस तरियां कोए इन्सान छोट्टे बाळक नै दूध पियावै सै, अर मन्नै थारे ताहीं वचन की गहरी बात न्ही सिखाई जो की रोटी की तरियां सै, क्यूँके थम इब्बे उस ताहीं अपणा न्ही सकदे। 3 क्यूँके इब ताहीं थम दुनियावी माणसां के पापी सुभाव के मुताबिक जीवन जिओ सों। ज्यांतै के इब भी थारे म्ह जळण अर झगड़े सै, तो के थम दुनियावी माणसां की तरियां कोनी? थम उन माणसां की तरियां सों जो परमेसवर के कोनी। 4 क्यूँके जिब एक माणस कहवै सै, “मै पौलुस का चेल्ला सूँ,” अर दुसरा

कहवै सै, “मै अपुल्लोस का चेल्ला सूं,” तो के थम दुनियावी माणस की तरियां कोनी? 5 अपुल्लोस कौण सै? अर पौलुस कौण सै? सिर्फ सेवक, जिनकै जरिये थमनै मसीह म्ह विश्वास करया। हम सब नै वोए काम करया जो म्हारे ताहीं प्रभु नै दिया। 6 यो उस पौधे की ढाळ सै, जो मन्नै लगाया, अपुल्लोस नै सींचा, अर परमेसवर नै बढ़ाया। 7 ज्यांतै ना तो लाणआळा किमे सै अर ना सींचण आळा, पर परमेसवर ए सारा किमे सै जो बढ़ाण आळा सै। 8 पौधा लगाण आळा अर उस ताहीं सींचण आळा दोनुआ का एक्के मकसद सै, पर हरेक माणस अपणी ए मेहनत कै मुताबिक अपणी ए मजदूरी पावैगा। 9 क्यूँके हम परमेसवर कै गैल काम करणीये सां, अर थम परमेसवर की खेत्ती अर उस घर की ढाळ सों जिस ताहीं परमेसवर बणाण लाग रह्या सै। 10 परमेसवर नै जो वरदान मेरे ताहीं दिए सै, तो मन्नै एक अकलमंद चिणाई आळे मिस्त्री की तरियां घर की नीम धरी, अर दुसरा उसपै रद्दा धरै सै। पर हरेक माणस चौक्कस रहवै के वो उसपै किसा रद्दा धरै सै। 11 क्यूँके जो नीम धरी सै, वा यीशु मसीह सै, कोए दुसरी नीम कोनी धर सकदा। 12 जै सेवक परमेसवर की सच्ची शिक्षा सिखावै सै, जो परमेसवर नै उस ताहीं दी सै, तो वो उस राज मिस्त्री की ढाळ सै, जो उस नीम पै आच्छे समान तै, जुकर सोन्ना, चाँदी, बेसकिमती पत्थर के जरिये, नीम पै घर बणावै सै, अर जै वो झूठी शिक्षा नै सिखावै सै, तो वो उसकी ढाळ सै, जो लाकड़ी, घास-फूस तै नीम पै घर बणावै सै। 13 तो हरेक माणस अपणे काम नै देखैगा के उसनै किसा काम करया सै, क्यूँके यीशु मसीह जाहिर कर देवैगा जिब वो बोहड़ के आवैगा, यो उस दिन की तरियां होगा जिब वो समान आग म्ह डाला जावैगा तो वो देखैगा के किसनै किसा काम करया सै, फेर वो फैसला करैगा के किसनै आच्छा अर किसनै बुरा काम करया सै। 14 जिस किसे का बणाया गया घर उस नीम पै डटया रहवैगा, तो वोए उसकी मजदूरी पावैगा। 15 जै मसीह तय करै के जो काम करया सै वो सही कोनी तो मसीह उस काम करण आळे नै मजदूरी नही देवैगा, पर वो अनन्त जिन्दगी नै नही खोवैगा जो परमेसवर नै उस ताहीं दी सै। 16 के थमनै नही बेरा के थम परमेसवर के मन्दर सो, अर परमेसवर की आत्मा थारे म्ह वास करै सै? 17 जै कोए परमेसवर कै मन्दर नै नाश करैगा, तो

परमेश्वर उसने नाश करेगा, क्योंकि परमेश्वर का मन्दर पवित्र है, अर वो थम सो। 18 धोक्खे म्ह ना रहों, जै थारे म्ह तै कोए यो सोच बेठै के वो दुनियावी बातों के मुताबिक अकलमंद है, तो ठीक तो यो होगा के वो खुद नै बेकूफ बणाले ताके अकलमंद बण जावै। (aiōn g165) 19 क्योंकि इस दुनिया का ज्ञान परमेश्वर की नजर म्ह बेकूफी है, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या है, “वो ज्ञानियाँ ताहीं उनकी श्याणपत म्ह फँसा देवै है।” 20 अर यो भी लिख्या है, के “प्रभु ज्ञानियाँ के विचारां नै जाणै है, के वो बेकार है।” 21 ज्यांतै माणसां पै कोए घमण्ड ना करै, क्योंकि सारा किमे थारा है। 22 के पौलुस, के अपुल्लोस, के कैफा, के दुनिया, के जीवन, के मरण, के वर्तमान, के भविष्य, सारा किमे थारा है, 23 अर थम मसीह के सो, अर मसीह परमेश्वर का है।

4 माणस हमने मसीह के सेवक अर परमेश्वर के भेदां के भण्डारी समझै, जो माणसां नै परमेश्वर का भेद समझावै है। 2 फेर उरै भण्डारी म्ह या बात देखी जावै है, के वो बिश्वास कै जोगगा हो। 3 पर मेरी निगांह म्ह या घणी छोट्टी बात है, के थम या माणसां का कोए न्यायाधीश मन्ने परखै, बल्के मै खुद अपणे-आप ताहीं कोनी परखदा। 4 क्योंकि मेरा मन मेरै ताहीं किसे बात म्ह कसूरवार कोनी ठहरान्दा, इस म्ह मै बेकसूर कोनी ठहरदा, पर मेरा परखण आळा प्रभु है। 5 ज्यांतै जिब ताहीं प्रभु का आणा ना हो, कोए किसे नै परखै ना, वो माणसां के विचारां नै साफ-साफ जाहिर कर देगा, अर वो माणसां के मनां के मकसद नै दिखावैगा, फेर परमेश्वर की ओड़ तै हरेक की बड़ाई होवैगी। 6 हे बिश्वासी भाईयो, मन्ने अपणा अर अपुल्लोस का जिक्र उदाहरण के तौर पै करया है, यो बताण खात्तर के मै थारे ताहीं के कहणा चाहूँ सूँ, जै थम उसपै ध्यान करो, जो पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या है, अर उसतै आगै ना बढ़ो, इसा ना हो के थम एक माणस का पक्ष ल्यो, अर दुसरे का अपमान करो। 7 थारे ताहीं कौण कहवै है, के थम दुसरयां तै उत्तम हो? हर काबलियत थमने परमेश्वर की ओड़ तै मिली है, अर सब कुछ परमेश्वर के जरिये दिया गया है, तो थमने घमण्ड करण का कोए हक कोनी? 8 थम सोच्यो सों के थारे धोरै पवित्र आत्मा के सारे वरदान है, जो माणसां ताहीं दिए जावै है, थम यो सोच्यों सों के म्हारे बिना सहयोग के थम राजा बणगे

सो, अर थम साहूकार भी बण लिए सो, पर आच्छा तो यो होंदा के थम असलियत म्ह ए राजा बणे होन्दे, अर हम भी थारे गेल्या राज करदे। 9 परमेसवर नै हम प्रेरितां ताहीं सारया तै आखरी जगहां पै राख्या सै। हम उन माणसां की तरियां सां, जिनकी मौत का हुकम हो लिया सै, क्यूँके हम सुर्गदूतां अर दुनिया के माणसां कै खात्तर एक तमाशा बणे सां। 10 माणस हमनै बेकूफ समझै सै, क्यूँके हम मसीह का प्रचार करया सां। थम या सोच्चों सों के थम अकलमंद सों, क्यूँके मसीह कै गैल थारा रिश्ता सै। भोत सारे माणस या सोच्चै सै के प्रेरित होण का म्हारे धोरै अधिकार कोनी, पर थम घमण्ड तै कहो सों, के थारे धोरै परमेसवर की शक्ति सै। माणस म्हारा न्ही थारा आदर करै सै। 11 हम आज तक भूक्खे-प्यास्से मार खावां सां, अर पाट्टे-पुराणे लत्यां म्ह रहवां सां, अर ना ए म्हारे घर-बार सै। 12 अर अपणे ए हाथ्यां तै काम करके मेहनत करा सां। माणस म्हारै ताहीं बुरा कहवै सै, हम आशीष देवां सां, वे सतावै सै, हम सहण करा सां। 13 वे बदनाम करै सै, हम प्यार तै बोल्ला सां। आज भी दुनिया के माणस म्हारा आदर कोनी करते, क्यूँके वे न्यू समझै सै के हम बेकार के माणस सां। 14 मै थमनै शर्मिन्दा करण कै खात्तर ये बात कोनी लिखदा, मेरा मकसद यो सै के मै थमनै सुधारु क्यूँके थम मेरे उन प्यारे बाळकां की ढाळ सों, जिनतै मै प्यार करूँ सूँ। 15 जै मसीह म्ह थारे सिखाण आळे दस हजार भी होन्दे, तोभी थारे पिता घणे कोनी, क्यूँके मसीह यीशु म्ह थारे ताहीं सुसमाचार सुणाण कै कारण मै थारा पिता बणग्या। 16 मै थारे तै बिनती करूँ सूँ के मेरे जिसा जीवन जिओ। 17 इस करके मन्नै तीमुथियुस ताहीं जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा अर बिश्वास कै जोगगा बेट्टा सै, थारे धोरै भेज्या सै। वो थमनै मसीह यीशु म्ह मेरा चाल-चलण याद करवावैगा, जिस तरियां के हरेक जगहां मै हरेक कलीसिया म्ह उपदेश देऊँ सूँ। 18 थारे म्ह तै घणखरे तो यो सोच्चै सै, के मै थमनै दुबारा मिलण कोनी आऊँगा, इस करके वे घमण्डी होंगे सै। 19 पर प्रभु नै चाह्या तो मै थारे धोरै तावळा-ए आऊँगा, अर देखूँगा के ये घमण्डी माणस सिर्फ बणावटी बात करै सै, या इनके धोरै परमेसवर की सामर्थ सै। 20 क्यूँके परमेसवर का राज्य बात्तां म्ह न्ही पर परमेसवर की सामर्थ के साथ जीण म्ह सै। 21 थम के चाहो सों, जो मै थारे गैल करूँ? जै थम अपणा बुरा

सुभाव न्ही छोड़ोगे तो मै सखताई तै थारे गैल पेश आऊँ, अर जै बुरा सुभाव छोड़ द्योगे तो मै प्यार अर नरमाई तै थारे धोरै आऊँगा।

5 कई माणसां नै थारे बारें म्ह बताया सै, के कलीसिया म्ह कई माणस सै जो जारी करै सै, बल्के इसी जारी जो अबिश्वासी माणसां म्ह भी कोनी होन्दी, के एक माणस अपणी सौतेल्ली माँ गैल गलत सम्बन्ध राक्खै सै। 2 कलीसिया के माणसां नै इस बात तै दुखी अर उदास होणा चाहिए, जिननै इसा काम करया सै, उननै कलीसिया तै काढ देणा चाहिए, पर थम तो इसी बात्तां पै घमण्ड करो सों। 3 भलाए मै थारे तै दूर था, पर इसा मान्नो, जणु मै आत्मा म्ह थारे धोरै था, अर इसा पाप करण आळे माणस के बारै म्ह मेरा योए हुकम सै। 4 थमनै यो करणा चाहिए, के जिब थम बिश्वासी भाई कठ्ठे होओ सों, तो यो याद राक्खों के यीशु मसीह का अधिकार थारे धोरै सै, अर इसा मान्नो जणु मै आत्मा म्ह थारे साथ सूँ। जिब परमेसवर का सामर्थ थारे साथ हो, 5 तब वो माणस जो पाप करण लागरया सै, उस ताहीं कलीसिया तै लिकाड़ द्यो, अर उस ताहीं शैतान के हाथ म्ह सौंप द्यो। ताके वो अपणे पापां खात्तर माफी माँग ले, अर वो आदमी माफी माँग ले सै, तो वो उस दिन बच जावैगा, जिस दिन प्रभु यीशु मसीह बोहड़कै आवैगा। 6 थारा घमण्ड करणा आच्छा कोनी, के थमनै न्ही बेरा के माड़ा-सा खमीर पूरे गुन्दे होए आटे ताहीं खमीर बणा देवै सै। उस्से तरियां जै एक माणस पाप करदा रहवै तो उस ताहीं देखकै और माणस भी पाप करणा शरु कर देंगे। 7 जिस तरियां यहूदी माणस फसह का त्यौहार मनाण तै पैहले, अपणे घर तै खमीर काढ देवै सै, उस्से तरियां थम उस जार माणस नै अपणे टोळ म्ह तै लिकाड़ द्यो, तो थम वो बिश्वासियाँ का टोळ बण जाओगे, जिन म्ह कोए भी जाण-बुझ के पाप करण आळा न्ही होगा, अर परमेसवर थारे मन नै भित्तर तै साफ करैगा, जै थम मसीह पै बिश्वास करोंगे, क्यूँके मसीह म्हारे खात्तर मरया ताके हमनै पापां तै आजाद करदे, वो उस भेड़ की ढाळ सै, जिस ताहीं यहूदी लोग फसह के त्यौहार पै बलिदान करै सै। 8 तो आओ, हम फसह का त्यौहार मनावां, ना तो पुराणे खमीर तै, ना बुराई अर दुष्टता के खमीर तै, बल्के खराई अर सच्चाई की अखमीरी रोटी तै। जिसका मतलब यो सै, के जिस तरियां थम बिश्वासी बणण तै पैहले जिओ थे, उस तरियां जीणा छोड़कै मसीह

कै पाच्छै चालणा शरु कर द्यो, ताके थारे मनां म्ह कोए बुराई ना रह पावै। 9 मननै अपणी पैहले की चिट्ठी म्ह यो लिख्या था, के जारी करणीया की संगति ना करियो। 10 मेरा मतलब यो कोनी, के थम जमाए इस दुनिया के जारी, लालची, अन्धेर या मूर्तिपूजा करण आळे माणसां तै कोए सम्बन्ध ना राखियो, क्यूँके इस तरियां के माणसां तै बचण खात्तर तो थमनै दुनिया ए छोड़णी पड़ैगी। 11 पर मेरा कहणा यो सै के जै कोए भाई बिश्वासी कुहाकै, जार, लालची, मूर्तिपूजा करणीये, गाळी देण आळा, दारूबाज, या अन्धेर करणीया हो, तो उसकी संगति मतना करियो, बल्के इसे माणस कै गेल्या खाणा भी ना खाईयो। 12 अबिश्वासी माणसां का न्याय भला मै क्यूँ करूँ? मननै दुसरयां तै के काम? पर या जिम्मेदारी थारी सै के थम उनकी बारीकी तै जाँच करो, जो कलीसिया म्ह सै। 13 जिसा के पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के अबिश्वासी माणसां का न्याय परमेसवर करै सै। ज्यांतै उस बुरे काम करणीये ताहीं अपणे बिचाळै तै लिकाड़ द्यो।

6 जै थारे म्ह किसे का दुसरे बिश्वासी गैल झगड़ा हो जावै, तो अपना फैसला परमेसवर के पवित्र माणसां कै धोरै ले जाओ, ना के उस न्यायाधीश कै धोरै जो के अबिश्वासी सै। 2 के थमनै बेरा कोनी के दुनिया का न्याय पवित्र माणस करैंगे? ज्यांतै जब थमनै दुनिया के माणसां का न्याय करणा सै, तो के थम छोट्या तै छोट्टे झगड्या का भी फैसला करण जोगगे कोनी? 3 के थमनै नही बेरा के हम सुर्गदूतां का न्याय करारंगे? तो उसकी बराबरी म्ह ये दुनियावी झगड़े के सै? 4 जै थारे बीच दुनियावी झगड़े सै, तो फैसला करण खात्तर उननै ए बिठाओगे, जो कलीसिया म्ह किमे कोनी समझे जावै सै? 5 मै थमनै शर्मिन्दा करण कै खात्तर न्यू कहुँ सूं। के साच्चए थारे म्ह एक भी अकलमंद नही मिलदा, जो अपणे बिश्वासी भाईयाँ के बीच होए झगड़े नै सुलझा सकै? 6 पर याडै तो एक बिश्वासी भाई दुसरे बिश्वासी भाई नै कचेह्डी म्ह घसीटै सै, अर वो भी अबिश्वासी माणसां कै स्याम्ही। 7 पर सच म्ह ए थारे म्ह मुकदमे चाल्लण लागरे सै, तो थम मसीह के माणस कोनी, इसकी बजाए थम खुद ए अन्याय अर अपना नुकसान क्यांतै नही सहन्दे? 8 पर थम तो खुदे अन्याय करो सो, अर नुकसान पोहोचाओ सो, अर वो भी दुसरे बिश्वासी भाईयाँ ताहीं। 9 के थमनै नही बेरा के जुल्मी माणस

परमेश्वर के राज्य के वारिस नही होवैगें? धोक्खा ना खाओ, बेश्या कै धोरै जाणीए, मूर्ति पूजणीये, बिगान्नी लुगाई कै धोरै जाणीए, लुच्चे, माणसां कै गेल्या कुकर्म करणीये, 10 चोर, लालची, दारूबाज, गाळी देणीये अर अन्धेर करणीये परमेश्वर कै राज्य के वारिस नही होवैगें। 11 अर थारे म्ह तै कई इसेए थे, पर प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै अर म्हारै परमेश्वर के आत्मा तै थारे पाप धोए गये, अर पवित्र अर धर्मी बणे। 12 थम कह सको सों, के मै कुछ भी करण खात्तर आजाद सूं, पर मै कहुँ सूं के सारी चीज मेरे फायदे की कोनी, जिब के मै सब कुछ कर सकूँ सूं, पर मै किसे चीज का गुलाम कोनी। 13 थम कह सको सों, के “खाणा पेट कै खात्तर, अर पेट खाणे कै खात्तर सै,” यो सच सै, पर परमेश्वर पेट अर खाणे नै दोनुआ ताहीं नाश करैगा। उस्से तरियां देह जारी कै खात्तर कोनी, बल्के प्रभु की महिमा खात्तर सै, अर प्रभु देह का रुखाळिया सै। 14 इस्से तरियां म्हारी देह भी महत्वपूर्ण सै, क्यूँके जिस तरियां परमेश्वर नै अपणी सामर्थ तै प्रभु यीशु ताहीं जिन्दा करया, अर वो म्हारै ताहीं भी जिन्दा करैगा। 15 के थमनै बेरा सै के थारी देह मसीह का अंग सै? तो के मै मसीह के अंग लेकै उन ताहीं बेश्या के संग जोड़ दूँ? कदे भी नही। 16 के थमनै नही बेरा के जो कोए बेश्या तै संगति करै सै, वो उसकै गेल्या एक तन हो जावै सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “वे दोन्नु एक तन होवैगें।” 17 अर जो प्रभु की संगति म्ह रहवै सै, उसकी अर परमेश्वर की आत्मा एक हो जावै सै। 18 जारी तै बचे रहो। और दुसरा कोए पाप म्हारे देह पै असर कोनी गरै जितना के जारी, पर जारी करणीया अपणी ए देह कै खिलाफ पाप करै सै। 19 के थमनै नही बेरा के थारी देह पवित्र आत्मा का मन्दर सै, जो थारे म्ह बस्या होया सै, अर थारे ताहीं परमेश्वर की ओड़ तै मिल्या सै, अर थम परमेश्वर के सो। 20 क्यूँके थम दाम देकै मोल लिये गये सो, ज्यांतै अपणी देह कै जरिये परमेश्वर की महिमा करो।

7 उन बात्तां कै बारै म्ह जो थमनै मेरे ताहीं चिट्ठी म्ह पूछी थी, के यो ठीक सै, के माणस ब्याह ना करै। 2 क्यूँके भौत सारे माणस जारी करै सै, इस करकै हरेक माणस जारी तै बचण खात्तर ब्याह करले, अर धणी-बीर एक-दुसरे के प्रति वफादार हो। 3 पति अपणी पत्नी की शारीरिक इच्छा पूरी करै, अर उस्से तरियां ए पत्नी भी अपने पति की शारीरिक इच्छा पूरी करै।

4 पत्नी का अपणी देह पै हक कोन्या पर उसकै पति का हक सै, उस्से तरियां ए पति नै भी अपणी देह पै हक कोनी, पर पत्नी का सै। 5 थम एक-दुसरे तै न्यारे ना रहो, पर सिर्फ कुछ बखत खात्तर आप्पस म्ह सलाह करके प्रार्थना कै खात्तर बखत लिकाड़ो, अर फेर एक साथ रहो, इसा ना हो के थारे असंयम के कारण शैतान थमनै इम्तिहान म्ह फँसा ले। 6 पर मेरा यो सुझाव सै, ना के आज्ञा। 7 मेरा तो यो सुझाव सै, के जिसा मै अकेल्ला सूं, उस्से तरियां ए सारे माणस भी अकेल्ले रहै। हरेक माणस ताहीं परमेसवर की ओड़ तै एक तरियां का उपहार मिला सै, किसे ताहीं ब्याह का, अर किसे ताहीं एकला रहण का। 8 अविवाहितां अर बिधवायां कै बारै म्ह मेरी या सलाह सै, के उनकै खात्तर एकला रहणा ठीक सै, जिसा मै सूं। 9 पर जै वे खुद पै काब्बू ना राख सकै, तो ब्याह करै, क्यूँके ब्याह करणा वासना म्ह जळण तै भला सै। 10 जिनका ब्याह होगया सै, उन ताहीं मै न्ही, बल्के प्रभु यीशु हुकम देवै सै, के पत्नी अपणे पति तै तलाक ना देवै 11 जै तलाक हो भी जावै, तो पत्नी बिना दुसरा ब्याह करे रहवै, या पत्नी अपणे पति तै दुबारा मेल कर लेवै, अर पति अपणी पत्नी नै तलाक ना दे। 12 दुसरयां तै, प्रभु यीशु मसीह न्ही पर मै ए कहूँ सूं, जै किसे भाई की पत्नी बिश्वास ना राखदी हो अर उसकै गेल्या रहण म्ह राज्जी हो, तो वो उस ताहीं तलाक ना देवै। 13 जिस बिरबान्नी का धणी बिश्वास ना राखदा हो, अर उसकै गेल्या रहण म्ह राज्जी हो, तो वा धणी नै तलाक ना देवै। 14 बिश्वासी पत्नी होण के कारण अबिश्वासी पति ताहीं भी परमेसवर अपणे ए लोग मान्नै सै, क्यूँके उसकी पत्नी बिश्वासी सै, इस्से तरियां जै बिश्वासी पति हो तो उसके कारण अबिश्वासी पत्नी ताहीं भी परमेसवर अपणे ए लोग मान्नै सै, क्यूँके उसका पति बिश्वासी सै, जै यो सच न्ही होन्दा तो थारा अबिश्वासी पति या पत्नी परमेसवर के न्ही कुहान्दे, अर थारे बाळ-बच्चे भी परमेसवर के न्ही कुहान्दे, पर इब वे परमेसवर के कुहवै सै। 15 पर जो माणस बिश्वास कोनी राखदा, अर जै वो तलाक देणा चाहवै, तो उस ताहीं तलाक देण द्यो, इसी दशा म्ह बिश्वासी भाई या भाण ब्याह के बन्धन तै आजाद हो जावै सै। क्यूँके परमेसवर नै म्हारै ताहीं मेळ-मिलाप कै खात्तर बुलाया सै। 16 क्यूँके हे बिरबान्नी, तू के जाणै सै के तू अपणे धणी का उद्धार करा लेवैगी? अर हे भले माणस, तू के जाणै सै के तू अपणी पत्नी

का उद्धार करा लेवैगा? 17 परमेसवर नै जिस ताहीं जिस दशा म्ह राख्या सै, अर जिस रूप म्ह मसीह पै बिश्वास करण खात्तर बुलाया सै, वो उस्से म्ह बणया रहवै। मै सारी कलीसियां ताहीं योए सुझाव देऊँ सूं। 18 जो यहूदी माणस परमेसवर पै बिश्वास करै सै, उस ताहीं खतने के निशान नै हटाण की जरूरत कोनी, अर जो गैर यहूदी माणस परमेसवर पै बिश्वास करै सै, उस ताहीं खतना करवाण की जरूरत कोनी। 19 इस बात तै कोए फर्क न्ही पड़ता के किसे माणस का खतना होया सै या कोनी होया, पर सब तै जरूरी बात या सै, के वो परमेसवर के हुकमां नै मान्ने। 20 हरेक माणस मसीह बणण तै पैहले जिस हालत म्ह बुलाया गया हो, उस्से हालत म्ह रहवै। 21 जै तू गुलाम की हालत म्ह बुलाया गया सै, तो फिक्र ना करै, पर जै तू आजाद हो सकै, तो तू आजाद होण की कोशिश कर। 22 क्यूँके जो दास की हालत म्ह मसीह पै बिश्वास करण खात्तर बुलाया गया सै, वो मसीह का आजाद करया होया सै। उस्से तरियां ए जो आजादी की हालत म्ह बुलाया गया सै, वो मसीह का दास सै। 23 परमेसवर नै थम दाम देकै मोल लिये हो, इस करकै थम माणसां के दास न्ही, पर परमेसवर के दास बणो। 24 मै दुबारा तै कहूँ सूं, हे बिश्वासी भाईयो, मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले थम जिस हालत म्ह बुलाये गये थे, विवाहित या अविवाहित उस्से हालत म्ह परमेसवर कै गेल्या रहों। 25 अविवाहितां कै बारै म्ह प्रभु का कोए हुकम मन्ने कोनी मिल्या, पर प्रभु नै दया करकै मेरे ताहीं बुद्धि दी सै, जिसपै भरोस्सा करया जा सकै सै, अर मै थमनै सलाह देऊँ सूं। 26 मेरी समझ म्ह यो ठीक सै के आजकाल के क्लेश कै कारण, जै माणस कुवारा सै, तो वो कुवारा ए रहवै। 27 जै तेरी पत्नी सै, तो उसनै तलाक देण की कोशिश ना करै, अर जै तेरे पत्नी कोन्या, तो अपणे खात्तर उसनै टोहवै ना। 28 पर जै तू ब्याह भी करै, तो पाप कोनी, अर जै कोए कुंवारी छोरी ब्याह करै सै, तो यो कोए पाप कोनी। हालाकि शादीशुदा माणस इस दुनिया म्ह भोत सी परेशानियाँ का सामना करैगें, अर मै चाहूँ सूं के थम इन परेशानियाँ म्ह ना पड़ो। 29 हे बिश्वासी भाईयो, मेरा मतलब यो सै के मसीह के आण का बखत थोड़ा ए बाक्की रह गया सै, इस करकै आज तै या चिन्ता ना करो के थारी पत्नी सै या न्ही, पर परमेसवर की सेवा म्ह लागे रहों। 30 रोण आळे, आनन्द करण आळे, अर चिज्जां नै मोल लेण आळे इन

चिज्जां के बारें म्ह घणा ना सोचै, क्यूँके इन सारी बातों की फिक्र थमनै परमेसवर की सेवा तै भटका देवैगी। 31 जो भी इस दुनिया म्ह सै, उननै अपने खात्तर ज्यादा कीमती ना समझों, क्यूँके दुनिया की सारी चीज नाश हो जावेंगी। 32 मेरी इच्छा या सै के थम संसारिक जिन्दगी की अभिलाषा तै मुक्त रहों। कुँवारे माणस प्रभु की सेवा करण की फिक्र म्ह रहवै सै के प्रभु तारीं किस तरियां खुश करै। 33 पर ब्याहता माणस दुनिया की चिज्जां की फिक्र म्ह रहवै सै, के अपनी पत्नी नै किस तरियां तै खुश करै। 34 कुँवारी अर ब्याहता बिरबान्नी म्ह भी फर्क सै, कुँवारी बिरबान्नी प्रभु की सेवा की फिक्र म्ह रहवै सै, अर वा देह अर आत्मा म्ह पवित्र रहण की कोशिश कर दी रहवै सै, पर ब्याहता बिरबान्नी दो बातों की फिक्र म्ह रहवै सै, के अपने पति नै किस तरियां खुश राखवूँ, अर परमेसवर नै किस तरियां खुश राखवूँ। 35 मै या बात थारी ए भलाई खात्तर कहूँ सूँ, ना के थमनै फसाण के मारे, बल्के ज्यांतै के जिया शोभा देवै सै, उसाए करया जावै, के थम एक चित्त होके प्रभु की सेवा म्ह लागे रहो। 36 जै किसे पिता नै यो लागे के मै अपनी कुँवारी बेट्टी के ब्याह म्ह देर करके उसके गैल अन्याय करूँ सूँ, क्यूँके उसकी उम्र ढळण लागरी सै, तो वो वोए करै जो उसनै ठीक लागे सै, वो उसनै ब्याह करण दे, यो कोए पाप कोनी। 37 पर जिस पिता नै मन म्ह यो ठान लिया सै, के वो अपनी छोरी का ब्याह कोनी करै, तो उस तारीं कोए उसका ब्याह करण खात्तर मजबूर ना करै, यो उसका हक सै जो वो चाहवै वोए करै, अर वो अपनी छोरी नै कुवारी ए राख सकै सै। 38 ज्यांतै जो अपनी कुवारी छोरी का ब्याह कर देवै सै, तो वो सही करै सै, अर जो ब्याह नही करदा, वो और भी सही करै सै। 39 बिरबान्नी जिब तारीं धणी के गैल बंधी रहवै सै, जिब तारीं के उसका धणी जिन्दा सै, पर जै उसका धणी मर जावै तो जिसतै चाहवै वा ब्याह कर सकै सै, पर वो परमेसवर पै बिश्वास करण आळा हो। 40 पर जै वा दुबारा ब्याह ना करै, तो मेरै विचार म्ह और भी ज्यादा सुखी सै, अर मै समझूँ सूँ, के परमेसवर का आत्मा मेरी अगुवाई करै सै।

8 थारी चिट्ठियाँ म्ह मूर्तियाँ के आगे चढ़ाई होइ चिज्जां के खाण के बारै म्ह थमनै पूछा था। हम सारया नै इस बात के बारें म्ह कुछ ज्ञान सै। ज्ञान म्हारे म्ह घमण्ड पैदा करै सै, पर प्यार तै बढ़ोतरी होवै सै, अर प्यार म्हारे तारीं

दुसरयां की मदद करणा सिखावै सै। 2 जै कोए समझै सै के वो सब कुछ जाणै सै, तो वो इब ताहीं यो कोनी जाणता के किस तरियां जाणणा चाहिये। 3 पर जै कोए परमेसवर तै प्यार करै सै, तो परमेसवर भी उस ताहीं जाणै सै। 4 मूर्तियाँ के स्याम्ही बलि करी होई चिज्जां के खाण के बारै म्ह हम जाणा सां, के दुनिया म्ह कोए भी मूर्ति सच्चा परमेसवर कोनी, क्यूँके एकैए सच्चा परमेसवर सै। 5 फेर भी धरती अर अकास पै भोत सै, जिन ताहीं लोग ईश्वर अर देवता कहवै सै, पर म्हारे खात्तर तो एकैए परमेसवर सै। यानिके पिता जिसकी ओड़ तै सारी चीज सै, अर हम उस्से के खात्तर सां। एकैए प्रभु सै, यानिके यीशु मसीह जिसके जरिये सारी चीज बणाई गई, अर हम भी उस्से के जरिये जिन्दे सां। 7 पर म्हारे कुछ बिश्वासी भाईयाँ नै इब ताहीं बेरा कोनी के मूर्तियाँ म्ह कोए शक्ति कोनी। क्यूँके वे पैहले मूर्तियाँ की पूजा करै थे, जिब वे मूर्तियाँ ताहीं दी गई बलि म्ह तै खावै सै, तो गलती तै इब भी मूर्तियाँ की पूजा करण म्ह शामिल सै, अर गलती तै सोचवै सै के उननै पाप कर दिया जिब वे मूर्ति के स्याम्ही चढ़ाई चीज खा लेवै सै। 8 खाणा हमनै परमेसवर के लोवै कोनी पोहोचान्दा। खाण तै इन्कार करण तै परमेसवर म्हारे तै खुश न्ही होन्दा, अर ना ए खाणा म्हारे ताहीं परमेसवर की निगांह म्ह आच्छा बणादा। 9 पर सावधान! इसा ना होवै के थारी या आजादी कदे बिश्वास म्ह कमजोर लोग्गां खात्तर ठोक्कर का कारण हो जावै। 10 थम जाणो सों के मूर्त असली देवता कोनी, अर थम मूरतां के मन्दर म्ह खाओ सों, पर जो बिश्वास म्ह कमजोर आदमी थारे ताहीं ओड़ै खान्दे देक्खै सै तो वो उत्साहित होवैगा, ताके मूर्ति के स्याम्ही बलि करया गया माँस वो खावै, जिब के उस ताहीं बेरा सै के यो पाप सै, जै वो इसा काम करै सै। 11 इस तरियां तै तेरे ज्ञान के कारण वो बिश्वास म्ह कमजोर भाई जिसके खात्तर मसीह मरया, मसीह म्ह बिश्वास करणा छोड़ देवैगा। 12 इस तरियां तै बिश्वासी भाईयाँ के खिलाफ अपराध करण तै अर उनकी कमजोर अन्तरात्मा ताहीं चोट पोहोचाण तै, थम मसीह के खिलाफ अपराध करो सो। 13 इस कारण जै मूर्तियाँ ताहीं दिया गया खाणा खाण तै दुसरे बिश्वासियाँ खात्तर बिश्वास छोड़ण का कारण बणै सै, तो मै उस तरियां का खाणा कदे न्ही खाऊँगा ताके दुसरे बिश्वासी भाई बिश्वास करणा ना छोड़ दे। (aiōn g165)

9 जो मैं चाहूँ सुं, वो सब कुछ करण खात्तर मैं आजाद सुं, मैं प्रेरित सुं। मन्ने म्हारे प्रभु यीशु तारीं देख्या सै, थम प्रभु म्ह मेरी मेहनत का ईनाम सों। 2 जै दुसरे माणस या न्ही मानते के मैं प्रभु यीशु का प्रेरित सुं, तो भाईयो थमनै बिश्वास करणा होगा, क्यूँके मैं वो सुं, जो थारे धोरे सुसमाचार लेकै आया। थारा प्रभु यीशु मसीह म्ह बिश्वास यो बतावै सै के मैं प्रेरित सुं। 3 जो माणस मेरे प्रेरित होण पै शक करै सै, उनके खात्तर योए मेरा जवाब सै। 4 बरनबास अर मेरे खात्तर, प्रेरित होण के कारण म्हारे तारीं यो हक सै, के हम अपणे काम के खात्तर थारे तै आर्थिक मदद ले सका सां। 5 के हमनै यो हक कोनी, के किसे मसीह भाण के गेल्या ब्याह करके उस तारीं अपणे गैल सफर म्ह लेकै जावां, जिसा दुसरे प्रेरित अर प्रभु का भाई याकूब, यहूदा अर पतरस करै सै। 6 मेरे अर बरनबास के धोरे भी यो हक सै, के हम और प्रेरितां के स्याम्ही आर्थिक मदद हासिल करां अर म्हारे तारीं जीण खात्तर कोए काम करण की जरूरत कोनी। 7 कौण सा फौज्जी अपणे खर्च तै जंग लड़े सै? कौण अंगूर का बाग लगाके उसका फल न्ही खान्दा? कौण भेड्डां की रुखाळी करके उनका दूध कोनी पीन्दा? 8 मैं इन बाततां नै सिर्फ माणस होण के नाते कोनी कहन्दा। मूसा नबी के नियम-कायदे भी योए कहवै सै, क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदे म्ह लिख्या सै, “नाज लिकाड़ते बखत चाल्दे होए बळध का मुँह ना बाँधियो।” के परमेसवर बळधां की ए फिक्र करै सै? 10 यो खास करके म्हारे खात्तर कहा गया सै, हाँ, म्हारे खात्तर ए लिख्या गया सै, क्यूँके यो जरूरी सै, के खेत बाहण आळा अर खलिहाण म्ह, भूसी तै नाज अलग करण आळा फसल का कुछ हिस्सा पाण खात्तर तो आस राक्खै ए गा। 11 हमनै परमेसवर के सुसमाचार का प्रचार थारे बीच म्ह करया। उस माणस की ढळ जो पौधे लगावै सै, हमनै थारे भित्तर परमेसवर के सन्देश तारीं लगाया सै। इस करके यो म्हारा हक सै, के म्हारी आर्थिक जरूरतां के खात्तर हम थारी मदद हासिल करां। 12 थमनै दुसरे माणसां की भी आर्थिक मदद करी, जिननै थारे तारीं सुसमाचार सुणाया था, बरनबास अर मैं उनतै भी ज्यादा आर्थिक मदद पाण का हक राक्खां सां, हालाकि, म्हारे म्ह तै किसे नै भी जोर कोनी दिया के थम उन चिज्जां नै द्यो जिनकी हमनै जरूरत सै। बल्के हम सब कुछ सहण खात्तर तैयार सां, ताके हम किसे तारीं भी मसीह के बारे म्ह

सुसमाचार पै बिश्वास करण म्ह अडचन पैदा ना करा। 13 के थमनै न्ही बेरा के जो मन्दर म्ह काम करण आळे सै, वे मन्दर म्ह तै खाणा खावै सै? पर जो वेदी पै बलि चढ़ावै सै वे बलिदानां का हिस्सा लेवै सै? 14 इस्से तरियां तै प्रभु नै भी ठहराया के जो माणस सुसमाचार सुणावै सै, उनकी जिन्दगी का गुजारा उन माणसां तै होणा चाहिए जो सुसमाचार सुणै सै। 15 पर मन्नै इन म्ह तै किसे भी अधिकार का इस्तमाल कोनी करया, अर ना ए मै इस मकसद तै लिखूँ सूँ, के मेरै खात्तर इसा कुछ करया जावै। बजाये इसकै, के कोए मन्नै, मेरी इस बात के गर्व तै अलग करै। इसतै आच्छा मै मर जाणा समझूँ। 16 जै मै सुसमाचार सुणाऊँ, तो इस म्ह मन्नै गर्व करण का कोए हक कोनी। या तो मेरै ताहीं सौप्पी गई जिम्मेदारी सै। जै मै सुसमाचार न्ही सुणाऊँ, तो मेरै पै धिक्कार सै! 17 जै मै यो काम करूँ सूँ, जो मन्नै अपणी मर्जी तै चुण्या सै, तो मेरे ताहीं एक ईनाम मिलैगा, अर जै या मेरी अपणी मर्जी कोनी, पर एक जिम्मेदारी सै, जो मेरे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै मिली सै, तो मै किसे भी ईनाम की उम्मीद न्ही कर सकता। 18 तो मेरी कौण सी मजदूरी सै? या मेरी खुशी सै, के बिना भुगताण के मै सुसमाचार का प्रचार करण लागरया सूँ, मेरै धोरै खर्चा मांगण का भी हक सै। 19 इसका मतलब यो कोनी के मै माणसां का कहणा मान्नु, भलाए वे लोग मेरी आर्थिक मदद करै सै, पर मै इसकै खात्तर मजबूर कोनी, फेर भी मै हरेक किसे का दास बणग्या सूँ, ताके उन ताहीं मसीह कै धोरै ल्या सकूँ। 20 जिब मै यहूदी नियम-कायदा नै मानण आळा था, तो मै भी उन नियम-कायदा के अधीन था, मै यहूदी माणसां कै खात्तर यहूदी बणया, ताके यहूदी माणसां नै परमेसवर कै धोरै ले आऊँ। भलाए मेरे ताहीं नियम-कायदे मानण की जरूरत कोनी, फेर भी मन्नै इसा करया, ताके मै उन ताहीं मसीह कै धोरै ल्या सकूँ जो नियम-कायदा के अधीन सै। 21 इस्से तरियां जिब मै गैर यहूदी माणसां कै गैल काम करूँ सूँ, तो मै एक गैर यहूदी की तरियां रहूँ सूँ, जो यहूदी नियम-कायदा नै कोनी मानते, ताके मै उन ताहीं मसीह खात्तर जीत सकूँ। पर मन्नै बेरा था के मै परमेसवर के नियम-कायदा के बिना न्ही रहूँ था, क्यूँके मै मसीह के नियम-कायदा के अधीन सूँ। 22 जिब मै उन माणसां के गैल सूँ जिनका बिश्वास कमजोर सै, तो मै उनकी तरियां बरताव करूँ सूँ, ताके मेरी

कोशिश के जरिये कुछ माणसां का उद्धार हो जावै। 23 मै यो सब कुछ सुसमाचार कै खात्तर करूँ सूँ ताके उन आशीषां का हिस्सेदार बण सकूँ जिनका वादा सुसमाचार म्ह करया गया सै। 24 के थमनै न्ही बेरा के दौड़ म्ह तो भाज्जै सारे ए सै, पर ईनाम एक ए ले जावै सै? इस्से तरियां, हम सब नै वो करणा चाहिए जो हम परमेसवर ताहीं खुश करण कै खात्तर कर सका सां ताके हम उस ईनाम नै पा सका जो परमेसवर आण आळे बखत म्ह देवैगा। 25 हरेक खिलाड़ी जो प्रतियोगिता म्ह भाग लेवै सै, कठोर संयम का पालन करै सै। वे तो एक (नाशवान) नाश होण आळे मुकुट नै पाण कै मकसद तै यो सब करै सै, पर हम यो सब कुछ (अविनाशी) नाश ना होण आळे मुकुट नै पाण खात्तर करां सां। 26 इस करकै जिसा दौड़ण आळा अपणे मकसद कै गैल दौड़ै सै, अर जिस तरियां मुक्केबाज अपणे मुक्कयां नै अपणे अधीन राक्खै सै, उस्से तरियां मै भी अपणी मसीह जिन्दगी नै एक मकसद कै गैल जीण लागरया सूँ। 27 मै अपणी देह नै मसीह के अधीन राक्खूँ सूँ, ताके मै अपणी बुरी इच्छा नै पूरी ना करूँ, मै जो दुसरे माणसां खात्तर सुसमाचार का प्रचार करण लाग रह्या सूँ, अर मै खुद ईनाम कै खात्तर अयोग्य करार हो जाऊँ।

10 हे विश्वासी भाईयो, मै न्ही चाहन्दा के थम इस बात तै अनजाण रहो के म्हारे सारे पूर्वजां कै गैल जंगल-बियाबान म्ह के होया। परमेसवर नै उन सारया की एक बाढ़ळ कै जरिये अगुवाई करी, जो उनके आगै-आगै चाल्लै था, अर उन ताहीं लाल समुन्दर कै बिचाळै तै इस तरियां तै पार लेग्या, जिस तरियां सुखी धरती पै ले जाया गया हो। 2 मूसा नबी कै पाच्छै चाल्लण के कारण, उन सारया नै बाढ़ळ म्ह अर समुन्दर म्ह बपतिस्मा ले लिया था। 3 उन सारया नै वो खाणा खाया जो परमेसवर नै सुर्ग तै दिया था। 4 उननै वो पाणी पिया जो पत्थर की चट्टान तै लिकड्या था, पत्थर की चट्टान की तुलना हम मसीह के गैल कर सका सां, जो उनकै गैल चाल्लै था, अर उन ताहीं जीवन देवै था। 5 पर परमेसवर उन म्ह तै घणखरयां तै राज्जी कोन्या होया, ज्यांतै वे जंगल-बियाबान म्ह ढेर होग्ये। 6 ये बात म्हारै ताहीं चेतावनी के रूप म्ह दी सै, ताके हम बुरे काम्मां की लालसा ना करां। 7 अर ना थम मूर्ति पूजणीये बणो, जिस तरियां के उन म्ह तै कितने बणगे थे, जिसा पवित्र ग्रन्थ

म्ह लिख्या सै, “लोग एक दावत म्ह खाण-पीण नै बेठे, अर फेर भोगविलास के काम करण खात्तर उठगे।” 8 अर ना हम जारी करा, जिसा उन म्ह तै कितन्याँ नै करी, अर एक दिन म्ह तेईस हजार मरग्ये। 9 अर ना हम प्रभु नै परखां, जिसा उन म्ह कितन्याँ नै करया, अर साँपां के जरिये मरगे। 10 अर ना थम कुड़कुड़ाओ, जिस तरियां तै उन म्ह कितने कुड़कुड़ाए, अर नाश करण आळे सुर्गदूतां के जरिये मारे गये। 11 पर ये सारी बात, जो उनपै आण पड़ी, चेतावनी की तरियां थी, वे म्हारी चेतावनी के खात्तर जो दुनिया के आखरी बखत म्ह रहवै सै, लिक्खी गई सै। (aiōn g165) 12 इस करके जै कोए इसा माणस सै जो कहन्दा हो, के परमेसवर पै उसका भरोस्सा अटूट सै, तो उसनै सावधान रहणा चाहिए, के वो चाणचक किसे इम्तिहान म्ह ना पड़ जावै अर वो पाप ना कर बेठे। 13 पाप करण की इच्छा पक्की हम सब के धोरै आवै सै। पर परमेसवर साच्चा अर बिश्वास लायक सै, वो थमनै सामर्थ तै बाहर इम्तिहान म्ह कोनी गरैगा, जो माणस के सहण तै बाहरणै सै, बल्के वो थमनै शक्ति देवैगा के थम पाप ना करो। 14 इस कारण, हे मेरे प्यारे दोस्तों, मूर्तिपूजा तै बचे रहो। 15 मै अकलमंद जाणके थारे तै कहुँ सूँ, जो मै कहुँ सूँ, उसके बारे म्ह सोच्चों के वो सही सै या गलत। 16 जब हम उसके कटोरे म्ह तै (अंगूर का रस) पीवां सां, जिस ताहीं हम प्रभु भोज म्ह इस्तमाल करां सां, जिसके खात्तर हम परमेसवर का धन्यवाद करा सां, हम असलियत म्ह मसीह के लहू म्ह साझी होण लागरे सां, अर जब हम रोटी तोड़ा सां अर इस ताहीं खावां सां, तो हम असलियत म्ह मसीह के देह म्ह साझा करण लागरे सां। 17 जब के सिर्फ एकैए रोटी सै, जो मसीह सै, भलाए हम घणे सां, फेर भी हम एक देह बण जावां सां, क्यूँके हम सब एक रोटी म्ह तै ए खावां सां। 18 इस्राएल के माणसां के बारे म्ह सोच्चों, जब वे सारे माणस खावै सै, जो परमेसवर ताहीं चढ़ाया जावै सै, उसतै वे परमेसवर की आराधना म्ह शामिल हो जावै सै, इस्से तरियां जो वो खाणा खावै सै, जो मूर्ति के आगुँ चढ़ाया जावै सै, तो वो भी मूर्ति की आराधना म्ह शामिल होवै सै, 19 मेरे कहण का मतलब के सै? यो सै के मूर्ति असलियत म्ह देवता सै, जिनके खात्तर बलिदान करे जावै सै अर के इस बलिदान की कोए अहमियत सै? 20 न्ही, बल्के जो माणस मूर्तियाँ नै बलिदान करै सै, वे

परमेश्वर के खात्तर नही पर ओपरी आत्मायाँ के खात्तर बलिदान करै सै, अर मै नही चाहन्दा के थम ओपरी आत्मायाँ के गैल-साइझी होवो। 21 यो थारे खात्तर ठीक कोनी के, थम वो खाओ अर पीओ सों, जो ओपरी आत्मायाँ ताहीं चढ़ाया जावै सै, अर वो भी खाओ अर पीओ सों, जो हमनै प्रभु की मौत की याद दुवावै सै। 22 जै हम इसा करां सां, तो हम परमेश्वर नै घणा गुस्सा दुवावां सां, अर हम परमेश्वर तै घणे ताकतवर कोनी। 23 हम सब कुछ करण खात्तर आजाद सां, हम कहवां सां, हाँ, पर सब कुछ म्हारे खात्तर आच्छा कोनी, हम सब कुछ करण खात्तर आजाद सां, पर सब कुछ म्हारे बिश्वास नै कोनी बढ़ाते। 24 कोए अपणी ए भलाई नै नही, बल्के औरां की भलाई के बारें म्ह सोचवों। 25 हालाकि जिब थम कस्साइयाँ धोरै माँस लेण खात्तर बजारां म्ह जाओ सों, तो उनतै या ना पूछो, के यो मूर्तियाँ के आगै चढ़ाया गया सै या नही, अर इसतै थारी अन्तरात्मा भी दुखी नही होगी। 26 थम इस करकै खा सको सों क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “क्यूँके धरती अर धरती पै जो कुछ भी सै सब कुछ प्रभु का सै।” 27 जै अबिश्वासियाँ म्ह तै कोए थमनै न्योँदा देवै, अर थम खाण खात्तर जाणा चाहो, तो जो किमे थारे स्याम्ही धरया जावै वोए खा ल्यो, अर थमनै यो नही पूछणा चाहिए, के यो चढ़ावा सै या नही, ताके चढ़ावा हो तो थम खुद नै दोषी महसूस कोनी करोगे। 28 पर जै कोए थारे तै कहवै, “यो खाणा तो मूर्ति ताहीं बलि करया गया था,” तो इस ताहीं अपणी अन्तरात्मा के कारण नही, बल्के थमनै बताण आळे माणस की अन्तरात्मा के कारण इसनै ना खाओ। 29 मै थारी अन्तरात्मा के बारें म्ह नही, पर उस बताण आळे माणस की अन्तरात्मा बारें म्ह कहूँ सूँ। जै थम खाण की आजादी पै जोर देओ सों, अर दुसरे माणस नै लागै सै के यो पाप सै, तो उसका के फायदा सै? कुछ भी तो कोनी। 30 जै मै मूर्तियाँ के आगै चढ़ाई होए चीज ताहीं धन्यवाद करकै खाणे म्ह शामिल होऊँ सूँ, तो उसकै खात्तर मेरे पै दोष क्यूँ लगाया जावै सै, जिसके खाणे खात्तर मन्नै परमेश्वर के प्रति धन्यवाद जाहिर करया? 31 सारी बाततां का निचोड़ यो सै के थम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो किमे करो, सारा किमे परमेश्वर की महिमा के खात्तर करो। 32 मै जो कुछ भी करूँ सूँ, हरेक ताहीं खुश करण की कोशिश करूँ सूँ, अपने-आप का भला कोनी सोचदा, बल्के सबके भले के

खात्तर सोच्युं सूं, ताके वो बचाए जा सकै। उस्से तरियां थम भी इस्से तरियां जिओ, ताके यहूदी, गैर यहूदी अर परमेसवर की कलीसिया के माणसां के खात्तर उद्धार पाण म्ह रुकावट ना बणो।

11 जिस तरियां मै मसीह के जिसी चाल चाल्लुं सूं, थम भी मेरी सी चाल चाल्लों। 2 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारी तारीफ करूँ सूं। क्यूँके थम मेरे ताहीं हर बखत याद करो सों, अर जितनी शिक्षा मन्नै थारे ताहीं दी सै, उनका सावधानी तै पालन करते रहों। 3 पर एक बात सै जो मै चाहूँ सूं के थम उसनै जाण ल्यो, वा या सै के हरेक माणस का सिर मसीह सै, अर बिरबान्नी का सिर उसका धणी सै, अर मसीह का सिर परमेसवर सै। 4 जब थम कलीसिया म्ह कठ्ठे होओ सों, तो जो माणस सिर ढके होए प्रार्थना या भविष्यवाणी करै सै, वो मसीह का अपमान करै सै। 5 पर जो बिरबान्नी उघाड़े सिर प्रार्थना या भविष्यवाणी करै सै, इसका मतलब सै के वा अपणे धणी का अपमान करै सै, क्यूँके वा गन्जी होण कै बरोब्बर सै। 6 जै बिरबान्नी ओढ़णी ना ओढ़ै तो बाळ भी कटवा लेवै, जै बिरबान्नी कै खात्तर बाळ कटवाणा या गन्जी होणा बड़े शर्म की बात सै, तो ओढ़णी ओढ़ै। 7 हाँ, एक माणस नै सिर ढक्कण की जरूरत कोनी, क्यूँके परमेसवर नै उस ताहीं खुद के समान बणा दिया सै, अर उस ताहीं अपणे जिसा सुभाव अर महिमा दी सै, पर बिरबान्नी मर्द की शोभा सै। 8 क्यूँके पैहला माणस बिरबान्नी तै न्ही होया, पर पैहली बिरबान्नी हव्वा, माणस तै होई। 9 परमेसवर नै पैहले माणस ताहीं बिरबान्नी की मदद करण खात्तर न्ही बणाया था, बल्के उसनै बिरबान्नी ताहीं बणाया ताके माणस की मदद करै। 10 अर इस बजह तै सुर्गदूतां की मौजूदगी के कारण बिरबान्नी खात्तर जरूरी सै, के अधिकार के रूप म्ह उसनै अपणे सिर पै कुछ ओढ़णा चाहिए। 11 फेर भी प्रभु म्ह ना तो बिरबान्नी माणस तै, अर ना माणस बिना बिरबान्नी तै आजाद सै। 12 भलाए परमेसवर नै पैहले इन्सान तै पैहली जनानी बणाई, अर या जनानी ए सै जो इन्सान नै जन्म देवै सै, पर सारी चीज परमेसवर तै सै। 13 थम आप ए विचार करो, के कलीसिया म्ह बिरबान्नी नै उघाड़े सिर परमेसवर तै प्रार्थना करणा शोभा देवै सै? 14 के सुभाव कै तौर पै भी थमनै न्ही बेरा के जै माणस लाम्बे बाळ राक्खै, तो उसकै खात्तर अपमान सै। 15 पर जै लुगाई

लाम्बे बाळ राक्खै तो उसकै खात्तर शोभा सै, क्यूँके बाळ उसकी ओढ़णी के खात्तर दिए गये सै। 16 पर जै कोए मेरे तै सहमत कोनी, तो म्हारे धोरै अर परमेसवर की कलीसिया के धोरै आराधना करण का इसकै अलावा कोए और रिवाज कोनी। 17 इब जो बात मै थारे ताहीं बताऊँ सूँ, उसकै खात्तर मै थारी बड़ाई कोनी करदा, ज्यांतै के थारे कठ्ठे होण तै भलाई न्ही, पर नुकसान होवै सै। 18 क्यूँके मेरे सुणण म्ह आया सै, के जिब थम कलीसिया म्ह आराधना के खात्तर कठ्ठे होवो सों, तो थारे म्ह फूट होवै सै, अर मै मान्नु सूँ के यो सच सै। 19 पर यकीनन थारे बीच बटवारा होणा चाहिए, ताके जिनके धोरै परमेसवर की मंजूरी सै, उन ताहीं पिच्छाणा जावै। 20 आखर म्ह थम जो एक जगहां म्ह कठ्ठे होवो सों, म्हारे प्रभु यीशु मसीह की मौत नै याद करण के खात्तर होओ सों, यो प्रभु-भोज खाण के खात्तर न्ही। 21 क्यूँके खाण के बखत एक-दुसरे तै पैहल्या अपणा खाणा खा लेवै सै, इस ढाळ कोए तो भूक्खा रहवै सै अर कोए मतवाला हो जावै सै। 22 के खाण-पीण के खात्तर थारे घर कोनी? या थम परमेसवर की कलीसिया का तिरस्कार अर गरीबां नै शर्मिन्दा करण पै तुले होए सों? इब मै थारे तै के कहुँ? के इस बात म्ह थारी बड़ाई करँ? ना! बिलकुल न्ही। 23 मन्नै थारे ताहीं जितनी शिक्षा दी सै वोए शिक्षा सै, जो मन्नै परमेसवर की ओड़ तै मिली थी, के प्रभु यीशु जिस रात पकड़ाया गया, रोटी लेई, 24 अर परमेसवर का धन्यवाद करके उसनै तोड़ी अर कह्या, “या मेरी देह सै, जो थारे खात्तर सै: मेरी यादगारी खात्तर न्यूए करया करो।” 25 इसे तरियां उसनै खाणे के बाद अंगूर के रस का कटोरा भी लिया अर कह्या, “यो कटोरा मेरे लहू म्ह नया करार सै: जिब कदे पीओ, तो मेरी यादगारी के खात्तर न्यूए करया करो।” 26 क्यूँके जिब कदे थम या रोटी खाओ अर इस कटोरे म्ह तै पीओ सो, तो प्रभु की मौत नै जिब ताहीं वो न्ही आवै, प्रचार करदे रहो। 27 ज्यांतै जो कोए इस तरिकेँ तै प्रभु की रोटी खावै या उसकै कटोरे म्ह तै पीवै, जिसतै मसीह का आनदर हो, तो वो प्रभु की देह अर लहू के बिरुध्द पाप करै सै। 28 ज्यांतै माणस अपणे-आप ताहीं जाँच लेवै अर इस्से तरियां तै इस रोटी म्ह तै खावै, अर इस कटोरे म्ह तै पीवै। 29 क्यूँके जो खांदे-पिंदे बखत प्रभु की देह के साथ अपणे रिशते नै न्ही पिच्छाणता, वो इस खाणे अर पीणै तै अपणे उप्पर दण्ड ल्यावै सै। 30

अर दण्ड की शरुआत थारे बीच हो ली सै, इस्से कारण थारे म्ह तै घणखरे कमजोर अर बीमार सै, अर घणखरे मर भी गये। 31 जै हम अपणे-आपनै जाँचदे तो दण्ड न्ही पादे। 32 पर प्रभु म्हारै ताहीं दण्ड देकै म्हारी ताड़ना करै सै, ज्यांतै के हम न्याय के दिन दुसरे माणसां के साथ दंडित ना करे जावां। 33 इस करकै, हे विश्वासी भाईयो, जिब थम प्रभु भोज खाण खात्तर कठ्ठे होओ सो, तो एक-दुसरे कै खात्तर ठहरे रहो, ताके थम मिलकै प्रभु भोज खा सको। 34 जै कोए भूक्खा हो तो अपणे घर म्ह खा लेवै, ताके जिब थम एक साथ आओगे, तो थम सही तरियां तै बरताव करोगे, अर परमेसवर थारा न्याय कोनी करैगा। दुसरी बात्तां नै मै जिब्बे सुलझाऊँगा जिब आऊँगा।

12 हे विश्वासी भाईयो, इब पवित्र आत्मा के जरिये दी गई उन खुबियाँ तै तालुकात राखती उन बात्तां के बारें म्ह मै न्ही चाहन्दा के थम अनजाण रहो। 2 थम जाणो सो, के प्रभु म्ह विश्वास करण तै पैहले थम किसे थे, कोए थमनै राह दिखावै था ताके थम मूर्तियाँ की पूजा कर सको जो बोल न्ही सकदी। 3 ज्यांतै मै थमनै बताणा चाहूँ सूँ, के जो कोए परमेसवर की आत्मा की अगुवाई तै बोल्लै सै, वो न्ही कहन्दा के यीशु श्रापित सै, अर ना कोए पवित्र आत्मा कै बिना कह सकै सै के यीशु प्रभु सै। 4 आत्मिक वरदान तो कई ढाळ के सै, पर या पवित्र आत्मा ए सै जो इन सबका भण्डार सै। 5 अर काम भी कई ढाळ के सै, जो हम परमेसवर खात्तर करा सां, पर हम सब एकैए परमेसवर की सेवा करा सां। 6 परमेसवर म्हारी जिन्दगी म्ह कई ढाळ के तरिककां तै काम करै सै, पर यो वोए परमेसवर सै, जो हमनै उसके काम करण की काबलियत देवै सै। 7 एक इसी काबलियत सै जो म्हारे म्ह तै हरेक ताहीं दी जावै सै, जो पवित्र आत्मा की मौजूदगी नै दिखावै सै ताके हम अपणे संगी विश्वासियाँ की मदद कर सका। 8 परमेसवर की आत्मा एक माणस ताहीं बुद्धि तै भरा सन्देस बोल्लण की काबलियत देवै सै, अर वाए आत्मा किसे दुसरे माणस नै ज्ञान तै भरा सन्देस बोल्लण की काबलियत देवै सै। 9 वो एक माणस ताहीं मसीह म्ह मजबुती तै विश्वास करण की काबलियत देवै सै, अर दुसरे माणस ताहीं आत्मा, बीमार लोग्गां नै ठीक करण की काबलियत देवै सै। 10 किसे ताहीं सामर्थ के काम करण की ताकत, अर किसे ताहीं भविष्यवाणी की, अर किसे ताहीं आत्मायाँ की परख, अर किसे ताहीं घणी

ढाळ की भाषा, अर किसे ताहीं भाषायां का मतलब बताणा की काबलियत दी। 11 पर ये परमेसवर की आत्मा सै, जो सारी काबलियत का भण्डार सै, अर वो हर किसे नै बाट देवै सै, जिसा वो चाहवै सै। 12 जिस तरियां देह के भोत सारे अंग होवै सै, पर भोत सारे अंग मिलकै एक देह नै बणावै सै, उस्से ढाळ मसीह देह सै, अर सब बिश्वासी उसके देह के अंग सै। 13 क्यूँके हम सब यहूदी, यूनानी, गुलाम अर आजाद, एकए देह की तरियां सां, अर परमेसवर हम सब नै पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देवै सै, अर हम सारया नै एके तरियां का पवित्र आत्मा पाया सै। 14 देह म्ह एके अंग न्ही, पर भोत-से सै। 15 जै पैर कहवै के मै हाथ कोनी, इस करकै देह का अंग कोनी, तो के उसके इसा कहण तै वो देह का अंग कोनी? 16 अर जै कान कहवै, के मै आँख कोनी, इस करकै देह का अंग कोनी, तो के वो इस कारण देह का अंग कोनी? 17 जै साब्ली देह आँख होन्दी तो सुणणा कित्त तै होंदा? जै साब्ली देह कान ए होंदी तो सूँघणा कित्त तै होंदा? 18 पर सचमुच परमेसवर नै देह के सारे अंगा ताहीं अपणी मर्जी के मुताबिक एक-एक करकै देह म्ह सही जगहां पै राख्या सै। 19 जै सारे अंग एके अंग होन्दे, तो देह कित्त तै होंदी? 20 बल्के अंग तो भतेरे सै, पर देह एके सै। 21 आँख हाथ तै कोनी कह सकदी, “मन्नै तेरी जरूरत कोनी,” अर ना सिर पैर तै कह सकै सै, के “मन्नै तेरी जरूरत कोनी।” 22 पर देह के कुछ अंग जो दुसरे अंगा तै कमजोर लाग्गै सै, भोत-ए जरूरी सै। 23 अर देह के जिन अंगा नै हम कम आदर देवां सां, वे सै जिन ताहीं हम बड़ी सावधानी तै ढका सां, इस करकै उन अंगा की हम सावधानी तै हिफाजत करा सां, जिन ताहीं देख्या न्ही जा सकता, जिब के आदर के लायक अंगा नै इस खास देखभाळ की जरूरत कोनी। इस करकै परमेसवर नै देह ताहीं एक साथ राख्या सै, ताके उन अंगां ताहीं खास आदर अर देखभाळ दी जावै, जिनका महत्व कम सै। 25 ताके देह म्ह फूट ना पड़ै पर देह के सारे हिस्से दुसरे अंगा की देखभाळ करै। 26 जै देह का कोए अंग दुख पावै सै, तो उसकै गैल देह के सारे अंग दुख पावै सै, अर जै एक अंग की बड़ाई होवै सै, तो उसकै गेल्या सारे अंग आनन्द मनावै सै। 27 इस्से ढाळ थम सारे मिलकै मसीह की देह सो, अर थारे म्ह तै हरेक उसके देह के कुछ हिस्सां के रूप म्ह उसके अंग सों 28 मसीह की इस देह म्ह जो के कलीसिया

सै, परमेसवर नै म्हारे ताहीं न्यारे-न्यारे ढाळ के काम करण कै खात्तर दिया, सब तै पैहल्या प्रेरितां, फेर नबी, तीसरे शिक्षक, फेर सामर्थ के काम करण आळे, फेर चंगाई देण आळे, भलाई करण आळे, अर अगुवें, अर अन्य भाषा बोल्लण की काबलियत दी। 29 के सारे प्रेरित सै? न्ही! के सारे नबी सै? न्ही! के सारे उपदेशक सै? न्ही! के सारे सामर्थ के काम करण आळे सै? न्ही! 30 के सारया नै चंगा करण का वरदान मिल्या सै? न्ही! के सारे अन्य भाषा बोल्लै सै? न्ही! 31 के सारे अन्य भाषा का मतलब बताणीये सै? न्ही! थम सबतै उपयोगी वरदानां की धुन म्ह रहो, पर मै थमनै सारया तै बढिया राह बताऊँ सूँ।

13 जै मै माणसां अर सुर्गदूतां की बोल्ली बोल्लूँ अर दुसरयां तै प्यार ना करूँ, तो मै ठनठनादा होया पीत्तळ, अर झंझनाती होई झाँझ सूँ। 2 अर जै मै भविष्यवाणी कर सकूँ, अर सारे भेद अर सारी ढाळ के ज्ञान ताहीं समझूँ, अर मन्नै उरै ताहीं इतणा विश्वास हो के मै पहाड़ां ताहीं हटा दियुँ, पर दुसरयां तै प्यार ना करूँ, तो मै कुछ भी कोनी। 3 जै अपणा सारा धन कंगालां नै खुवा दियुँ, या अपणी देह जळाण कै खात्तर दे दियुँ, अर दुसरयां तै प्यार ना करूँ, तो मन्नै किमे भी फायदा कोनी। 4 जो लोग दुसरयां तै प्यार करै सै, वे पूरे धीरज अर दयालु तरिकेँ तै काम करै सै, वे नफरत न्ही करते, अर वे खुद की बड़ाई न्ही करते। 5 वे दुसरयां का अनादर कोनी करते, वे स्वार्थी कोनी अर ना ए तावळे नाराज होवै सै, पर आसान्नी तै उन माणसां ताहीं माफ करदे सै जो उनके खिलाफ बुरा बरताव करै सै। 6 जिव लोग बुरे काम करै सै तो वे खुश कोनी होन्दे, पर जिव लोग सही काम करै सै तो वे खुश होवै सै। 7 प्यार सारी बाततां नै सह लेवै सै, अर हमेशा म्हारे हरेक हालातां म्ह विश्वास करण म्ह, परमेसवर पै भरोस्सा राक्खण म्ह, अर दुख अर मुसीबतां नै धीरज तै सहण करण म्ह म्हारी मदद करै सै। 8 प्यार सदा तक रहण आळा सै। जडै ताहीं भविष्यवाणीयाँ का सवाल सै, वे थोड़े ए बखत खात्तर सै, भाषाएँ बिना शब्द की हो जावैगी अर ज्ञान मिट जावैगा। 9 क्यूँके म्हारा ज्ञान अर म्हारी भविष्यवाणी का वरदान अधूरा सै। 10 पर जिव हम सिद्धता तक पोहच जावांगे तो, वो सब, जो अधूरा सै, मिट जावैगा। 11 जिव मै बाळक था, तो मै बाळकां की ढाळ बोल्लू था, बाळकां जिसी मेरी सोच थी,

बाळकां जिंसी समझ थी, पर जिब श्याणा हो गया तो बाळकां के जिंसी बात छोड़ दी। 12 इब जो हम परमेसवर के बारें म्ह जाणा सां, वो सब शीशे म्ह धुँधळा दिखाई देण की ढाळ सै, पर बाद म्ह हम उस ताहीं आम्ही-स्याम्ही देक्खांगें, इब्बे हम सब कुछ न्ही जाणते, पर बाद म्ह हम सब किमे जाण जावांगे जिस तरियां परमेसवर म्हारे ताहीं जाणै सै। 13 ये तीन्नु चीज सदा खात्तर सै, बिश्वास, आस, अर प्यार पर इन म्ह सारया तै बड़ड़ा प्यार सै।

14 एक-दुसरे तै प्यार करण की कोशिश करो, अर आत्मिक वरदान्नां की भी धुन म्ह रहो, खास करकै यो के भविष्यवाणी करो। 2 क्यूँके जो अन्य भाषा म्ह बात करै सै वो माणसां तै न्ही पर परमेसवर तै बात करै सै, ज्यांतै के उसकी बात कोए न्ही समझदा, क्यूँके वो भेद की बात पवित्र आत्मा की शक्ति तै बोल्लै सै। 3 पर जो भविष्यवाणी करै सै, वो बिश्वासियाँ नै मजबूत करण की, उत्साहित करण की, अर शान्ति की बात कहवै सै। 4 जो अन्य भाषा म्ह बात करै सै, वो अपणा ए बिश्वास मजबूत करै सै, पर जो भविष्यवाणी करै सै, वो कलीसिया के बिश्वासियाँ के बिश्वास नै मजबूत करै सै। 5 मै चाहूँ सूँ के थारे म्ह तै हरेक नै अन्य भाषायां म्ह बात करण की काबलियत मिलै, पर इसकी बजाए आच्छा तो यो सै के थमनै भविष्यवाणी की काबलियत मिलै, क्यूँके जो भविष्यवाणी करै सै, वो उस अन्य भाषा बोल्लण आळा तै, जो उसका मतलब खोल कै बताए बिना अन्य भाषा म्ह बात करै सै, उसतै आच्छा सै, क्यूँके उसका मतलब खोल कै बताये जाण पैए कलीसिया के बिश्वासियाँ के बिश्वास की बढ़ोतरी हो सकै सै। 6 ज्यांतै, हे बिश्वासी भाईयो, जै मै थारे तै अन्य भाषा म्ह बात करूँ, तो उसतै थमनै के फायदा होगा, जै इस म्ह थारे खात्तर कोए प्रकाशन, ज्ञान, भविष्यवाणी या शिक्षा की बात ना हो, तो मै इस म्ह थारा के भला करूँगा? 7 इस्से ढाळ बेजान चीज म्ह तै भी आवाज लिकड़ै सै, चाहे बाँसुरी हो या संगीत के साज, जै उनतै लिकड़ै सुरां म्ह फर्क ना हो तो यो किस तरियां बेरा लागगैगा के यो कौण सा साज बजाया जाण लाग रह्या सै। 8 अर जै तुरही का शब्द साफ ना हो, तो कौण लड़ाई कै खात्तर त्यारी करैगा? 9 इस्से तरियां जै थम अन्य भाषा म्ह बोल्लों सों, अर थारे शब्दां नै कोए समझ न्ही पावै, के थम के बोल्लण लागरे सों? तो यो तो हवा तै बात करण जिंसा होगा। 10 भलाए

दुनिया म्ह कितनी ए ढाळ की भाषा क्यूँ ना हों, पर हरेक भाषा का मतलब सै। 11 पर जै मै किसे भाषा का मतलब ना समझूँ, तो बोल्लण आळे की निगांह म्ह परदेशी ठहरूँगा, अर बोल्लण आळा भी मेरी निगांह म्ह परदेशी ठहरैगा। 12 ज्यांतै थम भी जिब आत्मिक वरदानां की खोज म्ह हो, तो इसे वरदानां की लालसा राक्खों, जिसतै कलीसिया के बिश्वासी माणसां का बिश्वास भी मजबूत हो सकै। 13 इस कारण जो अन्य भाषा बोल्लै, वो प्रार्थना करै के उसका खोल कै मतलब भी बता सकै। 14 ज्यांतै जै मै अन्य भाषा म्ह प्रार्थना करूँ, तो मेरी आत्मा प्रार्थना करै सै, पर मेरी बुद्धि काम न्ही देदी। 15 इस बजह तै मै आत्मा तै भी प्रार्थना करूँगा, अर बुद्धि तै भी प्रार्थना करूँगा, मै आत्मा तै भी गाऊँगा, अर बुद्धि तै भी गाऊँगा। 16 मान ल्यो के कई आम आदमी थारे गैल परमेसवर की आराधना म्ह शामिल होवै सै, अर जिब थम अपनी आत्मा के साथ परमेसवर की आराधना करण लागरे सों, अर जो थम बोल्लो सों वो उननै समझ कोनी आन्दा, तो परमेसवर का धन्यवाद करण कै बाद, उननै किस तरियां बेरा लागगैगा के कद “आमीन” कहणा सै, जो थम कहण लागरे सों? 17 परमेसवर का धन्यवाद करणा थारे खात्तर अदभुत हो सकै सै, पर यो दुसरयां ताहीं उनके बिश्वास म्ह मजबूत न्ही बणा सकदा। 18 मै अपने परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, के मै थम सारया तै घणा अन्य भाषायां म्ह बोल्लू सूँ। 19 पर कलीसिया म्ह अन्य भाषा म्ह दस हजार बात कहण तै यो मन्ने और भी सही लाग्गै सै, के दुसरयां नै सिखाण कै खात्तर मै बुद्धि तै पाँच ए बात कह सकू। 20 हे बिश्वासी भाईयो, इन बात्तां नै समझण म्ह बाळक ना बणो, बुराई करण म्ह तो बाळक बणे रहो, पर इस तरियां के मामलां नै समझण म्ह श्याणे बणो। 21 पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के प्रभु कहवै सै, “के मै अजनबियाँ के जरिये बात करूँगा, जो अन्य भाषा बोल्लैगें, तोभी वे मेरी न्ही सुणैगें।” 22 ज्यांतै अन्य भाषा बिश्वासियाँ कै खात्तर न्ही, पर अबिश्वासियाँ कै खात्तर निशान्नी सै, जो ये भाषा न्ही समझते, पर भविष्यवाणी अबिश्वासियाँ कै खात्तर न्ही, पर बिश्वासियाँ कै खात्तर निशान्नी सै। 23 इस करकै जै कलीसिया एक जगहां कट्टी हो, अर सारे के सारे अन्य भाषा बोल्लै, जो ये भाषा न्ही समझते, या अबिश्वासी माणस भीत्तर आ जावै, तो के वे थमनै बावळे न्ही कहवैगें? 24

पर जै सारे भविष्यवाणी करण लागे, अर कोए अबिश्वासी माणस या जो भविष्यवाणी नै न्ही समझते हो, भीत्तर आ जावै, तो उननै अपने पापां का अहसास होगा अर जो थम बोल्लण लागरे सों उसकी बजह तै अपने-आप ताहीं कसूरवार महसूस करैंगे। 25 अर परमेसवर का संदेश उस ताहीं उसकी बुराई या उसकी गुप्त सोच का अहसास करां देवैगा। वो महसूस करैगा के वो पापी सै, अर वो पाप करण छोड़ देगा अर वो झुककै प्रभु की आराधना करैगा, अर मान लेवैगा के सच म्ह ए परमेसवर थारे बिचाळै सै। 26 हे बिश्वासी भाईयो, सुणो के ये बात किस तरियां होणी चाहिये? जिब थम आराधना खात्तर कट्टे होवो सो, तो थारे म्ह तै कोए तो भजन गावै सै, कोए उपदेश देवै सै, कोए प्रभु के जरिये दिए गये प्रकाशन सै, कोए अन्य भाषा म्ह बात करै सै, कोए उसका मतलब बतावै सै। इन सारी बाततां का मकसद योए सै, के कलीसिया बिश्वास म्ह मजबूत हो सकै। 27 जै अन्य भाषा म्ह बात करै तो ज्यादा तै ज्यादा दो या तीन माणस बारी-बारी तै बोल्लै, अर एक माणस उन बाततां का खोल कै मतलब भी बतावै। 28 पर जै खोल कै मतलब बताणीया ना हो, तो अन्य भाषा बोल्लण आळा कलीसिया म्ह शान्त रहवै, अर अपने मन म्ह परमेसवर तै बात करै। 29 नबियाँ म्ह तै दो या तीन बोल्लै, अर बाकी माणस उनके वचन नै परखै। 30 जै उस बखत ओड़ै कोए बेठ्या हो जिस ताहीं ईश्वरीय प्रकाशन मिलै, तो पैहले आळा माणस चुप हो जावै अर दुसरे माणस नै बोल्लण दे। 31 थम सारे एक-एक करकै भविष्यवाणी कर सको हो, ताके सारे सीखै अर सारे उत्साहित भी हो जावै। 32 अर नबियाँ की आत्मा नबियाँ कै बस म्ह सै, उसके भित्त इतनी काबलियत सै, के वो अपनी इच्छा के मुताबिक बोल सकै सै, अर चुप भी रह सकै सै। 33 क्यूँके परमेसवर गड़बड़ी का न्ही, पर शान्ति का परमेसवर सै। यो वो नियम सै जिसका पालन परमेसवर के माणसां के सारी कलीसियाओं म्ह करया जाणा चाहिए। 34 बिरबान्नी कलीसिया की सभा म्ह चुपचाप रहवै, क्यूँके उन ताहीं बात करण का हुकम कोनी, पर अधीन रहण का हुकम सै, जिसा नियम-कायदे म्ह लिख्या भी सै। 35 जै वे किमे सिखणा चाहवै, तो घर म्ह अपने-अपने धणी तै बुझै, क्यूँके बिरबान्नी का कलीसिया म्ह घणा बोलणा शर्म की बात सै। 36 इसा क्यूँ सै के थारे म्ह तै कुछ पैहले उप्पर लिखे होए

नियमां का पालन न्ही करणा चाहन्दे? के थमनै लाग्गै सै, के थम परमेसवर का वचन देण आळे पैहले आदमी सों? 37 जै कोए माणस खुद नै नबी या आत्मिक माणस समझै, तो न्यू जाण ले के जो बात मै थमनै लिखूँ सूं, वे प्रभु के हुकम सै। 38 जै कोए माणस इन बाततां पै बिश्वास न्ही करदा, तो थम भी उसकी बाततां पै बिश्वास ना करो, जो वो बोल्लण लागरया सै। 39 इस करके हे बिश्वासी भाईयो, भविष्यवाणी करण की धुन म्ह रहो, अर अन्य भाषा बोल्लण तै मना ना करो। 40 कलीसिया म्ह जो कुछ भी करो सों, आच्छी तरियां अर सही ढंग तै करया जावै।

15 हे बिश्वासी भाईयो, इब मै थमनै वोए सुसमाचार याद दिवाऊँ सूं, जो पैहल्या सुण्या जा चुक्या सै, जिस सुसमाचार का थमनै बिश्वास भी करया था, अर थम उस बिश्वास म्ह बणे भी रहो। 2 जै थम सुसमाचार म्ह बिश्वास करणा जारी राक्खों सों, जो मन्नै थारे ताहीं सुणाया था तो परमेसवर थमनै सुसमाचार के जरिये बचावैगा, जै थम उस सुसमाचार पै बिश्वास करणा छोड़्यो, तो थारा मसीह पै बिश्वास करणा बेकार सै। 3 इस्से कारण मन्नै थारे ताहीं सब तै खास सन्देश बताया सै, जो मेरे ताहीं प्रभु यीशु तै मिल्या सै, वो सन्देश यो सै, के पवित्र ग्रन्थ कै वचन कै मुताबिक यीशु मसीह म्हारै पापां कै खात्तर मारया गया, 4 गाड्या गया, अर पवित्र ग्रन्थ कै मुताबिक तीसरे दिन जिन्दा भी होग्या, 5 अर उसके बाद वो पतरस ताहीं अर फेर बारहां चेल्यां नै दिख्या। 6 फेर वो पाँच सौ तै ज्यादा चेल्यां नै एक साथ दिख्या, जिन म्ह तै घणखरे तो इब ताहीं जिन्दे सै पर कई मर लिये सै। 7 इसकै बाद वो याकूब नै अर फेर सारे प्रेरितां नै भी दिख्या। 8 सब तै आखर म्ह मन्नै भी दिख्या, मेरे ताहीं प्रभु नै अदभुत तरिकके तै प्रेरित बणाया। 9 क्यूँके मै प्रेरितां म्ह सारया तै कम महत्वपूर्ण सूं, बल्के प्रेरित बणण कै जोगगा भी कोनी था, क्यूँके मन्नै परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं सताया था। 10 पर मै जो कुछ भी सूं, परमेसवर के अनुग्रह तै प्रेरित सूं। उसका अनुग्रह जो मेरै पै होया, वो बेकार न्ही होया, पर मन्नै उन और प्रेरितां तै बाध मेहनत भी करी, तोभी या मेरी ओड़ तै न्ही होई, पर परमेसवर का अनुग्रह तै होई जो मेरै पै था। 11 ज्यांतै चाहे मै हूँ, चाहे दुसरे प्रेरित हों, हम सब नै मसीह के बारें म्ह एक जिसा प्रचार करा, अर इस्से पै थमनै बिश्वास भी करया। 12 मै थारे तै

एक बात पूछू सूं, जिन तै हम सारया नै यो प्रचार करया सै, के परमेसवर नै मसीह तार्हीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, तो थारे म्ह तै कई क्यूँ न्ही मानते के बिश्वासी भी मरकै जिवैंगे? 13 जै मरे होया का जी उठणा सै ए कोनी, तो मसीह भी मरे होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया, 14 अर जै मसीह मरे होया म्ह तै न्ही जी उठ्या, तो म्हारा प्रचार करणा बेकार सै अर थारा बिश्वास करणा भी बेकार सै। 15 इसतै भी बढ़कै यो सै के हम परमेसवर के झूठे गवाह साबित होण लागरे सां, क्यूँके हमनै उनके बारें म्ह या गवाही दी सै के उननै मसीह तार्हीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया सै, पर जै मरे होए वास्तव म्ह जिन्दे न्ही करे गये होन्दे तो परमेसवर नै मसीह तार्हीं भी जिन्दा न्ही करया। 16 अर जै मरे होए माणस जिन्दा न्ही होन्दे, तो मसीह भी मरे होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया। 17 अर जै मसीह मरया होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया, तो थारा बिश्वास करणा बेकार सै, अर थम इब तार्हीं अपणे पापां म्ह जीण लागरे सो। 18 बल्के जो मसीह पै बिश्वास करण आळे मर लिये सै, वे भी नाश होए। 19 जै हम सिर्फ इस्से जीवन म्ह मसीह तै आस राक्खां सां, ना के आण आळी दुनिया कै खात्तर, तो हम सारे माणसां तै घणे अभागे सां। 20 पर सच म्ह-ए परमेसवर नै मसीह तार्हीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया सै, अर वो पैहला माणस सै, जो मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया। 21 क्यूँके जिन एक माणस आदम कै जरिये दुनिया म्ह मौत आई, तो दुसरा माणस मसीह कै जरिये मरे होया का दोबारा जिन्दा हो जाणा भी होया। 22 अर जिस तरियां आदम के पाप के जरिये सारे माणस मरै सै, उस्से तरियां ए मसीह नै जो करया, उसके जरिये सारे माणस मरे होया म्ह तै जिन्दा भी करे जावैंगे। 23 पर हरेक माणस इस तरियां जिन्दा होवैगा, परमेसवर नै पैहल्या मसीह तार्हीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, फेर मसीह कै आण पै परमेसवर उन लोग्गां नै भी जिन्दा करैगा जो मसीह के सै। 24 इसकै बाद दुनिया का अन्त होगा। उस बखत मसीह सारी प्रधानता, अर सारा हक अर सामर्थ का अन्त करकै राज्य नै परमेसवर पिता कै हाथ म्ह सौंप देवैगा। 25 क्यूँके जिन तक परमेसवर अपणे बैरियाँ नै पूरी तरियां तै हरा ना देवै, तब तक मसीह का राज्य करणा जरूरी सै। 26 सारया तै आखरी बैरी जो नाश करया जावैगा, वो मौत सै। 27 पवित्र ग्रन्थ म्ह भजनकार नै लिख्या सै, के परमेसवर सब कुछ मसीह के अधीन कर देवैगा,

तो यो तय सै, के परमेसवर शामिल कोनी, क्यूँके वोए सै जिसनै मसीह तारीं अधिकार दिया सै। 28 जिब सब कुछ मसीह कै अधीन हो जावैगा यानी बेटे के अधीन, तो बेटा आप भी परमेसवर के अधीन हो जावैगा, जिसनै उस तारीं यो अधिकार दिया था। परमेसवर ए प्रभु सै, जो सब कुछ अर हर किसे म्ह काम करै सै। 29 जै मरे होया का पुनरुत्थान कोनी, तो उस परम्परा का के मतलब सै, जिस म्ह माणस मरे होया की जगहां पै बपतिस्मा लेण लागरे सै? जै परमेसवर मरे होए माणस तारीं जिन्दा न्ही करदा, तो माणस इस परम्परा नै क्यूँ मानण लागरे सै? 30 म्हारे खात्तर जै मुर्दा का जी उठणा सै, तो खुद तारीं खतरां म्ह गेरणा बेकूफी सै। 31 हे विश्वासी भाईयो, मै हर दिन मौत का सामना करूँ सूँ, यो भी सच सै, के प्रभु यीशु मसीह म्ह मन्नै थारे पै गर्व सै। 32 मै इफिसुस नगर म्ह बड़ी तै बड़ी मुसीबतां म्ह तै गुजरा सूँ, जो जंगली-जानवरां की तरियां मेरा बिरोध करै सै, तो मन्नै के फायदा होया? जै मुर्दे जिन्दे न्ही करे जावेंगे, तो हम कह सका सां, के “आओ, खावां-पीवां, क्यूँके काल तो मरणा ए सै।” 33 धोक्खा ना खाओ, “भुंडी संगति आच्छे चाल-चलण नै बिगाड़ देवै सै।” 34 अपणे सोचण के तरिककें नै ठीक कर ल्यो, अर पाप करणा छोड़ घो, क्यूँके कुछ इसे सै जो परमेसवर नै न्ही जाणदे। मै थमनै शर्मिन्दा करण कै खात्तर न्यू कहुँ सूँ। 35 उदाहरण के तौर पै जै कोए न्यू कहवैगा, “के परमेसवर मुर्दा नै किस तरियां तै जिवांवै सै, अर उनकी देह किसी होवै सै?” 36 हे निरे बेअक्लो! जिब तू बीज नै माट्टी म्ह बोवै सै, तो वो अंकुरित कोनी होवै सै, अर जिब वो अंकुरित होवै सै तो वो बीज कोनी रहन्दा। 37 जै तू गेहूँ या कोए दुसरा बीज बोवै सै, तो तू शरु म्ह ए पौधा न्ही लगान्दा, बल्के बीज नै ए लगावै सै, जो बाद म्ह पौधा बणै सै। 38 परमेसवर जिसा चाहवै उसा आकार पौधे नै देवै सै, हरेक ढाळ के बीज का उगण का अपणा अलग ए तरिककां होवै सै। 39 दुनिया के सब प्राणियाँ की देह एक जिसी कोनी होन्दी, माणसां की देह न्यारी सै, डांगरां की न्यारी सै, पंछियाँ की देह न्यारी सै, मच्छियाँ की देह न्यारी सै। 40 अर जिस तरियां धरती पै अलग-अलग तरियां की देह सै, उस्से तरियां अकास म्ह भी सूरज, चाँद अर तारे सै। अकास म्ह चिज्जां की एक अलग तरियां की खूबसूरती हो सै, अर धरती पै, की चिज्जां की खूबसूरती अलग ढाळ की हो सै। 41 सूरज का तेज

न्यारा सै, चाँद का तेज न्यारा सै, अर तारा के टोळ का तेज न्यारा सै, (क्यूँके एक तारे तै दुसरे तारे कै तेज म्ह फर्क सै)। 42 तो यो मरे होए माणसां का जी उठणा भी इसाए होगा। देह जिस ताहीं वे दफणावै सै वो गळ जा सै, पर जिब यो फेर तै जी उठै सै, तो या एक इसी देह होगी जो गळै कोनी। 43 जिब म्हारी देह दफणाई जावै सै, तो वा बदसूरत अर कमजोर हो सै, पर जिब दुबारतै जीवन मिलै सै, तो वा सुथरी अर मजबूत हो सै। 44 जिस तरियां म्हारी देह माँस अर लहू तै बणी सै, इस्से तरियां इसी देह भी सै जिस ताहीं जीवन परमेसवर के आत्मा के जरिये मिलै सै, अर जो म्हारी देह माँस अर लहू तै बणी सै, उस देह म्ह बदल जावैगा, जिस ताहीं जीवन परमेसवर की आत्मा तै मिलै सै। 45 पवित्र ग्रन्थ म्ह भी लिख्या सै, के “पैहल्डा माणस, यानिके आदम जिन्दा प्राणी बण्या” अर आखरी आदम जो मसीह सै, वोए सै जो हमनै अनन्त जीवन देवै सै। 46 माँस अर लहू तै बणी देह पैहल्या वजूद म्ह आई, फेर उस देह ताहीं परमेसवर की आत्मा के जरिये जीवन मिलै सै। 47 पैहल्डा माणस धरती तै, यानिके माट्टी तै बण्या होया था, दुसरा माणस जो मसीह था सुर्ग तै आया। 48 धरती पै रहण आळे लोग, धरती के पैहले माणस आदम की ढाळ माट्टी तै बणे सै, पर सुर्ग म्ह रहण आळे लोग, सुर्ग के माणस मसीह यीशु की तरियां सै। 49 हम सबका रूप आदम की ढाळ सै, जो माट्टी तै बण्या सै, उस्से तरियां एक दिन हमनै मसीह का रूप भी मिलैगा, जो सुर्गीय सै। 50 हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूँ के थम जाण ल्यो, के म्हारी देह जो लहू अर माँस तै बणी सै, इस देह कै साथ हम परमेसवर के सुर्गीय राज्य म्ह न्ही रह सकदे। हम सुर्ग म्ह उस देह कै साथ न्ही रह सकदे जो नाश हो जावै सै, क्यूँके ओड़ै कोए मौत कोनी। 51 देखो, मै थारे तै एक भेद की बात बताऊँ सूँ, म्हारे म्ह तै कुछ बिश्वासी मरै कोनी, पर उनकी देह बदल जावैगी। 52 अर यो पलभर म्ह, पलक झपकदे ए जिब आखरी तुरही फूक्की जावैगी तो मुर्दे सदा रहण खात्तर जिन्दा हो जावेंगे, अर जो जिन्दा सै उनकी देह सुर्गीय देह म्ह बदल जावेंगी। 53 क्यूँके यो जरूरी सै, ताके म्हारी या नाशवान देह अविनाशी देह म्ह बदल जावै, अर या मरणहार देह कदे ना मरण आळी देह म्ह बदल जावै। 54 जिब इसा होवै सै, तो जो परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, वो पूरा हो जावैगा, “मौत पूरी तरियां तै हार जावैगी अर

वजूद म्ह कोनी रहवैगी। 55 हे मौत, तेरी जीत कित्त रही? हे मौत, तेरा डंक कित्त रहया?” (Hades g86) 56 पाप वो डंक सै जो मौत नै लेके आवै सै, अर नियम-कायदे पाप नै शक्ति देवै सै। 57 पर परमेसवर का धन्यवाद हो, जो म्हारै प्रभु यीशु मसीह के जरिये हमनै पाप अर मौत पै जयवन्त करै सै। 58 ज्यांतै हे मेरे प्यारे भाईयो, मजबूत अर पक्के रहो, अर प्रभु के काम म्ह सारी हाण बढ़ते जाओ, क्यूँके थम जाणो सो के थारी मेहनत प्रभु म्ह बेकार न्ही सै।

16 इब यरुशलेम नगर म्ह परमेसवर के पवित्र माणसां के खात्तर कठ्ठे करे गये उस चन्दे कै बारै म्ह, जिसा हुकम मन्नै गलातिया परदेस की सारी कलीसियां ताहीं दिया, उसाए थम भी करो। 2 हफ्तै के पैहल्ले दिन थारे म्ह तै हरेक, अपणी आमदणी के मुताबिक कुछ धन अपने धोरे अलग धरो, ताके मेरे आण पै थमनै चन्दा कठ्ठा करणा न्ही पड़े। 3 अर जब मै ओड़ै होऊँगा, तो उन माणसां ताहीं दान लेण खात्तर यरुशलेम भेज्जूँगा जिन ताहीं थमनै भरोस्सेमंद समझा सै, मै उन बिश्वासियाँ के हाथ एक चिट्ठी भी भेज्जूँगा ताके ओड़ै के बिश्वासी भी उन ताहीं जाण सकै। 4 जै मेरा भी जाणा जरूरी होया, तो वे मेरे गेल्या जावेंगे। 5 पर मन्नै पैहले मकिदुनिया परदेस जाणा सै, फेर मै मकिदुनिया परदेस तै होके थारे धोरे आऊँगा। 6 पर हो सकै सै, के थारे धोरे ए लम्बे बखत ताहीं ठैहर जाऊँ, अर पूरा जाड्हा थारे धोरे रहूँ, फेर जिस सफर पै मन्नै जाणा हो उसपै थम मन्नै भेज दियो। 7 जै या परमेसवर की इच्छा सै, तो मै थारे धोरे बाद म्ह, घणे दिनां खात्तर आऊँगा, बजाए इसके के इब मै थोड़े दिनां खात्तर, थारे धोरे आऊँ। 8 पर मै पिन्तेकुस्त त्यौहार तक इफिसुस नगर म्ह रहूँगा, 9 क्यूँके याड़े भोत सारे लोग सै, जो परमेसवर के वचन के बारें म्ह सुणाणा चाहवै सै, अर मेरा याड़े रहणा जरूरी सै, हालाकि याड़े मसीह के भोत बिरोधी सै। 10 जब तीमुथियुस कुरिन्थुस नगर म्ह आ जावै सै, तो उसकै गैल सम्मानपूर्वक बरताव करियो, क्यूँके वो मेरी तरियां प्रभु का काम करै सै। 11 ज्यांतै कोए उसनै तुच्छ न्ही जाणै, पर जो सफर खात्तर जरूरी चीज सै उसनै दे दिओ, ताके वो मेरे धोरे आ जावै, क्यूँके मै उसकी बाट देखूँ सूँ, के वो बिश्वासी भाईयाँ के गैल आवै। 12 बिश्वासी भाई अपुल्लोस तै मन्नै घणी बिनती करी सै, ताके वो थारे धोरे और दुसरे बिश्वासी

भाईयाँ कै गेल्या आ जावै, पर वो इस सफर कै खात्तर तैयार कोनी, पर जब सही बखत होगा तो वो थारे धोरे आ जावैगा। 13 चौक्कस रहो, बिश्वास म्ह डटे रहो, निडर बणे रहों, बिश्वास म्ह मजबूत बणो। 14 जो किमे करो सो प्यार तै करो। 15 हे बिश्वासी भाईयो, थम स्तिफनास कै कुण्बे नै जाणो सो के वे अखाया परदेस के पैहले बिश्वासी सै, अर पवित्र माणसां की सेवा के खात्तर त्यार रहवें सै। 16 ज्यांतै मै थारे तै बिनती करूँ सूँ, के इस्यां कै अधीन रहो, बल्के हरेक के जो इस काम म्ह कड़ी मेहनती करै सै, अर जो सच्ची भगति के साथ सेवा करै सै। 17 मै स्तिफनास अर फूरतूनातुस अर अखइकुस कै आण तै राज्जी सूँ, क्यूँके वो मेरी मदद करण लागरे सै, जो थम न्ही कर पाए। 18 उननै मेरी अर थारी आत्मा ताहीं चैन दिया सै, इस करके इसे माणसां का आदर करो। 19 आसिया की कलीसियाओं की ओड़ तै थारे ताहीं नमस्कार, अक्विला अर उसकी घरआळी, प्रिसकिल्ला का अर उनकै घर की कलीसिया का भी, थारे ताहीं प्रभु म्ह दिल तै नमस्कार। 20 सारे बिश्वासी भाईयाँ का थारे ताहीं नमस्कार। आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। 21 मुझ पौलुस का थारे ताहीं अपणे हाथ तै यो नमस्कार लिखूँ सूँ। 22 जै कोए प्रभु तै प्यार न्ही राक्खे तो वो श्रापित होवै। हे म्हारे प्रभु आ! 23 प्रभु यीशु का अनुग्रह थारे पै होन्दा रहवै। 24 मै उन सारया तै प्यार करूँ सूँ, जिनका मसीह यीशु के साथ रिश्ता सै। आमीन।

2 कुरिन्थियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर म्हारे बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, मै पौलुस परमेसवर की इच्छा तै मसीह यीशु का प्रेरित सूँ, उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस नगर म्ह सै; अर साबते अखाया परदेस के सारे पवित्र माणसां के नाम। **2** हम प्रार्थना करा सां, के पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। **3** म्हारै प्रभु यीशु मसीह के पिता अर परमेसवर का धन्यवाद होवै, जो दया का पिता, अर जो हमेशा तसल्ली देवै सै। **4** परमेसवर म्हारै सारे दुखां म्ह तसल्ली देवै सै, ताके हम उस तसल्ली के कारण जो परमेसवर म्हारै ताहीं देवै सै, उन ताहीं भी तसल्ली दे सका, जो इस तरियां के दुखां म्ह हो। **5** क्यूँके जिस तरियां मसीह म्ह हमनै घणे दुख होवै सै, उस्से तरियां ए मसीह के जरिये हमनै घणी तसल्ली भी होवै सै। **6** जै हम दुख पावां सां, तो या थारी तसल्ली अर उद्धार के खात्तर, क्यूँके परमेसवर म्हारे ताहीं तसल्ली देवै सै, तो वो थमनै भी तसल्ली देगा ताके थम धीरज के गेल्या उन दुखां ताहीं सह लेओ सो, जिन नै हम भी सहवां सां। **7** अर म्हारी आस थारे बारै म्ह पक्की सै, क्यूँके हमनै बेरा सै, के थम जिस तरियां तै म्हारे दुखां म्ह साइड़ी सों, उस्से तरियां तै थम म्हारी तसल्ली म्ह भी साइड़ी सों। **8** हे बिश्वासी भाईयो, हम चाहवां सां, के थम म्हारै उन दुखां नै जाणो, जो आसिया परदेस म्ह म्हारै पै पड्या, हम इसे भारया बोझ तै दबगे थे, वो बोझ म्हारे सहण तै बाहर था, उरै ताहीं के हमनै जिन्दा रहण की आस छोड़ दी थी। **9** बल्के हमनै अपणे मन म्ह समझ लिया था, के म्हारे ताहीं मार दिया जावैगा, अर हम अपणे-आप पै भरोस्सा ना राक्खां, बल्के परमेसवर पै भरोस्सा राक्खां, जो मरे होया नै जिन्दा करै सै। **10** उस्से नै म्हारै ताहीं इसी बड्डी मुसीबत तै बचाया, अर बचावैगा, अर उसपै हमनै भरोस्सा सै, अर वो आगै भी म्हारे ताहीं बचान्दा रहवैगा। **11** जिस तरियां थम प्रार्थना के जरिये म्हारी मदद करो सों, उन आशीषां के खात्तर जो भोत सारे माणसां की प्रार्थना की बजह तै हमनै मिली सै, उसके कारण भोत-से माणस म्हारी ओड़ तै परमेसवर का धन्यवाद करै सै। **12** क्यूँके म्हारी अन्तरात्मा शुद्ध होण के कारण हम घमण्ड करा सां, अर दुनिया म्ह अर खास करके थारे बिच्चाळै, म्हारा चाल-

चलण जो परमेसवर की ओड़ तै सै, वो पवित्रता अर सच्चाई सुधा था, ना के दुनियावी ज्ञान तै, पर परमेसवर कै अनुग्रह कै साथ था। 13 क्यूँके मन्नै अपणी चिट्टियाँ म्ह हमेशा साफ-साफ लिख्या सै, ताके जिब थम उन चिट्टियाँ नै पढ़ों तो आसान्नी तै समझ सकों, पर इब भी थम उन ताहीं ठीक तै न्ही समझ पाते, मन्नै आस सै के एक दिन जिब प्रभु यीशु बोहड़ के आवैगा, तो थम इन ताहीं पूरी तरियां समझ ल्योगे। तब हम थारे गर्व का कारण बणागे, अर थम भी म्हारै खात्तर गर्व का कारण बणोगे। 15 मन्नै भरोस्सा सै, के थम मेरी बाततां नै पूरी तरियां तै समझगे सों, इस करके मै पैहल्या थारे धोरै आणा चाहूँ था, ताके मेरे दुबारा आण तै थमनै दुगणी आशीष मिलै। 16 मेरी योजना या थी, के मै थारे धोरै तै होके मकिदुनिया परदेस म्ह जाऊँ, अर दुबारा मकिदुनिया परदेस तै थारे धोरै आऊँ; अर मै उम्मीद करूँ सूँ, के थम मन्नै यहूदिया परदेस के सफर खात्तर जरूरत की चीज देके मेरी मदद करोगे। 17 थम मेरे तै पूछ सकों सों, के मन्नै अपणी योजना क्यूँ बदली। थम के सोच्चों सों, के मन्नै या योजना लापरवाही तै बणाई, या फेर मै दुनिया के माणसां की तरियां सूँ? जिनके जुबान पै तो हाँ हो सै, अर मन म्ह ना हो सै। 18 जिसा परमेसवर बिश्वास जोगगा सै, उस्से तरियां म्हारी बात भी बिश्वास जोगगी सै। 19 क्यूँके परमेसवर का बेटा यीशु मसीह जिसका म्हारै जरिये यानिके म्हारे अर सिलवानुस अर तीमुथियुस कै जरिये थारे बिचाळै प्रचार होया, उस मसीह यीशु म्ह “हाँ” अर “ना” दोन्नु न्ही हो सकदे। पर उस म्ह “हाँ” ए “हाँ” होई। 20 क्यूँके परमेसवर के सारे वादे मसीह यीशु म्ह पूरे होए सै। ज्यांतै हम आमीन बोल्ला सां यानी “हाँ”, ताके म्हारै जरिये परमेसवर की महिमा होवै। 21 परमेसवर ए सै, जो हमनै थारे गेल्या मसीह म्ह मजबूत करै सै, परमेसवर नै म्हारे पै अपणी मोहर लगाके बयान्ने के रूप म्ह अपणा पवित्र आत्मा म्हारे मन म्ह बसाके म्हारे ताहीं चुण्या सै। 23 परमेसवर मेरी इस सच्चाई का गवाह सै के मै दुबारा कुरिन्थुस नगर म्ह ज्यांतै कोनी आया, के मै थमनै दुख देणा कोनी चाहूँ था। 24 इसका मतलब यो कोनी के हम बिश्वास कै बारै म्ह थारे पै हक जताणा चाहवां सां; पर थारे आनन्द म्ह साइड़ी सां, क्यूँके थम बिश्वास ए तै डटे रहो सो।

2 मन्ने अपणे मन म्ह न्यू ठान लिया था, के दुबारा थारे धोरे ओड़े आके थमने दुख ना देऊँ। 2 क्यूँके जै मै थमने उदास करूँ, तो थारे अलावा मन्ने आनन्द देण आळा कोए कोनी रह्या, सिर्फ थमे सों, जिस ताहीं मन्ने उदास करया। 3 अर मन्ने याए बात थारे तै ज्यांतै लिक्खी के कदे इसा ना हो के मेरे आण पै, जिनतै मन्ने आनन्द मिलणा चाहिये, मै उनतै उदास होऊँ; क्यूँके थम सारया पै मन्ने इस बात का भरोस्सा सै, के जो मेरा आनन्द सै, वोए थम सारया का भी सै। 4 बड़े कळेश अर दुखी मन तै मन्ने घणेए आँसू बहा-बहाके थारे ताहीं चिट्ठी लिखी, ज्यांतै न्ही के थम उदास होवो पर ज्यांतै के थम उस घणे प्यार नै जाण ल्यो, जो मन्ने थारे तै सै। 5 अर जै किसे नै उदास करया सै, तो मेरे ताहीं ए न्ही बल्के थोड़ा-थोड़ा थारे सारया ताहीं उदास करया सै, अर मै उसकी गलतियाँ के बारे म्ह इसतै ज्यादा कुछ और न्ही कहणा चाहन्दा। 6 इसे माणस कै खात्तर या सजा जो सारे बिश्वासी भाईयाँ नै उस ताहीं देई सै, वा भतेरी सै। 7 ज्यांतै इसतै भला यो सै, के उसका अपराध माफ करो अर उस ताहीं उत्साहित करो, इसा ना हो के वो माणस घणी उदासी म्ह डूब जावै। 8 इस कारण मै थारे तै बिनती करूँ सूँ के उस ताहीं अपणे प्यार का सबूत द्यो। 9 क्यूँके मन्ने यो ज्यांतै भी लिख्या था के थमने परख ल्यूँ, के थम मेरी सारी बात्तां नै मानण नै त्यार सो के न्ही। 10 जिस ताहीं थम किसे बाबत माफ करो सो, उस ताहीं मै भी माफ करूँ सूँ, क्यूँके जिस बात के बारे मन्ने उस ताहीं माफ करया सै, जै वो सच म्ह माफी लायक था, तो मन्ने मसीह ताहीं हाजिर जाणके उस ताहीं थारे खात्तर माफ करया सै। 11 ताके शैतान का म्हारै पै दाँव ना चाल्लै। क्यूँके हम उसके बुरे इराद्यां तै अनजाण कोनी। 12 जिब मै मसीह का सुसमाचार सुणाण नै त्रोआस नगर म्ह आया, अर प्रभु नै मेरे ताहीं वचन सुणाण खात्तर एक राह खोल दिया। 13 अपणे बिश्वासी भाई तीतुस ताहीं ओड़े ना पाके, मेरे मन नै चैन कोनी मिल्या, ज्यांतै बिश्वासी भाईयाँ तै बिदा होके मै मकिदुनिया परदेस म्ह बोहड़ गया। 14 पर परमेसवर का धन्यवाद हो, जो मसीह कै साथ म्हारी संगति होण के कारण हमने जीत कै उत्सव म्ह लिये फिरै सै, इब परमेसवर म्हारे ताहीं खसबूदार इत्र की ढाळ मसीह का ज्ञान फैलाण खात्तर हरेक जगहां इस्तमाल करै सै। 15 हम परमेसवर कै खात्तर मसीह के जरिये,

जळाई गई उस धूप की खस्बू की ढाळ सां, जो उद्धार पाण आळे अर नाश होण आळे दोनुआ कै खात्तर सै, यो परमेसवर का सुसमाचार सै, अर सारे माणसां धोरै फैल्लण लागरया सै। 16 कितन्याँ कै खात्तर तो मरण कै कारण मौत की गन्ध, अर कितन्याँ कै खात्तर जिन्दगी कै कारण जिन्दगी की खस्बू सां। कोए भी माणस इस काम नै न्ही कर सकता। 17 हम उन बरगे कोनी जो परमेसवर के वचन नै पईसा खात्तर प्रचार करै सै; पर यो जाण सां के परमेसवर नै म्हारे ताहीं भेज्या सै अर मन की सच्चाई तै हम उसका वचन आज्ञाकारिता अर मसीह अधिकार तै सुणावां सां, यो जाणकै के परमेसवर म्हारे ताहीं देखै सै।

3 के हम दुबारा अपणी बड़ाई करण लागे? या हमनै और माणसां की ढाळ सिफारिश की चिट्टियाँ थारे धोरै ल्याण की या थारे तै लेण की जरूरत सै? 2 थम म्हारे खात्तर एक चिट्टी की ढाळ सों, जो म्हारै खात्तर सिफारिश करै सै, अर म्हारे दिलां पै लिक्खी होई सै, उस ताहीं सारे माणस पढ़ सकै, अर म्हारे भले काम्मां नै पिच्छाण सकै। 3 यो तो साफ दिक्खै सै के थम मसीह की चिट्टी के समान सों, जो मसीह की ओड़ तै सै, जो म्हारी सेवकाई का फळ सै, अर जो स्याही तै पत्थर की पटियाँ पै न्ही, पर जिन्दे परमेसवर की आत्मा तै दिल की माँस रूपी पटियाँ पै लिक्खी सै। 4 हम इस करकै कहवां सां, के हम मसीह कै जरिये परमेसवर पै भरोस्सा करा सां। 5 हम यो न्ही कहन्दे के म्हारी कुछ करण की काबलियत खुद तै सै, पर वो काबलियत परमेसवर की ओड़ तै सै। 6 जिसनै म्हारै ताहीं नये करार के सेवक होण कै लायक भी बणाया, मूसा के नियम-कायदा के सेवक न्ही, बल्के पवित्र आत्मा के सेवक सां; क्युँके मूसा के नियम-कायदे ना मानण तै मौत आवै सै, पर पवित्र आत्मा जिन्दगी देवै सै। 7 मूसा नबी के नियम-कायदे जो पत्थर की पटियाँ पै लिखे गये थे, तब परमेसवर की महिमा ओड़ै जाहिर होई थी, उस कारण भोत बखत ताहीं इस्राएल के माणस मूसा नबी का चेहरा भी कोनी देखण पाए थे, क्युँके उसका चेहरा तेजोमय था, उसके चेहरे का तेज ज्यादा बखत ताहीं कोनी रह सका, इस करकै मूसा नबी ताहीं जो नियम-कायदे दिए गये थे, वे मौत नै लेकै आवै थे। तो पवित्र आत्मा का काम जो नये करार के मुताबिक सै, वो और भी तेजोमय होवैगा। 9 क्युँके जिब माणसां नै कसूरवार बणाण

आळा पुराणा करार तेजोमय था, तो जो माणसां नै धर्मी बणाण आळा नया करार सै और भी तेजोमय होवैगा। 10 अर जो तेज पुराणे करार तै आवै था, उसका तेज जो इब नये करार तै आवै सै, उसके आगै कुछ भी कोनी। 11 क्यूँके जो तेज मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह था, जिब वो जो घटदा जावै था, तोभी वो तेजोमय था, तो उस नये करार का तेज जो स्थिर सै, वो और भी तेजोमय होवैगा। 12 ज्यांतै इसी आस राखकै हम हिम्मत कै गेल्या बोल्लां सां। 13 हम मूसा नबी की ढाळ न्ही, जिसनै अपणे मुँह पै पड़दा गेरया था। ताके इस्राएली माणस उस घटणआळे तेज कै अन्त नै ना देख पावै। 14 पर इस्राएल के माणसां की अकल खराब होगी, क्यूँके आज ताहीं पुराणा नियम पढ़ते बखत उनके दिलां पै वोए पड़दा पड्या रहवै सै, पर वो पड़दा मसीह पै बिश्वास करण तै ए उठ जावै सै। 15 आज ताहीं जिब कदे भी मूसा नबी की किताब पढ़ी जावै सै, तो उन ताहीं पूरी तरियां समझ म्ह कोनी आन्दी। 16 पर जिब कदे वो यीशु मसीह पै बिश्वास करैंगे, तो वो पड़दा उठ जावैगा। 17 प्रभु तो आत्मा सै: अर जित्त किते परमेसवर का आत्मा सै, ओड़े नियम-कायदे तै आजादी सै। 18 हम परमेसवर की महिमा इस तरियां देख्खां सां, जिस तरियां शीशे म्ह अपणा मुँह, उस मुँह के आगै पड़दा कोनी, परमेसवर आत्मा सै। अर वो हमनै अपणे तेजस्वी स्वरूप म्ह थोड़ा-थोड़ा करकै बदलता जावां सै।

4 ज्यांतै जिब म्हारै पै इसी दया होई के हमनै या परमेसवर के वचन प्रचार करण की सेवा मिली, तो हम हिम्मत न्ही हारते। 2 हमनै शर्मनाक अर गुप्त काम्मां ताहीं छोड़ दिया, अर ना चतुराई करते, अर ना परमेसवर कै वचन नै तोड़-मरोड़ के पेश करा सां। पर परमेसवर के वचन की सच्चाई नै माणसां के स्याम्ही जाहिर करां सां, ताके हरेक माणस परमेसवर के स्याम्ही या गवाही दे सकै सै, के यो सच सै। 3 पर जै म्हारै सुसमाचार नै कोए समझ न्ही पावै, तो यो नाश होण आळा ए कै खात्तर गुप्त सै। 4 इस दुनिया के ईश्वर शैतान नै उन अबिश्वासियाँ की अकल ताहीं, आँधी कर दिया सै, ताके उस चाँदणे नै जो मसीह के तेजोमय सुसमाचार तै आवै सै, उस ताहीं देख ना सकै। जो दिखावै सै के परमेसवर किसा सै। (aiōn g165) 5 क्यूँके हम खुद नै न्ही, पर मसीह यीशु नै प्रचार करा सां, के मसीह यीशु ए प्रभु सै। अर अपणे बारै म्ह

न्यू कहवां सां, के हम यीशु कै कारण थारे सेवक सां। 6 ज्यातै के परमेसवर नै कह्या, “अन्धकार म्ह तै चाँदणा चमकै,” अर परमेसवर म्हारै दिलां म्ह चाँदणा की तरियां समझ दे, ताके हम परमेसवर की महिमा नै समझ सका, जो यीशु मसीह म्ह सै। 7 हम माट्टी के बासणा की तरियां सां, जिस म्ह धन भरया सै, या घणी सामर्थ म्हारी न्ही, बल्के परमेसवर की सै। 8 हम चौगरदे तै क्छेश तो भोगां सां, पर संकट म्ह न्ही पड़दे, म्हारै धौरै उपाय तो कोनी, पर निराश न्ही होन्दे। 9 सताए तो जावां सां, पर छोटे न्ही जान्दे; गिराए तो जावां सां, पर नाश न्ही होन्दे। 10 हम हर बखत मौत के खतरे म्ह रहवां सां, जिस तरियां यीशु म्हारे खात्तर मरया गया, ताके हम दुसरे माणसां नै म्हारे उन काम्मां के जरिये दिखा सका के यीशु म्हारे म्ह बसै सै। 11 क्यूँके हम जिन्दे जी सारी हाण यीशु कै कारण मौत खतरे म्ह रहवां सां, ताके मसीह यीशु का जीवन म्हारी मरण आळी देह म्ह जाहिर होवै। 12 इस करके हम मौत के खतरे म्ह रहवां सां, इसका नतिज्जा यो होगा के थमनै अनन्त जीवन मिलैगा। 13 पर हम तो प्रचार करते रहवांगे क्यूँके म्हारा बिश्वास उस भजनकार की ढाळ सै, जिसनै भजन संहिता म्ह कह्या, “मै परमेसवर पै बिश्वास करूँ सूँ” इस खात्तर बोल्लू सूँ। 14 इस करके हमनै बेरा सै के जिसनै प्रभु यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, वोए परमेसवर हमनै भी यीशु म्ह जिन्दा करैगा, अर थारे गेल्या हमनै भी अपणी मौजूदगी म्ह ले जावैगा। 15 क्यूँके सारे दुख हमनै सहे, ताके भोत सारे लोग जाण सकै के परमेसवर कितना करुणामय सै, अर परमेसवर की महिमा कै खात्तर ज्यादा तै ज्यादा लोग उसका धन्यवाद करै। 16 ज्यातै हम हिम्मत न्ही हारते; हालाके म्हारी देह नाश होन्दी जावै सै, तोभी म्हारी अन्तरात्मा हर रोज नई होन्दी जावै सै। 17 क्यूँके म्हारी मौजूदा परेशानियाँ भोत छोट्टी सै, अर वो लम्बे बखत ताहीं कोनी रहवैगी। क्यूँके ये अनन्त महिमा का कारण बणैगी, जो म्हारे सोचण तै भी बड़ी सै। (aiōnios g166) 18 अर हम तो देखी होई चिज्जां ताहीं न्ही पर अनदेखी चिज्जां नै देखदे रहवां सां; क्यूँके देखी होई चीज माड़े-से दिन की सै, पर अनदेखी चीज सारी हाण बणी रहवै सै। (aiōnios g166)

5 क्यूँके हमनै बेरा सै के पलभर का शारीरिक देह सरीखा घर जो हमनै मिल्या सै, जो नाश करया जावैगा, तो हमनै परमेसवर कै कान्ही तै सुर्ग पै एक इसा घर मिलैगा, जो हाथ्यां तै बणया होया न्ही, पर सारी हाण खात्तर टिकाऊ सै। (aiōnios g166) 2 इस देह म्ह तो हम कराहवा अर बड्डी लालसा राक्खां सां, ताके अपने सुर्गीय देह नै पैहर ल्या 3 क्यूँके सुर्गीय देह पैहरण तै हम उघाड़े न्ही पाए जावैंगे। 4 अर हम शारीरिक देह सरीखे घर म्ह रहन्दे होए बोझ तै दबे रोन्दे-पिटते रहवां सां, क्यूँके हम इसनै छोड़णा न्ही चाहन्दे, पर हम चाहवां सां के परमेसवर हमनै सुर्गीय देह देवै, ताके शारीरिक देह नाश होण कै बाद हमनै अनन्त राज्य म्ह सुर्गीय देह मिल जावै। 5 जिसनै म्हारै ताहीं जिस सुर्गीय देह कै खात्तर त्यार करया सै, वो परमेसवर सै, जिसनै म्हारै ताहीं ब्याने म्ह पवित्र आत्मा भी दिया सै। 6 आखर म्ह हम सारी हाण होसला राक्खां सां, अर या जाणां सां के जिब ताहीं हम देह म्ह रहवां सां, तब तक प्रभु के सुर्ग तै न्यारे सां, जो सुर्ग म्ह सै। 7 हम प्रभु यीशु पै बिश्वास करण तै जिवां सां, ना के उस ताहीं देखण तै। 8 ज्यांतै हम होसला राक्खां सां, अर हम मरण कै बाद, देह तै न्यारे होकै प्रभु कै गेल्या रहणा हम और भी घणा बढ़िया समझां सां। 9 इस कारण म्हारै मन की इच्छा या सै, चाहे हम सुर्ग म्ह परमेसवर कै गैल रहवां, या धरती पै रहवां, पर हम उसनै भान्दे रहवां। 10 क्यूँके जरूरी सै के हम सब मसीह कै न्याय आसन कै स्याम्ही खड़े होवां, ताके हरेक माणस अपने-अपने आच्छे-भुन्दे काम्मां का बदला पावै, जो उसनै शारीरिक देह कै जरिये करे सै। 11 ज्यांतै प्रभु का भय मानकै हम माणसां ताहीं न्यू समझावां सां, के वे इस सच्चाई पै बिश्वास करै, अर परमेसवर जाणै सै के हम कौण सां, अर मै उम्मीद करूँ सूँ, के थम भी अपनी अन्तरात्मा म्ह हमनै आच्छी तरियां जाण ल्यो। 12 हम फेर भी अपनी बड़ाई थारे स्याम्ही कोनी करदे, बल्के हम अपने बारै म्ह थारे ताहीं गर्व करण का मौक्का देवां सां, के थम उननै जवाब दे सको, जो अपने मन की बजाये बाहरी रूप पै घमण्ड करै सै। 13 जै कोए कहवै के हम पागल सां, तो परमेसवर कै खात्तर, अर जै श्याणे सा तो थारे खात्तर सां। 14 क्यूँके मसीह का प्यार हमनै मजबूर कर देवै सै। ज्यांतै के हम न्यू समझां सां, के जिब एक माणस सारया कै खात्तर मरया तो सारे माणस मरगे। 15 अर

मसीह इस कारण सारे माणसां खात्तर मरया ताके जो जिन्दे सै, वे आगै तै अपणे खात्तर न्ही जीवै, पर मसीह कै खात्तर जीवै, जो उनकै खात्तर मरया अर दुबारा जिन्दा होगया। 16 इस करकै इब हमनै माणसां ताहीं दुनियावी नजरिये तै देखणा छोड़ दिया सै। हालाके एक बखत था, जिब हमनै मसीह ताहीं भी दुनियावी नजरिये तै देख्या था, पर इब न्ही, क्यूँके इब हम उस ताहीं जाणगे सां। 17 जै कोए मसीह म्ह बिश्वास करै सै, तो वो नयी जिन्दगी पा लेवै सै। पुराणा सुभाव चल्या जावै सै, अर नया सुभाव आ जावै सै। 18 ये सारी बात परमेसवर की ओड़ तै सै, जिसनै मसीह कै जरिये अपणे गेल्या म्हारा मेळ-मिलाप कर लिया सै, अर मेळ-मिलाप की सेवकाई का काम म्हारै ताहीं सौंप दिया सै। 19 यानिके परमेसवर नै मसीह म्ह होकै अपणे गेल्या दुनिया का मेळ-मिलाप कर लिया, अर माणसां के पापां का दोष उनपै न्ही लाया, अर याए बात मेळ-मिलाप का सन्देश सै, जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं सौंप दिया सै। 20 ज्यांतै, हम मसीह के राजदूत सां। परमेसवर म्हारै जरिये माणसां तै बिनती करण लाग रहया सै। हम मसीह की ओड़ तै थारे तै बिनती करा सां, के परमेसवर कै गेल्या मेळ-मिलाप कर ल्यो। 21 मसीह जो पाप तै अनजाण था, उस्से ताहीं परमेसवर नै म्हारै खात्तर पापी ठहराया, ताके हम परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बण जावां, क्यूँके यीशु मसीह नै म्हारे पापां का दण्ड अपणे उप्पर ले लिया।

6 हम जो परमेसवर कै गैल काम करणीये सां, या बिनती करां सां, के उसका अनुग्रह जो थारे पै होया, उसनै बेकार ना जाण द्यो। 2 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै कह्या सै, “सही बखत पै मन्नै तेरी सुण ली, अर उद्धार कै दिन मन्नै तेरी मदद करी।” सुणो, इब्ने वो सही बखत सै; अर आज ए वो उद्धार का दिन सै। 3 हम परमेसवर कै गैल काम करणीया के कारण, हम किसे बात म्ह ठोक्कर खाण का कोए भी मौक्का कोनी देन्दे, ताके म्हारी सेवा पै कोए दोष ना आवै। 4 इस करकै हम सारे हालातां म्ह खुद ताहीं परमेसवर के सच्चे सेवक के समान पेश करां सां, जिसा धीरज तै दुख सहण म्ह, गरीबी म्ह, हर बखत संकट सहण म्ह, 5 अर कोड़े खाण म्ह, कैद होण म्ह, रोळे-रब्दयां म्ह, मेहनत म्ह, जागदे रहण म्ह, ब्रत करण म्ह, 6 पवित्रता म्ह, ज्ञान म्ह, धीरज म्ह, करुणा तै, पवित्र आत्मा तै, 7 सच्चे प्यार म्ह, सच

कै वचन म्ह, परमेसवर की सामर्थ म्ह, हम धार्मिकता के हथियारां नै सोळे हाथ तै लड़ण खात्तर अर ओळे नै बचाव खात्तर इस्तमाल करां सां। 8 जिब माणस हमनै आच्छे या बुरे माणस कहवै, जिब वे म्हारी बड़ाई करै या अर बेजती करै, तो हम भकाण आळे जिसे लाग्गा सां, तोभी सच्चे सां। 9 कई माणस हमनै अनजाणा कै बरगे समझै सै, तोभी हम मशहुर सां, मरे होए बरगे दिक्खां सां पर देक्खो जिन्दे सां, मार खाण आळा कै बरगे सां पर जी तै कोनी मारे जान्दे। 10 म्हारा पै भी दुख का बखत आवै सै, पर हम सारी हाण आनन्दित रहवां सां, हम खुद तो कंगालां की तरियां सां, पर घणखरयां नै आत्मिक रूप तै साहूकार बणा देवां सां, हम इसे सा जिस ढाळ म्हारै धोरै किमे कोनी, तोभी सारा किमे सै, येए सारी बात हमनै परमेसवर का सच्चा सेवक बणण म्ह मदद करै सै। 11 हे कुरिन्थियों नगर के बिश्वासियों, हमनै खुलकै थारे तै बात करी सै, हम पूरे मन तै थारे तै प्यार करां सां। 12 म्हारै मन म्ह थारे खात्तर प्यार कम न्ही होन्दा, पर थारा प्यार म्हारे खात्तर कम होग्या। 13 पर मै अपणे बाळक जाणकै थारे तै कहूँ सूँ, के थम भी उसकै बदले पूरे मन तै म्हारे तै प्यार करो। 14 अबिश्वासियाँ कै गैल साझीदार ना बणो, क्यूँके धार्मिकता अर अधर्म का मेलजोल कोनी। या चाँदणे अर अन्धकार की संगति कोनी होन्दी। 15 अर मसीह का शैतान कै गैल कोए रिश्ता कोनी होन्दा, या बिश्वासी कै गेल्या अबिश्वासी का कोए नात्ता कोनी। 16 अर परमेसवर कै मन्दर म्ह मूर्तियाँ का काम कोनी। क्यूँके हम तो जिन्दे परमेसवर के मन्दर सां, जिसा परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह कह्वा, “मै अपणे माणसां कै गैल रहूँगा, अर उन म्ह हान्डया-फिरया करूँगा, अर मै उनका परमेसवर होऊँगा, अर वे मेरे माणस होवैंगे।” 17 ज्यांतै प्रभु अपणे वचनां के जरिये कहवै सै, “उन माणसां के बिचाळै तै लिक्ड़ो जो परमेसवर ताहीं न्ही मानते, अर न्यारे रहो, अर अशुद्ध चिज्जां तै कोए रिश्ता ना राक्खों, तो मै थमनै अपणाऊँगा। 18 अर मै थारा पिता होऊँगा, अर थम मेरे बेट्टे अर बेटियाँ होओगे। यो सर्वशक्तिमान प्रभु का वचन सै।”

7 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब हमनै वो वादा मिल्या सै, ताके हम परमेसवर की ऊलाद कुहावां, तो आओ, हम अपणी देह अर आत्मा नै गंदा करण आळे सारे बुरे काम छोड़ द्या, अर परमेसवर का भय मानते होए पूरी

रीति तै अपणे-आपनै पवित्र करण की कोशिश करां। 2 थम म्हारे तै पूरे मन तै प्यार करो। हमनै ना किसे पै जुल्म करया, ना किसे गैल अन्याय करया, अर ना किसे ताहीं ठग्या सै। 3 मै थमनै कसूरवार ठहराण कै खात्तर न्यू न्ही कहन्दा। क्यूँके मै पैहल्याए तै कह चुक्या सूं, के हम थारे ताहीं पूरे मन तै प्यार करां सां, अर हम थारे गेल्या जीण-मरण कै खात्तर भी त्यार सां। 4 मै थारे तै घणे बिश्वास कै गेल्या बोल्लण लागरया सूं, मन्नै थारे पै घणा गर्व सै, मै बड़ा उत्साहित सूं। अपणे सारे क्लेश म्ह, मै आनन्द तै घणा भरपूर रहूँ सूं। 5 त्रोआस नगर तै जिब हम मकिदुनिया परदेस म्ह आये, फेर भी म्हारी देह नै चैन कोनी मिल्या, पर हम चौगरदे तै क्लेश पावां थे, बाहरणै लड़ाई-झगड़े थे, म्हारे मन म्ह डरावणी बात थी। 6 तोभी दुखियाँ ताहीं तसल्ली देणआळे परमेसवर नै तीतुस कै आण तै म्हारे ताहीं उत्साहित करया। 7 ना सिर्फ उसके आण तै, पर उस उत्साह के जरिये भी, जो तीतुस नै थारे म्ह पाया, उसनै थारी लालसा, थारे दुख, अर मेरै खात्तर थारी धुन की खबर म्हारै ताहीं सुणायी, जिसतै मन्नै और भी खुशी होई। 8 मै पसताऊ कोनी, के मन्नै थारे ताहीं चिट्ठी लिखी, हालाकि मन्नै अपणी चिट्ठी तै थारे ताहीं दुखी करया, मै पैहल्या तो पछताया, जिब मन्नै देख्या के थम मेरी चिट्ठी तै थोड़े बखत खात्तर तो उदास होए सों। 9 पर इब मै खुश सूं, ज्यांतै न्ही के मन्नै थारे ताहीं दुख पोहचाया, बल्के ज्यांतै के थमनै उस दुख कै कारण पाप करणा छोड़ दिया, क्यूँके थम दुखी थे, जिसा परमेसवर चाहवै था, के म्हारी ओड़ तै थमनै किसे बात का नुकसान ना पोहोचै। 10 क्यूँके परमेसवर की ओड़ तै मिलण आळा दुख, पापां नै छोड़ण का कारण बणै सै, जिसका नतिज्जा छुटकारा सै, उस तरियां के दुख का पछतावा कोनी होन्दा। पर दुनिया तै मिलण आळा दुख अनन्त मौत का कारण बणै सै। 11 इस करकै सुणो, परमेसवर की ओड़ तै मिलण आळे दुख तै थम कितने गुणवाण बण गये, थारे म्ह कितना उत्साह, जबाबदारी, रिस, भय, लालसा, धुन अर बदला लेण का विचार छोड़णा, थमनै सारी तरियां तै न्यू साबित कर दिया सै, के थमनै इन सारी बातां म्ह कोए कमी कोनी छोड्डी। 12 फेर मन्नै पैहले जो थारे धोरै वो चिट्ठी लिखी थी, वा ना तो उसके कारण लिखी, जिसनै नाइंसाफी करी, अर ना उसके कारण जिसके साथ नाइंसाफी करी गई, पर ज्यांतै के थारा जोश जो

म्हारै खात्तर सै, वो परमेसवर कै स्याम्ही थारे पै जाहिर हो जावै। 13 ज्यांतै हमनै तसल्ली मिली, म्हारी तसल्ली तो तीतुस की खुशी के कारण सै, म्हारे ताहीं और भी घणी खुशी होई क्यूँके उसका मन थारे कारण और भी ज्यादा खुशमिसाज होगया सै। 14 क्यूँके जै मन्नै उसके स्याम्ही थारे बारै म्ह कुछ गर्व दिखाया, तो मै शर्मिन्दा कोनी होया, पर जिसा हमनै थारे तै सारी बात सच-सच कह दी थी, उस्से तरियां ए म्हारा गर्व दिखाणा तीतुस कै स्याम्ही भी सच्चा लिकड़या। 15 जिब तीतुस ताहीं थम सारया के आज्ञाकारी होण की बात याद आवै सै, अर किस ढाळ थम डरदे अर काम्बदे होए उसतै मिले, तो उसका प्यार थारे खात्तर और भी बधता जावै सै। 16 मन्नै घणी खुशी हो सै, क्यूँके मन्नै हरेक बात म्ह थारे पै पूरा भरोस्सा सै।

8 इब हे बिश्वासी भाईयो, हम थमनै परमेसवर के उस अनुग्रह की खबर देवां सां, जो मकिदुनिया परदेस की कलीसिया के बिश्वासियाँ पै होया सै। 2 उनकी परख बड़ी मुसीबतां म्ह होवै सै, अर घणी गरीब होण पै भी खुशी अर खुल्ले दिल तै दुसरे बिश्वासियाँ की मदद करी। 3 उनके बारै म्ह मेरी या गवाही सै, के उननै जितना दे सकै थे दिया, बल्के उसतै भी ज्यादा बढ़के दिया। 4 उननै भोत ज्यादा बिनती करी के यो दान उन बिश्वासी भाईयाँ म्ह बाट्या जावै जो यरुशलेम नगर म्ह सै। 5 उननै म्हारी सोच तै भी बढ़के करया, उननै पैहल्या काम यो करया, के उननै अपणे-आप ताहीं परमेसवर के खात्तर अर फेर म्हारे खात्तर अपणे-आप ताहीं भी दे दिया, जिसा के परमेसवर चाहवै था के वो इसा करै। 6 ज्यांतै हमनै तीतुस तै बिनती करी, के जिस तरियां उसनै पैहल्या इस दान देण के काम की शरुआत करी थी, उस्से तरियां ए वो इस सराहनीय काम ताहीं थारे बिचाळे पूरा भी करै ले। 7 ज्यांतै जिसा थम हरेक बात म्ह यानिके बिश्वास, वचन प्रचार करण म्ह, ज्ञान अर सारी ढाळ की कोशिश म्ह, अर उस प्यार म्ह जो म्हारै तै करो सो, बढ़दे जाओ सो, उस्से तरियां ए गरीब बिश्वासियाँ खात्तर दान देण म्ह भी बढ़ते जाओ। 8 मै थमनै कोए हुकम कोनी देंदा, मै सिर्फ बाकियाँ के उत्साह तै थारे प्यार की सच्चाई नै परखण लागरया सूं। 9 थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै अनुग्रह नै जाणो सो, के वो धनी होकै भी थारे खात्तर कंगाल बण गया, ताके उसके कंगाल हो जाण तै थम धनी हो जाओ। 10 पिच्छली साल थमनै दान

दिया बल्के दान देण की इच्छा म्ह आगै भी थे, इस बारें म्ह मै थमनै एक सलाह देणा चाहूँ सूँ, के दान देण का सब तै बढ़िया तरिकका के सै? 11 जो काम थमनै शरू करया सै, उस ताहीं पूरा भी करो। इस काम के खतम होण तक, इसे तरियां उत्साहित बणे रहों, जिस तरियां उसकी योजना तैयार करते बखत थे। इस काम नै अपणी पूंजी अर काबलियत कै मुताबिक पूरा भी करो, जो इस बखत थारे धोरै सै। 12 जै किसे की दान देण की इच्छा हो, तो जो कुछ उसकै धोरै सै, उससे कै मुताबिक उसका दान लिया जावैगा, ना के उसकै मुताबिक जो उसकै धोरै कोनी। 13 म्हारा मतलब यो कोनी के दुसरयां की भलाई करण तै थम खुद दुख सहो, म्हारा मकसद सिर्फ सब कै साथ एक जिंसा बरताव करो। 14 इस बखत तो थारी बढ़ोतरी उनकी जरूरत पूरी करण कै खात्तर भोत सै, कदे यो भी हो सकै सै, के थमनै खुद नै जरूरत पड़े अर वे अपणी बढ़ोतरी म्ह तै थारी मदद करै फेर दोन्नु पक्ष बरोबर हो जावेंगे। 15 जिंसा के पवित्र ग्रंथ म्ह लिख्या सै, “जिसनै घणा कठ्ठा करया उसनै कुछ भी घणा न्ही पाया। अर जिसनै घाट कठ्ठा करया उसनै कुछ कमी कोनी होई।” 16 परमेसवर का धन्यवाद होवै, जिसनै थारे खात्तर वाए चिंता तीतुस कै मन म्ह दे दी। 17 जिब हमनै उस ताहीं थारे धोरै आण खात्तर बिनती करी, तो उसनै म्हारी बिनती मान ली, अर घणा उत्साहित होकै वो अपणी मर्जी तै थारे धोरै चल्या गया। 18 हमनै उसकै गेल्या उस बिश्वासी भाई ताहीं भी भेज्या सै, जिसका नाम सुसमाचार फैलाण के बारें म्ह सारी कलीसिया म्ह फैल्या होया सै। 19 अर इतणाए न्ही, पर वो कलीसिया के माणसां कै जरिये ठहराया भी गया, ताके इस दान कै काम कै खात्तर म्हारै गेल्या जावै। हम दान देण की या सेवा यरुशलेम के बिश्वासियाँ ताहीं ज्यांतै करा सां के प्रभु की महिमा अर सेवा करण म्ह म्हारै मन की तयारी जाहिर हो जावै। 20 हम इस बात म्ह चौक्कस रहवां सां के खुल्ले दिल तै दान देण की सेवा के इस काम कै बारै म्ह जो हम करा सां, कोए म्हारै पै दोष ना लाण पावै। 21 क्यूँके जो बात सिर्फ प्रभु ए कै स्याम्ही न्ही, पर माणसां कै स्याम्ही भी भली सै हम उननै आच्छी तरियां तै करां सां। 22 हमनै उसकै गेल्या अपणे एक और बिश्वासी भाई ताहीं भी भेज्या सै, जिस ताहीं हमनै बार-बार परख कै घणी बातं म्ह हौसलै आळा पाया सै; पर इब थारे पै उसनै घणा भरोस्सा सै, इस

कारण वो और भी घणा हौसलै आळा सै। 23 जै कोए तीतुस के बारै म्ह बुझै, तो वो मेरा मित्तर अर थारे खात्तर मेरै गैल काम करणीया सै, अर जै कोए म्हारै बिश्वासी भाईयाँ कै बारै म्ह बुझै, तो वे कलीसियाओं के भेज्जे होए अर मसीह नै महिमा देण आळे सै। 24 इस करकै कलीसियाओं के बिश्वासियाँ स्याम्ही अपणे प्यार नै जाहिर करण के जरिये साबित करो, के म्हारा थारे बारें म्ह गर्व करणा साच्चा सै।

9 मन्नै इब उन पवित्र माणसां नै जो यरुशलेम म्ह रहवै सै, उन ताहीं दान देण की सेवकाई कै बारै म्ह लिखण की जरूरत कोनी। 2 क्यूँके मदद करण की थारी मन की लालसा नै मै पैहले तै ए जाणु सूँ, जिसकै कारण मै थारे बारै म्ह मकिदुनिया कलीसिया के बिश्वासी भाईयाँ कै स्याम्ही गर्व करूँ सूँ, के थम अखाया परदेस के माणस एक साल पैहल्या तै दान देण खात्तर त्यार थे, अर थारे जोश नै घणखरे मकिदुनिया परदेस के बिश्वासियाँ ताहीं भी दान देण खात्तर उत्साहित करया सै। 3 पर मै थारे धोरै तीतुस अर दो बिश्वासी भाईयाँ नै भेज्जू सूँ, के हमनै जो गर्व थारे बारै म्ह दिखाया, वो इस बात म्ह बेकार ना ठहरै; पर जिसा मन्नै कह्या उसाए थम यरुशलेम के बिश्वासी भाईयाँ नै दान देण खात्तर त्यार रहो। 4 इसा ना हो के जिब मकिदुनिया के कुछ बिश्वासी भाई मेरै गेल्या आवै अर वो थमनै दान देण खात्तर त्यार न्ही पावै, तो हो सकै सै, के हम थारे पै भरोस्से करण के कारण शर्मिन्दा होवां, पर थम म्हारे तै भी ज्यादा शर्मिन्दा होओगे। 5 ज्यांतै मन्नै बिश्वासी भाईयाँ तै या बिनती करणा जरूरी समझया के वे पैहल्या तै थारे धोरै जावै, अर जो दान देण का वादा थमनै करया था, उसका इन्तजाम कर ल्यो, जो थमनै कंजूसी तै न्ही पर खुल्ले दिल तै देण खात्तर कह्या। 6 पर बात या सै, जो थोड़ा-सा बोवै सै, वो थोड़ा-सा काट्टैगा भी, अर जो घणा बोवै सै, वो घणा काट्टैगा। 7 हरेक माणस जिसा मन म्ह सोचवै उसाए दान करै, ना कुढ़-कुढ़ कै अर मन म्ह दाब तै, क्यूँके परमेसवर राज्जी होकै देण आळे तै प्यार करै सै। 8 परमेसवर इस योग्य सै, के वो थारे ताहीं भोत-ए घणा अनुग्रह दे, ताके सब कुछ थमनै हर बात म्ह हर बखत पर्याप्त मात्रा म्ह मिलता रहवै, अर हरेक भले काम कै खात्तर थारे धोरै भोत घणा होवै। 9 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “परमेसवर जरूरतमंदां नै खुल्ले दिल तै देवै सै, उसकी धार्मिकता सारी

हाण बणी रहवै सै।” (aiōn g165) 10 परमेसवर ए सै जो किसानां नै बीज अर खाण खात्तर रोटी देवै सै। इस तरियां परमेसवर हमेशा थारे खात्तर धन देवैगा, ताके थम उन माणसां की मदद कर सकों जिन ताहीं धन की जरूरत सै। 11 थम हरेक तरियां तै आशीष पाओ, ताके थम खुल्ले दिल तै दे सकों, अर जिब थारा दान गरीब माणसां म्ह बाट्या जावै तो वे सारे परमेसवर का धन्यवाद करै। 12 क्यूँके इस दान की सेवकाई तै ना सिर्फ पवित्र माणसां की जरूरत पूरी होवै सै, पर भोत-से लोग भी दिल तै परमेसवर का धन्यवाद करै सै। 13 क्यूँके इस दान की सेवकाई नै सबूत मानकै, वे परमेसवर की महिमा करैंगे, क्यूँके थमनै मसीह कै सुसमाचार के हुकम नै मानकै उस ताहीं अपणाया सै, अर गरीब बिश्वासियाँ की मदद खुल्ले दिल तै करी सै। 14 अर वे थारे खात्तर परमेसवर तै प्रार्थना करै सै। वे थारे तै प्यार करै सै, क्यूँके वे जाणै सै, के परमेसवर नै थारे पै बड़ा अनुग्रह करया सै। 15 परमेसवर का उसकै उस दान कै खात्तर धन्यवाद हो। जिस ताहीं हम ब्यान न्ही कर सकदे।

10 मै पौलुस, थारे ताहीं मसीह की दयालुता अर नम्रता कै साथ बिनती करँ सूँ, हालाके मन्नै अहसास सै के थमनै इसा लागै सै, के आमनै-सामनै बात करण म्ह डरपोक सूँ, अर सिर्फ चिट्ठी लिखकै शिक्षा देण म्ह ए साहसी सूँ। 2 मै थारे तै या बिनती करँ सूँ के जिब मै थारे धीरे आऊँ तो मन्नै उन माणसां तै कड़ाई तै बात ना करणी पड़ै, जो ये सोचै सै के हम दुनियावी तौर तरिककां कै मुताबिक चाल्लण आळे सां। 3 हालाके हम इस दुनिया म्ह रहवां सां, पर हम इस दुनिया के बाकी माणसां की ढाळ लड़दे-झगड़ते कोनी। 4 हम इन्सानी विचारां अर झूठी बहसबाजी नै नाश करण खात्तर दुनियावी हथियारां का न्ही पर परमेसवर के ताकतवर हथियारां का इस्तमाल करां सां। 5 हम इन्सानी बहस-बाजी की बजह तै आण आळी हरेक रुकावट नै दूर कर देवां सां, जो माणसां नै परमेसवर तै दूर राक्खै सै, हम उनकी बिद्रोही भावना नै कैद करकै मसीह का आज्ञाकारी बणा देवां सां, 6 अर जिब वे पूरी रीति तै मसीह के हुकम नै मानण आळे बण जावै सै, तो हम मसीह यीशु के हुकम नै ना मानण आळा ताहीं दण्ड देवां सां। 7 थम बाहरी दिखावट पै ध्यान देओ सों। जै किसे माणस नै खुद पै यो भरोस्सा हो के वो मसीह यीशु का सै, तो

वो यो भी जाण ले के जिसा वो मसीह यीशु का सै, उस्से तरियां हम भी मसीह यीशु के सां। 8 क्यूँके जै मै उस हक के बारे म्ह और भी गर्व करूँ, जो प्रभु नै थारे बिश्वास ताहीं घटाण खात्तर न्ही पर थारे बिश्वास नै बढ़ाण खात्तर म्हारै ताहीं दिया सै, तो मै शर्मिन्दा न्ही होऊँगा। 9 मै अपणी चिट्टियाँ के जरिये थमनै डराण की कोशिश न्ही करदा। 10 क्यूँके थारे म्ह तै कई माणस कहवै सै, “की मेरी सारी चिट्टी तो भोत कठोर अर असरदार सै; पर जिब मै आम्नै-साम्नै मिलु सूँ, तो मै कमजोर अर बोल्लण म्ह बेकार लागू सूँ।” 11 जो इसा कहवै सै, वो न्यू समझ लेवै के जिसा पीठ पाच्छै चिट्टियाँ म्ह म्हारे सन्देस सै, उस्से तरियां ए थारे स्याम्ही म्हारे काम भी होवेंगें। 12 क्यूँके म्हारै म्ह या हिम्मत कोनी के हम अपणे-आपनै उन म्ह गिण्या अर मिलावां, जो अपणी बड़ाई खुद करै सै, अर अपणे-आप ताहीं आप्पस म्ह नाप-तौलके एक-दुसरे तै बरोबरी करके बेकूफ ठहरावै सै। 13 हम तो उस काम की हद तै बाहरणै घमण्ड कदे भी न्ही करागें, जो काम परमेसवर नै म्हारे ताहीं दिया सै, पर उस्से हद तक जो परमेसवर नै म्हारै खात्तर ठहरा दी सै, अर उस म्ह थम भी आगे सो, अर उन काम्मां की हद म्ह ए घमण्ड करागें। 14 जिब हम पैहली बार थारे धोरै पोहचे तो हम घमण्ड करण म्ह उस हद नै न्ही लांघे जित्त परमेसवर नै म्हारे ताहीं काम करण खात्तर ठहराया था। उसनै म्हारे ताहीं थारे इलाके म्ह काम करण खात्तर ठहराया था, अर हम थारे ताहीं मसीह का सुसमाचार सुणाण आळे पैहले माणस सां। 15 अर हम हद तै बाहरणै दुसरयां की मेहनत पै घमण्ड न्ही करदे; पर हमनै आस सै के ज्यों-ज्यों थारा बिश्वास बधता जावेगा त्यों-त्यों हम अपणी हद के मुताबिक थारे कारण और भी माणसां ताहीं मसीह का सुसमाचार सुणा पावांगें। 16 ताके हम थारी इलाके की हद तै परै दूर-दूर जगहां म्ह भी माणसां ताहीं सुसमाचार सुणावां, अर न्यू न्ही के हम दुसरयां की हद के भीत्तर बणे बणाए काम्मां पै घमण्ड करा। 17 पर जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, जै कोए घमण्ड करै, तो वो प्रभु पै घमण्ड करै। 18 क्यूँके जो अपणी बड़ाई करै सै वो न्ही, पर जिसकी बड़ाई प्रभु करै सै, वोए प्रभु की निगांह म्ह सही कुहावै सै।

11 थम उन माणसां की सह ल्यो सों जो अपणी खुद की बड़ाई करते रहवै सै, इस करके मै सोचु सूँ के थम मेरी भी सह ल्योगे जै मै थोड़ा सां बेकुफां

के जिसा बरताव करूँ, हाँ, मेरी सह भी ल्यो सो। 2 क्यूँके मै थारे तै प्यार करूँ सूँ, अर थारा ख्याल भी राक्खूँ सूँ, जिसा परमेसवर राक्खै सै। थम एक पवित्र कुवारी के समान सों, जिसकी सगाई मन्नै सिर्फ मसीह यीशु तै करण की, अर उस्से ताहीं सौंपण का वादा करया सै। 3 पर मै डरूँ सूँ के जिस तरियां तै साँप नै अपणी श्याणपत तै पैहली बिरबान्नी हव्वा ताहीं भकाया, उस्से तरियां ए थारे मन उस सीधाई अर पवित्रता तै जो मसीह के साथ चालण तै आवै सै, उसतै कदे बहक न्ही जाओ। 4 जै कोए थारे धोरे आके किसे दुसरे यीशु का प्रचार करै, जिसका प्रचार हमनै न्ही करया; या कोए और आत्मा थमनै मिलै, जो पैहल्या ना मिला था; या और कोए सुसमाचार सुणावै, जिस ताहीं थमनै पैहल्या न्ही मान्या था, तो थम इसनै खुशी तै स्वीकार कर लेते। 5 मै तो समझूँ सूँ के मै किसे बात म्ह बड़े तै बड़े प्रेरितां तै घाट न्ही सूँ। 6 जै मै बोल्लण मै अनाड़ी सूँ, तोभी मन्नै सुसमाचार अर मसीह का ज्ञान सै। मन्नै थारे ताहीं जो भी ज्ञान सिखाया सै, वो ज्ञान मन्नै थारे ताहीं साबित करके दिखाया सै। 7 इस करके मन्नै थारे खात्तर परमेसवर के सुसमाचार का प्रचार मुफ्त म्ह करया, के थारे ताहीं ऊँच्चा करण के मकसद तै मेरा खुद ताहीं नरम बणा लेणा मेरा अपराध था? 8 मन्नै दुसरी कलीसिया तै दान कठा करया, ताके मै हर कीमत पै थारी मदद कर सकूँ, थम इस ताहीं चोरी करणा ना कहों। 9 अर जिब मै थारे गेल्या था, अर मेरे ताहीं पर्ईसा की कमी होई, तो मन्नै किसे पै बोझ न्ही गेरया, क्यूँके बिश्वासी भाईयाँ नै मकिदुनिया परदेस तै आके मेरी जरूरत नै पूरा करया, अर मन्नै हरेक बात म्ह अपने-आप ताहीं थारे पै बोझ बणण तै रोक्या, अर रोकके रहूँगा। 10 जै मसीह की सच्चाई मेरे म्ह सै, तो अखाया परदेस म्ह कोए मन्नै इस घमण्ड तै न्ही रोकैगा। 11 मन्नै थारे तै पर्ईसा न्ही लिया, क्यूँके इस खात्तर न्ही, के मै थारे तै प्यार कोनी करदा? परमेसवर नै न्यू बेरा सै, के मै थारे तै प्यार करूँ सूँ। 12 मै थारे तै आर्थिक मदद कोनी ल्यु, ताके मै उन माणसां नै घमण्ड करण तै रोक सकूँ, जो या कहवै सै के हम भी परमेसवर की सेवा करां सां, जिसी थम करो सों। 13 क्यूँके इसे माणस झूठे प्रेरित, अर छळ तै काम करण आळे सै, अर मसीह के प्रेरित होण का झूठा दावा करै सै। 14 या किमे अचम्भे की बात कोनी क्यूँके शैतान खुद भी ज्योतिर्मय सुर्गदूत का रूप

धारण करै सै। 15 इस करके जै उसके सेवक भी धर्म के सेवकां का सा रूप धरै, तो कोए बड़ी बात कोनी, पर उनका अन्त उनके काम्मां के मुताबिक होवैगा। 16 मै फेर कहुँ सूं के, कोए मन्नै बेकूफ ना समझै, न्ही तो बेकूफ ए सोचके मेरी सह ल्यो, ताके माड़ा-सा मै भी घमण्ड कर सकूँ। 17 बेधड़क कहे होडी मेरी बात प्रभु की ओड़ तै कोनी, ये तो एक बेकूफ की घमण्ड म्ह कहे होडी बात सै। 18 जिव के घणखरे माणस तो अपने दुनियावी जीवन पै घमण्ड करै सै, तो मै भी घमण्ड करूँगा। 19 थम तो श्याणे होके खुशी तै बेकूफ की सह लेओ सों। 20 क्यूँके जिव थमनै कोए गुलाम बणा लेवै सै, या जो भी थारे धोरै सै सब ले लेवै सै, या फँसा लेवै सै, या अपने-आपनै बड़ड़ा बणावै सै, या थारे मुँह पै थप्पड़ मारै सै, तो थम सह लेओ सो। 21 के थम न्यू सोच्चों सों, के मन्नै शर्मिन्दा होणा पड़ेगा क्यूँके मन्नै यो काम कोनी करया। पर जिस किसे बात म्ह कोए हिम्मत करै सै, मै बेकूफी तै कहुँ सूं, तो मै भी हिम्मत करूँ सूं। 22 के वे इब्रानी सै? मै भी इब्रानी सूं। के वे इस्राएली सै? मै भी इस्राएली सूं। के वे अब्राहम के वंशज सै? मै भी अब्राहम का वंशज सूं। 23 के वैए मसीह के सेवक सै--मै बेकूफ के तरियां कहुँ सूं-मै उनतै बाध सूं! मन्नै उनतै घणी मेहनत करी सै, उनतै घणा बार-बार कैदी बणया सूं, अनगणित बार पिट्या गया सूं, कई बार मेरी जान संकट म्ह पड़ी। 24 पाँच बर मन्नै यहूदी अगुवां के हाथ तै उन्तालीस कोड़े खाए। 25 तीन बर मन्नै बैत खाई; एक बर मेरै पै पत्थर बरसाए गये; तीन बर जहाज, जिसपै मै चढ़या था, टूट गए; एक दिन अर एक रात मन्नै समुन्दर म्ह काट्या। 26 बार-बार मन्नै सफर करणा पड्या। कदे नदियाँ के, कदे डाकुआं के, कदे अपने देशवासियाँ के, कदे नगरां के, जात आळा तै, कदे गैर यहूदियाँ तै, कदे जंगळां के कदे समुन्दरां के, कदे झूठे बिश्वासी भाईयाँ के बिचाळे जोख्मां म्ह रहया। 27 मन्नै कई रात जाग के, भूक्खा-तिसाया रहकै, जाड़े म्ह; उघाड़ा रह के, करड़ी मेहनत करी अर भोत सी मुसीबत सहण करी सै। 28 इन सारी मुसीबतां के अलावा रोज मेरे पै सारी कलीसियां की भलाई अर फिक्र का बोझ बणया रहवै सै। 29 जिव कोए कलीसियां म्ह कमजोर हो सै, तो मै अपने-आपनै कमजोर महसूस करूँ सूं, मै दुखी हो जाऊँ सूं, जिव कोए किसे तै पाप करवावै सै। 30 जै घमण्ड करणा जरूरी सै, तो मै अपनी कमजोरी

की बातों पै घमण्ड करूँगा। 31 परमेसवर, जो यीशु का पिता सै, वो सदा धन्य सै, वो जाणै सै के मै झूठ न्ही बोल्ला। (aiōn g165) 32 जिब मै दमिश्क नगर म्ह था, तो अरितास राजा के राज्यपाल नै मेरे ताहीं कैदी बणाण के मकसद तै नगर म्ह पैहरा बिठा दिया था। 33 अर मै टोकरे म्ह बैठकै खिड़की म्ह तै होकै भीत पै तै तारया गया, अर उसकै हाथ तै बच लिक्ड़या।

12 ऊतो घमण्ड करणा मेरै खात्तर ठीक कोनी तोभी करणा पड़ै सै; ज्यांतै मै प्रभु के दिए होए दर्शनां अर प्रकाशनां का जिक्र करूँगा। 2 मै मसीह म्ह एक माणस नै जाणु सूं; जिसनै चौदहा साल हो लिए, मै न्ही जाणदा के वो माणस देह म्ह था, या फेर आत्मा म्ह था, सिर्फ परमेसवर ए जाणै सै, इसा माणस सबतै ऊँचे सुर्ग म्ह ठा लिया गया। 3 मै उससे बात नै दोहराऊ सूं, मै न्ही जाणदा, के इसा होया था या फेर यो एक दर्शन था, परमेसवर ए जाणै सै। 4 के वो सुर्गलोक पै ठा लिया गया, अर ओड़ै उसनै इसी अदभुत बात सुणी, जिनका जिक्र करणा किसे भी माणस के बस का कोनी, वे बात दुसरे माणसां ताहीं बताणा मना सै। 5 इसे माणस पै तो मै घमण्ड करूँगा, पर अपणे पै अपणी कमजोरियाँ नै छोड़, अपणे बारै म्ह घमण्ड न्ही करूँगा। 6 क्यूँके जै मै घमण्ड करणा चाहूँ भी तो बेकूफ न्ही बणुगाँ, क्यूँके सच बोल्लूँगा; मै अपणी बड़ाई न्ही करणा चाहन्दा, इसा ना होवै के जिसा कोए मन्ने देखवै सै या मन्ने सुणै सै, मन्ने उसतै बाध समझै। 7 मेरे ताहीं परमेसवर नै जो अदभुत बात दिखाई सै, उन ताहीं देखकै मै घमण्ड म्ह ना जाऊँ, इस करकै मेरी देह म्ह काण्डा चुभाया, यानिके शैतान का एक दूत मेरै घुस्से मारे ताके मै फूल न्ही जाऊँ। 8 इसकै बारै म्ह मन्ने प्रभु तै तीन बर बिनती करी के मेरै तै यो दूर हो जावै। 9 पर उसनै मेरै तै कह्या, “मेरा अनुग्रह तेरे खात्तर भोत सै, क्यूँके मेरी सामर्थ कमजोरी म्ह सिध्द होवै सै।” ज्यांतै मै घणा राज्जी होकै अपणी कमजोरी पै घमण्ड करूँगा के मसीह की सामर्थ मेरै पै छाया कर दी रहवै। 10 इस कारण मै मसीह कै खात्तर कमजोरियाँ म्ह, अर बुराईयाँ म्ह, गरीबी म्ह, अर रोळयां म्ह, अर संकटां म्ह राज्जी सूं; क्यूँके जिब मै कमजोर होऊँ सूं, तभी मै मसीह की शक्ति म्ह मजबूत होऊँ सूं। 11 मै बेकूफ तो बण्या, पर थमनै ए मन्ने न्यू करण कै खात्तर मजबूर करया। थमनै तो मेरी बड़ाई करणी चाहिये थी, क्यूँके ऊतो मै किमे भी कोनी, तोभी उन

बड्या तै बड़े प्रेरितां तै किसे बात म्ह घाट कोनी सूं। 12 सच्चे प्रेरित के लक्खण भी थारे बिचाळै सारे ढाळ के धीरज सुधा निशान्नां, अर अनोक्खे काम्मां, अर सामर्थ के काम्मां तै दिखाए गये। 13 थम कौण-सी बात म्ह दुसरी कलीसियां तै घाट थे, सिर्फ इस म्ह के मन्नै थारे पै आर्थिक बोझ कोनी गेरया। मेरा यो अपराध माफ करो। 14 देखो, मै तीसरी बर थारे धोरै आण नै त्यार सूं, अर मै थारे तै कोए मदद न्ही ल्युंगा, क्यूँके मै थारी सम्पत्ति न्ही बल्के थमनै ए चाहूँ सूं। क्यूँके बाळकां नै माँ-बाप कै खात्तर धन कठ्ठा न्ही करणा चाहिये, पर माँ-बाप नै बाळकां कै खात्तर धन कठ्ठा करणा चाहिये। 15 थारी आत्मा के भले खात्तर मै पक्का अपणा सब कुछ खर्च करण खात्तर तैयार सूं, बल्के आप भी खर्च हो जाऊँगा। मै थारे तै प्यार करूँ सूं, पर थम मेरै तै भोत कम प्यार करो सों। 16 कुछ भी हो, मै थारे पै बोझ कोनी बणया। फेर भी कोए नै कोए मेरे पै यो दोष जरूर लगा सकै सै, के मन्नै श्याणपत तै थारे ताहीं धोक्खा देकै फँसा लिया। 17 मन्नै ना ए तो तीतुस अर ना ए किसे और के जरिये अपणे खात्तर थारे तै पर्ईसे लिये। 18 मन्नै तीतुस ताहीं समझाके उसकै गेल्या उस भाई ताहीं भेज्या। के तीतुस नै छळ करके थारे तै किमे लिया? के म्हारा सुभाव एक ए तरियां तै प्रेरित का न्ही था? के हम उनकी ए लीक पै न्ही चाल्ले? 19 थम इब भी योए समझरे सों, के हम थारे स्याम्ही बदले म्ह जवाब देण लागरे सां। हम तो परमेसवर नै हाजर जाणके मसीह म्ह बोल्लां सां, हे प्यारे विश्वासी भाईयो, हम ये सारी बात थमनै विश्वास म्ह मजबूत करण खात्तर कहां सां। 20 क्यूँके मन्नै इस बात का डर सै, कदे इसा ना हो के मै आकै जिसा चाहूँ सूं, उसाए थमनै पाऊँ; अर मन्नै भी जिसा न्ही चाहो सो उसाए पाओ; मन्नै इस बात का डर सै के ओढ़े झगड़ा, जळण, छो, उदासी, बिरोध, चुगली, घमण्ड अर बखेड़े ना हों; 21 कदे इसा ना हो के जिब मै दुबारा आऊँ, तो मेरा परमेसवर मेरै ताहीं अपमानित करै। अर मन्नै घणखरयां खात्तर फेर दुखी होणा पड़ै, जिन नै पैहल्या पाप करया था। अर भुन्डे काम अर जारी अर लुचपण के कारण पाप करणा न्ही छोड्या।

13 पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के दो या तीन गवाहां कै मुँह तै हरेक बात सच साबित हो जावै सै। जिब मै दुसरी बार थारे तै मिलण आया था, तो मन्नै

उन माणसां ताहीं चेतावनी देई, जो पैहल्या तै पाप करण लागरे थे। इब मन्नै दुसरी बार चिट्ठी लिख के थारे ताहीं अर दुसरे बाकी माणसां तै भी चेतावनी देकै कह्या के वे पाप ना करै। इब मै तीसरी बार थारे धोरै आण आळा सूं, अर जै इब भी उन माणसां नै पाप करणा न्ही छोड्या सै, तो कोए भी उननै परमेसवर के दण्ड तै बचा न्ही पावैगा। 3 मन्नै थारे तै कह्या सै, के उन ताहीं दण्ड मिलैगा पर फेर थम सबूत चाहों सों, के ये बात मै मसीह के जरिये बोल्लू सूं। अर जब मसीह थारे ताहीं सुधारैगा तो थारे खात्तर कमजोर न्ही पर थारे बीच म्ह सामर्थी होगा। 4 वो कमजोर होते होए क्रूस पै चढ़ाया तो गया, तोभी परमेसवर की सामर्थ तै जिन्दा होया। हम भी तो मसीह के समान कमजोर सां, पर थारे खात्तर परमेसवर की सामर्थ तै हम उसकै साथ जीवांगें। 5 अपने-आप ताहीं परखो, के विश्वास म्ह सच्चे सां के न्ही। जै थम अपने-आपनै सच्चा पाओ, तो थम इस बात नै जाण ल्योगे, के यीशु मसीह थारे म्ह वास करै सै। अर जै मसीह थारे म्ह वास न्ही करदा तो थम अपने परखे जाण म्ह हारगे सों। 6 पर मेरी आस सै के थम या जाण ल्यो, के थम अपने परखे जाण म्ह न्ही हारे। 7 भलाए थारे म्ह तै कईयाँ नै यो लागै सै के हम सच्चे प्ररित कोनी। फेर भी हम अपने परमेसवर तै या प्रार्थना करा सां के थम कोए बुराई ना करो, बल्के भलाई करो। 8 जै हम सच्चाई के बिरोध म्ह हम कुछ भी न्ही कर सकदे। हम सच के पक्षधर ए रह सकां सै। 9 जब हम कमजोर सां अर थम ठाड्डे सों, तो हम राज्जी होवां सां, अर या प्रार्थना भी करा सां, के थम विश्वास म्ह सिध्द हो जाओ। 10 इस करकै मै थारे तै दूर रहकै ये सारी बात लिखूँ सूं, के ओड़े आण पै, मन्नै प्रभु के जरिये दिए गये हक तै मन्नै थारे ताहीं दण्ड देणा ना पड़े, क्युँके मै इस हक ताहीं थारे विश्वास ताहीं मजबूत करण खात्तर इस्तमाल करणा चाहूँ सूं, ना के थारे विश्वास नै कमजोर करण खात्तर। 11 हे विश्वासी भाईयो, आखर म्ह मै थारे तै कहणा चाहूँ सूं, के आनन्दित रहों, सिध्द बणदे जाओ, अर एक-दुसरे नै उत्साहित करो, एक ए मन रहों, मिल-जुल के रहों। अर प्यार अर शान्ति का देण आळा परमेसवर थारे गेल्या होवैगा। 12 आप्स म्ह एक-दुसरे तै गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। 13 सारे पवित्र माणस थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 14

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह अर परमेसवर का प्यार अर पवित्र आत्मा का साइझापण थारे सारया कै गैल होंदा रहवै।

गलातियों

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, मै प्रेरित होण कै खात्तर बुलाया गया सूं। मेरा प्रेरित होणा किसे माणस या माणसां की ओड़ तै न्ही बल्के यीशु मसीह के जरिये होया सै, जिस ताहीं पिता परमेसवर नै मरे होए म्ह तै जिवाया। **2** या चिट्ठी गलातिया परदेस की कलीसियाओं कै खात्तर, उन सारे बिश्वासी भाईयाँ की ओड़ तै सै, जो मेरै गेल्या सै। **3** मै प्रार्थना करूँ सूं, के परमेसवर पिता अर म्हारे प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। **4** म्हारे परमेसवर अर पिता की मर्जी के मुताबिक मसीह यीशु नै अपणे-आप ताहीं म्हारे पापां के कारण बलिदान कर दिया ताके हम आज की दुनिया के माणसां के बुरे असर तै बचे रहवां। (aiōn g165) **5** परमेसवर का गुणगान अर बड़ाई युगायुग होंदी रहवै। आमीन। (aiōn g165) **6** मन्नै अचम्भा होवै सै के परमेसवर नै थारे ताहीं मसीह के अनुग्रह तै बुलाया उसतै थम इतनी तावळे भटक कै अलग ए तरियां के सुसमाचार पै बिश्वास करण लागे। **7** सच्चा सुसमाचार एके सै, जो के मसीह का सै, पर बात या सै, के कुछ लोग इसे सै जो मसीह के सुसमाचार नै बदलना चाहवै सै, अर थमनै भरमाणा चाहवै सै। **8** पर जै म्हारे म्ह तै, या सुर्ग तै उतरया होया कोए सुर्गदूत भी उस सुसमाचार नै छोड़ जो हमनै थारे ताहीं सुणाया सै, कोए अलग सुसमाचार थारे ताहीं सुणावै, तो परमेसवर उस ताहीं श्राप देगा। **9** जिसा हमनै पैहल्या कह्या सै, उसाए मै इब फेर कहुँ सूं के उस सुसमाचार नै छोड़ जिस ताहीं थमनै मान्या सै, जै कोए अलग सुसमाचार सुणावै सै, तो श्रापित हो। **10** मै माणसां नै खुश करण की कोशिश न्ही करदा, पर परमेसवर नै खुश करण की कोशिश करूँ सूं, जै मै इब लग माणसां नै खुश करदा रहन्दा तो मसीह का दास न्ही होंदा। **11** हे बिश्वासी भाईयो, मै थमनै बता द्यु सूं, के जो सुसमाचार मन्नै सुणाया सै, वो माणस के जरिये बणाया गया कोन्या। **12** क्यूँके वो मन्नै मेरे पूर्वजां, की ओड़ तै न्ही पोंहच्या, अर ना माणसां के जरिये सिखाया गया, पर यीशु मसीह नै सुसमाचार समझण म्ह मेरी मदद करी। **13** थमनै सुणा होगा के यहूदी पंथ म्ह जो मेरा चाल-चलण था वो किसा था, मै परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं घणा काल अर उन ताहीं नाश करण की कोशिश करया करूँ था। **14** अर मै यहूदी मत

मह अपणे पूर्वजां की शिक्षा का अध्यन करण अर उन ताहीं मानण मह अपणे हम उम्र के यहूदियाँ मह भोत उत्सुक था। 15 पर परमेसवर की जिब इच्छा होई के वो मेरे पै अपणे बेटे नै जाहिर करै के मै गैर यहूदियाँ मह उसका सुसमाचार सुणाऊँ, उसनै मेरे ताहीं मेरी माँ की कोख मह ए चुण लिया, अर अपणे अनुग्रह तै मेरे ताहीं बुला लिया था। तो मन्नै किसे की राय कोनी ली, 17 अर ना यरुशलेम मह उनकै धोरै गया जो मेरै तै पैहल्या प्रेरित चुणे गये थे, पर जिब्बे अरब देश मह चल्या गया अर फेर ओड़ै तै दमिश्क नगर मह बोहड़ गया। 18 फेर तीन साल के पाच्छै मै पतरस जो प्रेरित सै उसतै मिलण खात्तर यरुशलेम गया, अर उसकै धोरै पन्द्रह दिन तैई रह्या। 19 पर मै प्रभु यीशु मसीह के भाई याकूब नै छोड़ और किसे प्रेरित तै नही मिल्या। 20 परमेसवर मेरा गवाह सै के मन्नै थारे ताहीं जो लिख्या सै उस मह कुछ भी झूठ कोनी। 21 उन प्रेरितां के मिलण कै बाद मै सीरिया अर किलिकिया के परदेसां मह आया। 22 पर यहूदिया परदेस की कलीसियां के बिश्वासी भाईयाँ नै जो मसीह मह बिश्वास करै थे, उननै मेरा मुँह कदे नही देख्या था, 23 पर न्यूप सुण्या करै थे के एक बखत था जो हमनै सताण आळा था, इब वोए उस बिश्वास का सुसमाचार सुणावै सै जिसनै पैहल्या नाश करै था। 24 अर वे मेरै बारै मह परमेसवर की बड़ाई लगातार करै थे।

2 चौदहा साल कै पाच्छै मै बरनबास के गेल्या फेर यरुशलेम नगर मह गया, अर तीतुस नै भी गेल्या लेग्या। 2 मै इस खात्तर ओड़ै गया क्यूँके परमेसवर नै मेरे ताहीं ओड़ै जाण खात्तर कह्या था, अर जिब मै ओड़ै था तो मै कलीसिया के अगुवां तै एकान्त मह मिला, अर उस सुसमाचार के बारें मह उन ताहीं बताया, जो मै गैर यहूदियाँ मह प्रचार करूँ सूँ, ताके इसा ना हो के जो मन्नै पैहले अर जो इब भी करण लागरया सूँ, उसका कोए नतिज्जा ना लिकड़ै। 3 पर तीतुस जो मेरा संगी साथी सै अर जो यूनानी सै, उसका कदे खतना कोनी होया पर कलीसिया के अगुवां नै जो यरुशलेम मह सै उस ताहीं अपणालिया, अर उननै उस ताहीं खतना करण खात्तर मजबूर कोनी करया। 4 तो या बात एक समस्या बणगी, उन झूठे भाईयाँ के कारण होया जो चोरी तै घुस आये थे, के उस आजादी का जो मसीह यीशु मह हमनै मिली सै, भेद लेके हमनै यहूदी नियम-कायदा के दुबारा तै दास बणा दे। 5 उनकै साथ एक पल भी

हमने सहमत होना नहीं चाहा, ताके थम सुसमाचार की सच्चाई के मुताबिक जिन्दगी जिओ। 6 उन कलीसिया के अगुवां ताहीं जो यरुशलेम नगर म्ह थे, उनने मेरे ताहीं मजबूर कोनी करया, के मै अपणे सन्देश नै बदलु, जो मै थमने सिखाऊँ सूँ। इसतै कोए फर्क कोनी पड़ता, के वो अगुवें मेरे खात्तर के सै, क्यूँके परमेसवर बाहरी रूप नै देखके न्याय न्ही करदा। 7 पर इसके उल्ट जिब उन अगुवां नै देख्या के परमेसवर नै पतरस ताहीं हक दे राख्या सै, वो के यहूदी माणसां ताहीं सुसमाचार सुणावै, उस्से तरियां गैर यहूदियाँ के खात्तर मेरे ताहीं भी सुसमाचार सुणाणा सौप्या गया। 8 (क्यूँके जिसने पतरस तै यहूदी माणसां म्ह प्रेरिताई का काम बड़े असरदार ढंग तै करवाया, उस्से नै मेरे तै भी गैर यहूदियाँ म्ह असरदार काम करवाया), 9 जो लोग कलीसिया के खम्भे समझे जावै थे, यानी याकूब, पतरस, अर यूहन्ना, उनने अनुग्रह का वो वरदान पिच्छाणा जो मेरे ताहीं मिला सै। उनने मेरे ताहीं अर बरनबास ताहीं अपणा साथी समझके म्हारे ताहीं खास सहभागी बणा लिया। वे इस बात खात्तर सहमत होंगे के हम गैर यहूदियाँ के धोरे जावै, अर वे यहूदियाँ के धोरे जावै। 10 उनने म्हारे तै सिर्फ याए बिनती करी के हम यरुशलेम के गरीब बिश्वासी भाईयाँ की मदद करां, अर इस्से काम नै करण की मै खुद भी कोशिश करूँ था। 11 एक दिन जिब पतरस अन्ताकिया नगर म्ह आया, तो मन्ने बिश्वासी भाईयाँ के स्याम्ही उस ताहीं फटकारा, क्यूँके जो वो काम करै था वो गलत था। 12 वो पैहले गैर यहूदियाँ के गैल खाया-पिया करै था, जिब कुछ बिश्वासी जो याकूब नै यरुशलेम नगर म्ह भेज्जे थे, तो उसने अपणे-आप ताहीं गैर यहूदियाँ तै अलग कर लिया, अर उनके गैल खाणा-पीणा छोड़ दिया अर उसने यहूदी माणसां के डरके मारै इसा करया, क्यूँके वे चाहवै थे, के गैर यहूदियाँ का भी खतना हो। 13 पतरस के गेल्या बाकी बचे यहूदी माणस भी उसके कपट म्ह शामिल होंगे, अर उन म्ह बरनबास भी शामिल था। 14 पर जिब मन्ने देख्या के उनका सुभाव सुसमाचार की सच्चाई के मुताबिक कोनी, तो मन्ने सारे बिश्वासी भाईयाँ के स्याम्ही पतरस तै कह्या, “जिब तू यहूदी होके गैर यहूदियाँ की तरियां चाल्लै सै अर यहूदी माणसां की तरियां कोनी चाल्दा, तो तू गैर यहूदियाँ नै यहूदी माणसां की तरियां चालण खात्तर क्यूँ कहवै सै।” 15 हम तो जन्म तै यहूदी सां, अर पापी गैर

यहूदियाँ म्ह तै कोन्या। 16 हम यहूदी बिश्वासी यो जाणा सां, के माणस मूसा नबी के नियम-कायदा तै न्ही, पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणै सै, इस खात्तर हमनै खुद भी प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करया, ताके हम नियम-कायदा तै न्ही, पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणा, क्यूँके के मूसा नबी के नियम-कायदा तै कोए माणस धर्मी न्ही बणैगा। 17 हम जो मसीह के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चांहा सां, बल्के इसकै के हम मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानण के जरिये, तो कुछ यहूदी हमनै पापी समझै सै (क्यूँके इब हम यहूदी नियम-कायदा नै कोनी मानते) तो के इसका मतलब यीशु मसीह नै म्हारे तै पाप करवाया, न्ही बिलकुल न्ही! 18 पर मै सचमुच म्ह पाप करूँ सूँ जै मै उन काम्मां नै करूँ सूँ, जिन ताहीं मन्नै छोड़ दिया था जिसा के माणस परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चाहवै, मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण के जरिये। 19 मै जाणु सूँ, के मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै मै धर्मी न्ही बण सकता, तो मै सोचु सूँ, के मै नियम-कायदा कै खात्तर मर जाऊँ ताके परमेसवर कै खात्तर मै सदा जिन्दा रहूँ। 20 यो इसा सै, के मान्को जिसा मै मसीह कै गैल क्रूस पै मारया गया, अर इब मै जिन्दा न्ही रह्या, पर मसीह मेरै म्ह जीवै सै, अर इब जो मै जीण लागरया सूँ, तो सिर्फ परमेसवर कै बेट्टै पै बिश्वास करण के जरिये जिसनै मेरै तै इतणा प्यार करया के मेरै खात्तर अपणी जान दे दी। 21 मै परमेसवर कै अनुग्रह नै बेकार न्ही बतान्दा, क्यूँके जै नियम-कायदे धार्मिकता का कारण होन्दे तो मसीह का जान देणा बेकार हो जान्दा।

3 हे बिना अकल के गलातिवासियो! किसनै थारे ताहीं बहका दिया सै? मन्नै थारे ताहीं समझाया सै के यीशु मसीह के क्रूस पै जान देण के जरिये उसनै के हासिल करया! 2 मेरे ताहीं एक बात बताओ के थमनै पवित्र आत्मा, मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै पाया था या बिश्वास की खबर तै जो हमनै थारे ताहीं सुणाई थी? 3 के थम इसे बेअक्ल के सों के थमनै नई जिन्दगी पवित्र आत्मा के जरिये शरु करी पर इब थम अपणी जिन्दगी का अन्त अपणी ताकत तै करणा चाहो सों? 4 जिब थम बिश्वासी बणे तो थमनै भोत दुख ठाया, मै उम्मीद करूँ सूँ के थमनै बेकार म्ह ए वो दुख न्ही

ठाया। 5 परमेसवर थमनै पवित्र आत्मा भरपूरी तै देवै सै, अर जो थारे म्ह सामर्थ के काम करै सै, के वो मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै या मसीह के सुसमाचार पै बिश्वास करण तै इसा करै सै? 6 अब्राहम के बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ या कहवै सै, “अब्राहम नै तो परमेसवर पै बिश्वास करया अर उसकी बजह तै परमेसवर नै उस ताहीं धर्मी बणा दिया।” 7 तो यो जाण ल्यो के जो अब्राहम की तरियां बिश्वास करण आळे सै, वेए अब्राहम के वंशज कुहावैगें। 8 अर परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह पैहल्या तै ए यो कह्या, के वो गैर यहूदियाँ नै बिश्वास के जरिये धर्मी बणावैगा, परमेसवर नै भोत पैहले तै ए अब्राहम ताहीं यो सुसमाचार सुणा दिया था, के “तेरे म्ह तै सारी जात आशीष पावैगीं।” 9 जितने मसीह पै बिश्वास करण आळे सै, वे अपणे बिश्वास के कारण वोए आशीष पावैगें जो अब्राहम नै पाई थी। 10 इस करके जितने माणस मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानके परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणण की सोचवै सै, वे सारे परमेसवर की ओड़ तै श्रापित सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “वो श्रापित सै, क्यूँके कोए भी माणस हर पल नियम-कायदा की किताब म्ह लिखी होई सारी बाततां नै निभा नही सकदा।” 11 पर या बात साफ सै, के मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह कोए भी धर्मी नही बणदा, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “जो मसीह पै बिश्वास करैगा, परमेसवर उसनै ए धर्मी बणावैगा।” 12 पर मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानके जीणा अर परमेसवर पै बिश्वास करके जीणा एक जिसा कोनी, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै पर “जो इन सारी बाततां नै मानैगा, वो उनके कारण जिन्दा रहैगा।” 13 हम सारे परमेसवर के श्राप के लायक थे, क्यूँके हम उसके नियम-कायदा नै पूरी तरियां नही मानते, तोभी मसीह म्हारे ताहीं उस श्राप तै छुड़ावै सै, जो नियम-कायदा के जरिये आवै सै। जिब मसीह क्रूस पै मारया गया, तो उसनै अपणे उप्पर वो श्राप ले लिया, जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के “श्रापित सै वो जो क्रूस पै लटकाया जावै सै।” 14 मसीह नै यो इस करके करया, ताके जिसका वादा परमेसवर नै अब्राहम तै करया था, वो आशीष मसीह यीशु पै बिश्वास करण तै गैर यहूदियाँ तक पोहच सकै, अर हम मसीह म्ह बिश्वास के जरिये उस पवित्र आत्मा नै पा लेवां, जिसका देण का वादा उसनै म्हारे तै

करया सै। 15 हे बिश्वासी भाईयो, मै रोज की जिन्दगी का उदाहरण देकै थमनै समझाऊँ सूँ, जिब दो आदमी कोए करार करै सै अर उस ताहीं पक्का करै सै, तो ना कोए उसनै घटा सकै सै अर ना उस म्ह किमे बढ़ा सकै सै। 16 इस तरियां परमेसवर नै वादा अब्राहम अर उसके वंश तै करया था। पवित्र ग्रन्थ न्यू कोनी कहवै, के तेरी “वंशां नै,” जिसका मतलब भोत सारे माणस, पर यो एक माणस के बारें म्ह कहवै सै “तेरे वंश नै” अर वो मसीह सै। 17 मेरे कहण का मतलब यो सै, के परमेसवर नै अब्राहम के गैल करार करण के चार सौ तीस साल के बाद मूसा नबी के नियम-कायदे दिए, जो उस करार नै ना तो तोड़ पाए, अर ना उसके वादे नै टाळ पाए। 18 परमेसवर माणसां नै इस बजह तै आशीष कोनी देवै, के वे मूसा नबी के नियम-कायदा नै मान्ने, बल्के वो इस करके देवै सै, क्यूँके इसका देण का परमेसवर नै वादा करया था, अर अब्राहम ताहीं भी ये आशीष इस करके मिली थी। 19 जिब फेर नियम-कायदे क्यूँ दिये गये? नियम-कायदे इस खात्तर दिए गये ताके लोग जाण सकै के पाप के सै। मूसा नबी के नियम-कायदे तब तक रहणे थे, जिब तक अब्राहम की पीढ़ी म्ह तै जिसका परमेसवर नै वादा करया था के वो आ ना जावै। मूसा नबी ताहीं नियम-कायदे सुर्गदूतां के जरिये दिए गये थे अर मूसा नबी लोगां के बीच एक बिचौलिया बणया। 20 परमेसवर नै अब्राहम तै वादा करया था इस करके बिचौलिया की जरूरत कोनी थी। 21 तो के मूसा नबी के नियम-कायदे परमेसवर के वादे के बिरोध म्ह सै? न्ही बिल्कुल न्ही! क्यूँके जै इसे नियम-कायदे सै, जो परमेसवर की नजर म्ह हमनै धर्मी बणावै, तो सदा का जीवन मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै हम पा सकां सां। 22 पर पवित्र ग्रन्थ हमनै बतावै सै के हम सब पापी सां, ताके परमेसवर उन माणसां नै जो यीशु मसीह पै बिश्वास करै सै वो दे सकै जिसका उसनै उसका वादा करया सै। 23 पर इसतै पैहल्या के लोग प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करै हम यहूदी कैद म्ह थे, नियम-कायदे म्हारी रुखाळी करै थे। हम कैद म्ह जिब ताहीं रहे जिब के मसीह कौण सै अर हम उस म्ह बिश्वास करते रहवां। 24 नियम-कायदे म्हारे ताहीं इस खात्तर दिए गये, ताके मसीह के आण तक वो म्हारी अगुवाई कर सकै अर म्हारे ताहीं सम्भाळ सकै, ताके हम मसीह पै बिश्वास करण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणा। 25 जिब हमनै

मसीह यीशु पै भरोस्सा करया सै तो नियम-कायदा की अगुवाई अर मदद की जरूरत कोनी। 26 थम सारे मसीह यीशु पै बिश्वास करण के कारण परमेसवर की ऊलाद सों। 27 अर थारे म्ह तै जितना नै मसीह के नाम म्ह बपतिस्मा लिया सै, उननै नई जिन्दगी पा ली सै। 28 इब मसीह म्ह यहूदी अर गैर यहूदी म्ह कोए फर्क न्ही रह्या, अर ना नौक्कर ना आजाद म्ह, ना लोग अर लुगाई म्ह कोए फर्क रह्या, क्यूँके थम सारे मसीह यीशु म्ह एक सों। 29 अर जै थम मसीह के सों तो अब्राहम के वंश अर वादे के मुताबिक वारिस भी सों।

4 मै थमनै एक उदाहरण देकै समझाऊँ सूँ, के बेटा पिता की सम्पत्ति का वारिस होगा, जिब ताहीं वो बाळक सै, वो एक दास की तरियां सै, इब ताहीं उसका सम्पत्ति पै कोए हक कोनी पर आण आळे बखत म्ह वो पिता की सम्पत्ति का माल्लिक होवैगा। 2 पर जिब ताहीं बेटे की सही उम्र न्ही हो अर सारी सम्पत्ति का माल्लिक ना बण जावै सै, वो रुखवाळियाँ अर भण्डारीयाँ कै बस म्ह रहवै सै। 3 उस्से तरियां जिब हम मसीह नै न्ही जाणा थे, तो दुनिया की रीति-रिवाजां अर नियम-कायदा के गुलाम थे। 4 पर जिब सही बखत आया तो परमेसवर नै अपणा बेटा इस दुनिया म्ह भेज्या, अर एक बीरबानी नै उस ताहीं जन्म दिया, वो यहूदी माणसां म्ह पैदा होया अर उसनै मूसा के नियम-कायदा ताहीं मान्या। 5 ताके हमनै छुड़ाले जो हम मूसा नबी के नियम-कायदा के अधीन सां, अर हमनै उसकी ऊलाद होण का हक मिल्या। 6 इब थम उसकी ऊलाद सों, इस करके परमेसवर नै अपणे बेटे की आत्मा नै म्हारे दिलां म्ह भेज्या सै, जो आत्मा परमेसवर ताहीं “हे अब्बा, हे पिता” कहकै नै बुलावै सै। 7 इस करके तू इब नौक्कर कोनी, पर उसकी ऊलाद सै, अर परमेसवर वो सारी चीज थमनै देवैगा जिसनै उसका वादा थारे ताहीं देण का करया सै। 8 जिब थम परमेसवर नै न्ही जाणो थे तो उस बखत थम उसके गुलाम थे, जो असलियत म्ह परमेसवर सै ए कोनी। 9 इब थारा रिश्ता परमेसवर कै गैल सै, उसनै म्हारे ताहीं अपणा बेटा होण खात्तर बुलाया सै, तो उन कमजोर अर निकम्मी पुराणी शिक्षाओं के गुलाम बणण खात्तर क्यूँ उसकी ओड़ जाओ सों, के थम दुबारा उनके गुलाम होणा चाहो सों? 10 थम गैर यहूदी बिश्वासी लोग दिन, महिन्ना, सही बखत अर साल्लां नै मान्नो सों, जो मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक सै। 11 मै थारे बारै म्ह डरूँ

सूं, जो थम करो सों, कदे इसा ना हो के जो मेहनत मन्नै थारे खात्तर करी सै वा बेकार हो जावै। 12 हे विश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूं सूं, के अपणे-आपनै मूसा नबी के नियम-कायदा तै आजाद करो, क्यूँके मै भी मूसा नबी के नियम-कायदा तै आजाद होग्या सूं, जिस तरियां थम गैर यहूदी होण तै नियम-कायदा तै आजाद हो, थमनै मेरे साथ बुरा बरताव न्ही करया। 13 थमनै याद होगा के मन्नै पैहलम पहल देह की बीमारी के कारण थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया। 14 मेरी बीमारी थारे खात्तर मुसीबत थी, फेर भी थमनै ना तो मेरे तै नफरत करी, अर ना ए मेरे ताहीं तुच्छ जाणया, पर परमेसवर के सुर्गदूत बल्के खुद मसीह यीशु के समान मेरै ताहीं अपणाया 15 थम खुश थे, पर इब थारी खुशी कित्त गई? मै थारा गवाह सूं के थम मेरे खात्तर सब कुछ कुरबान कर सको थे, बल्के अपणी आँख भी लिकाड़के मन्नै दे देन्दे। 16 तो के थारे तै सच बोलण के कारण मै थारा बैरी बणग्या सूं? 17 वे थमनै अपणे पक्ष म्ह करणा तो चाहवै सै, पर भले मकसद तै न्ही, बल्के उनका मतलब तो थारे ताहीं मेरे तै न्यारा पाड़ना सै ताके थम उनके ए चेल्लें बण जाओ। 18 सदा ए आच्छे मकसद के खात्तर उत्साही होणा आच्छा सै अर सिर्फ उस्से बखत न्ही, जिब मै थारे गेल्या रहूँ सूं। 19 हे मेरे बाळकों, जिस तरियां एक औरत बच्चा होण के बखत जो दर्द सहवै सै उस्से तरियां मै भी थारे खात्तर दर्द सहू सूं मै जिब ताहीं दर्द म्ह रहूँगा जिब ताहीं थम मसीह म्ह सिध्द ना हो जाओ। 20 जी तो इसा करै सै, के इस बखत मै थारे धोरे होन्दा अर प्यार तै थारे ताहीं समझान्दा, क्यूँके मेरी समझ म्ह कोनी आन्दा के मै थमनै के कहूँ। 21 थम जो मूसा नबी के नियम-कायदा के अधीन होणा चाहवै सों, मेरी बात्तां पै ध्यान द्यो, मै बताऊँ सूं के मूसा नबी के नियम-कायदा की किताब म्ह के लिख्या सै? 22 पवित्र ग्रन्थ म्ह यो लिख्या सै, के अब्राहम के दो छोरे होए, उसका एक छोरा हाजिरा नाम की नौकराणी तै पैदा होया अर दुसरा सारा तै पैदा होया जो उसकी ब्याहता थी। 23 पर जो नौकराणी तै पैदा होया था वो एक साधारण बच्चा था जो शरीर की इच्छा तै पैदा होया, अर जो उसकी ब्याहता बीरबानी तै पैदा होया, वो परमेसवर के वादे के मुताबिक पैदा होया जो उसनै अब्राहम तै करया था। 24 इन बात्तां तै हमनै या सीख मिलै सै, ये बीरबानी मान्ने दो करार सै। करार जो परमेसवर नै सीनै पहाड़ पै इस्राएली

माणसां तै जो करया था वो हाजिरा की तरियां सै। 25 अर हाजिरा मान्नो अरब देश का सीनै पहाड़ सै, अर वो आज के यरुशलेम नगर की तरियां सै जड़ै के माणस मूसा के नियम-कायदा के समान सै। 26 पर सुर्गीय यरुशलेम अब्राहम की बिरबान्नी सारा के समान सै, अर उसके बाळक गुलाम कोनी, यो यरुशलेम बिश्वासियाँ कै खात्तर माँ की तरियां सै। 27 जिसा यशायाह नै पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “हे बाँझ बिरबान्नी, तू जो बाळक पैदा न्ही कर सकदी, आनन्दित हो, तू जो प्रसव-पीड़ा तै अनजाण सै, ऊँच्ची आवाज म्ह जयजयकार कर, क्यूँके छोड़ी होई की ऊलाद सुहागण की ऊलाद तै भी घणी सै।” 28 हे बिश्वासी भाईयो, थम इसहाक की तरियां हो क्यूँके थारा जन्म परमेसवर के वादे कै मुताबिक होया सै जो उसनै अब्राहम तै करया सै। 29 अर जिसा उस बखत शरीर की इच्छा के मुताबिक जन्मा होया बेट्टा परमेसवर की आत्मा के शक्ति कै मुताबिक जन्मे होए बेट्टे नै सतावै था, उस्से तरियां हम भी उन माणसां तै सताये जावां सां, जो यो चाहवै सै के परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणण खात्तर मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानना जरूरी सै। 30 पर पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “नौकराणी अर उसकै बेट्टे नै लिकाड़ दे, क्यूँके वो ब्याहता बिरबान्नी के बेट्टे कै गैल कदे भी पिता की सम्पत्ति का वारिस न्ही होगा।” 31 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, हम नौकराणी की ऊलाद कोनी जो के मूसा नबी के नियम-कायदे सै, बल्के ब्याहता बिरबान्नी की ऊलाद सां जो के बिश्वास सै।

5 मसीह नै म्हारे ताहीं मूसा नबी के नियम-कायदा तै आजाद कर दिया सै, इस करकै अपणी आजादी बणा के राक्खो, अर मूसा के नियम-कायदा नै मानण खात्तर कोए थमनै गुलाम ना बणावै। 2 सुणो! मै, पौलुस, थारे तै कहूँ सूँ के जै खतना करावोगे, तो मसीह तै थमनै किमे फायदा न्ही होगा। 3 फेर भी मै एक खतना कारण आळे नै बता द्यु सूँ, के उसनै सारे नियम-कायदे मानने पड़ेंगे। 4 थम जो नियम-कायदा कै जरिये धर्मी बणणा चाहो सों, तो फेर थमनै यीशु मसीह तै रिश्ता तोड़ लिया सै, अर थमनै अपणे-आप ताहीं उस दया तै अलग कर लिया सै जिसके जरिये परमेसवर थमनै बचा सकै सै। 5 मै यो इस खात्तर कहूँ सूँ, क्यूँके हमनै पवित्र आत्मा की ओड़ तै पूरा भरोस्सा सै, के परमेसवर यीशु मसीह पै बिश्वास करण के कारण हमनै धर्मी

बणावैगा। 6 जै थम यीशु मसीह नै मानण आळे सों, तो उसतै कोए फर्क कोनी पड़ता के थारा खतना होया सै के न्ही होया, पर जरूरी यो सै, के हम मसीह पै विश्वास करां, अर परमेसवर अर माणसां प्रति प्यार राक्खा। 7 थम मसीह पै विश्वास करण म्ह बढ़ण लागरे थे, पर इब थमनै सच्चाई मानण तै कोए रोक न्ही ले। 8 इसी सीख परमेसवर की ओड़ तै न्ही आन्दी जो थमनै अपणी ऊलाद होण खात्तर बुलावै सै। 9 सीख जो सच्ची न्ही सै वो इस कहावत की तरियां सै, थोड़ा-सा खमीर सारे गूँधे होए चून नै खमीर बणा दे सै। 10 पर मै परमेसवर पै भरोस्सा राक्खूँ सूँ, के वो थमनै झूठी अर भरमाण आळी सीख तै बचाये राक्खैगा, पर जो थमनै भरमा दे सै चाहे वो कोए भी क्यँ ना हो परमेसवर तै दण्ड पावैगा। 11 हे विश्वासी भाईयो, थम जाणो सों के मै यो प्रचार करूँ सूँ, के खतना करवाणा जरूरी कोनी, इस करके यहूदी माणस मेरे ताहीं सारी हाण सतावै सै, जै मै क्रूस नै छोड़के खतना का प्रचार करूँ तो उसतै यहूदी माणस मेरे ताहीं कोनी सतावैगें। 12 भला होंदा जो थमनै डामाडोल करै सै, वे अपणे-आपनै नपुंसक बणा लेवै। 13 हे विश्वासी भाईयो, थम आजाद होण के खात्तर परमेसवर के जरिये बुलाए गये सों, इस खात्तर थमनै मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण की जरूरत कोनी, पर इसा ना होवै के थम इसनै बुरी लालसा पूरी करण का जरिया बणा ल्यो, पर हरेक के गैल प्यार करो अर सेवा करो। 14 क्यँके सारे नियम-कायदे इस एक बात म्ह पूरे हो ज्या सै, “तू अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार कर।” 15 पर जै थम एक-दुसरे नै जानवरां की ढाळ पाड़ खाओ सों, तो चौक्कस रहो, के थम एक-दुसरे नै नाश ना कर दियो। 16 पर मै कहुँ सूँ, पवित्र आत्मा नै थारे जीवन म्ह अगुवाई करण द्यो, ताके थम अपणी बुरी आदत्तां नै (लालसा) नै पूरी ना कर सकों। 17 देह की बुरी लालसा पवित्र आत्मा के बिरोध म्ह, अर पवित्र आत्मा देह की बुरी लालसा के बिरोध म्ह लड़दी रहवै सै। इस कारण जो भले काम थम करणा चाहो सों वो न्ही कर पान्दे। 18 जै थम आत्मा की अगुवाई म्ह चाल्लों सों, तो थम मूसा के नियम-कायदा के अधीन न्ही सों। 19 देह के काम तो दिक्खै सै, यानी के जारी, भुन्डे काम, लुचपण, 20 मूर्तिपूजा, टोणा, बैर, गुस्सा, बिरोध, फूट विधर्म, 21 डाह, मतवालापण, रासलीला अर इनकै जिसे और काम सै, इनकै बारै

म्ह मै थारे तै पैहल्या कह द्यु सूं जिसा पैहल्या कह्या था, के इसे-इसे काम करणीये परमेसवर के राज्य के वारिस न्ही होंगे। 22 पर आत्मा का फळ प्यार, आनन्द, शांति, धीरज, करुणा, भलाई, बिश्वास, 23 नम्रता, अर सयंम सै, इसे-इसे काम्मां के बिरोध म्ह कोए भी नियम-कायदे कोनी। 24 अर जो मसीह यीशु म्ह सै उननै देह की बुरी लालसाओं ताहीं कूस पै चढ़ा दिया सै। 25 क्यूँके पवित्र आत्मा नै म्हारे ताहीं नई जिन्दगी दी सै, इस खात्तर पवित्र आत्मा नै जिन्दगी के हरेक क्षेत्र म्ह अगुवाई करण द्यो। 26 हम घमण्डी होके ना एक-दुसरे नै छोड़ा, अर ना एक-दुसरे तै जळण करा।

6 हे बिश्वासी भाईयो, जै कोए माणस किसे पाप या कसूर म्ह पकड्या भी जावै, तो थम जो पवित्र आत्मा के चलाए चाल्लों सों, उसनै नरमाई के गेल्या धर्म की राह पै उल्टा ल्यावण म्ह उसकी मदद करो, अर अपणा भी ध्यान राक्खों के थम भी इसे इम्तिहान म्ह ना पड़ जाओ। 2 म्हारे म्ह तै जै कोए भी मुसीबत म्ह हो, तो हमनै एक-दुसरे की मदद करणी चाहिए, अर इस तरियां हम मसीह के नियम-कायदा नै मान्ना सां। 3 क्यूँके जै कोए अपणे-आपनै नै बड़ा समझै सै, तो अपणे-आपनै धोक्खा देण लाग रहया सै। 4 हरेक माणस अपणे काम्मां नै परख ले, उसके काम आच्छे सै तो वो अपणे-आपनै पै घमण्ड कर सकै सै, अर उसनै अपणे काम की बराबरी किसे दुसरे के काम गैल न्ही करणी चाहिए। 5 म्हारे म्ह तै हरेक माणस अपणे सुभाव के खात्तर जिम्मेदार सै। 6 यो जरूरी सै के जो माणस परमेसवर के वचनां नै सिखावै सै, तो उसकी संसारिक चिज्जां की जरूरत सीखण आळे तै पूरी हो होणी चाहिए। 7 अपणे-आप ताहीं धोक्खा ना द्यो, कोए माणस यो ना सोचवै के वो परमेसवर नै धोक्खा दे सकै सै। 8 क्यूँके जो माणस इसे काम करै सै उसका बुरा सुभाव उसकै खात्तर मौत लेकै आवै सै, पर जो माणस परमेसवर की इच्छा पूरी करै सै, तो उसका आत्मा उसनै अनन्त जीवन देवै सै। (aiōnios g166) 9 हम भले काम करण का होसला ना छोड्डा, क्यूँके जै हम हिम्मत ना छोड्डा तो परमेसवर के बखत पै कटनी काटैगें। 10 इस करके जड़ै ताहीं मौक्का मिलै हम सारा के गेल्या भलाई करा, खास करके बिश्वासी भाईयाँ के गैल। 11 मन्नै बड़े-बड़े अक्षरां म्ह थारे तैई अपणे हाथ तै लिख्या सै। 12 इस कारण के यहूदी लोग थमनै अपणावै, अर वे थारा खतना करवाण के

खात्तर मजबूर करै सै, ताके लोग उन ताहीं इस बात का प्रचार करण खात्तर सतावै ना, के परमेसवर माणसां ताहीं जिब्बे बचावैगा जिब वे बिश्वास करैगें के मसीह क्रूस पै मरा। 13 क्यूँके खतना करण आळे खुद तो मूसा नबी के नियम-कायदा पै न्ही चाल्दे, वो थारा इस खात्तर खतना करणा चाहवै सै ताके और यहूदियाँ के स्याम्ही घमण्ड कर सकै, के थारा खतना उनकी बजह तै होया सै। 14 खुद के खात्तर, मै, किसे बात पै घमण्ड कोनी करणा चाहूँ, पर यीशु मसीह के क्रूस पै जान देण के कारण, मै घमण्ड करणा चाहूँ सूँ, अर जो उसनै करया उस बजह तै दुनियावी चिज्जां का मेरे उप्पर कोए हक कोनी रह्या, अर इब मेरी दुनियावी चिज्जां म्ह कोए दिलचस्पी कोनी। 15 क्यूँके ना खतना अर ना बिना खतना कुछ सै, जो जरूरी बण चुके सै, जो जरूरी सै वो यो सै के परमेसवर हमनै पवित्र आत्मा के जरिये नया इन्सान बणा दे। 16 परमेसवर अपणी शान्ति अर आशीष उन सारया नै देवैगा, जो उसके हुकम नै मान्नै सै। वे परमेसवर के माणस सै। 17 आगै तै मन्नै कोए दुख ना दे, क्यूँके जो मेरे देह पै जख्मां के दाग सै वो ये दिखावै सै के मै यीशु का दास सूँ। 18 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारी आत्मा के गेल्या रहवै। आमीन।

इफिसियों

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै या चिट्ठी उन पवित्र अर मसीह यीशु म्ह बिश्वासी माणसां कै नाम लिखूँ सूँ, जो इफिसुस नगर म्ह रहवै सै। **2** मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। **3** म्हारे परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो के उसनै म्हारे ताहीं मसीह म्ह आत्मिक रूप तै हरेक तरियां तै, उन आशीषां के जरिये आशिषित करया जो सुर्ग तै आवै सै। **4** परमेसवर नै धरती अर अकास बणाण तै पैहले ए उसनै मसीह म्ह म्हारै ताहीं चुण लिया, ताके हम इसकी निगांह म्ह पवित्र अर बेकसूर होवां। **5** अर प्यार म्ह उसनै अपनी भले मकसद मुताबिक म्हारे ताहीं अपने खात्तर पैहले तै ठहराया के यीशु मसीह के जरिये हम उसकी गोद ली होई ऊलाद हो। **6** तो आओ हम परमेसवर के अदभुत अनुग्रह की महिमा करा, अर यो इस खात्तर होया सै क्यूँके म्हारा रिश्ता उसके बेटे कै गैल सै, जिसतै वो प्यार करै सै। **7** यीशु मसीह के लहू बहाए जाण के कारण हम छुड़ाए गये, जिसका मतलब यो सै के म्हारे सारे पाप माफ होए। परमेसवर के भोत अनुग्रह के मुताबिक मसीह म्ह उसके लहू के जरिये छुटकारा यानी पापां तै माफी मिलै सै। **8** परमेसवर नै सारी बुद्धि अर ज्ञान तै म्हारै पै भोत-ए घणी दया करी। **9** परमेसवर नै अपनी इच्छा का भेद म्हारै पै भले मकसद के मुताबिक जाहिर करया, जिस ताहीं उसनै खुद मसीह म्ह स्थापित करया। **10** अर परमेसवर की योजना कै मुताबिक, तय करे गए बखत पै, जो किमे सुर्ग अर धरती पै सै, वो सारा किमे मसीह के हाथ म्ह सौंपैगा। **11** परमेसवर नै मसीह म्ह हम यहूदी माणसां ताहीं भी अपने माणस होण खात्तर छॉट लिया सै, क्यूँके शरु तै ए उसकी या योजना थी, उसनै यो सब कुछ अपनी इच्छा अर योजना के मुताबिक करया। **12** यो उसनै इस खात्तर करया जिसतै के हम यहूदियाँ ताहीं जो पैहले माणस सै, जो मसीह पै आस राक्खै सै, अर उसकी महिमा की बड़ाई के कारण बणा। **13** अर योए थारे गैल भी होया के थमनै सच्चाई का वचन सुणया, अर वो सुसमाचार यो सै, के थमनै वो किस तरियां बचा सकै सै, जिब थम मसीह पै बिश्वास करो सों तो परमेसवर थमनै वादे कै मुताबिक पवित्र आत्मा देवै सै,

यो दिखाण खात्तर के थम परमेसवर के माणस सों। 14 क्यूँके परमेसवर नै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा दिया सै, तो हम यो जाणा सां के परमेसवर म्हारे ताहीं और भी आच्छी चीज देवैगा, जिसका उसनै वादा करया सै, अर यो उस बखत होगा जिब परमेसवर अपणे माणसां नै पूरी तरियां तै छुड़ावैगा, उसके अदभुत अनुग्रह की बड़ाई होवै। 15 इस कारण, जिब तै मन्ने भी प्रभु यीशु मसीह म्ह थारे बिश्वास अर पवित्र माणसां के प्रति थारे प्यार के बारें म्ह सुणया, तो मै परमेसवर का सदा धन्यवाद करूँ सूँ, अर अपणी प्रार्थना म्ह थमनै हमेशा याद राखूँ सूँ। 17 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के महिमामय परमेसवर जो के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का पिता सै, वो थारे ताहीं आत्मिक समझ अर ज्ञान देवै, ताके थम परमेसवर नै पूरी तरियां जाण सकों। 18 मै या भी प्रार्थना करूँ सूँ, के वो सच्चाई जाणण म्ह थारी मदद करै के थम जाण सकों के परमेसवर के जरिये बुलाये जाण की आस के सै, अर थम जाण सकों के इतनी बड़ी अर महान् आशीष अपणे पवित्र माणसां खात्तर राख राक्खी सै। 19 मै चाहूँ सूँ के थम उसनै जाण सको, के उस महान् परमेसवर नै यीशु मसीह पै बिश्वास करण आळे खात्तर जो शक्ति राख राक्खी सै, या वाए बड़ी शक्ति सै। 20 जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिवाया अर सुर्ग म्ह अपणी सोळी ओड़ बैठाया। 21 सारी ढाळ की प्रधानता, हक, सामर्थ, प्रभुता के उप्पर राज करैगा जो इस लोक म्ह सै, अर आण आळे लोक म्ह भी राज करैगा। (aiōn g165) 22 परमेसवर नै सारा किमे उसके पायां तळै कर दिया, अर उसनै कलीसिया की भलाई खात्तर सब किमे उसके हाथ्यां म्ह सौप दिया। 23 कलीसिया मसीह की देह सै, अर उसतै भरपूर सै, वो अपणी मौजूदगी तै हरेक चीज अर हरेक जगहां नै भरै सै।

2 पुराणे बखत म्ह थारे थोरै नई जिन्दगी कोनी थी, थम अपणे बुरे काम्मां अर पापां के कारण मरे होए माणसां के समान थे। 2 थम उस बखत दुनिया की रीति-रिवाज के मुताबिक, बुरी आत्मायाँ के सरदार जो अकास म्ह सै, उसके मुताबिक चाल्लों थे, जो इब भी उनके मनां म्ह काम करै सै, जो परमेसवर का हुकम न्ही मानते। (aiōn g165) 3 इन म्ह हम भी सारे के सारे पैहले अपणी देह की लालसाओं म्ह दिन बितावा थे, अर देह अर मन की मर्जियाँ नै पूरी करा थे, अर और माणसां की ढाळ सुभाव तै ए छो की ऊलाद

थे। 4 पर परमेसवर नै जो दया का धनी सै, अपणे उस घणे प्यार कै कारण जिसतै उसनै म्हारै तै प्यार करया। 5 अपणे पुराणे जीवन म्ह पापां के कारण हम मरे होए थे तो परमेसवर नै जिस तरियां यीशु मसीह तार्हीं जिन्दा करया, हमनै भी आत्मिक रूप तै जिन्दा करैगा, अर सुर्गीय जगहां म्ह मसीह कै गेल्या बिठावैगा, अर परमेसवर के अनुग्रह तै ए थारा उद्धार होया सै। 7 परमेसवर नै यो इस खात्तर करया के अपणी दया तै जो मसीह यीशु म्ह म्हारै पै सै, आण आठे दिनां म्ह दिखा सकै, के उसका अनुग्रह कितना बड़ा सै, हम जो मसीह म्ह सां, उसनै म्हारे पै भी अनुग्रह दिखाया। (aiōn g165) 8 जिब थमनै परमेसवर पै बिश्वास करया तो उसनै अपणे अनुग्रह के जरिये थारा उद्धार करया सै, थारा उद्धार थारी ओड़ तै न्ही, बल्के परमेसवर ओड़ तै दान सै। 9 यो इस करकै न्ही होया के थमनै कोए भला काम करया सै, अर थम उसपै घमण्ड करो। 10 क्यूँके हम उसके बणाए होए सां, अर मसीह यीशु म्ह उन भले काम्मां के खात्तर रचे गये जिन तार्हीं परमेसवर नै पैहले तै म्हारे करण कै खात्तर तैयार करया। 11 इस कारण थम याद राक्खों के थम जन्म तै गैर यहूदी सों, अर यहूदी लोग थारा मजाक उड़ावै सै, के थारा खतना कोनी होया, पर उनका खतना होया सै, इस खात्तर वे परमेसवर के लोग सै। पर उननै खतना अपणी देह का करवाया सै मन का कोनी करवाया। 12 थम उस बखत मसीह तार्हीं कोनी जाणो थे, अर थम परमेसवर के चुणे होए इस्राएली माणस कोनी थे, अर वादे कै करार के भी साइझी कोनी थे, जो उसनै अपणे माणसां तै बाँधी थी, अर बिना आस अर दुनिया म्ह बिना ईश्वर के थे। 13 पर पैहले जो थम, परमेसवर तै दूर थे, परमेसवर नै थारे तार्हीं मसीह यीशु के लहू बहाण के जरिये धोरै बुला लिये सों। 14 मसीह नै हम यहूदी अर थम गैर यहूदी माणसां म्ह शान्ति बणाई सै, पुराणे बखत म्ह यो लाग्गै था के यहूदी अर गैर यहूदी माणसां म्ह एक दीवार सै, वो एक-दुसरे तै नफरत करै थे, पर मसीह नै वा दीवार ढा दी सै, अर दोन्नु दलां तार्हीं एक कर दिया सै। 15 उसनै अपणी मौत के जरिये मूसा के नियम-कायदा तार्हीं रद कर दिया, ताके वो यहूदी अर गैर यहूदी माणसां म्ह शान्ति लेकै आवै, अर इसके जरिये वो अपणे-आप म्ह यहूदी अर गैर यहूदी की जगहां एक नई जात बणा दे। 16 उसनै क्रूस पै अपणी जाण देकै यहूदी-अर गैर यहूदी माणसां म्ह

बैर का नाश करके एक देह बनाकर परमेश्वर तै मिला दिया। 17 मसीह नै आके थम गैर यहूदी जो उसतै दूर थे, अर थम यहूदी माणस जो परमेश्वर के लोवै थे, दोनुआ ताहीं मेळ-मिलाप का सुसमाचार सुणाया। 18 क्यूँके मसीह म्ह ए हम सब उस एक पवित्र आत्मा के जरिये ए पिता के धोरै पोहच सका सां। 19 इस करके थम गैर यहूदी इब विदेशी अर मुसाफिर कोनी रहे, पर पवित्र माणसां के साथी देशी अर परमेश्वर के कुण्बे के होंगे सों। 20 थम उस घर की तरियां सों जिसकी नीम प्रेरित अर नबी सै, अर जिसके कोणे का पत्थर मसीह यीशु आप सै। 21 मसीह ए सै जिसनै घर ताहीं टिकाके राख्या सै, अर उसतै प्रभु के खात्तर एक पवित्र मन्दर बणादा जावै सै। 22 क्यूँके थम मसीह म्ह सों, इस खात्तर थम गैर यहूदी बिश्वासी परमेश्वर के माणसां गैल एक होंगे, ताके थम वो घर बणदे जाओ जिस म्ह परमेश्वर रहवै सै।

3 इस कारण मै पौलुस थारे खात्तर कैद म्ह सूँ, क्यूँके मै थम गैर यहूदी माणसां नै सुसमाचार सुणाके मसीह यीशु की सेवा करूँ सूँ। 2 पक्का थमनै सुण्या होगा के परमेश्वर नै अपणे अनुग्रह तै थारे ताहीं सुसमाचार की खबर सुणाण की जिम्मेदारी मेरे ताहीं दी सै। 3 परमेश्वर की गुप्त योजना घणे लम्बे बखत तै छुपी होई थी, पर परमेश्वर नै इस ताहीं मेरे उप्पर जाहिर करया, मै इस चिट्ठी के जरिये परमेश्वर के उस गुप्त भेद नै थारे ताहीं समझाणा चाहूँ सूँ। 4 जिब थम मेरी चिट्ठी नै पढ़ोगे तो थम जाण पाओगे, के मै मसीह के उस भेद के बारे म्ह कितनी आच्छी तरियां जाणु सूँ। 5 पुराणे बखत म्ह परमेश्वर नै इस भेद ताहीं माणसां के उप्पर जाहिर कोनी करया, पर इब उसनै उस भेद ताहीं पवित्र आत्मा के जरिये, अपणे पवित्र प्रेरितां अर नबियाँ पै जाहिर करया। 6 अर वो भेद यो सै के मसीह यीशु म्ह सुसमाचार के जरिये गैर यहूदी वाए विरासत हासिल करै, जो यहूदी माणसां के धोरै सै, अर एकैए देह के अंग अर परमेश्वर के वादे के साइझी सै। 7 परमेश्वर के अनुग्रह अर बड़ी सामर्थ के जरिये मेरे ताहीं सुसमाचार सुणाण का काम मिला सै। 8 मेरै पै जो सारे पवित्र माणसां म्ह तै, छोट्टे तै भी छोट्टा सूँ, यो अनुग्रह होया के मै गैर यहूदियाँ नै मसीह का सुसमाचार सुणाऊँ, अर लोगां नै परमेश्वर की योजना ताहीं समझण म्ह मदद करूँ। 9 अर हरेक माणसां ताहीं समझा सकूँ के उसनै उस योजना ताहीं जो उसनै

पैहले तै सोच्ची थी, किस तरियां पूरी करी, या योजना पैहले तै जाहिर कोनी होई थी क्यूँके परमेसवर जो सारी चिज्जां नै रचणियाँ सै, उस ताहीं छिपाए राख्या। (aiōn g165) 10 ताके इब कलीसिया कै जरिये, परमेसवर का बेसुमार ज्ञान आसमान के उन प्रधानां अर अधिकारियां पै जाहिर करया जावै। 11 परमेसवर नै दुनिया बणाण तै पैहले या योजना बणाई थी, जिस ताहीं उसनै म्हारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये पूरा करया। (aiōn g165) 12 क्यूँके म्हारा मसीह पै बिश्वास सै, अर उसके कारण परमेसवर की मौजूदगी म्ह हिम्मत अर भरोस्से के गेल्या परमेसवर कै लोवै आ सका सां। 13 इस करके मै बिनती करूँ सूँ के जो क्लेश थारे खात्तर मन्नै होवै सै, उनके कारण हिम्मत ना छोड़ो, क्यूँके हम पिता परमेसवर कै धोरै जा सका सां। 14 मै इस्से कारण उस पिता परमेसवर कै आगै घुटने टेक कै प्रार्थना करूँ सूँ। 15 वोए सै जो सुर्ग अर धरती पै, हरेक वंश का पिता सै। 16 मै प्रार्थना करूँ सूँ के परमेसवर अपणी महिमा के असीमित धन के मुताबिक थारे पै अनुग्रह करै, ताके थम उसकी पवित्र आत्मा तै अपने भीतरी माणसपण म्ह सामर्थ पाके शक्तिशाली होन्दे जाओ। 17 अर बिश्वास कै जरिये मसीह म्हारे मन म्ह बसै, ताके थम प्यार म्ह मजबूत होके बणे रहों, अर सारे पवित्र माणसां के गेल्या आच्छी ढाळ समझण की ताकत पाओ, के उसके प्यार की चौड़ाई, लम्बाई, अर ऊँचाई, अर गहराई कितनी सै। 19 मै प्रार्थना करूँ सूँ के थम मसीह के उस प्यार नै जाण सको जो ज्ञान तै परै सै, ताके थारा सुभाव परमेसवर के सुभाव जिसा हो जावै। 20 परमेसवर ताकतवर सै, अर वो म्हारी बिनती अर समझ तै भी घणा काम कर सकै सै, उस सामर्थ कै मुताबिक जो म्हारे म्ह काम करै सै। 21 कलीसिया म्ह अर मसीह यीशु म्ह उसकी बड़ाई पीढ़ी तै पीढ़ी तैई युगानुयुग होंदी रहै। आमीन। (aiōn g165)

4 मै प्रभु की सेवा करण के कारण कैद म्ह सूँ, अर थारे तै बिनती करूँ सूँ, के जिस बुलाहट तै परमेसवर नै थारे ताहीं बुलाया सै, उस्से तरियां जीवन बिताओ। 2 यानी सारी दीनता अर नम्रता गैल, धीरज धरके प्यार तै एक-दुसरे नै सह ल्यो। 3 इसा करण की भरपूर कोशिश करो, के थम रळ-मिलकै रह सकों, क्यूँके परमेसवर की आत्मा के जरिये थम एक ए होण खात्तर बुलाए गये सों। 4 हम सारे बिश्वासी, देह के अंगां की ढाळ सां, अर सारया नै

एकैए पवित्र आत्मा पाई सै, उस्से ढाळ जिब परमेसवर नै थारे ताहीं अपणे माणस होण खात्तर बुलाया था, तो थारे ताहीं एक उम्मीद दी गई थी। 5 सिर्फ एके प्रभु सै, एके बिश्वास सै, हम सारया नै यीशु के नाम म्ह बपतिस्मा पाया सै, 6 सिर्फ एके परमेसवर सै जो सारे माणसां का पिता सै, जो सब कै उप्पर राज करै सै, अर हम सब कै जरिये काम करै सै, अर हम सारया के म्ह रहवै सै। 7 पर मसीह नै हम सारया ताहीं उसके काम करण खात्तर न्यारे-न्यारे ढाळ की खास काबलियत देई सै। 8 इस करकै पवित्र-ग्रन्थ मसीह के बारे म्ह कहवै सै, “वो ऊँच्चे पै चढ़ा अर कैदियाँ नै बाँधले गया, अर माणसां ताहीं आत्मिक दान दिए।” 9 उसके ऊँच्चे पै चढ़ण का, के मतलब हो सके सै, सिवाए इसके के वो अधोलोक म्ह भी उतर गया। 10 अर जो उतर गया, यो वोए सै, जो सुर्ग म्ह सारे तै ऊँच्चे पद पै पोहच गया, जिसतै के उसका राज सारे ब्रह्माण्ड म्ह फैल जावै। 11 यो मसीह सै जो म्हारे ताहीं वरदान देवै सै, उसनै कईयाँ तै प्रेरित, अर कईयाँ तै नबी, कईयाँ तै सुसमाचार सुणाण आळे, कईयाँ तै सेवक अर शिक्षक नियुक्त करया, इनकी जिम्मेदारी या सै के ये और दुसरे माणसां नै सीखा के परमेसवर का काम करवा सके, अर कलीसिया जो मसीह की देह सै उस ताहीं मजबूत कर सके। 13 यो तब तक होन्दा रहवैगा जिब तक के हम अपणे बिश्वास, अर परमेसवर के बेटे कै बारे म्ह अपणी समझ म्ह एक ना हो जावां, फेर हम सिध्द बणागे जिस तरियां मसीह सिध्द सै, अर हम पूरी तरियां तै उसके जिसे बण जावांगे। 14 मसीह म्ह बढ़ण अर सिध्द होण कै कारण, हम बाळकां के जिसा बरताव ना करां, हम उस किस्ती की ढाळ ना बणा, जिसनै झाल आगै-पाच्छै, अर हवा आरसै-पारसै उछाळै सै। इसका मतलब यो सै, के चलाक, अर ठग माणस अपणी झूठी शिक्षा कै जरिये हमनै धोक्खा न्ही देण पावै। 15 बल्के सच नै प्यार तै बोल्लों, अर सारी बाततां म्ह मसीह यीशु की तरियां सिध्द बणो, जो के म्हारा सिर सै। 16 हम सारे जो मसीह म्ह बिश्वास करां सां, हम उसकी देह के अंग की तरियां सां, जिस तरियां एक माणस की देह, जोड़ा के जरिये एक साथ जुड़ी हो सै अर जिब देह का हर हिस्सा आच्छी तरियां काम करै सै, तो देह का विकास होकै मजबूत बणे सै, इस्से तरियां म्हारे म्ह तै जै कोए मसीह का काम करै सै, जो मसीह नै म्हारे ताहीं दिया सै, तो हम भी मजबूत

अर सिध्द होवां सां, अर हम एक-दुसरे तै ज्यादा प्यार करां सां। 17 इस करके परमेसवर नै जो अधिकार मेरे ताहीं दिया सै, उसकी बजह तै मै न्यू कहुँ सूं, के जिसा अबिश्वासी माणस अपणे मन की बेकार की रीति-रिवाजां म्ह अपणा जीवन जीवै सै, थम आज तै इसा जीवन ना जिओ। 18 क्यूँके वे समझ न्ही पाण लागरे, के उस अज्ञानता कै कारण, अर उनके मन की कठोरता कै कारण, जो उन म्ह सै, वे परमेसवर के उस जीवन तै न्यारे करे गए सै जो परमेसवर देवै सै। 19 वे बुरे काम की बजह तै अपणी गलती महसूस न्ही करते अर उननै अपणे-आप ताहीं बुरे काम्मां खात्तर सौप दिया सै, वे सारी ढाळ के भुन्डे काम लगातार करते जावै सै। 20 पर थमनै मसीह की शिक्षायां म्ह इसे काम करणे न्ही सीखे। 21 बल्के जो थमनै यीशु मसीह के बारे म्ह सुणया अर जो थारे शिक्षकां नै सिखाया, वोए उसकी ओड़ तै सच्चा सन्देस सै। 22 अर थारे शिक्षकां नै थारे बुरे काम अर बुरा सुभाव छोड़णा सिखाया सै, थारी बुरी लालसायां नै थारा जीवन नाश कर दिया। 23 थम पवित्र आत्मा नै थारे सुभाव अर सोचवण के तरिके नै बदलण द्यो। 24 परमेसवर नै थारे ताहीं एक नया सुभाव दिया सै, जो के उसके अपणे सुभाव की तरियां सै, इस करके इस नये सुभाव के मुताबिक बरताव करो। असलियत म्ह धर्मी अर पवित्र बणो। 25 इस कारण झूठ बोलणा छोड़के हरेक अपणे पड़ोसी तै सच बोल्लै, क्यूँके हम आप्पस म्ह हम एक ही देह के अंग सां। 26 जै थारे ताहीं गुस्सा आ भी जावै तो उस गुस्से म्ह पाप ना करियो, अर सूरज ढळण तै पैहल्या थारा गुस्सा भी न्ही रहणा चाहिए। 27 अर अपणे-आप ताहीं शैतान नै परखण का मौक्का ना द्यो। 28 चोरी करण आळा फेर चोरी ना करै, बल्के मेहनत करके अपणी कमाई के जरिये दुसरे माणसां की भी मदद कर सकै, जो जरूरत मन्द हो। 29 कोए भी गलत बात थारे मुँह तै ना लिकड़ै, पर जरूरत कै मुताबिक वोए लिकड़ै जो दुसरयां के बिश्वास की बढ़ोतरी कै खात्तर हो, ताके वा बात जो थारे मुँह तै लिकड़ै सै वा सुणण आळा नै उत्साहित कर सकै। 30 परमेसवर के पवित्र आत्मा नै दुखी ना करो, जो उसनै थारे ताहीं दिया सै, जो पक्का छुटकारै कै दिन थमनै बचा सकै सै। 31 इस करके सारी ढाळ की कड़वाहट, प्रकोप, गुस्सा, झगड़ा, अर बुराई, सारे बैरभाव नै अपणी जिन्दगी तै लिकाड़ द्यो। 32 एक-दुसरे पै दयालु

अर करुणामय हो, अर जिसा परमेसवर नै मसीह म्ह थारे कसूर माफ करे, उस्से तरियां थम भी एक-दुसरे के कसूर माफ करो।

5 थम परमेसवर के बाळक सों, जिनतै वो प्यार करै सै, इस करकै उसकी ढाळ बणण की कोशिश करो। 2 दुसरयां तै प्यार करण आळी जिन्दगी जिओ, जिस तरियां मसीह जिया, जिसनै थारे तै प्यार करया अर म्हारे पापां नै मिटाण खात्तर अपणे-आप ताहीं कुरबान कर दिया, अर परमेसवर उसकी कुरबान्नी तै खुश था, क्यूँके वा कुरबान्नी परमेसवर कै खात्तर खसबूदार भेट कै समान थी। 3 जिसा पवित्र माणसां कै लायक सै, उसाए थारे म्ह जारी अर किसे ढाळ के अशुद्ध काम या लोभ का जिक्र तैई ना हो, 4 अर ना बेशर्मी, ना मूर्खता की बातचीत, ना मजाक की, क्यूँके ये बात शोभा न्ही देदी, बल्के थारे मुँह तै परमेसवर का ए धन्यवाद सुणया जावै। 5 क्यूँके थम यो आच्छी तरियां तै जाणो सों, के कोए भी जार, दुराचारी, या लोभी माणस जो मूर्तिपूजकां के समान सै, ये मसीह अर परमेसवर के राज्य के भागी न्ही हो सकदे। 6 कोए थमनै धोक्खा ना देवै के परमेसवर पाप करण आळे माणसां नै दण्ड कोनी देवै, क्यूँके परमेसवर का छो हुकम ना मानण आळे पै भड़कै सै। 7 इस करकै थम उनके पापी काम्मां म्ह उनके साझीदार ना होओं। 8 क्यूँके थम तो पैहल्या उन माणसां की ढाळ थे जो अन्धकार म्ह थे, पर इब थम परमेसवर के लोग बणगे सों, इस करकै थम इब चाँदणे म्ह सों, तो इब थमनै उन माणसां की ढाळ जीणा चाहिए जो चाँदणे म्ह सै। 9 क्यूँके जै माणस चाँदणे म्ह सै तो उसका सुभाव आच्छा अर धर्मी सै, अर उसपै बिश्वास करया जा सकै सै। 10 अर यो परखो के प्रभु नै के आच्छा लागै सै। 11 थम उनके बुरे काम्मां म्ह उनके साझीदार ना होओं, बल्के लोगां नै बताओ के ये काम बुरे सै। 12 क्यूँके उनके गुप्त काम्मां का जिक्र भी शर्म की बात सै। 13 जब बुरे लोग थारा आच्छा सुभाव देखै सै तो उनका बुरा सुभाव जाहिर हो जावै सै, उसकी बजह तै वो अपणा बुरा सुभाव छोड़ दे सै, अर थारे जिसे आच्छे बण जावै सै। 14 इस कारण एक कहावत सै के “हे सोण आळे जाग! अर मुर्दा म्ह तै जी उठ! ताके मसीह थारे पै अपणा चान्दणा चमकावै।” 15 इस करकै ध्यान तै देखों, के किसा जीवन जीण लागरे सों। बेअक्ला की तरियां न्ही पर अकलमंद की तरियां जिओ। 16

मौवकै नै घणा कीमती समझों, क्यूँके दिन बुरे सै। 17 इस कारण बेअक्ल ना होओं, पर ध्यान तै समझो के प्रभु की मर्जी के सै। 18 मदिरा पी के मतवाले ना बणो, क्यूँके इसतै लुचपण होवै सै, पर पवित्र आत्मा तै भरदे जाओ। 19 जिब थम पवित्र आत्मा के कहे म्ह चाल्लोंगे तो ये काम करोगे, जिब थम कठे होओगे तो आप्पस म्ह परमेसवर के भजन, उसकी जै-जै कार अर आत्मिक गीत गाया करोगे, अर अपने-अपने मन म्ह प्रभु के आगै गान्दे अर कीर्तन करदे रहो। 20 अर सदा सारी बाततां कै खात्तर म्हारे प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै परमेसवर पिता का धन्यवाद करते रहो। 21 मसीह कै प्रति श्रद्धा-भक्ति राक्खण के कारण एक-दुसरे कै अधीन रहो। 22 हे पत्नियों, अपने-अपने पति कै इस ढाळ अधीन रहो जिस ढाळ प्रभु के अधीन रहो सों। 23 क्यूँके पति तो पत्नी का सिर सै, जिस ढाळ मसीह कलीसिया का सिर सै, अर कलीसिया मसीह की देह सै अर उद्धारकर्ता भी सै। 24 पर जिस ढाळ कलीसिया मसीह कै अधीन सै, उससे तरियां पत्नियाँ भी हर बात म्ह अपने-अपने पति कै अधीन रहै। 25 हे पतियों, अपनी-अपनी पत्नियाँ तै प्यार राक्खो, जिसा मसीह नै भी कलीसिया तै प्यार करके उसके खात्तर अपनी जान दे दी। 26 ताके वो कलीसिया (बिश्वासी लोगगां) ताहीं वचन तै नाहण के जरिये पापां तै शुद्ध करै, अर पवित्र बणावै। 27 वो अपनी कलीसिया खात्तर मरया ताके वो अपने माणसां नै सिध्द बणाकै अपनी हजुरी म्ह लया सकै, जिस म्ह ना कलंक, ना झुरी, ना कोए और इसी चीज हो बल्के पवित्र अर बेकसूर हो। 28 इस तरियां सही सै के पति अपनी-अपनी पत्नी तै अपनी देह कै समान प्यार राक्खै। जो अपनी पत्नी तै प्यार करै सै। वो अपने-आप तै प्यार करै सै। 29 क्यूँके किसे नै कदे अपने देह तै बैर न्ही करया बल्के वो उसका पालन-पोषण करै सै, जिसा मसीह भी कलीसिया कै गैल करै सै। 30 इस करके के हम मसीह की देह के अंग के समान सां। 31 जिसा के पवित्रग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “इस कारण माणस अपने माँ बाप नै छोड़कै अपनी पत्नी तै मिल्या रहैगा, अर वे दोनु एक देह होंगे।” 32 यो भेद तो बड्डा सै, पर मै याड़े मसीह अर कलीसिया कै बारै म्ह कहूँ सूं। 33 पर थारे म्ह तै हरेक अपनी पत्नी तै अपने समान प्यार करै, अर पत्नी भी अपने पति का डर मान्ने।

6 पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “अपणे माँ बाप का आदर कर, तो तेरा भला होगा अर इस धरती पै तेरी उम्र भी लम्बी होवैगी।” अर यो परमेसवर की ओड़ तै दिया गया पैहला हुकम सै, जिसके गैल वादा भी सै। हे बाळकां आळो, यो थारे खात्तर सही सै, के थम जो परमेसवर पै बिश्वास करो सों, तो अपणे माँ-बाप का कहणा मान्नो। **4** हे बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै गुस्सा ना दुवाओ, पर शिक्षा अर चेतावनी देंदे होए उनका पालन-पोषण करो। **5** हे नौकरों, जो माणस इस दुनिया म्ह थारे माल्लिक सै, उनका हुकम डरदे अर कापते होए मान्नो, जिस मन तै थम मसीह का हुकम मान्नो सों। **6** माणसां नै खुश करण आळा कै समान दिखावटी सेवा ना करो, पर थम मसीह के दास सों, इस करकै थम पूरे मन तै वो काम करो जो परमेसवर चाहवै सै। **7** अर उस सेवा नै माणसां की न्ही, पर प्रभु की सेवा जाणकै सच्चे मन तै करो। **8** क्यूँके थम जाणो सों के जो कोए जिसा आच्छा काम करैगा, चाहे दास हो चाहे आजाद माणस, प्रभु तै उसका फळ पावैगा। **9** हे मालिकों, थम भी धमकी देणा छोड़कै नौकरां गैल उसाए व्यवहार करो, क्यूँके थम जाणो सों के उनका अर थारा दोनुआ का माल्लिक सुर्ग म्ह सै, अर वो किसे का पक्षपात न्ही करदा। **10** इस करकै मै कहुँ सूँ के थम प्रभु म्ह आत्मिक रूप तै शक्तिशाली बणो। **11** परमेसवर के सारे हथियार बाँध ल्यो ताके थम शैतान की चालां कै स्याम्ही खड़े रह सको। **12** क्यूँके म्हारा यो आत्मिक युध्द माणसां तै कोनी, पर प्रधानां, अधिकारियां, अर इस संसार के अन्धकार के हाकिमां अर दुष्टता की आत्मिक सेनाओं तै सै, जो अकास म्ह सै। (aiōn g165) **13** इस करकै परमेसवर के सारे हथियार बाँध ल्यो ताके जिब बुरे दिन आवै तो उनका सामना कर सको, अर सब कुछ करण म्ह मजबुत्ती तै डटे रह सको। **14** इस करकै परमेसवर की सच्चाई के मुताबिक जिओ, यो इस तरियां सै, जिसा एक सिपाही का बेल्ट तै अपणी कमर कसणा, अर धार्मिकता की झिलम पैहर ल्यो जो थारे आच्छे सुभाव नै दिखावै सै, जो थमनै शैतान के हमले तै बचावैगा। **15** जिस तरियां एक सिपाही युध्द लड़ण कै खात्तर पैरां म्ह जूत्ते पैहरै सै, उस्से तरियां थम भी परमेसवर के साथ शान्ति के सुसमाचार के जरिये, शैतान तै लड़ण खात्तर तयार हो जाओ। **16** अर इन बाततां के होन्दे होए जिस तरियां सिपाही, ढाल तै अपणे-आपनै

दुश्मन के तीरां तै बचावै सै, उस्से तरियां मसीह म्ह पक्का बिश्वास करो ताके थम शैतान के हमलां तै खुद नै बचा सको। 17 जिस तरियां सिपाही युध्द म्ह अपणे सिर नै बचाण खात्तर टोप पैहरै सै, उस्से तरियां परमेसवर की ओड़ तै मिल्या उद्धार भी म्हारा टोप सै, जो थमनै शैतान के हमलां तै बचावैगा, अर जिस तरियां सिपाही युध्द म्ह तलवार तै अपणे-आपनै बचावै सै, अर थम भी आत्मा की तलवार, जो परमेसवर का वचन सै, ले ल्यो, अर शैतान तै खुद नै बचा ल्यो। 18 हरेक बखत अर हरेक ढाळ तै पवित्र आत्मा की अगुवाई म्ह प्रार्थना अर बिनती करते रहों, इस करके जागते रहों अर सारे पवित्र माणसां खात्तर लगातार बिनती करते रहों। 19 अर थम मेरै खात्तर भी प्रार्थना करो, ताके मेरे बोल्लण के बखत इसे शब्द दिये जावै के मै हिम्मत के गैल सुसमाचार का भेद बता सकूँ। 20 इस्से खात्तर मै बेल्लां तै जकड़ा होया राजदूत के समान सेवा करण लाग रहया सूँ, प्रार्थना करो के जिस तरियां मन्नै बोलणा चाहिए, उस्से ढाळ बेधड़क होके सुसमाचार का प्रचार कर सकूँ। 21 तुखिकुस जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा भाई अर बिश्वास लायक सेवक सै, वो थारे ताहीं मेरे सारे हालात अर सारी बात्तां के बारें म्ह बता देवैगा। 22 उस ताहीं मन्नै थारे धेरै इस्से खात्तर भेज्या सै के थम म्हारी दशा नै जाणो, अर वो थारे मनां नै होसला दे। 23 परमेसवर पिता अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै बिश्वासी भाईयाँ नै शान्ति अर बिश्वास गैल प्यार मिलै। 24 उन सारा पै अनुग्रह होंदा रहवै, जो म्हारै प्रभु यीशु मसीह तै कदे ना खतम होण आळा प्यार करै सै।

फिलिप्पियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह के दास सै, मै पौलुस कलीसिया के सारे पवित्र माणसां, अगुवां, अर सेवकां के नाम जो प्रभु यीशु मसीह म्ह होकै फिलिप्पी नगर म्ह रहवै सै। **2** हम प्रार्थना करां सां के म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। **3** मै जिब-जिब थमनै याद करूँ सूँ, तब-तब अपणे परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, **4** अर खुशी कै गैल अपणी हरेक प्रार्थना म्ह थारे सारया खात्तर हमेशा परमेसवर तै मदद की बिनती करूँ सूँ। **5** इस करकै के पैहले दिन तै जिब थमनै सुसमाचार पै बिश्वास करया, तब तै आज तक थम यीशु मसीह कै प्यार के बारें म्ह सुसमाचार फैलाण म्ह म्हारे साथ रह्ये सों। **6** मन्नै इस बात का भरोस्सा सै, के परमेसवर जिसनै थारे म्ह आच्छा काम शरु करया सै, वोए उसनै जिब यीशु मसीह बोहड़ के आवैगा तब तक पूरा करैगा। **7** सही सै ताके मै थारे सारया खात्तर इसाए विचार करूँ। क्यूँके थारे खात्तर मेरै मन म्ह खास जगहां सै, इब मै कैद म्ह सूँ, अर सुसमाचार की सच्चाई नै साबित अर बचाव करण म्ह लागरया सूँ, तो थम सब मेरै गैल परमेसवर के अनुग्रह म्ह साझीदार सों। **8** इस म्ह परमेसवर मेरा गवाह सै, के मै मसीह यीशु की तरियां लगाव करकै, थारे सारया की मिलण की लालसा करूँ सूँ। **9** मै या प्रार्थना करूँ सूँ, कै थारा प्यार वास्तविक ज्ञान अर अन्तरात्मा म्ह और भी बढ़ता जावै। **10** ताके थम आच्छी तै आच्छी बात नै चुण सकों, अर मसीह कै बोहड़ण तक हरेक बुराई तै बचे रहों, अर ठोक्कर ना खाओ। **11** अर उस धार्मिकता के काम नै जो यीशु मसीह कै जरिये होवै सै, भरपूर होन्दे जाओ जिसतै परमेसवर की महिमा अर बढ़ाई होंदी रहवै। **12** हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूँ के थम यो जाण ल्यो, के जो मेरै पै बित्या सै, उसतै भोत सारे माणसां नै सुसमाचार पै बिश्वास करया सै। **13** उरै ताहीं के महाराजा के राजभवन की सारी पलटन अर बाकी सारे माणस यो जाणगे सै, के मै कैद म्ह सूँ, क्यूँके मै मसीह का दास सूँ। **14** अर प्रभु म्ह जो बिश्वासी भाई सै, उन म्ह तै घणखरे मेरै कैद होण कै कारण, साहस कै गैल परमेसवर का वचन बिना डरे सुणावै सै। **15** कुछ लोग तो जळण अर झगड़े के कारण मसीह के सुसमाचार के बारें म्ह सुणावै सै, अर कई माणस भली इच्छा तै,

ताके मेरे वचन फैलाण म्ह मदद कर सकै। 16 भली इच्छा तै प्रचार करण आळे प्यार तै प्रचार करै सै, क्यूँके वो जाणै सै, के मै सुसमाचार के बचाव के खात्तर जेळ म्ह बन्द सूं। 17 कई माणस तो जळण अर बिरोध के कारण मसीह का प्रचार करै सै, यो सोचकै के मेरी कैद म्ह मेरै खात्तर और क्लेश पैदा कर सकै। 18 तो के होया? सिर्फ यो के हर ढाळ तै, बुरी इच्छा तै चाहे सच्चाई तै, मसीह के वचन का प्रचार हरेक जगहां करया जाण लागरया सै, अर मै इसतै आनन्दित सूं अर आनन्दित रहूँगा भी। 19 क्यूँके मै जाणु सूं, के थारी बिनती कै जरिये, अर पवित्र आत्मा जो यीशु मसीह की ओड़ तै आया सै, इसका प्रतिफळ जो मेरे बिश्वास म्ह बणे रहण अर कैद तै लिकड़ण का कारण होगा। 20 मै तो याए मन तै लालसा अर आस राक्खूँ सूं, के मै किसे बात म्ह शर्मिन्दा ना होऊँ, पर साहस कै साथ परमेसवर का वचन सुणा सकूँ, जिसा पैहले मन्नै सुण्या था, चाहे मै जिन्दा रहूँ या मरु, मसीह की बड़ाई मेरी देह के जरिये होन्दी रहवै। 21 क्यूँके मेरै खात्तर जिन्दा रहणा मसीह सै, अर मर जाणा और भी आच्छा सै, क्यूँके मै मसीह कै धोरै चला जाऊँगा। 22 पर जै देह तै जिन्दा रहणा ए परमेसवर के काम कै खात्तर फायदेमन्द सै, तो मै न्ही जाणदा के किसनै चुणु। 23 क्यूँके मै उळझन म्ह सूं, के मै के करूँ, जी तो करै सै, के मै दुनिया छोड़कै मसीह कै धोरै चला जाऊँ, क्यूँके यो घणाए आच्छा सै, 24 पर देह म्ह रहणा थारे कारण और भी जरूरी सै, ताके मै थारी मदद कर सकूँ। 25 इस करकै के मन्नै इसका भरोस्सा सै। मै जाणु सूं के मै जिन्दा रहूँगा, बल्के सारा कै गेल्या रहूँगा, जिसतै थमनै बिश्वास म्ह मजबूत कर सकूँ, अर उस म्ह आनन्दित रहों। 26 जिब मै थारे धोरै बोहड़ के आऊँगा तो यीशु मसीह जो मेरे जरिये काम करण लागरया सै, उसपै थम गर्व कर सकों सों। 27 सिर्फ इतणा करो, के थारा चाल चलण मसीह कै सुसमाचार कै लायक हो जावै। चाहे मै आकै थमनै देखूँ, चाहे ना भी आऊँ, तोभी थारे बारें म्ह योए सुणु, कै थारा एक ए मकसद हो, अर एक मन होकै बिश्वास तै जो सुसमाचार तै आवै सै, उसकै खात्तर मेहनत करते रहों। 28 अर किसे बात म्ह बिरोधियाँ तै भय ना खाओ। उनकै खात्तर विनाश का, अर थारे खात्तर उद्धार का साफ सबूत सै, अर यो परमेसवर की ओड़ तै सै। 29 क्यूँके मसीह कै कारण थारे पै या अनुग्रह होया के ना केवल उसपै बिश्वास करो पर

उसके खात्तर दुख भी ठाओ, 30 अर थमनै उसीए मेहनत परमेसवर के खात्तर करणी सै, जिसी थमनै मेरै ताहीं पैहले फिलीपी नगर म्ह करते देख्या सै, अर इब भी सुणो सों के मै उसाए करूँ सूं।

2 थम यीशु मसीह के कारण उत्साहित हो, अर जो उसका प्यार थारे खात्तर सै, वो थमनै शान्ति देवै सै, क्यूँके पवित्र आत्मा के गैल थारी संगति सै, अर मसीह की करुणा अर दया थारे पै सै। 2 तो मेरा यो आनन्द पूरा करो के एक मन रहों, अर एके प्यार, एके चित्त, अर एके मनसा राक्खों। 3 मतलबीपण या झूठी बड़ाई के खात्तर कुछ ना करो, पर दीनता तै एक-दुसरे नै अपणे तै घणा आदर मान घो। 4 हरेक अपणे ए हित की न्ही, बल्के दुसरयां के हित की भी चिंता करै। 5 जिसा मसीह यीशु का सुभाव था उसाए तेरा भी सुभाव हो। 6 यीशु, परमेसवर के समान होके भी होके भी परमेसवर के बराबर होण नै अपणे बस म्ह राक्खण की चीज ना समझा। 7 बल्के अपणा सारा सुर्गीय हक छोड़ दिया, अर दास का रूप धारण करते होए माणस की समानता म्ह होग्या। 8 अर माणस के रूप म्ह जाहिर होके अपणे-आपनै दीन करया, अर परमेसवर का आज्ञाकारी रहया अर याडै तक के अपराधियाँ की तरियां मौत, हाँ क्रूस की मौत भी सह ली। 9 इस कारण परमेसवर नै उस ताहीं ऊँच्ची उपाधि दी, अर उसनै वो नाम दिया जो सारे नाम्मां म्ह ऊँच्चा सै, 10 के जो सुर्ग म्ह अर धरती पै धरती के नीच्चे सै, वे सारी यीशु के नाम की बड़ाई करै, 11 अर परमेसवर पिता की महिमा के खात्तर हरेक इन्सान मान ले के यीशु मसीह ए प्रभु सै। 12 इस करके हे मेरै प्यारे विश्वासी भाईयो, जिस ढाळ थम सदा तै हुकम मानते आये सों, उसाए इब भी ना सिर्फ मेरै गैल रहंदे होए, पर खास करके इब मेरै दूर रहण पै, भी परमेसवर तै डरदे अर कापते होए अपणे उद्धार के काम नै पूरा करो। 13 क्यूँके परमेसवर थारे म्ह काम करण लागरया सै, अर वोए थमनै अपणी इच्छा अर सामर्थ देवै सै, वो काम करो जो उसनै पसन्द सै। 14 सारे काम बिना कुड़कड़ाए अर बिना विवाद के करया करो, 15 ताके थम परमेसवर की ऊलाद की तरियां इस दुनिया के बुरे अर मतलबी माणसां के बीच म्ह पवित्र अर बेदाग जीवन जी सकों। दुनिया के माणसां के बीच म्ह थम जीवन का वचन लिये होए, आसमान के तारां के समान चमकों। 16 जब मसीह बोहड़ै तो मन्नै गर्व करण का कारण हो, ताके

मेरी कोशिश अर मेरी मेहनत करणा बेकार ना होवै। 17 जिब मन्नै थारे ताहीं वचन सुणाया, तो थमनै यीशु मसीह पै बिश्वास करया, अर अपणा जीवन भी सेवा खात्तर प्रभु ताहीं बलिदान दिया। इस करकै मै प्रभु खात्तर मर भी जाऊँ, तोभी थारे साथ खुश अर आनन्दित सूँ। 18 उस्से तरियां थम भी आनन्दित होओ, अर मेरै गैल आनन्द करो। 19 मन्नै प्रभु यीशु मसीह म्ह आस सै, के मै तीमुथियुस नै थारे धोरै तावळा-ए भेजूगाँ, ताके थारे हाल नै जाणकै, मै उत्साहित होऊँ। 20 क्यूँके मेरै धोरै तीमुथियुस के जिसा सुभाव आळा माणस और कोए न्ही सै जो शुद्ध मन तै थारी चिंता करै। 21 क्यूँके सारे अपणे स्वार्थ की खोज म्ह रहवै सै, परमेसवर के काम्मां खात्तर न्ही। 22 पर थम जाणो सों, के तीमुथियुस तो बिश्वास लायक अर आच्छे सुभाव का सै, जिसा बेट्टा पिता के गेल्या रहवै सै, उसाए उसनै सुसमाचार के फैलाण म्ह मेरै गैल मेहनत करी। 23 इस करकै मन्नै आस सै, के ज्यो ही मन्नै बेरा लागगैगा के मेरा के हाल होगा, त्यों ही मै उसनै तावळी सी भेज देऊँगाँ। 24 अर मन्नै प्रभु म्ह भरोस्सा सै, के मै आप भी तावळा आऊँगा। 25 मन्नै इपफ्रुदीतुस नै थारे धोरै भेजणा जरूरी समझा, जो मेरा भाई अर सहकर्मी साथी योद्धा, अर जरूरतां म्ह मेरी मदद करण आळा थारी ओड़ तै भेज्जा गया दूत सै। 26 क्यूँके उसका मन थारे सारया म्ह लाग्या रह्या था, अर वो बेचैन रहवै था क्यूँके थमनै उसकी बीमारी का हाल सुणया था। 27 पक्का वो बीमार तो होग्या था, उरै ताहीं वो मरण पै था, पर परमेसवर नै उस ताहीं मरण न्ही दिया, अर सिर्फ उस्से पै न्ही पर मेरै पै भी दया करी, ताके मन्नै दुख पै दुख ना हो। 28 इस करकै मन्नै उस ताहीं भेजण का और भी जत्न करया, के तू उसतै फेर मिलकै आनन्दित हो जा, अर मेरी भी चिन्ता घट जावै। 29 इस करकै तू प्रभु म्ह उसतै घणे आनन्द कै गैल मिलये, अर इसा का आदर करया करिये। 30 क्यूँके वो मसीह कै काम खात्तर अपणी जान जोखिम म्ह गेर कै मौत कै धोरै आ गया था। ताके वो मेरी मदद कर सकै जिस काम नै थम कर न्ही पाये, क्यूँके थम दूर थे।

3 इस करकै हे मेरै बिश्वासी भाईयो, प्रभु म्ह आनन्दित रहों। वेए बात थारे ताहीं बारबार लिखण म्ह मन्नै तो कोए दिक्कत कोनी होन्दी, पर ये बात थमनै इस्से झूठे शिक्षाकां तै बचाकै राखैगी। 2 उन बुरे माणसां तै चौक्कस

रहों जो कुत्तों के समान सै, अर जो कहवै सै, के उद्धार पाण खात्तर खतना
 करणा जरूरी सै। 3 हम्मे परमेसवर के सच्चे लोग सां, जो पवित्र आत्मा की
 अगुवाई म्ह आराधना करा सां, अर मसीह यीशु पै घमण्ड करा सां, पर अपणे
 उन काम्मां के जरिये न्ही जो हम शरीर तै करा सां। 4 पर मै तो शारीरिक
 काम्मां पै घमण्ड राक्ख सकू सूं। जै किसे और का शारीरिक काम्मां पै
 घमण्ड राक्खण का विचार हो, तो मै उसतै भी बढ़कै राक्ख सकू सूं। 5
 परमेसवर के हुकम के मुताबिक जन्म के आठवे दिन मेरा खतना होया, मै
 जन्म तै इस्राएली अर बिन्यामीन कै गोत्र का सूं, मेरे माँ-बाप इब्रानी थे, इस
 करकै मै भी इब्रानी सूं, अर (मूसा नबी के) नियम-कायदा नै मानण के कारण
 मै फरीसी भी था। 6 उत्साह कै बारे म्ह जै कहो तो कलीसिया का सतावण
 आळा, अर सारे यहूदी नियम-कायदा नै मानण आळा था, इस करकै लोग
 मन्नै धर्मी मान्ने थे। 7 पर जिन बाततां नै मै लाभ की समझू था, उन ताहीं मन्नै
 मसीह यीशु के कारण नुकसान समझ लिया सै। 8 बल्के अपणे प्रभु मसीह
 यीशु नै आच्छी तरियां जाणण के महत्व कै आगै, मै बाक्की की सारी बाततां
 नै बेकार समझू सूं। जिसकै कारण मन्नै उन सारी चिज्जां ताहीं छोड़ दिया
 सै, अर उननै कूड़ा समझू सूं। ताके मै मसीह नै आच्छी तरियां जाण सकू। 9
 अर मै उसका कहलाऊँ, इब मेरी अपणी धार्मिकता वा कोनी जो नियम-
 कायदा के पुगाण तै आवै सै, बल्के मेरी धार्मिकता वा सै जो सिर्फ परमेसवर
 की ओड़ तै मसीह पै मेरे विश्वास करण के कारण आवै सै। 10 मै चाहूँ सूं, के
 मसीह नै जाण ल्यु। अर मै उसके पुनरुत्थान के सामर्थ्य नै अनुभव करूँ, अर
 उसकै गैल दुखां म्ह साझीदार हो कै मसीह की मृत्यु की समानता नै पा
 सकू। 11 ताके मै भी मरे होए माणसां म्ह तै जी उठण आळा म्ह शामिल हो
 जाऊँ। 12 इसका यो मतलब कोनी के मन्नै यो सारा काम करया सै, या मै
 सिध्द हो लिया सूं, मै आगै बढ़ण की कोशिश करते जाण लागरया सूं, ताके
 मन्नै वो मिल जावै, जिसकै खात्तर मसीह यीशु नै मेरे ताहीं चुण्या सै। 13 हे
 मेरे विश्वासी भाईयो, मेरे विचार तै मै इस ताहीं इब तक पा न्ही सका सूं, पर
 हाँ, मै यो जरूर करण लागरया सूं, क्यूँके जो बात हो ली सै, मै उननै भूलकै
 जो आगै होण आळा सै उसकै खात्तर मेहनत करण लागरया सूं। 14 मै
 निशान्ने की ओड़ भाज्या चाल्या ज्या सूं ताके वो ईनाम पाऊँ, अर वो ईनाम

यो सै के परमेसवर मन्नै सुर्ग म्ह बुलाण लागरया सै क्यूँके मसीह यीशु मेरे खात्तर मरया। 15 म्हारै म्ह तै जितने आत्मिक रूप तै सिध्द सै, जो इसा विचार राक्खै सै, अर जै किसे बात म्ह थारा ए विचार न्ही हो, तो परमेसवर उस ताहीं भी थारे पै जाहिर कर देगा। 16 इस करके हमनै सच के मुताबिक चालणा सै, जो परमेसवर नै म्हारे पै जाहिर करया। 17 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थारा सुभाव मेरे जिसा हो, अर उन माणसां ताहीं पिच्छाणो, जिनका सुभाव मेरे जिसा सै, अर उनकी तरियां जिन्दगी जिओ। 18 क्यूँके घणेए इसी चाल चाल्लै सै, जिनका जिक्र मन्नै थारे ताहीं बार-बार करया सै, अर इब भी रो-रोके कहुँ सूँ के उनका सुभाव यो दिखावै सै, के वे मसीह के क्रूस पै मरण के सन्देश का बिरोध करै सै। 19 उनका अंत विनाश सै, वो अपणी शारीरिक इच्छा नै ए पूरी करणा चाहवै सै, अर वे अपणी शर्म के काम जो वे करै सै, उनपै घमण्ड करै सै, अर दुनियावी चिज्जां के बारें म्ह सोचते रहवै सै। 20 पर म्हारा देश सुर्ग म्ह सै, अर हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के ओड़े तै आण की बेसबरी तै बाट देखण लाग रहे सां। 21 वो अपणी शक्ति कै असर कै मुताबिक जिसके जरिये वो सारी चिज्जां नै अपणे बस म्ह कर सकै सै, म्हारी दीन-हीन देह का रूप बदलके, अपणी देह कै अनुकूल बना देगा।

4 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मै थारे ताहीं भोत प्यार करुँ सूँ, मन्नै थारे तै मिलण की बड़ी इच्छा सै। थम मेरा आनन्द अर मुकुट हो, मजबुत्ती तै बिश्वास करो, अर प्रभु के हुकम नै मानते रहों। 2 मै यूओदिया नै भी समझाऊँ सूँ, अर सुन्तुखे नै भी, के थम आप्स म्ह एक-दुसरे तै बहस मत करो। 3 हे मेरे सच्चे सहकर्मी, मै तेरे तै भी बिनती करुँ सूँ के तू उन बिरबानियाँ की लड़ाई बन्द करवाण म्ह मदद कर, क्यूँके उननै मेरे गैल सुसमाचार फैलाण म्ह, क्लेमेंस अर मेरे और सहकर्मियाँ गैल मेहनत करी, जिनके नाम जीवन की किताब म्ह लिखे होए सै। 4 प्रभु म्ह सदा आनन्दित रहों, मै फेर कहुँ सूँ, आनन्दित रहों। 5 थारी कोमलता सारे माणसां पै जाहिर हो। प्रभु का आणा लोवै सै, 6 किसे भी बात की चिंता ना करो, पर हर हालात म्ह थारे निवेदन, प्रार्थना, बिनती अर धन्यवाद कै गैल परमेसवर कै आगै पेश करै जावै। 7 फेर परमेसवर की शान्ति, जो माणस की समझ तै परै सै, थारे मन अर विचारां नै मसीह यीशु म्ह सुरक्षित राक्खैगी। 8 इस करके हे बिश्वासी भाईयो, जो बात सच सै, जो

बात आदरणीय, जो धर्मी सै, पवित्र सुहावनी अर जो-जो बात बड़ाई लायक सै, यानी जो भी सदुण अर प्रशंसा की बात सै उनपै ए मन लगाया करो। 9 जो बात थमनै मेरै तै सुणी, मेरे म्ह देखी, सीखी, अर पाई सै, उननै मान्या करो, फेर शान्ति का परमेसवर थारे गैल रहैगा। 10 मै प्रभु मै घणा आनन्दित सू के जिब इतने दिनां कै पाच्छे थारी चिंता मेरै बारें म्ह फेर जाग्गी सै, पक्का थारे शरुआत म्ह भी इसका विचार था, पर थमनै मौक्का न्ही मिला। 11 क्यूँके मेरे धोरै वो कोनी जो मन्नै चाहिए, पर मन्नै यो सिख्या सै के मै जिन हालातां म्ह मै सू, उस्से म्ह सब्र करँ। 12 मन्नै कंगाली अर भरपूरी म्ह रहणा सीख लिया सै, हरेक हालातां अर हरेक बात म्ह मन्नै तृप्त अर भूक्खा रहणा, बढ़णा अर घटना सीख लिया सै। 13 मसीह मन्नै सामर्थ देवै सै उस म्ह मै सब कुछ कर सकू सू। 14 तोभी थमनै भला करया के मेरै क्लेश म्ह मेरे साझीदार होए। 15 हे फिलिप्पी नगर के माणसों, थम आप भी जाणो सों के सुसमाचार कै शरुआत म्ह, जिब मै मकिदुनिया परदेस तै बिदा होया, जब थारे अलावा किसे कलीसिया के बिश्वासी नै लेण देण कै बारें म्ह मेरी मदद न्ही करी। 16 इसे ढाळ थिस्सलुनीके नगर म्ह मेरी जरूरतां नै पूरा करण म्ह थमनै दो बार रपिये भेजकै मेरी मदद करी। 17 मै यो न्ही लिखता, के मै दान चाहूँ सू पर मै चाहूँ सू के थारे दान के बदले थमनै आशीष मिलै। 18 मेरै धोरै सब कुछ सै, बल्के भोत घणाए सै, जो चीज थमनै इपफ्रुदीतुस कै हाथ तै भेजी थी उननै पाकै मै तृप्त होगया सू, थारे दान तो मनमोहक सुगन्धित भेट की तरियां सै, अर उस बलिदान की तरियां सै, जो याजक परमेसवर नै चढ़ावै सै, अर वे उसनै भावै सै। 19 म्हारा पिता परमेसवर, अपणे अपार धन के मुताबिक जो महिमा समेत मसीह यीशु म्ह थारी हरेक जरूरत नै पूरी करैगा। 20 म्हारै परमेसवर अर पिता की बड़ाई युगानुयुग होंदी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 21 यीशु मसीह म्ह सभी पवित्र माणसां नै, मेरी ओड़ तै नमस्कार कहो। जो बिश्वासी भाई मेरै गैल सै वे थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 22 सारे पवित्र माणस, जो मेरे साथ सै, अर खास करकै वे माणस जो कैसर के घराने तै बिश्वासी बणे सै, थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 23 म्हारै यीशु मसीह का अनुग्रह थारी आत्मा कै गैल रहवै।

कुलुस्सियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर म्हारे बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै मसीह यीशु का प्रेरित सै। **2** मसीह म्ह उन पवित्र अर बिश्वासी भाईयाँ के नाम जो कुलुस्से नगर म्ह रहवै सै: म्हारा पिता परमेसवर थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति देंदा रहवै। **3** जिब हम थारे खात्तर बिनती करां सां, तो हम अपने प्रभु यीशु मसीह के पिता, यानी परमेसवर का धन्यवाद करा सां। **4** क्यूँके हमनै सुण्या सै के यीशु मसीह पै थारा बिश्वास सै, अर सारे पवित्र माणसां तै थम प्यार करो सों। **5** जो बिश्वास अर प्यार इन बिश्वासी भाईयाँ के धोरै सै, वो उस आस की बजह तै ए सै, जो थारे खात्तर सुर्ग म्ह धरी सै, जिसका वर्णन थमनै पैहले तै सुण राख्या सै। जिब माणस थारे धोरै आए अर यीशु मसीह का सुसमाचार थारे ताहीं सुणाया, जो के परमेसवर का वचन सै। **6** जो थारे धोरै पोहचा सै, अर जिसा दुनिया म्ह यो नतिज्जा ल्याण लागरया सै अर दुनिया म्ह हरेक जगहां फैलण लागरया सै, उस्से तरियां जिस दिन तै थमनै उस ताहीं सुण्या अर या सच्चाई आच्छी तरियां समझी के परमेसवर मुफ्त म्ह उन माणसां का पाप माफ करै सै जो यीशु पै बिश्वास करै सै। थारे म्ह भी इसाए करै सै। **7** उस्से की शिक्षा थमनै म्हारे गैल काम करणीये प्यारे इपफ्रास तै पाई, जो म्हारे खात्तर मसीह का बिश्वास लायक दास सै। **8** उस्से नै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा के प्यार के बारे म्ह बताया सै, जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दिया सै। **9** इस करके जिस दिन तै हमनै यो सुण्या सै, हम भी थारे खात्तर सदा प्रार्थना करां सां। के थम परमेसवर का आत्मा थारे ताहीं आत्मिक ज्ञान अर समझ देवै, ताके थम उसकी इच्छा नै समझ सको। **10** थारा बरताव इसा होणा चाहिए जिसा परमेसवर के माणसां का हो सै, ताके थम परमेसवर नै हरेक काम म्ह खुश कर सको, ताके थम सारी हाण भले काम करते रहों अर थम परमेसवर की पिच्छाण म्ह बढ़ते जाओ। **11** उसकी महिमा की शक्ति के मुताबिक सारी ढाळ की सामर्थ तै शक्तिशाली होन्दे जाओ, ताके थम खुशी अर धीरज के गैल दुखां नै सह सको। **12** अर पिता परमेसवर का धन्यवाद करते रहो, जिसनै थारे ताहीं इस लायक बणाया के थम उसके राज्य म्ह साझीदार हो सको, जो उसनै अपने माणसां खात्तर सुर्ग म्ह तैयार करया सै। **13** उस्से नै

म्हारै ताहीं शैतान की सामर्थ तै छुड़ाकै अपणे प्यारे बेटे कै राज्य म्ह दाखल कराया, 14 जिसतै अपणे बेटे की कुरबान्नी के जरिये म्हारे ताहीं छुटकारा दिया, यानी पापां की माफी। 15 परमेसवर नै कोए न्ही देख सकता, पर जब उसका बेटा यीशु मसीह इन्सान की देह धारण करके इस धरती पै आया तो हम उसनै जाण पाए के परमेसवर किसा सै, वो बिलकुल उसके समान सै। 16 क्यूँके मसीह नै परमेसवर के साथ मिलके सारी चिज्जां की सृष्टि करी, सुर्ग की हो या धरती की, देखी या अनदेखी, के सिंहासन, के प्रभुताएँ, के प्रधानताएँ, के हक, सारी चीज उस्से के जरिये अर उस्से खात्तर बणाई गई। 17 सारी चिज्जां के बणण तै पैहला मसीह था, अर सारी चीज उस्से म्ह मिलके काम करै सै। 18 मसीह की देह कलीसिया नै चलावै सै, जिस तरियां सिर पूरे देह नै चलावै सै, यानी मसीह कलीसिया का सिर सै, वोए शरुआत सै, अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळा म्ह जेठ्ठा सै, ताके सारी बात्तां म्ह वोए प्रधान बणै। 19 क्यूँके पिता परमेसवर की खुशी इस्से म्ह सै के मसीह म्ह परमेसवर की सारी भरपूरी रहवै। 20 अर उसके क्रूस पै बहे होए लहू के जरिये मेळ-मिलाप करके, परमेसवर नै अपणे बेटे ताहीं भेज्जा, जिसनै अपणा लहू बहाया अर अपणी जाण दे दी। परमेसवर नै यो इस खात्तर करया ताके उसका अर सारी चिज्जां तै दुबारा मेळ हो सकै। इस तरियां तै उसनै अपणे बीच अर सारी चीज जो सुर्ग म्ह सै या अर सारी चीज जो धरती पै सै शान्ति की स्थापना करी। 21 थम जो पैहले पराये थे अर बुरे काम्मां के कारण मन तै बैरी थे। 22 परमेसवर नै इब अपणे बेटे ताहीं इन्सान बणाके भेज्जा ताके वो क्रूस पै मारया ज्या, जिसकी बजह तै थारा भी मेळ करवाया ताके थमनै अपणे आग्नै पवित्र अर बिना कलंक अर बेकसूर बणाके खड्या करै। 23 जै थम मसीह म्ह बिश्वास करो सों, अर थारा बिश्वास उस घर की तरियां हो जो मजबूत नीम पै खड्या सै, अर उस सुसमाचार की आस नै ना छोड़ो, जिस ताहीं थमनै सुण्या सै, जिसका प्रचार दुनिया के माणसां म्ह करया गया सै, उसका मै, पौलुस, वचन का सुणण आळा बणया। 24 मै उन दुखां के कारण आनन्दित सूं, जो थारे खात्तर ठाऊँ सूं अर मसीह के क्लेश की कमी उसकी देह के खात्तर, यानी कलीसिया के खात्तर, अपणे गात म्ह पूरी करुँ सूं, 25 इस्से कलीसिया के खात्तर मै थारे खात्तर परमेसवर

के जरिये सौंपी गई सेवा के मुताबिक दास चुण्या गया के मै परमेसवर के आदेश नै पूरी तरियां प्रचार करँ। 26 यानी उस राज नै जो बखत अर पीढ़ियाँ तै गुप्त रह्या, पर इब उसके उन पवित्र माणसां पै दिख्या सै। (aiōn g165) 27 परमेसवर चाहवै सै के मसीह के धन अर महिमा नै गैर यहूदियाँ के माणस जाणै सै, अर वो राज यो सै के मसीह थारे म्ह रहवै सै, यो थमनै परमेसवर की महिमा नै साँझा करण की आस देवै सै। 28 इस खात्तर हम दुसरयां नै मसीह के बारे म्ह बतावां सां, अर हरेक आदमी नै चेतावनी देवा सां अर परमेसवर के दिए गए ज्ञान तै हरेक आदमी नै सिखावा सां, हरेक आदमी नै मसीह म्ह सिध्द करके परमेसवर के स्याम्ही पेश करणा चाहवां सां। 29 इस्से ताहीं पूरा करण खात्तर मै भोत मेहनत अर कष्ट सहू सूं। उस सामर्थ के जरिये जो मसीह देवै सै अर जो मेरे म्ह काम करण लागरया सै।

2 मै चाहूँ सूं के थम जाण ल्यो के थारे अर उनके खात्तर जो लौदीकिया नगर म्ह सै अर उन सारया खात्तर जिनतै मै न्ही मिला, मै उनके खात्तर किसी मेहनत करूँ सूं। 2 मै इस खात्तर मेहनत करूँ सूं ताके मै उनके बिश्वास नै मजबूत कर सकूँ। थारा एक-दुसरे के खात्तर प्यार थारे ताहीं आप्पस म्ह बाँधके राक्खै, मै चाहूँ सूं के उननै पूरा भरोस्सा हो क्यूँके उन ताहीं परमेसवर की गुप्त योजना की पूरी समझ सै, जो के मसीह सै ए। 3 परमेसवर ए सै जो बुद्धि अर ज्ञान की समझ देवै सै जो छिपे होए खजान्ने की ढाळ सै। 4 यो मै इस करके कहूँ सूं के कोए आदमी थमनै झूठी शिक्षा तै ना भरमावै। 5 हालाकि मै थारे तै दूर सूं, तोभी मै थारे बारे म्ह सोचता रहूँ सूं, अर जिसा थमनै जीणा चाहिए उसा जीवन अर थारे मजबूत बिश्वास नै देखके जो मसीह म्ह सै, मै राज्जी होऊँ सूं। 6 इस करके जिस तरियां थमनै मसीह यीशु ताहीं प्रभु करके मान लिया सै, उस्से तरियां उस ताहीं मानते रहो। 7 थारा मसीह पै बिश्वास उस जमीन म्ह लगाये गये पेड़ की तरियां हो, जिसकी जड़ गहरी अर मजबूत हो सै। बिश्वास म्ह मजबूत होन्दे जाओ, जिसा के थारे ताहीं सिखाया गया सै, अर सदा परमेसवर का धन्यवाद करते रहो। 8 इस कारण हम मानवीय शिक्षा का पालन न्ही करणा चाहन्दे, ताके कोए थमनै उस बेकार ज्ञान अर धोक्खे के जरिये अपणे बस म्ह ना करले, जो माणसां के रिवाज अर दुनियावी शिक्षा के मुताबिक तो सै, पर मसीह के मुताबिक

कोनी। 9 थारे ताहीं ये लोग धोक्खा ना देण पावै, जिब के मसीह नै मानव रूप धारण करया पर वो पूरी तरियां तै परमेसवर था। 10 अर हरेक शक्ति अर प्रधानता पै उसका अधिकार सै। जै थम मसीह के कहलाओ हो, तो थमनै किसे चीज की कमी कोनी। 11 जिब थम मसीह म्ह बिश्वास करो सों, तो थारा माणसां के जरिये खतना कोनी करया जान्दा, पर मसीह के जरिये करया जावै सै, जो के खुद ताहीं पापमय सुभाव तै दूर करणा सै। 12 जिब थारा बपतिस्मा होया (यो थारा पापमय सुभाव दिखावै सै) तो थम मसीह की तरियां गाड़े गये, अर जिसा मसीह जिवाया गया, अर उस्से तरियां थम भी जिन्दा करे गए (नये सुभाव तै)। यो इस खात्तर होया क्यूँके थम बिश्वास करो सों, के परमेसवर नै मसीह ताहीं अपणी शक्ति तै मुर्दा म्ह तै जिवाया। 13 थम जो अपणे कसूर अर अपणे पापमय सुभाव तै आजाद न्ही थे, परमेसवर नै थारे ताहीं भी मसीह के गैल जिवाया, अर म्हारे सारे कसूर माफ कर दिए। 14 अर इसा लागै सै जिसा परमेसवर नै म्हारे पापां का वो लेख मिटा दिया, जो म्हारे खिलाफ इल्जाम नै बतावै थे। जिब मसीह ताहीं क्रूस पै कील्लां तै जकड़ा गया तो उसनै उस लेख ताहीं पूरी तरियां हटा दिया। 15 अर उसनै प्रधानता अर अधिकारां ताहीं हरा कै उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बणाया अर क्रूस के जरिये उनपै जयजयकार की आवाज सुणाई। 16 इस करके थमनै कोए धोक्खा ना देवै, अर ना कोए थमनै खाण-पीण या त्यौहार, नये चाँद अर आराम कै दिन के बारे म्ह परखै। 17 क्यूँके ये सारी आण आळी बात्तां की छाया सै, पर मूल चीज मसीह की सै। 18 कोए आदमी झूठी विनम्रता अर सुर्गदूतां की पूजा करा कै थारे ताहीं दौड़ के ईनाम तै राख ना दे। इसा आदमी देखी होड़ बात्तां म्ह लाग्या रहवै सै अर अपणी शरीरिक समझ पै बेकार फुल्लै सै, 19 उसनै बिश्वास अर मसीह का सच्चा सन्देश सिखाणा छोड़ दिया सै, जो के देह म्ह सिर की तरियां सै। जिस तरियां एक सिर देह नै निर्देश देवै सै, उस्से तरियां मसीह अपणे लोग्गां ताहीं निर्देश देवै के वे एक साथ अर एक जुट रहवै जिस तरियां देह के जोड़ अर नस देह नै पकड़ै सै, अर यो बढ़ै सै, जिस तरियां परमेसवर उन ताहीं बढ़ाणा चाहवै सै। 20 जिब के थम मसीह के गैल दुनिया की पुराणी शिक्षा की ओड़ तै मरगे सों, तो फेर क्यूँ उनकी तरियां जो दुनिया के सै जीवन बिताओ सों? थम इसी

विधियाँ के बस म्ह क्यूँ रहों सों, 21 के ना तो “इसनै छुईये,” ना “उस ताहीं खाकै देखिये,” अर ना उसके हाथ लगाईये? 22 ये सारी चीज काम म्ह लांदे-लांदे नाश हो जावैगी, क्यूँके ये माणस के हुकम अर शिक्षा कै मुताबिक सै। 23 ये तीन नियम बुद्धिमानी का राह दिखावै सै, जो ये सै, खुद ताहीं परमेसवर के प्रति समर्पित करणा, झूठी विनम्रता अर अपणी देह कै गैल कठोरता तै बरताव करणा। पर माणस इन विधियाँ नै मान्ने सै, तोभी पापमय सुभाव नै न्ही छोड़ पान्दा।

3 यो इसा सै, के मान्ने जणु परमेसवर नै थारे ताहीं मुर्दा म्ह तै जिवा दिया हो, जिस तरियां उसनै मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिवाया, तो सुर्गीय चिज्जां की खोज म्ह रहों, जड़ै मसीह परमेसवर कै साथ महिमामय जगहां म्ह बेठ्या होया सै। 2 धरती पै की न्ही पर सुर्गीय चिज्जां पै ध्यान लगाओ, 3 क्यूँके यो इसा सै थम तो मर गये जिब मसीह मारा गया अर थारा जीवन मसीह कै गैल परमेसवर म्ह छिप्या होया सै। 4 जिब मसीह जो म्हारा जीवन सै, बोहड़ के आवैगा, तो थम भी उसके गैल दिखोगे अर उसकी महिमा म्ह शामिल होओगे। 5 इस करकै अपने उन बुरे काम्मां नै छोड़ द्यो जो थारे पापमय सुभाव का कारण बणै सै, जो धरती पै सै, यानी जारी, अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा अर लालची ना बणो यो मूर्तिपूजा कै बराबर सै। 6 क्यूँके माणस ये बुरे काम करै सै, इस कारण परमेसवर उन ताहीं बड्डा दण्ड देवैगा। 7 अर थम भी, जिब इन बुराईयाँ म्ह जीवन बिताओ थे, तो इन बुरी लालसा कै मुताबिक जिओ भी थे। 8 पर इब थम भी इन सारया नै, यानी छो रोष, बैरभाव, बुराई अर मुँह तै गाळी बकणा ये सारी बात छोड़ द्यो। 9 एक-दुसरे तै झूठ ना बोल्लो, क्यूँके थमनै बुरा सुभाव अर बुरे काम छोड़ दिये सै। 10 अर इब थमनै नये सुभाव ताहीं धारण कर लिया सै, यो नया सुभाव ज्यादा तै ज्यादा म्हारे रचण आळे कै मुताबिक बणण लागरया सै, ताके हम उसनै आच्छी तरियां जाण पावां। 11 इस नई जिन्दगी म्ह कोए फर्क कोनी पड़ता चाहे यूनानी हो या यहूदी हो, खतना हो या खतनारहित हो, जंगळी हो या असभ्य हो, दास हो या आजाद हो, पर मसीह ए सै, जो सब तै खास सै अर वो हम सब म्ह बसै सै। 12 क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं पवित्र माणस बणण खात्तर चुण्या सै, अर वो थारे ताहीं प्यार करै सै, इस करकै बड़ी

करुणा, भलाई, दीनता, नम्रता, अर सहनशीलता नै धारण करो। 13 अर जै किसे नै किसे पै दोष लगाण का कोए कारण हो, तो एक-दुसरे की सह ल्यो अर एक-दुसरे के कसूर माफ करो, जिस तरियां प्रभु नै थारे कसूर माफ करे, उस्से तरियां थम भी करो। 14 इन सारा तै बढ़कै थम जो काम कर सकों सों, वो यो सै, के थम एक-दुसरे तै प्यार करो, प्यार ही सै जो म्हारे ताहीं एक-दुसरे कै गैल एकता म्ह जोड़े राक्खै सै। 15 जो शान्ति मसीह देवै सै, वा थारे दिलां पै राज करैगी, क्यँके थम सारे एक देह के अंग सों, इस करकै थारे ताहीं एक-दुसरे के साथ शान्ति तै रहण कै खात्तर बुलाया गया सै, अर थम सदा उसका धन्यवाद करदे रहों। 16 हर बखत मसीह कै वचन कै उप्पर ध्यान करते रहवों ताके थारा सोचणा अर काम करणा उसके मुताबिक हो, अर सिध्द ज्ञानसुधा एक-दुसरे नै सिखाओ अर समझाओ, अर अपणे-अपणे मन म्ह धन्यवाद कै गैल परमेसवर कै खात्तर भजन अर जै-जै कार अर आत्मिक गीत गाओ। 17 वचन म्ह या काम म्ह जो किमे भी करो, सारा प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै करो, अर उसकै जरिये परमेसवर पिता का धन्यवाद करो। 18 हे पत्नियों, जिसा प्रभु म्ह सही सै, उसाए अपणे-अपणे धणी कै अधीन रहो। 19 हे पतियों, अपणी-अपणी घरआळी तै प्यार राक्खो, अर उनके गैल नरमाई तै पेश आओ। 20 हे बाळकों, सारी बाततां म्ह अपणे-अपणे माँ बाप के हुकम नै मान्णो, क्यँके प्रभु इसतै खुश होवै सै। 21 हे बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै तंग ना करो, इसा ना होके वे परेशान हो जावै। 22 हे सेवको, जो इस दुनिया म्ह थारे माल्लिक सै, सारी बाततां म्ह उनके हुकम का पालन करो, माणसां नै राज्जी करण आळा कै समान दिखाण कै खात्तर न्ही, पर मन की सीधाई अर परमेसवर कै डर तै। 23 जो किमे थम करो सों, पूरे मन तै करो, यो समझकै के माणसां कै खात्तर न्ही पर प्रभु कै खात्तर करो सों, 24 याद राक्खों परमेसवर थमनै ईनाम देवैगा, या फेर वो थमनै आशीष म्ह साझीदार करैगा जो उसनै अपणे माणसां कै खात्तर राक्खी सै, क्यँके थम मसीह यीशु की सेवा करो सो। 25 जो बुरा काम करै सै, परमेसवर हरेक ताहीं उसकी बुराई का उसनै दण्ड देवैगा, क्यँके परमेसवर किसे कै गैल पक्षपात कोनी करदा।

4 हे मालिकों, अपने-अपने नौकरों के गैल न्याय अर एक सा बरताव करो, या समझकै के सुर्ग म्ह थारा भी एक मालिक सै। 2 प्रार्थना म्ह लागे रहो, अर जब प्रार्थना करो तो सावधान रहियो अर परमेसवर का धन्यवाद हमेशा करते रहो। 3 अर उसके गैल ए गैल म्हारे खात्तर भी प्रार्थना करते रहो के परमेसवर म्हारे खात्तर वचन सुणाण का इसा द्वार खोल दे, के हम मसीह के उस भेद का वर्णन कर सकां जिसके कारण मै कैद म्हूं। 4 प्रार्थना करो के मै स्पष्ट रूप तै अर खुल्ले तौर पै मसीह के भेद नै बता पाऊँ। 5 अबिश्वासी के गैल जब बात करो तो उस मौक्के का सही इस्तमाल करो। 6 थारा बोलणा सदा अनुग्रह समेत सलोना हो ताके थमनै हरेक माणस ताहीं बढ़िया ढाळ तै जवाब देणा आ जावै। 7 प्यारे बिश्वासी भाईयो अर बिश्वास लायक दास तुखिकुस, जो प्रभु म्ह मेरै गैल दास सै, वो थमनै सारी बात बता देगा। 8 उस ताहीं मन्नै इस खात्तर थारे धीरे भेज्जा, ताके थमनै म्हारे हाल का बेरा पाट जावै अर वो थमनै उत्साहित करैगा। 9 उसके गैल मन्नै उनेसिमुस ताहीं भी भेज्जा सै, जो बिश्वास लायक अर प्रिय बिश्वासी भाई सै, अर वो भी थारे ए नगर का सै, ये थमनै याड़े की सारी बात बता देंगे। 10 मेरै गैल कैदी अरिस्तार्खुस अर मरकुस की ओड़ तै थमनै नमस्कार, मरकुस जो बरनबास का चचेरा भाई सै, जिसके बारे म्ह थमनै चिट्ठी मिली सै, के जै वो थारे धीरे आवै, तो उसतै आच्छी ढाळ बरताव करियो। 11 अर यीशु जो यूस्तुस कुह्वावै सै, थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। यहूदी बिश्वासियाँ म्ह तै सिर्फ ये तीन माणस सै, जो परमेसवर के राज्य के खात्तर मेरै गैल काम करणीये अर मेरे उत्साहित होण का कारण सै। 12 इपफ्रास, जो थारे नगर का सै, अर मसीह यीशु का दास सै, थारे तै नमस्कार कहवै सै। वो सदा थारे खात्तर मन लगाके प्रार्थना करै सै, अर परमेसवर तै सदा बिनती करै सै, के परमेसवर थमनै मजबूत अर सिध्द बणावै, अर थमनै पूरा भरोस्सा हो के थम परमेसवर की इच्छा का पालन करो सों। 13 मै उसका गवाह हूं, के वो थारे खात्तर अर लौदीकिया अर हियरपुलिस नगर के माणसां के खात्तर बड़ी मेहनत करदा रहवै सै। 14 म्हारे प्रिय वैद लूका अर देमास का थारे ताहीं नमस्कार। 15 लौदीकिया नगर के बिश्वासी भाईयाँ नै, अर नुमफास अर उनके घर की कलीसिया नै नमस्कार कहिये। 16 जब या चिट्ठी थम पढ़ ल्यो तो इसा

करियो के लौदीकिया की कलीसिया म्ह भी या पढ़ी जावै, अर वा चिट्ठी जो लौदीकिया तै आवै उसनै थम भी पढ़ईयो। 17 अर अरखिप्पुस तै कहिये के जो सेवा प्रभु म्ह तेरे ताहीं सौप्यी गयी सै, पक्का इरादा करो के उस सेवकाई नै पूरा कर सको। 18 मै (पौलुस) अपणे हाथ्यां तै थमनै नमस्कार लिखूँ सूं। याद राखियो के मै कैद म्ह सूं, अर मेरे खात्तर प्रार्थना करो। परमेसवर का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै। आमीन।

1 थिस्सलुनीकियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनीकियों नगर की कलीसिया के उन बिश्वासियाँ के नाम लिखी सै, जो परमेसवर पिता अर प्रभु यीशु मसीह म्ह सै। परमेसवर का अनुग्रह अर शान्ति थारे ताहीं मिल्दी रहवै। **2** हम अपणी प्रार्थनायां म्ह थारे ताहीं याद करदे अर सारी हाण थम सारया के बारै म्ह परमेसवर का धन्यवाद करा सां। **3** अर अपणे परमेसवर अर पिता के स्याम्ही जो काम बिश्वास तै करे, अर बिश्वासियाँ खात्तर इतने प्यार तै मेहनत करी, अर प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण की आस के कारण बड़ी धीरजता तै दुखां नै सहन्दे होए, सारी हाण थमनै याद करा सां। **4** हे बिश्वासी भाईयो, अर परमेसवर के प्यारे माणसों हम जाणा सां, के परमेसवर नै थारे ताहीं अपणे माणस होण खात्तर छाट्या सै। **5** क्यूँके म्हारा सुसमाचार जो यीशु मसीह के बारें म्ह था, थारे धोरै ना सिर्फ बात्तां तै ए न्ही बल्के पवित्र आत्मा की सामर्थ अर बड़े पक्के सबूत के गैल पोंहच्या सै; जिसा थमनै बेरा सै, के थारे कल्याण खात्तर थारे म्ह म्हारा बरताव किसा था। **6** थारे उप्पर बड़े क्लेश थे, पर थमनै पवित्र आत्मा के जरिये दिए गये आनन्द के गेल्या सुसमाचार ताहीं मान लिया, थमनै म्हारी अर प्रभु यीशु की तरियां बरताव कराया। **7** उरै ताहीं के मकिदुनिया परदेस अर अखाया परदेस के सारे बिश्वासियाँ के खात्तर थम बढिया मिसाल बणै। **8** क्यूँके थारे उरै तै ना सिर्फ मकिदुनिया परदेस अर अखाया परदेस म्ह प्रभु का वचन सुणाया गया, पर थारे बिश्वास की जो परमेसवर पै सै, हरेक जगहां जित्त भी हम गये, तो हमनै माणसां तै थारे बिश्वास के बारें म्ह सुणया, इस करके हमनै माणसां ताहीं थारे बारें म्ह बताण की जरूरत ए कोनी। **9** क्यूँके वे आप ए म्हारै बारै म्ह बतावै सै, के जिब हम थारे धोरै आये, तो थमनै म्हारा स्वागत किस ढाळ कराया; अर थम किस ढाळ मूर्तियाँ तै दूर होकै, परमेसवर की ओड़ मुड़ गये, ताके जिन्दे अर सच्चे परमेसवर की सेवा करो। **10** अर परमेसवर के बेटे यीशु की सुर्ग तै बोहड़ के आण की बाट देखदे होए, जिस ताहीं परमेसवर नै मरे होयां म्ह तै जिन्दा करया, जो म्हारै ताहीं आण आळे न्याय तै बचावै सै।

2 हे बिश्वासी भाईयो, थमनै आप्णे बेरा सै, के म्हारा थारे धोरै आणा कितना फायदेमन्द था, **2** बल्के थमनै खुद नै ए बेरा सै, के पैहल्या हमनै फिलिप्पी

नगर म्ह दुख ठाया, के म्हारा नगर के माणसां नै सख्त बिरोध करया, अर परमेसवर नै म्हारै तै इसी हिम्मत देई, के हम परमेसवर का सुसमाचार घणे बिरोध होण के बावजूद भी थमनै सुणावां। 3 क्यूँके म्हारा उपदेश ना भ्रम तै सै, अर ना गलत इरादे तै, अर ना छळ के गैल सै; 4 पर परमेसवर नै म्हारै ताहीं लायक समझके सुसमाचार सौंप्या, इस करके हम माणसां नै न्ही, पर जो म्हारै मनां नै जांचवण आळे परमेसवर ताहीं राज्जी करण खात्तर उपदेश देवा सां। 5 थमनै बेरा सै, परमेसवर गवाह सै, के हमनै कदे चापलूसी की बात कोनी करी, अर ना ए लोभ के खात्तर हमनै कोए इसा काम करया, अर ना कुछ थारे तै छुपाया। 6 तोभी हम माणसां तै आदर कोनी चाहवां थे, अर ना थारे तै, ना और किसे तै, हालाकि हम मसीह के प्रेरित होण के कारण थारी मदद पाणा म्हारा हक था। 7 पर जिस तरियां माँ अपणे बाळकां का पालन-पोषण करै सै, उस्से तरियां ए हमनै भी थारे बिचाळै रहके नरमाई दिखाई सै; 8 एक माँ की तरियां ए हम थारी चाहना करदे होए, ना सिर्फ परमेसवर का सुसमाचार, पर अपणा-अपणा प्राण भी थारे ताहीं देण नै तयार थे, क्यूँके के हम थारे तै भोत प्यारे करां सां। 9 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारी कड़ी मेहनत नै याद राक्खो, हमनै ज्यांतै दिन-रात काम-धन्धा करदे होए, परमेसवर का सुसमाचार प्रचार करया, के थारे म्ह तै किसे पै बोझ ना बण जावां। 10 थम अर परमेसवर भी इस बात के गवाह सों, के सारे बिश्वासी भाईयाँ के गैल म्हारा सुभाव कितना सच्चा, धर्मी अर बेकसूर था। 11 थमनै बेरा सै के जिसा पिता अपणे बाळकां के गेल्या बरताव करै सै, उस्से तरियां ए हम भी थारे म्ह तै हरेक ताहीं उपदेश देन्दे, अर शान्ति देन्दे, अर समझावां थे 12 के थम इसा जीवन जिओ, जिसा परमेसवर चाहवै सै, जो थमनै अपणे राज्य अर महिमा म्ह बुलावै सै। 13 ज्यांतै हम भी परमेसवर का धन्यवाद सारी हाण करा सां के जिब म्हारै जरिये परमेसवर के सुसमाचार का वचन थमनै सुणया, तो थमनै उस ताहीं माणसां का न्ही पर परमेसवर का वचन समझके अपणाया; अर सच म्ह यो परमेसवर का वचन सै भी, अर यो सुसमाचार थारे म्ह काम करण लागरया सै, जो यीशु पै थम बिश्वास करो सो। 14 ज्यांतै थम, हे बिश्वासी भाईयो, परमेसवर की उस कलीसियाओं के स्याम्ही दुख सहण लागे जो यहूदिया परदेस म्ह सै, अर मसीह यीशु पै

बिश्वास राक्खै सै, क्यूँके थमनै भी अपणे माणसां तै उसाए दुख पाया, जिसा उननै अपणे यहूदी माणसां तै पाया था। 15 जिन नै प्रभु यीशु ताहीं अर नबियाँ ताहीं मार दिया। अर म्हारै ताहीं भी सताया, अर परमेसवर उनतै राज्जी कोनी, अर वे सारे माणसां का बिरोध करै सै। 16 अर वे दुसरी जात्तां म्ह उनकै उद्धार कै खात्तर बात करण तै हमनै रोक्कै सै, अर वे पाप पै पाप करते जावै सै, जिब ताहीं के परमेसवर उननै दण्ड ना दे दे; अर इब परमेसवर उननै बड़ा भरी दण्ड देण आळा सै। 17 हे बिश्वासी भाईयो, जिब हम थोड़े बखत खात्तर थारे धोरै न्ही थे, पर हम सदा थारे बारें म्ह ए सोच्चा थे, तो हमनै और भी बड़ी लालसा तै थारे ताहीं मिलण की अर देखण की कोशिश करी। 18 ज्यांतै हमनै (यानिके मुझ पौलुस नै) एक बर न्ही बल्के दो या तीन बार आण की कोशिश करी, पर शैतान हमनै रोक्के रहया। 19 भला! म्हारी आस, खुशी या बड़ाई का ताज कौण सै? वो थमे होओगे जिब यीशु बोहड़ के आवैगें? 20 म्हारी बड़ाई अर खुशी थमे सो।

3 आखिर जिब हम थारे तै दूर ना रह पाए, तो मै पौलुस अर सीलास नै यो तय करया के एर्थेस नगर म्ह एकले रह जावां। 2 अर हमनै तीमुथियुस ताहीं जो मसीह कै सुसमाचार म्ह म्हारा भाई, अर परमेसवर का सेवक सै, इस करकै भेज्या, के वो थारे ताहीं मसीह के बिश्वास म्ह मजबूत अर उत्साहित करै। 3 ताके कोए इन क्लेशां के कारण डगमगा न्ही जावै; क्यूँके थम जाणो सो, के म्हारे ताहीं परमेसवर नै इसे तरियां सताये जाण खात्तर छाट्या सै। 4 क्यूँके पैहल्या भी, जिब हम थारे साथ थे, तो थारे तै कह्या करा थे, के म्हारे ताहीं सताया जावैगा, अर इसाए होया सै, अर थम जाणो भी सो। 5 इस कारण जिब मेरै तै और न्ही रहया गया, तो थारे बिश्वास का हाल जाणण कै खात्तर मन्नै तीमुथियुस ताहीं भेज्या, मन्नै डर था, के परखण आळे शैतान नै थारे ताहीं परख्या ना हो, अर म्हारी मेहनत बेकार ना होगी हो। 6 पर इब्बे तीमुथियुस नै जो थारे धोरै तै म्हारै उरै आकै थारे बिश्वास अर प्यार का सुसमाचार सुणाया अर इस बात ताहीं भी सुणाया, के थम सारी हाण प्यार कै गेल्या म्हारै ताहीं याद करो सो, अर म्हारै देखण की चाहना राक्खो सो, जिसा हम भी थमनै देखण की। 7 हे बिश्वासी भाईयो, हम अपणी सारे दुख अर क्लेश म्ह उत्साहित सां, क्यूँके हमनै थारे बिश्वास के बारै म्ह सुण्या के

थम इब भी यीशु मसीह के बिश्वास म्ह मजबूत सों। 8 क्यूँके इब जै थम प्रभु म्ह मजबूत हो तो हम जिन्दे सां। 9 अर थारे बारै म्ह जो खुशी हमनै मिली से, उसकी बजह तै हम परमेसवर का धन्यवाद किस तरियां तै करा? 10 हम दिन-रात घणीए प्रार्थना करदे रहवां सां, के थमनै दुबारा देक्खां, अर थारे मसीह पै मजबूती तै बिश्वास करण म्ह मदद करा। 11 हम प्रार्थना करां सां, के म्हारा परमेसवर अर पिता आप ए अर म्हारा प्रभु यीशु, थारे ताहीं पोहचने म्ह म्हारी मदद करै। 12 हम प्रार्थना करां, के जिसा हम थारे तै प्यार करां सां; उस्से तरियां ए थारा प्यार भी आप्स म्ह, अर सारे माणसां कै गेल्या बधै, अर परमेसवर थारे प्यार म्ह बढ़ोतरी करदा जावै। 13 हम प्रार्थना करां सां, के वो थारे मनां नै इसा मजबूत करै, के जिब म्हारा प्रभु यीशु अपणे सारे पवित्र लोगां कै गैल बोहड़ के आवै, तो वे म्हारे परमेसवर अर पिता कै स्याम्ही पवित्रता म्ह बेकसूर ठहरै।

4 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करा सां, अर थारे तै प्रभु यीशु म्ह समझावां सां, के इसे जिओ के, परमेसवर ताहीं हम राज्जी करणा आळे बण सकां, जिसा हमनै थारे तै सिखाया सै, थम इस्से तरियां जीण लागरे थे, अर थमनै उत्साहित करां सां के और भी ज्यादा इसा करते रहों। 2 क्यूँके थमनै बेरा सै के हमनै प्रभु यीशु के हक तै थारे ताहीं कौण-कौण से आदेश दिये सै। 3 परमेसवर की मर्जी या सै के थम पवित्र बणो: अर जारी ना करो, 4 थारे म्ह तै हरेक माणस अपणी देह नै काबू करणा जाणे क्यूँके थारी देह पवित्र अर सम्मान जोगी रहवै। 5 यो काम अभिलाषा तै न्ही, ना उन जात्तां कै तरियां, जो परमेसवर नै न्ही जाणदी, 6 ताके इस बात म्ह कोए अपणे बिश्वासी भाई के विरुध्द पाप ना करै, अर ना इसा मौक्का देक्खै के वो पाप करै, क्यूँके प्रभु यीशु उसनै दण्ड देवैगा, जो इसे काम करै सै; जिसा के हमनै पैहल्याए थारे तै कह्या अर चिताया भी था। 7 क्यूँके परमेसवर नै म्हारै ताहीं अपवित्र जीवन जीण खात्तर न्ही, पर पवित्र जीवन जीण खात्तर बुलाया सै। 8 इस करकै जो इन हुकमां नै न्ही मानता, वो माणस नै न्ही, पर परमेसवर नै तुच्छ जाणै सै, जो अपणा पवित्र आत्मा थारे ताहीं देवै सै। 9 पर बिश्वासी भाई-चारे के प्यार कै बारै म्ह यो जरूरी न्ही, के मै थारे धोरै कुछ लिक्खूँ, क्यूँके आप्स म्ह प्यार राखणा थमनै आप ए परमेसवर तै सिख्या सै; 10 थमनै

पैहले ए अपणे बिश्वासी भाईयाँ के प्यार ताहीं दिखाया सै, जो हर जगहां सारे मकिदुनिया परदेस म्ह सै। पर हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करां सां, के थम और भी बढ़ते जाओ। 11 अर जिसी हमनै थारे ताहीं हुकम दिया सै, के शान्ति तै जीवन जिओ अर दुसरे माणसां की बात्तां म्ह दखल ना दो, अर अपणे-अपणे हाथ्यां तै कमाण की कोशिश करो। 12 ताके अबिश्वासी माणस देखवै, के थारा रोज का जीवन किसा सै, अर थारे बरताव नै देखके थारा आदर करै, अर अपणी जरूरत कै खात्तर थम किसे के मोहताज ना रहो। 13 हे बिश्वासी भाईयो, हम न्ही चाहन्दे के थम उनकै बारै म्ह जो मर लिये सै, अनजाण रहो; इसा ना हो के थम दुसरयां की तरियां दुख करो जिन नै आस कोनी, के वो मरकै जिन्दा होवैगा। 14 क्यूँके जै हम बिश्वास करा सां के यीशु मरया अर जिन्दा भी उठ्या, तो उस्से तरियां ए परमेसवर उननै भी जो यीशु पै बिश्वास करते होए मरै सै, उन ताहीं भी वापिस ले आवैगा। 15 क्यूँके हम प्रभु यीशु कै वचन कै मुताबिक थारे तै न्यू कहां सां के हम जो जिन्दे सां अर प्रभु कै दुबारा आण ताहीं बचे रहवांगें, तो पक्के उनतै पैहले प्रभु तै न्ही मिलैगे जो मौत की नींद सो गये सै। 16 क्यूँके प्रभु यीशु आप ए सुर्ग तै उतरैगा; अर लोग उस बखत उसकी ललकार सुणैगें, अर प्रधान दूत का बोल नै भी सुणैगें, अर सुर्गदूतां जरिये परमेसवर की तुरही फूँकी जावैगी; अर जो बिश्वासी लोग मसीह म्ह मरे सै, वे पैहल्या जी उठैगें। 17 फेर हम जो जिन्दे अर बचे होड़े सां, उनकै गेल्या बादळां पै ठा लिए जावांगें, ताके आसमान म्ह प्रभु यीशु तै मिला; अर इस तरियां तै हम हमेशा कै खात्तर प्रभु कै गेल्या रहवांगें। 18 इस तरियां इन बात्तां तै एक-दुसरे ताहीं तसल्ली दिया करो।

5 पर हे बिश्वासी भाईयो, इसकी कोए जरूरत कोनी, के हम यीशु के दोबारा आण के बखत अर काल्लां कै बारै म्ह थारे धोरै कुछ लिखां। 2 क्यूँके थम जाणो सों, के परमेसवर के आण का दिन, उस चोर की तरियां होगा, जो रात नै चोरी करण आवै सै, अर थमनै बेरा भी कोनी लागैगा के चोर कद आवैगा। 3 जब माणस कहन्दे होंगे, “राज्जी-खुशी सां, अर किमे डर कोनी,” तो उनपै चाणचक विनाश आण पड़ैगा, जिस ढाल गभवती बच्चा जनन के दुख तै बच न्ही सकदी, उस्से तरियां वो भी बच न्ही पावेंगें। 4 पर हे बिश्वासी भाईयो,

थम तो अन्धकार के काम्मां तै अनजाण न्ही सो, के प्रभु के आण का दिन थारे पै चोर की ढाळ आ पड़े। 5 क्यूँके थम सारे चाँदणे की ऊलाद अर दिन की ऊलाद सो; हम ना रात के सां, ना अन्धकार के सां। 6 ज्यांतै हम अबिश्वासी माणसां की तरियां सोन्दे ना रहवां, पर जागदे अर चौकन्ने रहवां। 7 क्यूँके जो सोवें सै, वे रात ए नै सोवें सै, अर जो मतवाले होवै सै वे रात ए नै मतवाले होवै सै। 8 पर हम जो दिन के सां, बिश्वास अर प्यार की झिलम पैहर कै अर उद्धार की आस का टोप पैहर कै होशियार रहवां। 9 क्यूँके परमेसवर नै म्हारै ताहीं छो कै खात्तर न्ही, पर ज्यांतै ठहराया सै, के हम अपणे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये उद्धार पावां। 10 वो म्हारै खात्तर इस कारण मरया, के हम चाहे जिन्दा हों, चाहे मर लिये हों, सारे मिलके उरसे कै गेल्या जिवां। 11 इस कारण एक-दुसरे ताहीं तसल्ली द्यो अर एक-दुसरे ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत करो, जिसा के थम करो भी सो। 12 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करा सां, के जो थारे म्ह मेहनत करै सै, अर प्रभु म्ह थारे अगुवें सै, अर थमनै शिक्षा देवें सै, उनका आदर करो। 13 अर उनकै काम्मां कै कारण प्यार कै गेल्या उन ताहीं घणाए आदर कै जोग्गा समझो। आप्पस म्ह मेळ-मिलाप तै रहो। 14 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करां सां के जो आलसी सै, उन ताहीं समझाओ, डरपोकां ताहीं हिम्मत द्यो, कमजोरां ताहीं सम्भाळो, सारया की ओड़ सहनशीलता दिखाओ। 15 सावधान रहों! कोए किसे तै बुराई कै बदले बुराई ना करै; पर सारी हाण भलाई करण खात्तर त्यार रहवै, आप्पस म्ह एक-दुसरे खात्तर आच्छे काम करो, अर दुसरयां खात्तर भी। 16 सारी हाण राज्जी रहो। 17 लगातार प्रार्थना म्ह लागे रहो। 18 हरेक हालात म्ह धन्यवाद करो; क्यूँके थारे खात्तर मसीह यीशु म्ह परमेसवर की याए मर्जी सै। 19 पवित्र आत्मा ताहीं माणसां के जीवन म्ह काम करण तै ना रोक्को। 20 परमेसवर के जरिये जो भविष्यवाणीयाँ माणसां ताहीं बताई गई सै उननै तुच्छ ना जाणो। 21 इन सारी बात्तां ताहीं परखो; जो आच्छी सै उसनै थाम्बे राक्खो। 22 सारी ढाळ की बुराई तै बचे रहो। 23 शान्ति देण आळा परमेसवर आप ए थमनै पूरी तरियां तै पवित्र करै; अर थारी आत्मा अर प्राण अर देह म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै बोहड़ण ताहीं पूरे-पूरे अर बेकसूर सुरक्षित रहवें। 24 थारा बुलाण आळा साच्चा सै, अर वो

इसाए करेगा। 25 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारे खात्तर प्रार्थना करो। 26 आप्पस
म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै मसीह के प्यार म्ह नमस्कार करो। 27 मै थारे
ताहीं प्रभु की हुकम देऊँ सूँ के या चिट्ठी सारे बिश्वासी भाईयाँ नै पढ़कै सुणाई
जावै। 28 म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै।

2 थिस्सलुनीकियों

1 या चिट्ठी हम पौलुस, सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनीकियों नगर की कलीसिया के बिश्वासियाँ तार्हीं लिखां सां, जो म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के सै। **2** म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। **3** हे बिश्वासी भाईयो, थारे बारै म्ह हमनै हरेक बखत परमेसवर का धन्यवाद करणा चाहिये, अर यो सही भी सै ज्यांतै के थारा बिश्वास यीशु मसीह म्ह घणा बढ़दा जावै सै, अर थारा एक-दुसरे के खात्तर आप्पस म्ह प्यार घणाए बढ़ता जावै। **4** इस करकै हम परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ के बारै म्ह गर्व करा सां, के जितने थम इम्तिहान अर मुसीबतां तै गुजरो सों, थम उननै धीरज तै सहण लागरे सों, अर थम फेर भी यीशु मसीह पै बिश्वास राक्खों सों। **5** अर परमेसवर इन दुखां का इस्तमाल अपणे न्याय तार्हीं दिखाण अर थारे तार्हीं अपणे राज्य के लायक बणाण खात्तर करैगा, जिस खात्तर थम दुख भी ठाओ सो। **6** क्यूँके परमेसवर हमेशा सही न्याय करै सै, ताके जो थमनै दुख देवें सै, उननै बदले म्ह वो दुख देवै। **7** अर थमनै वो इस दुख तै राहत देवैगा, जो थम इब उठाण लागरे सों, अर म्हारे तार्हीं भी राहत दे, यो उस बखत होगा जिब प्रभु यीशु अपणे सामर्थी सुर्गदूतां कै गैल, धधकती होई आग म्ह सुर्ग तै आवैगा। **8** अर जो परमेसवर नै न्ही पिच्छाणदे, अर जो म्हारे प्रभु यीशु के बारें म्ह सुसमाचार तार्हीं न्ही मानते उनतै वो बदला लेवैगा। **9** वे परमेसवर तै हमेशा खात्तर अलग हो जावेंगे अर उसकी महिमामय शक्ति म्ह शामिल न्ही हो पावेंगे अर वे अनन्त विनाश का दण्ड पावेंगे। (aiōnios g166) **10** यो उस दिन होवैगा, जिब प्रभु यीशु मसीह बोहड़कै आवैगा, ताके वो उन माणसां तै महिमा पावै जो उसके कहलावै सै, उन माणसां तै सम्मानित करया जावैगा जो उसपै बिश्वास करै सै, अर उस दिन थम भी उनकी तारीफ करण आळा म्ह तै एक होओगे, क्यूँके थमनै उसपै बिश्वास करा, जो हमनै थारे तार्हीं बताया। **11** ज्यांतै हम सारी हाण थारे बारै म्ह प्रार्थना भी करा सां, के म्हारा परमेसवर थारे तार्हीं इसा करण म्ह काबिल बणावैगा, जिसकै खात्तर उसनै म्हारे तार्हीं बुलाया सै, अर वो थारी हरेक भली इच्छा नै सामर्थी रूप तै पूरा करै, अर हर उस काम नै पूरा करा जो थम बिश्वास तै करो सों। **12** इस

तरियां म्हारे प्रभु यीशु मसीह का नाम थारे जरिये महिमा पावैगा, यो सब कुछ म्हारे परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह तै होवैगा।

2 हे विश्वासी भाईयो, इब हम अपणे प्रभु यीशु मसीह कै बोहड़ण, अर जिब हम कठे होकै उसतै मिलारें तो उस दिन कै बारें म्ह थारे ताहीं बताणा चाहूँ सूँ। 2 थम किसे भविष्यवाणी या किसे उपदेश या किसे चिट्ठी नै म्हारी ओड़ तै लिखी होई मानकै चाणचक बोखळा ना जाइयो, अर ना ए अपणे-आप म्ह घबराईयो के परमेसवर का दिन पैहले ए आ लिया सै। 3 किसे ढाळ तै भी किसे कै धोक्खे म्ह ना आइयो, क्यूँके प्रभु यीशु के आण तै पैहले इसा बखत आवैगा, जिब भोत सारे लोग परमेसवर के बिरोधी हो जावेंगे, अर वो अधर्मी माणस यानिके विनाश का बेट्टा दिखाई देवैगा, जिस ताहीं परमेसवर सदा खात्तर खतम कर देवैगा। 4 वो अधर्मी माणस परमेसवर अर उन दुसरी चिज्जां का बिरोध करैगा। जिनकी लोग भगति करै, वो दावा करैगा के वो उनतै भी घणा बड़ा सै, उरै ताहीं के वो परमेसवर के मन्दर म्ह बैठकै अपणे-आप ताहीं ईश्वर बतावैगा। 5 के थमनै याद कोनी के जिब मै थारे धोरै था, तो थारे तै ये बात कह्या करूँ था? 6 वो जो अधर्मी माणस इब ताहीं दिख्या न्ही सै, क्यूँके इसा कुछ तो सै जिसनै उस ताहीं रोक राख्या सै, पक्का थम जाणो सों, के वो के सै। इस करकै जिब परमेसवर का बखत आवैगा तो वो अधर्मी माणस दिख जावैगा। 7 अर उस अधर्मी माणस की शक्ति पैहले तै गुप्त रूप तै इस दुनिया म्ह काम करण लागरी सै, पर वो सै जो उस शक्ति नै रोककण लागरया सै, अर जिब ताहीं वो दूर ना हो जावै तब तक वो इस ताहीं रोकणा जारी राखैगा। 8 फेर वो अधर्मी माणस दिख जावैगा, पर बाद म्ह जिब प्रभु यीशु आवैगा तो वो अपणे मुँह की फूँक तै अधर्मी माणस ताहीं मार देवैगा, अर अपणे आगमन के तेज तै भस्म करैगा। 9 वो अधर्मी माणस शैतान की शक्ति गैल आवैगा, वो सारे ढाळ के झूठे चमत्कार, अर अचम्भे के काम करैगा, जो हमनै यो सोचवण कै खात्तर मजबूर करैगा के योए परमेसवर सै जो इननै करण लागरया सै। 10 वो सारी ढाळ के बुरे तरिककें अपणावैगा उन माणसां खात्तर जो अनन्त विनाश के राह की ओड़ जावै सै, क्यूँके उननै सच्चाई पै विश्वास कोनी करया जिसतै उनका उद्धार हों सकै सै। 11 इस्से कारण परमेसवर उन माणसां म्ह एक भटकाण आळी शक्ति नै भेज्जै सै, जो

उन तार्हीं सच्चाई तै दूर ले जावैगी, ताके वे झूठ पै बिश्वास करै। 12 परमेसवर उन सब का न्याय करैगा जिननै सच्चे सन्देश (यीशु मसीह के बारें म्ह) बिश्वास कोनी करया, अर जिननै अधर्म के काम्मां तै प्यार करया। 13 हे बिश्वासी भाईयो, उरै थारे खात्तर परमेसवर कै स्याम्ही म्हारा हमेशा धन्यवाद देणा सही सै, थम प्रभु के प्यारे सों, क्यूँके परमेसवर नै थारे तार्हीं दुनिया की शरुआत तै ए उद्धार कै खात्तर चुण लिया सै। ताके वो थमनै पवित्र आत्मा के काम के जरिये पवित्र बणावै, अर यीशु मसीह के सच्चे सुसमाचार पै बिश्वास करण के जरिये थमनै बचाले। 14 म्हारे सुसमाचार के जरिये उसनै थारे तार्हीं बचाण खात्तर बुलाया सै, ताके थम उसकी महिमा म्ह हिस्सा ले सको, जो परमेसवर नै म्हारे प्रभु यीशु मसीह तार्हीं दी सै। 15 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, मजबूत रहो, अर जो-जो शिक्षा थमनै चाहे वचन या चिट्ठी कै जरिये म्हारै जरिये सीक्खी सै, उननै थाम्बे राक्खो। 16 हम प्रार्थना करां सां के खुद म्हारा प्रभु यीशु मसीह, अर म्हारा पिता परमेसवर, जिसनै म्हारै तै प्यार करया अर अनुग्रह तै अनन्त शान्ति अर घणी बढ़िया उम्मीद देई सै, (aiōnios g166) 17 थारे मनां म्ह शान्ति दे अर थमनै हरेक आच्छे काम अर वचन म्ह मजबूत करै।

3 इस करकै, हे बिश्वासी भाईयो, म्हारै खात्तर प्रार्थना करया करो के प्रभु के बारें म्ह सन्देश भोत तावळा दुसरी जगहां म्ह भी सुणाया जा सकै, अर लोग उसपै बिश्वास करैगें जिसा थम बिश्वास करो सों। 2 या भी प्रार्थना करया करो के परमेसवर हमनै बैरी अर बुरे माणसां के जरिये दिए जाण आळे नुकसान तै भी बचावै, क्यूँके भोत-से लोग सुसमाचार पै बिश्वास कोनी करते। 3 पर प्रभु भरोस्सेमंद सै, वो थमनै अन्दरूनी रूप तै मजबूत करैगा अर उसकी रक्षा करैगा, ताके बुराई, शैतान थमनै नुकसान ना पंहुचा सकै। 4 हमनै प्रभु म्ह थारे उप्पर भरोस्सा सै हमनै जो कुछ थारे तार्हीं करण खात्तर कह्या सै थम उसाए करण लागरे सों अर करते भी रहोगे। 5 हम प्रार्थना करा सां के प्रभु यीशु थमनै यो समझण कै काबिल बणावै के परमेसवर थमनै कितना प्यार करै सै, अर धीरज राखणा सिखावै जिसा मसीह राक्खै सै। 6 हे बिश्वासी भाईयो, प्रभु यीशु मसीह नै जो हक म्हारे तार्हीं दिया सै, उसके कारण हम थमनै हुक्म देवां सां, के थम हरेक इसे बिश्वासी भाई तै न्यारे रहो

जो कोए काम न्ही करदा, अर जो शिक्षा उसनै म्हारै तै पाई उसकै मुताबिक न्ही करदा। 7 क्यूँके थम सारे अपणे-आपनै आच्छी तरियां जाणो सों, के थमनै उस्से तरियां जीणा चाहिए जिस तरियां हम जिवां सां, क्यूँके जिब हम थारे बिचाळै रहण लागरे थे, तो हम आलसी कोनी थे। 8 अर किसे की रोटी मुफ्त म्ह कोनी खाई, मेहनत अर कष्ट तै दिन-रात काम-धन्धा करा थे, ताके हम अपणी जरूरतां खात्तर थारे भरोस्से ना रह्वां। 9 हालाकि थारे तै आर्थिक मदद पाण का म्हारा हक बणै सै, फेर भी हम कड़ी मेहनत करा सां, पर ज्यांतै के अपणे-आप ताहीं थारे खात्तर आच्छा नमूना बणावां ताके थम भी म्हारै जिसा जीवन जिओ। 10 क्यूँके जिब हम थारे धोरै थे, तब भी योए कहा करे थे, के जै कोए काम करणा ना चाहवै तो उसका खाण का भी हक कोनी। 11 हम सुणां सां के कुछ माणस थारे बिचाळै सुस्त सै अर वे कोए काम न्ही करदे, पर दुसरयां कै काम म्ह रुकावट करै सै, अर उन ताहीं भी काम करण तै रोककै सै। 12 प्रभु यीशु मसीह नै म्हारे ताहीं हक दिया सै, अर हम थमनै भी समझावां सां, के चुपचाप काम करकै अपणी ए कमाई तै रोटी खाया कर। 13 पर हे विश्वासी भाईयो, थम खुद वो काम करण तै पाच्छै ना हटियो, जो सही अर भले सै। 14 जै कोए म्हारी इस चिट्ठी म्ह दी गई हिदायत नै कोनी मान्ने तो सब जाण ल्यो के वो कौण सै, अर उसकी संगति ना करो, जिसतै वो शर्मिन्दा होवै। 15 तोभी उस ताहीं दुश्मन मतना समझो, पर विश्वासी भाई जाणकै समझाओ। 16 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के प्रभु जो शान्ति का चोवा सै आप ए थारे ताहीं सारी हाण अर हरेक तरियां तै शान्ति देवै। प्रभु थम सारया के साथ रहवै। 17 मै, पौलुस, अपणे हाथ तै नमस्कार लिक्खूँ सूँ। इस्से तरियां तै मै अपणी सारी चिट्ठियाँ के अन्त म्ह न्यूए लिक्खूँ सूँ, ताके थम जाण ल्यो के ये मेरी ओड़ तै सै। 18 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थम सारया पै होंदा रहवै।

1 तीमुथियुस

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, अर परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै, अर यीशु मसीह जो म्हारी आस सै, उसनै मेरे ताहीं प्रेरित होण खात्तर बुलाया सै। **2** मै या चिट्ठी तीमुथियुस नै लिखूँ सूँ, मसीह पै बिश्वास करण के नाते तू मेरे आत्मिक बेटे की तरियां सै, मै प्रार्थना करूँ सूँ, के पिता परमेसवर, अर म्हारे प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै। **3** जिसा के तू तीमुथियुस जाणै सै, इफिसुस नगर म्ह कई माणस सै जो झूठी शिक्षा देवै सै, वे माणसां ताहीं लगातार झूठी कहाणियाँ अर पूर्वजां की लम्बी वंशावलियाँ नै सिखावै सै, जिसा के मन्नै मकिदुनिया जान्दे बखत तेरे तै कह्या था, के इफिसुस नगर म्ह रहकै उन ताहीं कह के इसी शिक्षा ना देवै, जिब वे इसी शिक्षा देवै सै, तो माणसां म्ह विवाद पैदा होवै सै, इसका नतिज्जा यो सै के ये शिक्षक परमेसवर का काम न्ही करते जो परमेसवर नै उन ताहीं दिया सै, यो तो सिर्फ मसीह पै बिश्वास करण के जरिये करया जा सकै सै। **5** योए म्हारे हुकम का मकसद सै, के थम सच्चे मन, शुद्ध अन्तरात्मा अर सच्चे बिश्वास तै एक-दुसरे कै गेल्या बिना कपट के प्यार करो। **6** झूठे शिक्षकां नै इन सारी चिज्जां ताहीं छोड़ दिया सै, अर सिर्फ बेकार की चिज्जां पै बातचीत करै सै। **7** अर वकील तो बणणा चाहवै सै, पर जो बात कहवै अर जिन ताहीं मजबूती तै बोल्लै सै, उन ताहीं समझदे भी कोनी। **8** हम जाणा सां के मूसा के नियम-कायदा नै जै सही तरिककें तै सिखावै तो वो भला सै। **9** हम यो जाणा सां, के मूसा नबी के नियम-कायदे धर्मी माणस कै खात्तर कोनी, पर उन माणसां खात्तर सै जो परमेसवर के नियम-कायदा नै अणदेखा करै सै, अर उन ताहीं मानते कोनी, अर उन माणसां खात्तर जो परमेसवर की आराधना कोनी करते, अर जो सारी हाण पाप करते रहवै सै, जो माणस दुष्ट सै, अर परमेसवर का आदर कोनी करते, अर जो अपणे माँ-बाप नै, अर दुसरयां नै मार देवै सै। **10** जारी करणीये, माणसां गैल कुकर्म करणीये, माणस नै बेचण आळे, झूठ बोल्लण आळे, झूठी कसम खाण आळे, अर इनकै अलावा खरे उपदेश के सारे बिरोधियाँ कै खात्तर बणाई गई सै। **11** या सही शिक्षा उस सुसमाचार पै आधारित सै, जो के धन्य परमेसवर की महिमा के बारे म्ह सै, जिसकी मेरे

ताहीं प्रचार करण की जिम्मेदारी दी गई सै। 12 मै अपने प्रभु मसीह यीशु का जिसनै मेरे ताहीं सामर्थ दी सै, धन्यवाद करूँ सूँ, के उसनै मेरे ताहीं बिश्वास जोग्गा समझके अपनी सेवा के खात्तर चुण्या। 13 बिश्वास करण तै पैहले, मै बुराई करण आळा, सताण आळा, अर अन्धेर करण आळा था, तोभी मेरे पै दया होई, क्यूँके यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले मन्नै अबिश्वास अर बिना सोच्चे-समझे ये काम करे थे। 14 अर परमेसवर का अनुग्रह मेरे पै भोत-ए घणा होया, उसनै मेरे ताहीं बिश्वास अर प्यार दिया, क्यूँके मै मसीह यीशु म्ह सूँ। 15 या बात साच्ची अर हरेक तरियां तै मानण जोग्गी सै, के मसीह यीशु पापियाँ का उद्धार करण खात्तर दुनिया म्ह आया, जिन म्ह सारया तै बड़ड़ा पापी मै सूँ। 16 परमेसवर नै अपनी दया मेरे पै दिखाई, उसनै यो इस कारण करया ताके मुझ माणस के जरिये, जिसनै दुसरे माणसां तै ज्यादा बुरे काम करे सै, मसीह यीशु दिखा सके सै, के वो मेरे खात्तर कितना धीरज राक्खै सै, या उन माणसां खात्तर एक मिसाल सै जो बाद म्ह उसपै बिश्वास करैगें, अर वे अनन्त जीवन पावैगें। (aiōnios g166) 17 इब राजा जो सदा खात्तर जिन्दा सै, उस अविनाशी, अनदेक्खे, एकमात्र परमेसवर का आदर अर उसकी महिमा युगानुयुग होंदी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 18 हे बेट्टे तीमुथियुस, मै यो हुकम सौँपू सूँ, जो उन भविष्यवाणीयाँ के मुताबिक सै, जो पैहल्या तेरे बारै म्ह करी गई थी, उनके मुताबिक एक सिपाही की तरियां आच्छी लड़ाई नै लड़ता रह। 19 थम मसीह पै लगातार बिश्वास करते रहो, ताके थारी अन्तरात्मा साफ रहवै, कई माणसां नै अपनी साफ अन्तरात्मा ताहीं त्याग दिया सै, अर उनकी मसीह पै बिश्वास करण की काबलियत भी खतम होगी सै, अर इब वे बिश्वास भी कोनी करते। 20 उन म्ह हुमिनयुस अर सिकन्दर भी शामिल सै, जिन ताहीं मन्नै शैतान की बुरी शक्तियाँ के हाथ सौँप दिया सै, ताके वे परमेसवर की बुराई करणा छोड़ दे।

2 इब मै सारया तै पैहल्या यो आग्रह करूँ सूँ, के बिनती, प्रार्थना, निवेदन, अर धन्यवाद सारे माणसां के खात्तर करे जावै। 2 राजयां अर सारे ऊँच्चे ओद्या आळा के खात्तर ज्यांतै ताके वो हमनै आराम अर चैन के गेल्या सारी भगति अर गम्भीरता तै जीवन बिताण देवै। 3 इसी प्रार्थना सही सै अर म्हारै परमेसवर उद्धारकर्ता नै आच्छी लाग्गै सै। 4 वो चाहवै सै के हरेक इन्सान

सच्चाई के ज्ञान नै समझ ले अर वे बच जावै। 5 क्यूँके परमेसवर एके सै, अर परमेसवर अर माणसां कै बीच म्ह भी एक ए बिचोल्ला सै, जो मसीह यीशु सै, जो मानव रूप धारण करके आया। 6 मसीह नै अपणे-आप ताहीं बलिदान कर दिया, ताके लोगां नै पाप अर मौत की शक्ति तै आजाद करै। मसीह की मौत के जरिये, परमेसवर नै यो सबूत दिया के सही बखत पै सब लोग बच जावै। 7 इस कारण तै परमेसवर नै मेरे ताहीं सुसमाचार का प्रचारक अर प्रेरित चुण्या सै, उसनै मेरे ताहीं गैर यहूदियाँ ताहीं बिश्वास अर सच्चाई का सन्देश सुणाण आळा बणाया सै, मै झूठ न्ही बोल्दा, सच कहूँ सूँ। 8 ज्यांतै मै चाहूँ सूँ के हरेक जगहां सभाओं म्ह माणस जो पवित्र जिन्दगी जीवै सै, वे हाथ्यां नै ठाकै बिना छो अर विवाद के परमेसवर तै प्रार्थना करै। 9 इस्से तरियां मै चाहूँ सूँ के मसीह बिरबानियाँ नै भी सही तरियां के लत्ते पैहरणे चाहिए, जो के सादे हो, ना के भड़कीले। ना के खूबसूरती तै बाळ गूँथणा, ना सोन्ने, मोतियाँ अर घणे महँगे लत्यां तै अपणे-आपनै सवारणा। 10 पर इसके बजाए वो लोगां की भलाई करै, जो उननै खूबसूरत बणावै सै, क्यूँके परमेसवर की भगति करण आळी बिरबानियाँ कै खात्तर योए सही सै। 11 जिब कोए, बिश्वासियाँ ताहीं सिखाण लागरया हो तो, बिरबानियाँ नै चुपचाप रहकै पूरी शान्ति तै सिखणा चाहिये। 12 मै बिरबानियाँ ताहीं मर्दा नै सिखाण या उसपै हावी होण की इजाजत कोनी देंदा, जिब थम आराधना म्ह मिलो हो, तो बिरबानियाँ नै चुप रहणा चाहिए। 13 मै इस करके कहूँ सूँ, क्यूँके पैहल्या आदम, उसकै पाछै हव्वा बणाई गई। 14 आदम साँप के जरिये भकाया न्ही गया, पर बिरबान्नी भकाई म्ह आकै कसूरवार होई। 15 तोभी बिरबान्नी बाळक पैदा करण कै जरिये उद्धार पावैगीं, जै वा मसीह पै बिश्वास करै, दुसरे तै प्यार, अर पवित्र अर सही बरताव करै।

3 या बात सच्ची सै, के जो कलीसिया का अगुवां बणणा चाहवै सै, तो वो भले काम की चाह करै सै। 2 यो जरूरी सै के अगुवां नै बेकसूर, अर एक ए बिरबान्नी का धर्णी, संयमी, सुशील, सभ्य, मेहमान का आदर-सत्कार करणीया, अर सिखाण म्ह सही होणा चाहिए। 3 दारूबाज या मारपीट करण आळा ना हो, बल्के नरम हो, अर ना रोळा करण आळा, अर ना धन का लोभभी हो। 4 अपणे घर का सही इन्तजाम करण आळा हो, अर उसनै

अपणे बाळ-बच्यां ताहीं हरेक काम म्ह आदरपूर्वक उनका कहणा मानना सिखाणा चाहिए। 5 जिब कोए अपणे घर का ए इन्तजाम करणा ना जाणदा हो, तो परमेसवर की कलीसिया की रुखाळी किस ढाळ करेगा? 6 वो नया बिश्वासी ना हो, इसा ना हो के घमण्ड करके शैतान की तरियां सजा भुगतै। 7 अर कलीसिया के बाहर के माणसां म्ह भी वो सम्मान लायक हो, ताके वो बदनामी अर शैतान कै फंदे म्ह ना फँस जावै। 8 उस्से तरियां ए कलीसिया के सेवकां नै भी गम्भीर होणा चाहिये, दोगली बात करण आळा, दारूबाज अर नीच कमाई का लोभभी ना हो। 9 उनकै धोरै साफ अन्तरात्मा हो, क्यूँके वे मानते रहवेंगे, के परमेसवर नै जो शिक्षाएँ जाहिर करी वे सच सै। 10 अर ये इन सारी बाततां म्ह पैहले परखे जावै, फेर जै बेकसूर लिकड़ै तो सेवक का काम करै। 11 इस्से तरियां तै बिरबानियाँ नै भी गम्भीर होणा चाहिये, दोष लाण आळी ना हों, पर सचेत अर सारी बाततां म्ह बिश्वास जोग्गी हों। 12 कलीसिया का सेवक एक ए बिरबान्नी का धणी हों अर बाळ-बच्यां अर अपणे घरां का आच्छा इन्तजाम करणा जाणदे हों। 13 क्यूँके जो कलीसिया के सेवक का काम आच्छी ढाळ तै कर सकै सै, वो माणसां म्ह सम्मान लायक होगा, पर मसीह यीशु म्ह अपणे बिश्वास के बारे म्ह वो बड़ी दिलेरी तै बोल्लण आळा हो। 14 मै तेरे धोरै तावळा आण की आस करते होए भी, ये बात तेरे तै ज्यांतै लिक्खूँ सूं, 15 ताके जै मेरै ओड़ै आण म्ह देर हो भी जावै, तो मै चाहूँ सूं, थम इस बात नै जाण ल्यो, के परमेसवर का परिवार जो के एक कलीसिया सै, उस म्ह हमनै एक-दुसरे तै किसा बरताव करणा चाहिए। जिन्दे परमेसवर की कलीसिया के माणस सच्चाई की शिक्षा की नीम अर खम्भे की तरियां सै। 16 हम दावे के साथ कह सका सां, के परमेसवर नै जो शिक्षाएँ जाहिर करी सै, वो पूरी तरियां तै सच सै, यानी, वो जो देह म्ह जाहिर होया, वो पवित्र आत्मा के जरिये परमेसवर का बेट्टा साबित होया, अर उस ताहीं सुर्गदूतां नै देख्या, दुनिया के माणसां नै उसपै बिश्वास करया, दुसरी जात्तां म्ह उसका प्रचार होया, अर महिमा म्ह उप्पर ठाया गया।

4 पर पवित्र आत्मा साफ तौर पै कहवै सै, के अन्त के दिनां म्ह कुछ लोग मसीह शिक्षा ताहीं मानना छोड़ देवेंगे, वो ओपरी आत्मायाँ ताहीं अपणा लेवेंगे जो उन ताहीं भटका देवैगी, अर वो उस झूठी शिक्षा पै मन लगावेंगे जो

ओपरी आत्मा की ओड़ तै सै। 2 वे पाखण्डी झूठे लोग सै जो झूठी शिक्षा सिखावै सै, उनकी अन्तरात्मा, जो सही या गलत के बीच का फैसला करै सै, वा मर चुकी सै, जिस तरियां के एक गरम लोहे नै अन्तरात्मा ताहीं जळा दिया हो। 3 ये झूठे लोग सिखावै सै, के ब्याह करणा अर कई चीज जो खाण-पीण की सै, वे गलत सै, पर परमेसवर नै इन खाण-पीण की चिज्जां ताहीं बिश्वासियाँ खात्तर बणाया सै, जो सच्ची शिक्षा नै जाणै सै के परमेसवर की बणाई हरेक चीज आच्छी सै, कोए भी चीज नकारन की कोनी, जै उस ताहीं धन्यवाद देकै खावै। 5 क्यूँके परमेसवर के वचन अर प्रार्थना कै जरिये सब कबूल हो जावै सै। 6 जै तू लगातार बिश्वासी भाई-भाणा नै याद दुआन्दा रहवै, के जो मन्नै निर्देश दिए सै, अर तू जो बिश्वास अर आच्छे शिक्षा के सन्देस के जरिये मजबूत बणाया गया सै, जिसका तन्नै पालन करया सै, तो तू यीशु मसीह का एक आच्छा सेवक सै। 7 सांसारिक अर मनघडन्त कहाँनियाँ तै दूर रहों, अर थम अपने-आपनै ईश्वरीय जीवन जीण खात्तर अनुशासित कर ल्यो। 8 क्यूँके देह की कसरत तै माड़ा सा फायदा होवै सै, पर भगति सारी बाततां कै खात्तर फैयदेमन्द सै, क्यूँके यो इस धरती पै जिन्दा रहन्दे होए अर मरण कै बाद भी एक ईनाम का वादा सै। 9 या बात सच्ची अर हरेक ढाळ तै मानण जोगी सै। 10 क्यूँके हम मेहनत अर कोशिश इस्से खात्तर करा सां के म्हारी आस उस जिन्दे परमेसवर पै सै, जो सारे माणसां अर खास करके अपने बिश्वासियाँ का उद्धार करणीया सै। 11 बिश्वासियाँ नै ये बात करणा अर उननै मानना सीखा। 12 छोट्टी उम्र के कारण कोए तन्नै तुच्छ ना समझै पर वचन, अर चाल-चलण, अर प्यार, अर बिश्वास, अर पवित्रता म्ह बिश्वासियाँ कै खात्तर बढ़िया नमूना बण जा। 13 जिब ताहीं मै न्ही जाऊँ, जिब तक बखत लिकाड़कै पवित्र ग्रन्थ बिश्वासियाँ ताहीं पढ़कै सुणा, अर उन ताहीं उत्साहित अर वचन सिखाण म्ह लगया रह। 14 उस आत्मिक वरदान कै बारै म्ह, जो तेरे म्ह सै, अर भविष्यवाणी कै जरिये कलीसिया के अगुवां के हाथ धरदे बखत तन्नै मिल्या था, निश्चिन्त मतना रह। 15 इन बाततां नै सोचदा रह अर इन्नै म्ह अपना ध्यान लाये रह, ताके तेरी बढ़ोतरी सारया पै दिख जावै। 16 यो ध्यान राक्खों के थम किस तरियां जिन्दगी जिओ सों, अर के सिखाओ सों। इन बाततां पै स्थिर रह, क्यूँके इसा

करदा रहवैगा तो तू अपणे अर अपणे सुणण आळा कै खात्तर भी उद्धार का कारण होगा।

5 किसे बूढ़े तारीं छो म्ह ना धमका, पर उस तारीं अपणा बाप जाणकै समझा दे, अर जवानां नै अपणा भाई जाणकै समझा दे। 2 बूढ़ी बिरबानियाँ नै माँ जाणकै, अर जवान बिरबानियाँ नै पूरी पवित्रता तै भाण मानकै समझा दे। 3 उन बिधवा बिरबानियाँ का, जिनकी देखभाळ करणीया कोए कोनी उनका आदर कर। 4 जै किसे बिधवा के बाळक या नात्ती-पोत्ते हों, तो वे सब तै पैहल्या अपणे ए कुण्बे कै प्रति अपणे फर्ज नै पूरा करकै परमेसवर का भगत बणणा सीखै, अर अपणे माँ-बाप के उपकारां का फळ दे, क्यूँके यो परमेसवर नै भावै सै। 5 जो सच म्ह ए बिधवा सै, अर उसका मदद करण आळा कोए न्ही, वा परमेसवर पै आस राक्खै सै, अर दिन-रात बिनती अर प्रार्थना म्ह लागी रहवै सै। 6 पर जो बिधवा भोगविलास म्ह पड़गी, वा जिन्दे जी मरगी सै। 7 इन बाततां का भी हुकम दिया कर ताके कोए उनपै दोष ना लगा सकै। 8 पर जै कोए अपणे रिशतेदारां की अर खास करकै अपणे कुण्बे की फिक्र ना करै, तो वो बिश्वास तै मुकर गया सै अर अबिश्वासी तै भी बुरा बण गया सै। 9 उस्से बिधवा का नाम लिख्या जावै जो साठ साल तै उप्पर की हो, अर जो एके धणी की बिश्वास लायक रही हों। 10 अर भले काम म्ह आच्छी नाम्मी रही हो, जिसनै बाळकां का पालन-पोषण, मेहमानां की सेवा, परमेसवर के माणसां की सेवा, दुखियाँ की मदद करी हो, अर हरेक भले काम म्ह मन लगाया हो। 11 पर जवान बिधवा बिरबानियाँ कै नाम ना लिखिए, क्यूँके जब उनकी शारीरिक अभिलाषा मसीह की सेवा करण तै बढ़कै हो जावै सै, तो वा ब्याह करणा चाहवै सै। 12 दुबारै ब्याह करकै, वे खुद कसूरवार बणैगी, क्यूँके उननै अपणे पैहल्डे वादे तारीं जो के ब्याह ना करण का था, उस तारीं तोड़ दिया सै। 13 इसकै गेल्या ए गेल्या वे घर-घर हाँड कै आलसी होणा सिक्खै सै, अर सिर्फ आलसी न्ही पर बकबक कर दी रहै सै, अर दुसरयां कै काम म्ह भी दखल देती रहवै सै, अर चुगली कर दी रहवै सै। 14 ज्यांतै मै न्यू चाहूँ सूँ के जवान बिधवां ब्याह करै, अर बाळक जामै अर घर-बार सम्भाळै, अर किसे बिरोधी नै बदनाम करण का मौक्का ना देवै। 15 मै इस करकै कहूँ सूँ, के उन म्ह तै कईयाँ नै प्रभु का

कहणा मानना छोड़ दिया सै, अर शैतान कै पाच्छै चालणा शरु कर दिया सै। 16 जै किसे बिश्वासी परिवार म्ह कोए बिधवां हों, तो वैए उनकी मदद करै के कलीसिया पै बोझ ना हो, ताके कलीसिया उनकी मदद कर सकै जो साच्चए बिधवां सै। 17 कोए भी कलीसिया का अगुवां जो अपणा काम आच्छी तरियां करै सै उस ताहीं बड़ा सम्मान अर पर्याप्त वेतन पाण के लायक मान्या जाणा चाहिए, खासकर जो लोग परमेसवर के सन्देश नै पढ़ाण अर प्रचार करण म्ह कड़ी मेहनत करै सै। 18 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “नाज लिकाड़ण आळे बळध का मुँह ना बाँधिजे,” क्यूँके “मजदूर अपणी मजदूरी का हकदार सै।” 19 किसे भी कलीसिया के अगुवै के बिरुध्द दो या तीन गवाह के बिना कोए भी उसनै दोषी ना मान्नो। 20 पाप करण आळा नै सारया कै स्याम्ही समझा दे, ताके बाक्की के बिश्वासी भी डरै। 21 परमेसवर, अर मसीह यीशु अर छॉटे होड़ सुर्गदूतां नै मौजूद जाणकै मै तन्नै हुकम देऊँ सूँ, के बिना भेदभाव के तू इन हुकमां नै पूरा कर, अर सब कै गैल एक जिसा बरताव कर। 22 किसे ताहीं जल्दबाजी म्ह अगुवां ना बणाईये, अर जै तू इसा करै सै, तो उसका जिम्मेदार भी तू खुद होवैगा, तू यो तय करकै मै कोए पाप न्ही करूँगा। 23 आण आळे बखत म्ह सिर्फ पाणी ए का पीण आळा ना रह, पर अपणे पेट के अर अपणे बार-बार बीमार होण के कारण माड़ा-माड़ा अंगूर का रस भी काम म्ह ल्याया कर। 24 मै कहुँ सूँ, के किसे ताहीं जल्दबाजी म्ह अगुवां ना बणाईये, क्यूँके कई लोग सब कै स्याम्ही पाप करै सै, इसतै पैहले के उनका न्याय हो, बिश्वासियाँ कै स्याम्ही वे पापी बण चुके सै, दुसरे माणसां के पाप दिखाई न्ही देन्दे, पर पाच्छै नजर आवै सै। 25 उस्से तरियां तै जिब माणस आच्छे काम करै सै तो दुसरे माणस उसके काममां नै देक्खै सै, अर जै इब न्ही दिखदे तो बाद म्ह वे दिख जावै सै।

6 जितने बिश्वासी गुलाम सै, वे अपणे-अपणे माल्लिक का आदर करै, ताके दुसरे लोग परमेसवर की अर म्हारी शिक्षा की बुराई ना करै। 2 जिनके माल्लिक बिश्वासी सै, वे अपणे माल्लिकां का अपमान ना करै, यो जाणकै के इब तो वे उनके बिश्वासी भाई सै, बल्के वे उनकी सेवा और भी ज्यादा मन तै करै, क्यूँके वे जो सेवा तै फायदा ठाण लागरे सै, अर उननै वे मसीह म्ह

अपणे भाईयाँ की तरियां प्यार करै, इन बाततां का उपदेश देंदा रह, अर उन ताहीं मानण खात्तर भी उत्साहित करदा रह। 3 जै कोए झूठी शिक्षा देवै सै अर खरी शिक्षा नै न्ही मानता, यानिके म्हारै प्रभु यीशु मसीह की शिक्षा अर हुकम नै जिसतै परमेसवर नै महिमा मिलै सै। 4 तो वो घमण्डी सै, अर किमे न्ही जाण्दा, बल्के इसा माणस फालतू के मुद्दे अर शब्दां के बारै म्ह बहस करणा चाहवै सै, जिसतै जळण, अर झगड़े, अर बुराई की बात, भुन्डे-भुन्डे शक, 5 अर उन माणसां म्ह बेकार रगड़े-झगड़े पैदा होवै सै, जिनकी अकल खराब हो जा सै, अर वे सच तै दूर हो गये सै, जो समझै सै, के परमेसवर की सेवा करणा कमाई का साधन सै। 6 पर यो म्हारे खात्तर भला सै, के हम वो करा जिसतै परमेसवर खुश होवै सै, अर उरसे म्ह सबर करा जो वो म्हारे ताहीं देवै सै। 7 क्यूँके ना हम दुनिया म्ह किमे ल्याए सां, अर ना किमे लेके जा सकां सां। 8 जै म्हारै धोरै खाण अर पैहरण नै हो, तो इन्नै म्ह सबर करणा चाहिये। 9 पर जो साहूकार होणा चाहवै सै, वे हर तरियां के पाप करण के जरिये धोक्खे म्ह पड़े सै, वे एक जानवर की तरियां जाळ म्ह फँस जावै सै, वे उन चिज्जां नै करणा चाहवै सै जो उनकै खात्तर बेकूफी अर खतरनाक सै अर येए इच्छा उनके नाश का कारण बण जावै सै। 10 क्यूँके रपियाँ का लोभ सारे ढाळ की बुराई की जड़ सै, जिसनै पाण की कोशिश करदे होए घणखरयां नै मसीह की शिक्षा पै बिश्वास करणा बन्द कर दिया सै, क्यूँके वे भोत पर्ईसा चाहवै थे, अर उननै अपणे-आप ताहीं कई ढाळ के दुखां तै छलनी कर लिया सै। 11 पर हे तीमुथियुस, परमेसवर के जन, तू इन बाततां तै भाज, अर धर्म, बिश्वास, प्यार, धीरज, अर नम्रता के पाच्छै चाल। 12 एक आच्छे सिपाही की तरियां जो हार न्ही मानता, परमेसवर पै बिश्वास करणा अर उसका कहणा मानना ना छोड़ै अर उस अनन्त जीवन नै पा ले, जिसके खात्तर तू बुलाया गया सै, अर भोत सारे माणसां के स्याम्ही तन्नै मान लिया सै, के तू मसीह पै बिश्वास करै सै। (aiōnios g166) 13 मै तेरे ताहीं परमेसवर नै, जो सब नै जीवन दे सै, अर मसीह यीशु नै गवाह मानकै जिसनै पुन्तियुस पिलातुस के स्याम्ही अपणे बारें म्ह बड़ी हिम्मत तै सच बोल्या, यो निर्देश देऊँ सूँ, 14 के जो परमेसवर नै तेरे ताहीं हुकम दिये सै, उन सब ताहीं दिल तै मान, ताके कोए भी तन्नै प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण तक गलत काम म्ह

दोषी ना बता सकै। 15 परमेसवर जो एकमात्र राजा सै, वोए महिमा कै लायक सै, जो राजयां का राजा, अर प्रभुओ का प्रभु सै, वो मसीह ताहीं सही बखत पै जाहिर करैगा। 16 वोए सै जो सदा खात्तर जिन्दा सै, अर वो उस चमकदार रोशनी म्ह रहवै सै, जिसकै धोरै कोए न्ही आ सकदा, अर ना उस ताहीं किसे माणस नै देख्या अर ना कदे देख सकै सै। उसकी प्रतिष्ठा अर राज्य युगानुयुग रहवैगा। आमीन। (aiōnios g166) 17 इस दुनिया के साहूकारां नै आज्ञा दे, के वे घमण्डी ना हों अर अपणे धन पै भरोस्सा ना राक्खै, जो के थोड़े दिन का सै, पर परमेसवर पै भरोस्सा राक्खै, जो उदारता तै सब कुछ देवै सै, जो हमनै चाहिए, ताके हम उसका आनन्द उठा सका। (aiōn g165) 18 वे भलाई करै, अर भले काम्मां म्ह धनी बणै, अर उदार अर मदद करण म्ह त्यार हों। 19 जै वे इसा करै सै, तो इसा लागै सै, के वे सुर्ग म्ह अपणी सम्पत्ति जमा करण लागरे सै, जो असलियत म्ह खू न्ही सकदी, अर उस ताहीं सच्चा जीवन भी दिया जावैगा, जिसका मतलब सै सदा का जीवन। 20 हे तीमुथियुस, वो सब कुछ करण म्ह सावधान रह, जो परमेसवर नै तेरे ताहीं दिया सै, अर अभगति, बेकूफी भरी बात, अर उस झूठी शिक्षा तै जो सच्ची शिक्षा के बिरोध म्ह सै, जिन ताहीं वे ज्ञान की बात कहवै सै, उनतै दूर रह। 21 कई माणसां नै इस झूठे ज्ञान ताहीं अपणालिया सै, अर कहवै सै, के हमनै ज्ञान सै, इसा करण तै वे सच्ची शिक्षा तै दूर होंगे सै, मै प्रार्थना करूँ सूँ, के परमेसवर का अनुग्रह उनपै भी अर थारे पै भी होन्दा रहवै।

2 तीमुथियुस

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, परमेसवर नै मेरे ताहीं मसीह यीशु का प्रेरित होण खात्तर चुण्या सै, ताके मै यो सन्देश प्रचार कर सकू, के परमेसवर नै अनन्त जीवन देण का वादा करया सै, जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै मिलै सै। **2** मै तीमुथियुस ताहीं या चिट्ठी लिखूँ सूँ, जिसतै मै प्यार करूँ सूँ, अर मै प्रार्थना करूँ सूँ, के पिता परमेसवर अर म्हारै प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै। **3** मै परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, जिसकी आराधना मै साफ अन्तरात्मा तै उस्से ढाळ करूँ सूँ, जिस तरियां मेरे पूर्वज करै थे, मै अपणी प्रार्थनायां म्ह तन्नै दिन रात याद करूँ सूँ। **4** मन्नै याद सै के जिब मन्नै थारे ताहीं छोड़के जाणा पड्या था, तो थम मेरे खात्तर किस तरियां रोए थे। मै दिन-रात तेरे तै मिलण की लालसा राखूँ सूँ, ताके आनन्द तै भर जाऊँ। **5** मन्नै तेरी माँ यूनिके का खरा बिश्वास भी याद सै, अर तेरी नानी लोइस का भी इसाए बिश्वास था, अर मन्नै पक्का बिश्वास सै के थारा भी बिश्वास उसाए होगा सै। **6** इस्से कारण मै तन्नै याद दुवाऊँ सूँ के तू परमेसवर के उस वरदान नै जो मेरे हाथ धरण के जरिये तन्नै मिल्या सै प्रज्वलित करदे। **7** क्यूँके परमेसवर नै म्हारै ताहीं डरपोक न्ही बणाया, बल्के उसका आत्मा म्हारे मन मजबूत बणावै सै, जो म्हारे ताहीं दुसरयां तै प्यार करण म्ह मदद करै सै, अर म्हारे ताहीं अपणे-आप पै काबू राखणा सिखावै सै। **8** इस कारण म्हारै प्रभु यीशु मसीह के बारे म्ह लोगां ताहीं बताण म्ह शर्मिन्दा मत होओ, अर शर्मिन्दा होणा भी न्ही चाहिए, क्यूँके मै उसकी सेवा करण के कारण जेळ म्ह सूँ, इसके बजाये थमनै उस शक्ति का इस्तमाल करणा चाहिए जो परमेसवर थमनै देवै सै, अर सुसमाचार के खात्तर मेरे गेल्या दुख नै सह ल्यो। **9** परमेसवर नै म्हारा उद्धार करया सै, अर म्हारे ताहीं पवित्र जीवन जीण खात्तर बुलाया सै। उसनै म्हारै ताहीं इस कारण कोनी चुण्या के हमनै आच्छे काम करे सै, बल्के अपणी अनुग्रह अर इच्छा के मुताबिक चुण्या सै। उसनै यीशु मसीह ताहीं भेजके म्हारे उप्पर अनुग्रह दिखाण की योजना दुनिया बणाण तै पैहले ए बणा ली थी। (aiōnios g166) **10** पर इब म्हारै उद्धारकर्ता मसीह यीशु जाहिर होए, अर अपणी करुणा दिखाई, जिसनै मौत की शक्ति ताहीं हरा दिया अर म्हारे ताहीं

सुसमाचार के जरिये दिखाया के अनन्त जीवन का एक ए रास्ता सै। 11 जिसके खात्तर परमेसवर नै मेरे ताहीं प्रचारक, प्रेरित, अर उपदेशक भी बणाया। 12 इस कारण मै जेळ म्ह इन दुखां नै भी सहूँ सूं, पर सरमान्दा कोनी, क्यूँके मै मसीह नै जाणु सूं, जिसपै मन्नै बिश्वास करया सै, अर मन्नै पक्का बिश्वास सै के मसीह मेरी उस धरोहर की रक्षा जिब तक करदा रहवैगा जिब तक के वो आ ना ले, क्यूँके वो भरोस्सेमंद सै। 13 जो खरी बात तन्नै मेरे तै सुणी सै, उन ताहीं उस बिश्वास अर प्यार के गैल, जो मसीह यीशु म्ह सै, अपना बढ़िया नमूना बणाके राख। 14 अर उस धरोहर की रक्षा करो जो पवित्र आत्मा के जरिये थारे ताहीं सौप्या गया सै, जो म्हारै भित्तर रहवै सै। 15 तन्नै बेरा सै के आसिया परदेस के भोत-से बिश्वासी भाईयाँ नै मेरे ताहीं छोड़ दिया सै, जिन म्ह फूगिलुस अर हिरमुगिनेस भी शामिल सै। 16 उनेसिफुरुस के कुण्बे पै प्रभु दया करै, क्यूँके वो कई बार मेरे धोरै आया अर उसनै मेरे ताहीं उत्साहित करया अर जेळ म्ह भी मेरे तै मिलण खात्तर आण म्ह शर्मिन्दगी महसूस कोनी करी। 17 पर जिब वो रोम नगर म्ह आया, तो उसनै मेरे ताहीं हरेक जगहां ढूँढ्या, अर ढूँढ के मेरे तै मिल्या। 18 (प्रभु करै के उस दिन उसपै प्रभु की दया हो)। जिब मै इफिसुस नगर म्ह था, तो उसनै वो सब कुछ मेरे खात्तर करया जिसनै थम भी जाणो सों।

2 ज्यांतै हे मेरे बेटे तीमुथियुस, तू उस अनुग्रह म्ह जो मसीह यीशु म्ह सै, मजबूत हो जा। 2 थमनै मेरे ताहीं कई माणसां के स्याम्ही मसीह की शिक्षा के बारें म्ह सन्देस सिखान्दे देख्या होगा। इस करके मै चाहूँ सूं, के थम उन दुसरे बिश्वासियाँ ताहीं भी वोए सन्देस सिखाओ जिन माणसां पै थम भरोस्सा करो सों, जो दुसरयां नै भी वोए सन्देस सीखा सकै। 3 इस्से तरियां एक सैनिक धीरज तै लड़ाई के मैदान म्ह सारे दुख सहवै सै, थमनै भी सारे दुख सहण करणे पड़ैगें, जिसा हम मसीह यीशु खात्तर सहवां सां। 4 जिब कोए सैनिक लड़ाई पै जावै सै, तो उसका काम अपने-आपनै दुनियादारी के काम्मां म्ह फसाणा कोनी बल्के उसका काम अपने भर्ती करण आळे नै खुश करणा सै। 5 जै दौड़ म्ह दौड़ण आळा सही तरीके तै न्ही दौड़ता तो वो ईनाम न्ही पा सकदा। 6 जो किसान मेहनत करै सै, फसल के पैहले हिस्से पै हक उसका सै। 7 या सोच्चों के ये उदाहरण हमनै के सिखाणा चाहवै सै,

परमेश्वर इन सारी बातों ने समझण म्ह थारी मदद करै। 8 यीशु मसीह नै याद राख, जो दाऊद की पीढ़ी तै पैदा होया अर जिस ताहीं परमेश्वर नै मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, अर योए सुसमाचार सै जिसका हम प्रचार करां सां। 9 क्यूँके मै सुसमाचार सुणाऊँ सूँ, जिसके खात्तर मै भुन्दे काम करणीये की ढाळ दुख ठाऊँ सूँ, उरै ताहीं के कैद भी सूँ, पर कोए भी चीज परमेश्वर का सुसमाचार प्रचार करण तै लोगां नै रोक नही सकदी। 10 इस कारण मै छॉटे होए माणसां के खात्तर सब कुछ सहूँ सूँ, ताके वे भी यीशु मसीह पै बिश्वास करके बच सकै अर अनन्त महिमा नै हासिल कर पावें। (aiōnios g166) 11 या बात साच्ची सै, के जै हम मसीह के गेल्या मरगे सां, तो उसके गेल्या जीवांगें भी। 12 जै हम उसके खात्तर दुख सहन्दे रहवांगें, तो उसके गेल्या राज भी करांगें, जै हम इन्कार करां, के हम उसनै नही जाणते, तो वो भी कह देवैगा, के वो भी हमनै नही जाणता। 13 जै हम बिश्वासघाती भी हों, तोभी वो भरोसेमन्द बणा रहवै सै, क्यूँके वो हमेशा अपणे सुभाव के मुताबिक काम कर करै सै। 14 बिश्वासियाँ नै ये बात समझा दे, अर प्रभु की मौजूदगी म्ह समझा दे, के शब्दां पै बहस-बाजी ना करया करै, जिसतै कुछ फायदा कोनी होन्दा, क्यूँके यो उन माणसां के उस बिश्वास नै नुकसान पुहचा सकै सै जो उननै सुणै सै। 15 अपणे-आपनै परमेश्वर का अपनाण जोगगा अर इसा काम करण आळा बणाण की कोशिश कर, जो शर्मिन्दा नही होण पावै, अर जो सच के वचन नै सही ढाळ तै समझा सकै। 16 पर दुनियावी अर बेकार की बातों तै दूर रह, क्यूँके जो लोग दुनियावी अर बेकार की बातों म्ह शामिल होवै सै, वे परमेश्वर तै और घणे दूर हो जावै सै। 17 उनकी बातें सड़े घांव की ढाळ फैलदी जावैगी, जो दुसरयां के बिश्वास नै कमजोर कर देंगी जो उन बातों नै सुणै सै, अर हुमिनयुस अर फिलेतुस उनकी तरियां ए सै। 18 उननै सच्चाई पै बिश्वास करणा बन्द कर दिया सै, वे कहवै सै के परमेश्वर नै पैहले ए मरे होए बिश्वासियाँ ताहीं अनन्त जीवन के खात्तर जिन्दा करया था, इस करके वे कुछ बिश्वासियाँ ताहीं कहवै सै, के मसीह पै बिश्वास ना करो। 19 परमेश्वर के लोग इसी नीम की ढाळ सै जो हालदी कोनी, अर उस नीम पै या छाप लागरी सै: “प्रभु अपणे माणसां ताहीं पिच्छाणै सै,” अर “जो कोए प्रभु का नाम लेवै सै, उसनै बुराई करणा छोड़ देणा चाहिए।” 20 एक

बड़े घर म्हा ना सिर्फ सोन्ने-चाँदी ए के, पर काठ अर माट्टी के बासण भी होवै सै, कुछ खास मौकके, अर कुछ रोज के खात्तर इस्तमाल करे जावै सै। 21 इस्से तरियां जै कोए बिश्वासी अपणे-आपनै नै इन बुरी चिज्जां तै दूर कर लेवैगा, तो वो माल्लिक के उस उपयोगी बासण की तरियां होवैगा, जो खास मौकका पै इस्तमाल करया जावै सै, वो पवित्र बण जावैगा, अर वो माल्लिक के जरिये हरेक भले काम के खात्तर इस्तमाल करया जावैगा। 22 जवान्नी की अभिलाषाओं तै दूर भाज्जो, अर उनकी संगति म्हा रहों जो धार्मिकता, बिश्वास, प्यार, अर शान्ति का सुभाव राक्खे सै, जो साफ मन तै परमेसवर नै पुकारै सै। 23 पर बेकूफी अर अज्ञानता के बहस तै दूर रह, क्यूँके तन्नै बेरा सै के इन्तै झगड़े पैदा होवै सै। 24 प्रभु के दास नै झगड़ालू न्ही होणा चाहिये, पर वो सब के गेल्या नरम अर शिक्षा म्हा निपुण अर सहनशील हो। 25 वो बिरोधियाँ नै नम्रता तै समझावै, के बेरा परमेसवर उननै इसा मन देवै के वे पाप करणा छोड़ दे ताके वे भी सच नै पिच्छाणै। 26 अर ये लोग आच्छी तरियां फेर तै सोच्चण अर शैतान के धोक्खे तै बचण के लायक हो जावैगें, अर यो धोक्खा एक फंदे के तरियां सै। शैतान नै उन ताहीं इस खात्तर पकड्या सै, ताके जो वो चाहवै सै वो उनतै करवा सकै।

3 मै इब के कहूँ सूँ, उन बात्तां पै ध्यान दे अन्त के दिनां म्हा कष्ट का बखत भी आवैगा। 2 क्यूँके माणस स्वार्थी, लोभ्भी, डिंगमार, अभिमानी, बुराई करण आळे, माँ-बाप का हुकम टाळण आळे, अहसान-फरमोस, अपवित्र, 3 निर्दयी, माफ ना करण आळे, दोष लाण आळे, असंयमी, कठोर, भले के बैरी, 4 बिश्वासघाती, ढीठ, घमण्डी, अर परमेसवर के न्ही बल्के सुखविलास ए के चाहणआळे होंगे। 5 वे भगति का भेष तो धरैगें, पर वे उस शक्ति नै अपणावै कोनी, जो उननै ईश्वरीय बणा सकै सै, इसा तै परै रहियो। 6 इन्हे म्हा तै वे माणस सै जो घरां म्हा दबे पाँ बड़ जावै सै, अर उन लुगाईयाँ ताहीं बस म्हा कर लेवै सै, जो पापां तै दबी अर हरेक ढाळ की अभिलाषायां के बस म्हा हो सै। 7 अर वे हमेशा नई बात सिखदी तो रहवै सै, पर सच की पिच्छाण तक कदे न्ही पोहोचदी। 8 जिस तरियां यत्रेस अर यम्ब्रेस नै मूसा नबी का बिरोध करया था, उस्से तरियां ए ये भी सच का बिरोध करै सै, ये इसे माणस सै, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट होगी सै अर वे बिश्वास के बारै म्हा निकम्मे सै। 9 उनकी

कामयाबी थोड़े बखत की थी, क्यूँके जिस तरियां माणसां नै मान लिया के यत्रेस अर यम्ब्रेस बेकूफ थे, अर हर कोए यो स्वीकार कर लेगा के वे बेकूफ सै। 10 पर तन्नै उपदेश, चाल-चलण, मनसा, बिश्वास, सहनशीलता, प्यार, धीरज, अर सताए जाण, अर दुख ठाण म्ह मेरा साथ दिया, अर इसे दुखां म्ह भी जो अन्ताकिया नगर अर इकुनियुम अर लुस्त्रा नगरां म्ह मेरै पै आण पड़े थे, अर दुसरे दुखां म्ह भी जो मन्नै ठाए सै, पर प्रभु नै मेरै ताहीं उन सारया तै छुटा लिया। 12 पर जितने मसीह यीशु म्ह भगति कै गेल्या जीवन बिताणा चाहवै सै वे सारे सताए जावैंगे। 13 पर दुष्ट अर भकाण आळे बिगड़दे चले जावैंगे, वे दुसरयां नै धोक्खा देवैंगे, अर खुद दुसरयां तै धोक्खा खावैंगे। 14 थमनै बिश्वास करते रहणा चाहिए जो हमनै थारे ताहीं सिखाया सै, क्यूँके थम हमनै जाणो सों, अर म्हारे पै भरोस्सा कर सको सों जिननै थारे ताहीं ये बातें सिखाई सै। 15 जिब थम छोट्टे बाळक थे, जिब तै ए थमनै अपणे पवित्र ग्रन्थां म्ह सिख्या सै, जो थारे ताहीं या समझण म्ह मदद करै के जिब थम मसीह यीशु म्ह बिश्वास करो सों तो परमेसवर थमनै बचावै सै। 16 साब्ला पवित्र ग्रन्थ परमेसवर की प्रेरणा तै रच्या गया, अर म्हारे ताहीं सिखाण खात्तर उपयोगी सै, के सच के सै, अर म्हारे ताहीं यो महसूस करण खात्तर के म्हारी जिन्दगी म्ह के गलत सै। यो म्हारी गलतियाँ नै सुधारै, जिब हम गलत होवां सां, अर वोए करणा सिखावै सै जो सही सै। 17 ताके परमेसवर का जन हरेक भले काम करण खात्तर त्यार अर सिध्द बण जावै।

4 जिब मसीह यीशु राजा के रूप म्ह शासन करण खात्तर आवैगा, तो वो उन जिन्दे अर मरे होए माणसां का न्याय करैगा जो मर चुके सै, तो गवाह के रूप म्ह परमेसवर अर मसीह कै साथ, मै ईमानदारी कै साथ थारे तै आग्रह करूँ सूं। 2 के तू परमेसवर के वचन का प्रचार कर, परमेसवर के वचन ताहीं सुणाण खात्तर सदा तैयार रह, चाहे लोग इस ताहीं सुणाणा चाहवै या ना चाहवै, ताके थम माणसां नै दिखा सको, के जो उननै करया सै, वो गलत करया सै, अर उनके पापां खात्तर उन ताहीं डाट सको, पर थम माणसां नै उत्साहित भी करो जिब थम उननै बड़े धीरज तै सिखाओ सों। 3 क्यूँके इसा बखत आवैगा जिब माणस खरयां उपदेश न्ही सह सकैंगे, पर अपणी ए इच्छा पूरी करैंगे अर वे अपणे खात्तर कई उपदेशक कठ्ठे करैंगे जो उपदेश वे सुणाणा

चाहवै सै उन ताहीं वे बतावैगें। 4 अर वे सच्चाई नै अणदेखा कर देवैगें, अर झूठी कथा-कहाँनियाँ पै मन लगावैगें। 5 थमनै हरेक बखत अपणे-आप पै काबू राखणा चाहिए, दुख ठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर, अर परमेसवर के जरिये दी गई सेवा नै पूरी कर। 6 जै वे मन्नै मार भी देवैगें, तो मेरी जिन्दगी परमेसवर ताहीं चढ़ाई गई एक भेट की तरियां होगी। इस दुनिया ताहीं छोड़ण का इब मेरा बखत आ लिया सै। 7 मन्नै मसीह की सेवा करण खात्तर कड़ी मेहनत करी सै, मन्नै अपणी दौड़ पूरी कर ली सै, मन्नै आखरी तक उसपै बिश्वास करया। 8 आण आळे बखत म्ह प्रभु मेरै ताहीं मुकुट देवैगा, जो के धार्मिकता का मुकुट सै, वो जो सच्चा न्याय करै सै, अर मन्नै वो ईनाम देवैगा जिब बोहड़ के आवैगा बल्के मेरे ताहीं ए न्ही उन सब ताहीं भी देवैगा, जो उसके दुबारा आण की बाट बड़ी आस तै देखण लागरे सै। 9 मेरै धेरै तावळा आण की कोशिश कर। 10 क्यूँके देमास नै इस दुनिया की चिज्जां तै प्यार करया सै, अर मेरै ताहीं छोड़ दिया सै, अर वो थिस्सलुनीके नगर म्ह चल्या गया सै। क्रेसकेंस, गलातिया नगर की ओड़ चल्या गया अर तीतुस दलमतिया परदेस कान्ही चल्या गया सै। (aiōn g165) 11 सिर्फ लूका मेरै गैल सै। मरकुस नै लेके चल्या आ, क्यूँके वो मेरे काम करण म्ह मेरी मदद करैगा। 12 तुखिकुस ताहीं मन्नै इफिसुस नगर म्ह भेज्या सै। 13 जो चोल्ला, मै, त्रोआस नगर म्ह करपुस के घर छोड़ आया सू, जिब तू आवै तो उस ताहीं अर उस किताब ताहीं भी लेदे आईये, खास करके चर्मपत्रों नै। 14 सिकन्दर ठठेरे नै मेरा बड़ा नुकसान करया सै, प्रभु उस ताहीं उसके काम्मां के मुताबिक बदला देवैगा। 15 तू भी उसतै चौकन्ना रह, क्यूँके उसनै म्हारी शिक्षायां का घणाए बिरोध करया सै। 16 पैहली बार मै खुद नै बचाण खात्तर अदालत गया, कोए भी मेरे गैल न्ही था, पर सब नै मेरे ताहीं छोड़ दिया, परमेसवर इस बात का दण्ड उननै ना देवै, मै प्रार्थना करूँ सू, मेरे ताहीं छोड़ण के कारण उन ताहीं परमेसवर माफ करदे। 17 पर मेरे गैल मेरा प्रभु मददगार रहया, मेरे जरिये सन्देस की घोषणा पूरी तरियां सम्पन्न हो जावै अर उरै जितने भी गैर यहूदी लोग मौजूद सै, ये बात सुण ले, के उसनै मेरे ताहीं मौत के मुँह म्ह तै छुड़ाया। 18 अर प्रभु मन्नै हरेक भुन्डे काम तै छुड़ावैगा, अर वो अपणे सुर्गीय राज्य म्ह सही-सलामत ले जावैगा। उस्से की महिमा युगानुयुग

होन्दी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 19 प्रिसकिल्ला अर उसका धणी अक्विला
अर उनेसिफुरुस कै कुणबे नै मेरी ओड़ तै नमस्कार। 20 इरास्तुस कुरिन्थुस
नगर म्ह रह गया, अर त्रुफिमुस ताहीं मन्नै मीलेतुस नगर म्ह बीमार छोड्या
सै। 21 जाड्डे तै पैहल्या चले आण की कोशिश कर। यूबूलुस, अर पूदेंस, अर
लीनुस अर क्लौदीया, अर सारे बिश्वासी भाईयाँ की ओड़ तै तन्नै नमस्कार।
22 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के प्रभु तेरी आत्मा कै गैल रहवै। थारे पै अनुग्रह होंदा
रहवै।

तीतुस

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर का दास अर यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै इस करकै भेज्जा गया सू ताके उन माणसां कै बिश्वास नै स्थापित कर सकूँ जिन ताहीं परमेसवर नै चुण्या सै, अर उन ताहीं सीखा सकूँ के वो उस सच्चाई नै जाण सकै, जो उन ताहीं दिखा सकै के पवित्र जिन्दगी किस तरियां जीणी सै। **2** वे हमेशा के खात्तर परमेसवर के साथ रहण की आस करै सै, क्यूँके परमेसवर, जो कदे झूठ न्ही बोल्दा, उसनै दुनिया बणाण तै पैहले वादा करया था के उसके लोग हमेशा खात्तर जिन्दा रहवैंगे। (aiōnios g166) **3** अर ठीक बखत पै परमेसवर नै यो सुसमाचार म्हारे पै जाहिर करया, अर हमनै यो सुसमाचार सारया ताहीं सुणाया। परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै, उसनै मेरे ताहीं या जिम्मेदारी दी सै, अर अपणा काम करण खात्तर मेरे ताहीं उसनै हुकम दिया सै। **4** मै या चिट्ठी तीतुस नै लिखूँ सू, मसीह पै बिश्वास करण के नाते तू मेरे आत्मिक बेटे की तरियां सै, मै प्रार्थना करूँ सू, के पिता परमेसवर, अर म्हारै उद्धारकर्ता प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै। **5** मै इस करकै तन्नै क्रेते टापू म्ह छोड़ आया था, ताके तू ओड़ै उस काम नै खतम कर सकै जो अधूरा रहगया था, अर मेरै हुकम कै मुताबिक उस टापू के हरेक नगर म्ह कलीसिया के अगुवां नै तैयार कर सकै, जिसा मन्नै कह्या सै। **6** अगुवां बेकसूर अर एके पत्नी का पति हो, जिनके बाळक बिश्वासी हो, अर उन म्ह लुचपण अर निरंकुशता का दोष ना हो। **7** क्यूँके अगुवां, नै परमेसवर का भण्डारी होण के कारण बेकसूर होणा चाहिए, ना जिद्दी, ना गुसेल, ना पियक्कड़, ना मारपीट करण आळा, ना नीच कमाई का लोभी हो, **8** पर मेहमान का आदर करण आळा, भलाई का चाहू आळा, अपने-आपे म्ह रहण आळा, न्यायकारी, पवित्र अर अपने मन नै काबू राखण आळा हो। **9** वो यीशु मसीह के सन्देश के बारे म्ह मजबुत्ती तै बिश्वास करदा हो, जो हमनै थारे ताहीं सिखाया सै, अर वो दुसरयां ताहीं उत्साहित कर सकै, ताके वे सही शिक्षा का पालन कर सकै, अर उन ताहीं भी समझा सकै जो सही शिक्षा का बिरोध करै सै। **10** क्यूँके भोत-से माणस सही शिक्षा के बिरुध्द खड़े होवैंगे, जो बेकार की बात सिखावै सै अर जो दुसरयां ताहीं धोक्खा देवै

सै, उन म्ह तै कुछ लोग यहूदी सै जो बिश्वासी बणगे सै। 11 इन माणसां ताहीं सिखाण का मौक्का न्ही देणा चाहिए, क्यूँके वे इसी शिक्षा देवै सै जो उन ताहीं देणी न्ही चाहिए, अर ये पूरे घराने का बिश्वास खतम कर देवै सै, अर वे यो इस खात्तर करै सै ताके उन ताहीं पईसे मिल सकै। 12 उन म्ह तै एक जण्यै नै, जो उनका नबी सै, कहा सै, “क्रेते नगर का माणस जिस ताहीं वे नबी मानै सै उसनै क्रेती के माणस के बारें म्ह कहा, के ये सदा झूठ बोल्लै सै, ये जंगली-जानवरां की तरियां बरताव करै सै, ये आलसी होवै सै अर ये भोत पेट्टू सै।” 13 या बात क्रेती माणसां के बारें म्ह सच सै, इस करके उननै सखताई तै चेतावनी दिया कर, के वे यीशु मसीह की सच्ची शिक्षा पै बिश्वास करै। 14 अर यहूदिया की कथा कहानियाँ अर माणसां के हुकम पै मन ना लगावै, जो सच तै भटक जावै सै। 15 वे माणस जिनके मन म्ह कोए पाप कोनी, उनके खात्तर सारी चीज शुद्ध सै, पर उन माणसां खात्तर जो बुरे सै, अर जो मसीह यीशु पै बिश्वास कोनी करते, उन खात्तर कोए भी चीज शुद्ध कोनी, वे हर बखत बुरे काम करै सै, क्यूँके उनका मन पूरी तरियां अशुद्ध हो लिया सै। 16 ये झूठे शिक्षक कहवै सै, के हम परमेसवर नै जाणा सां, पर उनके काम दिक्खै सै, के वो परमेसवर ताहीं न्ही जाणते क्यूँके वे घृणित अर हुकम ना मानण आळे सै, अर किसे आच्छे काम के लायक कोन्या।

2 पर तीतुस तेरे खात्तर योए सही सै के तू बिश्वासियाँ ताहीं वोए सीखा जो सच्ची शिक्षा के मुताबिक हो। 2 यानी के बूढ़े माणस शान्त गम्भीर अर संयमी हो, अर उनका बिश्वास, प्यार अर धीरज पक्का हो। 3 इस ढाळ बूढ़ी बिरबानियाँ का बरताव इसा हो के परमेसवर नै महिमा मिलै, वे लाच्छण लगाण आळी अर पियक्कड़ न्ही हो, पर आच्छी बात सिखाण आळी हो। 4 जवान बिरबानियाँ नै तीतुस तै न्ही बल्के बूढ़ी बिरबानियाँ तै निर्देश पाणा चाहिए, ताके वो उन ताहीं सीखा सकै किस तरियां अपणे धणी अर बाळकां तै प्यार करै। 5 अर वे मन पै काब्बू राक्खण आळी, पतिव्रता, घर का कामकाज सम्भाळण आळी, भली अर अपणे-अपणे धणी के प्रति बिश्वास लायक हो, ताके कोए परमेसवर के वचन की बुराई ना कर सकै। 6 इसे तरियां जवान माणसां नै भी समझाया कर, के वे खराई तै चाल्लण आळे हो। 7 हरेक काम म्ह तू अपणे आच्छे बरताव तै दुसरयां खात्तर एक मिसाल बण

जा, जिब तू बिश्वासियाँ तारीं परमेसवर के बारें म्ह सिखावै सै, तो उन तारीं आच्छे मकसद तै सीखा, अर इसा सीखा ताके लोग तेरा आदर कर सकै। 8 तेरी शिक्षाओं म्ह हमेशा सच्चाई हो, जिसकी आलोचना ना हो सकै, जिसतै बिरोधी नै म्हारै म्ह कोए दोष लगाण का मौक्का ना मिलै अर वो खुद पै शर्मिन्दा हो जावै। 9 नौकरां नै समझा के अपणे-अपणे माल्लिक कै कह्ये म्ह रहवै, अर सारी बाततां म्ह उसनै राज्जी राक्खै, अर उल्ट कै जवाब ना दे। 10 चोरी चलाकी ना करो, अर हमेशा यो दिक्खै के वो बिश्वास लायक सै, अर थारे आच्छे सुभाव नै देखकै, वे भी म्हारे उद्धारकर्ता परमेसवर की शिक्षा तारीं सुणणा चाहवैगें। 11 परमेसवर नै अपणा अनुग्रह इस बात म्ह जाहिर करया के उसनै मसीह यीशु तारीं म्हारा उद्धारकर्ता बणाकै भेज दिया, ताके हरेक माणस बचाए जा सकै। 12 अपणी दया के कारण परमेसवर म्हारे तारीं सिखावै सै, के हम उन तरिककां तै बरताव करणा बन्द कर द्या, जो उस तारीं खुश न्ही कर सकदे, अर इसी लालसा ना राक्खा जिसी अबिश्वासी लोग राक्खै सै, पर बुद्धिमानी अर धार्मिकता तै बरताव करां, अर इसा बरताव करा जो परमेसवर नै पसन्द हो, जिब तक हम दुनिया म्ह रहवां। (aiōn g165)

13 हम इस तरिकके तै बरताव करा, जिसा के हम उस अदभुत दिन की बाट देखदे हो, जिसकी हम आस राक्खां सां, यो वो दिन सै जिब यीशु मसीह जो म्हारा परमेसवर अर उद्धारकर्ता सै बड़ी महिमा म्ह इस दुनिया म्ह बोहड़ के आवैगा। 14 इस मसीह यीशु नै अपणे-आप तारीं म्हारे पापां खात्तर बलिदान कर दिया, ताके हम सारे पापां तै आजाद हो जावां, अर म्हारे तारीं शुद्ध करया ताके हम उसके अपणे खास माणस बण जावां, जो भले काम करण की बड़ी इच्छा राक्खै सै। 15 पूरे अधिकार कै गैल इन सारी बाततां की शिक्षा देते होए लोगां नै समझा अर उत्साहित करदा रह, अर कोए तन्नै तुच्छ न्ही जाणण पावै।

3 बिश्वासियाँ नै याद दुआ के हाकिमां अर अधिकारियां का आदर कर, अर उनका हुकम मान्ने, अर दुसरयां का भला करदे रहो। 2 किसे नै बदनाम ना करै, अर ना झगड़ालू बणै, पर दुसरे माणसां कै खात्तर दया दिखाण आळे बणो, अर सारे माणसां कै गैल बड़ी नरमाई के गैल रहवै। 3 क्यँके हम भी पैहल्या बेअक्ल, परमेसवर का हुकम ना मानण आळे, भ्रम म्ह पड़े होए अर

न्यारी-न्यारी ढाळ की बुरी अभिलाषा अर सुखभोगण की गुलामी म्ह, अर बैरभाव अर माणसां के प्रति जळण करण म्ह जीवन बिताण लागरे थे, हम घृणा के लायक माणस थे, अर हर कोए म्हारे तै घृणा करै था, अर हम भी उनतै घृणा करा थे। 4 पर फेरभी परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै उसनै अपनी दया अर प्यार हम माणसां पै दिखाया। 5 उसनै म्हारे ताहीं पापां के दण्ड तै बचाया, अर यो धार्मिक काम्मां के जरिये न्ही होया जो हमनै खुद करे, पर उसनै म्हारे पै दया करी। उसनै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा देण कै जरिये बचाया, जो म्हारे पापां नै माफ करै सै, अर हमनै नई जिन्दगी अर नया सुभाव देवै सै। 6 परमेसवर नै मुफ्त म्ह पवित्र आत्मा दिया ताके वो म्हारे म्ह सामर्थी रूप तै काम करै क्यूँके मसीह यीशु म्हारे पापां खात्तर मरया अर म्हारा उद्धारकर्ता बण गया। 7 ताके हम अनन्त जीवन की आस राक्ख सका, जिसका परमेसवर नै अपने माणसां ताहीं देण का वादा करया सै, अर हमनै उसपै पूरा भरोस्सा सै, क्यूँके वो अपनी करुणा के मुताबिक म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै। (aiōnios g166) 8 या बात सच सै, अर मै चाहूँ सूँ, के तू इन बातों के बारे म्ह मजबूती तै बोल्लै इस करके के जिननै परमेसवर पै बिश्वास करया सै, वे भले काम करण खात्तर हमेशा ध्यान लगावेंगे। ये बात भली अर माणसां के फायदे की सै। 9 पर बेवकूफी के विवादों, पीढियाँ, बिरोध अर झगड़ा तै जो मूसा नबी के नियम-कायदा के बारे म्ह हो, इनतै बचा रह, क्यूँके वे फायदेमन्द कोनी बल्के बेकार सै। 10 तू उन माणसां नै एक दो बार समझा जो कलीसिया म्ह फूट गेरै सै, अर उन ताहीं इसा करण तै मना कर, उसकै बाद उनपै और बखत बरबाद ना करै। 11 तन्नै पक्का बेरा सै, के इस ढाळ का माणस भटक गया सै, अर अपने काम्मां के जरिये दोषी ठहराया जावैगा। 12 जब मै तेरे धोरे अरतिमास या तुखिकुस नै भेज्जूँ तो मेरै धोरे निकुपुलिस नगर आण की कोशिश करिये, क्यूँके मन्नै ओड़ैए जाड्डा लिकाड़ण का मन बणाया सै। 13 जेनास वकील अर अपुल्लोस जै सफर खात्तर आगै जावै, तो जो मदद थम उनकी कर सको तो वा जरूर करियो। 14 इतणाए न्ही बल्के तू बिश्वासियाँ नै यो सीखा, के वो अपना ध्यान कड़ी मेहनत करण म्ह लगावै, ताके उन माणसां खात्तर जिनके धोरे सै कोनी उनकी जरूरत पूरी हो सकै, अर वे एक आच्छे मकसद के साथ जिन्दगी जी सकै। 15 मेरै सारे

साथियाँ की ओड़ तै तेरे ताहीं नमस्कार। जो बिश्वास कै कारण म्हारै तै प्यार करै सै, उननै भी नमस्कार। थारे सारया पै परमेसवर का अनुग्रह होंदा रहवै।

फिलेमोन

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस, की ओड़ तै सै, जो मसीह यीशु का कैदी सै। हे फिलेमोन, मेरी अर बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै तन्नै नमस्कार। तू म्हारा प्यारा मित्तर अर मसीह के काम करण म्ह म्हारा साइझीदार सै। **2** मै भाण अफफिया, अर अरखिप्पुस ताहीं जो परमेसवर की सेवा एक सिपाही की तरियां करण लागरया सै, अर उस कलीसिया नै भी लिखूँ सूँ, जो फिलेमोन के घर म्ह कट्टी हो सै। **3** मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलती रहवै। **4** मै जिब भी थारे खात्तर प्रार्थना करूँ सूँ, तो मै सारी हाण थारे खात्तर परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ। **5** मै प्रभु यीशु मसीह पै थारे बिश्वास अर परमेसवर के पवित्र माणसां के प्रति प्यार के बारे म्ह सुणदा रहुँ सूँ। **6** मै प्रार्थना करूँ सूँ, के जो बिश्वासियाँ गैल थारी साझेदारी सै, उन भली चिज्जां के जाणण के जरिये जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दी सै, वा और घणी बढ़ती जावै। अर या म्हारे मसीह की महिमा खात्तर हो। **7** क्यूँके हे बिश्वासी भाईयो, मै भोत खुश सूँ, अर मेरे प्रति थारे प्यार तै मै घणा उत्साहित सूँ, अर इस कारण पवित्र माणसां नै घणी खुशी मिली सै। **8** जो हक मेरे ताहीं मसीह नै दिया सै, उसकी बजह तै मै थमनै हुकम दे सकूँ सूँ, के थमनै के करण की जरूरत सै, पर मै इसा कोनी करूँ, मै पौलुस, बुजुर्ग माणस होण के नाते अर मसीह यीशु का कैदी होण के कारण थारे तै प्यार तै बिनती करूँ सूँ। **10** मेरी बिनती या सै के उनेसिमस जो मेरै बाळक की तरियां सै, वो मसीह म्ह मेरा आत्मिक बेटा जिब बणया जिब मै कैद म्ह था, थम उसपै दया करियो। **11** वो तो पैहला तेरे किमे काम का ना था, पर इब तेरे अर मेरै दोनुआ के खात्तर बड़े काम का सै। **12** उरसे नै यानी जो मेरै दिल का टुकड़ा सै, मै तेरे धोरे भेज्जू सूँ। **13** उसनै मै अपणे ए धोरे राखणा चाहूँ था, ताके वो तेरी जगहां मेरी मदद कर सकै, जिब के मै मसीह का सुसमाचार सुणाण के खात्तर कैद म्ह सूँ। **14** पर मन्नै तेरी इच्छा बगैर कुछ भी न्ही करणा चाह्या। मै चाहूँ था के तू मेरी मदद मजबूरी म्ह न्ही पर खुद की इच्छा तै खुशी तै करै। **15** हो सकै सै के परमेसवर नै उनेसिमस ताहीं, तेरे तै इस करके थोड़े बखत खात्तर दूर जाण का मौक्का दिया, ताके वो मसीह पै बिश्वास कर सकै, अर उसकी बजह तै तू

सदा खात्तर उसनै पा लेवै। (aiōnios g166) 16 पर इब वो तेरा दास ए कोनी बल्के दास तै भी बढकै, यानी बिश्वासी भाई सै। मै उसतै भोत प्यार करूँ सूँ, पर इब तू मेरे तै भी ज्यादा उसतै प्यार कर, दास की तरियां न्ही, पर बिश्वासी भाई की तरियां। 17 इस करकै जै तू मन्नै अपणा साझीदार समझै सै, तो उनेसिमुस जिब थारे धोरै बोहड़ के आवैगा, तो उसनै प्यार तै अपणा लियो, जिस तरियां थम मन्नै अपणाओ सों। 18 जै उसनै तेरा कुछ भी नुकसान करया सै, या उसपै तेरा कुछ कर्ज सै, तो आकै दे दियुँगा। 19 मै पौलुस अपणे हाथ तै लिखूँ सूँ, के उसका कर्जा मै आप दे दियुँगा, तू खुद जाणै सै, जै मै तेरी मदद न्ही करदा, तो तन्नै नई जिन्दगी न्ही मिलती, इस करकै तू जिन्दगी भर मेरा कर्जदार सै। 20 हे मेरे प्यारे भाई, मेरे खात्तर योए कर क्यूँके हम बिश्वासी भाई सां, अर तेरे इसा करण तै मै मसीह म्ह उत्साहित हो जाऊँगा। 21 मै तेरे पै भरोस्सा करकै तेरे तै लिखूँ सूँ, अर या जाणु सूँ के जो कुछ मै कहूँ सूँ, तू उसतै घणा बढकै करैगा। 22 अर या भी कै मेरे खात्तर रुकण की जगहां तैयार राक्खै। मन्नै उम्मीद सै, के परमेसवर थारी प्रार्थनायां का जवाब देवैगा, अर मै थारे धोरै आकै थमनै देख पाऊँगा। 23 इपफ्रास, जो मेरे गैल जेळ म्ह कैद सै, क्यूँके वो यीशु मसीह की सेवा करै सै थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 24 अर मरकुस, अरिस्तर्खुस, देमास अर लूका जो मेरे गैल परमेसवर का काम करणीये सै, इनका भी तेरे ताहीं नमस्कार। 25 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारे साथ होंदा रहवै। आमीन।

इब्रानियों

1 पैहल्ले युग म्ह परमेसवर नै म्हारे पूर्वजां तै भोत बार अर अलग-अलग ढाळ तै नबियाँ के जरिये बात करी। **2** पर इन आखरी के दिनां म्ह म्हारे तै, अपने बेटे के जरिये बात करी। परमेसवर नै सारी सृष्टि की रचना अपने बेटे के जरिये करी अर उसनै उस ताहीं सारी चिज्जां का वारिस बणाया। (aiōn g165) **3** बेटा ए परमेसवर की महिमा का चाँदणा सै अर उस म्ह हम देख्वां सां, के वो किसान सै, अर सारी चिज्जां नै अपने शक्तिशाली हुकम तै सम्भाळै सै। वो माणसां के पापां की माफी का कारण बणया, अर ऊँच्ची जगहां पै महिमामय कै सोळी ओड़ जा बेठ्या, **4** इसा करण तै सुर्गदूतां तै उतनाए बढ़िया ठैहराया, जितना उसनै बड़े ओदे का उसका पद सुर्गदूतां तै ऊँच्चा ठैहराया। **5** क्यूँके परमेसवर नै कदे किसे सुर्गदूत तै न्ही कह्या, के “तू मेरा बेटा सै, आज मै घोषणा करूँ सूँ के, तू मेरा बेटा सै” अर सुर्गदूतां म्ह तै उसनै कद किसे तै कह्या, के “मै उसका पिता होऊँगा, अर वो मेरा बेटा होवैगा?” **6** अर जब परमेसवर नै अपने जेठे बेटे ताहीं इस दुनिया म्ह भेज्या, तो कहवै सै, “परमेसवर के सारे सुर्गदूत उस ताहीं मोध्थे मुँह पड़कै प्रणाम करै।” **7** अर सुर्गदूतां कै बारै म्ह न्यू कहवै सै, “वो अपने सुर्गदूतां ताहीं हवा, अर अपने सेवकां नै भड़कदी होई आग बणावै सै।” **8** पर बेटे कै बारै म्ह कहवै सै, “हे परमेसवर, उसका राज युगायुग रहवैगा, तेरे राज्य का राजदण्ड न्याय का राजदण्ड सै। (aiōn g165) **9** तन्नै धर्म तै प्यार अर अधर्म तै बैर राख्या, इस कारण परमेसवर, तेरे परमेसवर नै, तेरे साथियाँ तै बढ़कै हर्षरूपी तेल तै तेरा अभिषेक करया।” **10** अर यो के, “हे प्रभु, शरुआत म्ह तन्नै धरती अर जो कुछ अकास म्ह सै उन ताहीं बणाया, अर सुर्ग तेरे हाथ्यां की कारीगरी सै। **11** वे तो नाश हो जावैंगे, पर तू सदा खात्तर जिन्दा रहवैगा, अर वे सारे लत्ते की ढाळ पुराणे हो जावैंगे, **12** अर तू उन ताहीं चादर की तरियां लपेटैगा, अर वे लत्ते की ढाळ बदल जावैंगे पर तू कदे न्ही बदलैगा, अर तू सदा खात्तर जिन्दा रहवैगा।” **13** अर सुर्गदूतां म्ह तै उसनै किसतै कद कह्या, “तू मेरे सोळी ओड़ बैठ, यानी के तू हक की जगहां पै बैठ। जब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै पूरी तरियां तै हरा ना द्यूँ?” **14** के वे सारे परमेसवर की सेवा-पाणी

करण आळी आत्मा कोनी, जो उद्धार पाण आळा कै खात्तर मदद करण नै भेजी जावै सै?

2 इस करकै म्हारे ताहीं जो कुछ सिखाया गया था उसका पालन करण खात्तर हमनै और सावधान रहणा चाहिए। तब हम सच्चाई तै दूर न्ही जावांगे। 2 क्यूँके जो वचन सुर्गदूतां कै जरिये कह्या गया था। जिब वो सच साबित होया अर हरेक अपराध अर हुकम ना मानण का परमेसवर नै उन ताहीं दण्ड दिया। 3 तो हम माणस इसे महान् उद्धार नै अणदेखा करकै किस तरियां बच सकां सां? इस महान् उद्धार की पैहली बार प्रभु यीशु नै घोषणा करी थी, अर जिन चेल्यां नै उस ताहीं सुण्या, तो चेल्यां नै म्हारे ताहीं साबित करकै दिखा दिया के यो सच सै। 4 अर गेल्या ए परमेसवर भी अपणी मर्जी कै मुताबिक चमत्कार, अर अनोक्खे काम्मां, अर कई ढाळ के सामर्थ के काम्मां, अर पवित्र आत्मा के वरदान्नां के बांडण के जरिये इन बात्तां नै सच साबित करदा रहया। 5 उसनै उस आण आळी दुनिया ताहीं जिसका जिक्र हम करण लागरे सां, सुर्गदूतां कै अधीन न्ही करया, पर अपणे बेटे के अधीन कर दिया। 6 पवित्र ग्रन्थ म्ह किते, किसे नै परमेसवर तै यो कह्या सै, के “माणस के सै के तू उसकी सुधि लेवै सै? या माणस का बेटा के सै, के तू उसकी फिक्र करै सै? 7 तन्नै उस ताहीं सुर्गदूतां तै थोड़ा ए कम महत्वपूर्ण बणाया, तन्नै उस ताहीं राजा की तरियां महिमा अर सम्मान दिया, अर सब किमे उसके अधीन कर दी। 8 तन्नै उस ताहीं सारी चिज्जां पै हक दिया।” इसा लाग्गै सै के परमेसवर नै सारा कुछ उसके अधीन कर दिया सै, उरै ताहीं के कुछ भी न्ही बचा जो उसके अधीन ना हो, पर हम देख सका सां, के सारी चिज्जेँ उसके अधीन म्ह न्ही। 9 पर हम यो देख्खां सां, के यीशु ताहीं कुछ बखत खात्तर सुर्गदूतां तै कम करया गया था, ताके परमेसवर के अनुग्रह तै वो हरेक किसे खात्तर मर सकै, क्यूँके उसनै दुख ठाया अर मर गया, इस करकै परमेसवर नै उस ताहीं महिमा अर सम्मान दिया। 10 परमेसवर नै जो कुछ भी बणाया सै, वो सारा अपणे खात्तर सै, अर उस ताहीं योए आच्छा लाग्या के जिब वो भोत सारे माणसां ताहीं अपणी महिमा म्ह साँझा करै, तो यीशु मसीह जो उनका उद्धारकर्ता सै, उसके दुख ठाण कै जरिये उन ताहीं सिध्द बणा लेवैगा। 11 क्यूँके जो माणसां नै उनके पाप तै साफ करै सै, अर

जिन माणसां के पाप साफ होण लागरे सै, दोन्नु एक ए पिता परमेसवर की उलाद सै, इस्से कारण वो उननै भाई-भाण कहण तै कोनी सरमान्दा। 12 अर वो (मसीह) परमेसवर तै कहवै सै, “मै अपणे भाईयाँ ताहीं बताऊँगा के तन्नै मेरे खात्तर कितने भले काम करे सै, अर जिब आराधना करण खात्तर मण्डली म्ह कठ्ठे होंगे तो मै तेरी महिमा करूँगा।” 13 अर वो दुबारा कहवै सै, के मै उन माणसां के साथ सूं, “जो परमेसवर नै मेरे ताहीं दिए सै।” 14 ज्यांतै जिब के परमेसवर के बच्चे सै, जो के माँस अर लहू तै बणे सै, अर उसका बेटा (यीशु मसीह) भी इन्सान बणया, इस करके वो एक इन्सान के रूप म्ह ए मर सकै था, अर सिर्फ मरण तै ए वो शैतान की शक्ति नै तोड़ सकै था, जिसके धीरे मौत की शक्ति थी। 15 अर इस तरियां यीशु नै उन सारे माणसां ताहीं मुक्त कर दिया जो हर बखत गुलाम्मां की तरियां जीवै थे, अर वे मरण तै डरै थे। 16 क्यूँके मसीह यीशु तो सुर्गदूतां ताहीं न्ही बल्के अब्राहम की पीढ़ी नै सम्भाळै सै। 17 इस कारण उस ताहीं चाहिये था, के वो हर बात्तां म्ह बिश्वासी भाईयाँ की तरियां बणै, ताके वो परमेसवर का महायाजक बण सकै, जो दयालु अर बिश्वास जोग्गा सै, अर वो माणसां के पापां की माफी खात्तर खुद नै बलिदान कर सकै। 18 क्यूँके यीशु का इम्तिहान हो लिया अर उसनै खुद दुख ठाया सै, इस करके वो इम्तिहान म्ह पड़े होए माणसां की मदद कर सकै सै।

3 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, थम जो परमेसवर के कुहाओ सों, सुर्ग म्ह साइझी होण खात्तर बुलाये गये सों, यीशु पै ध्यान द्यो, जो म्हारे खात्तर परमेसवर की ओड़ तै भेज्जा गया प्रेरित अर महायाजक सै, जिसपै हम बिश्वास करा सां। 2 यीशु परमेसवर के प्रति वफादार था, जिस ताहीं उसनै नियुक्त करया था, जिसा मूसा नबी नै भी वफादारी तै पूरा काम करया जो भी परमेसवर नै उस ताहीं करण खात्तर कहा था। 3 जिसा के घर बणाण आळे माणस नै घर तै बढके सम्मान मिलै सै। इस्से तरियां यीशु मूसा नबी तै घणा सम्मान जोग्गा सै। क्यूँके हरेक घर का कोए ना कोए बणाण आळा होवै सै, पर जिसनै सारा किमे बणाया वो परमेसवर सै। 5 मूसा नबी तो परमेसवर के घर के माणसां खात्तर सेवक की तरियां बिश्वास जोग्गा रहया। के जो मूसा नबी नै करया था, वो दिखावै सै के परमेसवर आण आळा बखत म्ह के करण

आळा सै। 6 पर परमेसवर के कुणबे म्ह मसीह, तो एक बेटे के रूप म्ह बिश्वास लायक सै, अर उस आस म्ह बिश्वास नै बणाए राक्खै सै, तो हमे उसका कुणबा सां। 7 जिसा परमेसवर अपने पवित्र आत्मा के जरिये कहवै सै, “जै आज थम परमेसवर की आवाज सुणो, 8 “तो अपने मन ताहीं कठोर ना करो, जिसा के छो दुवाण के बखत अर इम्तिहान के दिन जंगळ म्ह थारे पूर्वजां नै करया था। 9 थारे पूर्वजां नै चाळीस साल तक मेरे महान् काम देखण के बाद भी चुनौती देन्दे होए मेरे ताहीं परख्या था। 10 इस कारण मै उस बखत के माणसां तै गुस्सा रहया, अर कह्या, ‘उननै मेरे पाच्छै चालणा न्ही चाह्या, अर इसा करण तै इन्कार कर दिया जो मन्नै उन ताहीं करण का आदेश दिया था।’ 11 फेर मन्नै छो म्ह आकै कसम खाकै कह्या, के ‘उस आराम की जगहां म्ह थम बड़ण न्ही पाओगे, जित्त मै उननै आराम देऊंगा।’” 12 हे बिश्वासी भाईयो, चौक्कस रहो के थारे म्ह इसा बुरा अर अबिश्वासी मन ना हो, जिसतै थम जिन्दे परमेसवर तै दूर हो जाओ। 13 जिब भी थम पवित्र ग्रन्थ नै यो कहते सुणो, “आज का दिन” तो एक-दुसरे नै उत्साहित करते रहो, इसा ना हो पाप थारे ताहीं धोक्खा देवै, अर थम परमेसवर कै खिलाफ जिद्दी हो जाओ। 14 क्यूँके जै हम अन्त तक मजबुत्ती के साथ अपने शरुआती बिश्वास नै थाम्मे राक्खां सां, तो हम मसीह के साइझीदार बण जावां सां। 15 जिसा पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “जै आज थम परमेसवर का शब्द सुणो, तो अपने मनां नै कठोर ना करो, जिसा के छो दुवाण के बखत थारे पूर्वजां नै करया था।” 16 कौण थे वे माणस जिननै परमेसवर की आवाज सुणकै भी उस ताहीं छो दुवाया? ये वे माणस थे जिन ताहीं मूसा नबी मिस्र देश तै बाहर लेकै गया था। 17 चाळीस साल तक परमेसवर ताहीं इन माणसां नै गुस्सा दुवाया, ये इस्राएल के माणस थे, जिननै मरुस्थल म्ह पाप करया अर वे मरगे, अर उनकी लाश जंगळ म्ह पड़ी रहीं? 18 अर जिब परमेसवर नै कसम खाई के “वे उस आराम की जगहां म्ह कदे न्ही बड़ पावेंगे, जित्त मै उननै आराम देऊंगा।” वो वास्तव म्ह उन माणसां के बारें म्ह बात करै था जिननै उसका बिरोध करया था। 19 इस बात तै हमनै यो बेरा लाग्या सै, के वे अपने अबिश्वास के कारण बड़ न्ही सके।

4 इस करकै परमेसवर नै म्हारे ताहीं वादा करया सै, के हम आराम की जगहां पै जावेंगे, क्यूँके आराम की जगहां म्ह बड़ण का वादा इब भी सै, तो हमनै भोत सावधान रहणा चाहिए, इसा ना हो के थारे म्ह तै कोए माणस आराम की जगहां जाण म्ह नाकामयाब हो जा, जिस ताहीं देण का वादा परमेसवर नै म्हारे ताहीं करया सै। 2 जिस तरियां हमनै यीशु मसीह के बारे म्ह सुसमाचार सुण्या, अर उन इस्राएल के माणसां नै भी जिन नै आराम की जगहां म्ह बड़ण के बारे म्ह सुसमाचार सुण्या पर उननै उस सुसमाचार पै बिश्वास न्ही करया, इस कारण उनकै खात्तर संदेश बेकार ठैहराया। 3 पर म्हारे ताहीं जो परमेसवर नै कह्या सै, हम उसपै भरोस्सा करां सां, अर हम आराम की जगहां म्ह बडांगे। जिसा औरां खात्तर परमेसवर नै कह्या सै, “मन्नै अपने छो म्ह कसम खाई के वे मेरी आराम की जगहां म्ह बड़ण न्ही पावेंगे।” फेर भी उसके काम दुनिया के बणाण तै पैहल्याए पूरे हो लिए थे। 4 क्यूँके सातमै दिन के बारे म्ह परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह न्यू कह्या सै, “परमेसवर नै सातमै दिन अपने सारे काम्मां ताहीं निपटा कै बिश्राम करया।” 5 हमनै यो भी पढ़्या के उसनै बाद म्ह कह्या, के “वे मेरे आराम की जगहां म्ह बड़ण न्ही पावेंगे।” 6 इस्राएल के वे माणस जिन ताहीं सुसमाचार सुणाया गया था, वो आराम की जगहां म्ह बड़ण म्ह नाकामयाब रहे, क्यूँके उननै परमेसवर के हुकम ताहीं कोनी मान्या था, पर उस आराम की जगहां म्ह जाण का इब भी मौक्का सै। 7 ज्यांतै उसनै आराम की जगहां म्ह बड़ण का एक और मौक्का तय करया, अर वो मौक्का आज सै। म्हारे पूर्वजां के बिद्रोह के कई साल्लां बाद, दाऊद के मुँह तै यो कह्या था, “जै आज थम उसकी आवाज सुणो, तो उस ताहीं सुणकै इन्कार ना करो।” 8 हम यो भी जाणा सां के परमेसवर नै जो आराम की जगहां का वादा करया सै, वो कनान देश कोनी, जिसपै यहोशू नै म्हारे पूर्वजां की अगुवाई करी थी, जै यो कनान देश होन्दा, तो परमेसवर नै बाद म्ह यो न्ही कह्या होगा, के एक और मौक्का सै। 9 यो भी हो सकै सै, के परमेसवर के माणसां नै इस तरियां के तरिककें तै आराम करणा पड़ै, जिस तरियां तै परमेसवर नै दुनिया बणाण के सातवे दिन आराम करया था। 10 क्यूँके जो उसके आराम की जगहां म्ह बड़या सै, उसनै भी परमेसवर की ढाळ अपने काम पूरे करकै बिश्राम करया सै। 11 इस करकै हम उस आराम

की जगहां म्ह बड़ण की कोशिश बड़ी मेहनत कै साथ करा, ताके कोए भी उन माणसां की तरियां ना बणे जिननै परमेसवर के हुकम ताहीं मानण तै इन्कार कर दिया, फेर हम उसकी आराम की जगहां म्ह बड़ण पावांगे। 12 क्यूँके परमेसवर का वचन जिन्दा, अर प्रभावशाली सै, अर वो एक दोधारी तलवार तै भी घणा पैना सै। वो प्राण अर आत्मा ताहीं, अर गाँठ-गाँठ अर गुद्दे-गुद्दे ताहीं न्यारा करके आरम-पार पाड़ दे सै अर मन की भावनायां अर विचारां ताहीं परख ले सै। 13 जिस ताहीं लेखा देणा सै, उसकी नजर तै कोए भी प्राणी छुप्या कोनी। सारी चीज उसके स्याम्ही साफ अर खुली होड़ सै। 14 ज्यांतै जिब म्हारा इसा बड़ड़ा महायाजक सै, जो सुर्ग म्ह चल्या गया सै, यानिके परमेसवर का बेटा यीशु, तो आओ, हम बिश्वास म्ह पक्के बणे रहवां जो हमनै सारे माणसां के आग्वै स्वीकार करया सै। 15 क्यूँके म्हारा यो महायाजक जो यीशु मसीह सै, म्हारी हरेक कमजोरियाँ नै जाणे सै, बल्के वो सारी बात्तां म्ह म्हारै तरियां परख्या तो गया, फेर भी निष्पाप लिकड़या। 16 इस करके आओ, हम परमेसवर के स्याम्ही बिना डर के जावां जो करुणा तै भरा होया सै, फेर परमेसवर म्हारै पै दया करैगा, अर जिब हमनै मदद की जरूरत होगी तो वो म्हारी मदद करैगा।

5 परमेसवर इस्राएल के माणसां म्ह तै एक महायाजक ताहीं चुणै सै, अर वो महायाजक ताहीं नियुक्त करै सै, ताके वो उसकी सेवा भेट चढ़ाके, अर माणसां के पापां की माफी कै खात्तर बलि चढ़ाके कर सकै। 2 वो बेअक्ले अर भूले भटक्यां कै गेल्या नर्मी तै बरताव कर सकै सै, ज्यांतै वो आप भी कमजोरी तै घिरया सै। 3 उसकै खात्तर एक महायाजक के रूप म्ह अपणे अर माणसां के पापां नै दूर करण खात्तर बलि चढ़ाणा जरूरी सै। 4 कोए भी इन्सान अपणे-आपनै तै महायाजक होण का पद न्ही ले सकता। एक माणस सिर्फ महायाजक जिब्बे बण सकै सै, जिब परमेसवर उस ताहीं याजक होण कै खात्तर बुलावै सै, जिस तरियां हारुन ताहीं परमेसवर नै पैहला महायाजक होण खात्तर बुलाया था। 5 उस्से तरियां ए मसीह नै भी खुद ताहीं महायाजक बणाके खुद का सम्मान करण का फैसला कोनी करया, परमेसवर नै उस ताहीं यो सम्मान दिया जिब उसनै कह्या, के “तू मेरा बेटा सै, आज मन्नै ए तेरे ताहीं पैदा करया सै।” 6 एक और जगहां परमेसवर उस ताहीं दुबारा

कहवै सै, “तू मलिकिसिदक की रीत पै सारी हाण खात्तर याजक सै।” (aiōn g165) 7 जिब यीशु इस दुनिया म्ह रहवै था, तो ठाडू शब्दां तै रुक्का मार-मारकै अर आँसू बहा-बहाकै परमेसवर तै प्रार्थनाएँ अर बिनती करी, जो उस ताहीं मौत तै बचा सकै था, अर आदरपूर्ण समर्पण कै कारण परमेसवर नै उसकी सुण ली। 8 परमेसवर का बेटा होण पै भी मसीह यीशु नै दुख ठा-ठाकै भी उसका हुकम मानना सिख्या। 9 फेर सिध्द हो जाणकै बाद वो खुद उन सब खात्तर, जो उसके हुकमां नै मानणीयां कै खात्तर अनन्त काल के उद्धार का कारण बणग्या। (aiōnios g166) 10 अर उस ताहीं परमेसवर की ओड़ तै मलिकिसिदक की रीत पै महायाजक का पद मिल्या। 11 इसकै बारै म्ह हमनै घणीए बात कहणी सै, पर उनके बारें म्ह खुलकै जिक्र करणा मुशिकल सै, क्यूँके थम परमेसवर के वचन के बारें म्ह जाणण खात्तर आलसी होगे सों। 12 बखत कै विचार तै तो थमनै शिक्षा देण आळा बण जाणा चाहिए था, पर थमनै तो इब भी इसे माणस की जरूरत सै, जो थारे ताहीं नये सिरे तै परमेसवर की शिक्षा की शरुआती बात ए सिखावै, थम तो इब्बे भी उन छोट्टे बाळक की ढाळ सों, जिन ताहीं दूध चाहिए, पर भारी खाणा न्ही। 13 याद राक्खों जो माणस इब भी वचन की शरुआती शिक्षा नै सीखण लागरे सै, वे न्ही जाणदे, के परमेसवर धर्मी बणण के बारें म्ह के कहवै सै, वो दूध पीन्दे बाळक की तरियां सै। 14 पर जिस माणस की तुलना श्याणे माणस तै करी जा सै, जो ठीक तै खाण चबा-चबा कै खा सकै सै, वो यो माणस सै जिसका बिश्वास पक्का सै अर जो खरी शिक्षा नै समझ सकै सै, उसनै आच्छे अर बुरे की पिच्छाण करणा सीखा लिया सै।

6 इस करकै जिब म्हारे ताहीं मसीह के बारें म्ह शरु म्ह सिखाया गया था, तो आओ हम उन ताहीं छोड़ के खरी शिक्षा पै चर्चा करण खात्तर आगै बढ़दे जावां। शरुआती शिक्षा जिसा पाप तै भरे काम तै जो मौत नै लेकै आवै सै, परमेसवर पै बिश्वास करण नै नीम की तरियां ना धरो, 2 अर बपतिस्मा अर हाथ धरण, अर मरे होया के जिन्दा उठण, अर आखरी न्याय की शिक्षा रूपी नीम दुबारा ना बणावां। (aiōnios g166) 3 जै परमेसवर नै चाह्या तो मै थमनै खरी शिक्षा दिऊंगा। 4 क्यूँके जो माणस अपणे बिश्वास नै खो दे सै, तो उन ताहीं फेर तै पश्चाताप करण कै खात्तर उलटा न्ही ल्याया जा सकता। एक

बार उननै परमेसवर की सच्चाई नै जाणा अर सुर्ग तै वरदान्नां ताहीं पाया, अर बाकियाँ की तरियां पवित्र आत्मा भी पाया। 5 अर उननै अनुभव करया था के परमेसवर का वचन आच्छा सै, अर वे परमेसवर की आण आळी शक्ति का अनुभव कर चुके थे। (aiōn g165) 6 उननै फेर तै उल्टा ल्याण का कोए तरिकका कोन्या, क्यूँके वे परमेसवर के बेटे ताहीं अपणे खात्तर दुबारा क्रूस पै चढ़ावै सै, अर सबके स्याम्ही उसपै कलंक लगावै सै। 7 जिन माणसां नै आच्छी शिक्षा मिलै सै, वे उस जमीन की तरियां सै, जित्त बारिस होन्दी ए रहवै सै, जै जमीन बढ़िया सै, तो या किसान खात्तर बढ़िया फसल देवै सै, अर उसपै परमेसवर की आशीष होवै सै। 8 पर दुसरे माणस उस जमीन की तरियां सै जो काण्डे अर खरपतवार उगावै सै तो या बेकार सै। उस ताहीं परमेसवर के जरिये श्राप दिये जाण का खतरा सै, अर वो आग तै नाश हो जावैगा। 9 हे प्यारे भाईयो, भलाए हम इस ढाळ की बात करण लागरे सां, पर हम असलियत म्ह बिश्वास न्ही करते के यो थारे खात्तर लागू होवै सै। हमनै बिश्वास सै के थम बढ़िया चिज्जां खात्तर बणाये गये सों, जो उद्धार कै साथ आवै सै। 10 जिसा के थमनै आच्छे काम करे सै, अर इब थम परमेसवर के नाम म्ह बिश्वासी भाईयाँ कै खात्तर प्यार तै, सेवा के काम करण लागरे सों, इसकी बजह तै परमेसवर थारे ताहीं भुल्लैगा न्ही, क्यूँके वो धर्मी सै। 11 आलसी ना बणो। पर कड़ी मेहनत करण आळा की तरियां थमनै इन प्रेमपूर्वक काम्मां ताहीं जारी राखणा चाहिए, ताके परमेसवर के वादे पाण खात्तर थारी आस पक्की हो। 13 जिब परमेसवर नै अब्राहम तै करार करया, तो तब खुद परमेसवर तै बड़ड़ा कोए और न्ही था, जिसकी कसम ली जा सकै, इस करके अपणी खुद की कसम लेन्दे होए परमेसवर नै अब्राहम तै कह्या, 14 “मै सचमुच तेरे ताहीं घणा आशीष दियुँगा, अर तेरे वंशां नै अनगिणत बणा दिऊँगा।” 15 अब्राहम नै भोत धीरज धरण कै बाद वादा का ईनाम मिल्या। 16 माणस तो अपणे तै किसे बड़े का नाम लेकै कसम खाया करै सै, अर उन म्ह कसम के जरिये बात का फैसला होवै सै, अर सारा विवाद खतम हो जावै सै। 17 योए कारण था, के परमेसवर नै भी कसम खाई थी। इस बात तै वो उन माणसां नै साफ तरियां तै दिखाणा चाहवै था, के वो जो भी वादा करै सै, उस ताहीं वो पूरा करै सै। 18 तो उरै दो बात सै

उसका वादा अर उसकी कसम जो कदे बदल न्ही सकदे अर जिनकै बारै म्ह परमेसवर कदे झूठ कोनी बोल सकता। इस करकै हम जो परमेसवर कै धोरै बचण आये सां अर जो आस उसनै म्हारे ताहीं दी सै उस ताहीं थाम्मे होए घणे उत्साहित सां। 19 जिस तरियां किस्ती ताहीं लंगर तै बाँधया जावै सै, जो किस्ती नै पकड़कै राक्खै सै, इस्से तरियां तै आस म्हारी जिन्दगी नै मजबूत अर टिकाए राक्खै सै, अर म्हारी आस यीशु सै, वो परमेसवर कै धोरै सुर्ग म्ह पवित्र मन्दर म्ह परदे कै पाच्छै पोहचा सै। 20 जित्त यीशु नै मलिकिसिदक की रीत पै सारे हाण के बखत का महायाजक बणकै, म्हारै खात्तर अगुवां के रूप म्ह दाखल होया सै। (aiōn g165)

7 यो मलिकिसिदक शालेम नगर का राजा अर परमप्रधान परमेसवर का याजक था, उनके नाम का मतलब “राजा” सै जो नियम कै साथ न्याय करै सै, शालेम के राजा का मतलब सै “शान्ति का राजा।” 2 पवित्र ग्रन्थ म्ह उसके माँ-बाप, उसके पूर्वज, या उसकी मौत या जन्म के बारें म्ह, कुछ भी न्ही लिख्या गया सै। वो हमेशा खात्तर एक याजक सै। इस करकै वो परमेसवर के बेटे की तरियां सै। 3 जब अब्राहम नै चार राजां की हत्या कर दी थी, तो मलिकिसिदक नै उसतै मुलाकात करी, अर उस ताहीं आशीर्वाद दिया। अब्राहम नै युध्द म्ह जीत हासिल करी, अर सारी चिज्जां का दसमां हिस्सा भी दिया। 4 इब इसपै ध्यान करो के वो किसा महान् था जिस ताहीं पूर्वज अब्राहम नै दुश्मनां की लूट के बढ़िया तै बढ़िया माळ का दसमां हिस्सा दिया। 5 मूसा नबी के नियम-कायदे बतावै सै के लेवी के वंशज जो याजक का पद पावै सै, उननै इस्राएल के माणसां तै दसमां हिस्सा लेणा चाहिए, यानिके उसके खुद के माणस तै, पर वे याजक अर दुसरे विश्वासी भाईयाँ की तरियां सै, क्यूँके वे सब अब्राहम के वंश के सै। 6 पर इसनै, जो लेवी-वंशी भी न्ही था, अब्राहम तै दसमां हिस्सा लिया, फेर भी अब्राहम वो था जिसकै धोरै परमेसवर का वादा था, फेर भी मलिकिसिदक नै उस ताहीं आशीर्वाद दिया। 7 इस म्ह कोए शक कोनी के जो आशीर्वाद देवै सै, वो उस माणस तै बड्डा हो सै जिस ताहीं आशीर्वाद देवै सै। 8 उरै तो याजक दसमां हिस्सा लेवै सै, भलाए वो सिर्फ एक माणस सै, जो जीवै सै अर फेर मर जावै सै, पर मलिकिसिदक, जिसनै अब्राहम तै दसमां हिस्सा लिया, वो इब भी जिन्दा सै,

जिसा के पवित्र ग्रन्थ कहवै सै। 9 के जिब अब्राहम नै मलिकिसिदक तार्हीं दसमां हिस्सा दिया, जिब तार्हीं लेवी माणसां का जन्म अब्राहम के वंश म्ह न्ही होया था। पर इब भी उसके वंश होण के कारण, यो इस तरियां सै के लेवी नै खुद ही अब्राहम के जरिये मलिकिसिदक तार्हीं दसमां हिस्सा दिया। 10 क्यूँके जिस बखत मलिकिसिदक उसके पिता तै मिल्या, उस बखत वो अपने पिता की देह म्ह था। 11 माणसां तार्हीं जिन याजकां के आधार पै नियम-कायदे दिए गये थे, जो हारुन के परिवार का अर लेवी के गोत्र का था, पर ये याजक सिध्द न्ही बण सकै। इस करके यो जरूरी था, के एक और याजक आवै, जो हारुन जिसा न्ही, पर मलिकिसिदक जिसा हो। 12 क्यूँके इब एक्के तरियां का याजक कोनी, तो नियम-कायदे का भी बदलना जरूरी सै। 13 क्यूँके हम मसीह के बारे म्ह ये बात करण लागरे सां, जो एक अलग गोत्र तै थे। उस जनजाति म्ह तै किसे नै भी वेदी पै एक याजक के रूप म्ह सेवा न्ही करी, 14 सब जाणै सै, के म्हारा प्रभु यीशु यहूदा के गोत्र म्ह तै पैदा होया सै, मूसा नबी नै यहूदा के किसी भी वंशज के बारे म्ह न्ही बताया, जो यहूदा के याजक बणगे अर यहूदा का कोए वंशज कदे याजक न्ही बणा। 15 इब हम और भी आच्छी तरियां तै समझा सां, जिब मलिकिसिदक कै तरियां एक और याजक पैदा होण आळा था, जो के यीशु मसीह सै। 16 यीशु का याजक बणणा, नियम-कायदा नै पुगाण पै, या लेवी के वंश म्ह तै पैदा होण पै आधारित कोनी। पर वो अपने अविनाशी जीवन की शक्ति के कारण याजक बणग्या। 17 क्यूँके उसके बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “तू मलिकिसिदक की रीत पै युगानुयुग याजक सै।” (aiōn g165) 18 इस करके, पैहल्ड़ी आज्ञा कमजोर अर बेअसर होण कै कारण बदलगी। 19 (ज्यांतै के नियम-कायदे नै किसे बात तार्हीं सिध्द कोन्या करया), अर उसकी जगहां पै एक बेहतर उम्मीद सै, जो के यीशु मसीह सै, जिसके जरिये हम परमेसवर कै लोवै जा सकां सां। 20 जिब यीशु मसीह तार्हीं परमेसवर नै याजक बणा दिया तो परमेसवर नै कसम खाई। 21 क्यूँके लेवी के वंश तो बिना कसम याजक बणाए गये, पर यीशु मसीह बिना कसम के परमेसवर की ओड़ तै नियुक्त करया गया, जिसनै उसके बारे म्ह कह्या, “प्रभु नै कसम खाई, अर उसतै फेर ना पछतावैगा के तू युगानुयुग याजक सै।” (aiōn g165) 22 इस

करके यीशु नै म्हारे ताहीं परमेसवर के गैल सब तै आच्छे करार का वादा करै सै। 23 यीशु के याजक होण का एक और फायदा से, पैहले तो घणी बड्डी गिणती म्ह याजक बणदे आये, क्यूँके हरेक याजक की मौत के साथ उसकी सेवा खतम हो जावै थी। 24 यीशु युगानुयुग जिन्दा रहवै सै, इस कारण उसके याजक का पद कोए न्ही ले सकता। (aiōn g165) 25 इस्से खात्तर जो यीशु के जरिये परमेसवर के धोरै आवै सै, वो उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकै सै, क्यूँके वो उनके खात्तर बिनती करण ताहीं सारी हाण जिन्दा सै। 26 इसाए महायाजक म्हारी जरूरतां नै पूरा कर सकै सै, जो पवित्र, अर बेकसूर, शुद्ध, अर पापमुक्त हो, अर सुर्ग तै भी जिस ताहीं ऊँच्चा करया होया हो। 27 जो महायाजक हारुन के वंश तै सै, उसनै जरूरत कोनी के हरेक दिन पैहल्या अपने पापां के खात्तर बलिदान चढ़ावै, क्यूँके यीशु नै अपने-आप ताहीं बलिदान चढ़ाके उसनै एक ए बर म्ह पूरा कर दिया। 28 क्यूँके नियम-कायदे तो कमजोर माणसां ताहीं महायाजक नियुक्त करै सै, पर कसम जो नियम-कायदा के बाद आवै सै, उस बेट्टे नै नियुक्त करै सै जो युगानुयुग के खात्तर सिध्द महायाजक सै। (aiōn g165)

8 इब जो बात हम कहण लागरे सां उन म्ह तै सारया तै बड्डी बात या सै म्हारे धोरै इस तरियां का महायाजक सै, जो सुर्ग पै महामहीम के सिंहासन के सोळी ओड़ सै, 2 म्हारा महायाजक सब तै घणी पवित्र जगहां अर उस सच्चे तम्बू (सुर्ग म्ह) काम करै सै, जो के माणसां के जरिये न्ही, परमेसवर के जरिये बणाया गया सै। 3 क्यूँके हरेक महायाजक पापां की माफी के खात्तर बलिदान अर भेंट चढ़ावै सै, इस कारण जरूरी सै के म्हारे महायाजक मसीह यीशु के धोरै भी चढ़ाण खात्तर किमे हो। 4 जै वो धरती पै होंदा तो कदे भी याजक न्ही होंदा, ज्यांतै के मूसा के नियम-कायदे के मुताबिक भेंट चढ़ाण खात्तर याजक सै। 5 वे सुर्ग म्ह की चिज्जां के नकल अर छाया की सेवा करै सै, जिसा जिब मूसा नबी तम्बू बणाण पै था, तो उस ताहीं या चेतावनी मिली, “लखा, जो नमूना तेरे ताहीं पहाड़ पै दिखाया गया था, उसके मुताबिक सारा किमे बणाणा।” 6 पर जो काम यीशु ताहीं दिया गया सै, वो दुसरे याजकां तै दिए गये काम तै ज्यादा बाध सै, क्यूँके वो जिस करार का बिचौलिया सै, वो पुराणे करार तै बढ़िया सै, अर बढ़िया चिज्जां की कसमां पै

आधारित सै। 7 क्यूँके जै वो पैहलड़ा करार बेकसूर होन्दा, तो दुसरे करार के खात्तर मौक्का ना टोहया जान्दा। 8 पर प्रभु उनपै दोष लाकै कहवै सै, “प्रभु कहवै सै, लखाओ, वे दिन आवे सै के मै इस्राएल के माणसां कै गेल्या, अर यहूदा के माणसां कै गेल्या नया करार करूँगा। 9 यो उस करार की तरियां न्ही होवैगा, जिसा मन्नै उनकै पूर्वजां कै गेल्या उस बखत करया था, जिब मन्नै उनका हाथ मिस्र देश तै लिकाड़ ल्याण खात्तर पकड्या था, क्यूँके प्रभु कहवै सै, के वे मेरे करार के बिश्वासी न्ही रहे, ज्यांतै मन्नै उनतै मुँह फेर लिया। 10 फेर प्रभु कहवै सै, के जो करार मै आण आळे दिनां म्ह इस्राएल कै माणसां कै गेल्या करूँगा, वो यो सै के मै अपणे नियमां नै उनके मनां म्ह गेरूँगा, मै उन ताहीं अपणे नियमां कै बारें म्ह उननै याद दुआऊँगा, अर मै उनका परमेसवर ठहरूँगा अर वे मेरे माणस ठहरेंगें। 11 अर हरेक अपणे यहूदी भाई ताहीं अर अपणे सगे-सम्बन्धी ताहीं या शिक्षा न्ही देवैगा, के तू प्रभु ताहीं पिच्छाण, क्यूँके छोट्टे माणसां तै लेकै बड़े माणसां ताहीं सारे मन्नै जाण लेवेंगें। 12 मै उनकी दुष्टता की ओड़ दया करूँगा, अर उनकै पापां नै दुबारा याद कोनी करूँगा।” 13 परमेसवर नै इस ताहीं नया करार कहा, इस करके उसनै पैहलड़े करार ताहीं पुराणा ठहरा दिया, जो चीज पुराणी अर घिसी होई सै उसका मिट जाणा जरूरी सै।

9 इब, उस पैहलड़े करार म्ह भी सेवा के नियम थे, अर इसी पवित्र जगहां थी, जो इस दुनिया की थी। 2 यानी के एक तम्बू बणाया गया जिस म्ह दो कमरे थे, पैहले कमरे म्ह दीवट, मेज अर मेज कै उप्पर भेंट की चढ़ाई होई रोतियाँ थी, अर वा पवित्र जगहां कुहावै सै। 3 ओड़ै एक परदा था उस परदे कै पाच्छे दुसरा कमरा था, जो परमपवित्र जगहां कुहावै सै। 4 उस दुसरे कमरे म्ह सोन्ने की धूपदानी, अर चौगरदेकै सोन्ने तै मन्दया होया करार का सन्दूक था, अर उस म्ह मन्ना तै भरया होया सोने का मर्तबान भी था, अर हारुन की छड़ी जिस म्ह फूल फळ आ गये थे, अर करार की पत्थर की पटियाँ भी थी। 5 इसके अलावा सन्दूक कै उप्पर दोन्नु ओड़ तेजोमय करुब थे, जो प्रायश्चित के ढक्कण जिस ताहीं प्रायश्चित के दिन पापबलि के लहू तै छिड़क दिया जावै था। इनका एक-एक करके जिक्र करण का इब्बै बखत न्ही सै। 6 ये चीज इस तरियां तै धरी गई थी। उस पैहलड़े कमरे म्ह परमेसवर

की आराधना करण कै खात्तर याजक हरेक दिन पैहले कमरे म्ह जाया करै था। 7 पर दुसरे कमरे म्ह यानी घणी पवित्र जगहां म्ह, सिर्फ महायाजक साल भर म्ह एक ए बर जावै सै, अर बलिदान के जानवर का लहू लिये जाया करै था, जिस ताहीं वो अपने खात्तर अर माणसां की भूल-चूक म्ह करया पापां खात्तर भेंट चढ़ावै सै। 8 इसतै पवित्र आत्मा योए दिखावै सै, के पुराणे करार के मुताबिक दुसरा कमरा यानी घणी पवित्र जगहां जो सुर्ग म्ह सै, जित्त परमेसवर रहवै था, ओड़ तक पुहचण का रास्ता बन्द था। 9 यो तम्बू आज कै दिन का एक उदाहरण सै, जिस म्ह याजक भेंट अर बलिदान चढ़ावै सै, जिब माणस बलिदान की भेंट लेकै आवै थे, तो उनकी अन्तरात्मा समझ न्ही पावै थी, के इब उसके पाप माफ होए सै या न्ही। 10 क्यूँके ये उपहार अर बलिदान सिर्फ खाण-पीण की चिज्जां, अर कई ढाळ की शुद्ध करण की शारीरिक विधियाँ, तब तक थी, जिब तक परमेसवर कोए नई विधि न्ही देता। 11 पर जिब मसीह म्हारा महायाजक बणकै आया, तो अपने साथ बढ़िया-बढ़िया चीज लेकै आया जो इब भी मौजूद सै, जिब वो दिख्या तो वो परमेसवर की मौजूदगी म्ह चला गया, यो तम्बू हाथ का बणाया होया कोनी यानिके इस सृष्टि का कोनी। 12 जिब मसीह तम्बू म्ह चला गया तो वो सब खात्तर सब तै पवित्र जगहां म्ह दाखल होया, उसनै बलिदान के रूप म्ह बकरयां अर बाछड़याँ का लहू न्ही लिया, बल्के उसनै अपना लहू लिया, ताके हम अनन्त छुटकारा पा सकै। (aiōnios g166) 13 क्यूँके जै मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक जिब बकरयां अर बळधां का लहू अर बाछड़े की राख का अपवित्र माणसां पै छिड़के जाण की विधि के मुताबिक, अशुद्धता दूर हो जावै सै। 14 तो मसीह का बेकसूर लहू जो म्हारी अन्तरात्मा नै, म्हारे पाप, जो म्हारी मौत की बजह बणै सै, उनतै शुद्ध करै सै, ताके हम जिन्दे परमेसवर की आराधना कर सका। पवित्र आत्मा की शक्ति के जरिये मसीह नै म्हारे ताहीं अपने पापां खात्तर एक सम्पूर्ण बलिदान के रूप म्ह परमेसवर ताहीं अपने-आप ताहीं दे दिया। (aiōnios g166) 15 इस कारण मसीह परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह नये करार का बिचोल्ला सै, ताके जो माणस परमेसवर के जरिये बुलाये गये सै, वो सनातन आशीषें पा सकै, जिसका परमेसवर नै वादा करया सै, क्यूँके पैहल्डे करार के अधीन रहन्दे

होए जितने माणसां नै पाप कराया, उन ताहीं छुड़ाण खात्तर यीशु नै अपणी जान दे दी। (aiōnios g166) 16 करार एक वसियत के समान हो सै। एक वसियत के नियम नै लागू करण खात्तर यो साबित करणा जरूरी होवै सै, के जिसनै वा वसियत बणाई हो, वो मर चुक्या हो। 17 क्यूँके एक वसियत जिब्बे लागू हो सकै सै, जिब उसके बणाण आळा की मौत होगी हो। वो जिब तक लागू न्ही होन्दी जिब ताहीं उसका बणाण आळा जिन्दा हो। 18 इस कारण पैहल्डा करार का नियम जानवरां के लहू ताहीं बहाए जाण पै लागू होवै था। 19 क्यूँके जिब मूसा नबी सारे माणसां नै नियम-कायदे का हरेक हुकम सुणा चुक्या तो उसनै बकरयां अर बाछड़याँ का लहू लेकै, पाणी म्ह मिला लिया अर लाल ऊन अर जूफा (झाड़ी) की छड़ी कै गेल्या, उस नियम-कायदे की किताब अर सारे माणसां पै छिड़क दिया 20 अर कहा, “के यो लहू परमेसवर के साथ करे गये करार नै पक्का करै सै, जिसका हुकम परमेसवर नै थारे खात्तर दिया सै।” 21 अर इस्से तरियां तै उसनै तम्बू अर सेवा के सारे समान पै लहू छिड़क्या, जित्त सारे माणस आराधना करण लागरे थे। 22 सच तो यो सै के नियम-कायदे कै मुताबिक आमतौर पै सारी चीज लहू कै जरिये शुद्ध करी जावै सै, मसीह नै जो लहू बहाया उसके बगैर पापां की माफी कोन्या। 23 यो जरूरी सै के तम्बू अर उसकी सारी चीज, जो सुर्ग की चिज्जां का हुबहू सै, इन जानवरां का लहू सै, जो शुद्ध करया जा, पर सुर्ग की चीज नै शुद्ध करण कै खात्तर बढ़िया बलिदानां की जरूरत थी। 24 क्यूँके मसीह जिस पवित्र जगहां म्ह दाखल होया, वो माणसां के हाथ की बणाई होई न्ही थी, वो असली तम्बू की सिर्फ एक नकल सै, बल्के वो सीध्दा सुर्ग गया अर इब म्हारी मदद करण खात्तर परमेसवर कै साथ सै। 25 वो सुर्ग म्ह इस करकै दाखल होया के माणसां के पापां के कारण बारबार अपणे-आपनै बलिदान करै, जिस तरियां महायाजक हरेक साल दुसरे का लहू लिए पवित्र जगहां म्ह दाखल होया करै था, 26 जै इसा करणा जरूरी था तो दुनिया की शरूआत तै लेकै इब तक उसनै बार-बार दुख ठाणा पड़दा, पर इब युग कै आखरी म्ह वो एक ए बर जाहिर होया सै, ताके अपणे क्रूस पै बलिदान कै जरिये पाप ताहीं दूर कर देवै। (aiōn g165) 27 अर जिस तरियां माणसां कै खात्तर एक बर मरणा अर उसके पाच्छै न्याय का होणा तय

सै, 28 उससे तरियां ए मसीह भी माणसां के पापां की माफी खात्तर एक बर धरती पै आया अर सूळी पै अपणी जान दे दी, अर जो माणस उसकी बोहड़ण की बात देखै सै, उनके उद्धार कै खात्तर दुसरी बर बिना पाप उठाए होए दिखैगा।

10 मूसा नबी के नियम-कायदे, आण आळी असली चिज्जां की छाया सै, पर ये वो आळी असली चीज कोनी, ज्यांतै नियम-कायदा की विधि के मुताबिक बलिदानां कै जरिये जो हरेक साल हर बार चढ़ाए जावै सै, बलिदान चढ़ाण आळा, कदे भी माणसां नै पूरी तरियां तै शुद्ध नही कर सकदा। 2 जै बलिदानां कै जरिये माणस पूरी तरियां शुद्ध हो जावै, तो उनका चढ़ाणा बन्द क्यांतै नही हो जान्दा? बलिदान करण आळा, आराधना करण आळा अर सेवा करण आळे एक ए बर शुद्ध हो जान्दे, तो उनका बलिदान चढ़ाण पै भी उनका मन उन ताहीं क्यूँ कहवै सै, के वे पापी सै। 3 उनके जरिये चढ़ाया गया बलिदान उन ताहीं हर साल यो याद दुआवै सै, के उननै पाप करया सै। 4 क्यूँके या अनहोणी बात सै, के बळधां अर बकरयां का लहू माणसां के पापां नै माफ करै। 5 इस्से कारण जिब मसीह इस दुनिया म्ह आया तो उसनै परमेसवर तै कह्या, “बलिदान अर भेंट तन्नै कोनी चाही, पर मैरै खात्तर एक देह त्यार करी सै। 6 बलिदान के रूप म्ह चढ़ाये गये जानवरां की भेंट अर पाप के खात्तर चढ़ाये गये बलिदान तै तू खुश कोनी होया। 7 फेर मसीह नै कह्या, ‘लखा, परमेसवर मै तेरी इच्छा पूरी करण खात्तर आ गया सूँ, जिसा पवित्र ग्रन्थ मैरै बारै म्ह कहवै सै।’” 8 पैहले तो मसीह कहवै सै, “बलिदान के रूप म्ह चढ़ाये गये जानवरां की भेंट अर पाप कै खात्तर चढ़ाया गया बलिदान कोनी मांग्या, अर ना ए उन भेटां तै तू खुश होया।” हालाकि ये बलिदान तो नियम-कायदे कै मुताबिक चढ़ाए जावै सै। 9 फेर मसीह यो भी कहवै सै, “लखा, मै तेरी इच्छा पूरी करण आ गया सूँ” इस करके पापां की माफी के पैहले तरिके ताहीं, जो नियम-कायदा के मुताबिक थे, उननै हटा के नये तरिके तै जो मेरे लहू के जरिये माफ होवै सै, उन ताहीं लागू करूँ। 10 परमेसवर याए चाहवै था, के हम मसीह यीशु की देह के एके बार बलिदान चढ़ाए जाणके जरिये पवित्र करे जावां। 11 पैहले करार के मुताबिक हरेक याजक वेदी के स्याम्ही खड़े होके रोज सेवा करै सै, अर एक ए ढाळ के

बलिदान नै, जो पापां नै कदे भी दूर न्ही कर सकदे, बार-बार चढ़ावै सै। 12 पर मसीह जो म्हारा बड़ा याजक सै, उसनै माणसां के पापां कै खात्तर एक ए बलिदान के रूप म्ह, परमेसवर के स्याम्ही सदा कै खात्तर अपने-आप तार्हीं चढ़ा दिया, अर परमेसवर कै सोळी ओड़ महिमामय जगहां म्ह पै जा बेठ्या, 13 अर उससे बखत तै मसीह इस बात की बाट देखण लागरया सै, के कद परमेसवर उसके बैरियाँ नै पूरी तरियां तै हरावैगा। 14 क्यूँके क्रूस पै बलिदान के जरिये, परमेसवर नै जिन माणसां तार्हीं पवित्र करया, उन तार्हीं सदा खात्तर सिध्द कर दिया सै। 15 अर पवित्र आत्मा भी हमनै यीशु के बलिदान के बारे म्ह याए गवाही देवै सै, के यो सच सै, अर म्हारे तार्हीं यो बतावै सै के परमेसवर नै इस बलिदान के बारे म्ह के कह्या सै। 16 “प्रभु कहवै सै, के जो नया करार, मै आण आळे दिनां म्ह, उनतै करूँगा, वो यो सै, के मै अपने नियम उन तार्हीं याद दुआऊँ, अर नियमां नै मानण म्ह उनकी मदद करूँगा।” 17 फेर यो भी कहवै सै, “मै उनकै पापां नै अर उनकै अधर्म के काम्मां नै दुबारा याद कोनी करूँगा।” 18 अर जिब पापां की माफी होगी तो पापां खात्तर बलिदान चढ़ाण की कोए जरूरत कोनी। 19 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, यीशु कै सलीब पै लहू बहाण कै जरिये हम पिता कै धोरै बिना डरे घणी पवित्र जगहां म्ह जा सका सां। 20 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, परमेसवर के परिवार म्ह म्हारे खात्तर एक सबतै उत्तम याजक निर्धारित सै, यीशु कै सलीब पै लहू बहाण कै जरिये म्हारे खात्तर एक नया अर जिन्दगी देण आळा राह खोल दिया सै। जिस तार्हीं उसनै उस पड़दे, यानिके अपणी देह के बलिदान के जरिये म्हारे तार्हीं घणी पवित्र जगहां म्ह जाण का साहस होया सै। 22 तो आओ, हम सचे मन अर पूरे बिश्वास कै गेल्या, अर अपणी अन्तरात्मा तार्हीं पापां तै मुक्त करण खात्तर अर सच्चे मन तै, देह तार्हीं शुद्ध पाणी तै धोकै, परमेसवर कै लोवै जांवा। 23 अर इब हम बिना किसे शक के अपणी उस आस म्ह मजबूत रहवां, जिस तार्हीं हमनै मान्या सै, क्यूँके जिसनै वादा करया सै, वो बिश्वास जोगगा सै। 24 अर हम यो भी खास ध्यान राक्खां के हम आपस म्ह प्यार, अर भले काम्मां म्ह उकसाण कै खात्तर हम एक-दुसरे की फिक्र करते रहवां। 25 अर हम आराधना सभायां म्ह लगातार कठ्ठे होण म्ह सुस्त ना हो जावां, जिसा के भोत-से तो सुस्त हो भी लिये सै, पर

एक-दुसरे नै उत्साहित करते रहों, जिसा के थम जाणो सों, के यीशु का
 आण का बखत लोवै सै। 26 क्यूँके मसीह नै जाणण कै बाद जै हम जाण-
 बुझकै पाप करदे रहवां, तो पापां की माफी खात्तर फेर कोए बलिदान बाकी
 न्ही बचा। 27 तो हाँ, परमेसवर के न्याय का दिन आवैगा, अर वो अपणे
 बिरोधियाँ नै नाश कर देवैगा, अर ये सारी बात होण आळी सै। 28 जो माणस
 मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक दो या तीन माणसां की गवाही पै,
 बिना दया कै मार दिया जावै सै, 29 तो सोच ल्यो के वो माणस और भी
 भारया दण्ड कै जोगगा ठहरैगा, जिसनै परमेसवर के बेट्टे की कदर न्ही जाणी
 अर मसीह के लहू ताहीं अपवित्र जाण्या, जो उस ताहीं शुद्ध करै सै, अर उस
 पवित्र आत्मा का अपमान करै सै, जो हमनै अनुग्रह देवै सै। 30 क्यूँके हम
 उसनै जाणा सा, जिसनै कह्या सै, “बदला लेणा मेरा काम सै, मै ए बदला
 दियुँगा।” अर फेर यो भी कह्या के “प्रभु अपणे माणसां का न्याय करैगा।”
 31 जिन्दे परमेसवर कै हाथ्यां म्ह पड़णा भयानक (डरावणी) बात सै। 32 पर
 उन पाच्छले दिनां नै याद करो, जिब थमनै पैहली बार मसीह पै बिश्वास
 करया अर परमेसवर कै खात्तर दुख ठाण म्ह पाच्छै न्ही हटे। 33 कदे-कदे तो
 माणसां नै सब कै स्याम्ही थारी बुराई करी अर थारे ताहीं मारा पिट्या भी,
 अर थमनै उन माणसां कै गैल भी दुख सहया जो इसे दुख ठावै सै। 34 क्यूँके
 जो लोग कैद म्ह थे, उनकै दुख म्ह भी थम दुखी होए, अर अबिश्वासी नै थारी
 सम्पत्ति ताहीं भी लूट ली, तो थम लुटण खात्तर भी तैयार होगे, न्यू जाणकै
 के थारे गेल्या एक और भी सारया तै बढिया अर सारी हाण ठहरण आळी
 सम्पत्ति सै। 35 ज्यांतै अपणे दुख म्ह भी बिश्वास म्ह बणे रहों क्यूँके उसका
 ईनाम बड़ड़ा सै। 36 क्यूँके थारा धीरज धरणा जरूरी सै, ताके थम परमेसवर
 की इच्छा नै पूरी करकै वो पा सको जो परमेसवर नै थारे तै वादा करया सै।
 37 “क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, घणाए थोड़ा बखत रहग्या सै, जिब के
 आण आळा आवैगा अर वार न्ही करैगा। 38 पर मेरे धर्मी माणस बिश्वास तै
 जिन्दा रहवैगे, जै वो बिश्वास तै पाच्छै हट जावै तो मेरा मन उसतै राज्जी
 कोनी होवैगा।” 39 पर हम बिश्वास तै हटण आळे कोनी के नाश हो जावै पर
 परमेसवर पै बिश्वास करण आळे सां ताके हम अनन्त मौत तै बचाएँ जावां।

11 जो माणस परमेसवर म्ह विश्वास करै सै, वो ये बात आच्छी तरियां जाणै सै, के परमेसवर वे चीज उन ताहीं जरूर देवैगा, जिसकी आस वे राक्खै सै। उननै पूरा विश्वास सै, के जो चीज उननै इब्ने न्ही देख्खी, वो असलियत म्ह सै। 2 म्हारे पूर्वजां नै परमेसवर म्ह इस तरियां विश्वास करया था, इस करकै परमेसवर उनतै खुश थे। 3 विश्वास तै ए हम जाणा सां, के सृष्टि परमेसवर के वचन तै बणी सै। हम या भी जाणै सां, के जो चीज हम देख सका सां, वे अनदेख्खी चिज्जां म्ह तै बणी सै। (aiōn g165) 4 विश्वास तै ए आदम के बेट्टे हाबिल नै, अपणे बड़े भाई कैन तै घणा बढ़िया बलिदान परमेसवर कै खात्तर चढ़ाया, अर उस बलिदान के जरिये परमेसवर नै गवाही दी, के हाबिल एक धर्मी जन सै, क्यूँके परमेसवर उसकी भेंट तै खुश था, इब हाबिल मर लिया सै, अर हमनै उसके जरिये परमेसवर पै विश्वास करणा सिख्या सै। 5 हनोक के विश्वास के जरिये परमेसवर नै उस ताहीं जिन्दा ए सुर्ग पै उठा लिया, इस बजह तै इब ताहीं किसे नै उसकी लाश न्ही मिली, सुर्ग म्ह जाण तै पैहले उसनै परमेसवर ताहीं खुश करया था, जिसा के परमेसवर का पवित्र ग्रन्थ बतावै सै। 6 माणस परमेसवर नै खुश कर सकै सै, जै वे उसपै विश्वास करै तो। क्यूँके परमेसवर कै धोरै आणआळै माणस नै विश्वास करणा चाहिये के वो परमेसवर सै, अर वो पूरी सच्चाई तै अपणे टोह आळे नै ईनाम देवै सै। 7 विश्वास ए तै नूह नै परमेसवर के जरिये बाढ़ की चेतावनी पाकै, जिस ताहीं उसनै देख्या भी कोनी था। परमेसवर का डर मानते होए, अपणे कुण्बे नै बचाण कै खात्तर उसनै जहाज बणाया, नूह के विश्वास के कारण उसनै उस बखत के माणसां ताहीं जिननै विश्वास न्ही करया था, उन ताहीं दोषी ठैहराया, अर वो डूबके मरगे। नूह नै परमेसवर पै विश्वास करया था, इस करकै परमेसवर नै उस ताहीं धर्मी ठैहराया था। 8 जिब परमेसवर नै अब्राहम ताहीं किते जाण खात्तर बुलाया था, तो उसनै विश्वास तै ए परमेसवर के हुकम ताहीं मानकै, एक इसी जगहां लिकड़ गया, जो जगहां परमेसवर अब्राहम ताहीं उसकी जायदाद के तौर पै देण आळा था, पर वो या कोनी जाणै था के वो कित्त जावै सै, अर वो फेर भी चला गया। 9 विश्वास ए तै जिस देश ताहीं परमेसवर नै देण का वादा करया था, ओड़ अब्राहम नै एक परदेशी की तरियां रहकै अपणे बेट्टे इसहाक अर अपणे पोत्ते याकूब सुधा

तम्बुआ म्ह बसेरा करया, जो उसकै गेल्या उस्से वादे के वारिस थे। 10 क्यूँके वो उस नगर की जो सुर्ग म्ह सै, अर जिसकी नीम पक्की सै, उसकी बाट देख्खै था, जिसका रचण आळा अर बणाण आळा परमेसवर सै। 11 यो सिर्फ बिश्वास ए सै, जिसकै जरिये अब्राहम बाप बण सका, हालाकि अब्राहम भोत बूढ़ा था, अर उसकी पत्नी सारा भी बाळक न्ही पैदा कर सकै थी, परमेसवर वो जरूर करै सै, जो उन ताहीं वादा करया था। 12 जिब अब्राहम इतणा बूढ़ा होगया था, के मरण आळा ए था, तो अकास म्ह सुर्ग के तारां अर समुन्दर के किनारे की बाळू की तरियां उसके अनगिणत वंश पैदा होए। 13 ये सारे माणस जिननै परमेसवर पै बिश्वास करया था, वे उन चिज्जां नै पाए बिना मरगे, जिसका परमेसवर नै उन खात्तर वादा करया था। वादा करी होई चीज न्ही पाई, पर उननै अपणे मन म्ह देख्कै राज्जी होए अर मान लिया के हम धरती पै परदेशी अर बाहर के सां। 14 ये उन माणसां के बारें म्ह सै, जो कहवै सै के वे इस दुनिया म्ह अजनबी सै, वे दिखावै सै के अपणे देश की टोह म्ह सै। 15 अर जिस देश तै वे लिकड़ आये थे, जै उसके बारें म्ह सोचते तो वे उल्टा जा सकै था। 16 पर वे एक घणा बढ़िया यानिके सुर्गीय देश के चाहण आळे सै, इस्से खात्तर परमेसवर उनका परमेसवर कुहाण म्ह खुशी महसूस करै सै, क्यूँके उसनै उनकै खात्तर एक नगर तयार करया सै। 17 बिश्वास ए तै अब्राहम नै, परखे जाणकै बखत म्ह, अपणे बेटे इसहाक ताहीं बलिदान चढ़ाया, उस्से नै परमेसवर के वादा ताहीं पाया, क्यूँके वो अपणे इकलौते बेटे की बलि देण खात्तर भी तैयार होगया था। 18 अर जिसतै न्यू कह्या गया था, “इसहाक तै तेरा वंश कुहावैगा,” वोए अपणे एकलौते बेटे ताहीं बलिदान चढ़ाण लाग्या। 19 क्यूँके उसनै मान लिया, के परमेसवर सामर्थी सै के इसहाक ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा कर सकै सै। यो इसाए था के उननै इसहाक ताहीं मौत के मुँह तै उल्टा पा लिया हो, उदाहरण की रीत पै वो उस ताहीं फेर मिल्या। 20 बिश्वास ए तै इसहाक नै अपणे दो बेटे याकूब अर एसाव ताहीं आण आळी बात्तां के बारै म्ह आशीर्वाद दिया। 21 बिश्वास ए तै याकूब नै मरदे बखत यूसुफ के दोन्नु बेट्याँ म्ह तै एक-एक ताहीं आशीर्वाद दिया, अर अपणी लाठी का सहारा लेकै प्रभु की आराधना करी। 22 बिश्वास ए तै यूसुफ नै, जिब वो मरण पै था, तो आत्मबिश्वास तै कह्या, के इस्राएल

के माणस मिस्र देश छोड़ देंगे, हुकम देके जिब वो मिस्र देश छोड़ के जान्दे, तो उसकी हाड्डियाँ ले जान्दे। 23 तब मिस्र के राजा नै यो हुकम दिया था के सारे इस्राएली छोरे पैदा होण पै मारे जावेंगे, तो बिश्वास के कारण ए तै मूसा नबी के माँ-बाप नै उस ताहीं, पैदा होए पाच्छै तीन महिन्ने ताहीं ल्हकोए राख्या, क्यूँके उननै देख्या के बाळक भोत सुथरा सै, अर वे राजा के हुकम मानण तै डरे कोनी थे। 24 मिस्र देश के फिरौन की बेटी नै मूसा ताहीं अपणालिया था, जिब मूसा बड़ा होया, बिश्वास तै वो न्ही चाहवै था, के माणस उस ताहीं राजकुमारी के बेट्टे कै रूप म्ह बुलावै। 25 ज्यांतै के उस ताहीं पाप म्ह माड़े-से दिन के सुख भोग्गण तै परमेसवर के माणसां कै गेल्या दुख भोग्गण घणा बढ़िया लाग्या। 26 उसनै मसीह कै कारण बदनाम होण ताहीं मिस्र देश कै भण्डार तै बड़ड़ा धन समझ्या, क्यूँके वो जो करण लागरया था, उस ताहीं वो जाणे था, के सुर्ग म्ह उसका ईनाम मिलैगा। 27 बिश्वास ए तै राजा कै छो तै ना डरकै उसनै मिस्र देश ताहीं छोड़ दिया, क्यूँके वो समझ गया था, के उसनै इसा लाग्या, के मान्नो उसनै परमेसवर ताहीं देख लिया हो, जो अदृश्य सै। 28 बिश्वास ए तै मूसा नबी नै फसह अर लहू छिड़कण का तरीका मान्या, जिसतै के जेद्दा का विनाशक दूत इस्राएलियाँ के जेठे बेट्टा पै हाथ न्ही गेरै। 29 बिश्वास ए तै इस्राएल के माणस लाल समुन्दर कै पार इसे उतरगे, जिस तरियां सूक्खी धरती पर तै, अर जिब मिस्र देश नै उस्से तरियां ए करणा चाह्या तो समुन्दर उल्टा अपणी जगहां पै आ गया अर बाढ़ आ गयी अर सब डूब मरे। 30 क्यूँके इस्राएल के माणस परमेसवर पै बिश्वास करै थे, इस करकै वे यरीहो नगर की चारदीवारी के च्यारु ओड़ सात दिनां तक लगातार चालते रहे, तो चारदीवारी पड़गी। 31 बिश्वास ए तै राहाब बेश्या परमेसवर का हुकम ना मानण आळा कै गेल्या नाश न्ही होई, उसनै इस्राएली जासूसां का स्वागत करया जो यरीहो नगर नै छुप के देखण आये थे। 32 इब और के कहुँ? क्यूँके बखत कोनी रहया के गिदोन का, अर बाराक का अर शिमशोन का, अर यिफतह जिसा माणसां के बारें म्ह, अर दाऊद अर शमूएल का, अर नबियाँ का जिक्र करुँ। 33 इसे बिश्वास कै जरिये राज्य जीत्ते, धर्म के काम करे, वादा करी होई चीज पाई, शेर उन ताहीं खा न्ही सका। 34 आग की ज्वाला ताहीं शीळा करया, तलवार की धार तै बच

लिकड़े, एक बार कमजोर होण पै फेर तै ठाढ़े बणा दिया, वे लड़ाई म्ह वीर लिकड़े, उननै अपणे दुश्मनां की पलटन ताहीं खदेड़ दिया। 35 लुगाईयाँ नै अपणे मरे होया ताहीं दुबारा जिन्दा पाया, कितने तो मार खांदे-खांदे मरगे अर वे अपणा बिश्वास न्ही छोड़णा चाहवै थे, ताके वे जेळ तै रिहा करे जा सकै, ज्यांतै के घणे मरण के बाद फेर तै जिन्दा हो जावै, अर वे एक बढ़िया जिन्दगी पा सकै। 36 घणखरयां नै मखौल म्ह उड़ाया गया, अर कई नै कोड़े खाणे पड़े, बल्के कई नै बेलां तै जुड़कै, जेळ म्ह गेरया गया। 37 कईयाँ पै पत्थर बरसाए गए, आरै तै चीरे गये, कईयाँ ताहीं तलवार तै मौत के घाट उतार दिया गया, वे गरीब थे, उन ताहीं यातनाए भी दी गई, अर उनके गैल बुरा व्यवहार करया गया, वे भेड्डां अर बकरियाँ की खाल ओढ़ कै आस्सै-पास्सै भटकदे रहे। 38 अर जंगळां, अर पहाड़ां, अर गुफायां म्ह, अर धरती की दरारां म्ह भटकदे हॉडें। या बुरी दुनिया इन बिश्वासियाँ जोग्गी कोनी थी। 39 बिश्वास ए कै जरिये इन सारया कै बारै म्ह परमेसवर नै उनके तारीफ करी सै, तोभी वादा करी होई उस चीज नै वो पा न्ही सकै जो परमेसवर नै उन ताहीं वादा करया था। 40 क्यूँके परमेसवर कै धोरै सिर्फ उनके खात्तर न्ही, बल्के म्हारै खात्तर भी एक घणी बढ़िया तरकीब सै, परमेसवर उन ताहीं सिध्द बणाणा चाहवै सै, पर सिर्फ म्हारै साथ मिलकै।

12 इस बजह तै जब घणखरे माणसां के बिश्वास की गवाही जो उनकी जिन्दगी म्ह सै, म्हारे बारें म्ह बड़े बाढ़ळ की तरियां घेरे होए सै, तो आओ, हरेक रोकणआळी चीज अर उलझाण आळे पाप ताहीं दूर करकै, अर राह पै हमनै चालणा सै, धीरज तै चाल्ला। 2 अर बिश्वास के कर्ता अर सिध्द करण आळे यीशु की ओड़ लखान्दे रहवां, उस आनन्द कै खात्तर जो बिश्वास म्ह मिलण आळा था, शर्म की कुछ परवाह न्ही करकै क्रूस का दुख सहया, अर परमेसवर कै सिंहासन कै सोळी ओड़ महिमामय जगहां जा बेठ्या। 3 यीशु के उदाहरण कै बारें म्ह सोच्चो, जिसनै अपणे बिरोध म्ह पापियाँ का इतणा बिरोध सह लिया ताके थम निराश होकै हिम्मत ना छोड़ द्यो। 4 पाप के बिरुध्द अपणे संघर्ष म्ह थमनै उसतै इसी मुठभेड़ न्ही करी के थारा लहू बह्या हो, 5 अर थम उस उपदेश ताहीं, जो थारे ताहीं बेट्टा की तरियां दिया जावै सै, भूल गये सो: “हे मेरे बेट्टे, प्रभु की ताड़ना नै हल्की बात ना जाण, अर जब

वो तन्नै घुड़कै तो हिम्मत ना छोड़ै। 6 क्यूँके प्रभु जिसतै प्यार करै सै, उसकी ताड़ना भी करै सै, अर जिस ताहीं बेट्टा बणा लेवै सै, उसकै कोड़े भी मारै सै, ताके अपणे बाळकां नै सुधार सकै।” 7 थम दुख नै पिता की ताड़ना समझकै सह ल्यो, परमेसवर थारे ताहीं बेट्टा जाणकै थारे गेल्या सलूक करै सै वो कौण सा बेट्टा सै, जिसकी ताड़ना पिता न्ही करदा? 8 जै वा ताड़ना जिसकै सब भागी होवै सै, अर थारी कोनी होई, तो थम परमेसवर की ऊलाद कोनी। 9 फेर जिब के म्हारा शारीरिक पिता भी म्हारी ताड़ना करया करै था अर हमनै उसका आदर-मान करया, तो यो और भी जरूरी सै के अपणी आत्मायाँ के पिता के ओड़ तै अनुशासन स्वीकार करा सां, ताके म्हारे धोरै अनन्त जीवन हो। 10 म्हारे धन्यवादी पिता तो, अपणी समझकै मुताबिक थोड़े-से बखत कै खात्तर म्हारी ताड़ना करै सै, पर वो तो म्हारे फैयदे कै खात्तर करै सै, के हम भी उसके समान पवित्र बण जावां। 11 इस बखत ताड़ना दी जावै सै, उस बखत ताड़ना आच्छी कोनी लागै, बल्के वा दुख की बात दिखाई देवै सै। तोभी जो उस ताहीं सहन्दे-सहन्दे पक्के होंगे सै, बाद म्ह उननै चैन कै गेल्या धर्म का ईनाम मिलै सै। 12 इन सारी बात्तां के कारण सब मजबूत बणो अर उत्साहित होओ, 13 अर अपणे पायां कै खात्तर सीध्धी राही बणाओ के लंगड़ा भटक ना जावै पर भला-चंगा हो जावै। 14 सारया तै मेळ-मिलाप राक्खो, अर पवित्र होण खात्तर हरेक ढाळ की कोशिश म्ह रहों, जिसकै बिना कोए प्रभु ताहीं कदे भी न्ही देखैगा। 15 सावधान रहो, इसा ना हो के कोए परमेसवर कै अनुग्रह तै दूर रह जावै या कोए कड़वी जड़ फूटकै दर्द देवै, अर उसकै जरिये घणखरे माणस परमेसवर के सच्चे रास्ते तै भटक जावै सै। 16 इसा ना हो के कोए माणस जार, या अब्राहम के पोत्ते एसाव की तरियां उस म्ह कोए बुराई ना होवै, क्यूँके वो जेठ्टा बेट्टा था, उसनै खास उत्तराधिकारी होण का हक था, पर उसनै अपणे जन्म सिध्द होण के पद का सम्मान न्ही करया, इस करकै उसनै अपणे छोट्टे भाई याकूब ताहीं एक बर के खाणे कै बदले म्ह अपणा जन्म सिध्द होण का पद बेच दिया। 17 थमनै बेरा सै के बाद म्ह जिब उसनै आशीष पाणी चाही तो उस ताहीं मना कर दिया गया, अर आँसू बहा-बहाकै आशीष के मांग्गण पै भी वो पैहले जो कुछ भी करया था, उस ताहीं बदलण खात्तर कुछ भी न्ही कर सका। 18 थम

आग की लपटे, अन्धेरे, काळी घटा जिसा असली पहाड़ पै न्ही आये सों, जिसा के इस्राएल के माणस सीनै पहाड़ पै आये थे, जिब परमेसवर नै उन ताहीं अपणे नियम दिए थे। 19 थम तुरही की आवाज कै धोरै कोनी सों, अर बोल्लण आळे के इसे शब्द कै धोरै न्ही आए, जिसकै सुनणआळे तै बिनती करी के इब म्हारै तै और बात ना करी जावै। 20 उननै इसा इस करकै कह्या, क्यँके वे इस हुकम नै बर्दाशत न्ही कर सकै, के परमेसवर नै उनतै कह्या था, “जै कोए पशु भी पहाड़ ताहीं छुवै तो उसपै पत्थर बरसाये जावै।” 21 अर वो दर्शन इसा डरावणा था के मूसा नबी नै भी कह्या, “मै घणा डरूँ अर काप्पू सूं।” 22 पर थम सिय्योन कै पहाड़ पै आये सों, जित्त सुर्गीय यरुशलेम सै, जो जिन्दे परमेसवर का नगर सै, उसकै धोरै अर लाखों सुर्गदूत खुशी उत्सव मनावै सै। 23 थम उन परमेसवर के खास बाळकां की सभा अर कलीसिया म्ह आये सों, जिनकै नाम सुर्ग म्ह लिक्खे होए सै, परमेसवर कै धोरै जो सब का न्यायी सै, सुर्ग म्ह धर्मी माणसां की आत्मायाँ खात्तर जो इब सिध्द करे गये सै। 24 थम यीशु कै धोरै आए सों, जो परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह करार बणाया, अर छिड़काव का लहू जो माफी के बारें म्ह बोल्लै सै, ना के न्याय के बारें म्ह, जो हाबिल कै लहू तै घणी बढिया बात कहवै सै। 25 सावधान रहो, परमेसवर के हुकम मान्नो, जो थारे तै बात करण लागरया सै, क्यँके इस्राएल के माणस जिब धरती पै मूसा नबी की चेतावनी पाकै बच पाए, क्यँके उननै मूसा नबी की बात कोनी मान्नी थी, तो हम सुर्ग पै तै चेतावनी देण आळे परमेसवर तै मुँह मोड़कै उसके छो तै किस तरियां बच सकांगें? 26 जिब परमेसवर सीनै पहाड़ पै तै बोल्या, तो उसकै शब्द नै धरती ताहीं भी हला दिया, पर इब उसनै यो वादा करा सै, “एक बर फेर मै ना सिर्फ धरती ताहीं बल्के अकास ताहीं भी हला देऊँगा।” 27 अर यो बोल “एक बर फेर” इस बात ताहीं दिखावै सै के बणाई होई चीज हलाई, अर हटा दी जावेंगी, ताके जो चीज हलाई न्ही जान्दी, वे पक्की तरियां बणी रहवें। 28 हमनै जो राज्य मिला सै वो न्ही हिलाया जा सकता, इस कारण हमनै उसका धन्यवादी होणा चाहिए, जिसकै जरिये हम भगति, अर भय सुधा परमेसवर की इसी आराधना कर सकां सां जिसतै वो राज्जी होवै सै, 29 क्यँके म्हारा परमेसवर राख करण आळी आग सै।

13 एक-दुसरे तै भाण-भाई की तरियां प्यार करो। 2 अजनबी की भी सेवा पाणी करो, क्यूँके इसके जरिये कई माणसां नै अनजाणे म्ह सुर्गदूतां का आदर-मान करया सै। 3 कैदियाँ का इस ढाळ बेरा लेओ के मान्नों उनकै गैल थम भी कैद सो, अर जिन ताहीं पीड़ित करया जावै सै, जिसा के थम अपणी देह म्ह दर्द महसूस करो सों। 4 ब्याह सारया म्ह आदर की बात समझी जावै, अर ब्याह होण के बाद एक-दुसरे के प्रति वफादार रहों, क्यूँके परमेसवर जार, अर बिगान्नी लुगाई कै धोरै जाणीयां का न्याय करैगा। 5 अपणी जिन्दगी नै धन के लालच तै मुक्त राक्खों, अर जो थारे धोरै सै उस्से पै सन्तोष करो, क्यूँके उसनै आप्पे ए कह्या सै, “मै तन्नै कदे भी न्ही छोडूँगा, अर ना कदे भी त्यागूँगा।” 6 ज्यांतै हम बिना डरे कहां सां, “प्रभु मेरा मददगार सै, मै न्ही डरूँगा, माणस मेरा के करै सकै सै।” 7 जो थारे अगुवें थे, अर जिन नै थारे ताहीं परमेसवर का वचन सुणाया सै, उननै याद राक्खो, अर गौर करो के किस तरियां जीणा अर मरणा सै, परमेसवर म्ह एके तरियां का बिश्वास दिखाओ जो उननै दिखाया। 8 यीशु मसीह काल अर आज अर युगानुयुग एक सा सै, वो कदे न्ही बदलता। (aiōn g165) 9 क्यूँके यीशु मसीह कदे न्ही बदलता, इस करके थम नई अर अलग शिक्षा ना अपणाओ। क्यूँके थारे मनां खात्तर आच्छा सै, के वे अनुग्रह के जरिये मजबूत बणै, ना के उन खाण-पीण आळी चिज्जां के जरिये, उन माणसां नै कोए फायदा न्ही होन्दा जो इसे काम करै सै। 10 म्हारै धोरै एक वेदी सै जिस म्ह तै तम्बू के याजक नै खाण का कोए हक कोनी, जो तम्बू की सेवा करै सै। 11 क्यूँके पैहले करार के मुताबिक हर साल जिन जानवरां का लहू महायाजक पापबलि कै खात्तर घणी पवित्र जगहां म्ह पापां की माफी खात्तर ले जावै सै, उनकी देह छावणी कै बाहरणै जळाई जावै सै। 12 इस्से कै कारण, यीशु नै भी माणसां ताहीं अपणे ए लहू कै जरिये पवित्र करण कै खात्तर यरुशलेम नगर के बाहरणै दुख सहया अर मारा गया। 13 आओ हम यहूदी नियम-कायदा नै छोड़के यीशु म्ह बिश्वास करां, अर उसके साथ दुख ठावां। 14 क्यूँके इस दुनिया म्ह म्हारा कोए स्थाई घर कोनी, बल्के हम एक आण आळे नगर की टोह म्ह सां। 15 इस करके हम प्रभु यीशु कै जरिये हम अपणे होठ्ठां तै परमेसवर की स्तुति करणा जारी राक्खां, वो म्हारा बलिदान सै, यानिके उन होंठा का फळ जो

उसकै नाम का अंगीकार करै सै, परमेसवर ताहीं सारी हाण चढ़ाया करै। 16 भलाई करणा अर उदारता दिखाणा ना भूलो, क्यूँके परमेसवर इसे बलिदानां तै राज्जी होवै सै। 17 अपणे अगुवां का हुकम मान्ना अर उनकै अधीन रहो, क्यूँके वे थमनै देवखण लागरे सै, ताके थम भटक ना जाओ, अर उन ताहीं अपणी सेवा के बारें म्ह परमेसवर ताहीं लेखा देणा सै, वे यो काम राज्जी होकै करै, यो काम उदास्सी के साथ कोनी करणा, क्यूँके इस हालत म्ह थमनै किमे फायदा कोनी। 18 म्हारै खात्तर प्रार्थना करदे रहो, क्यूँके हमनै भरोस्सा सै के म्हारी अन्तरात्मा शुद्ध सै: हम हर बखत भले काम करणा चाहवां सां। 19 प्रार्थना करण के खात्तर मै थमनै और भी समझाऊँ सूँ के मै तावळा थारे धोरै दुबारा आ सकूँ। 20 अर इब शान्तिदाता परमेसवर, जिसनै म्हारै प्रभु यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, वो थारे ताहीं सब कुछ दे, जो उसकी इच्छा पूरी करण खात्तर चाहिये सै, परमेसवर यीशु मसीह की शक्ति के जरिये वो सब थारे म्ह पूरा करै, जो उस ताहीं खुशी दे सकै सै, यीशु मसीह भेङ्गां का महान् रुखाळा सै, उसनै अपणे लहू के जरिये सदा के करार नै स्थापित करया सै, (aiōnios g166) 21 उस ताहीं सदा महिमा मिलती रहवै। आमीन। (aiōn g165) 22 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूँ सूँ, के उत्साहित करण आळे इन सन्देशां ताहीं धीरज तै सह ल्यो, क्यूँके मन्नै थारे ताहीं थोड़े-से शब्दां म्ह लिख्या सै। 23 थमनै यो बेरा लाग्या हो के तीमुथियुस, म्हारा भाई जेळ की कैद तै छुटया सै, अर जै वो तावळा आ गया तो मै उसकै गेल्या थारे तै भेंट करूँगा। 24 अपणे सारे अगुवां अर सारे पवित्र माणसां ताहीं नमस्कार कहो। इटली देश के बिश्वासी थमनै नमस्कार कहवै सै। 25 थम सारया पै परमेसवर का अनुग्रह होंदा रहवै। आमीन।

याकूब

1 मै याकूब, परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह का दास सूं, मेरी ओड़ तै थम सारया नै मेरा नमस्कार। मै या चिट्ठी इस्राएल के उन यहूदी मसीह बिश्वासियाँ नै लिखूँ सूं, जिनके बाराह गोत्र सारी दुनिया म्ह तित्तर-बितर होकै रहण लागरे सै। **2** हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जिब थम कई ढाळ की मुसीबतां का सामना करो सो, तो इसनै पूरे आनन्द की बात समझो, **3** क्यूँके थम जाणो सों, के थारे बिश्वास कै परखे जाण तै धीरज बढ़े सै। **4** हरेक बात म्ह धीरज धरणा सीखों, ताके थम आत्मिकता म्ह पूरे सिध्द हो जाओ, अर थारे म्ह किसे बात की कमी ना रहवै। **5** पर थारे म्ह तै जै किसे नै बुद्धि की कमी सै, तो परमेसवर तै माँगै, जो बिना उल्हाणा दिये, सारया नै बड़ी उदारता तै देवै सै, अर उस ताहीं दी जावैगी। **6** पर वो बिना शंका के बिश्वास तै माँगै, अर कुछ शक ना करै, क्यूँके शक करण आळा माणस टिक्या न्ही रहन्दा जो समुन्दर की उस लैहर की तरियां सै जो हवा के चाल्लण तै उच्छळै सै। **7** शक करण आळा माणस या बात बिल्कुल ना सोचवै, कै उसनै प्रभु तै कुछ मिलेगा, **8** वो माणस दोगला सै अर अपणी किसे बात म्ह टिकता कोनी। **9** जो बिश्वासी भाई गरीब सै, उननै खुश होणा चाहिए, क्यूँके परमेसवर उनकी इज्जत करै सै, **10** अर धनवान अपने ऊँचे पद पै घमण्ड ना करै, क्यूँके वो घास कै फूल की ढाळ सूख जावैगा। **11** सूरज लिकड़दे ए घणा घाम पड़े सै, अर घास नै सुक्खा देवै सै, अर उसका फूल झड़ जावै सै, अर उसकी खूबसूरती जान्दी रहै सै। इस ढाळ धनवान भी अपने काम करदे-करदे माट्टी म्ह मिल ज्या जावैगा। **12** धन्य सै वो माणस जो परखे जाण पै खरे उतरै सै, क्यूँके परखे जाणके बाद ए जीवन का वो मुकुट पावैगें, जिसका वादा परमेसवर नै उन माणसां तै करया सै, जो परमेसवर तै प्यार करै सै। **13** जिब किसे की परख हो सै, तो वो या ना कहवै के परमेसवर मन्नै परखण लागरया सै, क्यूँके परमेसवर बुरी बातों की परख म्ह कोनी पड़ता, अर ना वो किसे की परख आप करै सै। **14** पर हरेक माणस अपणी ए लालसा म्ह पड़के अर फँसके परख्या ज्या सै। **15** जिब बुरी इच्छा भोत घणी बढ़ ज्या सै, तो पाप नै जन्म देवै सै, अर पाप जिब भोत घणा बढ़ जावै सै, तो अनन्त मौत नै जन्म देवै सै। **16** हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, धोक्खे म्ह ना रहों। **17** क्यूँके हरेक

आच्छा वरदान अर हरेक उत्तम दान परमेसवर की ओड़ तै ए सै, जो सिध्द सै, जिसनै आसमान की ज्योतियाँ बणाई सै, अर वो इनकी छाया की तरियां कदे बदलता कोनी। 18 उसनै अपणी ए इच्छा तै, म्हारै ताहीं सच के वचन कै जरिये जन्म दिया, ताके हम उसकी बणाई होई रचना म्ह सब तै खास हो, जिस तरियां किसान खात्तर फसल का पैहला हिस्सा नाज होवै सै। 19 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, या बात थम जाण ल्यो, हरेक माणस सुणण कै खात्तर तैयार अर बोल्लण म्ह उतावळा ना हो, अर अपणे छो नै काब्बू म्ह करण आळा हो। 20 क्यूँके माणस जिब छो म्ह हो सै तो वो धार्मिकता के काम न्ही कर सकता, जो परमेसवर उसतै करवाणा चाहवै सै। 21 इस करके सारे मन की गंदगी अर नफरत नै दूर करके, परमेसवर के उस वचन नै नम्रता तै मान ल्यो, जो मन म्ह बोया गया सै, अर जो थारे प्राणा का उद्धार कर सके सै। 22 पर परमेसवर के वचन पै चाल्लण आळे बणो, अर सिर्फ सुणण आळे ए न्ही, जो अपणे-आपनै धोक्खा देवै सै। 23 क्यूँके जो कोए परमेसवर के वचन का सुणण आळा हो, अर उसपै चाल्लण आळा ना हो, तो वो उस माणस कै समान सै, जो अपणा मुँह शीशे म्ह देक्खै सै। 24 इस करके के वो अपणे-आपनै देखके चाल्या जावै सै, पर जिब्बे भूल जावै सै, के मै किसा था। 25 पर जो माणस ध्यान तै परमेसवर के सिध्द नियम-कायदा नै पढ़ता रहवै सै, जो हरेक माणसां नै पापां तै आजादी देवै सै, परमेसवर उसनै आशीर्वाद देवैगा, क्यूँके वो सुणके भूलता कोनी, पर उसाए करै सै। 26 जै कोए अपणे-आपनै परमेसवर का भगत समझै, अर अपणी जीभ पै लगाम ना लगावै, पर अपणे मन नै धोक्खा दे, तो उसकी भगति बेकार सै। 27 म्हारे पिता परमेसवर की नजर म्ह सच्ची अर शुद्ध भगति या सै, के अनाथ्यां अर विधवाया के क्लेश म्ह उसकी सुधि ले, अर अपणे-आपनै दुनिया तै बेदाग राक्खै।

2 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थम म्हारे महिमामय प्रभु यीशु मसीह के चेल्लें सों, इस करके थारे म्ह भेद-भाव की भावना ना हो। 2 जै एक माणस सोन्ने के छल्ले अर सुथरे लत्ते पहरे होए थारी मण्डली म्ह आवै, अर एक कंगाल भी मैल्ले कुचेले लत्ते पहरे होए आवै, 3 अर थम उस सुथरे लत्ते आळे नै इज्जत देके कहो, “तू ओड़ै खास जगहां बैठ,” अर उस कंगाल तै कहो, “तू

ओड़े खड्या रहै,” या “मेरै पायां धोरै बैठ।” 4 तो के थमनै भेद-भाव कोनी करया, अर बुरे विचार तै न्याय करण आळे न्ही बणे? 5 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, सुणो। के परमेसवर नै इस दुनिया के कंगालां ताहीं न्ही छाट्या, के बिश्वास म्ह धनी हो जाओ, अर उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जिसका वादा उसनै उनतै करया सै, जो उसतै प्यार करै सै? 6 पर थमनै उस कंगाल की बेजती करी सै। के धनी माणस ए थारे पै जुल्म न्ही करदे, अर के वे थमनै कोट-कचेहड़ी म्ह न्ही घसीट-घसीट कै ले जान्दे? 7 ये वे धनी माणस ए सै, जो प्रभु यीशु के महिमामय नाम की, जिसके थम कहवाओ सों, बेजती करै सै। 8 तोभी जै थम पवित्र ग्रन्थ के इस वचन कै मुताबिक के “तू अपणे पड़ोसी तै अपणे समान प्यार कर” साच्ये उस राजसी नियम नै पूरा करो सों, तो आच्छा ए करो सों। 9 पर जै थम भेद-भाव करो सों तो पाप करो सों, अर मूसा के नियम-कायदे थमनै कसूरवार बतावै सै। 10 क्यूँके जो कोए मूसा के सारे नियम-कायदे नै पुगावै सै, पर एके बात म्ह चूक जावै, तो वो सारी बाततां म्ह कसूरवार बण लिया सै। 11 इस करकै के जिसनै यो कह्या, “तू जारी ना करिये” उससे नै यो भी कह्या, “तू हत्या ना करिये,” इस करकै जै तन्नै जारी तो कोनी करी, पर हत्या करी सै, तोभी तू नियम-कायदा का तोड़ण आळा बणग्या। 12 इस करकै थारी कथनी अर करणी उनके समान हो, जिनका न्याय उस नियम-कायदा कै मुताबिक करया जावैगा, जो म्हारे ताहीं आजादी देवै सै। 13 क्यूँके जिसनै दया न्ही करी, उसका न्याय बिना दया के होगा: जै थम दुसरयां पै दया न्ही करते, तो न्याय के दिन परमेसवर भी थारे पै दया कोनी करैगा। 14 हे मेरै बिश्वासी भाईयो, जै कोए कहवै के मै प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करूँ सूँ, पर वो उसकै मुताबिक आच्छे काम न्ही करदा हो, तो इसतै के फायदा? कै इसा बिश्वास उसका उद्धार कर सकै सै? 15 जै कोए बिश्वासी भाई या भाण जिनकै धोरै पैहरण खात्तर भी लत्ते ना हो, अर उननै रोज खाण नै भी ना मिलता हो, 16 मान ल्यो थारे म्ह तै कोए उनतै कहवै, “ठीक-ठाक जाओ, थम गरम लत्ते पैहरो अर छिके रहों,” पर जो चीज देह खात्तर जरूरी सै, वा उनतै ना देवै, तो के फायदा? 17 उससे तरियां बिश्वास भी, जै आच्छे कर्म सुधा ना हो, तो अपणे सुभाव म्ह मरया होया सै। 18 बल्के कोए या कह सकै सै, “तन्नै बिश्वास सै, अर मै कर्म करूँ सूँ।” तू

अपणा विश्वास मन्नै आच्छे कर्म बिना तो दिखां, अर मै अपणा विश्वास तन्नै अपणे कर्मा कै जरिये दिखाऊंगा। 19 तन्नै विश्वास सै, के एके परमेसवर सै, तू आच्छा करै सै। ओपरी आत्मा भी विश्वास करै सै, अर डर तै थरथर कापै सै। 20 पर हे बिना अकल के माणस, के तू यो भी न्ही जाणदा के बिना आच्छे कर्म विश्वास बेकार सै? 21 म्हारे पूर्वज अब्राहम नै अपणे बेटे इसहाक तार्हीं (बलि खात्तर) वेदी पै चढ़ाया, तो वो आच्छे कर्मा तै धर्मी ठहरया गया। 22 थमनै देख लिया के उसके काम कै गैल विश्वास नै मिलकै असर करया, अर आच्छे काम के कारण उसका विश्वास सिध्द होगया। 23 अर पवित्र ग्रन्थ का यो वचन पूरा होया: “के अब्राहम नै परमेसवर का विश्वास करया,” अर इस खात्तर धर्मी बण गया, अर वो परमेसवर का साथी कुहाया। 24 इस ढाळ थमनै देख लिया, के माणस सिर्फ विश्वास तै ए न्ही, पर भले कर्मा तै भी धर्मी मान्ना जावै सै। 25 उस्से तरियां राहाब बेश्या भी, जिब उसनै जासूसां तार्हीं अपणे घर म्ह शरण दी अर दुसरे राह तै बिदा करया, तो आच्छे कर्मा तै वा धर्मी बणी। 26 जिस तरियां देह आत्मा बिना मरी होई सै, उस्से तरियां विश्वास भी आच्छे कर्म बिना मरया होया सै।

3 हे मेरे विश्वासी भाईयो, थारे म्ह तै कलीसिया म्ह घणे उपदेशक ना बणै, क्यूँके थम जाणो सों के हम जो उपदेशक सां, म्हारा न्याय दुसरयां तै भी घणा सख्ताई तै करया जावैगा। 2 हम सब घणीए बार चूक जावां सा, पर जो कोए मुँह तै गलत बात न्ही बोलता, वोए तो सिध्द माणस सै, अर वोए सारी देह पै भी लगाम लगा सकै सै। 3 जिब हम बस म्ह करण खात्तर घोड्या कै मुँह पै लगाम लगावा सां, तो हम उस घोड़े नै भी काबू कर सकां सां। 4 चाहे हवा कितनी भी तेज क्यूँ ना हो, एक छोट्टी सी पतवार तै, एक माँझी एक बड़े जहाज नै भी मोड़ सकै सै। 5 उस्से तरियां जीभ भी एक छोट्टा सा अंग सै, अर वा बड़ी-बड़ी बात करण की डींग मारै सै। देखखों, छोट्टी सी चिंगारी तै कितने बड़े बण म्ह आग लाग ज्या सै। 6 हाँ, जीभ एक आग के समान सै, या म्हारे देह का एक इसा खतरनाक हिस्सा सै, जो माणस तै अधर्म के काम करवा देवै सै, अर उसकी पूरी जिन्दगी नै बरबाद कर देवै सै, या म्हारे जीवन नै नरक की आग के समान खतम कर सकै सै। (Geenna g1067) 7 हरेक ढाळ के जंगली पशु, पंछी, रेंगण आळे जन्तु, अर पाणी के जीव, तो माणस

कै बस म्ह हो सकै सै, अर बस म्ह हो भी गये। 8 पर जीभ नै कोए भी बस म्ह न्ही कर सकता, या एक इसी खतरनाक बला सै, जो कदे रूकती कोन्या, जो साँप के समान, जहर तै भरी होई सै। 9 जीभ तै ए हम पिता परमेसवर अर प्रभु की बड़ाई करा सां, अर इस्से तै जो परमेसवर कै रूप म्ह बणाये गये माणसां नै श्राप देवां सां। 10 एके मुँह तै आशीष अर श्राप दोनु लिकड़ै सै। हे मेरे विश्वासी भाईयो, इसा न्ही होणा चाहिए। 11 धरती के एके चोवै तै मिठ्ठा अर खारा पाणी दोनु न्ही लिकड़ सकदे। 12 हे मेरे विश्वासी भाईयो, के अंजीर कै पेड़ म्ह जैतून, या अंगूर की डाळी म्ह अंजीर लाग सकै सै? उस्से तरियां खारे चोवै तै मिठ्ठा पाणी न्ही लिकड़ सकता। 13 जै थम समझदार अर परमेसवर की बात्तां नै समझण आळे माणस सों, तो इस बात नै नरमाई अर समझदारी तै एक आच्छा जीवन जी के, साबित करो। 14 पर जै थारे मन म्ह घणी जळण अर मतलबीपण सै, तो अपने ज्ञान का ज्यादा दिखावा ना करो, क्यूँके इसा करण तै थम सच नै छुपाओ सों। 15 इसा ज्ञान परमेसवर की ओड़ तै न्ही, बल्के वो ज्ञान दुनियावी, शारीरिक अर शैतान की ओड़ तै सै। 16 क्यूँके जड़ै जळण अर मतलबीपण होवै सै, ओड़ै बखेड़ा अर हरेक ढाळ के बुरे काम भी होवै सै। 17 पर जो ज्ञान परमेसवर देवै सै, वो पैहला तो पवित्र होवै सै, फेर शांतिप्रिय, सहनशील, विनम्र, खियास राक्खण आळा, भले काम अर दया तै भरया होया परोपकारी अर बिना भेद-भाव का, अर बिना कपट का होवै सै। 18 मेळ-मिलाप करण आळा, किसान की तरियां सै, जो शान्ति का बीज बोवै सै, अर धार्मिकता की फसल काटै सै।

4 थारे म्ह लड़ाई झगड़े का कारण के सै? के थारे भित्तर उन बुरी लालसा तै न्ही, जो थारे म्ह लड़ै-भीड़ै सै? 2 थम लालसा राक्खो सों, पर थमनै मिलता कोनी, ज्यातै थम हत्या करण का भी इरादा राक्खों सों। थम जळण करो सों, अर कुछ पान्दे कोनी, इस करके थम लड़ो अर झगड़ो सों। थमनै इस करके न्ही मिलदा क्यूँके थम परमेसवर तै माँगते कोनी। 3 हालाकि थम माँगो सों, फेर भी थमनै मिलता कोनी, क्यूँके भुंडी इच्छा तै माँगो सों, ताके अपने ऐसो-आराम म्ह उड़ा द्यो। 4 हे बेईमान माणसों, के थम न्ही जाणते, दुनिया की चिज्जां तै प्यार करण, परमेसवर तै बैर करण सै। इस करके जो कोए संसार का साथी बणणा चाहवै सै, वो अपने-आपनै परमेसवर का बैरी

बणावै सै। 5 के थम पवित्र ग्रन्थ म्ह लिखी होई इस बात नै बेकार समझों सों, जिस म्ह लिख्या सै, “जिस पवित्र आत्मा ताहीं परमेसवर नै म्हारै भित्तर बसाया सै, वो बड़ी लालसा करै सै, के हम परमेसवर तै प्यार करां।” 6 पर परमेसवर तो और भी अनुग्रह करै सै, ताके हम बुरी इच्छा तै लड़ सकां, इस कारण पवित्र शास्त्र म्ह यो लिख्या सै, “परमेसवर घमण्ड करण आळा का बिरोध करै सै, पर दीन माणसां पै अनुग्रह करै सै।” 7 इस करकै परमेसवर कै अधीन हो जाओ, अर शैतान का बिरोध करो, तो वो थारे धोरै तै भाग ज्यागा। 8 परमेसवर कै धोरै आओ तो वो भी थारे धोरै आवैगा। हे पापियों, अपने जीवन तै पाप दूर करो, अर हे दोगले माणसों अपने मन नै पवित्र करो। 9 अपने पापां के कारण दुखी होओ, अर शोक करो, रोओ। थारी हाँसी शोक म्ह अर थारा आनन्द उदासी म्ह बदल जावै। 10 प्रभु कै स्याम्ही नरम बणो तो वो थमनै आदर मान देवैगा। 11 हे विश्वासी भाईयो, एक-दुसरे की बदनामी ना करया करो। जो अपने विश्वासी भाई की बदनामी करै सै या उसपै दोष लगावै सै, वो मूसा के नियम-कायदा का बिरोध करै सै, अर जै तू मूसा के नियम-कायदा का बिरोध करै सै, तो तू नियम-कायदा पै चाल्लण आळा कोनी, पर उसपै न्याय करण आळा बणग्या। 12 मूसा के नियम-कायदे देण आळा अर न्याय करण आळा एके सै, जो परमेसवर सै, जो बचाण अर नाश करण म्ह दोनुआ का हक राक्खै सै, पर तन्नै किसे पै इल्जाम लगाण का कोए हक कोनी। 13 थम जो या कहो सों, “आज या तड़कै हम किसे और नगर म्ह जाके ओड़ै एक साल बितावागें, अर व्यापार करकै फायदा कमावागें।” 14 पर थम यो न्ही जाणदे के कल के होवैगा? सुण तो ल्यो, थारा जीवन सै ए के? थम तो धुंध की तरियां सों, जो थोड़ी देर दिक्खै सै फेर खू ज्या सै। 15 इसकी बजाए थमनै या कहणा चाहिए, “जै प्रभु चाहवै तो हम जिन्दा रहवागें, अर यो काम भी करागें।” 16 पर इब थम अपने-आप पै घमण्ड करो सों, यो घमण्ड पाप सै। 17 इस करकै जो कोए भलाई करणा जाणै सै, अर कोनी करदा, उसकै खात्तर यो पाप सै।

5 हे साहूकारों, सुण तो ल्यो, थम अपने आण आळे दुखां पै किल्की मारकै रोओ। 2 थारा धन खराब होग्या अर थारे लत्ता नै कीड़े खाँगे सै। 3 थारे सोन्ने चाँदी की कोए किम्मत कोनी रही, जिस सोन्ना चाँदी ताहीं थमनै कठ्ठा करया

सै, वाए थारी गवाही देंगे, अर थारी देह नै राख कर देगी। थमनै अन्त के युग म्ह धन कट्टा करया सै। 4 देखें जिन मजदूरान नै थारे खेत काट्टे, उनकी वा मजदूरी जो थमनै धोक्खा देकै राखली सै। वे मजदूर चिल्लावै सै, अर उनकी दुहाई सेनाओं के प्रभु के कान्ना तक पहुँच गयी सै। 5 थम धरती पै ऐसो-आराम म्ह लागे रहै, अर बड़ड़ा ए सुख भोग्या, अर इसा करते-करते थम जानवरान की तरियां बणगे सों, जिन ताहीं काट्टण तै पैहले मोट्टा ताजा करया जावै सै, उससे तरियां थम न्ही जाणते के थम भी अपणे-आप ताहीं परमेसवर की सजा खात्तर तैयार करण लागरे सों। 6 जो धर्मी जन थारा सामना न्ही कर सकै थे, थमनै उन ताहीं कसूरवार बणाकै मार दिया। 7 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, प्रभु के आण तक धीरज धरो। जिस तरियां जमीदार धरती की कीमती फसल की आस धरकै पैहली अर आखरी बारिस होण तक धीरज धरै सै। 8 थम भी धीरज धरो, अर अपणी आस नै ना खोओ, क्यूँके प्रभु का आणा लोवै सै। 9 हे बिश्वासी भाईयो, एक-दुसरे पै कुड़कुड़ाओ ना, न्ही तो परमेसवर भी थमनै दण्ड देवैगा, क्यूँके लखाओ, न्याय करण आळा आण खात्तर घणा लोवै सै। 10 हे बिश्वासी भाईयो, जिन नबियाँ नै प्रभु के नाम तै बात करी, उननै दुख उठाण अर धीरज धरण का एक आदर्श समझों। 11 हम धीरज धरण आळे नै धन्य कहाँ सां। थमनै अय्यूब नामक माणस के धीरज के बारे म्ह तो सुण्या ए सै, अर किस तरियां प्रभु नै उस ताहीं प्रतिफळ दिया, जिसतै थमनै प्रभु ताहीं जाण भी लिया के किस तरियां प्रभु करुणा अर दया करै सै। 12 पर हे मेरे बिश्वासी भाईयो, सारा तै बड्डी बात या सै के कसम ना खाईयो, ना सुर्ग की, ना धरती की, ना किसे और चीज की, पर थारी बात हाँ की हाँ ना की ना हो, ताके परमेसवर थमनै दण्ड ना देवै। 13 जै थारे म्ह तै कोए दुखी सै, तो वो प्रार्थना करै। जै आनन्दित सै, तो परमेसवर की बड़ाई के भजन गावै। 14 जै थारे म्ह तै कोए रोगी सै, तो कलीसिया के अगुवां नै बुलावै, अर वे प्रभु के नाम तै उसपै तेल मल के उसकै खात्तर प्रार्थना करै, 15 अर बिश्वास की प्रार्थना के जरिये रोगी बच ज्यागा अर प्रभु उस ताहीं ठीक करैगा, अर उसनै जै पाप भी करे हो, तो उनकी भी माफी हो ज्यागी। 16 इस करकै थम एक-दुसरे के बिरुद्ध किये गये, अपणे-अपणे पापां नै मान ल्यो, अर एक-दुसरे खात्तर प्रार्थना करो, जिसतै ठीक हो जाओ:

धर्मी जन की प्रार्थना कै असर तै सब कुछ हो सकै सै। 17 एलिय्याह नबी भी तो म्हारै समान दुख-सुख भोगी माणस था, अर उसनै मन लगाकै प्रार्थना करी, के मिह ना बरसै, अर साढ़े तीन साल तक धरती पै मिह कोनी बरसा। 18 फेर उसनै प्रार्थना करी, तो अकास तै बरसा होई, अर धरती पै फसल भी होई। 19 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जै थारे म्ह तै कोए सच की राह तै भटक जावै अर दुसरा कोए उसनै बोहड़ के उस राह पै ले आवै सै, 20 तो वो यो सच जाण लेवै के जो कोए भटके होए पापी नै पाप छोड़ण म्ह उसकी मदद करैगा, पाप छोड़ण आळे के अनेक पाप माफ हो जावेंगे अर उसकी जिन्दगी अनन्त मृत्यु तै बचावैगा।

1 पतरस

1 या चिट्ठी पतरस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै या चिट्ठी परमेसवर के चुणे होए माणसां कै खात्तर लिखण लागरया सूं, जो परदेशी होकै पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया अर बिथुनिया परदेसां म्ह तित्तर-बितर होकै रहवै सै। **2** परमेसवर पिता नै थारे ताहीं अपणे माणस बणाण खात्तर, भोत पैहले चुण लिया था, ताके थमनै पवित्र आत्मा के काम के जरिये पवित्र बणावै, यो उसनै इस खात्तर करया ताके थम यीशु मसीह का कहणा मान्नी, अर उसके लहू तै शुद्ध हो जाओ। हम प्रार्थना करा सां के परमेसवर थमनै अनुग्रह अर शान्ति भोत-ए घणी दे। **3** म्हारे मसीह यीशु के पिता अर परमेसवर का धन्यवाद हो, जिसनै म्हारे पै बड़ी दया करके म्हारे ताहीं नई जिन्दगी दी सै, क्यूँके परमेसवर नै यीशु मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, उसनै म्हारे ताहीं बड़े बिश्वास के साथ जीण के लायक बणाया, ताके हम उन चिज्जां की आस राक्खां जिसका देण का उसनै वादा करया सै। **4** हम उस वसियत नै जो परमेसवर नै म्हारे खात्तर तैयार करी सै, उस ताहीं लेण की हम बाट देक्खां सां, उसनै म्हारे खात्तर उस ताहीं सुर्ग म्ह राख्या सै, जित्त वा कदे गळ न्ही सकदी, खराब न्ही हो सकदी, अर नाश न्ही हो सकदी। **5** परमेसवर नै अपणी महान शक्ति तै थारे ताहीं सम्भाळ कै राख्या सै, क्यूँके थम मसीह पै बिश्वास करो सों, जिस दिन मसीह बोहड़के आवैगा, उस दिन तक मसीह थमनै सम्भाळ कै राक्खैगा, फेर थम जाणोगे के परमेसवर नै थारे ताहीं पाप अर मौत तै बचा के राख्या सै। **6** थमनै इन सारी बाततां तै खुश होणा चाहिए भलाए थम कुछ बखत खात्तर कई ढाळ की मुसीबतां के कारण दुखी सो। **7** ये मुसीबत इस्से खात्तर आवै सै, ताके देख्या जा सकै, के परमेसवर पै थारा पक्का बिश्वास सै के न्ही। थारा मसीह यीशु पै बिश्वास करणा सोन्ने तै भी घणा कीमती सै, जिस तरियां नाशवान सोन्ना आग म्ह परख्या अर शुद्ध करया जावै सै, उस्से तरियां जै थारा बिश्वास घणी मुसीबतां म्ह भी बण्या रहवै सै, तो जिब प्रभु यीशु मसीह बोहड़ के आवैगें तो थारे ताहीं बड़ाई महिमा अर आदर मिलैगा। **8** थमनै मसीह ताहीं कदे न्ही देख्या, उसतै थम बिन देखे प्यार करो सो, अर इब तो उसपै बिन देखे भी बिश्वास करके इसे राज्जी अर मग्न होवो सो, जिस ताहीं बताण

खात्तर म्हारे धोरै शब्द कोनी। 9 थम इस खात्तर खुश सों, क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं पाप की सजा तै बचा लिया सै, अर योए मसीह पै बिश्वास करण का ईनाम सै। 10 इस्से उद्धार कै बारै म्ह उन नबियाँ नै घणी खोज अर जाँच-पड़ताळ करी, जिननै उस अनुग्रह कै बारै म्ह, जो थारे पै होण आळा था, भविष्यवाणी करी थी। 11 मसीह का आत्मा जो उन म्ह था अर उन ताहीं बताण लागरया था, के मसीह किसा दुख ठावैगा अर उसके पाच्छै उस बारै म्ह उस ताहीं महिमा मिलैगी, इस कारण उननै यो बेरा पाड़ण खात्तर उसकी खोज करी, मसीह कौण होवैगा, अर यो कद होवैगा। 12 पर परमेसवर नै इन नबियाँ ताहीं बताया था, के यो सन्देश उन खात्तर न्ही बल्के थारे खात्तर सै, यो सन्देश मसीह यीशु के बारें म्ह खुशखबरी सै, जिसके बारें म्ह थम इब सुणो सों। परमेसवर नै सुर्ग तै पवित्र आत्मा ताहीं भेज्या ताके वो माणसां नै सुसमाचार सुणाण म्ह मदद कर सकै, यो इतणा अदभुत सै, के सुर्गदूत भी इन चिज्जां नै होन्दे होए देखणा चाहवै सै। 13 इस खात्तर गौर तै सोच्चों के थम के करण आळे सों, अर अपने-आप पै काबू राक्खों अर परमेसवर तै उद्धार पाण का भरोस्सा राक्खों जो अनुग्रह तै मिलै सै, अर वो थमनै जिब देवैगा जिब मसीह यीशु सुर्ग तै बोहड़के आवैगा। 14 परमेसवर के आज्ञाकारी बणो जिस तरियां आच्छे बाळक अपने पिता का हुकम मान्नै सै, अर पुराणी जिन्दगी के मुताबिक मत जिओ, जिब थम बुरी लालसा नै पूरी करो थे। 15 पर जिसा थारा बुलाण आळा पवित्र सै, उस्से तरियां ए थम भी अपने सारे चाल-चलण म्ह पवित्र बणो। 16 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “पवित्र बणो, क्यूँके मै पवित्र सूँ।” 17 अर जिब के थम हे पिता कहकै परमेसवर तै प्रार्थना करो सो, जो बिना पक्षपात, हरेक के काम के मुताबिक न्याय करै सै, तो इब जो थम, जिब इस धरती पै परदेशियाँ की तरियां जीण लागरे सों, तो थम उसके प्रति बड़े आदर रखते होए अपनी जिन्दगी जीणी चाहिए। 18 क्यूँके थमनै बेरा सै, के थारा निकम्मा चाल-चलण जो बाप-दादां तै चल्या आवै सै, उस बेकार जिन्दगी तै थम बचगे सों, अर थारा छुटकारा चाँदी-सोन्ने यानिके नाश होण आळी चिज्जां के जरिये न्ही होया। 19 पर बेकसूर अर बेदाग मेम्ने, यानिके मसीह के कीमती लहू के जरिये होया। 20 दुनिया बणाण तै पैहल्याए परमेसवर नै मसीह यीशु ताहीं उद्धारकर्ता करके चुण

लिया था, पर इब वो इन आखरी दिनां म्ह इस खात्तर आया के थारी मदद कर सकै। 21 जो मसीह नै करया उसकी बजह तै थम परमेसवर पै बिश्वास करो सो, अर अपणी आस अर बिश्वास परमेसवर पै राक्खो सो, क्यूँके उसनै मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, अर उस ताहीं बड़ी महिमा दी। 22 क्यूँके थम सच मानण के जरिये शुद्ध करे गये सों, इस खात्तर थमनै बिश्वासी भाईयाँ तै सच्चे दिल तै प्यार करणा चाहिए, अर तन-मन लाकै एक-दुसरे तै प्यार करो। 23 थम एक-दुसरे तै इस खात्तर प्यार करो, क्यूँके थमनै परमेसवर तै नई जिन्दगी पाई सै, थमनै या जिन्दगी उसतै नही पाई जो नाशवान सै, पर उसतै पाई सै जो सदा कै खात्तर सै। या नई जिन्दगी हमनै परमेसवर के वचन तै मिली सै, जो जीवित अर सदा रहण आळा सै। (aiōn g165) 24 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ यो कहवै सै, “हरेक जीव घास कै बरगा सै, अर उनकी शोभा जंगली फूल्लां कै समान सै। घास सूख जावै सै, अर फूल झड़ जावै सै। 25 पर प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहवैगा।” यो वोए सुसमाचार का वचन सै जो थारे ताहीं सुणाया गया था। (aiōn g165)

2 इस करकै सारी ढाळ का बैरभाव अर छळ अर कपट अर जळण अर बुराई नै दूर करकै, 2 नये जन्मे बच्चे की तरियां जो हमेशा माँ के निर्मल दूध की लालसा करै सै, उस्से तरियां थम भी परमेसवर के वचन ताहीं सुणण की लालसा करो, ताके थारा परमेसवर पै बिश्वास मजबूत हो सकै, अर थारा उद्धार हो जावै। 3 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के थमनै चख कै जाण लिया सै के प्रभु कितना भला सै। 4 थम प्रभु यीशु मसीह कै धोरै आए हो, वो उस खास पत्थर की ढाळ सै जो नीम म्ह लगाया जावै सै, पर वो जिन्दा पत्थर सै। भोत सारे माणसां नै उस ताहीं त्याग दिया, पर परमेसवर नै उस ताहीं चुण्या, अर उस ताहीं कीमती बणाया, अर थम जो बिश्वासी लोग प्रभु यीशु कै धोरै आए हो, ताके थम भी उसके जरिये जिन्दे पत्थरां की ढाळ हो जाओ, जो परमेसवर की आत्मिक आराधना का घर बणण म्ह काम आ सकै। 5 उसनै थारे ताहीं भी पवित्र याजक बणाया, जिस तरियां याजक परमेसवर ताहीं भेट चढ़ावै सै, उस्से तरियां थम भी अपणे दिल नै भेट के रूप म्ह चढ़ा द्यो, अर याए भेट परमेसवर नै आच्छी लाग्गै सै, क्यूँके थम यीशु मसीह के कहलाओ सों। 6 यो उस्से तरियां सै, जिसा परमेसवर पवित्र ग्रन्थ म्ह कहवै

सै: “देखों, मन्नै किसे तार्हीं यरुशलेम नगर म्ह कोणे के पत्थर की तरियां राख्या सै, वो उस पत्थर की तरियां सै, जो नीम पै धरया जावै सै, अर जो कोए उसपै बिश्वास करैगा, वो किसे तरियां तै शर्मिन्दा कोनी होवैगा।” 7 यो पत्थर थारे खात्तर कीमती सै, जो मसीह यीशु पै बिश्वास करो सों, पर पवित्र ग्रन्थ उन माणसां के बारे म्ह जो बिश्वास न्ही करदे कहवै सै, “जिस पत्थर तार्हीं राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा ठहराया था, वोए कोणे का पत्थर हो गया।”, 8 पवित्र ग्रन्थ यो भी कहवै सै, के “इस पत्थर तै लोग्गां कै ठोक्कर लागैगी, या वा चट्टान सै जिसतै लोग ठोक्कर खाकै गिर जावैंगे,” वे इस खात्तर गिरै सै, क्यूँके उननै परमेसवर के वचन पै बिश्वास कोनी करया, परमेसवर नै उन खात्तर याए योजना बणाई सै। 9 पर थारे म्ह इसा ना हो, क्यूँके थम परमेसवर के चुणे होए माणस सो, थम परमेसवर के याजक सों, जो के राजा सै, थम परमेसवर के समर्पित माणस सों, अर थम जो परमेसवर के कुह्वावै सों, उसनै थारे तार्हीं अन्धकार म्ह तै रोशनी म्ह बुलाया सै, ताके थम परमेसवर के उन अनोक्खे काम्मां के बारे म्ह माणसां तार्हीं बता सको। 10 पैहले थम परमेसवर के माणस न्ही थे, पर इब परमेसवर के माणस सो, पैहले थम परमेसवर की दया नै कोनी जाणो थे, पर इब जाणो सों, क्यूँके उसनै अपणी दया पैहल्या तै थारे तार्हीं दिखाई सै। 11 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूँ सूँ, के थम अपणे-आपनै दुनिया म्ह परदेशी अर मुसाफर जाणकै उन दुनियावी अभिलाषायां तै जो आत्मा तै युध्द करै सै, बचे रहो। 12 वे लोग जो परमेसवर पै बिश्वास न्ही करदे, वे भी थारे आस्सै-पास्सै ए रहवै सै, अर वे भी कह सकै सै, के थम बुरा काम करण लागरे हो। थमनै इसी आच्छी जिन्दगी जीणी चाहिए, ताके वो थारे भले काम्मां नै देखकै परमेसवर की महिमा उस दिन कर सकै जिव मसीह बोहड़ के आवैगा। 13 प्रभु नै महिमा देण खात्तर थम उन सारे माणसां का हुकम मान्नो जो इस दुनिया के शासक सै, जिस तरियां राजा, जो के सब पै प्रधान शासक सै। 14 अर राज्यपालों के भी अधीन रहों, क्यूँके राजा उन बुरे काम करणीया नै दण्ड देण अर आच्छे काम करणीया नै सम्मानित करण खात्तर इस्तमाल करै सै। 15 परमेसवर चाहवै सै के थम भले काम करो ताके थम उन बेकूफ माणसां नै जो परमेसवर नै न्ही जाणदे, अर थारे पै झूठे दोष लगावै सै, उन तार्हीं रोक

सको। 16 थारे खात्तर भी इसा कोए कोनी जो थारे ताहीं रोक सकै, जो थम करणा चाहवो सों, क्यूँके यीशु मसीह के जरिये थम आजाद करे गये सों, पर इस बात नै थम बुरे काम करण का बहाना ना बणाओ, पर अपणे काम्मां के जरिये दिखाओ के थम परमेसवर के सच्चे दास सों। 17 सब का आदर करो, बिश्वासी भाईयाँ तै प्यार करो, परमेसवर तै डरो, राजा का आदर करो 18 हे सेवको थम जो घर म्ह काम करो सों, अर बिश्वासी भी सों, अपणे मालिकां का कहणा मान्ना अर सदा उनका आदर करो, हरेक ढाळ के माल्लिक के साथ इसाए बरताव करो, चाहे वो भले हो, नम्र हो, या फेर चाहे वे बुरे हो। 19 क्यूँके जै हम दुख ठान्दे, फेर भी जिब म्हारी कोए गलती भी ना हो, तोभी हम इस खात्तर सह लेवां सां, क्यूँके हमनै बेरा सै, के परमेसवर सब कुछ जाणै सै, परमेसवर इसतै ए खुश होवै सै। 20 क्यूँके जै थमनै अपराध करकै घूँसे खाए, अर धीरज राख्या, तो इस म्ह के बड़ाई की बात सै? पर जै भला काम करकै दुख ठाया हो अर धीरज राख्या हो, तो यो परमेसवर नै भावै सै। 21 अर थम इस्से कै खात्तर बुलाए भी गये सो, क्यूँके मसीह भी थारे खात्तर दुख ठाकै थारे ताहीं एक बढ़िया नमूना दे गया सै, ताके थम भी उसके नक्शे-कदम पै चाल्लों। 22 पवित्र ग्रन्थ म्ह मसीह के बारे म्ह न्यू लिख्या सै, के “ना तो उसनै पाप करया अर ना उसके मुँह तै छळ-कपट की कोए बात लिक्डी।” 23 वो गाळी सुणकै गाळी कोनी देवै था, अर दुख ठाकै किसे ताहीं भी धमकी कोनी देवै था, पर अपणे-आप ताहीं परमेसवर कै हाथ म्ह सौंप दिया, जो धार्मिकता तै न्याय करै सै। 24 वो आप ए म्हारै पापां नै अपणी देह पै लिये होए क्रूस पै चढ़ गया, जिसतै हम पापां कै खात्तर मरकै धार्मिकता कै खात्तर जीवन बितावां, उस्से कै मार खाण तै थम चंगे होए। 25 क्यूँके थम पैहल्या भटकी होड़ भेड़ां कै बरगे थे, पर इब अपणे जीवन के रुखाळे अर पाळी कै धोरै बोहड़ आए सों।

3 हे बिरबानियों, थम भी अपणे धणी कै अधीन रहो, अर जै थारे पिता परमेसवर के वचन पै बिश्वास करण तै मना करै सै, तो जिस तरियां थम उनतै बरताव करो सों, उसकी बजह तै थारे बिना कहे वे बिश्वास करैंगे, वो मसीह पै जिब बिश्वास करैंगे, जिब वो थारा शुद्ध अर भक्तिमय जीवन नै देखैंगे। 3 बाहरली की खूबसूरती के बारे म्ह चिन्ता ना करै, जिस तरियां

खूबसूरती तै बाळ गूँथणा, महँगे गहणे, या सुथरे लत्ते पैहरणा। 4 पर थारा भीतरी माणसपण, नम्रता अर दीनता जिसे अविनाशी गुणा तै सजा हो, क्यूँके परमेसवर की निगांह म्ह इसका मोल बड्डा सै। 5 पैहल्ले बखत म्ह पवित्र बिरबान्नी भी, जो परमेसवर पै बिश्वास अर आस राक्खै थी, वे अपणे-आपनै नै इस्से तरियां तै सिंगारै थी, अर अपणे-अपणे धणी का हुकम मान्ने थी। 6 जिस तरियां सारा अब्राहम कै हुकम म्ह रहवै थी, अर उसनै स्वामी कहा करै थी। इस्से ढाळ थम भी जै दुसरयां की भलाई करो, अर थमनै किसे बात का डर ना हो, तो थम सारा की बेटियाँ की तरियां होओगी। 7 इस्से तरियां ए हे पतियों, थम अपणी पत्नियाँ कै साथ मेळ-मिलाप कै साथ रहों, अर सोच्यों के उनकी मदद किस तरियां करी जा सकै सै, थमनै यो बेरा होणा चाहिए के बिरबान्नी थारे तै कमजोर सै, इस करके थमनै उनका आदर करणा चाहिए, क्यूँके थम दोन्नु उस वरदान के साझेदार सों, जिसा के परमेसवर नै थारे ताहीं दिया सै, जो के अनन्त जीवन सै, यो इस खात्तर करो ताके जिब थम परमेसवर तै प्रार्थना करो तो वो थारी सुणै। 8 आखरी म्ह मै कहणा चाहूँ सूँ, के थम एक मन हो जाओ, एक-दुसरे तै भाई-भाण की तरियां प्यार करो, एक-दुसरे के बाबत दयालु रहो, अर नरम बणो। 9 बुराई कै बदले बुराई ना करो अर ना गाळी कै बदले गाळी द्यो, पर इसकै उल्ट आशीष ए द्यो, क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं इस खात्तर बणाया सै, के थम दुसरयां कै खात्तर आशीष बण सको, जै थम इसा करोगे, तो परमेसवर थारे ताहीं भी आशीष देवैगा। 10 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “जै कोए इन्सान जिन्दगी का आनन्द ठाणा चाहवै सै, अर आच्छे दिन देखणा चाहवै सै, तो वो ध्यान राक्खे के बुरी बातें अर जो बात सच न्ही उन ताहीं ना बोल्लो। 11 जो बुरे काम सै, उन ताहीं करणा छोड़ दे, इसकी बजाए वो भले काम करै, अर एक-दुसरे के साथ शान्ति तै रहण का पूरा जतन करै। 12 क्यूँके प्रभु की आँख धर्मियाँ पै लाग्गी रहवै सै, अर उसके कान उनकी बिनती की ओड़ लाग्गे रहवै सै, पर प्रभु बुराई करण आळे तै दूर रहवै सै।” 13 जै थम सदा भले काम करो तो कोए थमनै नुकसान न्ही पुहुचा सकदा। 14 जै थम धार्मिकता कै कारण दुख भी ठाओ, तो थम धन्य सो, पर माणसां के डराण तै ना डरो, अर ना घबराओ, 15 पर अपणे-अपणे मन म्ह मसीह के

प्रति आदर राखें, अर उस ताहीं अपणा प्रभु जाणो। जो कोए थारे तै थारी आस कै बारै म्ह बुझ्झै, जो हम बिश्वासियाँ की सै, तो उस ताहीं जवाब देण कै खात्तर सारी हाण तयार रहो, पर नम्रता अर आदर कै गैल उस ताहीं जवाब द्यो। जो सही सै वोए करो, जै माणस थारे बारें म्ह बुरा बोल्लै सै, तो वो खुद शर्मिन्दा होवेंगे, जिब वो थारे आच्छे चाल-चलण नै देक्खेंगे, क्यूँके मसीह कै गैल थारा गहरा रिश्ता सै। 17 कई बार परमेसवर म्हारे ताहीं दुख अर मुसीबतां तै गुजारै सै, भलाए हम भला काम करदे हो, पर यो म्हारे खात्तर आच्छा सै, बजाए इसकै के हम बुरे काम्मां के कारण दुख अर मुसीबत ठावां। 18 मसीह नै भी म्हारे पापां खात्तर एके बार अपणी जान दे दी, यानी के एक धर्मी नै सारे अधर्मियाँ खात्तर दुख ठाया, ताके वो थमनै परमेसवर तक ले जावै, उसकी शारीरिक मौत तो होई पर परमेसवर की आत्मा के जरिये वो जिन्दा करया गया। 19 तब उसकी आत्मा नै उन आत्मायाँ ताहीं सुसमाचार सुणाया, अर प्रचार करया जो उस जगहां पै परमेसवर के जरिये कैद करी गई थी, जित्त मरे होए लोग्गां की आत्मा रहवै सै। 20 ये वो आत्मा सै, जिननै परमेसवर का भोत पैहले कहणा न्ही मान्या। जिब नूह जहाज बणाण लागरया था, तो परमेसवर धीरज तै देखण लागरया था, के ये लोग माफी माँगै सै के न्ही, पर पाणी नै पूरी दुनिया ताहीं नाश करया सिर्फ आठ माणस जो जहाज म्ह बचे थे। 21 उस्से पाणी का उदाहरण भी, यानिके बपतिस्मा, यीशु मसीह कै जी उठण कै जरिये, इब थमनै बचावै सै, इसतै देह का मैल दूर करण का मतलब न्ही सै, पर शुद्ध अन्तरात्मा तै परमेसवर कै पाच्छै हो जाणा सै। 22 वो सुर्ग पै जाकै परमेसवर कै सोळी ओड़ बैठ गया, अर सुर्गदूत अर अधिकारी अर सामर्थी उसके अधीन करे गये सै।

4 इस करकै मसीह नै दुख ठाया जिब उसनै देह रूप धारण करया, थारा भी रविया उस्से तरियां दुख उठाण का होणा चाहिए, जिसा उसका था, क्यूँके जै थमनै मसीह खात्तर दुख ठाण की सोच ली सै, तो थमनै पाप ना करण की भी सोच ली सै, ताके आगै तै कदे थम पाप ना करो। 2 उस कारण वो इन्सान अपणी बाकी की जिन्दगी, इस दुनिया म्ह पापमय अभिलाषायां नै पूरी करण कै खात्तर न्ही इस्तमाल करदा, पर वो, वो करै सै जो परमेसवर उस ताहीं करण कै खात्तर कहवै सै। 3 पैहले थमनै भोत सारा बखत वो काम

करण म्ह बेकार कर दिया जिस म्ह गैर बिश्वासी खुशी मनावै सै, जिस तरियां लुचपण की बुरी अभिलाषाओ, मतवाळापण, लीलाक्रीड़ा, दारु-बाजी, जारी अर घृणित मूर्तिपूजा जिसे काम्मां तै परमेसवर नफरत करै सै। 4 इस कारण थारे पुराणे मित्तर अचम्भा करै सै, के थम इसे अंधाधुंध लुचपण म्ह उनका साथ न्ही देदे, अर वे इब थमनै गाळी देवै सै। 5 पर वे उसनै जो जिन्दयां अर मरे होए माणसां का न्याय करण नै त्यार सै, लेक्खा देवैगें। 6 योए कारण सै के सुसमाचार उन माणसां ताहीं सुणाया गया, जो इब मर चुके सै, हालाकि वे सब माणसां की तरियां मरण कै जोगे ए थे, इब वे आत्मा म्ह परमेसवर के साथ हमेशा कै खात्तर रहवै सै। 7 सारी बात्तां का अन्त तावळा होणआळा सै, इस करकै सावधान रह अर शान्त मन राख ताके तू प्रार्थना कर सकै। 8 सारया म्ह बढ़िया बात या सै के एक-दुसरे तै घणा प्यार करो, क्यूँके जै थम माणसां तै प्यार करोगे तो थम उन ताहीं माफ करण खात्तर तैयार रहोगे, जो थारा बुरा करै सै। 9 बिना कुड़कुड़ाए एक-दुसरे की मेहमान-नवाजी करो। 10 हरेक इन्सान ताहीं परमेसवर के जरिये काबलियत मिली सै अर वो उस काबलियत नै दुसरे लोग्गां की मदद करण खात्तर इस्तमाल करै, वो परमेसवर के आच्छे सेवक की तरियां उसके अनुग्रह के जरिये दिए गए वरदानां का बढ़िया इस्तमाल करै। 11 जै थारे धोरै प्रचार करण का वरदान सै, तो थमनै परमेसवर के वचन का प्रचार करणा चाहिए, जै थारे धोरै दुसरयां की मदद करण का वरदान सै, तो उस शक्ति तै करो जो परमेसवर नै थारे ताहीं दी सै, फेर जो भी काम करोगे, यीशु मसीह के जरिये परमेसवर नै महिमा मिलैगी, सारी महिमा अर सामर्थ युगानुयुग उस्से का सै। आमीन। (aiōn g165) 12 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, उन दुखां कै खात्तर अचम्भा ना करो जो थम सहण लागरे सों, क्यूँके थम मसीह के कुहाओ सों, ये चीज इस खात्तर होण लागरी सै, क्यूँके सचमुच थम यीशु पै बिश्वास करो सों, तो इसा ना समझो के अनोक्खी बात थारे ए गैल होण लागरी सै। 13 इस बात खात्तर खुश होओ, के थम मसीह के दुख म्ह साझेदारी हो सके, उस बजह तै जिब मसीह बोहड़ के आवैगा, अपणी महिमा लोग्गां नै दिखाण खात्तर, तो थम खुशी तै भर जाओगे। 14 फेर जै मसीह कै नाम कै खात्तर थारी बुराई करी जावै सै तो थम धन्य सो, क्यूँके परमेसवर की महिमामय आत्मा सै जो थारे

म्ह रहवै सै। 15 जै दुख ठाओ सों, तो यो दुख खून्नी, चोर, किसे बुरे काम, या किसे और के काम म्ह दखलंदाजी करण के कारण न्ही होणा चाहिए। 16 पर जै मसीह होण के कारण दुख पावै, तो शर्मिन्दा ना होइयो, पर इस बात के खात्तर परमेसवर की महिमा करो, क्यूँके थम उसके कुहाओ सों। 17 क्यूँके वो बखत आण पोंहच्या सै, के पैहल्या परमेसवर के माणसां का न्याय करया जावैगा, अर जिब के न्याय की शरुआत म्हारै ए तै होगी, तो उनका के अन्त होगा जो परमेसवर के सुसमाचार नै न्ही मानते? 18 जिसा पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “जै धर्मी माणस ए मुशिकल तै उद्धार पावैगा, तो भगतिहीन अर पापी का के ठिकाणा?” 19 ज्यांतै जो परमेसवर की मर्जी के मुताबिक दुख ठावै सै, उननै परमेसवर पै सदा बिश्वास करते रहणा चाहिए, जिसनै उन ताहीं बणाया सै। परमेसवर नै जो भी वादा करया सै, उस ताहीं वो हमेशा पूरा करै सै, इस खात्तर हमनै हमेशा भलाई करदे रहणा चाहिए।

5 थारे म्ह जो कलीसिया के अगुवें सै, मै थारे ताहीं कुछ बताणा चाहूँ सूँ, क्यूँके मै थारी तरियां बुजुर्ग सूँ, मन्नै खुद वे दुख देखे सै, जो मसीह नै भोत पैहले सहे सै, जिब वो बोहड़ के आवैगा तो मै भी उसकी महिमा म्ह शामिल होऊँगा। 2 जिस तरियां एक पाळी भेड्या की रुखाळी करै सै, उस्से तरियां थमनै भी उन लोगां की रुखाळी करणी चाहिए, जिन ताहीं परमेसवर नै थारे ताहीं सौप्या सै, अर यो मजबूरी म्ह न्ही पर खुद की इच्छा तै राज्जी होकै करो, क्यूँके परमेसवर यो चाहवै सै के थम इसाए करो, पर इसा काम पईसा के खात्तर न्ही पर परमेसवर अर माणसां की सेवा करण खात्तर करो। 3 उन माणसां पै हक ना जमाओ, जो थारे ताहीं सौंपे गये सै, पर उनके खात्तर बढ़िया मिसाल बणो। 4 जिब प्रभु यीशु मसीह जो के पाळीयाँ का प्रधान बोहड़ के आवैगा, तो थारे ताहीं वो महिमा का मुकुट दिया जावैगा जिसकी चमक कदे न्ही जावैगी। 5 इस्से ढाल हे जवान्नों, थम भी कलीसिया के अगुवां का कहणा मान्नो, बल्के थम सारे के सारे दीनता तै एक-दुसरे की सेवा करते रहो, क्यूँके हम पवित्र ग्रन्थ म्ह पढ़ा सां, के “परमेसवर घमण्डियाँ का बिरोध करै सै, पर दीन पै अनुग्रह करै सै।” 6 इस करके परमेसवर के स्याम्ही दीन बणो, जो थमनै बचा सकै, ताके वो थमनै सही बखत आण पै बढ़ा सकै। 7 अपणी सारी चिन्ता परमेसवर ताहीं दे द्यो, क्यूँके उसनै

थारा ध्यान सै। 8 सावधान रहो, अर जागदे रहो, क्यूँके थारा बिरोधी शैतान गरजनआळे शेर की ढाळ इस टाह म्ह रहवै सै, के किसनै पाड़ खावै, ताके थम परमेसवर की राह ना चाल सको। 9 बिश्वास म्ह मजबूत होकै, अर न्यू जाणकै उसका सामना करो, के थारे भोत-से बिश्वासी भाई जो दुनिया म्ह इसेए दुख सहण लागरे सै। 10 इब परमेसवर जो सारे अनुग्रह का दात्ता सै, जिसनै थारे ताहीं मसीह म्ह अपणी अनन्त महिमा कै खात्तर बुलाया, थारे कुछ बखत तक दुख ठाण कै पाच्छै आप ए थमनै सिध्द अर स्थिर अर मजबूत करैगा। (aiōnios g166) 11 उस्से का साम्राज्य युगानुयुग रहवै। आमीन। (aiōn g165) 12 मन्नै या छोटी चिट्ठी लिखकै सिलवानुस के हाथ थारे धोरै भेजी सै, जिस ताहीं मै मसीह म्ह बिश्वास जोगगा भाई समझूँ सूँ, मेरे लिखण का यो मकसद सै के मै थारे ताहीं उत्साहित कर सकूँ, अर थारे ताहीं बिश्वास दिला सकूँ, के जो थम अनुभव करण लागरे सों, वो असलियत म्ह परमेसवर की करुणा का हिस्सा सै, थम उस कृपा म्ह बणे रहों। 13 जो बिश्वासी बेबीलोन नगर म्ह सै, उन ताहीं भी परमेसवर नै चुण्या सै, जिस तरियां थारे ताहीं चुण्या, उनका अर मरकुस जो मेरे बेटे की तरियां सै, उसका थारे ताहीं नमस्कार। 14 आप्स म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। थम सारया ताहीं, जो मसीह म्ह हो, थमनै शान्ति मिलदी रहवै।

2 पतरस

1 या चिट्ठी शमौन पतरस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास अर प्रेरित सै, उन माणसां के नाम सै, जिन नै म्हारै परमेसवर अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता के जरिये म्हारी तरियां बेसकिमती बिश्वास पाया सै। **2** मै प्रार्थना करूँ सूँ, के परमेसवर थारे ताहीं ज्यादा तै ज्यादा अनुग्रह अर शान्ति दे, जिस तरियां थम परमेसवर के ज्ञान अर म्हारै प्रभु यीशु मसीह म्ह बढण लागरे सों। **3** परमेसवर जिसनै अपणी शक्ति के जरिये म्हारे ताहीं वो सब दिया सै, जो हमनै भगतिमय जिन्दगी जीण खात्तर चाहिए, यो इस खात्तर मुमकिन सै, क्यूँके हम परमेसवर नै जाणा सां, अर उसनै अपणी महिमा अर सद्गुणा के मुताबिक अपणे माणस होण खात्तर बुलाया सै। **4** अर उसकी महिमा अर भलाई के कारण उसनै म्हारै ताहीं बड़े महान अर कीमती वादे करे सै, ताके इनके जरिये थम इस दुनिया की बुरी लालसा तै बच जाओ, जिन ताहीं वे लोग करणा चाहवै सै, जो मसीह पै बिश्वास न्ही करदे, पर थम ईश्वरीय सुभाव के गैल-साइझी हो जाओ। **5** इस कारण थम सिर्फ मसीह पैए बिश्वास करण आळे न्ही, पर हमेशा दुसरयां की भलाई करण म्ह लागगै रहों, अर सिर्फ भलाई ए न्ही बल्के बुद्धिमानी तै बरताव करण आळे भी बणो। **6** थम सिर्फ बुद्धिमानी तै ए बरताव करण आळे न्ही बल्के अपणे-आप पै काबू राक्खण आळे भी बणो, अर अपणे-आप पै काबू राक्खण आळे ए न्ही बल्के दुखां नै धीरज तै सहण आळे भी बणो, अर दुखां नै धीरज तै सहण आळे ए न्ही बल्के भगति म्ह जिन्दगी बिताण आळे भी बणो। **7** ना सिर्फ थम परमेसवर नै भावण आळी जिन्दगी जिओ, बल्के बिश्वासियाँ तै भी अपणे परिवार के माणस की तरियां प्यार करो, एक-दुसरे ताहीं अपणे परिवार के माणस की तरियां प्यार करण आळे ए न्ही बल्के सब नै प्यार करण आळे भी बणो। **8** जै थारे म्ह ये गुण मौजूद सै अर जै थारे म्ह इनकी बढोतरी होण लागरी सै तो इनके कारण थम म्हारे प्रभु यीशु मसीह के सम्पूर्ण ज्ञान म्ह ना तो निकम्मे अर ना बिना फळ के होओगे। **9** जै कोए इन्सान इसी जिन्दगी न्ही बितान्दा, तो वो उस इन्सान की तरियां सै, जो सही तै न्ही देख पान्दा, अर वो आन्धा से। वो भूल जावै सै के परमेसवर नै उसके पाप माफ कर दिये, जो उसनै मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले करे सै। **10**

इस कारण हे बिश्वासी भाईयो, आच्छा करण की कोशिश करदे रहों, ताके थम अपणे-आपनै अर दुसरे माणसां नै दिखा सको, के परमेसवर नै थारे ताहीं चुण्या सै, अर बुलाया सै। जै थम इसाए करदे रहों, तो थम कदे भी परमेसवर तै अलग न्ही होओगे 11 बल्के इस तरियां तै थम म्हारै प्रभु अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य म्ह बड़े आदर के गैल बड़ण पाओगे। (aiōnios g166) 12 ज्यांतै हालाकि थम ये बात जाणो सो, अर जो सच्चा वचन थारे ताहीं मिल्या सै उस म्ह बणे रहो सो, तोभी मै थारे ताहीं ये बात याद दुवाण खात्तर सारी हाण त्यार रहूँगा। 13 मै यो जाणु सूं के जिब तक मै जिन्दा सूं, यो सही सै, के मै उन बात्तां के बारे म्ह थारे तै बात करदा रहूँ, ताके थम इन बात्तां नै कदे भूल ना जाओ। 14 क्यूँके मै जाणु सूं के मै तावळा मरण आळा सूं, अर प्रभु यीशु मसीह नै मेरै ताहीं इस बारे म्ह बता दिया सै। 15 ज्यांतै मै इसी कोशिश करूँगा, के मेरे इस दुनिया तै जाये पाच्छै, थम इन सारी बात्तां नै सारी हाण याद कर सको। 16 क्यूँके जिब हमनै थारे ताहीं, अपणे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ अर बोहड़ण की खबर दी थी, तो हमनै श्याणपत तै गढ़ी होई कहाँनियों का सहारा कोनी लिया, बल्के हमनै आप ए उसकै प्रताप ताहीं देख्या था। 17 क्यूँके जिब उसनै परमेसवर पिता तै आदर अर महिमा पाई जो के प्रतापमय महिमा सै, हमनै उस ताहीं यो कहन्दे सुणा, “यो मेरा प्यारा बेटा सै, जिसतै मै राज्जी सूं।” फेर हम उसकै गेल्या पवित्र पहाड़ पै थे, अर सुर्ग तै योए बोल आन्दे सुण्या। 19 हम जाणा सां के जो वचन नबियाँ नै मसीह के बारे म्ह लिख्या सै, वो सच सै, थम इन वचनां नै गौर तै सुणो, जिस तरियां अन्धकार म्ह दीवै का चाँदणा, माणसां नै राह दिखावै सै, उस्से तरियां ये वचन भी सच्चाई नै जाणण म्ह थारी मदद करैंगे, थम इन वचनां नै ध्यान तै सुणते रहो, जिब तक के यीशु मसीह बोहड़के ना आ जावै। उसका आणा एक नये दिन की सुबह की तरियां सै, जो उजाळा लेकै आवै सै, अर वो सुबह के तारे की तरियां होगा। उस बखत उसका चाँदणा थारे मन म्ह चमकैगा, अर परमेसवर नै साफ तौर पै थारे पै जाहिर करैगा। 20 पर सबतै पैहले यो जाण ल्यो के पवित्र ग्रन्थ की कोए भी भविष्यवाणी, खुद नबियाँ का अपणा विचार कोनी 21 क्यूँके कोए भी

भविष्यवाणी माणस की मर्जी तै कदे न्ही होई, पर भगतजन पवित्र आत्मा के जरिये उभारे जाकै परमेसवर की ओड़ तै बोल्लै थे।

2 जिस तरियां इस्राएली माणसां म्ह झूठे नबी थे, उस्से ढाळ थारे म्ह भी झूठे शिक्षक होंगे, वे थारे ताहीं चुपके तै झूठी शिक्षा सिखावेंगे, जिसकी बजह तै लोग मसीह पै बिश्वास न्ही करैगें, वे झूठे शिक्षक मसीह ताहीं अपना प्रभु न्ही मान्नेगें, जिसनै उन ताहीं मोल लिया सै, अर पाप की शक्ति तै आजाद करया सै, इस तरियां वे चाणचक अपने-आप ताहीं नाश कर लेवेंगे। 2 घणखरे जो कहवेंगे के हम बिश्वासी सां, वे उनकी ढाळ लुचपण के सुभाव नै अपनावेंगे, अर उनके कारण जो लोग बिश्वासी कोनी सच के राह की बुराई करैगें। 3 ये शिक्षक लालची होंगे, अर थारे तै धन पाण कै खात्तर मनघडन्त कहानी सुणाकै थारे ताहीं धोक्खा देवेंगे, परमेसवर नै भोत पैहले फैसला ले लिया था, के वो उन ताहीं दण्ड देवैगा, अर वो यो करण आळा सै, वो सच म्ह उन ताहीं नाश करण आळा सै। 4 क्यूँके जिब परमेसवर नै उन सुर्गदूतां ताहीं जिननै पाप करया था, उन ताहीं माफ न्ही करया, पर उन ताहीं नरक म्ह भेजकै अँधेरे कुण्डां म्ह गेर दिया ताके न्याय कै दिन ताहीं कैदी रहवै। (Tartaroō g5020) 5 थम यो भी जाणो सों, के जो लोग भोत पैहले जिन्दा थे, उन म्ह परमेसवर का भय न्ही था, परमेसवर नै उनकी बुराईयाँ ताहीं नजरअंदाज कोनी करया, जो उननै करी थी, पर उन ताहीं बाढ़ के जरिये नाश कर दिया, उन म्ह तै परमेसवर नै आठ माणसां ताहीं बचाया जिस म्ह नूह भी था, जिसनै धार्मिकता का प्रचार करया। 6 थम यो भी जाणो सों, के जो लोग भोत पैहल्या सदोम अर अमोरा के नगर म्ह रहवै थे, परमेसवर नै उन ताहीं भी दण्ड दिया, क्यूँके उननै भोत बुरे काम करे थे, अर उन ताहीं आग म्ह भस्म करकै राख बना दिया। इसा करण के जरिये उसनै दिखा दिया, के उन माणसां का के होगा जो उसका कहणा न्ही मानते। 7 सदोम नगर का नाश करण तै पैहले उसनै, लूत जो के एक धर्मी माणस था, उस ताहीं उस नगर तै लिकाड़कै उस ताहीं बचा लिया। लूत दुखी था क्यूँके सदोम नगर के लोग परमेसवर का कोए भी हुकम कोनी मान्ने थे, अर वे भोत बुरे काम करै थे। 8 वो उन बुरे माणसां के बीच म्ह रहवै था, अर हरेक दिन उनके बुरे काम्मां नै देख्खै था जो वे करै थे, अर बुरी बात्तां नै सुणै था जो वे बोल्लै थे, अर ये सारी

बात उस तारीं दुखी करै थी, क्यूँके वो धर्मी माणस था। 9 वे सारी बात जो परमेसवर नै पुराणे बखत म्ह करी सै, वे ये दिखावै सै, के परमेसवर पवित्र माणसां नै मुसीबतां तै किस तरियां बचावै सै, अर न्याय होण के दिन तक बुरे माणसां नै लगातार दण्ड दिया जावै। 10 परमेसवर बुरे माणसां नै दण्ड देवैगा, खास करके उन झूठे शिक्षकां नै जो अशुद्ध अभिलाषायां के पाच्छै देह के मुताबिक चाल्दे, अर प्रभुता नै तुच्छ जाणै सै। वे ढीठ, अर जिद्दी सै, अर सुर्गीय चिज्जां के बारें म्ह आच्छा-भुंडा कहण तै न्ही डरदे। 11 तोभी सुर्गदूत जो झूठे शिक्षकां तै अर सामर्थ म्ह उनतै बड़े सै, प्रभु के स्याम्ही जिब उन झूठे शिक्षकां पै दोष लगावै सै तो वे अपमानजनक बात कहकै उनकी बुराई न्ही करदे। 12 पर ये झूठे शिक्षक जंगली-जानवरां की तरियां सै, ये जानवर न्ही जाणते के किस तरियां सोचणा सै, अर उनका मकसद पकड़े जाणा अर मरणा सै। ये लोग भी वोए काम करै सै जो इनके मन म्ह आवै सै, अर उन चिज्जां के बारें म्ह बुराई करै सै, जिसके बारें म्ह वे न्ही समझते, वे नाश हो जावैंगे। 13 दुसरयां का बुरा करण के बदले उन्हे का बुरा होवैगा। उननै दिन-दोफारी म्ह भोग-विलास करणा आच्छा लागै सै। ये थारे पै कलंक अर दोष सै, जिब वे थारे गेल्या प्रीति भोज म्ह शामिल होवै सै, तो अपणे छलावे का आनन्द ले सै। 14 वो हरेक जनानी नै देखकै उसके साथ जारी करणा चाहवै सै, अर पाप करण का मौक्का टोहवै सै, ये उन माणसां तारीं धोक्खा देवै सै जो परमेसवर पै पक्का बिश्वास कोनी राखदे, अर उन तारीं पाप करण खात्तर उकसावै सै, उनकी सदा बढ़दी रहण आळी लालसा के कारण परमेसवर उन तारीं दण्ड देवैगा। 15 उननै वो करणा छोड़ दिया सै, जो सही सै, अर उननै बओर के बेट्टे बिलाम की तरियां बुरे काम करणे शरु कर दिए, जो उसनै भोत पैहले करे थे, क्यूँके उसनै बुरे काम्मां तै पर्ईसा कमाणा चाह्या। 16 पर परमेसवर नै बिलाम नबी की गधी के जरिये उस तारीं डांटा-फटकारा जो बुरे काम वो करण जावै था, हालाकि गधी जो बोल न्ही सकै थी, उसनै बिलाम नबी तै इन्सान की वाणी म्ह बात करी, जिब वो राजा तै मिलण जाण लागरया था, तो गधी नै बिलाम नबी तारीं उसके बावळेपण तै रोक्का। 17 ये झूठे शिक्षक उस बेकार पाणी के चोवै की तरियां सै जो सूख लिया सै, अर ये उस बाद्दळ की तरियां भी सै जिस तारीं बारिस तै पैहले हवा उड़ा ले

जावै सै, परमेसवर नै उन खात्तर, अनन्त अन्धकार म्ह जगहां राक्खी सै।
 (questioned) 18 जिब वे माणसां नै सिखावै सै तो वो बेकार के अर घमण्डी
 शब्दां नै इस्तमाल करै सै, वे माणसां नै समझावै सै के वो बुरे काम कर सकै
 सै जो उनकी देह करणा चाहवै सै, अर उन माणसां तै भी दुबारा धोक्खें तै
 पाप करवाणा चाहवै सै, जो बुरी जिन्दगी तै बाळ-बाळ बचे सै। 19 ये झूठे
 शिक्षक माणसां ताहीं कहवै सै के थम सारे काम करण खात्तर आजाद सों,
 जो थम करणा चाहों सों, पर वो खुद गुलाम की तरियां सै, क्यूँके उनका
 पापी सुभाव उन ताहीं बुरे काम करवावै सै, थम हर उस चीज के गुलाम सों
 जो थमनै काबू करै सै। 20 माणस इस दुनिया की बुराईयाँ तै भाज्जै सै जिब
 वो मसीह यीशु नै अपणा उद्धारकर्ता मान लेवै सै, पर वे फेर तै बुरे काम
 करण लागै सै, अर वे बुरी चीज उन ताहीं काबू म्ह राक्खै सै, इब उनकी
 दशा जो के मसीह नै छोड़ देण तै सै, वो पैहल्डी दशा तै भी भुंडी सै, जिब
 उननै मसीह पै बिश्वास करया था। 21 मेरे कहण का मतलब यो सै, के
 परमेसवर उन माणसां ताहीं घणा दण्ड देवैगा जो मसीह ताहीं छोड़ देवै सै,
 उन माणसां तै ज्यादा जो उस ताहीं कदे न्ही अपणादे, उन खात्तर यो ठीक
 होन्दा के वो कदे न्ही जाणते के धार्मिकता का जीवन किस तरियां जीणा सै,
 उन ताहीं बेरा सै के सही के सै, पर वो परमेसवर के हुकम नै कोनी मानते जो
 हम प्रेरितां नै उन ताहीं सिखाये सै। 22 उनपै ये दो कहावत सही बेठै सै, के
 कुत्ता अपणी उलटी नै चाटै सै, अर नुहाई होई सुरी कीचड़ म्ह लोट्टण के
 खात्तर फेर चली जावै सै।

3 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, इब मै थारे ताहीं दुसरी चिट्ठी लिक्खूँ सूँ, अर
 मै दोन्नु चिट्ठियाँ म्ह थारे ताहीं कुछ चीज याद दुआ के थमनै सही ढंग तै
 सोचवण खात्तर उत्साहित करण की कोशिश करण लागरया सूँ, जो थमनै
 पैहले तै सीख ली सै। 2 मै यो इस करके करण लागरया सूँ, क्यूँके मै थमनै
 उन नबियाँ के शब्द याद दुवाणा चाहूँ सूँ, जो उननै भोत पैहले कहे अर प्रभु
 यीशु मसीह जो म्हारा उद्धारकर्ता सै, उसकी शिक्षा जो थमनै उन प्रेरितां तै
 सीखी जो थारे धोरै आए थे। 3 यो जाण ल्यो के आखरी के दिनां म्ह मसीह
 के आण तै पैहल्या भोत-से इसे माणस होवेंगे जो थारा मजाक उड़ावेंगे,
 क्यूँके थम बिश्वास करो सों के मसीह बोहड़ के आवैगा, अर वे बुरे तै बुरा

काम करैगें जो उन ताहीं खुश करै सै। 4 अर कहवैगें, “उसकै आण का वादा कित्त गया? क्यूँके जिब तै उनके पूर्वज सो गये सै, सारा किमे उस्से तरियां ए सै जिस तरियां सृष्टि की शरुआत तै था?” 5 वो इस करकै कहवैगें क्यूँके वो भूलणा चाहवै सै, के परमेसवर के वचन कै जरिये अकास पुराणे बखत तै विद्यमान सै। उसनै धरती ताहीं भी पाणी म्ह तै बणाया अर पाणी तै न्यारा करया। 6 यो उनके मजाक का ए नतिज्जा था, के बाद म्ह उसनै एक बड़ी बाढ़ के जरिये इस दुनिया ताहीं पाणी म्ह डूबो कै नाश कर दिया। 7 पर परमेसवर नै इब के बखत का अकास अर धरती उस्से वचन कै जरिये ज्यांतै राख राक्खे सै, के जळाए जावै, अर ये भगतिहीन माणसां के न्याय अर नाश होण कै दिन ताहीं इसेए धरे रहवैगें। 8 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, या बात थारे तै लुक्की ना रहवै के प्रभु कै उरै एक दिन हजार साल कै बराबर सै, अर हजार साल एक दिन कै बराबर सै, उसकै खात्तर दोन्नु एक्के सै। 9 प्रभु अपणे वादे कै बारै म्ह वार न्ही करदा, जिसी देर कुछ माणस समझै सै, पर थारे बारै म्ह धीरज धरै सै, अर न्ही चाहन्दा के कोए नाश हो, बल्के यो, के सारया ताहीं मन पलटन का मौक्का मिलै। 10 पर मसीह जरूर बोहड़ के आवैगा, उस दिन अकास म्ह बड़ा गरजण होगा अर अकास गायब हो जावैगा, जो कुछ अकास म्ह सै जिस तरियां सूरज, चाँद अर तारे ये सब आग म्ह पूरी तरियां जळ जावैगें, उस दिन परमेसवर सब जाहिर करैगा, अर इस दुनिया म्ह होण लागरे सारे काम्मां का भी न्याय करैगा। 11 जिब के ये सारी चीज इस तरियां तै पिंघळ के खतम होण आळी सै, तो थारे ताहीं पवित्र चाल-चलण अर भगति म्ह किस ढाळ का माणस होणा चाहिये, 12 जिब थम उस दिन की बाट देखो सों जिब परमेसवर इस दुनिया का न्याय करण आवैगा, तो उस दिन ताहीं तावळा ल्याण खात्तर पूरी कोशिश करो, उस दिन आग अकास ताहीं जळा कै भस्म कर देवैगी अर जो कुछ अकास म्ह सै उस ताहीं गर्मी पिंघळा देवैगी। 13 पर उसके वादे कै मुताबिक हम एक नये अकास अर नयी धरती की आस देख्खां सां, जिस म्ह परमेसवर की धार्मिकता वास करैगी। 14 जिब के थम इन बाततां नै पूरा होण की बाट देखो सों तो थम इसी जिन्दगी जिओ जो परमेसवर नै पसन्द सै यानी थम एक-दुसरे के साथ शान्ति तै उसकै स्याम्ही बेदाग अर बेकसूर रहो। 15 यो जाण ल्यो के, क्यूँ म्हारा प्रभु

धीरजवान सै? क्यूँके वो माणसां नै कुछ और बखत देणा चाहवै सै, ताके वो पाप करणा छोड़ दे, अर वो उन ताहीं बचा सकै, जिब म्हारा संगी बिश्वासी भाई पौलुस जिसतै हम प्यार करां सां, उसनै परमेसवर के ज्ञान के जरिये थारे ताहीं लिख्वा सै, उसनै भी थारे ताहीं येए बात बताई सै, जो मन्नै थारे ताहीं बताई सै। 16 उस्से तरियां ए उसनै अपणी सारी चिट्ठियाँ म्ह भी जो बिश्वासियाँ ताहीं लिखी सै इन बात्तां का जिक्र करया सै, जिन म्ह कुछ बात इसी सै जिनका समझणा ओक्खा सै, अर अनपढ़ अर चंचल माणस उनके मतलबां नै गलत तरिकेँ तै बतावै सै जिसा वो पवित्र ग्रन्थ की दुसरे वचनां का गलत मतलब लिकाड़ै सै, इसा करकै वो परमेसवर नै मजबूर करै ताके वो उन ताहीं नाश करदे। 17 ज्यांतै हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, थम जाणो सों, के ये सारी बात होवेंगी, तो ध्यान राक्खों के जो लोग परमेसवर का हुकम ताहीं न्ही मानते वो झूठ के जरिये थारे ताहीं बहका ना दे, अर उन बात्तां के बारे म्ह शक करण लागरे सों, जिनपै पैहले बिश्वास करो थे। 18 पर म्हारे प्रभु अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह अर ज्ञान की पहचान म्ह बढ़दे जाओ। उस्से की महिमा इब भी हो, अर युगानुयुग होन्दी रहवै। आमीन। (aiōn g165)

1 यूहन्ना

1 हम उस जीवन देण आळे वचन कै बारें म्ह लिखण लागरे सां, जो शरु तै था, जिस ताहीं हमनै सुण्या, अर जिस ताहीं हमनै अपणी आँखां तै देख्या, बल्के जिस ताहीं हमनै ध्यान तै देख्या अर हाथ्यां तै छुआ। **2** (यो जीवन दुनिया म्ह आया अर हमनै इस ताहीं देख्या, अर हम उसके गवाह सां, अर थमनै उस अनन्त जीवन की खबर देवां सां, जो पिता कै गैल था अर म्हारै पै जाहिर होया)। (aiōnios g166) **3** जो किमे हमनै यीशु मसीह के बारें म्ह देख्या अर सुण्या सै उसकी खबर थमनै भी देवा सां, इस करकै के थम भी म्हारै गैल संगति करो; अर म्हारी या संगति पिता अर उसके बेट्टै यीशु मसीह कै गैल सै। **4** अर ये बात हम इस करकै लिखा सां ताके थम खुशी तै भर जाओ। **5** जो खबर हमनै यीशु मसीह तै सुणी अर थमनै सुणावां सां, वो या सै के परमेसवर चाँदणे के समान पवित्र सै, अर उस म्ह कुछ भी अन्धकार के समान कोए बुराई कोनी। **6** जै हम कहवां, के परमेसवर कै गैल म्हारी संगति सै पर फेर भी अन्धकार म्ह चाल्लां, तो हम झूठे सां अर सच की राह पै कोनी चाल्दे; **7** पर जिसा परमेसवर चाँदणे के समान सै, उसेए हम भी चान्दणा म्ह चाल्लां, तो एक-दुसरे तै संगति राक्खा सां, अर उसके बेट्टै यीशु मसीह का लहू हमनै सारे पाप तै शुद्ध करै सै। **8** जै हम कहवां के म्हारै म्ह कोए भी पाप कोनी, तो अपने-आपने धोक्खा देवा सां, अर म्हारै म्ह सच्चाई कोनी। **9** जै हम अपने पाप नै परमेसवर के स्याम्ही मान ल्या, तो वो म्हारे पाप नै माफ करण म्ह भरोसेमन्द अर धर्मी सै, अर वो हमनै सारे अधर्म तै शुद्ध करै सै। **10** जै हम कहवां के हमनै पाप न्ही करया, तो परमेसवर नै झूठा बणावा सां, अर हम उसके वचन के मुताबिक जीवन कोनी जिन्दे।

2 हे मेरै प्यारे बाळकों, मै ये बात थारे ताहीं इस करकै लिखूँ सूं, के थम पाप ना करो; अर जै कोए पाप करै, तो परमेसवर पिता कै धोरै म्हारा एक मददगार सै, यीशु मसीह जो धर्मी सै, जो म्हारे पापां की माफी खात्तर पिता तै बिनती करै सै। **2** यीशु मसीह ए म्हारै पापां कै खात्तर प्रायश्चित्त बलि सै, अर सिर्फ म्हारे ए न्ही बल्के सारी दुनिया के माणसां के पापां खात्तर भी। **3** जै हम परमेसवर के हुकम का पालन करांगे, उस्से तै हमनै बेरा लागगैगा के हम उस ताहीं जाणागे सां। **4** जो कोए या कहवै सै, “मै उसनै जाण गया सूं,”

अर उसकै हुकम नै न्ही मानता, यो वो माणस झूठा सै, उस म्ह सच कोन्या;
 5 पर जो कोए परमेसवर कै वचन नै मान्ने सै, उस म्ह सचमुच परमेसवर का
 प्यार सिध्द होया सै, परमेसवर म्ह म्हारे बणे रहण का सबूत योए सै, इस्से तै
 हम जाणा सां के हम उस म्ह सां। 6 जो कोए या कहवै सै के मै मसीह
 यीशु म्ह बणया रहूँ सूँ, तो उसकै खात्तर जरूरी सै, के जिसा मसीह यीशु
 जिया उसाए वो भी जीवै। 7 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, मै थमनै कोए नया
 हुकम न्ही, पर वोए पुराणा हुकम लिखूँ सूँ, जो शरु तै था, यो वाए हुकम सै,
 जिस ताहीं थमनै मसीह म्ह बिश्वास करते बखत सुणया था। 8 फेर भी मै
 थमनै नया हुकम लिखूँ सूँ, उस हुकम की सच्चाई मसीह म्ह थी, अर वाए
 थारे म्ह भी सै; क्यूँके अन्धकार मिटता जावै सै, अर सच का चान्दणा इब
 चमकण लागया सै। 9 जो कोए या कहवै सै, के मै चाँदणे म्ह रहूँ सूँ, पर
 अपणे बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै सै, तो वो इब ताहीं अन्धकार म्ह ए रहण
 लागरया सै। 10 जो कोए अपणे बिश्वासी भाई तै प्यार करै सै, वो चान्दणा
 म्ह रहवै सै, अर उस म्ह इसा कुछ कोनी के दुसरयां नै पाप करवावै। 11 पर
 जो कोए अपणे बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै सै, वो अन्धकार म्ह रहवै सै अर
 अन्धेरे म्ह चाल्लै सै, अर न्ही जाणदा के कित्त जावै सै, क्यूँके अन्धकार नै
 उसकी आँख आँधी कर दी सै। 12 हे बाळकों, मै थमनै इस करके लिखूँ सूँ
 के यीशु के नाम तै थारे पाप माफ होए सै। 13 हे बुजुर्गों, मै थमनै इस करके
 लिखूँ सूँ के जो शरु तै सै, थम उसनै जाणो सों। हे गबरूओ, मै थमनै इस
 करके लिखूँ सूँ के थमनै उस शैतान पै जीत पाई सै। हे लड़को, मन्ने थारे
 ताहीं इस करके लिख्या सै के थम पिता परमेसवर नै जाणगे सों। 14 हे
 बुजुर्गों, मन्ने थारे ताहीं इस करके लिख्या सै, के जो शरु तै सै, थम पिता
 परमेसवर नै जाणगे सों। हे गबरूओं, मन्ने थारे ताहीं इस करके लिख्या सै,
 के थम ताकतवर बणो, अर परमेसवर का वचन थारे म्ह बणा रहवै सै, अर
 थमनै उस शैतान पै जीत पाई सै। 15 थम ना तो दुनिया तै अर ना दुनियावी
 चिज्जां तै प्यार राक्खो। जै कोए दुनिया तै प्यार राक्खै सै, तो उस म्ह पिता
 परमेसवर का प्यार कोन्या। 16 क्यूँके जो किमे दुनिया म्ह सै, यानी देह
 की अभिलाषा, आँखां की अभिलाषा अर रोजी रोटी का घमण्ड, वो पिता
 परमेसवर की ओड़ तै कोनी पर दुनिया की ए ओड़ तै सै। 17 दुनिया अर

उसकी अभिलाषा दोनु मितते ज्या सै, पर जो परमेसवर की मर्जी पै चाल्लै सै
 वो सदा बणया रहवैगा। (aiōn g165) 18 हे बाळकों, यो मसीह के आण का
 आखरी बखत सै; अर जिसा थमनै सुणया सै, के मसीह का बिरोधी भी आण
 आळा सै, उसकै मुताबिक इब भी घणेए मसीह बिरोधी उठ खड़े होए सै;
 इसतै हम जाणगे सां, के यो आखरी बखत सै। 19 मसीह बिरोधी लिकड़ै तो
 म्हारी कलीसिया म्ह ए तै सै, पर वे म्हारै थे ए कोनी; जै वे म्हारै होन्दे, तो
 हमनै छोड़ के ना जान्दे; उनका म्हारे ताहीं छोड़ के जाणा ए यो साबित करै
 सै, के उन म्ह तै कोए भी म्हारा कोनी था। 20 पर थारे ताहीं तो पवित्र आत्मा
 मसीह के जरिये मिला सै, इस करकै थम सारी सच्चाई नै जाणो सों। 21
 मन्ने थारे ताहीं इस करकै न्ही लिख्या, के थम सच्चाई नै न्ही जाणदे, पर इस
 करकै कै थम उस ताहीं जाणो सों, क्यूँके कोए भी झूठ, सच की ओड़ तै
 कोनी लिकड़ता। 22 झूठा कौण सै? सिर्फ वो जो यीशु नै मसीह होण तै
 नाटै सै; अर मसीह का बिरोधी वोए सै, जो पिता परमेसवर का अर बेट्टे का
 इन्कार करै सै। 23 जो कोए बेट्टे नै (मानण) तै नाटै सै उसकै धोरै पिता
 परमेसवर भी कोनी जो बेट्टे नै मान ले सै, उसकै धोरै पिता परमेसवर भी सै।
 24 जो संदेश थमनै शरु तै सुणया सै, जिब थमनै मसीह पै बिश्वास करया, जै
 वो थारे म्ह बणया रहवै, तो थम भी बेट्टे म्ह अर पिता परमेसवर म्ह बणै रहोगे।
 25 परमेसवर नै म्हारे तै वादा करया सै, के वो हमनै अनन्त जीवन देवैगा।
 (aiōnios g166) 26 मै थारे ताहीं उन माणसां के बारें म्ह चेतावनी देऊ सूं, जो
 थमनै झूठी शिक्षा तै भरमावै सै; 27 अर थारे म्ह पवित्र आत्मा जो मसीह की
 ओड़ तै मिला सै, वो थारे म्ह रहवै सै; इस करकै यो जरूरी कोनी, के कोए
 थमनै उस सच्चाई के बारें म्ह सिखावै, बल्के पवित्र आत्मा थारे ताहीं उन
 बात्तां की सारी सच्चाई बतावै सै, अर पवित्र आत्मा जो थारे ताहीं सिखावैगा,
 वो बिल्कुल सच सै, अर थारे तै झूठ कोनी बोल्लैगा, इस करकै मसीह म्ह
 बणे रहो, जिसा थारे ताहीं पवित्र आत्मा नै सिखाया सै। 28 हे बाळकों,
 मसीह म्ह बणे रहो, के जिब वो दुबारा आवैगा, तो म्हारी हिम्मत बणी रहवै,
 ताके मसीह कै आण पै उसकै स्याम्ही शर्मिन्दा ना होआ। 29 जै थम जाणो
 सों, के मसीह धर्मी सै, अर जो कोए धर्म का काम करै सै, वो परमेसवर की
 ऊलाद सै।

3 सोच्चों तो सही के पिता परमेसवर नै म्हारे तै किसा प्यार करया, कै हम पिता परमेसवर की ऊलाद कुहवाए; अर हम सां भी। पर इस कारण दुनिया के माणस हमनै कोनी जाणते, के हम परमेसवर की ऊलाद सां, क्यूँके वे पिता परमेसवर नै भी कोनी जाणते। 2 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, इब हम परमेसवर की ऊलाद सां अर इब ताहीं यो तय न्ही होया, के आण आळे बखत म्ह हम के बणागें! इतणा जाणा सां के जिब यीशु मसीह आवैगा तो हम उसकै समान होवांगे, क्यूँके हम मसीह नै उसेए दिक्खांगें जिसा वो सै। 3 अर जो कोए मसीह पै या आस राक्खै सै, वो अपणे-आपनै उसाए पवित्र करै सै, जिसा वो पवित्र सै। 4 जो कोए बार-बार पाप करै सै, वो नियम-कायदा का बिरोध करै सै। अर हुकम ना मानना ए पाप सै। 5 थम जाणो सों के मसीह इस खात्तर आया, ताके पाप नै दूर करै; अर उसकै म्ह कोए भी पाप कोनी। 6 जो कोए उस म्ह बणया रहै सै, वो बार-बार पाप न्ही करदा: जो कोए बार-बार पाप करै सै, वे कोनी जाणते के मसीह कौण सै, अर ना ए उसकै गैल कोए उनका रिश्ता सै। 7 हे बाळकों, किसे कै बहकावै म्ह ना आइयो। जो धर्म के काम करै सै, वोए मसीह कै समान धर्मी सै। 8 जो कोए पाप करदा रहवै सै, वो शैतान की ओड़ तै सै, क्यूँके शैतान शरु तै ए पाप करदा आया सै। परमेसवर का बेटा इस खात्तर आया के शैतान कै काम्मां का नाश करै। 9 जो परमेसवर की ऊलाद सै, वो बार-बार पाप न्ही करदा; क्यूँके मसीह का सुभाव उस म्ह बणया रहवै सै, अर वो पाप कर ए न्ही सकता, क्यूँके वो परमेसवर की ऊलाद सै। 10 परमेसवर की अर शैतान की ऊलाद की पिच्छाण इस्से तै हो ज्या सै: कोए भी माणस, जिसका जीवन धार्मिकता का कोनी, वो परमेसवर की ओड़ तै कोनी, अर ना ए वो, जिसनै अपणे भाई तै प्यार न्ही करया। 11 जो खबर थमनै शरु तै सुणी, वो या सै के हम एक-दुसरे तै प्यार करां; 12 अर आदम के बेटे कैन की ढाळ ना बणो, जो उस शैतान की ओड़ तै था, अर जिसनै अपणे भाई ताहीं मार दिया। अर उस ताहीं क्यूँ मारया? क्यूँके उसके खुद के काम बुरे थे, अर उसके भाई के काम धर्म के थे। 13 हे बिश्वासी भाईयो, जै दुनिया के माणस थारे तै बैर करै सै तो अचम्भा ना करो। 14 हम जाणा सां, के हम मौत के मुँह तै लिक्ड़के जीवन म्ह दाखल होवा सां; क्यूँके हम बिश्वासी भाईयाँ तै

प्यार राक्खा सां। जो प्यार न्ही राखदा वो मृत्यु के सिकन्जे म्ह रहवै सै।
15 जो कोए अपणे बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै सै, वो हत्यारा सै; अर थम जाणो सों के हत्यारे म्ह अनन्त जीवन न्ही रहन्दा। (aiōnios g166) **16** प्यार के सै? इस्से तै हमनै जाण लिया के यीशु मसीह नै म्हारै खात्तर अपणी जान दे दी; इस करके हमनै भी अपणे बिश्वासी भाईयाँ के खात्तर जान देणी चाहिए। **17** पर जिस किसे कै धोरै दुनिया की दौलत हो अर वो अपणे बिश्वासी भाई नै कंगाल देखके उसपै तरस ना खावै, तो उस म्ह परमेसवर का प्यार किस तरियां बणया रहै सके सै? **18** हे प्यारे बाळकों, म्हारे बोल्लण तै ए न्ही, पर काम अर सच्चाई म्ह भी म्हारा प्यार दिखणा चाहिए। **19** जिब हम दुसरयां तै प्यार करां सां, तो हम जाण लेवां सां, के हम सच के सां; अर जिस बात म्ह म्हारा मन हमनै दोष देवै सै, उसके बारे म्ह हम परमेसवर के आगै अपणे-अपणे मन नै होसला दे सकां सां; **20** जै बुरे काम की बजह तै म्हारा मन हमनै दोषी बणावै तोभी हम परमेसवर के स्याम्ही जा सकां सां, क्यूँके परमेसवर म्हारे मन तै बड़ा अर सब कुछ जाणण आळा सै। **21** हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जै म्हारा मन हमनै दोष ना दे, तो हमनै परमेसवर के आगै जाण म्ह होसला मिलै सै। **22** अर जो कुछ हम परमेसवर तै माँगा सां, वो हमनै उसतै मिलै सै, क्यूँके हम उसके हुकम नै मान्ना सां अर जो उसनै आच्छा लागै सै, वोए हम करा सां। **23** उसका हुकम यो सै के हम उसके बेट्टे यीशु मसीह पै बिश्वास करा, अर जिसा उसनै म्हारै ताहीं हुकम दिया सै उस्से कै मुताबिक हम आप्स म्ह प्यार करां। **24** जो परमेसवर के हुकम नै मान्ने सै, वो परमेसवर म्ह वास करे सै, अर वो उन म्ह वास करे सै: अर इस्से तै, हम जाणा सां, के वो म्हारै म्ह रहवै सै उस पवित्र आत्मा के जरिये जो उसनै म्हारै ताहीं दिया सै।

4 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, हरेक आत्मा का बिश्वास ना करो, बल्के आत्मायाँ नै परखो के वो परमेसवर की ओड़ तै सै के न्ही; क्यूँके घणखरे झूठे नबी दुनिया म्ह उठ खड़े होए सै। **2** परमेसवर की आत्मा थम इस रीति तै पिच्छाण सको सों: जो आत्मा मान ले सै के यीशु मसीह देह धारण करके आया सै, वो परमेसवर की ओड़ तै सै। **3** अर जो आत्मा यीशु नै न्ही मानती, वो परमेसवर की ओड़ तै न्ही सै; अर वोए तो मसीह के बिरोधी की आत्मा सै,

जिसका जिक्र थमनै सुणया सै के वो आण आळा सै, अर इब भी दुनिया म्ह सै। 4 हे प्यारे बाळकों, थम परमेसवर के लोग सों, अर थमनै झूठे नबियाँ पै जीत पाई सै; क्यूँके पवित्र आत्मा जो थारे म्ह बसै सै, वो शैतान तै बड्डा सै, जो इस दुनिया म्ह सै। 5 झूठे नबी दुनिया के लोग सै, इस कारण वे दुनिया की बात बोल्लै सै, अर लोग उनकी सुणै सै। 6 हम परमेसवर के लोग सां। जो परमेसवर नै जाणै सै, वो म्हारी सुणै सै; जो परमेसवर नै न्ही जाणता वो म्हारी न्ही सुणदा। इस ढाळ हम सच की आत्मा अर भ्रम की आत्मा नै पिच्छाण लेवां सां। 7 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, हम आप्पस म्ह प्यार करां; क्यूँके प्यार परमेसवर की ओड़ तै सै, जो कोए प्यार करै सै, वो परमेसवर की ऊलाद सै, अर वो परमेसवर नै जाणै सै। 8 जो दुसरयां तै प्यार न्ही करते, वो परमेसवर नै न्ही जाणदा, क्यूँके परमेसवर प्यार सै। 9 जो प्यार परमेसवर म्हारै तै करै सै, वो इसतै जाहिर होया के परमेसवर नै अपणे इकलौते बेट्टे तार्हीं दुनिया म्ह भेज्जा सै, ताके हम उसकै जरिये सच्चे जीवन नै पावां। 10 प्यार वो न्ही जो हमनै परमेसवर तै करया सै, बल्के प्यार वो सै जो उसनै म्हारै तै करया, के म्हारे पापां के प्रायशिचित के खात्तर अपणे बेट्टे तार्हीं भेज्जा। 11 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब परमेसवर नै म्हारै तार्हीं इसा प्यार करया, तो हमनै भी आप्पस म्ह प्यार करणा चाहिए। 12 परमेसवर तार्हीं भी किसे नै न्ही देख्या; जै हम आप्पस म्ह प्यार करां, तो परमेसवर म्हारै म्ह बसा रहवै सै अर उसका प्यार म्हारै म्ह सिध्द होगया। 13 इस्से तै हम जाणा सां के हम उस म्ह बणे रह्वा सां, अर वो म्हारै म्ह; क्यूँके उसनै अपणे पवित्र आत्मा म्ह तै म्हारै तार्हीं दिया सै। 14 हमनै देख भी लिया अर गवाही देवा सां के पिता परमेसवर नै बेट्टे तार्हीं दुनिया का उद्धारकर्ता बणाकै भेज्जा सै। 15 जो कोए या मान ले सै के यीशु परमेसवर का बेट्टा सै, परमेसवर उस माणस म्ह वास करै सै, अर वो परमेसवर म्ह। 16 हम जाणगे सां, अर हमनै बिश्वास सै के परमेसवर म्हारै तै प्यार करै सै। परमेसवर प्यार सै, अर जो प्यार म्ह बणया रहवै सै, वो परमेसवर म्ह वास करै सै, अर परमेसवर उस म्ह वास करै सै। 17 इस्से तै प्यार म्हारै म्ह सिध्द होया, के न्याय के दिन हमनै यो होसला मिलै, के परमेसवर हमनै दण्ड न्ही देगा। जिसा मसीह दुनिया म्ह रहन्दे होए परमेसवर म्ह वास करै था, उसाए हम भी परमेसवर म्ह वास करां सां। 18

प्यार म्ह डर न्ही होंदा, बल्के सिध्द प्यार डर नै दूर करदे सै; क्यूँके डर का सम्बन्ध दण्ड तै होवै सै, अर जो डरै सै वो प्यार म्ह सिध्द न्ही होया। 19 हम इस करकै प्यार करा सां, के पैहले उसनै म्हारै तै प्यार करया। 20 जै कोए कहवै, “मै परमेसवर तै प्यार करूँ सूँ” पर अपणे बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै तो वो झूठा सै; क्यूँके जो अपणे बिश्वासी भाई तै जिस ताहीं उसनै देख्या सै प्यार न्ही कर सकता, तो वो परमेसवर तै भी जिस ताहीं उसनै न्ही देख्या प्यार न्ही कर सकता। 21 परमेसवर तै हमनै यो हुकम मिल्या सै, कै जो कोए परमेसवर तै प्यार राक्खै सै वो अपणे भाई तै भी प्यार राक्खै।

5 जिसका यो बिश्वास सै, के यीशु ही मसीह सै, वो परमेसवर पिता की ऊलाद सै; अर जो कोए परमेसवर तै प्यार करै सै, वो उसके माणसां तै भी प्यार करैगा। 2 जिब हम परमेसवर तै प्यार करां सां अर उसकै हुकम नै मान्ना सां, तो इस्से तै हम जाणा सां, के हम परमेसवर अर उसके माणसां तै प्यार करां सां। 3 परमेसवर तै प्यार करण का मतलब यो सै के हम उसकै हुकमां नै मान्ने; अर उसके हुकम मुशिकल कोन्या। 4 क्यूँके जो परमेसवर पिता की ऊलाद सै, उसनै दुनिया पै जीत हासिल करी सै; अर वा जीत दुनिया ताहीं हरा देवै सै, वो म्हारा बिश्वास ए सै। 5 दुनिया पै जीत पावैण आळा कौण सै? सिर्फ वो जिसका यो बिश्वास सै के यीशु ए परमेसवर का बेटा सै। 6 मसीह यीशु ए सै, जिसनै बपतिस्मा लिया अर म्हारे खात्तर सूळी पै अपणा लहू भी बहाया। 7 गवाही देण आळे तीन सै। 8 आत्मा, पाणी अर लहू; ये तीन्नु एके बात पै सहमत सै। 9 जिब हम माणसां की गवाही मान ल्यां सां, तो परमेसवर की गवाही तो उसतै बढ़कै सै; अर परमेसवर की गवाही या सै के उसनै अपणे बेटे के बारें म्ह गवाही दी सै। 10 जो परमेसवर के बेटे पै बिश्वास करै सै, वो अपणे मन म्ह ए बिश्वास राक्खै सै। जिसनै परमेसवर पै बिश्वास न्ही करया उसनै परमेसवर ताहीं झूठा बताया, क्यूँके उसनै उस गवाही पै बिश्वास न्ही करया जो परमेसवर नै अपणे बेटे के बारें म्ह दी सै। 11 अर वा गवाही या सै के परमेसवर के बेटे के जरिये हमनै अनन्त जीवन पाया सै, अर यो जीवन उसकै बेटे म्ह सै। (aiōnios g166) 12 उसके बेटे तै म्हारा गहरा रिश्ता सै, उसकै धोरै अनन्त जीवन सै; अर जिसका परमेसवर के बेटे तै रिश्ता कोनी, उसकै धोरै अनन्त जीवन भी कोनी। 13 मै

या चिट्ठी थारे ताहीं लिखूँ सूँ, जो परमेसवर के बेटे के नाम पै बिश्वास करो सों, ताके थम जाणो के अनन्त जीवन थारा सै। (aiōnios g166) 14 हमनै परमेसवर के स्याम्ही यो होसला मिलै सै, वो होसला यो सै, के जो हम उसकी इच्छा के मुताबिक माँगा सां, तो वो म्हारी सुणै सै। 15 जिब हम जाणा सां, के जो कुछ परमेसवर तै मांग्या सै, वो म्हारी सुणै सै, तो यो भी जाणा सां, के जो कुछ हमनै परमेसवर तै मांग्या, वो पाया सै। 16 जै कोए अपने बिश्वासी भाई नै इसा पाप करते देख्खै, जिसका नतिज्जा मौत ना हो, तो बिनती करै, अर परमेसवर उस ताहीं उन खात्तर, जिन नै इसा पाप करया सै, जिसका कारण मौत ना हो, जीवन देगा। जिस पाप का नतिज्जा मृत्यु सै; मै इसकै बारे म्ह बिनती करण खात्तर न्ही कहन्दा 17 सारी ढाळ के बुरे काम तो पाप सै, पर इसा पाप भी सै जिसका नतिज्जा मृत्यु कोनी। 18 हम जाणा सां, के जो कोए परमेसवर ऊलाद सै, वो बार-बार पाप न्ही करते; क्यूँके परमेसवर का बेटा यीशु मसीह उसनै पाप तै बचाई राक्खैगा, अर शैतान उसनै छू भी न्ही पांदा। 19 हम जाणा सां, के हम परमेसवर तै सां, अर सारी दुनिया उस शैतान के बस म्ह पड़ी सै। 20 हम यो भी जाणा सां, के परमेसवर का बेटा यीशु मसीह आ गया सै, उसनै म्हारे ताहीं उस सच्चे परमेसवर नै पिच्छाणण की समझ दी सै; के म्हारा परमेसवर का करीबी रिश्ता सै, क्यूँके म्हारा उसके बेटे के गेल्या करीबी रिश्ता सै। सच्चा परमेसवर अर अनन्त जीवन योए सै। (aiōnios g166) 21 हे बाळकों हरेक उस चीज तै दूर रहों जो थमनै परमेसवर तै दूर करै सै।

2 यूहन्ना

1 या चिट्ठी मुझ यूहन्ना की ओड़ तै सै, जो कलीसिया का अगुवां सै, मै उस परमेसवर के जरिये चुणी गई बिरबान्नी अर उसके बाळकां के नाम या चिट्ठी लिखण लागरया सूं, जिनतै मै सच्चा प्यार करूं सूं, अर सिर्फ मै ए न्ही बल्के वे सारे भी प्यार करै सै, जो सच्चाई नै जाणै सै। **2** हम थारे तै प्यार करा सां, क्यूँके सच्ची शिक्षा म्हारे म्ह रहवै सै, अर म्हारे साथ सदा रहवैगी। (aiōn g165) **3** परमेसवर पिता, अर उसके बेटे यीशु मसीह की ओड़ तै अनुग्रह, दया, शान्ति, ये सब उनके साथ रहवैगी, जो इस सच्चाई नै मान्ने सै, अर एक-दुसरे तै प्यार करै सै। **4** मै घणा राज्जी होया के मन्ने तेरे कई बाळकां ताहीं उस हुकम कै मुताबिक, जो म्हारे पिता की ओड़ तै मिल्या था, सच पै चाल्दे होए पाया। **5** इब हे नारी, मै तेरे तै बिनती करूं सूं, के हमनै एक-दुसरे तै प्यार करणा चाहिए, यो कोए नया हुकम कोनी, बल्के यो वो हुकम सै जिसनै हम उस बखत तै जाणा सां, जिब हमनै मसीह कै पाच्छै चालणा शरु करया था। **6** अर सच्चा प्यार यो सै, के हम परमेसवर के हुकमां कै मुताबिक चाल्लां, जिस दिन तै थमनै मसीह कै पाच्छै चालणा शरु करया था, उस दिन तै थम जाणो सों, के परमेसवर नै म्हारे ताहीं हुकम दिया सै, के हम सदा एक-दुसरे तै प्यार करा। **7** मै ज्यांतै कहुँ सूं, क्यूँके भोत-से लोग झूठी शिक्षा तै दुसरयां नै धोक्खा देण आळे, इस दुनिया म्ह अलग-अलग जगहां तै लिक्ड़ आए सै, वे कहवै सै, के मसीह इस दुनिया म्ह इन्सान का रूप धारण करके न्ही आया, जै कोए माणस ये बात कहवै सै तो वो माणस यीशु मसीह का बिरोधी सै, वो दुसरयां ताहीं भरमाण आळा सै। **8** थमनै चौक्कस रहणा चाहिए, के ये लोग थमनै धोक्खा न्ही देण पावै, ताके परमेसवर की सेवा करण म्ह जो मेहनत थमनै करी सै, वा बेकार ना जावै, पर परमेसवर थारी उस मेहनत का थमनै ईनाम देवैगा। **9** जै कोए माणस, मसीह नै जो शिक्षाएँ दी सै उसका पालन न्ही करदा, अर अपणी ओड़ तै उन शिक्षा म्ह कुछ और जोडै सै, तो उसकी परमेसवर कै गैल साझेदारी कोनी, पर जो कोए उसकी दी गई शिक्षा का पालन करदा रह सै, उसकी पिता परमेसवर अर उसके बेटे यीशु मसीह कै गैल साझेदारी सै। **10** जै कोए थारे धोरै आवै अर वा शिक्षा दे जो मसीह की शिक्षा तै न्यारी सै, तो उस ताहीं थम ना तो घर म्ह आण द्यो

अर ना नमस्कार करो। 11 क्यूँके जो कोए इसे माणस नै नमस्कार करै सै, वो उसके भुन्डे काम्मां म्ह साइझी होवै सै। 12 मन्नै घणीए बात थारे ताहीं बताणी सै, पर मै उन बात्तां नै इस चिट्ठी म्ह लिखणा कोनी चाहन्दा, अर उम्मीद सै के मै थारे धोरै आऊँगा, अर आम्ही-स्याम्ही थारे तै बात करूँगा, अर फेर हम आच्छी ढाळ खुशी मनावंगे। 13 परमेसवर के जरिये चुणी गई बेब्बे के बाळकां का, थारे ताहीं नमस्कार।

3 यूहन्ना

1 या चिट्ठी मुझ यूहन्ना की ओड़ तै, जो कलीसिया का अगुवां सै, प्यारे मित्तर गयुस कै नाम सै, जिसतै मै सच्चा प्यार करूँ सूँ। **2** हे प्यारे मित्तर, मेरी या प्रार्थना सै, के जिसा तू आत्मिक बढ़ोतरी करण लाग रह्या सै, उस्से तरियां तू सारी बात्तां म्ह बढ़ोतरी करै अर भला चंगा रहवै। **3** क्यूँके जिन कुछ बिश्वासी भाईयाँ नै आणकै मेरे ताहीं बताया के तू ईमानदारी तै परमेसवर की सच्ची राह पै चाल्लण लागरया सै, तो मै भोत-ए राज्जी होया। **4** मन्नै इसतै बढ़कै किसे और बात की खुशी कोनी के जिन मै सुणु सूँ, के वे लोग जो मेरे बाळकां की तरियां सै, वे परमेसवर की सच्ची राह पै चाल्लण लागरे सै। **5** हे प्यारे मित्तर, तू म्हारे बिश्वासी भाईयाँ की मदद कै खात्तर ईमानदारी तै भोत कुछ करण लागरया सै, तन्नै उनकी भी मदद करी जिन ताहीं तू न्ही जाणदा। **6** जिनकी तन्नै मदद करी थी, उन म्ह तै कई माणसां नै, उरै की कलीसिया के बिश्वासी भाईयाँ ताहीं बताया, के तू अपने बिश्वासी भाईयाँ तै कितना प्यार करै सै, इब मै थमनै कहूँ सूँ के तू इसे माणसां की हमेशा मदद करदा रहै, जिन वे दुसरी जगहां सफर खात्तर जावै सै, क्यूँके योए परमेसवर नै आच्छा लागै सै। **7** क्यूँके ये लोग हरेक जगहां सफर करै सै, ताके मसीह का वचन सुणा सकै, अर गैर यहूदियाँ तै कुछ मदद न्ही लेंदे। **8** इस करके हमनै अपने घर म्ह, इसे माणसां का स्वागत करके उनकी सेवा-पाणी करणी चाहिए, अर उनकी हरेक जरूरत पूरी करणी चाहिए, ताके हम माणसां म्ह सच्चा सन्देश फैलाण म्ह उनके साइद्दीदार हो सका। **9** मन्नै पैहले थारी कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं एक चिट्ठी लिखी थी, पर दियुत्रिफेस नै मेरी हिदायत मानण तै इन्कार कर दिया क्यूँके वो खुद हमेशा कलीसिया का अगुवां बणणा चाहवै था। **10** इस करके जिन मै आऊंगा तो, थारे स्याम्ही उसके जरिये करे गये सारी बात्तां नै स्पष्ट कर देऊंगा, यानी सारे बुरे-बुरे शब्दां का इस्तमाल करदे होए जो उसनै म्हारे पै दोष लगाए, इतणाए न्ही बल्के वो ना ए तो किसे शिक्षक ताहीं स्वीकार करै सै, अर ना ए कलीसिया के किसे बिश्वासी ताहीं इसा करण देवै सै, जो स्वीकार करणा चाहवै सै, उन ताहीं वो कलीसिया तै बाहर कर देवै सै। **11** हे प्यारे मित्तर, बुराई करण आळे न्ही, पर भलाई करण आळे बणो। जो भलाई करै सै, वो परमेसवर की ओड़ तै सै, पर

जो बुराई करै सै, वो परमेसवर ताहीं कोनी जाणदा। 12 कलीसिया म्ह हर कोए कहवै सै, के देमेत्रियुस एक आच्छा माणस सै, क्यूँके उसका बरताव परमेसवर के सच्चे सन्देश के मुताबिक सै, अर तू भी जाणै सै के जो हम कहवा सां वो सच सै। 13 मन्नै तेरे ताहीं भोत कुछ बताणा तो था, पर मै उन बात्तां नै इस चिट्ठी म्ह लिखणा कोनी चाहन्दा। 14 पर मन्नै उम्मीद सै, के तेरे तै तावळा-ए मिलूंगा, फेर हम आम्ही-स्याम्ही बात करारंगें। मै प्रार्थना करूँ सुं, के परमेसवर थमनै शान्ति देवै। ओड़ै के मित्तरां तै नाम ले-लेकै म्हारी ओड़ तै नमस्कार कह दिये।

यहूदा

1 या चिट्ठी मुझ यहूदा की ओड़ तै सै, मै, मसीह यीशु का दास अर याकूब का छोटा भाई सूं। मै या चिट्ठी उन माणसां ताहीं लिखण लागरया सूं, जिन ताहीं परमेसवर नै अपने पै बिश्वास करण खात्तर बुलाया सै। पिता परमेसवर थारे तै प्यार करै सै, अर मसीह यीशु म्ह थारे ताहीं सुरक्षित राक्खै सै। **2** मै प्रार्थना करूं सूं, के परमेसवर थारे ताहीं दया, शान्ति अर प्यार भोत-ए घणा देवै। **3** हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब मै उस नई जिन्दगी के बारें म्ह लिखण म्ह घणी मेहनत करण लागरया था, जो म्हारे ताहीं मसीह यीशु के जरिये परमेसवर तै मिलै सै, अर जिस म्ह हम सब साझीदार सां। तो मन्नै महसूस होया के मै इस चिट्ठी के जरिये थमनै उत्साहित करूं, ताके थम अपने बिश्वास की बढ़ोतरी खात्तर और भी मेहनत करो, परमेसवर नै यो बिश्वास सारे माणसां ताहीं सदा खात्तर एके बार दे दिया सै, अर यो बदल्या न्ही जा सकदा। **4** क्यूँके परमेसवर का कहणा ना मानण आळे भोत-से झूठी शिक्षा देण आळे लोग चुपचाप म्हारे बिना जाणे म्हारे म्ह आ मिले सै, ये वो लोग सै जिनके बारें म्ह परमेसवर नै सदियाँ पैहले पवित्र ग्रन्थ म्ह कह्या था, के उन ताहीं परमेसवर दण्ड देवैगा। वे परमेसवर के अनुग्रह के सन्देश नै बिगाड़ के उस ताहीं भोग-विलास म्ह बदल देवै सै। यीशु मसीह जो म्हारा एकमात्र माल्लिक अर प्रभु सै, वे उसका इन्कार करै सै। **5** हालाकि थमनै सारी बातों का बेरा सै, फेर भी मै थमनै वे बात याद दुवाणा चाहूं सूं, जिब प्रभु नै इस्राएली माणसां ताहीं मिस्र देश की गुलाम्मी तै छुड़ाया था, तो उसके बाद उन म्ह बिश्वास ना करणीया का प्रभु नै जंगल-बियाबान म्ह नाश कर दिया। **6** यो भी याद राक्खों के परमेसवर नै उन सुर्गदूतां ताहीं भी दण्ड दिया, जिननै अपनी प्रभुता बणाए न्ही राक्खी, बल्के अपनी खुद की रहण की जगहां जो के सुर्ग थी छोड़ दी, परमेसवर नै उन ताहीं भी भीषण दिन के न्याय खात्तर अन्धेरै म्ह, जो सदा काल के खात्तर सै, बेल्लां तै बाँधके राख्या सै, जिन ताहीं कोए तोड़ न्ही सकदा। (aidios g126) **7** उस्से तरियां उन माणसां के बारें म्ह जो सदोम अर अमोरा नगर अर उसके लोवे-धोवे के नगर के माणसां के गैल के बणी थी। वे माणस जार हगे थे, अर अप्राकृतिक यौन-सम्बन्धों के पाच्छे लागे थे, तो परमेसवर नै उन ताहीं आग तै भस्म कर

दिया, जो उनके गैल होया वा दुसरयां खात्तर चेतावनी सै, क्यूँके वे भी अनन्त आग के जरिये दण्ड पावेंगे। (aiōnios g166) 8 इन बातों के बारे में बेरा होन्दे होए, परमेसवर का कहणा ना मानण आळे लोग इस्से तरियां तै पाप करै सै, उनका कहणा सै, के वे दर्शन देखै सै, वे अपणी-अपणी देह नै अशुद्ध करै सै, अर वे परमेसवर की प्रभुता नै अस्वीकार करै सै, अर सुर्गदूतां की बुराई करै सै। 9 पर परमेसवर के प्रधान सुर्गदूत मीकाईल नै, जिब शैतान तै मूसा नबी की लाश कै बारे में वाद-विवाद करया, तो मीकाईल सुर्गदूत नै भी उसतै आच्छा-भुंडा कहकै खोट लाण की हिम्मत कोनी करी, पर सिर्फ इतणाए कहा, के “प्रभु तन्नै फटकारै।” 10 पर परमेसवर का कहणा ना मानण आळे ये लोग उन बातों की आलोचना बुरे शब्दों तै करै सै, जिन ताहीं वे जाणदे ए कोनी, अर जिन बातों नै वे जाणै सै, उन ताहीं वे बिना सोच्चे-समझे जंगली-जानवरों की तरियां करै सै, इसे काम्मां खात्तर परमेसवर उन ताहीं दण्ड देवैगा। 11 धिक्कार सै उनपै! जो कैन की तरियां बुरी जिन्दगी जीवै सै, जिसनै अपणे भाई का खून इस करकै करया था, क्यूँके परमेसवर नै उसकी भेट स्वीकार कोनी करी, अर उसके भाई की कर ली थी, अर वो उस बिलाम की तरियां सै, जिसनै परमेसवर के माणसां ताहीं पाप करण खात्तर उकसाया, ताके वो धन ले सकै जिसकी पेशकस उस ताहीं करी गई थी, अर जो कोरह की ढाळ मूसा नबी के अधिकार का बिरोध करण के कारण नाश होगे। 12 जिब थम परमेसवर के प्यार नै, याद करण के खात्तर प्रीति भोज मह कट्टे होओ सों, तो वे भी थारे मह शामिल हो जावै सै, तब वे उस समुन्दर मह लुक्की होए पत्थर की चट्टान की तरियां सै, जो थारे ताहीं डूबो सकै सै। वे उस पाळी की तरियां सै जो सिर्फ अपणा पेट भरै सै, अर वे बिना पाणी के बादल सै, जिन ताहीं हवा उड़ा ले जावै सै, वे पतझड़ के इसे दरखत सै, जिन मह कदे फळ कोनी लागदे, अर ये जड़ तै उखड़गे सै। 13 ये समुन्दर की तेज झाल के हिलोरे सै, जो अपणी गंदगी का झाग उछाळै सै, ये लोग शर्मनाक काम करै सै, ये उन राह तै भटके होए तारां की ढाळ सै, जो किसे नै सही राह न्ही दिखा सकदे, जिनके खात्तर परमेसवर नै सदा खात्तर घोर अन्धकार की जगहां तय कर राक्खी सै, जड़ै वो सदा खात्तर रहवेंगे। (aiōn g165) 14 हनोक नै भी जो आदम की सातवीं पीढ़ी मह तै था, इन

माणसां कै बाबत या भविष्यवाणी करी थी, “देखों, प्रभु अपने लाखां पवित्र सुर्गदूतां कै गेल्या आवैगा, 15 तो उन सब माणसां का न्याय करैगा, अर बुरे माणसां नै उनके बुरे काम्मां का अर दुष्ट माणसां नै जिननै परमेसवर के बिरोध म्ह कड़वे शब्द इस्तमाल करे थे, उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगा।”

16 ये तो बेसबरे, बड़बड़ाण आळे, अर अपनी मर्जिया कै मुताबिक लगातार बुरे काम करै सै, अर अपने मुँह तै घमण्ड की बात बोल्लै सै, वे अपने फायदे कै खात्तर चापलूसी की बात करै सै। 17 पर हे प्यारे भाईयो, थम इन बाततां नै याद राक्खो, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित भोत पैहल्याए कहगे सै। 18 वे थमनै कह्या करै थे, “के प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण तै पैहले इसे माणस भी होवैंगे जो प्रभु का मजाक उड़ावैंगे, वे इसे माणस सै, जो अपनी बुरी अभिलाषायां कै मुताबिक जिन्दगी जिवैंगे।” 19 ये वे माणस सै, जो थारे म्ह फूट गैरै सै, अर जिन म्ह पवित्र आत्मा न्ही सै उनकी बुरी अभिलाषा, उन ताहीं अपने बस म्ह राक्खै सै। 20 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, थम लगातार एक-दुसरे की बढ़ोतरी करते जाओ, अर आप्पस म्ह एक-दुसरे नै सच्ची शिक्षा जिसपै थम विश्वास करो सों, उसतै उत्साहित करदे रहों, अर जिस तरियां पवित्र आत्मा थारे ताहीं अगुवाई करै सै थम प्रार्थना करदे रहों। 21 थमनै यो जाणकै जीवन जीणा चाहिए, के परमेसवर थारे तै प्यार करै सै, अर थम उस दिन की बाट देखदे रहो जिस दिन म्हारा प्रभु यीशु मसीह बोहड़कै आवैगा ताके थमनै अनन्त जीवन मिलै, क्यूँके उसनै म्हारे पै दया करी सै। (aiōnios g166) 22 उन माणसां पै दया करो जिनका विश्वास डामाडोल होरया सै। 23 घणखरे माणसां नै न्याय की आग तै झपट्टा मारकै लिकाड़ो, अर दुसरे माणसां के प्रति दयालु रहों, पर इसकै साथ चौक्कस भी रहों, उस लत्ते तै भी नफरत करो जो पाप तै भरे काम्मां तै कलंकित हो गया सै। 24 वो एकमात्र सच्चा परमेसवर सै, जो थमनै ठोक्कर खाण तै बचा सकै सै, अर वो थमनै बेकसूर अर मगन करकै अपने महिमा म्ह अपने स्याम्ही खड्या करैगा। जो प्रभु यीशु मसीह नै म्हारे खात्तर करया, उसकै जरिये परमेसवर नै म्हारे ताहीं बचाया सै। 25 म्हारा प्रभु यीशु मसीह माणसां म्ह, परमेसवर की तारीफ करण का कारण बणा, ताके वो पिच्छाण सकै,

के शरुआत तै, इब अर सदा कै खात्तर शक्ति अर अधिकार उस्से का सै।
आमीन। (aiōn g165)

प्रकाशित वाक्य

1 परमेसवर नै यीशु मसीह ताहीं वो गुप्त बातें दिखाई जो भोत तावळी होण आळी सै, ताके वो अपणे दास्सां पै इन बात्तां नै जाहिर करै, उसके बाद मसीह नै सुर्गदूत भेज्या, ताके अपणे दास यूहन्ना ताहीं ये बात दिखावै। **2** यूहन्ना नै वो सब कुछ लिख लिया, जो उस ताहीं दिखाया गया था, यानी वो वचन जो परमेसवर की ओड़ तै आया था, अर जो कुछ भी मसीह यीशु नै कह्या था। **3** धन्य सै वे जो इस भविष्यवाणी के वचन नै पढ़ै सै, अर वे जो सुणै सै अर इस म्ह लिक्खी होई बात्तां नै मान्ने सै, क्यूँके ये बात तावळी होण आळी सै। **4** ये चिट्ठियाँ यूहन्ना की ओड़ तै आसिया परदेस की सात कलीसियाओं के नाम सै। परमेसवर पिता की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलै, जो सै, अर जो था, अर जो आण आळा सै, अर इन सात आत्मायाँ की ओड़ तै जो उसके सिंहासन कै स्याम्ही सै। **5** अर यीशु मसीह जो बिश्वास जोग्गा गवाह अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळा म्ह तै जेद्दा अर धरती के राजयां का हाकिम सै, उसकी की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। वो म्हारे तै प्यार करै सै, अर उसनै अपणे लहू कै जरिये म्हारे ताहीं पाप तै छुटाया सै। **6** उसनै म्हारे ताहीं वे माणस बणा दिये सै, जिनका परमेसवर राजा सै, अर उसनै म्हारे ताहीं परमेसवर जो उसका पिता सै, उसका याजक बणा दिया सै, उस्से की महिमा अर पराक्रम युगानुयुग रहवै। आमीन। (aiōn g165) **7** लखाओ, वो बादळां कै गेल्या आण आळा सै, अर हरेक आँख उसनै देखैगी, बल्के जिननै उस ताहीं बेधा था, वे भी उस ताहीं देखैंगे, अर धरती के सारे कुल उसके कारण छात्ती पीटैंगे, जिब उस ताहीं देखैंगे। हाँ। आमीन। **8** प्रभु परमेसवर यो कहवै सै, के वो जो सै, अर जो था, अर जो आण आळा सै, जो सब तै शक्तिशाली सै, “मै अल्फा अर ओमेगा सूँ।” **9** मै यूहन्ना, जो थारा बिश्वासी भाई अर मसीह कै खात्तर दुख सहण म्ह अर परमेसवर के राज्य म्ह, अर धीरज तै दुख सहण म्ह साइझी सूँ, जो दुख उन माणसां पै आया सै, जिनका उसके साथ रिश्ता सै, मै पतमुस नाम कै टापू पै भेज दिया गया, क्यूँके मन्ने परमेसवर के वचन का प्रचार करया था, अर मसीह यीशु के सच्चे सन्देश ताहीं सुणाया था। **10** प्रभु के दिन, पवित्र आत्मा मेरे पै आ गया, अर मन्ने अपणे पाच्छै तुरही बरगा

बड़ड़ा शब्द सुण्या। 11 उसने उसतै कह्या, के “जो कुछ तू देखै सै, उसने किताब म्ह लिखकै सात्तु कलीसियाओं के धोरै भेजदे, जो इन नगरां म्ह सै, यानिके इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया, अर लौदीकिया ताहीं।” 12 फेर मन्नै उस ताहीं, जो मेरै तै बोल्लण लागरया था, देखण कै खात्तर अपणा मुँह फेरया, अर पाच्छै घूमकै मन्नै सोन्ने की सात दीवट देख्खी, 13 अर उन दीवटां कै बिचाळै माणस के बेट्टे कै बरगा एक आदमी देख्या, जो पायां ताहीं के लत्ते पहरै, अर छात्ती पै सोन्ने का पटुका बाँधे होड़ था। 14 उसके सिर के बाळ धोळी ऊन बल्के बर्फ की ढाळ जमा धोळे थे, अर उसकी आँख आग की तरियां धधकण लागरी थी। 15 अर उसके पैर भट्टी म्ह तपा कै चमकाए होए पीत्तळ के जिसे थे, अर उसका बोल घणे पाणी के गरजण जिसा था। 16 वो अपने सोळे हाथ म्ह सात तारे लिए होड़ था, अर उसकै मुँह म्ह तै पैन्नी दोधारी तलवार लिक्डै थी। उसका मुँह इस ढाळ बळै था, जिस ढाळ सूरज करड़ी धूप के बखत चमकै सै। 17 जब मन्नै उस ताहीं देख्या, तो उसके पायां पै मुर्दा की ढाळ पड़ग्या। उसने मेरै पै अपणा सोळा हाथ, धरकै कह्या, “मतना डरै, मै पैहल्ला अर आखरी अर जिन्दा सूं।” 18 मै मरग्या था, अर इब देख मै युगानुयुग जीऊँ सूं, अर मौत अर पाताळ लोक की ताळी मेरै धोरै सै। (aiōn g165, Hadēs g86) 19 इस करकै जो बात तन्नै देख्खी सै अर जो बात होण लागरी सै अर जो बात इसकै पाच्छै होण आळी सै, उन सारियां नै लिख ले। 20 इब मै उन सात तारां का भेद जिन ताहीं तन्नै मेरै सोळे हाथ म्ह देख्या था अर उन सोन्ने की दीवटां का भेद तन्नै बताऊँ सूं, वे सात तारे सात्तु कलीसियाओं के धोरै भेज्जे गये सुर्गदूत सै, अर वे सात दीवट, सात कलीसिया सै।

2 उसने मेरे ताहीं यो भी कह्या के इफिसुस नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू लिख के, “जो सात्तु तारे अपने सोळे हाथ म्ह लिए होड़ सै, अर सोन्ने की सात्तु दीवटां कै बिचाळै हाँडै सै, वो न्यू कहवै सै” 2 के मै तेरे काम, अर मेहनत, अर तेरा धीरज जाणु सूं, अर मै जाणु सूं, के तू बुरे माणसां की शिक्षा नै सह नही सकदा, अर जो अपने-आपनै प्रेरित कहवै सै, अर सै नही, उन ताहीं तन्नै परख कै झूठा पाया। 3 अर तू धीरज धरै सै, अर मेरै नाम कै खात्तर दुख ठा-ठाकै भी तन्नै मेरी सेवा करणा नही छोड्या। 4 पर मन्नै तेरे

खिलाफ म्ह न्यू कहणा सै, के तेरे म्ह वो प्यार न्ही रह्या जो तू पैहले मेरे तै करै था। 5 यो याद कर के तन्नै शरु म्ह मेरे तै किसा प्यार करया था, अर इब उसा प्यार न्ही करदा, तू पाप करणा छोड़ दे, अर जिसा तन्नै शरु म्ह मेरे तै प्यार करया था उसाए प्यार कर, अर जै तू पाप करणा न्ही छोड़ैगा, तो मै तेरे धोरे आकै तेरी दीवट नै उस जगहां तै हटा दियुँगा। 6 पर हाँ, तेरे म्ह या बात तो सै, के तू नीकुलइयों के काम्मां तै नफरत करै सै, जिनतै मै भी नफरत करूँ सूँ। 7 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै: वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, मै जीवन कै दरखत म्ह तै जो जीवन देवै सै, जो सुर्गलोक म्ह सै, उस ताहीं उस फळ म्ह तै खाण नै दियुँगा। 8 अर उसनै मेरे ताहीं स्मुरना नगर की कलीसिया के सुर्गदूत ताहीं यो लिखण खात्तर कह्या, के, जो पैहल्डा अर आखरी सै, जो मर लिया था अर इब जिन्दा होग्या सै, वो न्यू कहवै सै के, 9 मै तेरे क्लेश अर गरीबी नै जाणु सूँ, (पर तू साहूकार सै), अर जो माणस अपणे-आप ताहीं यहूदी कहवै सै, अर सै न्ही, पर वो शैतान के झुण्ड म्ह तै सै, मै उनकी बुराई नै भी जाणु सूँ। 10 जो दुख तन्नै झेलणे होंगे, उनतै मत घबरा, क्यूँके देक्खो, शैतान अपणे माणसां के जरिये थारे म्ह तै कितन्याँ ताहीं जेळखान्ने म्ह गेरैगा, ताके थम परखे जाओ, अर थारे ताहीं दस दिन तक क्लेश ठाणा पड़ैगा। जान देण तक बिश्वासी रह, तो मै थारी जीत के कारण ईनाम के तौर पै थमनै अनन्त जिन्दगी देऊँगा। 11 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै, वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, उसनै दुसरी मौत तै नुकसान कोनी होवैगा। 12 अर उसनै मेरे ताहीं पिरगमुन नगर की कलीसिया के सुर्गदूत ताहीं यो लिखण खात्तर कह्या, के, “जिसके धोरे दोधारी अर पैन्नी तलवार सै, वो न्यू कहवै सै” 13 के मन्नै न्यू तो बेरा सै, तू ओड़ै रहवै सै जित्त शैतान का राज सै, अर मेरै नाम पै स्थिर रहवै सै, अर मेरै पै बिश्वास करण तै उन दिनां म्ह भी पाच्छै न्ही हट्या जिन म्ह मेरा बिश्वास जोग्गा गवाह अन्तिपास, तेरे नगर म्ह उस जगहां पै मारया गया जित्त शैतान रहवै सै। 14 पर मन्नै तेरे खिलाफ म्ह न्यू कहणा सै, थम उन माणसां का बिरोध कोनी करदे, जो पुराणे जमान्ने के नबी बिलाम की तरियां झूठी शिक्षा सिखावै सै, बिलाम नै

राजा बालाक तार्हीं यो सिखाया, के इस्राएल के माणसां तै पाप करवाण के खात्तर के करणा चाहिए, के वे इम्तिहान म्ह पड़े, अर पाप कर बेट्टे। उसनै उन तार्हीं मूर्तियाँ के आगै चढ़ाई होड़ चिज्जां तार्हीं खाणा अर अनैतिक जिन्दगी जीणा सिखाया। 15 उस्से तरियां-ए तेरे उरै कितने तो इसे सै, जो नीकुलइयों की शिक्षा नै मान्नै सै। 16 इस करके पाप करणा छोड़ दे, न्ही तो मै तेरे धोरै तावळा-ए आऊँगा, अर झूठी शिक्षा देण आळे उन माणसां के खिलाफ अपणे मुँह तै लिकड़ण आळी उस तलवार तै लडूँगा, जो के मेरा वचन सै। 17 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै, वे लोग जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै सै, उस तार्हीं मै गुप्त मन्ना म्ह तै दियुँगा, अर उस तार्हीं एक धोळा पत्थर भी दियुँगा, अर उस पत्थर पै एक नाम लिख्या होया होगा, जिस तार्हीं उसके पाण आळे कै सिवाए और कोए न्ही जाणैगा। 18 अर उसनै मेरे तार्हीं थुआतीरा नगर की कलीसिया के सुर्गदूत तार्हीं यो लिखण खात्तर कहा, के, मै परमेसवर का बेट्टा, जिसकी आँख आग की ज्वाला की तरियां, अर जिसके पैर बढ़िया पीत्तळ कै जिसे सै, न्यू कहूँ सूँ, के 19 मै तेरे काम, तेरे प्यार, बिश्वास, सेवा, अर धीरज नै जाणु सूँ, अर न्यू भी जाणु सूँ, के तेरे पाच्छले काम पैहल्ड़ा तै बढ़कै सै, जिब तन्नै मेरे पै बिश्वास करया था। 20 पर मन्नै तेरे खिलाफ न्यू कहणा सै, के तू उस जनानी इजेबेल नै रहण देवै सै, जो अपणे-आपनै नबी कहवै सै, अर मेरै दास्सां नै जारी करण, अर मूर्तियाँ के आगै चढ़ाई होड़ चीज नै खाणा सिखाके भकावै सै। 21 मन्नै उस तार्हीं पाप छोड़ण का मौक्का दिया, पर वा अपणे जारीपणे के पाप नै छोड़णा कोनी चाहन्दी। 22 मै उस तार्हीं बीमार कर दियुँगा। अर जो उसके गेल्या जारी करै सै, जै वे भी उसके बरगे काम्मां नै जो वा करै सै करणा न्ही छोड़ैगें, तो उननै मै भारया दण्ड दियुँगा। 23 अर मै उसके चेल्यां नै मार दियुँगा, अर फेर सारी कलीसिया नै बेरा पाट जावैगा, के हृदय अर मन जाँचण आळा मै ए सूँ, अर मै थारे म्ह तै हरेक नै उसके काम्मां कै मुताबिक बदला देऊँगा। 24 पर थम जो थुआतीरा के बाकी लोग जिननै इस झूठी शिक्षा तार्हीं न्ही मान्या, अर उन बात्तां नै जिन नै शैतान की गहरी बात कहवै सै, उन म्ह भाग न्ही लेते, मै न्यू कहूँ सूँ, के मै थारे तार्हीं और हुकम कोनी दियुँगा, पर मै जिब तक ना आ

जाऊँ मेरे पै मजबूती तै बिश्वास करते रहों। 25 पर हॉ, जो थारे धोरै सै उसनै मेरै आण तक थाम्बे रहो। 26 वे लोग जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै सै, अर मेरे काम्मां कै मुताबिक आखरी ताहीं करदा रहवै, मै उसनै देश-देश के माणसां पै राज करण का हक देऊँगा। 27 मै उसनै भी राज करण का वोए हक देऊँगा जो मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिया सै, वो उनपै बिना दया के राज करैगा, अर वो उन ताहीं चकणाचूर कर देवैगा, जिस ढाळ कुम्हार के माट्टी के बासण चकणाचूर हो जावै सै। अर मन्नै भी इसाए हक अपणे पिता तै मिल्या सै। 28 अर मै उसनै भोर का तारा देऊँगा। 29 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

3 उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या के सरदीस नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै लिख, के “जिसकै धोरै परमेसवर की सात आत्मा अर सात तारे सै, वो न्यू कहवै सै,” के मै तेरे काम्मां नै जाणु सूं, के तू मेरा बिश्वास लायक बिश्वासी तो कुहवै सै, पर असल म्ह तन्नै मेरा कहणा मानना छोड़ दिया सै। 2 इस करकै सावधान हो जा, अर अपणे बिश्वास नै जो मेरे पै सै उसनै मजबूत कर, क्यूँके तेरे म्ह थोड़ा-सा ए बिश्वास बाक्की सै, ताके तेरा बचा होड़ बिश्वास भी ना जान्दा रहवै, मै जाणु सूं के तेरे काम अधूरे सै, पर तेरे काम्मां तै, जो तू करण लागरया सै परमेसवर खुश कोनी। 3 इस करकै याद कर, के तन्नै किस तरियां तै शिक्षा पाई अर सुणी थी, अर उस म्ह बणया रह, अर पाप करणा छोड़ दे। जै तू जागदा न्ही रहवैगा, तो मै चोर की ढाळ आ जाऊँगा अर तन्नै कदे भी न्ही बेरा पाट्टैगा, के मै किस बखत तेरे पै आण पडूँगा। 4 पर हॉ, तेरे धोरै सरदीस म्ह कुछ लोग सै, जो पाप के जरिये अशुद्ध कोनी होए, वे धोळे लत्ते पहरे होड़ मेरै गैल हाँडैगें क्यूँके वे इस लायक सै। 5 वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, उस ताहीं इस्से ढाळ धोळे लत्ते पिहराए जावैगें, अर मै उसका नाम जीवन की किताब म्ह तै किसे तरियां तै भी न्ही काट्टूँगा, पर उसका नाम अपणे पिता अर उसके सुर्गदूतां कै स्याम्ही मान ल्यूँगा के ये मेरे लोग सै। 6 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै। 7 अर उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या सै, के फिलदिलफिया नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू लिख के जो कहवै सै, मै पवित्र अर सच्चा सूं, अर मेरै धोरै वा ताळी सै, जो राजा

दाऊद की सै, जिब मै ताळी लेकै दरबाजा खोल्लू सूं, तो उसनै कोए बन्द न्ही कर सकता, जिब मै ताळी लेकै दरबाजा बन्द करूँ सूं, तो उसनै कोए खोल न्ही सकता, वो तेरे तै न्यू कहवै सै के, 8 मन्नै तेरे काम्मां का बेरा सै, देख, मै जाणु सूं के तेरे म्ह भोत कम काबलियत सै, पर तन्नै वा बात मान्नी सै जिसके बारें म्ह मन्नै तेरे ताहीं कह्या था, अर तन्नै इस बात का इन्कार न्ही करया के तू मेरे पै बिश्वास करै सै, इस करके मन्नै एक दरबाजा खोल्या सै, जिसनै कोए बन्द न्ही कर सकदा। 9 देख, जो शैतान के झुण्ड म्ह तै सै, अर खुद नै यहूदी कहवै सै, पर सै न्ही, बल्के झूठ बोल्लै सै, देख, मै इसा करूँगा, के वे आकै तेरे पायां म्ह मोध्थे पड़ैंगे, अर न्यू जाण लेवैंगे, के मन्नै तेरे तै प्यार करया सै। 10 क्यूँके जिब तेरे ताहीं सताया जाण लागरया था, तो तन्नै मेरे वचन ताहीं धीरज तै पुगाया सै, उसकी बजह तै मै भी तन्नै इम्तिहान के उस बखत म्ह बचा के राक्खूँगा, जो धरती पै रहण आळे माणसां नै परखण के खात्तर साबती दुनिया पै आण आळा सै। 11 मै तावळा-ए आण आळा सूं, अपणे बिश्वास म्ह मजबूत बणो, ताके कोए थमनै थारा ईनाम लेण तै रोक ना पावै। 12 वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, उन ताहीं मै अपणे परमेसवर के मन्दर म्ह खम्बा बणाऊँगा, वो फेर कदे बाहरणै न्ही लिक्ड़ैंगे, अर मै अपणे परमेसवर का नाम, अर अपणे परमेसवर के नगर, यानिके नये यरुशलेम का नाम, जो मेरै परमेसवर की ओड़ तै सुर्ग पै तै उतरण आळा सै, अर अपणा नया नाम उसपै लिखूँगा। 13 जिसके कान हों, ध्यान तै सुण ले के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै। 14 अर उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या सै, के “लौदीकिया नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू लिख” के, जो आमीन, अर बिश्वास जोगगा, अर सच्चा गवाह सै, अर परमेसवर की सृष्टि का खास कारण सै, वो न्यू कहवै सै। 15 के मै तेरे काम्मां नै जाणु सूं के तू उस पाणी की ढाळ सै, जो ना तो शीळा सै अर ना तात्ता, आच्छा था के तू इन म्ह तै एक होन्दा 16 क्यूँके तू गुणगुणा सै, अर ना शीळा अर ना तात्ता, मै तन्नै अपणे मुँह म्ह तै उगळण पै सूं। 17 तू जो कहवै सै, के मै धनी सूं, अर धनवान होगया सूं, अर मन्नै किसे चीज का घाटा न्ही, अर न्यू न्ही जाणदा, के तू निरभाग, नीच, कंगाल, आन्धा, अर उघाड़ा सै। 18 इस करके मै तन्नै राय दिरुँ सूं, के आग म्ह त्याया होड़ सोन्ना मेरै तै मोल ले, के तू

साहूकार हो जावै, अर धोळा लत्ता ले-ले के पहर कै तन्नै अपणे उघाड़ेपण पै शर्म न्ही आवै, अर अपणी आँखां म्ह लाण कै खात्तर सुरमा ले, के तू देखण लागै। 19 मै जिस-जिसतै प्यार राक्खूँ सूँ, उन सारया ताहीं उल्हाणा अर ताड़ना दियूँ सूँ, इस करकै हिम्मत राख, अर पाप करणा छोड़ दे। 20 देख, मै दरबाजे पै खड्या होया खटखटाऊँ सूँ, जै कोए मेरा बोल सुणकै दरबाजा खोलैगा, तो मै उसकै धोरै भित्तर आकै उसकै गेल्या खाणा खाऊँगा, अर वो मेरै गेल्या। 21 जो जीत पावै, मै उस ताहीं अपणे गेल्या अपणे सिंहासन पै बिठाऊँगा, जिसा मै भी जीत पाकै, अपणे पिता कै गेल्या उसकै सिंहासन पै बैठ गया। 22 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण लेवै के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

4 इन बातों के पाच्छे जो मन्नै निगांह करी, तो के देखूँ सूँ के सुर्ग म्ह एक दरबाजा खुल्या होया सै, अर ओड़ कोए था जो मेरे तै बात करण लागरया था, अर जो बात करण लागरया था, वो वोए था जिसनै मेरे तै पैहले बात करी थी, अर जिसकी आवाज तुरही के शब्द की तरियां थी, अर उसनै मेरे तै कह्या, के “उरै ऊपरान आ ज्या, अर मै वे बात तन्नै दिखाऊँगा, जिनका इन बातों के पाच्छे पूरा होणा जरूरी सै।” 2 अर जिब्बे पवित्र आत्मा मेरे पै आ गया, अर मै के देखूँ सूँ के एक सिंहासन सुर्ग म्ह सै, अर उस सिंहासन पै कोए बेठ्या सै। 3 अर जो उसपै बेठ्या सै, उसकी चमक सूर्यकान्त मणि अर माणिक्य पत्थर के समान थी, अर उस सिंहासन कै चौगरदेकै मेघ-धनुष था, उसकी चमक पन्ने के समान की थी। 4 अर उस सिंहासन कै चौगरदेकै चौबीस सिंहासन सै, अर इन सिंहासनां पै चौबीस बुजुर्ग धोळे लत्ते पहरे होड़ बेठे सै, अर उनके सिरां पै सोन्ने के ताज सै। 5 अर उस सिंहासन म्ह तै बिजळी चमकण की अर गरजण की आवाज आण लागरी थी, अर सिंहासन कै स्याम्ही आग के सात दिवें जळण लागरे सै, जो के परमेसवर की सात आत्मा सै। 6 अर उस सिंहासन कै स्याम्ही पारस था जो के समुंदर जिसा चौड़ा था, अर शीशे जिसा साफ था, सिंहासन कै बिचाळै अर सिंहासन कै चौगरदेकै चार प्राणी सै, जिनकै आगै-पाच्छे आँखें-आँख सै। 7 पैहला प्राणी शेर कै बरगा सै, अर दुसरा प्राणी का मुँह बळध कै बरगा सै, तीसरे प्राणी का मुँह माणस कै बरगा सै, अर चौथा प्राणी उड़दे होड़ उकाब कै बरगा सै। 8

अर च्यारु प्राणियाँ कै छः , छः पंख सै, उनकै उप्पर अर हरेक जगहां ए आँख थी, बल्के पंखां के तळै भी, अर वे दिन-रात बिना आराम करे न्यू कहवै सै, के पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेसवर, जो सब तै शक्तिशाली था, अर जो था, जो सै, अर जो आण आळा सै। 9 अर जिब वे प्राणी उसकी जो सिंहासन पै बेठ्या सै, अर जो युगानुयुग जीवै सै, महिमा अर आदर अर धन्यवाद करैगें, (aiōn g165) 10 फेर सब चौबीस बुजुर्ग सिंहासन पै बैठण आळे कै स्याम्ही पड़ जावैगें, अर उस ताहीं जो युगानुयुग जीवै सै प्रणाम करैगें, अर अपणे-अपणे ताज सिंहासन कै स्याम्ही न्यू कहन्दे होए धर देवैगें। (aiōn g165) 11 “हे म्हारे प्रभु अर परमेसवर, तू-ए महिमा, अर आदर, अर सामर्थ कै जोगगा सै, क्यूँके तन्नै ए सारी चिज्जां ताहीं बणाया अर वे तेरी-ए मर्जी तै थी अर रची गई।”

5 अर जो सिंहासन पै बेठ्या था, मन्नै उसकै सोळे हाथ म्ह एक किताब देखी, जो भीत्तर अर बाहरणै लिक्खी होइ अर वा सात मोंहर लाकै बन्द करी गई थी। 2 फेर मन्नै एक शक्तिशाली सुर्गदूत ताहीं देख्या, जो जोर तै बोलण लागरया था, के इस किताब कै खोल्लण अर उसकी मोंहर तोड़ण कै जोगगा कौण सै? 3 पर ना सुर्ग म्ह, ना धरती पै, ना धरती कै तळै कोए उस किताब नै खोल्लण या उस ताहीं पढ़ण लायक कोए कोनी लिक्किया। 4 अर मै फूट-फूटकै रोण लाग्या, क्यूँके उस किताब ताहीं खोल्लण, या उस ताहीं पढ़ण लायक कोए न्ही मिल्या। 5 फेर उन बुजुर्गा म्ह तै एक नै मेरै तै कहा, मतना रोवै, लखा, यहूदा कै गोत्र का वो शेर, जो दाऊद का मूल सै, उस किताब नै खोल्लण अर उसकी सात्तु मोंहर तोड़ण कै खात्तर जयवन्त होया सै। 6 फेर मन्नै उस सिंहासन अर च्यारु प्राणियाँ अर उन बुजुर्गा कै बिच्चाळै, मान्नो एक मारया होइ मेम्ना खड्या देख्या जो पैहले मर गया था, पर इब वो जिन्दा होग्या सै, उसकै सात सींग अर सात आँख थी, ये परमेसवर की सात्तु आत्मा सै, जो साबती धरती पै भेज्जी गई सै। 7 उसनै आकै उसकै सोळे हाथ तै जो सिंहासन पै बेठ्या था, वा किताब ले ली, 8 अर जिब उसनै किताब ले ली, तो वे च्यारु प्राणी अर सब चौबीस बुजुर्ग उस मेम्ने कै स्याम्ही झुकगे, अर हरेक हाथ म्ह वीणा अर धूप तै भरे होइ सोन्ने के कटोरे थे, ये तो पवित्र माणसां की प्रार्थना सै। 9 अर वे यो नया गीत गाण लागगे, के तू इस

किताब कै लेण, अर उसकी मोहरां नै खोल्लण जोग्गा सै, क्यूँके तन्नै मरके अपणे लहू तै हरेक कुल, अर भाषा, अर माणस, अर जात म्ह तै परमेसवर कै खात्तर माणसां ताहीं मोल लिया सै। 10 अर उन ताहीं म्हारै परमेसवर कै खात्तर एक राज्य अर याजक बणाया, ताके वो परमेसवर की सेवा करै, अर वे धरती पै राज्य करै सै। 11 अर जिव मन्नै देख्या, तो उस सिंहासन अर उन प्राणियाँ अर उन बुजुर्गा कै चौगरदेकै अनगिणत सुर्गदूतां का बोल सुण्या, जिनकी गिणती लाकखां अर करोड़ां की थी। 12 अर वे ऊँच्ची आवाज म्ह गाण लागरे थे, के मारया होया मेम्ना ए सामर्थ, धन, ज्ञान, ताकत, आदर, महिमा, अर धन्यवाद कै लायक सै। 13 फेर मन्नै सुर्ग म्ह, धरती पै, अर धरती कै तळै, अर समुन्दर की सारी बणाई होड़ चिज्जां नै, अर सारा किमे, जो उन म्ह सै, उन ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के “जो सिंहासन पै बेठ्या सै, उसका, अर मेम्ने का धन्यवाद हो, मेम्ना ए सामर्थ, धन, ज्ञान, ताकत, आदर, महिमा के लायक सै, अर उसका राज्य, युगानुयुग रहवै।” (aiōn g165) 14 अर च्यारु प्राणियाँ नै आमीन कह्या, अर बुजुर्गा नै झुककै प्रणाम करया।

6 फेर मन्नै देख्या, के मेम्ने नै उन सात्तु मोहरां म्ह तै एक ताहीं खोल्या, अर उन च्यारु प्राणियाँ म्ह तै एक का गरजण जिसा शब्द सुण्या, के आ जाओ। 2 अर मन्नै निगांह करी, अर देख्खो, मन्नै एक धोळा घोड़ा दिख्या, अर उसका सवार धनुष लिए होड़ सै, अर उस ताहीं एक ताज पिहराया गया, अर वो सुर्ग तै चाल्या अर धरती पै लिकड़ा, जो पैहले तै ए जीत चुका सै, अर फेर तै वो जीत जावैगा। 3 अर जिव मेम्ने नै दुसरी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै दुसरे प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के आ। 4 फेर एकदम तै एक और घोड़ा लिकड़या, जो लाल रंग का था, उसके सवार ताहीं यो हक दिया गया, के धरती पै तै मेळ-मिलाप ठा ले, ताके माणस एक-दुसरे नै मारै, अर उस ताहीं एक बड्डी तलवार दी गई थी। 5 अर जिव उसनै तीसरी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै तीसरे प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के “आ” अर मन्नै निगांह करी, अर देख्खो, मन्नै एक काळे घोड़े ताहीं लिकड़दे देख्या, अर उसके सवार कै हाथ म्ह एक ताखड़ी सै। 6 अर मन्नै उन च्यारु प्राणियाँ कै बिचाळै तै एक शब्द न्यू कहन्दे सुण्या, के एक दीनार एक दिन की मजदूरी भोत सै, एक किलो गेहूँ, या तीन किलो जौ लेण खात्तर, पर तेल अर अंगूर के रस की

किम्मत ना बदलिये। 7 अर जिब मेम्ने नै चौथी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै चौथे प्राणी का बोल न्यू कहन्दे सुणया, के आ। 8 अर मन्नै निगांह करी, अर देख्खो, एक पीळा-सा घोड़ा सै, अर उसकै सवार का नाम मौत सै: अर अधोलोक उसकै पाच्छै-पाच्छै आण लागरया था, अर उन ताहीं धरती पै रहण आळे चार माणस (या एक चौथाई माणसां) म्ह तै एक-एक ताहीं मारण का हक मिल्या, उननै तलवार, भूख, बीमारी, अर धरती के जंगली-जानवरां कै जरिये माणसां ताहीं मार दिया। (Hadēs 986) 9 अर जिब मेम्ने नै पाँचवी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै वेदी कै तळे उनके प्राणां ताहीं देख्या, जो परमेसवर कै वचन कै कारण, अर उसपै बिश्वास करण के कारण मारे गये थे। 10 अर उसनै जोर तै रुक्का मारकै परमेसवर तै कह्या, हे माल्लिक, हे पवित्र, अर सच्चे प्रभु, तू इतनी बाट क्यूँ देखण लागरया सै, उन बुरे माणसां ताहीं दण्ड देण खात्तर, जो इस धरती पै रहण लागरे सै? हम तेरे तै बिनती करां सां, के तू उन माणसां तै बदला ले, जिननै म्हारे ताहीं जान तै मार दिया सै। 11 अर उन म्ह तै हरेक ताहीं धोळे लत्ते देकै, परमेसवर नै उनतै कह्या, के और थोड़ी-देर ताहीं आराम करो, जिब ताहीं के थारे संगी दास, अर बिश्वासी भाई, जो थारी तरियां मरण आळे सै, उनकी भी गिणती पूरी ना हो लेवै। 12 जिब मेम्ने नै छठी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै देख्या, के एक बड्डा हाल्लण होया, अर सूरज का रंग मोट्टे काळे काम्बळ की ढाळ काळा पड़ग्या, अर पूरा चाँद लहू जिसा लाल होग्या। 13 अर अकास के तारे धरती पै इस ढाळ पड़गे जिस तरियां आँधी तै हालकै अंजीर कै दरखत म्ह तै काच्चे फळ झड़ै सै। 14 आसमान पाटग्या अर एक किताब की ढाळ सुकड ग्या था, अर हरेक पहाड़, अर टापू, अपणी-अपणी जगहां तै हटगे। 15 अर इसका नतिज्जां यो होया के, धरती के राजा, प्रधान, सरदार, साहूकार, अर सामर्थी माणस, हरेक गुलाम, अर हरेक आजाद माणस, पहाड़ां की खोह म्ह, अर चट्टानां म्ह जा लुट्के। 16 अर पहाड़ां, अर चट्टानां तै कहण लागगे, के “म्हारे ताहीं लह्को ल्यो, अर म्हारै ताहीं उसकै मुँह तै जो सिंहासन पै बेठ्या सै, अर मेम्ने कै प्रकोप तै लह्को ल्यो। 17 क्यूँके उनकै प्रकोप के भयानक दिन जिब परमेसवर अर मेम्ना उन सारया का न्याय करैगा तो कोए भी उननै दण्ड तै बचा न्ही पावैगा।”

7 उसके पाछे मन्ने दुनिया के च्यार कुणयां पै चार सुर्गदूत खड़े देखे, उन सुर्गदूतां नै परमेसवर तै यो हक मिल्या था, के वे दुनिया के माणसां ताहीं मरी तै मारै, चाहे वे धरती पै हो या समुन्दर पै हो, उननै हवा ताहीं धरती के च्यार कुणयां पै तै रोक राख्या था, ताके हवा धरती, समुन्दर, या किसी भी जंगल तै ना गुजरे, 2 अर मन्ने एक और सुर्गदूत ताहीं पूरब दिशा की ओड़ आन्दे देखा, उसके हाथ म्ह परमेसवर की ओड़ तै एक मोंहर थी, जो युगानुयुग जिन्दा सै, उस सुर्गदूत नै ऊँची आवाज म्ह दुसरे चार सुर्गदूतां तै यो कह्या। 3 जिब ताहीं हम अपणे परमेसवर के दास्सां कै माथ्थै पै मोंहर न्ही ला देवां, जद ताहीं धरती अर समुन्दर अर दरख्तां ताहीं नुकसान ना पोहोचाईयो। 4 अर जिब सुर्गदूतां नै मोंहर लगा ली, तो किसे नै मेरे ताहीं बताया के एक लाख चवाळीस हजार पै मोंहर लगा दी गई सै, ये सारे लोग इस्राएल के बारहां गोत्र म्ह तै सै। 5 यहूदा के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोंहर दी गई, रूबेन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, गाद के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 6 अशेर के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, नप्ताली के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, मनशिशह के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 7 शमौन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, लेवी के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, इस्राकार के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 8 जबूलून के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, यूसुफ के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै अर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोंहर दी गई। 9 इसके पाछे मन्ने निगांह करी, अर देख्खो, हरेक जात, अर कुल, अर माणस अर भाषा म्ह तै एक इसी बड्डी भीड़, जिस ताहीं कोए गिण न्ही सकै था धोळें लत्ते पैहरे, अर अपणे हाथ्थां म्ह खजूर की डाळी लिए होए सिंहासन के स्याम्ही अर मेम्ने के स्याम्ही खड़ी सै। 10 अर जोर तै रुक्का मारकै कहवै सै, के उद्धार म्हारे परमेसवर जो सिंहासन पै विराजमान सै, अर मेम्ने की ओड़ तै आवै सै। 11 अर सारे सुर्गदूत, उस सिंहासन, बुजुर्गा अर च्यार प्राणियाँ के चौगारदेकै खड़े सै, फेर वे सिंहासन के स्याम्ही मुँह के बळ पड़गे, अर परमेसवर ताहीं प्रणाम करकै कह्या, म्हारै परमेसवर की बड़ाई, 12 महिमा, ज्ञान, धन्यवाद, आदर, सामर्थ, अर ताकत युगानुयुग बणी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 13 इसपै बुजुर्गा म्ह तै एक नै मेरै तै कह्या, के तू जाणै सै, के या धोळी पोशाक पैहरे होए कौण सै? अर कित्त तै आये सै? 14 मन्ने

उसतै कह्या, “हे माल्लिक, तन्नै ए बेरा सै।” उसने मेरै तै कह्या, “ये वे सै, जो उस बड़े क्लेश म्ह तै लिकड़कै आये सै, इन्नै अपणे-अपणे लत्ते मेम्ने कै लहू म्ह धोकै धोळे करे सै।” 15 इस्से कारण वे परमेसवर कै सिंहासन कै स्याम्ही खड़े सै, अर परमेसवर कै घर म्ह दिन-रात उसकी सेवा करै सै, अर जो सिंहासन पै बेठ्या सै, वो उन म्ह रहवैगा अर उन ताहीं बचावैगा। 16 वे इब ना तो कदे भूक्खे होवैगें अर ना तिसाए, अर ना तो सूरज की गर्मी उन ताहीं झुलसावैगी अर ना कोए दुसरी गर्मी। 17 क्यूँके जो मेम्ना सिंहासन कै बिचाळै सै वो उनकी रुखाळी करैगा, अर उन ताहीं जीवन रूपी पाणी के चोवै कै धोरे ले जाया करैगा, अर परमेसवर उनकी आँखां तै सारे आँसू पुंज देवैगा।

8 अर जिब मेम्ने नै सातमी मोंहर खोल्ली, तो सुर्ग म्ह आध्धे घंटे ताहीं सन्नाटा छा गया। 2 अर मन्नै उन सात्तु सुर्गदूत्तां ताहीं जो परमेसवर कै स्याम्ही खड़े रहवै सै, देख्या, अर उन ताहीं सात तुरही दी गई। 3 फेर एक और सुर्गदूत सोन्ने का धूपदान लिए होड़ आया, अर वेदी कै लोवै खड्या होया, अर उस ताहीं भोत सारी धूप दी गई, ताके वो उस ताहीं सारे पवित्र माणसां की प्रार्थना कै साथ उस सोन्ने की वेदी पै भेट चढ़ावै जो सिंहासन कै स्याम्ही सै। 4 अर सुर्गदूत्तां के हाथ म्ह लिये होए उस धूपदान का धुम्मा, पवित्र माणसां की प्रार्थना के साथ परमेसवर कै धोरे उप्पर पोहच गया। 5 अर सुर्गदूत नै धूपदान लेकै उस म्ह वेदी की आग भरी, अर उस ताहीं धरती पै गेर दी, अर गरजण गड़गड़ाहट, बिजळी चमकी अर हाल्लण होण लाग्या। 6 फेर वे सात्तु सुर्गदूत जिनकै धोरे सात तुरही थी, उन ताहीं फुक्कण खात्तर त्यार होए। 7 पैहले सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर लहू तै मिले होड़ ओळे अर आग पैदा होई, अर धरती पै गेरी गई, अर धरती का एक तिहाई हिस्सा जळग्या, अर दरख्तां का तीसरा हिस्सा जळग्या, अर सारी हरी घास भी जळगी। 8 जिब दुसरे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो मान्नो आग जिसा जळदा होया एक बड़ड़ा पहाड़ समुन्दर म्ह गेरया गया, अर समुन्दर का एक तिहाई हिस्सा लहू म्ह होग्या। 9 अर समुन्दर की एक तिहाई बणाई होड़ चीज जो जिन्दी थी मरगी, अर जहाज के तीसरे हिस्से का नाश होग्या। 10 अर तीसरे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर एक बड़ड़ा तारा जो मशाल की ढाळ जळै था,

सुर्ग तै टूट्या, अर नदियाँ कै तीसरे हिस्से पै, अर पाणी के चोवां पै आण पड्या। 11 उस तारे का नाम नागदौना सै, अर एक तिहाई हिस्से का पाणी नागदौना बरगा कड़वा होग्या, अर घणखरे माणस उस पाणी कै कड़वे हो जाण तै मरगे। 12 अर चौथे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर सूरज का एक तिहाई हिस्सा, अर चाँद का एक तिहाई हिस्सा अर तारां के एक तिहाई हिस्से पै आप्फत आई, ताके उनका एक तिहाई हिस्सा अन्धेरै म्ह डूब जावै, अर दिन कै एक तिहाई हिस्से म्ह चाँदणा न्ही रहया, अर उससे तरियां एक तिहाई रात भी बिना चाँदणे की हो गई। 13 जिब मन्नै फेर देख्या, तो अकास कै बिचाळै एक उकाब ताहीं उड़दे अर ऊँचे शब्द तै न्यू कहन्दे सुणया, “उन तीन सुर्गदूतां की तुरही के शब्दां के कारण, जिनका फूंकणा इब्बे बाक्की सै, धरती के बासिन्दयां पै धिक्कार सै, धिक्कार, धिक्कार।”

9 जिब पाँचमै सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो मन्नै सुर्ग तै धरती पै एक तारा पड़दा होड़ देख्या, अर उस तारे ताहीं घणे अथाह कुण्ड की ताळी दी गई। (Abyssos g12) 2 अर उसनै घणे अथाह कुण्ड ताहीं खोल्या, अर कुण्ड म्ह तै बड्डी भट्टी जिसा धुम्मा उठ्या, अर कुण्ड कै धुम्मै तै सूरज अर आसमान म्ह अन्धेरा छाग्या। (Abyssos g12) 3 अर उस धुम्मै म्ह भोत सारी टिड्डी लिकड़ी अर वे सारी धरती पै फैलगी, अर उन ताहीं बिच्छुआ की तरियां माणसां कै लड़ण की शक्ति दी गई। 4 अर उनतै कह्या गया, के ना धरती की घास ताहीं, ना किसे हरियाली ताहीं, ना किसे दरखत ताहीं नुकसान पोहोचाओ, सिर्फ उन माणसां ताहीं नुकसान पोहोचाओ, जिनकै माथ्यै पै परमेसवर की मोँहर कोनी। 5 अर उनकी जान लेण का तो न्ही, पर पाँच महिन्ना तक माणसां ताहीं दर्द देण का हक दिया गया, अर उनका दर्द इसा था, जिसा बिच्छु कै डंक मारण तै माणस का होवै सै। 6 उन पाँच महिन्ना म्ह माणस मरण के तरिककेँ टोहवैंगे, वे मरणा तो चाहवैंगे, पर वे मर न्ही पावैंगे। 7 अर उन टिड्डियाँ के आकार लड़ाई कै खात्तर तयार करे होए घोड्या कै जिसे थे, अर उनके सिरां पै मान्नो सोन्ने के ताज थे, अर उनके मुँह माणसां बरगे थे। 8 अर उनके बाळ लुगाईयाँ कै जिसे, अर दाँत शेरों कै जिसे थे। 9 अर उनका शरीर मान्नो लोहे के कवच तै ढक्या होया था, अर उनके पंखां का शब्द इसा था जिसा रथां अर भोत-से घोड्या का जो लड़ाई म्ह भाज्जै सै। 10 अर

उनकी पूछ अर डंक बिच्छुआ के समान थी, अर उन तारीं पाँच महिन्ना तक माणसां नै दुख पोहोचाण की जो सामर्थ थी, वा उनकी पुन्झड़ां म्ह थी। 11 घणे अथाह कुण्ड का दूत उनपै राजा था, उसका नाम इब्रानी म्ह अबद्दोन, अर यूनानी म्ह अपुल्लयोन सै। (Abyssos g12) 12 पाँच महिन्ना बाद वा बिप्दा खतम हो जावैगी, लखाओ इब इनकै पाच्छे दो बिप्दा और आण आळी सै। 13 अर जिब छटमै सुर्गदूत नै तुरही फूक्की तो जो सोन्ने की वेदी परमेसवर कै स्याम्ही सै उसके सीन्गां म्ह तै मन्नै इसा शब्द सुण्या। 14 मान्नो कोए छटमै सुर्गदूत तै जिसकै धोरै तुरही थी कहण लागरया सै, के “उन चार सुर्गदूतां नै जो बड्डी नदी फरात कै धोरै बन्धे होड़ सै, खोल दे।” 15 अर वे च्यारु सुर्गदूत जो उस घड़ी, दिन, महिन्ने, या साल कै खात्तर एक तिहाई माणसां नै मारण खात्तर छोड़ दिए गये थे। 16 उननै भोत बड़े घुड़सवारां की पलटन तारीं कट्टा करया जिनकी गिणती बीस करोड़ सै। 17 अर मन्नै अपणे दर्शन म्ह घोड़े अर उसके इसे सवार दिक्खे, उनकै धोरै कवच था जो लाल, गहरा नीला अर गन्धक की तरियां पीळा था, अर उन घोड्या के सिर शेर कै सिर बरगे थे, अर उनके मुँह तै आग, अर धुम्मा, अर गन्धक लिक्कड़ै थी। 18 इन तीन्नु महामारियाँ तै, यानिके आग, अर धुम्मा, अर गन्धक तै जो उसके मुँह तै लिक्कड़ै थी, एक तिहाई माणस मारे गये। 19 क्यँके उन घोड्या की ताकत उनकै मुँह, अर उनकी पुन्झड़ां म्ह थी, ज्यांतै के उनकी पुन्झड़ साँपां जिंसी थी, अर उन पुन्झड़ां के सिर भी थे, अर इन्हे तै वे दर्द देवें थे। 20 अर बाकी माणस जो उन महामारियाँ तै न्ही मरे थे, उननै अपणे बुरे काम करणे न्ही छोड़े, जो के ये थे भुंडी ओपरी आत्मारियाँ की, अर सोन्ने, चान्दी, पीत्तळ, पत्थर, अर काठ की मूर्तियाँ की पूजा करणा, जो ना देख, ना सुण, ना चाल सकै सै। 21 अर ना ए उननै खून करणा, जादू-टोणा, जारी, अर चोरी करणा छोड्या।

10 फेर मन्नै एक और शक्तिशाली सुर्गदूत तारीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसनै बाद्दळां तारीं लत्यां के समान धारण करया होया था, उसकै सिर पै मेघ-धनुष था, अर उसका मुँह सूरज जिंसा अर उसके पाँ आग कै खम्भे बरगे थे। 2 उसनै अपणा सोळा पाँ समुन्दर पै, अर ओळा पाँ धरती पै धरया, अर उसके हाथ म्ह एक छोटी सी खुली होड़ किताब थी, । 3 अर इतनी जोर तै

चिल्लाया, जिस ढाळ शेर गरजे सै, अर जिब वो चिल्लावै था तो गरजण के सात शब्द सुणाई दिए, जिननै मै समझ नही पाया। 4 अर जिब सातु गरजण के शब्द सुणाई दे लिए, तो मै लिखण पै था, अर मन्नै सुर्ग तै यो शब्द सुण्या, के जो बात गरजण के उन सात शब्दां तै सुणी सै, उननै ल्ट्कोए राख, अर लिखै ना। 5 अर जिस सुर्गदूत ताहीं मन्नै समुन्दर अर धरती पै खड़े होड़ देख्या था, उसनै अपणा सोळा हाथ कसम खाण खात्तर सुर्ग कै कान्ही ठाया। 6 अर जो युगानुयुग जिन्दा रहवैगा, अर जिसनै सुर्ग अर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं, अर धरती अर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं, अर समुन्दर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं बणाया सै, उस्से की कसम खाकै बोल्या, “इब तो और वार नही होगी।” (aiōn g165) 7 जिब सातमै सुर्गदूत का तुरही फूंककण का बखत होगा, तो परमेसवर की योजना पूरी हो जावैगी, जिस ताहीं उसनै अपणे नबियाँ ताहीं बताया, जो उसकी सेवा करै सै, पर वो योजना दुसरे माणसां पै जाहिर कोनी करी थी। 8 अर जिस शब्द करण आळे ताहीं मन्नै सुर्ग तै बोलदे सुण्या था, वो फेर मेरै गेल्या बात करण लाग्या, के जा, जो सुर्गदूत समुन्दर अर धरती पै खड्या सै, उसके हाथ म्ह की खुली होड़ किताब ले ले। 9 अर मन्नै सुर्गदूत कै धोरै जाकै कह्या, “या छोट्टी किताब मन्नै दे, अर उसनै मेरै तै कह्या, ‘ले इसनै खा ले,’ या तेरे मुँह म्ह शहद जिसी मिठ्ठी लाग्गैगी, पर या तेरा पेट कड़वा कर देगी।” 10 ज्यांतै मै वा छोट्टी किताब उस सुर्गदूत कै हाथ म्ह तै लेकै खाग्या, वा मेरै मुँह म्ह शहद जिसी मिठ्ठी तो लाग्गी, पर जिब मै उसनै खाग्या, तो मेरा पेट कड़वा होग्या। 11 फेर मेरै तै न्यू कह्या गया, “तन्नै घणेए माणसां, जात्तां, भाषा अर राजयां के बारे म्ह फेर तै भविष्यवाणी करणी होगी।”

11 फेर मेरै ताहीं नाप्पण कै खात्तर एक सरकणडा दिया, जो नाप्पण के यन्त्र जिसा था, अर किसे नै मेरे तै कह्या, “उठ, परमेसवर के मन्दर अर वेदी ताहीं नाप ले, अर उस म्ह आराधना करण आळा की गिणती करले। 2 अर मन्दर कै बाहर का आँगण छोड़दे, उसनै मतना नाप, क्यूँके वो गैर यहूदियाँ ताहीं दिया गया सै, अर वे पवित्र नगर नै बियाळीस महिन्ने ताहीं रौदैगी। 3 अर मै अपणे दो गवाहां ताहीं यो हक देऊँगा, के टाट ओढ़ होए एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं भविष्यवाणी करै।” 4 ये वैए जैतून के दो दरखत अर दो

दीवट की तरियां सै, जो धरती कै प्रभु कै स्याम्ही खड़े रहवें सै। 5 अर जै कोए उननै नुकसान पोहचावै सै, तो उनके मुँह तै आग लिकड़के उनके बैरियाँ ताहीं भस्म करै सै, अर जै कोए उन ताहीं नुकसान पोहोचाणा चाहवैगा, तो जरूर इस्से ढाळ मारया जावैगा। 6 परमेसवर नै उन ताहीं हक दिया सै, के उनकी भविष्यवाणी के दिनां म्ह अकास तै मिह न्ही बरसै, अर उननै यो भी हक सै, के जिब-जिब वे चाहवें जद-जद वे पाणी नै लहू म्ह बदल दे, अर धरती पै हरेक ढाळ की बिप्दा ल्यावै। 7 अर जिब वे अपणी गवाही दे लेवेंगे, तो वो पशु जो घणे अथाह कुण्ड म्ह तै लिकड़ैगा, उनतै लड़के उन ताहीं जितैगा अर मार देवैगा। (Abyssos g12) 8 अर उनकी लाश उस बड़े नगर कै चौक म्ह पड़ी रहवेंगीं, जित्त उनका प्रभु भी क्रूस पै चढ़ाया गया था, जो आत्मिक तौर तै सदोम अर मिस्र देश कुहावै सै। 9 अर सारे माणस, सारे कुल, सारी भाषा, अर सारी जात्तां के लोग उनकी लाश साढ़े तीन दिन ताहीं देखदे रहवेंगे, अर उनकी लाश कब्र म्ह धरण न्ही देवेंगे। 10 अर धरती के बासिन्दे, उनके मरण तै राज्जी अर मग्न होवेंगे, अर एक-दुसरे कै धौरै तोप्फे भेज्जैंगे, क्यूँके इन दोनु नबियाँ नै धरती के बासिन्दयां ताहीं भोत सताया था 11 अर साढ़े तीन दिन कै पाच्छै परमेसवर कै कान्ही तै जीवन का साँस उन म्ह आ गया, अर वे अपणे पायां कै बळ खड़े होगये, अर उनके देखण आळे डरगे। 12 अर उननै सुर्ग तै एक बड़ड़ा बोल सुणाई दिया, के उरै ऊपरान आओ, न्यू सुण वे बाह्ळां पै सवार होके अपणे बैरियाँ के देखदे-देखदे सुर्ग पै चढ़गे। 13 फेर उस्से बखत एक बड़ड़ा भूकम्प यरुशलैम नगर म्ह होया, अर नगर का दसमां हिस्सा पड़गया, अर उस भूकम्प तै सात हजार माणस मरगे अर बाक्की बचे होड़ माणस डरगे, अर सुर्ग के परमेसवर की महिमा करी। 14 दुसरी बिप्दा बीत ली, देखखो, तीसरी बिप्दा तावळी आण आळी सै। 15 अर जिब सातमै सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो सुर्ग म्ह इस बारै म्ह बड़े-बड़े शब्द होण लागगे, के “दुनिया का राज्य म्हारै प्रभु का, अर उसके मसीह का होगया सै, अर वो युगानुयुग राज्य करैगा।” (aiōn g165) 16 अर सब चौबीस बुजुर्ग जो परमेसवर कै स्याम्ही अपणे-अपणे सिंहासन पै बेठे थे, मुँह कै बळ मोध्थे पड़के परमेसवर की आराधना करैंगे। 17 न्यू कहण लागगे, “के हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, जो सै, अर जो था, हम तेरा धन्यवाद करा सां,

के तन्ने अपणी बड्ठी सामर्थ के काम तै धरती पै राज करणा शरु करया। 18 अर दुसरी जात्तां कै छो उठ्या, अर तेरा प्रकोप आण पड्या अर वो बखत आण पोंहच्या सै, के मरे होया का न्याय करया जावै, अर तेरे दास नबियाँ अर पवित्र माणसां ताहीं अर उन छोट्टे-बड़ा ताहीं जो तेरे नाम तै डरै सै, वो तेरी महिमा करै, अर धरती पै जो माणस दुसरे माणसां नै बिगाड़ै सै, उन ताहीं नाश करा जावै।” 19 फेर परमेसवर का जो मन्दर सुर्ग म्ह सै वो खोल्या गया, अर उसके मन्दर म्ह उसका करार का सन्दूक दिख्या, बिजळियाँ, शब्द, गरजण अर भूकम्प होए अर बड़े ओळे पड़े।

12 फेर इन बात्तां कै बाद सुर्ग पै एक बड़ड़ा निशान दिख्या, यानिके एक जनानी जो सूरज नै ओढ़े होड़ थी, अर चाँद उसके पायां कै तळै था, अर उसके सिर पै बारहा तारां का ताज था। 2 अर वा गर्भवती थी, अर किल्की मारै थी, क्यूँके जाप्यै का दर्द उसके होण लाग्या था, अर वा बाळक जाम्मण कै दर्द म्ह थी। 3 अर एक और निशान सुर्ग पै दिख्या, अर देखो, एक भोत बड़ड़ा लाल अजगर था जिसके सात सिर अर दस सींग थे, अर उसके सिरां पै सात राजमुकुट थे। 4 अर उसकी पुन्झड़ नै अकास के एक तिहाई हिस्से के तारे खिंचके धरती पै गेर दिए, अर वो अजगर उस जनानी के स्याम्ही जो जच्या थी, खड्या होया, के जिब वा बाळक जणै तो उसके बाळक नै निगळ जावै। 5 अर उसके छोरा होया जो लोहे का राजदंड लिए होड़, सारी जात्तां पै राज करण पै था, अर उसका बाळक चाणचक परमेसवर कै धोरै, अर उसके सिंहासन कै धोरै ठा कै पोहोचा दिया गया। 6 अर वा जनानी उस बण म्ह भाजगी, जित्त परमेसवर की ओड़ तै उसके खात्तर एक जगहां त्यार करी गई थी, ताके ओड़ै एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं उसकी देखभाळ अर उसका पालन-पोषण करया जावै। 7 फेर सुर्ग पै लड़ाई होई, मीकाईल अर उसके सुर्गदूत अजगर तै लड़ण नै लिकड़े, अर अजगर अर उसके दूत उसतै लड़े। 8 पर अजगर हार गया अर सुर्ग तै लिकाड़ दिया गया, अर सुर्ग म्ह उनके खात्तर फेर जगहां कोनी रही। 9 अर वो बड़ा अजगर यानिके वोए पुराणा साँप, जो इब्लीस अर शैतान कुहावै सै, अर साब्ली दुनिया नै भकाण आळा सै, धरती पै गेर दिया गया, अर उसके दूत उसके गैल गेर दिए गए। 10 फेर मन्ने सुर्ग पै तै यो बड़ड़ा शब्द आन्दे होड़ सुणया, के इब म्हारा परमेसवर माणसां ताहीं

बचा लेवैगा, अर वो अपणी शक्ति का इस्तमाल करैगा, अर राजा की तरियां राज करैगा, इब उसका मसीह दुनिया पै अपणा हक जतावैगा, क्यूँके शैतान परमेसवर की हजुरी म्ह खड़ा होके, जो दिन रात उसके दास्सां पै दोष लाया करै था, वो सुर्ग तै गिरा दिया गया सै। 11 म्हारे बिश्वासियाँ नै शैतान ताहीं हराया सै, अर वे मेम्ने कै लहू कै कारण, अर अपणी गवाही कै वचन कै कारण, उसपै जीत्ते, अर उननै अपणे जी ताहीं प्यारा न्ही जाण्या, उरै ताहीं के मौत भी सहण कर ली। 12 ज्यांतै, हे सुर्ग, अर उस म्ह रहण आळो आनन्दित होओ, अर हे धरती, अर समुन्दर म्ह रहण आळो, थारे पै धिक्कार सै! क्यूँके शैतान घणे छो कै गेल्या थारे धोरै उतर आया सै, क्यूँके वो जाणै सै, के उसका थोड़ा-ए बखत और बच रया सै। 13 अर जिब अजगर नै देख्या, के मै धरती पै गेर दिया गया सूं, तो उस जनानी ताहीं जिन नै बेट्टा पैदा करया था, उसका पिच्छा करया। 14 अर उस जनानी ताहीं बड़े उकाब के दो पंख दिए गये, के अजगर कै स्याम्ही तै उड़ कै बण म्ह उस जगहां पोहच जावै, जित्त उसकी एक बखत, अर समयों, अर आधे बखत ताहीं देख-रेख करी जावै। 15 अर अजगर नै उस जनानी कै पाच्छै अपणे मुँह तै नदी की तरियां पाणी बहाया, के उसनै नदी तै बहा दे। 16 पर धरती नै उस जनानी की मदद करी, अर अपणा मुँह खोल कै उस नदी ताहीं जो अजगर नै अपणे मुँह तै बहाई थी, पी लिया। 17 फेर अजगर नै जनानी पै गुस्सा करया, अर उसके वंशजां ताहीं, जो परमेसवर के हुकम नै मान्नै सै, अर यीशु की गवाही देण पै अटल सै, उनतै लड़ण नै गया।

13 अर वो समुन्दर कै बालू पै जा खड्या होया। अर मन्नै एक पशु ताहीं समुन्दर म्ह तै लिकड़दे होड़ देख्या, जिसके दस सींग अर सात सिर थे, उसके सीन्गां पै दस राजमुकुट अर उसके सिरां पै परमेसवर की बुराई के नाम लिक्खे होड़ थे। 2 अर जो पशु मन्नै देख्या, वो चित्तै बरगा था, अर उसके पाँ भाल्लू जिसे, अर मुँह शेर कै बरगा था, अर उस अजगर नै अपणी सामर्थ, अर अपणा सिंहासन, अर बड़ड़ा हक, उस ताहीं दे दिया। 3 अर मन्नै उसके सिरां म्ह तै एक पै इसा जानलेवा घाव लाग्या होड़ देख्या, मान्नो वो मरण पै सै, फेर उसका जानलेवा घाव ठीक होग्या, अर साबती धरती के माणस हैरान होगे अर उस पशु के भगत बण जावैंगे। 4 अर उननै अजगर की पूजा करी,

क्यूँके उसने पशु तार्हीं अपणा हक दे दिया था, अर न्यू कहके पशु की भी पूजा करी, के इस पशु के बरगा कौण सै? कौण उसतै लड़ सकै सै? 5 उस तार्हीं डींग मारण अर परमेसवर की बुराई करण का हक अर बियाळीस महिन्ने तार्हीं राज करण की इजाजत दी गई। 6 पशु नै, परमेसवर अर उसके नाम, उसके रहण की जगहां यानी सुर्ग अर उन सब की, जो सुर्ग म्ह रहवै सै, उनकी बुराई करणा शरु कर दिया। 7 अर उस तार्हीं न्यू हक दिया गया, के पवित्र माणसां तै लड़ै, अर उनपै जीत पावै, अर उस तार्हीं हरेक कुल, अर माणस, अर भाषा, अर जात पै हक दिया गया। 8 अर धरती पै रहण आळे वे सारे उस पशु की पूजा करैगें। मतलब जिनका दुनिया की शरुआत के बाद के वे सारे माणस जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की किताब म्ह लिक्खे न्ही गये सै। मेम्ना वोए सै जो मारया गया सै। 9 जिसके कान हों वो ध्यान तै सुणै। 10 जिस तार्हीं कैद म्ह पड़णा सै, वो कैद म्ह पड़ैगा, जो तलवार तै मारैगा, जरूरी सै के वो तलवार तै मारया जावैगा। पवित्र माणसां का धीरज दुख ठाण अर उसपै बिश्वास करण म्ह सै। 11 फेर मन्ने एक और पशु तार्हीं धरती म्ह तै लिक्कड़दे देख्या, उसके मेम्ने की ढाळ दो सींग थे, अर वो अजगर की ढाळ बोल्लै था। 12 अर यो उस पैहल्ले पशु का सारा हक उसके स्याम्ही काम म्ह ल्यावै था, अर धरती अर उसके बासिन्दयां तै उस पैहल्ले पशु की जिसका जानलेवा घाव ठीक होगया था, पूजा करै था। 13 अर वो बड़े-बड़े निशान दिखावै था, उरै तार्हीं के माणसां कै देखते-देखते सुर्ग तै धरती पै आग बरसा देवै था। 14 अर उन चमत्कारां कै कारण जिन तार्हीं उस पशु कै स्याम्ही दिखाण का हक उस तार्हीं दिया था, वो धरती के बासिन्दयां तार्हीं इस तरियां भकावै था, के धरती के बासिन्दयां तै कहवै था, के जिस पशु कै तलवार लागरी थी, वो जिन्दा होगया सै, उसकी मूर्ति बणाओ। 15 अर उस तार्हीं उस पशु की मूर्ति म्ह जी घाल्लण का हक दिया गया, के पशु की मूर्ति बोल्लण लागै, अर जितने माणस उस पशु की मूर्ति की पूजा न्ही करै, उन तार्हीं मरवा देवै। 16 अर उसने छोट्टे, बड़े, साहूकार, कंगाल, आजाद, गुलाम सारया कै सोळे हाथ या उनके माथ्थै पै छाप लगावाण खात्तर उन तार्हीं मजबूर कर दिया। 17 के उस तार्हीं छोड़ जिसपै छाप यानिके उस पशु का नाम, या उसके नाम का अंक हो, अर कोए लेण-देण न्ही कर सकै। 18 ज्ञान

इस्से म्ह सै: जिस म्ह अकल हो वो इस पशु का अंक जोड़ ले, क्यूँके वो माणस का अंक सै, अर उसका अंक छ: सौ छियासठ सै।

14 पर उसकै बाद मन्नै कुछ और भी देख्या, वो मेम्ना सिय्योन पहाड़ पै खड्या सै, अर उसकै गेल्या एक लाख चवाळीस हजार माणस सै, जिनकै माथ्यै पै उसका अर उसकै पिता का नाम लिख्या होड़ सै। 2 अर सुर्ग तै मन्नै एक इसा शब्द सुणाई दिया, जो पाणी की घणी धारा अर बड़े गरजण जिसा शब्द था, अर जो शब्द मन्नै सुण्या, वो इसा था, मान्नो वीणा बजाण आळे वीणा बजान्दे हों। 3 अर वे सिंहासन कै स्याम्ही अर च्यारु प्राणियाँ अर बुजुर्गा कै स्याम्ही मान्नो, एक नया गीत गाण लागरे थे, अर उन एक लाख चवाळीस हजार माणसां ताहीं छोड़ जो धरती पै तै छुड़ाए गये थे, कोए वो गीत नही सीख सकै था। 4 ये वे सै, जो जनानियाँ कै गेल्या अशुद्ध नही होए, पर कुवरे सै। ये वैए सै, के जित्त किते मेम्ना जावै सै, वे उसकै पाच्छै हो लेवें सै। जिस तरियां लोग अपणी फसल म्ह तै पैहला फळ परमेसवर ताहीं चढ़ावै सै, उस्से तरियां वो भी परमेसवर अर मेम्ने खात्तर पैहले फळ के रूप म्ह चढ़ाए गए सै। 5 अर उनके मुँह तै झूठ नही लिक्ड़या था, वे बेकसूर सै। 6 फेर मन्नै एक और सुर्गदूत ताहीं अकास कै बिचाळै उड़दे होड़ देख्या जिसकै धोरै धरती पै के बासिन्द्यां की हरेक जात, अर कुल, अर भाषा, अर माणसां ताहीं सुणाण कै खात्तर घणा सनातन सुसमाचार था। (aiōnios g166) 7 अर उसनै ऊँच्ची आवाज म्ह कह्या, “परमेसवर तै डरो, अर उसकी महिमा करो, क्यूँके उसकै न्याय करण का बखत आण पोंहच्या सै, अर उसकी आराधना करो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर पाणी के सोते बणाए।” 8 फेर इसकै पाच्छै एक और दुसरा सुर्गदूत न्यू कहन्दा होड़ आया, के पड़ग्या, वो बड़ड़ा बेबीलोन नगर पड़ग्या जिसनै अपणी जारी की कोपमय मदिरा सारी जात्तां ताहीं पिलाई सै। 9 फेर इनकै पाच्छै एक और सुर्गदूत जोर तै न्यू कहन्दा होड़ आया, के जो कोए उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै, अर अपने माथ्यै या अपने हाथ पै उसकी छाप ले। 10 तो वो परमेसवर के प्रकोप की निरी मदिरा जो उसकै खुन्दक कै कटोरे म्ह घाल्ली गई सै, पीवैगा अर पवित्र सुर्गदूतां कै स्याम्ही, अर मेम्ने कै स्याम्ही आग अर गन्धक की पीड़ा म्ह पड़ैगा। 11 अर उनकी पीड़ा का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा, अर

जो उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै सै, अर जो उसके नाम की छाप लेवें सै, उन ताहीं दिन-रात चैन न्ही मिलैगा। (aiōn g165) 12 पवित्र माणसां का धीरज इस्से म्ह सै, के धीरज तै दुख सहन्दे रहवै अर अन्त ताहीं मजबूत बणकै परमेशवर के हुकमां नै मान्ने, अर यीशु पै बिश्वास राक्खें। 13 फेर मन्ने सुर्ग तै यो शब्द सुण्या, के लिख, जो मुर्दे प्रभु म्ह मरै सै, वे इब तै धन्य सै, आत्मा कहवै सै, हाँ, क्यूँके वे अपणी मैहनतां तै आराम पावेंगें, अर उनके काम उनके गेल्या हो लेवेंगें। 14 अर मन्ने निगांह करी, अर देखो, एक धोळा बाढ़ळ सै, अर उस बाढ़ळ पै माणस कै बेट्टे बरगा कोए बेठ्या सै, जिसकै सिर पै सोन्ने का ताज अर हाथ म्ह तेज दराती सै। 15 फेर एक और सुर्गदूत नै मन्दर म्ह तै लिकड़कै, उसतै जो बाढ़ळ पै बेठ्या था, जोर तै रुक्का मारकै कहा, “के अपणी दराती ल्याकै लामणी कर, क्यूँके लामणी का बखत आण पोंहच्या सै, ज्यांतै के धरती की खेत्ती पक ली सै।” 16 इस करकै जो बाढ़ळ पै बेठ्या था, उसनै धरती पै अपणी दराती लाई, अर धरती की लामणी करी गई। 17 फेर एक और सुर्गदूत उस मन्दर म्ह तै लिकड़या, जो सुर्ग म्ह सै, अर उसके धोरै भी तेज दराती थी। 18 फेर एक और सुर्गदूत जिस ताहीं आग पै हक था, वेदी म्ह तै लिकड़या, अर जिसकै धोरै तेज दराती थी, उसतै जोर तै बोल्या, “अपणी तेज दराती ल्याकै धरती की दाखलता के गुच्छे काट ले, क्यूँके उसकी दाख पक ली सै।” 19 अर उस सुर्गदूत नै धरती पै अपणी दराती लाई, अर धरती की दाखलता का फळ काटकै, अपणे परमेशवर के प्रकोप के बड़े रस के कुण्ड म्ह घाल दिया। 20 अर नगर कै बाहरणै उस रसकुण्ड म्ह अंगूर रौंदे गये, अर रसकुण्ड म्ह तै इतणा लहू लिकड़या के वो नदी म्ह तबदील होग्या, जो के तीन सौ किलो मीटर लम्बी अर इतनी गहरी थी, के उस म्ह घोड़े भी समा जावै।

15 फेर इसके बाद मन्ने सुर्ग म्ह एक और बड़ड़ा अर अदभुत निशान देख्या, यानिके सात सुर्गदूत जिनके धोरै सात आखरी बिप्दा थी, क्यूँके उनके खतम हो जाण पै परमेशवर के प्रकोप का अंत सै। 2 फेर मन्ने इसा लाग्या जणु मान्नो मै एक काँच के समुन्दर नै देखण लागरया सूँ, जिस म्ह आग मिली होई थी, मन्ने इस समुन्दर के किनारे पै उन माणस ताहीं खड़े देख्या, जिननै उस बड़े पशु ताहीं हराया था, क्यूँके उननै उसकी मूर्ति की आराधना करण तै

अर उसकै नाम की मोहर लगाण तै भी मना कर दिया था, उन माणसां के हाथ म्ह परमेसवर के जरिये दी गई वीणा थी। 3 वे परमेसवर के दास मूसा नबी का गीत, अर मेम्ने का गीत गा-गाकै कहवै थे, “हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, तेरे काम महान्, अर अनोक्खे सै, हे युग-युग के राजा, तेरी चाल सही अर सच्ची सै।” 4 “हे प्रभु, कौण तेरे तै न्ही डरैगा अर तेरे नाम की महिमा न्ही करैगा? क्यूँके सिर्फ तू ए पवित्र सै। सारी जात आकै तेरे स्याम्ही मोध्थे पड़कै प्रणाम करैगी, क्यूँके तेरे न्याय के काम दिखगे सै।” 5 जब माणसां नै गाणा बन्द कर दिया, तो मन्नै सुर्ग म्ह मन्दर ताहीं खुल्या होया देख्या, जो के परमेसवर के तम्बू की तरियां था। 6 अर वे सात्तु सुर्गदूत जिनकै धोरै सात्तु बिप्दा थी, शुद्ध अर चमकदी होई मलमल के लत्ते पहरे होड़, छात्ती पै सुनहरे परणे बाँधे होड़ मन्दर तै लिकड़े। 7 अर उन च्यारु प्राणियाँ म्ह तै एक नै उन सात सुर्गदूतां ताहीं परमेसवर के, जो युगानुयुग जीवै सै, प्रकोप तै भरे होड़ सात सोन्ने के कटोरे दिए। (aiōn g165) 8 अर परमेसवर की महिमा अर उसकी सामर्थ कै कारण मन्दर धुम्मै तै भर गया, अर जब तक उन सात्तु सुर्गदूतां की सात्तु बिप्दा खतम न्ही होई तब तक कोए मन्दर म्ह न्ही जा सक्या।

16 फेर मन्नै मन्दर म्ह किसे ताहीं जोर तै उन सात्तु सुर्गदूतां तै न्यू कहन्दे सुण्या के जाओ, परमेसवर कै प्रकोप के सात्तु कटोरयां ताहीं धरती पै उंडेल द्यो। 2 इस करकै पैहलड़े सुर्गदूत नै जाकै अपणा कटोरा धरती पै उंडेल दिया, अर उन माणसां का जिनपै पशु की छाप थी, अर जो उसकी मूर्ति की पूजा करै थे, उनकै एक तरियां तै बुरा अर दुख देण आळा फोड़ा लिकड़या। 3 अर दुसरे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा समुन्दर पै उंडेल दिया, अर वो मरे होए माणसां के लहू जिसा होग्या, अर समुन्दर म्ह रहण आळा हरेक प्राणी मर ग्या। 4 अर तीसरे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा नदियाँ, अर पाणी के चोवां पै उंडेल दिया, अर वो लहू बणग्या। 5 फेर मन्नै पाणी के अधिकारी सुर्गदूत ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के हे पवित्र, जो सै, अर जो था, तू न्यायी सै, अर तन्नै यो न्याय करया। 6 क्यूँके उननै पवित्र माणसां, अर नबियाँ का लहू बहाया था, इस करकै तन्नै उनतै लहू पियाया, क्यूँके वे इस्से जोगगे सै। 7 दुबारा मन्नै वेदी तै यो शब्द सुण्या, के हाँ! हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर,

तेरे फैसले सही अर सच्चे सै। 8 अर चौथे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा सूरज पै उंडेल दिया, तो सूरज ताहीं यो हक दिया गया के वो माणसां नै अपणी गर्मी तै झुलसा दे। 9 अर माणस घणी तपण तै झुळसगे, अर वे परमेसवर कै नाम की, जिन ताहीं इन मुसीबतां पै हक सै, उस ताहीं श्राप देण लाग्गे, अर ना ए पाप करणा छोड्या, ना उसकी महिमा करी। 10 अर पाँचमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा उस पशु कै सिंहासन पै उंडेल दिया अर उसके राज्य पै अन्धेरा छाग्या, अर माणस दर्द के मारे अपणी-अपणी जीभ चबाण लाग्गे। 11 अर अपणे दर्दां अर फोड़यां कै कारण सुर्ग कै परमेसवर की बुराई करी, अर अपणे-अपणे बुरे काम्मां ताहीं करणा न्ही छोड्या। 12 अर छठमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा बड्डी नदी फरात पै उंडेल दिया, अर उसका पाणी सूख गया, ताके पूरब दिशा के राजयां के खात्तर राह त्यार हो जावै। 13 अर मन्नै उस अजगर कै मुँह म्ह तै, अर उस पशु कै मुँह म्ह तै, अर उस झूठे नबी कै मुँह म्ह तै तीन भुंडी ओपरी आत्मायाँ ताहीं मेंढकां के रूप म्ह लिकड़दे देख्या। 14 ये चमत्कार दिखाण आळी भोत सी भुंडी ओपरी आत्मा सै, जो साबती दुनिया के राजयां के धोरै तै लिकड़कै ज्यांतै जावै सै, के उन ताहीं सर्वशक्तिमान परमेसवर के उस बड़े दिन की लड़ाई कै खात्तर कट्टे करै। 15 अर देख्खों, मेरा आणा एक चोर की ढाळ होगा जो चुपके तै आवै सै, धन्य वो सै, जो जागदा रहवै सै, अर अपणे लत्यां की चौकसी करै सै, के उघाड़ा कोनी हाँडै, अर माणस उसका उघाड़ापण ना देख पावै। 16 अर उन भुंडी ओपरी आत्मायाँ नै सारे राजा ताहीं उस जगहां कट्टा करया, जो इब्रानी म्ह हर-मगिदोन कुहावै सै। 17 अर सातमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा हवा पै उंडेल दिया, अर मन्दर के सिंहासन तै यो बड़ड़ा शब्द होया, के, हो चुक्या। 18 फेर बिजलियाँ, अर शब्द, अर गरजण होए, अर एक इसा बड़ड़ा हाल्लण होया, के जिब तै माणस धरती पै बणाया गया, जद तै इसा बड़ड़ा हाल्लण कदे न्ही होया था। 19 अर उस बड़े नगर के तीन टुकड़े होगे, अर देश-देश के नगर पड़गे, क्यँके परमेसवर नै बेबीलोन नगर के माणसां ताहीं दण्ड देण का अपणा वादा पूरा करया, अर यो इसा होगा जिसा मान्नों के वो अपणे छो की जळण की मदिरा उननै प्याणा। 20 अर हरेक टापू अपणी जगहां तै टळ ग्या, अर पहाड़ां का बेरा न्ही पाटया। 21 अकास तै माणसां पै मण-मण के बड़े

ओळे पड़े, अर इस करके के या बिपदा घणीए भारया थी, लोगां नै ओळयां की बिपदा के कारण परमेसवर की बुराई करी।

17 अर जिन सात सुर्गदूतां के धोरै वे सात कटोरे थे, उन म्ह तै एक नै आके मेरै तै न्यू कह्या, के उरै आ, मै तन्नै उस बेश्या का दण्ड दिखाऊँ, जो घणेए पाणी पै बेठी सै। 2 जिसके गेल्या धरती के राजयां नै जारी करी, अर धरती के बासिन्दे उसकी जारी की मदिरा तै मतवाले होंगे थे। 3 फेर सुर्गदूत मेरी आत्मा नै एक जंगल-बियाबान म्ह लेग्या, ओड़ै मन्नै एक जनानी ताहीं लाल रंग के एक पशु पै बेठे देख्या, वो पशु परमेसवर की बुराई करण आळे शब्दां तै ढक्या होड़ था, अर इसके सात सिर अर दस सींग थे। 4 या जनानी बैजनी, अर लाल रंग के लत्ते पैहर-री थी, अर सोन्ने अर घणी कीमती मणियाँ अर मोतियाँ के गहणा तै सजी होड़ थी, अर उसके हाथ्यां म्ह एक सोन्ने का कटोरा था जो अश्लीलता की घृणित चिज्जां तै अर उसकी जारी की भुंडी चिज्जां तै भरया होड़ था। 5 अर उसके माथ्यै पै एक रहस्यमय नाम लिख्या था, “बड़ड़ा बेबीलोन धरती की बेश्यायाँ अर घृणित चिज्जां की माँ, अर सारी अश्लीलता नै जन्म देण आळी।” 6 अर मन्नै उस जनानी ताहीं पवित्र माणसां के लहू अर यीशु के गवाहां के लहू पीण म्ह मतवाली देख्या अर उस ताहीं देखके मै हैरान होग्या। 7 उस सुर्गदूत नै मेरै तै कह्या, “तू क्यातै हैरान होया?” मै इस जनानी, अर उस पशु का, जिसपै वा चढ़री सै, अर जिसके सात सिर अर दस सींग सै, उसका तेरे ताहीं भेद बताऊँ सूँ। 8 जो पशु तन्नै देख्या सै, यो पैहल्या तो था, पर इब न्ही सै, अर घणे अथाह कुण्ड तै लिकड़के विनाश म्ह पड़ैगा, अर धरती के बासिन्दे जिनके नाम दुनिया के बणण के बखत तै जीवन की किताब म्ह लिक्खे न्ही गये सै, इस पशु की या हाल्लत देखके अचम्भा करैंगे, के पैहल्या था, अर इब कोनी, पर यो दुबारा आवैगा। (Abyssos g12) 9 यो समझाण के खात्तर के एक ज्ञानी मन जरूरी सै: वे सात्तु सिर सात पहाड़ सै, जिनपै वा जनानी बेठी सै। 10 अर वे सात राजा भी सै, पाँच तो मर लिये सै, अर एक बाक्की सै, अर एक इब ताहीं आया कोनी, अर जिब आवैगा, तो कुछ बखत ताहीं उसका रहणा भी जरूरी सै। 11 अर जो पशु पैहल्या था, अर इब न्ही, वो खुद आठमां राजा सै, अर उन सात्तुआ म्ह तै सै, जिसका विनाश तय सै। 12 अर जो दस सींग तन्नै

देखे सै, वे दस राज्जे सै, जिननै इब ताहीं राज्य न्ही मिल्या, पर उस पशु के गेल्या थोड़े-से बखत खात्तर राजयां बरगा हक दिया जावैगा। 13 ये सारे एक मन होवैंगे, वे अपणी-अपणी सामर्थ अर हक उस पशु ताहीं देवैंगे। 14 ये मेम्ने गैल लड़ैंगे, अर मेम्ना उनतै जीत जावैगा, क्यूँके वो प्रभुओं का प्रभु, अर राजयां का राजा सै: अर जो बुलाए होड़, चुणे होड़, अर बिश्वासी उसकै गैल सै, वे भी जीत पावैंगे। 15 फेर उसनै मेरै तै कह्या, के जो पाणी तन्नै देख्या, जिनपै बेश्या बेठी सै, वो देश, माणस, जात्ति, अर भाषा सै। 16 अर जो दस सींग तन्नै देखे, वे अर पशु उस बेश्या तै बैर राक्खैंगे, अर उस ताहीं लाचार अर उघाड़ी कर देवैंगे, अर उसका माँस खा जावैंगे, अर उस ताहीं आग म्ह जळा देवैंगे। 17 वा जनानी, जिसनै तू देखे सै, वो बड़ड़ा नगर सै, जो धरती के राजयां पै राज करै सै। ये सब बात उसकै गैल होवैंगी, क्यूँके यो परमेसवर ही सै, जो अपणे मकसद नै पूरा करण खात्तर उनके मन नै उकसावैगा, ताके वे उसकी मनसा पूरी करै, योए कारण सै के वो अपणा हक पशु ताहीं राज करण खात्तर दे देंगे, जिब तक के परमेसवर नै जो कह्या सै वो पूरा ना हो ले।

18 इसकै बाद मन्नै एक और सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसकै धोरै बड़ड़ा अधिकार था, अर धरती उसकै तेज तै चमक गयी। 2 उसनै जोर तै रुक्का मारकै कह्या, पड़ग्या, बड़ड़ा बेबीलोन नगर पड़ग्या सै, अर भुंडी ओपरी आत्मायाँ का घर, हरेक भुंडी आत्मा का बसेरा, एक अशुद्ध अर घृणित पंछी का बसेरा होग्या। 3 यो इस कारण होवैगा क्यूँके बेबीलोन नगर उस बिरबान्नी की तरियां सै, जिसकी जारी की डरावणी मदिरा के कारण सारी जात पड़गी सै, अर धरती के राजयां नै उसकै गेल्या जारी करी सै, अर धरती के व्यापारी उसकै भोग-विलास के धन के कारण साहूकार होए सै। 4 फेर मन्नै सुर्ग तै किसे और का बोल सुण्या, के हे मेरे माणसों, उस म्ह तै लिकड़ आओ, के थम उसके पापां म्ह साइड़ी न्ही होओं, अर उसकी मुसीबतां म्ह तै कोए मुसीबत थारे पै ना आण पड़ै। 5 क्यूँके उसके पाप सुर्ग ताहीं पोंहोचगे सै, अर उसके अधर्म परमेसवर नै याद आये सै। 6 जिसा उसनै थारे ताहीं दिया सै, उस्से तरियां ए उस ताहीं भी भर द्यो, अर उसके काम्मां के मुताबिक उस ताहीं दो गुणा बदला द्यो, जिस कटोरे म्ह उसनै भर दिया था उस्से म्ह उसकै खात्तर दो गुणा भर द्यो। 7 जितनी उसनै अपणी

बड़ाई करी अर सुख-विलास करया, थम भी उसने उतनाए दुख अर दर्द
 द्यो, क्यूँके वा अपणे मन म्ह कहवै सै, मै राणी के सामान बण बेठी सुं,
 मै बिधवा कोनी, अर ना ए कदे बिलाप करूँगी। 8 इस करके एक ए दिन
 उसके अंहकार के कारण उसपै बिपदा आण पड़ैगी, यानिके मौत, दुख,
 अकाळ, अर वा आग म्ह भस्म कर दी जावैगी, क्यूँके उसका न्याय करण
 आळा प्रभु परमेस्वर शक्तिशाळी सै। 9 अर धरती के राजा जिनने उसके
 गेल्या जारी, अर भोगविलास करया, जिब उसके जळण का धुम्मा देखेंगे, तो
 उसके खात्तर रोवेंगे, अर छात्ती पीटेंगे। 10 अर उसके दर्द कै डर नै याद
 करके दूर खड़े होके कहवेंगे, हाय! हाय! हे बड़े नगर, बेबीलोन, हे शक्तिशाली
 नगर, थोड़ी-ए देर म्ह तेरे पै दण्ड आ लेवैगा। 11 अर धरती के व्यापारी
 उसके खात्तर रोवेंगे अर कळपेंगे, क्यूँके इब कोए उनकी ये चीज मोल लेण
 आळा कोन्या रह्या। 12 उन धोरै भोत सारी चीज थी यानिके सोन्ना, चान्दी,
 रत्न, मोत्ती, अर मलमल, बैजनी, रेशमी, लाल रंग लत्ते, अर हरेक ढाळ की
 खसबूदार लाकड़ी, अर हाथी दाँत की हरेक ढाळ की चीज, घणी कीमती
 लाकड़ी, पीत्तळ, लोहा, अर संगमरमर के सारे ढाळ के बरतन। 13 अर
 दालचीनी, मसाले, धूप, गन्धरस, लोबान, अंगूर का रस, तेल, मैद्दा, गेहूँ,
 गऊँ, बळध, भेड़, बकरियाँ, घोड़े, रथ, गुलाम, अर माणसां के प्राण का कोए
 खरीदार कोनी रह्या। 14 व्यापारी उस ताहीं कहवेंगे, के जिन चिज्जां की तन्नै
 इच्छा करी थी, इब वा कोनी रही, अर एशो-आराम अर शोहरत की चीज तेरे
 तै दूर होई सै, अर वे कदे भी न्ही मिलैगी। 15 इन चिज्जां के व्यापारी जो
 उसके जरिये साहूकार होंगे थे, उसके दर्द कै डर नै याद करके दूर खड़े होके
 रोन्दे अर कळपदे होए कहवेंगे, 16 “हाय! हाय! यो बड़ड़ा नगर जो मलमल,
 अर बैजनी, अर लाल रंग के लत्ते पहरे था, अर सोन्ने, अर रत्नां, अर मोतियाँ
 तै सज्या था, 17 थोड़ी-ए देर म्ह उसका इसा सारा धन नाश होग्या, अर हरेक
 माँझी, अर पाणी म्ह सफर करणीया, किस्ती चलाणीए, अर जितने समुन्दर
 तै कमावें सै, सारे दूर खड़े होके।” 18 अर उस नगर के जळण का धुम्मा
 देखदे होए रुक्का मारके कहवेंगे, “कौण सा नगर इस बड़े नगर कै जिसा
 सै?” 19 अर अपणे-अपणे सिरां पै धूळ गरेंगे, अर रोन्दे होए अर कळपदे
 होए किल्की मार-मारके कहवेंगे, के, हाय! हाय! यो बड़ड़ा नगर जिसकी

सम्पत्ति के जरिये समुन्दर के सारे जहाज आळे साहूकार होंगे थे, इब थोड़ी-ए देर म्ह तू उजड़ गया। 20 हे थम जो सुर्ग म्ह रहण आळे, अर हे पवित्र माणसों, प्रेरितों, अर नबियों, जो उसके गैल होया सै, इस कारण थम खुशी मनाओ, क्यूँके परमेसवर नै बेबीलोन नगर ताहीं दण्ड देके उसतै थारा बदला लिया सै। 21 फेर एक ताकतवर सुर्गदूत नै बड्डी चाक्की के पाट जिसा पत्थर ठाया, अर न्यू कहकै समुन्दर म्ह बगा दिया, के, “बड़ड़ा नगर बेबीलोन इस्से ढाळ घणी ताकत तै गिराया जावैगा, अर फेर कदे भी उसका बेरा न्ही पाट्टैगा। 22 अर बेबीलोन नगर म्ह गायक, वीणा बजाण आळे, बाँसुरी बजाण आळे, अर तुरही फूंकण आळा का शब्द फेर कदे भी तन्नै सुणाई न्ही देवैगा, अर किसे काम का भी कोए कारीगर तन्नै कदे न्ही मिलैगा, अर चाक्की के चाललण का शब्द फेर कदे भी तन्नै न्ही सुणैगा। 23 अर दीवै का चाँदणा फेर कदे भी तेरे म्ह न्ही चमकैगा, अर बन्दड़ा-बन्दड़ी का शब्द फेर कदे भी तन्नै सुणाई न्ही देवैगा, क्यूँके तेरे व्यापारी धरती के प्रधान थे, अर तेरे जादू-टूणे तै सारी जात भकाई गई थी। 24 परमेसवर बेबीलोन नगर ताहीं इस कारण सजा देवैगा, क्यूँके नबियाँ, पवित्र माणसां, अर धरती पै सारे घात करे होया का लहू उरसे म्ह पाया गया सै।”

19 इसके बाद मन्नै सुर्ग म्ह मान्नो भीड़ ताहीं जोर तै न्यू कहन्दे सुण्या, के, हालेलूय्याह! उद्धार, महिमा, अर सामर्थ, म्हारै परमेसवर ए की सै। 2 क्यूँके उसका न्याय सच्चा अर सही सै, ज्यांतै के उसनै उस बड्डी बेश्या का जो अपणी जारी तै धरती के माणसां तै पाप करवाण लागरी थी, परमेसवर नै उस ताहीं दण्ड देके अपणे दास्सां के लहू का बदला लिया सै। 3 फेर दुसरी बर उननै कह्या, हालेलूय्याह! अर बेबीलोन नगर के जळण का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा। (aiōn g165) 4 सब चौबीस बुजुर्ग अर च्यारु प्राणियाँ नै झुककै परमेसवर ताहीं प्रणाम करया, जो सिंहासन पै बेठ्या था, अर कह्या, “आमीन! हालेलूय्याह!” 5 अर सिंहासन म्ह तै मन्नै एक आवाज सुणाई दी, के, हे म्हारे परमेसवर तै सारे डरण आळे दासों, के छोट्टे, के बड़े, थम सारे उसकी जै-जै कार करो। 6 फेर मन्नै बड्डी भीड़ का शोर सुणाई दिया, यो भोत घणे पाणी अर जबरदस्त गड़गड़ाहट बरगा शब्द था, हालेलूय्याह! प्रभु म्हारा परमेसवर, सर्वशक्तिमान राज्य करै सै। 7 आओ, हम

खुश अर मग्न होवां, अर उसकी जै-जै कार करा, क्यूँके मेम्ने का ब्याह आण पोहोचा, अर उसकी बन्दड़ी नै अपणे-आप ताहीं त्यार कर लिया सै। 8 अर उस ताहीं शुद्ध अर चमकदार सुथरे मलमल नै पैहरण का हक दिया गया, क्यूँके उस सुथरे मलमल का मतलब पवित्र माणसां के धर्म के काम सै। 9 अर सुर्गदूत नै मेरै तै कह्या, न्यू लिख, के, धन्य वे सै, जो मेम्ने के ब्याह के भोज म्ह न्योदे गये सै, फेर उसनै मेरै तै कह्या, ये परमेसवर की कही गई सच्ची बात सै। 10 अर मै उसनै पूज्जण कै खात्तर उसके पायां के म्ह पड़ग्या, उसनै मेरै तै कह्या, “देख, इसा मतना करै, मै तेरे अर तेरे भाईयाँ की तरियां ए दास सूं, जो यीशु की गवाही देण पै अटल सै, परमेसवर नै ए पूज, क्यूँके यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा सै।” 11 फेर मन्नै सुर्ग ताहीं खुल्या होइ देख्या, अर के देखूँ सूं, के एक धोळा घोड़ा सै, अर उसपै एक सवार सै, जो बिश्वास जोगगा, अर सच्चा कुहावै सै, अर वो धर्म कै साथ न्याय अर लड़ाई करै सै। 12 उसकी आँख आग की लपट की तरियां थी, अर उसके सिर पै भोत-से मुकुट थे, अर उसके माथ्यै पै एक नाम लिख्या था, जिस ताहीं उसनै छोड़ और कोए न्ही जाणै था। 13 अर उसनै लहू म्ह ड्बोया होइ बाणा पैहरे राख्या था, अर उसका नाम परमेसवर का वचन था। 14 अर सुर्ग की पलटन धोळे घोड्या पै चढ़कै अर धोळा अर शुद्ध मलमल के लत्ते पैहरे होइ उसके पाच्छै-पाच्छै चाल्लण लागरी थी। 15 अर हरेक देश के माणसां ताहीं मारण कै खात्तर, उसके मुँह तै एक पैन्ही तलवार लिक्डै थी, अर वो लोहवै का राजदण्ड लिए होइ उनपै राज करैगा, अर वो सर्वशक्तिमान परमेसवर के छो की जलन की मदिरा के कुण्ड म्ह अंगूरां नै रौंदैगा। 16 अर उसके लत्ते अर जाँघ पै यो नाम लिख्या था, राजयां का राजा अर प्रभुओं का प्रभु। 17 फेर मन्नै एक सुर्गदूत ताहीं सूरज पै खड्या देख्या, अर उसनै जोर तै रुक्का मारकै अकास म्ह उड़ण आळे सारे पंछियाँ तै कह्या, “आओ, परमेसवर के बड़े भोज कै खात्तर कठ्ठे हो जाओ। 18 ताके थम राजा, प्रधान, ताकतवर माणसां का, घोड्या का, उनके सवारां का, अर सारे ढाल के आजाद, गुलाम, छोटे, बड़े, सारे माणसां का माँस खा सको।” 19 फेर मन्नै उस पशु जो समुन्दर म्ह तै लिक्ड्या था, धरती के राजयां अर उनकी पलटन ताहीं उस धोळे घोड़े के सवार, अर उसकी पलटन तै लड़ण कै

खात्तर कट्टे देख्या। 20 अर वो पशु अर उसके गेल्या वो झूठा नबी पकड्या गया, जिसनै उसके स्याम्ही इसे चमत्कार दिखाए थे, जिनके जरिये उसनै उन ताहीं भकाया, जिन नै उस पशु की छाप ली थी, अर जो उसकी मूर्ति की पूजा करै थे, ये दोन्नु जिन्दे जी उस आग की झील म्ह जो गन्धक तै जळै सै, गेरे गये। (Limnē Pyr g3041 g4442) 21 बाक्की लोग उस घोड़े की तलवार तै, जो उसके मुँह तै लिकडै थी, मार दिए गये, अर सारे पंछी उनके माँस तै छिकगे।

20 फेर मन्नै एक सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसके हाथ म्ह अथाह कुण्ड की ताळी, अर एक बट्टी बेल थी। (Abyssos g12) 2 अर उसनै उस अजगर, यानिके पुराणे साँप ताहीं, जो इब्लीस अर शैतान सै, पकड़के हजार साल कै खात्तर बाँध दिया। 3 अर उस ताहीं अथाह कुण्ड म्ह गेर कै मूंद दिया, अर उसपै मोँहर ला दी, ताके वो हजार साल के पूरे होण तक देश-देश के माणसां ताहीं दुबारा न्ही भका सकै, यो सब होण कै बाद यो जरूरी सै, के थोड़ी देर खात्तर वो दुबारा खोल्या जावैगा। (Abyssos g12) 4 फेर मन्नै सिंहासनां पै कई माणसां ताहीं बेठे देख्या, अर उन ताहीं न्याय करण का हक दिया गया, अर फेर मन्नै उन माणसां की आत्मा ताहीं भी देख्या, जिनके सिर यीशु की गवाही देण अर परमेसवर के वचन कै कारण धड़ तै अलग करे गये थे। उननै उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा कोनी करी थी, अर ना उसकी छाप अपणे माथ्ये अर हाथ्यां पै ली थी, वे जिन्दा होकै मसीह कै गेल्या हजार साल ताहीं राज करदे रहे। 5 जिब तक ये हजार साल पूरे न्ही होए तब तक बाकी मरे होए जिन्दा न्ही होए, यो तो पैहला पुनरुत्थान सै। 6 धन्य अर पवित्र सै वो माणस, जो इस पैहल्ले पुनरुत्थान म्ह शामिल होवैगा, इस्यां पै दुसरी मौत का किमे भी हक कोन्या, पर वे परमेसवर अर मसीह के याजक होंगे, अर उसके गैल हजार साल ताहीं राज्य करैंगे। 7 अर जिब हजार साल पूरे हो लेंगे, तो शैतान कैद तै छोड़ दिया जावैगा। 8 अर उन जात्तां ताहीं जो धरती कै चौगरदेकै होंगी, यानिके गोग अर मगोग जिनकी गिणती समुन्दर की बाळू कै बराबर होगी, उन ताहीं भकाकै, कट्टे करके लड़ाई करण खात्तर लिकडैगा। 9 वे साबती धरती पै फैल जावेंगी, अर पवित्र माणसां की छावणी अर प्यारे नगर नै घेर लेवेंगी, पर सुर्ग म्ह परमेसवर की आग उतरके उसकी सारी पलटन ताहीं भस्म कर देवैगी। 10 अर उनका भकाण आळा शैतान

आग अर गन्धक की उस झील म्ह गेर दिया, जिस म्ह वो पशु अर झूठा नबी भी होगा, अर वे दिन-रात युगानुयुग दर्द तै तड़पदे रहवेंगें। (aiōn g165, Limnē Pyr g3041 g4442) 11 फेर मन्नै एक बड़ड़ा धोळा सिंहासन अर उसपै बेठे होए परमेसवर ताहीं देख्या, जिसकै स्याम्ही तै धरती अर अकास भाजगे, अर उसके बाद वे दिखाई न्ही दिए। 12 फेर मन्नै छोट्टे-बड़े सारे मरे होया ताहीं परमेसवर के सिंहासन कै स्याम्ही खड़े होए देख्या, अर किताबें खोल्ली गई, अर फेर एक और किताब खोल्ली गई, यानिके जीवन की किताब। मरे होया का न्याय उनके काम्मां कै मुताबिक करया गया, जिनका बयान इन किताबां म्ह लिख्या होड़ था। 13 अर समुन्दर नै उन मरे होए माणसां ताहीं उगळ दिया, जो उस म्ह थे, अर मौत अर अधोलोक नै भी उन मरे होए माणसां ताहीं उगळ दिया, जो उस म्ह थे, अर हरेक का न्याय उनके काम्मां कै मुताबिक करया गया। (Hadēs g86) 14 मौत अर अधोलोक भी आग की झील म्ह गेरे गये, या आग की झील ए दुसरी मौत सै। (Hadēs g86, Limnē Pyr g3041 g4442) 15 अर जिस किसे का नाम जीवन की किताब म्ह लिख्या होया न्ही मिल्या, वो आग की झील म्ह गेर दिया गया। (Limnē Pyr g3041 g4442)

21 फेर मन्नै नये अकास अर नयी धरती ताहीं देख्या, क्यूँके पैहला अकास अर पैहली धरती खतम हो ली थी, अर समुन्दर भी न्ही रहया। 2 फेर मन्नै पवित्र नगर नये यरुशलेम ताहीं सुर्ग पै तै, परमेसवर कै धोरै तै उतरदे देख्या, अर वो नगर उस बन्दड़ी की तरियां था, जो अपणे बन्दड़े खात्तर सिंगार करके सिंगरी हो सै। 3 फेर मन्नै सिंहासन म्ह तै किसे ताहीं जोर तै न्यू कहन्दे सुण्या, के, देख, आज तै ए परमेसवर का डेरा माणसां कै बिचाळे होवैगा, वो उनके गेल्या वास करैगा, अर वे उसके माणस होंगे, अर परमेसवर खुद उनके गेल्या रहवैगा, अर वो उनका परमेसवर होगा। 4 अर वो उनकी आँखां तै सारे आँसू पुंज देवैगा, अर इसके बाद ना मौत, ना दुख, ना बिलाप, अर ना दर्द रहवैगा, क्यूँके पुराणी बात बीत ली सै। 5 अर जो सिंहासन पै बेठ्या था, उसनै कह्या, के देख, इब मै नई सृष्टि की रचना करण लागरया सूं, फेर उसनै कह्या, के लिख ले, क्यूँके जो कुछ कह्या जाण लागरया सै, जो मै कहण लागरया सूं, तू उसपै बिश्वास कर सकै सै, क्यूँके यो पक्का होवैगा। 6 फेर

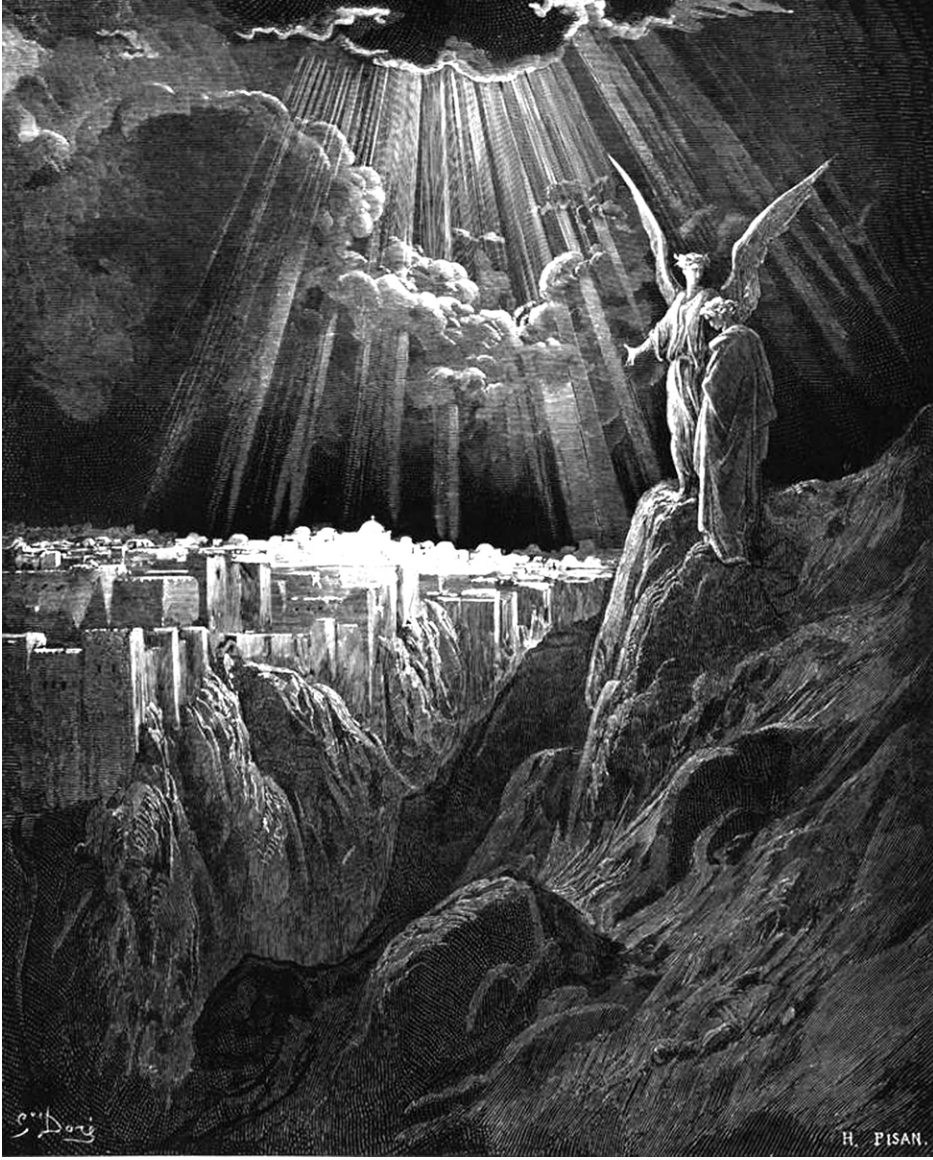
उसनै मेरै तै कहा, “सब कुछ पूरा होगया सै, मै अल्फा अर ओमेगा, आदि अर अन्त सूं। जो तिसाए सै मै उन ताहीं उस पाणी के चोवै म्ह तै जो अनन्त जिन्दगी देवै सै उस ताहीं मुफ्त म्ह प्याऊंगा। 7 जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै, वोए ये सारी आशीष मेरे तै पावैगा, अर मै उसका परमेसवर होऊंगा, अर वो मेरा बेटा होगा। 8 पर डरपोक, अबिश्वासी, घिनौणे, हत्यारे, जार, जादू-टूणे करणीये, मूर्ति पूजणीये, अर सारे झूठे माणसां का भाग उस झील म्ह मिलैगा, जो आग अर गन्धक तै जळदी रहवै सै, या दुसरी मौत सै।” (Limnē Pyr g3041 g4442) 9 फेर जिन सात सुर्गदूत कै धोरै आखरी सात मुसीबतां तै भरे होड़ कटोरे थे, उन म्ह तै एक मेरै धोरै आया, अर मेरै गेल्या बात करकै कहा, “उरै आ मै तन्नै बन्दड़ी यानिके मेम्ने की घरआळी दिखाऊंगा।” 10 अर वो मन्नै आत्मा म्ह, एक बड़े अर ऊँचे पहाड़ पै लेग्या, अर पवित्र नगर यरुशलेम ताहीं सुर्ग पै तै परमेसवर कै धोरै उतरदे दिखाया। 11 परमेसवर की महिमा उस म्ह थी, अर उसकी चमक बेसकिमती पत्थर पारस कै समान अर पन्ने की ढाळ सुथरी थी। 12 अर उसकी चारदीवारी घणी ऊँची थी, अर उसके बारहा फाटक अर फाटकां पै बारहा सुर्गदूत थे, अर उनपै इस्राएलियाँ के बारहा गोत्रां के नाम लिक्खे थे। 13 पूरब कान्ही तीन फाटक, उत्तर कान्ही तीन फाटक, दक्खिन कान्ही तीन फाटक, अर पश्चिम कान्ही तीन फाटक थे। 14 अर नगर की चारदीवारी की बारहा नीम थी, अर उनपै मेम्ने के बारहा प्रेरितां के बारहा नाम लिक्खे होड़ थे। 15 अर जो सुर्गदूत मेरै गेल्या बात करण लागरया था, उसके धोरै नगर, उसके फाटकां अर उसकी चारदीवारी ताहीं नाप्पण कै खात्तर एक सोन्ने का सरकण्डा दिया गया था। 16 अर वो नगर चकोर बस्या होड़ था, अर उसकी लम्बाई अर चौड़ाई एक सी थी, अर उसनै उस सरकण्डे तै नगर ताहीं नाप्या, तो साढ़े सात सौ कोस का लिक्कड़ा, उसकी लम्बाई, चौड़ाई, अर ऊँचाई एक सी थी। 17 अर उसनै उसकी चारदीवारी ताहीं माणस के, यानिके सुर्गदूत के नाप तै नाप्या, तो छियासठ मीटर लिक्कड़ी। 18 अर उसकी चारदीवारी म्ह पन्ने जड़े थे, अर नगर इसे शुद्ध सोन्ने का था, जो कती शीशे बरगा साफ था। 19 अर उस नगर की नीम हरेक ढाळ के घणे महँगे पत्थरां तै सजाई होड़ थी, पैहल्डी नीम पन्ने की थी, दुसरी नीलमणि की, तीसरी लालड़ी की, चौथी

मरकत की। 20 पाँचमी गोमेदक की, छटी माणिक्य की, सातमी पीतमणि की, आठमी पेरोज की, नौम्मी पुखराज की, दसमी लहसनीए की, ग्यारमी धूम्रकान्त की, बाहरमी याकूत की। 21 अर बारहों फाटक, बारहा मोतियाँ के थे, एक-एक फाटक, एक-एक मोत्ती का बणया होड़ था, अर नगर की सड़क साफ-सुथरे काँच कै जिसे शुद्ध सोन्ने की थी। 22 अर मन्नै उस म्ह कोए मन्दर न्ही देख्या, क्यँके सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, अर मेम्ना उसका मन्दर सै। 23 अर उस नगर म्ह सूरज अर चाँद के चाँदणे की जरूरत कोनी, क्यँके परमेसवर कै तेज तै उस म्ह चाँदणा होरया सै, अर मेम्ना उसका दीवा सै। 24 अर हरेक देश के माणस उसके चाँदणे म्ह चाल्लै-फिरेंगे, अर धरती के राजा अपणी शानों-शोकत उस म्ह ल्यावेंगे। 25 अर उसके फाटक दिन म्ह कदे भी न्ही मूंदे जावेंगे, अर ओड़ै रात न्ही होगी। 26 अर हरेक देश के माणस अपणी शानों-शोकत उस म्ह ल्यावेंगे। 27 पर उस नगर म्ह कोए अशुद्ध चीज, या घृणित काम करण आळा, या झूठ का गढ़नआळा किसे भी तरियां तै उस म्ह दाखल न्ही हो पावैगा, पर सिर्फ वे लोग दाखल होवेंगे जिनके नाम मेम्ने की जीवन की किताब म्ह लिक्खे सै।

22 फेर सुर्गदूत नै मेरै ताहीं पाणी दिखाया जो जीवन देण आळा पाणी कहलावै सै, अर वो पाणी शीशे की तरियां साफ था, अर उसका चोवां परमेसवर का सिंहासन सै, जो के मेम्ने का भी सिंहासन सै। 2 वो नदी नगर के बीचों बीच सड़क कै बिचाळै बहवै थी। अर नदी कै इस पार, अर उस पार, उसके दोन्नु किनारां पै जीवन का दरखत था, जो जीवन देवै सै, उस म्ह बारहा ढाळ के फळ लागै थे, अर वो हरेक महिन्ने फळ ल्यावै था, अर उस दरखत के पत्त्यां तै हरेक देश के माणस चंगे होवै थे। 3 अर फेर कोए श्राप न्ही होगा। परमेसवर अर मेम्ने का सिंहासन उस नगर म्ह होगा, अर उसके दास उसकी सेवा करेंगे। 4 अर वे परमेसवर ताहीं आम्ही-स्याम्ही देखेंगे, अर परमेसवर का नाम उनके माथ्यां पै लिख्या होया होगा। 5 अर फेर कदे रात न्ही होगी, अर ना ए उन ताहीं दीवै अर सूरज के चाँदणे की जरूरत होगी, क्यँके प्रभु परमेसवर उन ताहीं चाँदणा देवैगा, अर वे युगानुयुग राज करेंगे। (aiōn g165) 6 फेर सुर्गदूत नै मेरै तै कह्या, “जो मै कहण लागरया सूं, तू उसपै बिश्वास कर सकै सै, क्यँके यो पक्का होवैगा, अर प्रभु जो नबियाँ की

आत्मायाँ का परमेसवर सै, अपणे सुर्गदूत ताहीं ज्यांतै भेज्या, के अपणे दास्सां ताहीं वे बात जिनका तावळा पूरा होणा जरूरी सै दिखावै।” 7 देख, मै तावळा आण आळा सूं, धन्य सै वो, जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां नै मान्ने सै। 8 मै वोए यूहन्ना सूं, जो ये बात सुणै, अर देखै था, अर जिब मन्ने सुण्या, अर देख्या, तो जो सुर्गदूत मन्ने ये बात दिखावै था, मै उसके पायां म्ह प्रणाम करण के खात्तर मोध्था पड़ग्या। 9 अर उसनै मेरै तै कह्या, “देख, इस ढाळ मतना करै, क्यूँके मै तेरा अर तेरे भाई नबियाँ का अर इस भविष्यवाणी की अर इस किताब की बात्तां के मानण आळा का जोड़ीदार दास सूं, परमेसवर नै ए पूज।” 10 फेर उसनै मेरै तै कह्या, “इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां ताहीं बन्द मतना करै, क्यूँके बखत आ लिया सै। 11 जो जुल्म करै सै, वो जुल्म ए करदा रहवै, अर जो बुरा सै, वो बुरा बण्या रहवै, अर जो धर्मी सै, वो धर्मी बण्या रहवै, अर जो पवित्र सै, वो पवित्र बण्या रहवै।” 12 लखा, मै तावळा-ए आण आळा सूं, अर हरेक के काम के मुताबिक बदला देण के खात्तर प्रतिफळ मेरै धोरै सै। 13 मै अल्फा अर ओमेगा, पैहला अर आखरी, आदि अर अन्त सूं। 14 धन्य वे सै, जो अपणे लत्ते धो लेवै सै, क्यूँके उन ताहीं जीवन के दरखत के लोवै आण का हक मिलैगा, अर वे फाटकां तै हो के नगर म्ह दाखल होवेंगे। 15 पर कुत्ते, अर जादू-टूणा करणीये, जार, हत्यारे, मूर्ति पूजणीया, हरेक झूठ का चाहण आळा, अर झूठ गढ़ण आळा बाहरणै रहवैगा। 16 मुझ यीशु नै अपणे सुर्गदूत ताहीं ज्यांतै भेज्या सै, ताके थारे आगै कलीसियाओं के बारै म्ह इन बात्तां की गवाही दियुं, मै दाऊद का मूल, अर वंश, अर भोर का चमकदा होड़ तारा सूं। 17 अर आत्मा, अर बन्दड़ी दोन्नु कहवै सै, “आ!” अर सुणण आळा भी कहवै, के “आ!” अर जो तिसाया हो, वो आवै अर जो कोए चाहवै वो जीवन का पाणी मुफ्त म्ह ले। 18 मै हरेक ताहीं जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात सुणै सै, गवाही दियुं सूं, के जै कोए माणस इन बात्तां म्ह किमे बधावै, तो परमेसवर उन मुसीबतां ताहीं जो इस किताब म्ह लिक्खी सै, उसपै बढ़ावैगा। 19 अर जै कोए इस भविष्यवाणी की किताब की बात्तां म्ह तै किमे लिकाड़ै, तो परमेसवर उस जीवन के दरखत अर पवित्र नगर म्ह तै जिसका जिक्र इस किताब म्ह सै, उसका हिस्सा लिकाड़ देवैगा। 20 जो इन बात्तां की

गवाही देवै सै, वो न्यू कहवै सै, “हाँ, मै तावळा आण आळा सूं, आमीन। हे प्रभु यीशु आ!” 21 प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगों कै गैल रहवै। आमीन।



फेर मन्ने पवित्र नगर नये यरुशलेम तार्हीं सुर्ग पै तै, परमेसवर के थोरै तै उतरदे देख्या, अर वो नगर उस बन्दड़ी की तरियां था, जो अपणे बन्दड़े खात्तर सिंगार करके सिंगरी हो सै। फेर मन्ने सिंहासन म्ह तै किसे तार्हीं जोर तै न्यू कहन्दे सुणया, के, देख, आज तै ए परमेसवर का डेरा माणसां के बिचाळे होवैगा, वो उनके गेल्या वास करैगा, अर वे उसके माणस होंगे, अर परमेसवर खुद उनके गेल्या रहवैगा, अर वो उनका परमेसवर होगा।

प्रकाशित वाक्य 21:2-3

Reader's Guide

हरियाणवी at AionianBible.org/Readers-Guide

The Aionian Bible republishes public domain and Creative Common Bible texts that are 100% free to copy and print. The original translation is unaltered and notes are added to help your study. The notes show the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of afterlife destinies.

Who has the authority to interpret the Bible and examine the underlying Hebrew and Greek words? That is a good question! We read in 1 John 2:27, *"As for you, the anointing which you received from him remains in you, and you do not need for anyone to teach you. But as his anointing teaches you concerning all things, and is true, and is no lie, and even as it taught you, you remain in him."* Every Christian is qualified to interpret the Bible! Now that does not mean we will all agree. Each of us is still growing in our understanding of the truth. However, it does mean that there is no infallible human or tradition to answer all our questions. Instead the Holy Spirit helps each of us to know the truth and grow closer to God and each other.

The Bible is a library with 66 books in the Protestant Canon. The best way to learn God's word is to read entire books. Read the book of Genesis. Read the book of John. Read the entire Bible library. Topical studies and cross-referencing can be good. However, the safest way to understand context and meaning is to read whole Bible books. Chapter and verse numbers were added for convenience in the 16th century, but unfortunately they can cause the Bible to seem like an encyclopedia. The Aionian Bible is formatted with simple verse numbering, minimal notes, and no cross-referencing in order to encourage the reading of Bible books.

Bible reading must also begin with prayer. Any Christian is qualified to interpret the Bible with God's help. However, this freedom is also a responsibility because without the Holy Spirit we cannot interpret accurately. We read in 1 Corinthians 2:13-14, *"And we speak of these things, not with words taught by human wisdom, but with those taught by the Spirit, comparing spiritual things with spiritual things. Now the natural person does not receive the things of the Spirit of God, for they are foolishness to him, and he cannot understand them, because they are spiritually discerned."* So we cannot understand in our natural self, but we can with God's help through prayer.

The Holy Spirit is the best writer and he uses literary devices such as introductions, conclusions, paragraphs, and metaphors. He also writes various genres including historical narrative, prose, and poetry. So Bible study must spiritually discern and understand literature. Pray, read, observe, interpret, and apply. Finally, *"Do your best to present yourself approved by God, a worker who does not need to be ashamed, properly handling the word of truth."* 2 Timothy 2:15. *"God has granted to us his precious and exceedingly great promises; that through these you may become partakers of the divine nature, having escaped from the corruption that is in the world by lust. Yes, and for this very cause adding on your part all diligence, in your faith supply moral excellence; and in moral excellence, knowledge; and in knowledge, self-control; and in self-control patience; and in patience godliness; and in godliness brotherly affection; and in brotherly affection, love. For if these things are yours and abound, they make you to be not idle nor unfruitful to the knowledge of our Lord Jesus Christ,"* 2 Peter 1:4-8.

Glossary

हरियाणवी at AionianBible.org/Glossary

The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven special words to help us better understand the extent of God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies. The original translation is unaltered and a note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. Compare the meanings below to the Strong's Concordance and Glossary definitions.

Abyssos g12

Greek: proper noun, place

Usage: 9 times in 3 books, 6 chapters, and 9 verses

Meaning:

Temporary prison for special fallen angels such as Apollyon, the Beast, and Satan.

ai̅dios g126

Greek: adjective

Usage: 2 times in Romans 1:20 and Jude 6

Meaning:

Lasting, enduring forever, eternal.

ai̅ōn g165

Greek: noun

Usage: 127 times in 22 books, 75 chapters, and 102 verses

Meaning:

A lifetime or time period with a beginning and end, an era, an age, the completion of which is beyond human perception, but known only to God the creator of the ai̅ōns, Hebrews 1:2. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

ai̅ōnios g166

Greek: adjective

Usage: 71 times in 19 books, 44 chapters, and 69 verses

Meaning:

From start to finish, pertaining to the age, lifetime, entirety, complete, or even consummate. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Koine Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

ele̅ēsē g1653

Greek: verb, aorist tense, active voice, subjunctive mood, 3rd person singular

Usage: 1 time in this conjugation, Romans 11:32

Meaning:

To have pity on, to show mercy. Typically, the subjunctive mood indicates possibility, not certainty. However, a subjunctive in a purpose clause is a resulting action as certain as the causal action. The subjunctive in a purpose clause functions as an indicative, not an optative. Thus, the grand conclusion of grace theology in Romans 11:32 must be clarified. God's mercy on all is not a possibility, but a certainty. See ntgreek.org.

Geenna g1067

Greek: proper noun, place

Usage: 12 times in 4 books, 7 chapters, and 12 verses

Meaning:

Valley of Hinnom, Jerusalem's trash dump, a place of ruin, destruction, and judgment in this life, or the next, though not eternal to Jesus' audience.

Hadēs g86

Greek: proper noun, place

Usage: 11 times in 5 books, 9 chapters, and 11 verses

Meaning:

Synonymous with Sheol, though in New Testament usage Hades is the temporal place of punishment for deceased unbelieving mankind, distinct from Paradise for deceased believers.

Limnē Pyr g3041 g4442

Greek: proper noun, place

Usage: Phrase 5 times in the New Testament

Meaning:

Lake of Fire, final punishment for those not named in the Book of Life, prepared for the Devil and his angels, Matthew 25:41.

Sheol h7585

Hebrew: proper noun, place

Usage: 66 times in 17 books, 50 chapters, and 64 verses

Meaning:

The grave or temporal afterlife world of both the righteous and unrighteous, believing and unbelieving, until the general resurrection.

Tartaroō g5020

Greek: proper noun, place

Usage: 1 time in 2 Peter 2:4

Meaning:

Temporary prison for particular fallen angels awaiting final judgment.

Glossary +

AionianBible.org/Bibles/Haryanvi---Haryanvi-Bible/Noted

Glossary references are below. Strong's Hebrew and Greek number notes are added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. Questioned verse translations do not contain Aionian Glossary words and may wrongly imply *eternal* or *Hell*. * The note placement is skipped or adjusted for verses with non-standard numbering.

Abyssos

लूका 8:31
रोमियों 10:7
प्रकाशित वाक्य 9:1
प्रकाशित वाक्य 9:2
प्रकाशित वाक्य 9:11
प्रकाशित वाक्य 11:7
प्रकाशित वाक्य 17:8
प्रकाशित वाक्य 20:1
प्रकाशित वाक्य 20:3

aidios

रोमियों 1:20
यहूदा 1:6

aiōn

मत्ती 12:32
मत्ती 13:22
मत्ती 13:39
मत्ती 13:40
मत्ती 13:49
मत्ती 21:19
मत्ती 24:3
मत्ती 28:20
मरकुस 3:29
मरकुस 4:19
मरकुस 10:30
मरकुस 11:14
लूका 1:33
लूका 1:55
लूका 1:70
लूका 16:8
लूका 18:30
लूका 20:34
लूका 20:35
यूहन्ना 4:14
यूहन्ना 6:51
यूहन्ना 6:58
यूहन्ना 8:35
यूहन्ना 8:51
यूहन्ना 8:52
यूहन्ना 9:32
यूहन्ना 10:28
यूहन्ना 11:26
यूहन्ना 12:34
यूहन्ना 13:8
यूहन्ना 14:16

प्रेरितों के काम 3:21
प्रेरितों के काम 15:18
रोमियों 1:25
रोमियों 9:5
रोमियों 11:36
रोमियों 12:2
रोमियों 16:27
1 कुरिन्थियों 1:20
1 कुरिन्थियों 2:6
1 कुरिन्थियों 2:7
1 कुरिन्थियों 2:8
1 कुरिन्थियों 3:18
1 कुरिन्थियों 8:13
1 कुरिन्थियों 10:11
2 कुरिन्थियों 4:4
2 कुरिन्थियों 9:9
2 कुरिन्थियों 11:31
गलातियों 1:4
गलातियों 1:5
इफिसियों 1:21
इफिसियों 2:2
इफिसियों 2:7
इफिसियों 3:9
इफिसियों 3:11
इफिसियों 3:21
इफिसियों 6:12
फिलिपियों 4:20
कुलुसियों 1:26
1 तीमुथियुस 1:17
1 तीमुथियुस 6:17
2 तीमुथियुस 4:10
2 तीमुथियुस 4:18
तीतुस 2:12
इब्रानियों 1:2
इब्रानियों 1:8
इब्रानियों 5:6
इब्रानियों 6:5
इब्रानियों 6:20
इब्रानियों 7:17
इब्रानियों 7:21
इब्रानियों 7:24
इब्रानियों 7:28
इब्रानियों 9:26
इब्रानियों 11:3
इब्रानियों 13:8
इब्रानियों 13:21
1 पतरस 1:23

1 पतरस 1:25
1 पतरस 4:11
1 पतरस 5:11
2 पतरस 3:18
1 यूहन्ना 2:17
2 यूहन्ना 1:2
यहूदा 1:13
यहूदा 1:25
प्रकाशित वाक्य 1:6
प्रकाशित वाक्य 1:18
प्रकाशित वाक्य 4:9
प्रकाशित वाक्य 4:10
प्रकाशित वाक्य 5:13
प्रकाशित वाक्य 7:12
प्रकाशित वाक्य 10:6
प्रकाशित वाक्य 11:15
प्रकाशित वाक्य 14:11
प्रकाशित वाक्य 15:7
प्रकाशित वाक्य 19:3
प्रकाशित वाक्य 20:10
प्रकाशित वाक्य 22:5

aiōnios

मत्ती 18:8
मत्ती 19:16
मत्ती 19:29
मत्ती 25:41
मत्ती 25:46
मरकुस 3:29
मरकुस 10:17
मरकुस 10:30
लूका 10:25
लूका 16:9
लूका 18:18
लूका 18:30
यूहन्ना 3:15
यूहन्ना 3:16
यूहन्ना 3:36
यूहन्ना 4:14
यूहन्ना 4:36
यूहन्ना 5:24
यूहन्ना 5:39
यूहन्ना 6:27
यूहन्ना 6:40
यूहन्ना 6:47
यूहन्ना 6:54
यूहन्ना 6:68

यूहन्ना 10:28
 यूहन्ना 12:25
 यूहन्ना 12:50
 यूहन्ना 17:2
 यूहन्ना 17:3
 प्रेरितों के काम 13:46
 प्रेरितों के काम 13:48
 रोमियों 2:7
 रोमियों 5:21
 रोमियों 6:22
 रोमियों 6:23
 रोमियों 16:25
 रोमियों 16:26
 2 कुरिन्थियों 4:17
 2 कुरिन्थियों 4:18
 2 कुरिन्थियों 5:1
 गलातियों 6:8
 2 थिस्सलुनीकियों 1:9
 2 थिस्सलुनीकियों 2:16
 1 तीमुथियुस 1:16
 1 तीमुथियुस 6:12
 1 तीमुथियुस 6:16
 2 तीमुथियुस 1:9
 2 तीमुथियुस 2:10
 तीतुस 1:2
 तीतुस 3:7
 फिलेमोन 1:15
 इब्रानियों 5:9
 इब्रानियों 6:2
 इब्रानियों 9:12
 इब्रानियों 9:14
 इब्रानियों 9:15
 इब्रानियों 13:20
 1 पतरस 5:10
 2 पतरस 1:11
 1 यूहन्ना 1:2
 1 यूहन्ना 2:25
 1 यूहन्ना 3:15
 1 यूहन्ना 5:11
 1 यूहन्ना 5:13
 1 यूहन्ना 5:20
 यहूदा 1:7
 यहूदा 1:21
 प्रकाशित वाक्य 14:6

eleēsē

रोमियों 11:32

Geenna

मत्ती 5:22
 मत्ती 5:29
 मत्ती 5:30
 मत्ती 10:28
 मत्ती 18:9
 मत्ती 23:15
 मत्ती 23:33
 मरकुस 9:43

मरकुस 9:45
 मरकुस 9:47
 लूका 12:5
 याकूब 3:6
Hadēs
 मत्ती 11:23
 मत्ती 16:18
 लूका 10:15
 लूका 16:23
 प्रेरितों के काम 2:27
 प्रेरितों के काम 2:31
 1 कुरिन्थियों 15:55
 प्रकाशित वाक्य 1:18
 प्रकाशित वाक्य 6:8
 प्रकाशित वाक्य 20:13
 प्रकाशित वाक्य 20:14

Limnē Pyr

प्रकाशित वाक्य 19:20
 प्रकाशित वाक्य 20:10
 प्रकाशित वाक्य 20:14
 प्रकाशित वाक्य 20:15
 प्रकाशित वाक्य 21:8

Sheol

उत्पत्ति 37:35
 उत्पत्ति 42:38
 उत्पत्ति 44:29
 उत्पत्ति 44:31
 गिनती 16:30
 गिनती 16:33
 व्यवस्था विवरण 32:22
 1 शमूएल 2:6
 2 शमूएल 22:6
 1 राजा 2:6
 1 राजा 2:9
 अय्यूब 7:9
 अय्यूब 11:8
 अय्यूब 14:13
 अय्यूब 17:13
 अय्यूब 17:16
 अय्यूब 21:13
 अय्यूब 24:19
 अय्यूब 26:6
 भजन संहिता 6:5
 भजन संहिता 9:17
 भजन संहिता 16:10
 भजन संहिता 18:5
 भजन संहिता 30:3
 भजन संहिता 31:17
 भजन संहिता 49:14
 भजन संहिता 49:15
 भजन संहिता 55:15
 भजन संहिता 86:13
 भजन संहिता 88:3
 भजन संहिता 89:48

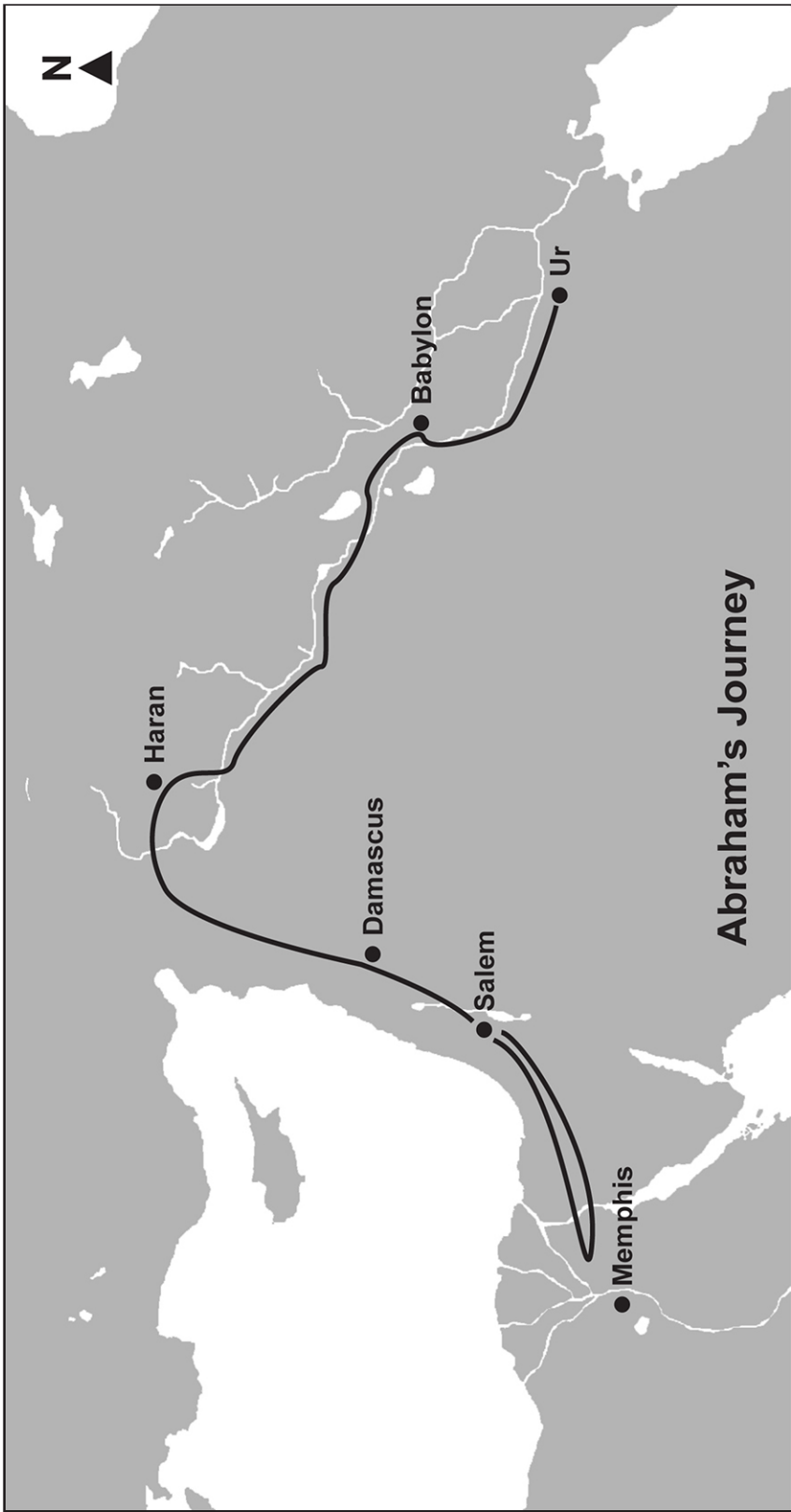
भजन संहिता 116:3
 भजन संहिता 139:8
 भजन संहिता 141:7
 नीतिवचन 1:12
 नीतिवचन 5:5
 नीतिवचन 7:27
 नीतिवचन 9:18
 नीतिवचन 15:11
 नीतिवचन 15:24
 नीतिवचन 23:14
 नीतिवचन 27:20
 नीतिवचन 30:16
 सभोपदेशक 9:10
 श्रेष्ठीगत 8:6
 यशायाह 5:14
 यशायाह 7:11
 यशायाह 14:9
 यशायाह 14:11
 यशायाह 14:15
 यशायाह 28:15
 यशायाह 28:18
 यशायाह 38:10
 यशायाह 38:18
 यशायाह 57:9
 यहैजकेल 31:15
 यहैजकेल 31:16
 यहैजकेल 31:17
 यहैजकेल 32:21
 यहैजकेल 32:27
 होशे 13:14
 आमोस 9:2
 योना 2:2
 हबक्कूक 2:5

Tartaroō

2 पतरस 2:4

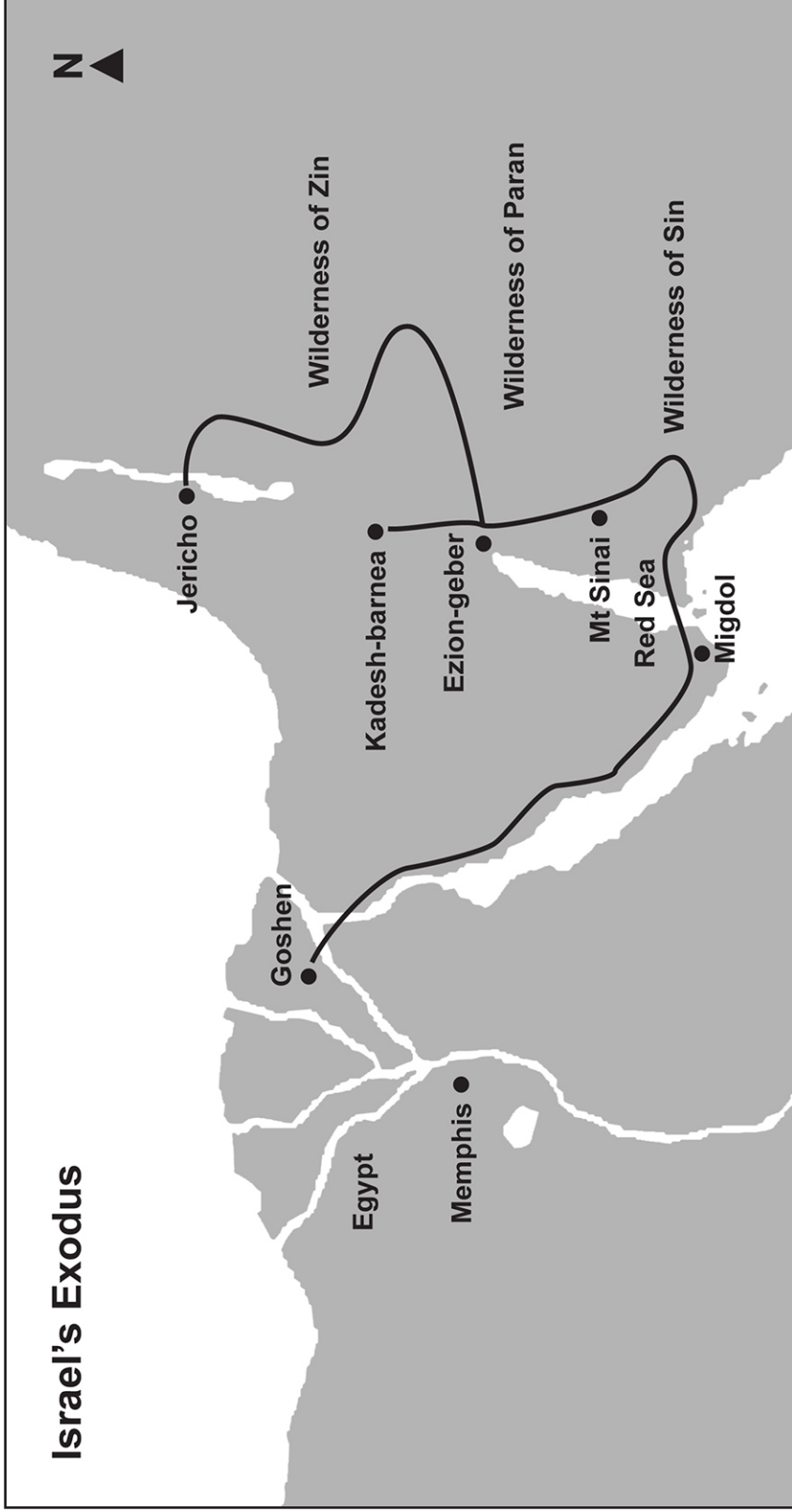
Questioned

मत्ती 3:7
 2 पतरस 2:17

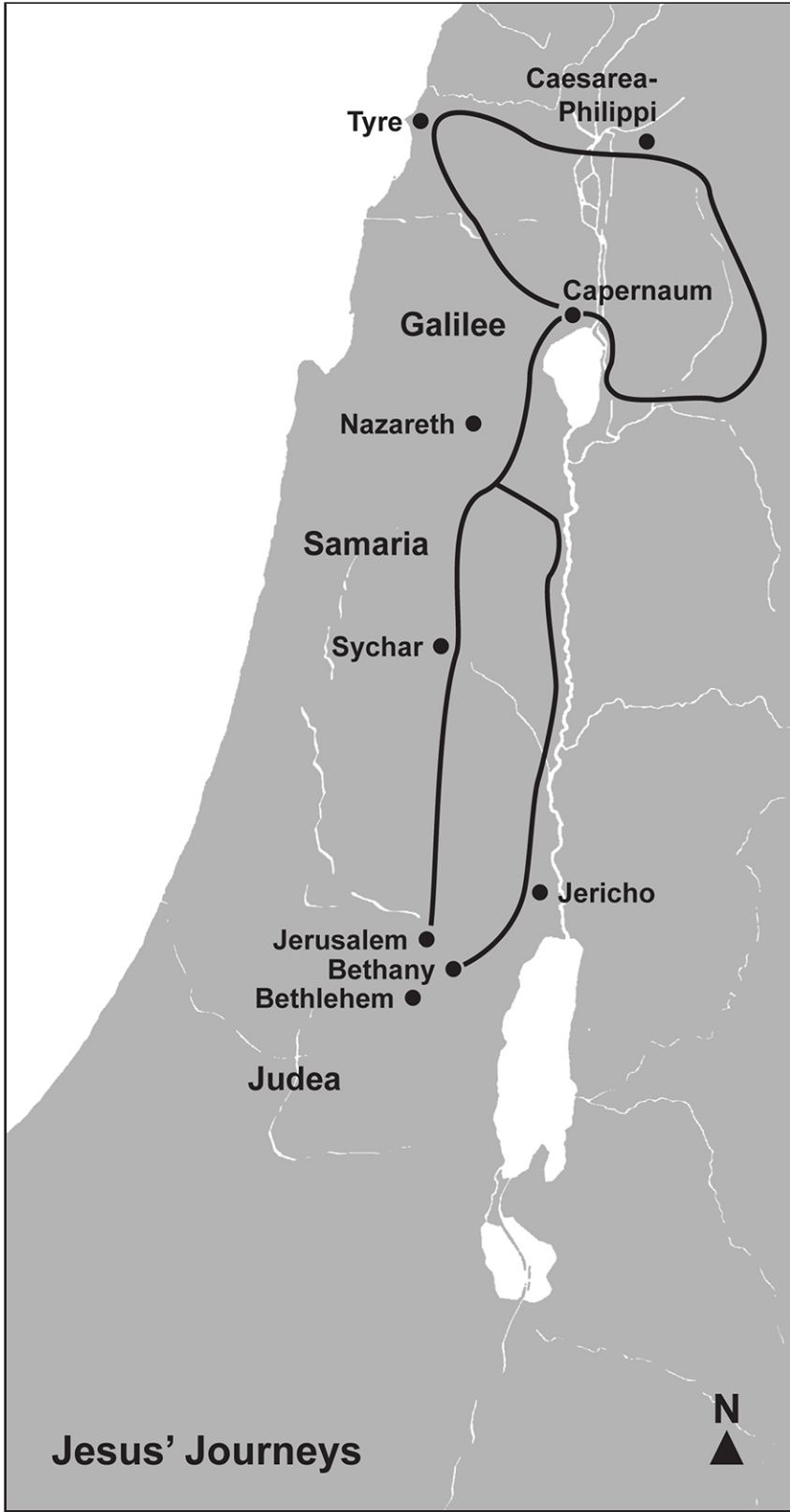


जिब परमेसवर नै अब्राहम तार्हीं किते जाण खातर बुलाया था, तो उसनै बिश्वास तै ए परमेसवर के हुकम तार्हीं मानके, एक इसी जगहां लिकड़ गया, जो जगहां परमेसवर अब्राहम तार्हीं उसकी जायदाद के तौर पै देण अळा था, पर वो या कोनी जाणै था के वो कित्त जावै सै, अर वो फेर भी चला गया। - इब्रानियों 11:8

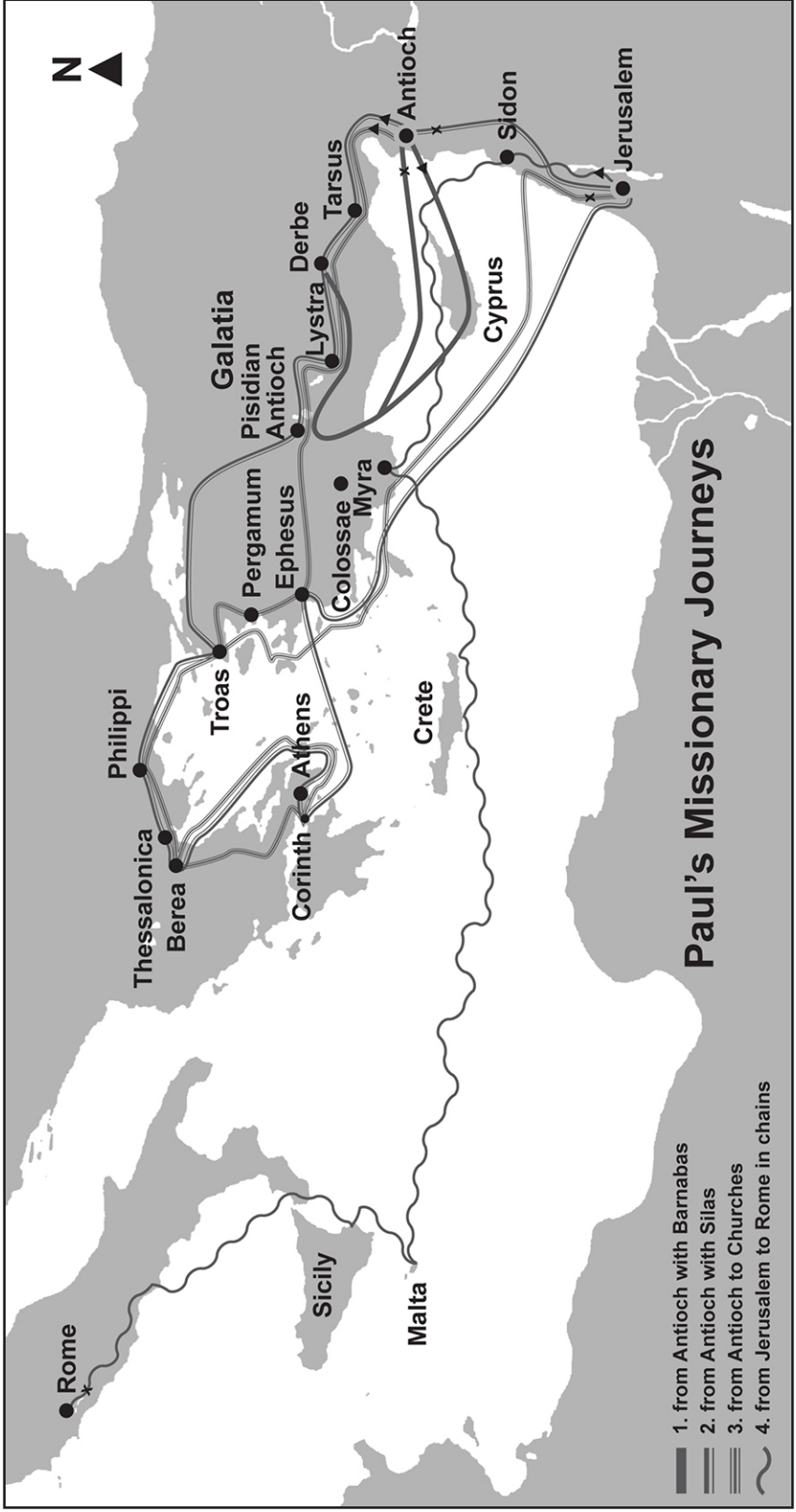
Israel's Exodus



"When Pharaoh had let the people go, God didn't lead them by the way of the land of the Philistines, although that was near, for God said, 'Lest perhaps the people change their minds when they see war, and they return to Egypt'" Exodus 13:17




क्यूँके मै माणस का बहुत ज्योतै कोनी आया के अपनी सेवा-पाणी करवाऊँ, पर ज्योतै आया के खुद सेवा-पाणी करूँ, अर घणखरयां के छुटकारे के खातर अपनी जान देऊँ। - मत्कुस 10:45



या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास सै अर परमेस्वर के जरिये प्रेरित होण के खातर चुण्या गया अर उसका सुसमाचार सुणाण खातर न्यारा करया गया सै। - रोमियों 1:1

Creation 4004 B.C.




Adam and Eve created	4004
Tubal-cain forges metal	3300
Enoch walks with God	3017
Methuselah dies at age 969	2349
God floods the Earth	2349
Tower of Babel thwarted	2247
Abraham sojourns to Canaan	1922
Jacob moves to Egypt	1706
Moses leads Exodus from Egypt	1491
Gideon judges Israel	1245
Ruth embraces the God of Israel	1168
David installed as King	1055
King Solomon builds the Temple	1018
Elijah defeats Baal's prophets	896
Jonah preaches to Nineveh	800
Assyrians conquer Israelites	721
King Josiah reforms Judah	630
Babylonians capture Judah	605
Persians conquer Babylonians	539
Cyrus frees Jews, rebuilds Temple	537
Nehemiah rebuilds the wall	454
Malachi prophesies the Messiah	416
Greeks conquer Persians	331
Seleucids conquer Greeks	312
Hebrew Bible translated to Greek	250
Maccabees defeat Seleucids	165
Romans subject Judea	63
Herod the Great rules Judea	37

(The Annals of the World, James Usher)

Jesus Christ born 4 B.C.

New Heavens and Earth



Christ returns for his people	1956
Jim Elliot martyrdom in Ecuador	1830
John Williams reaches Polynesia	1731
Zinzendorf leads Moravian mission	1614
Japanese kill 40,000 Christians	1572
Jesuits reach Mexico	1517
Martin Luther leads Reformation	1455
Gutenberg prints first Bible	1323
Franciscans reach Sumatra	1276
Ramon Llull trains missionaries	1100
Crusades tarnish the church	1054
The Great Schism	997
Adalbert martyrdom in Prussia	864
Bulgarian Prince Boris converts	716
Boniface reaches Germany	635
Alopen reaches China	569
Longinus reaches Alodia / Sudan	432
Saint Patrick reaches Ireland	397
Carthage ratifies Bible Canon	341
Ulfilas reaches Goth / Romania	325
Niceae proclaims God is Trinity	250
Denis reaches Paris, France	197
Tertullian writes Christian literature	70
Titus destroys the Jewish Temple	61
Paul imprisoned in Rome, Italy	52
Thomas reaches Malabar, India	39
Peter reaches Gentile Cornelius	33
Holy Spirit empowers the Church	33

(Wikipedia, Timeline of Christian missions)

Resurrected 33 A.D.

What are we? ▲	Genesis 1:26 - 2:3						Mankind is created in God's image, male and female He created us					
How are we sinful? ▲	Romans 5:12-19						Sin entered the world through Adam and then death through sin					
When are we? ▼												
Where are we? ▲	Innocence			Fallen			Glory					
	Eternity Past	Creation 4004 B.C.	Fall to sin No Law	Moses' Law 1500 B.C.	Christ 33 A.D.	Church Age Kingdom Age	New Heavens and Earth					
	John 10:30	Genesis 1:31	1 Timothy 6:16	John 1:14	John 14:17	Luke 23:43	Acts 3:21					
	God's perfect fellowship	God's perfect fellowship with Adam in The Garden of Eden	Living in unapproachable light	John 1:14 Incarnate	John 14:17 Living in believers	Paradise	Philippians 2:11					
							Revelation 20:3					
							God's perfectly restored fellowship with all Mankind praising Christ as Lord in the Holy City					
Who are we? ▲	Eternity Past			Genesis 1:1			Matthew 25:41			Revelation 20:10		
	John 10:30	Genesis 1:31	2 Peter 2:4, Jude 6	Imprisoned in Tartarus	Revelation 20:13	Thalaasa	Lake of Fire prepared for the Devil and his Angels					
	God's perfect fellowship	God's perfect fellowship with Adam in The Garden of Eden	Imprisoned	Imprisoned in Tartarus	Revelation 19:20	Lake of Fire						
Why are we? ▲	Romans 11:25-36, Ephesian 2:7						For God has bound all over to disobedience in order to show mercy to all					

Destiny

हरियाणवी at AionianBible.org/Destiny

The Aionian Bible shows the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of after-life destinies. The underlying Hebrew and Greek words typically translated as *Hell* show us that there are not just two after-life destinies, Heaven or Hell. Instead, there are a number of different locations, each with different purposes, different durations, and different inhabitants. Locations include 1) Old Testament *Sheol* and New Testament *Hadēs*, 2) *Geenna*, 3) *Tartarō*, 4) *Abyssos*, 5) *Limnē Pyr*, 6) *Paradise*, 7) *The New Heaven*, and 8) *The New Earth*. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The key observation is that fallen angels will be present at the final judgment, 2 Peter 2:4 and Jude 6. Traditionally, we understand the separation of the Sheep and the Goats at the final judgment to divide believing from unbelieving mankind, Matthew 25:31-46 and Revelation 20:11-15. However, the presence of fallen angels alternatively suggests that Jesus is separating redeemed mankind from the fallen angels. We do know that Jesus is the helper of mankind and not the helper of the Devil, Hebrews 2. We also know that Jesus has atoned for the sins of all mankind, both believer and unbeliever alike, 1 John 2:1-2. Deceased believers are rewarded in Paradise, Luke 23:43, while unbelievers are punished in Hades as the story of Lazarus makes plain, Luke 16:19-31. Yet less commonly known, the punishment of this selfish man and all unbelievers is before the final judgment, is temporal, and is punctuated when Hades is evacuated, Revelation 20:13. So is there hope beyond Hades for unbelieving mankind? Jesus promised, "*the gates of Hades will not prevail*," Matthew 16:18. Paul asks, "*Hades where is your victory?*" 1 Corinthians 15:55. John wrote, "*Hades gives up*," Revelation 20:13.

Jesus comforts us saying, "*Do not be afraid*," because he holds the keys to *unlock* death and Hades, Revelation 1:18. Yet too often our *Good News* sounds like a warning to "*be afraid*" because Jesus holds the keys to *lock* Hades! Wow, we have it backwards! Hades will be evacuated! And to guarantee hope, once emptied, Hades is thrown into the Lake of Fire, never needed again, Revelation 20:14.

Finally, we read that anyone whose name is not written in the Book of Life is thrown into the Lake of Fire, the second death, with no exit ever mentioned or promised, Revelation 21:1-8. So are those evacuated from Hades then, "*out of the frying pan, into the fire?*" Certainly, the Lake of Fire is the destiny of the Goats. But, do not be afraid. Instead, read the Bible's explicit mention of the purpose of the Lake of Fire and the identity of the Goats, "*Then he will say also to those on the left hand, 'Depart from me, you cursed, into the consummate fire which is prepared for... the devil and his angels,'"* Matthew 25:41. Bad news for the Devil. Good news for all mankind!

Faith is not a pen to write your own name in the Book of Life. Instead, faith is the glasses to see that the love of Christ for all mankind has already written our names in Heaven. Jesus said, "*You did not choose me, but I chose you*," John 15:16. Though unbelievers will suffer regrettable punishment in Hades, redeemed mankind will never enter the Lake of Fire, prepared for the devil and his angels. And as God promised, all mankind will worship Christ together forever, Philippians 2:9-11.



इस करके श्रम जाओ, सारी जातों के माणसां ताहीं चेल्ला बणाओ; अर उननै पित्त, पुत्र अर पवित्र आत्मा के नाम तै बपतिस्मा घो, - मती 28:19